

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नांकित कथनों पर विचार करें:

Consider the following statements :

I. केंस के अनुसार, आय बढ़ने के साथ, आय का अल्प अनुपात उपभोग पर व्यय किया जाता है।

I. According to Keynes, as income rises, lower proportion of income is spent on consumption.

II. कुजनेट्स के अनुसार, आय बढ़ने के साथ, बचत की औसत प्रवृत्ति स्थिर और सतत बनी रहती है ?

II. According to Kuznets, as incomes rise, the average propensity to save remains fairly stable and constant.

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं ?

Of the above which statement(s) are correct.

(1) I और II दोनों सही हैं। / Both I and II are true

(2) न तो I और न ही II सही हैं। / Neither I nor II are correct

(3) सिर्फ I सही है। / Only I is true

(4) सिर्फ II सही है। / Only II is true

उत्तर- (1)/व्याख्या/ I और II दोनों सही हैं।

I. केन्स के अनुसार, आय बढ़ने के साथ, आय का अल्प अनुपात उपभोग पर व्यय किया जाता है।

कीन्स का रुझान उपभोग के सम्बन्ध में उपभोग के मनोवैज्ञानिक नियम को दर्शाने में रहा जो बताता है कि जब आय में वृद्धि पाई जाती है तो उपभोग में भी वृद्धि होती है, किन्तु आय में वृद्धि से अपेक्षाकृत कम अनुपात में। अर्थात् आय और उपभोग में परिवर्तन गैर आनुपातिक होता है। गैर आनुपातिक उपभोग फलन का अर्थ है कि APC और MPC में समानता नहीं पाई जाती। आय बढ़ने पर APC, MPC से अधिक होती है। अन्य शब्दों में ज्यों-ज्यों आय में वृद्धि होती है MPC में गिरावट पाई जाती है।

1940 के बाद कीन्स के उपभोग फलन के सम्बन्ध में अनेक प्रत्यक्ष अध्ययन किए गए जो विभिन्न देशों के बजटों तथा काल श्रेणियों पर आधारित थे।

II. कुजनेट्स के अनुसार, आय बढ़ने के साथ, बचत की औसत प्रवृत्ति स्थिर व सतत बनी रहती है।

सन् 1946 में साइमन कुजनेट्स ने USA के 1869 से 1938 की अवधि में उपभोग तथा आय के आंकड़ों का अध्ययन किया जिसमें औसत उपभोग फलन को 0.9 आंका। कुजनेट्स इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि दीर्घकालीन औसत उपभोग प्रवृत्ति में नीचे की ओर जाने की प्रवृत्ति नहीं पाई जाती है। इस प्रकार दीर्घकालीन उपभोग फलन आनुपातिक उपभोग फलन होता है। अर्थात् उपभोग में वृद्धि (ΔC) और आय में वृद्धि (ΔY) के समान अनुपात में होती है। साइमन कुजनेट्स ने पाया कि ज्यों-ज्यों दीर्घकालीन प्रवृत्ति के साथ-साथ आय में वृद्धि हुई त्यों-त्यों MPC, APC के बराबर होती गई। कुजनेट्स के निष्कर्ष से यह सिद्ध होता है कि आय बढ़ने के साथ बचत की औसत प्रवृत्ति स्थिर व सतत बनी रहती है।

2. यदि आय (Y) के सभी स्तरों पर उपयोग की सीमांत प्रवृत्ति (MPC) उपभोग की औसत प्रवृत्ति (APC) के बराबर हो तो सही तत्संबंधी उपभोग (C) फलन होगा :

If Marginal Propensity to Consume (MPC) is equal to Average Propensity to Consume (APC) for all levels of income (Y), the correct corresponding consumption (C) function will be :

$$(1) C = a + bY \quad (2) C = a + \frac{b}{Y}$$

$$(3) C = bY \quad (4) C = bY^2$$

उत्तर- (3)/व्याख्या/ यदि आय (Y) के सभी स्तरों पर उपयोग की सीमांत प्रवृत्ति (MPC) उपभोग की औसत प्रवृत्ति (APC) के बराबर हो तो सही तत्संबंधी उपभोग (C) फलन होगा: $C = bY$

उपभोग फलन किसी अर्थव्यवस्था में आय और उपभोग के सम्बन्ध को प्रदर्शित करता है। जहाँ उपभोग आय पर निर्भर है।

$$C = F(Y)$$

जहाँ C= उपभोग, Y = आय

उपभोग फलन की संकल्पना को व्यवस्थित रूप से सर्वप्रथम कीन्स ने प्रस्तुत किया। कीन्स के उपभोग आय सम्बन्धों की व्याख्या औसत उपभोग प्रवृत्ति व सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति के माध्यम से की जा सकती है। औसत उपभोग प्रवृत्ति APC कुल आय और उपभोग के सम्बन्ध को दर्शाती है। यह कुल उपभोग और आय का अनुपात है।

$$APC = \frac{C}{Y}$$

जहाँ C= उपभोग, Y = आय, APC= औसत उपभोग प्रवृत्ति

सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति आय में एक इकाई वृद्धि के कारण उपभोग में होने वाले वृद्धि को प्रदर्शित करता है।

$$MPC = \frac{\Delta C}{\Delta Y}$$

चूँकि उपभोग में वृद्धि आय में वृद्धि से कम होती है अतः MPC का मान एक से कम होता है। अल्पकाल में MPC का मान स्थिर रहता है किन्तु दीर्घकाल में आय में वृद्धि के साथ इसमें गिरावट पाई जाती है।

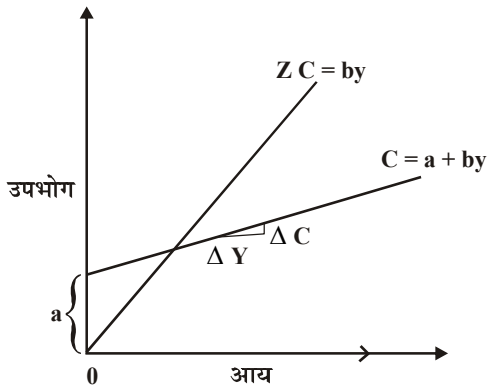
APC तथा MPC को निम्नलिखित उपभोग फलन से प्रदर्शित किया जा सकता है।

$$C = a + by$$

जहाँ,

C= उपभोग व्यय, a = स्वायत्त उपभोग, b = प्रेरित उपभोग (MPC),

y = आय स्तर



MPC (b) का मान जितना अधिक होगा प्रेरित उपभोग उतना ही अधिक होगा और चूंकि MPC उपभोग रेखा का ढाल है अतः MPC का मान अधिक होने पर उपभोग रेखा का ढाल भी अधिक होगा।

कुछ ऐसी स्थिति होगी जबकि उपभोग रेखा मूल बिन्दु से होकर जाती है। (चित्र में Z रेखा) ऐसी स्थिति में APC तथा MPC बराबर होगी। यहां APC व MPC स्थिर है। इस स्थिति में स्वायत्त उपभोग शून्य होगा जिससे उपभोग फलन होगा $C = by$

3. सरकार द्वारा अंतरण भुगतान, निवल घरेलू उत्पाद में शामिल नहीं किया जाता क्योंकि :

Transfer payments by the government are not included in the net domestic product because :

- (1) ये लाभार्थियों को सरकार द्वारा प्रदत्त उपहार होते हैं
These are gifts from the government to the recipients
- (2) वस्तुओं के रूप में इनकी गणना नहीं की जाती
They are not counted as commodities
- (3) उक्त भुगतानों की बराबरी करने के लिए वस्तुओं और सेवाओं का कोई तत्संबंधी उत्पादन नहीं हुआ है
No corresponding production of goods and services has taken place to match such payments
- (4) उक्त भुगतानों में निःसरण संभव है
There may be leakages in such payments

उत्तर- (3)/व्याख्या/ सरकार द्वारा अंतरण भुगतान, निवल घरेलू उत्पाद में शामिल नहीं किया जाता क्योंकि उक्त भुगतानों की बराबरी करने के लिए वस्तुओं व सेवाओं का कोई तत्संबंधी उत्पादन नहीं हुआ है।

जब भी राष्ट्रीय आय लेखांकन किया जाता है तो सरकार द्वारा किया गया हस्तांतरण भुगतान उसमें सम्मिलित नहीं किया जाता है। ऐसी आय या भुगतान जो नियोक्ता द्वारा कर्मचारी को कार्य के बदले (प्रसंविदा के अंतर्गत) नहीं दी जाती अथवा जिसके बदले नियोक्ता को कोई वस्तु या सेवा नहीं प्राप्त होती बल्कि नियोक्ता द्वारा स्वैच्छिक रूप से दी जाती है उसे हम हस्तांतरण आय कहते हैं। System of National accounting के अनुसार हस्तांतरण एक ऐसा

व्यवहार है जिसमें एक संस्थागत इकाई दूसरी इकाई को वस्तु या सेवा के बिना किसी प्रकार के प्रतिफल को प्रदान करती है। इसमें सेवानिवृत्त पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, शैक्षणिक सहायता आहार बेरोजगारी भत्ता आदि सम्मिलित है।

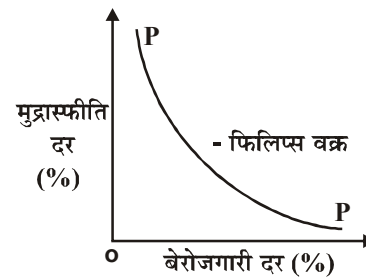
4. फिलिप्स वक्र निम्नांकित में से किसके मध्य संबंध स्थापित करता है :

Phillips curve sets up a relation between :

- (1) कर और मुद्रास्फीति/Taxes and inflation
- (2) मुद्रास्फीति और बेरोजगारी
Inflation and unemployment
- (3) मुद्रा आपूर्ति और कुल मांग
Money supply and aggregate demand
- (4) उत्पादन का मूल्य और लागत
Price and cost of production

उत्तर- (2)/व्याख्या/ फिलिप्स वक्र मुद्रा स्फीति और बेरोजगारी के मध्य संबंध स्थापित करता है।

फिलिप्स वक्र का प्रतिपादन 1958 में ब्रिटिश अर्थशास्त्री A.W. Phillips द्वारा किया गया। इसके लिए फिलिप्स ने बेरोजगारी की दर तथा मुद्रा मजदूरी की दर से सम्बन्धित ब्रिटेन के 1861 से 1957 की अवधि के आंकड़ों को एकत्र किया तथा इसके आधार पर निष्कर्ष दिया कि बेरोजगारी की दर व मुद्रास्फीति के मध्य विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है। इस सम्बन्ध को फिलिप्स ने वक्र के माध्यम से दर्शाया जिसे फिलिप्स वक्र कहते हैं।



चित्र में प्रस्तुत वक्र PP फिलिप्स वक्र है जो बेरोजगारी की दर व मुद्रास्फीति में सम्बन्ध को दर्शाता है।

5. यदि अर्थव्यवस्था सम्भावित जी.डी.पी. पर प्रचालित हो रही है तो मुद्रा आपूर्ति में बढ़ोत्तरी का परिणाम होगा :

If economy is operating at potential GDP, an increase in money supply will lead to :

- (1) अवसादी स्फीति / Stagflation
- (2) संरचनात्मक मुद्रा स्फीति / Structural inflation
- (3) मांगजन्य मुद्रा स्फीति / Demand-pull inflation
- (4) लागतजन्य मुद्रा स्फीति / Cost-push inflation

उत्तर- (3)/व्याख्या/ यदि अर्थव्यवस्था सम्भावित जी.डी.पी. पर प्रचालित हो रही है तो मुद्रा आपूर्ति में बढ़ोत्तरी का परिणाम होगा यदि अर्थव्यवस्था संभावित GDP (Potential GDP) पर कार्य कर रही है तो मुद्रा आपूर्ति में बढ़ोत्तरी से मांगजन्य मुद्रा स्फीति बढ़ेगी।

अर्थव्यवस्था के संभावित GDP में प्रचलित होने का अर्थ है कि संसाधनों का क्षमता से अधिक दोहन हो रहा है जिससे अर्थव्यवस्था पर स्फीतिकारी दबाव होगा। वस्तुओं व सेवाओं की तेजी से बढ़ती मांग के फलस्वरूप तेजी से बढ़ती मुद्रा की सक्रियता के कारण कीमतों में होने वाली वृद्धि को मांगजन्य मुद्रा स्फीति कहते हैं। इस स्थिति में समग्र मांग को प्रभावित करने वाले कारण प्रभावी रहते हैं और यदि ऐसी स्थिति में मुद्रा पूर्ति में वृद्धि की जाती है तो यह लोगों की मौद्रिक आय में वृद्धि करेगा जिससे अधिक मांग बढ़ेगी जिसका परिणाम मांगजन्य मुद्रा स्फीति होगा।

6. दीर्घ अवधि में, अस्थायी उपभोग :

In the long sum, the transitory consumption will :

- (1) अनंत होगा / Be infinity
- (2) अपरिवर्तित होगा / Remain unchanged
- (3) उसमें गिरावट होगी मगर वह धनात्मक बना रहेगा
Decline but will remain positive
- (4) शून्य होगा / Be zero

उत्तर- (4)/व्याख्या दीर्घ अवधि में, अस्थायी उपभोग शून्य होगा।

स्थायी आय परिकल्पना में उपभोग में स्थायी उपभोग व अस्थायी उपभोग में वर्गीकृत किया गया है जिसके प्रतिपादक फ्रीडमैन थे। फ्रीडमैन का मानना था कि उपभोक्ता के उपभोग को चालू आय (Current Income) नहीं अपितु स्थायी आय निर्धारित करती है जबकि अस्थायी उपभोग, अस्थायी आय का फलन है। अल्पकाल में अस्थायी आय तथा उपभोग धनात्मक व ऋणात्मक हो सकते हैं किन्तु दीर्घकाल में अस्थायी आय व अस्थायी उपभोग दोनों निरस्त हो जाते हैं।

7. केंस के अनुसार निवेश मांग निम्नांकित में से किन दो कारकों पर निर्भर करती है ?

According to Keynes, investment demand depends on which of the following two factors?

- (a) ब्याज दर / Rate of interest
- (b) उपभोक्ता की आय / Income of the consumer
- (c) पूंजी की सीमांत कुशलता / Marginal efficiency of capital
- (d) उपभोग की सीमांत प्रवृत्ति / Marginal propensity to consume

Answer from the codes below :

- (1) (a) और (d) (2) (b) और (d)
- (3) (a) और (c) (4) (c) और (d)

उत्तर- (3)/व्याख्या केंस के अनुसार निवेश मांग ब्याज दर, पूंजी की सीमांत कुशलता पर निर्भर करती है।

कीन्सियन विश्लेषण में आय व रोजगार के निर्धारण में मुख्यतः उपभोग और निवेश की भूमिका प्रमुख रहती है। निवेश से कीन्स का तात्पर्य नए निवेश से है। निवेश का सम्बन्ध उस वास्तविक पूंजी से है जो पूंजी स्टॉक में वृद्धि करती है। कीन्स ने निवेश के अंतर्गत नये प्लांट, बाँध, सड़क निर्माण, बिल्डिंग निर्माण, सार्वजनिक निर्माण कार्य, शुद्ध विदेशी निवेश, कम्पनियों के नये स्टॉक एवं शेयर

इत्यादि शामिल है। इस प्रकार वास्तविक पूंजी परिसम्पत्तियों का उत्पादन या प्राप्ति निवेश होता है।

$$I = \Delta K$$

जहाँ I - निवेश, ΔK - पूंजी स्टॉक में वृद्धि

केन्स के अनुसार निवेश को निर्धारित करने में, पूंजी की सीमान्त उत्पादकता (Marginal Efficiency of Capital) व ब्याज दर (Interest rate) उत्तरदायी होते हैं। निवेशक निवेश करने के लिए पूंजी की सीमांत उत्पादकता की तुलना, बाजार ब्याज दर (r) से करता है। यदि पूंजी की सीमांत उत्पादकता का मान ब्याज दर से अधिक है तभी विनियोग करना लाभप्रद होगा और यदि यह कम है तो विनियोग नहीं होगा।

पूंजी की सीमांत उत्पादकता - पूंजी की सीमान्त उत्पादकता किसी पूंजी परिसम्पत्ति की सम्पूर्ण जीवन अवधि के दौरान इससे प्राप्त वार्षिक प्रतिफल की दर है। उदाहरण के लिए यदि किसी पूंजी परिसम्पत्ति की पूर्ति कीमत 20,000 ₹ है तथा इस पर वार्षिक प्रतिफल 2000 ₹ है तो

इस परिसम्पत्ति की सीमान्त उत्पादकता (MEC)

$$\frac{2000}{20,000} \times 100 = 10\% \text{ होगी।}$$

सांकेतिक रूप में इसे निम्न रूप में व्यक्त किया जा सकता है -

$$P.V. = \frac{R_1}{(1+r)} + \frac{R_2}{(1+r)^2} + \frac{R_3}{(1+r)^3} + \dots + \frac{R_n}{(1+r)^n}$$

8. मांग फलन $D = P(p)$ और आपूर्ति फलन $S = S(p)$ के लिए मांग आधिक्य निम्न में से किस दशा में बाजार संतुलन सुनिश्चित करता है।

For the demand function $D = P(p)$ and supply function $s = s(p)$, the excess demand brings about market equilibrium in which of the following situations?

- (1) $\frac{dE(p)}{dp} > 0$ (2) $\frac{dE(p)}{dp} < 0$
- (3) $\frac{dE(p)}{dp} = 0$ (4) $\frac{dE(p)}{dp} = \infty$

उत्तर- (2)/व्याख्या $\frac{dE(p)}{dp} < 0$

मांग फलन $D = f(p)$ और आपूर्ति फलन $S = F(p)$ के लिए यदि मांग आधिक्य है जिसका अर्थ है कि किसी निश्चित कीमत पर पूर्ति की तुलना में मांग अधिक है तो $\frac{dE(p)}{dp} < 0$ की दशा में बाजार में संतुलन स्थापित होगा।

9. निम्नांकित कथनों पर विचार कीजिए :

Consider the following statements.

- (a) एक उत्पादक द्वारा लाभ महत्तमीकरण
Profit maximization by a producer.
- (b) कूर्नो का द्वैताधिकार साम्य
Cournots' duopoly equilibrium.

इनमें से कौन नैश साम्य का उपयुक्त उदाहरण है ? नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनें :

Which of these are appropriate examples of Nash equilibrium? Answer from the code below :

- (1) सिर्फ (a) (2) सिर्फ (b)
(3) (a) और (b) दोनों (4) न तो (a) और न ही (b)

उत्तर- (2)/व्याख्या/ कूर्नों का द्वैताधिकार साम्य नैश साम्य का उपयुक्त उदाहरण है।

यदि खेल सिद्धान्त में किसी खेल में अथवा द्वयाधिकार की स्थिति में जहां किसी वस्तु के मात्र दो उत्पादक हैं तब इन दोनों के पास उत्पादन, कीमत निर्धारण के सम्बन्ध में ब्यूह नीतियां होगी। नैश का संतुलन वहां पाया जाएगा जहां A उत्पादक के पास, B उत्पादक की ब्यूह नीति दी होने पर, एक ऐसी अनुकूलतम ब्यूह नीति होगी जो उसे सबसे उत्तम परिणाम प्रदान करेगी तथा यदि A उत्पादक इस ब्यूह नीति से हटता है तो उसे अवश्य ही नुकसान होगा। यही दशा B के सम्बन्ध में होगी।

वास्तव में जब कोई द्वयाधिकारी निर्णय लेता है तो उसे अपने विरोधी के सम्बन्ध में कोई ज्ञान नहीं होता। द्वयाधिकार तथा अल्पाधिकारी बाजार में अनिश्चितता की स्थिति में निर्णय लिए जाते हैं पर प्रत्येक उत्पादक की दूसरे के सम्बन्ध में कुछ प्रत्याशाएं होती हैं। नैश के संतुलन का आकलन प्रत्याशाओं के आधार पर होता है।

		Player - B	
		Left	Right
Player - A	Top	2.1	0.0
	Bottom	0.0	1.2

उपरोक्त सारणी में ब्यूह नीति (Top left) नैश के संतुलन को दर्शाती है। इसको सिद्ध करने के लिए, यदि A-top चुनने का सोचता है तो B के लिए यही बेहतर होगा कि वह left चुनकर 1 Pay-off प्राप्त करे क्योंकि यदि A के top पर, B Right चुनता तो उसका Pay-off शून्य हो जाता।

यदि B पहले left चुनता है तो A के लिए optimum choice top चुनना ही होगा। इस प्रकार दोनों अन्य के अनुकूलतम चुनाव दिए होने पर अपने लिए अनुकूलतम ब्यूह नीति का चुनाव करेंगे।

नैश के संतुलन का सामान्यीकरण कूर्नों के द्वयाधिकारी मॉडल में प्राप्त होता है। जहां फर्म एक दूसरे से क्रिया प्रतिक्रिया करती हैं और प्रत्येक फर्म अपने उत्पादन स्तर का निर्धारण दूसरे से उत्पादन स्तर के दिए होने पर करती है। कूर्नों संतुलन वहां प्राप्त होता है जहां प्रत्येक फर्म अन्य फर्म के व्यवहार के दिए होने पर अपना लाभ अधिकतम करती है। स्टेकलबर्ग का मॉडल भी नैश के संतुलन को दर्शाता है।

10. निम्नांकित में से किस बाजार स्थितियों/स्वरूपों में फर्म अपने लाभ का महत्तमीकरण कर पाते हैं ?

In which of the following market situations/froms firms are able to maximise profits?

- (1) मूल्य नेतृत्व / Price leadership
(2) कार्टेल (Cartel)
(3) विकृचन बिंदु / At the kink point
(4) एकाधिकारवादी प्रतिस्पर्धा / Monopolistic competition

उत्तर- (4)/व्याख्या/ एकाधिकारवादी प्रतिस्पर्धा (Monopolistic competition) में फर्म अपने लाभ का महत्तमीकरण कर पाते हैं।

पूर्ण प्रतियोगिता तथा शुद्ध एकाधिकार बाजार की दो चरम सीमाएं हैं जिनके बीच बाजार के रूप में ऐसी अनेक किस्में हैं जो एकाधिकार और प्रतियोगिता के अंशों में भिन्न-भिन्न हैं। इनमें से एक स्थिति को प्रो० इ० एस० चैम्बरलिन ने एकाधिकारिक प्रतियोगिता तथा श्रीमती जॉन रॉबिन्सन ने अपूर्ण प्रतियोगिता कहा। यह बाजार का ऐसा रूप है जिसमें एकाधिकार व प्रतियोगिता दोनों के अंश पाए जाते हैं और यह पदार्थ विभेदीकरण के कारण होता है जबकि प्रतियोगिता का अंश इन पदार्थों के आपस में निकट स्थानापन्न होने के कारण है।

एकाधिकारिक प्रतियोगिता में फर्म का संतुलन लाभ अधिकतमीकरण के स्तर पर होता है जहां अधिकतम लाभ की स्थिति दो शर्तों के पूर्ण होने पर प्राप्त होती है।

i. $MR = MC$ - आवश्यक शर्त

ii. MC का ढाल $> MR$ का ढाल - पूरक शर्त

कीमत नेतृत्व तथा कार्टेल संधि सहित अल्पाधिकार के उदाहरण है जो संयुक्त अधिकतम लाभ प्रदान करते हैं।

11. मजदूरी के निर्धारण में निम्नांकित कारकों पर विचार करें :

Consider the following factors in determination of wage :

(a) श्रम की मांग और आपूर्ति

Demand for and supply of labour

(b) श्रम की एम.आर.पी. = सीमांत मजदूरी

MRP of labour = Marginal wage

(c) श्रम की एम.आर.पी. = श्रम की औसत उत्पादकता

MRP of labour = Average productivity of labour

(d) एम.आर.पी. = औसत मजदूरी/ MRP = Average wage

उपरोक्त में से कौन सत्य है ? नीचे दिए गए कूटों में से उत्तर दें :

Which of the above are true? Answer from the code below :

(1) (a) और (b) (2) (c) और (d)

(3) (a) और (c) (4) (a) और (d)

उत्तर- (1)/व्याख्या/ a और b दोनों सत्य हैं।

a. श्रम की मांग और आपूर्ति

b. श्रम की एम.आर.पी. = सीमांत मजदूरी

कुल उत्पादन का वह भाग जो मजदूर को उत्पादन की क्रिया में उसकी सेवाओं के लिए दिया जाता है उसे मजदूरी कहा जाता है। यह श्रम के त्याग का प्रतिफल है। मजदूरी के सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त के अनुसार किसी मजदूर की मजदूरी उसकी सीमांत उत्पादकता के आधार पर निर्धारित होती है। प्रत्येक उत्पादक किसी भी श्रमिक को मजदूरी उसके सीमांत उत्पादन से अधिक नहीं देगा। इसके साथ ही कोई फर्म श्रमिकों की नियुक्ति उस बिन्दु तक करता है जहां मजदूर की सीमांत उत्पादकता का मूल्य, उसके द्वारा उत्पादित वस्तु से प्राप्त सीमांत आगम के बराबर हो। अतः

मजदूरी

= सीमांत आगम उत्पादकता Marginal Revenue Product (MRP)

= सीमांत उत्पादकता का मूल्य (VMP)

बाजार में मजदूरी का निर्धारण मांग एवं पूर्ति की शक्तियों द्वारा होगा। तथा नियोजित उस मजदूरी दर को स्वीकार करेगा जहाँ श्रम की MRP = सीमांत मजदूरी।

12. दोनों अक्षों को स्पर्श कर रहे एक सीधी रेखा वाले मांग वक्र के संदर्भ में निम्नांकित में से कौन सत्य है ? मांग लोचदार है।

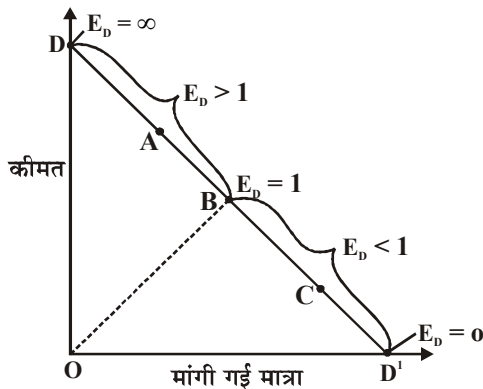
In the context of a straight line demand curve touching both the axes, which one of the following is correct? The demand is elastic

- (1) मध्य बिंदु के नीचे/below the mid-point
- (2) मध्य बिंदु के ऊपर/above the mid-point
- (3) वक्र के मध्य बिंदु पर/at the mid-point of the curve
- (4) संपूर्ण मांग वक्र की लंबाई पर

Throughout the length of the demand curve

उत्तर- (*)/व्याख्या/ Note - यद्यपि प्रश्न का विकल्प क्र० 2 सही

उत्तर है तथापि अंतिम उत्तर कुंजी में प्रश्न को हटा दिया गया था। दोनों अक्षों को स्पर्श कर रहे एक सीधी रेखा वाले मांग वक्र में सभी बिन्दुओं से निर्मित मांग वक्र का ढाल समान होता है लेकिन मध्य बिन्दु में मांग वक्र इकाई लोचदार होता है व मध्य बिन्दु से ज्यों-ज्यों ऊपर की ओर बढ़ा जाता है मांग की लोच बढ़ती जाती है व नीचे की ओर मांग की लोच घटती जाती है।



चित्र में मध्य बिन्दु B के ऊपर मांग वक्र लोचदार है।

13. स्लटस्की समीकरण का संबंध निम्न में से किसके अपघटन से संबंधित है :

Slutsky equation deals with decomposition of :

- (1) मूल्य प्रभाव को प्रतिस्थापन और आय प्रभावों में
Price effect into substitution and income effects
- (2) वस्तुओं को उत्कृष्ट और निकृष्ट वस्तुओं में
Goods into superior and inferior goods
- (3) वस्तुओं को आवश्यकताओं और विलासिता में
Goods into necessities and luxuries
- (4) उपभोक्ता और उत्पादन अधिशेष
Consumer and producer surplus

उत्तर- (1)/व्याख्या/ मूल्य प्रभाव को प्रतिस्थापन और आय प्रभावों में

मूल्य प्रभाव को प्रतिस्थापन और आय प्रभावों में अपघटन सामान्यतः निम्नलिखित संबंध के माध्यम से व्यक्त किया जाता है -

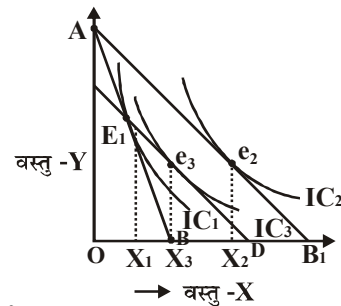
$$\frac{\partial q_1}{\partial p_1} = \left[\frac{\partial q_1}{\partial p_1} \right]_{u=u^0} + (-) \left[q_1 \frac{\partial q_1}{\partial y} \right]$$

मूल्य प्रभाव = प्रतिस्थापन प्रभाव + आय प्रभाव

अन्य कारकों के स्थिर रहते हुए किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन का मांग पर पड़ने वाला प्रभाव कीमत प्रभाव कहलाता है। किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन से जहाँ एक ओर उपभोक्ता की वास्तविक आय परिवर्तित होती है वहीं दूसरी ओर वस्तु की सापेक्ष कीमत में भी परिवर्तन पाया जाता है। ये दोनों परिवर्तन वस्तु की मांग को प्रभावित करते हैं।

वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने से उपभोक्ता की वास्तविक आय में हुए परिवर्तन के कारण वस्तु की मांग पर पड़ने वाले प्रभाव को आय प्रभाव कहते हैं। इसी प्रकार वस्तु की कीमत में परिवर्तन के कारण, वस्तु की सापेक्ष कीमत में हुए परिवर्तन का, वस्तु की मांग पर पड़ने वाला प्रभाव प्रतिस्थापन प्रभाव (Substitution effect) कहलाता है।

स्लटस्की ने कीमत प्रभाव से आय प्रभाव तथा प्रतिस्थापन प्रभाव को अलग करने के लिए लागत अन्तर का प्रयोग किया। लागत अन्तर के बराबर आय में परिवर्तन किसी वस्तु की वह मात्रा है जो पूर्व कीमत पर उस वस्तु की क्रय की जा रही मात्रा की लागत तथा नयी कीमत पर उस वस्तु की क्रय की गयी उसी मात्रा में अन्तर के बराबर होती है। इस प्रकार लागत अन्तर के बराबर उपभोक्ता की आय में परिवर्तन से आय प्रभाव नष्ट हो जाता है और उपभोक्ता अपनी पूर्व क्रय शक्ति की स्थिति में आ जाता है। इसे चित्र से दर्शाया गया है -



$X_1 Y_2$ = कीमत प्रभाव

$X_1 Y_3$ = प्रतिस्थापन प्रभाव

$X_3 Y_2$ = आय प्रभाव

उपर्युक्त चित्र में वस्तु X तथा वस्तु Y की दी हुई कीमत पर माना कि उपभोक्ता की आरम्भिक बजट रेखा AB है। यहाँ E_1 पर संतुलन प्राप्त है। अब यदि X वस्तु की कीमत घट जाती है जिससे बजट रेखा AB_1 हो जाती है। यहाँ E_2 पर संतुलन प्राप्त है।

यहाँ वस्तु X की कीमत में कमी आने से वस्तु X की मांग में वृद्धि $X_1 X_3$ मात्रा के बराबर है जो कीमत प्रभाव है।

कीमत प्रभाव से प्रतिस्थापन प्रभाव व आय प्रभाव ज्ञात करने हेतु स्लटस्की ने लागत अन्तर का प्रयोग किया। स्लटस्की द्वारा प्रयुक्त विधि हिक्स से श्रेष्ठ मानी जाती है। स्लटस्की के अनुसार

$AC = P_{X_1} \cdot O_{X_1} - P_{X_2} \cdot O_{X_1}$
जहाँ $P_{X_1} - x$ की पूर्व कीमत
 $P_{X_2} - x$ की नयी कीमत
 O_{X_1} - क्रय की पूर्व कीमत
उपभोक्ता से AC के बराबर मौद्रिक आय वापस लिए जाने से
उपभोक्ता CD बजट रेखा पर वापस आ जाता है जो नयी बजट
रेखा AB' के समान्तर है।

- 14. एक विभेदात्मक एकाधिकारवादी बाजार में उच्चतर मूल्य आरोपित करेगा जिसमें :**
A discriminating monopolist will charge a higher price in the market in which the price elasticity of :
- (1) मांग की मूल्य लोच ज्यादा होगी / demand is greater
 - (2) आपूर्ति की मूल्य लोच कम होगी / supply is smaller
 - (3) आपूर्ति की मूल्य लोच ज्यादा होगी / supply is greater
 - (4) मांग की मूल्य लोच कम होगी / demand is smaller

उत्तर- (4)/व्याख्या/ एक विभेदात्मक एकाधिकारवादी बाजार में उच्चतर मूल्य आरोपित करेगा जिसमें मांग की मूल्य लोच कम होगी।

एकाधिकार एक ऐसी स्थिति है जहाँ किसी वस्तु का अकेला उत्पादक तथा विक्रेता होता है। कीमत विभेदीकरण एकाधिकारी बाजार की एक प्रमुख विशेषता है जिसके अंतर्गत एकाधिकारी बाजार के विभिन्न भागों में वस्तु की भिन्न-भिन्न कीमत वसूलता है। विभेदात्मक मूल्य तभी संभव है जब मांग की लोच अलग-अलग बाजारों में अलग-अलग हो तथा बाजारों के मध्य पर्याप्त दूरी हो। एकाधिकारवादी बाजार में प्रति इकाई अधिक मूल्य निर्धारित करते हैं जहाँ मांग लोचरहित (कम) हो तथा जहाँ लोच अधिक होती है वहाँ प्रति इकाई कीमत अधिक पाई जाती है।

- 15. समावेशी विकास का लक्ष्य प्रथम बार भारत की किस योजना में दिया गया है ?**
Inclusive growth objective was given for the first time in which Plan of India ?
- (1) नवीं पंच वर्षीय योजना / 9th Five Year Plan
 - (2) दसवीं पंच वर्षीय योजना / 10th Five Year Plan
 - (3) ग्यारहवीं पंच वर्षीय योजना / 11th Five Year Plan
 - (4) बारहवीं पंच वर्षीय योजना / 12th five Year Plan

उत्तर- (3)/व्याख्या/ समावेशी विकास का लक्ष्य प्रथम बार भारत की ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में दिया गया।
ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल 2007 से 2012 तक रहा। इसमें व्यापक तथा समावेशी विकास की अवधारणा को प्रथम बार रखा गया। इसके बाद 12 वीं योजना में तीव्र, अधिक समावेशी एवं सतत् वृद्धि लक्ष्य रखा गया।

- 16. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर का चयन करें :**

Match List - I with List - II and select the correct answer from the codes given below :

सूची - I	सूची-II
(a) पृष्ठगामी और अग्रगामी श्रृंखलाएं Backward and Forward linkages	(i) वॉन न्यूमॉन मॉडल Von Neumann model
(b) टर्नपाइक प्रमेय Turnpike theorem	(ii) असंतुलित विकास Unbalanced growth
(c) पूंजी की जैविक संरचना Organic composition of capital	(iii) मार्क्सवादी मॉडल Marxian model
(d) ए.के. उत्पादन फलन A. K. Production Function	(iv) अंतर्जात संवृद्धि मॉडल Endogenous growth model

कूट:

(a)	(b)	(c)	(d)
(1) (i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2) (iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3) (ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4) (ii)	(iv)	(iii)	(i)

उत्तर- (3)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची -I	सूची -II
a. पृष्ठगामी और अग्रगामी श्रृंखलाएं	ii. असंतुलित विकास
b. टर्नपाइक प्रमेय	i. वॉन न्यूमॉन मॉडल
c. पूंजी की जैविक संरचना	iii. मार्क्सवादी मॉडल
d. ए.के.उत्पादन फलन	iv. अंतर्जात संवृद्धि मॉडल

असंतुलित वृद्धि सिद्धान्त (Unbalanced Growth Theory)

असंतुलित वृद्धि सिद्धान्त के अनुसार अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में एक साथ निवेश न करके कुछ क्षेत्रों में ही सर्वप्रथम निवेश करना चाहिए क्योंकि अल्पविकसित देशों में संसाधनों का अभाव होता है जिस कारण चुने हुए क्षेत्रों में निवेश के माध्यम से विकास किया जा सकता है। इससे अर्थव्यवस्था संतुलित वृद्धि की ओर बढ़ेगी। विभिन्न अर्थशास्त्रियों जैसे **सिंगर, किंडलबर्गर, स्टीनर** आदि असंतुलित वृद्धि में अपना मत प्रकट करते हैं जो वास्तव में संतुलित वृद्धि की अलोचना है। परन्तु **रोस्टोव** तथा **हर्षमैन** सुनिश्चित ढंग से असंतुलित वृद्धि के सिद्धान्त का प्रतिपादन करते हैं।

टर्नपाइक प्रमेय (Turnpike Theorem)

टर्नपाइक प्रमेय प्रारंभिक और अंतिम स्तरों के आधार पर आर्थिक व्यवस्था में संचय के इष्टतम पथ (पूंजी संचय) के बारे में आर्थिक सिद्धान्तों के एक सेट को संदर्भित करता है।

पूंजी की जैविक संरचना (Organic Composition of capital)

मार्क्स ने अपने आर्थिक संवृद्धि के सिद्धान्त में पूंजी को दो भागों में विभक्त किया -

i. स्थिर पूंजी

ii. परिवर्ती पूंजी

स्टॉक व कच्चे माल या उपकरण में निवेश पूंजी को, जो श्रम की उत्पादकता बढ़ाने में प्रत्यक्ष रूप से सहायक होती है, मार्क्स ने स्थिर पूंजी (c) कहता है। वही मजदूरी या प्रत्यक्ष निर्वाह के रूप में श्रम शक्ति को खरीदने में लगी पूंजी को वह परिवर्ती पूंजी (v) कहता है। परिवर्ती पूंजी ही अतिरिक्त मूल्य का प्रमुख स्रोत है। अतिरिक्त मूल्य को यदि S द्वारा दिखाया जाए तो वस्तु का कुल मूल्य होगा -

स्थिर पूंजी (c) + परिवर्ती पूंजी (v) + अतिरिक्त मूल्य या (c+v)+s। जिसमें स्थिर पूंजी का परिवर्ती पूंजी से अनुपात c/v 'पूंजी' की संगठित संरचना कहलाता है।

A.K उत्पादन फलन

A.K उत्पादन फलन अंतर्जात संवृद्धि मॉडल के AK मॉडल से आया है जिसमें उत्पादन फलन होगा $Y=AK$ जहां **Y कुल उत्पादन**, A तकनीकी अथवा कुशलता गुणांक तथा K पूंजी को दर्शाता है। पूंजी में मानवीय पूंजी तथा भौतिक पूंजी दोनों समाहित है। AK मॉडल अनुमान लगाता है कि देश का दीर्घकालीन विकास आर्थिक कारकों जैसे बचतों और संसाधनों के बटवारे की कुशलता पर निर्भर करता है।

17. भारत के मानव विकास सूचकांक के गठन में निम्न में से किन परिवर्तियों/कारकों का उपयोग किया जाता है ?

Which among the following variables/factors are used in Constructing Human Development Index of India?

(a) जन्म के समय जीवन प्रत्याशा

Life expectancy at birth

(b) वास्तविक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद (GDP)

Real GDP per capita

(c) रोगग्रस्तता / Morbidity

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें :

Select the correct answer from the codes given below :

(1) उपराक्त तीनों (2) (a) और (b)

(3) (b) और (c) (4) (a) और (c)

उत्तर- (2)/व्याख्या भारत के मानव विकास सूचकांक के गठन में a और b परिवर्तियों का उपयोग किया जाता है।

मानव विकास सूचकांक को **HDI** - 1996 में प्रारम्भ किया गया। यह सूचकांक तीन चरों पर आधारित है -

i. **स्वास्थ्य** - जिसे हम जन्म के समय आयु प्रत्याशा (life expectancy) से नापते हैं क्योंकि अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं जीवन प्रत्याशा को बढ़ाती हैं।

ii. **ज्ञान व शिक्षा** - पहले सकल नामांकन लिया जाता था अब स्कूल में बिताए जाने वाले औसत वर्ष व प्रत्याशित वर्ष को लिया जाता है।

iii. **रहन सहन का स्तर** - इसे नापने के लिए पहले क्रय शक्ति समायोजित प्रतिव्यक्ति GDP को लिया जाता था। **HDI-2015** में इसे क्रय शक्ति समायोजित प्रति व्यक्ति GNP कर दिया गया।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि **HDI** तीन सूचकांकों जीवन प्रत्याशा सूचकांक (I_{Life}), शिक्षा सूचकांक (I_{edu}), GNI सूचकांक (I_{GNI}) का समग्रित सूचकांक या औसत सूचकांक है।

18. भारत में आर्थिक संवृद्धि के एल.पी.जी. मॉडल के प्रवर्तन का श्रेय निम्न में से किसे दिया जाता है ?

Which of the following is credited with introduction of LPG model of economic development in India?

(1) डॉ. सी रंगराजन/Dr. C. Rangarajan

(2) डॉ. मोंटेक सिंह अहलूवालिया

Dr. Montek Singh Ahluwalia

(3) डॉ. अमर्त्य सेन / Dr. Amartya Sen

(4) डॉ. मनमोहन सिंह / Dr. Manmohan Singh

उत्तर- (4)/व्याख्या भारत में आर्थिक संवृद्धि के एल.पी.जी. मॉडल के प्रवर्तन का श्रेय **डा० मनमोहन सिंह** को दिया जाता है।

भारत में 1991 में लागू किए गए आर्थिक सुधारों का LPG मॉडल का नाम दिया गया जिसे नरसिम्हा राव की सरकार में तत्कालीन वित्तमंत्री डा० मनमोहन सिंह ने लागू किया। LPG का अर्थ है Librelization (उदारीकरण) Privatization (निजीकरण) तथा Glo-balization (वैश्वीकरण)।

19. बढ़ती शहरी रोजगार के परिप्रेक्ष्य में ग्रामीण- शहरी पलायन से संबंधित विरोधाभास की निम्न से कौन-सा मॉडल व्याख्या करता है ?

Which one of the following models explains the paradox pertaining to rural-urban migration in the context of rising urban employment?

(1) सोलो मॉडल / Solow model

(2) लेविस मॉडल / Lewis model

(3) वकील और ब्रह्मानंद मॉडल

Vakil and Brahmanand model

(4) टोडरो मॉडल / Todaro model

उत्तर- (4)/व्याख्या बढ़ती शहरी रोजगार के परिप्रेक्ष्य में ग्रामीण-शहरी पलायन से संबंधित विरोधाभास की **हैरिस टोडरो मॉडल** व्याख्या करता है।

हैरिस टोडरो मॉडल विकासशील देशों में बढ़ती शहरी बेरोजगारी तथा ग्रामीण-शहरी पलायन की समस्याओं का सामना करते हुए ऊष्ण कटिबंधीय अफ्रीका के अनुभवों पर आधारित है। श्रम पलायन का कारण औसत प्रत्याशित मजदूरी में ग्राम शहरी अंतर है।

ग्रामीण-शहरी पलायन में उत्तरदायी कारकों को 'पुश' और 'पुल' कारकों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। पुश फैक्टर्स वे कारक हैं जो लोगों को अपने स्थान छोड़ने के लिए मजबूर करते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी और बेरोजगारी की प्रचंडता, मूलभूत सुविधाओं का अभाव, विकास परियोजनाओं के कारक विस्थापन, प्राकृतिक आपदाएँ, सामाजिक एवं धार्मिक संघर्ष मुख्य पुश फैक्टर्स हो सकते हैं। इसी प्रकार बेहतर आय और रोजगार के अवसर, बेहतर स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाएँ, बेहतर बुनियादी संरचना और शहरी क्षेत्रों में सुविधाएँ ग्रामीण-शहरी पलायन के मुख्य पुल फैक्टर्स हैं।

हैरिस टोडरो का सुझाव था कि ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित हो तथा न्यूनतम मजदूरी तय की जाय।

20. संवृद्धि हैरोड मॉडल में यदि वांछित संवृद्धि दर संवृद्धि की प्राकृतिक दर से नीचे हो तो निम्न में से किस प्रकार से स्थिर अवस्था संवृद्धि को बरकरार रखा जा सकता है :

In Harrod model of growth, if warranted rate of growth is below the natural rate of growth then it is possible to maintain steady state growth with :

- (1) सतत बढ़ती हुई बेरोजगारी
Continuously increasing unemployment
- (2) बेरोजगारी की स्थिर दर
A constant rate of unemployment
- (3) सतत घटती हुई बेरोजगारी
Continuously decreasing unemployment
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above

उत्तर- (1)/व्याख्या/ संवृद्धि के हैरोड मॉडल में यदि वांछित संवृद्धि दर संवृद्धि की प्राकृतिक दर से नीचे हो तो सतत बढ़ती हुई बेरोजगारी से स्थिर अवस्था संवृद्धि को बरकरार रखा जा सकता है। प्रो० हैरोड ने अपने मॉडल में यह दर्शाने का प्रयास किया कि किस प्रकार अर्थव्यवस्था में सतत (अर्थात् संतुलित) वृद्धि पाई जाती है और जब एक बार सतत वृद्धि में बाधा पड़ जाती है और अर्थव्यवस्था असन्तुलन में आ जाती है तो संचयी शक्तियां इस विचलन को बनाए रखने में लगी रहती हैं जिससे दीर्घकालीन स्फीति या अवस्फीति हो सकती है।

हैरोड का मॉडल वृद्धि की तीन दरों पर आधारित है -

- i. G - द्वारा व्यक्त वास्तविक संवृद्धि दर जिसे बचत अनुपात व पूंजी उत्पाद/अनुपात निर्धारित करते हैं। यह वृद्धि दर अल्पकालीन चक्रीय परिवर्तनों को प्रकट करती है।
- ii. G_w - द्वारा व्यक्त अभीष्ट वृद्धि दर, जो किसी अर्थव्यवस्था की आय की पूर्ण क्षमता वृद्धि दर होती है।
- iii. G_n - द्वारा व्यक्त सहज या प्राकृतिक दर है जिसे हैरोड मॉडल 'कल्याण इष्टतम' मानता है। इसे पूर्ण रोजगार दर भी कहते हैं। पूर्ण रोजगार सन्तुलन के लिए वास्तविक वृद्धि दर (G) और अभीष्ट वृद्धि दर (G_w) अवश्य बराबर होना चाहिए और वास्तविक पूंजी पदार्थ (c) इच्छित पूंजी पदार्थ (c_r) के बराबर अवश्य होना चाहिए तभी सतत वृद्धि सम्भव है।

यदि G , G_w के बराबर नहीं हैं तो कई स्थितियां उत्पन्न होगी जैसे -

- i. $G > G_w$ - ऐसी दशा दीर्घकालीन स्फीति लाती है क्योंकि आय में वृद्धि, उत्पादन में वृद्धि से अधिक होती है।
- ii. $G < G_w$ - दीर्घकालीन अवस्फीति, बचतें निवेश से अधिक होगी। सहज संवृद्धि या प्राकृतिक संवृद्धि दर वृद्धि की प्राकृतिक दर समष्टि चरों पर निर्भर करती है जैसे कि जनसंख्या, प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक साधन तथा पूंजी उपकरण। इसे 'वृद्धि की पूर्ण रोजगार दर' अथवा 'वृद्धि की सामान्य दर' कहा जा सकता है। यह बढ़ती हुई जनसंख्या और प्रौद्योगिकीय प्रगति द्वारा निर्धारित पूर्ण रोजगार उत्पादन में वृद्धि की दर है।

$$G_n, C_r = \text{or } \neq s$$

दीर्घकालीन स्थिरता के लिए जरूरी है कि $G = G_w = G_n$ हो यदि इनमें विचलन होता है तो छुरी धार संतुलन प्राप्त होगा।

यदि $G_w > G_n$ है तो दीर्घकालीन गतिहीनता प्राप्त होगी ऐसी

दशा में G से G_w अधिक होती है तो $C > C_r$ और श्रम की कमी के कारण पदार्थों का आधिक्य होगा।

यदि $G_w < G_n$ है तो G से G_w नीचे है। $G > G_w$ ऐसी दशा में अर्थव्यवस्था में दीर्घकालीन स्फीति होगी तथा ($C < C_r$) श्रम का आधिक्य और पूंजी पदार्थों की कमी होगी। लाभ अधिक होते हैं क्योंकि वास्तविक निवेश से अनुमानित निवेश अधिक होता है और व्यापारी वर्ग अपने पूंजी भंडार बढ़ाते हैं जिससे दीर्घकालीन स्फीति उत्पन्न होती है।

21. राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम के क्रियान्वयन के लिए केलकर समिति की अध्यक्षता में गठित कार्य बल की रिपोर्ट में कुछ निम्नांकित सुझाव दिए गए हैं :
Report of Task Force on the implementation of Fiscal Responsibility and Budget Management Act, headed by Kelkar Committee suggests some points given below :

- I. राजकोषीय घाटा 2008-09 तक खत्म किया जाएगा।
Fiscal deficit to be abolished by 2008-09.
- II. राजस्व घाटा जी.डी.पी. का 3 प्रतिशत होना चाहिए।
Revenue deficit should be 3 percent of GDP.

उपरोक्त में कौन - सा कथन सत्य है?

Which of the above statements given above is/are correct?

- (1) सिर्फ I (2) सिर्फ II
- (3) I और II दोनों (4) न तो I और न ही II

उत्तर- (4)/व्याख्या/ न तो I और न ही II सत्य है दोनों कथन गलत हैं।

Note - उत्तर कुंजी में दोनों कथनों को सही माना गया था। भारत ने 1990 के दशक के प्रारम्भ में बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधारों की प्रक्रिया को अपनाया था। इन सुधारों में एक महत्वपूर्ण घटक राजकोषीय सुधार थे। 1997 में गठित राजा जे० चैलइया की अध्यक्षता वाली समिति ने इस सम्बन्ध में सरकार को सुझाव दिया कि दो लोकतांत्रिक देशों अमेरिका व न्यूजीलैण्ड द्वारा उठाए गए कदमों तथा सफलताओं के आधार पर भारत में राजकोषीय समेकन के लिए कानून बनाए जाए अतः FRBM Act - 2003 में पारित किया गया।

सरकार परिवर्तन के कारण 2004 (5 जुलाई 2004) में यह लागू हुआ जो 2009 तक का लक्ष्य लेकर चल रहा था।

Act पारित होने के बाद FRBM के क्रियान्वयन के लिए विजय एल. केलकर की अध्यक्षता में एक कार्यदल का गठन किया गया ताकि इस अधिनियम के लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग निर्धारित किया जा सके। इनके सुझाव थे -

- (i) वर्ष 2004-05 से प्रारम्भ करके प्रत्येक वित्तीय वर्ष में राजस्व घाटे में 0.5% की कटौती करते हुए 2008-09 तक इसे समाप्त करना।
- (ii) 2004-05 से प्रारम्भ करके प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में राजस्व घाटे में GDP के 0.3% या अधिक की कटौती करना ताकि 2008-09 तक इसे 3% के स्तर पर लाया जा सके।

- (iii) राजकोषीय तथा राजस्व घाटे के निर्धारित लक्ष्य को केवल राष्ट्रीय सुरक्षा अथवा आपदा के समय अथवा किसी अन्य असामान्य स्थिति में जिन्हें केन्द्र सरकार द्वारा स्पष्ट किया गया हो, अपने लक्ष्यों से हटा जा सकता है।
- (iv) वर्ष 2006-07 से केन्द्र सरकार द्वारा जारी की जाने वाली प्राथमिक प्रतिभूतियों में RBI द्वारा कोई राशि निवेशित नहीं की जायेगी।
- (v) 2004-05 से प्रतिवर्ष GDP के 1% से अधिक प्रतिवर्ष से कोई भी अधिक (जिसमें विदेशी देनदारियां भी शामिल हैं) का ऋण ग्रहण नहीं किया जाएगा।
- (vi) वित्त मंत्री द्वारा प्रत्येक वित्तीय वर्ष में संसद के दोनों सदनों के मध्य तीन प्रकार के वित्तीय वक्तव्य पेश करने होंगे - मध्यावधि FRBM सम्बन्धी वक्तव्य, राजकोषीय नीति संबंधी रणनीतिक वक्तव्य, समष्टि भावी आर्थिक संरचना वक्तव्य।
- (vii) वित्त मंत्री द्वारा बजट के संदर्भ में प्राप्तियों व व्ययों की प्रवृत्तियों से सम्बन्धित त्रैमासिक पुनरीक्षण संबंधी वक्तव्य संसद के दोनों सदनों में रखने होंगे।
- (viii) केन्द्र सरकार द्वारा RBI से उधार नहीं लिए जायेंगे तथा ऐसा केवल नगद प्राप्तियों की अपेक्षा नगद व्यय के अस्थायी आधिक्य को पूरा करने के लिए किए जाने वाले अग्रिमों के रूप में किया जा सकेगा।

वर्ष 2008 के अमेरिकी संकट के कारण विश्व स्तर पर आर्थिक गिरावट की समस्या उत्पन्न हो गई थी जिसने FRBI के लक्ष्यों की प्राप्ति के अवरोध उत्पन्न किए।

मई 2016 में पुनः N.K.Singh की अध्यक्षता में FRBM Review समिति बनाई गई जिसने जनवरी 2017 में रिपोर्ट सौंपी। इनकी संस्तुतियां थी -

- (i) समिति ने FRBM के स्थान पर एक ऋण प्रबंधन व राजकोषीय उत्तरदायित्व अधिनियम अपनाये जाने की अनुशंसा की।
- (ii) समिति ने राजकोषीय सुदृढीकरण के लिए एक 6 वर्षीय मध्य अवधि रूपरेखा सुझायी।
- (iii) समिति ने 2022-23 के अन्त तक सकल ऋण GDP अनुपात के 60% तक लाए जाने की संस्तुति की (जिसमें केन्द्र के लिए 40% व राज्य के लिए 20% की सीमा तय थी।)
- (iv) ऋण, GDP अनुपात व घाटों के लिए समिति ने 2023 तक के वार्षिक लक्ष्य बताये।

6 वर्ष का रोडमैप

वर्ष	राजकोषीय घाटा %	राजस्व घाटा %	ऋण (केन्द्र सरकार) %
2017-18	3.0	2.1	47.3%
2018-19	3.0	1.8	45.5%
2019-20	3.0	1.6	43.7%
2020-21	2.8	1.3	42.0%
2021-22	2.6	1.1	40.0%
2022-23	2.5	0.8	38.7%

22. टोबिन कर निम्न में से किस पे लगाया जाने वाला कर है :

Tobin tax is a tax on

- (1) शेयर बाजार के सौदे / transactions in the share market
- (2) मुद्रा बाजार के सौदे / transactions in the money market
- (3) सामग्री बाजार के सौदे
transactions in the commodity market
- (4) विदेशी मुद्रा बाजार के सौदे
transactions in the foreign exchange market

उत्तर- (4)/व्याख्या/ टोबिन कर विदेशी मुद्रा बाजार के सौदे पर लगाया जाने वाला कर है।

U.S. अर्थशास्त्री James Tobin जिन्हें 1981 में 'Theory of Household Portfolio Management' के लिए नोबल पुरस्कार से नवाजा गया, ने 1971 में स्थिर विनिमय दर प्रणाली के समाप्त होने के बाद विदेशी विनिमय दर में तीव्र उच्चावचनों पर अंकुश लगाने के लिए, मुद्रा के किसी मुद्रा में बदलते समय एक अल्प दर से करारोपण की सिफारिश की जिसे टोबिन कर के नाम से जाना जाता है। प्रभावी रूप से यह कर अंतर्राष्ट्रीय पूंजी व्यवहारों मुख्य रूप से पूंजी के अन्तर्प्रवाह पर लगता है।

इसका उद्देश्य राजस्व प्राप्ति नहीं अपितु विदेशी विनिमय के अवैध व्यापार को तथा पूंजी के अत्यधिक अन्तर्प्रवाह को हतोत्साहित करना है।

23. बजट प्रभाव से आशय है :

Budget incidence refers to :

- (1) आय के वितरण पर सरकारी व्यय और कर नीतियों का प्रभाव
The effect of both government expenditure and tax policies on the distribution of income.
- (2) संसाधनों के आवंटन पर सरकारी व्यय का प्रभाव
The effect of government expenditure on the allocation of resources.
- (3) निजी क्षेत्र की आय और संपत्ति के वितरण पर कर नीतियों का प्रभाव
The effect of tax policies on the distribution of income and wealth in the private sector.
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (1)/व्याख्या/ बजट प्रभाव से आशय है आय वितरण पर सरकारी व्यय और कर नीतियों का प्रभाव।

बजट प्रभाव (Budget Incidence) या राजकोषीय प्रभाव (Fiscal Incidence), व्यक्तिगत वास्तविक आर्थिक आय पर सार्वजनिक कराधान और सार्वजनिक व्यय का संयुक्त प्रभाव है। जहां करारोपण व्यक्तियों के आर्थिक कल्याण में कमी लाता है वही सार्वजनिक व्यय आर्थिक कल्याण (Economic well being) को बढ़ाता है। बजट प्रभाव दोनों के संयुक्त प्रभाव को दर्शाता है।

24. घाटे के बजट की स्थिति में, जब घाटा की भरपाई करों से की जाती है, वह बजट कहलाता है :

In case of deficit budget, when the deficits are covered through taxes, that budget is called :

- (1) असंतुलित बजट / unbalanced budget
- (2) अधिशेष बजट / surplus budget
- (3) संतुलित बजट / balanced budget
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं / None of these

उत्तर- (3)/व्याख्या घाटे के बजट की स्थिति में, जब घाटा की भरपाई करो से की जाती है, वह बजट कहलाता है **संतुलित बजट**। घाटे के बजट की स्थिति में जब घाटे की भरपाई करो के माध्यम से की जाती है, वह बजट संतुलित बजट कहलाता है। ऐसा इसलिए कि करो से प्राप्त आय सरकार के लिए राजस्व प्रकार की अथवा बिना दायित्वों के सृजन वाली आय होती है जिससे घाटे की पूर्ति होती है।

संतुलित बजट वह स्थिति है जिसमें सरकार के अनुमानित व्यय, अनुमानित आय के बराबर होते हैं। व्यवहारिक रूप से ऐसी स्थिति काल्पनिक है।

25. निम्नांकित को सुमेलित करें :

Match the following :

सूची - I	सूची-II
(a) राजकोषीय घाटा Fiscal deficit	(i) राजस्व व्यय को घटाकर राजस्व और ब्याज प्राप्ति Revenue and interest receipt minus revenue expenditure
(b) राजस्व घाटा Revenue deficit	(ii) कुल व्यय और कुल उधारियों को घटा कर राजस्व प्राप्तियां और ऋणों की वसूली व अन्य प्राप्तियां Revenue receipts and re- covery of loans and other receipt minus total expenditure plus total borrowings
(c) घाटे का बजट Budgets of deficit	(iii) पूंजी लेखा में संवितरण को घटा कर प्राप्तियां Receipts minus disbur- sement in capital ac- count
(d) पूंजी घाटा Capital deficit	(iv) कुल प्राप्तियां और कुल संवितरण Total receipts and total disbursements

कूट:

(a)	(b)	(c)	(d)
(1) (i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2) (ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3) (iii)	(ii)	(iv)	(i)
(4) (iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर- (2)/व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची -I	सूची -II
(a) राजकोषीय घाटा	(ii) कुल व्यय और कुल उधारियों को घटा कर राजस्व प्राप्तियां और ऋणों की वसूली व अन्य प्राप्तियां
(b) राजस्व घाटा	(i) राजस्व व्यय को घटाकर राजस्व और ब्याज प्राप्ति
(c) घाटे का बजट	(iv) कुल प्राप्तियां और कुल संवितरण
(d) पूंजी घाटा	(iii) पूंजी लेखा में संवितरण को घटा कर प्राप्तियां

राजस्व घाटा (Revenue Deficit) - राजस्व घाटे का तात्पर्य बजट में राजस्व घाटे से है। राजस्व घाटा, राजस्व व्यय तथा राजस्व प्राप्तियों का अंतराल है जो सरकार की उधारियों व देनदारियों को व्यक्त करता है जबकि यह परिसम्पत्तियों में वृद्धि को नहीं दर्शाता। राजस्व घाटा इस बात का अच्छा संकेतक है कि क्या सरकार अपनी आय के अन्दर अपने क्रियाकलापों को सम्पन्न कर रही है अथवा नहीं।

Revenue Deficit = [Revenue Expenditure] - [Revenue Receipts]

यदि राजस्व घाटा बढ़ता है तो सरकार की उधारियां व दायित्व बढ़ते हैं जिससे ब्याज अदायगी की मात्रा बढ़ती है जिससे पुनः राजस्व व्यय बढ़ता है जो राजस्व घाटे को बढ़ाता है।

राजकोषीय घाटा (Fiscal Deficit) - राजकोषीय घाटे को अर्थव्यवस्था के राजकोषीय स्वास्थ्य का प्रमुख मापक माना जाता है। भारत में 1991 के बजट में डा० मनमोहन सिंह ने इसका प्रयोग किया। जबकि सुखमय चक्रवर्ती समिति ने इसका मत व्यक्त किया था।

$$\left[\begin{array}{l} \text{Total} \\ \text{Expenditure} \\ \text{कुल व्यय} \end{array} \right] - \left[\begin{array}{l} \text{Total Receipts Excluding} \\ \text{Borrowing \& Liabilities} \\ \text{कुल प्राप्तियां, उधारियों} \\ \text{एवं दायित्वों को छोड़कर} \end{array} \right]$$

अथवा

$$\left[\begin{array}{l} \text{Total Expenditure} \\ \text{(Revenue} \\ \text{Expenditure + Capital} \\ \text{Expenditure} \\ \text{कुल व्यय} \\ \text{(राजस्व व्यय + पूंजीगत व्यय)} \end{array} \right] - \left[\begin{array}{l} \text{Total Receipts (Rev.} \\ \text{Rec. + Capi. Rec.)} \\ \text{including recovery of} \\ \text{loans \& sales of assets} \\ \text{कुल प्राप्तियां} \\ \text{(राजस्व + पूंजीगत प्राप्तियां)} \\ \text{लोन की वापसी व} \\ \text{परिसम्पत्तियों} \\ \text{की बिक्री से प्राप्त आय} \\ \text{को जोड़कर} \end{array} \right]$$

प्राथमिक घाटा - राजकोषीय घाटा कुल प्राप्तियों व कुल व्यय दोनों से ही सम्बन्धित है जो एक निश्चित वित्तीय वर्ष की होती है। किन्तु कुल व्यय में से एक ऐसा होता है जिसके लिए संबंधित वित्तीय वर्ष प्राथमिक रूप से उत्तरदायी नहीं होता वह है ब्याज भुगतान। ब्याज

भुगतान वास्तव में विगत वर्षों से लिए गए उधारों व देनदारियों का परिणाम होते हैं अतः राजकोषीय घाटे में ब्याज भुगतान घटा दिया जाए तो वह आकार प्राप्त हो जाता है जिसके लिए सम्बन्धित वित्तीय वर्ष उत्तरदायी होता है। प्राथमिक घाटा सरकार पर बढ़ते हुए ब्याज के बोझ को दर्शाता है।

प्राथमिक घाटा = राजकोषीय घाटा - ब्याज भुगतान

26. दक्षता यह अपेक्षा रखती है कि पूर्णतया सार्वजनिक वस्तुओं का उत्पादन ऐसे बिन्दु पर हो जहाँ :

Efficiency requires that the production of pure public goods be undertaken to the point where ?

- (1) सीमांत निजी लाभ का योग उत्पादन की सीमांत सामाजिक लागत के समान हो
the sum of the marginal private benefits is exactly equal to the marginal social cost of production.
- (2) सीमांत निजी लाभ, उत्पादन की सीमांत सामाजिक लागत के समान हो
the marginal private benefit is exactly equal to the marginal social cost of production.
- (3) सीमांत सामाजिक लागत, सीमांत निजी लाभ के योग से अधिक हो
the marginal social cost of exceeds the sum of the marginal private benefits.
- (4) उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above.

उत्तर- (1)/व्याख्या दक्षता यह अपेक्षा रखती है कि पूर्णतया सार्वजनिक वस्तुओं का उत्पादन ऐसे बिन्दु पर हो जहाँ सीमांत निजी लाभ का योग उत्पादन की सीमांत सामाजिक लागत के समान हो।

किसी भी पूर्णतया सार्वजनिक वस्तुओं की दी गई मात्रा का सीमांत सामाजिक लाभ, सभी उपभोक्ताओं द्वारा प्राप्त व्यक्तिगत सीमांत लाभ का कुल योग होता है। एक पूर्णतः सार्वजनिक वस्तु की समय अवधि के प्रति दक्ष मात्रा उस बिन्दु के अनुकूल होती जिस पर उत्पादन वृद्धि होती है ताकि उपभोक्ताओं के सीमांत लाभों का योग वस्तु की सीमान्त सामाजिक लागत के बराबर हो सके। पूर्णतया सार्वजनिक वस्तुओं के लिए दक्षता की शर्तें निम्न होगी -

$$MSB = \sum MB = MSC$$

27. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है :

Which of the following pairs is not correctly matched :

- (1) रेखी समिति : निर्यात और आयात
Rekhi Committee : Simplification of export and import procedures
- (2) नान्जुनडप्पा समिति : रेल भाड़ा
Nanjundappa committee : Railway fare
- (3) रंगराजन समिति : भुगतान शेष
Rangrajan Committee : Balance of payments
- (4) गोईपोरिया समिति : बैंकिंग सेवा सुधार
Goiiporia Committee : Banking service improvements

उत्तर- (1)/व्याख्या विकल्प (1) सही सुमेलित नहीं है।

रेखी समिति

● वर्ष 1992 में के०एल० रेखी समिति का गठन अप्रत्यक्ष कराधान (सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क) पर समान नियमों के सुझाव हेतु हुआ था। तथा निर्यात और आयात प्रक्रियाओं के सरलीकरण के लिए 1978 में PC Alexander समिति का गठन हुआ था।

28. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :

Consider the following statements :

- I. रेपो रेट वह दर है जिस पर अन्य बैंक भारतीय रिजर्व बैंक से उधार लेते हैं।
The Repo rate is the rate at which other banks borrow from the Reserve Bank of India.
- II. किसी राष्ट्र में गिनी गुणांक के लिए 1 के मूल्य का निहितार्थ यह है कि आय वितरण में पूर्णतया समानता है।
A value of 1 for Gini coefficient in a country implies that there is perfectly equality in income distribution.

उपरोक्त में से कौन-सा सही हैं।

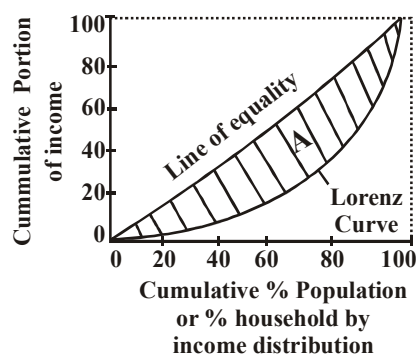
Which among the above are correct?

- (1) केवल II (2) केवल I
- (3) I और II दोनों (4) न तो I और न ही II

उत्तर- (2)/व्याख्या केवल (1) सही है।

कथन (II) 'किसी राष्ट्र में गिनी गुणांक के लिए 1 के मूल्य का निहितार्थ है कि आय वितरण में पूर्णतया समानता है।' असत्य है। गिनी गुणांक आय के वितरण की विषमता की माप की सबसे प्रचलित विधि है जो आय के प्रत्येक युग्म के बीच आय अन्तर (Income Difference) की माप करती है। यह वास्तविक लारेन्ज वक्र तथा निरपेक्ष समता रेखा के बीच का क्षेत्रफल तथा निरपेक्ष समता रेखा के नीचे के सम्पूर्ण क्षेत्र के बीच का अनुपात दर्शाता है।

गिनी गुणांक (G) = $\frac{\text{छायांकित क्षेत्रफल(A)}}{\text{समता रेखा के नीचे का सम्पूर्ण क्षेत्रफल}}$



यदि $G = 0$ है तो प्रत्येक व्यक्ति को समान आय प्राप्त हो रही है अर्थात् आय वितरण समान है।

यदि $G = 1$ है तो एक ही व्यक्ति आय का सम्पूर्ण भाग प्राप्त कर ले रहा है इसलिए गिनी गुणांक का अधिकतम मूल्य 1 होगा। जबकि निरपेक्ष विषमता विद्यमान हो।

तरलता समायोजन सुविधा (Liquidity Adjustment Facility) - LAF एक मौद्रिक नीति का अस्त्र है जो बैंको को पुनर्क्रय समझौते के द्वारा उधार लेन देन की सुविधा देता है। ताकि व्यापारिक बैंक दिन-प्रतिदिन की तरलता में असामंजस्य का समायोजन कर सकें। LAF रेपो दर व रिवर्स रेपो दर के माध्यम से कार्य करती है। रेपो दर उधार देने की दर है। इस पर अन्य बैंक RBI से उधार लेते हैं।

29. खुदरा बैंकिंग निम्नलिखित में से किसको बैंकिंग सुविधाएं मुहैया कराती है ?

Retail Banking is to provide banking services :

- (1) **समेकित ढंग से केवल एकल उपभोक्ताओं को**
only to individual customers in an integrated manner
- (2) **पूर्णतया कृषि क्षेत्र को ही**
entirely to agriculture sector only
- (3) **केवल-स्व-सहायता समूहों को उनकी उत्तरजीविता के लिए**
only to self-help group for their survival
- (4) **उपरोक्त में से कोई नहीं/None of the above**

उत्तर- (1)/व्याख्या/ समेकित ढंग से केवल एकल उपभोक्ताओं को रिटेल बैंकिंग (Retail Banking) या Personal Banking या खुदरा बैंकिंग एकल उपभोक्ताओं और संयुक्त एकलों को बैंकिंग सेवा प्रदान करती है जो उद्योग और संस्थागत ग्राहकों पर ध्यान केन्द्रित करता है। खुदरा बैंकिंग को आकर्षक बाजार के रूप में देखा जाता है। वर्तमान में बैंक अपने साधनों को फुटकर उधारी, व्यक्तिगत ऋणों जैसे शैक्षणिक ऋण, गृह ऋण आदि में लगा रहे हैं इस प्रकार की बैंकिंग क्रियाओं को खुदरा बैंकिंग कहा जाता है।

30. श्रम बाजार सुधार का लक्ष्य है :

Labour market reforms aim at :

- (1) **रोजगार की सुरक्षा / Job security**
- (2) **न्यूनतम पारिश्रमिक / Minimum wage**
- (3) **श्रम बाजार का लचीलापन / Labour market flexibility**
- (4) **रोजगार बीमा / Employment insurance**

उत्तर- (3)/व्याख्या/ श्रम बाजार सुधार का लक्ष्य है **श्रम बाजार का लचीलापन (Labour market flexibility)**। श्रम सुधारों का अर्थ अर्थव्यवस्था में उत्पादन, उत्पादकता तथा रोजगार के अवसर में इस प्रकार से वृद्धि लाना है कि श्रमिकों के हित प्रभावित न हो। श्रम सुधारों में श्रम कानूनों में सुधारों को भी शामिल किया जाता है। इन सब का प्रमुख उद्देश्य श्रम बाजार में लचीलापन लाना है।

31. जन धन योजना निम्नलिखित में से किससे संबंधित है :

Jan-Dhan Yojna Concerns :

- (1) **ऋण / Credit**
- (2) **कर भुगतान / Tax payment**
- (3) **बैंक जमा / Bank deposit**
- (4) **बीमा प्रीमियम / Insurance premium**

उत्तर- (3)/व्याख्या/ जन धन योजना बैंक जमा से संबंधित है।

सम्पूर्ण जनसंख्या को बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराकर वित्तीय समावेशन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 28 अगस्त 2014 को जनधन योजना का शुभारम्भ किया गया। इसके तहत बैंक खाता खोलने वालों को स्वदेशी रुपये डेबिट कार्ड के साथ-साथ 1 लाख ₹० का दुर्घटना बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

यह योजना प्रारम्भ में 28 अगस्त 2018 तक के लिए थी बाद में सरकार ने इसे आगे बढ़ा दिया है तथा इसे 'Every Household' के स्थान पर 'Every Adult' (प्रत्येक वयस्क) के खाते खोलने के उद्देश्य से बढ़ाया गया है। जहाँ 6 माह से ज्यादा खाता संचालन पर ओवरड्राफ्ट की सुविधा को 10,000 कर दिया गया है।

● ओवरड्राफ्ट सुविधा प्राप्त करने की उम्र को 18-60 वर्ष से 18-65 वर्ष तक कर दिया गया है।

● नये PMJDY A/c में रुपये कार्ड के साथ दुर्घटना बीमा को 1 लाख से बढ़ाकर 2 लाख कर दिया गया है। यह सुविधा अगस्त 2018 के बाद के खातों में प्राप्त होगी।

इसके साथ ही **PMJDY योजना**, तीन सामाजिक सुरक्षा योजनाओं नामतः प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना व प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के लिए एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराती है।

32. निम्नलिखित में से कौन-सा समुच्चय भारतीय श्रम बाजार की विशेषताओं को नहीं दर्शाता है ?

Which of the following sets does not represent the features of Indian labour market?

- (1) **प्रच्छन्न बेरोजगारी, कौशल का अभाव, गतिशीलता की कमी**
disguised unemployment ; lack of skills ; lack of mobility.
- (2) **प्रच्छन्न बेरोजगारी, पूर्ण गतिशीलता, कौशल का अभाव**
disguised unemployment ; perfect mobility ; lack of skills.
- (3) **प्रच्छन्न बेरोजगारी, प्रवासी श्रम, पूर्ण गतिशीलता**
disguised unemployment ; migratory labour ; perfect mobility.
- (4) **गरीबी, निरक्षरता, एकरूपता**
poverty ; illiteracy ; Homogeneity

उत्तर- (1)/व्याख्या/ प्रच्छन्न बेरोजगारी, कौशल का अभाव, गतिशीलता की कमी भारतीय श्रम बाजार की विशेषताओं को नहीं दर्शाता।

श्रम बाजार एक ऐसा स्थान है जहाँ श्रम की मांग तथा पूर्ति की जाती है तथा दोनों के संतुलन के आधार पर श्रम की मात्रा व मूल्य का निर्धारण होता है।

भारतीय श्रम बाजार की विशेषताएं हैं -

- प्रच्छन्न बेरोजगारी
- कौशल का अभाव अथवा अकुशल श्रमिकों की बहुलता
- प्रवासी स्वरूप
- श्रमिकों में व्याप्त गरीबी व निरक्षरता
- विभिन्नताओं का अभाव

33. चार संख्याओं 2, X, 16, 32 का ज्यामितीय माध्य 8 है। X का मूल्य क्या है ?

The Geometric mean of four numbers 2, X, 16, 32 is 8. What is the value of X?

- (1) 2 (2) 4 (3) 6 (4) 8

उत्तर- (2)/व्याख्या/ X का मूल्य 4 है।

चार संख्याएं - 2, X, 16, 32

इनका ज्यामितीय माध्य - 8

$$\text{ज्यामितीय माध्य (G.M.)} = \sqrt[4]{X_1 \cdot X_2 \cdot X_3 \cdot X_4}$$

$$\Rightarrow 8 = \sqrt[4]{2 \cdot X \cdot 16 \cdot 32}$$

$$\Rightarrow 8 = \sqrt[4]{1024 X}$$

$$\Rightarrow (8)^4 = 1024 X$$

$$\Rightarrow 4096 = 1024 X$$

$$\Rightarrow \frac{4096}{1024} = X$$

$$\Rightarrow 4 = X \text{ or } X = 4$$

34. यदि माध्य = 28 तथा बहुलक = 25 तो माध्यिका का मूल्य होगा :

If mean = 28 and mode = 25, the value of median will be :

- (1) 27 (2) 29
(3) 24 (4) 25

उत्तर- (1)/व्याख्या/ माध्यिका = 27

माध्य ($\bar{x}$) = 28 बहुलक (Z) = 25 तब माध्यिका (M) = ?

$$(\bar{x} - z) = 3(\bar{x} - M)$$

$$(28 - 25) = 3(28 - M)$$

$$3 = 84 - 3M$$

$$3M = 84 - 3$$

$$3M = 81$$

$$M = \frac{81}{3} = 27$$

माध्यिका = 27

35. यदि A द्वारा किसी सांख्यिकीय प्रश्न को हल करने की प्रायिकता

$\frac{1}{4}$ तथा B द्वारा $\frac{1}{3}$ है, तो यह प्रश्न यदि दोनों को हल करने के लिए दिया जाता है, तो इस बात की प्रायिकता क्या है कि प्रश्न हल हो जाएगा ?

If the probability of solving a statistical problem by A

is $\frac{1}{4}$ and by B is $\frac{1}{3}$; when a problem is given to them,

probability that the problem will be solved is?

- (1) $\frac{1}{2}$ (2) $\frac{7}{12}$ (3) $\frac{1}{12}$ (4) $\frac{2}{3}$

उत्तर- (1)/व्याख्या/ प्रायिकता = $\frac{1}{2}$

● A द्वारा प्रश्न को हल करने की प्रायिकता = $\frac{1}{4}$

A द्वारा प्रश्न हल न करने की प्रायिकता = $1 - \frac{1}{4} = \frac{3}{4}$

● B द्वारा प्रश्न हल करने की प्रायिकता = $\frac{1}{3}$

B द्वारा प्रश्न हल न करने की प्रायिकता = $1 - \frac{1}{3} = \frac{2}{3}$

● दोनों द्वारा प्रश्न हल करने की प्रायिकता = $\frac{3}{4} \times \frac{2}{3} = \frac{6}{12} = \frac{1}{2}$

दोनों द्वारा प्रश्न हल न करने की प्रायिकता = $1 - \frac{1}{2} = \frac{1}{2}$

36. टाईप-1 त्रुटि को निम्नलिखित में से किस रूप में परिभाषित किया गया है :

Type - 1 error is defined as :

(1) अस्वीकार शून्य - परिकल्पना जब यह गलत है।

Reject Null-hypothesis when it is false.

(2) अस्वीकार शून्य-परिकल्पना जब यह सही है।

Reject Null-hypothesis when it is true.

(3) स्वीकार शून्य परिकल्पना जब यह सही है।

Accept Null-hypothesis when it is true.

(4) स्वीकार शून्य परिकल्पना जब यह गलत है।

Accept Null-hypothesis when it is false.

उत्तर- (2)/व्याख्या/ अस्वीकार शून्य परिकल्पना जब यह सही है।

टाईप -I त्रुटि (Type -I Error) - यदि शून्य परिकल्पना सत्य है लेकिन नमूना माध्य इस प्रकार का है कि शून्य परिकल्पना को अस्वीकार कर दिया जाता है तो टाईप -I त्रुटि होगी। इस तरीके की त्रुटि होने की प्रायिकता को α risk के रूप में दर्शाया जाता है। अर्थात् ऐसी त्रुटि α त्रुटि होगी।

टाईप -II त्रुटि - यदि शून्य परिकल्पना गलत है लेकिन नमूना माध्य इस प्रकार का है कि शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाता है तो टाईप -II त्रुटि घटित होगी। इस तरह की त्रुटि होने की प्रायिकता को β त्रुटि कहा जाता है।

37. यदि $\sqrt{xy} = 0.6$, $\sigma_Y = 50$, $\sigma_X = 10$, $\bar{X} = 30$

तथा $\bar{Y} = 140$; तो X पर Y का सही समाश्रयण निम्नलिखित में से कौन-सा होगा :

Given that $\sqrt{xy} = 0.6$, $\sigma_y = 50$, $\sigma_x = 10$,

$\bar{X} = 30$ and $\bar{Y} = 140$; the correct regression of Y on X is given by :

- (1) $Y = 50 + 3X$ (2) $Y = 110 + 0.6X$
(3) $Y = 140 + 3X$ (4) $Y = 140 - 3X$

उत्तर- (1)/व्याख्या Y का X पर समाश्रयण (regression coefficient of Y on X)

Y का X पर समाश्रयण = $(Y - \bar{Y})$

$$= r \frac{\sigma_Y}{\sigma_X} X - \bar{X}$$

$$(Y - 140) = 0.6 \times \frac{50}{10} \times -30$$

$$(Y - 140) = 0.6 \times 5 (X - 30)$$

$$(Y - 140) = 3.0 (X - 30)$$

$$(Y - 140) = 3 \times -90$$

$$Y = 3X - 90 + 140$$

$$Y = 3X + 50$$

$$\boxed{Y = 50 + 3X} \text{ regression of Y on X}$$

38. निम्नलिखित में से कौन-सा निदर्शन का तरीका नहीं है ?

Which one of the following is not a method of sampling?

- (1) व्यवस्थित निदर्शन / Systematic sampling
- (2) कोटा निदर्शन / Quota sampling
- (3) स्नोबॉल निदर्शन / Snowball sampling
- (4) बृहद् निदर्शन / Large sampling

उत्तर- (4)/व्याख्या बृहद् निदर्शन (Large sampling) निदर्शन का तरीका नहीं है।

जब किसी समग्र में से कुछ इकाइयों का चयन सुनिश्चित विधियों के आधार पर किया जाता है तो इसे निदर्शन कहते हैं।

निदर्शन को मुख्यतः प्रायिकता व अप्रायिकता (यादृच्छिक व गैर यादृच्छिक) निदर्शन के रूप में बांटा जाता है।

इस आधार पर निदर्शन की विधियां होगी -

- i. सामान्य यादृच्छिक प्रतिचयन/निदर्शन
- ii. स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन Stratified random sampling
- iii. कोटा निदर्शन Quota sampling
- iv. क्लस्टर निदर्शन
- v. मिश्रित निदर्शन इत्यादि।

39. भारत में सॉफ्टवेयर उद्योग में वृद्धि को निम्नलिखित में से किसके द्वारा श्रेष्ठ ढंग से वर्णित किया जा सकता है :

Growth in software industry in India can be best explained by :

- (1) पोर्टर का दृष्टिकोण / Porter's approach (2) रिकार्डो का दृष्टिकोण / Ricardo's approach (3) वरनोन का दृष्टिकोण / Vernon's approach (4) बेला बलासा का दृष्टिकोण / Bella Balassa's approach

उत्तर- (4)/व्याख्या भारत में सॉफ्टवेयर उद्योग में वृद्धि को बेला बलासा का दृष्टिकोण द्वारा श्रेष्ठ ढंग से वर्णित किया जा सकता है। "Bela Balassa" ने अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में RCA Index का प्रतिपादन किया। इसका प्रयोग विभिन्न देशों की वस्तुओं के उत्पादन में विशेषीकरण तथा निर्यात करने की प्रवृत्ति को जानने के लिए किया जाता है। RCA index के माध्यम से कोई भी देश उन क्षेत्रों को चिह्नित कर सकता है जिनमें निर्यात की बहुत अधिक सम्भावनाएं हैं।

40. बहु-उत्पाद व्यापार की शर्तों के रूप निम्नलिखित में से किससे सर्वाधिक निकट है :

The form of multi commodity terms of trade is most closely related to :

- (1) लेसपीयर का सूचकांक/Laspeyre's index number
- (2) पाशे का सूचकांक / Paasche's index number
- (3) एजवर्थ-मार्शल सूचकांक Edgworth - Marshall index number
- (4) फिशर का सूचकांक / Fisher's index number

उत्तर- (1)/व्याख्या लेसपीयर का सूचकांक बहुउत्पाद व्यापार की शर्तों के सर्वाधिक निकट है।

$$LP_{01} = \frac{\sum P_1 q_0}{\sum P_0 q_0} \times 100$$

जहाँ P_1 = वर्तमान वर्ष की कीमत
 q_0 = आधार वर्ष की मात्रा
 P_0 = आधार वर्ष की कीमत
 LP_{01} = लेसपीयर का सूचकांक

आधुनिक जगत में बहुत से उत्पादों का कई देशों के साथ विनिमय होता है। ऐसी दशा में व्यापार की शर्तों को बहुउत्पाद, बहुदेश व्यापार की शर्त कहते हैं तथा Laspeyre सूचकांक के द्वारा इसकी गणना की जाती है। इस दशा में देश की व्यापार की शर्त, लेसपीयर के निर्यात कीमत सूचकांक से लेसपीयर के आयात कीमत सूचकांक का अनुपात होगा।

Multiproduct Terms of Trade

$$\frac{Px^c qx^0}{Px^0 qx^0} \times \frac{Pm^c qm^0}{Pm^0 qm^0}$$

जहाँ Px^c = Price of exports in current period.

qx^0 = Quantity of exports in the base period.

Px^0 = Price of exports in the base period.

Pm^c = Price of imports in current periods.

qm^0 = Quantity of imports in the base periods.

Pm^0 = Price of imports in the base period.

41. यदि विदेशी प्रस्ताव वक्र में ऐकिक लोच है, तो ईष्टतम प्रशुल्क होगा :

If the foreign offer curve has an unitary elasticity, then the optimum tariff will be :

- (1) इकाई (एक) / unity (2) अनन्त / infinity
(3) शून्य / zero (4) -1

उत्तर- (2)/व्याख्या यदि विदेशी प्रस्ताव वक्र में ऐकिक लोच है, तो इष्टतम प्रशुल्क अनन्त होगा।

इष्टतम प्रशुल्क की दर वह दर होगी जहां व्यापार उदासीनता वक्र विदेशी देश के प्रस्ताव वक्र को स्पर्श करें।

वह प्रशुल्क जो देश के कल्याण को अधिकतम करता है इष्टतम प्रशुल्क कहलाता है। प्रशुल्क लगाने वाले देश को इष्टतम प्रशुल्क से तभी लाभ हो सकता है जब दूसरे देश का प्रस्ताव वक्र पूर्णतः बेलोचदार (Perfectly inelastic) हो।

यदि दूसरे देश का प्रस्ताव वक्र पूर्णतया लोचदार (Perfectly elastic) है तो प्रशुल्क के बाद व्यापार मात्रा में संकुचन होगा। अनुकूलतम प्रशुल्क को निम्न सूत्र से ज्ञात किया जा सकता है -

$$T_F = \frac{1}{e-1}$$

यदि विदेशी प्रस्ताव वक्र की लोच इकाई है तो अनुकूलतम प्रशुल्क होगा -

$$T_F = \frac{1}{1-1} \Rightarrow \frac{1}{0} = \infty$$

यदि $e = 1$ तो इष्टतम प्रशुल्क अनन्त होगा।

$e = \infty$ तो इष्टतम प्रशुल्क शून्य होगा।

$e < 1$ तो इष्टतम प्रशुल्क ऋणात्मक होगा।

$e > 1$ इष्टतम प्रशुल्क का मूल्य गिरता हुआ प्राप्त होगा।

यदि $e = 2$ $t = \frac{1}{2-1} \Rightarrow \frac{1}{1} = 1$ (or 100%)

यदि $e = 3$ $t = \frac{1}{3-1} \Rightarrow \frac{1}{2} = 0.5$

42. विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अधिमूल्यांकित भारतीय रुपये का निम्नलिखित में से कौन-सा प्रभाव होगा ?

An overvalued Indian rupee in the foreign exchange market will have which one of the following consequence?

- (1) आयात सस्ता होगा, निर्यात महंगा हो जाएगा।
Make imports cheaper and exports costlier
(2) आयात महंगा होगा, निर्यात सस्ता हो जाएगा।
Make imports costlier and exports cheaper
(3) घरेलू उद्योग को विदेशी प्रतिस्पर्धा से संरक्षण मिलेगा।
Give protection to domestic industry against foreign competition
(4) भुगतान संतुलन में सुधार होगा।
Will improve balance of payments

उत्तर- (1)/व्याख्या विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अधिमूल्यांकित भारतीय रुपये आयात सस्ता होगा, निर्यात महंगा हो जाएगा। यदि भारतीय रुपये का विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अधिमूल्यांकन (Overvalued) होता है तो इसका अर्थ होगा कि मुद्रा का बाह्य मूल्य

बढ़ गया है जिससे विदेशों से आयातित वस्तुओं के लिए पहले से कम मुद्रा व्यय करनी होगी जबकि विदेशियों को घरेलू वस्तुओं के लिए अधिक मुद्रा व्यय करनी होगी। अर्थात् आयात सस्ते व निर्यात महंगे होंगे।

43. ऊरूग्वे शिखर सम्मेलन में निम्नलिखित में से कौन-से मुद्दे का समाधान नहीं किया गया ?

Which of the following issues were not addressed in Uruguay Round?

- (1) प्रव्रजन / Migration
(2) बौद्धिक संपदा अधिकार / IPRs
(3) सेवाएं / Services
(4) प्रशुल्क / Tariff

उत्तर- (1)/व्याख्या ऊरूग्वे शिखर सम्मेलन में प्रव्रजन (Migration) मुद्दे का समाधान नहीं किया गया।

गैट GATT की ऊरूग्वे दौर की बातचीत 1986 से 1993 तक चली। यह दौर गैट के सभी दौरों में सबसे अधिक विवादास्पद था। इस दौर में परम्परागत मुद्दों जैसे-प्रशुल्क दर में कटौती, गैर प्रशुल्क प्रतिबन्धों पर रोक, राशिपातन विरोधी उपाय आदि के अतिरिक्त गैर परम्परागत मुद्दे जैसे -व्यापार सम्बन्धी बौद्धिक सम्पदा अधिकार, व्यापार सम्बन्धी निवेश, व्यापार सम्बन्धी सेवाएं आदि उठाए गए।

बाद में 'डंकेल प्रस्ताव' पर 117 देशों ने सहमति जताई जिसमें बौद्धिक संपदा अधिकार, प्रशुल्क व सेवा व्यापार पर सहमति बनी तथा इसी दौर की बातचीत के बाद 1 जनवरी 1995 से WTO का उदय हुआ।

44. व्यापार की शर्तों का आशय निम्नलिखित में से किससे है ?

The terms of trade refer to :

- (1) निर्यात आय से निर्यात का आधिक्य
The excess of import expenditure over export earnings
(2) दो राष्ट्रों के बीच व्यापार करार
Trade agreement between two nations
(3) निर्यात और आयात कीमतों के बीच अनुपात
The ratio between export and import prices
(4) वे शर्तें और दशाएं जिन पर किसी राष्ट्र को भुगतान संतुलन की कठिनाई की स्थिति में ऋण दिया जाता है
The terms and conditions on which a country is offered loan in the event of BOP difficulties

उत्तर- (3)/व्याख्या निर्यात और आयात कीमतों के बीच अनुपात व्यापार की शर्तें उस दर को बताती है जिस दर पर एक देश की वस्तुओं का दूसरे देश की वस्तुओं से विनिमय किया जाता है। यह दर किसी देश के आयातों के रूप में उस देश के निर्यातों की क्रय शक्ति की माप है और उस देश की निर्यात कीमतों तथा आयात कीमतों के बीच सम्बन्ध के रूप में व्यक्त की जाती है।

$$\text{व्यापार की शर्तें} = \frac{\text{आयात का कुल मूल्य}}{\text{निर्यात का कुल मूल्य}}$$

व्यापार की शर्तें विभिन्न प्रकार की होती हैं -

- i. व्यापार की निवल वस्तु विनिमय शर्त } टॉसिंग ने दिया
 ii. सकल वस्तु विनिमय व्यापार की शर्त }
 iii. व्यापार की आय शर्त - डोरेन्स
 iv. व्यापार की एकल घटकीय व द्विघटकीय शर्त - प्रो० जैकब वाइनर
 v. व्यापार की वास्तविक लागत शर्त
 vi. व्यापार की उपयोगिता शर्त

45. भारतीय नियोजन में "योजना अवकाश" किस अवधि में रहा है:

'Plan Holiday' in Indian planning is identified with the period :

- (1) 1966-69 (2) 1979-81
 (3) 1985-87 (4) 1991-93

उत्तर- (1)/व्याख्या/ भारतीय नियोजन में "योजना अवकाश" 1966-1969 तक रहा है।

- भारत में पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल 1951-56 तक, द्वितीय पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल 1956-1961, तृतीय पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल 1961 से 1966 तक रहा।
- वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध और 1965 में भारत पाकिस्तान युद्ध से पैदा हुई स्थिति, दो साल लगातार भीषण सूखा पड़ने के कारण तृतीय पंचवर्षीय योजना अपना लक्ष्य प्राप्त करने में अफसल रही। साथ ही मुद्रा का अपमूल्यन होने, कीमतों में हुई वृद्धि तथा योजना उद्देश्यों के लिए संसाधनों में कमी होने के कारण 'चौथी योजना' को अंतिम रूप देने में देरी हुई। इसलिए चौथी योजना तीन वर्ष के लिए स्थगित करके इसके स्थान पर चौथी योजना के प्रारूप को ध्यान में रखते हुए 1966 से 1969 तक तीन वार्षिक योजनाएँ बनायी गयीं। इस अवधि को योजना अवकाश (Plan Holiday) कहा गया है।

अनुदेश : प्रश्न संख्या 46 से 50 अभिकथन (A) और कारण (R) के रूप में दो कथन दिए गए हैं। दोनों कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है :

Instruction : In the questions 46 to 50, two statements are labelled as Assertion (A) and Reason (R). In the context of two statements, which one of the following is correct :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
 Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
 (2) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
 Both (A) and (R) are true and (R) is not the correct explanation of (A).
 (3) (A) सही है, (R) गलत है।/(A) is true, (R) is false.
 (4) (R) सही है (A) गलत है।/(R) is true, (A) is false.

46. अभिकथन (A): लोगों के कल्याण स्तर को मापने के लिए केवल परेटो की अनुकूलता कसौटी को ही उपयोग नहीं किया जा सकता है।

Assertion (A) : Pareto optimality criterion cannot be used alone to measure welfare level of the people.

कारण (R) : परेटो अनुकूलता का प्रत्यय, बाह्यताओं, सार्वजनिक वस्तुएं और लुप्त बाजारों के मामले में सफल नहीं हो पाता।

Reason (R) : The concept Pareto optimality fails in case of externalities, public goods and missing markets.

उत्तर- (2)/व्याख्या/ दिया गया अभिकथन (A): लोगों के कल्याण स्तर को मापने के लिए केवल परेटो की अनुकूलता कसौटी को ही उपयोग नहीं किया जा सकता है सही हैं।

परेटो ने सामाजिक कल्याण की माप के लिए अनुकूलतम वितरण सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। परेटो के अनुसार कोई वितरण उस समय अनुकूलतम होगा जबकि किसी के कल्याण में वृद्धि बिना किसी के कल्याण में कमी लाए सम्भव न हो। इसके लिए परेटो ने सीमान्त दशाओं की सहायता ली।

यद्यपि परेटो अन्तर्वैयक्तिक तुलना नहीं करता तथा यह अधिकतम सामाजिक कल्याण की गारण्टी भी नहीं देता। परेटो मानकर चलता है कि उपयोगिता की क्रमवाचक माप सम्भव है व बाह्य हस्तक्षेप, अन्तर्वैयक्तिक तुलना का अभाव है।

साथ ही दिया गया कारण (R): परेटो अनुकूलता का प्रत्यय, बाह्यताओं, सार्वजनिक वस्तुएं और लुप्त बाजारों के मामले में सफल नहीं हो पाता भी सही हैं। परेटो की कसौटी केवल तभी प्रभावी होगी जबकि बाजार पूर्ण प्रतियोगी हो तथा मांग व पूर्ति की शक्तिया प्रभावी हो।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

47. अभिकथन (A) : औसत उपभोग प्रवृत्ति कभी भी शून्य नहीं हो सकती जब कि यह 1 से अधिक हो सकती है।

Assertion (A) : APC can never be zero while it can be greater than 1.

कारण (R) : उपभोग व्यय हमेशा धनात्मक रहता है भले ही आय शून्य हो।

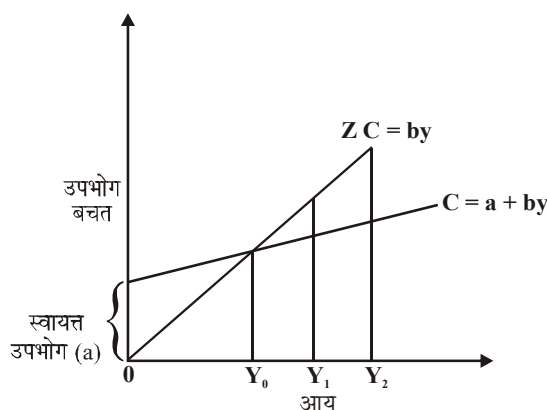
Reason (R) : Consumption expenditure is always positive even if income is zero.

उत्तर- (1)/व्याख्या/ दिया गया अभिकथन (A) : औसत उपभोग प्रवृत्ति कभी भी शून्य नहीं हो सकती जब कि यह एक से अधिक हो सकता है, सही है। ऐसा इसलिए कि उपभोग व्यय सदैव धनात्मक रहता है। भले ही आय शून्य हो। ऐसे उपभोग को स्वायत्त उपभोग कहा जाता है जो आय स्तरों में परिवर्तनों से स्वतंत्र होता है।

साथ ही दिया गया कारण (R) उपभोग व्यय हमेशा धनात्मक रहता है भले ही आय शून्य हो, भी सही है।

कीन्स का आय उपभोग सम्बन्ध जो उपभोग के मनोवैज्ञानिक सिद्धान्त के नाम से जाना जाता है, दर्शाता है कि आय बढ़ने पर उपभोग में भी वृद्धि पाई जाती है किन्तु आय की तुलना में कम मात्रा में। अतः आय उपभोग सम्बन्ध गैर आनुपातिक होता है। जहाँ पर $APC \neq MPC$ तथा $APC > MPC$ और MPC का मान 0 से 1 के मध्य होगा।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।



$c =$ उपभोग $b = mpc$
 $a =$ स्वायत्त उपभोग $y =$ आय

48. अभिकथन (A) : अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्त उत्पादन फलन का परीक्षण करता है जो कि बढ़ते हुए प्रतिफलन को दर्शाता है।

Assertion (A) : The endogenous growth theory examines production function that shows increasing returns.

कारण (R) : ज्ञान पूंजी में विशेषज्ञता और निवेश होता है।

Reason (R) : There is specialization and investment in knowledge capital.

उत्तर- (1)/व्याख्या/ अंतर्जात संवृद्धि मॉडल, बहिर्जात संवृद्धि सिद्धान्तों के विपरीत तकनीकी को उत्पादन फलन के अन्दर निर्धारित मानते हैं। इसके प्रमुख अर्थशास्त्री पॉल रोमर हैं। ये सिद्धान्त दर्शाते हैं कि उत्पादन में मानव पूंजी का अत्याधिक महत्व है। यदि मानव पूंजी में निवेश किया जाता है तो उत्पादन में बढ़ते हुए प्रतिफल प्राप्त होंगे।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

49. अभिकथन (A) : घंटाकार वक्र में माध्य, माध्यिका और बहुलक सङ्ग होयेंगे।

Assertion (A) : On a bell shaped curve; the value of mean, median and mode would be identical.

कारण (R) : इस प्रकार के वक्र में विषमता नहीं होती।

Reason (R) : There is no skewness in such a curve.

उत्तर- (2)/व्याख्या/ प्रासामान्य प्रायिकता वितरण में प्राप्त होने वाला वक्र घण्टाकार होता है। अर्थात् जब किसी वक्र में माध्य, माध्यिका व बहुलक समान हो तो विषमता का अभाव होता है और प्राप्त आकृति का आकार घण्टाकार होता है। यदि वितरण में विषमता पाई जाती है तो वितरण धनात्मक या ऋणात्मक रूप से विषम होगा।

धनात्मक विषमता $\rightarrow \bar{X} > M > Z$

माध्य > माध्यिका > बहुलक

ऋणात्मक विषमता $\rightarrow \bar{X} < M < Z$

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

50. अभिकथन (A) : 2002 का प्रतिस्पर्धा अधिनियम प्रभावी हुआ और एम.आर.टी.पी. अधिनियम प्रतिस्थापित हुआ था।

Assertion (A) : Competition Act of 2002 came into force and MRTP Act was repealed.

कारण (R) : एम.आर.टी.पी. अधिनियम अत्यधिक विनियामक था और इससे बाजार में समुचित प्रतिस्पर्धा में कमी आई।

Reason (R) : MRTP Act was too restrictive and curtailed fair competition in the market.

उत्तर- (1)/व्याख्या/ निजी क्षेत्र में एकाधिकारी शक्ति तथा प्रतिबन्धात्मक व्यापार व्यवहार के अध्ययन के लिए सरकार ने के.सी. दास गुप्ता की अध्यक्षता में एकाधिकारी जाँच आयोग का गठन किया जिसने 1965 में अपनी रिपोर्ट दी। इनकी संस्तुतियों पर एकाधिकार तथा प्रतिबन्धात्मक व्यापार व्यवहार अधिनियम 1969 पारित हुआ जो 1970 में लागू हुआ।

औद्योगिक नीति 1991 की व्यवस्थाओं के साथ MRTP Act की व्यवस्था बेकार हो गई। इसके बाद अक्टूबर 1999 में SBS राघवन की अध्यक्षता में सरकार ने प्रतिस्पर्धा नीति तथा कानून समिति का गठन किया जिसका उद्देश्य प्रतिस्पर्धा प्रवृत्ति को बढ़ावा देना था। जिसकी संस्तुतियों पर प्रतिस्पर्धा अधिनियम - 2002 पारित हुआ तथा 14 अक्टूबर 2003 को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) का गठन हुआ।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. एक रेखीय मांग वक्र के लिए निम्नांकित में से कौन सही है?

For a linear demand curve, which of the following is true?

(1) मांग की लोच सभी बिन्दुओं पर इकाई होती है।
Elasticity of demand is unity at all points.

(2) मांग की लोच सभी बिन्दुओं पर स्थिर रहती है।
Elasticity of demand is constant at all points.

(3) मांग वक्र पर नीचे की ओर जाने पर लोच बढ़ती है।
Elasticity increases as one slides down the demand curve.

(4) मांग वक्र पर नीचे की ओर जाने पर लोच घटती है।
Elasticity declines as one slides down the demand curve.

उत्तर- (4)/व्याख्या/ एक रेखीय मांग वक्र पर नीचे की ओर जाने पर लोच घटती है।

वस्तु की कीमत में आनुपातिक परिवर्तन होने पर वस्तु की मांगी गई मात्रा में आनुपातिक परिवर्तन को मांग की कीमत लोच कहा जाता है।

$$e_p = \frac{\text{मांग मात्रा में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{कीमत में आनुपातिक परिवर्तन}}$$

$$e_p = \frac{\Delta q / q}{\Delta p / p} = \frac{\Delta q}{\Delta p} \times \frac{p}{q}$$

जहां Δq - मांग मात्रा में परिवर्तन
 Δp - कीमत में परिवर्तन

गणितीय दृष्टि से e_p का मूल्य लोच का मान ऋणात्मक होता है किन्तु मांग के नियम के कारण (-ve) चिह्न को ध्यान में नहीं रखा जाता।

मांग की लोच के विभिन्न प्रकार हैं-

(i) कीमत लोच (Price Elasticity)

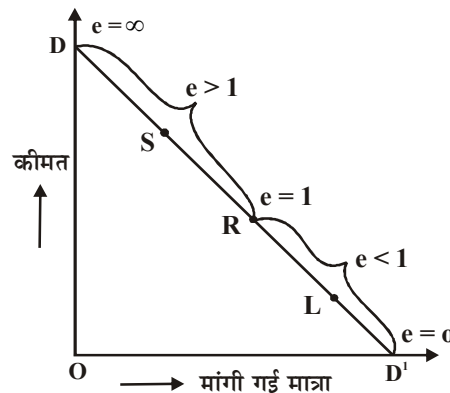
(ii) आय लोच (Income Elasticity)

(iii) प्रतिलोच (Cross Elasticity)

(iv) बिन्दु लोच (Point Elasticity)

एक रेखीय मांग वक्र पर मांग की लोच को बिन्दु लोच के माध्यम से ज्ञात किया जाता है। एक रेखीय मांग वक्र (linear demand curve) में वक्र के विभिन्न बिन्दुओं पर लोच भिन्न-भिन्न पाई जाती है जिसका निर्धारण निम्न सूत्र से किया जाता है।

$$\text{मांग की लोच} = \frac{\text{मांग वक्र का निचला हिस्सा}}{\text{मांग वक्र का उपरी हिस्सा}}$$



चित्र में DD' मांग वक्र एक रेखीय मांग वक्र है जिसमें S, R, L तीन बिन्दु हैं जहां मांग की बिन्दु लोच ज्ञात की जा सकती है।

$$S \text{ पर बिन्दु लोच} = \frac{SD'}{SD}$$

यहां स्पष्ट है कि $SD' > SD$ इसलिए S पर $e > 1$ होगी। इसी तरह L पर

$$\frac{LD'}{LD} \text{ जहां } LD > LD' \text{ इसलिए } e < 1 \text{ होगी।}$$

$$R \text{ बिन्दु पर} \rightarrow \frac{RD'}{RD} \text{ यहां दोनों की लम्बाई बराबर है}$$

अतः $e = 1$ लोच इकाई बराबर होगी।

2. एक भेदभावपूर्ण एकाधिकारवादी उस बाजार में कम मूल्य आरोपित करेगा जिसमें मूल्य लोच :

A discriminating monopolist will charge a lower price in the market in which the price elasticity of :

(1) मांग की ज्यादा है / demand is greater

(2) आपूर्ति की कम है / supply is smaller

(3) मांग की कम है / demand is smaller

(4) आपूर्ति की ज्यादा है / supply is greater

उत्तर- (1)/व्याख्या/ एक भेदभावपूर्ण एकाधिकारवादी उस बाजार

में कम मूल्य आरोपित करेगा जिसमें मांग की मूल्य लोच ज्यादा है। कीमत विभेदीकरण एकाधिकारी बाजार की प्रमुख विशेषता है। प्रो. पीगू ने एकाधिकारी बाजार में होने वाले कीमत विभेदीकरण को तीन कोटियों में विभाजित किया था इन्हें उपभोक्ता की बचत से जोड़ा। कीमत विभेदीकरण के अंतर्गत एकाधिकारी भिन्न-भिन्न बाजारों से भिन्न-भिन्न कीमत वसूलता है। किन्तु इसके लिए आवश्यक शर्त है कि विभिन्न बाजारों में मांग की कीमत लोच भिन्न हो तथा बाजारों के मध्य दूरी अधिक हो। एकाधिकारी उस बाजार से अधिक कीमत वसूल करेगा जहां मांग की कीमत लोच कम हो। विलोमशः ।

3. एक पब्लिक लिमिटेड कम्पनी क्या होती है?

What is a public limited company ?

- (1) सरकार के स्वामित्व वाली/owned by the government
- (2) शेयर धारकों के स्वामित्व वाली/owned by share-holders
- (3) वित्तीय संस्थानों के स्वामित्व वाली
owned by financial institutions
- (4) एम.एन.सी.ज. के स्वामित्व वाली/owned by MNCs

उत्तर- (2)/व्याख्या/ एक पब्लिक लिमिटेड कम्पनी शेयर धारकों के स्वामित्व वाली कम्पनी होती है।

कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुसार एक पब्लिक लिमिटेड कम्पनी वह है जिसके दायित्व सीमित हो तथा सामान्य जनता के लिए शेयर जारी करती हो। प्राइवेट तथा पब्लिक लिमिटेड कम्पनियां निजी क्षेत्र की कम्पनियां होती हैं।

कम्पनी एक्ट 2013, जिसका प्रारूप ईरानी समिति की संस्तुतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था 29 अगस्त 2013 से प्रभावी है। इससे पूर्व कम्पनी अधिनियम 1956 प्रभावी था। कम्पनी, अधि. 2013 एक व्यक्ति कम्पनी, छोटी कम्पनी, सुप्त या डारमेंट कम्पनी, पंजीकृत मूल्यांकन कारपोरेट, सोशल रिसपोन्सिबिलिटी (Corporate Social Responsibilities) आदि की व्यवस्था देता है।

कम्पनी एक्ट 2013 के अनुसार एक प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी वह है जिसके सदस्यों की न्यूनतम संख्या 2 तथा अधिकतम संख्या 200 हो। ये अपने शेयर या डिबेंचर जनता में नहीं बेचेगी व प्रासपेक्टस निर्गमित नहीं करेगी। वही इसी के साथ पब्लिक लिमिटेड कम्पनी में सदस्यों की न्यूनतम संख्या 7 होती है तथा अधिकतम कोई सीमा नहीं होती। ये प्रोस्पेक्टस निर्गमित करती है व जनता में शेयर बेचती है इनके शेयर हस्तान्तरणीय होते हैं।

4. किसी संस्थान के लिए दो स्थितियों, लाभ महत्तमीकरण और विक्रय आय महत्तमीकरण के मध्य विक्रय आय महत्तमीकरण की अपेक्षा लाभ महत्तमीकरण के लिए साम्य में निम्न में से क्या घटित होता है?

Between the two situations for a firm profit maximization and sales revenue maximization, the equilibrium for a profit maximiser as compared to sales revenue maximiser, takes place at :

- (1) उच्चतर उत्पाद और निम्नतर मूल्य
larger output and lower price
- (2) निम्नतर उत्पाद और उच्चतर मूल्य
lower output and higher price
- (3) निम्नतर उत्पाद और निम्नतर मूल्य
lower output and lower price
- (4) उच्चतर उत्पाद और उच्चतर मूल्य
larger output and larger price

उत्तर- (2)/व्याख्या/ निम्नतर उत्पाद और उच्चतर मूल्य घटित होता है।

फर्म का सीमान्तवादी मॉडल दर्शाता है कि फर्म का एक मात्र उद्देश्य लाभ अधिकतमीकरण होता है। बाद में बॉमल तथा अन्य मॉडलों में सीमान्तवादी मॉडल की आलोचना हुई तथा बॉमल ने दर्शाया कि फर्म का उद्देश्य विक्रय आय अधिकतमीकरण होता है। बॉमल ने

दर्शाया कि लाभ अधिकतमीकरण करने वाली फर्म की तुलना में आय अधिकतमीकरण में उत्पादन अधिक तथा कीमत कम होती है फर्म का लाभ अधिकतमीकरण उद्देश्य वहां पूरा होता है जहां सीमान्त आगम, सीमान्त लागत के बराबर हो (MR = MC) अथवा कुल आगम कुल लागत का अन्तर अधिकतम हो। साथ ही सीमान्त लागत वक्र, MR वक्र को नीचे से काटे। MR = MC का जो बिन्दु हो वही कीमत तथा उत्पादन मात्रा का निर्धारण होगा।

$$\pi = TR - TC = 0$$

$$\frac{d\pi}{dQ} = 0 \Rightarrow \frac{dTR}{dQ} - \frac{dTC}{dQ} = 0$$

$$\pi = MR - MC = 0$$

or π maximum $\Rightarrow MR = MC$ प्रथम शर्त अथवा

आवश्यक शर्त

(necessary condition)

Satisfactory Condition or second condition

$$\frac{d}{dQ} \left(\frac{d\pi}{dQ} \right) < 0$$

$$\Rightarrow \frac{d}{dQ} \left[\frac{d(TR)}{dQ} \right] - \frac{d}{dQ} \left[\frac{d(TC)}{dQ} \right] < 0 \Rightarrow \frac{d}{dQ} (MR) < \frac{d}{dQ} (MC)$$

5. नव-क्लासिकीय उत्पादन फलन की निम्न में से क्या विशेषताएँ हैं?
Neo-classical production function has which of the following characteristics?

(a) साधनों की धनात्मक और घटती हुई सीमांत उत्पादकताएँ
Positive and diminishing marginal productivities of the factors

(b) पैमाने के स्थिर प्रतिफल/Constant returns to scale

(c) इनाडा शर्तों को संतुष्ट करती है

Satisfies Inada conditions

दिए गए निम्नांकित कूटों में से सही उत्तर का चयन करें :

Choose the correct answer from the code below :

(1) (a) और (b)

(2) (a) और (c)

(3) (b) और (c)

(4) (a), (b) और (c)

उत्तर- (4)/व्याख्या/ नव-क्लासिकीय उत्पादन फलन की निम्न विशेषताएँ हैं-

(a) साधनों की धनात्मक और घटती सीमांत उत्पादकताएँ

(b) पैमाने के स्थिर प्रतिफल

(c) इनाडा शर्तों को संतुष्ट करती है।

नवक्लासिकल संवृद्धि के सिद्धान्तों में प्रयोग होने वाला उत्पादन फलन जिसे नवक्लासिकल उत्पादन फलन भी कहा जाता है होगा-

$$Y = AF (K \cdot L)$$

जहां Y - समग्र उत्पादन को दर्शाता है।

K - उत्पादन में प्रयुक्त पूंजी की मात्रा

L - उत्पादन में प्रयुक्त श्रम की मात्रा

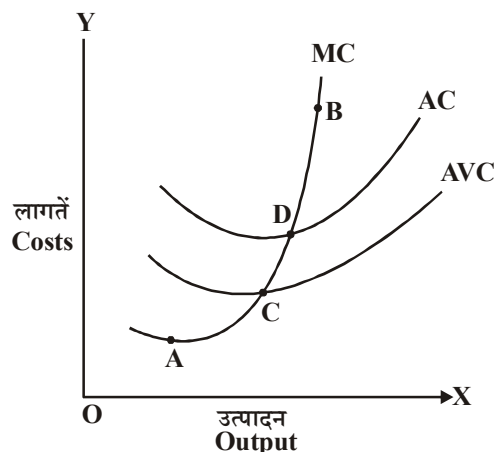
A - तकनीक गुणांक है जो बाह्य रूप से निर्धारित होता है।

इस प्रकार से नवक्लासिकल उत्पादन फलन साधनों की धनात्मक

और घटती हुई सीमान्त उत्पादकता को दर्शाता है। अर्थात् किसी साधन की मात्रा को बढ़ाने पर उत्पादन शून्य की ओर उन्मुख होगा। ये उत्पादन फलन पैमाने के स्थिर प्रतिफल को भी दर्शाते हैं तथा इनाडा शर्तें जो एक अच्छे व्यवहार वाले उत्पादन फलन (A well behaved production Function) की शर्तें हैं को भी संतुष्ट करता है।

6. दिए गए आरेख में निम्न में से कौन घटक एक उत्पादक के आपूर्ति वक्र को सही ढंग से प्रदर्शित करता है?

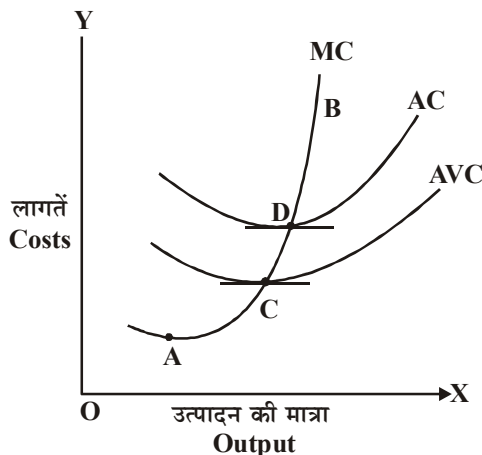
On the given diagram, which of the following segment correctly depicts the supply curve of a producer?



- (1) DE (2) CB
(3) AB (4) DB

उत्तर- (2)/व्याख्या/ दिये गये आरेख में CB आपूर्ति वक्र को सही ढंग से प्रदर्शित करता है।

किसी फर्म की औसत लागतें उसके उत्पादन की दक्षता को दर्शाती है। फर्म की औसत लागतें उत्पादन के उस स्तर पर न्यूनतम होगी जहां औसत लागत (AC) को सीमान्त लागत वक्र नीचे से काटे। किसी फर्म की औसत लागतें 'U' आकार की होती हैं जो प्रारम्भ में घटती हैं और न्यूनतम होकर पुनः बढ़ने लगती हैं। ऐसा परिवर्तनीय उत्पाद के नियमों के कारण संभव है।



चित्र में AVC, C बिन्दु पर तथा AC (D) बिन्दु पर न्यूनतम है जहां (AVC = MC) तथा (AC = MC) है। चित्र में MC वक्र का C बिन्दु के ऊपर वाला भाग अर्थात् जहां AVC = MC है एक उत्पादक का आपूर्ति वक्र कहलाता है।

7. निम्नांकित में से किस बाजार स्वरूप के समूहों पर वस्तु विभेद लागू होता है?

Product differentiation is relevant to which set of the following market forms?

- (1) एकाधिकार, एकाधिकारी प्रतियोगिता, अल्पाधिकार
Monopoly, Monopolistic Competition, Oligopoly.
(2) पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार, अल्पाधिकार
Perfect competition, Monopoly, Oligopoly.
(3) एकाधिकारी प्रतियोगिता, अल्पाधिकार, अल्पक्रेताधिकार
Monopolistic Competition, Oligopoly and Oligopoly.
(4) पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार और द्विपक्षीय एकाधिकार
Perfect Competition, Monopoly and Bilateral monopoly

उत्तर- (3)/व्याख्या/ एकाधिकारिक प्रतियोगिता, अल्पाधिकार, अल्पक्रेताधिकार बाजार स्वरूप के समूहों पर वस्तु विभेद लागू होता है।

एकाधिकारिक प्रतियोगिता की महत्वपूर्ण विशेषता जिससे प्रतियोगिता और एकाधिकार का मिश्रण उत्पन्न होता है वह है पदार्थ विभेदीकरण (Product Discrimination)।

पदार्थ विभेदीकरण का अर्थ है विभिन्न फर्मों द्वारा उत्पादित किए जाने वाले पदार्थों वस्तुओं का भिन्न-भिन्न होना। यह भिन्नता, गुणवत्ता, आकृति, आकार, रंग, डिब्बे की सुन्दरता, छाप (Brand) के नाम अथवा उत्पाद के साथ प्राप्त होने वाली सेवाओं के रूप में हो सकती है।

उत्पाद विभेदीकरण की विशेषता एकाधिकारिक (monopolistic) प्रतियोगिता तथा अल्पाधिक में मुख्य रूप से पाई जाती है। इन बाजारों में उत्पादित वस्तुएं भिन्न किन्तु निकट प्रतिस्थापक होती हैं।

8. अपूर्ण साधन और उत्पाद बाजारों में, श्रम शोषण का निम्न में से क्या प्रतिनिधित्व करता है?

In imperfect factor and product markets, labour exploitation is represented by :

- (a) जब औसत आगम उत्पादकता > औसत मजदूरी
When $ARP > \text{Average wage}$.
(b) जब औसत आगम उत्पादकता > सीमांत मजदूरी
When $ARP > \text{Marginal wage}$.
(c) जब औसत आगम उत्पादकता < एम.आर.पी.
When $ARP < MRP$.
(d) जब औसत आगम उत्पादकता < सीमांत मजदूरी
When $ARP < \text{Marginal wage}$

निम्नांकित दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें :

Select the correct answer from the codes given below :

- (1) (a), (d) (2) (a), (c)
(3) (a), (b) (4) (d), (c)

उत्तर- (3)/व्याख्या

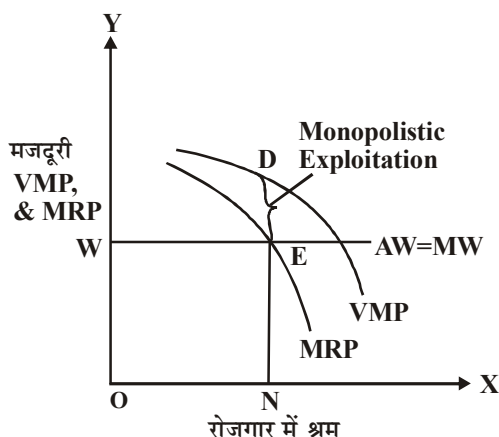
(a) जब औसत आगम उत्पादकता > औसत मजदूरी
(b) जब औसत आगम उत्पादकता > सीमान्त मजदूरी
उपरोक्त दोनों तथ्य अपूर्ण साधन और उत्पाद बाजारों में श्रम के शोषण का प्रतिनिधित्व करती हैं।

श्रम का शोषण एक स्थिति को संदर्भित करता है जहां श्रमिक को उसकी सीमान्त उत्पादकता से कम मजदूरी प्राप्त होती है। श्रमिक तब शोषित होता है, जबकि वस्तु बाजार में एकाधिकार अथवा अपूर्ण प्रतियोगिता तथा श्रम बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता या क्रय एकाधिकार की स्थिति हो।

श्रम के शोषण के सम्बन्ध में दो धारणायें प्राप्त होती हैं—

1. ए. सी. पीगू तथा रॉबिन्सन का विचार
2. चैम्बरलिन की विचारधारा

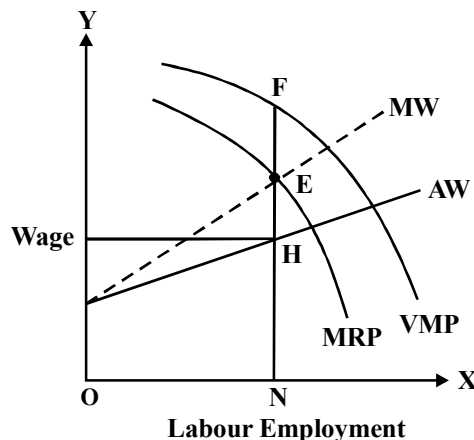
पीगू की भाँति रॉबिन्सन ने श्रमिक के शोषण को सीमान्त उत्पादन के मूल्य (VMP) की अपेक्षा कम भुगतान के रूप में परिभाषित किया। इस परिभाषा में श्रमिक का शोषण तब होता है जबकि वस्तु बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता व श्रम बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता हो।



जब पदार्थ बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता हो तथा श्रम बाजार पूर्ण प्रतियोगिता हो।

चित्र में फर्म द्वारा श्रमिक की ON मात्रा नियुक्त की जाती है जिस पर सीमान्त आय उत्पादन (marginal Revenue Product) OW मजदूरी के बराबर है। ON मात्रा पर सीमान्त उत्पाद मूल्य (VMP) ND है। जबकि उसे सीमान्त आय उत्पादन NE (NE = OW) के बराबर मजदूरी का भुगतान किया जाता है। यहां मजदूरी NE, सीमान्त उत्पाद मूल्य ND की अपेक्षा कम है। अर्थात् श्रमिक की सीमान्त उत्पादन के मूल्य (VMP) की अपेक्षा ED मात्रा में कम भुगतान किया जाता है। जो रॉबिन्सन व पीगू के अनुसार श्रम का शोषण है। जॉन रॉबिन्सन ने इसे एकाधिकारिक शोषण कहा।

जब श्रम तथा पदार्थ बाजार दोनों में अपूर्ण प्रतियोगिता (एकाधिकार तथा क्रेता एकाधिकार को सम्मिलित करते हुए) होती है। तो श्रमिक का एकाधिकारिक तथा क्रेता-एकाधिकारिक दोहरा शोषण होगा।



पदार्थ बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता के कारण सीमान्त आय उत्पादन वक्र (MRP), सीमान्त उत्पादन के मूल्य वक्र (VMP) के नीचे स्थित होता है। और साधन बाजार में अपूर्ण प्रतियोगिता (या साधन बाजार में क्रेता-एकाधिकार) के कारण सीमान्त मजदूरी वक्र (MW), औसत मजदूरी वक्र (AW) के ऊपर स्थित होगा। संतुलन के लिए फर्म सीमान्त मजदूरी को सीमान्त आय उत्पादन के बराबर करेगी और इसलिए श्रमिक की N मात्रा नियुक्त करेगी। जहां OW मजदूरी का भुगतान हो रहा है जो न केवल NF (MVP) से कम है बल्कि (MRP) FH से भी कम है। इस प्रकार पीगू रॉबिन्सन के शोषण के विचार के अनुसार श्रमिक का कुल शोषण FH है। जिसका EF भाग (VMP व MRP का अन्तर) भाग एकाधिकारिक शोषण तथा EH भाग क्रेता एकाधिकारिक शोषण होगा।

चैम्बरलिन के अनुसार श्रम का शोषण तब उत्पन्न होता है जब श्रमिक की मजदूरी दर सीमांत आगम उत्पादन (MRP) से कम हो जाती है। इस प्रकार श्रम बाजार में क्रेता एकाधिकार के कारण शोषण उत्पन्न होता है।

9. निम्न में से किस अर्थशास्त्री ने संवृद्धि की व्याख्या में गैर-आर्थिक साधनों की भूमिका पर बल दिया?

Who among the following economists emphasized the role of non-economic factors in explaining growth?

- (1) आर.एम. सोलो / R. M. Solow
- (2) रॉय हॅरोड / Roy Harrod
- (3) एन. केल्डर / N. Kaldor
- (4) ई. डोमर / E. Domar

उत्तर- (3)/व्याख्या एन. केल्डर ने संवृद्धि की व्याख्या में गैर-आर्थिक साधनों की भूमिका पर बल दिया।

प्रो. केल्डर ने 1966 में प्रकाशित पुस्तक 'Essay on Economic Stability and Growth' में **आर्थिक विकास मॉडल** का प्रतिपादन किया। इससे पूर्व केल्डर ने 'Alternative Theories of Distribution' में Income Distribution Approach प्रस्तुत किया। केल्डर के विकास मॉडल का मुख्य उद्देश्य उन गैर आर्थिक साधनों की प्रवृत्ति का विश्लेषण करता है जो दीर्घकालीन साम्य वृद्धि की दर निर्धारित करते हैं। इस मॉडल में केल्डर ने पूंजी संचय की तकनीक प्रगति को लक्षित किया। केल्डर मॉडल दर्शाता है कि बढ़ती हुई जनसंख्या की

दशा में कोई अर्थव्यवस्था दीर्घ अवधि में स्थिर विकास प्रदान कर सकती है।

10. एक सुव्यवहारित उत्पादन फलन के लिए निम्न में से कौन एक हिरोफुमी उजावा अवस्था नहीं है?

Which one of the following is not an Hirofumi Ujawa condition for a well behaved production function?

(1) सतत अवकलनीय/Continuously differentiable

(2) जब / When $x = 0$, $f(x) = 0$

(3) फलन का द्वितीय अवकलज ऋणात्मक है

The second derivative of the function is negative

(4) फलन अवतल है / The function is concave

उत्तर- (4)/व्याख्या/ फलन अवतल – यह अवस्था हिरोफुमी उजावा अवस्था नहीं है।

इनाडा स्थितियों (Inada-Conditions) जिनको जापनीय अर्थशास्त्री Ken-Ichi Inada के नाम पर रखा गया, नवक्लासिकल मॉडल में उत्पादन फलन की बनावट के बारे में है, जो आर्थिक संवृद्धि पथ में स्थिरता की गारन्टी की मान्यता पर आधारित है। इन स्थितियों से परिचय Hirofumi Uzawa ने करवाया था इसलिए इन्हें Hirofumi Uzawa अवस्थाएं भी कहा जाता है। अन्य शब्दों में Inada Conditions एक सुसंगत व्यवहार वाले उत्पादन फलन (well behaved $P^n F^n$) की शर्तें हैं जिन्हें हिरोफुमी उजावा अवस्था कहा जाता है। एक सुव्यवहारित उत्पादन फलन के लिए हिरोफुमी उजावा अवस्थाएं हैं-

एक सतत अवकलनीय फलन दिए होने पर (a continuously differentiable function)

$F: X \rightarrow Y$, जहाँ $X = \{x: x \in \mathbb{R}_+^n\}$ and $Y = \{y: y \in \mathbb{R}_+\}$

दर्शाएँ होगी-

(i) फलन का मूल्य $f(x)$ at $x = 0: f(0) = 0$ है।

(ii) फलन का द्वितीय अवकलन ऋणात्मक होगा !

11. कॉब-डगलस उत्पादन के घातांक दर्शाते हैं :

Exponents of the Cobb-Douglas production represent :

(1) घटकों का उत्पाद लोच/Output elasticity of factors

(2) कुल आय में घटक आय का हिस्सा

Share of factor income in total income

(3) उपरोक्त में से (1) और (2) दोनों

Both (1) and (2) of the above

(4) उपरोक्त में से न तो (1) और न ही (2)

Neither (1) nor (2) of the above

उत्तर- (3)/व्याख्या/ उपरोक्त में से (1) और (2) दोनों

कॉब डगलस उत्पादन फलन के घातांक, उत्पादन साधनों की उत्पाद लोच व कुल आय में से श्रम व पूंजी की हिस्सेदारी को दर्शाते हैं।

कॉब डगलस उत्पादन फलन $Q = AK^\alpha L^\beta$

जहाँ $Q =$ उत्पादन

$L =$ श्रम

$K =$ पूंजी

β, α, A - धनात्मक प्राचल जहाँ A तकनीकी प्राचल को दर्शाता है।

कॉब डगलस फलन की विशेषताएं-

(i) यह प्रथम कोटि का समांग (linearly homogeneous) उत्पादन फलन है जो उत्पादन में स्थिर पैमाने के प्रतिफल को दर्शाता है।

(ii) प्रतिस्थापन की लोच इकाई बराबर होती है।

(iii) पूंजी व श्रम में से किसी एक की मात्रा शून्य कर देने पर उत्पादन शून्य होगा।

(iv) α, β क्रमशः उत्पादन में श्रम और पूंजी के सापेक्ष उत्पादन की लोच को प्रदर्शित करते हैं।

(v) इसका विस्तार पथ एक रेखीय समरूप होता है तथा मूल बिन्दु से होकर गुजरता है।

(vi) समोत्पाद वक्र ऋणात्मक ढाल के होते हैं जो मूल बिन्दु की ओर उन्नतोदर (Convex) होते हैं।

12. पैमाने की मितव्ययिताओं की अवधारणा निम्नलिखित में से किस में लागू होती है?

Concept of scale economies applies in :

(1) दीर्घकाल में स्थिर तकनीकी गुणांक

Long - run with constant technical coefficients.

(2) दीर्घकाल में परिवर्तनशील प्रौद्योगिकी

Long - run with variable technology.

(3) अल्पकाल में स्थिर प्रौद्योगिकी

Short - run with constant technology.

(4) अल्पकाल में परिवर्तनशील तकनीकी गुणांक

Short - run with variable technical coefficient.

उत्तर- (1)/व्याख्या/ पैमाने की मितव्ययिताओं की अवधारणा दीर्घकाल में स्थिर तकनीकी गुणांक में लागू होती है।

किसी फर्म की कुशलता उसके आकार पर निर्भर करती है। अधिक बड़ी फर्म सामान्यतः अधिक कुशल होती है क्योंकि उसे पैमाने की बचतों अथवा मितव्ययिताओं के लाभ प्राप्त होते हैं। यदि कोई फर्म अपने उत्पादन का पैमाना बढ़ाती है तो उसे कहा जाएगा कि वह दीर्घकाल में कार्य कर रही है। मितव्ययिताओं के लाभ विस्तार के उत्पादन कुशलता पर प्रभाव पर निर्भर करते हैं। जो उत्पादन की प्रत्येक अवस्था के औसत लागत पर निर्भर करती है। कोई फर्म अपना scale of operation दो प्रकार से बढ़ा सकती है।

(i) आन्तरिक संवृद्धि

(ii) बाह्य संवृद्धि- जो अन्य फर्मों को खोलने या उनको समाहित करने में प्राप्त होती है।

इस प्रकार पैमाने की मितव्ययिताओं के लाभ उत्पादन की औसत लागत में कमी के रूप में प्राप्त होते हैं।

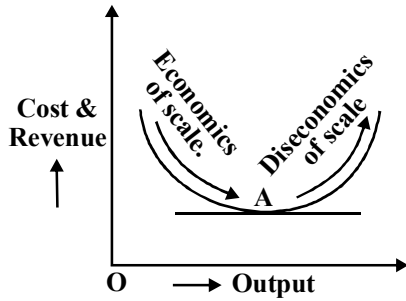
पैमाने की बचतें दो प्रकार की होती हैं-

(i) आन्तरिक पैमाने की बचतें

(ii) पैमाने की बाह्य बचतें

पैमाने की आन्तरिक बचतें फर्म विशेष के क्रियाकलापों से सम्बन्धित है इनमें तकनीकी बचतें, कच्चे माल के क्रय की बचतें, प्रबंधकीय लाभ, वित्तीय लाभ, श्रम विभाजन से लाभ आदि शामिल हैं। इनसे

फर्म की दीर्घकालीन औसत लागत में कमी आती है।



पैमाने की बाह्य बचतें किसी एक फर्म से सम्बन्धित न होकर सम्पूर्ण उद्योग से सम्बन्धित हैं। जैसे कच्चे माल में प्राप्त बचत, परिवहन लागतें आदि की बचतें इत्यादि।

13. दो आगतों - पूँजी और श्रम के साथ कॉब - डगलस उत्पादन फलन के प्रकार वाली अर्थव्यवस्था पर विचार करें। कुल

उत्पादन में पूँजी और श्रम का हिस्सा क्रमशः $\frac{1}{4}$ और $\frac{3}{4}$ हैं।

पूँजी और श्रम की वृद्धि की दर क्रमशः 8% और 4% प्रतिवर्ष है। 3% प्रतिवर्ष की दर से तटस्थ तकनीकी प्रगति होती है। ऐसी अर्थव्यवस्था में प्रतिवर्ष उत्पादन की वृद्धि दर क्या होगी?

Consider an economy with a Cobb-Douglas type of production function with two inputs-capital and labour.

The share of capital and labour in total output are, respectively $\frac{1}{4}$ and $\frac{3}{4}$. The rates of growth of capital and labour are, respectively 8% and 4% per annum. Neutral technical progress takes place at the rate of 3% per annum. What will be the rate of growth of output per annum in this economy?

- (1) 5 % (2) 7 %
(3) 9 % (4) 8 %

उत्तर- (4)/व्याख्या/ 8 %

दिया है: कॉब डगलस उत्पादन फलन

$$Y = AL^\alpha K^\beta \text{ where,}$$

जहाँ - A = technical progress or factor productivity

L = Labour श्रम

K = Capital पूँजी

α = Share of labour श्रम की हिस्सेदारी

β = Share of Capital पूँजी की हिस्सेदारी

दोनों पक्षों का log लेने पर

(log संवृद्धि पथ को दर्शाता है।)

$$Y = AL^\alpha K^\beta$$

$$\log y = \log A + \alpha \log L + \beta \log K$$

$$\text{Production growth Rate} = 3 + \frac{1}{4} \times 8 + \frac{3}{4} \times 4$$

$$= 8\%$$

14. नवीन क्लासिकीय आर्थिक परिदृश्य में निम्नलिखित में से ऋणी को किसमें लाभ होने की संभावना सर्वाधिक है?

Which of the following conditions is most likely to benefit a debtor under new classical economic framework.

- (1) प्रत्याशित अपस्फीति / Anticipated deflation
(2) प्रत्याशित मुद्रास्फीति / Anticipated inflation
(3) अप्रत्याशित अपस्फीति / Unanticipated deflation
(4) अप्रत्याशित मुद्रास्फीति / Unanticipated inflation

उत्तर- (4)/व्याख्या/ नवीन क्लासिकीय आर्थिक परिदृश्य में

अप्रत्याशित मुद्रास्फीति से लाभ होने की संभावना सर्वाधिक है। अप्रत्याशित मुद्रास्फीति से तात्पर्य उस दर से है जिसका आर्थिक अभिकर्ता द्वारा सही अनुमान नहीं लगाया जाता है। नवीन क्लासिकल अर्थशास्त्रियों के विचार विवेकपूर्ण प्रत्याशाओं पर आधारित है जहाँ सभी प्रकार के आर्थिक परिवर्तनों यथा नीतिगत परिवर्तनों, मुद्रास्फीति आदि का ठीक-ठीक पूर्वानुमान लगा लिया जाता है इसलिए कोई भी नीतिगत कदम अप्रभावी होगा। केवल दैवीय अप्रत्याशित परिवर्तन अर्थव्यवस्था में असंतुलन उत्पन्न कर सकते हैं।

15. कौन सा सिद्धान्त यह मानता है कि धन के स्टॉक में होने वाली वृद्धि प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं पर खर्च होती है?

Which theory assumes that increase in stock of money is directly spent on goods?

- (1) धन का मात्रा सिद्धान्त/Quantity theory of money
(2) आई.एस. - एल.एम. (IS - LM वक्र) सिद्धान्त IS - LM theory
(3) केन्स / Keynes
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (1)/व्याख्या/ धन का मात्रा सिद्धान्त (Quantity Theory of Money) यह मानता है कि धन के स्टॉक में होने वाली वृद्धि

प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं पर खर्च होती है।

मुद्रा परिणाम सिद्धान्त दर्शाता है कि किसी प्रकार से मुद्रा की मात्रा में किसी भी प्रकार का परिवर्तन केवल मौद्रिक चरों जैसे कीमत को प्रभावित करेगा। वास्तविक चरों जैसे आय, रोजगार, उत्पादन पर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा। यह सिद्धान्त बताता है कि मुद्रा की मात्रा तथा कीमतों में प्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है तथा मात्रा व मुद्रा के मूल्य या क्रयशक्ति में विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है।

मुद्रा परिमाण सिद्धान्त के विकास का श्रेय **दवन जेट्टी** को जाता है किन्तु व्यवस्थित रूप से प्रथम बार इरविंग फिशर ने दिया।

उनका समीकरण था $\rightarrow MV = PT$

16. हैरोड के आर्थिक वृद्धि प्रारूप में यदि अपेक्षित दर वृद्धि की प्राकृतिक दर से कम है तो निम्न में से किसके साथ वांछित दर पर वृद्धि की निरन्तर स्थिर दर को बनाए रखना संभव है?

In Harrod's model of economic growth, if warranted rate is below the natural rate of growth then it is possible to maintain steady state growth at warranted rate with :

- (1) निरन्तर बढ़ती बेरोजगारी
Continually increasing unemployment
(2) बेरोजगारी की स्थिर दर
A constant rate of unemployment

- (3) निरन्तर घटती बेरोजगारी
Continually decreasing unemployment
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (1)/व्याख्या/ निरन्तर बढ़ती बेरोजगारी

उपरोक्त प्रश्न, प्रश्न पत्र II दिसम्बर 2015 (II) के प्रश्न संख्या 20 के समान है अतः प्रश्न पत्र - II के प्रश्न - 20 की व्याख्या को देखा जाए।

17. मजदूरी का निर्धारण किया जाता है जहाँ :

Wage is determined where :

- (a) श्रम की मांग = श्रम की आपूर्ति
Demand for labour = supply of labour
(b) श्रम की सीमांत आगम उत्पादकता = सीमांत पारिश्रमिक
MRP of labour = marginal wage
(c) श्रम की सीमांत आगम उत्पादकता = औसत आगम उत्पादकता
MRP of labour = ARP
(d) श्रम की सीमांत आगम उत्पादकता = औसत पारिश्रमिक
MRP of labour = Average wage

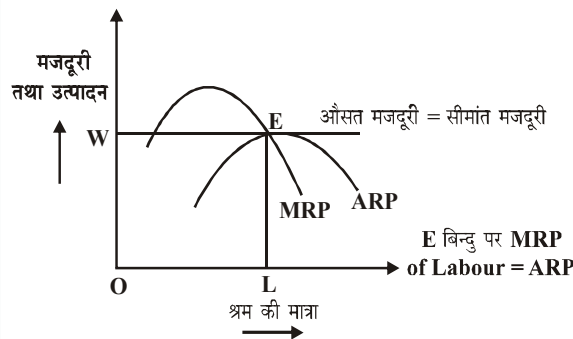
उपरोक्त में से सही संयोजन को चुनें :

Select the correct combination from above :

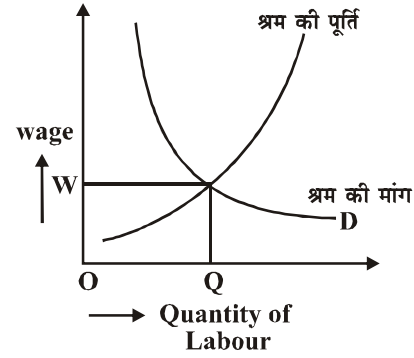
- (1) (a) और (b) (2) (c) और (d)
(3) (a) और (c) (4) (a) और (d)

उत्तर- (1)/व्याख्या/ मजदूरी का निर्धारण किया जाता है, जहाँ:

(a) श्रम की मांग = श्रम की आपूर्ति
(b) श्रम की सीमान्त आगम उत्पादकता = सीमांत पारिश्रमिक
यह प्रश्न भी प्रश्न पत्र II के प्रश्न - II के समान है। निम्नांकित व्याख्या उसी व्याख्या में अतिरिक्त योग है।
मजदूरी के सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त के अनुसार किसी मजदूर की मजदूरी उसकी सीमान्त उत्पादकता के बराबर तय होती है। कोई भी उत्पादक किसी भी श्रमिक को मजदूरी उसके सीमांत उत्पादन से अधिक नहीं देगा। चित्र से स्पष्ट है—



मजदूरी निर्धारण का आधुनिक सिद्धान्त मांग व पूर्ति का सिद्धान्त है। इस सिद्धान्त के अनुसार श्रम की इकाई का मूल्य निर्धारण उसकी मांग व पूर्ति के द्वारा होता है।



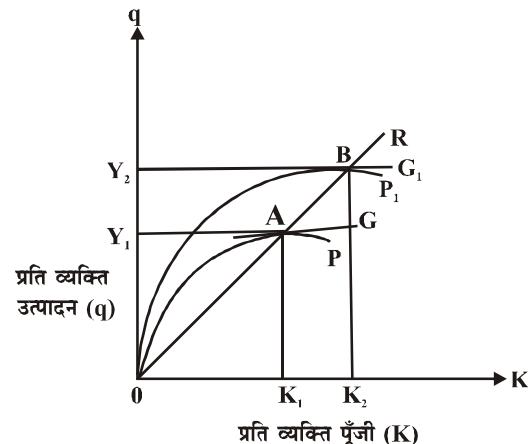
18. हैरॉड के अनुसार तटस्थ तकनीकी प्रगति को कहा जाता है :
According to Harrod, neutral technical progress is characterised as :

- (1) पूंजी संवर्धन वाली/Capital augmenting
(2) श्रम संवर्धन वाली/Labour augmenting
(3) दोनों श्रम और पूंजी संवर्धन वाली
Both labour and capital augmenting
(4) उत्पादकता बढ़ाने सम्बन्धी/Productivity increasing

उत्तर- (2)/व्याख्या/ हैरॉड के अनुसार तटस्थ तकनीकी प्रगति को श्रम संवर्धन वाली कहा जाता है।

प्रो. हैरॉड ने अपनी पुस्तक "Towards a Dynamic Economics" में तटस्थ तकनीकी प्रगति की व्याख्या की। इनके अनुसार तटस्थ तकनीकी प्रगति तब तटस्थ मानी जाएगी जबकि वह पूंजी उत्पाद अनुपात को यथावत रखे और यह लाभ की स्थिर दर पर हो। इस प्रकार हैरॉड तटस्थता Profit (r) व पूंजी उत्पाद अनुपात (K/Y) दोनों में स्थिरता की मांग करती है।

यदि लाभ की दर तकनीकी परिवर्तन के बाद स्थिर रहती है परन्तु पूंजी-उत्पाद अनुपात बढ़ जाता है तब तकनीकी प्रगति श्रम-बचतकारी होगी। वही दूसरी ओर यदि एक स्थिर लाभ की दर पर तकनीकी परिवर्तन के कारण पूंजी उत्पाद अनुपात घट जाता है तो तकनीकी परिवर्तन पूंजी बचतकारी होता है। हैरॉड की तटस्थता चित्र के माध्यम से स्पष्ट है—



चित्र में OP तकनीकी प्रगति के पूर्व का उत्पादन फलन है। तथा OP₁ बाद का उत्पादन फलन है। OP के A पर पूंजी उत्पाद अनुपात

$\frac{OK_1}{OY_1}$ है और OP_1 के बिन्दु B पर OK_2/OY_2 है। किरण OR दोनों बिन्दुओं A तथा B से गुजरती है इसलिए पूंजी उत्पाद अनुपात इन दोनों बिन्दुओं पर समान है। अर्थात् OK_1/OY_1 OK_2/OY_2 है।
हैरॉड तटस्थता के अनुसार पूंजी की सीमान्त उत्पादकता (या लाभ की दर) उत्पादन फलन OP तथा OP_1 के बिन्दु A तथा B पर समान होनी चाहिए।
हैरॉड तटस्थता की विशेषता है कि यह गत्यात्मक स्थिति में लागू होती है। न कि स्थैतिक में। इसके साथ ही इसका श्रम से सीधा सम्बन्ध नहीं है।

19. संवृद्धि सिद्धान्त में निवेश के क्षमता सृजन पहलू को किसके द्वारा विस्तार से बताया गया है?

The Capacity creating aspect of investment in growth theory was explained by :

- (1) आर. एफ. हैरॉड / R. F. Harrod
- (2) ई. डी. डोमर / E. D. Domar
- (3) आर. एम. सोलो / R. M. Solow
- (4) पी. ए. सैमुअलसन / P. A. Samuelson

उत्तर- (2)/व्याख्या संवृद्धि सिद्धान्त में निवेश के क्षमता सृजन पहलू को ई. डी. डोमर ने विस्तार से बताया है।
डोमर के अनुसार विनियोग एक ओर अर्थव्यवस्था में पूंजीस्टॉक बढ़ाकर उत्पादन क्षमता का विकास करता है दूसरी ओर आय को बढ़ाकर मांग सृजित करता है। पहले को निवेश का मांग प्रभाव तथा दूसरे को पूर्ति प्रभाव कहते हैं। इसलिए जब तक शुद्ध निवेश होता रहेगा, वास्तविक आय और उत्पादन का विस्तार होता रहेगा।

20. जिस दर पर बैंक भारतीय रिजर्व बैंक को उधार देते हैं वह कहलाती है :

The rate at which banks lend to RBI is known as :

- (1) बैंक दर / Bank Rate
- (2) रेपो दर / Repo Rate
- (3) विलोम रेपो दर / Reverse Repo rate
- (4) ब्याज दर / Interest Rate

उत्तर- (3)/व्याख्या जिस दर पर बैंक भारतीय रिजर्व बैंक को उधार देते हैं वह विलोम रेपो दर (Reverse Repo Rate) कहलाती है।

रिवर्स रेपो दर वह दर है जिस पर RBI देश के व्यापारिक बैंकों से उधार लेता है। अन्य शब्दों में वह दर जिस पर व्यापारिक बैंक अपनी अतिरिक्त मुद्रा RBI के पास अल्पसमय के लिए रखते हैं। यह LAF का एक भाग है।

21. अभिकथन (A) : ए. के. (AK) मॉडल अन्तर्व्याप्त मॉडल है।

Assertion (A) : A K model is an endogenous model.

कारण (R) : ऐसा पूंजी के पैमाने के प्रतिफल की गिरती दर की अनुपस्थिति के कारण होता है।

Reason (R) : This is due to absence of diminishing returns to scale with respect to capital.

निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सही है?

Then which of the following options is correct ?

कूट/Codes :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
Both (A) and (R) are true and (R) is not the correct explanation of (A).
- (3) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(A) is true but (R) is false.
- (4) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।
(A) is false but (R) is true.

उत्तर- (1)/व्याख्या अभिकथन (A): ए. के. (AK) मॉडल अन्तर्व्याप्त मॉडल है, सही है।

अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्तों का सरलतम रूप AK मॉडल है जो स्थिर बर्हिजात बचत दर तथा स्थिर तकनीकी का स्तर की मान्यता को लेकर चलता है। इस मॉडल की प्रमुख विशेषता है कि उत्पादन फलन पूंजी पर घटते प्रतिफल को शामिल नहीं करता है। बल्कि उत्पादन में पूंजी में वृद्धिमान प्रतिफल प्राप्त होते हैं ऐसा मानव पूंजी की उपस्थिति का परिणाम है।

$$Y = AK$$

जहां K पूंजी को दर्शाता है जिसमें भौतिक पूंजी व मानव पूंजी दोनों समाहित है। A तकनीकी का स्तर है जो स्थिर है।

इस प्रकार **Output per capita** होगा—

$$\frac{Y}{L} = A \cdot \frac{K}{L} \text{ i.e. } y = Ak$$

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

22. अभिकथन (A) : मार्क्स के अनुसार पूंजीवादी समाज में पूंजी की जैविक संरचना समय के साथ बढ़ती है।

Assertion (A) : According to Marx in a capitalist society organic composition of capital increases with time.

कारण (R) : प्रौद्योगिकीय प्रगति निरन्तर और अधिक पूंजी सघन होती रहती है।

Reason (R) : Technological progress is continuously more capital intensive.

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

Select the answer from the code given below :

कूट / Codes :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

Both (A) and (R) are true and (R) is not the correct explanation of (A).

- (3) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।/
(A) is true but (R) is false.
- (4) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।/
(A) is false but (R) is true.

उत्तर- (1)/व्याख्या मार्क्स के अनुसार समाज पूँजीपती वर्ग व सर्वहारा वर्ग में विभक्त है। पूँजीपती वर्ग उत्पादन के साधनों पर नियंत्रण रखता है। वही श्रमिक वर्ग। सर्वहारा वर्ग जीवन निर्वाह मजदूरी पर उत्पादन करता है। यही अतिरिक्त मूल्य का सृजनकर्ता है जो लाभ का स्रोत है।

स्थिर पूँजी से परिवर्तनशील पूँजी का अनुपात, पूँजी की जैविक संरचना कहलाती है। जो समय के साथ बढ़ती जाती है। क्योंकि लाभ की दर का अतिरिक्त मूल्य से प्रत्यक्ष व पूँजी की जैविक संरचना से विपरीत सम्बन्ध है।

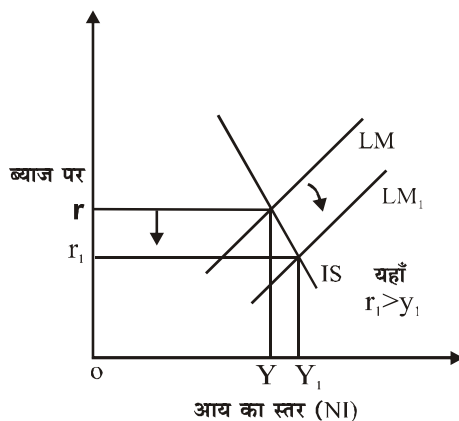
अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

23. कम लोचदार आई.एस. (IS) वक्र का आशय है कि :

A less elastic IS curve means that :

- (1) मौद्रिक नीति अधिक प्रभावी है
Monetary policy is more effective
- (2) मौद्रिक नीति कम प्रभावी है
Monetary policy is less effective
- (3) राजकोषीय नीति कम प्रभावी है
Fiscal policy is less effective
- (4) (1) और (3) दोनों सही हैं/Both (1) and (3) are true

उत्तर- (2)/व्याख्या कम लोचदार आई.एस. वक्र का आशय है कि मौद्रिक नीति कम प्रभावी है।



LM – प्रारम्भिक संतुलन स्तर

IS – प्रारम्भिक संतुलन स्तर जहाँ IS कम लोचदार है।

LM₁ – मौद्रिक नीति विस्तार के परिणामस्वरूप LM वक्र

r – पूर्व संतुलन ब्याज दर व Y प्रारम्भिक आय स्तर

r₁ व Y₁ – क्रमशः विस्तार के बाद ब्याज दर व आय स्तर

IS - LM वक्र में मौद्रिक नीति व राजकोषीय नीति की प्रभावशीलता वक्रों की लोचों पर निर्भर करती है। IS वक्र जितना अधिक चपटा

होगा मौद्रिक नीति उतनी अधिक प्रभावी होगी व कम लोचदार में ब्याज दर में कमी अधिक होगी जबकि आय स्तर में अल्प वृद्धि होगी।

24. निम्नलिखित पर विचार करें :

Consider the following :

- (a) मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद / Nominal GDP
- (b) कीमत स्तर / Price level
- (c) ब्याज की दर / The rate of interest

मुद्रावाद में मुद्रा की आपूर्ति उपरोक्त में से किसका निर्धारण करती है? नीचे दिए गए कूटों से उत्तर चुनें :

In monetarism, money supply determines which of the above ? Answer from the code given below :

कूट / Codes :

- (1) उपरोक्त सभी (2) केवल (c)
- (3) (a) और (b) (4) (b) और (c)

उत्तर- (3)/व्याख्या मुद्रावाद में मुद्रा की आपूर्ति का निम्न निर्धारण करती है

- (a) मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद
- (b) कीमत स्तर

मुद्रावाद वह विचारधारा है, जो मुद्रा की पूर्ति में परिवर्तन का प्रभाव कीमतों, आय व रोजगार पर देखता है। इसके नेता मिल्टन फ्रीडमैन थे। इनका प्रसिद्ध कथन है कि “मुद्रा स्फीति प्रत्येक समय व प्रत्येक जगह एक मौद्रिक प्रतिभाष है।

25. केनसियन ढाँचे में पूर्ण रोजगार की स्थिति में निम्नलिखित में से कौन-सा/से सही है/हैं?

In Keynesian framework, at full employment, which of the following is/are true?

- (a) आपूर्ति वक्र अल्पावधि में लचीला नहीं होता
Supply curve in the short period is inelastic.
- (b) मुद्रा की मात्रा में वृद्धि से आपूर्ति प्रभावित होती है।
The supply is influenced by the increase in the quantity of money.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें :

Select the answer from the code given below :

कूट / Codes :

- (1) (a) और (b) दोनों सही हैं।
- (2) न तो (a) और न ही (b) सही हैं।
- (3) केवल (a) सही है।
- (4) केवल (b) सही है।

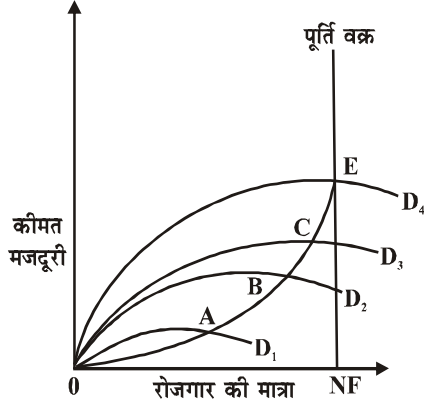
उत्तर- (3)/व्याख्या केनसियन ढाँचे में पूर्ण रोजगार की स्थिति में आपूर्ति वक्र अल्पावधि में लचीला नहीं होता है।

केनसियन ढाँचे में पूर्ण रोजगार की स्थिति में आपूर्ति वक्र अल्पकाल में लचीला नहीं होता।

कीन्स के रोजगार सिद्धान्त का केन्द्रीय बिन्दु प्रभावी मांग का होना है। अर्थव्यवस्था में समग्र मांग व समग्र पूर्ति का संतुलन रोजगार का स्तर तय करता है किन्तु क्लासिकल से विपरीत यह संतुलन पूर्ण रोजगार से पूर्व हो सकता है जिसे प्रभावी मांग का बिन्दु होगा।

कीन्स दर्शाते हैं कि पूर्ण रोजगार की प्राप्ति के बाद पूर्ति वक्र Y-

अक्ष के समांतर हो जाता है जिसका अर्थ है कि उसमें लोच शीलता का अभाव होगा। और यदि समग्र मांग में वृद्धि पाई जाती है तो यह मात्र कीमतों में वृद्धि लाएगी।



यहां E बिन्दु पर रोजगार की मात्रा NF है। तथा इस बिन्दु के बाद पूर्ति वक्र एक सीधी रेखा बन जाता है जहां आय उत्पादन में कोई परिवर्तन नहीं होगा। मात्र कीमते बढ़ेगी।

26. निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने मुद्रा के लिए मांग के पोर्टफोलियो दृष्टिकोण पर विचार किया?

Who among the following economists considered the portfolio approach to demand for money?

- (a) जे. एम. केन्स / J. M. Keynes
- (b) एम. फ्रीडमैन / M. Friedman
- (c) जेम्स टोबिन / James Tobin

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चुनें :

Select the correct answer from the code given below :

कूट / Code :

- (1) उपरोक्त सभी (2) केवल (b) और (c)
- (3) केवल (b) (4) केवल (a)

उत्तर- (2)/व्याख्या/ जेम्स टोबिन (1958) और मिल्टन फ्रीडमैन (1956) ने मुद्रा के लिए मांग के पोर्टफोलियो दृष्टिकोण का प्रतिपादन किया।

कीन्स ने तरलता अधिमान सिद्धान्त में मुद्रा की मांग के सम्बन्ध में माना कि मुद्रा की लेनदेन तथा सतर्कता उद्देश्यों के लिए मांग आय का फलन है। जबकि सट्टा उद्देश्यों के लिए मांग ब्याज दर का फलन है। जहां कोई व्यक्ति अपनी निवेश सूची में या तो मुद्रा रखता है या बाण्ड रखता है। टोबिन ने अपने पोर्टफोलियो चयन मॉडल में दर्शाया कि व्यक्ति एक समय में मुद्रा तथा बाण्ड दोनों रखता है। ऐसा इसलिए कि बाण्ड पर प्राप्त होने वाला प्रतिफल जोखिम पूर्ण होता है इसलिए निवेशक जोखिम तथा प्रतिफल के बारे में निश्चित नहीं रहता इसलिए वह बाण्ड व मुद्रा एक साथ रखता है।

दूसरी तरफ फ्रीडमैन ने अपने लेख 'The Quantity Theory of Money- A Restatement' जो 1956 में प्रकाशित हुई में मुद्रा परिमाण सिद्धान्त दिया जो मुद्रा की मांग का सिद्धान्त है। फ्रीडमैन ने मुद्रा की मांग को पोर्टफोलियो के रूप में विकसित किया मुद्रा की मांग तीन कारकों पर निर्भर करती है-

- (a) कुल सम्पत्ति जो विभिन्न रूपों में रखी जाती है।
- (b) परिसम्पत्तियों (assets) का मूल्य तथा प्रतिफल
- (c) परिसम्पत्ति (asset) धारक की रुचियों तथा अधिमान फ्रीडमैन ने सम्पत्ति के 5 रूपों को दर्शाया जिसे फलन में रखा जाता है नामतः मुद्रा (M), इक्विटी (E) भौतिक गैर मानवीय वस्तुएं (G) मानव पूंजी (H)

फ्रीडमैन का मुद्रा मांग फलन

$$M = F \left[y, p, r_b, r_e, \frac{1}{p} \frac{dp}{dt}, w, \mu \right]$$

जहां M = मांगी गई मुद्रा का कुल स्टॉक

P = कीमत स्तर

$\left(\frac{1}{P} \frac{dp}{dt} \right) \rightarrow$ वस्तुओं की कीमतों में होने वाले परिवर्तन की

प्रत्याशित दर

W $\rightarrow$ मानवीय सम्पत्ति से गैर मानवीय सम्पत्ति का अनुपात

$\mu \rightarrow$ रुचियां, अधिमान तथा अन्य सम्बन्ध चर

$r_b \rightarrow$ बॉण्ड पर प्रतिफल

$r_e \rightarrow$ इक्विटी पर प्रतिफल

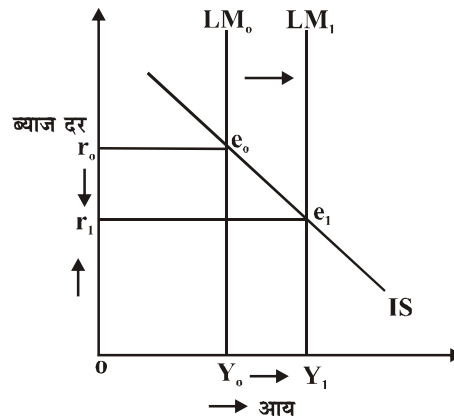
27. जब एल. एम (LM) वक्र ऊर्ध्वाधर होता है, तो ऐसी स्थिति में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है? मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि से होता है :

When LM curve is vertical, which one of the following is correct? An increase in money supply will lead to :

- (1) ब्याज दर में कमी/Fall in interest rate
- (2) आय के स्तर में गिरावट/Fall in the level of income
- (3) ब्याज दर में वृद्धि/Rise in the rate of interest
- (4) आय के स्तर में कोई परिवर्तन नहीं

No change in the level of income

उत्तर- (1)/व्याख्या/ ब्याज दर में कमी



जब LM वक्र ऊर्ध्वाधर (vertical) होता है तब ऐसी दशा को चित्र में दर्शाया गया है। प्रारम्भिक संतुलन e_0 पर है। जहां ब्याज दर r_0 व आय Y_0 है। यदि मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि होती है तब LM वक्र LM_0 से LM_1 हो जाएगा तथा ब्याज दर कम होकर r_1 व आय स्तर बढ़कर Y_1 हो जाएगा।

28. निम्नलिखित में से कौन यह मानता है कि मुद्रा का वेग स्थिर है?
Who among the following believe the velocity of money to be constant?

- (1) क्लासिकीय / Classical
- (2) केनसियन्स / Keynesians
- (3) मोनीटेरिस्ट (मुद्रावादी) / Monetarists
- (4) (1) और (3) दोनों / Both (1) and (3) above

उत्तर- (4) व्याख्या/ क्लासिकल अर्थशास्त्री व मुद्रावादी अर्थशास्त्री दोनों मुद्रा के वेग को स्थिर मानकर चलते थे।

मुद्रा का चलन वेग उस दर का मापन जिसमें अर्थव्यवस्था में मुद्रा का विनिमय होता है। अर्थात् किसी निश्चित समय में किसी मुद्रा की इकाई का प्रयोग जितनी बार किसी वस्तु या सेवा के क्रय में औसत रूप से होता है यह मुद्रा का चलन वेग दर्शाता है यदि मुद्रा का चलन वेग बढ़ता है तो इसका अर्थ है कि लोग अधिक हस्तांतरण कर रहे हैं।

अर्थशास्त्रियों में 'मुद्रा के वेग' पर अलग-अलग विचार हैं। क्लासिकल अर्थशास्त्रियों का मत है कि वेग नियत (निश्चित) होता है। वही मुद्रावादी मानते थे कि मुद्रा का वेग नियत नहीं अपितु स्थिर व पूर्वानुमेय (जिसका अनुमान लगाया जा सके) है। जबकि कीन्सियन के विचार से यह न तो नियत है, नहीं स्थिर और न ही पूर्वानुमेय।

29. निम्नलिखित में से कौन सा सही सुमेलित नहीं है?

Which one of the following is not correctly matched?

- (1) दीर्घावधि उपभोग फलन:स्थायी आय परिकल्पना
Long-run consumption: Permanent Income Hypothesis
- (2) रखे जाने हेतु मुद्रा : फिशर का समीकरण
कोष की मांग
Demand for money : Fisher's equation
balances to be held
- (3) वास्तविक शेष प्रभाव : टोबिन का पोर्टफोलियो सिद्धान्त
Real balance effect : Tobin's portfolio theory
- (4) मूल्य का श्रम सिद्धान्त : रिकार्डो का वितरण सिद्धान्त
Labour theory of value : Ricardo's theory of distribution

उत्तर- (2) व्याख्या/ रखे जाने वाले मुद्रा कोष की मांग— यह फिशर की धारणा नहीं अपितु कैम्ब्रिज अर्थशास्त्रियों के 'नगद शेष उपागम' (cash balance approach) से सम्बन्धित है। फिशर ने 'विनिमय समीकरण' के रूप में परिमाण सिद्धान्त को दर्शाया था।

विनिमय समीकरण → $MV = PT$ यहाँ फिशर ने V तथा T जहाँ M - मुद्रा की कुल मात्रा को स्थिर माना
V - मुद्रा का चलन वेग
P - कीमत स्तर
T - कुल वस्तुओं व सेवाओं की मात्रा

$$MV = PT \quad (i)$$

साख मुद्रा को समाहित करने पर

$$MV + M^1 V^1 = PT \quad (ii)$$

$$P = \frac{MV + M^1 V^1}{T}$$

—फिशर का लेन-देन उपागम

V और T के स्तर होने पर मुद्रा पूर्ति M तथा कीमतों में प्रत्यक्ष सम्बन्ध पाया जाता है। $M \uparrow \rightarrow P \uparrow$

कैम्ब्रिज उपागम नवक्लासिकल उपागम भी माना जाता है। इसमें मार्शल, पीगू, राबर्टसन तथा कीन्स आते हैं। बाद में कीन्स क्लासिकल से अलग हो गए। इनके मुद्रा परिमाण से सम्बन्धित विचारों को 'नगद शेष उपागम' के रूप में जाना जाता है। इनका मानना था कि मुद्रा का कार्य मूल्य का संचय तथा विनिमय का माध्यम है। यहाँ नगद शेष का अर्थ है मुद्रा का वह भाग जो नगद रूप से रखा जाता है। यह भाग आपातकाल समयावधि हेतु रखा जाता है। मुद्रा की नगद रखने की यह मांग आय के अनुपात के रूप में होती है।

कैम्ब्रिज का मुद्रा मांग समी. है— $Md = KPY$

Md - मुद्रा की मांग

K - वास्तविक मौद्रिक आय का वह भाग जिसे नगद रूप में रखा जाता है।

P - सामान्य कीमत स्तर है।

Y - आय स्तर

मार्शल का समीकरण - $P = \frac{M}{KY}$

M - बाह्य निर्धार्य मुद्रा पूर्तिस्तर

K → आय से अनुपात जिसे नगद रूप में रखा जाता है।

P = कीमत स्तर

Y - समग्र वास्तविक आय

पीगू का समीकरण → $P = \frac{KR}{M}$

पीगू के समी. में P - क्रय शक्ति को दर्शाता है। मुद्रा की क्रय शक्ति व मुद्रा की मात्रा में विपरीत सम्बन्ध होता है। इसी प्रकार कीमतों तथा क्रय शक्ति में भी विपरीत सम्बन्ध होता है।

K - कुल संसाधन अथवा आय (R) से अनुपात जिसे वैधानिक मुद्रा या अन्य रूपों में रखा जाता है।

M → मुद्रा की कुल मात्रा

पीगू के समी. में बैंक शाखा को मिलाने पर

$$P = \frac{KR}{M} \{C + h(I - C)\}$$

C → नगद रूप में नगद शेष

(I - C) → बैंको में जमा

राबर्टसन का समी. → $P = \frac{M}{KT}$

P - कीमत स्तर, T - कुल वस्तुओं व सेवाओं की मात्रा

K → T का अनुपात जिसे Cash balance में रखा जाता है।

कीन्स का समीकरण

कीन्स ने अपनी पुस्तक 'A Tract on Monetary Reform' (1923) में वास्तविक मुद्रा परिमाण समी. दिया जो कैम्ब्रिज के अन्तर्गत उसमें सुधार था। उनका समीकरण था -

	$n = pk$	
जहाँ	p	— Price level.
	n	— total currency
	k	— Constant

30. मुद्रा के लिए केनसियन मांग हेतु निम्नलिखित में से कौन-सा सही है? धन को लोग किस रूप में रखना चाहते हैं?

For Keynesian demand for money, which of the following is correct? People wish to hold money in the form of:

- नकद / Cash
- बांड्स / Bonds
- नकद और बांड्स दोनों/Both Cash and Bonds
- न तो नकद और न ही बांड्स/Neither Cash nor bonds

उत्तर- (*)/व्याख्या/ नोट: न तो नगद और न ही बॉण्ड्स को

UGC की उत्तर कुंजी में सही माना गया था जबकि सही उत्तर या तो नगद या बॉण्ड्स होगा। इस प्रकार कोई विकल्प सही नहीं है।

कीन्स ने मुद्रा की मांग का तरलता अधिमान सिद्धान्त प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने दर्शाया कि मुद्रा की मांग तीन रूपों में की जाती है।

- लेन-देन उद्देश्य— लेन-देन के लिए मुद्रा की मांग आय का फलन है।
- सतर्कता उद्देश्य के लिए मुद्रा की मांग → यह भी आय का फलन है।
- सट्टा उद्देश्य के लिए मुद्रा की मांग → यह ब्याज दर का फलन है।

कीन्स ने दर्शाया कि लोग या मुद्रा को नगद रूप में रखते हैं या बॉण्ड्स के रूप में। दोनों को एक साथ नहीं रखा जाता। वहीं ब्याज दर व बॉण्ड की कीमतों में विपरीत सम्बन्ध होता है।

31. अर्थव्यवस्था में क्राउडिंग आउट की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी, यदि :

Crowding out will emerge in the economy, if :

- सरकारी व्यय बढ़ता रहे
government spending is on the rise
- घाटे का वित्तपोषण नियंत्रण में हो
deficit financing is in control
- (1) और (2) दोनों संगत हैं
both (1) and (2) are relevant
- न तो (1) और न ही (2) संगत हैं
neither (1) nor (2) are relevant

उत्तर- (1)/व्याख्या/ अर्थव्यवस्था में क्राउडिंग आउट की स्थिति

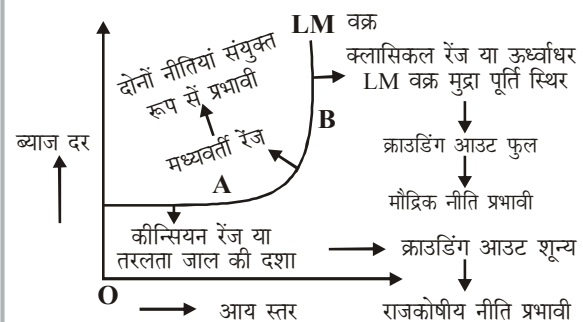
उत्पन्न हो जाएगी, यदि सरकारी व्यय बढ़ता रहे।

अर्थव्यवस्था में क्राउडिंग आउट की स्थिति तब उत्पन्न होती है जबकि सरकार उधार लेकर सार्वजनिक व्यय बढ़ाती है। सार्वजनिक व्यय में वृद्धि करारोपण बढ़ाकर नयी मुद्रा निर्गमित है या बाजार से उधार लेकर करती है। क्योंकि सरकार का उद्देश्य आय व रोजगार में वृद्धि लाना है इसलिए करारोपण को नहीं बढ़ाया जा सकता। वहीं नयी मुद्रा निर्गमित करने से मुद्रास्फीति बढ़ेगी अतः सरकार बाजार से ऋण लेकर सार्वजनिक व्यय बढ़ाती है।

इस प्रकार जब सार्वजनिक व्यय में वृद्धि, निजी क्षेत्र के निवेश व्यय में कमी आए तो इसे क्राउडिंग आउट प्रभाव कहते हैं। सरकार व्यय करने के लिए अधिक उधार लेती है जिससे एक तरफ निजी क्षेत्र के निवेश व्यय के लिए संसाधनों में कमी आती है दूसरी तरफ कुल लोनेबल वित्त में कमी होने से ब्याज दर बढ़ती है जिसका समग्र प्रभाव निजी निवेश व्यय में कमी है। यह विभिन्न प्रक्रिया से होते हुए कुल उत्पादन या आय में कम परिवर्तन लाता है। अर्थात् गुणक का प्रभाव कम होता है।

IS - LM तथा क्राउडिंग आउट

क्राउडिंग आउट की संकल्पना मौद्रिकवादी अर्थशास्त्रियों की देन है। इन्होंने कीन्स की आलोचना करते हुए दर्शाया कि चूंकि दीर्घकाल में अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगार पर तथा मुद्रा आपूर्ति स्थिर होती है अतः LM वक्र ऊर्ध्वाधर (vertical) होता है इसलिए राजकोषीय नीति अप्रभावी रहती है यह मात्र ब्याज दरों में वृद्धि लाती है जिससे क्राउडिंग आउट बढ़ता है।



32. सामान्य $Y = AK$ मॉडल के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

Which one of the following is / are not true for a simple $Y = AK$ model ?

- स्थिर बाह्यनिर्धारित बचत दर
Constant exogenous savings rate
- पैमाने के गिरते प्रतिफल का सक्रिय न होना
Non-operation of diminishing returns to scale
- स्थिर अन्तर्निर्धारित बचत दर
Constant endogenous savings rate.

नीचे दिए गए कूटों से उत्तर चुनें :

Choose the answer from the code given below :

कूट / Code :

- (a) और (b) दोनों सही हैं।
- (b) और (c) दोनों सही हैं।
- केवल (c) सही है।
- केवल (b) सही है।

उत्तर- (2)/व्याख्या/ (b) और (c) दोनों सही है।

$Y = AK$ अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धान्त का AK संवृद्धि मॉडल है। अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धान्तों का विकास 1980 के दशक में हुआ जो नवक्लासिकल बहिर्जात मॉडलों के विपरीत थे। AK अन्तर्जात मॉडल की प्रमुख विशेषता यह है कि ये पैमाने के वृद्धिमान प्रतिफल प्रदान करते हैं ऐसा कुल पूंजी में मानवीय पूंजी का समावेश होने के कारण है।

33. 'मेक इन इण्डिया' कार्यक्रम के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :

Consider the following statements with regard to "Make in India" programme :

- (a) इसमें 25 उद्योगों/क्षेत्रों पर अधिक ध्यान दिया गया है।
It concentrates on 25 industries/sectors.
- (b) रेल अवसंरचना परियोजनाओं में 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी गई है।
100 per cent FDI has been allowed in railway infrastructure projects.

उपरोक्त में से कौन सा/से सही है/हैं? नीचे दिए गए कूटों से उत्तर दें :

Of the above, which is / are correct ? Answer from the codes given below :

कूट / Codes :

- (1) (a) और (b) दोनों सही हैं।
(2) न तो (a) और न ही (b) सही है।
(3) केवल (a) सही है।
(4) केवल (b) सही है।

उत्तर- (1)/व्याख्या/ (a) व (b) दोनों सही है।

मेक इन इण्डिया कार्यक्रम की शुरुआत सितम्बर 2014 में भारत-निर्माण संकल्प के तहत हुई इसको भारत को वैश्विक पहचान दिलाने तथा भारत को विनिर्माण हब बनाने के उद्देश्य से प्रारम्भ किया गया। इसमें 25 आर्थिक/औद्योगिक क्षेत्रों को रोजगार सृजन तथा कौशल विकास के लिए चुना गया।

मेक इन इण्डिया कार्यक्रम के तीन प्रमुख उद्देश्य हैं-

- विनिर्माण क्षेत्र की संवृद्धि दर में 12-14% वार्षिक वृद्धि प्राप्त करना
- 2022 तक 100 मिलियन अतिरिक्त रोजगार का सृजन
- GDP में विनिर्माण क्षेत्र की हिस्सेदारी को 2022 तक बाद में 2025 तक 25% तक करना।

34. जनसंख्या प्रतिस्थापन की कुल प्रजननता दर है :

Population replacement level of total fertility rate is :

- (1) 2.1 (2) 1.0
(3) 2.5 (3) 4.0

उत्तर- (1)/व्याख्या/ जनसंख्या प्रतिस्थापन की कुल प्रजननता दर 2.1 है।

प्रजननता का प्रतिस्थापन स्तर वह स्तर है जिस पर जनसंख्या वास्तव में अपने आप को एक पीढ़ी से अगली पीढ़ी में प्रतिस्थापित करती है।

35. प्रतिछाया बैंकिंग के सम्बन्ध में निम्नलिखित पर विचार करें :

Consider the following regarding shadow banking :

- (a) एन.बी.एफ.सी. वैश्विक वित्तीय प्रणाली में जुड़े संस्थानों को ऋण की सुविधा मुहैया कराता है।
NBFC facilitating credit spread across the global financial system.
- (b) ये संस्थान केन्द्रीय बैंकों के पर्यवेक्षी नियंत्रण के अध्याधीन हैं।

These institutions are subject to supervisory control of central banks.

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं? नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें :

Of the above, which statement/s is/are true? Select the answer from the codes given below :

कूट / Codes :

- (1) (a) और (b) दोनों सही हैं।
(2) न तो (a) और न ही (b) सही है।
(3) केवल (a) सही है।
(4) केवल (b) सही है।

उत्तर- (3)/व्याख्या/ केवल (a) सही है।

प्रतिछाया बैंकिंग (Shadow Banking) NBFC वैश्विक वित्तीय प्रणाली से जुड़े संस्थानों को ऋण की सुविधा मुहैया कराता है। प्रतिछाया बैंकिंग का सम्बन्ध सभी गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थानों से है। अर्थात् NBFI's द्वारा परम्परागत व्यापारिक बैंकों की भाँति किए जाने वाले कार्यों को प्रतिछाया बैंकिंग कहते हैं। शब्द 'Shadow Bank' को सबसे पहले Paul McCulley ने 2007 में अमेरिका की NBFI's द्वारा अल्पकालिक जमाओं का प्रयोग दीर्घकालिक ऋण देने के संदर्भ में किया। बाद में Financial Stability Board ने इन्हें साख मध्यस्थों जो दैनिक बैंकिंग व्यवस्था से अलग हैं' के रूप में परिभाषित किया। वर्ष 2008 की US Sub Prime Crises प्रतिछाया बैंकिंग की जोखिम उठाने की प्रवृत्ति तथा विफलता का परिणाम थी। इस समय तक NBFI's में बहुत अधिक केन्द्रीय बैंकों का हस्तक्षेप नहीं था।

36. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :

Consider the following statements :

- (a) एशिया में भारत ऐसा पहला राष्ट्र है जिसने निर्यात प्रसंस्करण जोन की प्रभावशीलता को मान्यता प्रदान की है।

India is one of the first in Asia to recognise the effectiveness of the Export Processing Zone.

- (b) एशिया का पहला निर्यात प्रसंस्करण जोन कांडला, भारत में 1965 में स्थापित हुआ था।

Asia's First Export Processing Zone was set-up in Kandla, India in 1965. Which of the statement/s given above is / are correct?

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

- (1) केवल (a) (2) केवल (b)
(3) (a) और (b) दोनों (4) न तो (a) और न ही (b)

उत्तर- (3)/व्याख्या/ (a) और (b) दोनों सही है

EPZ- ऐसे क्लस्टर या विशेष रूप से निर्मित जोन होते हैं जो निर्यात प्रोत्साहन हेतु खोले जाते हैं।

चूँकि निर्यात प्रसंस्करण जोन विशेष आर्थिक जोन (SEZs) के सामन थे इसलिए सरकार ने सन् 2000 से विदेशी व्यापार नीति के अंतर्गत SEZs प्रारम्भ किए व 2005 में SEZs Act पास हुआ। वर्तमान में 379 SEZ नोटीफाइट है जिसमें से 265 चालू है। इनमें 65.5 राज्यों यथा तमिलनाडू, तेलंगाना, कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश व महाराष्ट्र में है।

37. सीमांत उत्पाद का मूल्य (VMP) है :

Value of the marginal Product (VMP) is :

- (1) $MPP \times MR$ (2) $MPP \times AR$
(3) $APP \times MR$ (4) $APP \times AR$

उत्तर- (2)/व्याख्या/ $MPP \times AR$

जब सीमांत भौतिक उत्पादन का मूल्य या औसत आगम से गुणा कर दिया जाता है तो उसे सीमान्त उत्पाद का मूल्य (VMP) कहते हैं।

$$VMP = MPP \times AR (P)$$

पूर्ण प्रतियोगिता में श्रमिक को उसके सीमांत उत्पाद के मूल्य बराबर मजदूरी दी जाती है।

38. निम्नलिखित में से कौन-सा भारत निर्माण का भाग नहीं है?

Which of the following is not a part of Bharat Nirman?

- (1) ग्रामीण आवास / Rural Housing
(2) कृषि आधारित उद्योग / Agro-based Industries
(3) ग्रामीण विद्युतीकरण / Rural Electrification
(4) ग्रामीण टेलीफोनी / Rural Telephony

उत्तर- (2)/व्याख्या/ कृषि आधारित उद्योग भारत निर्माण का भाग नहीं है।

ग्रामीण क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के निर्माण एवं विकास हेतु भारत निर्माण योजना का प्रारम्भ 16 दिसम्बर 2005 को किया गया। इसमें शामिल घटक हैं—

- (i) ग्रामीण आवास
(ii) ग्रामीण विद्युतीकरण
(iii) ग्रामीण दूर संचार
(iv) पेय जल
(v) सड़के
(vi) सिंचाई क्षमता

39. बाल लिंग अनुपात की गणना के लिए संगत आयु समूह है :

The relevant age group for computation of child sex-ratio:

- (1) 0 - 1 वर्ष (2) 0 - 4 वर्ष
(3) 0 - 6 वर्ष (4) 0 - 7 वर्ष

उत्तर- (3)/व्याख्या/ बाल लिंग अनुपात की गणना के लिए संगत आयु समूह 0 - 6 वर्ष है

प्रति 1000 पुरुषों पर स्त्रियों की संख्या को लिंगानुपात कहा जाता है। वही शिशु लिंगानुपात में 6 वर्ष से कम आयु में 1000 बालक शिशुओं पर बालिकाओं की संख्या को लिया जाता है।

40. किस समिति ने आय कर अधिनियम की धारा 88 के अन्तर्गत कर-राहत के उन्मूलन की सिफारिश की थी?

Which committee recommended abolition of tax rebates under Section 88 of the income tax Act?

- (1) चेल्लैया समिति / Chellaiah Committee
(2) केलकर समिति / kelkar Committee
(3) शोम समिति / Shome Committee
(4) उपरोक्त में से कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (2)/व्याख्या/ केलकर समिति ने आय कर अधिनियम की धाराओं में कर राहत के उन्मूलन की सिफारिश की थी।

सन् 2002 में विजय केलकर की अध्यक्षता में प्रत्यक्ष तथा परोक्ष करारोपण समिति का गठन हुआ जिसका उद्देश्य प्रत्यक्ष व परोक्ष करारोपण में सुधार करना व FRBM Act की रूपरेखा तैयार करना था। समिति ने न्यूनतम वैकल्पिक कर को समाप्त करने व सभी प्रकार की कर रियायतों को समाप्त करने की सिफारिश की। इसके बाद सन् 2012 में भी राजकोषीय समेकन हेतु केलकर समिति का गठन किया गया।

41. संयुक्त राष्ट्र के पावर्टी एण्ड इनवारनमेन्ट पर कन्वेन्शन रिपोर्ट के अनुसार निम्नलिखित में क्या एक असत्य है?

As per the UN Report on the convention between poverty and Environment, which one of the following is incorrect :

- (1) प्राकृतिक आपदाएं हमेशा गरीब वर्ग को अधिक प्रभावित करती हैं
Natural calamities always hit the poor more severely.
(2) गरीबी में तीव्र वृद्धि से पर्यावरण क्षरण होता है।
Poverty escalation leads to environmental degradation.
(3) पर्यावरण क्षरण जीवन निर्वाह को विपरीत प्रभावित करता है।
Environmental degradation adversely affects livelihood.
(4) पर्यावरण क्षरण गरीबी को कम करता है।
Environmental degradation reduces poverty.

उत्तर- (4)/व्याख्या/ संयुक्त राष्ट्र के पावर्टी एण्ड इनवारनमेन्ट पर कन्वेन्शन रिपोर्ट के अनुसार पर्यावरण क्षरण गरीबी को कम करता है यह कथन असत्य है।

संयुक्त राष्ट्र के पावर्टी एण्ड इनवारनमेन्ट पर कन्वेन्शन रिपोर्ट में गरीबी तथा पर्यावरण अथवा जलवायु परिवर्तन के मध्य सम्बन्ध को दर्शाया गया। प्रमुख लिंकेज हैं—

- प्राकृतिक आपदाएं कम विकसित देशों व गरीब वर्ग को अधिक प्रभावित करती हैं।
- असमानता, संवृद्धि गरीबी निवारण, तथा वातावरण पोषणीयता को प्रभावित करती हैं।
- गरीबी में तीव्र वृद्धि से पर्यावरण क्षरण होता है।
- पर्यावरण क्षरण जीवन-निर्वाह को विपरीत रूप से प्रभावित करता है।

42. निम्नलिखित में से कौन सा 'महिला सशक्तिकरण' से सम्बन्धित नहीं है?

Which of the following is not related to 'empowerment of women'?

- (1) जेंडर विकास सूचकांक / Gender Development Index
(2) जेंडर सशक्तिकरण उपाय
Gender Empowerment Measure

(3) जेंडर बजटिंग / Gender Budgeting

(4) जेंडर भेद-भाव / Gender Discrimination

उत्तर- (4)/व्याख्या/ जेंडर भेदभाव- महिला सशक्तिकरण से सम्बन्धित नहीं है।

महिला सशक्तिकरण से सम्बन्धित है -

(i) जेंडर विकास सूचकांक,

(ii) जेंडर सशक्तिकरण उपाय,

(iii) जेंडर वजटिंग

लैंगिक विषमता मानव विकास में सबसे प्रमुख अवरोधक रही है और अब भी यह एक समस्या के रूप में बनी हुई है। इसी क्रम में 1995 में HDR - 1995 में दो सूचकांक जारी किये गये -

(i) लैंगिक विकास सूचकांक - Gender Development Index

(ii) लैंगिक सशक्तिकरण माप - Gender Empowerment measure (GEM)

GDI लिंग अनुसार (पुरुष या महिला) HDI में विषमता को ध्यान में रखता है जहां HDI औसत उपलब्धि को समायोजित करता है GDI औसत उपलब्धि को इस प्रकार समायोजित करता है जिससे यह पुरुषों तथा स्त्रियों के बीच विषमता को प्रदर्शित कर सके। वही GEM राजनैतिक भागीदारी, आर्थिक भागीदारी तथा आर्थिक संसाधनों पर अधिकार पर बल देता है।

1995 से 2010 तक **GDI तथा GEM को** Gender inequality की माप के लिए स्वीकारा गया। सन् 2010 में HDR-2010 में दोनों को समाप्त कर GII (Gender inequality index) का प्रतिपादन किया गया। इसमें महिलाओं तथा पुरुषों के बीच पायी जाने वाली विषमताओं को लिया गया है बाद में **GDI को HDR-2014 में पुनः प्रारम्भ कर दिया गया।**

लैंगिक विषमता सूचकांक (GII) की गणना के लिए तीन आयामों को लिया गया है-

(A) **श्रम बाजार** → जिसमें संकेतक के रूप में श्रमशक्ति की भागीदारी को लिया गया है।

(B) **सशक्तिकरण (Empowerment)** → जिसके संकेतक है-

(i) शैक्षणिक उपलब्धि (Secondary Level के बाद)

(ii) संसद में भागीदारी

(C) **पुनर् उत्पादक स्वास्थ्य** (Reproductive Health)

(i) किशोर प्रजननता दर (Adolescent Fertility Rate)

(ii) मातृक मृत्यु दर

जेन्डर बजटिंग (Gender Budgeting)

जेन्डर बजटिंग की बात पी. चितम्बरम ने 2005-06 के बजट में की। यह अलग प्रकार का बजट नहीं अपितु बजट में ही जेन्डर संवेदनशीलता को देखने का प्रयास है। जेन्डर बजटिंग का पहला प्रयोग 1982 में आस्ट्रेलिया में हुआ। यह वार्षिक बजट का एक भाग या विवरण है जो बजट में किए जाने वाले सम्पूर्ण व्यय तथा व्यवहारों में महिलाओं के सम्बन्ध में आवंटन तथा प्रभाव प्रदर्शित करता है।

43. किसी राष्ट्र की 'जनांकिकीय लाभांश' की घटना किससे सम्बन्धित है?

The Phenomenon of 'demographic dividend' of a country is related to :

(1) कुल जनसंख्या में तेज गिरावट

A sharp decline in the total population

(2) शिशु मृत्यु दर में गिरावट

A decline in the Infant Mortality Rate

(3) लिंग अनुपात में वृद्धि/An increase in the sex ratio

(4) कार्यशील आयु समूह में जनसंख्या वृद्धि

An increase in the population in the working age group

उत्तर- (4)/व्याख्या/ किसी राष्ट्र की जनांकिकीय लाभांश की घटना

कार्यशील आयु समूह में जनसंख्या वृद्धि से सम्बन्धित है।

जनसंख्या के ढांचे में बढ़ती युवा तथा कार्यशील जनसंख्या (15 वर्ष से 64 वर्ष) तथा घटते आश्रितता अनुपात के परिणाम स्वरूप जनसंख्या की उत्पादन में बड़ी मात्रा में सृजन में योगदान करना जनांकिकीय लाभ कहलाता है।

44. कृषि सम्बन्धी जनगणना निम्नलिखित में से किस अंतराल पर की जाती है?

The agricultural census is done at which one of the following intervals?

(1) प्रति वर्ष / Every Year

(2) तीन वर्षों में एक बार / Once in three years

(3) पाँच वर्षों में एक बार / Once in five years

(4) दस वर्षों में एक बार / Once in ten years

उत्तर- (3)/व्याख्या/ कृषि सम्बन्धी जनगणना पाँच वर्षों में एक

बार की जाती है।

भारत में कृषि संबंधी जनगणना कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि तथा किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रत्येक 5 वर्षों में कृषि जनगणना सम्पादित की जाती है। ताकि कृषि क्षेत्र के ढांचागत विशेषताओं जैसे देश में भूमि स्वामित्व का प्रारूप। आकार का अनुमान लगाया जा सके। आर्थिक जनगणना 2015-16 जो सबसे नवीन आंकड़े उपलब्ध कराती है के अनुसार जहां 1970-71 में औसत चालू भूमि स्वामित्व का आकार (the average size of operational holding) 2.28 हैक्टेयर था वही 2015-16 में यह 1.08 हैक्टेयर है।

45. अर्थशास्त्र में नोबल पुरस्कार 2015 एन्जस डेटन को निम्नलिखित में से किस क्षेत्र में कार्य के लिए दिया गया?

The 2015, Nobel Prize in Economics has been given to Angus Deaton for his work on :

(1) उपभोग, गरीबी और कल्याण

Consumption, Poverty and Welfare

(2) जनसंख्या, गरीबी और विकास

Population, Poverty and Development

(3) उपभोग, बचत और कल्याण

Consumption, Saving and Welfare

(4) उपभोग, मानव विकास और शिक्षा

Consumption, Human Development and Education

उत्तर- (1)/व्याख्या अर्थशास्त्र में नोबल पुरस्कार 2015 एन्जस डेटन को उपभोग, गरीबी और कल्याण क्षेत्र में कार्य के लिए दिया गया। अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबल पुरस्कार अन्य नोबल पुरस्कारों से अलग है क्योंकि इसे स्वीडिश सेन्ट्रल बैंक ने 1968 में स्थापित किया था। जबकि अन्य नोबल पुरस्कारों की स्थापना स्वीडिश अविष्कारक अल्फ्रेड नोबल की वसीयत के मुताबिक 1895 में की गई थी। प्रथम नोबल पुरस्कार 1969 में रैगनर फ्रिश व जॉन टिनबर्जन आर्थिक प्रक्रिया के विश्लेषण के लिए प्रायोजिक प्रवैगिक मॉडल में Economic Modeling के लिए दिया गया।

46. कर को उत्प्लावक कहा जाता है यदि कर राजस्व अनुपाततः हो :

A tax is said to be buoyant if tax revenue is proportionally:

- (1) उत्पादन में परिवर्तनों के प्रति अधिक संवेदनशील
More responsive to changes in output
- (2) उत्पादन में परिवर्तनों के प्रति कम संवेदनशील
Less responsive to changes in output
- (3) कर आधार में परिवर्तनों के प्रति समान रूप से संवेदनशील
Equally responsive to changes in tax base
- (4) कर आधार में परिवर्तनों के प्रति कम संवेदनशील
Less responsive to changes in tax base

उत्तर- (1)/व्याख्या कर को उत्प्लावक उस स्थिति में कहा जाता है यदि कर राजस्व अनुपात उत्पादन में परिवर्तनों के प्रति अधिक संवेदनशील हो। अर्थात् कर राजस्व राष्ट्रीय आय में वृद्धि की तुलना में आनुपातिक रूप से अधिक बढ़े। ऐसा कर सुधार अभियानों से संभव होता है।

47. वित्तीय जवाबदेही और बजट प्रबंधन अधिनियम के कार्यान्वयन पर केलकर की अध्यक्षता वाले कार्य बल द्वारा कुछ सुझाव दिए गए हैं :

Report by Task Force on the implementation of Fiscal Responsibility and Budget Management Act, headed by Kelkar suggests some points :

- (a) प्राथमिक घाटा 2008-09 तक समाप्त किया जाए।
Primary deficit to be abolished by 2008-09.
 - (b) वित्तीय घाटा जी.डी.पी. के 3% तक कम किया जाना चाहिए।
Fiscal deficit should be brought down to 3% of GDP.
- उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं? नीचे दिए गए कूट से चयन करें :

Which of the above statement/s is/are correct?

Select from the codes given below :

कूट/Codes:

- (1) केवल (a) (2) केवल (b)
- (3) (a) और (b) दोनों (4) न तो (a) और न ही (b)

उत्तर- (2)/व्याख्या केवल (b) सही है।

Note – प्रश्न में दो कथन दिए गए हैं इसमें पहला कथन कि FRBM Act - 2004 (जुलाई 2004 से लागू) के कार्यान्वयन के लिए गठित केलकर कार्यदल ने सुझाव दिया कि प्राथमिक घाटा 2008-09

तक समाप्त किया जाए। **यह कथन पूर्णतः सही नहीं है।** समित तथा Act में राजस्व घाटे के समाप्ति का प्रावधान था न कि प्राथमिक घाटे के तथा दूसरा कथन सत्य है कि राजकोषीय घाटा 2008-09 तक GDP के 3% तक कम किया जाए किन्तु जब राजकोषीय घाटा कम होगा, राजस्व घाटा समाप्त होगा तब ब्याज भुगतान घटेगा तब प्राथमिक घाटा कम हो सकता है।

प्राथमिक घाटा - प्राथमिक घाटे को बजट के घाटे के प्रकारों में 1991 में डॉ. मनमोहन सिंह ने जोड़ा

Primary Deficit = Fiscal Deficit - Interest Payment

प्राथमिक घाटा उस वास्तविक घाटे को व्यक्त करता है जिसके लिए एक सम्बन्धित वित्तीय वर्ष प्राथमिक रूप से उत्तरदायी होता है।

Note – विस्तृत व्याख्या के लिये 2015 Dec Paper II Q 21 देखें

48. गरीबी नापने के लिए 2013 में गठित उच्चाधिकार समिति के अध्यक्ष कौन थे?

Who was the Chairman of the high powered committee for measurement of poverty in 2013?

- (1) सुरेश तेंदुलकर / Suresh Tendulkar
- (2) सी. रंगराजन / C. Rangarajan
- (3) डी.टी. लकड़ावाला / D. T. Lakadawala
- (4) वाई. के. अलग / Y. K. Alagh

उत्तर- (2)/व्याख्या गरीबी नापने के लिए 2013 में गठित उच्चाधिकार समिति के अध्यक्ष सी. रंगराजन थे।

भारत में तेन्दुलकर समिति की गरीबी रेखा को लेकर विवाद उत्पन्न हुआ जिसके कारण निर्धनता की माप की विधि के पुनर्निरीक्षण के लिए एक विशेषज्ञ दल का गठन किया गया जिसके अध्यक्ष C - रंगराजन थे। समिति का गठन जनवरी 2012 में हुआ तथा जून 2014 में समिति ने अपनी रिपोर्ट दी।

- समिति ने पारिवारिक उपभोग व्यय के आकलन के लिए MMRP (Modified Mixed Reference Period) की अनुशंसा की जिसमें आंकड़े तीन अलग-अलग अवधियों 365 दिन, 30 दिन व 7 दिन के लिए किया जाता है।
 - समूह ने प्रतिदिन/प्रतिव्यक्ति कैलोरी, प्रोटीन, वसा की आवश्यकताओं को आधार बनाये जाने की अनुशंसा की। इसके लिए 2010 में ICMR द्वारा निर्धारित आयु लिंग व क्रिया-कलाप को आधार के लिए मानक बनाया गया।
 - प्रतिदिन/प्रतिव्यक्ति कैलोरी आवश्यकता ग्रामीण क्षेत्रों में 2155 तथा शहरी क्षेत्र में 2090 कैलोरी निर्धारित होती है। इसी प्रकार प्रोटीन तथा वसा आवश्यकतायें ग्रामीण क्षेत्र में क्रमशः 48 ग्राम तथा 28 ग्राम प्रतिव्यक्ति।
- प्रतिदिन निर्धारित होती है तथा शहरी क्षेत्र में क्रमशः 50 ग्राम व 26 ग्राम निर्धारित होती है।

इस समिति ने ग्रामीण व नगरीय क्षेत्रों में MMRP विधि के आधार पर उपभोग व्यय के आकलन के लिए मासिक प्रतिव्यक्ति उपभोग के स्तर को तीन घटकों के द्वारा तय किया।

	ग्रामीण (R) In ₹	शहरी (U) In ₹
(1) Food items	554	656
(2) आवश्यक गैर खाद्य मदे	141	407
(3) अन्य गैर खाद्य मदे	277	344
कुल	₹ 972	₹ 1407

समिति के अनुसार उस समय कुल निर्धनों का प्रतिशत 29.5 % थी।

49. विभाजित श्रम बाजार का अर्थ है :

Segmented labour markets imply :

- (1) श्रम भेद-भाव / labour Discrimination.
- (2) श्रम को एम. आर. पी. से कम मजदूरी का भुगतान labour paid wage less than MRP.
- (3) बाजार निष्कर्ष निर्धारित करने में मजदूरी के एम. पी. सिद्धान्त का विफल होना।
MP theory of wage fails to determine market out-comes.
- (4) विभिन्न प्रकार के श्रमों की मजदूरी में एक समानता।
Equality of wages of different types of labour.
उपर्युक्त में से कौन सा गलत है?
Which of the above is incorrect?

उत्तर- (4)/व्याख्या/ विभिन्न प्रकार के श्रमों की मजदूरी में एक समानता यह विभाजित श्रम (Segmented labour market) बाजार के अर्थ में सही नहीं है।

विभाजित श्रम बाजार (Segmented labour market) का अर्थ है

- श्रम भेदभाव
- श्रमिक को MRP (marginal revenue price = $VMP \times P$) से कम मजदूरी का भुगतान
- बाजार निष्कर्ष निर्धारित करने के लिए मजदूरी में MP (marginal Product) सिद्धान्त का विफल होना।

श्रम बाजार विभाजन का अर्थ व्यवसाय (occupation), भूगोल (geography) तथा उद्योग के सिद्धान्तों के आधार पर बाजार का बटवारा है।

50. भारत में उन किसानों को 'सीमांत किसान' कहा जाता है जिनके पास भूमि हो :

In India those farmers are called 'Marginal Farmers' who hold land upto :

- (1) 1 हेक्टेयर तक (2) 2 हेक्टेयरों तक
- (3) 3 हेक्टेयरों तक (4) 4 हेक्टेयरों तक

उत्तर- (1)/व्याख्या/ भारत में उन किसानों को 'सीमांत किसान' कहा जाता है जिनके पास भूमि 1 हेक्टेयर तक हो।

भारत में कृषि जोत आकार के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण तथ्य इस प्रकार है-

- (i) सीमांत किसान → 1 हेक्टेयर तक
- (ii) लघु किसान → 1 से 2 हेक्टेयर तक
- (iii) लघु मध्यम → 2 से 4 हेक्टेयर तक

- (iv) मध्यम किसान → 4 से 10 हेक्टेयर तक
- (v) बड़े किसान → 10 हेक्टेयर से ऊपर

51. अभिकथन (A) : भारतीय विकास कार्यक्रम सामाजिक न्याय के साथ विकास उन्मुख हैं।

Assertion (A) : Indian development programmes are oriented towards growth with social justice.

कारण (R) : भारतीय अर्थव्यवस्था गरीबी और आय असमानताओं से संतुष्ट है।

Reason (R) : Indian economy is afflicted with poverty and income inequalities.

कूट : Codes :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A).
- (3) (A) सही है परन्तु (R) गलत है।
(A) is true but (R) is false.
- (4) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।
(A) is false but (R) is true.

उत्तर- (1)/व्याख्या/ चूँकि भारतीय अर्थव्यवस्था गरीबी और आय असमानताओं से संतुष्ट है उदाहरण के लिए भारत में अनुमानतः 30 से 40% परिवार गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। इसलिए भारत में जो योजनाएँ एवं विकास कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं वे गरीबी निवारण सामाजिक न्याय की प्राप्ति एवं आर्थिक विकास को केन्द्रित करके बनाए जाते हैं।
अतः स्पष्ट है (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

52. यदि भुगतान संतुलन में घाटा हो तो परिवर्तनीय विनिमय दर प्रणाली में :

If there is a balance of payments deficit then in a floating exchange rate system :

- (1) मुद्रा की बाह्य कीमत कम हो जाएगी।
the external value of the currency would tend to fall.
- (2) मुद्रा की बाह्य कीमत बढ़ जाएगी।
the external value of the currency would tend to rise.
- (3) व्यापार से अंतःक्षेप आहरणों से अधिक हैं।
the injections from trade are greater than the withdrawals.
- (4) कुल माँग बढ़ रही है।
aggregate demand is increasing.

उत्तर- (1)/व्याख्या/ यदि भुगतान संतुलन में घाटा हो तो परिवर्तनीय विनिमय दर प्रणाली में मुद्रा की बाह्य कीमत कम हो जाएगी।

लचीली विनिमय दर प्रणाली में भुगतान संतुलन में घाटा या अधिशेष का प्रभाव विनिमय दरों पर पड़ता है। जब BOP में अधिशेष होता है तब देश की मुद्रा की मांग बढ़ेगी जिससे मुद्रा की बाह्य कीमतों में वृद्धि होगी तथा विनिमय दर बढ़ेगी। तथा विलोमशः

53. अवमूल्यन से भुगतान संतुलन घाटे में सुधार होगा, यदि अवमूल्यन करने वाले देश की निर्यात लोच और आयात लोच का जोड़ है :

Devaluation, will improve the balance of payment deficit, if sum of elasticity of exports and imports of the devaluing country is :

- (1) एक से अधिक / greater than unity
- (2) एक से कम / less than one
- (3) शून्य के समकक्ष / equal to zero
- (4) नकारात्मक / negative

उत्तर- (1)/व्याख्या अवमूल्यन से भुगतान संतुलन घाटे में सुधार होगा, यदि अवमूल्यन करने वाले देश की निर्यात लोच और आयात लोच का जोड़ है **इकाई से अधिक।**

अवमूल्यन की लोच विधि को मार्शल-लर्नर विधि या व्यक्तिभावी विधि कहते हैं। यह अवमूल्यन की सफलता की शर्तें हैं। मार्शल-लर्नर की शर्तों के अनुसार यदि निर्यात तथा आयातों की मांग की लोच इकाई से अधिक हो तब अवमूल्यन करने से भुगतान शेष में सुधार होगा।

$$ex + em > 1$$

यदि लोच इकाई से कम यानी $ex + em < 1$ है तो अवमूल्यन सफल नहीं होगा। वही यदि लोच इकाई के बराबर है तब BOP पर अवमूल्यन का कोई प्रभाव नहीं होगा।

54. आर्थिक एकीकरण के उदाहरण हैं :

Examples of economic integration are :

- (a) मुक्त व्यापार क्षेत्र / Free Trade Area
- (b) सीमा शुल्क यूनियन / Customs Union
- (c) साझा बाजार / Common Market
- (d) उत्पादक संघ / Cartel

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

Select the correct answer from the given codes.

कूट / Codes :

- (1) (a) और (b)
- (2) (b) और (c)
- (3) (a), (b) और (d)
- (4) (a), (b) और (c)

उत्तर- (4)/व्याख्या मुक्त व्यापार क्षेत्र, सीमा शुल्क यूनियन, साझा बाजार आर्थिक एकीकरण के उदाहरण हैं।

आर्थिक एकीकरण दो या दो से अधिक देशों का समूह होता है जो आपस में व्यापार प्रतिबंधों तथा गैर व्यापार प्रतिबंधों को समाप्त करने के लिए एक साथ आते हैं। ये देश संगठन में मुक्त व्यापार की भावना को दृढ़ करते हैं।

आर्थिक एकीकरण के कई स्तर हैं जो 5 प्रकार के माने जाते हैं-

(i) **Preferential Trading Area-** इसमें साथ आने वाले देश कुछ चुनी हुई वस्तुओं में तटकर की दरों में कमी लाते हैं।

(ii) **Free Trade Area (मुक्त व्यापार क्षेत्र)** - इसके अंतर्गत देश आपस में व्यापार प्रतिबंधों को समाप्त कर देते हैं किन्तु शेष विश्व के प्रति अपनी व्यापारिक नीति अपनाते हैं।

(iii) **Custom Union (चुंगी संघ)** - इसमें आपस में सभी व्यापार प्रतिबंधों को समाप्त करने के साथ-साथ शेष विश्व के प्रति समान तटकर नीति का पालन किया जाता है।

(iv) **Common Market-** इसके अंतर्गत चुंगी संघ के प्रावधानों के साथ-साथ उत्पादन के साधनों का खुला आवागमन संचालित होता है।

(v) **Economic Union (आर्थिक संघ)-** इसके अंतर्गत सभी उपरोक्त शर्तों के साथ समान मुद्रा तथा आर्थिक नीतियों को अपनाया जाता है।

55. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :

Consider the following statements :

(a) भारत की व्यापार नीति समीक्षा (टी.पी.आर.) प्रत्येक चार वर्षों में की जाती है।

India's Trade Policy Review (TPR) is carried out every four years.

(b) विश्व व्यापार संगठन के पास सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की नियमित समीक्षा के लिए एक तंत्र है।

WTO has mechanism for regular review of the trade policies of member countries.

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

Which of the statement/s given above is/ are correct?

- (1) केवल (a)
- (2) केवल (b)
- (3) (a) और (b) दोनों
- (4) कोई नहीं

उत्तर- (3)/व्याख्या (a) और (b) दोनों सही हैं।

विश्व व्यापार संगठन, सदस्य देशों की व्यापार नीतियों की नियमित समीक्षा, व्यापारिक नीति समीक्षा तंत्र के अंतर्गत करता है जहां एक निश्चित समयावधि में सभी सदस्य देशों की व्यापारिक नीतियों की समीक्षा की जाती है।

भारत की व्यापारिक नीति समीक्षा प्रत्येक 4 वर्षों में की जाती है। इसका उद्देश्य सदस्य देशों की नीतियों की समझ तथा पारदर्शिता सुनिश्चित करना है। 7वीं व्यापारिक नीति समीक्षा हाल ही में 6 से 8 जनवरी 2021 के मध्य सम्पन्न हुई है। इससे पूर्व छठवीं (6th) समीक्षा 2 से 4 जून व पांचवी समीक्षा सितम्बर 2011 में सम्पन्न हुई।

56. निम्नलिखित में से कौन-सा देश वर्ष 2013-14 के दौरान भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार था?

Which among the following countries was the largest trading partner of India in 2013-14?

- (1) संयुक्त अरब अमीरात / UAE
- (2) चीन / China
- (3) संयुक्त राज्य अमेरिका / USA
- (4) जापान / Japan

उत्तर- (2)/व्याख्या चीन वर्ष 2013-14 के दौरान भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार था।

वर्ष 2019-20 के अनुसार भारत के बड़े व्यापारिक साझेदार हैं—			
Country	Exports (billion of US \$)	Import (billion of US \$)	Total Trade
United States	57.7	34.3	92.0 (+)
China	16.61	65.26	81.87 (-)
United Arab Emirates	28.81	30.22	59.03
Saudi Arabia	6.39	20.32	26.71 (-)
Switzerland	1.21	16.9	18.11 (-)

57. नई व्यापार नीति 2015-20 में एक नई स्कीम शुरू की गई है, जिसे कहा जाता है :

New Trade Policy 2015-20 has introduced a new scheme which is called :

- (1) मर्चेन्डाइज एक्सपोर्ट फ्रॉम इण्डिया स्कीम
Merchandise Export from India Scheme
- (2) एक्सपोर्ट फ्रॉम इण्डिया स्कीम
Export from India Scheme
- (3) मर्चेन्डाइज ट्रेड फ्रॉम इण्डिया स्कीम
Merchandise Trade from India Scheme
- (4) ट्रेड फ्रॉम इण्डिया स्कीम
Trade from India Scheme

उत्तर- (1)/व्याख्या/ नई व्यापार नीति 2015-20 में एक नई स्कीम शुरू की गई है, जिसे कहा जाता है **Merchandise Export from India**

नयी व्यापार नीति का अर्थ विदेशी व्यापार नीति 2015-2020 से है जिसे सन् 2020 में एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया था। हाल ही में हुई घोषणा के अनुसार व्यापारिक नीति 2021-26 अप्रैल 2021 से प्रभावी होगी।

व्यापारिक नीति 2015-20 में दो स्कीम प्रारम्भ की गई थी

- (i) MEIS (Merchandise Export from India Scheme)- इसको 2015 तक चल रही 5 अलग-अलग स्कीमों के स्थान पर प्रारम्भ किया गया।
- (ii) SEIS (Service Export From India Scheme)

58. कीमत कैंची (प्राइस सीजर्स) निम्नलिखित में किसकी ओर संकेत करता है?

What does 'Price Scissors' refer to?

- (1) मार्शल द्वारा मांग और पूर्ति की ताकतों का उदाहरण।
Marshall's example of forces of supply and demand.
- (2) एक सह देश से दो रणनीतिक कच्चे मालों का निर्यात।
Exports of two strategic raw materials from a country.
- (3) एक प्रमुख आयात की कीमत में तीव्र वृद्धि के द्वारा रणनीतिक निर्यात मद की कीमत में तीव्र गिरावट।
A sharp fall in price of a major export item accompanied by a sharp rise in price of a major import.

(4) प्रतिस्पर्धात्मक स्थानीय विनिर्माताओं की निर्यात टोकरी (एक्सपोर्ट बास्केट)।

Export basket of competitive local manufactures.

उत्तर- (3)/व्याख्या/ कीमत कैंची (प्राइस सीजर्स) एक प्रमुख आयात की कीमत में तीव्र वृद्धि के द्वारा रणनीतिक निर्यात मद की कीमत में तीव्र गिरावट की ओर संकेत करता है।

मूल्य कैंची एक शब्द है जो विभिन्न वस्तुओं या वस्तुओं के वर्गों के बीच व्यापार की शर्तों में निरंतर परिवर्तन को संदर्भित करता है। अक्सर इसमें विकासशील अर्थव्यवस्था के कृषि निर्यात के लिए प्राप्त मूल्य में देश द्वारा गिरावट को शामिल कर सकते हैं जबकि इसके विनिर्मित उत्पाद की कीमतों में वृद्धि हो या स्थिर रहे।

59. विदेशी विनिमय बाजार में हेजिंग निम्नलिखित में किसकी ओर संकेत करती है?

Hedging in the foreign exchange market refers to :

- (1) अवमूल्यन का एक कृत्य।/An act of devaluation.
- (2) भविष्य में विदेशी विनिमय की जोखिम को शामिल न करना।
Not covering a risk of foreign exchange in future.
- (3) भविष्य में विदेशी विनिमय की जोखिम को शामिल करना।
Covering a risk of foreign exchange in future.
- (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं।/None of the above.

उत्तर- (3)/व्याख्या/ विदेशी विनिमय बाजार में हेजिंग भविष्य में विदेशी विनिमय जोखिम को शामिल करने की ओर संकेत करती है। हेजिंग का अर्थ है स्वयं को विविध प्रकार के जोखिमों से उत्पन्न हानि से सुरक्षित करना। विदेशी विनिमय के संदर्भ में हेजिंग का आशय निर्यात जोखिम से सुरक्षित करना। यह एक व्यवस्था प्रदान करता है जिससे आयातक तथा निर्यातक विदेशी विनिमय दरों में होने वाले उच्चावचनों से उत्पन्न हानियों से अपने को सुरक्षित कर सके।

60. वास्तविक प्रभावी विनिमय दर के लिए निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर चुनें :
For Real Effective Exchange Rate consider the following statements and select the correct answer from the codes given below :

- (a) यह प्रमुख देशों की मुद्राओं के बास्केट के मूल्य सूचकांक की तुलना में किसी देश की मुद्रा के औसत मूल्य की ओर संकेत करता है।

It refers to average of value of country's, currency in relation to an index of basket of values major countries' currencies.

- (b) यह मुद्राओं की बास्केट के औसत मूल्य और किसी देश की मुद्रा के मौद्रिक मूल्य के अंकित अनुपात की ओर संकेत करता है।

It refers to nominal ratio of a country's currency value to average value of a basket of currency.

कूट / Codes :

- (1) केवल (a) सही है।
- (2) केवल (b) सही है।

- (3) (a) और (b) दोनों सही हैं।
(4) (a) और (b) दोनों सही नहीं हैं।

उत्तर- (1)/व्याख्या/ सही कथन है।

(a) यह प्रमुख देशों की मुद्राओं के बास्केट के मूल्य सूचकांक की तुलना में किसी देश की मुद्रा के औसत मूल्य की ओर संकेत करता है। प्रभावी वास्तविक विनिमय दर प्रमुख देशों की मुद्राओं के बास्केट के मूल्य सूचकांक की तुलना में किसी देश की मुद्रा के औसत मूल्य की ओर संकेत करता है।

मौद्रिक विनिमय दर से आशय विदेशी विनिमय बाजार में प्रचलित किसी विदेशी मुद्रा की एक इकाई का घरेलू मुद्रा के रूप में मूल्य से है। जैसे $1\$ = ₹ 40$ जब इसमें स्फीतिक या मूल्य स्तर में वृद्धि का समायोजन कर दिया जाता है तो मौद्रिक दर, वास्तविक दर में परिवर्तित हो जाती है। इस प्रकार दो देशों के बीच वास्तविक विनिमय दर ज्ञात करने के लिए हम दोनों देशों में पाए जाने वाले स्फीतिक अन्तर को मौद्रिक विनिमय दर में समायोजित कर देते हैं। केन्द्रीय बैंक मौद्रिक विनिमय दरों में स्फीतिक के समायोजन के लिए प्रभावी वास्तविक विनिमय दर (REER) की धारणा का प्रयोग करते हैं। REER मौद्रिक विनिमय दरों का भारांकित औसत है जिसमें घरेलू तथा विदेशों के मूल्य अन्तरो का समायोजन कर लिया गया है। यदि हम मौद्रिक विनिमय दर को भारत में उपभोक्ता मूल्य निर्देशांक और USA के उपभोक्ता मूल्य निर्देशांक के अनुपात से भाग दे दें तो वास्तविक विनिमय दर ज्ञात हो जाएगी। इसके आंकलन के लिए उन प्रमुख देशों की मुद्रा को बास्केट में रखा जाता है जिसमें देश का व्यापार सर्वाधिक हो।

61. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :

Consider the following statements :

- (a) क्लासिकल मॉडल के संदर्भ में ऋण द्वारा वित्तीयन, भावी पीढ़ियों पर भार के अंतरण का एक साधन है।

In the context of the classical model, loan finance may be a means of transferring the burden to the future generation.

- (b) विदेशी ऋण वर्तमान पीढ़ी पर बिना कोई भार डाले, सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए वित्तपोषण को सम्भव करता है।

Foreign borrowing permits financing public programmes without placing burden on the present generation.

- (c) विदेशी ऋण भावी पीढ़ियों के लिए भार स्वरूप नहीं होता यदि निधियों का प्रयोग अनुत्पादक रूप से भी क्यों न किया गया हो।

Foreign borrowing is not burden some to the future generations even if the funds are used unproductively.

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

Which of the statement/s given above is / are correct?

- (1) केवल (a) सही है। (2) (a) और (b) सही हैं।
(3) (b) और (c) सही हैं। (4) (a) और (c) सही हैं।

उत्तर- (2)/व्याख्या/ सही कथन है।

(a) क्लासिकल मॉडल के संदर्भ में ऋण द्वारा वित्तीयन, भावी पीढ़ियों पर भार के अंतरण का एक साधन है।

- (b) विदेशी ऋण वर्तमान पीढ़ी पर बिना कोई भार डाले, सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए वित्तपोषण को सम्भव करता है।

क्लासिकल अर्थशास्त्री सार्वजनिक ऋण का समर्थन नहीं करते थे। उनका मानना था कि यदि ऋण द्वारा वित्त की पूर्ति की जाती है तो यह भविष्य में ब्याज के रूप में भार उत्पन्न करेगा। इसलिए क्लासिकल अर्थशास्त्री अहस्तक्षेप की नीति पर विश्वास रखते थे। किन्तु कीन्स एवं उनके बाद सरकार की भूमिका पर बल दिया गया तथा भारत जैसे विकासशील देश के विकास के लिए अधिक सार्वजनिक व्यय की सलाह दी गई।

62. करापात निम्नलिखित में से किसकी ओर संकेत करता है?

Tax incidence refers to :

- (1) क्या कोई कर प्रगामी, आनुपातिक या प्रतिगामी है।
Whether a tax is progressive, proportional or regressive.
(2) कोई कर कितनी बार एकत्र किया जाता है।
How often a tax is collected.
(3) व्यक्ति या समूह जो अंततः कर का भुगतान करता है।
The person of group who ends up paying a tax.
(4) कोई कर कैसे एकत्र किया जाता है।
How a tax is collected.

उत्तर- (3)/व्याख्या/ व्यक्ति या समूह जो अंततः कर का भुगतान करता है।

करापात से आशय कर के प्रत्यक्ष मौद्रिक बोझ से है। एक कर का करापात उन लोगों पर होता है जो वास्तव में कर की मौद्रिक राशि का भुगतान करते हैं।

जब सरकार कर लगाती है तो दो प्रकार के बोझ उत्पन्न होते हैं। पहला कर का तात्कालिक भार दूसरा कर का वास्तविक भार जिस व्यक्ति पर सरकार द्वारा कर लगाया जाता है उस पर तात्कालिक बोझ होता है इसे कराघात कहते हैं। यदि यही व्यक्ति कर का भुगतान करता है (जैसा प्रत्यक्ष करारोपण में होता है)। तब कराघात व करापात अर्थात् तात्कालिक व वास्तविक भार एक ही व्यक्ति पर होगा। यदि कर विवर्तन कर भार दूसरे व्यक्ति पर डाल दिया जाता है (जैसा अप्रत्यक्ष करारोपण में होता है)। तो कराघात व करापात अलग-अलग होगा।

63. अभिकथन (A) : प्रगतिशील आय कर समान सीमांत त्याग पर आधारित है।

Assertion (A) : A progressive income tax is based on equimarginal sacrifice.

कारण (R) : आय जितनी अधिक होगी करदाताओं को मुद्रा की सीमांत उपयोगिता उतनी ही कम होगी।

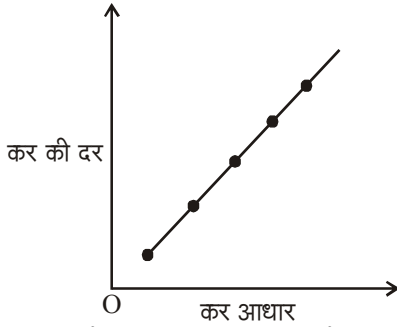
Reason (R) : Higher the income, lower will be the marginal utility of money for the tax Payers.

कूट / Codes :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

- (2) (A) सही है, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
 (A) is true, but (R) is not the correct explanation of (A)
- (3) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
 (A) is true, but (R) is false.
- (4) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
 (A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (1)/व्याख्या जब कर आधार में वृद्धि के साथ-साथ कर की दर में भी वृद्धि होती है तो इसे प्रगतिशील करारोपण कहा जाता है।



प्रगतिशील करारोपण का भार कम आय वाले व्यक्ति पर कम तथा अधिक आय वाले व्यक्ति पर अधिक होता है।

जब सरकार द्वारा करारोपण किया जाता है तो इससे त्याग उत्पन्न होता है। अनुकूलतम करारोपण का स्तर वह होगा जहां सभी लोगों में उत्पन्न होने वाले सीमान्त त्याग समान हो। ऐसा तब होगा जबकि कम आय पर कम तथा अधिक आय पर अधिक करारोपण हो। चूंकि अधिक कम आय वाले व्यक्तियों की मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता कम तथा कम आय वाले की अधिक होती है अतः प्रगतिशील करारोपण समान सीमान्त त्याग उत्पन्न करता है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।

64. निम्नलिखित कर्षों में से कौन-सा एक राज्य सरकारों के क्षेत्राधिकार में आता है जैसा भारतीय संविधान की सूची-II में सूचीबद्ध किया गया है?

Which one of the following taxes is within the jurisdiction of the state Governments as enumerated in List - II of the Indian Constitution ?

- (1) स्टॉक एक्सचेंजों और वायदा बाजारों में लेन-देन हेतु स्टॉप इयूटी से अतिरिक्त कर।
 Taxes other than stamp duties on transactions in stock exchanges and future markets.
- (2) रेलवे मालभाड़ा और भाड़ा पर कर।
 Taxes on Railway freight and fares.
- (3) संसद द्वारा अधिरोपित किसी सीमा के अधीन खनिज अधिकारों पर कर।
 Taxes on mineral rights subject to any limitation imposed by the parliament.
- (4) कुछ वित्तीय दस्तावेजों के मामले में स्टॉप इयूटी की दर।
 Rate of stamp duty in respect of certain financial documents.

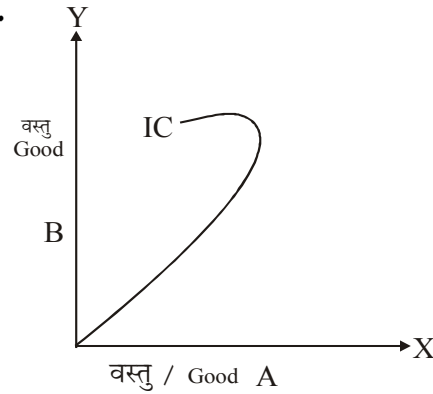
उत्तर- (3)/व्याख्या संसद द्वारा अधिरोपित किसी सीमा के अधीन खनिज अधिकारों पर कर राज्य सरकारों के क्षेत्राधिकार में आता है।

जैसा भारतीय संविधान की सूची - II में सूचीबद्ध किया गया है भारतीय संविधान की अनुसूची - 7 में केन्द्र तथा राज्यों के बीच कार्यों के बंटवारे के सम्बन्ध में तीन सूचियां हैं। जिसमें राज्य का सम्बन्ध राज्य सूची व समवर्ती सूची से है। राज्य सूची में वर्तमान में 61 विषय हैं। जिसके सम्बन्ध में राज्यों की वित्तीय व्यवस्था में कुछ ऐसे कर हैं जो राज्य सरकारों द्वारा लगाए जाते हैं। तथा कुछ ऐसे कर हैं जो केन्द्र द्वारा लगाए जाते हैं तथा वित्त आयोग की संस्तुतियों पर निवल कर आय का बंटवारा होता है।

राज्य के कर हैं

- (i) भूमि राजस्व
 (ii) कृषि आय पर कर
 (iii) कृषि भूमि के उत्तराधिकार पर कर
 (iv) कृषि भूमि के सम्बन्ध में अस्तिकर
 (v) मानवीय उपयोग के लिए शराब, पेय तथा अफीम, गांजा व अन्य मादक पदार्थ तथा औषधियां
 (vi) संसद द्वारा अधिरोपित किसी सीमा के अधीन खनिजों पर कर इत्यादि।

65.



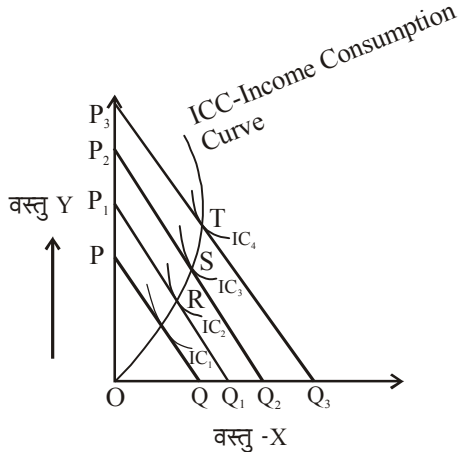
उपर्युक्त आरेख में, यदि IC वक्र आय उपभोग वक्र प्रदर्शित करता है तो इसका अर्थ है कि :

In the above diagram, if curve IC represents income - consumption curve, then it means that :

- (1) केवल (A) निकृष्ट वस्तु है।
 Only (A) is an inferior good.
- (2) केवल (B) निकृष्ट वस्तु है।
 Only (B) is an inferior good.
- (3) (A) और (B) दोनों निकृष्ट वस्तु हैं।
 Both (A) and (B) are inferior goods.
- (4) (A) सामान्य वस्तु है। (A) is a normal good.

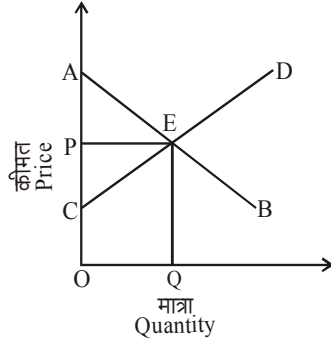
उत्तर- (1)/व्याख्या उपर्युक्त आरेख में, यदि IC वक्र आय-उपभोग वक्र प्रदर्शित करता है तो इसका अर्थ है कि केवल (A) वस्तु निकृष्ट है।

यदि आय बढ़ने पर उपभोक्ता किसी वस्तु की कम मात्रा क्रय करे तो ऐसी वस्तु निकृष्ट कोटि की वस्तु होगी तथा ऐसी स्थिति में आय उपभोग वक्र विपरीत दिशा में ऋणात्मक ढाल का हो जाता है।



जब उपभोक्ता की आय एक स्तर से बढ़ जाती है तो घटिया वस्तुओं की मांग गिर जाती है उपभोक्ता इनके स्थान पर बेहतर वस्तु क्रय करने लगता है। चित्र में X वस्तु घटिया वस्तु है। क्योंकि आय बढ़ने पर X वस्तु के क्रय की मात्रा घटने लगती है।

66.

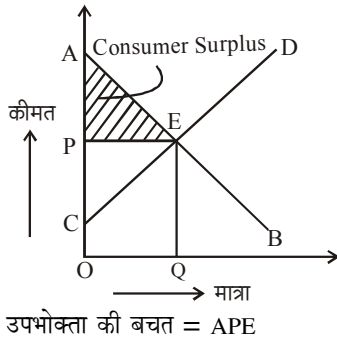


उपर्युक्त आरेख में उपभोक्ता अधिशेष को किस क्षेत्र द्वारा दर्शाया गया है?

In the above diagram, the consumer surplus is represented by the area of:

- (1) ΔPCE (2) ΔAPE
(3) ΔACE (4) चतुर्भुज OPEQ

उत्तर- (2)/व्याख्या/ उपर्युक्त आरेख में उपभोक्ता अधिशेष को ΔAPE मार्शल ने उपभोक्ता की बचत के विश्लेषण को सीमान्त उपयोगिता हास नियम को आधार बनाया। मार्शल के अनुसार किसी वस्तु को प्राप्त किए बिना रहने की अपेक्षा वह अधिकतम मूल्य जो उपभोक्ता देने को तैयार रहता है तथा जो मूल्य वास्तव में वह देता है उन दोनों का अन्तर ही उपभोक्ता की बचत कहलाती है।



उपभोक्ता की बचत = APE

67. साईमन-हॉकिंस की दशाएँ निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित हैं?

Simon-Hawkins conditions relate to which of the following?

- (a) लियोनटिफ का स्थैतिक मॉडल
Static Leontief model
(b) लियोनटिफ का गत्यात्मक मॉडल
Dynamic Leontief model
(c) ये मॉडल के हल के लिए आवश्यक और पर्याप्त दशाएँ हैं।

These are necessary and sufficient conditions for the solution of the model.

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर चनें :

Choose the correct answer from the codes given below :

कूट / Codes :

- (1) (a) और (b) (2) (b) और (c)
(3) (a), (b) और (c) (4) (a) और (c)

उत्तर- (4)/व्याख्या/ साईमन-हॉकिंस की दशाएँ सम्बन्धित है-

- (a) लियोनटिफ का स्थैतिक मॉडल।
(c) ये मॉडल के हल के लिए आवश्यक और पर्याप्त दशाएँ हैं।
साईमन-हॉकिंस शर्तों का सम्बन्ध आगत-निर्गत मॉडल से है। ये दशाएँ यह सुनिश्चित करनी हैं कि आगत निर्गत मॉडल के हल में ऋणात्मक उत्पाद शामिल नहीं हैं क्योंकि ऋणात्मक उत्पादों का अर्थ है कि आगतों का अधिक प्रयोग तथा कम निर्गत प्राप्ति जो आर्थिक दृष्टिकोण से उचित नहीं हैं।

हॉकिंस-साईमन ने दो दशाओं को विकसित किया-

- (i) $(I - A)$ के निर्धारक अर्थात् $|I - A|$ धनात्मक है।
(ii) $(I - A)$ मैट्रिक्स के विकर्ण तत्व धनात्मक होने चाहिए। अर्थात् $(1 - a_{11}) > 0, (1 - a_{22}) > 0, \dots, (1 - a_{mm}) > 0$

68. दिए गए उत्पादन फलन $Q = 2 \cdot K^{1/3} \cdot L^{2/3}$, में उत्पादन स्तर बताएँ, जबकि पूंजी की 8 इकाइयों और श्रमिकों की 27 इकाइयों का उपयोग हुआ है :

Given the production function $Q = 2 \cdot K^{1/3} \cdot L^{2/3}$, find the output level when 8 units of capital and 27 units of labour are used.

- (1) 36 (2) 54
(3) 18 (4) 24

उत्तर- (1)/व्याख्या/ $Q = 36$

उत्पादन फलन $Q = 2 \cdot K^{1/3} \cdot L^{2/3}$

यदि पूंजी (K) - 8 इकाईयाँ तथा

श्रमिकों (L) की 27 इकाईयाँ प्रयोग हो तो

उत्पादन का स्तर - ?

$$Q = 2K^{1/3} \cdot L^{2/3}$$

$$Q = 2 \times (8)^{1/3} \times (27)^{2/3}$$

$$Q = 2 \times (2^3)^{1/3} \times (3^3)^{2/3}$$

$$Q = 2 \times 2^{\frac{1}{3}} \times 3^{\frac{2}{3}}$$

$$Q = 2 \times 2 \times (3)^2$$

$$Q = 4 \times 9$$

$$Q = 36$$

69. जब किसी वस्तु की कीमत ₹15 होती है तो उपभोक्ता ₹240 खर्च करता है और जब उस वस्तु की कीमत बढ़कर ₹20 हो जाती है तो वह ₹300 खर्च करता है। मांग की लोच का मान निम्नलिखित में से कौन सा है?

A consumer spends ₹240 when the price of the commodity is ₹15 and ₹300 when the price rises to ₹20. The elasticity of demand is :

(1) $\frac{2}{3}$ (2) 1

(3) $\frac{3}{20}$ (4) $\frac{1}{30}$

उत्तर- (4)/व्याख्या/ कोई विकल्प सही नहीं है।

मूल्य (P)	व्यय	मांग की मात्रा (QD)
15	240	16
20	300	15
$\Delta P = 5$		$\Delta Q = 1$

$$e_p = \frac{\Delta Q}{\Delta P} \times \frac{P}{Q}$$

$$= \frac{1}{5} \times \frac{15}{16} = \frac{3}{16}$$

70. निम्नलिखित समाश्रयण मॉडल के लिए

For a regression model

$$Y = \beta_0 + \beta_1 X_1 + \beta_2 X_2 + \dots + \beta_k X_k + u,$$

'n' प्रेक्षणों के साथ $|t|$ सांख्यिकी परीक्षण हेतु स्वातंत्र्य कोटि है :
the degrees of freedom of test statistics $|t|$, with 'n' observations is:

- (1) $n - k$ (2) $n - k + 1$
(3) $n - k - 1$ (4) $n + k + 1$

उत्तर- (3)/व्याख्या/ बहुखंडीय समाश्रयण मॉडल में त्रुटि के लिए स्वतंत्रता के स्तर है $\rightarrow (n - k - 1)$

or $n - (K + 1)$

71. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूटों में से उत्तर चुनिए :

Match the following and answer from the codes given below :

सूची-I सूची-II

- (a) वाल्ड टेस्ट (i) स्थिर अवस्था
Wald test Stationarity
(b) यूनिट रूट टेस्ट (ii) चरों में त्रुटि मॉडल
Unit root test Errors in Variables Model
(c) स्टूडेंट्स 'टी' टेस्ट (iii) कारणता
Student's t test Causality
(d) ग्रेंजर टेस्ट (iv) समाश्रयण गुणांकों की सार्थकता
Granger test Significance of Regression Coefficients

कूट / Codes :

- (a) (b) (c) (d)
(1) (ii) (i) (iv) (iii)
(2) (i) (ii) (iv) (iii)
(3) (iii) (iv) (i) (ii)
(4) (iv) (iii) (ii) (i)

उत्तर- (1)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची-I	सूची-II
(a) वाल्ड टेस्ट	(ii) चरों में त्रुटि मॉडल
(b) यूनिट रूट टेस्ट	(i) स्थिर अवस्था
(c) स्टूडेंट्स 'टी' टेस्ट	(iv) समाश्रयण गुणांकों की सार्थकता
(d) ग्रेंजर टेस्ट	(iii) कारणता की जाँच

72. निम्नलिखित मॉडल/लों में यदि आवश्यक हो तो रूपान्तरण कर किस/न को सामान्य न्यूनतम वर्ग विधि से आकलित किया जा सकता है? नोट करें कि (e) घातीयचर को संकेतित करता है।

Which of the following model/s can be estimated using OLS, following suitable transformations if necessary?
Note that 'e' denotes the exponential.

- (a) $Y_t = \alpha + \beta X_t + u_t$ (b) $Y_t = \alpha + \beta e^{X_t} + u_t$
(c) $Y_t = \alpha + \beta \ln(X_t) + u_t$ (d) $Y_t = \alpha + \beta X_t^2 + u_t$

कूट / Codes :

- (1) केवल (a) (2) केवल (b) और (c)
(3) केवल (a), (c) और (d) (4) (a), (b), (c) और (d)

उत्तर- (4)/व्याख्या/ वास्तव में सभी मॉडल जो (a) से (d) तक दर्शाए गए हैं का आकलन उपयुक्त परिवर्तनों के बाद जहाँ आवश्यक हो OLS का उपयोग करते हुए किया जा सकता है।
स्पष्टतः a सामान्यतः मानक प्रतिदर्श है।

- (b) $Y_t = \alpha - \beta^{X_t} + \mu_t$ के लिए एक नया चर (Z) सृजित किया जाता है, यहाँ $Z = e^x$ एक नियतांक और Z पर Y के समाश्रयण के रूप में मानक प्रतिदर्श दे सकता है।
(c) $Y_t = \alpha + \beta \ln(Y_t) + \mu_t$ में प्रतिस्थापन $Y = (\mu)$ और X में एक नियतांक पर (X) और Y समाश्रयण में X पुनः मानक प्रतिदर्श देगा।

- (d) $Y_t = \alpha + \beta \times t^2 + \mu t$ - इसके आकलन के लिए $Z = x^2$ और एक नियतांक पर समाश्रयित Y और Z

73. यदि एक सह-निर्भर युगपतीय प्रणाली की प्रत्येक समीकरण के आकलन हेतु सामान्य न्यूनतम वर्ग विधि (OLS) का उपयोग किया जाता है, तो प्राप्त आकलक होंगे :

If OLS is applied separately to each equation that is part of a simultaneous interdependent system, the resulting estimates will be :

- (1) निष्पक्ष और सुसंगत
Unbiased and consistent
- (2) पक्षपातपूर्ण और सुसंगत
Biased and consistent
- (3) पक्षपातपूर्ण और असंगत
Biased and inconsistent
- (4) जो समीकरण एक युगपतीय प्रणाली के अंग हैं, उनका आकलन, सामान्य न्यूनतम वर्ग विधि (OLS) द्वारा असम्भव है।

It is impossible to apply OLS to the equations that are part of a simultaneous system

उत्तर- (3)/व्याख्या/ यदि एक सह-निर्भर युगपतीय प्रणाली के प्रत्येक समीकरण के आकलन हेतु सामान्य न्यूनतम वर्ग विधि (OLS) का उपयोग किया जाता है तो प्राप्त आकलन पक्षपातपूर्ण और असंगत होंगे।

74. निम्नलिखित में से कौन बहु-समरेखकता का औचित्यपरक उपाय नहीं है?

Which one of the following is not a plausible remedy for multicollinearity?

- (1) प्रिंसिपल कॉम्पोनेन्ट्स विश्लेषण का प्रयोग
Use principal components analysis
- (2) किसी एक समरेखक चर को हटाना
Drop one of the collinear variables
- (3) दीर्घकालिक आंकड़ों का प्रयोग
Use a longer-run of data
- (4) प्रत्येक चर के लघुगणकीय रूपान्तरण को लेना
Take logarithm of each of the variables

उत्तर- (4)/व्याख्या/ प्रत्येक चर के लघुगणकीय रूपान्तरण को लेना बहु-समरेखकता का औचित्यपरक उपाय नहीं है।

75. दो समाश्रयण मॉडलों पर विचार कीजिए :

Consider the two regression models :

मॉडल Model 1 : $Y_t = \beta_1 + \beta_2 X_{2t} + u_t$

मॉडल Model 2 : $Y_t = \alpha_1 + \alpha_2 X_{2t} + \alpha_3 X_{3t} + u_t$

निम्नलिखित कथनों में से कौन-से सही हैं?

Which of the following statements are true ?

- (a) मॉडल 2 में R^2 का मान कम से कम मॉडल 1 से अधिक होना चाहिए।
Model 2 must have an R^2 at least as high as that of Model 1.

- (b) मॉडल 2 में समायोजित R^2 का मान कम से कम मॉडल 1 के मान के समकक्ष होना चाहिये।
Model 2 must have an adjusted R^2 at least as high as that of Model 1.

- (c) मॉडल 1 और 2 में R^2 का मान समान होना चाहिए यदि α_3 का आकलित समाश्रयण गुणांक शून्य है।
Model 1 and 2 would have identical values of R^2 if estimated coefficient of α_3 is zero.

- (d) मॉडल 1 और 2 में, समायोजित R^2 का मान समान होना चाहिए यदि α_3 का आकलित समाश्रयण गुणांक शून्य है।
Model 1 and 2 would have identical values of adjusted R^2 if the estimated coefficient of α_3 is zero.

कूट / Codes :

- (1) केवल (b) और (d) (2) केवल (a) और (c)
- (3) केवल (a), (b) और (c) (4) (a), (b), (c) और (d)

उत्तर- (2)/व्याख्या/ केवल (a) और (c) सही है

यदि दो समाश्रयण मॉडल

मॉडल 1 : $Y_t = \beta_1 + \beta_2 X_{2t} + u_t$

मॉडल 2 : $Y_t = \alpha_1 + \alpha_2 X_{2t} + \alpha_3 X_{3t} + u_t$

तो

- (i) मॉडल 2 में R^2 का मान मॉडल 1 से अधिक होना चाहिए।
- (ii) मॉडल 1 और 2 में R^2 का मान समान होना चाहिए यदि α_3 का आकलित समाश्रयण गुणांक शून्य हो।

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित बाजार स्थितियों में से किस एक में फर्में उत्पादन और कीमत निर्धारण निर्णयों में पारस्परिक रूप से निर्भर होती हैं?

In which one of the following market situations are the firms mutually interdependent in pricing and output decisions?

- (1) अल्पाधिकार / Oligopoly
- (2) क्रेता - एकाधिकार / Monopsony
- (3) एकाधिकार / Monopoly
- (4) एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा / Monopolistic Competition

उत्तर- (1)/व्याख्या/ अल्पाधिकारी बाजार में फर्में उत्पादन व कीमत निर्धारण निर्णयों में पारस्परिक रूप से निर्भर होती हैं।

अल्पाधिकारी बाजार स्थिति में फर्मों की संख्या सीमित होती है तथा इन सीमित फर्मों के मध्य प्रतियोगिता पाई जाती है। बाजार में फर्मों की संख्या सीमित होने के कारण होने पर एक की प्रतिक्रिया दूसरे को प्रभावित करती है। एक अल्पाधिकार उद्योग समरूप तथा विभेदीकृत वस्तुएं उत्पादित कर सकता है। समरूप वस्तुओं की स्थिति को शुद्ध अल्पाधिकार तथा विभेदीकृत वस्तुओं की स्थिति की विभेदीकृत अल्पाधिकार कहते हैं।

अल्पाधिकारी बाजार की विशेषताएं -

(i) परस्पर निर्भरता	(ii) विज्ञापन
(iii) प्रतियोगिता	(iv) विकुंचित मांग वक्र
(v) कीमतों में दृढ़ता	

नोट: क्रेता - एकाधिकार ऐसी बाजार स्थिति है जहां किसी वस्तु का एक मात्र क्रेता होता है।

2. निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने "वैल्यू एंड कैपिटल" शीर्षक की पुस्तक लिखी है?

"Value and Capital" is written by who among the following economists?

- (1) हानसन / Hanson
- (2) फिलिप्स / Philipps
- (3) उरसुला / Ursula
- (4) जे. आर. हिक्स / J. R. Hicks

उत्तर- (4)/व्याख्या/ जे. आर. हिक्स ने "वैल्यू एंड कैपिटल" शीर्षक की पुस्तक लिखी है।

Sir John Hicks (1904-1989) ब्रिटिश अर्थशास्त्री थे। इनका प्रमुख योगदान उपभोक्ता व्यवहार में अनधिमान वक्र IS-LM Model आदि में रहा।

इन्होंने Value and Capital (1939) के अलावा निम्न पुस्तकें भी लिखी हैं -

- Capital & Growth (1969)
- A Market Theory of Money (1969)

3. गिफन विरोधाभास तब होता है, जब आय का प्रभाव :
Giffen paradox occurs when income effect is :

- (1) प्रतिस्थापन प्रभाव की तुलना में अधिक होता है
Greater than the substitution effect
- (2) प्रतिस्थापन प्रभाव के समान होता है
Equal to the substitution effect
- (3) प्रतिस्थापन प्रभाव से कम होता है
Less than substitution effect

- (4) नकारात्मक और प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक होता है
Negative and is greater than the substitution effect

उत्तर- (4)/व्याख्या/ गिफन विरोधाभास तब होता है, जब आय का प्रभाव नकारात्मक और प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक होता है।

एक विशेष प्रकार की घटिया वस्तु जिसकी व्याख्या राबर्ट गिफन ने की, गिफन वस्तु कहलाती है। इस वस्तु के सम्बन्ध में कीमत बढ़ने पर वस्तु की मांग में वृद्धि पाई जाती है जबकि कीमत घटने पर वस्तु की मांग में कमी पाई जाती है। इस प्रकार सीधे मांग मात्रा सम्बन्ध को गिफन विरोधाभास कहा जाता है।

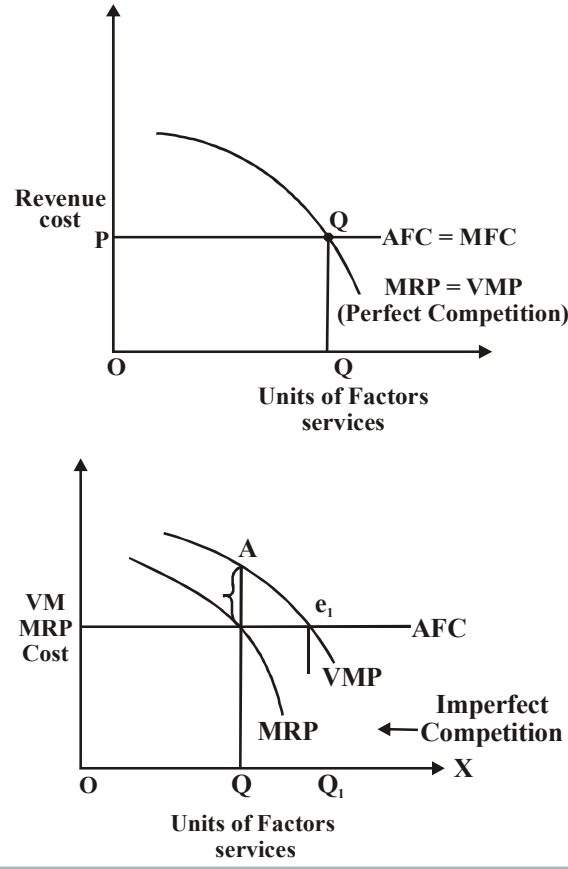
4. निम्नलिखित में से कौन-सा एक वक्र श्रम के आपूर्ति वक्र की अनुक्रिया करेगा?

Which one of the following curves will respond the supply curve of labour?

- (1) श्रम का सीमांत उत्पाद वक्र
Marginal product curve of labour
- (2) श्रम का सीमांत आय उत्पाद वक्र
Marginal revenue product curve of labour
- (3) श्रम के सीमांत उत्पाद का मूल्य वक्र
Value of marginal product curve of labour
- (4) श्रम का औसत उत्पाद वक्र
Average product curve of labour

उत्तर- (2)/व्याख्या/ श्रम का सीमांत आय उत्पाद वक्र श्रम के आपूर्ति वक्र की अनुक्रिया करेगा।

श्रमिकों की मांग एक व्युत्पन्न मांग है क्योंकि यह वस्तुओं और सेवाओं के लिए उपभोक्ता की मांग पर निर्भर है। जब फर्म किसी श्रमिक को काम में रखती है तब इससे कुल उत्पादन में वृद्धि सीमान्त उत्पाद कहलाता है तथा इस अतिरिक्त उत्पादन के विक्रय से प्राप्त आय को श्रम का सीमान्त आय उत्पादन कहते हैं।



5. परिसीमन कीमत का तात्पर्य है :

Limit price refers to the :

- (1) वह कीमत, जो फर्म का मुनाफा अधिकतम बढ़ाता है
Price which maximizes the profits of the firm
- (2) वह कीमत, जो नई फर्मों का प्रवेश रोकती है
Price which prevents entry of new firms
- (3) वह कीमत, जिस पर फर्म लागत से अधिक आय का उपार्जन शुरू कर देती है
Price at which firm just starts earning a surplus over cost
- (4) वह अधिकतम कीमत, जिसे वसूलने की फर्म को अनुमति दी जाती है
Maximum price which the firm is allowed to charge

उत्तर- (2)/व्याख्या/ परिसीमन कीमत का तात्पर्य है वह कीमत जो नई फर्मों का प्रवेश रोकती है।

जब एक फर्म या उद्योग में स्थापित फर्में नयी फर्मों के उद्योग में प्रवेश को हतोत्साहित करने के लिए लाभ अधिकतमीकरण कीमत से नीचे मूल्य का निर्धारण करती है तब ऐसी कीमतों को सीमा कहते हैं। परिसीमन कीमतें एक उच्च कीमत है जिसे मौजूदा फर्म नई फर्मों के प्रवेश को हतोत्साहित कर प्राप्त कर सकती है। सीमा कीमतों के निर्धारण तथा फर्म के संतुलन के सम्बन्ध में J-बेन ने अपना सिद्धान्त प्रस्तुत किया।

6. पैरेटो संबंधी सामान्य इष्टतमता वहाँ पाई जाती है, जहाँ पर :
General Pareto Optimality exists where :

- (1) $MRTS_{LK}^X = MRTS_{LK}^Y$
- (2) $MRT_{XY} = MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$
- (3) $MRTS_{XY}^L = MRTS_{XY}^K$
- (4) $\frac{MP_L}{MP_K} = \frac{P_L}{P_K}$

उत्तर- (2)/व्याख्या/ पैरेटो संबंधी सामान्य इष्टतमता वहाँ पाई जाती

है, जहाँ पर $MRT_{XY} = MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$

पैरेटो के अनुसार समाज में अनुकूलतम वितरण वहाँ पाया जाता है जबकि किसी व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि कर पाना संभव न हो ऐसी दशा पैरेटो अनुकूलतम की दशा होगी। पैरेटो ने अपने सिद्धान्त को प्रस्तुत करने के लिए तीन सीमान्त दशाओं का उल्लेख किया -

- (i) उपभोक्ताओं के बीच वस्तुओं का अनुकूलतम वितरण

$$MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$$

- (ii) फर्मों के मध्य उत्पादन के साधनों का अनुकूलतम वितरण

$$MRTS_{LK}^A = MRTS_{LK}^B$$

- (iii) वस्तुओं के मध्य साधनों का अनुकूलतम वितरण अर्थात् रूपांतरण की सीमांत दर पैरेटो संबंधी सामान्य इष्टतमता वहाँ होगी जहाँ

$$MRT_{XY} = MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$$

7. निम्नलिखित बाजारों में से किसमें विज्ञापन आम बात होती है?
Advertisement is common in which of the following markets?

- (i) अल्पाधिकार / Oligopoly
 - (ii) पूर्ण प्रतिस्पर्धा / Perfect Competition
 - (iii) एकाधिकारिक प्रतिस्पर्धा/Monopolistic Competition
 - (iv) एकाधिकार / Monopoly
- निम्नलिखित कूट में से चुनें :

Choose from the codes below :

- (1) (i) और (iii)
- (2) (ii) और (iii)
- (3) केवल (i)
- (4) केवल (iii)

उत्तर- (1)/व्याख्या/ अल्पाधिकार एवं एकाधिकारिक प्रतिस्पर्धा में विज्ञापन आम बात होती है।

विज्ञापन की आवश्यकता विभेदीकृत वस्तुओं का विक्रय करने वाले बाजारों में होती है। पूर्ण प्रतियोगिता बाजार में सामान उत्पाद (Homogeneous Goods) एक प्रमुख विशेषता होती है जबकि एकाधिकार में किसी एक ही प्रकार की वस्तु का उत्पादन तथा विक्रय किया जाता है।

एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता में पाई जाने वाली वस्तु विभिन्नता के कारण विक्रय प्रोत्साहन दिए जाते हैं ताकि उत्पाद विक्रय को बढ़ाया जा सके। इसमें विज्ञापन प्रमुख है। विज्ञापन व्यय फर्म के व्यक्तिगत मांग वक्र को ऊपर की ओर खिसकाता है तथा मूल्य लोच को कम करता है।

8. किसके द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार व्यवस्था का प्रबंधन किया जाता है?

Intellectual property rights regime is managed by :

- (1) आई. एम. एफ. / IMF
- (2) डब्ल्यू. टी. ओ. / W.T.O.
- (3) यूरोपियन यूनियन / European Union
- (4) सार्क / SAARC

उत्तर- (2)/व्याख्या/ बौद्धिक संपदा अधिकार व्यवस्था का प्रबंधन W.T.O. द्वारा किया जाता है।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार को व्यापारिक मूल्य के साथ सूचना (Information with Commercial value) के रूप में परिभाषित किया जाता है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार विचारों, अविष्कारों तथा सृजनात्मक अभिव्यक्तियों तथा उनको सम्पत्ति का दर्जा दिए जाने के सम्बन्ध में जनता को सहमती तथा उसके स्वामित्वधारियों को अधिकार दिए जाने से सम्बन्धित है जिससे वह दूसरों को उन्हें प्रयोग में लाने से रोक सके। पेटेन्ट, कॉपीराइट, औद्योगिक डिजाइन ट्रेडमार्क तथा भौगोलिक संकेतों के द्वारा IPR को वैधानिक रूप से संरक्षित किया जाता है।

बौद्धिक सम्पदा अधिकारों को परम्परागत रूप से दो मुख्य क्षेत्रों में बांटा जाता है -

- (i) कॉपीराइट तथा कॉपीराइट से सम्बन्धित अधिकार इसमें शैक्षणिक लेख बुद्धिमत्ता तथा artistic work (जैसे कि किताब तथा अन्य लेखन Musical Compositions, पेंटिंग, Sculpture कम्प्यूटर प्रोग्राम तथा फिल्म) को कॉपीराइट से संरक्षित किया जाता है। इन्हें लेखक की मृत्यु से कम से कम 50 वर्षों तक संरक्षित किया जाता है।
इसके अलावा प्रदर्शनकर्ता (e.g. actors, singers and musicians) Producers of Phonograms (sound recording) and broadcasting organizations से संबंधित अधिकारों को कॉपीराइट से सम्बन्धित अधिकार कहा जाता है।
- (ii) Industrial Property - इसमें ट्रेडमार्क, औद्योगिक रूपरेखा पेटेंट, भौगोलिक संकेतक, व्यापार सम्बन्धी गुप्त सूचना, इंटीग्रेटेड सर्किट की रूपरेखा इसमें शामिल है। इन प्रकारों में निश्चित समयावधि तक सुरक्षा प्राप्त होती है। (पेटेंट की दशा में 20 वर्ष तक)

9. यूरो - मुद्रा बाजार के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है? निम्नलिखित कूट में से उत्तर दें :

Which of the following statements are true for a Euro currency market? Answer from the codes below :

- (i) इसका अस्तित्व मौद्रिक नीति के प्रभावोत्पादक संचालन को प्रभावित करता है।
Its existence affects the effective conduct of monetary policy

(ii) यह एक अत्यंत विनियमित बाजार है।

It is a highly regulated market.

कूट / Codes :

- (1) (i) और (ii) दोनों सही हैं
- (2) (i) और (ii) में से कोई भी सही नहीं है
- (3) केवल (i) सही है
- (4) केवल (ii) सही है

उत्तर- (3)/व्याख्या/ यूरो मुद्रा बाजार का अस्तित्व मौद्रिक नीति के प्रभावोत्पादक संचालन को प्रभावित करता है।

यूरो मुद्रा बाजार एक प्रकार का 'Common Market' है। यूरो मुद्रा बाजार यूरोपीय संघ में प्रचलित मुद्रा बाजार है। यूरो मुद्रा बाजार विश्व में विभिन्न वित्तीय केन्द्रों में संचालित है। इसका महत्वपूर्ण विकास द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुआ।

10. हेक्शर - ओहलिन प्रमेय के अनुसार कोई भी देश किसी वस्तु का निर्यात करेगा :

According to Heckscher - Ohlin Theorem, a nation will export a commodity which is :

- (1) जिसमें अपेक्षाकृत प्रचुर साधन के प्रयोग की तीव्रता है।
Intensive in its relatively abundant factor
- (2) जिसमें अपेक्षाकृत सस्ते साधन के प्रयोग की तीव्रता है।
Intensive in its relatively cheap factor
- (3) दोनों (1) और (2) आवश्यक हैं
Both (1) and (2) are necessary
- (4) (1) और (2) दोनों में से कोई भी आवश्यक नहीं है
Neither (1) nor (2) is necessary

उत्तर- (3)/व्याख्या/ हेक्शर - ओहलिन प्रमेय के अनुसार कोई भी देश किसी वस्तु का निर्यात करेगा -

- (i) जिसमें अपेक्षाकृत प्रचुर साधन के प्रयोग की तीव्रता है।
- (ii) जिसमें अपेक्षाकृत सस्ते साधन के प्रयोग की तीव्रता है।
हेक्शर ओहलिन का सिद्धान्त जिसे साधन सम्पन्नता अथवा साधन अनुपातों का सिद्धान्त भी कहा जाता है अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धान्त है। हेक्शर ओहलिन सिद्धान्त यह बताता है कि व्यापार के ढांचे का प्रमुख निर्धारक तत्व है साधन पूर्तियों की सापेक्ष पर्याप्तता। विभिन्न देशों की साधन पूर्तियां भिन्न-भिन्न होती हैं कुछ देश पूंजी-प्रधान होते हैं जबकि कुछ श्रम प्रधान होते हैं। यह सिद्धान्त कहता है कि जिन देशों में पूंजी अधिक है, वे पूंजी गहन वस्तुओं को निर्यात करेंगे और जिन देशों में श्रम अधिक होगा वहां श्रम सस्ता होगा तथा ये देश श्रम गहन वस्तुओं को निर्यात करेंगे।

11. तटकर संघ सदैव किसका मार्ग प्रशस्त करता है?

Customs union always leads to :

- (1) केवल व्यापार विपथन प्रभाव
Trade diversion effect alone
- (2) केवल व्यापार सृजन प्रभाव
Trade creation effect alone
- (3) व्यापार सृजन और व्यापार विपथन दोनों प्रभाव
Both trade creation and trade diversion effects
- (4) व्यापार विपथन और व्यापार सृजन प्रभाव में से कोई भी नहीं
Neither trade diversion nor trade creation effect

उत्तर- (3)/व्याख्या/ तटकर संघ व्यापार सृजन और व्यापार विपथन दोनों प्रभावों का मार्ग प्रशस्त करता है।

तटकर संघ के प्रभाव से बढ़ते व्यापार तथा कल्याणकारी प्रभाव को व्यापार सृजन तथा शेष विश्व से घटते व्यापार एवं कल्याण में कमी को व्यापार विपथन कहा जाता है।

व्यापार सृजन तब होता है जब एक तटकर संघ के सदस्य देश में घरेलू देश मंहगें उत्पादन को दूसरे सदस्य के कम लागत के आयात द्वारा प्रतिस्थापित होता है। दूसरी ओर व्यापार विपथन तब घटित होता है जब संघ के बाहर कम लागत वाले आयातों को छोड़कर सदस्य देशों के मध्य व्यापार स्थापित होता है। यह कल्याण में कमी लायेगा।

व्यापार सृजन तथा व्यापार विपथन तटकर संघ के आंशिक संतुलन के प्रभाव है जिसे जैकब वाइनर ने प्रस्तुत किया।

12. निम्नलिखित धारणाओं में से कौन-सी धारणा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की हेक्शर - ओहलिन प्रमेय में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है?

Which one of the following assumptions is the most important assumption in the Heckscher - Ohlin Theorem of international trade?

- (1) दो - कारक मॉडल / Two - factor model
- (2) दो वस्तुएँ / Two commodities
- (3) कोई प्रशुल्क नहीं / No tariff
- (4) निरंतर प्रशुल्क / Constant tariff

उत्तर- (3)/व्याख्या/ कोई प्रशुल्क नहीं- हैक्शर ओहलिन प्रमेय में सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

हैक्शर-ओहलिन को अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धान्त कहा जाता है। इस सिद्धान्त के अनुसार दो देशों के बीच व्यापार वस्तुओं की लागतों में सापेक्षित अन्तर के कारण होता है तथा यह अन्तर दो कारणों से उत्पन्न होता है -

- **प्रथम** यह कि उत्पत्ति के साधनों की कीमतों में सापेक्षित अन्तर पाया जाता है।
 - **द्वितीय** यह कि विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में उत्पादन के साधनों की आवश्यकता में भी सापेक्षित भिन्नता पाई जाती है।
- हैक्शर ओहलिन सिद्धान्त की व्याख्या दो परिभाषाओं के रूप में की जाती है -**

- i. साधन कीमतों के रूप में साधन प्रचुरता
- ii. भौतिक रूप में साधन प्रचुरता

13. द्वय अंतराल मॉडल में दो अंतरालों का तात्पर्य है :

In dual gap model, the two gaps refer to :

- (1) मुद्रास्फीतिकारी अन्तराल और निवेश अन्तराल
Inflationary gap and investment gap
- (2) बचत अन्तराल और अपस्फीतिकारी अन्तराल
Saving gap and deflationary gap
- (3) बचत बाध्यता और विदेशी मुद्रा बाध्यता
Savings constraint and foreign exchange constraint
- (4) निवेश अन्तराल और बचत अन्तराल
Investment gap and savings gap

उत्तर- (3)/व्याख्या/ द्वय अंतराल मॉडल में दो अंतरालों का तात्पर्य है **बचत बाध्यता और विदेशी मुद्रा बाध्यता**

चेनरी तथा अन्य लेखकों ने आर्थिक विकास के दो अथवा द्वैत या दोहरे अन्तरालों की प्रस्तावना को प्रस्तुत किया। इसका अभिप्राय यह है कि “बचत अन्तराल” तथा “विदेशी विनिमय अन्तराल” अल्पविकसित देशों में वृद्धि की लक्ष्य की दर प्राप्त करने के दो भिन्न-भिन्न तथा स्वतंत्र अवरोधक हैं। अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर को प्राप्त करने के लिए चेनरी विदेशी सहायता को इन दोनों अन्तरालों की पूर्ति का माध्यम समझता है। अन्तरालों के आकार की गणना करने के लिए एक दिए हुए पूंजी उत्पादन अनुपात के साथ अर्थव्यवस्था की एक लक्ष्य वृद्धि दर की कल्पना की गई है।

लक्ष्य प्राप्ति के लिए जब घरेलू बचत दर निवेश से कम होती है तो एक बचत अन्तराल पैदा होता है। उदाहरण के लिए यदि राष्ट्रीय वास्तविक आय 6% वार्षिक है तथा पूंजी उत्पादन अनुपात 3 : 1 है तो अर्थव्यवस्था को इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय आय का 18% अवश्य बचाना चाहिए। यदि केवल 12% ही घरेलू बचते हैं तो बचत अन्तराल राष्ट्रीय आय का 6% होगा। अर्थव्यवस्था विदेशी सहायता प्राप्त करके इस बचत अन्तराल को भर सकती है।

इसी प्रकार लक्षित विदेशी विनिमय आवश्यकताओं तथा निर्यात अर्जनों के बीच एक स्थिर सम्बन्ध स्थापित किया जा सकता है। यदि शुद्ध निर्यात अर्जन विदेशी विनिमय आवश्यकताओं से कम पड़ते हैं तो एक विदेशी विनिमय अन्तराल पैदा होता है जिसे विदेशी सहायता से भरा जा सकता है।

इस प्रकार $E - Y = I - S = M - X = F$

यहां E - राष्ट्रीय व्यय है, Y - राष्ट्रीय उत्पादन तथा आय है, I - निवेश है, S - बचत है, M - आयात को दर्शाता है। X निर्यात एवं F शुद्ध पूंजी अन्तर्प्रवाह है। अतः

(I - S) - घरेलू बचत अन्तराल

(M - X) - विदेशी विनिमय अन्तराल

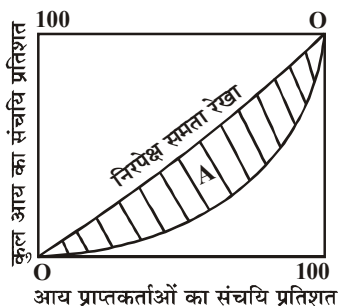
14. आय की समग्र समानता द्वारा वर्णित किसी आय के बंटन के गिनी गुणांक का मान क्या है?

What is the value of the Gini coefficient for an income distribution characterised by complete equality incomes?

- (1) शून्य
- (2) 0.5
- (3) 1
- (4) ∞ (अनन्तता)

उत्तर- (1)/व्याख्या/ आय की समग्र समानता द्वारा वर्णित किसी आय के बंटन के गिनी गुणांक का मान शून्य है।

सापेक्ष गरीबी की एक माप के रूप में गिनी गुणांक प्रमुख है। गिनी गुणांक को 1912 में इटैलियन सांख्यिकी कोरेडो गिनी ने विकसित किया। यह आय के प्रत्येक युग्म के मध्य आय अन्तर की माप को प्रस्तुत करती है। यह वास्तविक लारेंज वक्र तथा निरपेक्ष समता रेखा के बीच का क्षेत्रफल तथा निरपेक्ष समता रेखा के नीचे के सम्पूर्ण क्षेत्र के बीच का अनुपात है।



गिनी गुणांक (G) = $\frac{\text{छायांकित भाग (A) का क्षेत्रफल}}{\text{समता रेखा के नीचे का सम्पूर्ण क्षेत्रफल}}$

यदि गिनी गुणांक का मूल्य $G = 0$ है तो प्रत्येक व्यक्ति को एक ही आय मिल रही है अर्थात् आय की समग्र समानता व्याप्त है। दूसरी तरफ यदि $G = 1$ है तो एक ही व्यक्ति सम्पूर्ण आय प्राप्त कर रहा है अर्थात् निरपेक्ष रूप से विषमता व्याप्त है।

15. ग्लोबल वार्मिंग के निम्नलिखित दूरगामी परिणामों में से किस एक बड़े दूरगामी परिणाम की पहचान नहीं की गई है?

Which of the following has not been identified as a potential consequence of global warming?

- (1) कृषि उपज में गिरावट / A fall in agricultural yields
- (2) बीमारी का फैलना / The spread of disease
- (3) परमाणु ऊर्जा का उपयोग / The use of nuclear energy
- (4) समुद्री जल स्तर में वृद्धि / A rise in sea levels

उत्तर- (3)/व्याख्या/ परमाणु ऊर्जा का उपयोग

भूमंडलीय ऊष्मीकरण या Global Warming का अर्थ है पृथ्वी के वायुमंडल और महासागर के औसत तापमान में 20 वीं शताब्दी से हो रही वृद्धि और उसकी अनुमानित निरंतरता। ग्लोबल वार्मिंग के दूरगामी परिणामों में हिमखण्डों के पिघलने से समुद्री जल स्तर में वृद्धि, कृषि उपज में गिरावट, बिमारियों का फैलना शामिल है किन्तु विश्वस्तर पर परमाणु ऊर्जा का प्रयोग अभी व्यापक नहीं है। अतः इसके दुष्परिणाम का अध्ययन संज्ञान में नहीं आया है।

16. अभिकथन (A) : अनेक अल्प - विकसित देशों की विशेषताओं में से एक यह है कि उनमें अल्प बचत दर और अल्प पूंजी निर्माण होता है।

Assertion (A) : One of the characteristics of many underdeveloped countries is that they have a low saving rate and low capital formation.

कारण (R) : अल्प विकसित देशों में यह मुख्य रूप से उपभोग के उच्च स्तर के कारण होता है।

Reason (R) : In underdeveloped countries this is mainly due to high level of consumption.

कूट / Codes :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है
Both (A) and (R) are true and (R) is the correct

explanation of (A)

- (2) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)

- (3) (A) सही है परन्तु (R) गलत है

(A) is true but (R) is false

- (4) (A) गलत है, परंतु (R) सही है

(A) is false but (R) is true

उत्तर- (2)/व्याख्या/ अल्पविकसित देशों की विशेषताओं में से एक यह है कि उनमें अल्प बचत दर और अल्प पूंजी निर्माण होता है। यद्यपि इन देशों में उपभोग का उच्च स्तर पाया जाता है तथापि यह प्रमुख कारण नहीं है। अपितु आय का निम्न स्तर, आधारभूत ढांचे का पिछड़ापन, कम निवेश, अपर्याप्त मानव पूंजी, अकुशल श्रम के कारण है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

17. निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री द्वारा 'अधिशेष मूल्य' की अवधारणा विकसित की गई?

Concept of 'surplus value' is developed by who among the following economists?

- (1) जे. शूमपीटर / J. Schumpeter
- (2) कार्ल मार्क्स / Karl Marx
- (3) जे. आर. हिक्स / J. R. Hicks
- (4) आर. ए. फिशर / R. A. Fisher

उत्तर- (2)/व्याख्या/ कार्ल मार्क्स द्वारा 'अधिशेष मूल्य' की अवधारणा विकसित की गई।

मार्क्स ने अपने अतिरेक मूल्य के सिद्धान्त का प्रयोग पूंजीवाद के अंतर्गत 'वर्ग संघर्ष' के आर्थिक आधार के रूप में करता है और इससे वह अपने आर्थिक विकास के विश्लेषण के ऊपरी ढांचे का निर्माण करता है।

मार्क्स के अनुसार पूंजीवाद दो महान प्रतिद्वन्द्वियों में विभक्त है पहला श्रमिक जो अपनी श्रमशक्ति बेचते हैं और दूसरा पूंजीपति जो उत्पादन के साधनों का स्वामी है। पूंजीपति श्रमिक को कच्चा माल, मशीन आदि देता है एवं श्रमिकों को जीवन निर्वाह के बराबर मजदूरी दी जाती है जबकि श्रमिकों द्वारा बनाई वस्तुएं अधिक मूल्य की होती हैं।

एक पूंजीपति बाजार में कुछ मुद्रा M लेकर आता है और उससे कच्चा माल, मशीनें, श्रमशक्ति आदि उत्पादन के साधन खरीदता है। इनसे वस्तु 'C' का निर्माण होता है जिसे वह अधिक मूल्य M' पर बेचता है। इस प्रकार $M - C - M'$ जहां M से M' अधिक है M और M' का अन्तर अतिरेक मूल्य है। अतिरेक मूल्य का स्रोत श्रमशक्ति है। अतिरेक मूल्य को $\frac{S}{V}$ से दर्शाया जाता है। इसे शोषण की कोटि भी कहा जाता है।

18. मौद्रिक नीति सर्वाधिक प्रभावोत्पादक होती है, जब निवेश व्यय :
Monetary policy is most effective when investment spending is :

(1) ब्याज - लोचदार और मुद्रा की मांग में भी ब्याज-लोचदार होता है

Interest elastic and demand for money is also interest elastic

(2) ब्याज - बेलोचदार और मुद्रा की मांग में भी ब्याज - बेलोचदार होता है

Interest inelastic and demand for money is also interest inelastic

(3) ब्याज - बेलोचदार और मुद्रा की मांग में ब्याज - लोचदार होता है

Interest inelastic and demand for money is interest elastic

(4) ब्याज - लोचदार और मुद्रा की मांग में ब्याज - बेलोचदार होता है

Interest elastic and the demand for money is interest inelastic

उत्तर- (4)/व्याख्या/ मौद्रिक नीति सर्वाधिक प्रभावोत्पादक तक होगी जबकि निवेश व्यय ब्याज लोचदार हो और मुद्रा की मांग में ब्याज बेलोचदार हो।

निवेश ब्याज लोचदार का अर्थ है कि ब्याज की दर में कोई बदलाव निवेश में अत्यधिक परिवर्तन लाता है।

19. एल. एम. वक्र का ढाल निम्नलिखित में से किस पर निर्भर करता है?

Slope of the LM Curve depends upon which of the following ?

(1) निवेश की ब्याज - लोच/ Interest elasticity of investment

(2) आय की ब्याज - लोच/ Interest elasticity of income

(3) मुद्रा की मांग की ब्याज - लोच

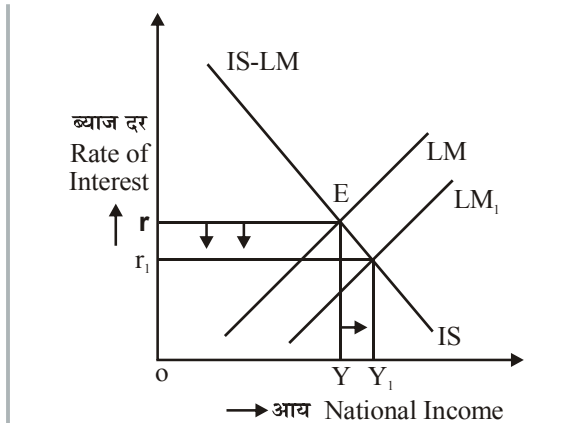
Interest elasticity of demand for money

(4) उपरोक्त में से कोई भी नहीं/None of the above

उत्तर- (3)/व्याख्या/ LM वक्र मुद्रा बाजार में सन्तुलन को दर्शाता है। यह वक्र वास्तविक आय तथा ब्याज दर के उन विभिन्न संयोगों को प्रदर्शित करता है जिस पर मुद्रा की मांग पूर्ति के बराबर है। इसका ढाल बाएं से दाएं धनात्मक होता है जो राष्ट्रीय आय तथा ब्याज दर के मध्य प्रत्यक्ष सम्बन्ध को स्पष्ट करता है।

यदि मुद्रा की पूर्ति दी हुई है और आय के स्तर में वृद्धि पाई जाती है तो मुद्रा की मांग में भी वृद्धि होगी जिससे ब्याज दर में वृद्धि होगी।

LM वक्र का ढाल **मुद्रा की मांग की ब्याज लोच** पर निर्भर करता है। यदि मुद्रा की मांग की ब्याज लोच अधिक है तो यह अधिक चपटा होगा। विलोमशः



20. किसी बंद अर्थव्यवस्था और त्रिक्षेत्रीय मॉडल में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

In a closed economy and three sector model which of the following is true?

(1) पारिवारिक बचतें = निवल निवेश

Household savings equal net investment

(2) पारिवारिक बचतें = सकल निवेश

Household saving equal gross investment

(3) पारिवारिक बचतें + मूल्य हास, = सकल निवेश + सरकारी व्यय

Household savings plus depreciation equals gross investment plus government spending

(4) पारिवारिक बचतें + कर + मूल्य हास = सकल निवेश + सरकारी व्यय

Household savings plus taxes plus depreciation equals gross investment plus government spending

उत्तर- (4)/व्याख्या/ पारिवारिक बचतें + कर + मूल्य हास = सकल निवेश + सरकारी व्यय

त्रिक्षेत्रीय अर्थव्यवस्था में घरेलू क्षेत्र, व्यवसायिक क्षेत्र के साथ सार्वजनिक क्षेत्र भी पाया जाता है। सरकार का कार्य करारोपण सार्वजनिक व्यय तथा सार्वजनिक ऋण के कार्य सम्पादित करना है। इस प्रकार त्रिक्षेत्रीय अर्थव्यवस्था वहां सन्तुलन में होगी जहां कुल बचत कुल निवेश के बराबर हो।

इस प्रकार

पारिवारिक बचतें + कर + मूल्य हास = सकल निवेश + सरकारी व्यय

यहां मूल्यहास का अर्थ चालू खर्चों (operating expense) से है जो कुल कर योग्य आय में कमी लाते हैं। अर्थात् सकल बचतों में करारोपण तथा मूल्य हास शामिल है।

21. कीन्स के अनुसार पूंजी की सीमांत कुशलता है प्रत्याशित :

According to Keynes, the marginal efficiency of capital is the expected :

(1) वित्तीय परिसम्पत्तियों पर प्रतिफल दर

Rate of return of financial assets

(2) वास्तविक निवेश से मुनाफा

Profit from real investment

(3) वित्तीय निवेश से मुनाफा

Profit from financial investment

(4) वास्तविक निवेश पर प्रतिफल दर
Rate of return on real investment

उत्तर- (4)/व्याख्या/ कीन्स के अनुसार पूंजी की सीमांत कुशलता है प्रत्याशित वास्तविक निवेश पर प्रतिफल की दर।

पूंजी की सीमांत दक्षता (Marginal Efficiency of Capital)
कीन्स के अनुसार निवेश प्रेरणा मुख्य रूप से दो तत्वों पर निर्भर करती है -

(i) निवेश से लाभ की प्रत्याशित दर (expected rate of profit) जिसे कीन्स ने पूंजी की सीमांत दक्षता कहा।

(ii) ब्याज की दर

कीन्स ने पूंजी की एक अतिरिक्त इकाई से प्रत्याशित लाभ की दर को पूंजी की सीमान्त उत्पादकता की संज्ञा दी।

अन्य शब्दों में किसी पूंजी पदार्थ की एक अतिरिक्त इकाई में निवेश करने से जो लाभ की दर प्राप्त होने की आशा होती है उसे पूंजी की इकाई की सीमान्त उत्पादकता कहते हैं। इस प्रकार कीन्स के अनुसार “पूंजी की सीमान्त उत्पादकता मितिकाटा या बट्टे की वह दर है जो किसी पूंजी परिसम्पत्ति के सम्पूर्ण जीवनकाल की वार्षिक प्रत्याशित आयों के वर्तमान मूल्य को उस मशीन की पूर्ति कीमत के बराबर कर देती है।

पूंजी की सीमान्त दक्षता / उत्पादकता को निम्नलिखित सूत्र द्वारा नापा जा सकता है -

पूर्ति कीमत (Supply कीमत) = मितिकाटा की हुई भावी सम्भावित आयें
= (Discounted Prospective Yields)

अथवा

$$C = \frac{R_1}{(1+r)^1} + \frac{R_2}{(1+r)^2} + \frac{R_3}{(1+r)^3} + \dots + \frac{R_n}{(1+r)^n}$$

यहां C पूंजी - परिसम्पत्ति की पूर्ति कीमत को व्यक्त करता है।

$R_1, R_2, \dots, R_n$ आदि पूंजी से प्रतिवर्ष सम्भावित आयों को व्यक्त करते हैं।

r - बट्टे की दर है।

22. परम्परागत समष्टि प्रणाली में मुद्रा निर्धारित करती है :

In the classical macro system, money determines :

- (1) रोजगार / Employment
- (2) वास्तविक उत्पादन / Real output
- (3) (1) और (2) दोनों / Both (1) and (2)
- (4) (1) और (2) में से कोई भी नहीं / Neither (1) nor (2)

उत्तर- (4)/व्याख्या/ परम्परागत समष्टि प्रणाली में मुद्रा वास्तविक चरों जैसे रोजगार, वास्तविक उत्पादन को प्रभावित नहीं करती बल्कि यह मात्र कीमतों पर प्रभाव डालती है।

क्लासिकल अर्थशास्त्री मुद्रा का विनिमय का साधन मानते थे।

फिशर ने अपना मुद्रा परिमाण सिद्धान्त का समीकरण प्रस्तुत किया

$$MV = PT$$

यहां M - मुद्रा की मात्रा

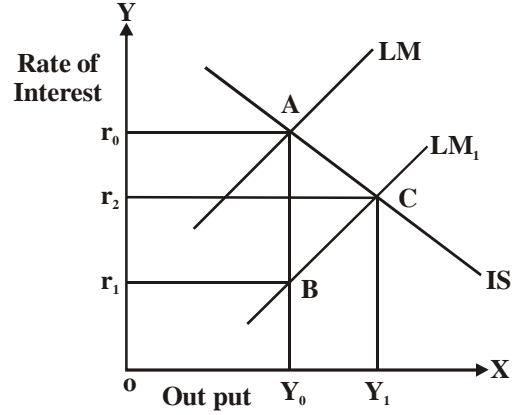
V - मुद्रा का चलन वेग

P - कीमत स्तर

T - वस्तुओं व सेवाओं की कुल मात्रा है।

यहां फिशर किसी निश्चित समयावधि में V तथा T को स्थिर मानते हैं। अतः M में किसी प्रकार का परिवर्तन मात्र P में उसी दिशा में परिवर्तन लाता है।

23.



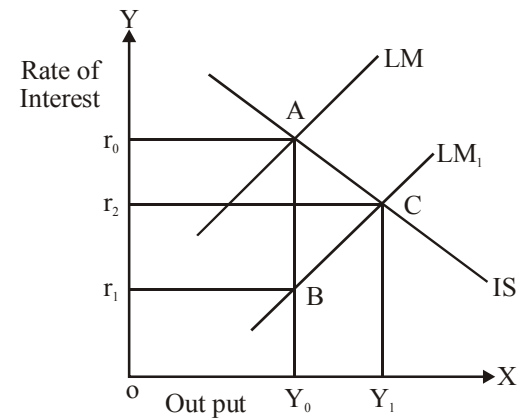
परम्परागत IS - LM आरेख में LM वक्र LM₁ की ओर चला जाता है तो निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

On the conventional IS -LM diagram, LM curve shifts to LM₁. Then which of the following statements are true?

- (1) तरलता प्रभाव है - $r_0 r_1$ / Liquidity effect is $r_0 r_1$
- (2) तरलता प्रभाव है - $r_0 r_2$ / Liquidity effect is $r_0 r_2$
- (3) तरलता प्रभाव है - $r_2 r_1$ / Liquidity effect is $r_2 r_1$
- (4) उपरोक्त में से कोई भी नहीं / None of the above

उत्तर- (2)/व्याख्या/

तरलता प्रभाव है - $r_0 r_2$ / Liquidity effect is $r_0 r_2$



IS - LM वक्र मुद्रा बाजार तथा वस्तु बाजार के एक साथ संतुलन की स्थिति में ब्याज दर तथा आय स्तर को निर्धारित करता है। चित्र में LM वक्र यदि LM से LM₁ हो जाता है तो नया संतुलन C पर होगा जहां r_2 ब्याज की दर तथा Y_1 आय स्तर को दर्शाता है।

लेकिन LM वक्र की स्थिति में परिवर्तन आने पर प्रारम्भिक स्थिति से ब्याज दर में कुल कमी $r_0 r_2$ के बराबर होगी अर्थात् तरलता प्रभाव - $r_0 r_2$ के बराबर होगा।

जब भी मुद्रा पूर्ति में वृद्धि होती है तो इसके दो प्रभाव दृष्टिगोचर होते हैं

- (i) मुद्रा पूर्ति में वृद्धि वास्तविक ब्याज दर में कमी लाती है। जिसको 'तरलता प्रभाव' कहा जाता है इसका अर्थ है अधिक मुद्रा, अधिक तरलता (i.e. अधिक तरलता, मुद्रा की लागत-ब्याज दर में कमी लाती है)।
- (ii) ये भविष्य में अधिक मुद्रास्फीति का पूर्वानुमान है।

24. फिलिप्स वक्र के बारे में निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार करें :

Consider the following statements about Phillips curve:

- (i) मुद्रा स्फीति की दर और बेरोजगारी की दर के बीच विलोम संबंध होता है।

There is inverse relationship between rate of inflation and rate of unemployment.

- (ii) आर्थिक व्यवहार मौद्रिक प्रतिफल का फलन होता है।

Economic behaviour is a function of nominal returns.

- (iii) आर्थिक व्यवहार वास्तविक प्रतिफल का फलन होता है।

Economic behaviour is a function of real returns.

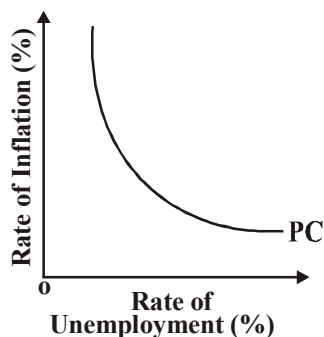
उपरोक्त कथनों में से कौन-से कथन मुद्रावादियों के विचार की दृष्टि से सही है?

Of these statements which are true from the Monetarists point of view?

- (1) उपरोक्त सभी कथन सही हैं / All the above are true
 (2) केवल (i) और (ii) सही हैं / Only (i) and (ii) are true
 (3) केवल (ii) सही है / Only (ii) is true
 (4) केवल (iii) सही है / Only (iii) is true

उत्तर- (4)/व्याख्या फिलिप्स वक्र के सम्बन्ध में मुद्रावादियों का विचार है कि आर्थिक व्यवहार वास्तविक प्रतिफल का फलन होता है।

A.W. Phillips ने ब्रिटेन के लगभग 100 वर्षों के ऐतिहासिक आंकड़ों का उपयोग करते हुए अपने पर्याप्त अनुसंधान के आधार पर 1958 में एक लेख प्रकाशित किया जिसमें वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि वस्तुतः बेरोजगारी की दर तथा मुद्रा स्फीति के मध्य विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है। इस विपरीत सम्बन्ध का अभिप्राय एक trade-off से होता है जिसमें बेरोजगारी को कम करने के लिए मुद्रास्फीति की अपेक्षाकृत अधिक ऊँची दर चुकानी पड़ती है। ऐतिहासिक आंकड़ों को रेखाचित्र के रूप में वक्र का रूप देने पर फिलिप्स को नीचे की ओर गिरता हुआ वक्र मिला जो मुद्रा स्फीति की दर तथा बेरोजगारी की दर के मध्य विपरीत सम्बन्ध दर्शाता है।



मुद्रावादियों मुख्य रूप से फ्रीडमैन ने फिलिप्स वक्र की धारणा को चुनौती दी। उनके अनुसार यद्यपि अल्पकाल में मुद्रास्फीति की दर

तथा बेरोजगारी के बीच trade-off होता है किन्तु दीर्घकाल में यह नहीं पाया जाता। दीर्घकाल में बेरोजगारी की प्राकृतिक दर पर अर्थव्यवस्था स्थिर होती है और इसलिए दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र लम्बवत सरल रेखा होती है। यहां बेरोजगारी की प्राकृतिक दर वह दर होती है जिस पर श्रम बाजार में बेरोजगारी की वर्तमान संख्या उपलब्ध नौकरियों की संख्या के समान होती है।

25. ब्याज दर जोखिम का तात्पर्य है :

An interest rate risk means :

- (1) जब उधारकर्ता ऋण संधि की शर्तें पूरी करने में असफल रहते हैं

When borrowers fail to fulfil the terms of the loan contract

- (2) ब्याज दर में वृद्धि का तात्पर्य यह है कि द्वितीयक बाजार में वित्तीय प्रतिभूतियों के मूल्य में गिरावट होगी

A rise in interest rate will mean a fall in the value of security in the secondary market

- (3) ब्याज दर में वृद्धि द्वितीयक बाजार में वित्तीय प्रतिभूतियों के मूल्य में वृद्धि करेगी

A rise in interest rate will raise the value of financial security in the secondary market

- (4) जब अनभिप्रेत मुद्रास्फीति बढ़ती है

When unintended inflation arises

उत्तर- (2)/व्याख्या ब्याज दर में वृद्धि का तात्पर्य यह है कि द्वितीयक बाजार में वित्तीय प्रतिभूतियों के मूल्य में गिरावट होगी। ब्याज दर जोखिम, ब्याज दरों में अप्रत्याशित उतार चढ़ाव के परिणामस्वरूप परिसम्पत्ति के मूल्य में गिरावट की संभावना है। ब्याज दर जोखिम मुख्यतः स्थिर-आय परिसम्पत्तियों में उत्पन्न होता है (जैसे कि बॉण्ड) ब्याज दर बॉण्ड कीमतों की प्रमुख निर्धारक है।

26. क्लासिकीय समष्टि निकाय में मुद्रा द्वारा क्या निर्धारित किया जाता है?

In the classical macro system money determines which of the following?

- (1) उत्पादन एवं कीमतें / Output and Prices
 (2) रोजगार एवं कीमतें / Employment and Prices
 (3) रोजगार एवं उत्पादन / Output and Employment
 (4) कीमतें / Prices

उत्तर- (4)/व्याख्या क्लासिकीय समष्टि निकाय में मुद्रा द्वारा कीमतें निर्धारित की जाती हैं।

क्लासिकीय समष्टि निकाय में आनुपातिकता का नियम प्रभावी होता है जिसका अर्थ है कि मुद्रा की मात्रा में जिस दिशा में परिवर्तित किया जाता है।

कीमतों में भी उसी दिशा में उसी अनुपात में परिवर्तन पाया जाता है।

अर्थात् मुद्रा अपने प्रभाव में तटस्थ पाई जाती है। जिसका अर्थ है कि मुद्रा वास्तविक चरों जैसे कि उत्पादन रोजगार पर प्रभाव नहीं डालती।

27. जब मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद ₹11,000 करोड़ और वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद ₹10,000 करोड़ है, तब सकल घरेलू उत्पाद अपस्फीतिकारक है:

When nominal GDP is ₹11,000 crores, and real GDP is ₹10,000 crores, GDP deflator is :

- (1) 9.09 (2) 90.91
(3) 1.11 (4) 110

उत्तर- (4)/व्याख्या

मौद्रिक सकल घरेलू उत्पाद प्रश्नानुसार = ₹ 11,000 करोड़
वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद प्रश्नानुसार = ₹ 10,000 करोड़
सकल घरेलू उत्पाद अपस्फीतिकारक

$$\text{GDP Deflator} = \frac{\text{Nominal GDP}}{\text{real GDP}} \times 100$$

$$= \frac{11,000}{10,000} \times 100 = 110$$

28. अधिकथन (A) : भारत में जनांकिकी लाभांश की व्यापक संभावना है।

Assertion (A) : India has a big potential demographic dividend.

कारण (R) : भारत की जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आ रही है।

Reason (R) : India's population growth rate is declining.

कूट / Codes :

(1) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)

(2) (A) सत्य है, परंतु (R) असत्य है।

(A) is correct but (R) is not correct

(3) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct but (R) is not the correct explanation of (A)

(4) (R) सत्य है, परंतु (A) असत्य है।

(R) is correct but (A) is incorrect

उत्तर- (3)/व्याख्या जनसंख्या के आकार में बढ़ती हुई कार्यशील जनसंख्या (15-64 आयु वर्ग) तथा घटते आश्रितता अनुपात के परिणाम स्वरूप उत्पादन में बड़ी मात्रा में सृजन में योगदान करना जनांकिकीय लाभ कहलाता है। यद्यपि भारत की जनसंख्या वृद्धि में कमी आ रही है तथापि जनसंख्या आकार में कार्यशील जनसंख्या अधिक है।

अतः स्पष्ट है कि कथन (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

29. हाल ही में भारत में सकल घरेलू उत्पाद की गणना करने के लिए आधार वर्ष को निम्नानुसार परिवर्तित किया गया है :

Recently the base year for calculating GDP in India has been changed to :

- (1) 2009 - 10 (2) 2011 - 12
(3) 2014 - 15 (4) 2004 - 05

उत्तर- (2)/व्याख्या सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने 2015 में राष्ट्रीय आय गणना की नई श्रृंखला जारी की। इस नयी श्रृंखला में दो महत्वपूर्ण बदलाव किए गए -

- (i) आधार वर्ष 2004 - 05 से 2011 - 12 संशोधित कर दिया गया।
(ii) श्रृंखला बाजार मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद के मूल्य को संदर्भित करता है। इसी के साथ GVA को भी अपनाया गया।

नोट: हाल ही में मंत्रालय ने आधार वर्ष को 2011 - 12 से बदलकर 2017 - 18 करने का विचार रखा है। आधार वर्ष की आवश्यकता अन्तर-वर्षीय तुलना के लिए आवश्यक होती है। आधार वर्ष क्रय शक्ति में परिवर्तन के बारे में विचार देता है तथा स्फीति समायोजित राष्ट्रीय आय के आकलन में मदद करता है।

30. निम्नलिखित में से किस राज्य की भारत में कुल खाद्यान्न उत्पादन में सबसे अधिक हिस्सेदारी है?

Which of the following states has the largest share in the total food grains produced in India?

- (1) पंजाब / Punjab (2) उत्तर प्रदेश / U. P.
(3) हरियाणा / Haryana (4) मध्य प्रदेश / M. P.

उत्तर- (2)/व्याख्या उत्तर प्रदेश राज्य की भारत में कुल खाद्यान्न उत्पादन में सबसे अधिक हिस्सेदारी है।

Second Advance Estimates - 2019-20 में देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है और यह 295.95 मिलियन टन रहा है जो पिछले वर्ष से 6.74 मिलियन टन अधिक है। इसमें उत्तरप्रदेश प्रथम स्थान पर बना हुआ है। द्वितीय स्थान पर मध्य प्रदेश है।

31. "ज. ए. एम." त्रयी से क्या तात्पर्य है?

JAM trinity means :

- (1) जनधन खाता धन / Jan - Dhan Account Money
(2) जन, आवास, धन / Jan, Awas, Money
(3) जनधन योजना, आधार, मोबाइल नम्बर
Jan - Dhan Yojana, Aadhar, Mobile Numbers
(4) ज्योति, आधार, मोबाइल / Jyoti, Aadhar, Mobile

उत्तर- (3)/व्याख्या ज.ए.एम. त्रयी से तात्पर्य है-

जनधन योजना, आधार, मोबाइल नम्बर

- Jan Dhan Yojana, Aadhar और Mobile Numbers का प्रयोग प्रत्यक्ष नगद हस्तांतरण के लिए किया गया महत्वपूर्ण सुधार है। इसका प्रयोग सर्वप्रथम 2014 -15 में आर्थिक सर्वेक्षण में किया गया।

32. 'बुद्धवादी अर्थशास्त्र' के जन्मदाता कौन हैं ?

Who is the originator of 'Buddhist Economics' ?

- (1) ली कुआं यू / Lee kuan Yew
(2) दलाई लामा / Dalai Luma
(3) ई. एफ. शुमाकर / E. F. Schumacher
(4) शिंजो एबे / Shinzo Abe

उत्तर- (3)/व्याख्या 'बुद्धवादी अर्थशास्त्र' के जन्मदाता ई.एफ. शुमाकर हैं।

बुद्धवादी अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र की धार्मिक व दर्शनवादी धारणा है। इस शाखा की प्रमुख विशेषता है कि यह लोगों को एक दूसरे पर

निर्भर तथा प्रकृति पर निर्भरता को देखता है।

शब्द बुद्धवादी अर्थशास्त्र के जन्मदाता E. F. Schumacher को माना जाता है जो मुख्य रूप से उनकी पुस्तक Small is Beautiful (1973) में वर्णित किया गया।

भूटान के महाराजा Jigme Singye Wangchuck द्वारा विकसित 'Gross National Happiness' इसी धारणा पर आधारित है जिसे बाद में खुशहाली सूचकांक का रूप दिया गया।

33. निम्नलिखित में से कौन-सा एक साख रेटिंग निर्धारण अधिकरण नहीं है?

Which of the following is not a credit rating agency?

- (1) मूडी / Moody
- (2) स्टैंडर्ड एंड पूअर / Standard and poor
- (3) फिच / Fitch
- (4) नास्देक / Nasdaq

उत्तर- (4)/व्याख्या/ नास्देक साख रेटिंग निर्धारण अधिकरण नहीं है।

क्रेडिट रेटिंग किसी विशेष ऋण या वित्तीय दायित्व के सम्बन्ध में उधारकर्ता की साख का आकलन है। क्रेडिट रेटिंग किसी भी इकाई से सम्बन्धित हो सकती है जो पैसे उधार लेना चाहती है। इसमें एक व्यक्ति, निगम, राज्य या प्रांतीय प्राधिकरण या संप्रभु सरकार शामिल हो सकती है।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी एक कम्पनी होती है जो साख का अनुमान लगाती है। मुख्य रूप से इस अवधारणा की उत्पत्ति USA से हुई जब मूडी इन्वेस्टर्स के संस्थापक जॉन मूडी ने इसकी स्थापना की। भारत में CRISIL ICRA, CARE, SMERA, Fitch India and Brickwork Rating प्रमुख एजेंसियां हैं।

34. निम्नलिखित में से किसका उपयोग मुद्रास्फीति के मापने में नहीं किया जाता है?

Which of the following is not used to measure inflation?

- (1) थोक मूल्य सूचकांक / Whole Sale price Index Number
- (2) उपभोक्ता मूल्य सूचकांक/Consumer Price Index Number
- (3) क्रय-शक्ति समता मूल्य / Purchasing Power Parity Prices
- (4) सकल घरेलू उत्पाद अपस्फीतिकारक / GDP Deflator

उत्तर- (3)/व्याख्या/ क्रय शक्ति समता मूल्य का उपयोग मुद्रास्फीति के मापने में नहीं किया जाता है।

क्रय शक्ति समता मूल्य का प्रयोग (Purchasing Power Parity) के सिद्धान्त में विनिमय दर निर्धारण के लिए किया जाता है। यह सिद्धान्त दर्शाता है कि मुद्राओं के बीच विनिमय दरों में संतुलन तब होता है जबकि इनकी क्रयशक्ति दो देशों में समान हो। PPP में विनिमय दर निर्धारण में व्यापार योग्य तथा गैर व्यापार योग्य दोनों प्रकार की मर्दों को शामिल किया जाता है।

मुद्रास्फीति मापने में सूचकांक के रूप में CPI व WPI का प्रयोग किया जाता है।

35. निम्नलिखित में से कौन-सा एक जोड़ा सही सुमेलित नहीं है?

Which one of the following pairs is not correctly matched?

- (1) एक संवर्गीय व्यक्तियों पर एक-समान कर लगाया जाना चाहिए

– समस्तरीय साम्या

Similarly placed persons

should be taxed similarly

– Horizontal equity

(2) ब्याज भुगतान की कटौती

राजकोषीय घाटे से की जाती है

– प्राथमिक घाटा

Interest payments are

deducted from fiscal deficit

– Primary deficit

(3) विभाज्य वस्तुएं और बहिष्करण

के सिद्धांत पूर्णतः लागू होते हैं

– शुद्ध निजी वस्तुएँ

Goods which are divisible

and principle of exclusion

applies in full measure

– Pure private goods

(4) वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर उनके

मूल्य के अनुसार लगाया जाता है

– राज्य उत्पाद शुल्क

Tax on goods and services

is levied according to item's

value

– State excise duties

उत्तर- (4)/व्याख्या/ वस्तुओं व सेवाओं पर वर्तमान में कर के रूप

में वस्तु एवं सेवा कर GST लगाया जाता है।

101 वें संविधान संशोधन 2016 के द्वारा 1 जुलाई 2017 से GST प्रभावी है।

वर्तमान में Nil, 0.25%, 3%, 5%, 12%, 18% व 28% की दर से वस्तु करों की दरें प्रभावी हैं जबकि सेवा कर में Nil, 5%, 12%, 18%, 28% की दरें हैं।

36. वर्ष 2012-13 के दौरान निम्नलिखित में से कौन-सा एक केन्द्र सरकार के व्यय का सबसे बड़ा मद था?

During the year 2012-13, which one of the following was the largest item of expenditure of the central government?

- (1) प्रमुख राजसहायता / Major subsidies
- (2) रक्षा व्यय / Defence expenditure
- (3) ब्याज अदायगी / Interest payment
- (4) पूंजीगत व्यय / Capital expenditure

उत्तर- (3)/व्याख्या/ ब्याज अदायगी वर्ष 2012-13 के दौरान

निम्नलिखित में से कौन-सा एक केन्द्र सरकार के व्यय का सबसे बड़ा मद था।

बजट 2021-22 के अनुसार केन्द्र सरकार के व्यय की सबसे बड़ी मद ब्याज भुगतान है जो 8,09,701 करोड़ रहा है।

दूसरी व्यय की मद करों तथा ड्यूटीज में राज्यों की हिस्सेदारी है।

37. चौदहवें वित्त आयोग ने निम्नलिखित में से किस रूप में निधियों की सिफारिश की थी?

14th Finance Commission recommended funds as :

- (1) राज्यों को केन्द्रीय सहायता (सी.ए.एस.) Central Assistance to States (CAS)
- (2) राज्य विकास निधि/States Development Funds
- (3) बिक्री कर में राज्यों की हिस्सेदारी States Share in Sales Taxes

(4) केन्द्र को राज्यों का योगदान
States Contributions to Centre

उत्तर- (1)/व्याख्या/ राज्यों को केन्द्रीय सहायता (CAS)

वित्त आयोग की व्यवस्था संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत की गई है। 14वें वित्त आयोग का गठन 2 जनवरी 2013 को वाई.वी. रेड्डी की अध्यक्षता में किया गया जो 2015-20 की अवधि के लिए था।

15वें वित्त आयोग का गठन 2017 में N.K.Singh की अध्यक्षता में हुआ जिसने 2020-21 के लिए अंतरिम तथा 2021-26 के लिए अंतिम रिपोर्ट दी। इस वित्त आयोग ने केन्द्र के निवल करों में 41% हिस्सेदारी राज्यों की तय की है।

38. एफ. आर. बी. एम. अधिनियम, 2012 ने सकल घरेलू उत्पाद की राजकोषीय घाटा की उच्चतम सीमा निर्धारित की है :

FRBM Act 2012 put a ceiling to fiscal deficit of GDP is :

- (1) 6 प्रतिशत/Percent (2) 5 प्रतिशत / Percent
(3) 4 प्रतिशत / Percent (4) 3 प्रतिशत / Percent

उत्तर- (4)/व्याख्या/ एफ.आर.बी.एम. अधिनियम, 2012 ने सकल घरेलू उत्पाद की राजकोषीय घाटा की उच्चतम सीमा 3% निर्धारित की है।

राजकोषीय समेकन (सुदृढीकरण) तथा सार्वजनिक व्यय प्रबंधन की दिशा में राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं प्रबन्धन एक्ट 2003 एक अत्यन्त प्रभावी कदम रहा है। इस अधिनियम में 2008 तक राजस्व घाटा समाप्त करने तथा राजकोषीय घाटे को GDP के 3% तक लाने का लक्ष्य रखा गया था।

सन् 2008 की वित्तीय मंदी के कारण इसके प्रावधानों को प्राप्त नहीं किया जा सका।

सन् 2016 में N.K. Singh की अध्यक्षता में ऋण तथा राजकोषीय उत्तरदायित्व अधिनियम के सम्बन्ध में समिति का गठन हुआ इसका उद्देश्य FRBM Act की समीक्षा करना तथा नये प्रावधानों का सुझाना था। समिति ने Debt-GDP ratio को प्रमुख स्थान दिया तथा 2023 तक Debt-GDP ratio को 60% के लक्षित स्तर तक प्राप्त करने का लक्ष्य तय किया जिसमें 40% केन्द्र तथा 20% राज्यों के लिए होगा। 2023 तक राजकोषीय घाटे का लक्ष्य GDP के 2.5% स्तर पर तथा राजस्व घाटे का लक्ष्य 0.8% तक लक्षित किया।

बजट 2021-22 में सरकार ने FRBM Act में संशोधित की बात कही है क्योंकि कोरोना महामारी के कारण 2020-21 में राजकोषीय घाटा GDP का 9.5% रहा है।

39. रोस्टोव, आर्थिक विकास के पाँच विभिन्न अवस्थाओं को निम्न प्रकार श्रेणीबद्ध करते हैं :

Rostow distinguishes five different stages of economic growth which are :

- (i) उड़ान भरने की पूर्व दशाएं/Pre-conditions for take-off
(ii) परिपक्वता की ओर अग्रसर/ Drive to maturity
(iii) उच्च जन उपभोग का स्तर

Stage of high mass consumption

- (iv) परम्परागत समाज / Traditional society
(v) उड़ान भरना / Take-off

निम्नलिखित में से कौन-सा एक विकास के चरणों का सही क्रम है?

Which one of the following is the correct sequence of stages of growth?

- (1) (i), (ii), (iii), (iv), (v) (2) (ii), (i), (iii), (iv), (v)
(3) (iv), (i), (ii), (iii), (v) (4) (iv), (i), (v), (ii), (iii)

उत्तर- (4)/व्याख्या/ W.W. रोस्टोव ने अपने आर्थिक वृद्धि की अवस्थाओं (1960) में आर्थिक इतिहास को व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया। इनके अनुसार पाँच अवस्थाओं पर विकास की प्रक्रिया निर्भर होती है। ये पाँच अवस्थाएं हैं -

- (iv) परम्परागत समाज
(i) उड़ान भरने की पूर्व दशाएं
(v) उड़ान भरना
(ii) परिपक्वता की ओर अग्रसर
(iii) उच्च जन उपभोग का स्तर

40. कैम्ब्रिज विकास मॉडल को रेखांकित करने वाला बचत फलन है :

The saving function underlying Cambridge Growth Model is :

- (1) आनुपातिक बचत फलन / Proportional saving function
(2) क्लासिकीय बचत फलन / Classical saving function
(3) विभेदात्मक बचत फलन / Differential saving function
(4) निरपेक्ष बचत फलन / Absolute saving function

उत्तर- (3)/व्याख्या/ कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्रियों ने अपने विकास मॉडल में बचत फलन को रेखांकित करने के लिए विभेदात्मक बचत फलन (Differential Saving Function) का प्रयोग किया। बचत फलन के प्रकार -

- i. आनुपातिक बचत फलन - नव क्लासिकल आर्थिक सिद्धान्त
ii. विभेदात्मक बचत फलन - क्लासिकल सिद्धान्त
iii. निरपेक्ष बचत फलन - कीन्सियन सिद्धान्त

41. कीन्सवादियों के अनुसार, रेंगती हुई मुद्रास्फीति सहायक होगी :

According to Keynesians, creeping inflation will help in :

- (1) बेरोजगारी को कम करने में
Minimising unemployment
(2) वास्तविक उत्पादन को बढ़ाने में
Maximising real output
(3) उपर्युक्त (1) अथवा (2) में से कोई नहीं
None of (1) or (2) above
(4) उपर्युक्त (1) और (2) दोनों / Both (1) and (2) above

उत्तर- (4)/व्याख्या/ कीन्सवादियों के अनुसार, रेंगती हुई मुद्रास्फीति सहायक होती है

- i. बेरोजगारी को कम करने में
ii. वास्तविक उत्पादन को बढ़ाने में
रेंगती हुई मुद्रास्फीति (Creeping Inflation) से अभिप्राय है कि सामान्य मूल्य स्तर में 1%, 2% या 3% की वृद्धि।

रेंगती हुई मुद्रास्फीति सामान्यतः विकास और पूर्ण रोजगार से जुड़ी होती है। बहुत से अर्थशास्त्री इसे बेरोजगारी को कम करने, उत्पादन बढ़ाने तथा स्थिर संवृद्धि लाने में महत्वपूर्ण मानते हैं।

42. प्रसिद्ध समीकरण $M = PKY$ में K निम्नलिखित में से किसके लिए है :

In the famous equation $M = PKY$, K stands for :

- (1) लेनदेन के लिए किए गए वास्तविक उत्पादन का भाग
Fraction of real output held for transaction
- (2) व्यक्तियों द्वारा किए गए मुद्रा आपूर्ति का भाग
Fraction of money supply held by persons
- (3) जनता द्वारा किए गए उत्पादन (लेनदेन) के मौद्रिक मूल्य का भाग
Fraction of money value of output (transactions) held by public
- (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (3)/व्याख्या/ प्रसिद्ध समीकरण $M = PKY$ में K जनता द्वारा किए गए उत्पादन लेन-देन के मौद्रिक मूल्य का भाग के लिये है। $M = PKY$ समीकरण कैम्ब्रिज अर्थशास्त्रियों के नगद शेष उपागम में मार्शल का समीकरण है।

जहाँ M = मुद्रा की कुल मात्रा, P = कीमत स्तर Y = कुल वास्तविक आय एवं K = वास्तविक आय का वह हिस्सा है जिसे लोग नगद शेष के रूप में अपने पास रखते हैं।

किसी निश्चित समय में K तथा Y स्थिर रहते हैं जिस कारण M में परिवर्तन P में परिवर्तन लाता है।

43. 2, 6 और x का ज्यामितीय माध्य 6 के समान है। x का मान क्या है?

Geometric mean of 2, 6 and x is equal to 6. What is the value of x ?

- (1) 2
- (2) 18
- (3) 9
- (4) 3

उत्तर- (2)/व्याख्या/ $x = 18$

$$G.M = \sqrt[n]{x_1 \cdot x_2 \cdot x_3 \dots x_n}$$

$$G.M = \sqrt[3]{2 \times 6 \times x}$$

$$6 = \sqrt[3]{12x}$$

$$(6)^3 = 12x$$

$$12x = (6)^3 = 216$$

$$x = \frac{216}{12} = 18$$

44. जनसंख्या के आकार के एक बड़े नमूने n की मानक त्रुटि (S.E.) जिसका विचरण σ^2 है, वह है :

Standard Error (S.E.) of a large sample of size n from a population whose variance is σ^2 is :

$$(1) SE = \frac{\sigma^2}{n}$$

$$(2) SE = \frac{\sigma}{n}$$

$$(3) SE = \frac{\sigma^2}{\sqrt{n}}$$

$$(4) SE = \frac{\sigma}{\sqrt{n}}$$

उत्तर- (4)/व्याख्या/ मानक त्रुटि (Standard Error) की गणना n के वर्गमूल द्वारा मानक विचलन (S.D) को विभाजित कर की जाती है।

$$SE \text{ का सूत्र होगा } = \frac{\sigma}{\sqrt{n}}$$

यहाँ σ = Standard deviation
 n = of large sample

45. दो पाँसों के एकबार फेंकने पर 8 आने की कुल प्रायिकता क्या है?

What is the probability of throwing a total of 8 from a single throw of two dice?

- (1) 1/8
- (2) 2/9
- (3) 5/36
- (4) 3/36

उत्तर- (3)/व्याख्या/ प्रायिकता = 5/36

दो पाँसों को जब एक साथ फेंका जाता है तो कुल $6 \times 6 = 36$ परिणाम प्राप्त होते हैं।

दो पाँसों को एक साथ फेंकने पर 8 योग -

(6, 2) (5, 3) (4, 4) (3, 5) (2, 6)

$\therefore$ 8 के कुल योग की संभावना

$$P(A) = 5/36$$

46. प्राक्कलित प्रतिगमन रेखाएं निम्नानुसार दी गई हैं :

The estimated regression lines are given as follows :

$$Y = 10 + 0.4 X$$

$$X = -4 + 1.6 Y$$

तब, X और Y के बीच सहसम्बन्ध का गुणांक है:

Then the coefficient of correlation between X and Y is.

- (1) 0.64
- (2) 0.40
- (3) 0.20
- (4) 0.80

उत्तर- (4)/व्याख्या/ $r = \sqrt{b_{xy} \cdot b_{yx}}$

$$b_{xy} = 1.6$$

$$b_{yx} = 0.4$$

$$r = \sqrt{1.6 \times 0.4}$$

$$r = \sqrt{0.64}$$

$$r = 0.8$$

47. किसी बंटन के लिए, माध्य = 26 माध्यिका = 14 और बहुलक = 7 है, तब बंटन होगा :

For a distribution, Mean = 26, median = 14, and mode = 7 the distribution would be :

- (1) धनात्मक रूप से विषम / Positively skewed
- (2) ऋणात्मक रूप से विषम / Negatively skewed

- (3) सममित / Symmetrical
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (1)/व्याख्या/ ऐसा बंटन जिसमें विषमता का अभाव होता है उसमें माध्य, माध्यिका तथा बहुलक बराबर होते हैं।

$$\bar{X} = M = Z$$

यदि तीनों में अन्तर पाया जाता है तो विषमता उपस्थित होगी। विषमता धनात्मक या ऋणात्मक हो सकती है।

धनात्मक विषमता - $\bar{X} > M > Z$

ऋणात्मक विषमता - $\bar{X} < M < Z$

प्रश्नानुसार

माध्य $\bar{X} = 26$, माध्यिका $M = 14$, बहुलक $Z = 7$

$$26 > 14 > 7$$

$\bar{X} > M > Z =$ धनात्मक रूप से विषम

48. प्रसामान्य बंटन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

For a normal distribution, consider the following statements :

- (i) इसमें नति परिवर्तन के दो बिन्दु होते हैं।
It has two points of inflexion.
(ii) इन नति परिवर्तन बिन्दुओं की शून्य माध्य से दूरी $\pm \sigma$ है।
The distance from the mean zero of these inflexion points is $\pm \sigma$

नीचे दिए गए कूटों से उत्तर दीजिए :

Answer from the codes below :

कूट / Codes :

- (1) (i) और (ii) दोनों सही हैं
(2) (i) और (ii) में से कोई सही नहीं है
(3) केवल (i) सही है
(4) केवल (ii) सही है

उत्तर- (1)/व्याख्या/ प्रसामान्य वितरण एक अखण्डित और अनन्त द्विपद वितरण है। 'n' का मान अनन्त होने पर द्विपद वितरण स्वतः ही प्रसामान्य वितरण का रूप ले लेता है।

विशेषताएं -

इसमें नति परिवर्तन के दो बिन्दु होते हैं तथा इन नति परिवर्तन बिन्दुओं की शून्य माध्य से दूरी $\pm \sigma$ है।

- प्रसामान्य वक्र पूर्ण रूप से सममित वितरण है जिसकी आकृति घण्टाकार होती है।
- प्रसामान्य वितरण के परिघातों का मूल्य सदैव शून्य होता है और Kurtosis का मान 3 होता है जो मध्य शीर्षक वाले (MesoKurtic) वितरण का प्रतीक है।
- केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप $Z = M = \bar{X}$

49. सूची -I तथा सूची -II की मदों को सुमेलित कीजिये तथा दिये हुये कूटों के आधार पर उत्तर दीजिये :

Match the items in List - I and List - II and answer from the codes given below :

सूची - I

(a) सरल यादृच्छिक प्रतिदर्श
Simple random sampling

(b) क्रमबद्ध प्रतिदर्श
Systematic sampling

(c) कोटा-प्रतिदर्श
Quota sampling

(d) स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्श
Stratified random sampling

सूची - II

(i) अप्रायिकता प्रतिदर्श
Non - probability sampling

(ii) प्रत्येक स्तर के सभी मदों का यादृच्छिक विकल्प
Random - choice of all items from each stratum

(iii) प्रथम का यादृच्छिक चयन और शेष का क्रमबद्ध चयन
Random selection of first and systematic of the rest

(iv) सभी परीक्षणों में प्रत्येक मद की समान प्रायिकता
Equal probability of each item in all trials

कूट / Codes :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

उत्तर- (3)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) सरल यादृच्छिक प्रतिदर्श	(iv) सभी परीक्षणों में प्रत्येक मद की समान प्रायिकता
(b) क्रमबद्ध प्रतिदर्श	(iii) प्रथम का यादृच्छिक चयन और शेष का क्रमबद्ध चयन
(c) कोटा प्रतिदर्श	(i) अप्रायिकता प्रतिदर्श
(d) स्तरित यादृच्छिक प्रतिदर्श	(ii) प्रत्येक स्तर के सभी मदों का यादृच्छिक विकल्प

50. यदि किसी गाँव में सभी किसानों को तीन वर्गों - सीमांत, छोटे एवं बड़े किसानों में विभाजित किए जाते हैं, और तत्पश्चात् प्रत्येक वर्ग से 20 किसानों को एक प्रतिदर्श यादृच्छिक रूप से लिया जाता है, तो इसे कहा जा सकता है :

If in a village all the farmers are divided into three categories - marginal small and large and then a sample of 20 farmers is taken randomly from each category this could be called :

- (1) व्यवस्थित प्रतिचयन / Systematic sampling
(2) स्तरित प्रतिचयन / Stratified sampling
(3) समूह (क्लस्टर) प्रतिचयन / Cluster sampling
(4) बहुचरण प्रतिचयन / Multi - stage sampling

उत्तर- (2)/व्याख्या/ स्तरिक प्रतिचयन (Stratified Sampling)

Stratified sampling में पहले समग्र को उनकी विशेषताओं के आधार पर विभिन्न वर्गों में विभाजित कर लेते हैं और फिर प्रत्येक वर्ग से प्रायिकता चयन के आधार पर प्रतिदर्श चुनते हैं।

यदि किसी गाँव में सभी किसानों को तीन वर्गों-सीमांत छोटे एवं बड़े किसानों में विभाजित किया जाता है और तत्पश्चात प्रत्येक वर्ग से 20 किसानों का एक प्रतिदर्श यादृच्छिक रूप से चुना जाता है तो यह स्तरित प्रतिचयन होगा।



निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अवसादी-अंतराल निम्न में से किसे मापता है?

A recessionary gap measures the :

- (1) पूर्ण रोजगार प्राप्त करने हेतु व्यय परिमाण से स्वतंत्र व्यय कितना कम रहा।

amount by which autonomous spending is below to that needed to achieve a full employment equilibrium

- (2) पूर्ण रोजगार को प्राप्त करने हेतु व्यय से सकल व्यय कितना अधिक रहा।

amount by which aggregate spending exceeds to that needed to achieve full employment

- (3) क्लासिकीय मॉडल में वास्तविक उत्पादन तथा केंन्सीय मंदी मॉडल में वास्तविक उत्पाद में अंतर।

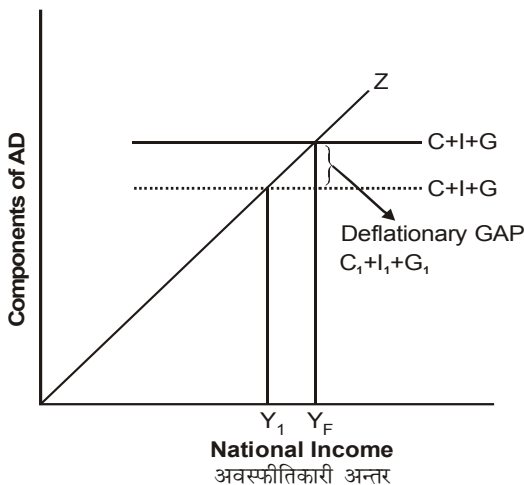
difference in real output between the classical model and the keynesian depression model.

- (4) मितव्ययता में विरोधाभास की माप

Extent of paradox of thrift

उत्तर- (1)/व्याख्या अवसादी अंतराल पूर्ण रोजगार प्राप्त करने हेतु व्यय परिणाम से स्वतंत्र व्यय कितना कम रहा को नापता है। अवसादी अंतराल एक ऐसी स्थिति है जिसमें वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद पूर्ण रोजगार के स्तर पर संभावित सकल घरेलू उत्पाद से कम है। अवसादी अंतराल में अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगार स्तर से नीचे संचालित होती है। अवसादी अंतराल को संकुचन अंतर भी कहा जाता है।

अवसादी अंतराल दीर्घकाल में कीमतों को नीचे ले जाता है। अवसाद का अर्थ है सामान्य आर्थिक गतिविधियों में मंदी।



2. यूरोपियन यूनियन के अब कितने सदस्य हैं?

How many countries are the members of European Union?

- (1) 25 (2) 28
(3) 26 (4) 15

उत्तर- (2)/व्याख्या 28 (UK के छोड़ने के बाद 27 देश है।)

यूरोपियन यूनियन 27 देशों का समूह है जो राजनैतिक व आर्थिक संघ के रूप में कार्य करता है। इनमें से 19 देश यूरो को वैधानिक मुद्रा के रूप में प्रयोग करते हैं।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोपीय एकीकरण राष्ट्रवाद के रूप में देखा गया। 1946 में Winston Churchill ने United State of Europe की वकालत की। 1952 में European Coal and steel Community (ECSC) की स्थापना 'पेरिस की संधि (1951) के अन्तर्गत 6 देशों द्वारा की गई इसके साथ ही 1952 में 'European Court of Justice' की स्थापना की गई। इसके बाद Euratan Treaty (1957) के द्वारा European Atomic Energy Community की स्थापना यूरोप में परमाणु ऊर्जा के लिए बाजार बनाने के उद्देश्य से की गई।

इसके बाद 'रोम की संधि (1957) के माध्यम से European Economic Community (EEC) की स्थापना 6 सदस्यों द्वारा कस्टम यूनियन और साझा बाजार के माध्यम से आर्थिक एकीकरण लाने के उद्देश्य से की गई। बाद में ECSC, EAEC तथा EEC को Merger Treaty (1965, Brussels) में European Communities (ECS) के रूप में बदल दिया गया। ECS का विस्तार 1973 से प्रारम्भ हुआ जबकि डेनमार्क, आयरलैंड UK इसके सदस्य बने। ग्रीस 1981 में पुर्तगाल, स्पेन 1986 में सदस्य बना।

यूरोप संघ की दिशा में The Maastricht Treaty 1992 रही जिससे 'European Union' की स्थापना हुई तथा शीत युद्ध का अन्त हुआ। इसके बाद EU में लोगों का स्वतन्त्र आवागमन प्रारम्भ हुआ। एकल विदेशी व रक्षा नीति तय की गई, तथा 'EURO' का विकास हुआ। यूरोपीय संघ का European Central Bank (ECB) स्थापित किया गया। 'Monetary Union' की स्थापना 1999 में हुई और यह 2002 में अस्तित्व में आई। The Treaty of Lisbon - 2007 के द्वारा European Community बनी।

सन् 2012 में EU को 'Nobel Peace Prize' प्राप्त हुआ।

● सन् 2016 में UK ने EU से बाहर होने की घोषणा की जिसे Brexit नाम दिया गया। 31 जनवरी 2020 को EU से UK अलग हो गया।

● EU का भारत के साथ भी बेहतर तालमेल है। India EU Bilateral Trade Agreement (BTIA) एक मुक्त व्यापार समझौता है जो 2007 में हस्ताक्षरित हुआ। 2017 में EU-India submit में '2030 Agenda For Sustainable Development' पर बातचीत हुई। EU एक साथ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

3. उन कारकों को इंगित कीजिये जो भारत की बाह्य आर्थिक स्थिति के लिए जोखिम का कार्य कर सकते हैं :

Identify the factors which are likely to pose risk to India's external economic situation :

- (a) यू. एस. फेडरल रिजर्व द्वारा इस वर्ष (2015) के उत्तरार्ध में मौद्रिक कसाव की संभावना
U. S. Federal Reserve monetary tightening expected later this year (2015).
(b) ग्रीक के यूरोजोन से बाहर निकलने पर यूरोजोन की व्यवहार्यता
Viability of the Eurozone in the event of a Greek exit
(c) तेल कीमतों में उछाल
Spike in oil prices
(d) विश्वनिर्यात में भारतीय निर्यात के हिस्से में वृद्धि
Increase in India's share in global exports.

इनमें सही संयोग को नीचे लिखे कूट से बताइये :

Find the correct combination from the given codes :

- (1) (a) तथा (b) (2) (a) (b) तथा (c)
(3) (b) (c) तथा (d) (4) (a) व (d)

उत्तर- (2)/व्याख्या/ भारत की बाह्य आर्थिक स्थिति के लिए जोखिम का कार्य करने वाले कारक है

- (a) U. S. फेडरल रिजर्व द्वारा वर्ष (2015) के उत्तरार्ध में मौद्रिक कसाव की संभावना
(b) ग्रीक के यूरोजोन से बाहर निकलने पर यूरोजोन की व्यवहार्यता
(c) तेल की कीमतों में उछाल
भारत, भौगोलिक जगत में एक खुली अर्थव्यवस्था है जिस पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के क्रियाकलापों का प्रभाव पड़ता है। भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था की कीमतों पर अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है।

4. भारत में मौद्रिक नीति का लक्ष्य अब है :

Monetary policy in India now aims at targeting :

- (1) मुद्रा पूर्ति की वृद्धि / Growth of money supply
(2) उपभोक्ता कीमत मुद्रास्फीति / Consumer price inflation
(3) न तो (1) और न (2) / neither (1) nor (2)
(4) (1) तथा (2) दोनों / Both (1) and (2)

उत्तर- (2)/व्याख्या/ भारत में मौद्रिक नीति का लक्ष्य अब है उपभोक्ता कीमत मुद्रास्फीति।

वर्तमान समय में मौद्रिक नीति का प्रमुख उद्देश्य 'कीमत स्थिरता' को प्राप्त करना तथा बनाए रखना है।

2014 में उर्जित पटेल समिति की रिपोर्ट के आधार पर RBI ने मुद्रा स्फीति के माप के लिए शीर्ष CPI (संयुक्त) को मौद्रिक नीति के आधार के रूप में प्रयोग में लाना प्रारम्भ किया। इसी के तहत RBI तथा सरकार ने 2015 में 'Inflation Targeting' का कीमत स्थिरता के लिए लक्ष्य के रूप में रखा और अगले 5 वर्ष के लिए 2016 में Flexible Inflation Target (FIT) - 4% ($\pm 2\%$) का लक्ष्य रखा। तथा 'Headline Consumer Price Inflation' को प्रमुख संकेतक बनाया गया।

5. सूची-I को सूची-II से व्यापार चक्र तथा लाभ की स्थिति को सुमेलित कर नीचे लिखे कूट से उत्तर दीजिये

Match List - I with List - II and show the relation between trade cycle and profit by selecting correct codes given below.

सूची - I	सूची - II
(a) अवसाद Recession	(i) निम्न Low
(b) उत्कर्ष Boom	(ii) धनात्मक Positive
(c) पुनरुत्थान Recovery	(iii) सर्वोच्च स्तर Highest level
(d) मंदी Depression	(iv) ऋणात्मक (निगेटीव) Negative

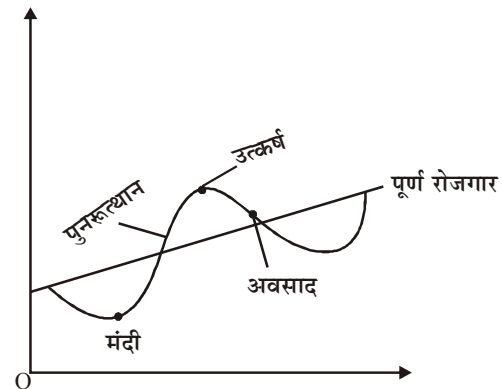
कूट / Codes :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(2)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर- (2)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) अवसाद	(i) निम्न
(b) उत्कर्ष	(iii) सर्वोच्च स्तर
(c) पुनरुत्थान	(ii) धनात्मक
(d) मंदी	(iv) ऋणात्मक

व्यापार चक्र पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक-उतार चढ़ाव की स्थिति को दर्शाता है।



6. सापेक्ष आय परिकल्पना में उपभोग आधारित होता है :

In relative income hypothesis consumption is related to:

- (1) सर्वोच्च विगत उपभोग / Peak past consumptions
(2) समकक्ष समूह के वर्तमान उपभोग का माध्यिका मान / Median current consumption of peer group
(3) न तो (1) और न ही (2) / Neither (1) nor (2)
(4) (1) तथा (2) दोनों / Both (1) and (2)

उत्तर- (4)/व्याख्या/ सापेक्ष आय परिकल्पना में उपभोग आधारित होता है - (i) सर्वोच्च विगत उपभोग पर

(ii) समकक्ष समूह के वर्तमान उपभोग का माध्यिका मान अमेरिकी अर्थशास्त्री जे० एम ड्यूसेनबरी ने उपभोक्ता के व्यवहार का सापेक्ष आय परिकल्पना सिद्धान्त प्रस्तुत किया इसमें उपभोग के निर्धारक तत्वों के रूप में एक व्यक्ति की निरपेक्ष आय के बजाय उसकी सापेक्ष आय पर जोर देता है। इसके अनुसार एक व्यक्ति का उपभोग समाज में आय के वितरण में उसकी सापेक्षित स्थिति का फलन होता है। ड्यूसेनबरी ने प्रदर्शन प्रभाव तथा रैचेट प्रभाव के माध्यम से परिकल्पना को प्रस्तुत किया।

व्यक्ति या परिवार अपने पड़ोसियों या किसी विशिष्ट समुदाय में अन्य परिवारों की नकल करने का प्रयास करता है। यह प्रदर्शन प्रभाव होगा इसके दो निष्कर्ष होंगे - पहला औसत उपभोग प्रवृत्ति कम नहीं होती है। द्वितीय एक निश्चित आय वाला एक परिवार किसी ऐसे समुदाय में निवास कर रहा है जिसमें उस आय को सापेक्षित रूप से कम माना जाता है तो प्रदर्शन प्रभाव की क्रियाशीलता के कारण वह अपनी आय के अपेक्षाकृत अधिक भाग को उपभोग में लायेगा तथा अधिक आय वाला कम भाग को।

जब व्यक्तियों या परिवारों की आय कम होती है तो उनका उपयोग व्यय बहुत कम नहीं होता इसे 'उपभोग की उच्च अवस्था' या रैचेट प्रभाव कहा जाता है।

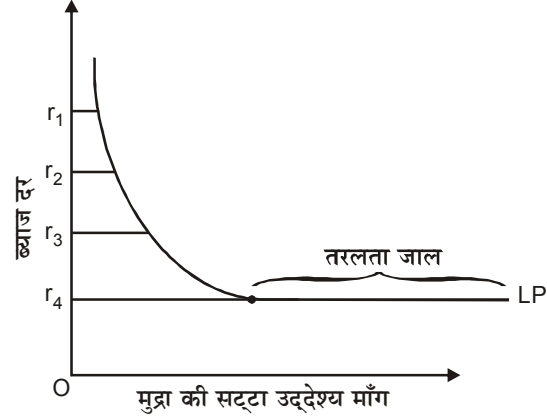
7. तरलता जाल से निकलने में मौद्रिक विस्तार तब भी सहायक हो सकता है जब वह जोड़ा जाये :

Monetary expansion can still be effective in getting out of liquidity trap if it's combined with :

- (1) बैंक ऋणों पर प्रतिबंधों से / Restrictions on bank loans
- (2) बढ़े हुए करों से / Increased taxes
- (3) संकुचनशील राजकोषीय नीति
Contractionary fiscal policy
- (4) विस्तार युक्त राजकोषीय नीति
Expansionary fiscal policy

उत्तर- (4)/व्याख्या/ तरलता जाल से निकलने में मौद्रिक विस्तार तब भी सहायक हो सकता है जब वह जोड़ा जाये विस्तार युक्त राजकोषीय नीति से।

बहुत नीची ब्याज दर पर जब तरलता अधिमान वक्र पूर्णतया लोचदार (Perfectly Elastic) बन जाता है और मुद्रा की सट्टा उद्देश्य मांग की लोच अनन्त हो जाती है अर्थात् मुद्रा पूर्ति में सम्पूर्ण वृद्धि को व्यक्तियों द्वारा संचित कर लिया जाता है तो ऐसी स्थिति में अर्थव्यवस्था 'तरलता जाल' में फंसी होती है। इसमें नीची ब्याज दर पर लोग बांडों में निवेश करने के बजाय मुद्रा को नगदी में रखने को अधिमान देते हैं। तरलता जाल से निकलने में राजकोषीय नीति सहायक होती है तथा इस दशा में मौद्रिक विस्तार तब सहायक होता है जबकि वह विस्तार युक्त राजकोषीय नीति से जोड़ा जाय।



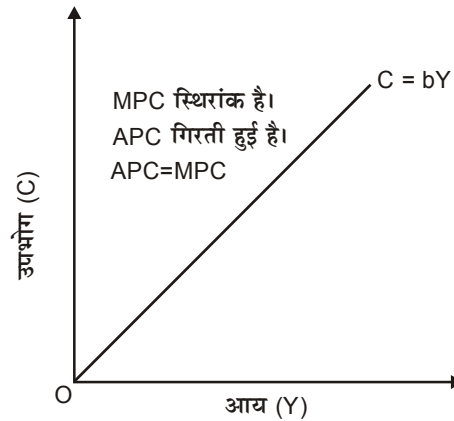
8. रैखिक उपभोग फलन मूल बिंदु से गुजरेगा जब :

If a linear consumption function passes through the origin it means :

- (1) ए पी सी > एम पी सी
- (2) ए पी सी < एम पी सी
- (3) ए पी सी = एम पी सी
- (4) ए पी सी = एम पी सी = 0

उत्तर- (3)/व्याख्या/ रैखिक उपभोग फलन मूल बिंदु से गुजरेगा जब APC = MPC

जब उपभोग फलन आनुपातिक होता है अर्थात् औसत उपभोग प्रवृत्ति व सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति बराबर होती है तब उपभोग फलन रैखिक उपभोग फलन होगा जो मूल बिन्दु से गुजरेगा। उपभोग के सिद्धान्त यह स्थिति दीर्घकाल में दर्शाते हैं।



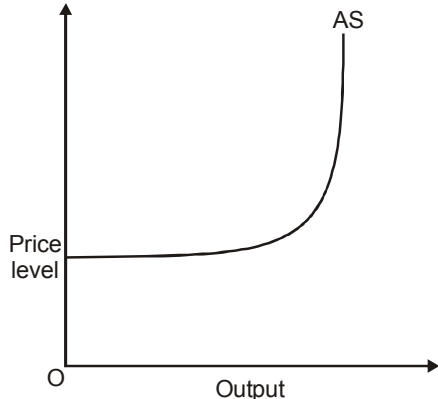
9. केन्स के अनुसार अवसाद में सकल पूर्ति वक्र हो सकता है :
According to Keynes the Aggregate supply curve during depression :

- (1) क्षैतिज / is horizontal
- (2) ऊर्ध्व / is Vertical
- (3) दाईं ओर को झुकता हुआ / tilts downward to the right
- (4) बाईं ओर को चढ़ता हुआ / tilts upward to the left

उत्तर- (1)/व्याख्या/ केन्स के अनुसार अवसाद में सकल पूर्ति वक्र क्षैतिज हो सकता है।

केन्स के अनुसार अवसाद की स्थिति में सकल आपूर्ति वक्र क्षैतिज

हो जाता है। कीन्सियन समग्र पूर्ति वक्र दर्शाता है कि यह क्षैतिज होता है जिसका अर्थ है कि अवसाद की स्थिति में किसी निश्चित कीमत पर फर्म, वस्तुओं की जो भी मांग की जायेगी उसकी पूर्ति करेगा। क्योंकि अवसाद में बेरोजगारी की स्थिति होती है इसलिए फर्म प्रचलित मजदूरी दर पर जितनी मात्रा में चाहे श्रमिकों का काम में लगा सकती है तथा उत्पादन को बिना अतिरिक्त लागत के बढ़ाया जा सकता है।



10. नीचे लिखे कूट में हस्तांतरित आय को चिन्हित कर उत्तर दें :

Identify the transfer payments in the following and answer from the codes below :

- वेतन में वार्षिक वृद्धि/Annual increment in salary
- कामगारों को बोनस भुगतान
Payment of bonus to employees
- सार्वजनिक ऋण पर ब्याज
Interest payment on public debt
- पेंशन भुगतान/Pension payment

कूट / Codes :

- (1) (c) तथा (d) (2) (b) (c) तथा (d)
- (3) (a) तथा (b) (4) (a) तथा (c)

उत्तर- (2)/व्याख्या/ हस्तांतरित आय है

- कामगारों को बोनस भुगतान
- सार्वजनिक ऋण पर ब्याज
- पेंशन भुगतान

हस्तांतरित भुगतान संस्थाओं द्वारा किए गए ऐसे भुगतान हैं जो बिना किसी उत्पादन क्रिया के या वस्तुओं व सेवाओं के उत्पादन में योगदान के दिए जाते हैं। इसमें बेरोजगारी भत्ता, विभिन्न प्रकार की पेंशन, बोनस भुगतान, सार्वजनिक ऋण पर ब्याज आदि शामिल होते हैं।

11. तकनीकी प्रगति को हिक्स पूंजी प्रधान कहा जायेगा, जब स्थिर पूंजी श्रम अनुपात पर श्रमकी पूंजी के प्रति प्रतिस्थान दर हो

Technical progress is said to be Hicks Capital intensive if at constant capital labour ratio $MRTS_{L,K}$:

- अचर / remains constant
- घट जाए / decreases
- बढ़ जाए / increases
- (1), (2) तथा (3) में कोई प्रासंगिक नहीं है।
none of (1), (2) and (3) are relevant

उत्तर- (2)/व्याख्या/ तकनीकी प्रगति को हिक्स पूंजी प्रधान कहा जायेगा, जब स्थिर पूंजी श्रम अनुपात पर श्रमकी पूंजी के प्रति प्रतिस्थान दर घट जाए।

तकनीकी प्रगति, हिक्स के अनुसार पूंजी प्रधान कही जाएगी जबकि स्थिर पूंजी-श्रम अनुपात पर, श्रम की पूंजी के प्रति प्रतिस्थापन की दर घट जाए।

हिक्स के अनुसार एक तकनीकी तब तटस्थ होगी जबकि जब यह श्रम तथा पूंजी की सीमान्त उत्पादकता को उसी अनुपात में बढ़ा दे। अर्थात् स्थिर पूंजी श्रम अनुपात पर श्रम के साथ पूंजी की सीमान्त उत्पादन का अनुपात अपरिवर्तित रहता है।

12. निवेश निर्णय के सिद्धांत में सबसे उपयुक्त प्रतिफल दर वह है जो बनाती है :

In the theory of investment decisions, the most appropriate rate of return is the one which makes the :

- निवल वर्तमान आय को अधिकतम
net present value the maximum
- सकल वर्तमान आय को अधिकतम
gross present value the maximum
- निवल वर्तमान मूल्य को शून्य/ net present value zero
- सकल वर्तमान मूल्य को शून्य/ gross present value zero

उत्तर- (3)/व्याख्या/ निवेश निर्णय सिद्धान्त में सबसे उपयुक्त प्रतिफल की दर वह होगी जो निवल वर्तमान मूल्य को शून्य बनाती है।

NPV निवेश की लाभप्रदता की माप करता है एक धनात्मक NPV दर्शाती है कि निवेश फर्म की परिसम्पत्ति को बढ़ाता है NPV विधि का प्रयोग करने पर वांछित प्रतिफल की दर प्राप्त होती है। वांछित प्रतिफल की दर न्यूनतम स्वीकार्य प्रतिफल की दर है इस बट्टे की दर बाधा दर या पूंजी की लागत के रूप में भी जाना जाता है। NPV विधि में परियोजना के जीवन काल के प्रत्येक वर्ष के लाभों में से लागतें घटा दी जाती हैं और फिर बट्टा दर, जो निवेश विधियों की कीमत को व्यक्त करती है, का प्रयोग एक निश्चित समय पर लाभों और लागतों को जानने और तुलना करने के लिए किया जाता है। इसे निम्न प्रकार से व्यक्त किया जाता है :

$NPV = \text{लाभों का वर्तमान मूल्य} - \text{प्रचालन तथा अनुरक्षण लागतों का वर्तमान मूल्य} - \text{प्रारम्भिक परिव्यय}$

$\text{Net NPV} = [\text{Present value of Benefits}] - [\text{Net Present value of operating and maintenance cost}] - [\text{Initial outlay}]$

NPV को लाभों का शुद्ध वर्तमान मूल्य (NPVB) भी कहते हैं। एक परियोजना सामाजिक रूप से लाभदायक होगी यदि :

$NPVB > 0$ यदि बहुत सी परस्पर निवारक परियोजनाएँ हैं तो सबसे ऊँची (NPVB) वाली परियोजना ही चुनी जाएगी।

NPV सम्बन्धी निवेश कसौटियाँ ये हो सकती हैं -

- यदि $NPV > 0$ हो तो परियोजना सामाजिक दृष्टि से लाभदायक होगी इसलिए परियोजना को कार्यान्वित करने का निर्णय सही होगा।

- (ii) यदि $NPV < 0$ हो तो परियोजना लाभदायक नहीं होगी और उसे चालू करना व्यर्थ है।
 (iii) यदि $NPV = 0$ हो तो परियोजना को चालू किया भी जा सकता है और नहीं भी।

13. काब-वेब मॉडल का सही निरूपण निम्नलिखित में कौन है :

Correct statement of cob-web model is :

- (1) $S_t = a_0 + b_0 P_t$; $D_t = -c_0 - d_0 P_t$
 (2) $S_t = a_0 + b_0 P_{t-1}$; $D_t = c_0 - d_0 P_t$
 (3) $S_t = a_0 - b_0 P_{t-1}$; $D_t = c_0 + d_0 P_t$
 (4) $S_t = a_0 - b_0 P_{t-1}$; $D_t = c_0 - d_0 P_{t-1}$

उत्तर- (2)/व्याख्या $S_t = a_0 + b_0 P_{t-1}$; $D_t = C_0 - d_0 P_t$

मकड़ी जाल मॉडल (Cobweb Model) प्रावैगिक स्थिरता की धारणा का सुपरिचित सिद्धान्त है। यह मांग, पूर्ति तथा कीमत के बीच एक समयावधि में प्राप्त संतुलन की व्याख्या करता है।

उत्पादकों का पूर्ति फलन यह दर्शाता है कि कीमत में परिवर्तन होने पर उत्पादक किस प्रकार अपने उत्पादन में समायोजन करते हैं अधिक कीमतों पर वे अधिक उत्पादन करते हैं तथा अपेक्षाकृत कम कीमत पर कम उत्पादन करते हैं किन्तु कीमतों में परिवर्तन से उत्पादन में समायोजन में विलम्ब होता है जिसे **पूर्ति-विलम्ब** कहा जाता है। कृषि वस्तुओं तथा पशुपालन की स्थिति में प्रायः पूर्ति विलम्ब पाया जाता है।

विलम्ब के साथ t समय में पूर्ति $= S_t = F(P_{t-1})$
 तथा मांग तात्कालिक वर्ष की कीमत का फलन होती है

$$D_t = P_t$$

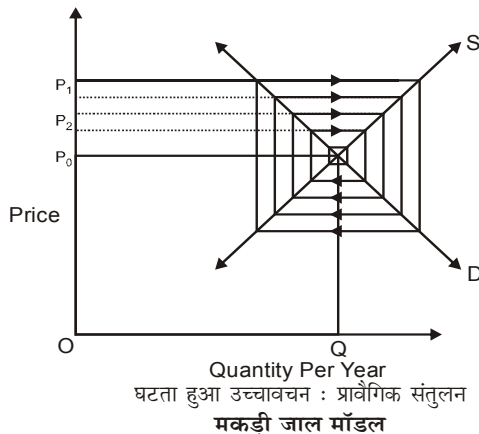
इस प्रकार $S_t = a_0 + b_0 P_{t-1}$

$$D_t = C_0 - d_0 P_t$$

यहाँ a, b, c, d अचर हैं जिसमें b_0 तथा d_0 ढाल को दर्शाते हैं।

समय आधारित कीमत मार्ग मांग फलन के ढाल के निरपेक्ष मूल्य (d_0) तथा पूर्ति फलन के ढाल के निरपेक्ष मूल्य (b_0) पर निर्भर करता है।

- यदि पूर्ति वक्र का ढाल $\frac{1}{b_0}$, मांग वक्र के ढाल $\frac{1}{d_0}$ से अधिक है $\frac{1}{b_0} > \frac{1}{d_0}$ तो अवमन्दित (घटता हुआ उच्चावचन) प्राप्त होगा। जो एक मकड़ी जाल की भाँति प्रतीत होगा।



- यदि मांग व पूर्ति वक्र के ढाल समान है तो निरन्तर उच्चावचन प्राप्त होगा।
 ● यदि मांग वक्र का ढाल पूर्ति वक्र से अधिक है तो विस्फोटक उच्चावचन प्राप्त होगा।

14. 'प्रतिकूल चयन' उत्पन्न होता है जब;

'Adverse selection' arises because of :

- (1) सूचना का अभाव हो / Lack of information
 (2) गलत सूचना / Wrong information
 (3) असममित सूचना उपलब्ध हो/Asymmetrical information
 (4) भविष्य अनिश्चित हो / Uncertainty of future

उत्तर- (3)/व्याख्या 'प्रतिकूल चयन' उत्पन्न होता है जब असममित सूचना उपलब्ध हो।

प्रतिकूल चयन की समस्या तब उत्पन्न होती है जबकि बाजार में असममित सूचनाएं उपलब्ध हो। अर्थात् किसी वस्तु के सम्बन्ध में क्रेता तथा विक्रेता को अलग-अलग सूचनाएं प्राप्त हो। असममित सूचनाओं की उपस्थिति में संसाधनों का कुशल आवंटन संभव नहीं हो पाता। असममित सूचना सिद्धान्त को जार्ज ए० अकरलॉफ ने दिया। इन्होंने 'Market for lemons' के द्वारा मॉडल दिया।

15. प्रतिछाया कीमतों को कहा जा सकता है :

Shadow prices can be called :

- (1) आरोपित लागत / Imputed cost
 (2) अवसर लागत / Opportunity cost
 (3) (1) और (2) दोनों / both (1) and (2)
 (4) (1) और (2) में से कोई भी नहीं / neither (1) or (2)

उत्तर- (3)/व्याख्या प्रतिछाया कीमतों को आरोपित लागत तथा अवसर लागत कहा जाता है।

जे० टिनबर्जन ने पहली बार प्रतिछाया कीमतों को परिभाषित किया। इसके अनुसार प्रतिछाया कीमतें वे कीमतें हैं जो संतुलन मूल्यों के अर्थ में किसी कारक अथवा उत्पाद के अंतर्भूत अथवा सही मूल्यों के रूप में इंगित करती हैं। ये कीमतें विभिन्न समयावधियों के साथ ही भौगोलिक रूप से अलग-अलग हो सकती हैं तथा वे बाजार कीमतों से अलग हो सकती हैं।

टिनबर्जन के अनुसार "छाया कीमतें वे हैं जो यथार्थ मूल्यों के समरूप होती हैं और जो चालू होगी यदि

- (i) विवेचनाधीन निवेश ढाँचा वास्तव में कार्यान्वित हो।
 (ii) वर्णित मार्केटों (अर्थात् श्रम, पूंजी, विदेशी निवेश बाजारों पर संतुलन पाए जाएँ।"

16. वालरा के सामान्य संतुलन मॉडल में किसका उपयोग किया जाता है?

Walra's general equilibrium model uses a :

- (1) समीकरण प्रणाली / system of equations
 (2) युगपत् रेखीय समीकरण प्रणाली
 system of simultaneous linear equations
 (3) युगपत् समीकरण प्रणाली
 system of simultaneous equations
 (4) रेखीय समीकरण प्रणाली/ System of linear equations

उत्तर- (3)/व्याख्या वालरा के सामान्य संतुलन मॉडल में युगपत समीकरण प्रणाली का उपयोग किया जाता है।

लियोन वालरा पहले अर्थशास्त्री थे जिन्होंने औपचारिक सामान्य संतुलन स्थापित करने के लिए नवशास्त्रीय सिद्धान्त का उसमें समावेश किया। वालरा ने यह दर्शाने का प्रयास किया कि अनेक वस्तुओं के साथ अर्थव्यवस्था कैसे साथ-साथ सही बैठती है और संतुलन में पहुँचती है। इस उद्देश्य के लिए वालरा ने एक आर्थिक संतुलन का मॉडल का वर्णन किया तथा इसके लिए एक युगपत रेखीय समीकरण प्रणाली विकसित की। वालरा ने दर्शाया कि पूर्ण व्यवस्था समाधेय है क्योंकि समीकरणों के संख्या, अज्ञातों की संख्या के बराबर करती है।

17. निम्नलिखित में से कौन-सी एक निकृष्ट वस्तु है?

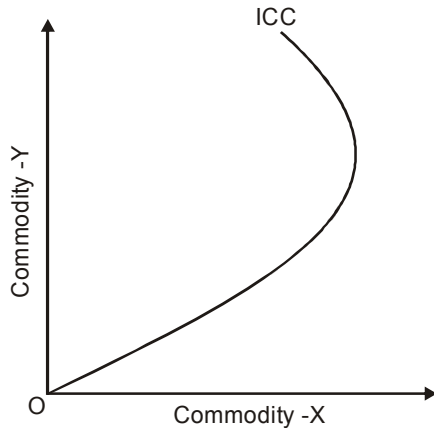
Which of the following is an inferior good?

- (1) केरोसिन / Kerosine
- (2) रसोई गैस / Cooking gas
- (3) बिजली / Electricity
- (4) रासायनिक उर्वरक / Chemical fertilizers

उत्तर- (1)/व्याख्या कैरोसीन एक निकृष्ट वस्तु है।

सामान्य वस्तुओं में उपभोक्ता की आय तथा वस्तुओं की मांग में प्रत्यक्ष सम्बन्ध पाया जाता है, यदि उपभोक्ता की आय बढ़ने पर उपभोक्ता किसी वस्तु की कम मात्रा क्रय करता है तो ऐसी वस्तु निकृष्ट वस्तु मानी जाएगी।

- निकृष्ट वस्तुओं की दशा में आय प्रभाव ऋणात्मक होता है।
- निकृष्ट वस्तु को आय उपभोग वक्र से दर्शाया जा सकता है।



चित्र में ICC आय उपभोग वक्र है जो दर्शाता है कि R बिन्दु के बाद वस्तु X घटिया वस्तु हो जाती है।

- कोई वस्तु निकृष्ट वस्तु है या सामान्य वस्तु यह उपभोक्ता की आय पर निर्भर करता है।
- निम्न आय पर वस्तु सामान्य हो सकती है जबकि आय बढ़ने पर वही वस्तु निकृष्ट वस्तु हो सकती है।

18. निम्नलिखित में से किसमें उत्पादन में पैरेटो की इष्टतमता प्राप्त की जाती है?

Pareto optimality in production is gained in which of the following conditions?

- (1) $MRTS_{LK}^X = MRTS_{LK}^Y$

$$(2) MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$$

$$(3) MRS_{XY}^K = MRT_{XY}^L$$

$$(4) \frac{MP_L}{P_L} = \frac{MP_K}{P_K}$$

उत्तर- (1)/व्याख्या उत्पादन में पैरेटो इष्टतमता प्राप्त की जाती है

$$MRTS_{LK}^X = MRTS_{LK}^Y$$

पैरेटो ने कल्याणकारी अर्थशास्त्र की अनुकूलतम (Optimum) धारणा को प्रस्तुत किया। पैरेटो के अनुसार जब किसी के कल्याण में वृद्धि किसी दूसरे के कल्याण में कमी किए बिना सम्भव न हो तो ऐसी स्थिति पैरेटो अनुकूलतम की स्थिति होगी।

पैरेटो ने अनुकूलतम की तीन सीमान्त दशाओं की चर्चा की -

(i) उपभोक्ताओं के मध्य वस्तुओं का अनुकूलतम वितरण

$$MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$$

(ii) फर्मों के बीच उत्पादन के साधनों का अनुकूलतम वितरण

$$MRTS_{LK}^X = MRTS_{LK}^Y$$

(iii) वस्तुओं के मध्य साधनों का अनुकूलतम वितरण या रूपान्तरण की सीमान्त दर। यह पैरेटो इष्टतम को प्रदर्शित करेगी -

$$MRPT_{XY} = MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$$

9. सूची-I (उपभोक्ता व्यवहार अभिगम) का सूची-II (अर्थशास्त्रीयों, जिनके साथ यह संबंध है) के साथ मिलान करें और नीचे दिए गए कूटों का उपयोग करते हुए सही उत्तर चुनें।

Match List - I (consumer behaviour approach) with List - II (Economist with whom it is associated) and select the correct answer using the codes given below :

सूची - I

सूची-II

(a) मापनीय उपागम Cardinal Approach	(i) वॉन न्यूमैन मोरजेन्स्टेन Von Newman Morgenstein
(b) अनधिमान वक्र Indifference curve	(ii) अल्फ्रेड मार्शल Alfred Marshall
(c) प्रकटित अधिमान सिद्धांत Revealed Preference Approach	(iii) जे. के. हिक्स J. K. Hicks
(d) जोखिमयुक्त चयन का नव-उपयोगिता सिद्धांत Neo-utility theory of risky choices	(iv) पी. ए. सैमुअलसन P. A. Samuelson

कूट / Codes :

(a)	(b)	(c)	(d)
(1) (ii)	(iii)	(i)	(iv)
(2) (iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3) (ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4) (iii)	(ii)	(iv)	(i)

उत्तर- (3)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची - I (उपभोक्ता व्यवहार अभिगम)	सूची - II (सम्बन्धित अर्थशास्त्री)
(a) मापनीय उपागम	(ii) अल्फ्रेड मार्शल
(b) अनधिमान वक्र	(iii) जे. के. हिक्स
(c) प्रकटित अधिमान सिद्धान्त	(iv) पी. ए. सैम्युलसन
(d) जोखिम युक्त चयन का नव उपयोगिता सिद्धान्त	(i) वॉन न्यूमैन मोरगेन्स्टेन

मापनीय उपागम - मार्शल ने मापनीय उपयोगिता विश्लेषण पर आधारित मांग का सिद्धान्त प्रस्तुत किया। एक वस्तु की मांग वह मात्रा है जिसे उपभोक्ता एक दी हुई अवधि में विभिन्न कीमतों पर खरीदने की इच्छा तथा क्षमता रखता है।

यहां मापनीय उपयोगिता का अर्थ है कि उपभोक्ता द्वारा उपभोग की गई प्रत्येक वस्तु से कुछ उपयोगिता प्राप्त होती है जिसे इकाइयों में व्यक्त किया जा सकता है तथा इसमें हासमान उपयोगिता नियम प्रभावी होता है।

अनधिमान वक्र - उदासीनता/ अनधिमान वक्र एक ज्यामितीय विधि है जिसकी व्याख्या सन् 1939 में प्रो० हिक्स ने अपनी पुस्तक 'Value and Capital' में की। बाद में 1956 में A Revision of Demand Theory में इसमें संशोधन किया। अनधिमान वक्र विश्लेषण उपयोगिता के क्रम संख्या (Ordinal) माप विधि पर केन्द्रित है। अनधिमान वक्र दो वस्तुओं के उन विभिन्न संयोगों को दर्शाता है जिनमें से किसी एक में उपभोक्ता उदासीन होता है।

प्रकटित अधिमान सिद्धान्त - प्रो० सैम्युलसन का प्रकटित अधिमान सिद्धान्त व्यवहारवादी क्रम संख्यात्मक विश्लेषण है जो हिक्स तथा ऐलन के क्रम संख्या से भिन्न है। यह तर्कसंगत मांग के सिद्धान्त का तीसरा मूल है। (It is the third root of the logical theory of Demand) हिक्स इसे "सशक्त आदेश के अन्तर्गत प्रत्यक्ष संगति परीक्षण" कहता है। (direct consistency test under strong ordering यह सिद्धान्त बाजार में उपभोक्ता के अवलोकित व्यवहार के आधार पर दो वस्तुओं के एक संयोग के लिए उपभोक्ता के अधिमान का विश्लेषण करता है। यह विश्लेषण consistency संगति तथा सकर्मकता transitivity की मान्यता को लेकर चलता है।

जोखिम तथा अनिश्चितता वाले चुनाव का आधुनिक उपयोगिता विश्लेषण-

आधुनिक उपयोगिता विश्लेषण जोखिम या अनिश्चितता वाले चुनावों का उदासीनता वक्र तकनीकी द्वारा उपभोक्ता के व्यवहार की व्याख्या न करने की विफलता का परिणाम है। परम्परागत उपयोगिता विश्लेषण भी जोखिम-रहित चुनावों में ही उपभोक्ता के व्यवहार से सम्बन्ध रखता है। ऐसे चुनाव निश्चित होते हैं क्योंकि वे घटती सीमान्त उपयोगिता और आनुपातिकता के नियम पर आधारित हैं। उपभोक्ता अपनी आय रुचियों और उन वस्तुओं के सम्बन्ध में जिन्हें वह क्रय करता है, निश्चित होता है और अपनी उपयोगिता अधिकतम करता है। किन्तु वास्तव में बहुत सी सेवाएं और वस्तुएं जोखिम अथवा अनिश्चितता वाली होती हैं जैसे शेयर या स्टॉक में निवेश आदि। न्यूमैन तथा मोरगेन्स्टेन ने अपनी पुस्तक 'The Theory

of Games and Economic behaviour में जोखिम की स्थिति में एक व्यक्ति के व्यवहार का अध्ययन किया। उनके सिद्धान्त को फ्रीडमैन और सेवेज तथा मार्कोविज ने परिष्कृत किया।

20. निम्नलिखित में से प्राकृतिक बेरोजगारी दर की कौन-सी अवधारणा सही है?

Which one of the following is the correct concept of Natural rating unemployment?

- घर्षणात्मक रूप से और संरचनात्मक रूप से बेरोजगार
Frictionally and structurally unemployed
- घर्षणात्मक रूप से और चक्रीय रूप से बेरोजगार
Frictionally and cyclically unemployed
- संरचनात्मक रूप से और चक्रीय रूप से बेरोजगार
Structurally and cyclically unemployed
- घर्षणात्मक, चक्रीय और संरचनात्मक रूप से बेरोजगार
Frictionally, cyclically and structurally unemployed

उत्तर- (1)/व्याख्या/ घर्षणात्मक बेरोजगारी दर और संरचनात्मक बेरोजगारी दर संयुक्त रूप से प्राकृतिक बेरोजगारी दर को प्रदर्शित करती है।

बेरोजगारी की प्राकृतिक दर वह दर होती है जिस पर श्रम बाजार में बेरोजगारी की संख्या, उस समय उपलब्ध नौकरियों की संख्या के समान होती है। यद्यपि श्रमिकों के लिए समान संख्या में नौकरियाँ उपलब्ध होती हैं किन्तु ये बेरोजगार श्रमिक घर्षणात्मक तथा संरचनात्मक कारणों से रोजगार में नहीं होते हैं। चूंकि बेरोजगार श्रमिकों के लिए समान संख्या में नौकरियाँ उपलब्ध होती हैं अतः बेरोजगारी की इस प्राकृतिक दर होने पर भी पूर्ण रोजगार का अस्तित्व कहा जाता है। विकसित देशों में इसे 4 से 6% माना जाता है।

21. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :

Consider the following statements :

- IS वक्र के बाईं तरफ के बिंदु वस्तुओं की अत्यधिक आपूर्ति को इंगित करते हैं
Points to the left of the IS curve indicate excess supply of goods.
- LM वक्र के दाईं तरफ के बिंदु मुद्रा की अत्यधिक मांग को इंगित करते हैं
Points to the right of the LM curve indicate excess demand for money
- IS वक्र के दाईं तरफ के बिंदु मुद्रा की अत्यधिक आपूर्ति को इंगित करते हैं
Points to the right of the IS curve indicate excess supply of money.
- IS वक्र के दाईं तरफ के बिंदु वस्तुओं की अत्यधिक आपूर्ति को इंगित करते हैं
Points to the right of the IS curve indicate excess supply of goods.

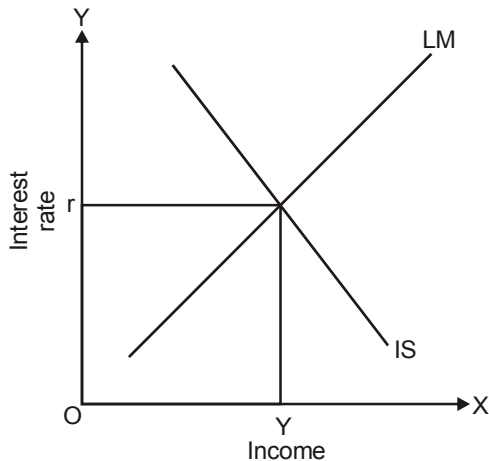
इन कथनों में से :

Of these statements :

- (1) (b) और (d) सही हैं (2) (a) और (c) सही हैं
(3) (b) और (c) सही हैं (4) (c) और (d) सही हैं

उत्तर- (1)/व्याख्या/ सही कथन है-

- (b) LM वक्र के दाईं तरफ के बिन्दु मुद्रा की अत्याधिक मांग को इंगित करते हैं।
(d) IS वक्र के दाईं तरफ के बिन्दु वस्तुओं की अत्याधिक आपूर्ति को इंगित करते हैं।



कोई भी आय व ब्याज का संयोजन जो IS वक्र पर स्थित है, एक वस्तु बाजार संतुलन को दर्शाता है।

- (i) आय और ब्याज के सभी संयोजन जो IS वक्र के दाईं ओर होते हैं, एक परिस्थिति को इंगित करते हैं जहां $Y > C + I$ अथवा सुनियोजित निवेश से बचतें अधिक होती हैं अतः आय स्तर में गिरावट आएगी।
(ii) आय और ब्याज दर के सभी संयोजन जो IS वक्र के बाईं ओर होते हैं, एक परिस्थिति को इंगित करते हैं जहां $[Y < C + I]$ अथवा सुनियोजित निवेश से बचतें कम हैं अतः आय के स्तर में बढ़ोतरी होगी।

इसी प्रकार LM वक्र के विषय में कोई भी आय व ब्याज का संयोजन जो LM वक्र पर अवस्थित है एक मुद्रा बाजार के संतुलन को प्रदर्शित करता है। अतः इसके निष्कर्ष होंगे -

- (i) आय और ब्याज के सभी संयोजन जो LM वक्र के दाईं ओर होते हैं, एक परिस्थिति को इंगित करते हैं जहां मुद्रा की मांग, मुद्रा की आपूर्ति से अधिक है अथवा मुद्रा की मांग अधिक होती है जिससे ब्याज दर बढ़ेगी और संतुलन की ओर उन्मुख होगी।
(ii) आय व ब्याज दर के सभी संयोजन जो LM वक्र के बाईं ओर होते हैं, एक परिस्थिति को दर्शाते हैं जहां मुद्रा की मांग, मुद्रा की आपूर्ति से कम होती है जिससे ब्याज दर घटेगी और संतुलन स्थापित होगा।

22. सूची-I का सूची-II के साथ मिलान करें और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर दें :

Match List - I with List - II and select the correct answer from the codes given below :

सूची-I

(a) $C = 40 + 0.7y$

(b) $I = 90 - 6i$

(c) $0.3y - 20i - 160 = 0$

(d) $0.3y + 20i - 150 = 0$

सूची-II

(i) LM फलन

LM function

(ii) IS फलन

IS Function

(iii) उपभोग फलन

Consumption function

(iv) निवेश फलन

Investment function

कूट / Codes :

(a)	(b)	(c)	(d)
(1) (iii)	(iv)	(i)	(ii)
(2) (iv)	(iii)	(ii)	(i)
(3) (iv)	(i)	(ii)	(iii)
(4) (iii)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर- (1)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) $C = 40 + 0.7y$	(iii) उपभोग फलन
(b) $I = 90 - 6i$	(iv) निवेश फलन
(c) $0.3y - 20i - 160 = 0$	(i) LM फलन
(d) $0.3y + 20i - 150 = 0$	(ii) IS फलन

23. रेखीय प्रोग्रामन समस्या में एक इष्टतम समाधान होगा :

In a linear programming problem, an optimum solution will be :

- (1) मूल समाधानों में से एक/One of the basic solutions
(2) साध्य समाधानों में से एक
One of the feasible solutions
(3) मूल साध्य समाधानों में से एक
One of the basic feasible solutions
(4) गैर-मूल समाधानों में से एक
One of the non-basic solutions

उत्तर- (3)/व्याख्या/ रेखीय प्रोग्रामन समस्या में मूल साध्य समाधानों में से एक (One of the basic feasible solution) इष्टतम समाधान होगा।

रेखीय प्रोग्रामिंग एक गणितीय विधि है जिसको गणितज्ञ डैनजिंग ने 1947 में विकसित किया। फर्म के आर्थिक सिद्धान्त प्रबन्धात्मक अर्थशास्त्र, विकास आयोजन आदि क्षेत्रों में इसका प्रयोग हुआ। रेखीय प्रोग्रामिंग अधिकतमीकरण तथा न्यूनतमीकरण की समस्या का समाधान प्रस्तुत करती है। इन समस्याओं को इष्टतमीकरण की समस्याएँ भी कहते हैं।

रेखीय प्रोग्रामिंग वह विधि है जो दिए हुए निर्गत के उत्पादन के लिए साधनों के इष्टतम संयोग या दिए हुए प्लाण्ट, उपकरण से उत्पादित की जाने वाली वस्तु के इष्टतम संयोग का निर्णय करती है।

इष्टतम मूल साध्य समाधान - एक मूल साध्य समाधान जो दी हुई रेखीय प्रोग्रामिंग समस्या के वस्तुनिष्ठ कार्य मूल्य को इष्टतम (अधिकतम या न्यूनतम) करता है, “इष्टतम मूल साध्य समाधान” कहलाता है।

24. मानव पूंजी निर्माण में तेजी लाई जा सकती है :

Human capital formation can be accelerated by :

- (1) कौशल विकास कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देकर
Promoting skill development programmes
- (2) ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में चिकित्सीय और स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान कर
Providing medical and health facilities in both rural and urban areas.
- (3) हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर उद्योग को मजबूत बना कर
Strengthening hardware and software industry.
- (4) उपरोक्त (1) और (2) / (1) and (2) above.

उत्तर- (4)/व्याख्या/ मानव पूंजी निर्माण में तेजी लाई जा सकती है:

1. कौशल विकास कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देकर
2. ग्रामीण व शहरी दोनों क्षेत्रों में चिकित्सकीय और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराकर।

मानव पूंजी श्रम के कौशल, शिक्षा क्षमता और विशेषताओं का एक पैमाना है जो उनकी उत्पादन क्षमता और आय की क्षमता को प्रभावित करता है।

सबसे पहले Theodore Schultz (1961) ने आर्थिक संवृद्धि के लिए मानव पूंजी की भूमिका पर बल दिया। शुल्ज ने मानव पूंजी के विकास को शिक्षा व स्वास्थ्य में निवेश से तथा राष्ट्रीय आय व आर्थिक विकास से प्रत्यक्ष रूप से सम्बन्धित करने का प्रयास किया।

25. कार्ल मार्क्स के अनुसार समाज के विकास का सही क्रम क्या है ?

What is the correct sequence for the evolution of society according to Karl Marx?

- (a) समाजवाद / Socialism (b) दासता / Slavery
 - (c) सामंतवाद / Feudalism (d) पूंजीवाद / Capitalism
- कूट / Codes :
- (1) (a), (b), (c) और (d) (2) (d), (c), (b) और (a)
 - (3) (b), (c), (d) और (a) (4) (c), (d), (b) और (a)

उत्तर- (3)/व्याख्या/ कार्ल मार्क्स के अनुसार समाज के विकास का सही क्रम है -

दासता → सामंतवाद → पूंजीवाद → समाजवाद
मार्क्स ने आर्थिक विकास के सिद्धान्त में तीन प्रसंगों में योगदान दिया, अर्थात्

- इतिहास की आर्थिक व्याख्या प्रदान करने के विस्तृत प्रसंग में,
- पूंजीवाद विकास की प्रेरक शक्तियों को विशिष्टता प्रदान करने के संकुचित प्रसंग में तथा
- योजनाबद्ध आर्थिक विकास का वैकल्पिक मार्ग समझाने के अन्तिम प्रसंग में।

इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या - इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या यह स्पष्ट करने का प्रयत्न करती है कि समस्त ऐतिहासिक घटनाएं समाज के भिन्न-भिन्न वर्गों तथा युगों के बीच लगातार आर्थिक संघर्ष का परिणाम हैं। इस संघर्ष का प्रमुख कारण है

‘उत्पादन की विधि’ तथा उत्पादन के सम्बन्धों के बीच विरोधा उत्पादन की विधि समाज में उत्पादन के विशिष्ट के प्रबन्ध की ओर संकेत करती है, जो जीवन के समस्त सामाजिक, राजनैतिक तथा धार्मिक ढंग को निर्धारित करती है। ‘उत्पादन के सम्बन्ध’ समाज के वर्ग के ढांचे से सम्बन्ध रखते हैं।

26. असंतुलित संवृद्धि रणनीति आधारित है :

The unbalanced growth strategy is based on :

- (1) बाह्य और आंतरिक मितव्ययताओं पर
External and Internal economies
- (2) विस्तार और पश्चगामी प्रभाव पर
Spread and backwash effects
- (3) बढ़ते हुए और स्थिर पैमाने के प्रतिफल पर
Increasing and constant returns to scale
- (4) पश्चगामी और अग्रगामी अनुबंधन पर
Backward and forward linkages

उत्तर- (4)/व्याख्या/ असंतुलित संवृद्धि रणनीति आधारित है

पश्चगामी और अग्रगामी अनुबंधन पर।

असंतुलित वृद्धि का सिद्धान्त सन्तुलित वृद्धि के विपरीत धारणा है। इसके अनुसार अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों में एक साथ निवेश न करके कुछ क्षेत्रों में ही सर्वप्रथम निवेश करना चाहिए। अल्पविकसित देशों पर संसाधनों की कमी के कारण ऐसे देशों को कुछ चुने हुए क्षेत्रों या उद्योगों में निवेश करके उनमें विकास की गति को तीव्र करना चाहिए और उनसे उत्पन्न मितव्ययिताओं में वृद्धि होने से अन्य क्षेत्रों का भी विकास होता है। इस प्रकार अर्थव्यवस्था असंतुलित वृद्धि से सन्तुलित वृद्धि की ओर बढ़ती है। विभिन्न अर्थशास्त्री जैसे - सिंगर, किंडलबर्गर, स्ट्रीनर आदि असंतुलित के पक्ष में अपना मत प्रकट करते हैं पर हर्षमैन तथा रोस्टोव ने सुनिश्चित ढंग से असंतुलित वृद्धि सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।

27. वित्तीय द्वैतवाद सिद्धांत किसके द्वारा विकसित किया गया :

Financial dualism theory was developed by :

- (1) बी. हिगिन्स / B. Higgins
- (2) एच. माइन्ट / H. Myint
- (3) डब्ल्यू. ए. लेवीज / W. A. Lewis
- (4) आर. नरक्स / R. Nurkse

उत्तर- (2)/व्याख्या/ वित्तीय द्वैतवाद सिद्धांत एच. माइन्ट (H. Myint) द्वारा विकसित किया गया।

Prof. H. Myint ने वित्तीय द्वैतवाद के सिद्धान्त को प्रस्तुत किया। वित्तीय द्वैतवाद का अर्थ अल्पविकसित देशों में संगठित व असंगठित मुद्रा बाजार का सहअस्तित्व है। संगठित मुद्रा बाजार में केन्द्रीय बैंक, व्यापारिक बैंक, कोआपरेटिव सोसाइटी, विदेशी बैंक तथा अन्य वित्तीय संस्थाएं जैसे कृषि वित्त कोआपरेशन (भारत में नाबार्ड) औद्योगिक वित्तीय संस्थान तथा बीमा कम्पनियां आदि शामिल होते हैं। जबकि असंगठित मुद्रा बाजार में स्वदेशी बैंकर, साहूकार, व्यापारी, चिटफंड आदि शामिल होते हैं।

इन देशों में वित्तीय द्वैतवाद का पाया जाना व्याज दर भिन्नता लाता है तथा ये आर्थिक विकास में बाधक है। इसके साथ ही ये मुद्रास्फीति, नीतिगत विफलता आदि लाते हैं।

- सामाजिक द्वैतवाद - बोके (Julius Herman Boeke)
- तकनीकी द्वैतवाद - बी.हिगिन्स (B. Higgins)

28. निम्नलिखित में से कौन-सा उत्पादन फलन, हिक्स और हेरॉड दोनों की तटस्थ तकनीकी प्रगति प्रदर्शित करेगा :

Which among the following production function will exhibit both Hicks and Harrod technical progress ?

- (1) लिओन्टिफ उत्पादन फलन
Leontieff production functions
- (2) कॉब - डगलस उत्पादन फलन
Cobb - Douglas production functions
- (3) ए. सी. एम. एस. उत्पादन फलन
ACMS production functions
- (4) उपरोक्त में से कोई भी नहीं/None of the above

उत्तर- (2)/व्याख्या/ कॉब-डगलस उत्पादन फलन हिक्स तथा हेरॉड दोनों की तकनीकी तटस्थता की शर्त को पूरा करता है।

हिक्स के अनुसार एक तकनीकी परिवर्तन तटस्थ तब माना जाता है जब एक स्थिर पूँजी श्रम अनुपात पर श्रम के साथ पूँजी के सीमान्त उत्पादन का अनुपात अपरिवर्तित रहता है। वही दूसरी तरफ हेरॉड के अनुसार तकनीकी परिवर्तन तब तटस्थ जबकि लाभ की एक स्थिर दर (अथवा ब्याज दर) पर पूँजी उत्पादन अनुपात स्थिर रहे।

यदि लाभ की दर तकनीकी परिवर्तन के बाद स्थिर रहती है परन्तु पूँजी उत्पाद-अनुपात बढ़ जाता है, तब तकनीकी परिवर्तन श्रम-बचतकारी होता है। दूसरी ओर यदि एक स्थिर लाभ की दर पर तकनीकी परिवर्तन के कारण पूँजी-उत्पाद अनुपात घट जाता है, तो तकनीकी परिवर्तन पूँजी बचतकारी होता है।

तकनीकी उन्नति हिक्स-तटस्थता और हेरॉड तटस्थता दोनों ही है यदि पूँजी तथा श्रम के बीच स्थानापन्न की लोच (Elasticity of Substitution) इकाई है तथा आय वितरण में कोई परिवर्तन नहीं पाया जाता है। इकाई स्थानापन्न लोच वाला उत्पादन फलन कॉब-डगलस उत्पादन फलन होता है। अतः Cobb-Douglas उत्पादन फलन हिक्स तथा हेरॉड तटस्थ तकनीकी प्रगति को साथ लेकर चलता है।

29. एक्स - दक्षता की अवधारणा किसके द्वारा विकसित की गई :
The concept of X-efficiency was formulated by :

- (1) एच. सिंगर / H. Singer
- (2) एच. लीबेन्स्टेन / H. Leibenstein
- (3) आर. रोडन / R. Rodan
- (4) सी. किंडलबर्जर / C. Kindleberger

उत्तर- (2)/व्याख्या/ एक्स-दक्षता की अवधारणा एच.लीबेन्स्टेन द्वारा विकसित की गई।

X- कुशलता (X-efficiency) की अवधारणा को एच. लीबेन्स्टेन ने दिया। एक दी हुई तकनीकी के साथ एक दी हुई लागत से अधिकतम उत्पादन प्राप्त करना या दिये हुए उत्पादन को न्यूनतम लागत पर प्राप्त करना 'X' कुशलता कहलाता है और यदि अधिकतम प्राप्य उत्पादन से कम उत्पादन प्राप्त हो तो उसे 'X-कुशलता' कहते हैं।

इस प्रकार वह कुशलता जो तकनीकी के प्रयोग से अधिकतम लाभ दे उसे X- कुशलता कहते हैं।

30. निम्नलिखित मदों में से किसका 2013-15 के दौरान भारत के निर्यात में विशालतम मूल्य रहा है :

Which among the following items has the largest value of exports in India during 2013-15?

- (1) इंजिनियरिंग वस्तुओं का निर्यात / Engineering goods
- (2) परिधान (गारमेंट्स) का निर्यात / Garments
- (3) रत्न और आभूषणों का निर्यात / Gems and Jewellery
- (4) कृषि-प्रसंस्कृत उत्पादों का निर्यात / Agro-processing exports.

उत्तर- (1)/व्याख्या/ इंजिनियरिंग वस्तुओं का निर्यात में विशालतम मूल्य रहा है।

● वर्ष 2019-20 में भारत के प्रमुख 5 निर्यात

- (i) Mineral Fuels including Oil - 13.7% of total export
- (ii) रत्न और आभूषण, कीमती रत्न - 11.4% भारत के कुल निर्यात का
- (iii) मशीनरी जिसमें कम्प्यूटर शामिल है - 6.6% भारत के कुल निर्यात का
- (iv) Organic Chemical - 5.7%
- (v) वाहन - 5.3%

31. निम्नलिखित में से किसका मिलान सही नहीं है?

Which among the following is not correctly matched?

(1) स्वर्ण युग	: श्रीमती जॉन रॉबिन्सन
Golden age	: Mrs. Joan Robinson
(2) संचयन का स्वर्णिम नियम	: एडमंड फैल्फ्स
Golden rule of accumulation	: Edmund Phelps
(3) सहज अवस्था में संवृद्धि	: राबर्ट सोलो
Steady state growth	: Robert Solow
(4) न्यून आय संतुलन जाल	: टी. आर. माल्थस
Low income equilibrium trap	: T. R. Malthus

उत्तर- (4)/व्याख्या/ न्यून आय संतुलन जाल सिद्धान्त को नैल्शन ने दिया।

माल्थस ने जनसंख्या का सिद्धान्त अपनी पुस्तक An Essay on the Principal of Population-1798 में दिया। उनके अनुसार जनसंख्या में वृद्धि ज्यामितीय माला में 2, 4, 8, 16, 32 में होती है जबकि खाद्यान्न में वृद्धि अंकगणितीय माला में 1, 2, 3, 4 में होती है। फलस्वरूप अति जनसंख्या की स्थिति होगी। माल्थस इसे जनसंख्या जाल कहता है।

आर.आर नैल्शन ने अल्पविकसित देशों के लिए निम्न संतुलन पाश का सिद्धान्त विकसित किया जो माल्थस की कल्पना पर आधारित है जो बताता है कि किसी देश की प्रति व्यक्ति आय के 'न्यूनतम निर्वाह स्तर' से बढ़ जाने पर जनसंख्या बढ़ने लगती है परन्तु जब जनसंख्या वृद्धि की उच्च भौतिक सीमा में पहुँच जाती है तो प्रति व्यक्ति आय में और वृद्धि होने पर जनसंख्या वृद्धि दर गिरने

लगती है।

नैल्शन के अनुसार “अल्पविकसित देशों के रोग की पहचान यह है कि वह प्रति व्यक्ति आय का ऐसा स्तर है जो निर्वाह आवश्यकताओं पर या उनके निकट पहुँचकर स्थिर हो जाता है।” प्रति व्यक्ति आय के स्थिर संतुलन स्तर पर बचत व निवेश की दर नीची रहती है जब कुल राष्ट्रीय आय की वृद्धि दर बढ़ाकर बचत व निवेश बढ़ाने का प्रयत्न किया जाता है तो उनके साथ जनसंख्या वृद्धि की दर भी ऊँची हो जाती है जो प्रति व्यक्ति आय को पीछे धकेलकर उसको स्थिर सन्तुलन स्तर पर पहुँचा देती है। इस प्रकार अल्पविकसित अर्थव्यवस्थाएं निम्न संतुलन पाश में जकड़ जाती हैं।

नेल्शन ने पाश में सहायक चार सामाजिक-तकनीकी स्थितियों का उल्लेख किया -

- प्रति व्यक्ति आय के स्तर तथा जनसंख्या वृद्धि दर में ऊँचा सहसम्बन्ध
- अतिरिक्त प्रति व्यक्ति आय बढ़ाते हुए प्रति व्यक्ति निवेश में लगाने की न्यून प्रवृत्ति।
- अकृषि योग्य कृष्य भूमि (Un cultivable arable land) की दुर्लभता।
- उत्पादन के अदक्ष तरीके।

32. निम्नलिखित में से कौन-सा अर्थशास्त्री ‘निर्भरता सिद्धांत’ से संबद्ध नहीं है?

Who among the following economists is not associated with the Dependency Theory?

- एस. अमीन / S. Amin
- पी. बरन / P. Baron
- रॉल प्रेबिश / Raul Prebisch
- ए.जी. फ्रैंक / A. G. Frank

उत्तर- (3)/व्याख्या/ उपर्युक्त प्रश्न में रॉल प्रेबिश को निर्भरता सिद्धान्त से सम्बन्धित नहीं माना गया है।

यद्यपि प्रत्यक्ष रूप से रॉल प्रेबिश का योगदान नहीं था किन्तु निर्भरता सिद्धान्त का प्रारम्भिक विचार रॉल प्रेबिश तथा हैन सिंगर से ही आता है। बाद में निर्भरता सिद्धान्त का विकास पॉल बरन, समिर अमीन, फ्रैंक आदि ने किया।

निर्भरता सिद्धान्त की तीन प्रमुख विशेषताएं हैं -

- अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था दो प्रकार से दिखाई देती है - Dominant (प्रमुख) तथा निर्भर (Dependent)
- विकास के सम्बन्ध ऐतिहासिक तथा प्रावैगिक है।
- निर्भर राज्यों की आर्थिक क्रियाएं, प्रमुख राज्यों द्वारा तय होती हैं।

33. निम्नलिखित में से कौन-सी नव-क्लासिकल अर्थशास्त्र की विशेषता नहीं है?

Which one of the following is not a feature of neoclassical economics?

- लचीली मजदूरी और ब्याज दर
Flexible wages and interest rates
- भौतिक और वित्तीय रूप में पूंजी
Capital in physical and financial form
- पूर्ण प्रतियोगिता / Perfect Competition
- मुद्रा की तटस्थता / Neutrality of money

उत्तर- (2)/व्याख्या/ भौतिक व वित्तीय रूप में पूंजी नव-क्लासिकल अर्थशास्त्र की विशेषता नहीं है।

नियो-क्लासिकल अर्थशास्त्र की विशेषता है -

- लचीली मजदूरी और ब्याज पर
- पूर्ण प्रतियोगिता
- मुद्रा की तटस्थता

इसके अतिरिक्त नियो-क्लासिकल अर्थशास्त्री समरूप वस्तु के उत्पादन को लेकर चलते थे। इन्होंने जिस उत्पादन फलन का प्रयोग किया वह नियो-क्लासिकल उत्पादन फलन है तथा यह पैमाने के स्थिर प्रतिफल प्रदान करता है जहां साधनों में घटती उत्पादकता प्राप्त होती है।

34. महिलाओं के दृष्टिकोण से बढ़ती जनसंख्या के नियंत्रण पर नवीन तरीके से अत्यधिक ध्यान देना जरूरी है क्योंकि :

Renewed focus to control increasing population is required from the viewpoint of women because :

- महिलाओं के प्रजननीय स्वास्थ्य अधिकार का ध्यान में रखते हुए परिवार नियोजन कार्यक्रमों को नई दिशा देना आवश्यक है।
Family planning programme needs to be reoriented keeping in view the reproductive health rights of women.
- महिलाओं को गुणवत्तायुक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए बजट में वृद्धि आवश्यक है।
Increased budget needed to provide quality services to women.
- स्वास्थ्य और युवा-हितैषी सेवाओं के लिए महिला परामर्शदाताओं की संख्या में वृद्धि आवश्यक है।
Increased number of women counsellors needed for health and youth friendly services.
- उपरोक्त सभी/ All of the above.

उत्तर- (4)/व्याख्या/ महिलाओं के दृष्टिकोण से बढ़ती जनसंख्या के नियंत्रण पर नवीन तरीके से अत्यधिक ध्यान देना जरूरी है क्योंकि-

- महिलाओं के प्रजननीय स्वास्थ्य अधिकार को ध्यान में रखते हुए परिवार नियोजन कार्यक्रमों को नई दिशा देना आवश्यक है।
- महिलाओं को गुणवत्तायुक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए बजट में वृद्धि आवश्यक है।
- स्वास्थ्य और युवा हितैषी सेवाओं के लिए महिला परामर्शदाताओं की संख्या में वृद्धि आवश्यक है।

35. सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें और सही उत्तर का चयन करें :

Match List - I with List - II and select the correct answer:

सूची - I	सूची-II
(a) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आपूर्ति पक्ष	(i) डेविड रिकार्डो
Supply side of international trade	David Ricardo

- (b) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का मांग पक्ष
Demand side of international trade
- (c) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की अवसर लागत
Opportunity cost of international trade
- (d) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की वास्तविक लागत सिद्धांत
Real cost theory of International trade
- (ii) बास्टेबल एवं अल्फ्रेड मार्शल
Bastable and Alfred Marshall
- (iii) जी. हैबरलर
G. Haberler
- (iv) अल्फ्रेड मार्शल एवं एजवर्थ
Alfred Marshall and Edgeworth

कूट / Codes :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(2)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(3)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

उत्तर- (2)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आपूर्ति पक्ष	(i) डेविड रिकार्डों
(b) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का	(iv) अल्फ्रेड मार्शल एवं एजवर्थ मांग पक्ष
(c) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की अवसर लागत	(iii) जी. हैबरलर
(d) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की वास्तविक लागत सिद्धान्त	(ii) बास्टेबल एवं अल्फ्रेड मार्शल

पूर्ति पक्षीय अर्थशास्त्र दर्शाता है कि वस्तुओं की आपूर्ति में वृद्धि देश में संवृद्धि को बढ़ाती है।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का तुलनात्मक लागत अन्तर सिद्धान्त जिसे डेविड-रिकार्डों ने दिया आपूर्ति पक्ष को दर्शाता है। रिकार्डों के अनुसार प्रत्येक देश उन वस्तुओं के उत्पादन में विशिष्टीकरण करेगा जिनमें उसे तुलनात्मक लाभ अधिक अथवा तुलनात्मक हानि कम होगी। इसी प्रकार देश उन वस्तुओं का निर्यात करेगा जिनमें उसे अधिकतम तुलनात्मक लाभ प्राप्त हो और उन वस्तुओं का आयात करेगा जिनमें तुलनात्मक हानि कम से कम हो।

मांग पक्षीय अर्थशास्त्र अर्थव्यवस्था में समग्र, मांग बढ़ाने के उपायों पर जोर देता है। अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र के विश्लेषण का एक महत्वपूर्ण औजार प्रस्ताव वक्र मांग पक्षीय दृष्टिकोण है।

एक देश का प्रस्ताव वक्र उस सापेक्ष वस्तु कीमत को निर्धारित करता है जिस पर व्यापार होता है। यह उस देश की निर्यात योग्य वस्तु की उन विविध मात्राओं को प्रदर्शित करता है जिन्हें वह देश विविध अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर आयात योग्य वस्तु से विनिमय करने को तैयार रहता है।

● रिकार्डों का तुलनात्मक लागत सिद्धान्त मूल्य के श्रम सिद्धान्त पर आधारित है हैबरलर ने इसकी अलोचना की और दर्शाया कि

उत्पादन में श्रम व पूंजी दोनों साधनों का प्रयोग होता है तथा इन्होंने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को अवसर लागत के माध्यम से प्रस्तुत किया। अवसर लागत सिद्धान्त कहता है कि यदि कोई देश वस्तु X अथवा वस्तु Y का उत्पादन कर सकता है तो X-वस्तु की अवसर लागत वस्तु Y की उस मात्रा के बराबर होगी जो उसे वस्तु X की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए छोड़नी पड़ती है। इस प्रकार वस्तुओं की परस्पर विनिमय दर उनकी अवसर लागतों के रूप में व्यक्त की जाती है।

36. कराधान में न्याय निम्नलिखित में से किस सिद्धांत के अनुप्रयोग द्वारा सर्वाधिक सुनिश्चित होता है?

Justice in taxation is best ensured by applying the principle of :

- (1) समान सीमांत त्याग / Equal marginal sacrifice
- (2) समान अनुपातिक त्याग/Equal proportional sacrifice
- (3) समान समग्र त्याग / Equal absolute sacrifice
- (4) उपर्युक्त में से कोई नहीं / None of the above.

उत्तर- (1)/व्याख्या/ समान सीमांत त्याग के अनुप्रयोग द्वारा कराधान में न्याय सर्वाधिक सुनिश्चित होता है।

कराधान में न्याय के लिए आवश्यक है कि प्रत्येक करदाता को करारोपण के पश्चात होने वाला सीमांत त्याग समान हो। जे.एस.मिल ने करारोपण के कारण उत्पन्न होने वाले बोझ के न्यायपूर्ण वितरण के सम्बन्ध में समान त्याग सिद्धान्त प्रतिपादित किया।

कोहन, स्टुअर्ट तथा एजवर्थ समान त्याग की तीन धारणाओं की बात करते हैं -

- (i) समान निरपेक्ष त्याग (Equal Absolute Sacrifice)
- (ii) समान अनुपातिक त्याग (Equal Proportional Sacrifice) तथा
- (iii) समान सीमान्त त्याग (Equal Marginal Sacrifice)

समान सीमान्त त्याग की धारणा सीमान्त उपयोगिता से सम्बन्धित है इस स्थिति की प्राप्ति करारोपण के पश्चात् तब होगी जबकि करदाताओं को होने वाला सीमान्त त्याग बराबर हो। गणितीय रूप से इन तीनों दशाओं का मसग्रेव ने इस प्रकार वर्णन किया -

समान निरपेक्ष त्याग

$$= [U(Y) - U(Y - T)]_A = [U(Y) - U(Y - T)]_B = \dots\dots$$

समान अनुपातिक त्याग

$$= \left[\frac{U(Y) - U(Y - T)}{U(Y)} \right]_A = \left[\frac{U(Y) - U(Y - T)}{U(Y)} \right]_B = \dots\dots$$

समान सीमान्त त्याग

$$= \left[\frac{dU(Y - T)}{d(Y - T)} \right]_A = \left[\frac{dU(Y - T)}{d(Y - T)} \right]_B = \dots\dots$$

इन तीनों स्थितियों में कर का स्वरूप अलग-अलग होगा-

- (i) निरपेक्ष त्याग की दृष्टि से प्रगतिशील करारोपण तभी न्यायोचित होगा जबकि आय की सीमान्त उपयोगिता आय की वृद्धि के अनुपात में अधिक तेजी से गिरे। परन्तु यदि मुद्रा की घटती

सीमान्त उपयोगिता की दर आय की वृद्धि के अनुपात में कम हो तो समान संतुष्टि के लिए यह आवश्यक है कि करारोपण प्रतिगामी हो। यदि उपयोगिता घटने की दर बिल्कुल आनुपातिक हो तो करारोपण आनुपातिक हो।

- (ii) समान आनुपातिक त्याग में, प्रगतिशील करारोपण होगा क्योंकि आय की वृद्धि के साथ मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता घटती है।
- (iii) समान सीमान्त त्याग की स्थिति में करारोपण आवश्यक रूप से उन्नतपूर्ण ढंग से प्रगतिशील होना चाहिए क्योंकि मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता गिरती जाती है और आय के ऊंचे स्तर पर यह अत्यन्त कम हो जाती है। समान सीमान्त त्याग के लिए आवश्यक है कि बढ़ी हुई आय पर करारोपण की दर प्रगतिशील रूप से प्रगतिशील हो।

37. सरकार से संबद्ध सभी निधियां किसमें जाती हैं :

All the funds which belong to Government go to :

- (1) लोक लेखा / public Account
- (2) समेकित निधि / Consolidated fund
- (3) आकस्मिकता निधि / Contingency fund
- (4) राजस्व लेखा / Revenue Account

उत्तर- (2)/व्याख्या सरकार से संबद्ध सभी निधियां समेकित निधि

(Consolidated Fund of India) में जाती है।

संविधान के अनुच्छेद 112 के अंतर्गत प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए केन्द्र सरकार की अनुमानित प्राप्तियों तथा व्ययों का एक विवरण संसद में रखा जाता है इस वार्षिक वित्तीय विवरण को बोलचाल की भाषा में बजट कहा जाता है। संविधान के अनुच्छेद 266 तथा 267 में बजट का ढाँचा दिया हुआ है जिसके अनुसार तीन प्रकार के खातों के रूप में सरकारी व्यवहार को प्रस्तुत किया जाता है -

समेकित निधि - 266 (i) के अनुसार भारत का समेकित (Consolidated Fund) कोष वह कोष है जिसमें भारत सरकार का सम्पूर्ण राजस्व प्राप्तियाँ, सरकार द्वारा निर्गत ट्रेजरी बिल्ल्स ऋण या अर्थोपाय अग्रिम के माध्यम से उगाही किए गये ऋण तथा सभी मुद्रा जो ऋणों के पुनर्भुगतान से सरकार को प्राप्त होती है दर्ज की जाती है। उस फण्ड को जिसमें सभी प्रकार की राज्य प्राप्तियाँ रिकार्ड की जाती हैं, उसे राज्य समेकित फण्ड कहते हैं।

बिना संसद से अधिकृत किए हुए समेकित निधि से किसी प्रकार की निकासी नहीं की जा सकती। किसी व्यय के लिए चाहे समेकित फण्ड से होने योग्य ही हो या जिसको संसद द्वारा स्वीकृत ही कर दिया गया हो तब तक रकम संचित फण्ड से नहीं निकाली जा सकती है जब तक कि **विनियोजन अधिनियम** (Appropriation Act) द्वारा इस व्यय को अधिकृत न किया गया हो। इस प्रकार सरकार से संबद्ध सभी निधियाँ समेकित निधि में आती हैं।

सार्वजनिक खाता (Public Account) - संविधान के अनुच्छेद 266(2) के तहत संचित फण्ड से सम्बन्धित सामान्य व्यवहार की प्राप्तियाँ तथा व्ययों के अतिरिक्त कुछ ऐसे व्यवहार होते हैं जो लोक लेखा में आते हैं ये ऐसी प्राप्तियाँ होती हैं जो वास्तव में सरकार की नहीं होती हैं बल्कि सरकार दूसरों के लिए अपने पास रखती है तथा जिन्हें बाद में लौटा देती है। इसके निकासी में पार्लियामेंट की स्वीकृत आवश्यक नहीं है। इनके भुगतान में सरकार केवल एक बैंकर या कस्टोडियन की भूमिका में कार्य करती है।

38. 2004 और 2013 की अवधि के दौरान वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी निम्नलिखित रूप में बढ़ी है :

During the period 2004 and 2013, India's share in global exports increased from :

- (1) 0.8 प्रतिशत से 1.7 प्रतिशत / 0.8 percent to 1.7 percent
- (2) 1.0 प्रतिशत से 2.5 प्रतिशत / 1.0 percent to 2.5 percent
- (3) 1.0 प्रतिशत से 1.5 प्रतिशत / 1.0 percent to 1.5 percent
- (4) 1.2 प्रतिशत से 2.1 प्रतिशत / 1.2 percent to 2.1 percent

उत्तर- (1)/व्याख्या 2004 से 2013 की अवधि के दौरान वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 0.8% से बढ़कर 1.7% हो गई।

● वर्ष 2018 के लिए अप्रैल 2019 में जारी आँकड़ों के अनुसार भारत का वैश्विक निर्यात में योगदान 1.7% है जबकि आयात, वैश्विक आयातों का 2.6% है। जबकि सेवाओं के निर्यात में भारत का योगदान 3.5% जबकि आयात 3.2% है।

इस अवधि में भारत ने निर्यात बढ़ाने के लिए निम्नांकित प्रयास किए -

- (i) Council of trade तथा Development and Board of trade को मिलाकर एक कॉमन प्लेटफार्म।
- (ii) दिसम्बर 2018 में कृषि निर्यात नीति की घोषणा
- (iii) Special Economics Zone (Amendment) Bill, 2019

39. 'जेंडर बजटिंग' से तात्पर्य है :

'Gender budgeting' means :

- (1) महिलाओं के लिए एक पृथक बजट
a separate budget for women
- (2) महिला सशक्तीकरण के लिए एक उपकरण
a tool for gender empowerment
- (3) महिलाओं के प्रति भेदभाव के लिए एक उपकरण
a tool for gender discrimination
- (4) पुरुषों एवं महिलाओं के लिए पृथक बजट
a separate budget for men and women.

उत्तर- (2)/व्याख्या 'जेंडर बजटिंग' महिला सशक्तीकरण के लिए एक उपकरण है।

पहली बार जेन्डर बजट को आस्ट्रेलिया में 1984 में लाया गया। भारत में इसकी शुरुआत बजट (2005-06) में P. Chidambaram द्वारा की गई।

8वीं पंचवर्षीय योजना में पहली बार एक लैंगिंग दृष्टिकोण पर बल दिया गया था। इसके अंतर्गत इस बात पर बल दिया गया था कि विकास के सामान्य क्षेत्रों के लिए निर्धारित किये जाने वाले कोषों में से एक सुनिश्चित भाग महिलाओं के लिए अवश्य हो। 9वीं FYP में 'महिला घटक योजना' को प्रारम्भ किया गया।

राष्ट्रीय महिला सशक्तीकरण नीति 2001 में यह प्रस्ताव रखा गया था कि बजटीय प्रक्रिया में लैंगिंग दृष्टिकोण को एक क्रियात्मक रणनीति के रूप में प्रारम्भ किया जाए। अतः 2005-06 में लैंगिंग बजट पहली बार भारत में प्रस्तुत किया गया।

लैंगिंग बजट का तात्पर्य बजट के आंकड़ों की एक ऐसी प्रस्तुति से है जिसमें लैंगिंग संवेदनाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया जाए। भारत में लैंगिंग बजट से सम्बन्धित आंकड़ें दो अलग-अलग प्रकार के स्वरूप द्वारा व्यक्त किये जाते हैं तथा इसके अंतर्गत दो प्रकार के आवंटन किए जाते हैं -

- (i) जहां कम से कम 30% भाग महिलाओं के लिए निर्धारित हो।
- (ii) जहां 100% भाग महिलाओं के लिए निर्धारित हो।

40. विकास के कॉलिन क्लार्क क्रम को तोड़कर भारत में किस क्षेत्र का विकास हुआ है?

Which sector in India has developed breaking the Colin Clark sequence of development?

- (1) निर्यात क्षेत्र / Export Sector
- (2) प्राथमिक क्षेत्र / Primary Sector
- (3) द्वितीयक क्षेत्र / Secondary Sector
- (4) सेवा क्षेत्र / Service Sector

उत्तर- (4)/व्याख्या/ विकास के कॉलिन क्लार्क क्रम को तोड़कर भारत में सेवा क्षेत्र का विकास हुआ है।

कॉलिन क्लार्क ने तीन व्यवसायिक चरणों के माध्यम से आर्थिक विकास का अवलोकन किया। इसे तीन क्षेत्रीय मॉडल भी कहा जाता है। यह मॉडल अर्थव्यवस्था को तीन-क्षेत्रीय क्रियाकलापों में विभाजित करता है :

- प्राथमिक क्षेत्र कच्चे माल का निष्कर्षण
- द्वितीयक क्षेत्र विनिर्माण क्षेत्र
- तृतीयक क्षेत्र सेवा क्षेत्र

इस मॉडल के अनुसार प्रमुख आर्थिक क्रियाएं प्राथमिक क्षेत्र से प्रारम्भ होती है, द्वितीयक क्षेत्र और अंततः तृतीयक क्षेत्र में संचालित होती है। ज्ञान और दक्षता की उन्नति के साथ द्वितीय चरण आता है वही तृतीय चरण में प्रतिनिधि के रूप में परिवहन, वितरण और लोक प्रशासन के क्षेत्र है। भारत में विकास के इस क्रम को तोड़कर सेवा क्षेत्र का विकास हुआ।

41. नीचे दिए गए कूटों में से सही कूटों का चयन करते हुए सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें :

Match List - I with List - II by selecting correct codes given below :

सूची - I	सूची-II
(a) तरलता जाल Liquidity trap	(i) एम. फ्रीडमैन M. Friedman
(b) प्रदर्शन प्रभाव Demonstration effect	(ii) ए. सी. पीगू A. C. Pigou
(c) स्थायी आय परिकल्पना Permanent Income Hypothesis	(iii) जे ड्यूजेनबेरी J. Duesenberry
(d) सम्पदा प्रभाव Wealth effect	(iv) जे. एम. कीन्स J. M. Keynes

कूट / Codes :

(a)	(b)	(c)	(d)
(1) (iv)	(iii)	(i)	(ii)
(2) (i)	(ii)	(iv)	(iii)
(3) (iv)	(ii)	(i)	(iii)
(4) (i)	(iii)	(iv)	(ii)

उत्तर- (1)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) तरलता जाल	(iv) जे. एम. कीन्स
(b) प्रदर्शन प्रभाव	(iii) जे. ड्यूजेनबेरी
(c) स्थायी आय परिकल्पना	(i) एम. फ्रीडमैन
(d) सम्पदा प्रभाव	(ii) ए. सी. पीगू

- पीगू प्रभाव या सम्पत्ति प्रभाव - मूल्य स्तर में कमी के कारण लोगों की सम्पत्ति धारिता, जिसमें नगद शेष सम्मिलित है, के वास्तविक मूल्य में वृद्धि होगी जिसके परिणामस्वरूप लोग अपने समग्र व्यय में वृद्धि लायेंगे फलस्वरूप समग्र मांग, विनियोग, रोजगार आदि में वृद्धि होगी। मूल्य स्तर में कमी का सम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि के द्वारा समग्र मांग, रोजगार आदि पर पड़ने वाले प्रभाव को 'पीगू प्रभाव' या 'मूल्य प्रभाव' कहते हैं।

उल्लेखनीय है कि पीगू ने इस प्रभाव को 'वास्तविक शेष प्रभाव' कहा पर बाद में डॉन पैटिनकिन ने इस प्रभाव को पीगू प्रभाव कहा तथा अपने द्वारा दिये गये प्रभाव को 'वास्तविक शेष' प्रभाव कहा।

42. अधिमूल्यित मुद्रा का निम्नलिखित में से कौन-सा प्रभाव होगा:

An over-valued currency will have which of the following effects :

- (1) निर्यात और आयात समान रूप से महंगा होना
Make exports and imports equally costly
- (2) निर्यात और आयात समान रूप से सस्ता होना
Make exports and imports equally cheaper
- (3) आयात को सापेक्षिक रूप से महंगा होना
Make imports relatively more costly
- (4) आयात को सापेक्षिक रूप से सस्ता होना
Make imports relatively cheaper.

उत्तर- (4)/व्याख्या/ आयात को सापेक्षिक रूप से सस्ता होना अधिमूल्यित मुद्रा का प्रभाव होगा।

अधिमूल्यित मुद्रा का अर्थ है कि मुद्रा के बाह्य मूल्य में वृद्धि होना। जब ऐसा होगा तब विनिमय दर में वृद्धि होगी जिससे वस्तुओं तथा सेवाओं के सापेक्ष मूल्य में वृद्धि होगी जबकि विदेशों की वस्तुओं के सापेक्ष मूल्य में कमी होगी जिसका परिणाम होगा कि आयात सस्ते व निर्यात महंगे होंगे।

43. प्रिबिश - सिंगर शोध के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सही है?

According to Prebisch-Singer thesis which of the following is true?

- (a) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ने अंतर्राष्ट्रीय असमानता को बढ़ाया है और विकासशील देशों के विकास को अवरुद्ध किया है।
International trade has increased international inequalities and has retarded the development of developing countries.

- (b) आयात प्रतिस्थापन की कार्यनीति के परिणामस्वरूप विकासशील देश में त्रुटिपूर्ण आबंटन हुआ है।

The strategy of import substitution has resulted in misallocation of resources within a developing country.

कूट / Codes :

- (1) (a) और (b) दोनों सही हैं
- (2) केवल (a) सही हैं
- (3) केवल (b) सही हैं
- (4) (a) और (b) दोनों सही नहीं हैं

उत्तर- (2)/व्याख्या/ केवल (a) सही है।

प्रेबिश सिंगर शोध के अनुसार अंतर्राष्ट्रीय व्यापार ने अंतर्राष्ट्रीय असमानता को बढ़ाया है और विकासशील देशों के विकास को अवरुद्ध किया है।

प्रेबिश सिंगर यह प्रतिपादित करते हैं कि व्यापार की शर्तों का दीर्घकालीन हास अल्पविकसित देशों की वृद्धि को रोकने का महत्वपूर्ण कारक है। विश्व के परिसर में स्थित अल्पविकसित देशों तथा चक्रीय केन्द्रों (विकसित देशों) के बीच व्यापार की शर्तें विकसित देशों के पक्ष में रही हैं। इसका कारण यह है कि विकसित देशों के साधन और वस्तु बाजारों में एकाधिकारक तत्वों ने उन्हें अपनी प्रौद्योगिकी उन्नति द्वारा लाभों को बढ़ रही साधन आयों के रूप में रखने दिया है, जबकि अल्पविकसित देशों में उत्पादकता में लाभ कीमत घटाने में वितरित हुए हैं। अल्पविकसित देशों की आर्थिक क्रिया पर विकसित देशों की औद्योगिक क्रिया के चक्रों का प्रभुत्व है।

44. अभिकथन (A) : यदि अवमूल्यन को सफल होना है तो मार्शल-लर्नर शर्त पूरी होनी चाहिए।

Assertion (A) : Marshall-Lerner condition should be fulfilled if devaluation is to be successful.

कारण (R) : अवमूल्यन निर्यात को महंगा और आयात को सस्ता करता है।

Reason (R) : Devaluation makes exports costly and imports cheaper.

कूट / Codes :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं।

Both (A) and (R) are correct

(2) (A) और (R) दोनों सही नहीं हैं।

Both (A) and (R) are not correct

(3) (A) सही है परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(A) is correct but (R) is not correct explanation of (A).

(4) (A) सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(A) is correct and (R) is the correct reason of (A).

उत्तर- (3)/व्याख्या/ दिया गया अभिकथन (A): यदि अवमूल्यन को सफल होना है तो मार्शल-लर्नर की शर्त पूरी होनी चाहिए **सही** है मार्शल-लर्नर की शर्तें

जो दर्शाती है कि आयातों तथा निर्यातों की मांग की लोच ($e_x + e_m > 1$) इकाई से अधिक होनी चाहिए।

कारण (R) गलत है अवमूल्यन निर्यात को सस्ता तथा आयात को महंगा बनाता है।

45. घरेलू निर्यात उद्योग में उत्पादकता परिवर्तन व्यापार की किन शर्तों में समाविष्ट होते हैं?

Productivity changes in domestic export industry are incorporated in which types of terms of trade?

(1) आय की व्यापार शर्तें / Income terms of trade

(2) एकल साधन व्यापार शर्तें

Single factorial terms of trade

(3) सकल वस्तु-विनिमय व्यापार शर्तें

Gross barter terms of trade

(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं / None of the above.

उत्तर- (2)/व्याख्या/ घरेलू निर्यात उद्योग में उत्पादकता परिवर्तन

एकल साधन व्यापार शर्तों में समाविष्ट होते हैं।

व्यापार की शर्तें उस दर को बताती हैं जिस दर पर एक देश की वस्तुओं का दूसरे देश की वस्तुओं से विनिमय होता है। यह दर किसी देश के आयातों के रूप में उस देश के निर्यात की क्रय शक्ति की माप है तथा उस देश की निर्यात कीमतों तथा आयात कीमतों के बीच सम्बन्ध के रूप में व्यक्त की जाती है।

जैकब वाइनर तथा जी एम मायर ने अनेक प्रकार की व्यापार की शर्तों की चर्चा की है :

1. व्यापार की वस्तु या शुद्ध वस्तु विनिमय शर्त (Net Barter Terms of Trade): व्यापार की निवल वस्तु विनिमय शर्तें किसी देश की निर्यात वस्तुओं तथा आयात वस्तुओं की कीमतों का अनुपात होती हैं।

$$T_c = \frac{P_x}{P_m} \quad T_c = \text{निवल वस्तु विनिमय व्यापार शर्त}$$

$$\text{or } T_c = \frac{P_{x_1}/P_{x_0}}{P_{m_1}/P_{m_0}}$$

2. सकल वस्तु विनिमय व्यापार की शर्त (Gross Barter Terms of Trade): सकल वस्तु विनिमय व्यापार की शर्तें किसी देश के आयात तथा निर्यात की कुल मात्राओं के बीच अनुपात हैं।

$$T_g = \frac{Q_m}{Q_x}$$

जहां T_g = सकल वस्तु विनिमय शर्त

Q_m = आयात की मात्राएं

Q_x = निर्यात की मात्राएं

3. व्यापार की आय शर्तें (Income Terms of Trade): डोरेन्स ने व्यापार की आय शर्तों की धारणा को प्रस्तुत किया। यह निवल वस्तु विनिमय में सुधार है।

$$T_y = T_c \cdot Q_x = \frac{P_x \cdot Q_x}{P_m}$$

आयात कीमतों का सूचक $\times$ निर्यात मात्रा

आयात कीमतों का सूचक

4. व्यापार की एकल घटकीय शर्तें (Single Factorial Terms of Trade): व्यापार की वस्तु शर्तों की धारणा निर्यात उद्योगों में होने वाले उत्पादकता परिवर्तनों पर विचार नहीं करती। प्रो० जैकब वाइनर ने व्यापार की एकल घटकीय शर्तों की धारणा प्रस्तुत की जो घरेलू निर्यात क्षेत्र की उत्पादकता में परिवर्तन को स्थान देती है। इसकी गणना करने के लिए व्यापार की वस्तु शर्तों के सूचक को घरेलू निर्यात उद्योगों में उत्पादकता परिवर्तनों के सूचक से गुणा किया जाता है।

$$T_s = T_c \cdot F_x = \frac{P_x \cdot F_x}{P_m}$$

$$\left(\because T_c = \frac{P_x}{P_m} \right)$$

जहाँ T_s = व्यापार की एकल घटकीय शर्तें हैं।

T_c = व्यापार की वस्तु शर्तें हैं।

F_x = निर्यात उद्योगों का उत्पादकता सूचक है।

यह बताता है कि जब किसी देश के निर्यात उद्योगों की उत्पादकता में सुधार होता है तो उस देश के व्यापार की एकल घटकीय शर्तें भी सुधरती हैं। यदि किसी देश के निर्यात उद्योगों की उत्पादकता बढ़ती है तो उसके व्यापार की एकल घटकीय शर्तों में सुधार होगा भले ही उसकी वस्तु व्यापार शर्तें प्रतिकूल हो जाएं।

5. व्यापार की द्विघटकीय शर्तें (Double Factorial Terms of Trade): व्यापार की द्वि-घटकीय शर्तें उन उत्पादकता परिवर्तनों पर ध्यान देती हैं जो घरेलू निर्यात क्षेत्र में और देश के आयातों का उत्पादन करने वाले विदेशी निर्यात क्षेत्र में होते हैं।

$$T_d = T_c \cdot \frac{F_x}{F_m} = \frac{P_x}{P_m} \cdot \frac{F_x}{F_m}$$

6. व्यापार की वास्तविक लागत शर्तें (Actual Cost of Terms of Trade): वाइनर ने अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से वास्तविक लाभ नापने के लिए व्यापार शर्तों का सूचक निमित्त किया। इसे वह व्यापार की वास्तविक लागत शर्तें कहता है।

7. व्यापार की उपयोगिता शर्तें (Utility Terms of Trade): व्यापार की उपयोगिता शर्तों का सूचक 'निर्यातों की एक इकाई' के उत्पादन करने की अनुपयोगिता में होने वाले परिवर्तनों को नापता है और उन परिवर्तनों को मापता है जो आयातों द्वारा प्राप्त सापेक्ष संतुष्टियों में और निर्यात उत्पादन के कारण त्याग की गई घरेलू वस्तुओं में होते हैं।

$$u = \frac{U_{n1} / U_{m0}}{U_{a1} / U_{a0}}$$

u = आयात तथा घरेलू परित्यक्त वस्तुओं की सापेक्ष उपयोगिता का सूचक है।

46. प्रस्तावित जी.एस.टी. विधेयक में शामिल होगा :

The proposed GST bill will subsume :

- (1) मनोरंजन कर / Entertainment tax
- (2) मूल्यवर्धित कर / Value-added tax
- (3) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क / Union excise duty
- (4) उपर्युक्त में से सभी / All of the above.

उत्तर- (4)/व्याख्या/ उपर्युक्त में से सभी प्रस्तावित जी.एस.टी. विधेयक में शामिल होगा।

संविधान के 101वें संशोधन 2016 के माध्यम से भारत में 1 जुलाई 2017 को GST प्रभावी हुआ। वस्तु एवं सेवा कर एक व्यापक अप्रत्यक्ष कर है जिसमें केन्द्र तथा राज्य सरकार के बहुत से करों को मिलाया गया है।

केन्द्र के 15 में से 5 कर GST आने से समाप्त हो गये हैं। इसमें शामिल हैं -

- (i) Additional Custom Duty (Counter Velling Duty)
- (ii) Centre Excise Duty - यह केवल उन्हीं वस्तुओं में समाप्त होगी जिसमें GST प्रभावी है।
- (iii) Services Tax
- (iv) Additional Excise Duty
- (v) Special Additional Custom Duty

राज्य में GST के बाद समाप्त कर -

- (i) विज्ञापन कर
- (ii) VAT (GST प्रभावी वस्तुओं में)
- (iii) Entry Tax चुंगी कर
- (iv) मनोरंजन कर
- (v) केन्द्रीय बिक्री कर (एक राज्य से दूसरे राज्य में सामान जाने पर लगने वाला कर) इसके साथ ही GST एक Destination Based Tax है।

47. अर्थशास्त्रियों के उस युग्म का चयन करें जिन्होंने पहली बार कराधान एवं सार्वजनिक व्यय के नियमों ('केनन') का प्रतिपादन किया :

Select the pair of economists, who first gave the canons of taxation and public expenditure :

- (1) आर. एन. भार्गव एवं आर. ए. मसग्रेव
R. N. Bhargav and R. A. Musgrave
- (2) एडम स्मिथ एवं फिन्डले शिराज
Adam Smith and Findlay Shirras
- (3) ए. सी. पीगू एवं डेविड रिकार्डो
A. C. Pigou and David Ricardo
- (4) ए. आर. प्रेस्ट एवं उर्सुला के. हिक्स
A. R. Prest and Ursula K Hicks

उत्तर- (2)/व्याख्या/ एडम स्मिथ व फिन्डले शिराज ने पहली बार कराधान एवं सार्वजनिक व्यय के नियमों ('केनन') का प्रतिपादन किया।

कर के निर्देशक सिद्धान्त के रूप में प्रो० एडम स्मिथ ने चार सिद्धान्तों की व्याख्या की-

1. समता का नियम
2. निश्चितता का नियम
3. सुविधा का नियम
4. मितव्ययिता का नियम

कर के इन नियमों के अतिरिक्त वैस्टेबिल ने दो अन्य सिद्धान्त दिए-

- (i) उत्पादकता का नियम
 - (ii) लोच का सिद्धान्त
- फिन्डेल शिराज ने करारोपण के पर्याप्तता का सिद्धान्त दिया। प्रो० शिराज के अनुसार एक उत्तम कर प्रणाली में पर्याप्तता का गुण होना चाहिए इसका आशय यह है कि सार्वजनिक व्ययों को पूरा करने की दृष्टि से सार्वजनिक आय पर्याप्त होनी चाहिए।

48. निम्नलिखित में से कुछ भारत में समानान्तर अर्थव्यवस्था के प्रभाव हैं।

Following are some of the effects of parallel economy in India :

- (a) सरकार को राजस्व का घाटा
Loss of revenue to the Government
- (b) ईमानदार करदाताओं पर अधिक बोझ
Greater burden on honest tax-payers
- (c) सम्पत्ति और आय के समान वितरण
Results in equitable distribution of wealth and income

- (d) प्रदर्शन उपभोग की अनावश्यक मदों को प्रोत्साहन
Encouragement to non-essential items of conspicuous consumption.

दिए गए कूट से सही युग्म का पता करें :

Find the correct combination from the codes given below:

- (1) (a), (b) और (c) (2) (a), (b) और (d)
(3) (b), (c) और (d) (4) (a) और (d)

उत्तर- (2)/व्याख्या/ निम्नांकित भारत में समानान्तर अर्थव्यवस्था के प्रभाव हैं -

- (a) सरकार को राजस्व घाटा
(b) ईमानदार करदाताओं पर अधिक बोझ
(d) प्रदर्शन उपभोग की अनावश्यक मदों को प्रोत्साहन किसी देश की GDP आर्थिक स्वास्थ्य की माप, रहन सहन स्तर का सूचक माना जाता है। कुछ आलोचक GDP को अर्थव्यवस्था का बेहतर स्वास्थ्य सूचक नहीं क्योंकि यह अदृश्य अर्थव्यवस्था अथवा समानान्तर अर्थव्यवस्था को समाहित नहीं करती। समानान्तर अर्थव्यवस्था में उन गतिविधियों को शामिल किया जाता है जिनकी समाज की आर्थिक गतिविधियों को नापने की उपलब्ध तकनीकों से देखरेख नहीं की जा सकती अथवा मापन संभव नहीं हो पाता। इसमें सभी आर्थिक गतिविधियाँ आती हैं जो दर्ज नहीं की जाती। समांतर अर्थव्यवस्था को अनौपचारिक अर्थव्यवस्था, काला धन अर्थव्यवस्था आदि नामों से भी जाना जाता है।

वृहद अर्थ में इसमें शामिल होता है -

- अवैधानिक अर्थव्यवस्था जैसे मनी लाउंडरिंग (Money laundering) smuggling etc.
- वैधानिक किन्तु अनुरिपोर्टेड (unreported) अर्थव्यवस्था जैसे tax evasion
- Unregulated Economy : Economic activities outside regulation

49. भारत में नवजात शिशु मृत्यु-दर की संदर्भ अवधि क्या है?

Reference period for the Neonatal Mortality Rate in India is :

- (1) जन्म के बाद तीन महीने / Three month after birth
(2) जन्म के बाद एक महीना / One month after birth
(3) जन्म के बाद 28 दिन / 28 days after birth
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं / None of the above.

उत्तर- (3)/व्याख्या/ भारत में नवजात शिशु मृत्यु-दर की संदर्भ अवधि जन्म से 28 दिन है।

नवजात शिशु मृत्यु दर (Neonatal Mortality Rate) प्रति 1000 जन्में शिशुओं पर 28 दिन के भीतर मरने वाले शिशुओं का अनुपात है।

50. हाल में आरंभ किया गया "इन्द्रधनुष" कार्यक्रम निम्नलिखित में से किससे संबंधित है :

Recently launched "Indradhanush" programme is related with :

- (1) औषधियों का उत्पादन / Production of medicines
(2) घातक बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण
Vaccination against fatal diseases
(3) किशोरियों के लिए बहु व्यावसायिक प्रशिक्षण
Multivocational training for adolescent girls.
(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं / None of the above.

उत्तर- (2)/व्याख्या/ हाल में आरंभ किया गया "इन्द्रधनुष" कार्यक्रम घातक बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण से संबंधित है।

भारत सरकार द्वारा 1985 में 'सम्पूर्ण टीकाकरण' प्रारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम को मजबूती देने के लिये 'मिशन इन्द्रधनुष' की नींव रखी गई।

'मिशन इन्द्रधनुष' भारत सरकार का स्वास्थ्य मिशन है जिसे तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री द्वारा 25 दिसम्बर 2014 को लॉन्च किया गया। इसमें इन्द्रधनुष के 7 रंगों को चित्रित किया गया तथा 2020 तक सभी बच्चों को टीकाकरण के दायरे में लाने का लक्ष्य रखा गया।

7 रंगों से अभिप्राय 7 जानलेवा बीमारियों के नियंत्रण से है जिसमें

- (i) डिप्थीरिया
(ii) काली खांसी (Whooping Cough)
(iii) टिटनेस
(iv) पोलियो
(v) टी.बी
(vi) खसरा और
(vii) हेपेटाइटिस बी शामिल है।

इसमें 2 वर्ष तक के बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं को शामिल किया गया। कुछ अन्य टीके जैसे- जापानी इंसेफेलाइटिस, हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (HIB), रोटावायरस को बाद में शामिल किया गया।

इसी के साथ इंटेसिफाइड मिशन इन्द्रधनुष (IMI) को 90% टीकाकरण के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु चुनिंदा जिलों व शहरी इलाकों में प्रारम्भ किया गया। इंटेसिफाइड मिशन इन्द्रधनुष (IMI) 2.0 को 2018 में मार्च 2020 तक के लिए प्रारम्भ किया गया।

अब (IMI) - 3.0 प्रारम्भ किया गया है।

51. निम्नलिखित में से किसने भारत सरकार को व्यय कर को आरंभ करने का सुझाव दिया?

Who suggested to Government of India to introduce expenditure tax?

- (1) एन. काल्डर / N. Kalder
(2) जे. आर. हिक्स / J. R. Hicks
(3) बी. हैन्सन / B. Hanson
(4) उर्सुला हिक्स / Ursula Hicks

उत्तर- (1)/व्याख्या/ एन. काल्डर ने भारत सरकार को व्यय कर को आरंभ करने का सुझाव दिया।

सन् 1956 में निकोलस केल्डार की अध्यक्षता में भारत सरकार ने 'Taxation Reform Committee' का गठन किया। इसने प्रत्यक्ष करारोपण पर विचार किया तथा कर आधार के फैलाव व कर वंचन की समस्या पर सुझाव दिए। कर आधार के फैलाव के लिए निवल सम्पत्ति पर वार्षिक कर, पूंजी लाभ कर, उपहार कर तथा व्यय कर

लगाने का सुझाव दिया तथा कर अपवंचन रोकने हेतु विस्तृत टैक्स रिटर्न जिसमें सभी सम्पत्ति के हस्तांतरण तथा पूंजी व्यवहार को दिखाया जाए।

52. निम्नलिखित में से कौन-सी नयी वित्तपोषण एजेंसी सूक्ष्म एवं लघु व्यापार के लिए वित्त मुहैया कराती है :

Which of the following new financing agency provide finance to micro and small business?

- (1) सिडबी / SIDBI
- (2) मुद्रा / MUDRA
- (3) नाबार्ड / NABARD
- (4) किसान क्रेडिट कार्ड (के. सी. सी.) / KCC

उत्तर- (2)/व्याख्या/ मुद्रा (MUDRA) सूक्ष्म एवं लघु व्यापार के लिए वित्त मुहैया कराती है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की शुरुआत 8 अप्रैल 2015 को गैर-कॉर्पोरेट, गैर कृषि लघु/सूक्ष्म उद्योगों को 10 लाख तक का ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से की गई। PMMY के तहत ऋणों को मुद्रा ऋण के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ये ऋण वाणिज्यिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, लघु वित्त बैंक, सूक्ष्म वित्त संस्थाओं तथा गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों द्वारा प्रदान किये जाते हैं।

मुद्रा ऋणों में तीन प्रकार के ऋणों की व्यवस्था की गई है :

- शिशु (Shishu) - 50,000 रुपये तक के ऋण
 - किशोर (Kishor) - 50,001 से 5 लाख रुपये तक के ऋण
 - तरुण (Tarun) - 5,00,001 से 10 लाख तक के ऋण
- मुद्रा कंपनी को 100% पूंजी का योगदान के साथ 'भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के रूप में स्थापित किया गया। वर्तमान में मुद्रा कंपनी की अधिकृत पूंजी 1000 करोड़ और भुगतान की गई पूंजी (Paid-up-Capital) 750 करोड़ है।

● **Small Industries Development Bank (SIDBI)** 2nd अप्रैल 1990 को स्थापित किया गया। यह MSME के उन्नयन, वित्तपोषण तथा विकास के लिए प्रमुख वित्तीय संस्थान है। इसका मुख्यालय लखनऊ में है तथा इसका संचालन भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा होता है।

● भारत में **किसान क्रेडिट कार्ड (KCC)** योजना वर्ष 1998 में शुरू की गई इसका उद्देश्य किसानों की ऋण आवश्यकताओं (कृषि संबंधी खर्चों) की पूर्ति के लिए पर्याप्त एवं समय पर ऋण की सुविधा प्रदान करना साथ ही आकस्मिक खर्चों के अतिरिक्त सहायक कार्यकलापों से संबंधित खर्चों की पूर्ति करना उद्देश्य रहा है। KCC में फसल कटाई के बाद के खर्चों, विपणन हेतु ऋण, किसान परिवारों की उपभोग संबंधी आवश्यकताओं कृषि परिस्थितियों के रखरखाव के लिये कार्यशील पूंजी और कृषि से संबंध गतिविधियों, कृषि क्षेत्र में निवेश ऋण की आवश्यकता को शामिल किया गया है। **KCC को** वाणिज्यिक बैंकों, RRBs लघुवित्त बैंकों और सहकारी संस्थाओं द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। KCC में 7% प्रतिवर्ष ब्याज पर 3 लाख तक का अल्पकालिक ऋण प्रदान किया जाता है। इसमें 2006-07 से 2% का ब्याज सबवेंशन (छूट) प्राप्त होती है। ब्याज सबवेंशन (छूट) का क्रियान्वयन नाबार्ड और RBI द्वारा होता है।

53. किसने कहा "मुद्रास्फीति अन्यायपूर्ण है और विस्फीति अहितकर है"?

Who said, "Inflation is unjust and deflation is inexpedient"

- (1) ए. के. सेन / A. K. Sen
- (2) जे. आर. हिक्स / J. R. Hicks
- (3) ए. सी. पिगू / A. C. Pigou
- (4) जे. एम. कीन्स / J. M. Keynes

उत्तर- (4)/व्याख्या/ जे.एम.कीन्स ने कहा "मुद्रास्फीति अन्यायपूर्ण है और विस्फीति अहितकर है।

कीन्स का मुद्रास्फीति के सम्बन्ध में कथन था कि "मुद्रास्फीति अन्यायपूर्ण है और विस्फीति अहितकर है। इन दोनों में विस्फीति अधिक बुरी है।"

54. भारत में औसत जोत के आकार के निरंतर गिरावट के निम्नलिखित कारणों पर विचार करें। नीचे दिए कूटों में से उत्तर दें।

Consider the following reasons of continuous decline in average land holding rise in India Answer from the code given below :

- (a) उत्तराधिकार कानून / Law of Inheritance
 - (b) समेकन / Consolidation
 - (c) खेती का मशीनीकरण / Farm Mechanization
 - (d) भूमि स्वामित्व की इच्छा / Desire for land ownership
- कूट/ Codes :**
- (1) (a) और (b) (2) (a) और (d)
 - (3) (a), (b), (c) और (d) (4) (a), (c) और (d)

उत्तर- (2)/व्याख्या/ भारत में औसत जोतों के आकार में निरंतर गिरावट के कारण है :

- (i) उत्तराधिकार कानून
- (ii) भूमि स्वामित्व की इच्छा
- (iii) जनसंख्या वृद्धि
- (iv) कृषि पर बढ़ती आश्रितता

भारत में कृषि जोतों को हम 5 वर्गों में रख सकते हैं।

- (i) **सीमान्त जोत** (marginal) जो 1 हेक्टेयर या 2.5 एकड़ से कम हो
- (ii) **लघु जोत** (1 से 2 हेक्टेयर) तक
- (iii) **लघु - मध्यम** (2 से 4 हेक्टेयर)
- (iv) **मध्यम जोत** (4 से 10 हेक्टेयर)
- (v) **बड़ी जोत** 10 हेक्टेयर तथा इससे ऊपर।

55. केन्द्र सरकार की राजकोषीय स्थिति के खराब रहने की सम्भावना किन कारणों से है :

Central Governments situation is likely to be stressed because of :

- (1) सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों का कार्यान्वयन।
- Implementation of the recommendations of the Seventh Central Pay Commission*

- (2) चौदहवें वित्त आयोग की सिफारिशों के कारण राज्यों को ज्यादा आबंटन।
Larger devolution to the states arising out of recommendations of the Fourteenth Finance Commission.
- (3) वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) के कार्यान्वयन के कारण राज्यों को क्षतिपूर्ति।
Compensation to the states on implementation of GST
- (4) उपर्युक्त सभी। / All of the above

उत्तर- (4)/व्याख्या/ वर्ष 2015-16 में केन्द्र सरकार की राजकोषीय स्थिति खराब रहने की सम्भावना निम्न कारणों से है :

- (i) सातवें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों का क्रियान्वयन
(ii) चौदहवें वित्त आयोग की सिफारिशों के कारण राज्यों को ज्यादा आबंटन
(iii) वस्तु एवं सेवा कर (GST) के कार्यान्वयन के कारण राज्यों को क्षतिपूर्ति।
- हाल की कोरोना संक्रमण से उत्पन्न परिस्थितियों तथा पिछले कुछ वर्षों से आर्थिक गतिविधियों में मंदी के कारण केन्द्र सरकार की राजकोषीय स्थिति खराब रही है। वर्ष 2019-20 में राजकोषीय घाटा 4.6% रहा जबकि 2020-21 में यह 9.5% हो गया। वर्ष 2021-22 के बजट में राजकोषीय घाटा 6.8% अनुमानित है किन्तु राजकोषीय स्थिति में सुधार की संभावना कम है।

56. कौन-सा कर केवल भारत सरकार द्वारा लगाया जाता है?
Which tax is imposed solely by the Government of India?

- (1) बिक्री कर / Sales Tax
(2) उत्पाद कर / Excise Tax
(3) सीमा शुल्क / Custom duty
(4) चुंगी / Octroi duty

उत्तर- (3)/व्याख्या/ सीमा शुल्क केवल भारत सरकार द्वारा लगाया जाता है

भारत सरकार द्वारा लगाये जाने वाले कर

- (i) कृषि आय को छोड़कर आयकर
(ii) सीमा शुल्क (Custom Duty) - इसको Central Board of Excise and Customs (CBEC) द्वारा वसूला जाता है। आयात तथा निर्यातों पर कर वसूलने का अधिकार संवैधानिक रूप से केन्द्र को प्राप्त है।
(iii) GST से बाहर वस्तुओं पर उत्पाद शुल्क
(iv) निगम कर Corporation Tax इत्यादि।

57. भारत में वस्तु और सेवा कर (जीएसटी) की निम्नलिखित में से क्या विशेषताएं हैं ?

GST in India will be characterised by which of the following features?

नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

Choose the correct answer from the codes given below :

- (a) केन्द्र और राज्यों की दोहरी जीएसटी व्यवस्था होगी।
There will be a dual GST with Centre and the state.

- (b) उदगम आधारित कर के विरुद्ध यह गंतव्य आधारित कर होगा।

It would be a destination based tax as against the origin based tax.

- (c) यह मानव उपभोग के लिए अल्कोहल को छोड़कर सभी वस्तुओं और सेवाओं पर लागू होगा।

It would apply to all goods and services excluding alcohol for human consumption.

कूट / Codes :

- (1) उपर्युक्त सभी सत्य हैं।
(2) केवल (a) सत्य है।
(3) (a) और (b) दोनों सत्य हैं।
(4) केवल (b) और (c) सत्य हैं।

उत्तर- (1)/व्याख्या/ GST मूल्य वर्धित कर है जो घरेलू उपभोग में आने वाली वस्तुओं व सेवाओं पर वसूला जाता है। भारत में GST में केन्द्र तथा राज्यों की दोहरी व्यवस्था है तथा GST गंतव्य आधारित कर है। देश में अंतर्राज्यीय वस्तुओं व सेवाओं पर IGST-Integrated Goods and Service Tax लगाया जाता है।

भारतीय संसद द्वारा 101वें संविधान संशोधन 2016 के द्वारा पूरे देश में 1 जुलाई 2017 से GST प्रभावी हुआ। अनुच्छेद 279-A के तहत इसमें (GST) काउंसिल की भी व्यवस्था है। जिसमें निर्णय के लिए 1/3 केन्द्र तथा 2/3 राज्य वोटिंग का अधिकार रखते हैं तथा केन्द्रीय वित्त मंत्री इसका अध्यक्ष होता है।

58. निम्नलिखित पर विचार करें :

Consider the following :

- (a) बाँड पर ब्याज दर / Interest rate on bonds
(b) मुद्रास्फीति की दर / Rate of inflation
(c) बचत-निवेश अनुपात / Ratio of savings, to investment
- फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा वेग किन उपर्युक्त तथ्यों पर निर्भर करता है? सही उत्तर के लिए कूटों का चयन करें।

The velocity of money according to Friedman depends upon which of the above factors?

Choose the code to answer.

कूट / Codes :

- (1) (a), (b) और (c) (2) (b) और (c)
(3) (a) और (b) (4) केवल (c)

उत्तर- (3)/व्याख्या/ फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा का वेग (v) बाँड पर ब्याज दर तथा मुद्रास्फीति की दर पर निर्भर करता है। फ्रीडमैन मौद्रिकवादी अर्थशास्त्री थे। इनका मानना था कि स्थिरीकरण में मौद्रिक नीति अधिक प्रभावी होती है तथा अर्थव्यवस्था प्राकृतिक बेरोजगारी की दर के साथ पूर्ण रोजगार में रहती है। मुद्रा पूर्ति का केवल कीमतों पर प्रभाव पड़ता है तथा मुद्रा की मांग का फलन एक स्थिर फलन है।

59. किस देश ने विश्व में सर्वप्रथम कागजी मुद्रा का प्रचलन आरम्भ किया?

Which country introduced paper currency system first in World?

- (1) इंग्लैंड / England (2) सं. रा. अ. / U S A
(3) भारत / India (4) स्वीडन / Sweden

उत्तर- (4)/व्याख्या/ स्वीडन ने विश्व में सर्वप्रथम कागजी मुद्रा का प्रचलन आरम्भ किया।

बैंक नोट, कागजी मुद्रा एक प्रकार का सरकार का (केन्द्रीय बैंक) घोषणा पत्र होता है जो वैधानिक मुद्रा के रूप में प्रयोग किया जाता है। इसमें नोट जारी करने वाला प्राधिकरण घोषणा करता है कि मांगे जाने पर उस नोट मूल्य के बराबर धनराशि दी जाएगी।

पत्र मुद्रा का इतिहास में सर्वप्रथम प्रयोग 806 AD में चीन में किया गया जहाँ "Flying Currency" के रूप में बैंक नोट जारी किए गए। भुगतान के रूप में विधिवत रूप से चलन में पत्र मुद्रा को यूरोप में 1661 में स्वीडन के केन्द्रीय बैंक Sverige & Riksbank द्वारा प्रारम्भ किया गया। निरन्तर बैंक नोट जारी करने वाला पहला बैंक Bank of England था।

60. वर्ष 2014 में अर्थशास्त्र का नोबल पुरस्कार किसे प्रदान किया गया था?

The 2014 Nobel Prize in Economics was awarded to :

- (1) लार्स पीटर हैन्सेन / Lars Peter Hansen
(2) ज्यां ट्राउले / Jean Triole
(3) एल्वीन ई. रोथ / Alvin E. Roth
(4) पॉल क्रुगमैन / Paul Krugman

उत्तर- (2)/व्याख्या/ वर्ष 2014 में अर्थशास्त्र का नोबल पुरस्कार ज्यां ट्राउले का प्रदान किया गया था।

Year	Economist (s)	Nobel Prize for
2014	Jean (France) Tirole	For his analysis of market power and regulation
2015	Angus Deaton (UK, US)	For analysis of Consumption Poverty and Welfare
2016	Oliver Hard and Bengt Holmstrom (Finland and UK,US)	Contract Theory
2017	Richard Thaler (U.S)	For contribution to behavioural Economics
2018	William Nordhaus and Paul Romar (U.S)	For integrating climate change into long run macroeconomic analysis
		For integrating technological innovation & into long-run macroeconomic analysis
2019	Abhijit Banerjee Esther Duflo Michael Kremer	For their experimental approach to alleviating global poverty
2020	Paul Milgrom Robert B. Wilson	For improvements to auction theory and inventions of new auction formats.

61. पर्यावरणीय अर्थशास्त्र में हरमन डेली ने प्रतिपादित किया है :
In environmental economics Herman Daly has formulated :

- (1) स्टेपअप उपागम / Step up approach
(2) स्थान प्रयोग उपागम / Space utilisation approach

- (3) पारिस्थितिकी उपागम / Ecological approach
(4) सतत् - अवस्था उपागम / Steady - state approach

उत्तर- (4)/व्याख्या/ हरमन डेली ने 1870 के दशक की वृद्धि अर्थव्यवस्था के विकल्प के रूप में 'सतत अवस्था उपागम' की अवधारणा का वर्णन किया जिसके अन्तर्गत एक निम्न दर की प्रवाह क्षमता द्वारा नियत जनसंख्या और नियत पूँजी स्टॉक के साथ अर्थव्यवस्था को संचारित किया गया जो पारिस्थितिकी तंत्र के पुनर्योजी सदृश्यकरण क्षमता के भीतर है।

62. सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष के चयन के लिए किसकी अध्यक्षता में उच्चाधिकार पैनल गठित की है :

High powered panel to select the non-executive chairman of public sector banks has been constituted by Government under the chairmanship of :

- (1) सी. रंगराजन / C. Rangarajan
(2) रघुराम राजन / Raghuram Rajan
(3) विमल जलान / Bimal Jalan
(4) वाई. वी. रेड्डी / Y. V. Reddy

उत्तर- (2)/व्याख्या/ सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के गैर कार्यकारी अध्यक्ष के चयन के लिए रघुराम राजन की अध्यक्षता में उच्चाधिकार पैनल गठित किया गया था।

- वित्तीय क्षेत्र के सुधार के लिए 2007 में गठित कमेटी की अध्यक्षता रघुराम राजन ने की।

63. अभिकथन (A) : निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है।

Assertion (A) : The share of women in decision making process is gradually increasing.

कारण (R) : महिलाओं के ज्यादा शामिल होने का तात्पर्य लिंगाधारित बजट की सामान्य बजट में ज्यादा हिस्सेदारी है।

Reason (R) : Greater inclusion of women involves greater share of gender budget in general budget

उपर्युक्त कथनों में से क्या सही है :

Of the above statements, which one is correct :

कूट / Codes :

- (1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is correct explanation of (A)
(2) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is not the correct explanation of (A)
(3) (A) सत्य है लेकिन (R) असत्य है।
(A) is true but (R) is false
(4) (R) सत्य है लेकिन (A) असत्य है।
(R) is true but (A) is false.

उत्तर- (1)/व्याख्या महिलाओं के सशक्तीकरण हेतु बजट को महिलाओं के विकास के लिए संवेदशील बनाया गया जिसे लैंगिक बजट नाम दिया गया। ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर व सशक्त बन सकें। इसी का परिणाम है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की हिस्सेदारी धीरे-धीरे बढ़ती है।
अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

- 64. भारत के 'ग्रीन एक्शन्स' को प्रभावकारी बनाया जा सकता है :**
India's 'Green Actions' can be made effective by :
- (1) पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में वृद्धि कर
Increase in excise duty on petrol and diesel
 - (2) कोयला उपकर को 'कार्बन कर' में परिवर्तित कर।
Translating coal, cess into a 'carbon tax'
 - (3) ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों को प्रोत्साहित कर।
Significantly promoting the renewable sources of energy.
 - (4) ऊपर्युक्त सभी।/ All of the above.

उत्तर- (4)/व्याख्या भारत के ग्रीन एक्शन को प्रभावकारी बनाया जा सकता है -

1. पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में वृद्धि तथा अतिरिक्त आय का प्रयोग हरित कार्यक्रमों में हो।
2. कोयला उपकर को 'कार्बन कर' में परिवर्तित करके।
3. ऊर्जा के नवीनीकृत स्रोतों को प्रोत्साहित करके।
4. राष्ट्रीय आय लेखांकन में हरित लेखांकन को अपनाकर
5. कार्बन उत्सर्जन को हतोत्साहित करके

- 65. निम्नलिखित में से क्या लियोन्टिफ की स्थैतिक मॉडल की आर्थिक व्यवहार्यता और प्रौद्योगिकीय साध्यता की शर्तें हैं?**
Which of the following are the conditions of economic viability and technological feasibility of Leontief's static model?

- (1) कुन-टुकर शर्तें / Kuhn - Tucker conditions
- (2) हॉकिन्स - साइमन शर्तें/Hawkins - Simon conditions
- (3) क्लीन - रुबिन शर्तें/Klein - Rubin conditions
- (4) वॉन न्यूमैन - मोगेन्स्टर्न शर्तें
Von Neumann - Morgenstern conditions

उत्तर- (2)/व्याख्या हॉकिन्स साइमन शर्तें

● लियोन्टिफ के स्थैतिक मॉडल की आर्थिक व्यवहार्यता और प्रौद्योगिकीय साध्यता के लिए हॉकिन्स-साइमन ने दो शर्तें प्रस्तुत की जो मुख्यतः एक में ही समाहित है इसके अनुसार आब्यूह (I-A) के सभी प्रधान उपसारणिक धनात्मक हो। (The Determinants of the matrix |I-A| must always should be positive - |I-A|>0) तथा दूसरी शर्त है कि लियोन्टिफ मैट्रिक्स के सभी प्रधान अवयव धनात्मक हो।

- कुन टुकर शर्तें first order necessary conditions हैं जो non-linear programming का अनुकूलतम हल प्रदान करती हैं।

- 66. दिया गया मांग फलन है $P = \frac{1}{4}q^{-1/2}$, $q = 25$ पर उपभोक्ता के अधिशेष है :**

Given the demand function as $P = \frac{1}{4}q^{-1/2}$, consumer's surplus at $q = 25$ is :

- (1) 1.12
- (2) 1.25
- (3) 1
- (4) 0.5

उत्तर- (2)/व्याख्या 1.25

$$\text{मांग फलन } P = \frac{1}{4}q^{-1/2}$$

जहाँ $q = 25$

$$P = \frac{1}{4}(25)^{-1/2}$$

$$P = \frac{1}{4}(5^2)^{-1/2}$$

$$P = \frac{1}{4}(5)^2 \left(\frac{-1}{2} \right)$$

$$= \frac{1}{4}(5)^{-1}$$

$$= \frac{1}{4 \times 5}$$

$$= \frac{1}{20} = 0.05$$

$$P = 0.05$$

$$C.S. = \int_0^q p dq - p \cdot q$$

$$= \int_0^{25} \frac{1}{4}(q)^{-1/2} dq - 0.05 \times 25$$

$$= \frac{1}{2} \left[\frac{q - \frac{1}{2} + 1}{\frac{-1}{2} + 1} \right]^{25} - 0.05 \times 25$$

$$= \frac{2}{4} \left[\frac{q^{1/2}}{1/2} \right]^{25} - 0.05 \times 25$$

$$= \frac{2}{4} \left[q^{1/2} \right]^{25} - 1.25$$

$$= \frac{2}{4} [25]^{1/2} - 1.25$$

$$= \frac{2}{4} (5^2)^{1/2} - 1.25$$

$$= \frac{2}{4}(5)^{\frac{1}{2}} - 1.25$$

$$= \frac{2}{4}(5) - 1.25$$

$$= 2.5 - 1.25 = 1.25$$

C.S. = 1.25

67. मांग फलन के $P = 20 - 2q$ के दिए होने पर $q = 3$ पर औसत और सीमान्त आगम का मान क्रमशः होगा :

Given the demand function as $P = 20 - 2q$, the average and marginal revenue at $q = 3$ are respectively :

- (1) 6 और 12 (2) 7 और 12
(3) 8 और 14 (4) 11 और 15

उत्तर- (3)/व्याख्या/ 8 और 14

मांग फलन $P = 20 - 2q$

$$q = 3$$

$$AR = ? \quad MR = ?$$

यहाँ $TR = P \cdot q = (20 - 2q) \times q \Rightarrow 20q - 2q^2$

$$P = 20 - 2 \times 3$$

$$P = 20 - 6$$

$$P = 14$$

$$TR = P \cdot q = 14 \times 3$$

$$TR = 42$$

$$AR = \frac{TR}{q} = \frac{42}{3} = 14$$

$$AR = 14$$

$$MR = \frac{d}{dq}(TR) = \frac{d}{dq}(20q - 2q^2) = \frac{d(20q - 2q^2)}{dq}$$

$$= 20 - 4q$$

$$= 20 - (4 \times 3)$$

$$= 20 - (12)$$

$$= 8$$

$$MR = 8$$

इस प्रकार

$$AR = 14, MR = 8$$

68. दो चर रैखीय समाश्रयण मॉडल के लिए परिकल्पना के सांख्यिकी परीक्षण के संदर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है ?

Which of the following is true in the context of statistical tests of hypotheses for two variable linear regression model :

- (1) $t^2 > F$ (2) $t^2 < F$
(3) $t^2 = F$ (4) $t = F$

उत्तर- (3)/व्याख्या/ दो चर रैखीय समाश्रयण मॉडल के लिए

परिकल्पना के सांख्यिकी परीक्षण के संदर्भ में सही होगा $t^2 = F$

दो चरों X तथा Y के लिए linear equation होगा

$$Y = a + bx$$

यहाँ a = intercept, b = slope

दो चर रैखीय समाश्रयण मॉडल

$$Y_i = \beta_0 + \beta_1 X_i + e_i$$

β_0 = regression constant or intercept

अर्थात् Y का मूल्य जबकि X शून्य हो।

β_1 = ढाल (slope)

e_i = error term - यह random error को दर्शाता है।

अर्थात् दैवीय तत्व जो Y में उच्चावचन लाते हैं उन्हें e_i से मापा गया है।

69. डिकी-फूलर परीक्षण के माध्यम से कालश्रेणी की स्थिरता को जाँचने के लिए कौन-सा मॉडल सही है?

Which is the correct form of model to test the stationarity of a time series through Dicky-Fuller test ?

- (1) $Y_t = \lambda Y_{t-1} + \mu_t$ (2) $Y_t = Y_{t-1} + \lambda \mu_t$
(3) $Y_t = \lambda_{t+1} + \mu_t$ (4) $\Delta Y_t = \lambda Y_{t-1} + \mu_t$

उत्तर- (1)/व्याख्या/ डिकी-फूलर परीक्षण के माध्यम से कालश्रेणी

की स्थिरता को जाँचने के लिए- $Y_t = \lambda Y_{t-1} + \mu_t$ मॉडल सही होगा।

Time Series - Time series is a sequence of numerical data, within a particular time समय के किसी माप (वर्ष, माह, दिन) के आधार पर सम्बद्ध समकों के व्यवस्थित क्रम को काल श्रेणी तथा समय की गति के साथ-साथ इन मूल्यों में होने वाले उच्चावचनों का विधिवत अध्ययन Time Series Analysis कहलाता है। काल श्रेणी को ऐतिहासिक चर मूल्य (Historical Variables) भी कहते हैं।

स्थिर (Stationary and Non Stationary Process) - A stochastic process said to be stationary if its mean and variance are constant overtime.

जैसे, यदि वर्ष की मासिक आय प्रत्येक माह 20,000 है तो इसका mean and variance स्थिर होगा क्योंकि उच्चावचन नहीं पाया जाता। ऐसी प्रक्रिया स्थिर (Stationary) होगी। इस प्रक्रिया को **Weakly Stationary** भी कहा जाता है। (स्थिर प्रक्रिया में प्रायिकता वितरण) के सभी क्षणों में बदलाव नहीं होता।

In stationary process all the moments of Probability Distribution are invariant -

Stationary Model की विभिन्न विशेषताएँ

$$\text{Mean } E(Y_t) = \mu - (0)$$

$$\text{Variance - var } (Y_t - \mu)^2 = \sigma^2 - 1 \text{ (constant)}$$

$$\text{Covariance } yK = E(Y_t - \mu) Y_t + K - \mu$$

Y_t = random variable

Unit root test

Unit root test is used to know the whether a series is stationary or non-stationary unit root test का प्रयोग काल श्रेणी

की स्थिरता अथवा अस्थिरता को जाँचने के लिए प्रयोग किया जाता है।

The unit root test is a non-stationary process.

70. रेखीय निष्पक्ष आकलन (बी एल यू ई) में 'सर्वोत्तम' पद का तात्पर्य है :

The term 'best' in the best linear unbiased estimators (BLUE) implies :

- (1) आकलन का अधिकतम विचरण
Maximum variance of the estimators
- (2) आकलन का न्यूनतम विचरण
Minimum variance of the estimators
- (3) आकलन का औसत विचरण
Average variance of the estimators
- (4) आकलन का निष्पक्ष विचरण
Unbiased variance of the estimators

उत्तर- (2)/व्याख्या/ रेखीय निष्पक्ष आकलन (BLUE) के सर्वोत्तम पद का तात्पर्य आकलन का न्यूनतम विचरण है।

BLUE - Best Linear Unbiased Estimators में 'Best' का अर्थ minimum variance of the estimators है।

Estimator

In statistics, an estimator is a rule for calculating an estimate of a given quantity based on observed data.

There are two types of estimators :

- (i) Point estimators
- (ii) Interval estimators
- (i) **Point estimators** - A point estimate of a population parameter is a single value of a statistic.
- (ii) **Interval estimators** - An Interval estimators is defined by two numbers between which a population Parameter is said to lie.

An estimator is BLUE if the following hold :

- (i) It is linear (Regression model)
- (ii) It is unbiased.
- (iii) It is an efficient estimator (unbiased estimator with least variance)

BLUE

B - Best, L- Linear, U- Unbiased, E- Estimator

71. निम्नलिखित को सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

Match the following and answer from codes given below :

सूची - I	सूची-II
(a) डर्विन का एच परीक्षण Durbin's h test	(i) विषम विचालिका Heteroscedasticity
(b) गोल्डफेल्ड-क्वेन्ट परीक्षण Goldfeld-Quandt test	(ii) प्रतिगमन की समग्र सार्थकता Overall significance

of a regression

(c) एफ - परीक्षण
F - Test

(iii) श्रेणी की स्थिरता
Stationarity of a series

(d) डिकी फूलर परीक्षण
Dickey - Fuller test

(iv) स्वतः प्रतिगामी मॉडल में स्वतः सहसंबंध
Auto-correlation in auto-regressive models

कूट / Codes :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर- (3)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) डर्विन का H-test	(iv) स्वतः प्रतिगामी मॉडल में स्वतः सहसंबंध
(b) गोल्ड फेल्ड-क्वेन्ट परीक्षण	(i) विषम विचालिका
(c) F- परीक्षण	(ii) प्रतीपगम की समग्र सार्थकता
(d) डिकी फूलर परीक्षण	(iii) श्रेणी की स्थिरता

72. एक युगपत् समीकरण निकाय में किसी अति-निर्धारित समीकरण के आकलन की उचित विधि है :

In a simultaneous equations system for an over-identified equation the appropriate method of estimation is :

- (1) साधारण न्यूनतम वर्ग पद्धति
Ordinary Least squares Method
- (2) अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग, पद्धति
Indirect Least Squares Method
- (3) द्वि - चरणीय न्यूनतम वर्ग पद्धति
Two-stage Least Squares Method
- (4) सीमित सूचना अधिकतम सम्भाव्यता पद्धति
Limited information maximum Likelihood Method

उत्तर- (2)/व्याख्या/ एक युगपत् समीकरण निकाय में किसी अति-निर्धारित समीकरण के आकलन की उचित विधि-अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग पद्धति है।

73. रिकर्सिव प्रणाली के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?

Which of the following statements are true concerning a recursive system?

- (a) प्रत्येक समीकरण के लिए न्यूनतम वर्ग को पृथक् अनुप्रयोग करते हुए प्राचलों को वैधता से आकलित किया जा सकता है।
The parameters can be validly estimated using separate application of OLS to each equation
- (b) स्वतंत्र चर अन्य समीकरणों में त्रुटि पद के साथ सहसंबंधित हो सकता है।

The independent variables may be correlated with the error terms in other equations.

- (c) 2 SLS के अनुप्रयोग से निष्पक्ष लेकिन अकुशल प्राचलों का आकलन होगा।

An application of 2SLS would lead to unbiased but inefficient parameter estimates.

- (d) स्वतंत्र चरों की उन समीकरणों में जिसमें वे स्वतंत्र चर के रूप में प्रकट होते हैं त्रुटि पद के साथ सहसंबंधित किए जा सकते हैं।

The independent variables may be correlated with error terms in the equations in which they appear as independent variables.

- (1) केवल (b) और (d) (2) केवल (a) और (c)
(3) केवल (a), (b) और (c) (4) (a), (b), (c) और (d)

उत्तर- (3)/व्याख्या/ रिकर्सिव प्रणाली के सम्बन्ध में सही है-

- (a) प्रत्येक समीकरण के लिए न्यूनतम वर्ग को पृथक् अनुप्रयोग करते हुए प्राचलों को वैधता से आकलित किया जा सकता है।
(b) स्वतंत्र चर अन्य समीकरणों में त्रुटि पद के साथ सहसंबंधित हो सकता है।
(c) 2 SLS के अनुप्रयोग से निष्पक्ष लेकिन अकुशल प्राचलों का आकलन होगा।

74. बहु चर प्रतिगमन में प्रतिगमन गुणांकों का परीक्षण किया जाना है। किस परीक्षण का प्रयोग होगा?

In a multiple regression the regression coefficients are to be tested. Which test would be used?

- (1) F परीक्षण (2) χ^2 (काई वर्ग) परीक्षण
(3) d परीक्षण (4) t परीक्षण

उत्तर- (4)/व्याख्या/ बहुचर प्रतिगमन गुणांकों के परीक्षण के लिए t परीक्षण का प्रयोग किया जाता है।

t- Distribution की संकल्पना को William Sealy Gosset ने दिया।

$$t = \frac{\bar{x} - \mu}{S} \sqrt{n}$$

जहां $\bar{x}$ = प्रतिदर्श माध्य

μ = समग्र का माध्य

S = प्रमाप विचलन (समग्र का)

75. सी. ई. एस. उत्पादन फलन में

In CES Production function

$$Q = A \left[\alpha X_1^{-p} + (1 - \alpha) X_2^{-p} \right]^{-\frac{1}{p}}$$

जहां Q उत्पादन और X_1 और X_2 श्रम और पूंजी है नीचे दिए गए कुटों से सही विकल्प का चयन करें।

Where Q is output and X_1 and X_2 are labour and capital, choose the correct alternative from given codes.

- (a) दक्षता प्राचल (i) μ
Efficiency Parameter

- (b) वितरण प्राचल (ii) p
Distribution Parameter

- (c) प्रतिस्थापन प्राचल (iii) α
Substitution Parameter

- (d) पैमाने के प्रतिफल का प्राचल (iv) A
Returns to scale parameter

कूट / Codes :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(2)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर- (3)/व्याख्या/ CES या Constant Elasticity of Substitution

उत्पादन फलन

$$Q = A \left[\alpha X_1^{-p} + (1 - \alpha) X_2^{-p} \right]^{-\frac{1}{p}}$$

इसे ऐरो, चेनरी, मिनहास तथा सोलो ने दिया।

इसकी अधिकतर विशेषताएं कॉब-डगलस उत्पादन फलन के समान है अतः इसे C.D उत्पादन फलन का विस्तृत रूप माना जाता है।

उत्पादन फलन में

दक्षता प्राचल = A

वितरण प्राचल = α

प्रतिस्थापन प्राचल = p

पैमाने के प्रतिफल का प्राचल = μ

Elasticity of Substitution $\delta = \frac{1}{1+p}$

$p = -1 \rightarrow \delta = \infty$ - Perfect substitution

$p = -0 \rightarrow \delta = 1$ - Unit elasticity of substitution

$\alpha > 1 \rightarrow$ Factor of Production will be good substitute

$\alpha < 1 \rightarrow$ Bad substitute

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. गॉसेन का द्वितीय नियम किसे कहा जाता है?

Which is called Gossen's Second Law?

(A) सम-सीमांत उपयोगिता का नियम

Law of Equi-marginal Utility

(B) हासमान सीमांत उपयोगिता का नियम

Law of Diminishing Marginal Utility

(C) प्रकटित अधिमानता सिद्धांत

Revealed Preference Theory

(D) तटस्थता वक्र अभिगम

Indifference Curve Approach

उत्तर- (A) व्याख्या गॉसेन का द्वितीय नियम सम-सीमांत उपयोगिता नियम को कहा जाता है।

सम-सीमांत उपयोगिता का नियम- प्रत्येक उपभोक्ता के सामने सबसे प्रमुख समस्या अपने सीमित साधनों को विभिन्न प्रयोगों या विभिन्न वस्तुओं के क्रय के सम्बन्ध में इस प्रकार बाँटवारे की है जिससे उपभोक्ता को अधिकतम संतुष्टि प्राप्त हो सके।

मार्शल ने इस सम्बन्ध में उपयोगिता की संख्यात्मक माप पर आधारित सम-सीमान्त उपयोगिता नियम का प्रतिपादन किया। उपभोग के इस महत्वपूर्ण सिद्धान्त की सर्वप्रथम व्याख्या गॉसेन (Gossen) ने की इसलिए इसे गॉसेन का द्वितीय नियम कहा जाता है।

क्रमागत उपयोगिता हास नियम को गॉसेन का प्रथम नियम कहा जाता है।

मार्शल के अनुसार यदि कोई उपभोक्ता अपने सीमित संसाधनों को अपनी विभिन्न आवश्यकताओं में बाँटे जिससे उसके द्वारा विभिन्न आवश्यकताओं पर खर्च की जाने वाली संसाधन की इकाई से समान या लगभग समान उपयोगिता प्राप्त हो तो उनसे प्राप्त कुल उपयोगिता अधिकतम होगी।

एक उपभोक्ता संस्थिति में तब होगा जबकि -

$\frac{X \text{ की सीमान्त उपयोगिता}}{X \text{ का मूल्य}} = \frac{Y \text{ की सीमान्त उपयोगिता}}{Y \text{ का मूल्य}}$

or $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y} = \text{मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता } (MU_m) \text{ जो स्थिर है।}$

or $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y} = MU_m (\text{constant}) \Rightarrow \frac{MU_x}{MU_y} = \frac{P_x}{P_y}$

जब तक $\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y} = \dots \dots \dots \frac{MU_n}{P_n} = MU_m$

की स्थिति न प्राप्त हो जाए तब तक प्रतिस्थापन चलता रहेगा। संस्थिति में विभिन्न वस्तुओं की सीमान्त उपयोगिता तथा मूल्य का अनुपात परस्पर बराबर हो इसलिए इसे आनुपातिकता का नियम भी कहते हैं।

2. जब कोई उपभोक्ता साम्यावस्था में है, MRS_{xy} 2.5 होता है। अगर वस्तु Y का मूल्य 16 है, तो वस्तु X का मूल्य क्या होगा?
When a consumer is in equilibrium, MRS_{xy} is 2.5. If the price of commodity Y is 16, then what will be the price of commodity X?

(A) 40

(B) 6.4

(C) 23.2

(D) 24

उत्तर- (A) व्याख्या 40

$$MRS_{xy} = \frac{MU_x}{MU_y} = \frac{P_x}{P_y}$$

दिया है- $MRS_{xy} = 2.5, P_y = 16$

$$\Rightarrow 2.5 = \frac{P_x}{16}$$

$$\Rightarrow P_x = 2.5 \times 16$$

$$\Rightarrow P_x = 40.0$$

3. एकाधिकार वाली प्रतिस्पर्धा में निम्नांकित में से कौन-सी शर्त दीर्घकालीन साम्य का समर्थन करती है?

Which of the conditions support long run equilibrium in monopolistic competition?

(A) $MR = MC, AR = AC$

(B) $P = MC, AR = AC$

(C) $MR = MC = AR = AC$

(D) $AR = MC = AC$

उत्तर- (C) व्याख्या एकाधिकारिक प्रतिस्पर्धा (Monopolistic Competition) में दीर्घकालीन साम्य की शर्त है - $MR = MC, AR = AC$

एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता जिसे चैम्बरलिन ने 1933 में अपने लेख 'The Theory of Monopolistic Competition' में प्रस्तुत किया उस बाजार स्थिति से सम्बन्ध रखती है जिसमें एक विभेदीकृत वस्तु की कई फर्मों विक्रेता हो। बहुत हद तक समान वस्तुएं उत्पादित करने वाली फर्मों में तीव्र प्रतियोगिता तो हो किन्तु पूर्ण प्रतियोगिता नहीं।

विशेषताएं -

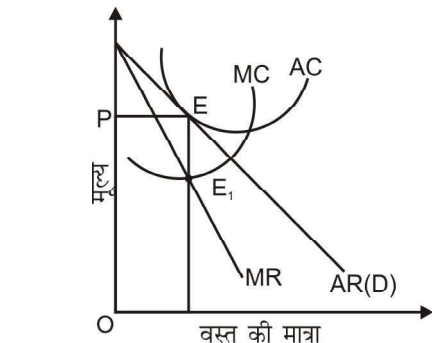
1. क्रेताओं व विक्रेताओं की अधिक संख्या

2. **वस्तु विभेदीकरण** - वस्तु विभेदीकरण कई प्रकार से होता है। जैसे - वस्तुओं की गुणवत्ता में परिवर्तन लाकर, विज्ञापन एवं प्रचार द्वारा जिससे वस्तु की मांग कम लोचदार हो, पेटेंट अधिकार व ट्रेडमार्क द्वारा।

3. फर्मों के प्रवेश व निकास की स्वतंत्रता

4. उत्पादन के साधनों के मूल्य तथा प्रौद्योगिकी दी गई है।

5. अल्पकाल व दीर्घकाल दोनों में ही फर्म का प्रमुख उद्देश्य लाभ को अधिकतम करना है।
6. पूरे समूह में सभी फर्मों के उत्पादों के लिए मांग तथा लागत वक्र एक रूप के हैं।
7. एकाधिकारिक प्रतियोगिता के विश्लेषण के लिए चैम्बरलिन 'उद्योग' की जगह 'समूह' की धारणा का प्रयोग करते हैं। 'समूह' ऐसी फर्मों का सम्मिलित रूप है जो किसी वस्तु की अत्यन्त ही नजदीकी स्थानापन्न वस्तुओं का उत्पादन करते हैं तथा फर्मों द्वारा उत्पादित वस्तुएं परस्पर प्राविधिक व आर्थिक स्थानापन्न होनी चाहिए। प्राविधिक स्थानापन्न का अर्थ है कि वस्तुओं में एक ही आवश्यकता की संतुष्टि की क्षमता है। आर्थिक स्थानापन्नता से अभिप्राय है कि वस्तुओं में न केवल एक ही आवश्यकता की संतुष्टि की इच्छा है बल्कि उनके मूल्य भी लगभग समान हैं।
8. मांग वक्र बाएं से दाएं नीचे गिरता हुआ होगा। सबसे पहले स्त्राफा ने वस्तु विभेद को गिरते हुए मांग वक्र का आधार बनाया बाद में चैम्बरलिन ने इसे विस्तृत किया।
- अल्पकाल में फर्म असामान्य लाभ, हानि की स्थिति तथा सामान्य लाभ अर्जित कर सकती है किन्तु दीर्घकाल में फर्मों को केवल सामान्य लाभ प्राप्त होगा। प्रारम्भ में जैसे ही फर्म अधिक लाभ अर्जित करेगी, फर्मों का स्वतंत्र प्रवेश व बहिर्गमन होने के कारण नयी फर्म बाजार में प्रवेश करेगी जिससे AR में कमी होगी और फर्म सामान्य लाभ प्राप्त करेगी।



एकाधिकारी प्रतियोगिता - दीर्घकालिक संतुलन

↓
MR = MC — (चित्र में E₁ पर)
मूल्य (AR) = AC → (चित्र में E पर)
किन्तु AR > MC

दीर्घकालीन संतुलन

पूर्ण प्रतियोगिता	एकाधिकार	एकाधिकारिक प्रतियोगिता
MR = MC	MR = MC	MR = MC
मूल्य (AR) = MC	मूल्य (AR) > MC	मूल्य (AR) = AC
= AC	तथा AR > MC	पर AR > MC

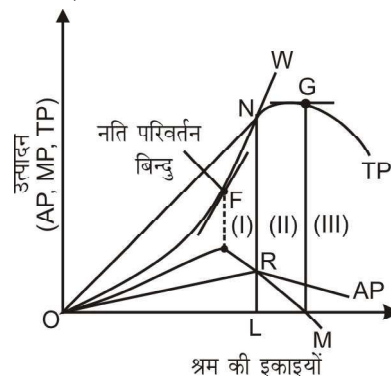
4. पहली बार मूल्य निर्धारण में समय कारकों के महत्त्व को किसने स्पष्ट किया?
Who explained importance of time element in price determination, for the first time?

- (A) चैम्बरलिन / Chamberlin
(B) स्टिगलर / Stigler
(C) मिसेज जॉन राबिन्सन / Mrs. Joan Robinson
(D) मार्शल / Marshall

उत्तर- (D) व्याख्या मार्शल ने मूल्य निर्धारण में समय कारक की भूमिका की व्याख्या की क्योंकि आपूर्ति की स्थिति समय के साथ बदलती रहती है तथा अतिरिक्त आपूर्ति की अनुक्रिया के आधार पर मांग में स्थायी रूप से परिवर्तन हो जाता है। मार्शल ने तीन समय अवधियों की व्याख्या की यथा बाजार अवधि अल्पकाल व दीर्घकाल।

5. **हासमान प्रतिलाभ का नियम तब लागू होता है जब :**
Law of diminishing returns begins to operate when :
(A) कुल उत्पाद में वृद्धि शुरू हो जाती है।
Total product begins to rise.
(B) कुल उत्पाद में गिरावट आने लगती है।
Total product begins to fall.
(C) सीमांत उत्पाद में वृद्धि होने लगती है।
Marginal product begins to rise.
(D) सीमांत उत्पाद में गिरावट आने लगती है।
Marginal product begins to fall.

उत्तर- (D) व्याख्या यदि एक आगत (input) परिवर्तनशील हो और अन्य सभी आगत स्थिर हो, तो फर्म का उत्पादन फलन परिवर्तनशील अनुपात के नियम को प्रकट करेगा जो अल्पकाल में उत्पादन के नियम है। 'अपरिवर्तनशील साधनों की मात्रा को स्थिर रखते हुए जब परिवर्तनशील साधनों की और अधिक इकाइयों का प्रयोग किया जाता है तो एक ऐसा बिन्दु प्राप्त होता है जिसके बाद पहले सीमान्त उत्पादन, फिर औसत उत्पादन और अन्त में कुल उत्पादन घट जाएगा।



प्रथम अवस्था (उत्पादन वृद्धि नियम का क्रियाशीलन)
चित्र में प्रारम्भ से N बिन्दु तक प्रथम अवस्था कार्यरत है। यहां F बिन्दु तक TP वक्र का ढाल बढ़ रहा है अर्थात् इस बिन्दु तक कुल उत्पादन बढ़ती दर से बढ़ रहा है जिसका आशय है कि सीमान्त उत्पादन बढ़ रहा है किन्तु F के बाद TP घटती दर से बढ़ता है। F बिन्दु के बाद MC अधिकतम होने के बाद गिरने लगता है। किन्तु प्रथम अवस्था में MC, AC से अधिक है। प्रथम अवस्था के अन्त में AC अधिकतम व MC के बराबर हो जाता है।

इस नियम की प्रथम अवस्था में बढ़ते हुए प्रतिफल का मुख्य कारण है कि प्रारम्भ में परिवर्तनशील साधन की अपेक्षा स्थिर साधन की मात्रा अधिक होती है जैसे-जैसे परिवर्तनशील साधन बढ़ाए जाते हैं स्थिर साधनों का गहन प्रयोग होता है जिससे उत्पादन तेजी से बढ़ता है।

द्वितीय अवस्था - दूसरी अवस्था वहां प्रारम्भ होती है जहां औसत उत्पादन वक्र (AP) अधिकतम स्थिति को प्राप्त करके घटना प्रारम्भ होता है तथा यहां $AP = MP$ होता है। इस अवस्था में दोनों AP व MP घटते हैं किन्तु धनात्मक होते हैं। इस अवस्था के अन्त में सीमान्त उत्पादन शून्य हो जाता है। इसके बाद कुल उत्पादन में भी कमी आने लगती है। इस अवस्था को 'उत्पादन ह्रास नियम की अवस्था' कहा जाता है।

तीसरी अवस्था - चित्र में G से प्रारम्भ है। यहां से TPAP घटता है तथा MP ऋणात्मक हो जाता है। इसे ऋणात्मक प्रतिफल की अवस्था कहते हैं।

कोई विवेकपूर्ण उत्पादक उस अवस्था में उत्पादन करेगा जहाँ स्थिर तथा परिवर्तनीय साधनों दोनों का पूर्ण प्रयोग हो तथा कुल उत्पादन अधिकतम हो। ऐसी अवस्था द्वितीय अवस्था है।

6. एजवर्थ ड्यूपोली मॉडल के संबंध में निम्नांकित कथनों पर विचार करें :

Consider the following statements regarding Edgeworth Duopoly model :

I. इसमें प्रतिस्पर्धी का उत्पाद निर्णय दिया गया माना जाता है।

It takes as given output decision of rival.

II. इसमें प्रतिस्पर्धी के मूल्य निर्णय को दिया गया माना जाता है।

It takes as given price decision of rival.

III. यह मूल्य कठोरता की व्याख्या है।

It is an explanation of price rigidity.

निम्नांकित में से कौन सा उत्तर सही है?

Of these, the correct answer is :

(A) केवल कथन I सही है। / Only statement I is true.

(B) I और II दोनों सही हैं। / Both I & II are true.

(C) II और III दोनों सही हैं। / Both II & III are true.

(D) केवल III सही है। / Only III is true.

उत्तर- (C)/व्याख्या/ II और III दोनों सही हैं।

द्वयाधिकार - अत्याधिकार की विशेष स्थिति है जिसमें मात्र दो विक्रेता होते हैं दोनों पूर्ण रूप से स्वतंत्र होते हैं तथा दोनों विक्रेताओं में किसी प्रकार का समझौता नहीं होता किन्तु एक की कीमत व उत्पादन का दूसरे पर प्रभाव पड़ता है। कूर्नों तथा एजवर्थ ने परस्पर निर्भरता की उपेक्षा की जबकि चैम्बरलिन ने परस्पर निर्भरता को स्वीकार किया।

एजवर्थ ने 1897 में प्रतिपादित अपने द्वयाधिकार मॉडल का विश्लेषण इस मान्यता पर किया कि प्रत्येक विक्रेता अपने प्रतिद्वन्दी की कीमत को स्थिर मानता है। उसने कूर्नों की सभी मान्यताओं को अपनाया सिवाय इसके कि प्रतिद्वन्दी का उत्पादन स्थिर रहता है।

इसके साथ ही एजवर्थ ने कुछ अन्य मान्यताओं को जोड़ा - प्रथम - दोनों विक्रेताओं की सीमित उत्पादकीय क्षमता है।

द्वितीय - अल्पकाल में वस्तु की भिन्न कीमतें हो सकती हैं।

तृतीय - कुल बाजार दोनों विक्रेताओं के बीच बराबर-बराबर बाँटी गई है।

एजवर्थ ने द्वयाधिकार में अनिश्चित व अस्थिर संतुलन को दिया जहां प्रतियोगी और एकाधिकारात्मक स्तरों के बीच कीमत में लगातार परिवर्तन होता रहता है।

7. सार्वजनिक वस्तु की विशेषता होती है।

Public goods are characterised by

(1) सामूहिक उपभोग / Collective consumption

(2) विभाज्यता / Divisibility

(3) बहिर्वेशन नहीं किया जाता / Non-exclusion

(4) प्रतिस्पर्धी उपभोग / Rival consumption

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :

Select the correct answer from the code given below :

कूट / Code :

(A) 1 और 2 सही हैं।

(B) 1 और 3 सही हैं।

(C) 1 और 4 सही हैं।

(D) 2 और 4 सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या/ सार्वजनिक वस्तु की विशेषता है-

(1) सामूहिक उपभोग

(3) बहिर्वेशन नहीं किया जाता है

ऐसी सभी वस्तुएं तथा सेवाएं जिनकी व्यवस्था बजट द्वारा की जाती है तथा इनका सामूहिक उपभोग सम्भव होता है अर्थात् किसी के उपभोग में वृद्धि दूसरे के उपभोग में कमी नहीं लायेगी। इन वस्तुओं के उपभोग से किसी व्यक्ति को इसलिए वंचित नहीं किया जा सकता कि वह उसकी कीमत नहीं चुका सकता। इसे अपवर्जन के सिद्धान्त का लागू न होना कहा जाता है। रक्षा, कानून व्यवस्था से जुड़ी सेवाएं, सामान्य प्रशासनिक सेवाओं पर व्यय को शुद्ध सार्वजनिक वस्तु के रूप में लिया जा सकता है।

8. निम्नांकित में कौन बाजार विफलता का कारण है?

Among the following what causes market failure?

1. बाह्यता / Externality

2. सूचना की असममितता / Asymmetry of information

3. पूर्ण प्रतिस्पर्धा / Perfect Competition

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन करें :

Choose the correct answer from the code given below :

कूट / Code :

(A) 1, 2 और 3 सही हैं।

(B) केवल 1 सही है।

(C) 1 और 2 सही हैं।

(D) 2 और 3 सही हैं।

उत्तर- (C)/व्याख्या/ बाजार विफलता का अर्थ है कि बाजार व्यवस्था अर्थात् कीमत तंत्र संसाधनों का अनुकूलतम वितरण कर पाने में सक्षम नहीं होता।

सामान्यतः बाजार विफलता के तीन प्रमुख कारण हैं -

पहला बाजार की अपूर्णता, अर्थात् पूर्ण प्रतियोगिता का अभाव, असममित सूचनाओं का पाया जाना, बाह्यताओं की उपस्थिति जो वस्तुओं के अधिक उत्पादन या अल्प उत्पादन को लाती है।

9. परम्परावादी अर्थशास्त्रियों ने मजदूरी-मूल्य लोचशीलता को मानते हुए इस बात पर बल दिया है कि मुद्रा मजदूरी और

मूल्य में गिरावट से निम्न स्थिति पैदा होती है

Assuming wage-price flexibility, the classical economists asserted that a decline in money wages and price would lead to

- (A) बेरोजगारी / Unemployment
(B) अवस्फीति / Deflation
(C) रोजगार और उत्पादन का उच्च स्तर
High level of employment and output
(D) बेरोजगारी और उत्पादन में गिरावट
Unemployment and decline in output

उत्तर- (C) व्याख्या परम्परावादी अर्थशास्त्रियों ने मजदूरी-मूल्य लोचशीलता को मानते हुए इस बात पर बल दिया कि मुद्रा-मजदूरी और मूल्य में गिरावट से रोजगार व उत्पादन के उच्च स्तर की स्थिति पैदा हो सकती है।

क्लासिकल अर्थशास्त्री स्वतंत्र बाजार व्यवस्था के समर्थक थे। परम्परावादी अर्थशास्त्रियों में रिकार्डों मिल आदि को रखा जाता है। क्लासिकल अर्थशास्त्री मानते थे कि पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में बिना स्फीति पूर्ण रोजगार पाया जाता है। मजदूरी कीमत लोचशीलता दी होने पर आर्थिक प्रणाली में स्वतः शक्तियाँ पाई जाती हैं जो पूर्ण रोजगार कायम रखने की प्रवृत्ति रखती हैं और उसी स्तर पर उत्पादन करती हैं। अतः पूर्ण रोजगार एक सामान्य स्थिति है और इस स्तर से विचलन कुछ असामान्य स्थिति होती है जो अपने आप पूर्ण रोजगार की ओर अग्रसर होती है। क्लासिकल अर्थशास्त्री 'से के बाजार नियम' पर विश्वास करते थे जो दर्शाता है कि पूर्ति अपनी मांग का सृजन स्वयं करती है।

10. ब्याज अभिधारणा का परम्परावादी सिद्धांत है कि बचत और निवेश दोनों निम्नलिखित में से एक के फलन हैं :

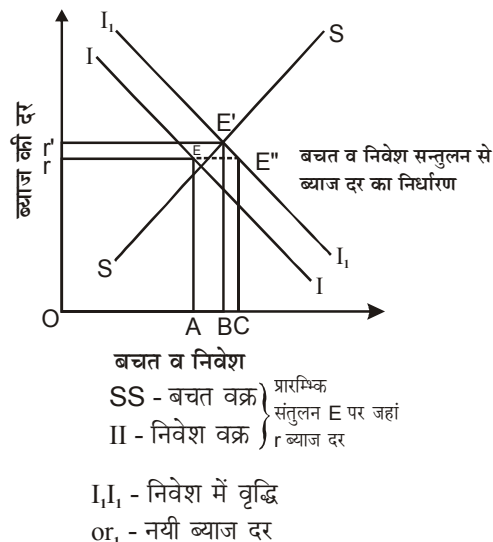
The classical theory of interest postulates that both savings and investments are a function of

- (A) राष्ट्रीय आय का स्तर / the level of National income
(B) रोजगार और उत्पादन का स्तर
the level of employment and output
(C) मौद्रिक और राजकोषीय नीति
monetary and fiscal policy
(D) ब्याज दर / rate of interest

उत्तर- (D) व्याख्या ब्याज अभिधारणा का परम्परावादी सिद्धांत है कि बचत और निवेश दोनों ब्याज की दर के फलन हैं।

क्लासिकल अर्थशास्त्री मानते थे कि साधन स्वामियों द्वारा अर्जित समस्त आय उन वस्तुओं के क्रय में खर्च हो जाती है जिसके उत्पादन में वे साधन सहायक होते हैं तथा आय का जो भाग खर्च नहीं होता वह बचा लिया जाता है और उसका स्वतः निवेश हो जाता है। इस प्रकार बचत निश्चित ही निवेश के बराबर है यदि दोनों में कोई अन्तर पाया जाता है तो ब्याज की दर के माध्यम से समानता स्थापित हो जाती है। क्लासिकल अर्थशास्त्री ब्याज को बचत का पुरस्कार मानते थे ब्याज की दर जितनी ऊँची होगी बचतें भी उतनी ही अधिक होगी और विलोमशः भी।

● दूसरी तरफ ब्याज की दर तथा निवेश मांग में विपरीत सम्बन्ध होता है। बचत व निवेश की समानता से ब्याज दर का निर्धारण होता है।



11. ड्यूसेनबेरी की सापेक्ष आय अवधारणा यह बताती है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है वैसे-वैसे उपभोग प्रकार्य वक्र ऊपर की ओर बढ़ता जाता है और इसलिए

The relative income hypothesis of Duesenberry suggests that as income increases, consumption function curve shifts above and therefore,

- (A) औसत उपभोग प्रवृत्ति बढ़ती है।
Average propensity to consume rises.
(B) औसत उपभोग प्रवृत्ति घटती है।
Average propensity to consume falls.
(C) औसत उपभोग प्रवृत्ति स्थिर रहती है।
Average propensity to consume remains constant.
(D) औसत उपभोग प्रवृत्ति 1 के बराबर रहती है।
Average propensity to consume is equal to 1.

उत्तर- (C) व्याख्या ड्यूसेनबेरी की सापेक्ष आय अवधारणा यह बताती है कि जैसे-जैसे आय बढ़ती है वैसे-वैसे उपभोग प्रकार्य वक्र (Consumption Function Curve) ऊपर की ओर बढ़ता जाता है इसलिए औसत उपभोग प्रवृत्ति स्थिर रहती है।

जेम्स ड्यूसेनबेरी (James Duesenberry) की सापेक्ष आय परिकल्पना कीन्स के सिद्धान्त के दो आधारभूत मान्यताओं का अस्वीकार करती है-

1. प्रत्येक व्यक्ति का उपभोग व्यवहार स्वतंत्र होता है।
2. उपभोग सम्बन्ध समय में परिवर्तनीय है, को अस्वीकार्य करते हैं। इनका मानना था कि प्रत्येक व्यक्ति का उपभोग व्यवहार अन्य व्यक्ति के व्यवहार पर निर्भर करता है तथा उपभोग सम्बन्ध समय में अपरिवर्तनीय होते हैं।

ड्यूसेनबेरी के अनुसार उपभोक्ता व्यवहार को जानने के लिए उपभोग ढाँचे की सामाजिक प्रकृति को समझना होगा। जिसका अर्थ है कि मनुष्य की प्रकृति उपभोग में केवल अपने धनी पड़ोसियों के स्तर तक पहुँचने की नहीं होती अपितु उनसे आगे जाने की होती है इसे 'प्रदर्शन प्रभाव' कहा जाता है।

धनी व्यक्ति की APC कम तथा गरीब की अधिक होती है इससे दीर्घकाल में APC में स्थिरता पाई जाती है।

इस प्रकार यदि किसी देश में आयों का निरपेक्ष आकार बढ़ भी जाए तो भी समस्त अर्थव्यवस्था की APC आय के उच्चतर निरपेक्ष स्तर पर स्थिर होगी।

ड्यूसेनबेरी सिद्धान्त में

1. एक व्यक्ति का उपभोग अन्य पर निर्भर (प्रदर्शन प्रभाव)
2. उपभोग के संबंध समय के साथ अपरिवर्तनीय (रैचेट प्रभाव)

12. निम्नलिखित में से किसने कहा था कि “मुद्रास्फीति हर जगह होती है और यह हमेशा ही एक मौद्रिक घटना है”?

Who among the following said, "Inflation is everywhere and always a monetary phenomenon"?

- (A) जेम्स टोबिन / James Tobin
- (B) जॉन एम. कीन्स / John M. Keynes
- (C) मिल्टन फ्रीडमैन / Milton Friedman
- (D) अन्ना जे. श्वार्ज / Anna J. Schwartz

उत्तर- (C) व्याख्या मिल्टन फ्रीडमैन का कथन था कि “मुद्रास्फीति हर होती है और यह हमेशा ही एक मौद्रिक घटना है।” क्योंकि कीमतों में वृद्धि का सीधा सम्बन्ध मुद्रा आपूर्ति से है। फ्रीडमैन ने मुद्रा परिमाण सिद्धान्त की पुनः व्याख्या की। उन्होंने दर्शाया कि मुद्रा परिणाम सिद्धान्त मुद्रा की मांग का सिद्धान्त है इसका वास्तविक चरों जैसे आय-रोजगार आदि से कोई सम्बन्ध नहीं है।

फ्रीडमैन ने मुद्रा की मांग का जो फलन प्रस्तुत किया-

$$\frac{M}{P} = f(Y, W, R_m, R_b, R_e, g_p, \mu)$$

जहां

- M - मांगी गई मुद्रा का कुल स्टॉक
P - कीमत स्तर है।
Y - वास्तविक आय है।
W - गैर मानव के रूप में सम्पत्ति का अंश है।
R_m - मुद्रा पर प्रत्याशित मुद्रा स्फीति की दर
R_b - बांडों पर प्रत्याशित प्रतिफल की दर हैं जिसमें कीमतों में प्रत्याशित परिवर्तन शामिल है।
R_e - इक्विटियों पर प्रत्याशित मुद्रा रूप प्रतिफल की दर है जिसमें उनकी कीमतों में प्रत्याशित परिवर्तन शामिल है।
 $g_p = \left(\frac{1}{p}\right)\left(\frac{dp}{dt}\right)$ - वस्तुओं की कीमतों में होने वाले प्रत्याशित परिवर्तन शामिल है।
 μ - आय के अलावा अन्य चर जो मुद्रा की सेवाओं से सम्बद्ध उपयोगिता को प्रभावित कर सकते हैं जैसे रूचियां, अधिमान आदि।

फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा की मांग का फलन एक स्थिर फलन है जबकि मुद्रा आपूर्ति को मौद्रिक प्राधिकरण तय करता है। इस प्रकार मुद्रा आपूर्ति में किसी भी प्रकार की वृद्धि कीमतों में उसी अनुपात में वृद्धि लायेगी।

फ्रीडमैन का मानना था कि अति मुद्रास्फीति प्रणाली में अधिक मुद्रा आपूर्ति का परिणाम है जो केन्द्रीय बैंक द्वारा अत्याधिक नोटों की छपाई के कारण है।

● टोबिन ने मुद्रा की मांग का पोर्टफोलियो सिद्धान्त दिया। फ्रीडमैन तथा टोबिन दोनों के सिद्धान्त को पोर्टफोलियो उपागम माना जाता है।

13. त्वरित्र का निम्नलिखित में से किससे निकट संबंध है?

Accelerator is most closely related to

- (A) ब्याज दर / interest rate
- (B) रहतिया / inventories
- (C) बेकार पड़ी क्षमता / idle capacity
- (D) प्रेरित निवेश / induced investment

उत्तर- (D) व्याख्या त्वरित्र का प्रेरित निवेश से निकट संबंध है।

त्वरण सिद्धान्त इस तथ्य पर आधारित है कि पूंजीगत वस्तुओं की मांग उन उपभोग वस्तुओं की मांग से व्युत्पन्न होती है जिनके उत्पादन में वे सहायक होते हैं। त्वरण सिद्धान्त उस प्रक्रिया को स्पष्ट करता है जिसके द्वारा उपभोग वस्तुओं की मांग में वृद्धि (या कमी) से पूंजीगत वस्तुओं के निवेश में वृद्धि (या कमी) होती है।

कुरिहारा के अनुसार, “त्वरक गुणांक प्रेरित निवेश और उपभोग व्यय में प्रारम्भिक परिवर्तन के बीच अनुपात है।

$$\beta = \frac{\Delta I_t}{\Delta C_t} \text{ जहां } \beta \text{ त्वरण गुणांक है।}$$

ΔI_t - निवेश में शुद्ध परिवर्तन है। और

C_t - उपभोग व्यय में शुद्ध परिवर्तन है।

त्वरण सिद्धान्त को पहली बार टी.एन.कार्वर ने 1903 में उपभोग और शुद्ध निवेश के सम्बन्ध में स्पष्ट किया तथा एंफ्लेयन ने इसका विस्तार किया।

‘त्वरण सिद्धान्त’ नाम अर्थशास्त्र में **पहली बार 1917** में जे. एम. क्लार्क ने प्रयोग किया। इसको आगे हिक्स सैम्युलसन और गुडविल ने व्यापार चक्रों से सम्बद्ध किया।

14. सूची- I और सूची - II को सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुने :

Match List - I and List - II and select the correct answer from the codes given below :

सूची - I	सूची - II
अवधारणा/Concept	अर्थशास्त्री/Economist
(a) तरलता जाल	(1) मिल्टन फ्रीडमैन
Liquidity trap	Milton Friedman
(b) प्रदर्शन प्रभाव	(2) ए. सी. पीगू
Demonstration Effect	A. C. Pigou
(c) स्थायी आय परिकल्पना	(3) जे. ड्यूसेनबेरी
Permanent Income Hypothesis	J. Duesenberry
(d) सम्पदा प्रभाव	(4) जे. एम. कीन्स
Wealth Effect	J. M. Keynes

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	4	3	1	2
(B)	1	2	4	3
(C)	4	2	1	3
(D)	1	3	4	2

उत्तर- (A)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची - I अवधारणा	सूची - II अर्थशास्त्री
a. तरलता जाल	4. जे. एम. कीन्स
b. प्रदर्शन प्रभाव	3. जे. ड्यूसेनबेरी
c. स्थायी आय परिकल्पना	1. मिल्टन फ्रीडमैन
d. सम्पदा प्रभाव	2. ए. सी. पीगू

● आनुपातिक दीर्घकालीन तथा गैर आनुपातिक अल्पकालीन उपभोग फलन के बीच प्रत्यक्ष विरोध का एक और समाधान फ्रीडमैन ने अपनी **स्थायी आय परिकल्पना** के माध्यम से प्रस्तुत किया। फ्रीडमैन के अनुसार चालू आय उपभोग व्यय को निर्धारित नहीं करती जबकि उपभोग स्थायी आय का फलन है।

इन्होंने आय को दो भागों में बाँटा -

i. स्थायी आय

ii. अस्थायी आय

$$Y_m \text{ or } Y = Y_p + Y_t$$

Y_m = मापित आय, Y_p = स्थायी आय, Y_t = अस्थायी आय

इसी प्रकार उपभोग को भी दो भागों में बाँटा -

$$C = C_p + C_t$$

C = कुल उपभोग, C_p = स्थायी उपभोग, C_t = अस्थायी उपभोग
स्थायी आय किसी पारिवारिक इकाई की प्रमुख आय होती है जो आगे काल क्षितिज तथा दूरदर्शिता पर निर्भर करती है। इसमें परिवार का गैर मानवीय धन, अर्जकों को व्यक्तिगत गुण, अर्जकों के आर्थिक क्रिया के गुण जैसे कि उनका व्यवसाय, आर्थिक क्रिया का स्थान आदि अस्थायी आय में आकस्मिक लाभों तथा हानियों एवं चक्रीय परिवर्तनों के परिणाम-स्वरूप अस्थायी आय घट या बढ़ सकती है।

फ्रीडमैन के अनुसार स्थायी उपभोग, स्थायी आय का फलन है।

$$C_p = kY_p \quad k - \text{गुणक}$$

15. मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता के संबंध में कीन्स के विचार से निम्नलिखित में से कौन-सा कथन मेल नहीं खाता है?

Which one of the following would be inconsistent with the Keynesian view about the effectiveness of monetary policy?

- (A) मुद्रा वेग तुलनात्मक रूप से स्थिर है।
Velocity of money is relatively stable.
- (B) मुद्रा की मांग अस्थिर है।
The demand for money is unstable.
- (C) मुद्रा की मांग ब्याज संवेदी है।
The demand for money is interest sensitive.
- (D) निवेश की मांग अस्थिर है।
Investment demand is unstable.

उत्तर- (A)/व्याख्या/ मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता के सम्बन्ध में कीन्स मुद्रा वेग को तुलनात्मक रूप से स्थिर नहीं मानते थे।

कीन्स का विचार था कि मौद्रिक नीति प्रभावशाली होगी जबकि -

- मुद्रा की मांग अस्थिर है।
- मुद्रा की मांग ब्याज संवेदी है।
- निवेश मांग अस्थिर है।

केन्जवादी मत मानता था कि मुद्रा की मांग और पूर्ति अत्यधिक ब्याज लोच होती है जबकि समग्र व्यय ब्याज लोच नहीं होता। मुद्रा की पूर्ति अल्पकाल में स्थिर होती है जबकि मुद्रा की मांग ब्याज दर का घटता हुआ फलन है। कीन्स मुद्रा व वित्तीय परिसम्पत्तियों को अच्छी स्थानापन्न मानते थे। इसके साथ ही मुद्रा पूर्ण रोजगार स्तर से पूर्व अपने प्रभाव में तटस्थ नहीं थी अर्थात् मुद्रा आपूर्ति का वास्तविक चरों पर प्रभाव होता था।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

Which of the following statement is true?

(A) छुट-पुट अल्प मूल्य विक्रय, वस्तुओं के स्टॉक को हटाने के लिए विदेशी बाजार में उनको कम कीमत पर बेचना है।

Sporadic dumping is selling of goods as a low price in the foreign market to get rid of the inventory stocks.

(B) आक्रामक अल्प मूल्य विक्रय, शुरुआत में घाटे में बेचकर प्रतिस्पर्धियों को बर्बाद करना और उन्हें हटाने के पश्चात् उत्पादों को उच्च मूल्य पर बेचना है।

Predatory dumping is destroying of competitors even at a loss initially and then, after eliminating of competitors, selling product at a high price.

(C) सतत् अल्प मूल्य विक्रय, घरेलू बाजार और विदेशी बाजार में मांग की लोच में अंतर के कारण वस्तुओं को विदेशी बाजारों में कम मूल्य पर बेचना है।

Persistent dumping is selling a product at a lower price in foreign markets due to differences in elasticity of demand at home and in the foreign market.

(D) उपर्युक्त सभी / All the above.

उत्तर- (D)/व्याख्या/ राशिपातन के सम्बन्ध में उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

राशिपातन अथवा डम्पिंग अंतर्राष्ट्रीय कीमत विभेद होता है जिसमें निर्यातक फर्म विदेशी बाजार में अपनी वस्तु को कम कीमत पर बेचता है और घरेलू बाजार में अधिक कीमत पर।

हैबरलर के अनुसार, विदेश में एक वस्तु का विक्रय ऐसी कीमत पर जो उसी समय उसी घरेलू हालत में, उसी वस्तु की विक्रय कीमत से कम पर होता है यातायात लागतों में भेद लेते हुए।

वाइनर के अनुसार, “राशिपातन दो बाजारों के मध्य कीमत विभेद है जिसमें एकाधिकारी अपनी उत्पादित वस्तु का एक भाग विदेशी बाजार में कम कीमत पर तथा अन्य भाग घरेलू बाजार में अधिक कीमत पर बेचता है।

राशिपातन के प्रकार

राशिपातन को निम्न प्रकार से बाँटा जाता है -

1. आकस्मिक राशिपातन (Sporadic or Intermittent Dumping) - यह आकस्मिक परिस्थितियों में अपनाया जाता है। जब वस्तु का घरेलू उत्पादन लक्ष्य से अधिक हो या बेचने के पश्चात भी वस्तु का स्टॉक बहुत बच जाए। ऐसी स्थिति में **उत्पादक कम कीमत** पर

विदेशी बाजार में बचे हुए माल को बेचता है। ऐसा तभी संभव है यदि उसकी वस्तु की विदेशी मांग लोचदार हो और उत्पादक घरेलू बाजार में एकाधिकारी हो। इसमें उत्पादक का उद्देश्य नये बाजार में अपनी वस्तु की पहचान बनाना या स्वयं को स्थापित करना हो सकता है। यहाँ स्पष्ट है कि विदेशी बाजार में वस्तु ऐसी कीमत पर बेची जाती है जो परिवर्तनशील लागतों को पूरा कर दे तथा कुछ स्थिर लागत भी प्राप्त हो जाए।

2. स्थायी राशिपातन (Persistent Dumping) - सतत अल्प मूल्य विक्रय, घरेलू बाजार और विदेशी बाजार में मांग की लोच में अंतर के कारण वस्तुओं को विदेशी बाजार में कम मूल्य पर बेचना है। यहाँ घरेलू मांग कम लोचदार व विदेशी अधिक लोचदार होती है।

3. लुटेरा या आक्रामक राशिपातन (Predatory Dumping) - आक्रामक अल्प मूल्य विक्रय, प्रारम्भ में घाटे में बेचकर प्रतिस्पर्धियों को बर्बाद करना और उन्हें हटाने के पश्चात उत्पादों को उच्च मूल्य पर बेचना है।

17. तुलनात्मक लाभ सिद्धांत के अनुसार निम्नलिखित स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नहीं होगा

According to Comparative Advantage Theory, International Trade will not take place if

- (A) कोई देश दोनों ही उत्पादों के उत्पादन में दक्ष है।
One country is efficient in the production of both the products.
- (B) कोई देश दोनों ही उत्पादों के उत्पादन में अदक्ष है।
One country is inefficient in the production of both the products.
- (C) दोनों देशों में दोनों ही उत्पादों की अवसर लागत समान है।
opportunity costs of the two products are same in both the countries.
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं / None of the above.

उत्तर- (C) व्याख्या दोनों देशों में दोनों ही उत्पादों की अवसर लागत समान हो ऐसी स्थिति में तुलनात्मक लाभ सिद्धान्त में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नहीं होता है।

तुलनात्मक लाभ सिद्धान्त के अनुसार यदि उत्पादन की तुलनात्मक लागत दो देशों में भिन्न हो तो देशों को व्यापार करने से पारस्परिक रूप से लाभ होगा। यदि किसी देश को उत्पादन में तुलनात्मक रूप से लाभ तथा दूसरे को तुलनात्मक रूप से लाभ हो तो व्यापार से दोनों देश लाभान्वित होंगे।

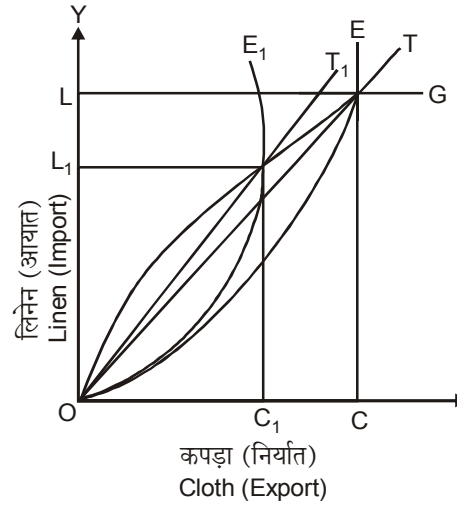
हैबरलर ने तुलनात्मक लागत सिद्धान्त को अवसर लागतों के रूप में प्रस्तुत किया।

18. प्रशुल्क के अधिरोपण से निम्नलिखित में क्या होगा?

Imposition of tariff will lead to

- (A) व्यापार शर्तों में हास होगा।
Deterioration in terms of trade
- (B) व्यापार शर्तों में सुधार होगा।
Improvement in terms of trade
- (C) व्यापार शर्तों में कोई सुधार नहीं होगा।
No effect on terms of trade
- (D) उपर्युक्त में कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (B) व्याख्या प्रशुल्क के अधिरोपण से व्यापार की शर्तों में सुधार होगा यदि दूसरे देश द्वारा जिसकी वस्तु पर प्रशुल्क लगाया गया है वह प्रतिक्रिया न करे।



चित्र में OE तथा OG क्रमशः इंग्लैण्ड व जर्मनी के प्रशुल्क पूर्व प्रस्ताव वक्र है। OT रेखा प्रारम्भिक व्यापार शर्तों को दर्शाती है। इंग्लैण्ड OC कपड़े का निर्यात और जर्मनी CL लिनैन का आयात करता है। यदि इंग्लैण्ड जर्मनी के लिनैन पर प्रशुल्क लगा दे इससे इंग्लैण्ड का प्रस्ताव वक्र OE से OE₁ हो जाता है। व्यापार की शर्त इंग्लैण्ड के पक्ष में OT से OT₁ पर आ जाती है। जर्मन से अधिक आयात के बदले कम निर्यात करता है।

19. मुक्त विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत किसी राष्ट्र के भुगतान संतुलन खाते में कमी निम्न द्वारा स्वतः ही पूरी हो जाती है
Under a freely exchange rate system, a deficit in a Nation's Balance of payments Account is automatically corrected by

- (A) उसकी मुद्रा के मूल्यहास से
a depreciation of its currency
- (B) उसकी मुद्रा के मूल्यवृद्धि से
an appreciation of its currency
- (C) घरेलू मुद्रास्फीति से / Domestic inflation
- (D) अवस्फीति और राष्ट्रीय आय में वृद्धि से
deflation and rise in National income

उत्तर- (A) व्याख्या मुक्त विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत किसी राष्ट्र के भुगतान संतुलन खाते में कमी उसकी मुद्रा के मूल्यहास से स्वतः ही पूरी हो जाती है।

मुक्त विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत किसी राष्ट्र के भुगतान संतुलन खाते में कमी राष्ट्र की मुद्रा के मूल्य हास से स्वतः पूरी हो जाती है।

राष्ट्र की मुद्रा के मूल्य के हास से विनिमय दर में बदलाव होगा जिससे आयात मंहगे व निर्यात सस्ते होंगे जो भुगतान संतुलन में सुधार लायेगा क्योंकि मुद्रा का मूल्य हास दोनों देशों में वस्तुओं की सापेक्ष कीमतों में बदलाव लाएगा।

20. मैस्ट्रिच संधि से निम्न में से किसका सृजन हुआ?

maastricht Treaty led to the creation of which one of the following?

- (A) यूरोपीय संसद का / European parliament
(B) यूरो का / Euro
(C) यूरोपीय न्यायालय का / European Court of Justice
(D) यूरोपीय संघ का / European Union

उत्तर- (D)/व्याख्या मैस्ट्रिच संधि से यूरोपीय संघ का सृजन हुआ।

यूरोपीय संघ 287 देशों का समूह है जो राजनैतिक व आर्थिक संघ के रूप में कार्य करता है। यूरोपीय संघ निर्माण का प्रारम्भ 1952 में European Coal and Steel Community (ECSC) की स्थापना जो 'पेरिस की संधि' (1951) से हुई से हो गया था किन्तु यूरोपीय संघ का निर्माण 'The Maastricht Treaty 1992' से हुआ। इसके बाद EU में लोगों का स्वतंत्र आवागमन प्रारम्भ हुआ तथा 'EURO' का विकास हुआ।

● **यूरोपियन मौद्रिक संघ-** इसका निर्माण 1999 में हुआ तथा 2002 में प्रभाव में आया। यह उन 19 देशों का संघ है जो 'न्यूरो' को मुद्रा के रूप में प्रयोग करते हैं।

● **यूरोपीय संघ में** 'यूरोपियन कॉसिल; यूरोपीय संसद, यूरोपीय कमीशन 'European Court of Auditors (ECA), The Court of Justice of the European Union (CJEU) शामिल है।

नोट- 31 जनवरी 2020 को United Kingdom ने यूरोपीय संघ छोड़ दिया जिससे इसके सदस्य देश 28 से 27 हो गए।

21. अभिकथन (A) : मुन्डेल के अनुसार, "साधनों की इकाई लागत में शुरूआती अंतर के कारण भुगतान संतुलन में असंतुलन आता है।"

Assertion (A) : According to Mundell, "Imbalances in the balance of payments is caused by initial differences in unit factor costs."

तर्क (R) : वस्तुओं की निर्बाध आवाजाही से दो देशों के भुगतान संतुलन में होने वाला असंतुलन सही होगा।

Reason (R) : Free movement of goods will correct the imbalance in the balance of payments of two countries.

दोनों कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन सही है?

In the context of the two statements, which one of the following is correct ?

कूट / Codes :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही व्याख्या नहीं है।
Both (A) and (R) are true and (R) is not the correct explanation of (A).
(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।
(A) is true, but (R) is false.
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।
(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (C)/व्याख्या अभिकथन (A) : मुन्डेल के अनुसार, "साधनों की इकाई लागत में शुरूआती अंतर के कारण भुगतान संतुलन में असंतुलन आता है, सही है।

मण्डल फ्लेमिंग मॉडल जिसे IS-LM BOP मॉडल भी कहा जाता है को Robert Mundell तथा Marcus Fleming ने दिया। यह मॉडल अर्थव्यवस्था की Nominal Exchange Rate, Exchange Rate तथा Output में अल्पकालिक सम्बन्ध को दर्शाता है। यह मॉडल दर्शाता है कि कोई अर्थव्यवस्था, स्थिर विनिमय दर, मुक्त पूंजी संचलन (Free Capital Movement) तथा Independent Monetary Policy को एक ही समय एक साथ प्राप्त नहीं कर सकती। केवल 2 को एक साथ एक समय में प्राप्त किया जा सकता है।

अतः स्पष्ट है कि (A) सही है किन्तु (R) गलत है।

22. स्टोलपर सेम्यूलसन प्रमेय के अनुसार राष्ट्र द्वारा अध्यारोपित प्रशुल्क द्वारा देश की वास्तविक आय में निम्नलिखित में क्या होता है?

The Stolper-Samuelson theorem postulates that the imposition of a tariff by a nation causes the real income of the nation's

- (A) प्रचुर साधन की आय बढ़ती है।
abundant factor to rise
(B) दुर्लभ साधन की आय बढ़ती है।
scarce factor to rise
(C) दुर्लभ साधन की आय घटती है।
scarce factor to fall
(D) उपर्युक्त (A) तथा (B) दोनों संभव हैं।
both (A) & (B) are possible

उत्तर- (B)/व्याख्या स्टोलपर सेम्यूलसन प्रमेय के अनुसार राष्ट्र द्वारा अध्यारोपित प्रशुल्क द्वारा देश की वास्तविक आय में दुर्लभ साधन की आय बढ़ती है।

H-O सिद्धान्त दर्शाता है कि श्रम प्रधान देश श्रम प्रधान वस्तुओं के निर्यात में दक्ष होता है जबकि पूंजी प्रधान देश, पूंजी प्रधान वस्तु के निर्यात में दक्ष होता है। जबकि साधन कीमत समानीकरण प्रमेय दर्शाता है कि व्यापार के परिणामस्वरूप देशों में साधनों की कीमतों में समानता आएगी।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में साधन कीमतों में सापेक्षित परिवर्तन आय के वितरण को प्रभावित करती है। इस आय वितरण के परिवर्तन का स्टॉपलर-सेम्यूलसन ने दर्शाया जो बताते हैं कि मुक्त अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सापेक्ष रूप से प्रचुर साधन की आय को बढ़ाता है तथा दुर्लभ साधन की आय को घटाता है। किन्तु यदि राष्ट्र व्यापार प्रतिबन्ध ने तटकर आदि के द्वारा आयातों में कमी का प्रयास करता है तो यह निर्यात के अवसरों को भी कम करता है। जिससे दुर्लभ साधन की वास्तविक आय में वृद्धि तथा प्रचुर साधन की आय में कमी होगी। अर्थात् यदि व्यापार के कारण किसी एक वस्तु के उत्पादन में वृद्धि होती है तो उस वस्तु के उत्पादन में जिस साधन को सापेक्षित रूप से गहनता से प्रयोग किया जाता है उसकी आय का सापेक्षित व निरपेक्ष अंश घट जाएगा।

23. संदर्भी योजना क्या है?

What is perspective planning?

(A) योजना का समग्र मूल्यांकन

Overall appraisal of planning.

(B) विभिन्न क्षेत्रों में योजना की समीक्षा

Review of planning in different fields.

(C) विगत अनुभवों का अवलोकन और उस आलोक में भविष्य की समीक्षा

Taking up past experience and reviewing the future in that light.

(D) देश में विकास की दीर्घावधि जरूरतों को पूरा करने हेतु भविष्य की योजना तैयार करना

Planning for future so as to meet the long term requirement of development in the country.

उत्तर- (D)/व्याख्या/ संदर्भी योजना (Perspective Planning) देश में विकास की दीर्घावधि जरूरतों को पूरा करने हेतु भविष्य की योजना तैयार करना है।

जॉन टिनबर्जन के शब्दों में “संदर्भी योजना का मुख्य उद्देश्य अल्प अवधीय योजनाओं के लिए पृष्ठभूमि तैयार करना है ताकि समस्याएं जो काफी लम्बी अवधि के बाद हल की जानी हैं अल्प अवधि में ही योजना बनाने के क्रम में हल हो जाएं”

प्रो० महालनोबिस का विचार है कि संदर्भी योजना अनिवार्य रूप से एक सतत प्रक्रिया है।

24. वर्ष 1944 में भारत के लिए ‘जनता योजना’ किसने तैयार की थी?

Who formulated the 'People's Plan' for India in 1944?

(A) जे. एल. नेहरू / J. L. Nehru

(B) एम.एन. राय / M. N. Roy

(C) सुभाष चन्द्र बोस / Subhas Chandra Bose

(D) महात्मा गांधी / Mahatma Gandhi

उत्तर- (B)/व्याख्या/ वर्ष 1944 में भारत के लिए ‘जनता योजना’ एम एन राय ने तैयार की थी।

जनता योजना (People's Plan) को भारतीय श्रमिक संघ की युद्धोत्तर पुनर्निर्माण समिति द्वारा अप्रैल 1944 में तैयार किया गया और भारतीय श्रमिक संघ के महासचिव एम० एन० राय द्वारा जारी किया गया।

इस योजना का उद्देश्य 10 वर्ष की अवधि के भीतर भारतीय लोगों की तात्कालिक बुनियादी आवश्यकताओं जैसे भोजन, वस्त्र, आवास, स्वास्थ्य और शिक्षा प्रदान करना था।

25. “ट्रिकल डाउन” रणनीति लागू होती है

"Trickle down" strategy implies

(A) बढ़ते हुए सकल राष्ट्रीय उत्पाद के द्वारा निर्धनता निवारण।
growing GNP taking care of poverty.

(B) सुविचारित पुनर्वितरण के माध्यम से उच्च वर्ग की आय घटाना।
reduction in the income of the upper class by deliberate redistribution.

(C) सकल राष्ट्रीय उत्पाद में वृद्धि करने के स्थान पर बेहतर पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि में प्रत्यक्षतः उपलब्धि हासिल

करना।
direct achievement of better nourishment, health, education, etc. instead of growth of GNP first.

(D) अर्थव्यवस्था के विशेष क्षेत्र को सुलाभ हेतु लक्ष्यांकित करना।
to target a particular sector of economy for betterment

उत्तर- (A)/व्याख्या/ “ट्रिकल डाउन” रणनीति बढ़ते हुए सकल राष्ट्रीय उत्पाद के द्वारा निर्धनता में लागू होती है।

आर्थिक विकास की ट्रिकल डाउन स्ट्रेटजी मानती है कि सकल राष्ट्रीय उत्पाद की उच्च वृद्धि दर गरीबी निवारण कर लेगी। GDP का नीचे की ओर धीरे-धीरे रिसाव होगा जो गरीबों तक जायेगा। इस स्ट्रेटजी में विकास दर तथा राष्ट्रीय उत्पाद के आकार पर विशेष बल दिया जाता है। यह स्ट्रेटजी गरीबी पर प्रत्यक्ष आक्रमण न करके आर्थिक वृद्धि का परोक्ष रास्ता लेती है। इस स्ट्रेटजी की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि आर्थिक विकास स्ट्रेटजी रोजगार बहुल है या नहीं क्योंकि रोजगार ही नीचे की ओर रिसाव लाने का इंजन होगा।

26. विकास के निम्नलिखित दृष्टिकोणों का उनके आविर्भाव के कालक्रमानुसार सही क्रम क्या है?

What is the correct sequence of the following approaches to development in terms of their chronological emergency?

(1) मूलभूत आवश्यकता दृष्टिकोण / Basic needs approach

(2) प्रति व्यक्ति आय दृष्टिकोण

Per capita income approach

(3) मानव विकास सूचकांक दृष्टिकोण

Human Development Index approach

निम्नांकित दिये कूटों में से सही उत्तर चुनें :

Choose the correct answer from the codes given below :

कूट / Codes :

(A) 1, 2, 3

(B) 2, 1, 3

(C) 2, 3, 1

(D) 1, 3, 2

उत्तर- (B)/व्याख्या/ सही कालानुक्रम है-

● प्रति व्यक्ति आय दृष्टिकोण- PCI बढ़ने का अर्थ आर्थिक विकास
● मूलभूत आवश्यकता दृष्टिकोण- इसका प्रतिपादन 1970 में विश्व बैंक ने किया।

● मानव विकास सूचकांक दृष्टिकोण- इस सूचकांक का प्रतिपादन 1990 में यूनाइटेड नेशन्स डेवेलवमेंट प्रोग्राम (UNDP) से जुड़े हुए अर्थशास्त्री महबूब-उल हक तथा उसके अन्य सहयोगी अर्थशास्त्रियों ए० के० सेन तथा हेन सिंगर ने किया।

27. आर्थिक विकास के लिए सही वक्तव्य का चयन करें और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें :

Choose the correct statements for economic development and answer from the code below :

वक्तव्य/Statements :

I. सतत प्रक्रिया / Continuous Process

II. अल्पावधि प्रक्रिया / Short-term process

III. दीर्घावधि प्रक्रिया / Long-term process

कूट / Codes :

(A) सिर्फ II

(B) I और III

(C) सिर्फ III

(D) I और II

उत्तर- (B)/व्याख्या आर्थिक विकास के लिये सही वक्तव्य है-

I सतत् प्रक्रिया

III दीर्घावधि प्रक्रिया

किसी भी अर्थव्यवस्था में हो रही आर्थिक क्रियाएं दीर्घकाल में दो प्रकार के परिवर्तनों को जन्म देती है -

1. समग्र चरणों जैसे सकल राष्ट्रीय आय, प्रतिव्यक्ति आय में परिवर्तन जिन्हें नापा जा सके।

2. इन परिवर्तनों के साथ जब हम अर्थव्यवस्था में गुणात्मक परिवर्तन को भी शामिल कर ले तो इसे हम आर्थिक विकास कहेंगे।

सत्तर के दशक के पूर्व आर्थिक संवृद्धि तथा आर्थिक विकास को सामान्यतया समान अर्थों में प्रयोग किया जाता था किन्तु बाद में इसमें भेद किया गया। आर्थिक विकास की धारणा संवृद्धि से अधिक व्यापक है, आर्थिक संवृद्धि उत्पादन में वृद्धि से सम्बन्धित है जबकि आर्थिक विकास गुणात्मक एवं परिणात्मक सभी परिवर्तनों से सम्बन्धित है। आर्थिक विकास तभी कहा जाएगा जबकि जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो। महबूब-उल-हक ने आर्थिक विकास को 'गरीबी के विरुद्ध लड़ाई' के रूप में परिभाषित किया, चाहे वह गरीबी किसी भी रूप में हो। आर्थिक विकास स्वयं में आर्थिक संवृद्धि, सामाजिक क्षेत्रक विकास तथा समावेशी विकास को शामिल किए हुए है।

28. निम्नलिखित में से कौन अर्थशास्त्री विकास के डिपेन्डेंसी सिद्धांत के प्रतिपादक हैं? नीचे दिए गए कूट से चयन करें :

Which of the following economists are proponents of dependency theory of development? Choose from the code below:

I. रैगनर नर्क्स / Ragnar Nurkse

II. आन्द्रे गुंथर फ्रैंक / Andre Gunther Frank

III. रॉल प्रैबिस / Raul Prebisch

IV. जॉन केनेथ गालब्रेथ / John Kenneth Galbraith

कूट/ Codes:

(A) I, II और III सही हैं। (B) II और III सही हैं।

(C) II, III और IV सही हैं। (D) III और IV सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या विकास के डिपेन्डेंसी सिद्धांत के प्रतिपादक है-

II आन्द्रे गुंथर फ्रैंक

III रॉल प्रैबिस

अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था में निर्भरता सिद्धान्त यह है कि संसाधन निर्धन एवं अल्पविकसित देशों (परिधि देशों) से धनी देशों की ओर प्रवाहित होते हैं और निर्धन देशों को और गरीब करते हुए धनी देशों को और धनी बनाते हैं। निर्भरता सिद्धान्त इस मूल मान्यता पर आधारित है कि राजनैतिक एवं आर्थिक कारकों के बीच एक गहन संबंध होता है। ये दोनों कारक परस्पर प्रभावित करते हैं और एक दूसरे से प्रभावित होते हैं।

निर्भरता का सिद्धान्त मूल रूप से मार्क्सवाद से प्रभावित रहा है। इस सिद्धान्त के प्रमुख समर्थकों में पॉल बरन, आद्रे गुंथर फ्रैंक, रॉल प्रैबिस, समीर अमीन आदि हैं।

29. नियो-क्लासिकल विकास मॉडलों के बारे में क्या सही है?

What is true for neo-classical growth models?

I. ब्याज दर तथा लाभ लोचशील है।

Rate of interest and profit are flexible.

II. पूंजी असमांगी है।/Capital is heterogeneous.

III. पूर्ण प्रतिस्पर्धा होती है।/Perfect competition prevails.

IV. पूंजी तथा श्रम प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं।

Capital and labour are substitutable.

निम्नांकित दिये कूटों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

Choose the correct answer from the codes given below :

कूट / Codes :

(A) केवल I, II और III सही हैं।

(B) केवल II और III सही हैं।

(C) केवल I, III और IV सही हैं।

(D) उपर्युक्त सभी सही हैं।

उत्तर- (C)/व्याख्या नियो - क्लासिकल विकास मॉडलों के बारे में सही है -

I ब्याज दर तथा लाभ लोचशील है।

III पूर्ण प्रतिस्पर्धा होती है।

IV पूंजी तथा श्रम प्रतिस्थापित किए जा सकते हैं।

नियो-क्लासिकल संवृद्धि सिद्धान्त 1950 तथा 1960 के दशक में विकसित संवृद्धि के सिद्धान्त है इसमें प्रमुख योगदान अमेरिकी अर्थशास्त्री रॉबर्ट सोलो का है इसके साथ ही स्क्वॉन, मीड रॉबिन्सन आदि ने भी इनमें योगदान दिया।

ये सिद्धान्त दर्शाते हैं कि पूंजी संचयन (Capital Accumulation) तथा इससे सम्बन्धित बचतों के निर्णय आर्थिक संवृद्धि के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। ये सिद्धान्त श्रम व पूंजी को उत्पादन का साधन मानते हैं जिनमें प्रतिस्थापन संभव है।

नियोक्लासिकल उत्पादन फलन

$$Y = AF(K, L)$$

L = Number of Labour Force

K = Unit of Capital

A = Technology Parameter

30. वर्ष 2013-14 में भारत के तीन शीर्ष व्यापार भागीदार कौन थे?

Choose the top three trading partners of India in 2013-14

I. संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.)/ UAE

II. कोरिया / Korea

III. चीन / China

IV. संयुक्त राज्य अमेरिका / USA

सही कूट का चयन करें :

Choose the correct answer from codes given below:

कूट/ Codes:

(A) I, II, III

(B) II, III, IV

(C) I, III, IV

(D) II, I, IV

उत्तर- (C)/व्याख्या वर्ष 2013-14 में भारत के तीन शीर्ष व्यापार भागीदार थे

I संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.)

III चीन

IV संयुक्त राज्य अमेरिका

वर्ष 2020 के Commerce Ministry के आंकड़ों के अनुसार चीन भारत का सबसे प्रमुख व्यापारिक साझेदार रहा। इनके मध्य का

व्यापार USD 77.7 billion था जो 2019-20 में कुल USD 85.5 billion का रहा। जबकि USA के साथ भारत का व्यापार USD 75.9 billion का रहा।

31. निम्नांकित में से कौन-सा घाटा युग्म भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है?

Of the following, which combination of two deficits is most significant for the Indian economy?

- (A) राजकोषीय घाटा और राजस्व घाटा
Fiscal deficit and Revenue deficit
(B) राजस्व घाटा और प्राथमिक घाटा
Revenue deficit and primary deficit
(C) बजट घाटा और राजकोषीय घाटा
Budget deficit and Fiscal deficit
(D) चालू खाता घाटा और राजकोषीय घाटा
Current Account deficit and Fiscal deficit

उत्तर- (D) व्याख्या चालू खाता घाटा और राजकोषीय घाटा युग्म भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। राजकोषीय घाटा - इसे 1985 में सुखमय चक्रवर्ती ने प्रस्तुत किया। राजकोषीय घाटा = [कुल व्यय] - [कुल प्राप्तियाँ (उधार व अन्य देयताओं को छोड़कर)]
= [राजस्व व्यय + पूंजीगत व्यय] - [राजस्व प्राप्तियाँ + पूंजीगत प्राप्तियाँ (उधार व अन्य देयताओं को छोड़कर)]

अथवा

राजकोषीय घाटा = [राजस्व व्यय + पूंजीगत व्यय] - [राजस्व प्राप्तियाँ + पूंजीगत प्राप्तियाँ (ऋण की पुनर्उगाही तथा परिसम्पत्तियों के विक्रय को छोड़कर)]

चालू खाता घाटा (CAD)

$$= X - M + NY + NCT$$

जहाँ

$X - M$ = निवल विदेश आय (वस्तु एवं सेवा से प्राप्त)

NY = Net Foreign Income (निवेश आय → प्राथमिक आय)

NCT = Net Current Transfers (Unilateral Transfers → Secondary income)

असुरक्षा सूचकांक (Macro Vulnerability Index)

यह सूचकांक एक देश के तीन प्रमुख समष्टिभावी आर्थिक संकेतकों द्वारा निर्मित है -

1. राजकोषीय घाटा
2. चालू खाते का घाटा
3. मुद्रास्फीति दर

32. वर्ष 2013-14 के दौरान निम्नांकित में किस क्षेत्र में सर्वाधिक वृद्धि दर दर्ज की गई?

Of the following, which sector witnessed the highest growth rate in year 2013-14?

- (A) कृषि, वानिकी और मत्स्ययन
Agriculture, forestry and fishery
(B) खनन और खदान / Mining and quarrying
(C) विनिर्माण / Manufacturing
(D) निर्माण / Construction

उत्तर- (A) व्याख्या वर्ष 2013-14 के दौरान कृषि वानिकी और मत्स्ययन में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की गई।

वर्ष 2020-21 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार सेवा क्षेत्र भारत की संवृद्धि दर का प्रमुख निर्धारक रहा। इसका योगदान चालू कीमतों पर भारत के GVA में 55.39% रहा। इसमें पिछले वर्ष की तुलना में - 8.8% की कमी आई। कृषि वानिकी एवं मत्स्ययन की संवृद्धि जो 2019-20 में 4.0% था वह वर्ष 2020-21 में 3.4% रहा। जबकि औद्योगिक क्षेत्र की संवृद्धि दर -9.6% रही जो 2019-20 में 0.9%, वर्ष 2018-19 में 4.9% थी। (GVA चालू कीमतों पर)

33. निम्नांकित में किसने हमारे देश के लिए पी.यू.आर.ए. (ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाएँ प्रदान किया जाना) की अवधारणा की वकालत की?

Who has advocated the concept of PURA (Providing Urban Amenities in Rural Areas) for our country?

- (A) ए. पी. जे. अब्दुल कलाम / A. P. J. Abdul Kalam
(B) मनमोहन सिंह / Manmohan Singh
(C) चरण सिंह / Charan Singh
(D) उपर्युक्त में कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (A) व्याख्या फरवरी 2004 में खाद्य सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ० ए० पी० जे० अब्दुल कलाम ने गाँवों के आर्थिक उत्थान के अग्रदूत के रूप में (ग्रामीण क्षेत्र में शहरी सुविधाएँ उपलब्ध कराने हेतु पूरा (PURA) की अवधारणा को रेखांकित किया।

2012 में PURA 2.0 को केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में शुरू किया गया था, जिसमें संभावित विकास केंद्रों के विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया था। इसका उद्देश्य था ग्रामीण-शहरी विभाजन को पाटने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के अवसरों और शहरी सुविधाओं का प्रावधान। ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए के अवसर और शहरी सुविधाएँ प्रदान करने के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) ढांचे के माध्यम से एक ग्राम पंचायत (या ग्राम पंचायतों के समूह) में संभावित विकास केंद्र के आसपास कॉम्पैक्ट क्षेत्रों का समग्र और त्वरित विकास पुरा के तहत प्रदान की जाने वाली सुविधाओं और आर्थिक गतिविधियों में पानी और सीवरेज, गाँव की सड़कों का निर्माण और रखरखाव, ड्रेनेज, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कौशल विकास, गाँव की स्ट्रीट लाइटिंग, दूरसंचार, बिजली उत्पादन, गाँव से जुड़े पर्यटन आदि शामिल हैं।

34. इकोमार्क लेबल किससे संबंधित है?

ECOMARC is a symbol related to

- (A) निर्यात वस्तुओं / Export Goods
(B) आयात वस्तुओं / Import Goods
(C) पर्यावरण के लिए सुरक्षित वस्तुओं
Goods Safe for Environment
(D) सर्वोत्तम गुणवत्ता वाली वस्तुओं / Best Quality Goods

उत्तर- (C) व्याख्या Ecomark अथवा ECO-MARK को Bureau of Indian Standard (National Standard Organization of India) द्वारा जारी किया जाता है। यह पर्यावरण अनुकूल उत्पादों के निर्माण के लिए भारत सरकार ने फरवरी 1991 में प्रारम्भ किया।

इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को पर्यावरणीय प्रभाव के प्रति जागरूक करना है। The Ministry of Environment Forest and climate change Eco-labeling Scheme को पर्यावरणीय अनुकूल उत्पादों के लिए लागू करती है।

35. निम्नांकित देशों को उनके मानव-विकास सूचकांक (एच.डी.आई.) स्थान के अनुसार घटते हुए क्रम में व्यवस्थित करें (मानव विकास संबंधी यू.एन.डी.पी. रिपोर्ट, 2013 के आधार पर) :

Arrange following countries as per their HDI rank in the descending order (on the basis of 2013, UNDP Report on Human Development) :

1. वियतनाम / Vietnam
2. चीन / China
3. भारत / India
4. श्रीलंका / Sri Lanka

निम्नांकित दिये कूटों में से सही उत्तर का चुनाव करें :

Choose the correct answer from the codes given below :

कूट / Codes :

- (A) 4, 2, 1, 3 (B) 2, 1, 4, 3
(C) 2, 4, 3, 1 (D) 1, 2, 3, 4

उत्तर- (A) व्याख्या मानव विकास सूचकांक - 2013 के अनुसार

देश	रैंकिंग
श्रीलंका	72
चीन	99
वियतनाम	117
भारत	134

मानव विकास सूचकांक - 2020 के अनुसार 2019 के लिए HDI रैंकिंग

निम्न प्रकार है (189 देशों में)

देश	रैंकिंग
नार्वे	1st (प्रथम)
भारत	131
श्रीलंका	72
चीन	85
वियतनाम	117
फिलीपीन्स	107
इण्डोनेशिया	107
सिंगापुर	11

भारत, भूटान, बांग्लादेश, म्यांमार, नेपाल, कम्बोडिया, पाकिस्तान ऐसे देश हैं जिन्हें HDI में "Medium Human Development" वाला देश कहा जाता है। इनका रैंक 120 से 156 के मध्य है।

भारत का HDI मूल्य 0.645 रहा। वर्ष 1990 से 2019 के मध्य भारत का HDI मूल्य 0.429 से 0.645 हुआ है।

36. वर्ष 2013-14 के लिए भारत से निम्नांकित निर्यात समूहों पर विचार करें :

Consider the following export groups from India for the year 2013-14 :

1. कृषि एवं सम्बद्ध उत्पाद / Agri. and allied products
2. इंजीनियरिंग वस्तुएँ / Engineering goods

3. रत्न और आभूषण / Gems and Jewellery

4. वस्त्र एवं सिले-सिलाए कपड़े

Textile and Readymade Garments

इन्हें कुल निर्यात के प्रतिशत के रूप में इनकी घटती मात्रा के अनुसार व्यवस्थित करें :

Arrange them in descending order of magnitude as a percent to total exports.

- (A) 2, 1, 4, 3 (B) 2, 1, 3, 4
(C) 4, 2, 1, 3 (D) 3, 4, 2, 1

उत्तर- (B) व्याख्या वर्ष 2013-14 के लिए भारत से निर्यात समूहों में कुल निर्यात प्रतिशत के रूप में इनकी घटती मात्रा के अनुसार

2. इंजीनियरिंग वस्तुएँ

1. कृषि एवं सम्बद्ध उत्पाद

3. रत्न एवं आभूषण

4. वस्त्र एवं सिले-सिलाए कपड़े

वर्ष 2019-20 के अनुसार प्रमुख निर्यात

पेट्रोलियम उत्पाद (14%)

Mineral fuels including oil, Gems, precious Metals (7.78%), Machinery including Computers

Organic

Electrical Machinery

Equipment

वर्ष 2021-22 के अनुसार प्रमुख निर्यात-

1. इंजीनियरिंग सामान

2. पेट्रोलियम उत्पाद

3. रत्न और आभूषण

4. कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन

5. ड्रग्स और फार्मास्यूटिकल्स

6. इलेक्ट्रॉनिक सामान

7. सूती धागे/कपड़े/बने-बनाए, कथकरघा उत्पाद आदि

8. सभी वस्त्रों के रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी)

9. समुद्री उत्पाद

10. प्लास्टिक और लिनोलियम

37. सकारात्मक बाह्य प्रभावों का सृजन करने वाले उत्पादन तथा उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों को कहा जाता है

Techniques used to encourage the production and consumption of goods that generate positive externalities are referred to as

(A) कर प्रोत्साहन तथा वाउचर्स

Tax incentives and vouchers

(B) शुल्क तथा दंड / Fees and fines

(C) कर तथा प्रभार / Taxes and charges

(D) विशेष आकलन / Special assessment

उत्तर- (A) व्याख्या सकारात्मक बाह्य प्रभावों का सृजन करने वाले उत्पादन तथा उपभोग को प्रोत्साहित करने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीक को कर प्रोत्साहन तथा वाउचर्स कहा जाता है। किसी एक इकाई द्वारा किये गये व्यवहार से जनित लाभ या लागत

जो दूसरी इकाई को प्रभावित करें पर पहली इकाई की लागत की गणना में नहीं आये तो उस व्यवहार को बाह्यता कहते हैं। जैसे किसी चमड़े की फैक्ट्री द्वारा निकासित केमिकल्स मत्स्य पालन सब्जी उत्पादन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करेगा तो यह फैक्ट्री के व्यवहार से जनित बाह्यता है जो एक सामाजिक लागत है जिसकी गणना निजी लागतों में नहीं होती इससे फैक्ट्री की वास्तविक लागत कम तथा लाभ अधिक होते हैं। **बाह्यता जब लागत सृजित करें तो ऋणात्मक बाह्यता कहते हैं तथा जब लाभ सृजित करें तो धनात्मक बाह्यता। जैसे फूलों की खेती करने वाले के द्वारा आस-पास सुगन्ध तथा आनन्द बिखेरना।**

सामाजिक दृष्टि से इष्टतम संसाधन आवंटन के लिए मौद्रिक लागत तथा बाह्यता को ध्यान में रखना आवश्यक है। कर प्रोत्साहन (कटौती, बहिष्करण या क्रेडिट) तथा बाउचर्स दो तकनीकें हैं जो सकारात्मक बाह्य प्रभावों का सृजन करने वाले उत्पादन तथा उपभोग को प्रोत्साहित करने में प्रयोग होते हैं। ये दोनों सीमांत लाभ के मूल्य का अनुमान लगाते हैं।

38. एडम स्मिथ द्वारा कराधान के किन नियमों का प्रतिपादन किया गया है?

Which of the canons of taxations have been propounded by Adam Smith?

- (A) मितव्ययिता, लोचशीलता, सरलता तथा पर्याप्तता
Economy, Elasticity, Simplicity and Sufficiency
- (B) समता, निश्चितता, सुविधा तथा मितव्ययिता
Equity, Certainty, Convenience and Economy
- (C) निश्चितता, सुविधा, मितव्ययिता तथा लोचशीलता
Certainty, Convenience, Economy and Elasticity
- (D) मितव्ययिता, समन्वय, सुविधा तथा आवश्यकता
Economy, Coordination, Convenience and Expediency

उत्तर- (B) व्याख्या आधुनिक अर्थशास्त्र के प्रणेता एडम स्मिथ ने अच्छी कराधान प्रणाली के नियमों को दिया।

स्मिथ ने 4 नियमों का प्रतिपादन किया-

1. समता का नियम
 2. निश्चितता का नियम
 3. सुविधा का नियम
 4. मितव्ययिता का नियम
- एडम स्मिथ ने 1776 में प्रकाशित अपनी प्रसिद्ध पुस्तक *An Inquiry into the Nature and Causes of Wealth of Nations* में करारोपण के सिद्धांतों की व्याख्या की है। ये सम्भवतः पहले अर्थशास्त्री थे जिन्होंने करारोपण के सिद्धान्तों की विस्तृत व्याख्या की करारोपण के इन सिद्धांतों को अपनाकर सरकार अपनी कर-नीति को अधिक सशक्त बना सकती है।

समानता का सिद्धान्त (Canon of Equality) - एडम स्मिथ के समानता के सिद्धान्त के अनुसार कर समानता पर आधारित होने चाहिए। यहाँ समानता से आशय कर-भार की समानता से है। इससे तात्पर्य है कि अलग-अलग आयवर्ग वाले व्यक्तियों पर कर लगाने से सभी व्यक्तियों पर कर का भार समान हो। अन्य शब्दों में, यह सिद्धान्त बताता है कि धनी व्यक्तियों पर अधिक कर लगाया जाना चाहिए तथा निर्धन व्यक्तियों पर कम कर लगाया जाना चाहिए। इस स्थिति में सभी आयवर्ग के व्यक्तियों पर कर-भार की समानता होगी और सभी का करों से होने वाला त्याग समान होगा। यह स्थिति

अधिक न्यायपूर्ण होगी।

निश्चितता का सिद्धान्त (Canon of Certainty) - इस सिद्धान्त के अनुसार कर के सन्दर्भ में निश्चितता से तात्पर्य भुगतान के समय की निश्चितता, भुगतान की राशि की निश्चितता, भुगतान की विधि की निश्चितता, तथा भुगतान के स्थान की निश्चितता। करों में उपरोक्त तत्वों की निश्चितता होने से करदाता को यह पूर्व निश्चित होगा कि उसे कब, कितना, कैसे और कहाँ कर का भुगतान करना है।

सुविधा का सिद्धान्त (Canon of Convenience) - कर के सुविधाजनक होने से आशय है कि कर ऐसे समय पर तथा ऐसी विधि द्वारा वसूल किये जाने चाहिए। जो करदाताओं के लिए सुविधाजनक हो। सिद्धांत यह भी बताता है कि कर सम्बन्धी अधिकारियों द्वारा यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि कर से करदाताओं को कम से कम असुविधा हो। उदाहरण के लिए, आयकर आय प्राप्त करते समय ही लगाया जाना चाहिए, बिक्रीकर की वसूली माल के विक्रय के समय की जानी चाहिए। इसी प्रकार, भू-राजस्व फसल के समय वसूल किया जाना चाहिए।

● **मितव्ययता का सिद्धान्त (Canon of Economy)** - इस सिद्धान्त के अनुसार कर संग्रह मितव्ययी होना चाहिए। कर के संग्रह में कम से कम व्यय होना चाहिए जिससे सरकार को करों से अधिक मात्रा में शुद्ध आय प्राप्त हो सके। यदि कर संग्रह पर अधिक व्यय होता है तो जनता पर कर-भार अधिक होगा परन्तु सरकार को करों से कम मात्रा में राशि प्राप्त होगी।

39. पीकाॅक-वाइजमैन अवधारणा में वर्णित विस्थापन प्रभाव का अर्थ है

Displacement effect explained in peacock-Wiseman hypothesis implies :

- (A) उच्च आर्थिक वृद्धि के अनुसार लोक व्यय का उर्ध्वगामी प्रतिस्थापन

An upward displacement of public expenditure according to higher economic growth

- (B) लोक व्यय तथा कराधान के पुराने रुझान से नए तथा उच्चतर स्तर की ओर गमन।

The movement from older level of public expenditure and taxation to a newer and higher level

- (C) लोक व्यय में स्थिर दर से वृद्धि होती है तथा यह उच्चतर स्तर पर पहुँचता है।

Public expenditure increases at steady rate and reaches higher level

- (D) सरकार अधिकाधिक नए कार्यकलाप शुरू करती है तथा इस प्रकार लोक व्यय में तेजी से वृद्धि होती है।

Government undertakes more and more newer activities and hence public expenditure rises steeply upwards

उत्तर- (B) व्याख्या पीकाॅक वाइजमैन अवधारणा में वर्णित 'विस्थापन प्रभाव' का अर्थ है कि लोक व्यय तथा कराधान के पुराने रुझान से नए तथा उच्चतर स्तर की ओर गमन।

सार्वजनिक व्यय के सम्बन्ध में वाइजमैन पीकाॅक परिकल्पना वैनगर की परिकल्पना को स्वीकार नहीं करती। वैनगर ने आनुभाषिक विश्लेषण के आधार पर यह स्थापित किया कि सार्वजनिक व्ययों में

विस्तार की दर अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर से अधिक होती है। जैसे- जैसे आर्थिक विकास होता जायेगा राज्य की क्रियाओं में और तेजी से विस्तार होगा। पीकाँक वाइजमैन मूलतः सार्वजनिक व्यय की वृद्धि के स्वरूप तथा ढाँचे के परिवर्तन के विश्लेषण से सम्बन्धित है। वाइजमैन और पीकाँक के अनुसार, सार्वजनिक व्यय में समय के साथ चरणबद्ध तरीके से बढ़ता है। परिकल्पना का सामान्य दृष्टिकोण तीन संबंधित अवधारणाओं को संदर्भित करता है :

1. विस्थापन प्रभाव
2. निरीक्षण प्रभाव
3. एकाग्रता प्रभाव

पीकाँक वाइजमैन के अनुसार युद्ध के दौरान जो सार्वजनिक व्यय में वृद्धि होती है। युद्ध के बाद उसमें कमी तो होती है पर लौटकर मूल स्तर नहीं प्राप्त होता। इसके अनुसार इसमें प्रवृत्ति क्रमिक या सीढ़ीनुमा होता है। इसे **विस्थापन प्रभाव** कहा जाता है।

40. किसी परिसंघ की सर्वाधिक महत्वपूर्ण विशेषता है

The most important characteristic of a federation is :

- (A) **केंद्र तथा राज्य सरकारों के कार्यों तथा संसाधनों के बीच पूर्ण मिलान**
Perfect match between the functions and resources of the Central and state Governments
- (B) **केंद्र तथा राज्य सरकारों के कार्यों तथा संसाधनों के बीच तदनुसृतता नहीं होना।**
Non-correspondence between the functions and resources of the Central and State Governments
- (C) **राज्यों पर केंद्र की सर्वोच्चता।**
Centre's supremacy over the States
- (D) **उपर्युक्त में कोई नहीं।**
None of the above

उत्तर- (B)/व्याख्या किसी परिसंघ की महत्वपूर्ण विशेषता **केंद्र तथा राज्य सरकारों के कार्यों तथा संसाधनों के बीच तदनुसृतता (Non-correspondence) नहीं होना।**

संघात्मक शासन व्यवस्था में शासन का विकेन्द्रीकरण होता है। संघ दो या दो से अधिक राज्यों का संघ है। भारत एक त्रिस्तरीय संघीय ढांचा है। संसाधनों तथा आवश्यकताओं के बीच आधारभूत या अन्तर्भूत असन्तुलन की समस्या सभी संघों में पाई जाती है। केन्द्र तथा राज्यों के बीच जो साधनों का तथा कार्यों का बँटवारा होता है स्वयं उसी बँटवारे में असन्तुलन अन्तर्निहित होता है।

प्रायः असन्तुलन दो प्रकार का होता है :

1. ऊर्ध्वाधर संघीय राजकोषीय असन्तुलन
(Vertical Federal Imbalances)
2. क्षैतिज संघीय राजकोषीय असन्तुलन
(Horizontal Federal Imbalances)

संघीय ऊर्ध्वाधर असन्तुलन की स्थिति ऐसी स्थिति है जिसमें संघ सरकार की आय, उसके व्ययों की आवश्यकता की पूर्ति की तुलना में अधिक हो, जबकि राज्यों की आय उनके कार्यों के लिए आवश्यक व्ययों को पूरा करने की तुलना में कम हो ऐसी स्थिति में केन्द्र या संघ तथा राज्यों के बीच ऊर्ध्वाधर असन्तुलन की स्थिति उत्पन्न होती है।

क्षैतिज असन्तुलन से आशय उस स्थिति से है जिसमें विभिन्न राज्यों की बजेटरी प्राप्तियों तथा किये जाने वाले सार्वजनिक व्ययों के बीच अन्तर हो। संघीय व्यवस्था की विभिन्न राज्य इकाइयाँ आर्थिक विकास, संसाधन, प्रतिव्यक्ति आय, जनसंख्या, औद्योगिक तथा कृषि की प्रगति आदि की दृष्टि से अलग-अलग होते हैं। इसके परिणामस्वरूप उनकी राजकोषीय स्थिति भी समान नहीं होती है। ऐसी स्थिति में विभिन्न राज्यों के बीच क्षैतिज विषमता या असन्तुलन की स्थिति दृष्टिगोचर होती है।

41. केंद्र में वित्तीय समेकन किया जा सकता है

Fiscal consolidation at the Centre can be achieved by :

- (A) **केवल प्रमुख सब्सिडियों को युक्तिसंगत बनाकर।**
Rationalization of major subsidies alone
- (B) **रक्षा व्यय में कटौती कर।**
Reducing the defence expenditure only
- (C) **कर-सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में वृद्धि कर तथा सब्सिडियों को युक्तिसंगत बनाकर।**
Raising the tax-GDP ratio and rationalisation of subsidies
- (D) **राज्य को केंद्रीय सहायता न्यूनतम करके।**
Minimising the Central assistance to the States

उत्तर- (C)/व्याख्या केंद्र में वित्तीय समेकन **कर सकल घरेलू अनुपात में वृद्धि कर तथा सब्सिडियों को युक्तिसंगत बनाकर** प्राप्त हो सकता है।

राजकोषीय सुदृढ़ीकरण आर्थिक नीति का सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु है। यह दो कारणों से आवश्यक है :

1. राजकोषीय सुदृढ़ीकरण से निवेश के परिवेश में सुधार होता है तथा **(Crowd-out effect)** में कमी आती है। इससे सरकार द्वारा बचतों के उपयोग कर लिए जाने में कमी आती है जिससे निवेश में वृद्धि होती है।
2. राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के बिना निकट भविष्य में वांछित उच्च संवृद्धि दर की प्राप्ति संभव नहीं होगी।

राजकोषीय घाटे में वृद्धि के परिणाम :

- ब्याज दरों में वृद्धि
- बाजार से निजी ऋणियों का पलायन (Crowd out)
- निजी निवेश में गिरावट
- ब्याज आकार में वृद्धि से आय का बड़ा भाग सरकार के राजस्व चुकाने में चला जाता है।
- सरकार का ऋण जाल में फँसना
- मुद्रा स्फीति में वृद्धि
- विदेशी पूँजी के अन्तर्प्रवाहों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा
- घरेलू मुद्रा के बाह्य मूल्य में कमी आएगी।

राजकोषीय समेकन के उपाय -

- सब्सिडियों को युक्तिसंगत बनाना
- कर सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में वृद्धि
- शून्य आधारित बजट प्रणाली
- Direct Benefit Transfer System
- कर आधार के विस्तार के लिए नये कर
- कर प्रशासन में सुधार लाना।

42. निम्नांकित रिपोर्टों को कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें :

Arrange the following reports in chronological order :

I. प्रत्यक्ष कर जाँच समिति, अंतिम रिपोर्ट

Direct Taxes Enquiry Committee, Final Report

II. कर संरचना को युक्तिसंगत तथा सरल बनाए जाने संबंधी अंतिम रिपोर्ट

Final Report on Rationalising and Simplifications of the Tax Structure

III. भारतीय कर सुधार - सर्वेक्षण की रिपोर्ट

Indian Tax Reforms - Report of a Survey

IV. कर जाँच आयोग

Taxation Enquiry Commission

निम्नांकित दिये गये कूटों में से सही उत्तर चुनें :

Choose the correct answer from the codes given below :

कूट / Codes :

(A) IV, III, II, I

(B) I, II, III, IV

(C) III, I, IV, II

(D) II, III, I, IV

उत्तर- (A)/व्याख्या

● प्रत्यक्ष कर जाँच समिति अन्तिम रिपोर्ट (1972)

रिपोर्ट		वर्ष	आयोग/ समिति
IV	कर जाँच आयोग	1953	जॉन मथाई आयोग
III	भारतीय कर सुधार — सर्वेक्षण की रिपोर्ट	1956	निकोलस केल्डार समिति
II	कर संरचना को युक्तिसंगत तथा सरल बनाए जाने संबंधी अंतिम रिपोर्ट	1968	एस. भूतलिंगम समिति
I	प्रत्यक्ष कर जाँच समिति, अंतिम रिपोर्ट	1972	प्रत्यक्ष कर जाँच समिति

प्रत्यक्ष कर जाँच समिति, अंतिम रिपोर्ट (1972)

अध्यक्ष : के. एन. वाचू

समिति ने कर प्रशासन को अधिक चुस्त तथा प्रभावपूर्ण बनाने के लिए अनेक सुझाव दिए। समिति वर्तमान नियंत्रण तथा लाइसेन्सिंग प्रणाली एवं परमिट की पद्धति को काले धन के सृजन के लिए कारण बताया तथा कर की सीमान्त दर में कटौती का सुझाव।

● एस. भूतलिंगम समिति (1968) - कर संरचना को युक्तिसंगत तथा सरल बनाए जाने संबंधी अंतिम रिपोर्ट।

● भारतीय कर सुधार सर्वेक्षण (निकोलस केल्डार समिति -1956)

● कर जाँच आयोग - जॉन मथाई आयोग (1953)

43. भारतीय संविधान में राज्य सूची (सूची - II) में करों की सही पहचान करें :

Identify correctly the taxes in State List (List - II) of the Constitution of India :

I. खनिज अधिकार पर कर / Taxes on mineral rights

II. विलासिता वस्तुओं पर कर / Taxes on luxuries

III. विनिमय बिलों, चेकों और प्रॉमिसरी नोट्स के संदर्भ में स्टाम्प शुल्क की दर

Rates of stamp duty in respect of bills of exchange,

cheques and promissory notes

IV. तम्बाकू पर उत्पाद शुल्क / Excise duties on tobacco
निम्नांकित दिये गये कूटों में से सही उत्तर चुनें :

Choose the right answer from the codes given below :

कूट / Codes :

(A) I और III सही हैं।

(B) I और II सही हैं।

(C) I, III और IV सही हैं।

(D) II, III और IV सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या भारतीय संविधान की 7वीं अनुसूची में केन्द्र तथा राज्यों के बीच कार्यों के बंटवारे के सम्बन्ध में तीन सूचियाँ हैं-

I संघीय सूची (Union List)

II राज्य सूची (State List)

III समवर्ती सूची (Concurrent List)

संघीय सूची में 97 विषय हैं। ये सभी राष्ट्रीय महत्व की मर्दे हैं।

राज्य सूची में 61 विषय हैं जिसमें कुछ ऐसी मर्दे हैं जिन पर कर लगाने का अधिकार राज्य सरकार को प्राप्त है -

(i) भूमि राजस्व

(ii) कृषि भूमि के उत्तराधिकार पर कर

(iii) खनिजों के अधिकार पर कर (सीमा के साथ)

(iv) मानवीय उपभोग के लिए अल्कोहल पेय तथा अफीम, गांजा तथा अन्य मादक पदार्थ एवं औषधियाँ

(v) विलासिता की वस्तुओं पर कर इत्यादि।

44. एकमुश्त अनुदान का तात्पर्य है :

Lump sum grant means :

(A) ऐसा अनुदान जिसकी राशि व्यय को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

A grant whose amount is sufficient to meet the expenditure.

(B) एक तुल्य तथा सशर्त अनुदान

A matching and conditional grant.

(C) एक विशेष उद्देश्य हेतु प्रदत्त अनुदान जिसे मात्र उसी उद्देश्य के लिए व्यय किया जा सकता हो।

Grant given for a special purpose and it can be utilised only for that purpose.

(D) ऐसा अनुदान जिसकी राशि प्राप्तकर्ताओं के तुल्य प्रयास पर निर्भर नहीं हो।

A grant whose amount is not dependent on any matching effort of the recipient.

उत्तर- (*)/व्याख्या Note - अन्तिम उत्तर कुंजी में प्रश्न को हटा दिया गया था।

एक मुश्त अनुदान एक बाद में दिया गया अनुदान है। यह सरल तथा प्रशासनिक तथा वित्तीय बोझों से मुक्त होता है।

ये ऐसे अनुदान होते हैं जिसकी राशि प्राप्तकर्ताओं के तुल्य प्रयासों पर निर्भर नहीं करती।

45. लैस्पेयर और पाशे के सूचकांकों का गुणोत्तर माध्य प्रदान करता है:

Geometric mean of Laspeyre's and Paasche's indices provides :

- (A) मार्शल-एजवर्थ सूचकांक / Marshall-Edgeworth Index
(B) बाउले का सूचकांक / Bowley's Index
(C) फिशर का सूचकांक / Fisher's Index
(D) केली का सूचकांक / Kelley's Index

उत्तर- (C) व्याख्या लैस्पेयर और पाशे के सूचकांकों का गुणोत्तर माध्य फिशर का सूचकांक प्रदान करता है।

$$P_{01} = \sqrt{L \times P}$$

$$= \sqrt{\frac{\sum P_1 Q_0}{\sum P_0 Q_0} \times \frac{\sum P_1 Q_1}{\sum P_0 Q_1}} \times 100$$

फिशर का सूचकांक आदर्श सूचकांक होता है क्योंकि यह समय तथा तत्व उत्क्राम्यता परीक्षण (Time and Factor Reversal Test) को पूरा करता है।

46. अभिकथन (A): चल औसत पद्धति का प्रयोग समय श्रृंखला में प्रवृत्ति का आँकलन करने हेतु किया जा सकता है।

Assertion (A) : Moving averages method can be used to estimate trend in time series.

तर्क (R) : चल औसत समय श्रृंखला में उतार-चढ़ाव को निष्कोणित बनाने का एक साधन है।

Reasoning (R) : Moving averages is a device to smoothen the fluctuations in time series.

निम्नांकित दिये गये कूटों में से सही कूट का चयन कीजिए :
Choose the correct answer from the codes given below :
कूट / Codes :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is a correct explanation of (A).
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
Both (A) and (R) are correct, but (R) is not a correct explanation of (A).
(C) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।
(A) is correct, but (R) is incorrect.
(D) (R) सही है, परन्तु (A) सही नहीं है।
(R) is correct, but (A) is incorrect.

उत्तर- (A) व्याख्या दिया गया अभिकथन (A) तथा तर्क (R) दोनों सही है। दीर्घकालीन प्रवृत्ति के मापन के लिए चल माध्य रीति सर्वमान्य लोकप्रिय तथा सरल विधि है। अल्पकालीन उच्चावचनों के प्रभाव को न्यूनतम करने में यह विधि प्रयोग की जाती है। चल माध्य अनुवर्ती माध्यों की एक ऐसी श्रेणी है जिसकी प्राप्ति काल श्रेणी के अनुवर्ती मूल्यों के समूहों के औसत द्वारा प्राप्त मूल्यों की श्रेणी से होती है।

अतः स्पष्ट है कि अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही है और तर्क (R), (A) की सही व्याख्या है।

47. निम्नलिखित में से कौन परीक्षण की शक्ति को इंगित करता है? [α प्रकार I त्रुटि की संभाव्यता है और β प्रकार II त्रुटि की संभाव्यता है।]

Which one of the following denotes the power of the Test ? [α is probability of Type I error and β is probability of Type II error]

- (A) α (B) β
(C) $1 - \alpha$ (D) $1 - \beta$

उत्तर- (D) व्याख्या $1 - \beta$ परीक्षण की शक्ति को इंगित करता है। एक असत्य शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करने की संभावना को परीक्षण की शक्ति कहा जाता है। शक्ति सही निर्णय करने की प्रायिकता है। (शून्य परिकल्पना अस्वीकार्य करना)

परीक्षण की शक्ति = $1 - \text{Type-II त्रुटि की संभावना}$

सामान्य शब्दों में शून्य परिकल्पना को अस्वीकार्य करना जबकि (H_1) सत्य हो। अर्थात् Type-II त्रुटि को अस्वीकार्य करने की प्रायिकता। चूँकि Type-II त्रुटि को β दर्शाता है (शून्य परिकल्पना स्वीकार करना जबकि वह गलत है।)

इस प्रकार परीक्षण की शक्ति होगी -

$$1 - \beta$$

48. एक आवृत्ति वितरण में जिसका प्रमाप विचलन 15.8 है, जिसकी माध्यिका उसके माध्य से 4 अधिक है, तो इसका विषमता गुणांक कितना होगा ?

In a frequency distribution the standard deviation of which is 15.8, the value of median is more than mean by 4, what will be its coefficient of skewness?

- (A) - 0.76 (B) + 0.76
(C) - 0.86 (D) + 0.86

उत्तर- (A) व्याख्या कार्ल पियर्सन ने विषमता की माप को ज्ञात करने की दो विधियाँ दी :

$$(i) S.k. = \frac{\bar{X} - Z}{\delta}$$

यहाँ $\bar{X}$ = माध्य, Z = बहुलक, δ = मानक विचलन

$$(ii) S.k. = \frac{3(\bar{X} - M)}{\delta} \text{ यहाँ } M = \text{माध्यिका}$$

दिया है -

प्रमाप विचलन (δ) = 15.8

माध्यिका, माध्य से 4 अधिक है। इस प्रकार (माध्य - माध्यिका) = -4

$$\text{विषमता गुणांक } S.k. = \frac{3(\bar{X} - M)}{\delta}$$

$$= \frac{3(-4)}{15.8} = \frac{-12}{15.8} = -0.76$$

49. तीन सिक्कों को एक साथ उछाला जाता है। इन सिक्कों के 2 चिह्न और 1 पट होने की क्या प्रायिकता होगी?

Three coins are tossed simultaneously. What is the probability that they will fall 2 heads and 1 tail ?

- (A) $\frac{1}{2}$ (B) $\frac{1}{4}$
(C) $\frac{3}{4}$ (D) $\frac{3}{8}$

उत्तर- (D)/व्याख्या एक सिक्के के चित (Heads) आने की प्रायिकता $= \frac{1}{2} (p)$

सिक्के के पट आने की प्रायिकता $= \frac{1}{2} (q)$

तीन सिक्कों को एक साथ उछालने पर 2 चित व 1 पट होने की प्रायिकता

$${}^3C_2 P^2 q = 3 \times \frac{1}{2} \times \frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{3}{8}$$

50. आवृत्ति बंटन में यदि प्रत्येक मद को 5 से गुणा किया जाता है तो विचलन गुणांक

In a frequency distribution if each item is multiplied by 5, the coefficient of variation will remain

(A) अपरिवर्तित रहेगा / unchanged

(B) 5 द्वारा गुणित होगा / Will be multiplied by 5

(C) 25 द्वारा गुणित होगा / Will be multiplied by 25

(D) 1/5 द्वारा गुणित होगा / Will be multiplied by 1/5

उत्तर- (A)/व्याख्या आवृत्ति बंटन में यदि प्रत्येक मद को 5 से गुणा किया जाता है तो विचलन गुणांक (Coefficient of Variation) अपरिवर्तित रहेगा।

दो श्रेणियों में विचरण की तुलना करने के लिए विचरण गुणांक का प्रयोग किया जाता है यह अपरिचरण का एक सापेक्ष माप है। इसका सबसे पहले प्रयोग कार्ल पियर्सन ने किया।

$$\text{विचरण गुणांक} = \frac{\text{प्रमाप विचलन}}{\text{समांतर माध्य}} = \frac{\delta}{\bar{X}} \times 100$$



निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्रकटित अधिमान सिद्धांत के संबंध में निम्नलिखित में से कौन-सा वक्तव्य सही है ?

Which among the following statements are true for the Revealed Preference Theory?

नीचे दिए गए कूटों में से सही उत्तर चुनें :

Choose the correct answer from the code given below :

वक्तव्य :

Statement :

- I. माँग की आय लोच धनात्मक होनी चाहिए।

Income elasticity of Demand should be positive.

- II. उपभोक्ता अधिमान प्रबल क्रमांकन को तुष्ट करता है।

Consumers Preferences satisfy strong ordering.

कूट/Codes :

(A) दोनों सही हैं। / Both are true.

(B) कोई भी सही नहीं है। / None are true.

(C) सिर्फ I सही है। / Only I is true.

(D) सिर्फ II सही है। / Only II is true.

उत्तर- (A) व्याख्या/ प्रकटित अधिमान सिद्धान्त के सम्बन्ध में निम्नलिखित सही है :

- I. माँग की आय लोच धनात्मक होती है।

- II. उपभोक्ता अधिमान प्रबल क्रमांकन को तुष्ट करता है।

प्रो० सैम्युलसन का प्रकटित अधिमान सिद्धान्त व्यवहारवादी क्रमसंख्यात्मक विश्लेषण है जो हिक्स तथा के अंतर्दर्शी (introspective) क्रम संख्या से भिन्न है। यह “तर्कसंगत माँग के सिद्धान्त का तीसरा मूल है (it is the third root of the logical theory of Demand) तथा हिक्स इसे “सशक्त आदेश के अंतर्गत प्रत्यक्ष संगति परीक्षण” (Direct consistency test under strong ordering) कहते हैं।

सैम्युलसन का प्रकट अधिमान सिद्धान्त बाजार में उपभोक्ता के अवलोकित व्यवहार के आधार पर दो वस्तुओं के एक संयोग के लिए उपभोक्ता के अधिमान का विश्लेषण करता है।

मान्यताएँ -

- (i) उपभोक्ता की रुचियों में परिवर्तन नहीं पाया जाता।
(ii) एक संयोग का चुनाव उस संयोग के प्रति उपभोक्ता के अधिमान को प्रकट करता है।
(iii) एक दी हुई कीमत-आय रेखा पर उपभोक्ता केवल एक संयोग का चुनाव करता है, अर्थात् सापेक्ष कीमतों में कोई भी परिवर्तन, जो उपभोक्ता खरीदता है उसमें जरूर कुछ परिवर्तन लायेगा।
(iv) उपभोक्ता किसी भी स्थिति में कम वस्तुओं की अपेक्षा अधिक वस्तुओं के प्रति अधिमान रखता है।

- (v) उपभोक्ता का चुनाव सशक्त आदेश (strong ordering) पर आधारित है।

- (vi) यह उपभोक्ता के व्यवहार की संगति (consistency) को मानकर आता है। अर्थात् यदि उपभोक्ता एक समय में B की अपेक्षा A को अधिमान देता है तो किसी अन्य स्थिति में A की अपेक्षा B को अधिमान नहीं दे सकता।

हिक्स के अनुसार यह ‘द्विवाची संगति’ (Two term consistency) है जिसके लिए सरल रेखा वक्र पर दो शर्तों का पूरा होना आवश्यक है :

- (i) A यदि B के बाईं ओर स्थित है तो B अवश्य A के दायी ओर स्थित होगा।
(ii) A यदि B के दाईं ओर स्थित है तो B अवश्य A के बाईं ओर स्थित होगा।

- (vii) सक्मकता (transitivity) : $A > B$ तथा $B > C$ तो निश्चित रूप से $A > C$ होगा। यदि उपभोक्ता दी हुई वैकल्पिक स्थितियों में से संगत चुनाव करना चाहता है तो प्रकटित अधिमान सिद्धान्त के लिए यह मान्यता आवश्यक है।

- (viii) माँग की आय लोच धनात्मक है अर्थात् जब आय बढ़ती है तो वस्तु की अधिक मात्रा माँगी जाती है और आय कम होने पर कम मात्रा माँगी जाती है।

2. खाद्य-वस्तुओं की माँग आय बेलोच होती है। निम्नलिखित में से किसके द्वारा इस सिद्धांत का प्रतिपादन किया गया है?

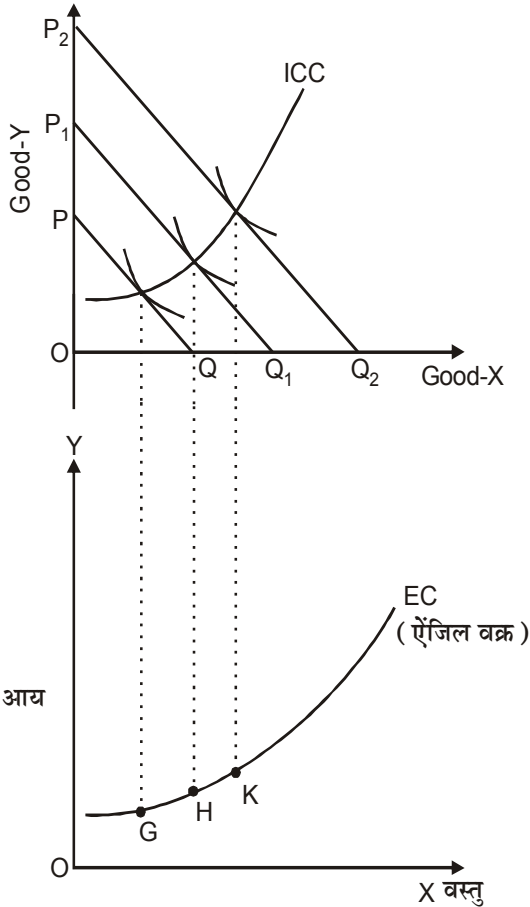
Demand for foodstuff is income inelastic. This is explained by

- (A) गिफेन विरोधाभास / Giffen's Paradox
(B) एन्जिल्स नियम / Engel's Law
(C) गॉसेन नियम / Gossen's Law
(D) रिकार्डो नियम / Ricardo's Law

उत्तर- (B) व्याख्या/ एंजिल के नियम के अनुसार खाद्य वस्तुओं की माँग आय लोच बेलोच होती है।

जर्मन सांख्यिकीविद् एंजिल (Engel) ने पारिवारिक घरेलू आय तथा खाद्य पदार्थों पर व्यय (उपभोग व्यय) के मध्य सम्बन्ध को दर्शाया। एंजिल के अनुसार जब पारिवारिक आय में वृद्धि होती है तो खाद्य पदार्थों पर व्यय का अनुपात गिरता है। भले ही कुल व्यय बढ़े जबकि उपभोग की मध्यकालिक वस्तुओं जैसे कपड़ों, किराया आदि पर व्यय स्थिर रहता है और शिक्षा, स्वास्थ्य व विलासिता की वस्तुओं पर व्यय बढ़ता है। एंजिल के नियम को बाद में रहन-सहन के स्तर को मापने में भी प्रयोग किया गया। एंजिल के नियम को चित्र के रूप में एंजिल वक्र से दर्शाया गया जो उपभोग पर व्यय तथा आय के बीच सम्बन्ध को दर्शाता है।

ऐंजिल वक्र एक व्युत्पन्न वक्र है जिसे आय उपभोग वक्र से व्युत्पन्न किया जाता है।



3. निम्नलिखित कारकों पर विचार करें :

Consider the following factors :

I. स्वतंत्र प्रवेश/Free entry

II. विज्ञापन/Advertising

III. संतोषजनक लाभ का लक्ष्य/Goal of satisfactory profits

इनमें से कौन चैम्बरलिन के एकाधिकारी प्रतियोगिता का भाग है?

Which of these are part of Chamberlin's Monopolistic Competition?

कूट / Codes :

- (A) उपर्युक्त तीनों (B) सिर्फ I और II
(C) सिर्फ II और III (D) सिर्फ III

उत्तर- (B)/व्याख्या सिर्फ I और II चैम्बरलिन के एकाधिकारी प्रतियोगिता का भाग है।

ए. एच. चैम्बरलिन ने 1933 में 'The Theory of monopolistic Competition' में एकाधिकारिक प्रतियोगिता की धारणा को प्रस्तुत किया। एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता उस बाजार स्थिति से संबंध रखती है जिसमें एक विभेदीकृत वस्तु की कई फर्में विक्रेता हो।

विशेषताएं -

- क्रेताओं तथा विक्रेताओं की अधिक संख्या
- स्वतंत्र प्रवेश तथा बहिर्गमन
- वस्तु विभेदीकरण किन्तु सभी उत्पाद एक दूसरे के नजदीकी स्थानापन्न
- विज्ञापन (विक्रय लागतों की उपस्थिति)
- फर्म का उद्देश्य लाभ अधिकतमीकरण
- उद्योग के स्थान पर 'समूह' की मान्यता
- फर्म के मांग वक्र, आगम वक्र बाएं से दाएं ऋणात्मक ढाल वाले

4. असममित जोखिम का अभिप्राय है

Non-symmetric risk means :

(A) वह जोखिम जिसे विविधीकरण के माध्यम से समाप्त किया जा सकता है।

A risk that can be eliminated by diversifying.

(B) वह जोखिम जिसे विविधीकरण के माध्यम से समाप्त नहीं किया जा सकता है।

A risk that cannot be eliminated by diversifying.

(C) वह जोखिम जिसे विविधीकरण के बगैर समाप्त किया जा सकता है।

A risk that can be eliminated without diversifying.

(D) वह जोखिम जिसे समाप्त नहीं किया जा सकता।

A risk that cannot be eliminated.

उत्तर- (*)/व्याख्या Note : अन्तिम उत्तर कुंजी में प्रश्न को हटा दिया गया।

Non-symmetric risk (असममित जोखिम) अथवा Unsystematic risk किसी एक कम्पनी अथवा उद्योग का जोखिम है इसे specific risk, diversifiable risk or residual risk भी कहा जाता है।

व्यवस्थित जोखिम सम्पूर्ण बाजार को प्रभावित करता है जबकि अव्यवस्थित जोखिम एक कम्पनी एक उद्योग पर लागू होता है। इन्हें दूर अथवा नियंत्रित किया जा सकता है तथा इस प्रकार के जोखिम के Investment Portfolio के माध्यम से निवेश में विविधीकरण करके कम किया जा सकता है किन्तु कभी भी समाप्त नहीं हो सकता।

उदाहरण - किसी कम्पनी में निवेश से प्राप्त प्रतिफल जो केवल कम्पनी की संवृद्धि तथा नीतियों पर निर्भर करती है।

5. निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने फर्मों के 'प्रवेश में बाधाएँ' अवधारणा विकसित की?

Who among the following economists developed the concept of 'Barriers to Entry' of firms?

(A) जे. एस. बेन / J. S. Bain

(B) डब्ल्यू. जे. बॉमोल / W. J. Baumol

(C) अल्फ्रेड मार्शल / Alfred Marshall

(D) डब्ल्यू. एस. जेवन्स / W. S. Jevons

उत्तर- (A)/व्याख्या जे. एस. बेन ने फर्मों के 'प्रवेश में बाधाएँ' अवधारणा विकसित की।

जे. एस. बेन पहला अर्थशास्त्री थे जिन्होंने 1949 में अपने एक लेख में सीमा कीमत निर्धारण सिद्धान्त को प्रतिपादित किया। इसे उन्होंने आगे 1956 में अपनी पुस्तक 'Barriers to New Competition' और फिर 1959 में दूसरी पुस्तक 'Industrial Organization' में इस सिद्धान्त को परिमार्जित व संशोधित किया।

बेन ने दर्शाया कि अल्पाधिकारी बाजार में फर्मों को अन्य फर्मों के संभावित प्रवेश का भय हो सकता है। लेकिन यदि कीमतों को ऊँचे स्तर पर निश्चित किया जाए तो संभावित विरोधी फर्मों के प्रवेश का भय नहीं रहेगा। इस प्रकार सीमा कीमत वह कीमत है जिसे स्थापित फर्म अन्य फर्मों के प्रवेश को आकर्षित किए बिना वसूल सकती है। कपटसंधी में फर्मों के एक समूह द्वारा सीमा कीमत निश्चित की जाती है जो उच्चतम सामान्य कीमत होती है। सीमा कीमत अल्पकाल में लाभ अधिकतमीकरण कीमतों से कम हो सकती है और समूह के बाहर तथा अन्दर फर्मों की सापेक्ष लागतों और उद्योग में मांग स्थितियों पर निर्भर करेंगी।

बेन सीमा कीमत को प्रतियोगी कीमत से ऊपर अधिकतम मानता है, जो स्थापित फर्मों द्वारा निश्चित की जाती है। ऐसी कीमतें नई फर्मों के प्रवेश पर रूकावट (या अवरोध या बाधा) का काम करती है। उद्योग में नए निवेशकों के ऊपर स्थापित फर्मों को प्राप्त होने वाले लाभ प्रवेश की रूकावटें हैं।

6. स्थिर औसत लागत में गिरावट के चलते औसत परिवर्ती लागत बढ़ने लगती है क्योंकि

Even as fixed average cost continues to fall, the average variable cost begins to rise because

- (A) साधनों का प्रतिफल हासमान होने लगता है।
returns to factors start diminishing
- (B) साधनों का प्रतिफल बढ़ने लगता है।
returns to factors start rising
- (C) लागत मूल्य बढ़ने लगते हैं।
input prices start rising
- (D) उत्पादक का बजट संकुचित होने लगता है।
producers budget starts shrinking

उत्तर- (A) व्याख्या स्थिर औसत लागत में गिरावट के चलते औसत परिवर्ती लागत बढ़ने लगती है क्योंकि साधनों का प्रतिफल हासमान होने लगता है।

लागत विश्लेषण में लागतों के परम्परागत सिद्धान्त के द्वारा अल्पकाल व दीर्घकाल में लागत वक्रों के व्यवहार का विश्लेषण करता है जो दर्शाता है कि अल्पकालीन व दीर्घकालीन लागत वक्र 'U' आकार के होते हैं लेकिन दीर्घकालीन लागत वक्र अल्पकालीन लागत वक्रों की अपेक्षा चपटे होते हैं।

फर्म के अल्पकालीन लागत वक्र (Firm's short run cost curve) अल्पकाल ऐसी अवधि है जिसमें फर्म अपनी मशीनें, उपकरण और उत्पादन के पैमाने को परिवर्तित नहीं कर सकती। बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए, फर्म अपने उत्पादन को अधिक श्रम या कच्चा माल लगाकर या वर्तमान श्रम शक्ति से अधिक समय काम कराकर ही बढ़ा सकती है।

उत्पादन का पैमाना स्थिर होने के कारण, अल्पकालीन कुल लागतें (TC), कुल स्थिर लागतें (TFC) और कुल परिवर्तनशील लागतें (TVC) में विभक्त की जाती है।

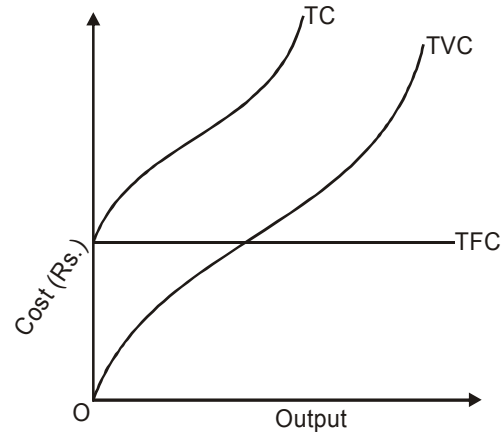
$$TC = TFC + TVC$$

कुल लागतें: वस्तु की दी हुई मात्रा को उत्पादित करने का कुल व्यय जिसमें उत्पादन के साधनों का भुगतान, कच्चा माल आदि शामिल है।

कुल स्थिर लागतें: उत्पादन के साथ परिवर्तित न होने वाली लागतें ये उत्पादन के स्तर से स्वतंत्र होती हैं इन्हें उपरि लागतें

(over head costs) भी कहते हैं।

कुल परिवर्तनशील लागतें : वे लागतें जो उत्पादन के साथ प्रत्यक्ष रूप से परिवर्तित होती हैं। ये प्रत्यक्ष लागतें हैं।



अल्पकालीन औसत लागतें (Short-run Average Cost)

औसत लागतें प्रति इकाई लागतें होती हैं।

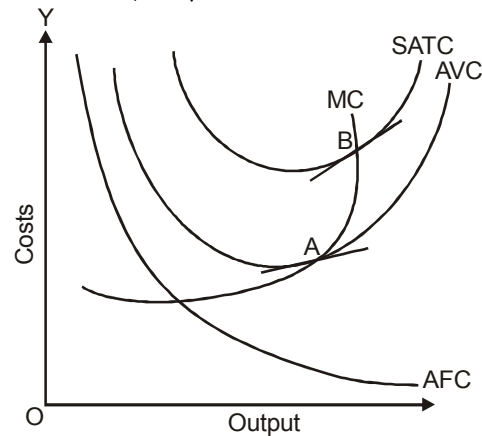
• औसत स्थिर लागतें (AFC) :
$$\frac{TFC}{Q}$$

उत्पादन के सभी स्तरों पर कुल स्थिर लागतें उतनी ही रहती हैं, उत्पादन के बढ़ने पर औसत स्थिर लागतें कम हो जाती हैं इसलिए AFC वक्र का ढाल नीचे की ओर दाएँ होता है वह आयताकार अतिपरवलय (Rectangular Hyperbola) होता है।

• अल्पकालीन औसत परिवर्तनशील लागतें

$$SAVC = \frac{TVC}{Q}$$

औसत परिवर्तनशील लागतें उत्पादन के बढ़ने के साथ पहले कम होती हैं लेकिन अंततः वे घटते प्रतिफल के नियम के कारण बढ़ना प्रारम्भ कर देती हैं इसलिए SAVC वक्र 'U' आकार का होता है।



दीर्घकाल में उत्पादन में स्थिर साधन नहीं होते इसलिए स्थिर लागतें भी नहीं पाई जाती फर्म अपने प्लांट का आकार या पैमाना बदल सकता है तथा कम या अधिक साधन लगा सकता है। क्योंकि दीर्घकाल में सभी साधन परिवर्तनशील होते हैं।

दीर्घकालीन औसत लागत वक्र भी 'U' आकार का होता है जिसे अल्पकालीन लागत वक्रों से व्युत्पन्न किया जाता है इसे लिफाफा वक्र भी कहा जाता है।

7. निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार करें :

Consider the following statements :

- I. दीर्घावधि औसत लागत वक्र का न्यूनतम बिन्दु न्यूनतम सुदक्ष पैमाना के रूप में जाना जाता है।

The lowest point on the long run average cost curve is known as minimum efficient scale.

- II. यह वह निर्गत होता है जहाँ पर दीर्घावधि औसत लागत वक्र का नीचे आना रुक जाता है।

It is the output at which long run average cost curve stops falling.

नीचे दिए गए कूटों में से सही विकल्प का चयन करें :

Choose the correct option from the code given below :

कूट / Codes :

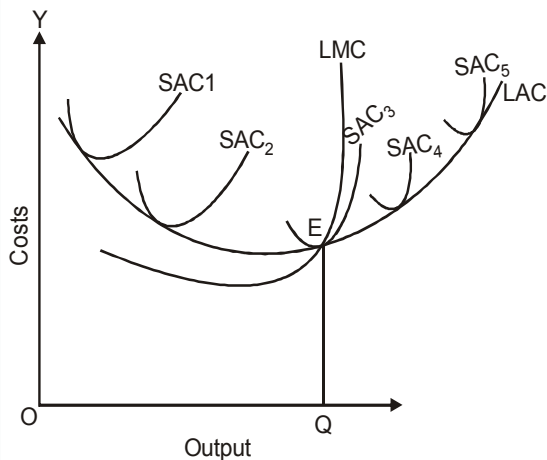
- (A) I और II दोनों सही हैं। (B) दोनों गलत हैं।
(C) सिर्फ I सही है। (D) सिर्फ II सही है।

उत्तर- (A) व्याख्या I और II दोनों सही हैं।

फर्म का दीर्घकालीन औसत कुल लागत का LAC वक्र सभी सम्भव अल्पकालीन औसत लागत वक्रों (SAC) से उत्पादन के विभिन्न स्तरों को उत्पादित करने की न्यूनतम औसत लागत को दर्शाता है। अतः SAC वक्रों से LAC को व्युत्पन्न किया जाता है। LAC वक्र वैकल्पिक अल्पकालीन स्थितियों की शृंखला है जिनमें से फर्म किसी एक में जा सकती है प्रत्येक SAC वक्र एक विशेष प्रकार के प्लांट को व्यक्त करती है जो उत्पादन की एक विशेष रेंज के लिए उपयुक्त है। इसलिए फर्म, विभिन्न प्लांटों का उस स्तर तक ही प्रयोग करेगी, जहाँ तक उत्पादन में वृद्धि के साथ अल्पकालीन औसत लागत कम होती जाएगी।

दीर्घकालीन औसत लागत वक्र LAC को SAC वक्रों के साथ जुड़े हुए समतल वक्र के रूप में इस प्रकार दिखाया जाता है कि वह किसी न किसी बिन्दु पर उन वक्रों को स्पर्श करें। LAC वक्र को लिफाका वक्र भी कहते हैं क्योंकि यह सब SAC को लपेट लेता है।

LAC वक्र SAC को स्पर्श करता है किन्तु यह प्रत्येक SAC के न्यूनतम बिन्दु पर स्पर्श नहीं करता अपितु अनुकूलतम उत्पादन स्तर के बिन्दु पर स्पर्श करता है। पहले यह SAC के गिरते हुए भाग को तथा इसके बाद दाहिनी ओर SAC के ऊपर उठते हुए भाग को स्पर्श करेगा।



चित्र में E बिन्दु दीर्घकालीन अनुकूलतम उत्पादन स्तर है। जो Q उत्पादन पर प्राप्त हो रहा है। यहाँ LMC वक्र LAC को E बिन्दु पर काटता है। SAC₃ अनुकूलतम प्लांट होगा जिस पर फर्म को उत्पादन करना चाहिए।

8. निम्नलिखित में से कौन अपूर्ण प्रतिस्पर्धा की एक विशेषता नहीं है?

Which among the following is not a characteristic of Imperfect Competition?

- (A) पूर्ण ज्ञान / Perfect knowledge
(B) निःशुल्क परिवहन / Free transport
(C) फर्मों का मुक्त प्रवेश / Free Entry of firms
(D) देशी उत्पाद / Homogeneous product

उत्तर- (A) व्याख्या पूर्ण ज्ञान अपूर्ण प्रतिस्पर्धा की एक विशेषता नहीं है।

अपूर्ण प्रतियोगिता का प्रतिपादन श्रीमति जॉन रॉबिन्सन ने अपने लेख The Economics of Imperfect Competition में किया। यह लेख चैम्बरलिन के एकाधिकारिक प्रतियोगिता विश्लेषण के समकालीन था। दोनों ने ही मूलतः यह प्रतिपादित किया कि शुद्ध प्रतियोगिता तथा शुद्ध एकाधिकार की स्थिति व्यवहारिक जीवन में नहीं पाई जाती व्यवहारिक जीवन में अपूर्ण प्रतियोगिता पाई जाती है। फेयर चाइल्ड के अनुसार 'यदि बाजार उचित प्रकार से संगठित न हो, यदि क्रेता एवं विक्रेता के पारस्परिक सम्बन्ध में कठिनाई उत्पन्न होती हो तथा वे अन्य व्यक्तियों द्वारा खरीदी गई वस्तुओं और दिये मूल्यों को ज्ञात करने में असमर्थ हो तो ऐसी स्थिति को हम अपूर्ण प्रतियोगिता कहते हैं। इस प्रकार बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता की स्थिति मौजूद नहीं हो उसे अपूर्ण प्रतियोगिता कहते हैं। चैम्बरलिन के एकाधिकारिक प्रतियोगिता तथा जॉन रॉबिन्सन के अपूर्ण प्रतियोगिता में अन्तर

- (i) प्रतियोगिता तथा एकाधिकार का मिश्रण-चैम्बरलिन ने एकाधिकार तथा प्रतियोगिता का मिश्रण किया। चूँकि प्रत्येक उत्पादक नजदीकी स्थानापन्न वस्तुओं का निर्माण करता है इसलिए इसे प्रतियोगिता का सामना करना पड़ता है पर दूसरी ओर उसे अपनी ब्राण्ड की वस्तु के सम्बन्ध में एकाधिकार प्राप्त होता है। रॉबिन्सन ने ऐसे मिश्रण की बात नहीं की।
- (ii) वस्तु विभेद - वस्तु विभेद एकाधिकारिक प्रतियोगिता की आधारभूत विशेषता है पर अपूर्ण प्रतियोगिता में वस्तु विभेद को महत्वपूर्ण स्थान नहीं मिला।
- (iii) अपूर्ण प्रतियोगिता में - संस्थिति में मात्र मूल्य उत्तरदायी विक्रय लागतों का अभाव रॉबिन्सन ने सीमान्त आय को विशेष महत्व दिया। उनके अनुसार

अपूर्ण प्रतियोगिता में $AR (\text{मूल्य}) = MR \left[1 - \frac{1}{e} \right]$ अर्थात् मूल्य सीमान्त आय तथा मांग की लोच पर निर्भर करेगा।

9. इष्टतम पूँजी संचय हेतु एडमंड फेल्लप्स के संचय संबंधी स्वर्णिम नियम के लिए निम्नलिखित में से कौन-सी शर्त सही है? निम्न कूट से चयन करें :

Which among the following conditions are true for Golden Rule of Accumulation of Edmund Phelps for optimum capital accumulation? Choose from the code below :

- I. बचत दर अद्वितीय होती है।/Savings rate is unique.
- II. पूँजी की सीमांत उत्पादकता पूँजी मूल्यहास के समान हो।
Marginal productivity of capital be equal to capital depreciation.

कूट / Codes :

- (A) दोनों सही हैं।
- (B) इन दोनों में से कोई सही नहीं है।
- (C) केवल I सही है।
- (D) केवल II सही है।

उत्तर- (A)/व्याख्या इष्टतम पूँजी संचय हेतु एडमंड फेलप्स के संचय संबंधी स्वर्णिम नियम के अनुसार बचतों को सदैव बढ़ाना व्यक्तिगत दृष्टिकोण से तो बेहतर हो सकता है लेकिन अर्थव्यवस्था के लिए अनुकूल नहीं। (Paradox of Thrift given by J.M. Keynes) क्योंकि चरण स्थिति में यदि अर्थव्यवस्था में सम्पूर्ण आय बचा ली जाए तथा उपभोग बिल्कुल न हो तो कल्याण बढ़ने के बजाए गिरगा तथा मंदी आएगी।

एडमंड फेलप्स ने सोलो मॉडल का प्रयोग करते हुए अनुकूलतम स्तर पर पूँजी के स्तर को ढूँढा जो उपभोग व्यय के संदर्भ में अर्थव्यवस्था के कल्याण को बढ़ाता है। पूँजी के स्तर K की स्थिर अवस्था जो प्रति श्रमिक उपभोग को अधिकतम बनाता है। संचय का स्वर्णिम नियम कहलाता है। इसे Edmund Phelps ने K^*g से दर्शाया।

इस स्तर पर

- बचत दर अद्वितीय होती है।
- पूँजी की सीमान्त उत्पादकता पूँजी मूल्यहास के समान होती है।

10. रोजगार संबंधी केन्ज के सिद्धांत द्वारा निम्नलिखित में से कौन-सा उपेक्षित था?

Which among the following were neglected by Keynes in his theory of employment?

- (A) अपेक्षाओं की भूमिका / Role of expectations
- (B) पूँजी स्टॉक की भूमिका / Role of capital stock
- (C) उपभोग की भूमिका / Role of consumption
- (D) सरकार की भूमिका / Role of government

उत्तर- (B)/व्याख्या कीन्स ने अपने रोजगार संबंधी सिद्धान्त में पूँजी स्टॉक की भूमिका को उपेक्षित रखा। उन्होंने उपभोग की भूमिका सरकार की भूमिका पर प्रत्यक्ष रूप से तथा अपेक्षाओं की भूमिका पर अप्रत्यक्ष रूप से बल दिया।

कीन्स ने अपनी पुस्तक (General Theory of Employment Interest and Money 1936) में नया रोजगार का सिद्धान्त दिया तथा नयी धारणाओं जैसे उपभोग प्रवृत्ति गुणक, निवेश प्रेरणा एवं पूँजी की सीमान्त उत्पादकता पर विशेष बल दिया।

कीन्स का रोजगार का सिद्धान्त अल्पकाल के लिए है इन्होंने माना कि इस अवधि में पूँजी की मात्रा, जनसंख्या व श्रम शक्ति,

तकनीकी ज्ञान, श्रमिकों की कार्यकुशलता आदि में कोई वृद्धि नहीं पाई जाती।

रोजगार (अथवा आय) के निर्धारण के विषय में कीन्स का आधारभूत विचार **प्रभावी अथवा समर्थ माँग** (Effective Demand) का नियम है। सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था में रोजगार का निर्धारण समस्त पूर्ति (Aggregate Supply) और समग्र माँग (Aggregate Demand) से होता है।

11. ड्यूसेनबेरी की भूतकाल की आय संबंधी अवधारणा के कौन-से कथन सही हैं? निम्न कूट से चयन कीजिए :

Which of the propositions of the past income hypothesis of Duesenberry are correct? Choose from the code below :
कथन / Statements :

I. वर्तमान उपभोग न सिर्फ वर्तमान आय बल्कि पूर्व आय का फलन है।

The current consumption is a function of not only current income, but also the past income.

II. संकुचन और विस्तार के दौरान आय और उपभोग के बीच असममित संबंध होता है।

There is asymmetrical relationship between income and consumption during contraction and expansion.

III. उपभोग-आय संबंध अपरिवर्तनीय होता है।

Consumption income relationship is irreversible.

IV. दबाव के दौरान आय की अपेक्षा उपभोग में थोड़ी कमी आती है किंतु विस्तार के दौरान उपभोग में अधिक वृद्धि होती है।

Consumption falls less than income during depression, but the rise in consumption is much more during expansion.

कूट / Codes :

- (A) I और III
- (B) I, II और III
- (C) I, II और IV
- (D) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

उत्तर- (D)/व्याख्या जेम्स ड्यूसेनबेरी की भूतकाल की आय संबंधी अवधारणा के अनुसार -

I. वर्तमान उपभोग न सिर्फ वर्तमान आय बल्कि पूर्व आय का फलन है।

II. संकुचन और विस्तार के दौरान आय और उपभोग के बीच असममित संबंध होता है।

III. उपभोग आय संबंध अपरिवर्तनीय है।

IV. दबाव के दौरान आय की अपेक्षा उपभोग में थोड़ी कमी आती है किंतु विस्तार के दौरान उपभोग में अधिक वृद्धि होती है।

जेम्स ड्यूसेनबेरी ने सापेक्ष आय परिकल्पना का प्रतिपादन किया इसके अनुसार व्यक्तियों का उपभोग सापेक्षित रूप से पड़ोसियों, सम्बन्धियों की आय पर निर्भर करता है। अपनी परिकल्पना को इन्होंने 'प्रदर्शन प्रभाव' तथा 'रैंचेट प्रभाव' से स्पष्ट किया।

12. परम्परावादी समष्टि प्रणाली में धन की प्रमात्रा में वृद्धि के परिणामस्वरूप क्या परिवर्तन होगा?

An increase in the quantity of money in the classical macro system will result in :

- I. मूल्य स्तर में वृद्धि/Increase in price level
- II. मूल्य स्तर में कोई बदलाव नहीं/No change in price level
- III. उत्पादन स्तर में कोई बदलाव नहीं और रोजगार में कोई बदलाव नहीं
Level of output and employment do not change
- IV. रोजगार और उत्पादन में वृद्धि
An increase in employment and output

निम्न कूट से सही उत्तर चुनिए :

Select the answer from the codes given below :

कूट / Codes :

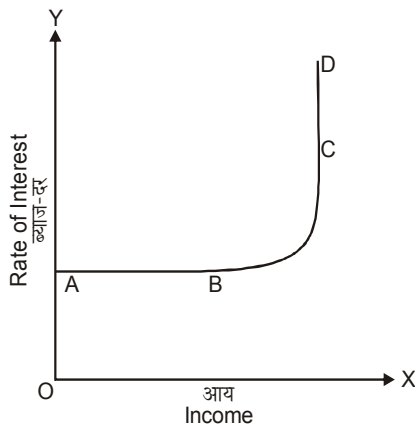
- (A) II और IV (B) I और II
(C) I और IV (D) केवल I और III

उत्तर- (D) व्याख्या केवल I और III सही है।

- परम्परावादी समष्टि प्रणाली मुद्रा को प्रभाव में शून्य (Money neutrality) मानती थी।
- क्लासिकल अर्थशास्त्रियों फिशर आदि तथा कैम्ब्रिज अर्थशास्त्रियों ने अपने मुद्रा परिणाम सिद्धान्त में इसे स्पष्ट किया। इनके अनुसार मुद्रा की पूर्ति में किसी भी अनुपात में कमी या वृद्धि कीमतों में उसी अनुपात में परिवर्तन लाएगी। चूँकि अर्थव्यवस्था में पूर्ण रोजगार पाया जाता है अतः मुद्रा की मात्रा में संकुचन या विस्तार उत्पादन तथा रोजगार के स्तर में कोई बदलाव नहीं लाएगा।

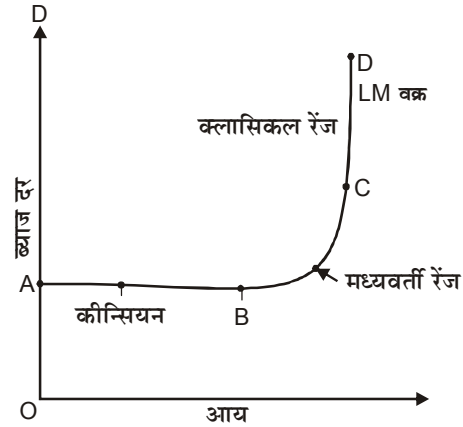
13. नीचे सुप्रसिद्ध एल. एम. वक्र दिया गया है और इसके परास को तीन भागों में चिह्नित किया गया है। चिह्नित परास के किस भाग में केन्ज प्रभाव लागू नहीं होता है?

Given below is the well-known LM Curve and its range is marked in three parts. In which of the marked range Keynes effect does not operate?



- (A) A B परास में / In the range AB
(B) BC परास में / In the range BC
(C) C D परास में / In the range CD
(D) A B और BC परास में / In the range AB and BC

उत्तर- (A) व्याख्या A B परास में केन्ज प्रभाव लागू नहीं होता है।



उपरोक्त चित्र में प्रदर्शित LM वक्र में AB वक्र कीन्सियन रेंज को दर्शाता है जो तरलता जाल के समान है। AB रेंज में जो Horizontal है Crowding out शून्य होगा।

जबकि B से C तक मध्यवर्ती रेंज में Crowding out Effect धनात्मक होगा। एवं क्लासिकल रेंज जो LM वक्र में CD रेंज में है Crowding out Effect अधिकतम होगा।

14. मुद्रा वेग के स्थायित्व की सैद्धांतिक धारणा हाल की शोध से कमजोर पड़ रही है। यह निम्न में से किसकी स्थिति के कमजोर होने का संकेत है?

The theoretical proposition of stable velocity of money is being weakened by the recent researchers. This has the effect of weakening the position of

- (A) केन्सियन्स/Keynesians
(B) मुद्रावादी/Monetarists
(C) नए परंपरावादी/New Classical
(D) आदर्शवादी/Utopians

उत्तर- (B) व्याख्या मुद्रावादी सिद्धान्तों की हाल के दिनों में नये शोधों के कारण स्थिति कमजोर हुई है। मुद्रा के वेग को मुद्रावादी स्थिर मानते थे जो अब अवास्तविक हो चला है।

एक औसत मुद्रा की इकाई वस्तु तथा सेवा के क्रय में जितनी बार प्रयोग होती है। उसे मुद्रा का वेग कहा जाता है। अर्थव्यवस्था में मुद्रा का वेग जितना अधिक होगा मुद्रा स्फीति में उतनी ही वृद्धि होगी यदि उत्पादन उस दर से नहीं बढ़ता।

$$VT = \frac{PT}{M}$$

VT = Velocity of money for all transaction in a given time frame.

P = Price Level

T = aggregate real value of transaction in a given time frame

M = Total nominal amount of money in

Circulation on average in the Economy

जो भी आर्थिक विचारधारा मुद्रा परिमाण सिद्धान्त पर विश्वास रखती है वह मुद्रा के वेग को स्थिर मानकर चलते हैं तथा मुद्रा को तटस्थ।

15. लेविस के द्विक्षेत्रीय मॉडल में निम्नलिखित में से कौन-सी मान्यता सही है?

Which of the following is the correct assumption for the Lewis two sector model?

- (A) शहरी क्षेत्र में उच्च बेरोजगारी
High unemployment in urban sector
(B) बढ़ती वास्तविक मजदूरी/Rising real wages
(C) ग्रामीण क्षेत्र में उच्च सीमांत उत्पादकता
High marginal productivity in the rural sector
(D) ग्रामीण क्षेत्र में श्रम आधिक्य
Surplus labour in the rural sector

उत्तर- (D)/व्याख्या लेविस के द्विक्षेत्रीय मॉडल, ग्रामीण क्षेत्र में पाई जाने वाली श्रम आधिक्य की समस्या से सम्बन्धित हैं। लेविस के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र में अदृश बेरोजगारी पाई जाती है जहां श्रमिकों की सीमान्त उत्पादकता शून्य अथवा बहुत कम होती है। यदि इन श्रमिकों को शहरी आधुनिक क्षेत्र में लगाया जाए जहां वास्तविक मजदूरी दर अधिक होती है तो विकास होगा।
नोट: लेविस ने अपना मॉडल “1954” में “असीमित श्रम आपूर्ति नाम” से दिया।

16. निम्नलिखित में से कौन रोजेस्टीन रोडान विकास मॉडल की एक बड़ी अविभाज्यता है?

Which of the following is a major indivisibility of Rosenstein-Rodan Model of development?

- (A) सेवाएँ/Services
(B) कृषि/Agriculture
(C) अवसंरचना/ Infrastructure
(D) आपूर्ति/Supply

उत्तर- (C)/व्याख्या अवसंरचना रोजेस्टीन रोडान विकास मॉडल की एक बड़ी अविभाज्यता है।

“बड़ा धक्का अथवा प्रयास” सिद्धान्त प्रो० पाल एन रोजेस्टीन रोडान नाम से सम्बद्ध है। इसके अनुसार अल्पविकसित अर्थव्यवस्था में विकास की बाधाओं को पार करने और उसे प्रगति पथ पर चलाने के लिए “बड़ा धक्का” की आवश्यकता होती जो न्यूनतम किन्तु उच्च मात्रा के निवेश के रूप में हो।

यह सिद्धान्त कहता है कि एक बड़े स्तर का निवेश किया जाए इसके लिए उन बाह्य मितव्ययिताओं को प्राप्त करना आवश्यक हो जाता है जो तकनीकी रूप से स्वतंत्र उद्योगों की एक साथ स्थापना से उत्पन्न होती है। इस प्रकार निवेश की न्यूनतम मात्रा से प्रवाहित होने वाली अविभाज्यताएं तथा बाह्य मितव्ययिताएं आर्थिक विकास का सफलतापूर्वक सूत्रपात करने के लिए आवश्यक हैं।

रोजेंस्टीन रोडान ने 3 प्रकार की अविभाज्यताओं को दिया

- (i) उत्पादन फलन की अविभाज्यताएं - सामाजिक उपरिव्यय पूँजी पूँजी उत्पाद/अनुपात कम करने में सहायक
(ii) माँग की अविभाज्यता-सहायक उद्योगों की स्थापना।
(iii) बचतों की पूर्ति में अविभाज्यता
बचतों की उच्च आय लोच तीसरी अविभाज्यता है निवेश के एक उच्च न्यूनतम आकार के लिए बचतें।

17. निम्नलिखित वक्तव्यों में से कौन विकास के मार्क्सवादी मॉडल के लिए सही है?

Which among the following statement is true for Marxian model of development?

- (A) उत्पादन-रीति में परिवर्तन तथा ‘उत्पादन में संबंध’ साथ-साथ घटित होते हैं।
Change in mode of production and Relations in production happen simultaneously.
(B) उत्पादन-रीति में परिवर्तन ‘उत्पादन में संबंधों’ में परिवर्तन का अनुगमन करता है।
Change in Mode of production follows change in Relations in production.
(C) उत्पादन-रीति में परिवर्तन ‘उत्पादन में संबंधों’ में परिवर्तन से पहले घटित होता है।
Change in Mode of production precedes the change in Relations in Production.
(D) ‘उत्पादन में संबंध’ महत्वपूर्ण नहीं हैं।
Relations in production are not important.

उत्तर- (C)/व्याख्या उत्पादन-रीति में परिवर्तन ‘उत्पादन में संबंधों’ में परिवर्तन से पहले घटित होता है - यह वक्तव्य विकास के मार्क्सवादी मॉडल के लिये सही है।
मार्क्स का आर्थिक विकास सम्बन्धी विश्लेषण 'Das Capital' में प्राप्त होता है।
मार्क्स के अनुसार सभी सामाजिक जीवन का आधार एवं क्रमिक विकास का कारण भौतिकवाद है। तथा सभी ऐतिहासिक घटनाएं आर्थिक शक्तियों द्वारा निर्धारित होती हैं। मार्क्स ने इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या प्रस्तुत की।
मार्क्स के सामाजिक व्यवहार का मुख्य आधार उत्पादन की विधि तथा उत्पादन के सम्बन्ध है। उत्पादन की विधि समाज में विशिष्ट प्रबंध की ओर संकेत करती है जो जीवन के समस्त सामाजिक, राजनैतिक एवं धार्मिक ढाँचे को निर्धारित करती है। जबकि उत्पादन के सम्बन्ध समाज के वर्ग ढाँचे से सम्बन्ध रखते हैं। उत्पादन के साधनों पर पूँजीपतियों का नियंत्रण होता है।

18. काल्डर के आर्थिक विकास के मॉडल के संबंध में के निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार करें :

Consider the following statements about the Kaldor's model of economic growth :

I. निवेश लाभ दर का फलन है।

Investment is a function of profit rate.

II. पूँजी समांग होती है।/ Capital is homogeneous.

III. बचत की सीमांत प्रवृत्ति मजदूरों और लाभ अर्जित करने वालों दोनों के लिए समान होती है।

Marginal propensity to save is same for wage earners and profit earners.

उपर्युक्त वक्तव्यों में से कौन-से सही हैं? नीचे लिखे कूट से उत्तर दीजिये :

of the above statements which are true? Answer from the code below :

कूट / Codes :

- (A) उपर्युक्त तीनों वक्तव्य सही हैं।
(B) II और III सही हैं। (C) सिर्फ I सही है।
(D) I और III सही हैं।

उत्तर- (C) व्याख्या सिर्फ I सही है।

निकोलस कॉल्डर ने सन् 1960 में अपने लेख (Essay on Economic Stability and Growth) में अपना आर्थिक विकास का मॉडल दिया। कॉल्डर का मानना था कि निवेश लाभ दर का फलन है।

कॉल्डर ने हैरड तथा कीन्सियन मॉडल को आधार बनाया। इनके अनुसार आर्थिक सिद्धान्त का उद्देश्य उन गैर-आर्थिक चरों को दर्शाना है जो अन्ततः उस दर का निर्धारण करती है जिस पर अर्थव्यवस्था का सामान्य उत्पादन स्तर बढ़ता है।

मान्यताएं

- बढ़ती अर्थव्यवस्था में वस्तु तथा सेवाओं की अल्पकालीन आपूर्ति अलोचशील (Inelastic) होती है। तथा प्रभावी मुद्रा मांग में वृद्धि से प्रभावित नहीं होती।
- तकनीकी विकास पूँजी निर्माण की दर पर निर्भर है। जबकि पूँजी उत्पाद अनुपात पूँजी की संवृद्धि दर तथा उत्पादकता की वृद्धि के सम्बन्धों पर निर्भर है।
- मजदूरी तथा लाभ आय से आते हैं। कुल बचत मजदूरी से बचत तथा लाभ से बचतों का योग है।
- बचत की सीमान्त प्रवृत्ति मजदूरों व लाभ अर्जित करने वाले दोनों में भिन्न होती है।

19. प्रच्छन्न बेरोजगारी के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सही है?

Which one of the following is true for disguised unemployment?

- (A) इसके पास बचत क्षमता होती है।
It has savings potential.
(B) इसके पास निवेश क्षमता होती है।
It has investment potential.
(C) यह उत्पादन का विस्तार करने का स्रोत है।
It is source of expanding production.
(D) यह सामाजिक असंतोष का स्रोत है।
It is a source of social unrest.

उत्तर- (A) व्याख्या प्रच्छन्न बेरोजगारी में बचत क्षमता होती है।

प्रायः ऐसा पाया जाता है कि ग्रामीण क्षेत्र में विशेष रूप से कृषि में उत्पादन के इष्टतम स्तर को प्राप्त करने के लिए जितने लोगों की आवश्यकता होती है उससे अधिक लोग कार्य में लगे रहते हैं। लेकिन वास्तव में इनकी सीमान्त उत्पादकता शून्य होती है यदि इन्हें कार्य से अलग कर दिया जाए तो उत्पादन शून्य हो जाएगा ऐसे श्रमिकों/व्यक्तियों को प्रच्छन्न बेरोजगार कहा जाता है। भारतीय कृषि क्षेत्र में यह गम्भीर समस्या है।

• प्रच्छन्न बेरोजगारी की धारणा का उल्लेख सर्वप्रथम श्रीमती जॉन रॉबिन्सन ने 1936 में मन्दी के समय अधिक उत्पादक प्रयोग से कम उत्पादक प्रयोग की ओर श्रमिकों के चक्रीय हस्तांतरण के लिए किया।

- रैगनर नक्से ने इसे 'अदृश्य बचत सम्भावना' तथा पूँजी निर्माण के स्रोत के रूप में देखा।
- अमर्त्य सेन ने मानवीय श्रम घण्टों के आधिक्य के रूप में इसे परिभाषित किया।
- वकील एवं ब्रह्मनंद ने अपने वेज गुड्स मॉडल में इस श्रम अतिरेक के उत्पादक प्रयोग पर विचार किया।

20. सोलो के संवृद्धि मॉडल के अंतर्गत सहज संवृद्धि अवस्था परिस्थिति में विकास की ऊपरी सीमा निम्नलिखित में से किसकी वृद्धि दर से निर्धारित होगी?

In the steady state growth situation in the Solow's model of growth, the upper limit to growth would be determined by the growth rate of

- (A) जनसंख्या (श्रम आपूर्ति)
population (labour supply)
(B) पूँजी / Capital
(C) उत्पादन / Output
(D) पूँजी और उत्पादन / Capital and Output

उत्तर- (A) व्याख्या सोलो के संवृद्धि मॉडल के अंतर्गत सहज संवृद्धि अवस्था परिस्थिति में विकास की ऊपरी सीमा जनसंख्या (श्रम आपूर्ति) की वृद्धि दर से निर्धारित होगी।

सोलो के संवृद्धि मॉडल के अंतर्गत सहज संवृद्धि अवस्था परिस्थिति में विकास की ऊपरी सीमा जनसंख्या (श्रम आपूर्ति) की वृद्धि दर से निर्धारित होगी। सोलो

नवक्लासिकल संवृद्धि मॉडलों से आर.एम. सोलो का नाम प्रमुख है। सोलो ने हैरड-डोमर की प्रमुख विशेषताओं जैसे- समरूप पूँजी, समानुपातिक बचत फलन व श्रम शक्ति की वृद्धि दर प्राचलों को भी लिया साथ ही एक निरन्तर उत्पादन फलन

“नवक्लासिकलन उत्पादन फलन” को भी अपनाया। इसमें सोलो उत्पादन को पूँजी और श्रम आगतों के साथ जोड़ता है जो एक दूसरे के साथ स्थानापन्न है।

21. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

Which one of the following pairs is not well matched?

अवधारणा Concept	अर्थशास्त्री Economist
(a) करो और सीखो Learning by Doing	(I) बी. एस. मिन्हाज् B. S. Minhas
(b) सर्वव्यापी तकनीकी प्रगति Disembodied Technical Progress	(II) जॉन रॉबिन्सन Joan Robinson
(c) स्वर्णिम युग Golden Age	(III) केनिथ एरो Kenneth Arrow
(d) सी. ई. एस. उत्पादन फलन CES Production Function	(IV) आर. एम. सोलो R. M. Solow

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	I	II	III	IV
(B)	IV	I	II	III
(C)	II	III	I	II
(D)	III	IV	II	I

उत्तर- (D)/व्याख्या नोट - इस प्रश्न को हटा दिया गया था क्योंकि प्रश्न सुमेलित नहीं था जबकि यह मिलान का होना चाहिए था। यदि सही मिलान होता तो उत्तर (D) होगा।

सही सुमेलन

अवधारणा	अर्थशास्त्री
(a) करो और सीखो	(iii) केनिथ एरो
(b) सर्वव्यापी तकनीकी प्रगति	(iv) आर. एम. सोलो
(c) स्वर्णिम युग	(ii) जॉन रॉबिन्सन
(d) C.E.S. उत्पादन फलन	(i) बी.एस.मिनहाज् इनके साथ चेनरी, एरो व सोलो ने दिया।

22. किसी कर को तब प्रगामी कहा जाता है, जब कर की सीमांत दर

A tax is said to be progressive, when the marginal rate of tax is

(A) औसत दर से अधिक हो/greater than the average rate

(B) औसत दर से कम हो/less than the average rate

(C) औसत दर के बराबर हो/equal to the average rate

(D) सीमांत त्याग के बराबर हो/equal to the marginal sacrifice

उत्तर- (A)/व्याख्या किसी कर को तब प्रगतिशील कहा जाता है, जब कर की सीमांत दर, औसत दर से अधिक हो।

प्रगतिशील करारोपण

प्रगतिशील करारोपण वह होगा जिसमें आय की वृद्धि के साथ करारोपण की दर में वृद्धि हो। यदि कर प्रणाली ऐसी है जिसमें आय के कुछ स्तर तक तो कर की दर में वृद्धि हो पर करारोपण की एक निश्चित दर के बाद वह स्थिर हो जाए तो इस कर प्रणाली को अवक्रमिक कर प्रणाली कहा जाता है।

23. अभिकथन (A) : सापेक्षिक रूप से कुछ निजी वस्तुएँ पूर्णतः प्रतिस्पर्धी और निकालने योग्य होती हैं।

Assertion (A) : Relatively few private goods are totally rival and excludable.

तर्क (R) : अधिकांश उपभोग (और उत्पादन) में कम से कम कुछ साझे पहलू होते हैं।

Reason (R) : Most consumption (and production) has at least some shared aspects.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं।

Both (A) and (R) are correct.

(B) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Both (A) and (R) are not correct.

(C) (A) सही है, परन्तु (R), (A) का सही कारण नहीं है।

(A) is correct, but (R) is not the correct reason of (A).

(D) (A) सही है और (R), (A) का सही कारण है।

(A) is correct and (R) is the correct reason for (A).

उत्तर- (A)/व्याख्या निजी वस्तुएं विभाज्य होती हैं और इनके सम्बन्ध में अपवर्जन का सिद्धान्त लागू होता है। अर्थात् निजी वस्तुओं में सामूहिक उपभोग नहीं होता तथा इनके उपभोग के लिए क्रय शक्ति आवश्यक है। इस प्रकार यदि किसी वस्तु की बाजार पूर्ति W हो तथा अर्थव्यवस्था में A एवं B दो उपभोक्ता हो और यदि $W_q = A$ का उपभोग तथा $W_b = B$ का उपभोग हो तो W निश्चित रूप से $W_a + W_b$ के बराबर होगा। यदि एक का उपभोग बढ़ेगा तो दूसरे का घटेगा।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं।

24. ऋण-प्रतिदान की पद्धतियों में शामिल हैं :

Methods of debt-redemption include

(A) पूँजी लेवी/Capital levy

(B) शोधन निधि/Sinking fund

(C) ऋण इनकार/Debt repudiation

(D) उपर्युक्त सभी/All the above

उत्तर- (D)/व्याख्या सार्वजनिक ऋणों के शोधन या प्रतिदान के तरीके (Redemption of Public Debt)

A. पूँजी लेवी (Capital Levy) - इस विधि में एक निश्चित सीमा के बाद सम्पत्ति पर कर लगाकर ऋण का भुगतान किया जाता है। डाल्टन ने इसे ऋण भुगतान कर कहा, पीगू ने भी इसका समर्थन किया।

B. ऋण शोधन कोष (Sinking Fund) - ऋणों के भुगतान के लिए सरकार द्वारा कोष बना दिया जाता है इसमें सरकार प्रतिवर्ष कुछ राशि डालती है और अन्त में ऋणों का भुगतान कर दिया जाता है।

C. ऋणों का इन्कार या प्रत्याख्यान (Debt Repudiation) - ऋणों के मूलधन तथा ब्याज के भुगतान की अदायगी से सरकार द्वारा इन्कार कर देना। डाल्टन इसे ऋण शोधन के तरीके के रूप में स्वीकार्य नहीं करते।

D. ऋण परिवर्तन (Conversion) - पुराने ऋणों के स्थान पर नये ऋण निर्गमित करना। इसमें ऋणदाता वही रहता है।

E. ऋण पुनः शोधन (Refunding) - नये ऋण लेकर पुराने का भुगतान करना। इसमें ऋणदाता परिवर्तित हो सकता है।

25. अभिकथन (A) : राजकोषीय अनुशासन के लिए व्यय सीमा अति वांछनीय है।

Assertion (A) : For fiscal discipline, expenditure cap is quite desirable.

तर्क (R) : बढ़ता हुआ राजकोषीय घाटा केन्द्र सरकार के वित्त को प्रतिकूलतः प्रभावित करता है।

Reason (R) : A widening fiscal deficit adversely impacts finances of the Central Government.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct, but (R) is not the correct explanation of (A).

- (B) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).
- (C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(A) is true, but (R) is false.
- (D) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है।
(R) is true, but (A) is false.

उत्तर- (A) व्याख्या राजकोषीय घाटा सरकार की कुल आय तथा कुल व्यय के मध्य अन्तर है। यह एक वित्तीय वर्ष में सरकार की कुल आय प्रकृति की प्राप्तियों व सरकार के कुल व्यय के आधिक्य के रूप में व्यक्त करता है।

यद्यपि राजकोषीय अनुशासन के लिए व्यय सीमा अति वांछनीय है तथा बढ़ता हुआ राजकोषीय घाटा केन्द्र सरकार के वित्त को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है तथापि विकासशील देशों में घाटा एक बाध्यता भी है और एक रणनीति भी एक रणनीति के रूप में इसके धनात्मक प्रभाव संरचनात्मक पिछड़ेपन अधिक प्रभावशाली प्रभाव तथा आर्थिक वृद्धि को तीव्र करने के रूप में है किन्तु दूसरी इसके नकारात्मक प्रभावों में बढ़ने ऋण के बोझ तथा व्याज भुगतान बढ़ने से व्यय योग्य कोष में कमी के रूप में है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

- 26. अभिकथन (A) :** राज्य सरकारों के ऋण-सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में वर्ष 2004 में उसके शीर्ष स्तर पर पहुँचने के बाद गिरावट देखी गई है।

Assertion (A) : The debt-GDP ratio of the State Governments witnessed a decline after reaching the peak level in 2004.

तर्क (R) : 'ऋण अदल-बदल' योजना लागू की गई और व्याज दरें घटायी गई।

Reason (R) : 'Debt swap' scheme was introduced and interest rates were reduced.

कूट / Codes :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).
- (B) (A) सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(A) is true, but (R) is not the correct explanation of (A)
- (C) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(A) is false, but (R) is true.
- (D) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है।
(R) is true, but (A) is false.

उत्तर- (A) व्याख्या वर्ष 2019-20 के आर्थिक मंदी व बाद के वर्षों के कोरोना संकट का असर स्पष्ट रूप से राज्यों तथा केन्द्र के वित्तीय स्वास्थ्य पर पड़ा है। RBI के राज्यों के बजट के वार्षिक

अध्ययन से पता चलता है कि वर्ष 2019-20 में Debt to GDP Ratio सभी राज्यों तथा UTs का लगभग 24.9% रहा।

- 27. भारत के संविधान के अनुसार, केन्द्र सरकार की सूची-I में शामिल कर हैं :**

Taxes in List - I of the Union Government as per the Constitution of India include :

- I. बिजली के उपभोग और बिक्री पर लगने वाला कर
Taxes on consumption and sale of electricity
- II. समाचारपत्रों की खरीद या बिक्री और उनमें प्रकाशित विज्ञापनों पर लगने वाला कर
Taxes on sale or purchase of newspapers and on advertisements published therein
- III. परिसम्पत्तियों के पूँजी-मूल्य पर लगने वाला कर
Taxes on capital value of assets
- IV. सम्पत्ति के उत्तराधिकार के संबंध में लगने वाले शुल्क
Duties in respect of succession to property

कूट / Codes :

- (A) I, II और IV सही हैं।
(B) I, II और III सही हैं।
(C) II, III और IV सही हैं।
(D) II और III सही हैं।

उत्तर- (C) व्याख्या II, III और IV सही हैं।

भारत के संविधान की सूची - I के अनुसार केन्द्र सरकार निम्न मदों पर कर लगा सकता है

- (i) आय कर - कृषि आय को छोड़कर
- (ii) कस्टम ड्यूटी
- (iii) Excise Duty (GST में आने वाले उत्पादों को छोड़कर)
- (iv) Corporation Tax
- (v) वित्तीय बाजार से संबंधित कर
- (vi) अखबारों तथा उनमें छपे विज्ञापनों पर GST इत्यादि।

- 28. अभिकथन (A) :** जब उत्पादन मात्रा में बदलाव होता है तब शुद्ध कर आय में स्वतः परिवर्तन होता है।

Assertion (A) : There is automatic change in net tax revenue when level of output changes.

करण (R) : स्वचालित स्थायित्व कारक तेजी और मंदी में समग्र व्यय को परिवीक्षित करते हैं।

Reason (R) : Automatic stabilizers moderate aggregate spending in times of boom and slow down.

कूट / Codes :

- (A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is ;the correct explanation of (A).
- (B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं पर (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सही है, पर (R) गलत है।

(A) is true, but (R) is false.

(D) (A) गलत है, पर (R) सही है।

(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (A)/व्याख्या स्वचालित स्थायित्व कारक (Auto matic Stabilizers) तेजी और मंदी में समग्र व्यय को परिवीक्षित (Moderate) करते हैं इसके कारण जब उत्पादन मात्रा में बदलाव होता है तब शुद्ध कर आय में स्वतः परिवर्तन होता है। स्वचालित स्थायित्व कारक राजकोषीय नीति ढांचे का एक प्रकार है जो देश की आर्थिक संवृद्धि में होने वाले उच्चावचनों को रोकते हैं यही नीति के इस प्रकार का प्रयोग किया जाता है तो सरकार या नीति निर्माता के बिना अतिरिक्त प्रयास के ही नीतिगत आत्रों जैसे सार्वजनिक व्यय एवं करारोपण में परिवर्तन पाए जाते हैं।

अतः स्पष्ट है कि (A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

29. निम्नलिखित का मिलान करें :

Match the following :

सूची - I

सूची-II

(a) आयात और निर्यात की माँग तथा कीमत लोच का योग एक से अधिक होता है। Sum of price elasticity of demand for exports and imports greater than unity.	(1) J- वक्र प्रभाव J- curve effect
(b) भुगतान संतुलन राष्ट्रीय आय और व्यय के बीच का अंतर है। Balance of payments is the difference between National Income and expenditure	(2) आयात कोटा प्रणाली Import quota systems
(c) अनुभवाश्रित साक्ष्य के अनुसार निर्यात और आयात की कीमत लोचों का अल्पकालीन का कम मान Empirical evidence showing lower short run price elasticities of exports and imports.	(3) मार्शल-लर्नर प्रणाली Marshall-Lerner condition
(d) आयात को कम करने के तरीके Method to cut down imports	(4) अवशोषण दृष्टिकोण Absorption approach

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	4	3	1	2
(B)	4	1	3	2
(C)	3	1	4	2
(D)	3	4	1	2

उत्तर- (D)/व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची -II
(a) आयात और निर्यात की माँग तथा कीमत लोच का योग एक से अधिक होता है।	(3) मार्शल-लर्नर प्रणाली ($e_x + e_m > 1$)
(b) भुगतान संतुलन राष्ट्रीय आय तथा व्यय के बीच का अंतर है।	(4) अवशोषण दृष्टिकोण जिसे सिडनी अलेक्जेंडर ने दिया।
(c) अनुभवाश्रित साक्ष्य के अनुसार निर्यात और आयात की कीमत लोचों का अल्पकालीन का कम मान	(1) J- वक्र प्रभाव
(d) आयात को कम करने के तरीके	(2) आयात कोटा प्रणाली

30. निम्नलिखित में से कौन इष्टतम मुद्रा क्षेत्र से संबंधित है?

Which of the following is related with optimum currency area?

- (A) एकल मुद्रा के लिए इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र
Optimal geographical area for a single currency.
- (B) कई मुद्राएँ जिनका विनिमय दर सापेक्ष रूप से निश्चित है, के लिए इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र
Optimal geographical area for several currencies whose exchange rates are relatively pegged
- (C) एकल मुद्रा या निश्चित दर वाली मुद्राओं में अन्य मुद्राओं की तुलना में साझा रूप से उतार-चढ़ाव आता है।
Single currency or the pegged currencies fluctuate jointly vis-a-vis other currencies.
- (D) उपर्युक्त सभी/All the above.

उत्तर- (D)/व्याख्या इष्टतम मुद्रा क्षेत्र संबंधित है-

- A. एकल मुद्रा के लिए इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र
- B. कई मुद्राएँ जिनका विनिमय दर सापेक्ष रूप से निश्चित है के लिए इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र
- C. एकल मुद्रा या निश्चित दर वाली मुद्राओं में अन्य मुद्राओं की तुलना में साझा रूप से उतार-चढ़ाव आता है।
- इष्टतम मुद्रा क्षेत्र (Optimal Currency Area) or Optimal Currency Region**, एक भौगोलिक क्षेत्र होता है जिसे आर्थिक दक्षता को अधिकतम करने के लिए पूरा क्षेत्र एक ही मुद्रा को अपनाता है। यह Economic Integration का एक रूप है। इसमें विभिन्न मुद्राओं का समायोजन या किसी नई मुद्रा को चलन में लाया जाता है। इष्टतम मुद्रा क्षेत्र एक देश से बड़ा हो सकता है। उदाहरण के लिए यूरो का प्रयोग।

31. निम्नलिखित में से कौन डब्ल्यू. टी. ओ. विनियमों में सम्मिलित नहीं है ?

Which one of the following is not included under WTO regulations?

- (A) औद्योगिक लाइसेंसों को समाप्त करना।
Removal of industrial licenses.

- (B) आयात प्रशुल्क को समाप्त करना।
Removal of import tariffs.
- (C) विदेशी पोर्टफोलियो निवेश को समाप्त करना।
Removal of foreign portfolio investments.
- (D) कीमत नियंत्रण को समाप्त करना।
Removal of price controls.

उत्तर- (C)/व्याख्या/ विदेशी पोर्टफोलियो निवेश को समाप्त करना

W.T.O विनियमों (Regulations) में शामिल नहीं है।

वैश्विक व्यापार के लिए W.T.O नियमन

W.T.O के वर्तमान नियमों को 3 समझौतों में संहिताबद्ध किया गया है।

1. The General Agreement of Tariffs and Trade (GATT) वस्तुओं का व्यापार
2. General Agreement on trade in services
3. The General Agreement on Trade-related aspects of Intellectual property rights (TRIPS)

GATT and TRIPS दोनों W.T.O में समाहित है।

W.T.O में प्रमुख नियम इस प्रकार है-

- आयात प्रशुल्कों को समाप्त करना
- सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को आसान बनाना
- संरक्षण की श्रेणी में आने वाले घरेलू नियम तथा करो को समाप्त करना
- कोटा व सब्सिडी को कम करना

32. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

Which of the following statements is true?

- (A) सामान्यतः ऐसा माना जाता है कि "थाई ब्हाट" के अवमूल्यन के साथ 2 जुलाई, 1997 को एशियाई वित्तीय संकट शुरू हुआ।
Asian financial crisis is generally considered to have started on July 2, 1997 with the devaluation of the Thai Baht.
- (B) सामान्यतः ऐसा माना जाता है कि रूसी संकट के साथ 2 अगस्त, 1998 को एशियाई वित्तीय संकट शुरू हुआ।
Asian financial crisis is generally considered to have started on 2nd August, 1998 with the Russian's crisis.
- (C) सामान्यतः ऐसा माना जाता है कि ब्राजील के 1999 का संकट एशियाई वित्तीय संकट का मुख्य कारण है।
Brazil's 1999 crisis is generally considered to be the main cause of Asian financial crisis,
- (D) उपर्युक्त सभी सही हैं।/All the above are true.

उत्तर- (A)/व्याख्या/ सही कथन है- सामान्यतः ऐसा माना जाता है कि "थाई ब्हाट" के अवमूल्यन (Thai Baht devaluation) के साथ 2 जुलाई 1997 को एशियाई वित्तीय संकट शुरू हुआ।

East Asian Crisis - 1997

एशियाई वित्तीय संकट का प्रारम्भ थाइलैण्ड से हुआ जबकि "थाई ब्हाट" Thai Baht का अवमूल्यन जुलाई 1997 में 15% तक कर दिया गया। Thai Baht थाइलैण्ड की मुद्रा है। इससे देश का व्यापार

तथा निवेश प्रभावित हुआ तथा थाइलैण्ड का जापान, U.S., यूरोपीय यूनियन, ASEAN के साथ व्यापार सुधारने में मदद मिली। यह अवमूल्यन Economy stockmarket bubbles external deficit में Overheating का परिणाम था। किन्तु एशिया के देशों में इसके बाद तेजी से अवमूल्यन देखा गया जिससे Capital outflow हुआ। इसने संकट को जन्म दिया, बैंको की स्थिति खराब हुई। बाद में IMF के हस्तक्षेप से सुधार हुआ।

33. निम्नलिखित का मिलान करें :

Match the following :

सूची - I

सूची - II

- (a) बैंक जो यूरो मुद्रा के लिए बाजार में ट्रेडिंग करते हैं। (1) यूरो मुद्राएँ
Euro currencies

Banks that conduct trading in market for Euro currencies

- (b) यू. एस. ए. के बाहर बैंकों में डॉलर तथा अन्य विदेशी मुद्राओं में मूल्यांकित और भुगतान योग्य जमा (2) एस. डी. आर
SDRs

Deposits denominated and payable in dollars and other foreign currencies in banks outside USA

- (c) यू. एस. से बाहर स्थित बैंकों में जमा डॉलर (3) यूरो बैंक
Euro banks

Dollar deposits located in banks outside US

- (d) आई. एम. एफ. के सदस्य देशों की पाँच मुद्राओं से बना मुद्रा बास्केट (4) यूरो डॉलर
Euro dollars

Currency baskets composed of five currencies of IMF members

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	3	4	1	2
(B)	3	1	4	2
(C)	3	4	2	1
(D)	1	3	4	2

उत्तर- (B)/व्याख्या/ सही सुमेलन है-

सूची - I	सूची - II
(a) बैंक जो यूरो मुद्रा के लिए बाजार में ट्रेडिंग करते हैं।	(3) यूरो बैंक
(b) यू. एस. ए. के बाहर बैंकों में डॉलर तथा अन्य विदेशी मुद्राओं में मूल्यांकित और भुगतान योग्य जमा	(1) यूरो मुद्राएँ
(c) यू. एस. से बाहर स्थित बैंकों में जमा डॉलर	(4) यूरो डॉलर
(d) आई. एम. एफ. के सदस्य देशों की पाँच मुद्राओं से बना मुद्रा बास्केट	(2) एस.डी.आर (1969 में प्रारम्भ IMF की मुद्रा)

34. यूरोपीय संघ के संदर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही है?

Which of the following is true for European Union?

(A) सभी सदस्य देशों की यूरो मुद्रा है।

All member countries have the Euro currency.

(B) सभी सदस्य देशों की एक समान रक्षा नीति है।

All member countries have the same defence policy.

(C) सदस्य देशों के बीच कोई प्रशुल्क नहीं है।

There are no tariffs between member countries.

(D) सभी सदस्य देशों की समान कराधान नीति है।

All member countries have the same taxation policy.

उत्तर- (C)/व्याख्या यूरोपीय संघ एक अद्वितीय आर्थिक एवं राजनैतिक संघ है जिसके 27 देश सदस्य हैं। यूरोपीय संघ के गठन की प्रक्रिया द्वितीय विश्व युद्ध के बाद प्रारम्भ हो गई। सन् 1958 में European Economic Community (EEC) का गठन किया गया जिसके 6 सदस्य देश थे। समय के साथ 22 अन्य देशों के एकल बाजार में सम्मिलित होने के बाद "The Maastricht Treaty - 1992" में यूरोपीय संघ का निर्माण हुआ।

- यूरोपीय संघ के 27 देशों में से 19 देश यूरो मुद्रा का प्रयोग करते हैं।
- सदस्य देशों के बीच कोई प्रशुल्क नहीं है।

35. जब कोई देश आयात प्रशुल्क लगाता है तो देश का प्रस्ताव वक्र

When a nation imposes an import tariffs, the nation's offer curve will

(A) निर्यात मापने वाली धुरी से अलग हटेगा।

shift away from the axis measuring exports

(B) निर्यात मापने वाली धुरी से निकट आएगा।

move closer to the axis measuring exports

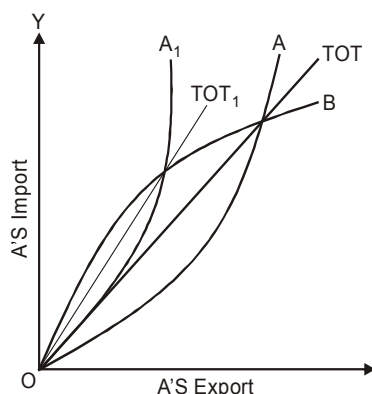
(C) कोई बदलाव नहीं आएगा।

no shift will take place

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

None of the above

उत्तर- (A)/व्याख्या जब कोई देश आयात प्रशुल्क लगाता है और दूसरा देश इसकी प्रतिक्रिया नहीं करता तो घरेलू देश का प्रस्ताव वक्र दूसरे देश की ओर झुकेगा अर्थात् निर्यात मापने वाली धुरी से अलग हटेगा तथा आयात मापने वाली धुरी की ओर झुकेगा।



चित्र में A निर्यातक देश का प्रस्ताव वक्र व B आयातक / विदेशी देश का प्रस्ताव वक्र है। चूँकि प्रशुल्क आयातों पर लगाया जाता है इसलिए A द्वारा प्रशुल्क लगाने पर A देश का प्रस्ताव वक्र अपने अक्ष से दूर हटेगा। तथा देश को कम मात्रा देने पर अधिक आयात मात्रा प्राप्त होगी।

36. ऐसा बाजार जिसमें लेनदेन भविष्य में किसी खास समय पर सम्पन्न होगा को कहा जाता है

Market at which transaction will be consummated at some specified time in future is called

(A) हाजिर बाजार / Spot market

(B) चालू बाजार / Current market

(C) पूँजी बाजार / Capital market

(D) वायदा बाजार / Forward market

उत्तर- (D)/व्याख्या ऐसा बाजार जिसमें लेनदेन भविष्य में किसी खास समय पर सम्पन्न होगा को **वायदा बाजार** कहा जाता है। जब लेन देन तत्काल (लेन देन होते समय उसी स्थान पर) हो तो इसे **स्पॉट बाजार** कहा जाएगा लेकिन जब लेनदेन भविष्य में किसी खास समय पर बाद में सम्पन्न हो तो यह **वायदा बाजार** होगा। इसमें दो पार्टियों के बीच (वस्तु, विदेशी विनियम या जिस सम्बन्ध में लेन देन सम्पादित किया जा रहा है,) यह समझौता होता है कि एक पार्टी एक भावी निश्चित समय तथा मात्रा एक निश्चित मूल्य पर जो सौदा होते समय तय हुआ है वस्तु की आपूर्ति भविष्य में करेगी।

37. भारत में सभी वाणिज्यिक बैंकों का पूँजी पर्याप्तता अनुपात Capital adequacy ratio of all commercial banks in India is

(A) 9% की वांछित दर से नीचे है

below the required rate of 9%

(B) 9% की वांछित दर के समान है

equal to the required rate of 9%

(C) 9% की वांछित दर से काफी अधिक है

well above the required rate of 9%

(D) 9% की वांछित दर से काफी कम है

far below the required rate of 9%

उत्तर- (C)/व्याख्या भारत में सभी वाणिज्यिक बैंकों का पूँजी पर्याप्तता अनुपात 9% वांछित दर से काफी अधिक है।

पूँजी पर्याप्तता अनुपात जिसे जोखिम भारित परिसम्पत्ति अनुपात (Capital to Risk Weighted Assets Ratio) के नाम से भी जाना जाता है बैंक की जोखिम भारित सम्पत्ति के साथ बैंक की पूँजी का अनुपात प्रदर्शित करता है। इस अनुपात का प्रयोग जमाकर्ताओं के हित को संरक्षित करने तथा बैंकिंग प्रणाली स्थिरता तथा कुशलता को बनाये रखने तथा प्रवर्तित करने के लिए किया जाता है।

$$CAR/CRAR = \frac{\text{कुल पूँजी फण्ड}}{\text{जोखिम भारित कुल सम्पत्तियाँ}} \times 100$$

पूँजी पर्याप्तता के सम्बन्ध में अनेक मानक विकसित किए गए जो मुख्य रूप से बेसल मापदण्डों के अनुरूप हैं।

38. निम्नलिखित में से कौन वाणिज्यिक बैंकों की देयताएँ हैं?

Which of the following are liabilities of commercial banks?

- I. पूँजी और आरक्षित निधि / Capital and reserves
- II. नकद तथा भारतीय रिजर्व बैंक के पास अवशेष
Cash and balances with RBI
- III. निवेश / Investments
- IV. उधारी / Borrowings

कूट / Codes :

- (A) I और III (B) I और IV
(C) I, II और III (D) II, III और IV

उत्तर- (B) व्याख्या वाणिज्यिक बैंकों की देयताएँ हैं

I. पूँजी और आरक्षित निधि

IV. उधारी

वाणिज्यिक बैंकों की देयताओं में वे सभी चीजें शामिल होती हैं जिनको बैंक को कुछ ब्याज के साथ वापस करनी पड़ती है। जैसे- चुकता पूँजी, आरक्षित निधि, जमा राशियाँ उधारी व अन्य देयताएँ।

39. अभिकथन (A) : 1969 में 14 वाणिज्यिक बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद वाणिज्यिक बैंकों के जमा संग्रहण में बहुत तेजी आयी थी।

Assertion (A) : There was remarkable acceleration in deposit mobilisation of commercial banks after the nationalisation of 14 commercial banks in 1969.

तर्क (R) : शाखाओं की संख्या में भारी विस्तार हुआ, ब्याज दर में वृद्धि हुई तथा कई नवोन्मेषी बचत योजनाएँ शुरू हुई।

Reason (R) : There was tremendous branch expansion, rise in interest rates and introduction of myriad innovative deposit scheme.

नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन करें :

Choose the correct answer from the codes given below:

कूट / Codes :

- (A) (A) सही है, किन्तु (R) सही नहीं है।
(A) is correct, but (R) is not correct.
- (B) (A) और (R) दोनों सही नहीं हैं।
Both (A) and (R) are not correct.
- (C) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R) सही व्याख्या नहीं है।
Both (A) and (R) are correct, but (R) is not the correct explanation.
- (D) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A)

उत्तर- (D) व्याख्या अभिकथन (A) : 1969 में 14 वाणिज्यिक बैंकों के राष्ट्रीयकरण के बाद वाणिज्यिक बैंकों के जमा संग्रहण में बहुत तेजी आई थी सही है।

सरकार ने 1969 में 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया उससे पहले SBI तथा RBI का राष्ट्रीयकरण हो चुका था। (1921 3 बैंकों बैंक ऑफ बॉम्बे, बैंक ऑफ मद्रास तथा प्रेसीडेंसी बैंक को मिलाकर इम्पिरियल बैंक बना जो आजादी के बाद 1955 में SBI बना) सरकार ने 1980 में 6 अन्य बैंकों का राष्ट्रीय करण हुआ इसके बाद साख का विवेकपूर्ण वितरण हुआ। वर्तमान में देश में 12 राष्ट्रीयकृत बैंक कार्यरत हैं।

1. State Bank of India	2. Punjab National Bank
3. Bank of Baroda	4. Bank of India
5. Bank of Maharashtra	6. Canara Bank
7. Central Bank of India	8. India Bank
9. Indian Overseas bank	10. Punjab and Sind Bank
11. Union Bank of India	12. UCO Bank

तर्क (R) : शाखाओं की संख्या में भारी विस्तार हुआ। ब्याज दर में वृद्धि हुई तथा कई नवोन्मेषी बचत योजनाएँ प्रारम्भ हुई, भी सही है और (R), (A) की सही व्याख्या भी है।

40. भारत में निम्नलिखित की स्थापना के आधार पर कालक्रमानुसार सजाएँ :

Arrange in chronological order, the establishment of the following in India :

- I. भारतीय औद्योगिक निवेश बैंक
Industrial Investment Bank of India
- II. विकास वित्तीय संस्थाओं संबंधी आर. बी. आई. कार्य दल
R. B. I. working group on Development Financial Institutions
- III. भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक
Small industrial Development Bank of India
- IV. बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आई.आर.डी.ए.)
Insurance Regulatory and Development Authority (IRDA)

कूट / Codes :

- (A) I, IV, III, II (B) III, I, IV, II
(C) III, IV, I, II (D) IV, I, III, II

उत्तर- (*) व्याख्या नोट - कोई विकल्प सही न होने के कारण प्रश्न हटा दिया गया है।

वित्तीय संस्थान	स्थापना वर्ष
I भारतीय औद्योगिक निवेश बैंक	1971
II भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक (SIDBI)	1990
III बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDA)	1999
IV विकास वित्तीय संस्थाओं संबंधी RBI का कार्य दल	2003-04

41. भारत में निम्नलिखित में से कौन-सी सावधि ऋणदाता संस्थाएँ हैं?

Which of the following are term lending institutions in India?

- I. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
Industrial Development Bank of India
- II. एक्जिम बैंक/ EXIM Bank
- III. भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक
Small Industrial Development Bank of India
- IV. नाबार्ड/NABARD

कूट / Codes :

- (A) I और III (B) I, III और IV
(C) I और II (D) I, II और III,

उत्तर- (*)/व्याख्या नोट - प्रश्न में सही विकल्प न होने के कारण हटा दिया गया चारों विकल्प सावधि ऋणदाता संस्थाओं के सम्बन्ध में सही है।

सावधि ऋणदाता संस्थाएं अथवा विकास बैंक (Development Finance Institution) विशेषीकृत संस्थाएं हैं जिन्हें विकास परियोजनाओं के लिए दीर्घकालिक वित्त उपलब्ध कराने के लिए स्थापित किया गया था इनके पूँजी का स्रोत राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय विकास वित्त रहे हैं।

प्रथम DFI 1948 में Industrial Financial Corporation of India (IFCI) था।

IDBI - 1964, UTI - 1963, NABARD - 1982, EXIM - 1982 Bank, SIDBI - 1990, NHB - 1988, IIFCL अन्य प्रमुख DFIs हैं। बाद में कई को व्यापारिक बैंक के रूप में परिवर्तित कर दिया गया।

1970, 80 के दशक में DFIs NPA बढ़ने, Political Motivated Lending and Inadequate Professionalism in assessing investment Projects for Economic, technical and Financial viability आदि के कारण नरसिम्हन समिति (Narsimhan Committee) - 1991 ने इनको बन्द करने तथा व्यापारिक बैंक में रूपान्तरित करने का सुझाव दिया। हाल ही में सरकार इस दिशा में पुनः विचार कर रही है। बजट 2021 में ₹ 100 लाख करोड़ National Infrastructure Pipeline के लिए आवंटित किए गए। RBI ने 2017 में इसकी आवश्यकता पर जोर दिया।

42. भारत में निम्नलिखित में से कौन विस्तृत मुद्रा (M_3) में शामिल किए जाते हैं ?

Which of the following are included in broad money (M_3) in India?

1. जनता के पास मुद्रा/Currency with the public
2. बैंक के पास माँग जमा/Demand deposits with Bank
3. बैंक के पास सावधि जमा/Time deposits with Bank
4. आर. बी. आर्. के पास 'अन्य जमा'

'Other deposits' with RBI

कूट / Codes :

- (A) 1, 2 और 3 (B) 1 और 2
(C) 3 और 4 (D) 1, 2, 3 और 4

उत्तर- (D)/व्याख्या विस्तृत मुद्रा M_3 में शामिल है-

- जनता के पास मुद्रा,
- बैंक के पास माँग जमा
- बैंक के पास सावधि जमा तथा
- RBI के पास अन्य जमा

M_3 को व्यापक मुद्रा कहा जाता है। इसमें पोस्ट ऑफिस की कोई जमा सम्मिलित नहीं है। मौद्रिक नीति क्रियाशीलन में सबसे व्यापक तथा व्यवहारिक आधार यही धारणा देती है। सामान्यतया मुद्रा की पूर्ति के लिए M_3 को ही किया जाता है।

$M_3 = M_1 +$ बैंक/ तथा सहकारी बैंकों की समय जमायें (रिजर्व बैंक के दूसरे कार्यकारी समूह -1977 के अनुसार)

$M_3 = M_2 +$ निवासियों के दीर्घकालीन जमा + वित्तीय संस्थाओं या गैर बैंकिंग स्रोतों से याचना (Call) या आवधिक जमा (Y.V. रेड्डी -1997 का तीसरा कार्यकारी समूह)

43. अभिकथन (A) : वह न्यूनतम दर जिस पर केन्द्रीय बैंक ऋण देने को तैयार हो, उसे बैंक दर कहते हैं।

Assertion (A) : The minimum rate at which the Central Bank is ready to lend is bank rate.

तर्क (R) : बैंक दर मुद्रा की माँग और आपूर्ति पर निर्भर करता है।

Reason (R) : The bank rate is determined by demand and supply of money.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों अलग-अलग सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are individually true and (R) is correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों अलग-अलग सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) & (R) are individually true, but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सही है किन्तु (R) गलत है।

(A) is true, but (R) is false.

(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (C)/व्याख्या कथन (A): वह न्यूनतम दर जिस पर केन्द्रीय बैंक ऋण देने को तैयार हो, उसे बैंक दर कहते हैं, सही है।

जबकि तर्क (R): बैंक दर मुद्रा की माँग और आपूर्ति पर निर्भर करता है गलत है।

बैंक दर वह दर है जिस पर केन्द्रीय बैंक अपने सदस्य बैंकों (व्यापारिक बैंकों) के बिलों की पुनर्कटौती करता है तथा व्यापारिक बैंक को ऋण देता है यह साख की उपलब्धता व लागत दोनों है। वर्तमान में Marginal Standing Facility जिसे मई 2011 में प्रारम्भ

किया गया के साथ बैंक दर को सम्बद्ध किया गया है। MSF एक ऐसी सुविधा है जिस पर बैंकों को आपातकालीन स्थिति में RBI से उधार प्राप्त होता है। जबकि Inter-Bank liquidity पर्याप्त न हो। इसकी दर repo दर से अधिक होती है। इस सुविधा के तहत बैंक अपने NDTL का 3% तक Overnight money के रूप में उधार ले सकते हैं।

अतः स्पष्ट है कि (A) सही है किन्तु (R) गलत है।

44. अभिकथन (A) : दिल्ली में जनसंख्या का घनत्व बहुत अधिक है।

Assertion (A) : Delhi has very high density of population.

तर्क (R) : ग्रामीण क्षेत्रों से लोग दिल्ली पलायन कर रहे हैं।

Reason (R) : People from rural areas are migrating to Delhi.

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें :

Choose the correct answer from the code given below :

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों दोनों गलत हैं।

Both (A) and (R) are false.

(B) (A) और (R) सही हैं और (R), (A) का सही कारण है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is correct reason for (A).

(C) (A) सही है किन्तु (R) गलत है।

(A) is true, but (R) is false.

(D) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) के लिए पर्याप्त कारण नहीं है।

Both (A) and (R) are true, but (R) is not an adequate reason for (A).

उत्तर- (B) व्याख्या अभिकथन (A) : दिल्ली में जनसंख्या घनत्व अधिक है, सही है। जनसंख्या घनत्व का अभिप्राय किसी भौगोलिक क्षेत्र में प्रति वर्ग कि.मी. क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या से है। भारत का जनसंख्या घनत्व, 382 प्रति वर्ग कि. मी. है। दिल्ली का जनसंख्या घनत्व 11,297 km² है।

तर्क (R) : ग्रामीण क्षेत्र से लोग दिल्ली पलायन कर रहे हैं, भी सही हैं। क्योंकि दिल्ली मेट्रो सिटी है और वहाँ रोजगार के बेहतर विकल्प उपलब्ध है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही कारण है।

45. स्थिर जनसंख्या की निम्न विशेषता होती है

A stable population is characterised by

(A) स्थिर जन्म-दर/Constant birth rate

(B) अपरिवर्तनशील आयु ढांचा

Unchanging age structure

(C) उपर्युक्त में से कोई सही नहीं है।

None of the above are true

(D) उपर्युक्त दोनों सही हैं।/Both the above are true

उत्तर- (D) व्याख्या स्थिर जनसंख्या (Stable Population) ऐसी जनसंख्या को दर्शाती है जिसमें जनसंख्या वृद्धि दर परिवर्तित न हो (लेकिन संभव शून्य न हो) अर्थात् स्थिर जन्म दर हो तथा आयु

ढांचा अपरिवर्तनशील हो (जनसंख्या पिरामिड का आकार परिवर्तित न हो) एक निश्चित उम्र संयोजन नियत जन्म और मृत्यु दरों से वृद्धि की स्थिर दर द्वारा चित्रित होती है।

46. निम्न पुनर्जनन दर के संबंध में निम्न में कौन सही है?

Which of the following is true for Net Reproduction Rate?

(A) यह किसी महिला से उत्पन्न हुई पुत्रियों की औसत संख्या से संबंधित है।

It relates to average number of daughters born to a female.

(B) यह किसी महिला की जीवन अवधि से संबंधित है।

It relates to the life span of a female.

(C) (A) और (B) दोनों सही हैं।/Both (A) and (B) are true.

(D) (A) और (B) में से कोई सही नहीं है।

None of (A) or (B) are true.

उत्तर- (A) व्याख्या निम्न पुनर्जनन दर किसी महिला से यह किसी महिला से उत्पन्न हुई पुत्रियों की औसत संख्या से संबंधित है। निम्न प्रजनन दर (Net Reproductive Rate) या निम्न पुनरुत्पादनीय दर =

पुनरुत्पादनीय आयु के दौरान पैदा हुई तथा जीवित लड़कियों की संख्या देश में कुल स्त्रियों की संख्या

इस प्रकार से आकलित दर GRR होगी। GRR में हम मातृ मृत्यु दर (MRR) घटा दे तो NRR प्राप्त होगा।

$NRR = GRR - MRR$

47. प्रदर्शित होने वाले जनांकिकीय लाभांश के संदर्भ में कौन-सा विकल्प सही है?

Which option is true for population dividend to manifest?

(A) 0 - 7 वर्ष के आयु वर्ग वाले बच्चों की जनसंख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

Population in the age group between 0-7 years is likely to increase.

(B) 8 - 15 वर्ष के आयु वर्ग वाले बच्चों की जनसंख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

Population in the age group between 8-15 years is likely to increase.

(C) 15 - 64 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों की जनसंख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

Population in the age group between 15-64 years is likely to increase.

(D) 65 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों की जनसंख्या में वृद्धि होने की संभावना है।

Population in the age group above 65 years is likely to increase.

उत्तर- (C)/व्याख्या 15-64 वर्ष के आयु वर्ग के लोगों की जनसंख्या में वृद्धि होने की संभावना है जनांकिकीय लाभांश के संदर्भ में सही है। **जनांकिकीय लाभ (Demographic Dividend)-**

जनसंख्या ढांचे में बढ़ती युवा तथा कार्यशील जनसंख्या (15 से 64 वर्ष की आयु) तथा घटते आश्रितता अनुपात के परिणाम स्वरूप उत्पादन में बड़ी मात्रा में सृजन में योगदान करना जनांकिकीय लाभ कहलाता है।

$$\left[\frac{P(0-14) + P(60+)}{P(15-64)} \right]$$

48. स्वतंत्रता पश्चात् भारत में क्षेत्र विकास का सही क्रम निम्नलिखित में से क्या है?

Which one of the following is the correct sequence of development of sectors in India post-independence?

- (A) कृषि, उद्योग, सेवा / Agriculture, Industry, Service
- (B) सेवा, कृषि, उद्योग / Service, Agriculture, Industry
- (C) उद्योग, कृषि, सेवा / Industry, Agriculture, Service
- (D) कृषि, सेवा, उद्योग / Agriculture, Service, Industry

उत्तर- (D)/व्याख्या स्वतंत्रता पश्चात् भारत में क्षेत्र विकास का सही क्रम **कृषि, सेवा, उद्योग** क्षेत्र हैं।

कॉलिन क्लार्क के विकास के क्रम को तोड़कर भारत में विकास का क्रम रहा है **कृषि, सेवा तथा उद्योग क्षेत्र**

विकास का कॉलिन क्लार्क मॉडल तीन व्यवसायिक चरणों के माध्यम से आर्थिक विकास का अवलोकन करता है। इसे 3 क्षेत्रीय मॉडल भी कहा जाता है। यह मॉडल अर्थव्यवस्था को क्रियाकलाप के आधार पर 3 क्षेत्रों में विभाजित करता है-

- (i) प्राथमिक क्षेत्र (कच्चे माल का निष्कर्षण)
- (ii) द्वितीयक क्षेत्र (विनिर्माण क्षेत्र)
- (iii) तृतीयक क्षेत्र (सेवा क्षेत्र)

क्लार्क ने दर्शाया कि उपरोक्त क्रम में ही विकास होता है।

49. नई कृषि रणनीति में एच. वाय. वी. पी. निम्नलिखित में से किसका संक्षिप्त रूप है?

The term HYVP in new agriculture strategy stands for

- (A) हाई यील्डिंग वैराइटी पेस्टिसाइड्स
High Yielding Variety Pesticides
- (B) हाई यील्डिंग वॉल्यूम प्रोडक्शन
High Yielding Volume Production
- (C) हाई यील्डिंग वैराइटीस प्रोग्राम
High Yielding Varieties Programme
- (D) हाई यील्डिंग वॉल्यूम प्रोग्राम
High Yielding Volume Programme

उत्तर- (C)/व्याख्या HYVP - High Yielding Varieties Programme

नई कृषि नीति (NAS) सन् 1966 में प्रारम्भ की गई थी। इसके तहत IADP और IAAP योजनाओं के अधीन सभी जिलों में फसलों की उच्च पैदावार वाली किस्मों को बढ़ावा देने एवं उपयोग करने के लिए नीतियाँ बनाई गई। सन् 1966 में खरीफ सत्र में NAS लागू की गई। इसे उच्च पैदावार वाली किस्मों के कार्यक्रम (HYVP) के रूप में भी जाना जाता है।

50. यदि किसी नियत भूखंड पर अधिकाधिक पूँजी और श्रम का प्रयोग किया जाता है तो कृषि की इस पद्धति को कहा जाता है
If more & more capital and labour are applied to a fixed piece of land, the system of cultivation of farming is known as

- (A) गहन कृषि / Intensive cultivation
- (B) विस्तृत कृषि / Extensive cultivation
- (C) सहकारी कृषि / Cooperative farming
- (D) द्विफसली कृषि / Double cropping

उत्तर- (A)/व्याख्या यदि किसी नियत भूखंड पर अधिकाधिक पूँजी और श्रम का प्रयोग किया जाता है तो कृषि की इस पद्धति को **गहन कृषि** कहा जाता है।

किसी दी हुयी समयावधि में एक ही खेत में बहुत संख्या में फसलें उगायी जाती हैं। अर्थात् किसी नियत भूखण्ड पर अधिकाधिक पूँजी तथा श्रम का प्रयोग किया जाता है तो कृषि की इस पद्धति को गहन कृषि (Intensive Cultivation) कहा जाता है।

एकल क्रॉपिंग (Monoculture) तब होती है जबकि एक मौसम में केवल एक ही फसल उगाई जाती है।

दोहरी क्रॉपिंग तब होती है जबकि दो फसलें उगायी जाये।

मिश्रित क्रॉपिंग (Mixed Cropping) वह पद्धति है जिसमें एक ही भूमि खण्ड पर एक ही साथ दो या दो से अधिक उपज एक ही साथ बोयी जाती है। मिश्रित क्रॉपिंग भारत में अधिकांशतया प्रयोग में आने वाली प्रणाली है, इसका प्रयोग खरीफ मौसम में अधिक किया जाता है।

कृषि जोतों के पुनर्गठन से आशय खेतों को इस प्रकार से व्यवस्थित करना है जिससे छोटे तथा छिटके खेतों से उत्पन्न होने वाली समस्यायें समाप्त हो जाए तथा उत्पादकता में वृद्धि हो। **इसके अंतर्गत मुख्य रूप से दो तरीके हैं -**

- (i) चकबन्दी (Consolidation)
- (ii) सहकारी खेती

सहकारी खेती में खेतों के छोटे तथा छिटके होने की समस्या का समाधान तथा दूसरा भूमि का समाजीकरण जिससे भूमिहीनों छोटे किसानों तथा कृषि श्रमिकों के साथ न्यायोचित बर्ताव हो सके।

सहकारी खेती के 4 रूप हो सकते हैं -

- (i) काश्तकारी सहकारी खेती
- (ii) सामूहिक सहकारी खेती
- (iii) उन्नत सहकारी खेती
- (iv) संयुक्त सहकारी खेती

51. फसल का नाम बताएँ जिनके संदर्भ में हरित क्रांति सर्वाधिक सफल रही है।

Mention the crop where Green Revolution is the most successful one

- (A) चाय और कॉफी / Tea & Coffee
- (B) गेहूँ और चावल / Wheat & Rice
- (C) गेहूँ और दलहन / Wheat & Pulses
- (D) ज्वार और तिलहन / Jowar & Oilseeds

उत्तर- (B)/व्याख्या/ हरित क्रांति की शुरुआत भारत में 1966 में खरीफ फसल से हुई। पर भारत में कृषि क्रांति की शुरुआत वास्तव में 1960 में नार्मन ई. बोर्लॉग द्वारा मेक्सिको में प्रयोग में लायी गयी गेहूँ की उन्नत प्रजाती के बीज के साथ होती है भारत में हरित क्रांति उन्नत बीज उर्वरक तथा सिंचाई के संयोग का परिणाम थी। इसका प्रभाव गेहूँ पर केन्द्रित रहा। चावल के सम्बन्ध में थोड़ा लाभ प्राप्त हुआ। पर अन्य सभी खाद्यान्नों में कम प्रभाव दिखायी दिया।

52. निम्नलिखित में से कौन-सा श्रम का सामाजिक सुरक्षा मद नहीं है?

Which of the following is not an item of social security of labour?

- (A) मजदूरी / Wage
- (B) मातृत्व लाभ / Maternity benefits
- (C) पेंशन / Pensions
- (D) औद्योगिक चोट प्रतिपूर्ति

Industrial Injury Compensation

उत्तर- (A)/व्याख्या/ मजदूरी श्रम का सामाजिक सुरक्षा मद नहीं है क्योंकि श्रमिकों को मजदूरी अनिवार्य रूप से उनके परिश्रमिक का भुगतान है। महिला श्रमिकों को मातृत्व लाभ, श्रमिकों की पेंशन सम्बन्धी योजनाएँ, औद्योगिक चोट आपूर्ति सामाजिक सुरक्षा उपाय है। भारत में श्रम से सम्बन्धी विषय संविधान में समवर्ती सूची में आते हैं। हाल ही में संसद में तीन श्रम संहिताएँ- Industrial Relations - Occupational safety, health and working condition, and social security पारित की है। वर्ष 2019 में 'Code of Wage Act - 2019' पारित हुआ इन तीनों के भारत में श्रम सुधार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव होंगे।

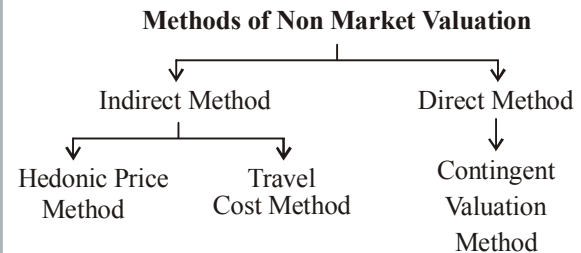
इन तीनों में वर्तमान में चल रहे कई श्रम कानून समाहित हो जायेंगे सामाजिक सुरक्षा संहिता के आने पर सामाजिक सुरक्षा से सम्बन्धित 9 कानून खत्म हो जायेंगे जिससे 'Employees' Provident Fund Act - 1952 तथा Maternity Benefit Act-1961 है।

53. निम्नलिखित में से कौन-सा पर्यावरणीय अर्थशास्त्र में उपयोग में लाए जाने वाले आकस्मिक मूल्यांकन प्रणाली (सी.वी.एम.) के बारे में सही है?

Which of the following is correct about the Contingent Valuation Method (CVM) used in Environmental Economics?

- (A) इसका प्रयोग केवल प्रदूषणकारी के लिए किया जाता है।
It is used only for pollutants.
- (B) इसका प्रयोग केवल सकारात्मक उपयोगिता की मदों के लिए किया जाता है।
It is used only for items with positive utilities.
- (C) इसका प्रयोग बाजार विफलता की मदों के लिए किया जाता है।
It is used for items under market failures.
- (D) इसका प्रयोग केवल प्राकृतिक संसाधनों के लिए किया जाता है।
It is used only for natural resources.

उत्तर- (C)/व्याख्या/ पर्यावरणीय अर्थशास्त्र में उपयोग में लाए जाने वाले आकस्मिक मूल्यांकन प्रणाली (C.V.M.) का प्रयोग बाजार विफलता की मदों में किया जाता है। अर्थात् जहाँ पर्यावरणीय मूल्यांकन में बाजार विधि प्रभावी नहीं होती वहाँ इसका प्रयोग किया जाता है। यह एक गैर बाजार विधि है।



CVM विधि लोगों की पर्यावरणीय लाभों तथा गुणवत्ता के लिए (वस्तु प्राप्त करने पर) व्यय करने की क्षमता (willing to Pay) तथा उनकी प्रारम्भिक उपयोगिता का हनन होने पर (वस्तु खोने पर) क्षतिपूर्ति प्राप्त करने (willing ness to accept) की मात्रा पर निर्भर है।

54. निम्नलिखित में से कौन-सा भारत में औद्योगिक इकाइयों की रूग्णता का कारण नहीं है?

Which among the following is not a cause of sickness of industrial units in India?

- (A) पुरातन प्रौद्योगिकी / Obsolescent technology
- (B) पूँजी लेखा परिवर्तनीयता का अभाव
Lack of capital account convertibility
- (C) श्रमिक समस्याएँ/Labour problems
- (D) त्रुटिपूर्ण कार्यस्थल/Faulty location

उत्तर- (B)/व्याख्या/ पूँजी लेखा परिवर्तनीयता का अभाव भारत में औद्योगिक रूग्णता का कारण नहीं है।

पूँजी खाता परिवर्तनीयता का अर्थ Bop के पूँजी खाते की मदों में विदेशी विनिमय से हैं। भारत में औद्योगिक रूग्णता के सम्बन्ध में कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुसार इसका निर्धारण कि कोई कम्पनी रूग्ण है या नहीं इस बात पर नहीं निर्भर करेगा कि संचित हानियाँ निवल मूल्य से अधिक है या नहीं बल्कि इससे निर्धारित होगा कि कम्पनी अपनी ऋण की अदायगी में सक्षम है या नहीं।

एक कम्पनी रूग्ण कहीं जाएगी यदि उसके बकाया ऋणदाताओं के 50% या इससे अधिक (सुरक्षित लेनदार, बैंक या वित्तीय संस्थाएँ) इसकी मांग करें। कम्पनी रूग्ण होगी यदि ऋण की अदायगी की नोटिस के 30 दिन के भीतर भुगतान करने में कम्पनी असफल रहे।

55. अभिकथन (A) : भारत में आधुनिक लघु उद्योग की तुलना में परंपरागत लघु उद्योगों की रोजगार उपलब्ध कराने की क्षमता अधिक है।

Assertion (A) : In India, the traditional small scale industries have greater employment potential than the modern small scale industries.

तर्क (R) : परंपरागत लघु उद्योग में प्रति श्रमिक पूँजी का मूल्य, आधुनिक लघु उद्योग में प्रति श्रमिक पूँजी के मूल्य की तुलना में कम होता है।

Reason (R) : The value of capital per worker in traditional small scale industries is small than the value of capital per worker in modern small scale industries.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सही है किन्तु (R) गलत है।

(A) is true, but (R) is false.

(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (A)/व्याख्या अभिकथन (A) भारत में आधुनिक लघु उद्योगों की तुलना में परंपरागत लघु उद्योगों की रोजगार उपलब्ध कराने की क्षमता अधिक है, सही है।

तर्क (R) परंपरागत लघु उद्योगों में प्रति श्रमिक पूँजी का मूल्य, आधुनिक लघु उद्योग में प्रति श्रमिक पूँजी के मूल्य की तुलना में कम होता है, भी सही है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में 1 जुलाई 2020 से MSME की नयी परिभाषा प्रभावी है। इस नयी परिभाषा में MSME द्वारा किया जाने वाला निर्यात टर्नओवर में दर्ज नहीं होगा। यह परिभाषा 2006 के MSME Act के अंतर्गत प्रभावी होगी।

नयी परिभाषा - इसमें विनिर्माण तथा सेवा को मिलाकर एक मापदण्ड रखा गया है।

Micro - 1 करोड़ निवेश तथा 5 करोड़ तक टर्नओवर

Small - 10 करोड़ तक निवेश तथा 50 करोड़ तक टर्नओवर

Medium - 10 करोड़ से 50 तक निवेश व 250 करोड़ तक टर्नओवर

56. निम्नलिखित राज्यों में से किस राज्य द्वारा वर्ष 2012-13 के दौरान गेहूँ का सर्वाधिक प्रापण हुआ?

For the year 2012-13 procurement of wheat has been largest in which of the following states?

(A) पंजाब और उत्तर प्रदेश / Punjab and U. P.

(B) उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश / U. P. and M. P.

(C) उत्तर प्रदेश और हरियाणा / U. P. and Haryana

(D) पंजाब और हरियाणा / Punjab and Haryana

उत्तर- (D)/व्याख्या कृषि वर्ष 2019-20 में गेहूँ का उत्पादन करने वाले विभिन्न राज्य

राज्य	गेहूँ उत्पादन (लाख मैट्रिक टन)
पंजाब	125.84
मध्यप्रदेश	113.38
हरियाणा	70.65
उत्तर प्रदेश	20.39
राजस्थान	10.63

57. वर्ष 2013-14 के लिए निम्नलिखित करों को सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत योगदान के आधार पर अवरोही क्रम से सजाएँ :

For the year 2013-14 arrange in descending order, the contribution of following taxes as percentage of G. D. P. :

1. आय कर / Income Tax

2. सेवा कर / Service Tax

3. निगम कर / Corporation Tax

4. उत्पाद शुल्क / Excise Duty

कूट / Codes :

(A) 4, 2, 3, 1

(B) 3, 1, 4, 2

(C) 2, 3, 1, 4

(D) 1, 2, 3, 4

उत्तर- (B)/व्याख्या भारत में केन्द्रीय कर से GDP का अनुपात (Central tax to GDP Ratio) वित्तीय वर्ष 2019-20 में 9.88% रहा जबकि 2018-19 में 10.97% व वर्ष 2017-18 में 11.22% रहा। यह निरन्तर कमी राजकोषीय घाटे को बढ़ाती है।

Higher tax to GDP Ratio दर्शाता है कि GDP में वृद्धि के साथ कर आधार में वृद्धि हो रही है। जबकि GDP में कमी के साथ कमी। हाल के वर्षों में कर आधार बढ़ाने के लिए कर अनुपालन (Tax compliance) कई सुधार किए गए जिसमें GST, Electronic Assessment of Tax Efforts आदि शामिल है।

वर्ष 2019-20

Direct tax to GDP Ratio - 5.18%

Indirect tax to GDP Ratio - 4.69%

58. भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के संबंध में निम्नलिखित तथ्यों में से कौन-सा सही है?

Which of the following facts are correct about the Competition Commission of India?

I. इसकी स्थापना वर्ष 2003 में हुई थी।

It was established in 2003.

II. इसकी स्थापना राघवन समिति की सिफारिशों पर हुई थी।

It was established on the recommendations of Raghavan Committee.

कूट / Codes :

- (A) I और II दोनों सही हैं।
(B) I और II दोनों सही नहीं हैं।
(C) केवल I सही है।
(D) केवल II सही है।

उत्तर- (A) व्याख्या भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग के संबंध में I और II दोनों सही हैं।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग भारत का प्रतिस्पर्धा नियामक है जो The Competition Act 2002 के माध्यम से 14 अक्टूबर 2003 को स्थापित हुआ। यह पूर्ण रूप से मई 2009 से कार्यशील हुआ। पूर्व के Monopolies and Restrictive trade Practices Act-1969 (MRTP Act) की जगह Competition Act 2002 बना जो राघवन समिति की सिफारिशों पर स्थापित हुआ। बाद में Act में 2007 में Competition (Amendment) Act, 2007 सुधार हुआ। यह कानून प्रतिस्पर्धा विरोधी गतिविधियों पर अंकुश लगाता है।

59. नवसृजित अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, - ग्रामीण सी. पी. आई. तथा शहरी सी. पी. आई. के लिए आधार वर्ष है
The base year for newly developed all India Consumer Price Index Number - Rural C. P. I and Urban C. P. I is

- (A) 2004 - 05 (B) 2006 - 07
(C) 2009 - 10 (D) 2010

उत्तर- (D) व्याख्या वर्तमान में अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक ग्रामीण तथा शहरी CPI के लिए आधार वर्ष 2012 है।

CPI { CPI Rural
CPI Urban
CPI Combined

RBI मौद्रिक नीति में Inflation Targeting के लिए CPI Combined को आधार बनाता है।

CSO ने जनवरी 2015 में CPI Base year 2010 = 100 से परिवर्तित करके 2012=100 कर दिया था।

नोट:

क्योंकि प्रश्न पत्र 2014 का है और व्याख्या 2020 में की गई है। इसलिए नवीन जानकारी समाहित की गई है।

60. 'व्यवसाय करने में सुगमता' के 10 मानदण्डों के आधार पर विश्व बैंक के हाल की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2013 से मई 2014 की अवधि के दौरान भारत अब किस स्थान पर आ गया है?

On the basis of 10 parameters for the 'ease of doing business', World Bank's latest report, during the period July 2013 to May 2014, India has come to which of the following position?

- (A) 138 (B) 142
(C) 144 (D) 146

उत्तर- (B) व्याख्या 'व्यवसाय करने में सुगमता' के 10 मानदण्डों के आधार पर विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार जुलाई 2013 से मई 2014 की अवधि के दौरान भारत 142 वीं स्थान पर था।

विश्व बैंक की Ease of Doing Business रिपोर्ट 2020 के अनुसार भारत की रैंक 2019 की स्थिति में 190 देशों में 63 वीं है जो 2018 की स्थिति में 77 वीं थी। भारत का स्कोर 67.23 से 71.0 हुआ है। Ease of Doing Business रिपोर्ट की शुरुआत 2003 में 190 देशों में 10 पैरामीटर को आधार मानते हुए विश्व बैंक ने की। यह रिपोर्ट समस्त देशों को 10 पैरामीटर पर मापती है। ये हैं:

1. Starting a Business
2. Dealing with Construction permits
3. Electricity Availability
4. Property Registration
5. Credit Availability
6. Protecting Minority Investors
7. Paying Tax
8. Trading across border
9. Contracts Enforcement and
10. Resolving Insolvency

61. निम्नलिखित में से कौन गलत है?

Which is false in the following?

(A) दसवीं पंचवर्षीय योजना की अवधि 2002-2007 थी।

The duration of Tenth Five Year Plan was 2002-2007.

(B) भारतीय भूमि प्रणाली में रैयतवाड़ी कालावधि मध्यवर्ती रही है।

Ryotwari tenure has been the intermediary in Indian land system.

(C) जमींदारी प्रणाली का आरंभ लॉर्ड डलहौजी द्वारा किया गया था।

Zamindari system was introduced by Lord Dalhousie.

(D) महलवाड़ी भूमि कालावधि प्रणाली आगरा और अवध में शुरू की गयी थी।

Mahalwari land tenure system was introduced in Agra and Oudh.

उत्तर- (C) व्याख्या जमींदारी प्रथा का प्रारम्भ 1793 में लॉर्ड कार्नवालिस द्वारा बंगाल में किया गया लॉर्ड डलहौजी द्वारा नहीं।

इस प्रथा के अंतर्गत जमीन का स्वामित्व जमींदार के पास रहता है पर खेती की व्यवस्था करना तथा कृषि क्रिया में श्रम करना काश्तकारों (Tenant) के हाथों में होता है।

इस प्रथा के अंतर्गत जमींदार को उत्पादन का निश्चित भाग मिलता था और वही सरकार को लगान चुकाता था।

भारतीय भूमि प्रणाली में रैयतवाड़ी कालावधि मध्यवर्ती रही। इस प्रणाली की शुरुआत मद्रास में की गयी बाद में महाराष्ट्र, बरार, आसाम, व पूर्वी पंजाब में भी प्रयोग में लाया गया। इस प्रणाली में भूमि का स्वामित्व राज्य के पास होता था पर व्यवस्था में भूमि पर खेती करने वाला ही स्वामी होता था जिसे रैयत कहते थे। सरकार द्वारा रैयत के नाम भूमि का पट्टा किया जाता था तथा मालगुजारी का निर्भरण भूमि सर्वेक्षण के बाद होता था।

महलवाड़ी प्रणाली के अंतर्गत भूमि पर किसी ग्राम समुदाय का

स्वामित्व होता था, सामान्यतः गाँव ही प्रबन्ध की इकाई के रूप में होता था। खेती करने के लिए भूमि को खेती करने वाले व्यक्तियों में बाँट दिया जाता था और उनसे लगान वसूला जाता था। इस प्रणाली को विलियम वेन्टिंग ने आगरा और अवध में प्रारम्भ किया बाद में यह प्रणाली मध्य प्रदेश व पंजाब में फैल गयी।

62. वित्तीय क्षेत्र विधायी सुधार आयोग, 2013 ने निम्नलिखित पहलुओं पर अपनी सिफारिशें प्रस्तुत की :

The Financial Sector Legislative Reforms Commission 2013 submitted its recommendations on the following aspects:

I. विधायी Legislative	II. गैर-विधायी Non-legislative
III. विपणन Marketing	IV. विज्ञापन Advertising
- कूट :
- | | |
|-----------------|----------------|
| (A) I, II, IV | (B) I, II, III |
| (C) II, III, IV | (D) I, II |

उत्तर- (D) व्याख्या वित्तीय क्षेत्र विधायी सुधार आयोग (FSLRC) का गठन मार्च 2011 में वित्तीय क्षेत्र के कानूनों को नए सिरे से लिखने के लिए किया गया ताकि इन कानूनों का वर्तमान आवश्यकताओं के साथ समन्वय स्थापित किया जा सके। इस कमीशन के अध्यक्ष B.N.Srikrishna थे। FSLRC ने 22 मार्च 2013 को अपना प्रतिवेदन सरकार को सौंपा। इसने एक गैर क्षेत्रीय सिद्धान्त पर आधारित विधायी नियामक की अनुशंसा की। यह नियामक वित्तीय क्षेत्र के लिए मौजूदा नियामक एजेंसियों के उन्नयन या पुनर्गठन के लिए है।

63. वर्ष 2013-14 के दौरान "मनरेगा" कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित में से किन राज्यों में महिला रोजगार का प्रतिशत सबसे कम था?

Which of the following States had the lowest women employment percentage under MNREGA programme during 2013-14?

- (A) उत्तर प्रदेश और राजस्थान/U. P. and Rajasthan
(B) ओडिशा और मध्य प्रदेश/Odisha and M. P.
(C) उत्तर प्रदेश और ओडिशा/U. P. and Odisha
(D) राजस्थान और पश्चिम बंगाल
Rajasthan and West Bengal

उत्तर- (C) व्याख्या वर्ष 2013-14 के दौरान "मनरेगा" कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश और ओडिशा राज्यों में महिला रोजगार का प्रतिशत सबसे कम था।

मनरेगा की शुरुआत NREGA - Act - 2005 के माध्यम से 2 फरवरी 2006 से की गयी। बाद में 2 अक्टूबर 2009 को इसका नाम बदलकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी एक्ट Act (MGNREGA) कर दिया गया। यह योजना प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम 100 दिन के रोजगार का वादा करती थी। बाद में इसे 2014 में 150 दिन कर दिया गया। पुनः सरकार परिवर्तित होने पर 150 दिन न्यूनतम मजदूरी का मापदण्ड सूखा प्रभावित क्षेत्रों, प्राकृतिक आपदा प्रभावित क्षेत्रों

(जिसे Ministry of Agriculture and former welfare संदर्भित करें) तथा अनुसूचित जनजाति के परिवार जो वन क्षेत्रों में रहते हैं तथा FRA Act 2006 में प्रदान किए गए भूमि अधिकार के अतिरिक्त कोई निजी सम्पत्ति नहीं है के लिए रखा। शेष के लिए 100 दिन ही न्यूनतम रोजगार दिन है।

इस एक्ट में प्रावधान है कि लाभार्थियों में कम से कम एक तिहाई (1/3) महिलाएं होगी। वर्तमान में यह प्रतिशत लगभग 53% है। वर्ष 2020-21 में MNREGA के अन्तर्गत महिलाओं की भागीदारी 53.07% रही। जो 2018-19 में 54.78% थी। कुल श्रम शक्ति का केरल में 79% महिलाएं इस योजना में रोजगार पा रही है जो देश में सर्वाधिक % है। वहीं उड़ीसा, उत्तर प्रदेश, बिहार में सबसे कम महिला रोजगार का 22 प्रतिशत से 33% है जो खराब स्थिति है।

64. नीचे दिए गए विकास मॉडल में :

In a growth model given below :

$$S_t = \alpha Y_t \quad 0 < \alpha < 1$$

$$I_t = \beta [Y_t - Y_{t-1}] \quad \beta > 0$$

$$S_t = I_t$$

विकास के लिए निम्न कौन-सी शर्त अपेक्षित है?

Growth requires the condition:

(A) $\frac{\beta}{\beta - \alpha} > 0$ (B) $\frac{\beta}{\beta - \alpha} < 0$

(C) $\frac{\alpha}{\beta - \alpha} > 0$ (D) $\frac{\alpha}{\beta - \alpha} < 0$

उत्तर- (A) व्याख्या दिया है :

$$S_t = \alpha Y_t \quad 0 < \alpha < 1$$

$$I_t = \beta [Y_t - Y_{t-1}] \quad \beta > 0$$

जब

$$S_t = I_t$$

$$\alpha Y_t = \beta (Y_t - Y_{t-1})$$

$$\alpha Y_t = \beta Y_t - \beta Y_{t-1}$$

$$\beta Y_{t-1} = \beta Y_t - \alpha Y_t$$

$$\beta Y_{t-1} = Y_t (\beta - \alpha)$$

$$\frac{\beta}{\beta - \alpha} = \frac{Y_t}{Y_{t-1}} = \frac{S_t}{I_t}$$

$$\therefore \frac{\beta}{\beta - \alpha} > 0$$

65. दिया गया कुल लागत कार्य $C = 5Q^2 + 20Q + 5$, यदि कीमत = ₹ 5, तो सीमांत लागत निम्न में से क्या होगी?

Given total cost function $C = 5Q^2 + 20Q + 5$, at price = ₹ 5 marginal cost is

- (A) 100 (B) 200
(C) 85 (D) 70

उत्तर- (*)/व्याख्या/ कुल लागत प्रकार्य $\Rightarrow C = 5Q^2 + 20Q + 5$
यदि कीमत = ₹ 5 हो तो
सीमान्त लागत = ?

$$\text{सीमान्त लागत} = \frac{dTC}{dQ} = \frac{d}{dQ}(5Q^2 + 20Q + 5)$$

$$MC = 10Q + 20 \quad \dots (i)$$

$$\text{कुल आगम } TR = P \times Q$$

$$\therefore P = 5$$

$$TR = 5Q$$

$$MR = \frac{d(TR)}{dQ} = \frac{d(5Q)}{dQ}$$

$$MR = 5 \quad \dots (ii)$$

$$\text{संतुलन में} \rightarrow MR = MC$$

$$5 = 10Q + 20$$

$$5 - 20 = 10Q$$

$$-15 = 10Q$$

$$Q = \frac{-15}{10}$$

$$\therefore MC = 10Q + 20$$

$$= 10 \times \left(\frac{-15}{10} \right) + 20$$

$$\boxed{MC = 5}$$

नोट: प्रश्न सही न होने के कारण हटा दिया गया था।
प्रश्न के सभी विकल्प असत्य हैं। यदि दी गयी जानकारी से MC ज्ञात की जाए जो 5 होगी। किन्तु मात्रा कभी ऋणात्मक नहीं होती अतः प्रश्न गलत है।

66. समग्र प्रतिगमन की सार्थकता के परीक्षण हेतु निम्नलिखित में से किस परीक्षण का प्रयोग किया जाएगा?

For testing the significance of overall regression the test to be used is

- (A) t परीक्षण / Test (B) F परीक्षण / Test
(C) χ^2 परीक्षण / Test (D) d परीक्षण / Test

उत्तर- (B)/व्याख्या/ समग्र प्रतिगमन की सार्थकता के परीक्षण हेतु F - परीक्षण का प्रयोग किया जाता है।

F - test को प्रतिपादित एवं विकसित करने का श्रेय प्रो. फिशर एवं जार्ज स्नैडैकॉर (George W. Snedecor) को दिया जाता है। F - परीक्षण को प्रसरण अनुपात जांच विधि के नाम से भी जाना जाता है। इसका प्रयोग तब किया जाता है जब दो प्रसरणों (Variance) अर्थात् विचरण मापों के अन्तर की सार्थकता की जांच करनी हो। अर्थात् जब इस तथ्य का पता लगाना हो कि समग्र के प्रसरण के दो स्वतंत्र अनुमान सार्थक रूप से भिन्न हैं तो इस परीक्षण का प्रयोग होता है।

t - परीक्षण $\rightarrow$ बहुचर प्रतीपगमन में प्रतीपगमन गुणों का परीक्षण।

$\chi^2 \rightarrow$ गुण सम्बन्ध परीक्षण के लिए
आकस्मिकता तालिका (Contingency table)

67. प्रतिफलन समीकरण के दायीं तरफ आश्रित चर के संगत पश्च मूल्य जोड़ दिये जाएँ तो निम्नलिखित में से कौन-सी स्थिति आएगी?

Including relevant lagged values of the dependent variable on the right hand side of a regression equation could lead to which one of the following?

- (A) अभिनत किन्तु संगत गुणों का आकलन
Biased but consistent coefficients' estimates
(B) अभिनत और असंगत गुणों का आकलन
Biased and inconsistent coefficients' estimates
(C) अनभिनत और असंगत गुणों का आकलन
Unbiased and inconsistent coefficients' estimates
(D) अनभिनत और संगत गुणों का आकलन
Unbiased and consistent coefficients' estimates

उत्तर- (B)/व्याख्या/ प्रतिफलन समीकरण के दायीं तरफ आश्रित चर के संगत पश्च मूल्य जोड़ दिये जाएँ तो अभिनत और असंगत गुणों के आकलन की स्थिति आएगी।

68. उत्पादन का कार्य में $Q = AL^a K^b$, निम्नलिखित को सुमेलित करें :

In the production function $Q = AL^a K^b$ match the following :

सूची-I	सूची-II
(a) $a + b = 1$	(i) a
(b) प्रतिस्थापन की लोच Elasticity of substitution	(ii) b
(c) उत्पादन की श्रम लोच Labour elasticity of output	(iii) पैमाने का स्थिर प्रतिफल Constants Returns to Scale
(d) उत्पादन की पूँजी लोच Capital elasticity of output	(iv) एक One

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	i	iii	ii	iv
(C)	iii	iv	i	ii
(D)	ii	iii	iv	i

उत्तर- (C)/व्याख्या/ उत्पादन फलन $Q = AL^a K^b$,

दिया गया उत्पादन फलन कॉब डगलस प्रकार का उत्पादन फलन है। जो प्रथम कोटि का समांग फलन होता है। यह पैमाने के स्थिर प्रतिफल को दर्शाता है।

सूची - I	सूची - II
(a) $a + b = 1$	(iii) पैमाने का स्थिर प्रतिफल
(b) प्रतिस्थापन की लोच	(iv) इकाई
(c) उत्पादन की श्रम लोच	(i) श्रम की घात (a)
(d) उत्पादन की पूँजी लोच	(ii) पूँजी की घात (b)

69. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

Match the following :

सूची-I	सूची-II
(a) बॉक्स-जेनकिंस Box-Jenkins	(i) आपात विधि Causality Method
(b) इकाई-मूल परीक्षण Unit-root test	(ii) पूर्वानुमान Forecasting
(c) डर्बिन-वाटसन 'd' सांख्यिकी Durbin-Watson 'd' statistics	(iii) स्थैतिकता Stationarity
(d) ग्रेंजर परीक्षण Granger Test	(iv) स्वतः सहसंबंध Auto-correlation

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	iii	i	ii	iv
(B)	ii	iii	iv	i
(C)	i	ii	iii	iv
(D)	iv	i	ii	iii

उत्तर- (B) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची - I	सूची - II
(a) बॉक्स-जेनकिंस	(ii) पूर्वानुमान
(b) इकाई मूल परीक्षण	(iii) स्थैतिकता
(c) डर्बिन-वाटसन 'd' सांख्यिकी	(iv) स्वतः सहसंबंध
(d) ग्रेंजर परीक्षण	(i) कारणता

70. स्वतः सहसंबंध की उपस्थिति में यदि OLS का प्रयोग किया जाता है, तो निम्नलिखित में से कौन-सा संभावित परिणाम होगा?

If OLS is used in the presence of auto-correlation, which of the following will be likely consequences?

- गुणांक प्राक्कलन भ्रामक हो सकते हैं।
Coefficients estimates may be misleading.
- परिकल्पना परीक्षण गलत निष्कर्ष पर पहुँच सकता है।
Hypothesis tests could reach the wrong conclusions.
- मॉडल के आधार पर किया गया पूर्वानुमान अभिनतयुक्त हो सकता है।
Forecasts made from the model could be biased.

- मानक त्रुटियाँ अनुपयुक्त हो सकती हैं।
Standard errors may be inappropriate.

- (A) सिर्फ ii और iv (B) सिर्फ i और iii
(C) सिर्फ i, ii और iii (D) i, ii, iii और iv

उत्तर- (A) व्याख्या स्वतः सहसंबंध की उपस्थिति में यदि OLS का प्रयोग किया जाता है, तो निम्नांकित परिणाम होंगे

- परिकल्पना परीक्षण गलत निष्कर्ष पर पहुँच सकता है।
- मानक त्रुटियाँ अनुपयुक्त हो सकती हैं।

स्वतः सहसंबंध

“स्वतः सहसम्बन्ध शब्द को समय या स्थान के आधार पर क्रमबद्ध किये गये प्रेक्षणों की श्रेणियों के सदस्यों के बीच सहसम्बन्ध के रूप में परिभाषित किया जाता है।

रैखीय प्रतीपगमन मॉडल की मान्यता के आधार पर

$$\begin{aligned} \text{Cov. } (U_i, U_j) &= E \{ [U_i - E(U_i)] [U_j - E(U_j)] \} \\ &= E(U_i, U_j) - E(U_i) E(U_j) \\ &= 0 \quad (i \neq j) \text{ के लिए, } E(U_i) = E(U_j) \end{aligned}$$

इस मान्यता के अनुसार Errorterm (U) के उत्तरोत्तर मान सामयिक रूप से स्वतंत्र है।

यदि उपरोक्त मान्यता सन्तुष्ट नहीं होती है, अर्थात् यदि किसी विशेष काल में (U) का मान इसके पूर्वकालों में (U) के मान से सहसम्बन्धित हो तो यह कहा जाता है कि यादृच्छिक चरों के बीच स्वसहसम्बन्ध विद्यमान है। स्वसहसम्बन्ध सहसम्बन्ध का एक विशेष प्रकार है। स्वसहसम्बन्ध किसी चर के उत्तरोत्तर मानों के बीच सम्बन्ध को दर्शाता है।

71. युगपद समीकरणयुक्त अर्थमितीय मॉडलों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :

In the context of simultaneous equations econometric models, consider the following statements :

- आकलन से पूर्व तादात्म्यता की समस्या से निपटना होता है।
Identification is a problem to be dealt with before estimation.
- क्रम शर्त आवश्यक है किन्तु पहचान के लिए पर्याप्त नहीं है।
Order condition is necessary but not a sufficient condition of identification.

Two-stage least squares method of estimation gives consistent estimators if the equation is under-identified.

- आकलन की द्विस्तरीय न्यून वर्ग विधि संगत आकलक देगी यदि समीकरण अल्पभिज्ञ हो।
Two-stage least squares method of estimation gives consistent estimators if the equation is under-identified.

Under indirect least squares method, least squares method is applied to reduced form equations.

- अप्रत्यक्ष न्यून वर्ग विधि के अंतर्गत न्यून वर्ग विधि लगायी जाती है, यदि समीकरणों का ह्रासित प्रारूप हो।
Under indirect least squares method, least squares method is applied to reduced form equations.

निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

- Which of the following is correct?
(A) i और ii (B) i, ii, iii और iv
(C) i, ii और iii (D) i, ii और iv

उत्तर- (D) व्याख्या युगपद समीकरण युक्त अर्थमितीय मॉडलों के संदर्भ में निम्नलिखित सही है

- आकलन से पूर्व तादात्म्यता की समस्या से निपटना होता है।
- क्रम शर्त आवश्यक है किन्तु पहचान के लिए पर्याप्त नहीं है।

(iv) अप्रत्यक्ष न्यून वर्ग विधि के अंतर्गत न्यून वर्ग विधि लगायी जाती है। यदि समीकरणों का हासित प्रारूप हो।

72. निम्नलिखित में से किसकी समस्या का समाधान करने के लिए 'सिम्पलेक्स' प्रणाली का प्रयोग किया जाता है?

Simplex method is used for solving the problems of

- (A) रैखिक प्रोग्रामन / Linear Programming
(B) लागत उत्पादन विश्लेषण / Input Output Analysis
(C) प्रतिगमन / Regression
(D) सहसंबंध / Correlation

उत्तर- (A) व्याख्या रैखिक प्रोग्रामन की समस्या का समाधान करने के लिए 'सिम्पलेक्स' प्रणाली का प्रयोग किया जाता है। सभी रैखिक प्रोग्रामिंग संबंधी समस्याएं उच्चतम या न्यूनतम (Maxima or minima) से संबंधित हैं जो रैखिक बाध्यताओं के समूह का विषय हैं। सन् 1947 में प्रो. G.B. Dantzing ने रैखिक प्रोग्रामिंग की 'सिम्पलेक्स' प्रणाली को विकसित किया। उन्होंने प्रदर्शित किया कि कैसे एक रैखिक समस्या का अनेक संभव हलों में से इष्टतम हल का पता वस्तुगत कार्य का उपयोग करके लगाया जा सकता है।

73. निम्नलिखित में से कौन-सा वक्तव्य गलत है?

Which statement is false in following?

- (A) *t*-बंटन का प्रतिपादन डब्ल्यू. गॉसेट द्वारा किया गया।
t-distribution was given by W. Gosset.
(B) टिपेट तालिका का प्रयोग यादृच्छिक प्रतिचयन हेतु किया जाता है।
Tippet's Tables are used for random sampling.
(C) द्विपदीय बंटन सममिति होता है, यदि $p = q$ हो।
Binomial distribution is symmetrical if $p = q$.
(D) x पर y का प्रतिगमन गुणांक $r \frac{\sigma_x}{\sigma_y}$ के बराबर होता है।
The regression coefficient of y on x is equal to $r \frac{\sigma_x}{\sigma_y}$.

उत्तर- (D) व्याख्या *t*- बंटन का प्रतिपादन डब्ल्यू गॉसेट ने किया।

टिपेट तालिका का प्रयोग यादृच्छिक प्रतिचयन हेतु किया जाता है। द्विपदीय बंटन सममित होता है, यदि $P = q$ हो।

यहां P - घटना के घटने की संभावना तथा q घटना के न घटने की संभावना।

X पर Y का प्रतिगमन गुणांक

$$Y = a + bx$$

74. दिया है कि LM फलन है $Y = 100 + 10i$ तथा IS फलन है $Y = 160 - 20i$, तो संतुलन में आय व ब्याज दर ज्ञात कीजिये। उत्तर निम्न कूट से चुनिये :

Given that LM function is $Y = 100 + 10i$ and the IS function is $Y = 160 - 20i$, find the correct value of equilibrium level of income and rate of interest from the given options.

- (A) 120 व 2 (B) 90 व 3
(C) 150 व 2 (D) 120 व 3

उत्तर- (A) व्याख्या

दिया गया LM फलन $\Rightarrow Y = 100 + 10i$

IS फलन $\Rightarrow Y = 160 - 20i$

संतुलन में आय व ब्याज दर

संतुलन में $\rightarrow IS = LM$

$$100 + 10i = 160 - 20i$$

$$10i + 20i = 160 - 100$$

$$30i = 60$$

$$i = \frac{60}{30}$$

$$i = 2$$

$$Y = 100 + 10i$$

$$= 100 + 10 \times 2$$

$$= 100 + 20$$

$$Y = 120$$

संतुलन में ब्याज 2 जबकि आय 120 होगी।

75. दो उद्योगों के प्रसंग में साइमन-हाकिनस सार्थकता शर्त के लिए निम्नलिखित में कौन-सा कथन सत्य है?

($a_{ij}; i = 1, 2$ और $j = 1, 2$)

In a two industry case, for the Simon Hawkins viability condition which statement is correct ($a_{ij}; i = 1, 2$ और $j = 1, 2$)?

(A) $\begin{vmatrix} 1 - a_{11} & -a_{12} \\ -a_{21} & 1 - a_{22} \end{vmatrix} < 0$

(B) $\begin{vmatrix} 1 - a_{11} & -a_{12} \\ -a_{21} & 1 - a_{22} \end{vmatrix} > 0$

(C) $\begin{vmatrix} a_{11} & -a_{12} \\ -a_{21} & 1 - a_{22} \end{vmatrix} > 0$

(D) $(1 - a_{11})(1 - a_{22}) - a_{12} \cdot a_{21} < 0$

उत्तर- (D) व्याख्या निर्गत मुख्य रूप से simultaneous Equation के हल करने की समस्या है। आगत - निर्गत की संगतता के लिए आवश्यक है कि निर्गत सदैव धनात्मक हो।

आगत - निर्गत मॉडल की सार्थकता के लिए हॉकिनस साइमन ने शर्तें प्रस्तुत की जिसके अनुसार

(i) आगत-निर्गत मैट्रिक्स के सभी निर्धारक (Determinant) आवश्यक रूप से धनात्मक हो तथा इनका मूल्य शून्य न हो।

$$|I - A| > 0 \text{ - that is matrix } [I - A]$$

should be non singular matrix

(ii) J^{th} वस्तु की एक इकाई के उत्पादन के लिए i^{th} वस्तु की एक इकाई से अधिक का प्रयोग नहीं होना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि दो उद्योगों के प्रसंग में Principal Diagonal धनात्मक हो। अर्थात्

$$a_{ij}, i = 1, 2, j = 1, 2$$

$$\begin{bmatrix} 1 - a_{11} & -a_{12} \\ -a_{21} & 1 - a_{22} \end{bmatrix} > 0$$

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किसने उपयोग मूल्य और विनिमय मूल्य के बीच भेद किया है और हीरे और जल का प्रसिद्ध उदाहरण पेश किया?

Who distinguished between value in use and value in exchange and gave the famous example of diamonds and water?

- (A) एडम स्मिथ / Adam Smith
(B) डेविड रिकार्डो / David Ricardo
(C) अल्फ्रेड मार्शल / Alfred Marshall
(D) कार्ल मार्क्स / Karl Marx

उत्तर- (A) व्याख्या/ एडम स्मिथ ने उपयोग मूल्य और विनिमय मूल्य के बीच भेद किया है और हीरे और जल का प्रसिद्ध उदाहरण पेश किया।

हीरा-पानी विरोधाभास (Diamond-Water Paradox) को एडम स्मिथ ने दिया। एडम स्मिथ ने उपयोग मूल्य और विनिमय मूल्य के बीच अंतर स्थापित किया तथा हीरे व पानी का प्रसिद्ध उदाहरण दिया। अपेक्षाकृत दुर्लभ होने के कारण हीरे की सीमान्त उपयोगिता अधिक होती है और इसलिए हीरे की कीमत ऊँची होती है यद्यपि पानी की कुल उपयोगिता बहुत अधिक है फिर भी उपलब्धता अपेक्षाकृत अधिक मात्रा में होने के कारण इसकी सीमान्त उपयोगिता कम है। इसलिए हीरे की उपेक्षा अधिक उपयोगी होने के कारण भी पानी की कीमत बहुत कम है।

2. दो उपभोक्ता A और B और दो वस्तु X और Y की अर्थव्यवस्था में, उत्पादन और विनिमय का सामान्य संतुलन तब होगा जब :
In an economy of two individuals A and B and two commodities X and Y, general equilibrium of production and exchange occurs when

- (A) $MRT_{XY} = \left(\frac{P_X}{P_Y} \right)$
(B) MRS_{XY} A और B के लिए $= \left(\frac{P_X}{P_Y} \right)$
(C) $MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$
(D) $MRT_{XY} = MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$

उत्तर- (D) व्याख्या/ दो उपभोक्ता A और B और दो वस्तु X और Y की अर्थव्यवस्था में, उत्पादन और विनिमय का सामान्य संतुलन तब होगा जब:

$$MRT_{XY} = MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$$

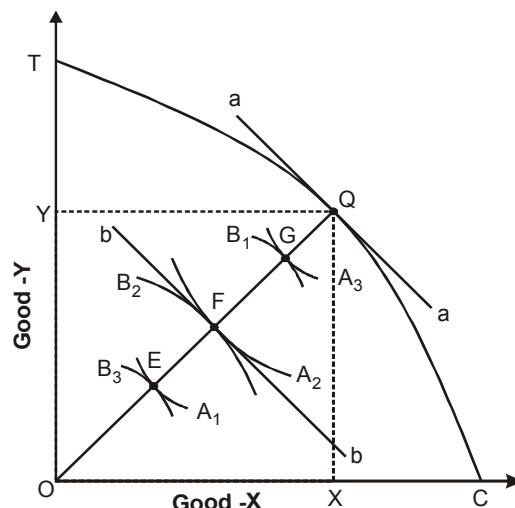
विनिमय और उत्पादन में सामान्य संतुलन-

विनिमय और उत्पादन में सामान्य संतुलन के लिए आवश्यक है कि दो वस्तुओं के बीच स्थानापन्नता की सीमान्त दर (MRS) उनके

बीच रूपान्तरण की सीमान्त दर (MRS) के बराबर हो। क्योंकि पूर्ण प्रतियोगिता में उपभोक्ता और फर्मों के लिए दो वस्तुओं के कीमत अनुपात बराबर होते हैं इसलिए सभी उपभोक्ताओं के MRS सभी फर्मों के MRT के समान होंगे। परिणाम स्वरूप दोनों वस्तुओं का दक्षता के साथ उत्पादन और विनिमय किया जाएगा। सांकेतिक रूप में

$$MRS_{xy} = \frac{P_x}{P_y} \text{ और } MRT_{xy} = \frac{P_x}{P_y}$$

इसलिए $MRT_{XY} = MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$ यह स्थिति चित्र में तब होगी जब विनिमय के संतुलन बिन्दु F पर खींची गई टेजेट bb समानांतर है वक्र TC के बिन्दु Q पर खींची गई टेजेट aa के।

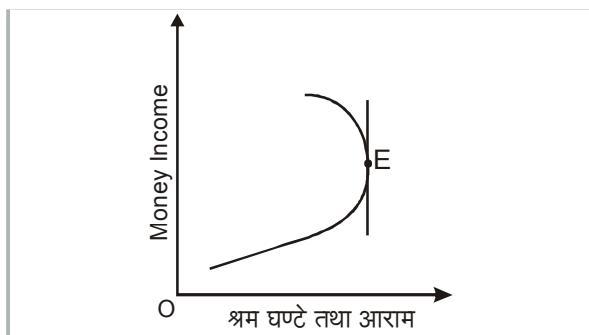


3. जब आय प्रभाव प्रतिस्थापन प्रभाव से ज्यादा शक्तिशाली बन जाता है, तो श्रम आपूर्ति वक्र

When income effect becomes stronger than substitution effect, the labour supply curve will

- (A) धनात्मक रूप से ढलवाँ होगी / Slope positively
(B) ऋणात्मक रूप से ढलवाँ होगी / Negatively sloped
(C) पीछे की ओर मुड़ेगी / Bend backward
(D) ऊपर की ओर चढ़ेगी / Slope upwards

उत्तर- (C) व्याख्या/ जब आय प्रभाव प्रतिस्थापन प्रभाव से ज्यादा शक्तिशाली हो जाता है तो श्रम आपूर्ति वक्र पीछे की ओर मुड़ेगा। चित्र में E बिन्दु तक स्थानापन्न प्रभाव आय प्रभाव से ज्यादा शक्तिशाली है इसलिए श्रमिक अधिक मजदूरी दर प्राप्त होने पर आराम को काम के घण्टों से प्रतिस्थापित करता है तथा कार्य करता है इसलिए अर्थव्यवस्था में श्रम आपूर्ति बढ़ती है किन्तु पर्याप्त आय स्तर के बाद श्रमिक आराम को वरीयता देता है इसलिए आय प्रभाव शक्तिशाली होता है जिससे श्रम आपूर्ति वक्र पीछे की ओर मुड़ जाता है।



4. अभिकथन (A) : एकाधिकारी के लिये आपूर्ति वक्र की अवधारणा कोई अर्थ नहीं रखती है।

Assertion (A) : The concept of supply curve is meaningless for the monopolist.

कारण (R) : एकाधिकारी गण मूल्य निर्धारक होते हैं, और विभिन्न कीमतों पर वे क्या उत्पादन करेंगे यह पूछना कोई मायने नहीं रखता है।

Reason (R) : Monopolists are price setters; it does not make sense to ask what output they will produce at various prices.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।

(A) is correct, but (R) is not correct.

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct, but (R) is not the correct explanation of (A).

(D) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है।

(R) is correct, but (A) is incorrect.

उत्तर- (A) व्याख्या (A) और (R) दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है

एकाधिकार का शाब्दिक अर्थ है अकेला विक्रेता ऐसी स्थिति जिसमें पूर्ति वक्र पर किसी एक विक्रेता का अधिकार या नियंत्रण हो। ऐसी स्थिति में उत्पादक ऐसी वस्तु उत्पादित करेगा जिसका कोई नजदीकी स्थानापन्न न हो।

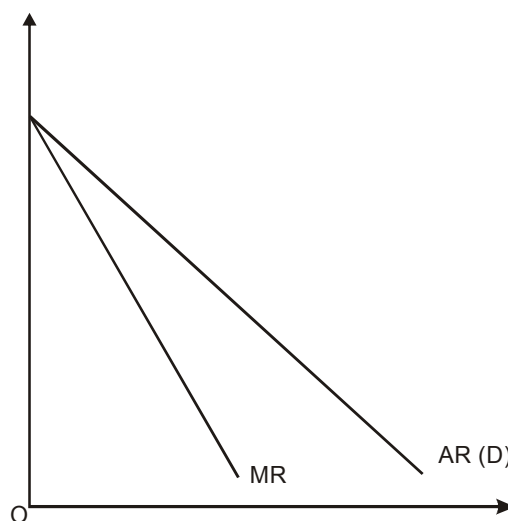
विशेषताएं :

- केवल एक ही उत्पादक या विक्रेता होता है।
- एक विक्रेता होने के फलस्वरूप पूर्ति के ऊपर विक्रेता का पूर्ण नियंत्रण होता है।
- एकाधिकारी द्वारा उत्पादित वस्तु का कोई नजदीकी स्थानापन्न नहीं होता।
- एकाधिकारी उद्योग में अन्य फर्मों प्रवेश नहीं कर सकती।
- फर्म तथा उद्योग में कोई अन्तर नहीं पाया जाता।

(vi) एकाधिकार में मूल्य विभेद सम्भव हो सकता है अर्थात् एकाधिकारी ऐसी स्थिति में होता है कि वह उत्पादित वस्तु की विभिन्न इकाइयों को भिन्न-भिन्न कीमतों पर बेच सकता है इसे कीमत विभेद कहते हैं। प्रो. पीगू ने तीन कोटियों के मूल्य विभेद की बात की।

एकाधिकारी में माँग वक्र तथा औसत आय वक्र

एकाधिकार में फर्म का माँग वक्र ही उद्योग का माँग वक्र है। यहां माँग वक्र सामान्य ऋणात्मक ढाल वाला होता है। इसका अर्थ है कि कोई भी एकाधिकारी बिना मूल्य में कमी लाए वस्तु की अतिरिक्त मात्रा को नहीं बेच सकता। उपभोक्ता का माँग वक्र ही उत्पादक का AR है। अतः AR तथा D समान है।



एकाधिकारी का माँग वक्र AR(D), MR तथा लोच (e) के बीच सम्बन्ध की व्याख्या करता है।

$$MR = P \left(1 - \frac{1}{e} \right) \text{ तथा } AR \text{ या } P = MR \left(\frac{e}{e-1} \right)$$

$$\text{or } e = \frac{AR}{AR-MR}$$

यहाँ स्पष्ट है कि चूँकि $\left(\frac{e}{e-1} \right)$ का मूल्य निश्चित रूप से इकाई से अधिक होगा, इसलिए MR का मान AR से कम होगा।

लागत तथा पूर्ति वक्र

एकाधिकारी फर्म की लागत वक्र पूर्ण प्रतियोगिता के ही समान 'U' आकार की (AC, MC, ATC) तथा (AFC) अतिपरवलय (rectangular hyperbola) होगी। क्रेताधिकार (जब साधन बाजार में एकाधिकारी फर्म साधनों की अकेली क्रेता हो) एकाधिकारी की लागत वक्र भिन्न स्वभाव की होगी।

पूर्ण प्रतियोगिता की भाँति अल्पकाल में सीमान्त लागत वक्र जो फर्म की पूर्ति वक्र होती है नहीं होगी।

एकाधिकारी फर्म का सीमान्त लागत वक्र उसका पूर्ति वक्र नहीं होता। चूँकि एकाधिकार में MR वक्र AR वक्र से नीचे होता है इसलिए सीमान्त आय व सीमान्त लागत के समता बिन्दु (MR = MC) निश्चित रूप से AR से नीचे होंगे ऐसी स्थिति में MC वक्र

के बिन्दु न तो मूल्य को प्रदर्शित करेंगे और न ही उन मात्राओं को जो एकाधिकारी फर्म विभिन्न मूल्यों पर बेचने या पूर्ति करने को तत्पर है। इस प्रकार एकाधिकारी में पूर्ति वक्र का कोई औचित्य नहीं होता है।

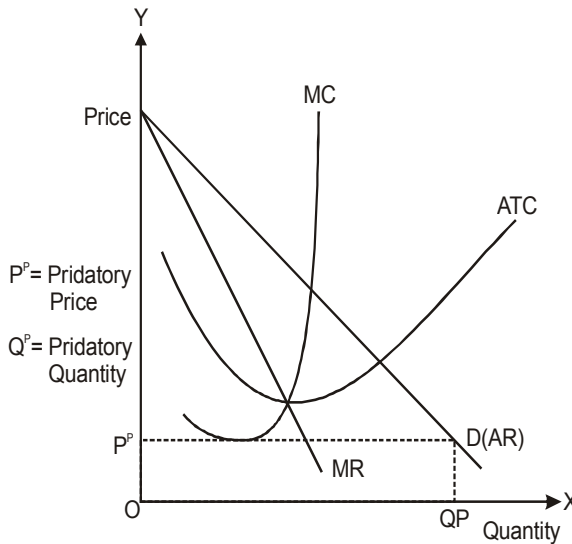
5. कीमत निर्धारण की स्वार्थचालित नीति किस लिये बनाई जाती है?

Predatory pricing policy is designed to

- (A) प्रतियोगियों को कारोबार से बाहर निकालने के लिये
drive competitors out of business
- (B) लाभ अधिकतम करने के लिये
maximise profits
- (C) प्रवेशियों को बाजार में प्रवेश हेतु प्रोत्साहित करने के लिए
encourage entrants into the market
- (D) न्यूनतम लागत पर उत्पादन प्राप्त करने के लिए
attain least cost output

उत्तर- (A) व्याख्या/ स्वार्थचालित मूल्य निर्धारण नीति का प्रयोग एक उद्यमी तब करता है जब किसी प्रतियोगी को बाजार से बाहर करना हो। इसके लिए उद्यमी अल्पकाल में अपनी वस्तु के मूल्य को कम रखता है। इससे संभावित प्रवेश वाली फर्म, प्रतिद्वंदी फर्म बाजार से बाहर हो जाती है क्योंकि बड़ी प्रभावशाली फर्म की कीमत नीति का सामना वो नहीं कर पाती। जब एक बार प्रतिद्वंदी समाप्त हो जाते हैं तो प्रभावशाली फर्म का बाजार मांग पर अधिक अधिकार होता है तथा वह एकाधिकारी स्तर तक कीमत को बढ़ाकर दीर्घकाल में अपने घाटे को पूरा कर लेती है।

Predatory Pricing का परिणाम सामान्यतः उपभोक्ताओं के कल्याण में कमी के रूप में होता है।



6. सूची-I में दी मदों को सूची-II में दी मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए गए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :
Match items in List - I with items in List - II and select the correct answer from the code given below :

सूची - I	सूची - II
(a) पृथक्करण परिकल्पना	(1) जॉर्ज ए. अकरलॉफ

The Screening

Hypothesis

(b) कार्य बाजार (जॉब
मार्केट) संकेतन

Job Market Signalling

(c) चिकित्सा बीमा की
स्थिति में नैतिक संकट
की समस्या

*The problem of moral
hazard in the case of
medical insurance*

(d) नीबूओं का बाजार
The market for lemons

George A.

Akerlof

(2) के. जे. एरो
K. J. Arrow

(3) एम. स्पेंसर
M. Spencer

(4) पॉल डब्ल्यू. मिल्लर
तथा पॉल ए. वॉलकर
*Paul W. Miller and
Paul A. Volcker*

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	3	2	4	1
(B)	2	3	4	1
(C)	4	3	2	1
(D)	2	4	3	1

उत्तर- (C) व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) पृथक्करण (Screening) परिकल्पना	(4) पॉल डब्ल्यू मिल्लर तथा पॉल ए. वॉलकर
(b) कार्य बाजार (जॉब मार्केट) संकेतन	(3) एम स्पेंसर
(c) चिकित्सा बीमा की स्थिति में नैतिक संकट की समस्या	(2) के. जे. एरो
(d) नीबूओं का बाजार	(1) जॉर्ज ए. अकरलॉफ

उपरोक्त सभी तथ्य असममित सूचनाओं के सिद्धान्त से सम्बन्धित है। यह एक ऐसी स्थिति है जहां सौदा करने वाली दो पार्टियों में सूचनायें समान नहीं होती बल्कि असममितता पाई जाती है। यह अर्थव्यवस्था तथा सामान्य जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में पायी जाती है। अर्थशास्त्रियों ने कार बाजार (Market for lemons- अमेरिका में पुरानी कारों के बाजार को कहा जाता है) बीमा क्षेत्र जॉब मार्केट आदि क्षेत्रों में इसे दर्शाया। प्रतिकूल चयन तथा नैतिक संकट असममित सूचना सिद्धान्त के दो परिणाम हैं।

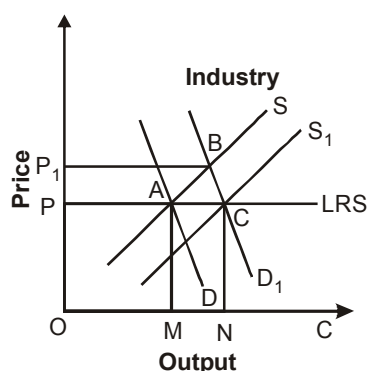
7. जिस उद्योग की दीर्घकालिक आपूर्ति वक्र क्षैतिज होती है वो क्या कहलाता है ?

An industry whose long run supply curve is horizontal is called

- (A) स्थिर लागत उद्योग / Constant Cost Industry
- (B) वर्धमान लागत उद्योग / Increasing Cost Industry
- (C) हासमान लागत उद्योग / Decreasing Cost Industry
- (D) कार्यकुशल / दक्ष उद्योग / Efficient Industry

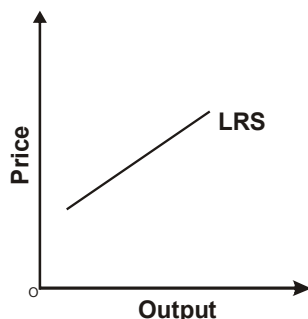
उत्तर- (A)/व्याख्या जिस उद्योग की दीर्घकालिक आपूर्ति वक्र क्षैतिज होती है वो **स्थिर लागत उद्योग** कहलाता है।

स्थिर लागत उद्योग वह होता है जब उद्योग का उत्पादन बढ़ने पर साधन कीमतें स्थिर रहती हैं और उद्योग का दीर्घकालीन पूर्ति वक्र समानांतर होता है। स्थिर लागत उद्योग पर बाहरी किफायतों और अमितव्ययिताओं का ऐसे ढंग से प्रभाव पड़ता है कि वे एक दूसरे को प्रति संतुलन कर देती हैं जिससे दीर्घकालीन उद्योग की लागत स्थिर रहती है। अन्य शब्दों में ऐसी स्थिति में विभिन्न साधनों की पूर्ति पूर्ण लोचदार होती है। जब दीर्घकालीन उद्योग में नयी फर्म आती हैं तो उन्हें साधन उसी कीमत पर प्राप्त होते हैं। इसके विपरीत फर्मों की संख्या घट जाने से भी साधन कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं होता।



● **बढ़ती लागत उद्योग** वह होता है जिसका दीर्घकालीन पूर्ति वक्र बाएँ से दाएँ ऊपर की ओर ढालू होता है, जब उद्योग के प्रसार करने से साधन कीमतें बढ़ती हैं। जब उद्योग बढ़ती लागत या घटते प्रतिफल के नियम के अंतर्गत चल रहा हो तो नई फर्मों के आने से उद्योग के विस्तार का परिणाम यह होगा कि साधनों की मांग बढ़ जाएगी जिससे उनकी कीमत बढ़ जाएगी और उनसे फर्मों के लागत वक्र ऊपर सरक जायेंगे। अर्थात् औसत लागत वक्रों का न्यूनतम बिन्दु पहले से ऊँचा होगा इससे बाहरी अमितव्ययिताएँ (Diseconomies) जैसे कच्चा माल, प्लांट एवं उपकरण श्रम की मजदूरी आदि की कीमतों में वृद्धि होगी। इससे दीर्घकालीन उद्योग के पूर्ति वक्र का ढाल ऊपर की ओर दाएँ हो जाएगा।

● घटती लागत उद्योग में दीर्घकालीन पूर्ति वक्र नीचे की ओर ढालू होता है क्योंकि उद्योग के प्रसार से लागतें गिरती हैं। उद्योग को Economies of Scale का लाभ प्राप्त होता है।



8. प्रत्येक उपभोक्ता से संरक्षित कीमत (रिजर्वेशन प्राइस) लेने की प्रथा क्या है?

The practice of charging each consumer the reservation price is called

(A) चरम भार कीमत निर्धारण

Peak load pricing

(B) अंतः कालिक कीमत विभेदीकरण

Inter-temporal price discrimination

(C) प्रथम कोटि का कीमत विभेदीकरण

First degree price discrimination

(D) तृतीय कोटि का कीमत विभेदीकरण

Third degree price discrimination

उत्तर- (C)/व्याख्या प्रत्येक उपभोक्ता से संरक्षित कीमत लेने की प्रथा **प्रथम कोटि का कीमत विभेदीकरण** कहलाती है।

प्रो. पीगू तीन कोटियों में मूल्य विभेद की चर्चा करते हैं :

1. प्रथम कोटि का मूल्य विभेद— यह तब होगा जबकि एकाधिकारी प्रत्येक क्रेता को उतने मूल्य पर अपनी वस्तु की प्रत्येक इकाई बेचने में सफल हो जाए जितना मूल्य उस वस्तु के उपयोग से वंचित रहने की स्थिति में क्रेता देने को तैयार रहता है। इस स्थिति में एकाधिकारी क्रेता से अधिकतम मूल्य प्राप्त कर लेता है। तथा उपभोक्ता के पास 'उपभोक्ता की बचत' का कोई भाग शेष नहीं रहता। श्रीमती जॉन रॉबिन्सन ने इस स्थिति को एकाधिकारी की दृष्टि से **पूर्ण मूल्य विभेद की संज्ञा** दी। इस कोटि में वस्तु की कीमत सीमान्त आय ($P = MR$) के बराबर होती है। तथा वस्तु का मांग वक्र MR वक्र बन जाता है।

2. द्वितीय कोटि के मूल्य विभेद की स्थिति तब होगी जबकि वस्तु के उपभोक्ताओं को उनके द्वारा वस्तु के लिए कीमत देने के आधार पर विभिन्न वर्गों में बाँटा जाता है और प्रत्येक वर्ग से उतनी कीमत प्राप्त की जाती है जितनी उस वर्ग में से कम से कम कीमत चुकाने को तैयार रहता है।

3. तृतीय कोटि का मूल्य विभेद यह स्थिति तब होगी जब एकाधिकारी अपनी वस्तु की इकाइयों का दो से अधिक मूल्य प्राप्त कर ले। इसमें एकाधिकारी उपभोक्ताओं को दो या दो से अधिक बाजारों अथवा वर्गों में विभाजित कर देता है तथा विभिन्न बाजारों से अलग-अलग कीमतें प्राप्त करता है। इस कोटि के कीमत विभेदीकरण में प्रत्येक बाजार अथवा वर्ग से निश्चित कीमत उनमें मांग की मूल्य लोच तथा उनमें की जाने वाली आपूर्ति द्वारा तय होती है।

9. संघर्षजनित या अस्थायी बेरोजगारी निम्नलिखित में से किस नाम से जानी जाती है?

Frictional unemployment is also known as

(A) प्रच्छन्न बेरोजगारी / Disguised unemployment

(B) पण्यावर्त (टर्नओवर) बेरोजगारी

Turnover unemployment

(C) चक्रीय बेरोजगारी / Cyclical unemployment

(D) संरचनात्मक बेरोजगारी / Structural unemployment

उत्तर- (B)/व्याख्या घर्षणजनित या अस्थायी बेरोजगारी को **पण्यावर्त (Turnover)** बेरोजगारी कहा जाता है।

घर्षण जनित बेरोजगारी पूर्ण रोजगार की स्थिति में भी बनी रह सकती है। ऐसा व्यक्ति जो एक रोजगार को छोड़कर दूसरे रोजगार में जाता है, तो दोनों रोजगारों के बीच की अवधि में वह बेरोजगार हो सकता है, या ऐसा हो कि नयी तकनीक के प्रयोग के कारण एक व्यक्ति एक रोजगार से निकलकर या निकाल दिए जाने के बाद रोजगार की तलाश कर रहा है, तलाश की इस अवधि में वह अस्थायी बेरोजगार हो सकता है। ऐसी अस्थायी स्वभाव की बेरोजगारी को हम घर्षण जनित बेरोजगारी कहते हैं।

10. निम्नलिखित उपभोग परिकल्पनाएँ जिस क्रम में अर्थशास्त्र के साहित्य में दिखाई पड़ती हैं उन्हें आरोही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें :

Arrange in ascending chronological order the following consumption hypotheses in which they appeared in the economics literature.

1. निरपेक्ष आय परिकल्पना
Absolute increase hypothesis
2. स्थायी आय परिकल्पना
Permanent increase hypothesis
3. जीवन चक्र परिकल्पना/Life cycle hypothesis
4. सापेक्ष आय परिकल्पना
Relative increase hypothesis

कूट / Codes :

- (A) 1, 3, 4, 2 (B) 1, 2, 4, 3
(C) 1, 4, 3, 2 (D) 1, 3, 2, 4

उत्तर- (C) व्याख्या

आय परिकल्पना	वर्ष	अर्थशास्त्री
(1) निरपेक्ष आय परिकल्पना	1936	कीन्स
(4) सापेक्ष आय परिकल्पना	1949	जेम्स ड्यूसेनबरी
(3) जीवन चक्र परिकल्पना	1963	एण्डो एम मोदिगिलियानी
(2) स्थायी आय परिकल्पना	1975	M. फ्रीडमैन

• **निरपेक्ष आय परिकल्पना** - उपभोग की निरपेक्ष आय परिकल्पना का सम्बन्ध कीन्स से है। कीन्स ने गैर आनुपातिक आय-उपभोग सम्बन्ध को दर्शाया तथा उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम प्रस्तुत किया।

• **सापेक्ष आय परिकल्पना** - सापेक्ष आय परिकल्पना को जेम्स ड्यूसेनबरी ने दिया। इन्होंने दर्शाया कि व्यक्ति का उपभोग स्वयं की आय और उपभोग व्यवहार पर निर्भर न होकर पड़ोसियों के उपभोग व्यवहार पर निर्भर करता है। ड्यूसेनबरी ने प्रदर्शन प्रभाव तथा रैचेट प्रभाव के माध्यम से अपना सिद्धान्त दिया।

• **जीवन चक्र परिकल्पना** - जिसे एण्डो मोदिगिलियानी ने दिया दर्शाती है कि व्यक्ति का उपभोग आय सम्बन्ध मात्र वर्तमान आय से सम्बन्धित न होकर सम्पूर्ण जीवन अवधि की आय से सम्बन्धित होता है।

• **स्थायी आय परिकल्पना** - जिसे एम फ्रीडमैन ने दिया दर्शाती है कि व्यक्ति का उपभोग वर्तमान तात्कालिक आय से सम्बन्धित न होकर स्थायी आय, जो भौतिक व अभौतिक परिसम्पत्तियों से प्राप्त होती है, से सम्बन्धित होता है। इन्होंने आय को स्थायी व अस्थायी एवं उपभोग को स्थायी एवं अस्थायी दो भागों में बाँटा।

11. निम्नलिखित प्रकार के आय निर्धारण मॉडल की कल्पना करें :
Assume a model of income determination of the following type :

$$C = a + b \cdot Y^d$$

$$Y^d = Y - T$$

$$T = T_0 + t_1 \cdot Y$$

$$I = \bar{I}$$

$$G = \bar{G}$$

$$Y = C + I + G$$

जहाँ C = उपभोग व्यय; Y = आय; Y^d = प्रयोज्य आय; T = कर; T_0 = Tan जहाँ $Y = 0$ है; t_1 = सीमान्त कर दर; I = निवेश व्यय; G = सरकारी व्यय; और चर पर श्लाका सूचित करती है कि यह स्वचालित चर हैं। तो फिर T_0 के सापेक्ष कर गुणक है

Where C = Consumption expenditure; Y = income; Y^d = disposable income; T = taxes; T_0 = Tan , when $y = 0$; t_1 = marginal tax rate; I = investment expenditure; G = Government expenditure; and bar ' _ ' as the variable indicates that these autonomous variables. Then the tax multiples with respect to T_0 is:

- (A) $\frac{1}{1 - b + bt_1}$ (B) $\frac{-b}{1 - b + bt_1}$
(C) $\frac{1 - b}{1 - b - bt_1}$ (D) $\frac{1}{1 - b - bt_1}$

उत्तर- (B) व्याख्या

दिया है:

$$\begin{aligned} Y^d &= Y - T \\ &= Y - (T_0 + t_1 Y) \\ &= Y - T_0 - t_1 Y \\ C &= a + b Y^d \\ C &= a + b (Y - T_0 - t_1 Y) \\ C &= a + by - b T_0 - bt_1 y \\ Y &= c + I + G \\ Y &= a + bY - b T_0 - b t_1 Y + \bar{I} + \bar{G} \\ Y - bY + b t_1 Y &= a - b T_0 + \bar{I} + \bar{G} \\ Y (1 - b + bt_1) &= a - b T_0 + \bar{I} + \bar{G} \\ Y &= \frac{1}{1 - b + bt_1} [a - b T_0 + \bar{I} + \bar{G}] \dots\dots\dots (i) \end{aligned}$$

करो में ΔT के बराबर वृद्धि करने पर

$$T \rightarrow T + \Delta T$$

$$Y \rightarrow Y + \Delta Y$$

$$\therefore T = T_0 + t_1 Y$$

$$\therefore T = T_0 + t_1 Y + \Delta T$$

$$C = a + b Y^d$$

$$Y^d = Y - T$$

$$C = a + b Y - b T_0 - b t_1 Y - b \Delta T$$

$$Y + \Delta Y = a + b Y - b T_0 - b t_1 Y - b \Delta T + \bar{I} + \bar{G}$$

$$Y + \Delta Y = \left\{ \frac{1}{1 - b + b t_1} \right\} [a - b T_0 - b \Delta T + \bar{I} + \bar{G}] \dots \dots (ii)$$

Equation - (ii) में से Equation (i) घटाने पर

$$\Delta Y = \left(\frac{1}{1 - b + b t_1} \right)^{-b \Delta T} \quad \text{or}$$

$$\text{or } \frac{\Delta Y}{\Delta T} = \frac{-b}{1 - b + b t_1} \Rightarrow \text{कर गुणक}$$

12. समग्र माँग के निम्नलिखित अवयवों में से कौन-सा स्व-विरामी तथा स्व-वित्तपोषणीय है?

Which of the following components of aggregate demand is self-terminating and self-financing?

(A) निवेश व्यय / Investment expenditure

(B) टिकाऊ उपभोग व्यय

Durable consumption expenditure

(C) गैर-टिकाऊ उपभोग व्यय

Non-durable consumption expenditure

(D) सरकारी व्यय/ Government expenditure

उत्तर- (B)/व्याख्या समग्र माँग के अवयवों में टिकाऊ उपभोग व्यय स्व विरामी (self-terminating) तथा स्व-वित्तपोषणीय (self financing) है।

उपभोक्ता का उपभोग, उपभोग व्यय से भिन्न होता है क्योंकि टिकाऊ वस्तुएं जैसे आटोमोबाइल आदि तब उपभोग व्यय उत्पन्न करते हैं जबकि वे क्रय किए जाते हैं किन्तु ये उपभोग सेवाओं को दर्शाते हैं।

समग्र माँग के अवयवों में ऐसा व्यय स्व-विरामी तथा स्व वित्तपोषित होता है।

13. मुद्रा आपूर्ति की समस्त चार अवधारणाओं M_1, M_2, M_3 और M_4 को उनकी तरलता के सम्बन्ध में आरोही क्रम में व्यवस्थित करें :

Arrange all the four concepts of money supply M_1, M_2, M_3 and M_4 in the ascending order in terms of their liquidity :

(A) M_3, M_2, M_1 और M_4 (B) M_1, M_2, M_3 और M_4

(C) M_4, M_2, M_3 और M_1 (D) M_4, M_3, M_2 और M_1

उत्तर- (D)/व्याख्या $M_4 < M_3 < M_2 < M_1$

M_1 = लोगों के पास मुद्रा + बैंकों के पास माँग जमाएं + रिजर्व बैंक के पास अन्य जमाएं

M_2 = M_1 + पोस्ट ऑफिस से बचत जमायें

M_3 = M_1 + बैंकों तथा सहकारी बैंकों की समय जमायें

M_4 = M_3 + डाकघर की कुल जमायें जिसमें राष्ट्रीय बचत पत्र, किसान विकास पत्र, इन्दिरा विकास पत्र, पी. पी. एफ. आदि सम्मिलित नहीं हैं।

तरलता की दृष्टि से M_1 की धारणा सबसे तरल तथा M_4 सबसे अतरल है। M_1 से M_4 की ओर बढ़ने पर तरलता क्रमशः घटती जाएगी।

14. मुद्रा की माँग को पोर्टफोलियो थ्योरी उपागम के रूप में निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने प्रस्तुत किया?

Who amongst the following economists imparted money demand of a portfolio theory approach?

1. जे. एम. कीन्स / J. M. Keynes

2. बामोल / Baumol

3. जेम्स टोबिन / James Tobin

4. मिल्टन फ्रीडमैन / Milton Friedman

कूट / Codes :

(A) 1, 2

(B) 3, 4

(C) 1, 2, 3

(D) 2, 3, 4

उत्तर- (B)/व्याख्या मुद्रा की माँग के पोर्टफोलियो उपागम के रूप में जेम्स टोबिन के सिद्धान्त तथा मिल्टन फ्रीडमैन के सिद्धान्त को जाना जाता है।

कीन्स के तरलता अधिमान सिद्धान्त में मुख्य रूप से दर्शाया गया कि लोग अपनी सम्पत्ति को या तो नगद रूप में रखते हैं या फिर बॉण्डों के रूप में। किन्तु टोबिन ने बाद में दर्शाया कि लोग पोर्टफोलियो बनाते हैं जिसमें नगद तथा बॉण्ड दोनों को शामिल किया जाता है।

टोबिन ने अपने लेख 'Liquidity Preference as Behaviour Towards Risk' में दर्शाया कि एक व्यक्ति का विवेकपूर्ण व्यवहार परिसम्पत्तियों का पोर्टफोलियो निर्माण है टॉबिन के अनुसार व्यक्ति परिसम्पत्तियों में भी जोखिम रहित तथा जोखिम पूर्ण परिसम्पत्तियों का एक संतुलित संयोग रखकर अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाते हैं। टोबिन के अनुसार व्यक्ति का व्यवहार जोखिम से बचना होता है।

फ्रीडमैन ने मुद्रा परिमाण सिद्धान्त के नये रूप को प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने मुख्यतः मुद्रा माँग फलन को दर्शाया। इस माँग फलन को फ्रीडमैन ने पोर्टफोलियो रूप में प्रस्तुत किया।

15. फिलिप्स वक्र की विशेषता निम्नलिखित में से कौन-सी नहीं है?

Which of the following is not a characteristic feature of the phillips curve?

(A) कीमत प्रत्याशाएँ अनुकूल होती हैं।

The price expectations are adaptive

(B) जब मौद्रिक मजदूरी स्थिर होती है तो बेरोजगारी की दर

$5 \frac{1}{2}$ प्रतिशत होती है।

The unemployment rate, when money wage stabilises,

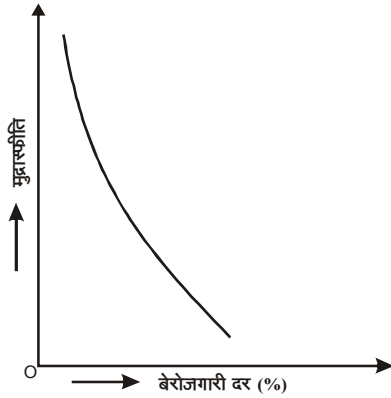
is $5 \frac{1}{2}$ percent

(C) कीमत प्रत्याशाएँ स्थिर होती हैं।

The price expectations are static

(D) फिलिप्स वक्र के इर्द-गिर्द फन्दा होता है।
There is a loop around Phillips curve

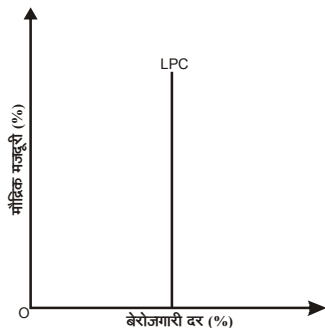
उत्तर- (A)/व्याख्या फिलिप्स वक्र को ब्रिटिश अर्थशास्त्री A. W. फिलिप्स द्वारा 1958 में दिया गया। फिलिप्स ने 1861 से 1957 के बीच बेरोजगारी के प्रतिशतों तथा मौद्रिक मजदूरी दरों में होने वाले परिवर्तनों के प्रतिशतों से सम्बन्धित आंकड़ों का विश्लेषण किया तथा सम्बन्धित आंकड़ों को चित्र रूप में दर्शाया तब उन्हें बेरोजगारी दर तथा मौद्रिक मजदूरी दरों के मध्य एक trade-off प्राप्त हुआ जिसे फिलिप्स वक्र कहा जाता है।



फिलिप्स वक्र के आधार पर :

- जब मौद्रिक मजदूरी स्थिर होती है तो बेरोजगारी की दर $5\frac{1}{2}\%$ होती है।
- कीमत प्रत्याशाएं स्थिर होती है।
- फिलिप्स वक्र के इर्द-गिर्द फन्दा होता है।

फ्रीडमैन ने फिलिप्स वक्र के निष्कर्ष को अल्पकाल में तो मान्यता दी किन्तु दीर्घकाल में फिलिप्स का मानना था कि कीमत प्रत्याशाएं स्थिर नहीं बल्कि अनुकूली होती हैं इसलिए फिलिप्स वक्र दीर्घकाल में लम्बवत होगा।



16. 'क्राउडिंग आउट इफेक्ट' शून्य हो जाता है जब

The crowding out effect is zero when

- (A) तरलता जाल की स्थिति है, या निवेश पूर्णतया ब्याज बेलोचदार है।

there is liquidity trap, or investment is perfectly interest inelastic

- (B) मौद्रिक माँग पूर्णतया ब्याज बेलोचदार है, या निवेश पूर्णतया ब्याज लोचदार है।

money demand is perfectly interest inelastic, or investment is perfectly interest elastic

- (C) आई. एस. वक्र गिर रही है और एल. एम. वक्र ऊपर की ओर बढ़ रही है।

IS curve is falling and LM curve is rising

- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

None of the above

उत्तर- (A)/व्याख्या जब तरलता जाल की स्थिति हो या निवेश पूर्णतया ब्याज बेलोचदार हो तब 'क्राउडिंग आउट प्रभाव' शून्य हो जाता है।

जब सार्वजनिक निवेश बढ़ता है तब निजी निवेश योग्य मुद्रा का प्रवाह सार्वजनिक क्षेत्र की ओर होता है क्योंकि सरकार विभिन्न स्रोतों से धन एकत्र करती है इसे क्राउडिंग आउट कहते हैं मौद्रिक वादी अर्थशास्त्रियों का मानना था कि क्राउडिंग आउट होने से गुणक का प्रभाव कम होता है। यह शून्य तब होगा जबकि :

1. तरलता जाल (LM वक्र क्षैतिज-Horizontal हो) अथवा
2. निवेश पूर्णतया ब्याज बेलोचदार हो (IS वक्र लम्बवत हो)

17. भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं को संकट में डाले बगैर वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करना क्या है?

Meeting the needs of present generation without compromising the needs of future generation is

- (A) आर्थिक विकास / Economic Development
(B) सामाजिक विकास / Social Development
(C) धारणीय विकास / Sustainable Development
(D) आर्थिक संवृद्धि / Economic Growth

उत्तर- (C)/व्याख्या भावी पीढ़ी की आवश्यकताओं को संकट में डाले बगैर वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं को पूरा करना धारणीय विकास है।

धारणीय विकास की सबसे स्वीकृत परिभाषा बुडलैण्ड रिपोर्ट द्वारा दी गयी। इसके अनुसार—

‘पोषणीय विकास, विकास का वह स्तर है जो वर्तमान आवश्यकताओं को भावी पीढ़ी की अपनी आवश्यकताओं की संतुष्ट करने की क्षमता से समझौता किए बगैर संतुष्ट करता है। संक्षेप में पोषणीय विकास परिवर्तन की प्रक्रिया है जिसमें संसाधनों का दोहन निवेश की दिशा तकनीकी विकास का दिशा निर्देशन और संस्थागत परिवर्तन सभी सुसंगत रूप में है और मानवीय आवश्यकताओं और आकांक्षाओं को संतुष्ट करने हेतु विद्यमान और भावी दोनों सम्भावनाओं में वृद्धि होती है।

18. हैरोड-डोमर मॉडल में पूर्ण क्षमता (या समर्थता) संवृद्धि दर को निम्नलिखित नाम से भी जाना जाता है :

The full capacity growth rate in Harrod-Domar Model is also known as

- (A) वास्तविक संवृद्धि दर/Actual growth rate
(B) समर्थित या अभीष्ट संवृद्धि दर
Warranted growth rate
(C) प्राकृतिक संवृद्धि दर/Natural growth rate
(D) अपेक्षित संवृद्धि दर/Expected growth rate

उत्तर- (B) व्याख्या/ हैरड-डोमर मॉडल में पूर्ण क्षमता (या समर्थता) संवृद्धि दर को समर्थित या अभीष्ट संवृद्धि दर (Warranted growth rate) के नाम से जाना जाता है।

हैरड तथा डोमर दोनों ही अर्थव्यवस्था के स्थिर तथा निर्बाध कार्यकरण के लिए आवश्यक आय वृद्धि दर खोजने का प्रयास करते हैं। यद्यपि हैरड तथा डोमर दोनों के विवरणों में सूक्ष्म भिन्नता है तथापि वे एक ही प्रकार के निष्कर्षों को प्राप्त करते हैं।

हैरड तथा डोमर आर्थिक वृद्धि की प्रक्रिया में निवेश को प्रमुख कार्य सौंपते हैं परन्तु वे निवेश की द्वैत प्रकृति पर बल देते हैं। प्रथम निवेश आय का निर्माण करता है दूसरा यह अर्थव्यवस्था के पूंजी स्टॉक को बढ़ाकर उसकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि लाता है। इसलिए जब तक शुद्ध निवेश होता रहेगा वास्तविक आय तथा उत्पादन का विस्तार होता रहेगा। किन्तु वर्ष प्रतिवर्ष आय का पूर्ण रोजगार संतुलन स्तर बनाये रखने के लिए यह आवश्यक है कि वास्तविक आय तथा उत्पादन का विस्तार उसी दर से हो जिस दर से पूंजी स्टॉक की उत्पादन क्षमता में विस्तार हो रहा है।

दीर्घकाल में पूर्णरोजगार को बनाए रखना है तो शुद्ध निवेश निरन्तर बढ़ते रहना चाहिए। इसके लिए यह भी आवश्यक है कि वास्तविक आय में निरन्तर उस दर से वृद्धि होती रहे जो बढ़ते पूंजी स्टॉक की क्षमता के पूर्ण प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त हो। आय वृद्धि की इस आवश्यक दर को 'अभीष्ट वृद्धि दर' या 'पूर्ण क्षमता वृद्धि दर' कहा जा सकता है। इसे GW से दर्शाया जाता है।

19. एच. डी. आई. (H. D. I.) के आविष्कार हैं :

Inventors of HDI are

- I. हेरिस-टुडैरो / Harris-Todaro
II. मेघनाद देसाई / Meghnad Desai
III. रॉबर्ट सोलो / Robert Solow
IV. अमर्त्य सेन / Amartya Sen

कूट / Codes :

- (A) I और II सही हैं।
(B) I और III सही हैं।
(C) III और IV सही हैं।
(D) II और IV सही हैं।

उत्तर- (*) व्याख्या/

Note : सभी विकल्प गलत होने के कारण प्रश्न हटा दिया गया। मानव विकास सूचकांक (HDI) जिसमें जीवन प्रत्याशा शिक्षा या ज्ञान की पहुँच और आय तथा जीवन स्तर के संकेतकों को शामिल किया जाता है जीवन की गुणवत्ता का स्तर तथा इससे परिवर्तन से

जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े प्रस्तुत करता है। इस सूचकांक को HDR - 1990 में अर्थशास्त्री 'महबूब-उल-हक' व अमर्त्य सेन की देन था। प्रारम्भ में इसे GDP के विकल्प के रूप में लाँच किया गया था क्योंकि यह वृद्धि प्रक्रिया मानव विकास की केन्द्रीयता पर जोर देती है HDR - 2020 में भारत ने 131वाँ स्थान प्राप्त किया है। जो 189 देशों के उनके मानव विकास की रैंक में है।

20. पी. क्यू. एल. आई. (PQLI) के संघटक हैं :

Components of PQLI

- I. रूग्णता / Morbidity
II. शिशु मृत्यु / Infant mortality
III. एक वर्ष की आयु पर जीवन प्रत्याशा
Life expectancy at age one
IV. 15 वर्ष की आयु पर मौलिक साक्षरता
Basic literacy at age 15

कूट / Codes :

- (A) I, III और IV सही हैं।
(B) III, II और IV सही हैं।
(C) I, II और III सही हैं।
(D) IV, I और II सही हैं।

उत्तर- (B) व्याख्या/ III, II और IV सही

जीवन के भौतिक गुणवत्ता निर्देशांक प्रत्यागम (PQLI) को मौलिक रूप से जॉन टिनवर्जन ने दिया पर इसे व्यवस्थित रूप में मारिश डी. मॉरिस ने दिया। इन्होंने 23 विकसित तथा विकासशील देशों के सम्बन्ध में अध्ययन किया तथा जीवन प्रत्याशा 1 वर्ष की आयु में शिशु मृत्यु दर, तथा मौलिक साक्षरता के आधार पर एक सूचकांक तैयार किया जिसे PQLI कहा जाता है।

$$PQLI = \frac{(LEI + IMI + BLI)}{3} \times 100$$

इन्होंने यह निष्कर्ष प्राप्त किया कि प्रति व्यक्ति ऊँची GNP इस बात का आश्वासन नहीं देती कि कल्याण का स्तर ऊँचा है। PQLI का अधिकतम मूल्य 100 तथा न्यूनतम मूल्य शून्य होगा। PQLI में 100 की ओर बढ़ना उत्तम स्थिति का परिचायक है जबकि शून्य की ओर जाना खराब स्थिति का परिचायक है।

21. अभिकथन (A) : सभी आर्थिक घटनाएँ, समाज में भिन्न वर्गों और समूहों के बीच अनवरत आर्थिक संघर्ष का परिणाम होती हैं।

Assertion (A) : All historical events are the results of continuous economic struggle between different classes and groups in society.

कारण (R) : इस संघर्ष का मुख्य कारण 'उत्पादन के तरीके' और 'उत्पादन के सम्बन्धों' के बीच संघर्ष है।

Reason (R) : The main cause of this struggle is the conflict between the 'mode of production' and the 'relations of production'.

कूट / Codes :

- (A) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(A) is correct, but (R) is wrong.

- (B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(A) is wrong, but (R) is correct.
(C) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
Both (A) and (R) are wrong.
(D) (A) और (R) दोनों सही हैं।
Both (A) and (R) are correct.

उत्तर- (D) व्याख्या (A) और (R) दोनों सही हैं। मार्क्स ने अपने सिद्धान्त को Das Kapital में दिया। इन्होंने आर्थिक विकास के सिद्धान्त में 3 प्रसंगों में योगदान दिया, अर्थात् इतिहास की आर्थिक व्याख्या प्रदान करने के विस्तृत प्रसंग में; पूंजीवादी विकास की प्रेरक शक्तियों को विशिष्टता प्रदान करने के संकुचित प्रसंग में; तथा योजनाबद्ध आर्थिक विकास का वैकल्पिक मार्ग समझाने के अन्तिम प्रसंग में।

इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या यह स्पष्ट करने का प्रयत्न करती है कि समस्त ऐतिहासिक घटनाएं समाज के भिन्न-भिन्न वर्गों तथा समूहों के बीच लगातार आर्थिक संघर्ष का परिणाम हैं। इस संघर्ष का प्रमुख कारण है, 'उत्पादन की विधि' (Mode of Production) तथा 'उत्पादन के सम्बन्ध' (Relations of Production) के बीच विरोध। उत्पादन की विधि समाज में उत्पादन के विशिष्ट प्रबन्ध की ओर संकेत करती है, जो जीवन के समस्त सामाजिक, राजनैतिक तथा धार्मिक ढंग को निर्धारित करती है। 'उत्पादन के सम्बन्ध' समाज के वर्ग ढांचे से सम्बन्ध रखते हैं।

22. सूची-I में दी मदों को सूची-II में दी मदों के साथ सुमेलित करें

Match the items given in List - I with those in List - II :

सूची - I	सूची - II
(a) झुण्ड समान गुच्छ Swarm-like-clusters	(1) ब्रंटलैण्ड रिपोर्ट Brundtland Report
(b) पूँजी का जैव संयोजन Organic composition of capital	(2) रेगनर नक्सों Ragner Nurkse
(c) धारणीय विकास Sustainable Development	(3) शुम्पीटर Schumpeter
(d) गरीबी का दुष्चक्र Vicious circle of poverty	(4) कार्ल मार्क्स Karl Marx

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	4	2	3	1
(B)	3	4	1	2
(C)	1	3	2	4
(D)	2	1	4	3

उत्तर- (B) व्याख्या

सूची - I	सूची - II
(a) झुण्ड समान गुच्छ	(3) शुम्पीटर का नवप्रवर्तन सिद्धान्त
(b) पूँजी की जैविक संरचना	(4) कार्ल मार्क्स
(c) धारणीय विकास	(1) ब्रंटलैण्ड रिपोर्ट
(d) गरीबी का दुष्चक्र	(2) रेगनर नक्सों

23. सूची-I का सूची-II के साथ मिलान करें :

Match the items given in List - I with those in List - II :

सूची - I	सूची - II
(a) निम्न स्तरीय संतुलन फन्दा Low level equilibrium trap	(1) साइमन कुजनेट्स Simon Kuznets
(b) औँधी 'V' आकार की आय वितरण परिकल्पना Inverted 'V' shaped income distribution hypothesis	(2) नेल्सन Nelson
(c) अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धांत Endogenous growth theory	(3) आर्थर लेविस Arthur Lewis
(d) श्रम की असीमित आपूर्ति Unlimited supplies of labour	(4) रॉबर्ट सोलो Robert Solow

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	2	1	4	3
(B)	3	2	1	4
(C)	4	3	2	1
(D)	1	4	3	2

उत्तर- (A) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची - I	सूची - II
(a) निम्नस्तरीय संतुलन पाश	(2) नेल्सन
(b) औँधी 'U' आकार की आय वितरण परिकल्पना	(1) साइमन कुजनेट्स
(c) अन्तर्जात संवृद्धि सिद्धान्त	(4) पॉल रोमर (राबर्ट सोलो बर्हिजात मॉडल से सम्बन्धित थे)
(d) श्रम की असीमित आपूर्ति	(3) आर्थर लेविस

निम्न स्तरीय संतुलन पाश

आर आर नेल्शन ने अल्पविकसित देशों के लिए निम्न आय संतुलन पाश सिद्धान्त विकसित किया यह माल्थस के जनसंख्या सिद्धान्त पर आधारित है।

नेल्शन के अनुसार- "अल्पविकसित देशों के रोग की पहचान यह है कि वह प्रति व्यक्ति आय का ऐसा स्तर है जो निर्वाह आवश्यकताओं पर या उनके निकट पहुँचकर स्थिर हो जाता है। प्रति व्यक्ति आय के स्थिर संतुलन स्तर पर बचत की दर और परिणामतः शुद्ध निवेश की दर एक नीचे स्तर पर रहती है। जब कुल राष्ट्रीय आय की वृद्धि दर बढ़ाकर बचत व निवेश की दर बढ़ाने के प्रयत्न किए जाते हैं तो उनके साथ जनसंख्या की वृद्धि दर भी ऊँची हो जाती है जो प्रति व्यक्ति आय को पीछे धकेलकर उसको स्थिर संतुलन स्तर पर पहुँचा देती है। इस प्रकार अल्पविकसित अर्थव्यवस्थाएँ निम्न संतुलन पाश में जकड़ जाती हैं। इनसे बाहर निकलने के लिए PCI के स्तर को उच्च करना होगा।

● **आर्थिक विकास के साथ-साथ आय वितरण की विषमता की क्या स्थिति होती है,** इस पर विचार करने वाले अर्थशास्त्रियों में साइमन कुजनेट्स ने यह प्रतिपादित किया कि प्रारम्भ में जब आर्थिक विकास होता है तब कुछ लोग ही आय की वृद्धि से लाभान्वित होते हैं इसलिए आर्थिक विकास के साथ-साथ आय के

वितरण की विषमता बढ़ती है किन्तु एक स्तर के बाद अन्य समूह भी लाभान्वित होने लगते हैं और आय के वितरण की विषमता कम होने लगती है इस प्रकार हम आर्थिक विकास को प्रति व्यक्ति आय से प्रदर्शित करें तो हम पायेंगे कि प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि के साथ प्रारम्भ में आय की विषमता बढ़ती है तथा अन्त में आय की वृद्धि के साथ आय वितरण की विषमता कम हो जाती है। इस सम्बन्ध को यदि हम वक्र में प्रदर्शित करें तो जो वक्र प्राप्त होगा वह उल्टे 'U' आकार का होगा। इसे कुजनेट्स वक्र कहा जाता है।

● **आन्तरिक या नव आर्थिक संवृद्धि** सिद्धान्त के मुख्य प्रतिपादक **पॉल रोमर** थे। बॉमल तथा राबर्ट लुकास इससे सम्बन्धित अर्थशास्त्री थे। यह सिद्धान्त प्रतिपादित करता है कि आर्थिक विकास उत्पादन प्रक्रिया में निहित भीतरी कारकों द्वारा जनित होता है, बाह्य कारकों से नहीं। यह दृष्टिकोण मानवीय पूँजी निर्माण में प्रत्यक्ष तथा परोक्ष निवेशों तथा ज्ञान गहन उद्योगों जैसे कम्प्यूटर साफ्टवेयर में विदेशी पूँजी को प्रोत्साहित करने के द्वारा आर्थिक विकास में सार्वजनिक नीति की सक्रिय भूमिका पर बल देता है।

24. हिन्दुओं की संवृद्धि दर के बारे में निम्नलिखित में से क्या सही है?

Which of the following is correct about the 'Hindu Growth Rate'?

(A) यह हिन्दुओं की जनसंख्या की आर्थिक संवृद्धि दर के बारे में है।

This is about economic growth of the Hindu population.

(B) भारत में भिन्न सामाजिक समूहों के बीच आर्थिक विषमताओं को दर्शाता है।

Shows economic disparities among different social groups in India.

(C) भारतीय अर्थव्यवस्था की 1950-80 के दौरान निम्न संवृद्धि निष्पन्नता प्रकट करता है।

Reflects low growth performance of the Indian economy during 1950-80.

(D) भारत में 1980 से त्वरित संवृद्धि का संकेत करता है।

Hints at accelerated growth in India since 1980

उत्तर- (C) व्याख्या हिन्दू संवृद्धि दर भारतीय अर्थव्यवस्था की 1950-80 के दौरान निम्न संवृद्धि निष्पन्नता को प्रकट करता है।

Hindu Growth Rate— प्रो. राज कृष्णा ने दिसम्बर 1981 में 'American Economic Association' में 'India's Sticky Economy Some Non-Economic of Non performance' में भारत की संवृद्धि दर के सम्बन्ध में धारणा व्यक्त की जिसे हिन्दू संवृद्धि दर कहा। इनका मानना था कि भारतीय अर्थव्यवस्था निम्न आर्थिक संवृद्धि के संतुलन जाल में उलझ कर रह गयी है जो कि 3.5% प्रतिवर्ष की GDP संवृद्धि दर थी। यह भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रति निराशाजनक दृष्टिकोण था। अर्थव्यवस्था की यह धीमी वृद्धि दर अर्थव्यवस्था की अन्तर्निहित अपरिवर्तनीयता की सूचक थी जो कि 'हिन्दू जीवन शैली' के ही समान थी।

प्रो० राजकृष्णा का यह विश्लेषण स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् तीन दशकों की संवृद्धि दरों पर आधारित था।

1950 – 1960	: 3.9 %
1960 – 1970	: 3.7 %
1970 – 1980	: 3.1 %

Average Three Decade : 3.5 % Hindu Growth Rate

1980 – 1990 : 5.6 %

1990 – 2000 : 6.4 %

2000 – 2010 : 7.3 %

2010 – 2015 : 7.0 % Neo-Hindu Growth Rate

किन्तु हिन्दू संवृद्धि दर के पश्चात् के तीन दशकों में भारतीय अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर उच्चतर होती गई। 7 % की संवृद्धि दर को 'नव हिन्दू वृद्धि दर' के रूप में देखा जाता है। तथा लक्षित दो अंकों की वृद्धि दर को 'Super Hindu Growth Rate' कहा जाता है।

25. भारत में आर्थिक सुधारों की सफलता के बारे में गलत कथन ज्ञात करें।

Find out the incorrect statement about the success of economic reforms in India.

(A) जनांकिकीय लाभांश के फायदे

Benefits of demographic dividends

(B) सकल घरेलू बचतों में कॉरपोरेट क्षेत्र का वर्धित हिस्सा

Increased share of the corporate sector in Gross Domestic Savings

(C) चालू खाते के घाटे का संकुचित होना

Narrowing down of the current account deficit

(D) जनसंख्या वृद्धि दर का धीमा होना

Slow down of population growth rate

उत्तर- (D) व्याख्या भारत में आर्थिक सुधारों की सफलता के बारे में सत्य कथन -

(A) जनांकिकीय लाभांश के फायदे

(B) सकल घरेलू बचतों में कॉरपोरेट क्षेत्र का बढ़ता हिस्सा

(C) चालू खाते के घाटे का संकुचित होना

भारत में आर्थिक सुधार 1991 में तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार द्वारा किए गए जिसमें तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने LPG मॉडल पेश किया।

26. भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में न सम्मिलित की जाने वाली गतिविधि बताएँ।

Single out the activity that is not included in the Industrial Production Index of India.

(A) विनिर्माण / Manufacturing

(B) निर्माण / Construction

(C) खदान / Mining

(D) विद्युत / Electricity

उत्तर- (B) व्याख्या निर्माण भारतीय औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में न सम्मिलित की जाने वाली गतिविधि।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक भारतीय अर्थव्यवस्था में सामान्य औद्योगिक उत्पादन की मात्रा में अल्पकालीन परिवर्तनों के मापने की यह एकमात्र विश्वसनीय विधि है। IIP प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों के निष्पादन का त्वरित अनुमान मौसमी समायोजनों की अनदेखी करके प्रस्तुत करता है। IIP केवल खनन, विनिर्माण तथा विद्युत से ही सम्बन्धित है इसमें निर्माण शामिल नहीं किया जाता। वर्तमान में IIP का आधार वर्ष 2011-12 है।

क्षेत्र	आधार वर्ष (2011-12)	
	भार (%)	मद समूह
खनन	14.373	1
विनिर्माण	77.633	405
विद्युत	7.994	1
Total	100	407

27. किस उद्योग का अधिक विकास भविष्य में औद्योगिक विकास के लिए धनात्मक संकेत देता है?

High growth of which industry provides a positive signal for industrial growth in future?

- (A) पूँजीगत वस्तुओं के उद्योग / Capital goods industries
(B) मूलभूत वस्तुओं के उद्योग / Basic goods industries
(C) टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के उद्योग
Durable consumer goods industries
(D) मध्यवर्ती वस्तुओं के उद्योग
Intermediate goods industries

उत्तर- (A)/ व्याख्या पूँजीगत वस्तुओं के उद्योग का अधिक विकास भविष्य में औद्योगिक विकास के लिए धनात्मक संकेत देता है। पूँजीगत वस्तुएँ ऐसी वस्तुएँ हैं जो अन्य वस्तुओं के उत्पादन में प्रयोग की जाती हैं। इसमें मशीन उपकरण औद्योगिक मशीनरी, Process plant equipment, construction and mining equipment आदि शामिल होते हैं। पूँजीगत वस्तुओं के उद्योग का अधिक विकास भविष्य में औद्योगिक विकास के लिए धनात्मक संकेत देता है।

28. वो पद्धति कौन-सी है जो भारत में एन. एस. एस. ओ. द्वारा बेरोजगारी के आकलन के लिये उपयोग नहीं की जा रही है?

Identify the method not being used for unemployment estimation by the NSSO in India.

- (A) चालू मासिक प्रास्थिति / Current monthly status
(B) चालू दैनिक प्रास्थिति / Current daily status
(C) चालू साप्ताहिक प्रास्थिति / Current weekly status
(D) प्राथमिक प्रधान एवं गौण प्रास्थिति

Usual principal and subsidiary status

उत्तर- (A)/ व्याख्या योजना आयोग ने बेरोजगारी के अनुमान के सम्बन्ध में भगवती समिति (1973) का गठन किया था जो सामान्य (मूल) स्थिति (Usual status) चालू साप्ताहिक स्थिति (current weekly status) तथा चालू दैनिक स्थिति (current daily status) की संस्तुति की। वर्तमान में NSO (National Statistical office) बेरोजगारी से सम्बन्धित आंकड़े एकत्र करता है।

(क) सामान्य स्टेटस (US) : यह समीक्षा वर्ष के पूर्व के 365 दिनों में किसी व्यक्ति के कार्य की स्थिति को प्रदर्शित करता है। यदि कोई व्यक्ति वर्ष के अधिकांश दिनों (183 दिन) तक कार्य नहीं करता तो

उसे सामान्य स्टेटस का बेरोजगार कहा जाएगा। 'सामान्य बेरोजगारी दर' क्रानिक बेरोजगारी दर प्रदर्शित करती है।

(ख) चालू साप्ताहिक स्टेटस (CWS) : यह समीक्षा दिन के ठीक पूर्व के सप्ताह या 7 दिनों में किसी व्यक्ति के कार्य की स्थिति को दर्शाता है। इसके अनुसार कोई व्यक्ति रोजगार में जब कहा जायेगा। जबकि उसने समीक्षा सप्ताह के किसी दिन कम से कम एक घण्टा काम किया हो। इस प्रकार यदि किसी ने समीक्षा सप्ताह में 1 घण्टा भी कार्य नहीं किया हो तो उसे चालू साप्ताहिक स्टेटस का बेरोजगार कहा जाएगा।

चालू दैनिक स्टेटस (CDS) : यह किसी व्यक्ति के समीक्षा दिन के पूर्व 7 दिनों में प्रत्येक दिन की कार्य स्थिति को दर्शाता है। यदि कोई व्यक्ति एक दिन में 4 घण्टे या इससे अधिक कार्य करता है तो उसे उस दिन पूर्ण रोजगार में कहेंगे पर यदि उसने एक घण्टे से अधिक व 4 घण्टे से कम काम किया हो तो उसे आधा दिन कार्यरत मानेंगे। इस प्रकार यदि किसी ने किसी दिन 1 घण्टा भी कार्य न किया हो तो उसे चालू दैनिक स्थिति में बेरोजगार कहा जाएगा।

जहां सामान्य स्थिति बेरोजगारी दर तथा साप्ताहिक स्थिति बेरोजगारी दर व्यक्ति दरें हैं वही चालू दैनिक स्टेटस समय दर है।

29. प्रत्येक वित्तीय वर्ष में व्यय की प्रत्येक मद के पुनर्मूल्यांकन करने के पश्चात् बजट बनाने की प्रक्रिया को कहते हैं

The process of budget making after reevaluating every item of expenditure in every financial year is known as

- (A) निष्पन्नता बजटन / Performance Budgeting
(B) नव बजटन / Fresh Budgeting
(C) डेबिट (नामे) बजटन / Debit Budgeting
(D) शून्य आधार बजटन / Zero Based Budgeting

उत्तर- (D)/ व्याख्या प्रत्येक वित्तीय वर्ष में व्यय की प्रत्येक मद के पुनर्मूल्यांकन करने के पश्चात् बजट बनाने की प्रक्रिया को शून्य आधार बजट Zero Based Budgeting (ZBB) कहते हैं।

ZBB तकनीक को पीटर पायर ने 1970 में विकसित किया। यह ऐसी तकनीक है जिसमें सार्वजनिक व्ययों की अपव्ययता में कमी लायी जाती है। इस प्रकार की बजटिंग में प्रत्येक क्रिया के लिए शून्य आधार खोजा जाता है तथा क्रिया करने से पहले क्रिया का मूल्यांकन नयी क्रिया के रूप में किया जाता है।

ZBB दृष्टिकोण व्यय होने के बाद पुनर्निरीक्षण या अंकेक्षण द्वारा नियंत्रण पर आधारित नहीं है बल्कि सार्वजनिक व्यय के होने के पूर्व ही उसकी उत्पादकता, उपयोगिता या आवश्यकता के परीक्षण पर आधारित है। सार्वजनिक बजटिंग के क्षेत्र में ZBB का प्रयोग 1973 में जिम्मी कार्टर ने किया जब वे जार्जिया के गवर्नर थे। भारत में ZBB की शुरुआत 1986 में सार्वजनिक बजट के निर्धारण के सम्बन्ध में की गयी। बजट के अस्त्र के रूप में 2000 - 01 से लागू किया गया।

निष्पादन बजट (Performance Budget)

हूबर आयोग (1949) की संस्तुति पर इस बजट का सबसे पहले प्रयोग U S A में कृषि क्षेत्र में किया गया। भारत में प्रशासनिक आयोग (1969) की संस्तुति पर निष्पादन बजट शुरू किया गया। इस प्रकार का बजट लागत - लाभ विश्लेषण को निरूपित करता है। निष्पादन बजट में सार्वजनिक व्ययों के कार्यों प्रोग्राम तथा

निष्पादन इकाई के सन्दर्भ में प्रदर्शित करने की एक प्रणाली है जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय उत्पाद को सामने लाना है। इस बजट में यह स्पष्ट रूप से सामने आता है कि जो सार्वजनिक व्यय किया गया उसका परिणाम क्या रहा। निष्पादन बजटिंग एक प्रबन्धकीय औजार है। निष्पादन बजटिंग उन उद्देश्यों को जिनके सम्बन्ध में फण्ड की उगाही की गयी तथा इन उद्देश्यों को पूरा करने के लिए प्रस्तावित प्रोग्राम की लागत तथा प्रत्येक प्रोग्राम की उपलब्धियों तथा कार्य निष्पादन बजट आउटकम बजट का एक अभिन्न भाग है।

30. भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011 के अनुसार आरोही मानव विकास सूचकांक के सम्बन्ध में राज्यों की श्रेणी निर्धारित करें :
Rank the states in terms of ascending Human Development Index (HDI) as per India Human Development Report 2011.

- I. बिहार / Bihar II. गुजरात / Gujarat
III. ओडिसा / Odisha IV. तमिलनाडु / Tamil Nadu
कूट / Codes :
(A) I, II, III, IV (B) III, I, II, IV
(C) I, III, IV, II (D) III, II, I, IV

उत्तर- (B) व्याख्या भारत मानव विकास रिपोर्ट 2011 के अनुसार आरोही मानव विकास सूचकांक के सम्बन्ध में राज्यों की श्रेणी ओडिसा, बिहार, गुजरात, तमिलनाडु।

नोट : UNDP की मानव विकास रिपोर्ट 2020 में भारत का स्थान 189 देशों में 131 वाँ है जो पिछले वर्ष की तुलना में खराब स्थिति है।

मानव विकास रिपोर्ट 2020 में पहली बार प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन (Per capita carbon emission) तथा material Foot print को मानव विकास से जोड़ा गया। इस कारण नार्वे जो प्रथम था इसमें 15 स्थान की गिरावट हुई। इस रिपोर्ट में आयरलैंड HDI में प्रथम है।

31. दो राष्ट्रों के बीच वस्तु की सापेक्ष कीमतों में अन्तर को निम्नलिखित में अन्तर पर आधारित किया जा सकता है :

A difference in relative commodity prices between two nations can be based upon a difference in

- (A) साधन उपलब्धता / factor endowment
(B) प्रौद्योगिकी / technology
(C) रुचि / tastes
(D) उपर्युक्त सभी / All of the above

उत्तर- (D) व्याख्या दो राष्ट्रों के बीच वस्तु की सापेक्ष कीमतों में अन्तर को निम्नलिखित में अन्तर पर आधारित किया जा सकता है—
(A) साधन उपलब्धता (B) प्रौद्योगिकी (C) रुचि
हैक्शर-ओलिन सिद्धान्त कहता है कि दो देशों के बीच साधन सम्पन्नताओं में अन्तरों के परिणाम-स्वरूप साधनों की सापेक्ष मांग तथा पूर्ति में अन्तरों द्वारा उत्पन्न सापेक्ष वस्तु कीमतों का अन्तर ही अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का कारण है। जिन वस्तुओं में दुर्लभ साधनों की बड़ी मात्राएं प्रयोग होती हैं उन्हें आयात किया जाता है जबकि उन वस्तुओं को निर्यात किया जाता है जिनमें प्रचुर साधन प्रयोग होता है।

हैक्शर ओलिन प्रमेय की व्याख्या दो परिभाषाओं के रूप में की जा सकती है :

1. साधन सम्पन्नता कीमत कसौटी के रूप में
2. साधन सम्पन्नता भौतिक कसौटी के रूप में

32. किस प्रकार के व्यापार की व्याख्या हैक्सचर-ओहलिन मॉडल द्वारा नहीं की गई है?

Which type of trade is not explained by the Heckscher-Ohlin model?

- (A) बड़े पैमाने की किफायतों पर आधारित व्यापार
Trade based on economies of scale
(B) अंतरा उद्योग व्यापार
Intra industry trade
(C) अनुकरणात्मक अंतराल तथा उत्पाद चक्र आधारित व्यापार
Trade based on imitation gaps and product cycles
(D) उपर्युक्त सभी
All of the above

उत्तर- (D) व्याख्या हैक्शर-ओहलिन मॉडल द्वारा निम्नांकित प्रकार के मॉडलों की व्याख्या नहीं की गई -

- (A) बड़े पैमाने की किफायतों (Economies of Scale) पर आधारित व्यापार से सम्बन्धित सिद्धान्त
(B) अंतरा उद्योग व्यापार Intra-Industry trade से सम्बन्धित सिद्धान्त
(C) अनुकरणात्मक अंतराल तथा उत्पाद चक्र आधारित व्यापार अनुकरणात्मक अंतराल मॉडल को पोसनर ने दिया।
रिकाडों और हैक्शर-ओलिन सिद्धान्त इस मान्यता पर आधारित है कि व्यापार कर रहे सभी देशों में प्रौद्योगिकी समान है। इसलिए वे व्यापार पर प्रौद्योगिकीय परिवर्तन के प्रभाव का विश्लेषण नहीं करते।
एम वी. पोसनर ने 1961 में एक लेख में व्यापार पर प्रौद्योगिकी के प्रभाव का विश्लेषण किया। प्रौद्योगिकी परिवर्तन एक निरन्तर प्रक्रिया है। प्रौद्योगिकी नवप्रवर्तन दूसरे देश में अनुकरण अन्तराल और मांग अन्तराल लाता है।

33. यूरो करेंसी का उदाहरण है

An example of a Euro currency is

- (A) यू. एस. के बाहर डॉलर निक्षेप
a dollar deposit outside the U. S.
(B) यू. के. के अन्दर पाँड स्टर्लिंग निक्षेप
a pound sterling deposit within U K
(C) जर्मनी के पास मार्क निक्षेप
a mark deposit with Germany
(D) उपर्युक्त सभी / All of the above

उत्तर- (A) व्याख्या U. S. के बाहर डॉलर निक्षेप यूरो करेंसी का उदाहरण है

यूरो मुद्रा अपने घरेलू बाजार के बाहर जमा पर रखी गई मुद्रा है। अर्थात् देश के बाहर स्थित बैंकों में रखी मुद्रा जो नयी मुद्रा जारी करते हैं। उदाहरण के लिए लंदन में स्थित बैंक में जमा U. S. डॉलर को eurocurrency माना जाएगा क्योंकि U. S. डॉलर घरेलू देश से बाहर जमा किया गया है।

Euro शब्द "euro" मुद्रा या Eurozone से सम्बन्ध नहीं रखता अपितु इसको किसी प्रकार के जमा जो घरेलू बाजार के बाहर है से संदर्भित किया जाता है। Euro-currency बैंकों द्वारा short-to-medium term Financing के लिए प्रयोग किया जाता है।

34. भारत के भुगतान संतुलन में घाटे या अतिरेक को निम्नलिखित के निवल संतुलन द्वारा मापा जाता है :

A deficit or surplus in the India's balance of payments is measured by the net balance of

- (A) चालू खाता / the current account
- (B) पूँजीगत खाता / the capital account
- (C) एस. डी. आर. का आवंटन और सांख्यिकीय विसंगति allocation of SDRs and the statistical discrepancy
- (D) उपर्युक्त सभी / All of the above

उत्तर- (D)/व्याख्या भारत में भुगतान संतुलन के घाटे या अतिरेक को निम्नलिखित के निवल संतुलन द्वारा मापा जाता है—

- (A) चालू खाता
 - (B) पूँजीगत खाता
 - (C) SDR का आवंटन और सांख्यिकीय विसंगति
- भुगतान संतुलन एक देश के निवासियों का विश्व के अन्य देशों के निवासियों के साथ सामान्यतया एक वर्ष के दौरान, जो अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवहार या लेन-देन होते हैं, उनकी प्रविष्टि जिस विवरण या खाते में करते हैं उसे भुगतान संतुलन विवरण कहते हैं। लेखांकन की दृष्टि से भुगतान संतुलन आवश्यक रूप से सन्तुलित होता है।

किसी भी देश के भुगतान संतुलन के आवश्यक रूप से 4 भाग होते हैं—

1. चालू खाता → दृश्य या वस्तुगत खाता
अदृश्य सेवाओं का खाता
प्राथमिक व द्वितीयक आय
 2. पूँजी खाता → पूँजी खाता पूँजी का वित्तीय प्रवाह दर्शाता है। इसमें स्वर्ण सहित अल्पकालिक व दीर्घकालिक अन्तर्राष्ट्रीय पूँजीगत हस्तांतरण शामिल होते हैं।
 3. अशुद्धियाँ तथा भूले
 4. विदेशी विनिमय कोष में परिवर्तन
- चालू खाते तथा पूँजी खाते में होने वाले सभी व्यवहार मिलकर भुगतान सन्तुलन व्यवहार प्रदर्शित करेंगे और चूंकि सभी व्यवहार या तो विदेशी विनिमय सृजित करेंगे या विदेशी विनिमय में कमी लायेंगे इसलिए अन्तिम परिणाम विदेशी विनिमय कोष में परिवर्तन है।
- पूँजी खाते की प्रविष्टियों के बावजूद जो शेष रह जाता है वही वास्तव में भुगतान शेष है जिसकी पूर्ति अन्तर्राष्ट्रीय तरलता में परिवर्तन या विनिमय कोष में परिवर्तन से होती है।
- चालू खाते तथा पूँजी खाते में होने वाले सभी व्यवहार स्वायत्त (autonomous) व्यवहार होते हैं क्योंकि ये व्यवहार (एकतरफा हस्तांतरण को छोड़कर) लाभ उद्देश्य से किए जाते हैं इन्हें रेखा के ऊपर मद (above the line item) कहा जाता है। किन्तु BOP के जो व्यवहार विदेशी विनिमय कोष खाते से सम्बन्धित होते हैं उन्हें

समायोजक (accommodating) व्यवहार या रेखा से नीचे की मद (below the line item) कहते हैं। जो अन्तर्राष्ट्रीय व्यवहारों के समायोजित करने के लिए आवश्यक होते हैं।

35. यदि घरेलू उपभोक्ताओं की माँग असीम मात्रा में लोचदार है और विदेशी उत्पादक की आपूर्ति पूर्णतया बेलोचदार है, तो पूरा का पूरा शुल्क

If the demand of the domestic consumers is infinitely elastic and the supply of the foreign producer is perfectly inelastic, then the whole of the tariff will

- (A) घरेलू उपभोक्ताओं द्वारा दिया जाएगा।
be paid by the domestic consumers
- (B) विदेशी उत्पादक द्वारा दिया जाएगा।
be paid by the foreign producer
- (C) घरेलू उपभोक्ताओं और विदेशी उत्पादक द्वारा बराबर-बराबर दिया जाएगा।
be equally shared by the domestic consumers and the foreign producer
- (D) दोनों में से किसी को भी न तो आय और न सुरक्षा की प्राप्ति होगी।
yield neither revenue nor protection to either of them

उत्तर- (B)/व्याख्या यदि घरेलू उपभोक्ताओं की माँग असीम मात्रा में लोचदार है और विदेशी उत्पादक की आपूर्ति पूर्णतया बेलोचदार है, तो पूरा का पूरा शुल्क विदेशी उत्पादकों द्वारा दिया जाएगा, क्योंकि माँग की लोच उपभोक्ताओं की शक्ति तथा आपूर्ति की लोच उत्पादकों की शक्ति को दर्शाता है। जब माँग की लोच पूर्णतया लोचदार है तो वस्तु की कीमतों में कोई परिवर्तन माँग को शून्य कर देगा जबकि विदेशी उत्पादक की आपूर्ति बेलोचदार होने से कीमतों में परिवर्तन का आपूर्ति की गयी मात्रा में कोई परिवर्तन नहीं होगा इसलिए यदि तटकर लगाया जाता है तो विदेशी उत्पादक उसका भार उपभोक्ताओं पर नहीं डाल पायेगा और स्वयं वहन करेगा।

36. भारतीय रिज़र्व बैंक ने किस वर्ष में भारतीय रुपये को वस्तुओं और सेवाओं के सम्बन्ध में चालू खाता लेनदेन में पूर्णतया परिवर्तनीय किया?

The RBI made Indian Rupee fully convertible in current account transactions related to goods and services in the year

- (A) 1985
- (B) 2002
- (C) 1994
- (D) 2011

उत्तर- (C)/व्याख्या प्रारम्भ में मार्च 1993 में 1993-94 के बजट में वित्तमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने व्यापार खाते पर रुपये की पूर्ण परिवर्तनीयता की घोषणा की।

एक वर्ष के अनुभव के बाद 1994-95 के बजट में सरकार ने 28 फरवरी 1994 को चालू खाते पर रुपये की पूर्ण परिवर्तनीयता की घोषणा की।

चालू खाते में मुख्य रूप से आयात निर्यात तथा अदृश्य व्यवहार आते हैं। जब इसमें आये हुए इन व्यवहारों के लिए भी विदेशी विनिमय की उपलब्धता को बाजार की शक्तियों द्वारा निर्धारित विनिमय दर पर छोड़ देते हैं तो इसे हम चालू खाते की परिवर्तनीयता कहते हैं। अर्थात् सभी चालू व्यापारिक लेन-देनों जिसमें यात्रा, शिक्षा, चिकित्सा सम्बन्धी व्यय शामिल है के लिए विदेशी विनिमय की उपलब्धता स्वतंत्र करना। ऐसी स्थिति में विभेदात्मक तथा बहुविनिमय दरें प्रचलित नहीं होती।

रुपये की पूर्ण परिवर्तनीयता का अर्थ है चालू खाते तथा पूंजी खाते पर होने वाले सभी व्यवहारों को पूरा करने के लिए रुपये को किसी भी अन्तर्राष्ट्रीय स्वीकृत मुद्रा में परिवर्तित करने की स्वतंत्रता। भारत में पूंजी खाते की परिवर्तनीयता लागू नहीं है। इसके सम्बन्ध में RBI ने जून 1999 में S. S. Tarapore की अध्यक्षता में पहली समिति तथा 20 मार्च 2006 को दूसरी समिति का गठन किया।

37. मौद्रिक उपागम के अनुसार, राष्ट्र की करेन्सी का पुनर्मूल्यांकन

According to the monetary approach, a revaluation of a nation's currency

- (A) मुद्रा के लिए राष्ट्र की माँग में वृद्धि करता है।
increases the nation's demand for money
- (B) राष्ट्र की मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि करता है।
increases the nation's supply of money
- (C) मुद्रा के लिये राष्ट्र की माँग कम करता है।
reduces the nation's demand for money
- (D) राष्ट्र की मुद्रा आपूर्ति कम करता है।
reduces the nation's supply of money

उत्तर- (C)/व्याख्या मौद्रिक उपागम के अनुसार राष्ट्र की करेन्सी का पुनर्मूल्यांकन (revaluation) मुद्रा के लिये राष्ट्र की माँग कम करता है। भुगतान सन्तुलन का मौद्रिक उपागम IMF के शोध विभाग के Jacques J. Polak तथा Harry G. Johnson एवं Robert A. Mundell तथा उनके छात्रों द्वारा 1950 व 1960 के दशक में विकसित किया गया।

मौद्रिक उपागम के अनुसार भुगतान संतुलन एक मौद्रिक घटना है। यह उपागम मुद्रा के आस्तित्व को स्वीकार्य करते हुए यह दर्शाता है कि BOP मुख्य रूप से मुद्रा की माँग व पूर्ति द्वारा निर्धारित होता है यह BOP में समायोजन के कारण है। मुद्रा की माँग, आय (Y) तथा कीमत (P) व ब्याज की दर (i) का स्थायी फलन है।

$$M_d = F(Y, P, i) \quad (i)$$

वही मुद्रा की पूर्ति (M_s) मुद्रा आधार (m) का गुणक है। जिसमें घरेलू मुद्रा (credit) D तथा देश के विदेशी विनिमय (R) को रखा जाता है यदि (m) को हटा लिया जाए तो

$$M_s = D + R \quad (ii)$$

$$M_d = M_s$$

$$M_d = D + R \quad (iv)$$

BOP में घाटे या अतिरेक को देश के विदेशी विनिमय कोष से दर्शाया जाता है। इस प्रकार

$$\Delta R = \Delta MD - \Delta D \quad (v)$$

$$\text{or } \Delta R = B$$

यहाँ B = Balance of Payment है जो Domestic Credit ΔD तथा मुद्रा के लिए माँग में परिवर्तन (ΔMD) के मध्य अन्तर के बराबर होगा।

BOP Deficit – Negative B – जो R – Foreign exchange reserve को कम करेगा।

Positive BOP – R को बढ़ायेगा तथा Money supply में वृद्धि करेगा।

जब B = 0 इसका अर्थ है कि भुगतान शेष सन्तुलन में है।

38. निम्नलिखित को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें :

Arrange the following in chronological order :

- I. सरकार एवार्ड / Sarkar Award
- II. नीमीयर एवार्ड / Niemeyer Award
- III. देशमुख एवार्ड / Deshmukh Award
- IV. मेस्टन एवार्ड / Meston Award

कूट / Codes :

- (A) II, IV, III, I (B) IV, III, II, I
(C) III, II, IV, I (D) IV, II, I, III

उत्तर- (D)/व्याख्या कालानुक्रमिक क्रम में	
पुरस्कार	वर्ष
IV मेस्टन पुरस्कार	1920
II नीमीयर पुरस्कार	1936
I सरकार पुरस्कार	1948
III देशमुख पुरस्कार	1950

39. निम्नलिखित में से किसमें शून्य आधारित बजटन प्रारम्भ करना कठिन है?

In which of the following, Zero Based Budgeting is difficult to introduce?

- I. स्थापना खर्च / Establishment charges
- II. लोक निर्माण कार्य / Public works
- III. सिंचाई परियोजनाएँ / Irrigation Projects
- IV. फेडरल राजकोषीय अंतरण / Federal fiscal transfers

कूट / Codes :

- (A) I, III और IV सही हैं। (B) II, III और IV सही हैं।
(C) I और IV सही हैं। (D) II और III सही हैं।

उत्तर- (C)/व्याख्या स्थापना खर्च तथा फेडरल राजकोषीय अंतरण में शून्य आधारित बजट प्रारम्भ करना कठिन है।

1970 में USA में टेक्सास (Texas) Instrument के वित्त निदेशक Peter A. Phyer ने शून्य आधारित बजट की आधारभूत रूपरेखा निर्धारित की थी तथा निजी क्षेत्र में इसके व्यापक उपयोग को लोकप्रिय बनाया था। अतः उन्हें शून्य आधारित बजटीय प्रणाली का जनक माना है।

1973 में शून्य आधारित बजट प्रणाली को जार्जिया प्रान्त के बजट में गवर्नर जिम्मी कार्टर द्वारा तथा बाद में 1979 में U.S. का राष्ट्रपति बनने पर इसे अपनाया। भारत में 1977-78 में इस प्रणाली को निजी क्षेत्र की दो कम्पनियों ब्रिटानिया तथा यूनियन कार्बाइड ने अपनाया था। तत्पश्चात् भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

विभाग द्वारा 1983-84 में बजट में इसे अपनाया बाद में भारत सरकार के सभी विभागों में 1987-88 से इसे अपनाया गया। ZBB प्रणाली व्यय नियंत्रण की एक प्रभावी प्रणाली है। इस प्रणाली में विगत आंकड़ों को शून्य मान लिया जाता है तथा वर्तमान को एक नये व स्वच्छ आधार के रूप में देखा जाता है। इस बजट में विषय यह नहीं कि व्यय में कितनी वृद्धि या कमी की जाए बल्कि विषय यह है कि कोई भी व्यय किया जाए या नहीं।

इस प्रणाली में कुछ महत्वपूर्ण चरण सम्मिलित हैं

1. उद्देश्यों को चिन्हित करना तथा स्पष्ट करना
2. कार्यक्रमों तथा उद्देश्यों की प्राथमिकता सुनिश्चित करना।
3. इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए विभिन्न वैकल्पिक मार्ग का परीक्षण करना।
4. लागत-लाभ विश्लेषण द्वारा सर्वश्रेष्ठ विकल्प का चयन करना।
5. संसाधनों का हस्तांतरण निम्नतर प्राथमिकता के कार्यक्रमों से उच्चतर प्राथमिकता कार्यक्रमों की ओर किया जाना।
6. ऐसे कार्यक्रमों को चिह्नित करना तथा समाप्त किया जाना जिनका उपयोगी जीवनकाल पूरा हो चुका है।

40. सूची-I में दी मदों को सूची-II में दी गई मदों के साथ सुमेलित करें :

Match the items given in List - I with those in List - II :

सूची - I	सूची - II
(a) क्लब का सिद्धान्त Theory of Clubs	(1) एंथनी डाऊन्स Anthony Downs
(b) प्रमेय की असंभावितता Impossibility theorem	(2) चार्ल्स टिबूट Charles Tiebout
(c) राजनीतिक निर्णयन का मॉडल Political of Decision Making Model	(3) जेम्स बुचानन James Buchanan
(d) स्थानीय लोक वस्तुओं की इष्टतम व्यवस्था Optimum provision of local public goods	(4) कैनेथ एरो Kenneth Arrow

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	3	1	2	4
(B)	3	4	2	1
(C)	2	3	4	1
(D)	3	4	1	2

उत्तर- (D)/व्याख्या/ सही सुमेलन है-

सूची - I	सूची - II
(a) क्लब का सिद्धान्त	(3) जेम्स बुचानन
(b) प्रमेय की असंभावितता	(4) कैनेथ एरो
(c) राजनीतिक निर्णयन मॉडल	(1) एंथनी डाऊन्स
(d) स्थानीय लोक वस्तुओं की इष्टतम व्यवस्था	(2) चार्ल्स टिबूट

• क्लब वस्तुयें या कान्जैस्टिबिल गुड्स ऐसी वस्तुयें हैं जो शुद्ध सार्वजनिक वस्तुओं तथा शुद्ध निजी वस्तुओं के बीच होती हैं, इसमें

सार्वजनिकता के अंश में भिन्नता होती है जैसे सड़क, स्विमिंग पूल, जिनके सम्बन्ध में छोटे समूह या कम उपभोक्ता के सम्बन्ध में उपभोग की प्रतिद्वन्दिता नहीं होती पर यदि उनकी संख्या बढ़ जाए तो उपभोग प्रतिद्वन्दिता बढ़ जायेगी। ऐसी वस्तुओं को हम क्लब वस्तुयें कहते हैं। ऐसी वस्तुओं के सम्बन्ध में प्रयोग शुल्क (यूजर्स चार्ज) लगाये जा सकते हैं।

क्लब वस्तुओं के सम्बन्ध में जेम्स बुचानन ने 'क्लब सिद्धान्त' विकसित किया। इन्होंने दर्शाया कि निर्यो-क्लासिकल आर्थिक सिद्धान्त तथा सैद्धान्तिक कल्याण अर्थशास्त्र केवल निजी सम्पत्ति के बारे में हैं तथा सभी वस्तुओं व सेवाओं का व्यक्तिगत तौर पर उपभोग किया जाता है।

• के. जे. एरो ने अपने 'सामाजिक चुनाव एवं व्यक्तिगत मूल्य' (Social choice and Individual values) में दिखाया कि यदि व्यक्तिगत अधिमान संगत भी हो, तब भी सामाजिक कल्याण फलन उपलब्ध कराना असम्भव है। उसने सुझाया कि व्यक्तियों के अधिमान व्यक्त करने के लिए कम से कम पाँच शर्तें अथवा कसौटियाँ हैं जिनका सामाजिक चुनावों द्वारा पूरा किया जाना जरूरी है। ये कसौटियाँ हैं :

1. सामूहिक विवेकशीलता (Collective rationality)
2. व्यक्तिगत अधिमानों की अनुक्रियाशीलता (Responsiveness to individuals preferences)
3. ना-आरोपण (Non-imposition)
4. गैर-तानाशाह (Non dictatorship)
5. असम्बद्ध विकल्पों से स्वतंत्रता (Independence of irrelevant alternatives)

एरो ने दर्शाया कि इन पाँचों शर्तों को पूरा करना और कम से कम एक शर्त का उल्लंघन किए बिना व्यक्तिगत अधिमानों के प्रत्येक सैट के लिए सकर्मक सामाजिक चुनाव प्राप्त करना संभव नहीं है। अन्य शब्दों में सामाजिक चुनाव असंगत अथवा अप्रजातान्त्रिक है क्योंकि कोई भी मतदान प्रणाली इन पाँचों शर्तों को पूरा नहीं होने देती। इसे एरो असंभवता प्रमेय कहा जाता है।

• स्थानीय वस्तुयें (Local Goods) — ऐसी सार्वजनिक वस्तुयें जिनसे उत्पन्न होने वाले लाभ स्थानीय लोगों को मिलते हैं जैसे किसी गाँव के अन्दर तालाब। टाईबाउट (Tiebout) ने 1956 में इसके सम्बन्ध में अपना मॉडल विकसित किया तथा यह तर्क रखा कि लोग उस स्थानीय समुदाय की तलाश करते हैं जिसकी स्थानीय सार्वजनिक वस्तु सम्बन्धी व्यवस्थाएँ तथा कर मूल्य उनको सर्वाधिक सन्तुष्टि प्रदान करती हैं। इस प्रकार सभी लोग स्थानीय सार्वजनिक वस्तु के संदर्भ में वांछित सन्तुष्टि प्राप्त कर लेते हैं, यह वह स्थिति होगी जिसको प्राप्त करने के बाद ये संस्थिति में होंगे और इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन या एक स्थान से दूसरे स्थान को जाना अच्छी स्थिति को प्राप्त नहीं करायेगा। इस रूप में यह परैटो अनुकूलतम की स्थिति होगी।

41. निम्नलिखित में से किस कर का 'घोषणात्मक प्रभाव' होता है?

Which of the following tax has 'announcement effect'?

- (A) आय कर / Income tax
- (B) सम्पत्ति कर / Property tax
- (C) उत्पाद शुल्क / Excise duties
- (D) पूँजीगत लाभ कराधान / Capital gains taxation

उत्तर- (C)/व्याख्या उत्पाद शुल्क (Excise Duties) का घोषणात्मक प्रभाव होता है।

घोषणात्मक प्रभाव का अर्थ है भविष्य के लिए नीति परिवर्तन की घोषणा से व्यवहार में आने वाला परिवर्तन।

उदाहरण के लिए यदि सरकार घोषणा करती है कि पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क अगले 6 महीने बढ़ेगी तो लोग वर्तमान में पेट्रोल पर व्यय कम कर सकते हैं या वाहन का विकल्प खोज सकते हैं।

घोषणात्मक प्रभाव विनिमय दर में सबसे महत्वपूर्ण होता है।

42. निम्नलिखित में से कौन-सा कर भारतीय संविधान की अनुसूची-VII की सूची-I के अनुसार संघीय या केन्द्रीय सरकार के सीमा क्षेत्र में पड़ता है?

Which of the following tax is within the jurisdiction of Union or Central Government as enumerated in List-I of Schedule VII of the India Constitution?

- (A) विद्युत के उपभोग और बिक्री पर कर
Taxes on the consumption and sale of electricity.
- (B) सड़क मार्ग से जाने वाले यात्रियों तथा वस्तुओं पर कर
Taxes on goods and passengers carried by road.
- (C) मनोरंजन समेत विलासिताओं पर कर
Taxes on luxuries, including entertainments.
- (D) समाचारपत्रों की बिक्री एवं खरीद तथा उसमें विज्ञापन पर कर
Taxes on sales and purchase of newspapers and on advertisement therein.

उत्तर- (D)/व्याख्या भारतीय संविधान की अनुसूची VII की सूची - I के अनुसार समाचार पत्रों की बिक्री एवं खरीद तथा उससे विज्ञापन पर कर संघीय या केन्द्रीय सरकार के सीमा क्षेत्र में पड़ता है।

केन्द्र की वित्तीय व्यवस्था में अत्याधिक विस्तृत आर्थिक आधार वाले कर आते हैं जिनकी आय या कर आधार के सम्बन्ध में लोचशीलता अधिक है, संघ सरकार के पास होते हैं।

केन्द्र सरकार निम्नांकित 13 आधारों पर कर लगा सकती है:

1. कृषि आय को छोड़कर आय कर
2. सीमा शुल्क
3. निम्नांकित को छोड़कर भारत में उत्पादित या निर्मित वस्तुओं तथा तम्बाकू पर उत्पाद शुल्क-
 - (i) मानवीय उपयोग के लिए अल्कोहल पेय
 - (ii) अफीम, गाँजा मादक औषधि तथा मादक वस्तुएँ
4. निगम कर
5. व्यक्तियों तथा निगमों की कृषि भूमि छोड़कर सम्पत्तियों के पूंजी मूल्य पर कर
6. कृषि भूमि छोड़कर सम्पत्तियों पर अस्ति कर
7. कृषि भूमि छोड़कर सम्पत्तियों के उत्तराधिकार पर कर
8. रेलवे, समुद्र या वायुमार्ग से आयी वस्तुओं तथा यात्रियों पर सीमावर्ती कर तथा रेलवे किराया पर कर
9. स्टॉक एक्सचेंज तथा वायदा कारोबार के व्यवहारों पर स्टैम्प ड्यूटी
10. विपत्र, विनिमय चेक, प्रामिजरी नोट, साख पत्र बीमा पॉलिसी अंशपत्रों, ऋण पत्रों के हस्तांतरण पर स्टैम्प ड्यूटी।

11. समाचार पत्रों के विक्रय तथा उसमें प्रकाशित विज्ञापनों पर कर
12. अन्तर्राज्यीय व्यापार तथा वाणिज्य पर कर (समाचार पत्रों के विक्रय को छोड़कर) वर्तमान में I-GST
13. वस्तुओं के प्रेषण (consignment) पर कर चाहे यह प्रेषण अन्तर्राज्यीय व्यापार के दौरान ही क्यों न हो।

43. वस्तु के वजन, आकार या नाप के अनुसार लगाया गया कर क्या कहलाता है?

A tax imposed on a commodity according to its weight, size or measurement is called

- (A) यथामूल्य कर / Advalorem tax
- (B) परिमाणपरक कर / Specific tax
- (C) एकल कर / Single tax
- (D) दोहरा कराधान / Double taxation

उत्तर- (B)/व्याख्या वस्तु के आकार, वजन या नाप के अनुसार लगाया गया कर परिमाणपरक कर (Specific Tax) या विशिष्ट कर कहलाता है।

विशिष्ट कर या प्रति इकाई कर किसी निश्चित वस्तु पर लगाए गए कर की एक निश्चित राशि है। यह कर बेची गई मात्रा पर निर्भर करेगा कीमत पर नहीं।

यथामूल्य कर (Advalorem Tax): यह कर वस्तु तथा सेवा के मूल्य (value) पर लगाया जाता है तथा प्रतिशत रूप में व्यक्त किया जाता है। Ad valorem means – according to value. यह लोचशील कर होता है। क्योंकि मूल्य के साथ परिवर्तन पाया जाता है। यह कर विशिष्ट कर की तुलना में अधिक प्रगतिशील है।

44. कर भार पर मसग्रैव का विचार निम्नलिखित में से कौन-सा है?
Which of the following is Musgrave's views on incidence of taxation?

- (A) अन्तिम कर दाता पर कर निर्धारण
Settlement of tax on ultimate tax payer.
- (B) औपचारिक तथा प्रभावपूर्ण कर भार
Formal and effective incidence of taxation.
- (C) बजट नीति में परिवर्तनों के कारण निजी उपयोग हेतु आय के वितरण में परिवर्तन
Changes in the distribution of income for private use arising from changes in budget policy.
- (D) कर का अन्तिम प्रत्यक्ष मौद्रिक भार
The final direct money burden of a tax.

उत्तर- (C)/व्याख्या कर भार पर मसग्रैव का विचार है कि बजट नीति में परिवर्तनों के कारण निजी उपयोग हेतु आय के वितरण में परिवर्तन हो जाता है। क्योंकि आय का हस्तांतरण निजी क्षेत्र से सरकार की ओर होता है।

45. गणितीय माध्य = 45, बहुलक = 48, दिए गए होने पर माध्यिका होगी

Given arithmetic mean = 45, mode = 48, then median =

- (A) 46
- (B) 45
- (C) 48
- (D) 49

उत्तर- (A) व्याख्या दिया है,

$$(\bar{X}) \text{ माध्य} = 45$$

$$(Z) \text{ बहुलक} = 48$$

$$(M) \text{ माध्यिका} = ?$$

$$\Rightarrow (\bar{Y} - Z) = 3(\bar{X} - M)$$

or

$$Z = 3M - 2\bar{X}$$

$$48 = 3M - 2(45)$$

$$48 = 3M - 90$$

$$3M = 90 + 48$$

$$M = \frac{138}{3}$$

$$M = 46$$

46. यदि दो घटनाएँ A और B पारस्परिक रूप से अपवर्जक (या एकान्तिक) हैं, तो $P(A \text{ या } B)$ है

If two events A and B are mutually inclusive, then $P(A \text{ or } B)$ is

(A) $P(A) + P(B) - P(AB)$

(B) $P(A) + P(B) + P(AB)$

(C) $P(A) + P(B)$

(D) $P(A) P(B)$

उत्तर- (*) व्याख्या नोट: प्रश्न के अनुसार विकल्प सही न होने के कारण प्रश्न हटा दिया गया।

यदि दो घटनाएँ A और B पारस्परिक रूप से अपवर्जक (mutually exclusive) हैं तो $P(A \text{ या } B)$ है :

$$P(A \text{ या } B) = P(A) + P(B)$$

A तथा B परस्पर अपवर्जक घटनाएँ हैं तो एक घटना के घटित होने की संभावना दूसरे के घटित होने की सम्भावना को समाप्त कर देगी। अर्थात् एक सिक्के को उछालने पर एक समय में या तो चित्त गिरेगा या पट दोनों एक साथ नहीं आ सकते।

47. प्रसरण का विश्लेषण निम्नलिखित का उपयोग करके किया जाता है :

The analysis of variance is carried out by using

(A) t - परीक्षण

(B) Z - परीक्षण

(C) χ^2 - परीक्षण

(D) F - परीक्षण

उत्तर- (D) व्याख्या प्रसरण का विश्लेषण F- परीक्षण का प्रयोग करके किया जाता है।

F-test को प्रतिपादित व विकसित करने का श्रेय प्रो. फिशर एवं जार्ज स्नैडैकॉर को दिया जाता है। F-टेस्ट को प्रसरण अनुपात जाँच विधि के नाम से भी जाना जाता है। इसका प्रयोग तब किया जाता है जब दो प्रसरणों अर्थात् विचरण मापांकों के अन्तर की सार्थकता की जाँच करनी हो।

48. व्यवस्थित प्रतिचयन का तात्पर्य है कि पहली मद का यादृच्छिक रूप से चयन किया जाता है और

Systematic sampling implies that the first item is selected randomly and

(A) अन्य मदों का लॉटरी पद्धति द्वारा चयन किया जाता है।

the other items are selected by lottery method

(B) अन्य मदों को आनुपातिक रूप से चयनित किया जाता है।

the other items are selected purposively

(C) फिर प्रत्येक k वीं मद का चयन किया जाता है

then every K^{th} item is selected

(D) अन्य मदों का अनुसंधानकर्ता की इच्छा के अनुसार चयन किया जाता है।

the other items are selected at the will of the investigator

उत्तर- (C) व्याख्या व्यवस्थित प्रतिचयन (Systematic Sampling)

में नमूनों का चयन निश्चित अंतराल पर समय क्रम या स्थान के आधार पर जनसंख्या से किया जाता है। इसमें प्रथम इकाई का यादृच्छिक रूप में चयन किया जाता है और फिर K वीं मद का चयन किया जाता है।

49. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें :

Given the following information match the item in List - I with List - II :

सूची - I	सूची - II
(A) H_0 को अस्वीकार करना, यदि वह सत्य है Rejecting H_0 , if it is true	(1) β त्रुटि β error
(B) H_0 को स्वीकार करना, यदि वह मिथ्या है Accepting H_0 , if it is false	(2) मानक त्रुटि Standard error
(C) जब H_0 मिथ्या है उसे अस्वीकार करने की संभावितता Probability of rejecting H_0 , when it is false	(3) α त्रुटि α error
(D) यादृच्छिक बल के कारण प्रतिचयन परिवर्तिता का मापन Measuring sampling variability due to random force	(4) $1 - \beta$ त्रुटि / error

कूट / Codes :

	(A)	(B)	(C)	(D)
(A)	3	1	2	4
(B)	2	1	4	3
(C)	2	4	1	3
(D)	3	1	4	2

उत्तर- (D) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची - I	सूची- II
(A) H_0 को अस्वीकार करना यदि वह सत्य है	(3) α - त्रुटी
(B) H_0 को स्वीकार करना यदि वह असत्य है	(1) β - त्रुटी
(C) जब H_0 असत्य है उसे अस्वीकार्य करने की संभाव्यता	(4) $1 - \beta$ - त्रुटी
(D) यादृच्छिक बल के कारण प्रतिचयन परिवर्तिता का मापन	(2) मानक त्रुटी

50. अभिकथन (A) : सूचकांक निर्मित करने के लिए ज्यामितीय माध्य को सैद्धांतिक रूप से श्रेष्ठ औसत समझा जाता है।

Assertion (A) : Geometric mean is theoretically considered as the best average to construct index numbers.

कारण (R) : यदि प्रेक्षणों की परास (या सीमा) काफी बड़ी है तो ज्यामितीय माध्य का उपयोग किया जाता है।

Reason (R) : Geometric mean is used if the range of observations is extremely large.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) मिथ्या है।

(A) is true, but (R) is false.

(D) (A) मिथ्या है, परन्तु (R) सत्य है।

(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (A) व्याख्या अभिकथन (A) : सूचकांक निर्मित करने के लिए ज्यामितीय माध्य को सैद्धांतिक रूप से श्रेष्ठ औसत समझा जाता है **सही है।** किसी संमक श्रेणी का गुणोत्तर माध्य उसके सभी मूल्यों के गुणनफल का वह मूल (root) होता है जितनी उस श्रेणी में संख्याएं होती हैं।

(i) गुणोत्तर माध्य श्रेणी के सभी मूल्यों पर आधारित माध्य है।

(ii) यह माध्य उच्चस्तरीय गणितीय विवेचन के लिए सर्वथा उपयुक्त है।

(iii) गुणोत्तर माध्य पर सीमान्त पदों का बहुत कम प्रभाव पड़ता है।

(iv) अनुपातों एवं प्रतिशत वृद्धि दरों को निकालने के लिए गुणोत्तर माध्य सर्वश्रेष्ठ समझा जाता है।

कारण (R) : यदि प्रेक्षणों की परास (या सीमा) काफी बड़ी है तो ज्यामितीय माध्य का उपयोग किया जाता है **भी सही है।**

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. गणनात्मक उपयोगिता सिद्धांत की मूलभूत मान्यताएँ क्या हैं ?
Which of the following are the basic assumptions of cardinal utility analysis?

- I. उपयोगिता मापनीय तथा परिमाणनीय सत्व है।
Utility is a measurable and quantifiable entity.
- II. मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता वास्तविक आय में परिवर्तनों के साथ परिवर्तित होती है।
Marginal utility of money changes with changes in real income.
- III. विभिन्न वस्तुओं से व्युत्पन्न उपयोगिताएँ अंतरनिर्भर होती हैं।
Utilities derived from various goods are inter-dependent.
- IV. सीमान्त उपयोगिता के व्यवहार को समझने में अंतः निरीक्षणात्मक पद्धति का उपयोग।
The use of introspective method in judging the behaviour of marginal utility.

कूट / Codes :

- (A) I और II सही हैं। (B) I और III सही हैं।
(C) I और IV सही हैं। (D) I, III और IV सही हैं।

उत्तर- (C) व्याख्या/ गणनात्मक उपयोगिता सिद्धान्त की मूलभूत मान्यताएँ

(I) उपयोगिता मापनीय तथा परिमाणनीय सत्व है।
(IV) सीमान्त उपयोगिता के व्यवहार को समझने में अंतः निरीक्षणात्मक पद्धति का प्रयोग किया जाता है।

गणनात्मक उपयोगिता विश्लेषण का प्रयोग प्रमुख रूप से मार्शल ने किया। उपयोगिता शब्द किसी वस्तु या सेवा की आवश्यकता की पूर्ति की शक्ति को व्यक्त करता है। उपयोगिता एक व्यक्ति परक (subjective) तथ्य है इसमें किसी प्रकार का नैतिक महत्व नहीं पाया जाता।

गणनात्मक उपयोगिता विश्लेषण यह मान कर चलता है कि उपयोगिता मापी और जोड़ी जा सकती है। इसकी मात्रा का माप कल्पित इकाइयों में व्यक्त किया जाता है जिन्हें यूटिल कहते हैं। यदि एक उपभोक्ता यह समझता है कि एक आम में 8 यूटिल होते हैं और एक सेब में 4 यूटिल होते हैं तो इसका अर्थ है कि एक आम की उपयोगिता सेब से दोगुनी है।

विशेषताएँ

- उपयोगिता गणना वाचक है जो यह मानती है उपयोगिता वस्तुओं के भार और लम्बाई की तरह मापी या जोड़ी जाती है।
- उपयोगिता को मुद्रा द्वारा मापा जाता है।
- मुद्रा की सीमान्त उपयोगिता स्थिर मानी जाती है।
- उपभोक्ता सदैव अपनी उपयोगिता को अधिकतम करता है।
- प्रत्येक वस्तु से प्राप्त उपयोगिता स्वतंत्र होती है जो पूर्णतया उस वस्तु की मात्रा पर निर्भर करती है।

- गणनात्मक उपयोगिता विश्लेषण में सीमान्त उपयोगिता के व्यवहार को समझने हेतु अंतः निरीक्षणात्मक (Introspective method) का प्रयोग किया जाता है।

2. एंजिल वक्र क्या संकेत करता है?

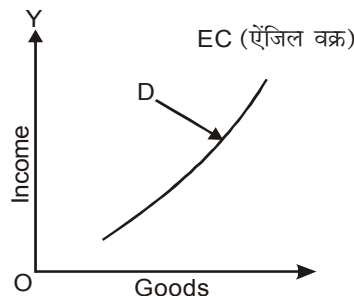
Engle Curve denotes

- (A) वस्तु की विभिन्न मात्राएँ जो कि उपभोक्ता विभिन्न कीमत स्तरों पर खरीदने का इच्छुक होगा।
Various amounts of a good which a consumer would be willing to purchase at various price levels.
- (B) वस्तु की विभिन्न मात्राएँ जो कि उपभोक्ता आय के विभिन्न स्तरों पर खरीदने का इच्छुक होगा।
Various amounts of a good which a consumer would be willing to purchase at various income levels.
- (C) वस्तु की खरीदी गई विभिन्न मात्राएँ जब उसकी स्थानापन्न वस्तुओं की कीमत बढ़ने लगती हैं।
Various amounts of a good purchased when the price of its substitutes tend to rise
- (D) आय प्रभाव तथा प्रतिस्थापन प्रभाव के बीच सम्बन्ध।
the relationship between income effect and substitution effect.

उत्तर- (B) व्याख्या/ एंजिल वक्र वस्तु की उन विभिन्न मात्राओं को दर्शाता है जो उपभोक्ता आय के विभिन्न स्तरों पर खरीदने का इच्छुक है।

एंजिल ने विभिन्न आय समूह के लोगों के बजटों का अध्ययन किया तथा इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि जैसे-जैसे आय में वृद्धि पाई जाती है, उपभोग व्यय में आनुपातिक रूप से कमी आती है जबकि मकान, कपड़े, आदि वस्तुओं पर व्यय का अनुपात स्थिर रहता है एवं अन्य वस्तुओं जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन व विलासिता की वस्तुओं पर व्यय बढ़ता है।

इस सम्बन्ध को अर्थात् आय के विभिन्न स्तरों पर उपभोग को दर्शाने वाला वक्र एंजिल वक्र है इसे आय उपभोग वक्र से व्युत्पन्न किया जाता है।



3. उत्पादक अतिरिक्त क्षमता के साथ कार्य कर रहा होता है। जब *A producer is said to be operating with excess capacity*

(A) वह न्यूनतम औसत कुल लागत द्वारा दिये उत्पादन से अधिक उत्पादन करता है।

When he produces an output greater than that given by the minimum Average Total Cost

(B) वह अधिकतम औसत कुल लागत पर दिये गये उत्पादन से अधिक उत्पादन करता है।

when he produces an output greater than at given by the maximum Average Total Cost

(C) वह न्यूनतम औसत कुल लागत पर दिये उत्पादन के बराबर उत्पादन करता है।

When he produces an output equal to that given by the minimum Average Total Cost

(D) वह न्यूनतम औसत कुल लागत पर दिये गये उत्पादन से कम उत्पादन करता है।

When he produces an output smaller than that given by the Minimum Average Total Cost

उत्तर- (D) व्याख्या उत्पादक अतिरिक्त क्षमता के साथ कार्य कर रहा होता है। जब वह न्यूनतम औसत कुल लागत पर दिये गये उत्पादन से कम उत्पादन करता है।

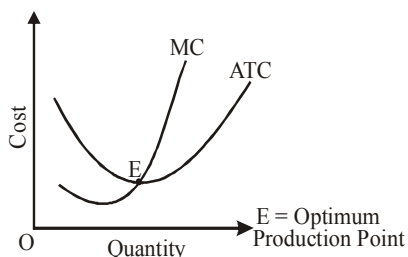
औसत कुल लागत किसी दिए हुए उत्पादन मात्रा को उत्पादित करने की औसत लागतें हैं। यदि उत्पादन के प्रत्येक स्तर पर कुल लागतों को उत्पादित की गई वस्तु की इकाइयों से विभाजित कर दिया जाए तो हमें औसत कुल लागत प्राप्त हो जाएगी।

$$SAC = \frac{TC}{Q}$$

प्रारम्भ में उत्पादन के कम स्तरों पर औसत कुल लागतें ऊँची होती हैं क्योंकि औसत स्थिर व औसत परिवर्तनशील लागतें दोनों ही ऊँची होती हैं किन्तु जब उत्पादन बढ़ता है तो औसत कुल लागतें तेजी से नीचे आती हैं यह गिरावट औसत परिवर्तनशील लागतों के सम्बन्ध में तब तक रहती है जब तक कि वे न्यूनतम बिन्दु को प्राप्त न कर ले जहाँ लागत वक्र को सीमान्त लागत वक्र काटेगा। इसके बाद स्थिर लागतों को छोड़कर लागतें पुनः बढ़ने लगती हैं।

लागतों में यह गिरावट आंतरिक किफायतों, उच्च तकनीक, श्रम के बेहतर प्रयोग आदि के परिणाम स्वरूप है।

यदि उत्पादक ATC वक्र के उस बिन्दु पर उत्पादन करता है जहाँ $MC=ATC$ तो यह पूर्ण क्षमता उत्पादन अथवा अनुकूलतम उत्पादन स्तर होगा। किन्तु यदि वह औसत कुल लागत वक्र के अनुकूलतम स्तर से कम उत्पादन करता है तो इसका अर्थ होगा कि फर्म अतिरिक्त उत्पादन क्षमता पर कार्य कर रही है अर्थात् पूर्ण क्षमता का प्रयोग नहीं हो रहा है।



4. अभिकथन (A) : हार्वे लीबिन्स्टीन ने दृढ़तापूर्वक कहा कि आर्थिक क्षमता के लिए अपेक्षित सीमान्त स्थितियाँ सामान्यतया व्यवहार में संतुष्ट नहीं होती हैं।

Assertion (A) : *Harvey Leibenstein asserted that marginal conditions required for economic efficiency are not usually satisfied in practice.*

कारण (R) : लोग अधिकतमीकरण अथवा न्यूनतमीकरण की दिशा में पूर्णतया अभिप्रेरित नहीं होते हैं।

Reason (R) : *People are not fully motivated towards maximization or minimization*

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।

(A) is correct, but (R) is not correct

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की गलत व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct, but (R) is incorrect explanation of (A).

(D) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है।

(R) is correct, but (A) is incorrect.

उत्तर- (A) व्याख्या दिया गया अभिकथन (A) : हार्वे लीबिन्स्टीन ने दृढ़तापूर्वक कहा कि आर्थिक क्षमता के लिए अपेक्षित सीमान्त स्थितियाँ सामान्यतया व्यवहार में संतुष्ट नहीं होती हैं, सही है। प्रो० लीबिन्स्टीन ने दर्शाया कि अल्पविकसित देशों में गरीबी का दुष्चक्र पाया जाता है, जो उन्हें प्रति व्यक्ति निम्न आय संतुलन स्थिति के इर्द-गिर्द रखता है। इस दुष्चक्र से निकलने का मार्ग एक निश्चित “क्रान्तिक न्यूनतम प्रयत्न”, जो प्रति व्यक्ति आय को उस स्तर तक बढ़ा दे जिस पर सतत विकास कायम रहे। क्रान्तिक न्यूनतम प्रयास के परिणाम स्वरूप व्यक्तिगत आय बढ़ेगी जो बचत तथा निवेश के स्तर को बढ़ायेगी जिसके आगे निम्नांकित परिणाम होंगे-

- वृद्धि कारकों का विस्तार होगा
- वृद्धि को कम करने वाले कारकों की प्रभावशीलता में कमी होगी।
- सामाजिक तथा आर्थिक गतिशीलता को बढ़ावा देने वाली सामाजिक तथा आर्थिक वातावरण संबंधी स्थितियों का निर्माण
- अधिक विशेषीकरण तथा द्वितीयक एवं तृतीयक क्षेत्रों का विस्तार

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

5. वो रेखाचित्र, जिसका उपयोग कुशलता की स्थितियों का वर्णन करता है और यह प्रदर्शित करता है कि किस प्रकार

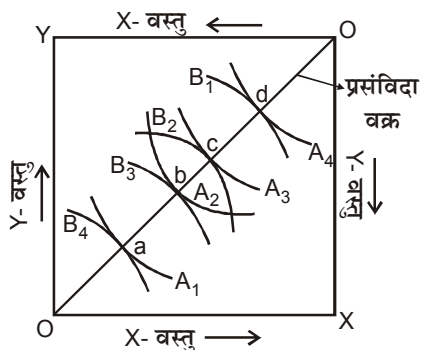
कुछ वस्तुओं तथा संसाधनों का आबंटन विनिमय के माध्यम से सुधारा जा सकता है, क्या कहलाता है ?

A graphical illustration used to explain efficiency conditions and demonstrates how the allocations of some goods and resources can be improved through exchange is called

- (A) उत्पादन संभावना वक्र / Production possibility curves
(B) सामाजिक उदासीनता वक्र / social indifference curves
(C) एजवर्थ बॉक्स रेखाचित्र / Edgeworth box diagram
(D) फिलिप्स वक्र / Phillips curve

उत्तर- (C) व्याख्या/ एजवर्थ बॉक्स रेखाचित्र

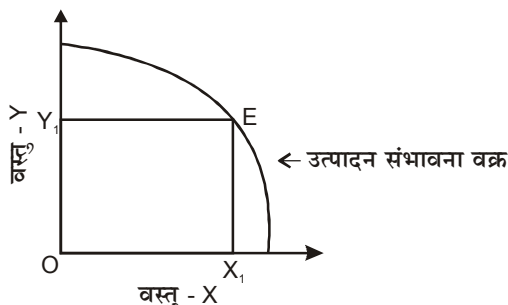
दक्ष स्थितियों का वर्णन करने के लिए एजवर्थ बॉक्स डायग्राम एक ग्राफिक विधि है। इसका उपयोग कुशलता की स्थितियों का वर्णन करता है और यह प्रदर्शित करता है कि किस प्रकार कुछ वस्तुओं तथा संसाधनों का आवंटन विनिमय के माध्यम से सुधारा जा सकता है। एजवर्थ ने दो वस्तु दो व्यक्ति मॉडल के अंतर्गत दो वस्तुओं के दो व्यक्तियों के बीच वितरण के सामान्य साम्य की व्याख्या करने के लिए एजवर्थ बॉक्स रेखाचित्र का प्रयोग किया।



चित्र: एजवर्थ बॉक्स डायग्राम

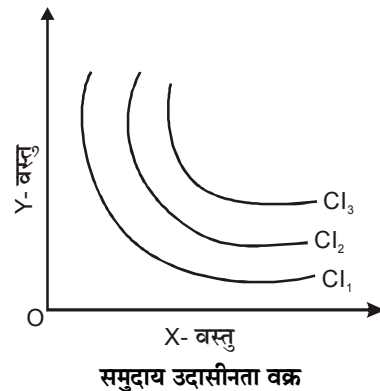
जबकि

● उत्पादन सम्भावना वक्र एक विश्लेषणात्मक औजार है जिसका प्रयोग एक काल्पनिक अर्थव्यवस्था में चुनाव की समस्या या मितव्यय करने (economising) की प्रक्रिया की व्याख्या करने के लिए किया जाता है। उत्पादन सम्भावना वक्र जिसे रूपान्तरण वक्र भी कहते हैं, प्रत्येक उत्पादन संयोगों का बिन्दु पथ है जो कि साधन की एक निश्चित मात्रा के प्रयोग से प्राप्त किए जाते हैं। यह वक्र केवल उत्पादन संभावनाएं ही नहीं दर्शाता बल्कि यह भी बताता है कि जब फर्म एक संभावना बिन्दु से दूसरे संभावना बिन्दु पर जाती है तो एक वस्तु की कितनी मात्रा का दूसरी वस्तु में रूपान्तरण होता है।



E बिन्दु पर फर्म दिए गए साधन संयोग से Y की Y_1 तथा X की X_1 मात्रा का उत्पादन कर सकती है।

● समुदाय उदासीनता वक्र अथवा सामाजिक उदासीनता वक्र अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संतुलन में मांग पक्ष को व्यक्त करता है। समुदाय उदासीनता वक्र दो वस्तुओं के उन विविध संयोगों को व्यक्त करता है जो समुदाय को समान संतुष्टि प्रदान करते हैं। किसी देश की विविध व्यक्ति रुचियों को जोड़कर समुदाय उदासीनता वक्र खींचे जा सकते हैं।



6. निम्नलिखित का मिलान करें :

Match the following :

सूची - I

सूची - II

a. दोहरा काल्डोर-हिक्स परीक्षण A double Kaldor-Hicks Test	1. ए. बर्गसन A. Bergson
b. क्षतिपूर्ति सिद्धांत Compensation Principle	2. के. जे. ऐरो K. J. Arrow
c. सामाजिक कल्याण कार्य Social Welfare Function	3. टी. सीटोव्स्की T. Scitovsky
d. असंभावित प्रमेय Impossibility Theorem	4. काल्डोर-हिक्स Kaldor-Hicks

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	4	1	3	2
(B)	3	4	1	2
(C)	3	4	2	1
(D)	4	3	2	1

उत्तर- (B) व्याख्या

सूची - I	सूची - II
(a) दोहरा काल्डोर हिक्स परीक्षण	(3) टी० सीटोव्स्की
(b) क्षतिपूर्ति सिद्धान्त	(4) काल्डोर हिक्स
(c) सामाजिक कल्याण फलन	(1) ए० बर्गसन
(d) असंभावित प्रमेय	(2) के० जे० ऐरो

7. अल्पाधिकार मॉडल जिसमें व्यवसायी कल्पना करता है कि उसके प्रतिस्पर्धियों का उत्पादन स्थिर है और फिर निर्णय करता है कि कितना उत्पादन करे, क्या है?

The oligopoly model in which the businessman assumes that his competitors output are fixed and simultaneously decide how much to produce is

- (A) कूरनो का अल्पाधिकार मॉडल
Cournot oligopoly model
(B) स्टेकबर्ग का अल्पाधिकार मॉडल
Stackelberg oligopoly model
(C) चैम्बरलिन का अल्पाधिकार मॉडल
Chamberlin's oligopoly model
(D) बर्ट्रेड का अल्पाधिकार मॉडल
Bertrand oligopoly model

उत्तर- (A) व्याख्या कूरनो का अल्पाधिकार मॉडल वह अल्पाधिकार माडल है जिसमें व्यवसायी कल्पना करता है कि उसके प्रतिस्पर्धियों का उत्पादन स्थिर है और फिर निर्णय करता है कि कितना उत्पादन करे।

द्वयाधिकार अल्पाधिकार सिद्धान्त का विशेष पक्ष है जिसमें केवल दो विक्रेता होते हैं। द्वयाधिकार का प्रमुख मॉडल कूरनो ने दिया अन्य सभी मॉडल कूरनो के मॉडल में संशोधन या विस्तार हैं।

● सन् 1838 में सबसे पहले फ्रांसीसी अर्थशास्त्री ए० ए० कूरनो ने द्वयाधिकार समस्या का निश्चित हल किया था। उसने दो फर्मों A और B द्वारा साथ-साथ स्थित दो खनिज जल के झरनों से पानी निकालने का उदाहरण लिया। कूरनो ने माना कि समरूप वस्तु का उत्पादन किया जा रहा है तथा प्रत्येक द्वयाधिकारी अपने प्रतिद्वन्द्वी की पूर्ति (उत्पादन) को स्थिर मान कर चलता है।

कूरनो ने दर्शाया कि फर्म कुल मांग का 2/3 हिस्सा उत्पादन करती हैं और 1/3 हिस्सा शेष रह जाता है। यदि n फर्म हो तो उत्पादन की दर कुल उत्पादन के n/n+1 गुणा होगी। दोनो फर्मों A और B का कुल

$$\text{उत्पादन} \frac{2}{2} + 1 = 2/3 \text{ होगा।}$$

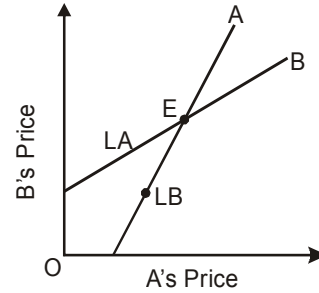
● बर्ट्रेड का अल्पाधिकार

सन् 1883 में फ्रांसीसी गणितज्ञ जोसेफ बर्ट्रेड ने कूरनो की इस बात की आलोचना की कि एक द्वयाधिकारी फर्म प्रतिद्वन्द्वी फर्म की पूर्ति को स्थिर मानती हैं। इसके विपरीत उसने अपना मॉडल प्रस्तुत किया कि प्रत्येक विक्रेता अपने प्रतिद्वन्द्वी की कीमत को स्थिर मानता है, जबकि कूरनो मॉडल की अन्य सभी मान्यताएं विद्यमान हैं।

● जर्मनी के अर्थशास्त्री स्टेकलबर्ग ने द्वयाधिकारी समस्या का हल इस मान्यता पर सुझाया कि प्रत्येक विक्रेता दूसरे की क्रियाओं की परस्पर निर्भरता को मानता है। प्रत्येक विक्रेता स्वयं को नेता अथवा अनुयायी समझता है तथा इसी शर्त पर अधिकतम लाभ जो वह प्राप्त कर सकता है, निर्धारित करता है। इस प्रकार उनकी इच्छाएं एक दूसरे से मेल खाती हो तो बाजार में संतुलन होता है। स्टेकलबर्ग का हल प्रतिक्रिया वक्रों पर आधारित है प्रत्येक प्रतिक्रिया वक्र प्रत्येक विक्रेता के उत्पादन को उसके प्रतिद्वन्द्वी का उत्पादन फलन

जेकबिनो अतः यदि विक्रेता A का उत्पादन Q_A और विक्रेता B का उत्पादन Q_B हो तो विक्रेता A का प्रतिक्रिया फलन होगा; $Q_A = F(Q_B)$ और विक्रेता B का $Q_B = F(Q_A)$ ये प्रतिक्रिया फलन व्यक्तिगत द्वयाधिकारियों के लाभ उदासीनता मानचित्रों से व्युत्पन्न

किए जाते हैं। इस प्रकार A का प्रतिक्रिया फलन Q_A का मूल्य देता है जो B के उत्पादन (Q_B) के कोई विशिष्ट मूल्य के लिए A का लाभ अधिकतम करता है। इसी प्रकार A के उत्पादन (Q_A) के कोई विशिष्ट मूल्य के लिए B के उत्पादन का मूल्य B के लाभ को अधिकतम करता है।



● **चैम्बरलिन का अल्पाधिकार मॉडल**- चैम्बरलिन ने स्थिर द्वयाधिकार हल प्रस्तुत किया जिसमें दो विक्रेताओं की परस्पर निर्भरता को स्वीकार किया गया। चैम्बरलिन ने कूरनो तथा बर्ट्रेड दोनों के हलों की आलोचना की। तथा दर्शाया कि विक्रेता अपने प्रतिद्वन्द्वी की कीमत अथवा उत्पादन के प्रति प्रतिक्रिया करता है तो एक विक्रेता की कीमत अथवा उत्पादन में परिवर्तन के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रभाव एकाधिकार कीमत और उत्पादन के साथ उद्योग के स्थिर संतुलन को लाते हैं।

8. गेम थ्योरी के अनुसार, यदि विज्ञापन में वृद्धि लागतों को आय से ज्यादा बढ़ा देती है और दोनों फर्मों के लाभ कम हो जाते हैं, यह कौन-सा खेल कहलाता है?

According to Game Theory, if increased advertising, raises costs more than revenues and the profits of both firms decline, we have a

- (A) धनात्मक-योग खेल / Positive-sum game
(B) गैर शून्य-योग खेल / Non zero-sum game
(C) शून्य-योग खेल / Zero-sum game
(D) ऋणात्मक-योग खेल / Negative-sum game

उत्तर- (D) व्याख्या ऋणात्मक योग खेल

खेल सिद्धान्त के अनुसार, यदि विज्ञापन में वृद्धि लागतों को आय से ज्यादा बढ़ा देती है और दोनों फर्मों के लाभ कम हो जाते हैं तो यह ऋणात्मक योग खेल होगा।

दूसरी तरफ यदि दोनों फर्मों की व्यूह नीतियां (यथा विज्ञापन) ऐसी हो जिससे कि एक फर्म का लाभ जितना बढ़े दूसरे का उतना ही कम हो तो इसे शून्य-योग खेल कहते हैं क्योंकि यदि दोनों के लाभ व हानि का योग किया जाए तो यह शून्य होगा। यदि विज्ञापन के परिणाम स्वरूप आय अधिक बढ़े तथा दोनों फर्मों के कुछ लाभ में वृद्धि हो तो इसे धनात्मक योग खेल कहते हैं।

खेल सिद्धान्त को **वॉन न्यूमैन तथा मोर्गेस्टर्न** ने दिया यह अल्पाधिकारी बाजार में निर्णय लेने में महत्वपूर्ण रूप से उपयोगी है।

9. ऐरो के असंभाव्यता प्रमेय का तात्पर्य है

Arrows impossibility theorem implies

- (A) किसी भी सामाजिक निर्णय नियम को बुद्धिसंगत विकल्प की अपेक्षाओं का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।
Any social decision rule should not violate the requirements of rational choice.
- (B) किसी भी सामाजिक निर्णय नियम को बुद्धिसंगत विकल्प की कम से कम एक अपेक्षा का उल्लंघन करना चाहिए।
Any social decision rule must violate at least one of the requirements of rational choice.
- (C) किसी भी सामाजिक निर्णय नियम को बुद्धिसंगत विकल्प की सभी अपेक्षाओं का उल्लंघन करना चाहिए।
Any social decision rule must violate all the requirements of rational choice.
- (D) सामाजिक निर्णय नियमों का उल्लंघन करना असम्भव है।
It is impossible to violate social decision rules.

उत्तर- (B)/व्याख्या ऐरो की असंभाव्यता प्रमेय का तात्पर्य है, किसी भी सामाजिक निर्णय नियम को बुद्धिसंगत विकल्प के कम से कम एक अपेक्षा का उल्लंघन करना चाहिए।

Prof. K. J. Arrow ने अपनी 'Social Choice and Individual values' नामक पुस्तक के प्रकाशन के माध्यम से स्पष्ट किया कि वर्गसन तथा सैम्युलसन की भांति सामाजिक कल्याण फलन का निर्माण करना असम्भव है क्योंकि विभिन्न व्यक्तियों की इच्छाओं के सम्मिलन (reconciliation) द्वारा सामाजिक (समुदाय) निर्णय के लिए उचित विधि का निर्माण सरल नहीं।

ऐरो की शर्तें

जे०के० ऐरो ने व्यक्ति तथा समुदाय के निर्णय के मध्य सम्बन्ध के आधार पर सामाजिक कल्याण की व्याख्या की। समाज के विभिन्न सदस्यों की इच्छाओं के ज्ञात होने पर उन इच्छाओं को एक समुदाय के निर्णय के रूप में सम्मिलित करने के लिए उचित विधि को ज्ञात करना है। इस उद्देश्य से ऐरो ने 4 शर्तों को बताया जिन्हें व्यक्तियों के अधिमानों को प्रदर्शित करने के लिए सामाजिक चुनावों को अवश्य पूरा करना चाहिए।

- सामाजिक चुनाव आवश्यक रूप से संगत (consistent) होने चाहिए अर्थात् $A > B$ and $B > C$ तो $A > C$
- समुदाय के निर्णय किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा थोपे (Impose) न जाएं जो उस समुदाय के बाहर रहते हो। वे निर्णय समुदाय के किसी एक व्यक्ति द्वारा भी थोपे न जाएं। इस प्रकार कोई भी निर्णय समुदाय के सभी सदस्यों की इच्छाओं के अनुरूप लिया जाना चाहिए अर्थात् विकल्पों को चयन परेडो मानदण्ड की पूर्ति करता हो।
- सामाजिक चुनाव किसी समाज के सदस्यों के चुनाव से विपरीत दिशा में परिवर्तित नहीं होना।
- दो विकल्पों के मध्य सामाजिक निर्णय तब तक परिवर्तित नहीं होने चाहिए जब तक कि समुदाय का कोई व्यक्ति अपने उस क्रम को परिवर्तित नहीं करता जिसमें वह अपने अधिमानों के अनुसार इन विकल्पों को क्रमबद्ध करता है। इसका तात्पर्य है कि A तथा B दो विकल्पों के मध्य सामाजिक अधिमान लोगों के केवल इन्हीं दो विकल्पों के सम्बन्ध में मत पर ही निर्भर रहना चाहिए।
ऐरो की उपर्युक्त शर्तें ही मूल्यगत निर्णय कही जाती हैं।

10. बैंडवैगन इफेक्ट / 'अनुरूपता प्रभाव' किसमें पाया जाता है?

'Bandwagon effect' is found in

- सापेक्षिक आय परिकल्पना / Relative Income hypothesis
- स्थायी आय परिकल्पना / Permanent Income hypothesis
- जीवन चक्र परिकल्पना / Life cycle Hypothesis
- निरपेक्ष आय परिकल्पना / Absolute Income hypothesis

उत्तर- (A)/व्याख्या सापेक्षिक आय परिकल्पना में बैंडवैगन इफेक्ट

(अनुरूपता प्रभाव) पाया जाता है।

उपभोग मांग का परंपरागत सिद्धान्त इस मान्यता पर आधारित है कि एक व्यक्ति का मांग वक्र दूसरे व्यक्ति के मांग वक्र पर निर्भर नहीं होता।

प्रो० लेबेन्स्टीन ने उपभोक्ता के मांग सिद्धान्त को बैंडवैगन, स्नॉब तथा बैब्लेन प्रभाव के आधार पर एक नया रूप दिया। उसके अनुसार उपभोक्ता की मांग का परंपरागत सिद्धान्त कुछ उपभोक्ताओं की स्टाइल से रहने की इच्छा कुछ अन्य का अलगपन प्राप्त करने की कोशिश करना तथा विशिष्ट उपभोग के तत्व की उपेक्षा करता है। इस प्रकार एक उपभोक्ता वस्तु की मांग दूसरे व्यक्ति की इसके लिए मांग से प्रभावित होती है।

लेबेन्स्टीन उपभोक्ता वस्तुओं को प्रेरणा (Motivation) के आधार पर कार्यरत तथा निष्क्रिय मांग में वर्गीकृत करता है।

बैंडवैगन प्रभाव (Bandwagon Effect)

बैंडवैगन प्रभाव यह बताता है कि किस सीमा तक एक वस्तु की मांग में वृद्धि होती है, क्योंकि अन्य उपभोक्ता भी वही वस्तु खरीद रहे होते हैं। इस प्रकार, एक वस्तु के लिए एक व्यक्ति की मांग अन्य उपभोक्ताओं द्वारा प्रभावित होती है जो उसे खरीदते हैं। यह धनात्मक शुद्ध बहिर्भाव की स्थिति है जिसका तात्पर्य है कि एक व्यक्ति की एक वस्तु के लिए मांग अन्य व्यक्तियों की खरीद में वृद्धि के अनुसार बढ़ती है। यह प्रभाव लोगों की फैशनबल या स्टाइलिश अथवा शोक की धुन होने से एक वस्तु को खरीदने की इच्छा को व्यक्त करता है। बैंडवैगन प्रभाव कपड़ों, जूतों तथा युवा लोगों में अन्य पोशाकों तथा बच्चों में खिलौनों के लिए पाया जाता है।

11. मान लें कि जीवन चक्र परिकल्पना में उपभोग :

$$\text{फलन निम्नलिखित } C = \left(\frac{w}{w+e} \right) \bar{y} \text{ है।}$$

जहाँ e = सेवानिवृत्ति उत्तरोत्तर वर्षों की संख्या

$\bar{y}$ = कार्यकाल के दौरान औसत वार्षिक आय

तो उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति (MPC) किस समीकरण द्वारा बताई जा सकती है?

Let the consumption function in life cycle hypothesis

$$\text{be represented as } C = \left(\frac{w}{w+e} \right) \bar{y}$$

where e = number of post retirement years of living.

$\bar{y}$ = average annual income during the working period

Then Marginal Propensity to Consume (MPC) is represented by the equation :

- (A) $\frac{1}{w+e}(\Sigma y)$ (B) $\left(\frac{w}{w+e}\right)\left(\frac{\partial y}{\partial y}\right)$
 (C) $\left(\frac{w}{w+e}\right)\left(\frac{y}{y}\right)$ (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (B) व्याख्या यदि जीवन चक्र परिकल्पना में उपभोग :

$$\text{फलन } C = \left(\frac{w}{w+e}\right) \bar{y} \text{ है}$$

उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति (MPC) होगी:

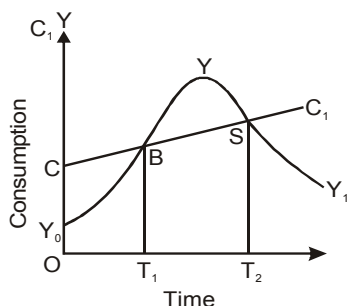
$$\left(\frac{w}{w+e}\right)\left(\frac{\partial \bar{y}}{\partial y}\right)$$

एण्डो और मोदिग्ल्यानी ने उपभोग की जीवन चक्र परिकल्पना का निर्माण किया। इसके अनुसार उपभोग किसी उपभोक्ता के जीवन काल की प्रत्याशित आय पर निर्भर करता है। एक व्यक्तिगत उपभोक्ता का उपभोग इस बात पर निर्भर करता है कि उसके उपलब्ध संसाधन क्या है पूँजी पर प्रतिफल की दर क्या है, उसकी व्यय करने की योजना क्या है और यह योजना किस उम्र में बनाई गई है। उसकी आय (अथवा/संसाधनों) के वर्तमान मूल्य में परिसम्पत्तियों अथवा धन से प्राप्त आय तथा चालू एवं प्रत्याशित श्रम आय से प्राप्त आय सम्मिलित रहती है।

मान्यताएँ

- उपभोक्ता के जीवन काल में कीमत स्तर में कोई परिवर्तन नहीं होता।
- ब्याज की दर स्थिर रहती है।
- उपभोक्ता को विरासत में कोई परिसम्पत्तियाँ प्राप्त नहीं होती और उसकी निवल परिसम्पत्तियाँ उसकी अपनी ही बचतों का परिणाम है।

एक उपभोक्ता का उद्देश्य अपने जीवनकाल में अपनी उपयोगिता को अधिकतम बनाए रखना है जो आगे इस बात पर निर्भर करेगा कि उसके जीवनकाल में उपलब्ध कुल आय या संसाधन कितने हैं। एक व्यक्ति की जीवन अवधि दी होने पर उसका उपभोग उसके संसाधनों के अनुपात में होता है।



12. सूची - I में दिए गए कथनों की सूची - II में दिए गए कथनों के साथ सुमेलित करके पूर्ण करें :

Complete the statements given in List - I with there given in List - II :

सूची - I	सूची - II
a. में निवेश खर्च के साथ आय का तुरन्त समायोजन होता है।	1. MPC कम है
Instantaneous adjustment of	MPC is smaller

income with investment

spending occurs in

- b. में उपभोग एक अवधि आय के पीछे रहता है

Consumption lags income

by one period in

2. निवेश खर्च में वृद्धि हमेशा के लिये हो जाती है

increase in investment expenditure is once-for-all

- c. निवेश गुणांक का मूल्य शून्य होता है जब

Value investment multiplier

is zero when

3. स्थैतिक गुणांक

state multiplier

- d. गुणांक का बड़ा भाग कम अवधि में चरितार्थ होता है जब

Major portion of multiplier

is realized in fewer periods

when

4. गत्यात्मक गुणांक

dynamic multiplier

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	3	4	1	2
(B)	3	4	2	1
(C)	4	3	1	2
(D)	2	3	1	4

उत्तर- (B) व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची - (I)	सूची - (II)
(a) में निवेश खर्च के साथ आय का तुरन्त समायोजन होता है	(3) स्थैतिक गुणांक
(b) में उपभोग एक अवधि आय के पीछे रहता है।	(4) गत्यात्मक गुणांक
(c) निवेश गुणांक का मूल्य शून्य होता है	(2) निवेश खर्च में वृद्धि हमेशा के लिये हो जाती है
(d) गुणांक का बड़ा भाग कम अवधि में चरितार्थ होता है जब	(1) MPC कम है

13. अभिकथन (A): मुद्रा की वैयक्तिक काल्पनिक माँग असतत होती है।

Assertion (A) : The individual speculative demand for money is a discontinuous one.

कारण (R) : क्योंकि मुद्रा फलन की समग्र सड़ा माँग अत्यन्त निम्न ब्याज दरों पर तरलता फन्दे के साथ निर्बाध अधोमुखी ढलवाँ होती है।

Reason (R) : Because the aggregate speculative demand for money function is smooth downward sloping with liquidity trap at extremely low interest rates.

कूट / Codes :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।
 (A) is t (R) is

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct

explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(A) is correct, but (R) is incorrect.

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

(A) is incorrect, but (R) is correct.

उत्तर- (B)/व्याख्या/ अभिकथन (A) : मुद्रा की वैयक्तिक काल्पनिक मांग असतत होती है।

कारण (R) : क्योंकि मुद्रा फलन की समग्र सट्टा मांग अत्यन्त निम्न ब्याज दरों पर तरलता फन्दे के साथ निर्बाध अधोमुखी ढलवाँ होती है।

A और R दोनों सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

14. लेनदेन लागत को निम्नलिखित भी कहते हैं :

Transaction Cost is also called

(A) शू लैडर लागत

Shoe Leather Cost

(B) मेनू लागत

Menu Cost

(C) नकद रखने की अवसर लागत

Opportunity Cost of holding cash

(D) उपर्युक्त सभी

All of the above

उत्तर- (A)/व्याख्या/ लेनदेन लागत को शू लैडर लागत भी कहते हैं।

Shoe leather Cost समय तथा प्रयासों की लागत है (Opportunity cost of Time and Effort) जो व्यक्ति नगद रूप से कम मुद्रा रखने के लिए देता है ताकि स्फीति कर अर्थात् नगद रूप से मुद्रा रखने की लागत मुद्रा स्फीति से बचा जा सके।

शू-लैडर लागत में बैंकों में आने जाने की अतिरिक्त लागत, बार बार लेन देन पर लगने वाली शुल्क आदि शामिल होते हैं।

यह लागत money holding की लागत से कम होती है क्योंकि नगद रूप में मुद्रा रखने के बजाए वित्तीय संस्थाओं (बैंकों) में रखने से ब्याज, प्रतिफल प्राप्त होता है।

15. यदि उपभोग फलन $C = 0.8Y$ है और निवेश फलन $I = 102 - 0.2i$ है, तो IS वक्र क्या होगा?

Given the consumption function, $C = 0.8Y$, and the investment function $I = 102 - 0.2i$, then the IS - curve is

(A) $Y = 500 - 10i$

(B) $Y = 450 - i$

(C) $Y = 510 - i$

(D) $Y = 505 - 2i$

उत्तर- (C)/व्याख्या/ प्रश्नानुसार

$C = 0.8Y$

$I = 102 - 0.2i$

हम जानते हैं कि

$Y = C + I$

$Y = 0.8Y + 102 - 0.2i$

$Y = 0.8Y + 102 - 0.2i$

$0.2Y = 102 - 0.2i$

$Y = \frac{102}{0.2} - \frac{0.2}{0.2}i$

$Y = 510 - i \rightarrow$ Is equation

16. सूची - I में दी गई धारणाओं को सूची - II में दी मदों के साथ सुमेलित करें :

Match the premise given in List - I with that in List - II

सूची - I

सूची - II

a. कीमत प्रत्याशाएँ स्थैतिक होती हैं।

1. ओकुन का नियम
Okun's law

Price expectation are static

b. कीमत प्रत्याशाएँ अनुकूली होती हैं।

2. फिलिप्स वक्र
Phillips Curve

Price expectations are adaptive

c. लोग योजनाबद्ध तरीके से त्रुटियाँ नहीं करते हैं।

3. बेरोजगारी परिकल्पना की प्राकृतिक दर

People do not make systematic errors

Natural Rate of unemployment hypothesis

d. चालू उत्पादन का प्राकृतिक दर से व्यतिक्रम बेरोजगारी के प्राकृतिक दर से उसके विचलन के साथ प्रतिलोमतः सम्बन्धित है।

4. युक्तिसंगत प्रत्याशा परिकल्पना
Rational expectations hypothesis

Deviations of output from its natural rate is inversely related to the deviation of unemployment rate from its natural level

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	2	3	4	1
(B)	4	3	2	1
(C)	1	3	4	2
(D)	4	2	1	3

उत्तर- (A)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) कीमत प्रत्याशाएँ स्थैतिक होती हैं।	(2) फिलिप्स वक्र
(b) कीमत प्रत्याशाएँ अनुकूली होती हैं।	(3) बेरोजगारी परिकल्पना की प्राकृतिक दर
(c) लोग योजनाबद्ध तरीके से त्रुटियाँ नहीं करते।	(4) युक्तिसंगत प्रत्याशा परिकल्पना
(d) चालू उत्पादन का प्राकृतिक दर से व्यतिक्रम बेरोजगारी के प्राकृतिक दर से उसके विचलन के साथ प्रतिलोमतः सम्बन्धित होता है।	(1) ओकुन का नियम

• **फिलिप्स वक्र** जो मुद्रा मजदूरी तथा बेरोजगारी में सम्बन्ध को दर्शाता है फिलिप्स ने पाया कि दोनों में सम्बन्ध विपरीत (trade-off) होता है। फिलिप्स ने अपने विश्लेषण में कीमत प्रत्याशाओं को स्थैतिक माना। किन्तु बाद में फ्रीडमैन ने इन परिणामों को चुनौती देते हुए दर्शाया कि दीर्घकाल में कीमत प्रत्याशाओं के अनुकूली (Adaptive) होने के कारण फिलिप्स वक्र लम्बवत होगा तथा trade-off नहीं पाया जाएगा।

• **ओकुन का नियम** - ओकुन ने U.S. की अर्थव्यवस्था में बेरोजगारी की दर तथा सकल राष्ट्रीय उत्पाद के मध्य सम्बन्ध को देखा तथा दर्शाया कि जब बेरोजगारी में 1% की कमी होती है तो GNP में 2% के बराबर वृद्धि पाई जाती है।

17. यदि प्रति समय इकाई t समग्र माँग में वृद्धि (Y)

$$\text{समीकरण } \left[\frac{\partial Y}{\partial t} \right]_d = \frac{1}{1 - MPC} \left[\frac{\partial I}{\partial t} \right] \text{ द्वारा}$$

प्रस्तुत है और उत्पादन की आपूर्ति में वृद्धि

$$\text{समीकरण } \left[\frac{\partial Y}{\partial t} \right]_s = \sigma \frac{\partial K}{\partial t} \text{ द्वारा प्रस्तुत की गई है।}$$

जहाँ MPC = उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति है, $\frac{\partial I}{\partial t}$

और $\frac{\partial K}{\partial t}$ प्रति समय इकाई निवेश और पूँजी स्टॉक में क्रमशः

परिवर्तन है, तो वस्तु बाजार संतुलन होने पर, निवेश का क्षमता सृजनकारी प्रभाव या डोमर प्रभाव किसके बराबर होगा?

Given that the increment in aggregate demand (Y) per unit of time, t , is given by the equation

$$\left[\frac{\partial Y}{\partial t} \right]_d = \frac{1}{1 - MPC} \left[\frac{\partial I}{\partial t} \right]$$

and the increment in supply of output is represented by the equation

$$\left[\frac{\partial Y}{\partial t} \right]_s = \sigma \frac{\partial K}{\partial t}$$

Where MPC = Marginal Propensity to Consume, $\frac{\partial I}{\partial t}$

and $\frac{\partial K}{\partial t}$ are change in investment & capital stock

respectively, per unit of time, then the capacity creating effect or Domar effect of investment following goods market equilibrium equals

$$(A) \sigma(1 - MPC) \quad (B) \sigma \left(\frac{1}{1 - MPC} \right)$$

$$(C) \frac{1}{\sigma}(1 - MPC) \quad (D) \frac{1}{\sigma} \cdot \frac{1}{1 - MPC}$$

उत्तर- (A) व्याख्या यदि प्रति समय इकाई t समग्र माँग में वृद्धि

(Y) समीकरण $\left[\frac{\partial Y}{\partial t} \right]_d = \frac{1}{1 - MPC} \left[\frac{\partial I}{\partial t} \right]$ द्वारा प्रस्तुत किया जाए

और उत्पादन की आपूर्ति में वृद्धि समीकरण $\left[\frac{\partial Y}{\partial t} \right]_s = \sigma \frac{\partial K}{\partial t}$ द्वारा प्रस्तुत किया जाए तो वस्तु बाजार संतुलन होने पर निवेश का क्षमता सृजनकारी प्रभाव या डोमर प्रभाव $\sigma(1 - MPC)$ के बराबर होगा।

• डोमर ने इस प्रश्न को लेकर अपने मॉडल का निर्माण किया कि, क्योंकि निवेश एक ओर तो आय को उत्पन्न करता है और दूसरी ओर उत्पादक क्षमता को बढ़ाता है इसलिए उत्पादक क्षमता में वृद्धि को आय में वृद्धि के बराबर करने के लिए निवेश किस दर से बढ़े, ताकि पूर्ण रोजगार बना रहे। डोमर निवेश के माध्यम से कुल पूर्ति तथा कुल मांग के बीच संबंध स्थापित करके अपने मॉडल प्रस्तुत करता है।

पूर्ति पक्ष:

डोमर पूर्ति पक्ष को इस प्रकार स्पष्ट करता है - मान लीजिए निवेश की वार्षिक दर I है और नयी पूँजी (मशीनों) की उत्पादन क्षमता s के बराबर है। तब I डॉलर उत्पादन क्षमता I_s डॉलर वार्षिक होगी। लेकिन यह भी संभव है कि नयी पूँजी का उपयोग पुरानी मशीनों के स्थान पर किया जाए ऐसी स्थिति में वार्षिक उत्पादन क्षमता I_s से कम होगी डोमर इसे I_σ से प्रदर्शित करता है।

दूसरे शब्दों में $\Delta Y = I_\sigma$ ----- (i)

जबकि निवेश की औसत उत्पादकता $\sigma = \frac{\Delta Y}{I}$ और I_σ अर्थव्यवस्था के उत्पादन में कुल शुद्ध संभाव्य वृद्धि है जिसे σ से दर्शाया गया है।

मांग पक्ष:

डोमर मांग पक्ष की व्याख्या केन्ज की गुणक प्रक्रिया से करता है। मान लीजिए राष्ट्रीय आय में वार्षिक वृद्धि ΔY होगी वह निवेश में

वृद्धि ΔI की $\frac{1}{\alpha}$ गुणा होगी।

$$I = \alpha Y \text{ अथवा } I \frac{1}{\alpha} = Y$$

$$\therefore Y = I \frac{1}{\alpha}$$

$$\text{or } \Delta Y = \Delta I \frac{1}{\alpha} \text{ ----- (ii)}$$

संतुलन:

आय का पूर्ण रोजगार संतुलन बनाए रखने के लिए कुल मांग एवं पूर्ति को बराबर रहना चाहिए।

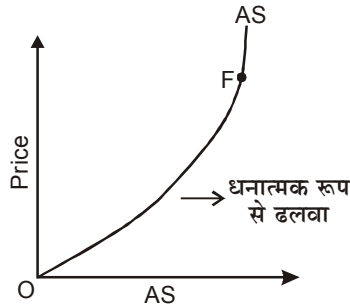
$$\frac{\Delta I}{\alpha} = I_\sigma \text{ अर्थात् } \frac{\Delta I}{I} = \alpha \sigma$$

18. जब समग्र आपूर्ति अनुसूची धनात्मक रूप से ढलवाँ है, यदि अन्य सब बातें पूर्ववत् रहती हैं तो नाममात्र मुद्रा आपूर्ति में सतत् वृद्धि का परिणाम क्या होता है?

When the aggregate supply schedule is positively sloped, continuous increases in the nominal money supply, ceteris paribus, result in

- (A) कीमत स्तर में कोई परिवर्तन नहीं और वास्तविक उत्पादन में आनुपातिक वृद्धि
No change in the price level and proportional increases in real output.
- (B) वास्तविक उत्पादन में कोई परिवर्तन नहीं और कीमत स्तर में आनुपातिक वृद्धि
No Change in real output and proportional increases in the price level.
- (C) कीमत स्तर और वास्तविक उत्पादन में वृद्धि
An increase in the price level and real output.
- (D) कीमत स्तर में वृद्धि और वास्तविक उत्पादन में कमी
An increase in the price level and a decrease in real output.

उत्तर- (C) व्याख्या जब समग्र आपूर्ति अनुसूची धनात्मक रूप से ढलती है,



यदि इस दशा में अन्य बातें समान रहने पर nominal money supply में सतत वृद्धि होती है तो यह कीमत स्तर व वास्तविक उत्पादन दोनों में वृद्धि लाएगी।

19. श्रीमती जॉन रोबिन्सन के अनुसार “स्वर्णिम युग” होता है

(जहाँ $\frac{\Delta N}{N}$ जनसंख्या की वृद्धि दर है और $\frac{\Delta K}{K}$ पूँजी की वृद्धि दर है)

"Golden Age" as per Mrs. Joan Robinson is (where

$\frac{\Delta N}{N}$ is growth rate of population and $\frac{\Delta K}{K}$ is growth rate of capital)

- (A) $\frac{\Delta N}{N} = \frac{\Delta K}{K}$ (B) $\frac{\Delta N}{N} > \frac{\Delta K}{K}$
- (C) $\frac{\Delta N}{N} < \frac{\Delta K}{K}$ (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (A) व्याख्या श्रीमती जॉन रोबिन्सन के अनुसार “स्वर्णिम युग” वहाँ होता है जहाँ $\Delta N / N = \Delta K / K$, पूँजी की वृद्धि दर ($\Delta K / K$) के अतिरिक्त, जनसंख्या की वृद्धि दर ($\Delta N / N$) दूसरा तत्व है जो अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर को प्रभावित करती है।

जब जनसंख्या की वृद्धि दर, पूँजी की वृद्धि के बराबर हो जाती है अर्थात् $\Delta N / N = \Delta K / K$ तब अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगारीय संतुलन में होगी। रॉबिन्सन ने इसे स्वर्ण युग कहा। रॉबिन्सन का मानना था कि यदि अर्थव्यवस्था ‘स्वर्णयुग’ के मार्ग से हट जाए तो कुछ शक्तियाँ ऐसी होती हैं जो पुनः संतुलन स्थिति लाने का प्रयत्न करती हैं।

20. यदि $\frac{MP_K}{MP_L}$ स्थिर $\frac{K}{L}$ अनुपात पर अपरिवर्तित रहता है तो तकनीकी परिवर्तन तटस्थ रहता है

A technical change is neutral if $\frac{MP_K}{MP_L}$ remains unchanged at constant $\frac{K}{L}$ ratio :

- (A) हेरोड / Harrod (B) हिक्स / Hicks
(C) सोलो / Solow (D) कल्डोर / Kaldor

उत्तर- (B) व्याख्या हिक्स

हिक्स के अनुसार वह तकनीकी प्रगति तटस्थ होगी जो श्रम तथा पूँजी की सीमान्त उत्पादकता को उसी अनुपात में बढ़ाती है। अन्य शब्दों में, एक तकनीकी प्रगति तटस्थ तब मानी जाएगी जब एक स्थिर पूँजी श्रम अनुपात पर श्रम के साथ पूँजी के सीमान्त उत्पादन का अनुपात अपरिवर्तित रहता है।

21. अमूर्त (डिसएम्बॉडीड) तकनीकी परिवर्तन की अवधारणा किससे सम्बन्धित है?

Concept of disembodied technological change is associated with

- I. इब्रामोविट्ज / Abramovitz
II. कल्डोर / Kaldor
III. केंड्रिक / Kendrick
IV. सोलो / Solow
- (A) I और II (B) III और IV
(C) I, III और IV (D) II, III और IV

उत्तर- (C) व्याख्या अमूर्त (Disembodied) तकनीकी परिवर्तन

की अवधारणा इब्रामोविट्ज, केंड्रिक तथा सोलो से सम्बन्धित है। अमूर्त तकनीकी परिवर्तन (Disembodied technological change) अधिक समय तक उत्पादन कार्य (उत्पाद फ्रंटियर) का शिफ्ट है। उत्पादन के विशेष तत्व में अमूर्त तकनीकी परिवर्तन लागू नहीं होता है।

सन्निहित तकनीकी परिवर्तन (Embodied technological change): नई पूँजीगत सामग्री के डिजाइन या गुणवत्ता में सुधार अमूर्त तकनीकी परिवर्तन को इंगित करते हैं।

22. जॉन रोबिन्सन के संवृद्धि मॉडल का सम्बन्ध किससे है?

Joan Robinson's growth model deals with

- I. इच्छित संवृद्धि दर / Desired growth rate
II. संभावित संवृद्धि दर / possible growth rate
III. प्राकृतिक संवृद्धि दर / Natural growth rate
IV. अभीष्ट संवृद्धि दर / Warranted growth rate

कूट / Codes :

- (1) I और III (2) II और IV
(3) I और II (4) III और IV

उत्तर- (C) व्याख्या श्रीमती जॉन रोबिनसन के संवृद्धि मॉडल का सम्बन्ध इच्छित संवृद्धि दर एवं संभावित संवृद्धि दर से है। श्रीमती जॉन रोबिनसन ने अपनी पुस्तक 'The Accumulation of Capital' में खेल के पूंजीवादी नियमों पर आधारित आर्थिक वृद्धि के एक सरल मॉडल का निर्माण किया

मान्यताएं

- बन्द एवं स्वतंत्र अर्थव्यवस्था
- केवल पूंजी एवं श्रम ही उत्पादकीय साधन है।
- दिए हुए उत्पाद का उत्पादन करने के लिए पूंजी तथा श्रम स्थिर अनुपातों में लगाए जाते हैं।
- तकनीकी प्रगति तटस्थ है।
- श्रम की पूर्ति की कमी नहीं है उद्यमी जितना चाहे श्रमिकों को रोजगार में लगा सकता है।
- केवल दो वर्ग श्रमिक व उद्यमी हैं जिनके बीच आय का वितरण होता है।
- श्रमिक कुछ बचत नहीं करते और अपनी मजदूरी आय को उपभोग में व्यय कर देते हैं।
- बचत करने और लाभ से प्राप्त अपनी समस्त आय को पूंजी निर्माण के लिए निवेश करने के अतिरिक्त उद्यमी कुछ नहीं उपभोग करता।

$$Y = C + I$$

श्रीमति जॉन रोबिनसन मजदूरी में से बचत को शून्य मान लेते हैं लेकिन उद्यमी केवल लाभ के उद्देश्य से निवेश करता है

$$\text{अतः } I = S$$

$I = \Delta K$ जहाँ ΔK वास्तविक पूंजी में वृद्धि को व्यक्त करता है।

जबकि $S = sY$, अतः $I = \Delta K = sY = pk$ क्योंकि लाभ पूंजी से प्राप्त होता है।

$$\therefore pk = sY \text{ अथवा } \frac{K}{Y} = \frac{s}{p} \text{ लेकिन } v = \frac{K}{Y}$$

$$\text{अथवा } v = \frac{S}{Y}; p = \frac{S}{v} = Gw$$

पूँजी की वृद्धि दर $\frac{S}{Y}$ है जिसे हैरड के Gw के बराबर माना गया है।

जो लाभ दर P पर निर्भर करती है।

रोबिनसन ने अपने मॉडल में इच्छित संवृद्धि दर तथा संभावित वृद्धि दर दोनों धारणाओं का प्रयोग किया।

23. अभिकथन (A): मार्क्स के अनुसार अतिरेक श्रम ही पूँजी संचय करता है।

Assertion (A) : To Marx, it is surplus labour that lead to capital accumulation.

कारण (R) : वास्तविक श्रम और निर्वाह के लिये किए श्रम, जिसके लिये मजदूर को कुछ नहीं मिलता है, के बीच अन्तर ही अतिरेक श्रम है।

Reason (R) : The difference between actual labour and subsistence labour that a labourer puts in for which he receives nothing is surplus labour.

कूट / Codes :

- (A) (A) सही है, परन्तु (R), (A) का सही कारण नहीं है।
(A) is correct, but (R) is not the correct reason for (A).
(B) (A) सही है और (R) गलत है।
(A) is correct and (R) is incorrect.
(C) (A) और (R) दोनों सही हैं।
Both (A) and (R) are correct.
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
Both (A) and (R) are incorrect.

उत्तर- (C) व्याख्या A और R दोनों सही हैं।

अभिकथन (A): मार्क्स के अनुसार अतिरेक श्रम ही पूँजी संचय करता है।

कारण (R): वास्तविक श्रम और निर्वाह के लिये किए गए श्रम, जिसके लिये मजदूर को कुछ नहीं मिलता के बीच अन्तर ही अतिरेक श्रम है।

24. "संरचनात्मक विकास प्रक्रियाओं" को अनुवर्ती क्रम में व्यवस्थित करें :

Arrange the "Structural Development Processes" in a sequential order :

- संसाधन आवंटन प्रक्रिया / Resource Allocation Processes
- संचय प्रक्रिया / Accumulation Process
- वितरणात्मक प्रक्रिया / Distributional Processes
- जनांकिकीय प्रक्रिया / Demographic Processes

कूट / Codes :

- (A) I, IV, II, III (B) II, I, IV, III
(C) III, II, I, IV (D) IV, III, I, II

उत्तर- (B) व्याख्या "संरचनात्मक विकास प्रक्रियाओं" को अनुवर्ती क्रम में व्यवस्थित करने पर -

(II) संचय प्रक्रिया

(I) संसाधन आवंटन प्रक्रिया

(IV) जनांकिकीय प्रक्रिया

(III) वितरणात्मक प्रक्रिया

किसी अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक परिवर्तन से आशय बाजार या अर्थव्यवस्था के क्रियाशीलन के मूलों में परिवर्तन से है, आर्थिक विकास की प्रक्रिया में अर्थव्यवस्था में अनेक संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं, वास्तविकता तो यह है कि इन संरचनात्मक परिवर्तनों के ही आधार पर हम इस निष्कर्ष पर आ जाते हैं कि अर्थव्यवस्था विकास की किस स्थिति में है। साइमन कुजनेट्स ने ऐतिहासिक आँकड़ों के अध्ययन तथा उनके विश्लेषण के आधार पर तथा बाद में होलिस चैनरी आदि ने यह प्रदर्शित किया कि अर्थव्यवस्था में किस प्रकार परिवर्तन आते हैं जब कोई अर्थव्यवस्था विकसित होती है। विकास के साथ अर्थव्यवस्था में प्रायः निम्नांकित प्रमुख संरचनात्मक परिवर्तन दिखाई देते हैं:

- सकल घरेलू उत्पाद के विभिन्न घटकों में परिवर्तन
- विकास के साथ जन्म दर में कमी साथ ही मृत्यु दर में कमी
- कुजनेट्स के विषमता सम्बन्धी परिणाम दृष्टिगोचर

- (iv) विकास के साथ निर्यात संरचना में परिवर्तन
(v) विकास के साथ अर्थव्यवस्था तेजी से खुली अर्थव्यवस्था के रूप में परिवर्तित होती है।

25. सूची - I के मदों को सूची - II के मदों के साथ सुमेलित करें :

Match the items in List - I with List - II

सूची - I	सूची - II
a. अति आबादी वाली अर्थव्यवस्थाओं में MP_L शून्य होता है। MP_L is zero in over-populated economies	1. गुन्नार मिडाल Gunnar Myrdal
b. दो अंतराल का मॉडल Two gap model	2. जे. ई. मीड J. E. Mead
c. क्रान्तिक संवृद्धि दर Critical growth rate	3. आर्थर लुईस Arthur Lewis
d. प्रतिवादी प्रभाव Backwash effects	4. होलिस चेनरी एवं अन्य Hollis Chenery & others

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	1	3	4	2
(B)	3	4	2	1
(C)	2	1	3	4
(D)	4	2	1	3

उत्तर- (B) व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) अति आबादी वाली अर्थव्यवस्था में MP_L शून्य होता है	(3) आर्थर लेविस (श्रम की असीमित आपूर्ति का सिद्धान्त)
(b) दो अंतराल का मॉडल	(4) होलिस चेनरी एवं अन्य
(c) क्रान्तिक संवृद्धि दर	(2) जे. ई. मीड
(d) प्रतिवादी प्रभाव	(1) गुन्नार मिडाल

• होलिस दो अंतराल (द्वि अन्तराल) का मॉडल- चेनरी तथा अन्य ने द्वि-अन्तराल प्रतिबंध की बात की। ये दो अन्तराल विनियोग-बचत अन्तराल तथा आयात निर्यात अन्तराल के रूप में हैं। दोनों ही अन्तरालों को विदेशी पूँजी के अन्तर्प्रवाह से पूरा किया जा सकता है।

उदाहरण के लिए यदि भारतीय अर्थव्यवस्था की लक्षित दर 10% हो तथा पूँजी उत्पाद अनुपात 3:1 हो, तथा घरेलू बचत दर 24% हो तो चेनरी के द्वि-अन्तराल मॉडल के अनुसार बचत अन्तराल की गणना होगी-

$$\text{संवृद्धि दर} = \frac{I}{\text{पूँजी उत्पाद अनुपात}}$$

$$10 = \frac{I}{3}$$

$$I = 30\%$$

विनियोग बचत अन्तराल $30 - 24 = 6\%$ होगा। अर्थात् 10% की वृद्धि दर के लिए 6% विदेशी पूँजी अन्तर्प्रवाह आवश्यक है।

• क्रान्तिक संवृद्धि दर - मीड ने आर्थिक वृद्धि के सिद्धान्त में क्रान्तिक संवृद्धि दर की चर्चा की। इसके अनुसार सतत वृद्धि के लिए आय की वृद्धि दर व पूँजी स्टॉक की वृद्धि दर बराबर होना चाहिए।

दूसरे शब्दों में $\frac{\Delta Y}{Y} = \frac{\Delta K}{K}$ प्रोफेसर मीड के अनुसार पूँजी स्टॉक की एक क्रान्तिक वृद्धि होती है। जिस पर आय की वृद्धि दर व पूँजी स्टॉक की वृद्धि दर बराबर होती है।

• प्रतिवादी प्रभाव - मिडाल का कहना है कि अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का परिणाम चक्रीय कार्यकारण की प्रक्रिया होती है जिससे विकसित देशों को लाभ होता है लेकिन अल्पविकसित व पिछड़े देशों को हानि। क्योंकि अति निर्यात प्रभाव (Backwash Effect) प्रसरण प्रभाव (Spread Effect) पर प्रभावी हो जाता है।

मिडाल अपना सिद्धान्त राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर असमानताओं के विचार के इर्द गिर्द निर्मित करते हैं। इन्होंने 'गरीबी के दुष्चक्रों' को चक्रीय क्रिया की अन्तर्क्रिया कहा। मिडाल के अनुसार backwash प्रभाव एक स्थान में आर्थिक विस्तार के वे सभी सुसंगत प्रतिकूल परिवर्तन हैं जो उस स्थान के बाहर होते हैं। मिडाल ने इसके अंतर्गत उन सभी प्रभावों को शामिल किया जो देशांतरण तथा पूँजीपतियों एवं व्यापार के मार्ग से होते हैं और उन कुल संचयीभूत प्रभावों को भी शामिल किया जो गैर आर्थिक तथा आर्थिक सभी साधनों में चक्रीय कार्यकारण की प्रक्रिया का परिणाम है।

26. सूची - I में प्रदत्त मदों को सूची - II के मदों के साथ सुमेलित करें :

Match the items in List - I with List - II :

सूची - I	सूची - II
a. कार्य करते हुए सीखना Learning by doing	1. कल्डोर Kaldor
b. अभिनत या एकतरफ़ी तकनीकी प्रगति Biased Technical Progress	2. कार्ल सैक्स Karl Sax
c. आय वितरण की संवेदनशीलता का गुणांक Co-efficient of sensitivity of income distribution	3. कैनेथ जे. ऐरो Kenneth J. Arrow
d. जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धान्त: जनसंख्या वृद्धि की चार अवस्थाएँ Theory of Demographic Transition : Four stages of Population growth	4. जॉन रोबिनसन Joan Robinson

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	3	4	1	2
(B)	1	3	2	4
(C)	2	1	4	3
(D)	4	2	3	1

उत्तर- (A) व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) कार्य करते हुए सीखना	(3) कैनेथ जे० ऐरो
(b) अभिनत या एकतरफी तकनीकी प्रगति	(4) जॉन रॉबिन्सन
(c) आय वितरण का संवेदनशीलता गुणांक	(1) काल्डोर
(d) जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धान्त: जनसंख्या वृद्धि की चार अवस्थाएँ	(2) कार्ल सैक्स

• कार्य करते हुए सीखना का आर्थिक सिद्धान्त में प्रयोग K.J. Arrow ने अपने learning वक्र के सन्दर्भ में किया। यह दर्शाता है कि उत्पादकता में वृद्धि कई प्रयासों से लायी जा सकती है। (Productivity is achieved through practice, self perfection and minor innovation)

उदाहरण के लिए एक उद्योग बिना अतिरिक्त पूँजी तथा श्रमिकों के अपनी उत्पादकता बढ़ाता है।

27. अभिकथन (A): सोलो मॉडल, हैरोड-डोमर मॉडल की तुलना में काफी उन्नत है।

Assertion (A) : Solow model is a major improvement over Harrod-Domar Model.

कारण (R) : सोलो ने उत्पादन में स्थिर अनुपात की मान्यता के बगैर दीर्घकालिक संवृद्धि मॉडल की रचना की।

Reason (R) : Solow built a model of long run growth without the assumption of fixed proportion in production.

कूट / Codes :

- (A) (A) सही है, परन्तु (R), (A) का सही कारण नहीं है।
 (A) is correct, but (R) is not the correct reason of (A).
 (B) (A) सही नहीं है, परन्तु (R) सही है।
 (A) is not correct, but (R) is correct.
 (C) (A) और (R) दोनों सही हैं।
 Both (A) and (R) are correct.
 (D) (A) और (R) दोनों सही नहीं हैं।
 Both (A) and (R) are not correct.

उत्तर- (C) व्याख्या A और R दोनों सही है।

अभिकथन (A): सोलो मॉडल हैरोड-डोमर मॉडल की तुलना में काफी उन्नत है

सोलो मॉडल एक बहिर्जात विकास मॉडल होने के कारण हैरोड-डोमर मॉडल का विस्तार है। इस मॉडल का मूल सार श्रम और उत्पादकता जैसे नवशास्त्रीय सिद्धांतों के मूल सिद्धांतों का उपयोग करके दीर्घकालिक आर्थिक विकास का व्याख्या प्रदान करता है। सोलो ने हैरोड-डोमर मॉडल में कुछ अन्य चर जोड़कर पिछले मॉडल का विस्तार किया। जोड़े गए चर में श्रम शामिल है जो उत्पादन कारक के रूप में कार्य करता था और पूँजी-श्रम अनुपात की कठोरता को भी हटा दिया गया था।

28. पीकॉक-वाइज़मैन परिकल्पना में व्याख्यायित संकेन्द्रण प्रभाव का तात्पर्य है

The concentrations effect explained in Peacock-Wiseman hypothesis implies

(A) लोक व्यय निर्बाध तथा सतत ढंग से नहीं बढ़ता है।

Public expenditure does not increase in smooth and continuous manner

(B) लोक व्यय अधिक राजस्व की आवश्यकता को बढ़ाता है।

Public expenditure increases the necessity of increased revenue

(C) उप-राष्ट्रीय सरकारों की तुलना में केन्द्रीय सरकार की आर्थिक गतिविधि ज्यादा तेजी से बढ़ती है।

the Central Government's economic activity to grow faster than that of subnational Governments

(D) लोक व्यय का निरपेक्ष स्तर बढ़ता है।

absolute level of public expenditure increases

उत्तर- (C) व्याख्या पीकॉक-वाइज़मैन परिकल्पना में व्याख्यायित संकेन्द्रण प्रभाव का तात्पर्य है कि उप-राष्ट्रीय सरकारों की तुलना में केन्द्रीय सरकार की आर्थिक गतिविधि ज्यादा तेजी से बढ़ती है।

सन् 1880-1955 की अवधि में वाइज़मैन व पीकॉक ने इंग्लैंड के सार्वजनिक व्यय का अध्ययन किया पीकॉक तथा वाइज़मैन मूलतः सार्वजनिक व्यय की वृद्धि के स्वरूप तथा ढाँचे के परिवर्तन के विश्लेषण से सम्बन्धित थे। इनका प्रमुख निष्कर्ष था कि युद्ध के दौरान जो सार्वजनिक व्यय में वृद्धि होती है युद्ध के बाद उसमें कमी तो होती है वह व्यय लौटकर मूल स्तर पर वापस नहीं आता। इसके अनुसार व्यय की प्रवृत्ति सीढ़ी नुमा होगी इसे रैचेट ने विस्थापन प्रभाव कहा।

व्यय के पुराने स्तर और कराधान से नई और उच्च स्तर की ओर बढ़ना विस्थापन प्रभाव कहलाता है। इस वांछित सार्वजनिक व्यय की तुलना राजस्व की अपर्याप्तता से की जाती है जो इम्पेक्शन प्रभाव है। राजस्व स्थिति और महत्वपूर्ण समस्याओं के समाधान को प्राप्त करने की आवश्यकता जो सामने आती है और बढ़ते हुए व्यय की वित्तीय अवस्था को समायोजित करने की सहमती प्रदान करने हेतु सरकार और जनता पुनर्विचार करती है। उन्होंने कर वहन करने के नए स्तर को प्राप्त किया। वे लोग अब कर के भार को सहने के लिए तैयार हैं और परिणामतः व्यय एवं राजस्व का सामान्य स्तर ऊपर उठ गया है। सार्वजनिक व्यय और राजस्व वित्त में व्यय बढ़ोत्तरी के लिए वांछित समायोजन के लिए तैयार हो गए और

परिणामतः सार्वजनिक व्यय और राजस्व एक नए स्तर पर स्थायी हो जाते हैं जब तक दूसरी बाधा नहीं आती, विस्थापन प्रभाव के कारण होता है।

इस प्रकार कुल राष्ट्रीय आर्थिक गतिविधि का एक बड़ा हिस्सा मानते हुए प्रत्येक मुख्य अवरोध सरकार की ओर उन्मुख होती है। यह संकेन्द्रण प्रभाव है। संकेन्द्रण प्रभाव केन्द्रीय सरकार के लिए स्पष्ट प्रवृत्ति है। यह आर्थिक गतिविधि को राज्य और स्थानीय स्तर की सरकारों की तुलना में ज्यादा तेज विकसित करता है।

29. एकाधिकार में अर्जित लाभों पर लगाया कर

A tax imposed upon monopoly profits

(A) आगे खिसकाया जा सकता है।

Can be shifted forward

(B) पीछे की ओर खिसकाया जा सकता है।

Can be shifted backward

(C) आगे तथा पीछे दोनों तरफ खिसकाया जा सकता है।

can be shifted both forward and backward

(D) खिसकाया नहीं जा सकता है।

Cannot be shifted

उत्तर- (D)/व्याख्या एकाधिकार में अर्जित लाभों पर लगाया गया कर आगे खिसकाया नहीं जा सकता है।

एकाधिकार की स्थिति में उत्पादक ही उत्पादन की मात्रा तथा कीमतों को तय करता है ताकि वह अधिकतम लाभ प्राप्त कर सके। ऐसा तब हो जबकि: $MR=MC$

यदि एकाधिकार में अर्जित लाभों पर कर लगाया जाता है तो एकाधिकारी उसे विवर्तित नहीं कर सकता क्योंकि एकाधिकारी के AR तथा MR वक्रों का स्वरूप ऋणात्मक ढाल का होता है ये वक्र दर्शाता है कि अधिक मात्रा का विक्रय तभी कर सकता है जब कीमतों में कमी लाए। इसलिए यदि एकाधिकारी पूर्ण उत्पादन क्षमता का प्रयोग कर रहा है तो वह कर का पूर्ण भार वहन करेगा चाहे करारोपण एक मुश्त हो या अनुपातिक।

30. संघीय सरकार के राजस्व खाते में योजना व्यय में समाविष्ट है

The plan expenditure on Revenue Account of the Union Government includes

I. आर्थिक सेवाएँ

Economic Services

II. सामाजिक तथा सामुदायिक सेवाएँ

Social and community services

III. राज्यों तथा केन्द्रशासित प्रदेशों को सहायता-अनुदान

Grants-in-aid to States and Union Territories

IV. लोक उद्यमों के वित्तपोषण हेतु ऋण और अग्रिम राशि

Loans and Advances to finance public enterprises

कूट / Codes :

(A) I और II सही हैं। (B) I, II और III सही हैं।

(C) I, II और IV सही हैं। (D) I, II, III और IV सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या देश में वर्तमान में संघीय सरकार के बजट में योजना व्यय तथा गैर योजना व्यय के अन्तर को समाप्त कर

दिया गया है। विभिन्न वित्त आयोगों ने पूर्व में इसकी संस्तुति की किन्तु मुख्य रूप से 11वें वित्त आयोग (2000-05) ने विषय को परीक्षण करने दोनों में भेद को समाप्त करने को कहा।

योजना आयोग द्वारा गठित लोक व्यय के कुशल प्रबन्धन पर उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति जिसकी अध्यक्षता डा० सी० रंगराजन (2011) ने की, रिपोर्ट में अनुमोदन किया था। लोक व्यय के स्वरूप में आधारभूत परिवर्तन करते हुए योजना व गैर योजना व्यय के विभेद को समाप्त किया जाना चाहिए। इन सब के परिणाम स्वरूप बजट 2016-17 से योजना व गैर योजना व्यय का वर्गीकरण समाप्त कर दिया गया। इसका एक कारण योजना आयोग की जगह नीति आयोग का स्थान लेना भी रहा।

31. भारत की सरकार के ऋण दायित्व (सरकारी देयताएँ)

Debt obligations of Government of India (Government liabilities)

I. राज्य भविष्य निधि / State Provident Funds

II. लघु बचतें / Small Savings

III. प्रारक्षित निधियाँ तथा जमा राशियाँ

Reserve Funds and Deposits

IV. भारत की समेकित निधि

Consolidated Fund of India

कूट / Codes :

(A) II और III सही हैं। (B) I, II और III सही हैं।

(C) II, III और IV सही हैं। (D) I, III और IV सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या भारत की सरकार के ऋण दायित्व (सरकारी देयताएँ) हैं:

I. राज्य भविष्य निधि

II. लघु बचतें

III. प्रारक्षित निधियाँ एवं जमा राशियाँ

सरकार के ऋण दायित्व पूँजीगत खाते का हिस्सा है। पूँजीगत खाते में सरकार की पूँजीगत प्राप्तियाँ तथा पूँजीगत व्यय प्रदर्शित होते हैं। यह खाता सरकार की पूँजी आवश्यकता तथा उसके वित्तीयन के स्रोत पर प्रकाश पूँजी आवश्यकता की पूर्ति के स्रोत है-राजस्व आधिक्य आन्तरिक बाजार उधारी अल्प बचत (गैर बाजार उधारी) तथा भविष्य निधि ऋण तथा अग्रिमों की वापसी, विनिवेश, विदेशी ऋण एवं सहायता विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं जैसे मुद्राकोष, एशियन विकास बैंक, विश्व बैंक आदि से प्राप्त सहायता। इन्हें हम पूँजीगत प्राप्तियाँ कहते हैं ये सभी ऋण दायित्वों का सृजन करती हैं।

32. भारत में कर सुधारों से सम्बन्धित निम्नलिखित समितियों का कालानुक्रम बताइये :

Identify the chronology of the following Committees on tax reforms in India :

I. कृषि आय तथा सम्पदा कर पर समिति

Committee on Taxation of Agricultural Income and Wealth

II. भारत में कर सुधार के लिये कल्डोर का प्रस्ताव

Kaldor Proposal for Tax Reform in India

- III. प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष करों पर कार्य बल
Taskforces on Direct and Indirect Taxes
IV. प्रत्यक्ष कर प्रशासन जाँच समिति
Direct Taxes Administration Enquiry Committee

कूट / Codes :

- (A) II, I, IV, III (B) II, IV, I, III
(C) II, III, I, IV (D) I, III, IV, II

उत्तर- (B)/व्याख्या/ सही कालानुक्रम		
II. भारत में कर सुधार के लिये	1956	काल्डोर का प्रस्ताव
IV. प्रत्यक्ष कर प्रशासन जाँच समिति	1970	के० एन० वाचू
I. कृषि आय तथा सम्पदा पर कर समिति	1972	के० एन० राज
III. प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष करों पर कार्य बल	1991	आर० जे० चैलेया

33. निम्न में से भारत में वित्त आयोग की भूमिका क्या है ?

Which of the following are the role of Finance Com-missions in India?

- कर से प्राप्तियों का केन्द्र और राज्यों के बीच वितरण पर अनुशंसाएँ करना।
To make recommendations on the distribution of tax proceeds between Centre and States.
- कर लगाने, समाप्त करने अथवा पुनः संरचना पर अनुशंसाएँ करना।
To make Recommendations on levying, removing or restructuring of taxes.
- संविधान के अनुच्छेद 275 के अंतर्गत सहायता-अनुदान की अनुशंसा करना।
To recommend Grants-in-aid under Article 275 of the Constitution
- संविधान के अनुच्छेद 282 के अंतर्गत योजना एवं अन्य अनुदान की अनुशंसा करना।
To recommend plan and other grants under Article 282 of the Constitution

कूट / Codes :

- (A) I और II सही हैं। (B) I और III सही हैं।
(C) I, III और IV सही हैं। (D) सभी सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या/ भारत में वित्त आयोग की भूमिका है -

- कर से प्राप्तियों का केन्द्र और राज्यों के बीच वितरण पर अनुशंसाएँ करना।
- संविधान के अनुच्छेद 275 के अंतर्गत सहायता अनुदान की अनुशंसा करना।
भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग की व्यवस्था है। इसके अनुसार प्रत्येक 5 वर्ष के बाद या आवश्यक हो तो इसके पूर्व वित्त आयोग का गठन राष्ट्रपति द्वारा किया जाएगा।
280(3) के अंतर्गत वित्त आयोग निम्नांकित बातों के सम्बन्ध में राष्ट्रपति को अपनी संस्तुति देता है:

क. संविधान के अंतर्गत केन्द्र तथा राज्यों के बीच वितरित किए जाने वाले करों की निवल प्राप्ति के बंटवारे के सम्बन्ध में संस्तुति करना।

- भारतीय समेकित निधि में से राज्यों को दिए जाने वाले सहायता अनुदान के सिद्धान्त को तय करना।
- राज्यों के वित्त आयोगों की संस्तुतियों के आधार पर राज्यों के समेकन निधि को बढ़ाने के सम्बन्ध में सुझाव देना जिससे पंचायतों तथा नगर पालिकाओं के संसाधनों की कमी को पूरा किया जा सके।
- सुदृढ़ वित्त के हित में अन्य विषय जिस पर राष्ट्रपति संस्तुति प्राप्त करना चाहे, संस्तुति देना।

34. प्रबन्धित अनिविष्ट विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत राष्ट्र के मौद्रिक प्राधिकारी किस उद्देश्य से विदेशी विनिमय बाजारों में हस्तक्षेप करते हैं?

Under a managed floating exchange rate system, the nation's monetary authorities intervene in foreign ex-change markets to

- विनिमय दरों में अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक उतार-चढ़ावों को समाप्त करने के लिए
smooth out short-run and long-run fluctuations in exchang rates
- राष्ट्रों के समूह में विनिमय दरों को स्थिर रखने के लिए
keep exchnge rates fixed among a group of nations
- विनिमय दरों में अल्पकालिक उतार-चढ़ावों को समाप्त करने के लिए
smooth out short-run fluctuations in exchange rates
- विनिमय दरों को लचीला रखने के लिए
keep exchange rates flexible

उत्तर- (C)/व्याख्या/ प्रबन्धित अनिविष्ट विनिमय दर प्रणाली के अंतर्गत राष्ट्र के मौद्रिक प्राधिकारी, विनिमय दरों में अल्पकालीन उतार-चढ़ावों को समाप्त करने के लिए विदेशी विनिमय बाजारों में हस्तक्षेप करते हैं।

Managed Float System के अंतर्गत विदेशी विनिमय में एक निश्चित सीमा से अधिक उतार चढ़ावों पर मौद्रिक अधिकारी हस्तक्षेप करते हैं। इस व्यवस्था की व्यवहार्यता मौद्रिक प्रणाली के विकास पर निर्भर करती है।

स्वतंत्र तिरण (Free Float): जब विदेशी विनिमय दर का निर्धारण विदेशी विनिमय में मांग एवं पूर्ति की शक्तियों के द्वारा हो तो इसे स्वतंत्र तिरण कहते हैं।

प्रबन्धित तिरण (Managed Float): जब विनिमय दर का निर्धारण मांग एवं पूर्ति की शक्तियों द्वारा ही हो पर कुछ स्थितियों या कुछ उद्देश्यों से केन्द्रीय बैंक बहुत अधिक मात्रा में विदेशी विनिमय के क्रय तथा विक्रय के द्वारा हस्तक्षेप कर सके तो इसे प्रबन्धित तिरण या गन्दा तिरण (Dirty Floats) कहते हैं।

35. यूरो करेन्सी बाजार ज्यादा बड़े वैश्विक बाजार जिसे यूरो डॉलर बाजार कहा जाता है, का हिस्सा है।

Euro currency market is a part of a larger global market known as Eurodollar market.

- (A) उपर्युक्त कथन सही है।

Above statement is correct.

(B) उपर्युक्त कथन सही नहीं है।

Above statement is not correct.

(C) उपर्युक्त कथन आंशिक रूप से सही है।

Above statement is partially correct.

(D) उपर्युक्त कथन आंशिक रूप से गलत है।

Above statement is partially incorrect.

उत्तर- (B) व्याख्या उपर्युक्त कथन सही नहीं है।

यूरो करेन्सी बाजार तथा यूरो डॉलर बाजार दोनों समान है। The Euro currency market is the money market for currency outside of the currency where it is legal tender. The term eurocurrency is a generalization of eurodollar and should not be confused with the EU currency the euro.

यूरो मुद्रा बाजार, देश के बाहर की मुद्रा के लिए मुद्रा बाजार है जहाँ यह वैधानिक माना जाता है। मुख्य रूप से बैंक, MNC's, Mutual Funds तथा hedge funds यूरो मुद्रा बाजार या यूरो डॉलर बाजार को उपयोगी बनाते हैं। यूरो मुद्रा की मांग विभिन्न वित्तीय केन्द्रों में वैश्विक स्तर पर विनियमित होती है न कि केवल यूरोप में।

36. सूची - I का सूची - II के साथ मिलान करें :

Match the following

सूची - I	सूची - II
a. डब्ल्यू. टी. ओ. WTO	1. भुगतान संतुलन में असंतुलन को ठीक करने के लिये वित्त प्रदान करना। Provide finance to correct disequilibrium in balance of payments.
b. आई. एम. एफ. IMF	2. सामान्यतया व्यापार में मात्रात्मक प्रतिबंधों के उपयोग को निषिद्ध करता है। Generally forbids the use of quantitative restrictions in trade.
c. सार्क SAARC	3. नम्य ऋणों की स्वीकृति Sanction of soft loans
d. आई. डी. ए. IDA	4. दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है। Promotes trade among South Asian Countries

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	2	1	4	3
(D)	3	2	4	1

उत्तर- (C) व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) डब्ल्यू टी.ओ.	(2) सामान्यतया व्यापार में मात्रात्मक प्रतिबंधों के उपयोग को निषिद्ध करता है।
(b) IMF	(1) भुगतान संतुलन में असंतुलन को ठीक करने के लिए वित्त प्रदान करना
(c) सार्क	(4) दक्षिण एशियाई देशों के बीच व्यापार को बढ़ावा देता है।
(d) IDA	(3) नम्य ऋणों की स्वीकृति

● दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (The South Asian Association for Regional Cooperation - SAARC) की स्थापना 8 दिसंबर 1985 को ढाका में सार्क चार्टर पर हस्ताक्षर के साथ हुई।

बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान एवं श्रीलंका इसके संस्थापक सदस्य थे। अफगानिस्तान वर्ष 2005 में शामिल हुआ। इस संगठन का मुख्यालय एवं सचिवालय नेपाल के काठमांडू में अवस्थित है। वर्तमान में इसके 8 सदस्य देश हैं। तथा 9 पर्यवेक्षक सदस्य देश हैं।

● IDA (International Development Association) अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान है जो नम्य (concessional loans) तथा grants दुनिया के गरीब देशों को प्रदान करता है। IDA विश्व बैंक समूह का सदस्य है इसका मुख्यालय वाशिंगटन D.C. में U.S. में है। इसकी स्थापना 24 सितम्बर 1960 को हुई।

37. आयात शुल्कों से स्वतन्त्र व्यापार की दिशा में अकस्मात परिवर्तन निम्नलिखित में अल्पकालीन बेरोजगारी उत्पन्न कर सकता है :

A sudden shift from import tariffs to free trade may induce short term unemployment in

- (A) आयात प्रतिस्पर्धाकारी उद्योग।
import competing industries
(B) वे उद्योग जो सिर्फ निर्यातकर्ता हैं।
industries that are only exporters
(C) वे उद्योग जो देशी बाजार में बेचते हैं और निर्यात भी करते हैं।
industries that sell domestically as well as export
(D) वे उद्योग जो न तो आयात करते हैं और न निर्यात करते हैं।
industries that neither import nor export

उत्तर- (A) व्याख्या आयात शुल्कों से स्वतंत्र व्यापार की दिशा में अकस्मात परिवर्तन आयात प्रतिस्पर्धी उद्योग में अल्पकालीन बेरोजगारी उत्पन्न कर सकता है।

इसका कारण है कि जब आयात शुल्कों को समाप्त किया जाएगा तो विदेशी वस्तुएं सस्ती होगी और जो घरेलू उद्योग आयातित वस्तु का उत्पादन कर रहे थे उनकी लागत अधिक होने के कारण उत्पादन कम होगा जिससे आयातित वस्तु का उत्पादन करने वाले श्रमिक निश्चित रूप से उद्योग से बाहर हो जायेंगे। यह अल्पकालिक होगा क्योंकि दीर्घकाल में उद्योग अनुकूलन उत्पादन क्षमता को प्राप्त कर लेगा।

बेरोजगार श्रमिक पुनः समायोजित या नये काम को पाने के लिए प्रशिक्षण आदि प्राप्त करेंगे। कामगार प्रशिक्षण या अतिरिक्त बेरोजगार लाभों के द्वारा इस तरह के आदान-प्रदान की लागत को कम करने के लिए कई राष्ट्र 'व्यापार समायोजन' नीतियाँ प्रदान करते हैं।

38. ब्रेटनवुड्स प्रणाली के अचानक विफल हो जाने का तात्कालिक कारण था

The immediate cause for the collapse or the Bretton woods system was

- (A) यह प्रत्याशा कि यू. एस. ए. जल्दी ही डॉलर का अवमूल्यन करने को बाध्य हो जाएगा।
the expectation that the U.S.A would soon be forced to devalue the dollar
- (B) तरल या चल पूँजी का भारी मात्रा में यू. एस. ए. से बहिर्गमन
the massive flight of liquid capital from the U.S.A.
- (C) तीन छोटे यूरोपियन केन्द्रीय बैंकों का अपने धारित डॉलर के कुछ हिस्से को फेडरल रिजर्व बैंक में स्वर्ण में परिवर्तित करने का प्रयास
the attempt by three small European Central Banks to convert part of their dollar holding into gold at the federal Reserve Bank.
- (D) उपर्युक्त सभी
All of the above

उत्तर- (D) व्याख्या द्वितीय विश्व युद्ध से 1971 तक स्वर्णमान की जो प्रणाली क्रियाशील रही उसे ब्रेटन वुड्स प्रणाली कहते हैं। 1944 में ब्रेटन वुड्स में USA, UK तथा 44 अन्य देशों का सम्मेलन हुआ उसमें जो मौद्रिक प्रणाली स्वीकार्य की गई वह स्वर्ण विनिमय मान (Gold Exchange Standard) थी जिसमें USA को स्वर्ण के मूल्य को, जो 35 डॉलर प्रति औंस निश्चित किया गया, कायम रखना था तथा माँग पर डॉलर के सोने में परिवर्तित करने की सुविधा बिना किसी प्रतिबन्ध के प्रदान करनी थी। यह प्रणाली स्थिर विदेश विनिमय दर प्रणाली थी।

ब्रेटनवुड्स प्रणाली के 1971 में अचानक विफल हो जाने के तात्कालिक कारण थे।

- (A) यह प्रत्याशा कि USA जल्दी ही डॉलर का अवमूल्यन करने को बाध्य हो जाएगा।
- (B) तरल तथा चल पूँजी का भारी मात्रा में से USA से बहिर्गमन
- (C) तीन छोटे यूरोपियन केन्द्रीय बैंकों का अपने धारित डॉलर के कुछ हिस्से को फेडरल रिजर्व बैंक में स्वर्ण में परिवर्तित करने का प्रयास।

39. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का साध्य (या व्यवहार्य) प्रभाव यह है कि
A feasible effect of international trade is that

- (A) देशी बाजार का एकाधिकार विश्व बाजार में अल्पाधिकार बन जाता है।
a monopoly in the home market becomes an oligopoly in the world market
- (B) देशी बाजार का अल्पाधिकार विश्व बाजार में एकाधिकार बन जाता है।

an oligopoly in the home market becomes a monopoly in the world market

- (C) देशी बाजार में शुद्ध प्रतिस्पर्धात्मक फर्म विश्व बाजार में अल्पाधिकारी बन जाती है।
a purely competitive firm in the home market becomes an oligopolist
- (D) देशी बाजार में शुद्ध प्रतियोगी फर्म एकाधिकारी बन जाती है।
a purely competitive firm in the home market becomes a monopolist

उत्तर- (A) व्याख्या अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का साध्य (या व्यवहार्य) प्रभाव यह है कि देशी बाजार का एकाधिकार विश्व बाजार में अल्पाधिकार बन जाता है। क्योंकि वैश्विक स्तर पर समान तथा विभेदित किन्तु निकट प्रतिस्थापन वस्तुओं को उत्पादन करने वाली मात्र एक फर्म नहीं होती बल्कि एक से अधिक होती है किन्तु इनकी संख्या सीमित होती है।

40. यूरोपियन संघ ने निम्नलिखित को छोड़ कर सब कुछ प्राप्त कर लिया है :

The European Union has achieved all of the following, except

- (A) सदस्य राष्ट्रों के लिये सर्वसामान्य राजकोषीय नीति को अपनाया है।
adopted a common fiscal policy for member nations
- (B) कृषि कीमत सहायता की सर्वसामान्य प्रणाली स्थापित की।
established a common system of agricultural price supports
- (C) अपने सदस्य राष्ट्रों के बीच प्रशुल्कों को समाप्त किया।
disbanded all tariffs between its member countries
- (D) गैर-सदस्यों से आयातित उत्पादों पर सर्वसामान्य प्रशुल्क लगाए।
levied common tariffs on products imported from nonmembers

उत्तर- (A) व्याख्या यूरोपीय संघ 27 देशों (ब्रिटेन के बाहर होने के बाद) का एक आर्थिक एवं राजनैतिक संघ है। इनमें से 19 देशों यूरोपीय संघ की मुद्रा 'यूरो' को आधिकारिक मुद्रा के रूप में स्वीकार्य करते हैं। EU ने internal single market विकसित किया है। जो नियमों के तहत संचालित होता है।

EU की स्थापना का प्रारम्भ 1952 में European Coal and Steel Community (ECSC), जिसकी स्थापना Treaty of Paris के द्वारा हुई, से प्रारम्भ हुआ तथा पूर्ण रूप से EU की स्थापना 'The Maastricht Treaty - 1992 (also called Treaty of European Union) से हुई।

वर्तमान में यूरोपीय संघ ने कृषि कीमत प्रणाली की सर्वमान प्रणाली स्थापित की है तथा अपने सदस्य राष्ट्रों के बीच प्रशुल्क समाप्त एवं गैर-सदस्यों से आयातित उत्पादों पर सर्वमान्य प्रशुल्क की व्यवस्था की है। किन्तु सदस्य राष्ट्रों के लिए सर्वमान राजकोषीय नीति को नहीं अपनाया गया है।

41. विदेशी व्यापार अंचल (एफ. टी. जैड.) क्या है?

A Foreign Trade Zone (FTZ) is

- (A) प्रादेशिक क्षेत्र जिसमें विदेशी राष्ट्रों के साथ व्यापार की अनुमति है।
a regional area within which trade with foreign nations is allowed
- (B) कई राष्ट्रों के बीच स्वतन्त्र व्यापार समझौता
a free trade agreement among several nations
- (C) मध्यवर्ती आगतों (इनपुट्स) पर आयात शुल्कों को आस्थगित और यदि अन्तिम उत्पाद देशी बाजार में बेचने के बजाय पुनः निर्यात किया जाता है तो ऐसे आयात शुल्क टाल कर, निर्यातों को बढ़ावा देने हेतु बनाया गया।
designed to promote exports by deferring import duties on intermediate inputs and waving such duties if the final product is re-exported rather than sold domestically
- (D) अंचल के अन्दर बनाई वस्तुओं पर आयात कर लगा कर विनिर्मित वस्तुओं के निर्यात को सीमित करने के लिये बनाया गया।
designed to limit exports of manufactured goods by placing import taxes on goods made within the zone

उत्तर- (C) व्याख्या विदेशी व्यापार अंचल (F.T.Z) मध्यवर्ती आगतों (Inputs) पर आयात शुल्कों को आस्थगित और यदि अन्तिम उत्पाद देशी बाजार में बेचने के बजाय पुनः निर्यात किया जाता है तो ऐसे आयात शुल्क टाल कर निर्यातों को बढ़ावा देने हेतु बनाया जाता है।

मुक्त व्यापार क्षेत्र अथवा विदेशी व्यापार अंचल, Special Economic Zone का एक हिस्सा है। यह एक भौगोलिक क्षेत्र होता है जहाँ वस्तुओं का आयात किया जाता है, संरक्षण किया जाता है, उन्हे विनिर्मित करके तथा आयातित वस्तु में मूल्य वृद्धि करके उन्हे पुनः निर्यात किया जाता है। ऐसे में आयात शुल्कों में छूट देकर निर्यातों को बढ़ावा दिया जाता है। इनकी स्थापना प्रमुख बंदरगाहों, अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डों आदि में की जाती है। विश्व बैंक के अनुसार मुक्त व्यापार क्षेत्र शुल्क रहित क्षेत्र है जो warehousing, storage तथा वितरण की सुविधा व्यापार के लिए प्रदान करते हैं तथा आयातित उत्पादों को निर्यातों में बदलते हैं। ये मुख्य रूप से आयातों का मूल्यवर्द्धन करते हैं।

42. निम्नलिखित के बीच सही सम्बन्ध दर्शाने वाला सूत्र बताइये:

The formula that shows the correct relationship between

I. उच्च शक्ति मुद्रा की आपूर्ति (H)

The supply of high powered money (H)

II. करेन्सी (C)

The currency (C)

III. मुद्रा आपूर्ति (M)

The money supply (M)

IV. अपेक्षित आरक्षितियाँ (RR)

Required Reserves (RR)

V. अतिरिक्त आरक्षितियाँ (ER)

Excess Reserves (ER)

VI. माँग निक्षेप (D)

Demand deposits (D), is

कूट / Codes :

$$(A) \frac{M}{H} = \frac{D+C}{C+RR+ER}$$

$$(B) \frac{H}{M} = \frac{D+C}{C+RR+ER}$$

$$(C) \frac{H}{D+C} = \frac{C+RR+ER}{H}$$

$$(D) \frac{H}{M} = \frac{C+RR+ER}{D}$$

उत्तर- (A) व्याख्या $\frac{M}{H} = \frac{D+C}{C+RR+ER}$

प्रारक्षित (Reserve Money) Mo या उच्च शक्ति मुद्रा चक्रवर्ती समिति के अनुसार प्रारक्षित मुद्रा, अत्याधिक शक्तिमान मुद्रा, आधार मुद्रा (Base money), प्राथमिक मुद्रा के रूप में जानी जाती है। बैंकिंग क्षेत्र में साख सृजन की शक्ति इसी मुद्रा पर निर्भर करती है। प्रारक्षित मुद्रा या उच्च शक्ति मुद्रा (H) जिसे रेडडी कमेटी Mo से व्यक्त करती है, से आशय RBI के निवल मौद्रिक दायित्व से है। अन्य शब्दों में उच्च स्तरीय मुद्रा वह राशि है जो व्यापारिक बैंकों के पास आरक्षितियों और जनता के पास करेन्सी (नोटों तथा सिक्कों) के रूप में विद्यमान है। उच्च स्तरीय मुद्रा बैंक जमाओं के विस्तार व मुद्रा पूर्ति के निर्माण का आधार है।

H (उच्च स्तरीय मुद्रा) = C + RR + ER

जहाँ C = करेन्सी

RR = आवश्यक रिजर्व

ER = अतिरिक्त रिजर्व

किसी व्यापारिक बैंक के आवश्यक रिजर्व उसकी सीमाओं पर निर्भर होते हैं जो वैधानिक रूप से बैंक को रखने पड़ते हैं।

मुद्रा पूर्ति (M) के अन्तर्गत व्यापारिक बैंकों की जमा (D) और जनता की धारित करेन्सी (C) सम्मिलित है। इस प्रकार मुद्रा की पूर्ति

$$M = D + C \dots\dots\dots (i)$$

$$H = C + RR + ER \dots\dots\dots (ii)$$

M तथा H के बीच अनुपात को H से M के अनुपात में व्यक्त किया जाता है। इसलिए Eq - (i) व (ii) से -

$$\frac{M}{H} = \frac{D+C}{C+RR+ER} \dots\dots\dots (iii)$$

समीकरण (iii) M तथा H के बीच अनुपात को दर्शाता है।

यहाँ H = उच्च शक्ति मुद्रा की आपूर्ति

C = करेन्सी

M = मुद्रा आपूर्ति

RR = अपेक्षित आरक्षितियाँ

ER = अतिरिक्त आरक्षितियाँ

D = मांग निक्षेप
समीकरण (iii) से

$$\frac{M}{H} = \frac{\frac{D}{D} + \frac{C}{D}}{\frac{C}{D} + \frac{RR}{D} + \frac{ER}{D}} \text{ अंश व हर में से भाग देने पर}$$

$$\text{or } \frac{M}{H} = \frac{1 + C/D}{\frac{C}{D} + \frac{RR}{D} + \frac{ER}{D}} \left\{ \begin{array}{l} RRr = RR / D \\ ERr = ER / D \\ Cr = C / D \end{array} \right\}$$

$$\frac{M}{H} = \frac{1 + Cr}{Cr + RRr + ERr}$$

$$\text{or } H = \frac{Cr + RRr + ERr}{1 + Cr} \times M$$

मुद्रा आपूर्ति = M = $\frac{1 + Cr}{Cr + RRr + ERr} \times H$

43. 'मध्यवर्ती आश्रय के ऋणदाता' के रूप में निम्नलिखित में से कौन कार्यवाही करेगा ?

Which of the following will act as the 'lender of intermediate resort'?

- (A) आर. बी. आई / R B I
(B) नाबार्ड / NABARD
(C) एस. बी. आई. / S B I
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (C) / व्याख्या / SBI सभी बैंकों में भारतीय स्टेट बैंक को 'मध्यवर्ती आश्रय का ऋणदाता' के रूप में जाना जाता है। ऐसा इसके वृहद स्वरूप के कारण है। बैंकों के बीच SBI अपनी विकट तरल स्थिति (Formidable liquid position) के कारण हमेशा बाजार में ऋणदातों को over night money (call money market) प्रदान करता है। अन्य बैंक अपनी परिसम्पत्तियों तथा दायित्वों (asset and liabilities) में असन्तुलन होने पर SBI से तरलता प्राप्त करते हैं जब SBI से प्राप्त नहीं होती तब अन्तिम आश्रय दाता RBI के पास जाते हैं।

44. गुरले एवं शाँ के अनुसार, करेन्सी के विभिन्न स्थानापन्नों और वाणिज्यिक बैंक माँग निक्षेपों को निम्नलिखित में से किसके अनुसार भिन्न भार निर्दिष्ट करने चाहिए ?

According to Gurley and shaw, the various substitutes of currency and commercial bank demand deposits should be assigned different weights according to

- (A) प्रतिस्थापन की उनकी कोटि
their degree of replacement
(B) उनकी प्रतिस्थापिता की कोटि
their degree of substitutability
(C) मुद्रा बाजार में उनका हिस्सा
their share in the money market
(D) मुद्रा आपूर्ति में उनका हिस्सा
their share in money supply

उत्तर- (B) / व्याख्या / गलें एवं शाँ के अनुसार करेन्सी के विभिन्न स्थानापन्नों और वाणिज्यिक बैंक माँग निक्षेपों को उनकी प्रतिस्थापिता की कोटि के अनुसार भिन्न भार निर्दिष्ट करने चाहिए।

मुद्रा का तरलता सिद्धान्त मौद्रिक नीति की नूतन धारणा है जिसे गुलें एवं शाँ तथा रेडक्लिफ रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया। यह सिद्धान्त आर्थिक क्रिया और समस्त माँग को प्रभावित करने में तरलता परिसम्पत्तियों की भूमिका को उजागर करता है। व्यापक अर्थ में तरलता का अर्थ मुद्रावाद है। तरलता में परिसम्पत्ति को मुद्रा में कम लागत पर आसानी से बदलने का गुण होता है। तरल परिसम्पत्ति वह है जो सरलता से व्यय योग्य, हस्तान्तरणीय हो और जिसमें पूँजी निश्चितता हो।

45. अभिकथन (A): प्राथमिक वित्तीय बाजार नूतन वित्तीय दावों में लेनदेन करते हैं।

Assertion (A) : Primary financial markets deals in new financial claims.

कारण (R) : यह बचतों को गतिशील करते हैं और व्यावसायिक इकाइयों को नई पूँजी की आपूर्ति करते हैं।

Reason (R) : It mobilises savings and supplies new capital to the business units.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is not a correct explanation of (A).

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) मिथ्या है।
(A) is true, but (R) is false.

(D) (A) मिथ्या है, परन्तु (R) सत्य है।
(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (A) / व्याख्या / वित्तीय बाजार वह बाजार है जिसमें वित्तीय प्रपत्र खरीदे तथा बेचे जाते हैं। वित्तीय बाजार के तीन प्रमुख अंग हैं:

1. पूँजी बाजार तथा प्रतिभूति बाजार

- प्राइमरी पूँजी बाजार
- द्वितीयक पूँजी बाजार

2. मुद्रा बाजार

3. ऋण बाजार

पूँजी बाजार एक व्यापक धारणा है जिसमें प्राथमिक बाजार, द्वितीयक बाजार, दीर्घकालिक ऋण संस्थाएँ आदि शामिल होते हैं। पूँजी बाजार वित्तीय बाजार का प्रमुख अंग है। यह दीर्घकालीन फण्ड का बाजार है। जिसमें इक्विटी (अंशपत्रों) तथा ऋण (Debt) के माध्यम से पूँजी की उगाही की जाती है। पूँजी बाजार का प्रमुख कार्य क्षेत्र उन क्षेत्रों से जहाँ बचत आधिक्य है, बचतों को निकालकर उन क्षेत्रों तक पहुँचाना है जिसमें बचतों की माँग है। पूँजी बाजार को दो भागों में बाँटा जाता है

प्राथमिक पूँजी बाजार: प्राथमिक बाजार नये निर्गमनों (New issue) का बाजार है। यह पूँजी बाजार का वह अंग है जिसमें सभी प्रतिभूतियाँ पहली बार बाजार में बिकने के लिए आती हैं। इसमें कम्पनी द्वारा निर्गत वित्तीय प्रपत्र जैसे शेयर, डिबेन्चर, पब्लिक द्वारा प्रत्यक्ष रूप से निर्गत करने वाली कम्पनी द्वारा क्रय किए जाते हैं।

46. उपान्तिक आवश्यकता (मार्जिन रिक्वायरमेंट) का मौद्रिक नीति के किस लिखत के अंतर्गत ब्यौरा दिया गया है?

Margin requirement specified under which instruments of monetary policy?

- (A) परिवर्तनीय रिज़र्व आवश्यकता
Variable reserve requirement
(B) सांविधिक चलनिधि आवश्यकता
Statutory Liquidity requirement
(C) चयनात्मक ऋण नियन्त्रण
Selective Credit Controls
(D) खुला बाजार कार्रवाईयाँ
Open Market Operations

उत्तर- (C)/व्याख्या उपान्तिक आवश्यकता (Margin Requirement) का मौद्रिक नीति के चयनात्मक ऋण नियन्त्रण लिखत के अंतर्गत ब्यौरा दिया गया है।

धारा - 21 बैंकिंग नियमन अधिनियम, 1949 के धारा 21 अनुसार चयनात्मक साख नियंत्रण के तरीके वे तरीके हैं जो साख की मात्रा या परिमाण को नहीं बल्कि उसके प्रवाह को अधिक महत्वपूर्ण ढंग से नियंत्रित करते हैं। इसका प्रमुख उद्देश्य व्यापारिक बैंको द्वारा अवांछित आर्थिक क्रियाओं के लिए साख देने पर रोक लगाना या उन्हें हतोत्साहित करना है।

रिजर्व बैंक प्रमुख रूप से इन चयनात्मक विधियों का प्रयोग करता है:

- मार्जिन : कुछ विशिष्ट प्रतिभूतियों की आड़ में ऋण देने के सम्बन्ध में न्यूनतम सीमा या मार्जिन तय करना। मार्जिन का अर्थ यह है कि निर्धारित मार्जिन तक ऋण नहीं दिया जाएगा। इस प्रकार यदि तिलहन के सम्बन्ध में मार्जिन 40% रहे तो इसका मतलब यह है कि तिलहन के ₹100 के स्टॉक पर ₹60 ही ऋण प्राप्त होगा। RBI ने चयनात्मक विधि का प्रथम प्रयोग मई 1956 में बैंको के बहुत अधिक मात्रा में बढ़ते हुए अग्रिमों के संदर्भ में किया।
- उच्चतम सीमा या साख मापदण्ड का निर्धारण
- विभेदक ब्याज दरें।
- नैतिक दबाव
- प्रत्यक्ष कार्यवाही
- साख की राशनिंग

47. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अनुसार, कितनी निवेश राशि वाले उद्यमों को मध्यम उद्यमों के रूप में परिभाषित किया जाता है?

As per Micro, Small and medium Enterprise Development Act, 2006, Medium Enterprises are defined as those with investments :

- (A) < 25 लाख (B) 25 लाख से 5 करोड़
(C) 5 करोड़ से 10 करोड़ (D) > 10 करोड़

उत्तर- (C)/व्याख्या 1 जुलाई 2020 से सूक्ष्म लघु और मध्यम विकास अधिनियम - 2006 के अंतर्गत MSMEs, की नयी परिभाषा प्रभावी है इसमें विनिर्माण तथा सेवा उद्यम के अन्तर को समाप्त कर दिया गया है तथा परिभाषा का मानक निवेश सीमा के साथ टर्नओवर सीमा को रखा गया है।

वर्गीकरण	Micro-सूक्ष्म	Small-लघु	Medium-मध्यम
विनिर्माण एवं सेवा	1 करोड़ तक निवेश व 5 करोड़ तक टर्नओवर	1 से 10 करोड़ तक निवेश व 50 करोड़ तक टर्नओवर	10 से 20 करोड़ तक निवेश व 100 करोड़ टर्नओवर

48. औद्योगिक अवस्थिति का सिद्धान्त किसके नाम के साथ सम्बन्धित है?

Theory of Industrial Location is associated with the names of

- लॉश / Losch
- वेबर / Weber
- क्रिस्टॉलर / Christaller
- लर्नर / Lerner

कूट / Codes :

- (A) I और II (B) केवल I
(C) I, II और III (D) I, II, III और IV

उत्तर- (C)/व्याख्या लॉश, वेबर एवं क्रिस्टॉलर औद्योगिक अवस्थिति के सिद्धान्त से सम्बन्धित हैं।

औद्योगिक अवस्थिति (Industrial location) का सिद्धान्त आगंतों व निर्गतों की विभिन्न लागतों पर केन्द्रित है। इसे औद्योगिक स्थिति का क्लासिकल प्रारूप भी कहा जाता है।

● पहली बार वेबर (1928) और बाद में होवर (1948), लॉश तथा क्रिस्टॉलर ने इस सिद्धान्त में अपना योगदान दिया।

● एडम स्मिथ ने स्थानीयकरण का उल्लेख भौगोलिक श्रम विभाजन के रूप में श्रम विभाजन के अन्तर्गत किया। औद्योगिक स्थानीयकरण के सिद्धान्त का विकास मुख्य रूप से अल्फ्रेड बेबर ने किया। बेबर द्वारा यह ज्ञात किया गया कि लागत के कुछ मूल तत्व अलग-अलग स्थानों पर समान नहीं होते जैसे- श्रमिकों की मजदूरी, यातायात की लागत, कच्चे माल की उपलब्धता इत्यादि।

दूसरी तरफ लागत के कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो सभी स्थानों पर लगभग समान होते हैं जैसे पूँजी पर ब्याज मशीनों का ह्रास आदि। वेबर के अनुसार प्रथम वर्ग के लागत तत्वों का ही उद्योगों के स्थानीयकरण पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ा। इस तरह लागत विश्लेषण के आधार पर वेबर ने स्थानीयकरण के कारणों को 2 वर्गों में विभक्त किया।

प्रथम वर्ग: प्रमुख कारण - प्रमुख कारणों को क्षेत्रीय कारण कहा

द्वितीय वर्ग: सहायक कारण

सहायक कारणों के संदर्भ में उन्होंने दो प्रवृत्तियों का उल्लेख किया।

(i) केन्द्रीयकरण की प्रवृत्तियाँ

(ii) विकेन्द्रीकरण की प्रवृत्तियाँ

वेबर का औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत -

वेबर ने अपने औद्योगिक अवस्थिति सिद्धांत में उद्योगों की स्थापना के संबंध में श्रम लागतों के प्रभाव की भी विवेचना की है। वेबर ने यह माना था कि उस दशा में उद्योगों की स्थापना श्रम लागत के बिंदु पर होगी, जब श्रम लागत की बचत दर परिवहन लागत की बचत दर से अधिक हो। उन्होंने श्रम लागत प्रभाव को सस्ते श्रम केंद्र पर कच्चे माल के परिवहन की अतिरिक्त लागत के बिंदुओं को जोड़ने वाली रेखा (आइसोटाइम्स) के माध्यम से समझाने का प्रयास किया। वेबर ने यद्यपि अपने मॉडल में उद्योगों की स्थापना के संदर्भ में श्रम लागत प्रभाव की महत्ता को स्पष्ट किया परंतु फिर भी उसका सर्वाधिक शुकाव परिवहन लागत के बिंदु पर रहा जो उसके मॉडल की आलोचना का कारण भी था।

ऑगस्ट लॉश का लाभ अधिकतमकरण सिद्धांत -

जर्मन अर्थशास्त्री ऑगस्ट लॉश ने 1954 में लाभ अधिकतमकरण का अपना सिद्धांत प्रकाशित किया जिसमें उन्होंने वेबर के न्यूनतम लागत स्थान सिद्धान्त को पूरी तरह से खारिज कर दिया था। उन्होंने सुझाव दिया कि, 'लाभ अधिकतमकरण' उद्यमी का एकमात्र उद्देश्य है। अतः उद्योग का प्रमुख उद्देश्य उस स्थान का पता लगाना है जहाँ अधिकतम लाभ होता है। वेबर के विपरीत, लॉश ने एकाधिकार प्रतियोगिता के वातावरण के भीतर अपने सिद्धांत की व्याख्या की।

क्रिस्टालर का केंद्रीय स्थान सिद्धांत - वाल्टर क्रिस्टालर नामक भूगोलवेत्ता ने भूगोल में मॉडल विकास के तहत सेवा केंद्र के विकास से संबंधित केंद्रीय स्थान सिद्धांत (Central Place Theory) का प्रतिपादन किया। क्रिस्टालर के केंद्रीय स्थान सिद्धांत में यह माना गया कि किसी भी प्रदेश में विकास की प्रक्रिया को तीव्र करने के लिए सेवा केंद्र का विकास किया जाना आवश्यक है। ऐसा सेवा केंद्र जो किसी भी प्रदेश में केंद्रीय स्थान रखता हो उसे केंद्रीय स्थान (Central Place) कहा गया। केंद्रीय स्थान एक सेवा केंद्र होता है जो स्वयं अपने से छोटे सेवा केन्द्रों को सेवा प्रदान करता है क्रिस्टालर के केंद्रीय स्थान सिद्धांत के अनुसार केंद्रीय स्थान किसी प्रदेश का सबसे प्रभावशाली केंद्र होता है इस पर संपूर्ण प्रदेश विभिन्न सेवाओं के लिए निर्भर होता है।

49. औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति से सम्बन्धित समितियाँ हैं

The committees related to industrial licensing policy are

I. अर्जुन सेनगुप्ता समिति / Arjun Sengupta committee

II. डी. जी. कर्वे समिति / D. G. Karve Committee

III. सुबिमल दत्त समिति / Subimal Dutt Committee

IV. आर. के. हजारी समिति / R. K. Hazari Committee

कूट / Codes :

(A) I और II

(B) II और III

(C) III और IV

(D) I, II और III

उत्तर- (C) व्याख्या औद्योगिक (विकास एवं नियमन) अधिनियम

1951, 1948 की औद्योगिक नीति के क्रियान्वयन के लिए पारित किया गया जो 8 मई 1952 से लागू हुआ। इस अधिनियम की इस व्यवस्था के कारण कि कोई भी नयी औद्योगिक इकाई न तो खोली जा सकती है और न ही उसमें भारी विस्तार किया जा सकता है जब तक केन्द्रीय सरकार से लाइसेंस प्राप्त न हो जाए। औद्योगिक लाइसेंसिंग नीति की शुरुआत इसी के साथ हुई।

• लाइसेंसिंग नीति की समीक्षा के लिए **आर०के० हजारी** की अध्यक्षता में **Industrial licencing and licenncing Policy Commission 1965** गठित हुआ। इसने 1967 में रिपोर्ट दी।

• जुलाई 1967 में **लाइसेंसिंग** के ही सम्बन्ध में **सुबिमल दत्त समिति** जिसे **Industrial licencing Policy and enquiry committee** के नाम से जाना जाता है की नियुक्ति हुई। दत्त समिति ने ही **संयुक्त क्षेत्र** (Joint Sector) की धारणा को प्रस्तुत किया।

• MRTP Act के०सी० दासगुप्ता का एकाधिकारी जाँच आयोग 1964 की संस्तुति पर MRTP Act -1969 (1970 से प्रभावी) लागू हुआ।

50. किस औद्योगिक नीति प्रस्ताव ने सार्वजनिक क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था में सामरिक महत्त्व की भूमिका दी है?

Which Industrial Policy Resolution gave the public sector a strategic role in the Indian Economy ?

(A) 1948 के

(B) 1956 के

(C) 1977 के

(D) 1980 के

उत्तर- (B) व्याख्या 30 अप्रैल 1956 को भारत में द्वितीय औद्योगिक

नीति का प्रस्ताव लाया गया। इस औद्योगिक नीति के प्रस्ताव में सार्वजनिक क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था में सामरिक महत्त्व की भूमिका दी गई। यह औद्योगिक नीति देश में औद्योगिक संरचना का आधार माना जाता है। इसे देश के आर्थिक संविधान के रूप में भी जाना जाता है।

1956 की नीति में उद्योगों को तीन वर्गों में विभाजित किया गया।

प्रथम अनुसूची (अ) : 17 ऐसे उद्योग जिनके विकास की सम्पूर्ण जिम्मेदारी सरकार की होगी।

द्वितीय अनुसूची में 12 उद्योग रखे गये जो धीरे-धीरे सरकार के स्वामित्व में आ जायेंगे। इस श्रेणी के नये उद्योग सरकार खोलेगी।

तृतीय अनुसूची: इसमें उन सभी उद्योगों को रखा गया जो (अ) में नहीं थे तथा इनको निजी क्षेत्र के लिए छोड़ दिया गया।

51. दसवीं योजना अवधि के दौरान औसत औद्योगिक संवृद्धि दर थी

Average industrial growth rate during Tenth Plan period was

(A) 5.3%

(B) 8.8%

(C) 10.2%

(D) 15.3%

उत्तर- (B) व्याख्या 8.8%

दसवीं योजना के दौरान औसत संवृद्धि दर 8.8% रही। इस योजना की समयावधि 2002 से 2007 तक थी जिसमें 8% आर्थिक वृद्धि दर का लक्ष्य रखा गया। यह योजना अधिक व्यापक आगत निर्गत मॉडल पर आधारित थी जिसमें सर्वाधिक बल कृषि पर दिया गया तथा सर्वाधिक आवंटन (व्यय) ऊर्जा पर था।

11 वीं योजना (2007-2012): लक्षित विकास दर 9% वार्षिक प्राप्त दर 7.8% रही।

12 वीं योजना: लक्षित विकास दर 8% औसत विकास दर 6.7%

52. पर्यावरणीय अर्थशास्त्र की प्रकृति के बारे में सही विकल्पों का सुझाव दें :

Suggest the correct choices about the nature of the Environmental Economics :

I. लोक वित्त के अंतर्गत लोक वस्तुओं के जैसी ही बाजार असफलता की प्रकृति होती है।

Nature of market failure is similar to public goods under public finance.

II. भुगतान की इच्छाशक्ति नकारात्मक हो सकती है।

Willingness to pay can be negative.

III. यह उन मदों से सम्बन्ध रखता है, जिनका उपयोग नहीं किया जाता है।

It deals for items which are not used.

IV. यह उन मदों से सम्बन्ध रखता है, जिनका उपयोग किया जाता है।

It deals for items which are used.

कूट / Codes :

(A) I, II, III और IV (B) I, II और III

(C) II, III और IV (D) II और IV

उत्तर- (C) व्याख्या पर्यावरणीय अर्थशास्त्र की प्रकृति होती है:

(ii) भुगतान की इच्छाशक्ति नकारात्मक हो सकती है।

(iii) यह उन मदों से सम्बन्ध रखता है जिनका उपयोग नहीं किया जाता है।

(iv) यह उन मदों से सम्बन्ध रखता है जिनका उपयोग किया जाता है। पर्यावरणीय अर्थशास्त्र, अर्थशास्त्र का ऐसा क्षेत्र है जो पर्यावरणीय नीतियों के वित्तीय प्रभावों का अध्ययन करता है। इसमें पर्यावरण के अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले सैद्धान्तिक तथा व्यवहारात्मक प्रभाव को देखा जाता है।

53. प्रदूषण या अच्छे वातावरण जैसे कि पार्क और दृश्यात्मक सौन्दर्य के कारण घर (मकान) की कीमत में परिवर्तन का आकलन करने हेतु निम्नलिखित में से किस पद्धति का उपयोग किया जायेगा?

Which of the following methods would be used for estimation of price change of a house due to either pollution or good environment like existence of park and scenic beauty?

(A) सुखवाद पद्धति

Hedonic Method

(B) आपात्तिक मूल्यांकन पद्धति

Contingent Valuation method

(C) बाह्यीकरण प्रभाव

Externality Effects

(D) उपर्युक्त सभी

All of the above

उत्तर- (A) व्याख्या प्रदूषण या अच्छे वातावरण जैसे कि पार्क और दृश्यात्मक सौन्दर्य के कारण घर (मकान) की कीमत में परिवर्तन का आकलन करने हेतु सुखवाद पद्धति का प्रयोग किया जाता है।

सुखवाद पद्धति गैर बाजारीकृत पर्यावरणीय मूल्यांकन विधि की अप्रत्यक्ष विधि है। Hedonic Price Approach के आधार पर पर्यावरण की गैर बाजारीकृत विशेषताओं के लाभ जैसे प्रदूषण, पर्यावरणीय वस्तुओं व सेवाओं आदि के मूल्यों को बाजार कीमत के आधार पर ज्ञात किया जाता है। गैर बाजारीकृत विशेषताओं में ऐसी सुविधाओं को रखा जाता है जो मानव अपने आराम के लिए प्रयोग में लाता है।

54. जीवन सारिणी में निम्नलिखित में से कौन-सा उपयुक्त नहीं बैठेगा?

In a life table which of the following does not fit ?

(A) जीवन सारिणी में आठ स्तम्भ होते हैं।

there are eight columns in a life table.

(B) यह आयु-विशिष्ट मृत्यु दर बताती है।

It tells the age-specific mortality rate.

(C) आयु-विशिष्ट जन्म दर जीवन सारिणी से निकाली जा सकती है।

Age-specific birth rate can be derived from a life table.

(D) आयु-विशिष्ट जीवन प्रत्याशा का आकलन किया जा सकता है।

Age-specific life expectancy can be estimated

उत्तर- (C) व्याख्या जीवन सारिणी (तालिका) से आयु-विशिष्ट जन्म दर जीवन सारिणी से निकाली जा सकती है।

जीवन तालिका एक ऐसी तालिका है जिसके अंतर्गत विभिन्न आयु वर्ग के व्यक्तियों की औसत आयु तथा उनकी मृत्यु की सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला जाता है। इसे एक समय पर पैदा हुई 1,00,000 परिकल्पित जनसंख्या को जीवन अवधि मृत्युकता (life time mortality) को व्यक्त करने के लिए किया जाता है जबकि शुरूआती जीवन प्रत्याशा ज्ञात हो। जीवन तालिका का निर्माण पुरुषों तथा महिलाओं के लिए अलग-अलग किया जाता है क्योंकि दोनों के सम्बन्ध में मृत्यु की सम्भावना में अन्तर होता है। इसका बहुतायत से प्रयोग जीवन बीमा कम्पनियों द्वारा किया जाता है। जनसंख्या प्रक्षेपण में भी जीवन तालिका विधि सहायक होती है।

55. जनसंख्या का इष्टतम सिद्धांत निम्नलिखित में से किसके बीच सम्बन्ध बतलाता है ?

Optimum theory of population tells about relationship between

(A) जनसंख्या और खाद्य आपूर्ति

Population and food supply

(B) जनसंख्या और सम्पूर्ण संसाधन

Population and overall resources

(C) आश्रित जनसंख्या और कार्यशील जनसंख्या

Dependent population and working population

(D) वर्तमान जनसंख्या और जनसंख्या की वृद्धि दर

Present population and growth rate of population

उत्तर- (B) व्याख्या जनसंख्या का इष्टतम सिद्धांत जनसंख्या और सम्पूर्ण संसाधन के बीच सम्बन्ध बतलाता है।

अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धान्त प्रतिव्यक्ति राष्ट्रीय आय या अधिकतम कल्याण के सापेक्ष इष्टतम जनसंख्या के स्तर से सम्बन्धित है। इसका प्रथम उल्लेख एडवर्ड वेस्ट (1815) ने किया पर विकसित हेनरी सिजविक ने किया।

सर्वप्रथम अनुकूलतम शब्द का प्रयोग एंडविन कैनेन ने किया। अनुकूलतम जनसंख्या सिद्धान्त कैनेन के नाम से ही जाना जाता है। अनुकूलतम जनसंख्या वह होगी जिस पर प्रतिव्यक्ति राष्ट्रीय आय अधिकतम हो। यह जनसंख्या के धनात्मक पहलू पर विचार करता है।

डाल्टन के अनुसार “अनुकूलतम जनसंख्या” वह होती है जो प्रति व्यक्ति अधिकतम आय प्रदान करती है। डाल्टन ने इसे मापने का एक सूत्र दिया- $M = \frac{A-O}{O} \rightarrow$ जहाँ M = समायोजन अभाव की मात्रा

A = वास्तविक जनसंख्या

O = अनुकूलतम जनसंख्या

56. ‘जनसंख्या तटस्थतावाद’ का क्या अभिप्राय है?

What is meant by 'population neutralism'?

(A) आर्थिक संवृद्धि पर जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव नगण्य होता है।

Impact of population growth on economic growth is negligible,

(B) जनसंख्या की वृद्धि की दर स्थिर जनसंख्या के आगे-पीछे रहती है।

Growth rate of population is hovering around stationary population.

(C) खाद्य आपूर्ति पर जनसंख्या में वृद्धि का असर निष्प्रभावी रहता है।

Impact of population growth on food supply is neutral.

(D) जनसंख्या वृद्धि के कारण, आयु संरचना में परिवर्तन लगभग तटस्थ रहता है।

Due to population growth, change in age structure is almost neutral.

उत्तर- (A) व्याख्या जनसंख्या तटस्थतावाद उदासीनीकरण के दृष्टिकोण पर आधारित है अर्थात् एक ऐसा दृष्टिकोण जो कि जनसंख्या वृद्धि तथा आर्थिक प्रदर्शन के बीच लिंक के समानुपातिक विश्लेषण पर आधारित हो। इस दृष्टिकोण के अनुसार आर्थिक विकास पर जनसंख्या वृद्धि का प्रभाव नगण्य है।

57. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, प्रो. पी. आर. ब्रह्मानंद द्वारा व्याख्यायित मजदूरी-वस्तु मॉडल का सार क्या है?

What is the essence of wage goods model explained by professor P. R. Brahmananda in the Indian economy context?

(A) यह कृषि में निम्न मजदूरी दर के बारे में बताता है।

It tells about low wage rate in the agriculture.

(B) यह अर्थव्यवस्था में श्रम के लिये निम्न मजदूरी दर के बारे में कहता है।

It tells about low wage rate for labour in the economy.

(C) यह कृषि से उद्योग में श्रम के जाने की बात कहता है।

It tells about shift of labour from agriculture to industry.

(D) यह मजदूरी की दर और अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर पर खाद्य पदार्थों की कमी के प्रभाव के बारे में बताता है।

It tells about the impact of the shortage of food items on the wage rate and growth rate of the economy.

उत्तर- (D) व्याख्या भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में प्रो. पी. आर. ब्रह्मानंद एवं सी.एन. वकील द्वारा व्याख्यायित मजदूरी वस्तु मॉडल मजदूरी की दर और अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर पर खाद्य पदार्थों की कमी के प्रभाव के बारे में बताता है।

प्रोफेसर वकील और ब्रह्मानंद ने महालनबिस योजना के विपरीत विकासशील देशों के संदर्भ में आय और रोजगार के विकास के लिए एक मॉडल का प्रस्ताव रखा, जिसके अनुसार गरीबी को दूर करने और आर्थिक विकास में वृद्धि के लिए केवल पूंजी स्टॉक ही पर्याप्त नहीं है। इसके लिए Wage-Goods gap को खत्म करना होगा।

वे कृषि पर विशेष बल देते थे। इसलिए निवेश कार्यक्रम में कृषि और अन्य मजदूरी अच्छे संगठनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस तरह बेरोजगारी को कम किया जा सकता है और विशेष रूप से प्रच्छन्न बेरोजगारी, जो भारत जैसे देश में बढ़ी है।

58. सूची - I में दिये उच्चतम फसल पैदावार वाले राज्यों को सूची - II के साथ मिलान करें :

Match the highest crop production states given in List - I with List - II from the given code :

सूची - I (राज्य) (States)	सूची - II (उच्चतम फसल पैदावार) (Highest crop production)
a. पश्चिम बंगाल West Bengal	1. कुल मोटा अनाज Total course cereals
b. उत्तर प्रदेश Uttar Pradesh	2. धान Rice
c. महाराष्ट्र Maharashtra	3. आलू Potato
d. गुजरात Gujarat	4. मूँगफली Groundnut

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	2	3	1	4
(B)	3	2	1	4
(C)	4	2	3	1
(D)	1	3	4	2

उत्तर- (A) व्याख्या/ सही सुमेलन है-	
सूची - I	सूची - II
(a) पश्चिम बंगाल	(2) धान
(b) उत्तर प्रदेश	(3) आलू
(c) महाराष्ट्र	(1) कुल मोटा अनाज
(d) गुजरात	(4) मूँगफली

59. न्यूनतम समर्थन कीमत के बारे में, सही संयोजन ज्ञात करें :
About minimum support price, find out the correct combinations :

I. यदि बाजार मूल्य ज्यादा है, तो किसान सरकार को बेचेंगे।

If market price is higher, farmers will sell to the government.

II. यह किसानों की पैदावार के लिये न्यूनतम निश्चित कीमत सुनिश्चित करती है।

It ensures minimum assured price for the produce of the farmers.

III. यह खाद्य सुरक्षा लक्ष्य में सहायता करती है।

It helps in food security mission.

IV. यह किसानों के लिये अत्यन्त लाभदायक है क्योंकि वे अपनी पैदावार पर बड़ा लाभ कमाते हैं।

This is highly rewarding to farmers because they earn huge profits on their produce.

कूट / Codes :

(A) I, II और IV (B) II, III और IV

(C) II और III (D) II और IV

उत्तर- (C) व्याख्या/ न्यूनतम समर्थन कीमत-

II यह किसानों की पैदावार के लिये न्यूनतम निश्चित कीमत सुनिश्चित करती है।

III यह खाद्य सुरक्षा लक्ष्य में सहायता करती है।

न्यूनतम समर्थन मूल्य Minimum Support Price (MSP)- वह मूल्य है जिस पर सरकार किसानों द्वारा बेची जाने वाली अनाज की पूरी मात्रा क्रय करने को तैयार हो। जब अधिक पैदावार के कारण बाजार में अनाजों के मूल्य गिर रहे हो तो सरकार किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीद कर उनके हितों की रक्षा करती है। यह वह न्यूनतम मूल्य है जो किसानों को अपनी फसल के लिए आवश्यक रूप से प्राप्त होगा।

MSP की घोषणा फसल बोने से पूर्व रबी व खरीफ फसलों के लिए अलग-अलग की जाती है। इस प्रकार यह एक बीमा है जिसे सरकार किसानों को उस स्थिति से संरक्षित करने के लिए देती है जब अच्छी फसल तथा अधिक पूर्ति के बाद मूल्य में गिरावट हो। यह कम उत्पादन की स्थिति में अधिक मूल्य वृद्धि को रोककर उपभोक्ताओं के हितों को भी संरक्षित करती है।

60. भारत में हरित क्रान्ति कार्यक्रम प्रारम्भ करने के बाद धान तथा गेहूँ के उत्पादन में वृद्धि के लिये निम्नलिखित में से क्या महत्वपूर्ण रहा है?

Which of the followings have been important in growth of rice and wheat output in India after initiating green revolution programme?

I. फसल संरचना में परिवर्तन

Changes in cropping pattern

II. उन्नत उत्पादकता

Improved yields

III. फसल का बीमा

Crop insurance

IV. फसलों के अंतर्गत क्षेत्रफल में वृद्धि

Increased area under cultivation

कूट / Codes :

(A) II, III और IV

(B) I, II और IV

(C) I, II और III

(D) I, III और IV

उत्तर- (B) व्याख्या/ भारत में हरित क्रान्ति कार्यक्रम प्रारम्भ करने के बाद धान एवं गेहूँ के उत्पादन में वृद्धि के लिये महत्वपूर्ण तथ्य रहे हैं:

I फसल संरचना में परिवर्तन

II उन्नत उत्पादकता

IV फसलों के अंतर्गत क्षेत्रफल में वृद्धि

● भारत में हरित क्रान्ति की शुरुआत 1966 में खरीफ फसल से हुयी। इसका अर्थ यह हुआ कि यह प्रयोग चावल तथा मक्का से प्रारम्भ हुआ। HYVP (उन्नत प्रजातियों के बीज) का प्रयोग मुख्य रूप से 5 फसलों - गेहूँ, धान, ज्वार, बाजरा, मक्का तक सीमित था पर अधिक प्रभाव गेहूँ के सम्बन्ध में देखा गया।

● भारत में हरित क्रान्ति उन्नत बीज, उर्वरक तथा सिंचाई के संयोग का परिणाम थी इसलिए इसे उन्नत बीज, उर्वरक तथा सिंचाई क्रान्ति कहना गलत न होगा।

61. 'हरित खेती' अंतर्ग्रस्त करती है।

'Green agriculture' involves

(A) जैविक खेती और बागवानी पर जोर

organic farming and emphasis on horticulture

(B) बागवानी तथा पुष्पकृषि पर ध्यान केन्द्रित करते समय कीटनाशकों और रासायनिक उर्वरकों से बचना

avoiding pesticides, chemical fertilizers while focussing on horticulture and floriculture

(C) एकीकृत कीट प्रबन्धन, एकीकृत पोषक पदार्थ आपूर्ति और एकीकृत प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन

integrated pest management, integrated nutrient supply and integrated natural resource management

(D) खाद्य फसलों, बागवानी और पुष्पकृषि पर जोर

emphasis on food crops, horticulture and floriculture

उत्तर- (C) व्याख्या/ हरित खेती के अंतर्गत एकीकृत कीट प्रबन्धन, एकीकृत पोषण तत्व प्रबन्धन और एकीकृत संसाधन प्रबन्धन के तहत खेती की जाती है।

- हरित कृषि से आशय एक ऐसी कृषि प्रणाली से है जिसमें संयोजित पेस्ट कंट्रोल प्रबन्धन, फसल के पोषणीय तत्व की आपूर्ति तथा प्राकृतिक संसाधनों के एकीकृत प्रबन्धन का मिश्रण हो।
- हरित कृषि में खनिज उर्वरकों तथा रासायनिक कीटनाशकों के सुरक्षित तथा आवश्यक न्यूनतम प्रयोग की अनुमति रहती है। यह जेनेटिक समायोजन द्वारा विकसित फसल की किस्मों के प्रयोग की भी स्वीकृति देता है।
- प्रतिफल की दृष्टि से आर्गेनिक कृषि की तुलना में हरित कृषि अधिक उपयुक्त है। कृषकों के लिए राष्ट्रीय नीति 2007 में यह कहा गया कि हरित कृषि उत्पादों को प्रोत्साहित किया जायेगा। आर्गेनिक फार्मिंग की ही तरह इनके उत्पादों की स्पष्ट लेबलिंग तथा प्रमापीकरण को प्रोत्साहित किया जायेगा।

62. मान लो औसत लागत फलन :

The average cost function is given as

$AC = \frac{1}{3}x^2 - 10x + 9$ है। उत्पादन के किस स्तर पर औसत लागत सीमान्त लागत के बराबर होगी?

$AC = \frac{1}{3}x^2 - 10x + 9$. The level of output at which average cost is equal to marginal cost is:

- (A) 18 (B) 12
(C) 15 (D) 21

उत्तर- (C) व्याख्या दिया है:

$$AC = \frac{1}{3}x^2 - 10x + 9$$

उत्पादन स्तर क्या होगा जबकि $AC = MC$

$$TC = AC \times x$$

$$= \left(\frac{1}{3}x^2 - 10x + 9 \right) \cdot (x)$$

$$TC = \frac{1}{3}x^3 - 10x^2 + 9x$$

$$MC = \frac{d}{dx}(TC) = \frac{d}{dx} \left(\frac{1}{3}x^3 - 10x^2 + 9x \right)$$

$$= \frac{1}{3} \cdot 3x^2 - 10 \cdot 2x + 9 = x^2 - 20x + 9$$

Since

$$AC = MC$$

$$\therefore \frac{1}{3}x^2 - 10x + 9 = x^2 - 20x + 9$$

$$\Rightarrow -10x + 9 + 20x - 9 = x^2 - \frac{1}{3}x^2$$

$$\Rightarrow 10x = \frac{3x^2 - x^2}{3}$$

$$\Rightarrow 10x = \frac{2}{3}x^2$$

$$\Rightarrow 30x = 2x^2$$

$$\Rightarrow 30 = 2x$$

$$\Rightarrow x = \frac{30}{2} = 15$$

अतः 15 इकाई उत्पादन के स्तर पर औसत लागत व सीमान्त लागत बराबर होगी।

63. यदि माँग और आपूर्ति फलन क्रमशः $P_D = 30 - 5x$ एवं

$P_S = 3x - 10$ हैं, जहाँ x = मात्रा है। तो उपभोक्ता की बचत है :

The demand and supply functions are given as :

$P_D = 30 - 5x$ and $P_S = 3x - 10$ respectively (x = quantity).

The consumer surplus is

- (A) 125 (B) -62.5
(C) 62.5 (D) -125

उत्तर- (C) व्याख्या उपभोक्ता बचत 62.5

यदि माँग फलन $P_D = 30 - 5x$

तथा आपूर्ति फलन $P_S = 3x - 10$ है

तब $P_D = P_S$

$$30 - 5x = 3x - 10$$

$$-5x - 3x = -10 - 30$$

$$+8x = +40$$

$$8x = 40$$

$$x = 40/8$$

$$x = 5$$

यहां x मात्रा है जो 5 है।

$$P_D = 30 - 5x$$

$$= 30 - 5 \times 5$$

$$= 30 - 25$$

$$P_D = 5$$

$$\therefore CS = \int_0^5 f(x) dx - p \times q$$

$$= \int_0^5 (30 - 5x) dx - 5 \times 5$$

$$= \left[30x - \frac{5x^2}{2} \right]_0^5 - 25$$

$x = 5$ का मान रखने पर

$$CS = \left[30 \times 5 - \frac{5(5)^2}{2} \right] - 25$$

$$= \left[150 - \frac{5(25)}{2} \right] - 25$$

$$= \left[150 - \frac{125}{2} \right] - 25$$

$$= (150 - 62.5) - 25$$

$$= 87.5 - 25 = 62.5$$

$$C.S = 62.5$$

64. यदि रेखीय प्रोग्रामन समस्या निम्नलिखित है :

The linear programming problem specified as

$$\text{Max : } Z = 3x_1 + 5x_2 + 10x_3$$

$$\text{बशर्ते/Sub to : } x_1 + x_2 + x_3 \leq 100$$

$$9x_1 + x_2 + 8x_3 \leq 95$$

$$x_1 + 8x_2 + 3x_3 \leq 60$$

$$2x_1 + 7x_2 + x_3 \leq 150$$

और $x_1 \geq 0, x_2 \geq 0$ और $x_3 \geq 0$ तो हल होगा

and $x_1 \geq 0, x_2 \geq 0$ and $x_3 \geq 0$ has

(A) साध्य हल / a feasible solution

(B) इष्टतम हल / an optimal solution

(C) बहु हल / multiple solutions

(D) कोई हल नहीं / no solutions

उत्तर- (D) व्याख्या/ यहां समीकरण के 3 घटक व 4 समीकरण हैं।

$$\text{Max: } Z = 3x_1 + 5x_2 + 10x_3$$

$$\text{Sub to: } x_1 + x_2 + x_3 \leq 100$$

$$9x_1 + x_2 + 8x_3 \leq 95$$

$$x_1 + 8x_2 + 3x_3 \leq 60$$

$$2x_1 + 7x_2 + x_3 \leq 150$$

3. Components : x_1, x_2, x_3

4. equation:

और $x_1 \geq 0, x_2 \geq 0, x_3 \geq 0$ तो रेखीय प्रोग्रामन का कोई हल प्राप्त नहीं होगा। रेखीय प्रोग्रामिंग एक गणितीय विधि है जिसका गणितज्ञ जार्ज डैनजिंग ने 1947 में विकास किया। रेखीय प्रोग्रामिंग को अधिकतमीकरण व न्यूनतमीकरण की समस्याओं के हल के लिए प्रयोग किया जाता है।

यदि x और y दो चर (variables) हैं जो z के फलन हैं तो z का मूल्य उस समय अधिकतम होगा, जब उस बिन्दु से की गई किसी गति से z का मूल्य कम हो जाए। z का मूल्य उस समय न्यूनतम होगा जबकि किसी भी गति से z का मूल्य अधिक हो जाए। रेखीय प्रोग्रामिंग तकनीक का प्रयोग कुछ शर्तों और सामान्यीकरण पर निर्भर करता है।

प्रथम : उद्देश्य फलन (objective function) या कसौटी फलन (criterion function) एक निश्चित उद्देश्य होता है यह उद्देश्य लाभ या आय को अधिकतम बनाना या लागतों को न्यूनतम करना हो सकता है।

द्वितीय: उद्देश्य को पूरा करने के लिए वैकल्पिक उत्पादन प्रक्रियाएँ होनी चाहिए।

तृतीय: समस्या के कुछ अवरोध (constraints) होते हैं वे समस्या की स्थितियों से सम्बन्धित सीमाएँ या बाधाएँ होती हैं।

चौथा: 'चुनाव चर' (choice variables) ये वे संख्याएँ हैं जिनका चुनाव किया जाता है ताकि उद्देश्य फलन को अधिकतम या न्यूनतम बनाया जा सके। तथा सभी अवरोधों को संतुष्ट किया जा सके।

अन्तिम; संभाव्य (Feasible) और इष्टतम (optimal) हल। उपभोक्ता की आय और वस्तुओं की कीमतें दी हुई होने पर वस्तुओं के सब सम्भव संयोग जिन्हें वह संभाव्यता से खरीद सकता है, संभाव्य हल

होते हैं। उपभोक्ता के लिए दो वस्तुओं के संभाव्य हल वे सब संयोग होते हैं, जो बजट रेखा पर या उससे बाएँ स्थित हो।

अन्य शब्दों में सम्भाव्य हल वह है, जो सब अवरोधों को संतुष्ट करे। सब सम्भाव्य हलों में से श्रेष्ठतम हल, इष्टतम हल (optimum solution) होता है। यदि एक सम्भाव्य हल उद्देश्य फलन को अधिकतम या न्यूनतम बनाता है तो वह इष्टतम हल होता है।

65. स्कूटर के टायर विनिर्मित करने वाली फर्म का आनुमानित समाश्रयण समीकरण :

The estimated regression equation of a firm producing scooter tyres is:

$$\ln y = -3.56 + 0.31 \ln X_1 - 0.05 \ln X_2 + 0.53 \ln X_3 + 0.37 \ln X_4 \text{ है और } \bar{R}^2 = 0.89 \text{ है (जहाँ } Y = \text{उत्पादन और } X_1 \text{ से } X_4 \text{ कारक आगते हैं / } Y = \text{output and } X_1 \text{ to } X_4 \text{ are factor inputs)}$$

यह मानते हुए कि समस्त आनुमानित प्राचल शून्य से सांख्यिकीय रूप से सार्थक हैं, तो, फर्म में

Assuming that all the estimated parameters are statistically significant from zero, the firm has

(A) पैमाने के स्थिर प्रतिफल होंगे।

constant returns to scale

(B) पैमाने के हासमान प्रतिफल होंगे।

decreasing returns to scale

(C) पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल होंगे।

increasing returns to scale

(D) पैमाने के तटस्थ प्रतिफल होंगे।

neutral returns to scale

उत्तर- (C) व्याख्या/ स्कूटर के टायर विनिर्मित करने वाली फर्म का आनुमानित समाश्रयण समीकरण

$$\ln Y = -3.56 + 0.31$$

$$\ln X_1 - 0.05 \ln X_2 + 0.53$$

$$\ln X_3 + 0.37 \ln X_4 \text{ है}$$

$$\text{और } \bar{R}^2 = 0.89$$

(यहां Y उत्पादन तथा X_1 से X_4 कारक आगत हैं)

यह मानते हुए कि समस्त आनुमानित प्राचल शून्य से सांख्यिकीय रूप से सार्थक हैं, तो फर्म में पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल होंगे।

66. बहुचर निर्धारण का समायोजित गुणांक ($\bar{R}^2$) की सार्थकता का परीक्षण करने के लिए किस परीक्षण सांख्यिकी का उपयोग होता है?

The technique used to estimate the over-identified system of simultaneous equations is

(A) t - परीक्षण / t - test (B) Z - परीक्षण / Z - test

(C) χ^2 - परीक्षण / χ^2 - test (D) F - परीक्षण / F - test

उत्तर- (D) व्याख्या/ बहुचर निर्धारण का समायोजित गुणांक ($\bar{R}^2$) की सार्थकता का परीक्षण करने के लिए F - परीक्षण सांख्यिकी का प्रयोग किया जाता है।

● **F - परीक्षण विधि** को प्रसरण अनुपात जांच विधि के नाम से भी जाना जाता है। जब इस तथ्य का पता लगाना हो कि समग्र के प्रसरण के दो स्वतंत्र अनुमान सार्थक रूप से भिन्न हैं, अर्थात् दोनों प्रतिदर्श एक ही समष्टि प्रसरण वाले प्रसामान्य समग्र से उद्धृत किये गये हैं या नहीं तो प्रसरण अनुपात परीक्षण विधि का प्रयोग किया जाता है।

● **Z- परीक्षण** का प्रतिपादन प्रो. फिशर ने किया। इसका प्रयोग सह संबंध गुणांक की सार्थकता की जांच करने में किया जाता है। चूँकि इस विधि में r (co-efficient of correlation) का Z प्रतिदर्शन में रूपान्तरण करना पड़ता है इसलिए इसे फिशर का Z परीक्षण कह देते हैं। Z का प्रयोग दो स्थितियों में होता है:

- (I) जब यह जांच करनी हो कि r के अवलोकित मूल्य का किसी परिकल्पित मूल्य से अन्तर सार्थक है या नहीं।
- (II) जब हमें दो प्रतिदर्शों के सह सम्बन्ध गुणांकों जैसे r_1 एवं r_2 के बीच पाये जाने वाले अन्तर की सार्थकता की जांच करनी हो। यदि r का अवलोकित मूल्य शून्य से सार्थक रूप से भिन्न है या नहीं तो ऐसी स्थिति में Z -test का प्रयोग न करके t -test का प्रयोग किया जाना चाहिए।

● **काई वर्ग परीक्षण** जो वास्तविक व प्रत्याशित आवृत्तियों के अन्तर की एक माप है का उद्देश्य दो गुणों की स्वतंत्रता की जांच करना है।

● t -test → समाश्रयण गुणांकों की सार्थकता का परीक्षण

67. यदि सी. डी. एस. उत्पादन फलन निम्नलिखित है :

Given that the CES production function as:

$$Y = A[\alpha L^{-\beta} + (1 - \alpha)K^{-\beta}]^{-\frac{1}{\beta}}$$

तो इस संदर्भ में सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

Match List - I with List - II and select the answer from the codes given below:

सूची - I	सूची - II
a. A	1. कारक गहनता Factor intensity
b. α	2. प्रतिस्थापन की लोच Elasticity of substitution
c. β	3. कारक समरूपता Factor homogeneity
d. γ	4. क्षमता प्राचल Efficiency parameter

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	1	4	2	3
(B)	2	4	1	3
(C)	1	2	3	4
(D)	1	4	3	2

उत्तर- (*) / व्याख्या प्रश्न हटाया गया था।

C.E.S. उत्पादन फलन

CES उत्पादन फलन नियोज्यतासिकल उत्पादन फलन है जो स्थिर प्रतिस्थापन की लोच को दर्शाता है। अर्थात् इसमें उत्पादन तकनीक, उत्पादन कारकों के बदलने पर स्थिर रहती है। दो उत्पादन कारक फलन को ऐरो, सोलो मिन्हास व चेनरी ने दिया।

$$Q = A [\alpha k^{-\beta} + (1 - \alpha)2^{-\beta}]^{-\frac{1}{\beta}}$$

यहां ($A > 0; 0 < \alpha < 1; -1 < \beta \neq 0$)

K, L : उत्पादन के दो साधन

α, β : Parameters of CES Production F^m

A : Efficiency Parameter (कुशलता प्राचल)

CES उत्पादन फलन उसी प्रकार कार्य करता है जिस प्रकार से कॉब-डगलस उत्पादन फलन।

फलन में:

α : Distribution Parameter

β : Substitution Parameter

A : Efficiency Parameter

$$\text{Elasticity of Substitution } \alpha = \frac{1}{1+\beta}$$

68. युगपद समीकरणों की अति तदात्मिकृत प्रणाली का आकलन करने के लिये उपयोग की जाने वाली तकनीक है

The technique used to estimate the over-identified system of simultaneous equations is

- (A) साधारण न्यूनतम वर्ग / ordinary least squares
- (B) अधिकतम संभावितता / maximum likelihood
- (C) सीमित सूचना अधिकतम संभावितता
limited information maximum likelihood
- (D) द्वि अवस्था न्यूनतम वर्ग / two stage least squares

उत्तर- (D) / व्याख्या युगपत समीकरणों की अति तदात्मिकृत (over-identified) प्रणाली का आकलन करने के लिये उपयोग की जाने वाली तकनीक -द्वि-अवस्था न्यूनतम वर्ग (Two Stage Least Squares Method -2SLS) है।

Two Stage Least Squares Methods - यह विधि least square method की तरह एकल समीकरण विधि है जिसमें बाधा पद तथा व्याख्येय चर के बीच सहसम्बन्ध के उद्भव के दोष को दूर करने का प्रयत्न किया जाता है ताकि जब प्रत्येक संरचनात्मक समीकरण पर पृथक् रूप से OLS विधि का प्रयोग किया जाए तो युगपतता-अभिनति न आने पाए। इस प्रकार 2 SLS विधि OLS का ही विस्तार माना जा सकता है।

व्यापक एवं व्यवहारिक दृष्टि से 2 SLS विधि को निम्न बिन्दुओं से स्पष्ट किया जा सकता है।

- (i) 2 SLS विधि अत्याभिज्ञात समीकरणों के आकलन हेतु बनाया गया है, यह विधि पूरी तरह से अभिज्ञात समीकरणों पर भी प्रयुक्त की जा सकती है।
- (ii) अत्याभिज्ञात समीकरणों की स्थिति में 2 SLS विधि प्रत्येक प्राचल का एक ही आकलन देती है।

69. OLS आकलन की संगतता, अनभिनतता निष्पक्षता) और क्षमता दर्शाने के लिये निम्नलिखित में से किन मान्यताओं की आवश्यकता हैं ?

Which of the following assumptions are required to show the consistency, unbiasedness and efficiency of the OLS estimates

- I. $E(V_t) = 0$
 - II. $Var(V_t) = \sigma^2$
 - III. $cov(V_t, V_{t-j}) = 0$ सभी मानों के लिए $j \neq 0$ है
 - IV. $V_t \sim N(0, \sigma^2)$
- कूट / Codes :
- (A) केवल II और IV
 - (B) केवल I और III
 - (C) केवल I, II और III
 - (D) उपर्युक्त सभी चारों

उत्तर- (D) व्याख्या OLS आकलन की संगतता, अनभिनतता (निष्पक्षता) और क्षमता दर्शाने के लिये निम्नांकित मान्यताओं की आवश्यकता होती है:

- (i) $E(V_t) = 0$
- (ii) $Var(V_t) = \sigma^2$
- (iii) $COV(V_t, V_{t-j}) = 0$ सभी मानों के लिए $j \neq 0$ है।
- (iv) $V_t \sim N(0, \sigma^2)$

70. निम्नलिखित के बीच स्वतः सहसम्बन्ध के स्रोत हैं :

The sources of auto correlation among the following are:

- I. छोटे हुए व्याख्यात्मक चर
Omitted explanatory variables
 - II. सांख्यिकीय प्रेक्षण में अन्तर्वेशन
Interpolation in the statistical observation
 - III. यथार्थ यादृच्छिक पद 'v' का त्रुटिपूर्ण लक्षण-निरूपण
Mis-specification of the true random term 'v'
 - IV. समयोपरि आर्थिक चरों का इकट्ठे चलना
Economic variables to move together over time
- कूट / Codes :
- (A) केवल I और II
 - (B) केवल I, II और III
 - (C) केवल I, III और IV
 - (D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (B) व्याख्या निम्न लिखित के बीच स्वतः सहसम्बन्ध के स्रोत है:

- (i) छोटे हुए व्याख्यात्मक चर
- (ii) सांख्यिकी प्रेक्षण में अन्तर्वेशन
- (iii) यथार्थ यादृच्छिक पद v का त्रुटि पूर्ण लक्षण निरूपण

‘स्व सहसम्बन्ध’ शब्द को समय या स्थान के आधार पर क्रमबद्ध किये गये प्रेक्षणों की श्रेणियों के सदस्यों के बीच सहसम्बन्ध के रूप में परिभाषित किया जाता है।

प्रतिष्ठित रेखीय प्रतीपगमन मॉडल की मान्यता के आधार पर

$$\begin{aligned} \text{Cov.}(v_i, v_j) &= E\{[v_i - E(v_i)][v_j - E(v_j)]\} \\ &= E(v_i, v_j) - E(v_i)E(v_j) = 0 \\ (i \neq j) \text{ के लिए } E(v_i) &= E(v_j) = 0 \end{aligned}$$

इस मान्यता के अनुसार बाधा पद (v) के उत्तरोत्तर मान सामयिक रूप में स्वतंत्र है, अर्थात् जब समय के साथ प्रेक्षणों पर विचार किया जाता है तो एक समय बिन्दु पर होने वाला (v) का प्रभाव दूसरे समय बिन्दु में जारी नहीं रहता है।

यदि उपरोक्त मान्यता संतुष्ट नहीं होती अर्थात् यदि किसी विशेष काल में (v) का मान इसके पूर्व कालों में (v) के मान (अथवा मानों) से सहसम्बन्धित हो तो कहा जाता है कि यादृच्छिक चरों के बीच स्व सहसम्बन्धित विद्यमान है। स्वसहसम्बन्ध, सहसम्बन्ध का एक विशेष प्रकार है यह किसी चर के उत्तरोत्तर मानों के बीच सम्बन्ध को दर्शाता है।

71. भारतीय अर्थव्यवस्था के सेवा क्षेत्र के निम्नलिखित उपक्षेत्रों को, हाल ही के वर्षों में जी. डी. पी. में उनके योगदान के आरोही क्रम में व्यवस्थित करें :

Arrange the following sub-sectors of the services sector of the Indian economy in ascending order of their contributions to the GDP in recent years:

- I. व्यापार, होटल एवं रेस्तराँ
Trade, hotels and restaurants
- II. परिवहन, भंडारण और संचार
Transport, storage and communication
- III. वित्तपोषण, बीमा, स्थावर सम्पदा और कारोबार सम्बन्धी सेवाएँ
Financing, insurance, real estate and business services
- IV. सामुदायिक, सामाजिक और वैयक्तिक सेवाएँ
Community, social and personal services

कूट / Codes :

- (A) I, II, III और IV
- (B) केवल II, IV, III और I
- (C) II, I, III और IV
- (D) I, III, IV और II

उत्तर- (B) व्याख्या वर्ष 2020-21 में कोविड महामारी के प्रभाव के कारण सेवा क्षेत्र के संवृद्धि दर में 8.8% की गिरावट दर्ज की गई। जबकि वर्ष 2019-20 में सेवा क्षेत्र की यह वृद्धि 6.9% रही। भारत GVA में सेवा क्षेत्र लगभग 55% का योगदान रखता है वर्ष 2019-20 में सेवा क्षेत्र के निम्नलिखित उप क्षेत्रों का योगदान:

IT Services : 51.2% लगभग
BPM : 19.7%
Hardware : 8.5%
Software Products & Engineering Services : 20.6%

72. निम्नलिखित में से किसे उससे सम्बन्धित किया जा सकता है जो भारत में काले धन का आकलन करने की विधि बताता है?

Which of the following can be linked with those providing method for estimating black money in India?

- I. काल्डोर का उपागम / Kaldor's approach
- II. एन. आई. पी. एफ. पी. पद्धति / NIPFP method
- III. ओ. पी. चोपड़ा की पद्धति / O.P. Chopra's method
- IV. अर्जुन सेनगुप्ता / Arjun Sengupta

कूट / Codes :

- (A) I, II और III (B) II, III, और IV
(C) I, III और IV (D) I और II

उत्तर- (A) व्याख्या काले धन से सम्बन्धित समितियाँ

- (i) काल्डोर का उपागम
- (ii) एन.आई.पी.एफ.पी. पद्धति
- (iii) ओ.पी. चोपड़ा पद्धति
- (iv) High level Committee headed by Prakash Chandra (2011)

आजादी के बाद से केन्द्र सरकार द्वारा काले धन के आकलन तथा वापसी हेतु 40 से अधिक समितियों का गठन किया गया है।

73. राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लम्बाई में एकल मार्ग/मध्यवर्ती मार्ग का भाग क्या है?

What is the share of single lane/intermediate lane in the total length of National Highways?

- (A) 12 प्रतिशत/12 percent (B) 15 प्रतिशत/15 percent
(C) 22 प्रतिशत/22 percent (D) 29 प्रतिशत/29 percent

उत्तर- (C) व्याख्या राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लम्बाई में एकल मार्ग मध्यवर्ती मार्ग का भाग 20.49% है।

Double Lane: 55.05%

Four-lane/Six lane/Eight lane : 24.46%

74. भारतीय अर्थव्यवस्था में जन क्षेत्र की सकल घरेलू बचतें किस वर्ष के दौरान ऋणात्मक हो गई थी?

During which year, gross domestic savings of the public sector turned negative in the Indian economy?

- I. 1990-91 II. 1995-96
- III. 1999-2000 IV. 2002-2003

कूट / Codes :

- (A) I और II (B) II और III
(C) III और IV (D) I और IV

उत्तर- (C) व्याख्या भारतीय अर्थव्यवस्था में जन क्षेत्र की सकल घरेलू बचतें 1999-2000 तथा 2002-2003 के दौरान ऋणात्मक हो गई थी।

वित्तीय वर्ष 2019 के अनुसार Gross Domestic Saving in Public Sector - GDP का 1.5% रही।

Gross Domestic Saving: Gross Domestic Saving is GDP - Final Consumption Expenditure इसको GDP के % रूप में दर्शाया जाता है।

75. भारत की ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के लिये बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए प्रक्षेपित निवेश अनुपात क्या रहा है?

What has been the projected investment ratio for the infrastructure development for the Eleventh Five Year Plan of India?

- (A) 5.43 प्रतिशत / 5.43 percent
(B) 6.53 प्रतिशत / 6.53 percent
(C) 7.60 प्रतिशत / 7.60 percent
(D) 9.34 प्रतिशत / 9.34 percent

उत्तर- (C) व्याख्या भारत में 11 वीं पंचवर्षीय योजना के लिये बुनियादी ढाँचे के विकास के लिए प्रक्षेपित निवेश अनुपात 7.60% रहा।

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. एक फर्म द्वारा श्रम को भाड़े में रखने की लागत क्या कहलाती है?

The cost incurred by the firm in hiring labour is called as

- (A) सुस्पष्ट लागत/ Explicit Cost
(B) अंतर्निहित लागत/ Implicit Cost
(C) सीमान्त लागत/ Marginal Cost
(D) कुल लागत/ Total Cost

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ एक फर्म द्वारा श्रम को भाड़े में रखने की लागत सुस्पष्ट लागत कहलाती है।

किसी फर्म द्वारा एक वस्तु के उत्पादन में किए गए कुल मुद्रा व्यय को मुद्रा लागते (Money Costs) कहते हैं। इसमें श्रम की मजदूरी और वेतन कच्चे माल की लागत; मशीनों और उपकरणों का खर्च; मशीनों के मूल्यहास व घिसने व चलने का व्यय; बिल्डिंग और अन्य पूँजी पदार्थ और बिल्डिंग का किराया उधार ली हुई पूँजी का ब्याज; बिजली ईंधन यातायात और विज्ञापन तथा बीमे का खर्च और सब प्रकार के कर शामिल हैं। ये लेखांकन लागते हैं जो एक उद्यमी उत्पादन के विभिन्न साधनों को भुगतान करने के लिए ध्यान में रखता है। ये मुद्रा लागते सुनिश्चित लागते (explicit costs) कहलाती हैं। इन्हें सुस्पष्ट लागते भी कहते हैं।

एक अन्य प्रकार की भी आर्थिक लागते होती हैं जिन्हें अंतर्निहित लागते (imputed cost) कहते हैं। उद्योग के अपने स्रोत और सेवाओं का आरोपित मूल्य अंतर्निहित लागते हैं। प्रबन्धनकर्ता मालिक का वेतन, जो वेतन न लेकर सामान्य लाभ से ही संतुष्ट है, उद्योगपति की अपनी बिल्डिंग का अनुमानित किराया स्वयं का श्रम आदि इसमें आती है।

2. उत्पादन तथा उपभोग में पेरटो इष्टतमता का बिन्दुपथ किसके द्वारा दर्शाया जाता है?

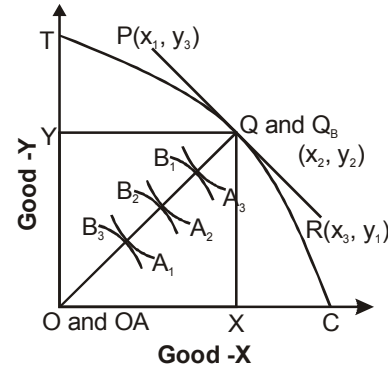
The locus of Pareto Optimality in Production and Consumption is given by

- (A) समाज कल्याण फलन/The Social Welfare Function
(B) उपयोगिता सम्भाव्यता वक्र/The Utility Possibility Curve
(C) रूपान्तर वक्र/The Transformation Curve
(D) महा उपयोगिता संभाव्यता वक्र
The Grand Utility Possibility Curve

उत्तर- (D)/ व्याख्या/ उत्पादन तथा उपभोग में पेरटो इष्टतमता का बिन्दुपथ महा उपयोगिता संभाव्यता वक्र द्वारा दर्शाया जाता है। ऐसी अर्थव्यवस्था जहाँ दो व्यक्ति A तथा B हैं तथा दो वस्तुओं X तथा Y का उत्पादन हो रहा है उस अर्थव्यवस्था में विनिमय की सामान्य संतुलन दर का वर्णन किया जाए तो इसके लिए हम

उत्पादन संभावना वक्र से ग्रेण्ड उपयोगिता संभावना वक्र व्युत्पन्न कर सकते हैं।

ऐसा करने के लिए उत्पादन सम्भावना वक्र TC से उत्पादन स्पेस (output space) से उपयोगिता स्पेस (utility space) में उपभोग संविदा वक्र चित्रांकन करते हैं।



कल्याण अधिकतमीकरण की शर्त के अनुसार विनिमय तथा उत्पादन का एक साथ सामान्य संतुलन होना चाहिए इस शर्त का मतलब है कि X तथा Y की स्थानापन्नता की सीमान्त दर अवश्य ही दोनों व्यक्ति A तथा B के बीच रूपान्तरण की सीमान्त दर के बराबर हो। GUPE में केवल एक बिन्दु ऐसा होगा जो इस शर्त को पूरा करे यह बिन्दु U_1, U_2 में F_1 बिन्दु है जो संविदा वक्र के अनुरूप है।

$$\text{इस प्रकार } MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B = MRT_{XY}$$

चित्र में उपयोगिता संभावता वक्र U_1, U_2 है जिस पर पेरटो इष्टतमता बिन्दु F_1 है। ग्रेण्ड उपयोगिता संभावना वक्र विनिमय एवं उत्पादन में पेरटो इष्टतमता बिन्दुओं का रेखा पत्र है।

- 3.

सूची - I	सूची - II
(a) चाय एवं कॉफी Tea and Coffee	(1) वैबलन वस्तुएँ Veblen goods
(b) कार एवं पेट्रोल Car and Petrol	(2) वैकल्पिक वस्तुएँ Substitutes

- (c) स्वर्ण एवं हीरे (3) गिफिन वस्तुएँ
Gold and Diamonds Giffen goods
(d) रागी एवं बाजरा (4) पूरक वस्तुएँ
Ragi and Bajra Complementary

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	2	1	3	4
(B)	2	4	1	3
(C)	4	1	2	3
(D)	4	3	1	2

उत्तर- (B) व्याख्या

सूची - I	सूची - II
(a) चाय एवं कॉफी	(2) वैकल्पिक वस्तुएँ
(b) कार एवं पेट्रोल	(4) पूरक वस्तुएँ
(c) स्वर्ण एवं हीरे	(1) वैबलेन वस्तुएँ
(d) रागी एवं बाजरा	(3) गिफिन वस्तुएँ

4. अभिकथन (A) : पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत अल्पकाल में, बाजार माँग एवं बाजार आपूर्ति प्रदत्त होने पर उद्योग में उस कीमत पर संतुलन होता है जो बाजार में माँग एवं पूर्ति को बराबर करती हैं।

Assertion (A) : In the short run under perfect competition, given the market demand and market supply the industry is in equilibrium at that price which clears the market.

कारण (R) : दीर्घ काल में उद्योग में सभी फर्म लाभ कमाती हैं।

Reason (R) : In the long run all the firms in the industry earn profit.

कूट / Codes :

- (A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

- (B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A).

- (C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

(A) is true, but (R) is false.

- (D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (C) व्याख्या

अभिकथन (A) : पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत अल्पकाल में बाजार माँग एवं बाजार आपूर्ति प्रदत्त होने पर उद्योग में उस कीमत पर संतुलन होता है जो बाजार में माँग एवं पूर्ति को बराबर करती है सत्य है।

कारण (R) : दीर्घकाल में उद्योग में सभी फर्म लाभ कमाती है, असत्य है।

दीर्घकाल में पूर्ण प्रतियोगी बाजार की दशा में सन्तुलन वहाँ स्थापित होगा जहाँ कीमते औसत लागत के बराबर हो। इस प्रकार दीर्घकाल में फर्म केवल सामान्य लाभ ही अर्जित करेगी
पूर्ण प्रतियोगी बाजार में सन्तुलन की स्थिति

$$MR = MC$$

$$\text{Price or AR} = MC = AC$$

अतः स्पष्ट है कि (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

5. निम्नलिखित को विकास के आधार पर कालानुक्रमिक क्रम में रखें :

Put the following in chronological order on the basis of development :

i. माँग का नियम / law of Demand

ii. अभिव्यक्त अधिमान विश्लेषण

Revealed preference Analysis

iii. उदासीनता वक्र विश्लेषण

Indifference Curve Analysis

iv. हासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम

Law of Diminishing Marginal Utility

(A) i iii ii iv

(B) i iv iii ii

(C) i ii iv iii

(D) i iii iv ii

उत्तर- (B) व्याख्या

विकास के आधार पर कालानुक्रमिक क्रम

(i) माँग का नियम

(iv) हासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम

(iii) उदासीनता वक्र विश्लेषण

(ii) अभिव्यक्त अधिमान विश्लेषण

माँग का नियम

माँग के नियम के अनुसार किसी वस्तु की मांगी गई मात्रा तथा उस वस्तु के मूल्य के बीच विलोम सम्बन्ध पाया जाता है। जैसे-जैसे किसी वस्तु का मूल्य बढ़ता है उसकी माँग घटती जाती है विलोमशः

हासमान सीमान्त उपयोगिता का नियम

सीमान्त उपयोगिता हास नियम उपभोग का एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त है। इस सिद्धान्त का प्रतिपादन सर्वप्रथम फ्रेंच अर्थशास्त्री गॉसेन ने किया। इसलिए इस सिद्धान्त को जेवेन्स ने गॉसेन का प्रथम नियम कहा है। बाद में मार्शल ने इस सिद्धान्त को विकसित किया। प्रो. मार्शल के अनुसार “अन्य बातों के समान रहने पर किसी व्यक्ति के पास किसी वस्तु के स्टॉक की वृद्धि होने से जो उपयोगिता प्राप्त होती है वह वस्तु की मात्रा की प्रत्येक इकाई के साथ घटती जाती है।

उदासीनता (अनधिमान) वक्र विश्लेषण

• उपयोगिता की क्रमवाचक माप पर आधारित अनधिमान वक्र विधि का प्रतिपादन तथा प्रयोग सर्वप्रथम एफ. वार्ड, एजबर्थ ने 1881 में दो व्यक्तियों के बीच वस्तुओं की विनिमय की सम्भावना को प्रदर्शित करने के लिए किया।

• 1892 में इरविंग फिशर ने अनधिमान वक्रों का प्रयोग उपभोक्ता की संस्थिति के विश्लेषण के लिए किया किन्तु एजबर्थ तथा फिशर दोनों ही उपयोगिता के संख्यात्मक माप में विश्वास करते थे।

• विल्फ्रेड परेडो पहले अर्थशास्त्री थे जिन्होंने 1906 में क्रमवाचक परिकल्पना का प्रयोग अनधिमान वक्र विश्लेषण में किया।

• 1934 में जे. आर. हिक्स तथा आर. जी. डी. ऐलेन ने उपभोक्ता के व्यवहार के अध्ययन के लिए उपयोगिता के क्रमवाचक विधि का क्रमबद्ध विवेचन प्रस्तुत किया। दो या दो से अधिक वस्तुओं के ऐसे संयोगो या युग्मों को प्रदर्शित करने वाला वक्र जिससे उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्राप्त हो सम संतुष्टि वक्र अनधिमान वक्र या तटस्थता वक्र कहलाता है।

अभिव्यक्त अधिमान विश्लेषण

• 1948 में उपभोक्ता के व्यवहार की व्याख्या के सम्बन्ध में व्यक्त अधिमान दृष्टिकोण का प्रतिपादन प्रो. सेमुएलसन ने किया। इसमें उपभोक्ता के व्यवहार या चुनाव के सिद्धान्त के सम्बन्ध में सभी विश्लेषण उन क्रयों के पर्यवेक्षण के आधार पर किया जा सकता है जिसे कोई उपभोक्ता विभिन्न मूल्यों पर वास्तव में करता है।

6. यदि एक एकाधिकारी अल्पकाल में हानि उठाता है तो दीर्घकाल में वह

If the monopolist incurs loss in the short run, then in the long run

- व्यवसाय खो बैठेगा/he will go out of business
- व्यवसाय में ही रहेगा/he will stay in business
- संतुलन सतर रखेगा/he will break even
- उपर्युक्त में से कोई भी संभावित है
any of the above is possible

- a और b
- a और c
- केवल a
- केवल d

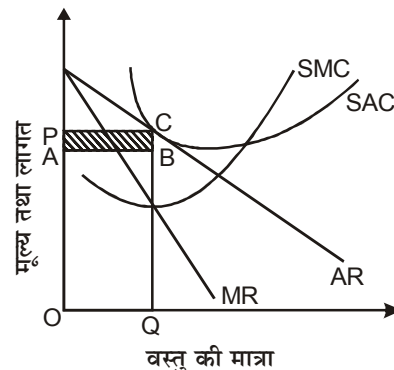
उत्तर- (D)/व्याख्या/ एकाधिकार का शाब्दिक अर्थ है अकेला विक्रेता। ऐसी स्थिति जिसमें पूर्ति पर किसी एक विक्रेता का अधिकार या नियंत्रण हो। एकाधिकारी उत्पादक ऐसी वस्तु का उत्पादन करता है जिसका कोई नजदीकी स्थानापन्न नहीं पाया जाता।

एकाधिकार की निम्नांकित महत्वपूर्ण विशेषतायें सामने आती हैं

- एकाधिकार की स्थिति में केवल एक ही उत्पादक या विक्रेता होता है।
- एक विक्रेता होने के फलस्वरूप पूर्ति के ऊपर विक्रेता का पूर्ण नियंत्रण होता है।
- एकाधिकारी द्वारा उत्पादित वस्तु की कोई दूसरी वस्तु नजदीकी स्थानापन्न नहीं होती है। अर्थात् जहां पर फर्म द्वारा उत्पादित वस्तु एवं बाजार में बेची जाने वाली अन्य वस्तुओं के बीच माँग की तिर्यक लोच शून्य होती है
- एकाधिकारी उद्योग में अन्य फर्म प्रवेश नहीं कर सकती।
- एकाधिकार में फर्म व उद्योग में अन्तर नहीं पाया जाता क्योंकि फर्म ही उद्योग है।
- एकाधिकार की स्थिति में मूल्य विभेद सम्भव हो सकता है यदि एक एकाधिकारी अल्पकाल में हानि उठाता है तो फिर दीर्घकाल में एकाधिकारी की स्थिति संतुलन की हो सकती है या वह व्यवसाय खो देगा या फिर व्यवसाय में रहेगा।

अल्पकाल में एकाधिकारी बाजार में हानि की स्थिति

$AC > AR$



अल्पकाल में हानि की स्थिति में कार्य करने वाली फर्म की स्थिति को रेखाचित्र में दर्शाया गया है।

चित्र में SMC वक्र MR को E बिन्दु पर काटती है।

- संस्थिति उत्पादन = OQ
 प्रति इकाई मूल्य = QB (या OA)
 औसत लागत = QC
 हानि प्रति इकाई = $QC - QB = CB$
 कुल हानि = $BC \times OQ = CBAP$

फर्म अल्पकाल में हानि की स्थिति में तब तक कार्य करेगी जब तक मूल्य AVC या औसत परिवर्तनीय लागत से ऊपर होगा फर्म हानि पर उत्पादन करती रहेगी। यदि मूल्य इससे नीचे आता है तो फर्म अपने प्लांट को बन्द कर देगी यद्यपि उद्योग में बनी रहेगी। अल्पकाल में हानि पर कार्य करने वाली फर्म दीर्घकाल में या तो प्लांट के समायोजन के द्वारा कुशलता लाने की कोशिश करेगी जिससे हानि की स्थिति समाप्त हो जाए अन्यथा दीर्घकाल में बाजार छोड़कर चली जायेगी। एकाधिकारी फर्म दीर्घकाल में सामान्यतया असामान्य लाभ अर्जित करती रहेगी

7. परेडो इष्टतमता की स्थिति किसके अन्तर्गत सही रहती है?

The condition of Pareto Optimality holds correct under

- पूर्ण प्रतियोगिता/Perfect Competition
- एकाधिकारी प्रतियोगिता/Monopolistic Competition
- अल्पाधिकार/Oligopoly
- एकाधिकार/Monopoly

उत्तर- (A)/व्याख्या/ परेडो इष्टतमता की स्थिति पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत सही रहती है।

वी. परेडो सर्वप्रथम अर्थशास्त्री थे जिन्होंने तुष्टिगुण (उपयोगिता) के क्रमवाचक विचार के आधार पर कल्याणकारी अर्थशास्त्र का विचार प्रस्तुत किया। परेडो ने तुष्टिगुण की मापनीयता तथा उसकी अन्वैयक्तिक तुलना के विचार को गलत सिद्ध किया तथा स्पष्ट किया कि पूर्ण प्रतियोगिता समाज को अनुकूलतम कल्याण की स्थिति को प्राप्त करने में सहायक होती है। इस प्रकार परेडो ने सामाजिक अनुकूलतम का विचार प्रस्तुत किया।

8. अभिकथन (A) : व्यक्तिगत पूर्ति वक्र की तुलना में, समग्र पूर्ति वक्र जयादा लोचदार होता है।

Assertion (A) : Compared to the individual supply curve, the aggregate supply curve is more elastic.

कारण (R) : श्रम बल से बाहर होने तथा श्रम बल में होने के बीच आने-जाने की संभावना रहती है।

Reason (R) : There is the possibility of moving between being out of the labour force and being in the labour force.

निम्नलिखित में से सही उत्तर का चयन करें :

Choose amongst the following the correct answer.

कूट / Codes :

(A) (A) सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(A) is correct, but (R) is not the correct explanation of (A).

(B) (A) सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(A) is correct and (R) is the correct explanation of (A).

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(A) is correct, but (R) is incorrect.

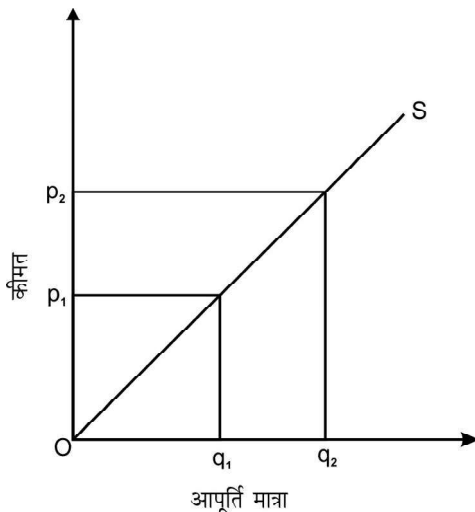
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

(A) is incorrect, but (R) is correct.

उत्तर- (B)/व्याख्या/अभिकथन (A): व्यक्तिगत पूर्ति वक्र की तुलना में समग्र पूर्ति वक्र ज्यादा लोचदार होता सही है।

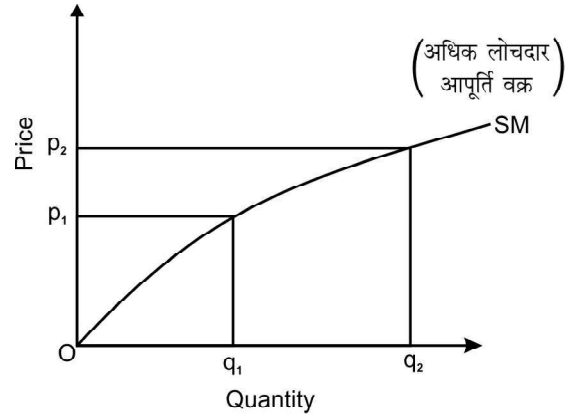
व्यक्तिगत आपूर्ति वक्र:

व्यक्तिगत उत्पादक अथवा आपूर्ति कर्ता द्वारा किसी विशेष समय में दी गई बाजार कीमतों पर किसी वस्तु की जिन विभिन्न मात्राओं की आपूर्ति की जाती है उसको दर्शाने वाला वक्र व्यक्तिगत आपूर्ति वक्र कहलाता है। यहां पूर्ति को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों को स्थिर मान लिया गया है। इन अन्य कारकों में शामिल है उत्पादन की लागत, बाजार में वस्तु की कीमत, सार्वजनिक नीतियां तथा मानक इत्यादि। व्यक्तिगत आपूर्ति वक्र विक्रेता/उत्पादक की वस्तु की पूर्ति की इच्छा को दर्शाता है।



समग्र (बाजार) आपूर्ति वक्र:

किसी विशेष वस्तु की मात्रा जिसे बाजार में उपलब्ध सभी उत्पादक/आपूर्तिकर्ता दी गई बाजार कीमत पर बेचते हैं। यह सभी व्यक्तिगत आपूर्तिकर्ताओं का योग है।



यहां कीमत P_1 से P_2 होने पर अधिक मात्रा में वस्तु की आपूर्ति की जाती है।

बाजार आपूर्ति वक्र के अधिक लोचदार होने का कारण विभिन्न मजदूरी दरों पर श्रमिकों की रोजगार में मात्रा है जो उत्पादित वस्तु की मात्रा व बाजार में उसकी कीमत पर निर्भर करती है।

अतः स्पष्ट है कि अभिकथन (A) सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

9. जीवन चक्र प्राक्कल्पना मानते हुए, मान लो एक व्यक्ति जब वह 20 वर्ष की आयु का होता है काम करना प्रारम्भ करता है, 60 वर्ष की आयु तक काम करता है और 70 वर्ष की आयु तक मरने की अपेक्षा करता है। यदि यह व्यक्ति, जब 20-30 वर्ष का होता है तो, मान लो ₹1.50 लाख वार्षिक कमाता है, जब वह 30-45 वर्ष की आयु का है तो, ₹2 लाख वार्षिक कमाता है, और जब वह 40-60 वर्ष का होता है तो ₹3 लाख वार्षिक कमाता है, तो उपभोग की उसकी जीवन कालिक औसत प्रवृत्ति क्या होगी?

Assuming life cycle hypothesis, let a person starts working when he is 20 years old, works until the age of 60 and expects to die at the age of 70. If this person earns, say ₹1.50 lac annually when he is 20-30 years, ₹2 lac annually when he is 30-45 years, and ₹3 lac annually when he is 40-60 years, then his life time average propensity to consume is

- (A) 0.60 (B) 0.70
(C) 0.80 (D) 0.90

उत्तर- (*)/व्याख्या/नोट: प्रश्न को हटा दिया गया था क्योंकि उपभोग के सम्बन्ध में जानकारी नहीं दी गई।

एक व्यक्ति जब 20 वर्ष की आयु में कार्य प्रारम्भ करता है तथा 60 वर्ष की आयु तक कार्य करता है, तो उसका

कार्यरत जीवन (WL) = 60 - 20 = 40 Years

एण्डो तथा मोदिग्ल्यानी ने उपभोग की जीवन चक्र परिकल्पना का निर्माण किया। इसके अनुसार, उपभोग किसी उपभोक्ता के जीवनकाल की प्रत्याशित आय पर निर्भर करता है। एक उपभोक्ता का उद्देश्य अपने जीवन काल में अपनी उपयोगिता को अधिकतम बनाए रखना है जो आगे इस बात पर निर्भर करेगा कि उसके जीवनकाल में उपलब्ध कुल आय या संसाधन कितने हैं। एक व्यक्ति की जीवन अवधि दी होने पर उसका उपभोग उसके संसाधनों के अनुपात में

होता है। परन्तु वह अपने संसाधनों के व्यय की जो योजना बनाता है उसका नियम यह है कि जीवन के प्रारम्भिक वर्षों में उसकी आय बढ़ता है जीवन के मध्य के वर्षों में ऊँची होता है और सेवानिवृत्ति पर एकदम कम हो जाती है एक व्यक्ति की जीवन अवधि दी होने पर उसका उपभोग उसके संसाधनों के अनुपात में होता है।

व्यक्ति युवावस्था में कम बचत या विसंचय (Dissaving) करेगा और उपभोग अधिक मध्य आयु में अधिक बचत व कम उपभोग करेगा और बुढ़ापे में फिर विसंचय करके अपनी आय में अधिक उपभोग करेगा।

10. मुद्रा की माँग के सम्बन्ध में, सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें :

With reference to demand for money, match List - I with List - II :

सूची - I	सूची - II
(a) मुद्रा की माँग स्थिर है Demand for money is stable	(1) जे. एम. कीन्स J. M. Keynes
(b) जोखिम के प्रति व्यवहार के रूप में तरलता वरीयता Liquidity preference as behaviour towards risk	(2) डब्ल्यू. बॉमोल W. Baumol
(c) इन्वेन्ट्री (मालसूची) सैद्धान्तिक उपागम Inventory Theoretic Approach	(3) जेम्स टॉबिन James Tobin
(d) कोई पोर्टफोलियो विविधता नहीं No portfolio diversification	(4) मिल्टन फ्रीडमैन Milton Friedman

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	4	3	1	2
(B)	3	4	1	2
(C)	2	1	3	4
(D)	4	3	2	1

उत्तर- (D) व्याख्या/ सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(a) मुद्रा की माँग स्थिर है	(4) मिल्टन फ्रीडमैन
(b) जोखिम के प्रति व्यवहार के रूप में तरलता वरीयता	(3) जेम्स टॉबिन
(c) इन्वेन्ट्री (माल सूची) सैद्धान्तिक उपागम	(2) डब्ल्यू बॉमोल
(d) कोई पोर्टफोलियो विविधता नहीं	(1) जे. एम. कीन्स

- फ्रीडमैन ने मुद्रा परिमाण सिद्धान्त को पुनः प्रतिस्थापित किया तथा दर्शाया कि मुद्रा की माँग एक स्थिर फलन है।
- मुद्रा की माँग के सम्बन्ध में क्लासिकल सिद्धान्तों से लेकर अनेक सिद्धान्तों का विकास हुआ। क्लासिकल मत में फिशर के विनिमय समीकरण को रखा जाता है = $MV=PT$

यहाँ

- M = मुद्रा की कुल मात्रा
- V = मुद्रा का संचलन वेग
- P = कीमत स्तर
- T = मुद्रा में विनिमय की गयी कुल वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा है।

- डब्ल्यू बॉमेल तथा जेम्स टॉबिन ने कीन्स के तरलता अधिमान को संशोधित किया तथा टॉबिन ने जोखिम के प्रति व्यवहार के रूप में तरलता वरीयता के रूप में पोर्टफोलियो का विचार प्रस्तुत किया। टॉबिन ने माना कि व्यक्ति निवेश सूची में मुद्रा तथा बांड दोनों रखता है। इसी प्रकार बॉमेल ने स्टॉक समायोजन सिद्धान्त दिया जिसमें इन्होंने मुद्रा की लेन-देन माँग आय स्तर का फलन माना। लेन-देन माँग एवं आय के बीच रेखीय एवं समानुपाती सम्बन्धों को दर्शाया

- कीन्स ने अपनी पुस्तक 'General Theory' में मुद्रा की माँग के लिए नया शब्द 'तरलता अधिमान' का प्रयोग किया कीन्स के अनुसार मुद्रा की माँग तीन उद्देश्यों के कारण होती है-

- (i) लेन-देन उद्देश्य
 - (ii) सतर्कता उद्देश्य
 - (iii) सट्टा उद्देश्य - ब्याज दर का दफन
- आय का फलन

इन तीनों उद्देश्यों के लिए मुद्रा की माँग को मुद्रा की कुल माँग कहा जाता है। कीन्स ने दर्शाया कि व्यक्ति एक समय में अपने पास या तो नगद मुद्रा रखता है या फिर बॉण्ड इस प्रकार कीन्स के सिद्धान्त में कोई पोर्टफोलियो विविधता नहीं पाई जाती है।

11. वास्तविक जी. डी. पी. और उसके प्रवृत्ति मूल्य के बीच अन्तराल, तथा वास्तविक बेरोजगारी दर और उसके संतुलन मूल्य के बीच जो अन्तर है उन दोनों के बीच ऋणात्मक सम्बन्ध क्या कहलाता है?

The negative relationship between the gap between actual GDP and its trend value and the difference between actual unemployment rate and its equilibrium value is called

- (A) समग्र पूर्ति वक्र/The aggregate supply curve
- (B) फिलिप्स वक्र/The philips Curve
- (C) बेरोजगारी की प्राकृतिक दर की प्राक्कल्पना

The Natural Rate of Unemployment Hypothesis

- (D) ओकन का नियम/Okun's Law

उत्तर- (D) व्याख्या/ वास्तविक GDP और उसके प्रवृत्ति मूल्य के बीच अन्तराल तथा वास्तविक बेरोजगारी दर और उसके संतुलन मूल्य के बीच जो अंतर है उन दोनों के बीच ऋणात्मक सम्बन्ध ओकन का नियम कहलाता है।

ओकन का नियम बेरोजगारी की दर तथा समग्र उत्पादन (GDP) के मध्य आनुभाविक सम्बन्धों को Arthur Melvin Okun ने 1962 में अमेरिकी अर्थव्यवस्था के सम्बन्ध में दिया। यह दर्शाता है कि प्रत्येक 1% बेरोजगारी दर की वृद्धि लगभग 2% संवृद्धि दर में गिरावट होती है।

12. यह प्रायः सत्य होता है कि जब अर्थव्यवस्था मंदी से बाहर निकलने लगती है, तो बेरोजगारी की दर बढ़ती है क्योंकि
It is often true that as the economy begins to recover from a recession, the unemployment rate rises because

(A) जब अर्थव्यवस्था मंदी से प्रारम्भ में बाहर निकल आती है तो वस्तुओं एवं सेवाओं की माँग कम हो जाती है, इसलिये श्रमिकों की माँग कम हो जाती है।

as the economy initially recovers from a recession the demand for goods and services falls, so the demand for workers falls.

(B) जब अर्थव्यवस्था मंदी से बाहर निकलने लगती है, तो श्रमिक जो काम पाने के अपने अवसरों के बारे में निराश हो गये थे, अब फिर से काम के लिये प्रयास करने लगते हैं।

as the economy begins to recover from a recession, workers who were previously discouraged about their chances of finding a job begin to look for work again.

(C) अर्थव्यवस्था, डेटा एकत्रित करने के तरीके में त्रुटियों के कारण, मंदी से बाहर निकलने लगती है।

as the economy begins to recover from a recession because of the errors in the way the data are collected.

(D) जब अर्थव्यवस्था मंदी से शुरू में बाहर निकलती है, तो फर्म तुरन्त ही श्रमिकों की संख्या में वृद्धि नहीं करती हैं। फर्म ज्यादा व्यक्तियों को भाड़े पर काम में लगाने के लिये तब तक प्रतीक्षा करती हैं जब तक उन्हें अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ होने का विश्वास नहीं हो जाता है।

as the economy initially recovers from a recession, firms do not immediately increase the number of workers they hire. Firms wait to hire more individuals until they are convinced that the recovery is strong.

उत्तर- (B) व्याख्या/ सामान्यतः ऐसा पाया जाता है कि जब अर्थव्यवस्था मंदी से बाहर निकलने लगती है, तो बेरोजगारी की दर बढ़ती है, क्योंकि जब अर्थव्यवस्था मंदी से बाहर निकलने लगती है तो श्रमिक जो काम पाने के अपने अवसरों के बारे में निराश हो गये थे अब फिर से काम के लिये प्रयास करने लगते हैं जिससे श्रमिकों की संख्या बढ़ जाती है।

13. जब अतिरिक्त सरकारी व्यय सरकारी प्रतिभूतियों के विक्रय के द्वारा वित्तपोषित होता है तो फिर सूची-II में दी गई स्थिति के सन्दर्भ में सूची-I में दिये गये क्राउडिंग आउट प्रभाव की प्रकृति क्या होगी?

When additional government expenditure is financed by selling government securities, then what will be the nature of crowding out effect, given in List - I in the context of the situation given in List - II?

सूची - I
(क्राउडिंग आउट प्रभाव)

Crowding out effect

(a) पूर्ण

Full

(b) आंशिक

Partial

(c) शून्य

Nil

कूट / Codes :

	a	b	c
(A)	2	3	1
(B)	3	1	2
(C)	1	3	2
(D)	1	2	3

सूची - II
(स्थिति)

Situation

(1) कीन्सवादी विस्तृति

Keynesian Range

(2) क्लासिकल विस्तृति

Classical Range

(3) मध्यवर्ती विस्तृति

Intermediate Range

उत्तर- (A) व्याख्या/ जब अतिरिक्त सरकारी व्यय सरकारी प्रतिभूतियों के विक्रय के द्वारा वित्तपोषित होता है तब क्राउडिंग आउट प्रभाव की प्रकृति होगी।

सूची-I (क्राउडिंग आउट प्रभाव)	सूची-II (स्थिति)
(a) पूर्ण क्राउडिंग आउट	(2) क्लासिकल विस्तृति
(b) आंशिक क्राउडिंग आउट	(3) मध्यवर्ती विस्तृति
(c) शून्य क्राउडिंग आउट	(1) कीन्स वादी विस्तृति

ऐसी स्थिति जहाँ ब्याज दर की वृद्धि निजी निवेश व्यय को कम करती है। ऐसा इसलिए कि सार्वजनिक निवेश में वृद्धि से निजी निवेश हेतु कोष की उपलब्धता कम होती है तथा निजी क्षेत्र को महंगी ब्याज दरों पर मुद्रा प्राप्त होती है इसे क्राउडिंग आउट कहते हैं। मूलतः क्राउडिंग आउट विस्तारवादी राजकोषीय नीति का परिणाम है।

14. सूची-I में दी गई मदों को सूची-II में दी मदों के साथ सुमेलित करें :

Match items given in List - I with those in List-II

सूची - I

सूची - II

(a) विनिमय का समीकरण

(1) जे. एम. कीन्स

Equation of Exchange

J. M. Keynes

(b) नकद शेष उपागम

(2) इरविंग फिशर

Cash Balances Approach

Irving Fisher

(c) मुद्रा की माँग का

(3) डब्ल्यू. जे. बॉमोल

प्रतिगामी प्रत्याशा मॉडल

W. J. Baumol

Regressive Expectation

model of Demand for Money

(d) मुद्रा की माँग का वर्गमूल

(4) ए. सी. पीगू एवं

फॉर्मूला

अल्फ्रेड मार्शल

Square Root Formula of

A. C. Pigou and

Demand for Money

Alfred Marshall

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	2	4	1	3
(B)	3	2	4	1

(C)	4	3	1	2
(D)	1	3	2	4

उत्तर- (A) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(a) विनिमय का समीकरण	(2) इरविंग फिशर
(b) नगद शेष उपागम	(4) ए. सी. पीगू एवं अल्फ्रेड मार्शल (क्रैमिज धारणा)
(c) मुद्रा की मांग का प्रतिगामी प्रत्याशा मॉडल	(1) जे. एम. कीन्स
(d) मुद्रा की मांग का वर्गमूल फार्मूला	(3) डब्ल्यू जे. बॉमल

- **विनिमय समीकरण** को क्लासिकल अर्थशास्त्री फिशर ने मुद्रा परिमाण का नगद लेन-देन उपागम के अंतर्गत प्रस्तुत किया फिशर के शब्दों में यदि अन्य चीजें स्थिर रहे तो ज्यों-ज्यों मुद्रा संचलन (circulation of money) की मात्रा बढ़ती है त्यों-त्यों कीमत स्तर भी प्रत्यक्ष अनुपात में बढ़ता है और मुद्रा का मूल्य भी घटता है और विलोमशः भी यदि मुद्रा की मात्रा दो गुनी कर दी जाए तो कीमत स्तर भी दो गुना हो जाएगा और मुद्रा का मूल्य आधा हो जाएगा।

फिशर का समीकरण

$$MV = PT$$

यदि फिशर के समीकरण में साख मुद्रा को भी समाहित कर लिया जाए तो समीकरण होगा :

$$PT = MV + M'V' \text{ या } P = \frac{MV + M'V'}{T}$$

- **नगद शेष उपागम** को कैमिज उपागम के नाम से भी जाना जाता है। कैमिज उपागम में मार्शल पीगू, राबर्टसन आदि आते हैं।

मार्शल का समीकरण

$$M = PKY$$

M = कुल मुद्रा की मात्रा

P = कीमत स्तर

Y = वास्तविक आय

K = वास्तविक आय का वह अंश जिसे लोग नगद रूप में रखना चाहते हैं को व्यक्त करता है।

पीगू का समीकरण

पीगू ने नगदी शेष सिद्धान्त को समीकरण के रूप में निम्न प्रकार से व्यक्त किया-

$$P = \frac{K R}{M}$$

P = मुद्रा की क्रय शक्ति अथवा मुद्रा का मूल्य

K = राष्ट्रीय आय का अंश, जिसे जनता नगद रूप में रखना चाहती है।

R = राष्ट्रीय आय या समाज के समस्त साधन

M = वैध मुद्रा की वास्तविक मात्रा

पीगू ने बाद में बैंक जमाओं को भी समीकरण में शामिल किया

$$P = \frac{KR}{M} \{c+h(1-C)\}$$

- **Regressive Expectation Model of Demand for Money** को कीन्स ने दिया। कीन्स ने मुद्रा के 'मूल्य के संचय' गुण को अधिक महत्व दिया। कीन्स के अनुसार मुद्रा के लिए मांग, आय प्रदान करने वाली परिसम्पत्ति जैसे बॉण्ड के विकल्प के रूप में की जाती है।

कीन्स के अनुसार लोग नगदी अपने पास रखेंगे जबकि वे यह प्रत्याशा करते हैं कि आगे बॉण्ड कीमत कम होगी अर्थात् ब्याज दर बढ़ेगी इसलिए वर्तमान में बॉण्ड रखना नुकसान देगा।

मुद्रा की मांग के प्रतिगामी प्रत्याशा मॉडल के अनुसार बॉण्ड धारक दो स्त्रोंतों से प्रत्याशित प्रतिफल प्राप्त करता है-

(i) **Bond's Yield** – the interest Payment he receives तथा

(ii) **Potential Capital gain** – क्रय करते समय की कीमत से विक्रय की कीमत में वृद्धि

Bond's Yield (i) को निम्न प्रकार दर्शाया जाता है :

$$i = \frac{Y}{P_b}$$

Y = Fixed Percentage of the Bond's Face value

P_b = Market Price of Bond

Market Price of Bond $P_b = \frac{Y}{I}$

Expected Percentage Capital Gain $g = \frac{(P_b^e - P_b)}{P_b}$

कीन्स के मॉडल के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति प्रत्याशित ब्याज दर i_e के साथ long run average rate की आशा करता है जो वास्तव में बाजार में प्रचलित है। यदि वास्तविक दर, व्यक्ति की दीर्घकालीन प्रत्याशा से अधिक है तो वह कमी की आशा करेगा और विलोमशः भी। इस प्रकार उसकी प्रत्याशाएं प्रतिगामी (regressive) हैं। निवेशक की प्रत्याशित ब्याज दर i_e के साथ वास्तविक बाजार ब्याज दर i प्रत्याशित प्रतिशत प्रतिफल तय करेगी। इस आधार पर हल Critical level of the market rate i_c जो निवेशक को net zero return on bonds प्रदान करेगी अर्थात् i का मूल्य जो $e = 0$ बनाता है।

जब $i > i_c \rightarrow$ हम प्रत्याशा कर सकते हैं कि निवेशक सभी तरल सम्पत्ति को बॉण्ड में रखेगा।

जब $i < i_c \rightarrow$ he moves 100% into money

- **W. J. Baumol मुद्रा की मांग का वर्गमूल फार्मूला**

$$M_d = \frac{1}{2} \sqrt{\frac{2hy}{r}} \times P$$

M_d = मुद्रा की लेन - देन मांग

P = कीमत स्तर

r = ब्याज दर

h = गैर ब्याज लागते

Y = आय स्तर

15. यह धारणा कि आर्थिक संवृद्धि का लाभ जनसंख्या के सभी वर्गों को पहुँचेगा क्या कहलाती है?

The premise, that benefit of economic growth will reach all sections of population is called

- (A) ट्रिकल अप प्रभाव / Trickle up effect
(B) ट्रिकल डाउन प्रभाव/ Trickle down effect
(C) टेक-ऑफ प्रभाव / Take-off effect
(D) प्रति प्रभाव (बैकलैश प्रभाव)/ Backlash effect

उत्तर- (B) व्याख्या/ यह धारणा कि आर्थिक संवृद्धि का लाभ जनसंख्या के सभी वर्गों को पहुँचेगा ट्रिकल डाउन प्रभाव कहलाती है।

आर्थिक विकास की यह स्ट्रेटजी मानती है कि सकल राष्ट्रीय उत्पाद की उच्च वृद्धि गरीबी का निवारण कर लेगी। GNP का नीचे की ओर धीरे-धीरे रिसाव होगा जो गरीबों तक जायेगा। यह स्ट्रेटजी गरीबी पर प्रत्यक्ष आक्रमण न करके परोक्ष रास्ता लेती है।

16. किसके ग्रोथ मॉडल में, उद्यमी का महत्व निर्णायक या धुराग्रीय होता है?

In whose growth model, entrepreneur's significance is pivotal?

- (A) कीन्स/ Keynes (B) शुम्पीटर/ Schumpeter
(C) हैरोड/ Harrod (D) डोमर/ Domar

उत्तर- (B) व्याख्या/ प्रोफेसर शुम्पीटर के ग्रोथ मॉडल में, उद्यमी का महत्व निर्णायक या धुराग्रीय होता है।

प्रो. शुम्पीटर ने 1911 में अपनी पुस्तक 'The Theory of Economic Development' में आर्थिक विकास का सिद्धान्त दिया। शुम्पीटर के अनुसार आर्थिक विकास की प्रक्रिया असंगत, असतत एवं उच्चतापूर्ण होती है जो चक्रीय प्रवाह के रूप में आगे बढ़ती है जिसमें साहसी, नवप्रवर्तन और वित्तीय संस्थाएं महत्वपूर्ण हैं। साहसी (उद्यमी) विकास प्रक्रिया के विश्लेषण का केन्द्रीय तत्त्व है, जो नव प्रवर्तनों को प्रयोग में लाता है। साहसी उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग सर्वथा नये कार्य नवप्रवर्तन के लिए प्रयोग करता है।

17. आर्थिक विकास का क्लासिकल मॉडल किस पर जोर देता है?

The classical model of economic development emphasises

- (A) अहस्तक्षेप नीति/ Laissez-Faire Policy
(B) पूँजी संचय / Capital Accumulation
(C) (A) और (B) दोनों/ Both (A) and (B)
(D) इनमें से कोई नहीं/ None of these

उत्तर- (C) व्याख्या/ आर्थिक विकास के प्रतिष्ठित सिद्धान्त (क्लासिकीय मॉडल) की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं—

- (i) आर्थिक विकास एक संचयी प्रक्रिया है।
(ii) पूँजी संचय आर्थिक विकास की कुंजी है।
(iii) प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री मुक्त व्यापार, पूर्ण प्रतियोगिता तथा अहस्तक्षेप की नीति पर विश्वास रखते थे।
(iv) लाभ पूँजी-निवेश का प्रमुख प्रेरणा स्रोत है।
(v) लाभ सदैव नहीं बढ़ते क्योंकि पूँजीपतियों के बीच जब अधिक पूँजी संचय के लिए प्रतियोगिता बढ़ती है तो लाभ घटने लगते हैं और स्थिर अवस्था प्राप्त होती है।

18. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही मेलित नहीं है?

Which one of the following pairs is not correctly matched?

लेखक Author	पुस्तक Book
(A) साइमन कुजनेट्स Simon Kuznets	: एशियन ड्रामा Asian Drama
(B) जे. रोबिन्सन J. Robinson	: असेस इन दी थ्योरी ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ Essays in the Theory of Economic Growth
(C) कार्ल मार्क्स Karl Marx	: दास कैपिटल Das Kapital
(D) ए. डब्ल्यू. लेविस A. W. Lewis	: थ्योरी ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ Theory of Economic Growth

उत्तर- (A) व्याख्या/ एशियन ड्रामा के लेखक गुनार मिर्डाल है।

लेखक	पुस्तक
(a) साइमन कुजनेट्स	"Economic Growth and income inequality" (1955)
(b) जे. रॉबिन्सन	ऐसे इन दी थ्योरी ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ
(c) कार्ल मार्क्स	दास कैपिटल
(d) ए. डब्ल्यू. लेविस	थ्योरी ऑफ इकोनोमिक ग्रोथ

19. आर्थिक संवृद्धि में क्या परिवर्तित होता है?

What does change in economic growth?

- (A) अर्थव्यवस्था की संरचना/ Structure of economy
(B) लोगों की मानसिकता/ Mindsets of people
(C) राष्ट्रीय आय / National Income
(D) इनमें से कोई नहीं/ None of these

उत्तर- (C) व्याख्या/ आर्थिक संवृद्धि में राष्ट्रीय आय परिवर्तित होता है।

आर्थिक संवृद्धि का सम्बन्ध देश की राष्ट्रीय आय या उत्पादन में निरंतर मात्रात्मक वृद्धि से है जो उसकी श्रम शक्ति, उपभोग, पूँजी और व्यापार की मात्रा में प्रसार के साथ होता है। समय चरों जैसे सकल राष्ट्रीय आय प्रतिव्यक्ति आय में परिवर्तन जिन्हें मापा जा सकता है को आर्थिक संवृद्धि कहते हैं आर्थिक संवृद्धि वस्तुनिष्ठ होता है।

20. भारत सरकार द्वारा तैयार की गई जेंडर विकास सूचकांक सूची, 2006 में कौन से राज्यों/संघ क्षेत्रों को प्रथम तीन स्थानों पर रखा गया है?

Which States/U. Ts. have been placed at first three places in Gender Development Index List 2006 made by the Government of India?

- (A) केरल, चंडीगढ़, गोआ/ Kerala, Chandigarh, Goa
(B) केरल, गोआ, चंडीगढ़/ Kerala, Goa, Chandigarh

- (C) चंडीगढ़, गोआ, केरल/ Chandigarh, Goa, Kerala
(D) गोआ, केरल, चंडीगढ़/ Goa, Kerala, Chandigarh

उत्तर- (A)/व्याख्या लैंगिक विषमता सूचकांक: लैंगिक विषमता मानव विकास में सबसे बड़ा अवरोधक रही है। बेजिंग में हुए चौथे महिला सम्मेलन के पहले 1995 में HDR 1995 में दो सूचकांक जारी किए गये।

- (i) लैंगिक विकास सूचकांक – Gender Development Index तथा
(ii) लैंगिक सशक्तिकरण माप – Gender Empowerment Measure - GEM

लैंगिक विकास सूचकांक लिंग अनुसार HDI में विषमता की माप प्रस्तुत करता है तथा HDI में विषमता को ध्यान में रखता है। वही GEM राजनैतिक भागीदारी, आर्थिक भागीदारी तथा आर्थिक संसाधनों पर अधिकार पर बल देता है।

HDR-2010 में GDI व GEM को समाप्त कर दिया गया तथा GII (Gender Inequality Index) प्रारम्भ किया गया। किन्तु बाद में 2014 में लैंगिक विकास सूचकांक को पुनः प्रारम्भ कर दिया गया। **लैंगिक विषमता सूचकांक (GII) की गणना के लिए 3 आयामों को लिया गया—**

1. **श्रम बाजार** : जिसमें संकेत के रूप में श्रम शक्ति की भागीदारी को किया गया है।
2. **सशक्तिकरण (Empowerment)** जिसके संकेतक है
 - (i) शैक्षणिक उपलब्धि (Secondary स्तर के बाद)
 - (ii) संसद में भागीदारी
3. **पुनर् उत्पादक स्वास्थ्य**
 - किशोर प्रजननता दर
 - मातृक मृत्यु दर

2019 की रिपोर्ट के अनुसार भारत का GII में 162 देशों में 123 वाँ स्थान है।

- 21. अभिकथन (A) :** लाभ अधिकतम करने वाले उत्पादक को सार्वजनिक वस्तुओं की आपूर्ति करने की कोई प्रेरणा नहीं होती है।

Assertion (A) : There is no incentive for a profit maximizing producer to supply the public goods.

कारण (R) : यदि वह उनका उत्पादन करता है तो वह लोगों को उनका उपभोग करने से रोक नहीं पाता है और इसलिये वह कीमत वसूल नहीं कर सकता है।

Reason (R) : If he produces it he is unable to exclude people from consuming it and hence he cannot charge a price.

कूट / Codes :

- (A) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(A) is true, but (R) is false.
(B) (A) और (R) दोनों असत्य हैं।/Both (A) and (R) are false.
(C) (A) सही नहीं है, परन्तु (R) सही है।
(A) is not correct, but (R) is correct

- (D) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

उत्तर- (D)/व्याख्या सार्वजनिक वस्तुएं ऐसी वस्तुएं होती हैं जिनकी व्यवस्था बजट के माध्यम से की जाती है तथा इन वस्तुओं का उपभोग प्रतिद्वन्दिता रहित होता है एवं इनमें अपवर्जन का नियम लागू नहीं होता। उदाहरण के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा। चूँकि इनके सम्बन्ध में उपभोक्ता की क्रय शक्ति का अनुमान नहीं लगाया जा सकता क्योंकि इनकी आपूर्ति उपभोक्ता के लिए मुफ्त होती है इसलिए इनका मूल्य नहीं होगा। और यदि निजी उत्पादक इनका उत्पादन करता है तो चूँकि इनके उपभोग से किसी को रोक नहीं जा सकता चाहे व्यक्ति के पास क्रय शक्ति हो अथवा नहीं इसलिए निजी उत्पादक अपने उत्पादन की कोई कीमत प्राप्त नहीं करेगा। अतः जो उत्पादक लाभ अधिकतम करने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है वह इनका उत्पादन नहीं करेगा। यही कारण है कि इनकी व्यवस्था सरकार द्वारा की जाती है निजी क्षेत्र द्वारा नहीं।
अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

- 22. कर देने के भार के वितरण को क्या कहते हैं?**

The distribution of the burden of paying a tax is called

- (A) कर भार बाँटना/ Sharing of tax burden
(B) कर विवर्तन / Sharing of the tax
(C) कर का प्रभाव/ Incidence of a tax
(D) कर पूँजीकरण/ Tax capitalization

उत्तर- (B)/व्याख्या कर देने के भार के वितरण को **कर विवर्तन** कहते हैं।

कर विवर्तन उस प्रक्रिया की ओर संकेत करता है जिसके द्वारा कर का द्रव्य भार एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को स्थानान्तरित होता जाता है। कर का विवर्तन आगे की ओर भी हो सकता है और पीछे की ओर भी। कर विवर्तन मांग एवं पूर्ति की लोच के द्वारा प्रभावित होता है।

- 23. चालू आवश्यकताओं को पूरा करने वाला, अर्थात् बजट में अस्थायी अन्तराल को भरने का अल्पकालिक ऋण कौन-सा है?**

Which one of the following is short period debt meant to meet current needs, that is filling temporary gap in budgets?

- (A) निधिबद्ध ऋण/ Funded debt
(B) अनिधिबद्ध ऋण/ Unfunded debt
(C) शोधनीय ऋण/ Redeemable debt
(D) अशोधनीय ऋण/ Irredeemable debt

उत्तर- (B)/व्याख्या चालू आवश्यकताओं को पूरा करने वाला अर्थात् बजट में अस्थायी अन्तराल को भरने का अल्पकालिक ऋण **अनिधिबद्ध ऋण** (Unfunded Debt) है।

निधिबद्ध ऋण दीर्घकालिक उधारी होती है जबकि **अनिधिबद्ध ऋण** अल्पकालिक वित्तीय दायित्व है जो 1 वर्ष या उससे कम अवधि के

होते हैं। बहुत सी कम्पनियां चालू खर्चों के लिए अनिधिबद्ध ऋण को प्रयोग में लाती हैं।

24. मौद्रिक घाटे का अर्थ है

Monetised deficit means

- (A) राजकोषीय घाटा-कम-ब्याज भुगतान
Fiscal deficit less interest payments
- (B) सरकारी व्यय जो तदर्थ राजकोष पत्रों (हुँडी) की बिक्री के जरिये वित्तपोषित होता है।
Government expenditure which is financed through the sale of adhoc treasury bills.
- (C) भारतीय रिज़र्व बैंक केन्द्रीय सरकार को ऋण में वृद्धि
Increase in RBI credit to Central Government.
- (D) राजकोषीय घाटा-कम-ऋण एवं अग्रिम राशियाँ
Fiscal deficit less loans and advances.

उत्तर- (C)/व्याख्या घाटे की वह राशि जिसकी वित्तीय व्यवस्था नोट निर्गमन के द्वारा हो, उसे मौद्रिकृत घाटा कहते हैं।

मौद्रिक घाटा

= बजेटरी घाटा + सार्वजनिक ऋण में RBI के योगदान में वृद्धि
ऐडहॉक ट्रेजरी बिल्स की समाप्ति के कारण प्रत्यक्ष मौद्रिकरण समाप्त हो गया है किन्तु अप्रत्यक्ष मौद्रिकरण बना हुआ है।

25. कराधार में आनुपातिक वृद्धि के कारण राजस्व में आनुपातिक वृद्धि क्या कहलाती है?

A proportionate increase in tax revenue to a proportionate increase in the tax base is called

- (A) कर की लोचनीयता/ Elasticity of a tax
- (B) कर की उत्प्लावकता/ Buoyancy of a tax
- (C) कर की तटस्थता/ Neutrality of a tax
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ None of the above

उत्तर- (B)/व्याख्या कराधार में आनुपातिक वृद्धि के कारण राजस्व में आनुपातिक वृद्धि कर की उत्प्लावकता कहलाती है।

किसी भी कर प्रणाली में लचीलेपन का अर्थ यह होता है कि करो में आय लोच अधिक है। अन्य शब्दों में, जब राष्ट्रीय आय में वृद्धि से ही कर राजस्व में अनुपात से अधिक वृद्धि हो जाती है तो कर ढांचा लचीला माना जाता है। करो की उत्प्लावकता की अवधारणा व्यापक है। जब करो की दरों में परिवर्तन कराधान के आधार में विस्तार, अर्थात् नए लोगों और नयी वस्तुओं पर कराधान को भी ध्यान में रखकर आय के प्रति कर राजस्व की प्रतिक्रिया (responsiveness) की जाँच की जाती है। तो इससे करो की उत्प्लावकता का पता चलता है।

26. 'वेंट फॉर सरप्लस एप्रोच' किस पर प्रयुक्त हो सकता है?

'Vent for surplus approach' is applicable to

- (A) धनी देश/ Rich countries
- (B) अल्प विकसित देश / Underdeveloped countries
- (C) तेल निर्यातक देश/ Oil exporting countries
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ None of the above

उत्तर- (B)/व्याख्या 'वेंट फॉर सरप्लस एप्रोच' अल्पविकसित देशों पर प्रयुक्त हो सकता है।

Vent For Surplus Approach सिद्धान्त का प्रतिपादन एडम स्मिथ ने किया तथा बाद में Hla Myint ने इसमें संशोधन किया। यह सिद्धान्त दर्शाता है कि यदि कोई देश अपनी उपभोग आवश्यकता से अधिक उत्पादन करता है तो यह अतिरिक्त सृजित करेगा। यह अल्पप्रयोग (Underutilization) उत्पादन संभावना वक्र को अन्दर की ओर हस्तांतरित करेगा। इस स्थिति में यदि देश व्यापार करता है तो वह अपनी पूर्ण उत्पादन क्षमता का प्रयोग कर सकता है।

27. मौद्रिक दृष्टिकोण के अनुसार, राष्ट्र की करेन्सी का पुनर्मूल्यांकन
According to monetary approach, a revaluation of a nation's currency

- (A) मुद्रा के लिये राष्ट्र की माँग बढ़ा देता है।
increases the nation's demand for money.
- (B) मुद्रा के लिये राष्ट्र की आपूर्ति में वृद्धि करता है।
increases the nation's supply of money.
- (C) मुद्रा के लिये राष्ट्र की माँग को कम करता है।
reduces the nation's demand for money
- (D) मुद्रा के लिये राष्ट्र की आपूर्ति घटा देता है।
reduces the nation's supply of money

उत्तर- (C)/व्याख्या मौद्रिक दृष्टिकोण के अनुसार, राष्ट्र की करेन्सी का पुनर्मूल्यांकन मुद्रा के लिये राष्ट्र की माँग को कम करता है। करेन्सी का पुनर्मूल्यांकन, एक देश की आधिकारिक विनिमय दर में एक आधार रेखा (Baseline) से ऊपर की ओर समायोजन है। स्थिर विनिमय दर प्रणाली में देश का केन्द्रीय बैंक यह कार्य सम्पादित करता है।

28. ब्रेटन वुड्स व्यवस्था किस पर आधारित थी?

The Bretton Woods System was based on

- (A) स्वर्णमान / a gold standard
- (B) लचीली विनिमय दर प्रणाली / a flexible exchange rates system
- (C) स्वर्ण विनिमय मान / a gold exchange standard
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं / none of the above

उत्तर- (C)/व्याख्या ब्रेटन वुड्स व्यवस्था स्वर्ण विनिमय मान पर आधारित थी।

द्वितीय विश्व युद्ध से 1971 तक स्वर्णमान की जो प्रणाली क्रियाशील रही उसे ब्रेटन वुड्स प्रणाली कहते हैं 1944 में ब्रेटन वुड्स में USA, U.K तथा 44 अन्य देशों का सम्मेलन हुआ उसमें जो मौद्रिक प्रणाली स्वीकार्य की गयी वह स्वर्ण विनिमय मान (Gold Exchange Standard) थी जिसमें USA को स्वर्ण के मूल्य को, जो 35 डॉलर प्रति औंस निश्चित की गयी, कायम रखना था तथा माँग पर डॉलर के सोने में परिवर्तित करने की सुविधा, बिना प्रतिबन्ध के प्रदान करनी थी यह प्रणाली स्थिर विदेशी विनिमय दर प्रणाली थी।

29. एक बड़े राष्ट्र द्वारा आयात प्रशुल्क का आरोपण

The imposition of an import tariff by a large nation.

- (A) सामान्यतया राष्ट्र की व्यापार शर्तों को सुधारता है और व्यापार की मात्रा में वृद्धि करता है।

usually improves the nation's terms of trade and increases the volume of trade.

- (B) राष्ट्र की व्यापार शर्तों को बदतर कर देता है परन्तु व्यापार की मात्रा में वृद्धि करता है।

worsens the nation's terms of trade but increases the volume of trade

- (C) राष्ट्र की व्यापार शर्तों को बदतर कर देता है और व्यापार की मात्रा को कम कर देता है।

worsens the nation's terms of trade and reduces the volume of trade.

- (D) सामान्यतया राष्ट्र की व्यापार शर्तों को सुधारता है परन्तु व्यापार की मात्रा को कम करता है।

usually improves the nation's terms of trade but reduces the volume of trade.

उत्तर- (D)/व्याख्या एक बड़े राष्ट्र द्वारा आयात प्रशुल्क का आरोपण सामान्यतया राष्ट्र की व्यापार शर्तों को सुधारता है परन्तु व्यापार की मात्रा को कम करता है।

प्रशुल्क का व्यापार की शर्त पर प्रभाव यह है कि जो देश प्रशुल्क लगाता है उसकी व्यापार शर्तों में सुधार होता है वह देश अपने आयात अपेक्षाकृत कम दामों में प्राप्त करता है क्योंकि विदेशी निर्यातकर्ता को शुल्क के कुछ भाग अथवा सम्पूर्ण शुल्क का भुगतान करना पड़ता है परन्तु प्रशुल्क लगाने वाले देश की व्यापार की शर्तों में कितना सुधार होगा यह दूसरे देश के प्रस्ताव वक्र (Offer Curve) की लोच पर निर्भर करता है।

30. विदेशी व्यापार गुणक का मूल्य उच्च होगा जब

The value of foreign trade multiplier will be high under the condition when

- (A) बचत की सीमान्त प्रवृत्ति उच्च है।
marginal propensity to save is high
- (B) आयात की सीमान्त प्रवृत्ति उच्च है।
marginal propensity to import is high
- (C) निर्यातों में वृद्धि होती है।/there is increase in export
- (D) घरेलू वस्तुओं के उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति उच्च है।
marginal propensity to consume domestic goods is high

उत्तर- (C)/व्याख्या विदेशी व्यापार गुणक का मूल्य उच्च होगा जब निर्यातों में वृद्धि होती है।

विदेशी व्यापार गुणांक जिसे निर्यात गुणक भी कहा जाता है। केन्ज के निवेश गुणक (Investment multiplier) की तरह कार्य करता है। जब निर्यात बढ़ते हैं तो निर्यात उद्योगों के साथ संबंधित सभी व्यक्तियों की आमदनियों में भी वृद्धि होती है लेकिन यह उनकी सीमान्त बचत प्रवृत्ति (MPS) तथा सीमान्त आयात प्रवृत्ति (MPI) पर निर्भर करती है ये दोनों गुणक में रिसाव का कार्य करते हैं। ये दोनों जितनी कम होगी उतनी ही अधिक गुणक का मूल्य होगा और विलोमशः

$$Y = C + I + G + (X - M)$$

यहां Y = राष्ट्रीय आय
C = कुल उपभोग
I = कुल निवेश

X = कुल निर्यात
M = कुल आयात है।

$$\Delta Y = KF \cdot \Delta X$$

$$KF = \frac{\Delta Y}{\Delta X}$$

$$\text{या } KF = \frac{1}{MPS + MPM}$$

MPS – Marginal Propensity to Consume

MPM – Marginal Propensity to Import

31. सूची-I और सूची-II के बीच भिन्न उद्योग समूहों के भार को सुमेलित करें :

Match the weight of different industry groups between List - I & List - II :

सूची - I	सूची - II
(a) मूलभूत वस्तुओं का उद्योग Basic goods industries	(1) 45.7
(b) पूँजीगत वस्तुओं का उद्योग Capital goods industries	(2) 8.8
(c) मध्यवर्ती वस्तुओं का उद्योग Intermediate goods industries	(3) 15.7
(d) उपभोक्ता वस्तु उद्योग Consumer goods industries	(4) 29.8

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	2	4	3	1
(C)	3	2	1	4
(D)	1	3	4	2

उत्तर- (A)/व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची - I	सूची - II
(a) मूलभूत वस्तुओं का उद्योग	(1) 45.7
(b) पूँजीगत वस्तुओं का उद्योग	(2) 8.8
(c) मध्यवर्ती वस्तुओं का उद्योग	(3) 15.7
(d) उपभोक्ता वस्तु उद्योग	(4) 29.8

Index of Industrial Production

IIP एक सूचकांक है जो अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की संवृद्धि दर जैसे Mineral, Mining, Electricity, Manufacturing etc. की व्याख्या करता है। इसको मासिक रूप में संग्रहित तथा जारी करने का कार्य Central Statistical Organization (CSO), Ministry of Statistics and Programme Implementation द्वारा किया जाता है।

नोट- अप्रैल 2017 से IIP का आधार वर्ष 2017 है।

32. भारत में हाल ही के वर्षों में थर्मल पावर स्टेशनों का प्लांट लोड फैक्टर लगभग कितना रहता है?

Plant load factor of thermal power stations in India in recent years has been around

- (A) 50 प्रतिशत (B) 60 प्रतिशत
(C) 70 प्रतिशत (D) 80 प्रतिशत

उत्तर- (C) व्याख्या भारत में हाल के वर्षों में थर्मल पॉवर स्टेशनों का प्लांट लोड फैक्टर 70% रहा है।

The Plant Load Factor (PLF) थर्मल पॉवर इकाइयों की औसत क्षमता प्रयोग (Average Capacity Utilization) को दर्शाता है। वर्ष 2020 में निजीक्षेत्र में 52% रहा। जबकि केन्द्रीय क्षेत्र में लगभग 60 से 70% व राज्य क्षेत्र में 40 से 50% के बीच रहा।

33. भारत में राष्ट्रीय टेलीकॉम नीति (NTP), 2012 का अंश निम्नलिखित में से क्या नहीं है?

Which of the following is not the part of National Telecom Policy (NTP) 2012 in India?

(A) भिन्न सेवाओं एवं सेवा क्षेत्रों में एक-राष्ट्र-एक लाइसेंस सृजित करने का प्रयास करना।

Strive to create One-Nation-One License across services and service areas.

(B) एक राष्ट्र - पूर्ण मोबाइल नंबर संवहनीयता प्राप्त करना।
Achieve One Nation – Full Mobile number portability

(C) ब्रोडबैंड अधिकार के लिये कार्य करना।
To work towards 'Right to Broadband'

(D) टेलीकॉम को मूलभूत वस्तु उद्योग के रूप में मानना।
Recognize telecom as basic goods industry

उत्तर- (D) व्याख्या भारत में राष्ट्रीय टेलीकॉम नीति (NTP) 2012 के अंश है-

(A) भिन्न सेवाओं एवं सेवा क्षेत्रों में एक राष्ट्र एक लाइसेन्स सृजित करने का प्रयास करना।

(B) एक राष्ट्र-पूर्ण मोबाइल नंबर संवहनीयता प्राप्त करना

(C) ब्राण्डबैंड अधिकार के लिए कार्य करना।

केन्द्रीय सरकार वर्ष 2018 में National Digital Communications Policy (NDCP) लेकर आई। NDCP, National Telecom Policy-2012 के स्थान पर लाई गयी। इसके साथ ही Telecom Commission को Digital Communications Commission के रूप में redesign किया गया। इस नीति में 5G, Machine-to-machine or M2M व Internet of Things (IoT) को शामिल किया गया। National Digital Communications Policy निम्नलिखित 3 missions को साथ लेकर चलती है -

1. Connect India
2. Propel India
3. Secure India

34. सम्पूर्ण विश्व में भारत के विनिर्माण उत्पादन का प्रतिशत हिस्सा अब कितना है?

Percentage share of the manufacturing output of India in the world total is now

- (A) 2.2 प्रतिशत (B) 3.9 प्रतिशत
(C) 6.2 प्रतिशत (D) 7.5 प्रतिशत

उत्तर- (A) व्याख्या वर्ष 2013 के अनुसार सम्पूर्ण विश्व में भारत के विनिर्माण उत्पादन का प्रतिशत हिस्सा 2.2% था, परन्तु, वर्ष 2019 के अनुसार सम्पूर्ण विश्व में भारत के विनिर्माण उत्पादन का हिस्सा लगभग 3% रहा।

35. व्यापार संतुलन में भारत का चालू लेखा घाटा मुख्य रूप से किस कारण से है?

India's current account deficit in Balance of Trade is mainly due to

(a) तेल एवं पेट्रोलियम के वर्द्धमान आयात
Increasing imports of oil and petroleum

(b) स्वर्ण एवं चाँदी का वर्द्धमान आयात
Increasing imports of gold and silver

(c) खाद्यान्नों का वर्द्धमान आयात
Increasing imports of food grains

(d) लौह एवं स्टील का वर्द्धमान आयात
Increasing imports of iron and steel

- (A) (a), (b) एवं (c) (B) (a) एवं (c)
(C) (a) एवं (b) (D) (a) एवं (d)

उत्तर- (C) व्याख्या व्यापार संतुलन में भारत का चालू लेखा घाटा मुख्य रूप से (a) एवं (b) के कारण है।

व्यापार संतुलन में भारत का चालू लेखा घाटा मुख्य रूप से तेल एवं पेट्रोलियम के वर्द्धमान आयात तथा स्वर्ण एवं चाँदी का वर्द्धमान आयात के कारण है।

चालू खाता दृश्य मदों तथा अदृश्य मदों के साथ प्राथमिक व द्वितीयक आय को मिलाकर बना खाता है भारत का चालू खाते का घाटा कुछ वर्षों को छोड़कर ऋणात्मक ही रहा है

चालू खाता घाटा = (X - M) + NY + NCT
यहाँ

X-M = Net Foreign Earnings (Goods & Services)

NY = Net foreign Income

(Investment income → Primary Income)

NCT = Net Current Transfers

(Unilateral Transfers → Secondary Income)

36. 1969 का एम. आर. टी. पी. (MRTP) अधिनियम-

The MRTP Act of 1969 has been

(A) 2002 के प्रतिस्पर्धा अधिनियम द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।

replaced by Competition Act 2002

(B) 1978 के औद्योगिक नीति अधिनियम में विलयन कर दिया गया है।

merged in Industrial Policy Act of 1978

(C) मजदूर संघ (संशोधन) अधिनियम, 2001 द्वारा प्रतिस्थापित किया गया।

replaced by Trade Union (Amendment) Act 2001

(D) 1991 के औद्योगिक नीति अधिनियम में विलयन कर दिया गया।
merged in Industrial Policy Act of 1991

उत्तर- (A)/व्याख्या 1969 का एम.आर.टी.पी. (MRTP) अधिनियम 2002 के प्रतिस्पर्धा अधिनियम द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है।

एस. वी. एस. राघवन की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा मई, 2000 में प्रस्तुत रिपोर्ट में MRTP अधिनियम -1969 को समाप्त कर Competition Commission बनाने का सुझाव दिया गया। वर्ष 2002 में Competition Act बना। किन्तु प्रतिस्पर्धा आयोग ने 2009 से कार्य करना प्रारम्भ किया।

37. कृषि सम्बन्धी विकास के संदर्भ में, ट्रिकल डाउन थ्योरी की व्याख्या क्या बताने के लिये की गई है?

In the context of agricultural development the trickle down theory has been interpreted to suggest that

a. आमूलचूल सांस्थानिक सुधारों के बगैर कृषिक उत्पादन में संवृद्धि गरीबी का प्रभाव घटा देगी।

Growth in agriculture output without radical institutional reforms will reduce the incidence of poverty.

b. आमूलचूल सांस्थानिक सुधारों के साथ कृषिक उत्पादन में संवृद्धि गरीबी का प्रभाव कम कर देगी।

Growth in agriculture output with radical institutional reforms will reduce the incidence of poverty

c. सिर्फ आमूल सांस्थानिक सुधार ही गरीबी का प्रभाव कम कर सकते हैं।

Only radical institutional reforms can reduce the incidence of poverty.

d. सिर्फ कृषिक उत्पादन में संवृद्धि ही गरीबी का प्रभाव कम करेगी।

Only growth in agriculture output will reduce incidence of poverty.

(A) (a) और (b) दोनों (B) (a) और (c) दोनों
(C) केवल (b) (D) केवल (d)

उत्तर- (C)/व्याख्या कृषि सम्बन्धी विकास के संदर्भ में ट्रिकल डाउन थ्योरी की व्याख्या यह दर्शाती है कि आमूलचूल सांस्थानिक सुधारों के साथ कृषिक उत्पादन में संवृद्धि गरीबी का प्रभाव कम कर देगी।

यह सोचा गया था कि निर्धनता तथा विषमताओं जैसी समस्याओं का समाधान रिसाव की रणनीति से सम्भव होगा न कि इन समस्याओं पर सीधे प्रहार से। ट्रिकल डाउन की अवधारणा इस बात पर केन्द्रित है कि आर्थिक संवृद्धि के कारण राष्ट्रीय आय में वृद्धि के रिसाव प्रभाव द्वारा श्रमिकों की मांग में वृद्धि के परिणाम स्वरूप समाज के निर्धनतम व्यक्ति को लाभ पहुँचेगा। इस प्रकार यह रणनीति अन्य सामाजिक आर्थिक उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायक होगी।

बाद में यह स्वीकार्य किया गया कि आर्थिक संवृद्धि के कारण निर्धनता में कमी तभी सम्भव है जब इसके साथ-साथ विशिष्ट आर्थिक व सामाजिक नीतियों को भी अपनाया जाए। इसके बाद समावेशी विकास को प्रमुख नीतिगत केन्द्र बनाया गया।

38. कृषि मन्त्रालय के नवीनतम आँकड़े के अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन खाद्यानों की उपलब्धता है

As per the latest figures of the Ministry of Agriculture the per capita per day foodgrains availability is

(A) 280 ग्राम (B) 440 ग्राम
(C) 580 ग्राम (D) 900 ग्राम

उत्तर- (B)/व्याख्या कृषि मन्त्रालय के नवीनतम आँकड़े के अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन खाद्यानों की उपलब्धता 440 ग्राम है।

हाल के Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture and Farmer Welfare के अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन खाद्यानों की उपलब्धता लगभग 506 ग्राम है।

39. किसान क्रेडिट कार्ड की व्यवस्था किस वर्ष में प्रारम्भ की गई थी?

In which year the Kissan Credit Card System was introduced?

(A) 1978 (B) 1998
(C) 1988 (D) 2008

उत्तर- (B)/व्याख्या किसान क्रेडिट कार्ड की व्यवस्था वर्ष 1998 में प्रारम्भ की गई।

किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत R. B. गुप्ता की संस्तुतियों पर अगस्त 1998 में तत्कालीन वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा द्वारा की गयी। यह स्कीम संस्थानिक ऋण तक किसानों की पहुँच की एक महत्वपूर्ण प्रभावी पहल है यह किसानों को व्यापारिक बैंको, सहकारी बैंकों तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से ऋण लेने में सुविधा देता है। इस योजना की व्यवस्था नाबार्ड द्वारा की जाती है पर स्कीम का क्रियान्वयन तथा इसके अन्तर्गत किसानों को ऋण देने में सर्वाधिक भागीदारी बैंकों की है।

किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा का निर्धारण प्रचालनात्मक जोत (Operational Land Holding) फसल पैटर्न तथा वित्त के आकार के आधार पर होगा। साख की सीमा निर्धारण यदि बैंक चाहे तो कर सकता है। यह कार्ड 5 वर्ष के लिए वैध होगा।

नाबार्ड ने इस स्कीम में अनेक संशोधन किए। अब यह योजना कृषि एवं सम्बद्ध क्रियाकलापों में भी प्रभावी है।

40. अभिकथन (A) : पी. एल. - 480 अनुदानों को खाद्यानों के आयात के लिये उपयोग किया गया था।

Assertion (A) : PL - 480 grants was used to import foodgrains.

कारण (R) : पी. एल. - 480 अनुदान सुविधा जापान द्वारा दी गई थी।

Reason (R) : PL - 480 grants facility was granted by Japan.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are true and (R) is not the correct explanation of (A)

- (C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(A) is true, but (R) is false.
(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।
(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (C)/व्याख्या दिया गया अभीकथन (A) : पी. एल. - 480 अनुदानों को खाद्यान्नों के आयात के लिये उपयोग किया गया था, सत्य है।

इस Programme/समझौते का उद्देश्य अमेरिका से अधिशेष (surplus) कृषि वस्तु (गेंहू तथा चावल) की आपूर्ति करना था। इसका भुगतान भारत को माल ढुलाई लागत के 50% के साथ डालर में करना था। इन वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त आय को अमेरिका, भारत में तकनीकी सहयोग मिशन के खाते में जमा कर भारत सरकार द्वारा अनुमोदित कार्यक्रमों पर खर्च किया जाना था।

कारण (R) : पी. एल. - 480 अनुदान सुविधा जापान द्वारा दी गई थी असत्य है।

P.L. 480 अनुदान सुविधा अमेरिका द्वारा दी गई थी।

अतः स्पष्ट है कि (A) सत्य है परन्तु (R) असत्य है।

41. मूँगफली की उत्पादकता कहाँ उच्चतम है?

Productivity of groundnut is highest in

- (A) यू. एस. ए. / U. S. A.
(B) मैक्सिको / Mexico
(C) भारत / India
(D) चीन / China

उत्तर- (D)/व्याख्या वर्ष 2018 के आंकड़ों के अनुसार चीन मूँगफली का सबसे बड़ा उत्पादक देश रहा।

यह विश्व उत्पादन का 40% उत्पादित करता है जबकि भारत का स्थान दूसरा है। भारत विश्व उत्पादन का 15% मूँगफली उत्पादित करता है।

42. नाफेड क्या है?

NAFED is a

- (A) कम्पनी / Company
(B) गैर-सरकारी संगठन
Non-Government Organisation
(C) सरकारी निकाय / Government Body
(D) सहकारी संगठन / Cooperative Organisation

उत्तर- (D)/व्याख्या नाफेड (NAFED) एक सहकारी संगठन है। नाफेड (National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India Ltd.) विपणन के क्षेत्र का प्रमुख सहकारी संगठन है जो कृषि उत्पादन के लिए है। इसकी स्थापना 2 अक्टूबर 1958 को हुई तथा यह Multistate Co-operative Societies Act-2002 में दर्ज है। यह भारत में कृषि उत्पादों की सबसे बड़ी क्रय तथा विपणन एजेंसी है।

43. भारत में, वर्ष 2010 के लिये एस. आर. एस. डेटा के आधार पर निम्नलिखित में से कौन-सा गलत है?

Based on the SRS data for 2010 in India, which of the following seems to be incorrect?

- (A) TFR = 2.5 (B) CDR = 7.2
(C) IMR = 48.9 (D) CBR = 24.2

उत्तर- (*)/व्याख्या (C) एवं (D) दोनों सही हैं।

Registrar General of India Sample Registration System (SRS) bulletin-2018 के अनुसार भारत की **जन्म दर** जो 1971 में 36.9 थी वह 2018 में 20 प्रति हजार (जन्म व मृत्यु दर प्रति एक हजार जनसंख्या पर ज्ञात की जाती है)

वहीं मृत्यु दर 2018 में **6.2 प्रति हजार** रही। IMR : 32

अशोधित जन्म दर : किसी विशेष वर्ष में जन्में पंजीकृत कुल बच्चों की संख्या तथा उस वर्ष की कुल जनसंख्या के बीच अनुपात अशोधित जन्म दर दर्शाता है। इसे प्रायः 1000 में व्यक्त किया जाता है।

$$CBR = \frac{\Sigma B}{\Sigma P} \times 100$$

CBR = अशोधित जन्म दर

ΣB = एक वर्ष में जन्मित जीवित

शिशुओं की कुल संख्या

ΣP = मध्यावधि की कुल जनसंख्या

Infant mortality Rate (IMR) : प्रति 1000 सजीव जन्में

शिशु मृत्यु दर

शिशुओं की संख्या के अनुपात में 1 वर्ष से कम आयु वाले मृत शिशुओं की संख्या।

$$\frac{1 \text{ वर्ष से कम आयु के मृतकों की संख्या}}{\text{सजीव जन्में बच्चों की संख्या}} \times 100$$

44. भारत में, किस जनगणना तक समकालिक वास्तविक पद्धति (de facto) को अपनाया जाता था जिसमें देश भर में एकल रात्रि में जनगणना की गई थी?

Upto which census, synchronous de facto method was adopted in India wherein the census was conducted throughout the country in a single night ?

- (A) 1901 (B) 1931
(C) 1951 (D) 1971

उत्तर- (B)/व्याख्या भारत में वर्ष 1931 की जनगणना तक समकालिक वास्तविक पद्धति (de-facto) को अपनाया जाता था जिसमें देश भर में एकल रात्रि में जनगणना की गई थी।

De facto Method में जनगणना के लिए पूरे देश में एक तिथि तय की जाती है। इसको सामान्यतः **Full moon night** को किया जाता है। इसमें परिकल्पना की जाती है कि सभी परिवार अपने आवास पर उस समय उपस्थित होंगे।

45. निम्नलिखित को सुमेलित करें :

समूह - I

(a) टाईप-II त्रुटि

Type II Error

(b) माध्य > बहुलक

Mean > Mode

समूह - II

(1) $P_{01} \times P_{10} = 1$

(2) जब वह सत्य नहीं है, तो H_0 को अस्वीकार नहीं करने की प्रायिकता
Probability of not rejecting H_0 when it was not true

- (c) जनसंख्या समरूप है
Population is
homogenous
- (d) समय विपर्यय परीक्षण
Time Reversal Test
- (3) धनात्मक रूप से विषम/
ढलवाँ बंटन
Positively skewed dis-
tribution
- (4) सरल यादृच्छिक प्रतिचयन
Simple random sam-
pling

कूट / Codes :

	a	b	c	d
(A)	2	3	4	1
(B)	3	1	2	4
(C)	4	2	3	1
(D)	1	2	3	4

उत्तर- (A)/व्याख्या/ सही सुमेलन है-

समूह - I	समूह - II
(a) टाईप - II त्रुटी	(2) जब असत्य शून्य परिकल्पना को स्वीकार किया जाए।
(b) माध्य > बहुलक	(3) धनात्मक रूप से विषम
(c) जनसंख्या समरूप है	(4) सरल यादृच्छिक प्रतिचयन
(d) समय विपर्यय परीक्षण	(1) $P_{01} \times P_{10} = 1$

46. अभिकथन (A) : सामान्य बंटन के लिये
माध्य = माध्यिका = बहुलक है।

Assertion (A) : For normal distribution Mean = Median = Mode.

कारण (R) : सामान्य बंटन मेसोकुर्टिक (मध्यम वक्रता मात्रा) है।

Reason (R) : Normal distribution is mesokurtic.

कूट / Codes :

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं (R), (A) की सही व्याख्या है।
Both (A) and (R) is the correct and (R) is the correct explanation of (A).
- (B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
Both (A) and (R) are correct but (R) is not the correct explanation of (A).
- (C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(A) is correct, but (R) is incorrect.
- (D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(A) is incorrect, but (R) is correct.

उत्तर- (B)/व्याख्या/ दिया गया अभिकथन (A) सामान्य बंटन के लिये माध्य = माध्यिका = बहुलक है।

प्रसामान्य वितरण एक अखण्डित (continuous) और अनन्त द्विपद वितरण है। 'n' का मान अनन्त होने पर द्विपद वितरण स्वयं ही प्रसामान्य वितरण का रूप धारण कर लेता है।

प्रसामान्य वितरण में विषमता का अभाव पाया जाता है अर्थात् यह

सममित वितरण होता है जहां माध्य माध्यिका एवं बहुलक तीनों बराबर होते हैं।

इसी संदर्भ में दिया गया कारण (R) सामान्य बंटन मेसोकुर्टिक (मध्यम वक्रता मात्रा) है।

चूँकि यह वितरण पूर्णतः सममित होता है जिसके कारण विषम परिघातो (moments) का मूल्य सदैव शून्य होगा फलस्वरूप विषमता भी शून्य होगी और ककुदता (Kurtosis) का मान 3 होगा जो मध्य शीर्ष वाले (Meso Kurtic) वितरण का प्रतीक है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

47. दिये गये डेटा से अनुमानित दो समाश्रयण रेखाएँ :

Given the two regression lines estimated from given data as under :

$$Y = 4 + 0.4 X$$

$$X = -2 + 0.9 Y$$

दी गई होने पर, X और Y के बीच सहसम्बन्ध गुणांक होगा
Then coefficient of correlation between X and Y will be

- (A) 0.4 (B) 0.5
(C) 0.6 (D) 0.8

उत्तर- (C)/व्याख्या/ 0.6

$$\text{Co-efficient of Correlation} = \sqrt{b_{yx} \cdot b_{xy}}$$

$$b_{yx} = 0.4$$

$$b_{xy} = 0.9$$

$$\therefore \sqrt{b_{yx} \cdot b_{xy}} = \sqrt{0.4 \times 0.9}$$

$$= \sqrt{0.36} = 0.6$$

48. निम्नलिखित में से कौन-सा समय विपर्यय परीक्षण को संतुष्ट करता है परन्तु कारक विपर्यय परीक्षण को संतुष्ट नहीं करता है?
Which of the following satisfy time reversal test but not factor reversal test ?

- (A) लेसपेयरस सूचकांक/ Laspeyre's Index No.
(B) फिशर सूचकांक/ Fisher's Index No.
(C) पाशे का सूचकांक/ Paasche's Index No.
(D) मार्शल-एजवर्थ सूचकांक/ Marshall-Edgeworth Index No.

उत्तर- (D)/व्याख्या/ मार्शल एजवर्थ सूचकांक समय उत्क्राम्यता परीक्षण को संतुष्ट करता है परन्तु कारक उत्क्राम्यता परीक्षण को संतुष्ट नहीं करता।

समय उत्क्राम्यता परीक्षण

इस टैस्ट का अर्थ है कि यदि आधार वर्ष पर आधारित करते हुए चालू वर्ष का सूचकांक निकाला जाए और इसी प्रकार चालू वर्ष पर आधारित आधार वर्ष का सूचकांक निकाला जाए तो इन दोनों का गुणनफल एक होना चाहिए। अर्थात् दोनों सूचकांक एक दूसरे के व्युत्क्रम हो।

सूत्रानुसार :

$$P_{01} \times P_{10} = 1$$

$$\text{या } P_{ol} = \frac{1}{P_{10}}$$

जहाँ P_{ol} = आधार वर्ष के मूल्यों पर आधारित चालू वर्ष का सूचकांक

P_{10} = चालू वर्ष के मूल्यों पर आधारित आधार वर्ष का सूचकांक

49. 3×5 प्रासंगिकता तालिका में χ^2 का मूल्य 8.0 परिकलित किया गया है। शून्य साहचर्य की शून्य प्राक्कल्पना को 5% के सार्थकता स्तर पर परीक्षण किया जायेगा, यदि यह मूल्य निम्नलिखित स्वातन्त्र कोटि पर, तालिका में दिये χ^2 के मूल्य के बराबर या उससे कम है:

The value of χ^2 in a 3×5 contingency table is computed as 8.0. The Null hypothesis of no association will be tested as 5% level of significance, if this value is less than or equal to the value of χ^2 from the table at degrees of freedom :

- (A) 8 (B) 6
(C) 4 (D) 3

उत्तर- (A) व्याख्या 3×5 प्रासंगिकता तालिका में χ^2 का मूल्य 8.0 परिकलित किया गया है।

शून्य साहचर्य की शून्य परिकल्पना को 5% के सार्थकता स्तर पर परीक्षण किया जायेगा, यदि यह मूल्य 8 स्वातन्त्र कोटि पर तालिका में दिये χ^2 के मूल्य के बराबर या उससे कम है।

50. गैर-प्रायिकता आधारित प्रतिचयन पद्धति कौन-सी है?

Which is a non-probability based sampling method ?

- (A) व्यवस्थित प्रतिचयन/Systematic Sampling
(B) स्तरित यादृच्छिक प्रतिचयन
Stratified Random Sampling
(C) कोटा (नियतांश) प्रतिचयन/Quota Sampling
(D) सरल यादृच्छिक प्रतिचयन/Simple Random Sampling

उत्तर- (C) व्याख्या कोटा प्रतिचयन गैर-प्रायिकता आधारित प्रतिचयन पद्धति है।

कोटा प्रतिचयन गैर-प्रायिकता आधारित प्रतिचयन पद्धति है। इस विधि में प्रगणकों के लिये अलग-अलग कोटा निश्चित कर दिया जाता है। अर्थात् सम्पूर्ण जनसंख्या में से लिए जाने वाले प्रतिदर्श इकाइयों के लिए एक कोटा तय हो जाता है।

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. प्रबन्धकीय उद्यम का मॉडल किससे सम्बन्धित है?

The Model of Managerial Enterprise is associated with

(A) आर. ए. गॉर्डन / R. A. Gordan

(B) आर. मॉरिस / R. Morris

(C) बॉमोल / Baumol

(D) साइटॉर्सकी / Scitovsky

उत्तर- (B) व्याख्या प्रबन्धकीय उद्यम का मॉडल आर. मॉरिस से सम्बन्धित है।

रोबिन मॉरिस ने अपनी पुस्तक 'The Economic Theory of Managerial Enterprises (1964) में प्रबन्धकीय उद्यम का फर्म के वृद्धि अधिकतमीकरण से सम्बन्धित सिद्धान्त दिया। मॉरिस के अनुसार आधुनिक बड़ी फर्म प्रबंधकों द्वारा चलाई जाती है और शेयरहोल्डर मालिक होते हैं जो फर्मों के प्रबंधन के बारे में निर्णय लेते हैं। प्रबंधक फर्म की वृद्धि दर को अधिकतम करने का उद्देश्य रखता है। फर्म की ऐसी वृद्धि पर और शेयर कीमतों के बीच संबंध स्थापित करने के लिए मॉरिस एक **सतत अवस्था (Steady State) मॉडल विकसित करता है** जिसमें प्रबंधक एक स्थिर वृद्धि दर को चुनता है जिस पर फर्म के विक्रय लाभ परिसम्पत्तियाँ आदि बढ़ते हैं। यदि प्रबंधक ऊँची वृद्धि दर चुनता है तो उसे विज्ञापन और R & D पर अधिक खर्च करना पड़ेगा, ताकि वह अधिक मांग पर नयी वस्तुओं का निर्माण कर सके।

जबकि

मॉरिस मॉडल

- प्रबंधकीय उद्यम से सम्बन्धित फर्म की वृद्धि के अधिकतमीकरण का सिद्धान्त
- मॉरिस एक सतत अवस्था मॉडल विकसित करता है जिसमें प्रबंधक एक स्थिर दर को चुनता है जिस पर फर्म के विक्रय लाभ, परिसम्पत्तियों आदि बढ़ते हैं।
- फर्म का उद्देश्य अपनी संतुलित वृद्धि दर (G) को अधिकतम करता है।

संतुलित वृद्धि दर (G) दो घटकों पर निर्भर है -

प्रथम : फर्म की वस्तु के लिए मांग की वृद्धि दर (GD)

द्वितीय : पूंजी आपूर्ति की वृद्धि दर (G.S.)

इस प्रकार फर्म के संतुलन में

$$G = GD = GS$$

- बॉमोल ने अपनी पुस्तक Business Behaviour Value and Growth (1967) में विक्रय अधिकतमीकरण पर आधारित फर्म का प्रबंधकीय सिद्धान्त प्रस्तुत किया।
- Administrative Theory of Management J. Gordon का सिद्धान्त है।

2. निम्नलिखित में रेखीय आयोजन की मान्यता कौन-सी नहीं है?

Which one of the following is not an assumption of linear programming?

(A) उत्पादन की स्थिर कीमतें / Constant output prices

(B) स्थिर आगत कीमतें / Constant input prices

(C) पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल / Increasing returns to scale

(D) प्रौद्योगिकीय रूप से निर्धारित कारक अनुपात

Technologically fixed factor proportion

उत्तर- (C) व्याख्या पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल रेखीय आयोजन की मान्यता नहीं है।

रेखीय प्रोग्रामिंग एक गणितीय विधि है जिसका गणितज्ञ **जार्ज डैनजिंग** ने विकास किया। इन्होंने रेखीय प्रोग्रामिंग की **Simplex Method** को भी विकसित किया।

रेखीय प्रोग्रामिंग अनुकूलतम की समस्या को हल करने की विधि है इसलिए इसे Linear Optimization भी कहा जाता है। अन्य शब्दों में Linear Programming, Linear Objective Function के **optimization** की विधि है।

मान्यताएं -

1. उत्पादन की स्थिर कीमतें
2. स्थिर आगत कीमतें
3. पैमाने के स्थिर प्रतिफल
4. प्रौद्योगिकीय रूप से निर्धारित कारक अनुपात

History of Linear Programming Development-

● **Linear Inequalities** की समस्या को 1827 में Fourier ने हल किया तथा इस विधि को **Fourier -Motzkin Elimination Method** कहा गया।

● **1939** में सोवियत गणितज्ञ Leonid Kantorovich ने Linear Programming का विकास किया जो General Linear Programming के समान था। इसको इन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान विकसित किया। Kantorovich के कार्य को प्रारम्भ में USSR ने स्वीकार नहीं किया लगभग इसी समय T.C.Koopmans ने Classical Economist Problem को विकसित किया जो Linear Programming के समान थी।

Kantorovich तथा **T.C.Koopmans** ने 1975 में Optimization की समस्या के हल के लिए नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ।

● 1946-1947 के दौरान George B. Dantzing ने स्वतंत्र रूप से **General Linear Programming** का विकास किया तथा पूर्व में विकसित हलों से मिलता जुलता हल **Simplex Method** का विकास किया। Dantzing ने पहली बार कुशल रूप से Linear Programming की समस्या को हल किया इसलिए इसके विकास का श्रेय इन्हें ही दे दिया जाता है यद्यपि वास्तविक रूप में Dantzing ने Simplex Method का विकास किया।

- 3.** अल्पाधिकार के पॉल स्वीजी मॉडल में, विकुंचित माँग वक्र में कृंचन का बिन्दु क्या प्रकट करता है?

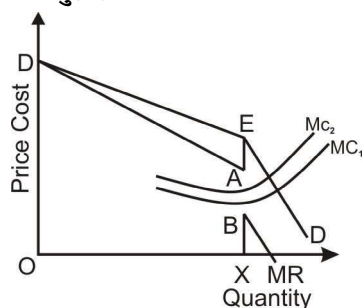
In the Paul Sweezy Model of Oligopoly in the Kinked Demand Curve, the point of kink represents

- (A) मात्रा की अनस्यता / Quantity Rigidity
(B) कीमत की अनस्यता / Price Rigidity
(C) कीमत एवं मात्रा दोनों की अनस्यता
Both the Price and Quantity Rigidity
(D) केवल कीमत की अनस्यता / Only Price Rigidity

उत्तर- (C) व्याख्या अल्पाधिकार के पॉल स्वीजी मॉडल में, विकुंचित मांग वक्र में विकुंचन का बिन्दु **कीमत एवं मात्रा दोनों की अनम्यता** प्रकट करता है।

1939 में P. Sweezy ने 'Demand Under Conditions of Oligopoly' में विकुंचित मांग वक्र दिया। यद्यपि पहली बार Hall and Hitch ने 'Price Theory and Business Behaviour' में विकुंचित मांग वक्र का प्रयोग अल्पाधिकारी बाजार में कीमत व उत्पादन निर्धारण के लिए किया।

पॉल स्वीज़ी के अनुसार



पॉल स्वीजी ने दर्शाया कि अल्पाधिकारी बाजार में जिस मांग वक्र का सामना किया जाता है उसमें वर्तमान कीमत पर विकुंचन होता है क्योंकि मांग वक्र का वह भाग जो वर्तमान कीमत से ऊपर है अत्यन्त लोचदार और वर्तमान कीमत से नीचे का भाग बेलोचदार होता है।

- 4. सची-I को सची-II के साथ समेलित कीजिए :**

Match List - I with List - II :

सची - I / List - I

सची - II / List - II

- (a) देयता वक्र
Offer Curves

- (1) सार्वजनिक राजस्व
Public Revenue

- (b) लाफर वक्र
Laffer Curves

- (2) दृढ़ कीमत
Sticky Price

- (c) लॉरेंज वक्र
Lorenz Curve

- (3) **अन्योन्य माँग**
Reciprocal demand

- (d) विकुंचित माँग वक्र
Kinked Demand Curve

- (4) असमानताएँ
Inequalities

कोड / Codes :

(a) (b) (c) (d)

- (A) (3) (1) (4) (2)

- (B) (1) (3) (2) (4)

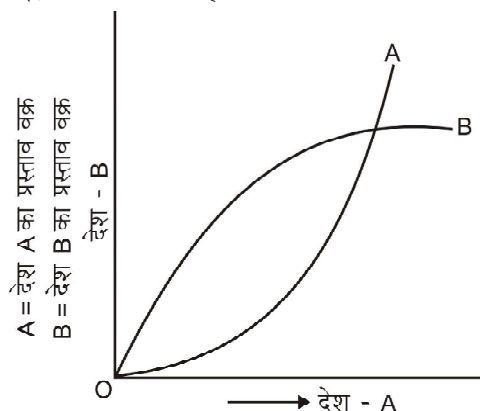
- (C) (3) (4) (1) (2)

- (D) (4) (1) (2) (3)

उत्तर- (A) व्याख्या सही सुमेलन है -

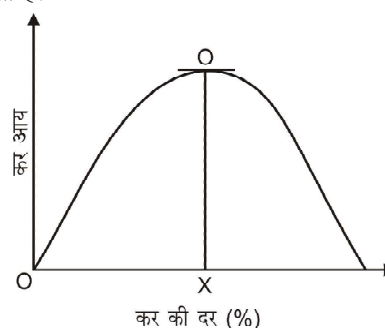
सूची - I	सूची - II
(a) देयता वक्र	(3) अन्योन्य माँग
(b) लाफ़र वक्र	(1) सार्वजनिक राजस्व (कर की दर तथा कर आय में सम्बन्ध)
(c) लॉरेज वक्र	(4) असमानताएं
(d) विकुंचित माँग वक्र	(2) दृढ़ कीमत

देयता वक्र (Offer Curve) प्रस्ताव वक्र का सर्वप्रथम प्रयोग अफ्रेड मार्शल ने किया। किसी देश का प्रस्ताव वक्र उस सापेक्ष कीमत को निर्धारित करता है जिस पर व्यापार होता है। अर्थात् प्रस्ताव वक्र किसी देश के निर्यात योग्य वस्तु की उन विविध मात्राओं को प्रदर्शित करता है जिन्हें वह देश विविध अन्तर्राष्ट्रीय कीमतों पर आयात योग्य वस्तु से विनिमय करने को तैयार है। प्रस्ताव वक्र को उत्पादन सम्भावना वक्र व समुदाय उदासीनता वक्र एवं उन विविध अंतर्राष्ट्रीय वस्तु कीमतों से व्युत्पन्न किया जाता है जिन कीमतों पर एक देश दूसरे देश से व्यापार करता है।



लाफ़र वक्र

अमेरिकी अर्थशास्त्री आर्थर लैफ़र ने कर से राजस्व की प्राप्ति तथा कर की दर के बीच सम्बन्ध के आधार पर यह प्रतिपादित किया कि कर की दर का इष्टतम स्तर होता है जिससे ऊपर कर की दर में वृद्धि कर आय में कमी लाती है। ऐसा इसलिए कि **कर की ऊँची दर से** उत्पादक क्रियायें हतोत्साहित होती हैं फलस्वरूप राजस्व आय में कमी आती है।

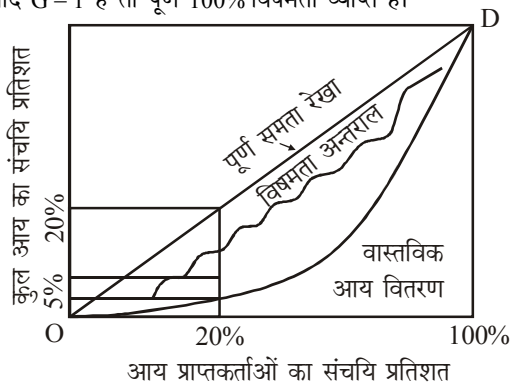


चित्र में कर आय व कर की दर में सम्बन्ध प्रदर्शित है। यह दर्शाता है कि कर की OX दर तक तो कर आय बढ़ती है इसके पश्चात इसमें कमी आने लगती है।

लैफर वक्र 'पति पक्षीय अर्थशास्त्र' को प्रदर्शित करता है।

लॉरेन्ज वक्र विधि को 1905 में मैक्स ओ लॉरेन्ज (Max O Lorenz)

ने विकसित किया। इस वक्र के प्रत्येक बिन्दु उन परिस्थितियों या व्यक्तियों को प्रदर्शित करते हैं जो एक निश्चित आय के नीचे हैं। लारेन्ज वक्र सापेक्ष गरीबी या विषमता को दर्शाता है। यह वक्र विभिन्न वर्गों में आय के वितरण को प्रदर्शित करता है OD सीधी रेखा पूर्ण समता रेखा है जो 40 अंश पर है। चित्र में समता रेखा में स्पष्ट है कि 20% व्यक्तियों के पास 20% आय होनी चाहिए जबकि वास्तविक वितरण दर्शाता है कि 20% परिवारों के पास 5% आय है। लारेन्ज वक्र से गिनी गुणांक को दर्शाया जा सकता है। यदि गिनी G का मूल्य शून्य है तो आय वितरण में समानता है यदि $G = 1$ है तो पूर्ण 100% विषमता व्याप्त है।



5. सूची-I में मदों को सूची-II में मदों के साथ सुमेलित कीजिए :

Match the items in List - I with items in List - II :

सूची - I / List - I	सूची - II / List - II
(a) तकनीकी एकाधिकार Technical Monopoly	(1) स्वर्ण एवं चाँदी Gold and Silver
(b) वैश्विक बाजार Global Market	(2) उत्पादक संघ Cartel
(c) विधिक एकाधिकार Legal Monopoly	(3) कोका कोला Coca Cola
(d) अल्पाधिकार Oligopoly	(4) एकस्व (पेटेन्ट) एकाधिकार Patent Rights

कोड / Codes :

(a)	(b)	(c)	(d)
(A) (3)	(1)	(4)	(2)
(B) (3)	(2)	(1)	(4)
(C) (4)	(3)	(1)	(2)
(D) (4)	(1)	(2)	(3)

उत्तर- (A) व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) तकनीकी एकाधिकार	(3) कोका कोला
(b) वैश्विक बाजार	(1) सोना एवं चाँदी
(c) विधिक एकाधिकार	(4) एकस्व (पेटेन्ट) एकाधिकार
(d) अल्पाधिकार	(2) उत्पादक संघ (कार्टेल)

● **तकनीकी एकाधिकार** उस समय उत्पन्न होता है जबकि एक अकेली फर्म विनिर्माण विधि को नियंत्रित करती है तथा आवश्यक रूप से एक निश्चित उत्पाद (Certain Product) का उत्पादन करती है अथवा उत्पादन तकनीकी पर फर्म का एक मात्र अधिकार होता है।

● **पेटेन्ट**, Intellectual Property Rights का एक प्रकार है जो पेटेन्ट धारी को उसके प्रयोग का विधिक एकाधिकार प्रदान करता है। पेटेन्ट-नवप्रवर्तन, डिजाइन तथा तकनीकी के आविष्कार के लिए प्रदान किया जाता है। **पेटेन्ट का अधिकार** इसके प्राप्त होने के 20 वर्ष तक होता है।

● **अल्पाधिकार बाजार** की एक ऐसी दशा है जहाँ कुछ फर्मों के मध्य प्रतियोगिता पाई जाती है।

अल्पाधिकार दो प्रकार का होता है-

1. कपट संधि अल्पाधिकार -कार्टेल, कीमत नेतृत्व
2. गैर कपट संधि अल्पाधिकार

6. अभिकथन (A) : उपभोक्ता अतिरेक, संभावित कीमत तथा वास्तविक कीमत के बीच का अन्तर है।

Assertion (A) : Consumer Surplus is the difference between the potential price and actual price.

कारण (R) : कीमत और उपभोक्ता अतिरेक के बीच प्रतिलोमी सम्बन्ध होता है।

Reason (R) : There exists an inverse relationship between the price and consumer surplus.

कोड / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

(A) is true, but (R) is false.

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (B) व्याख्या (A) और (R) दोनों सत्य है परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

उपभोक्ता की बचत की विचारधारा के प्रतिपादक फ्रांसीसी अर्थशास्त्री ड्यूपिट (Dupuit) ने 1844 में की। मार्शल ने उपभोक्ता की बचत को गणनावाचक विश्लेषण तथा हिक्स ने अनधिमान वक्रों की सहायता से स्पष्ट किया।

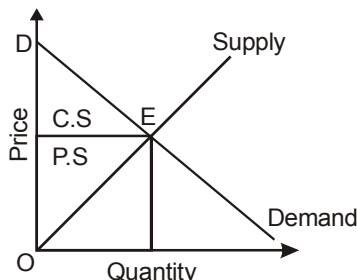
मार्शल ने उपभोक्ता की बचत की व्याख्या के लिए हासमान सीमांत उपयोगिता नियम का प्रयोग किया। मार्शल के अनुसार किसी वस्तु को बिना प्राप्त हुए रहने की अपेक्षा वह मूल्य, जो एक व्यक्ति उस वस्तु के लिए देने को तैयार है और जो मूल्य वह वास्तव में देता है उन दोनों का अंतर ही उपभोक्ता की बचत कहलाता है।

उपभोक्ता की बचत (C.S.)

वस्तु से प्राप्त कुल उपयोगिता - उस वस्तु पर व्यय किए गए द्रव्य के रूप में कुल उपयोगिता का त्याग

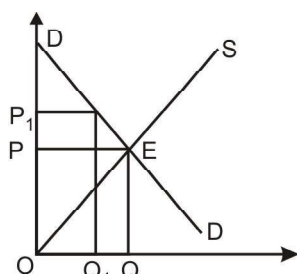
अथवा

उपभोक्ता की बचत - सीमान्त उपयोगिता का योग - (खरीदी गई वस्तुओं की संख्या $\times$ कीमत)



उपभोक्ता अतिरेक, संभावित कीमत तथा वास्तविक कीमत के बीच का अन्तर है क्योंकि वस्तु के बिना रहने पर उपभोक्ता वस्तु की जो कीमत देने को तैयार रहता है वह संभावित कीमत है और जो वास्तव में देता है वह वास्तविक कीमत है। इस तरह कथन सत्य है। चित्र में OD संभावित कीमत है किन्तु वास्तव में उपभोक्ता OP कीमत पर वस्तु की मात्रा प्राप्त कर लेता है।

यद्यपि कीमत और उपभोक्ता अतिरेक के मध्य विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है।



चित्र में स्पष्ट है कि जब कीमत P थी तो उपभोक्ता की बचत PDE थी किन्तु P₁ कीमत हो जाने पर C.S. घटकर P₁DE हो जाता है।

$$P_1DE < PDE$$

इस प्रकार कारण भी सत्य है किन्तु कारण पूर्ण रूप से कथन की व्याख्या नहीं करता।

कारण, कथन की पूर्ण व्याख्या इसलिए नहीं करता कि कथन व कारण दोनों उपभोक्ता की बचत के सम्बन्ध में अलग-अलग तथ्यों की व्याख्या करते हैं। कथन उपभोक्ता बचत की परिभाषा है और कारण उसमें कमी व वृद्धि की व्याख्या।

7. अभिकथन (A) : दीर्घकालिक लागत वक्र U आकार का होने के बजाय L आकार का होता है।

Assertion (A) : The long run cost curve is L shaped rather than U shaped.

कारण (R) : दीर्घकाल में बड़े संयंत्रों के उत्पादन की नई तकनीक प्रति इकाई उत्पादन की कुल लागत कम करती है।

Reason (R) : The new technique of production of large plants reduce the total cost per unit of output in the long run.

कोड / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) का सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

(A) is false, but (R) is true.

(D) (R) असत्य है, परन्तु (A) सत्य है।

(R) is false, but (A) is true.

उत्तर- (A) व्याख्या कथन के अनुसार, दीर्घकालीन औसत लागत के बारे में आधुनिक प्रमाण बताते हैं कि दीर्घकालीन लागत वक्र U आकार का न होकर 'L' आकार का होता है। इस प्रकार कथन सत्य है।

अर्थशास्त्रियों ने LAC वक्र के L-आकृति होने के निम्नलिखित कारण बताए -

(i) उत्पादन एवं प्रबन्धकीय लागतों में पैमाने की मितव्ययिताओं (Economies of scale) के लाभ तथा श्रम विभाजन एवं दीर्घकाल में कुशल प्रबंधकों के कारण लागतें उत्पादन का निश्चित पैमाना प्राप्त करने पर स्थिर हो जाती है इस प्रकार इनका आकार 'L' आकृति का हो जाता है।

(ii) तकनीकी उन्नति - 'U' आकार लागत विश्लेषण तकनीकी उन्नति को नहीं लेता जबकि आधुनिक युग में उत्पादन में तकनीकी उन्नयन प्रमुख तत्व है जिस कारण लागतें 'L' आकार की हो जाती है। इस प्रकार कारण के अनुसार दीर्घकाल में बड़े संयंत्रों के उत्पादन की नई तकनीक प्रति इकाई उत्पादन की कुल लागत कम करती है।

अतः कारण (R) व कथन (A) दोनों सत्य हैं एवं (R), (A) की सही व्याख्या है।

8. निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है?

Which of the following is true?

a. उदासीनता (तटस्थ) वक्र बाएँ से दाएँ ढलवाँ होता है।
Indifference curves slope downward from left to right.

b. उदासीनता (तटस्थ) वक्र दाएँ से बाएँ ढलवाँ होता है।
Indifference curves slope downward from right to left.

c. उदासीनता (तटस्थ) वक्र दोनों अक्षों के मूल बिन्दु पर उत्तल होता है।
Indifference curves are convex to the point of origin of the two axes.

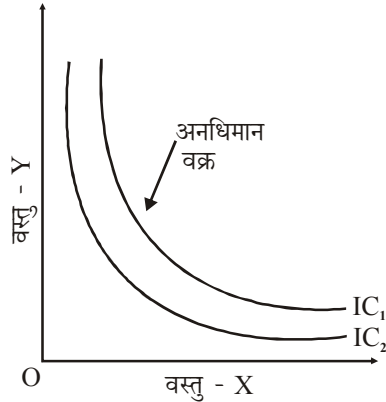
d. उदासीनता (तटस्थ) वक्र कभी एक दूसरे को काटता नहीं है।

Indifference curves never intersect each other.

(A) a, b एवं c सत्य हैं। (B) b, c और d सत्य हैं।

(C) a, c और d सत्य हैं। (D) a और d सत्य हैं।

उत्तर- (C)/व्याख्या उदासीनता (तटस्थ) वक्र दो वस्तुओं के संयोगों का बिन्दु पथ है जिससे उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्राप्त होती है। इसलिए उदासीनता वक्र को समसंतुष्टि वक्र भी कहा जाता है।



विशेषताएं -

- उदासीनता वक्र बायें से दायें ढलवाँ होता है।
- उदासीनता (तटस्थ) वक्र दोनों अक्षों के मूल बिन्दु पर उत्तल होता है।
- उदासीनता वक्र कभी एक दूसरे को नहीं काटते।
- उदासीनता वक्र किसी भी अक्ष को स्पर्श नहीं करता।

9. गुणक प्रभाव का बड़ा हिस्सा बहुत कम अवधियों में प्राप्त होता है जब उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति होती है

A major portion of the multiplier effect is realized in fewer periods when marginal propensity to consume is

- इकाई / unity
- अधिक / larger
- कम / smaller
- उपर्युक्त में से कोई नहीं / none of the above

उत्तर- (B)/व्याख्या गुणक प्रभाव का बड़ा हिस्सा बहुत कम अवधियों में प्राप्त होता है जब उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति अधिक होती है।

नोट: उत्तर कुंजी में उत्तर (C) MPC कम उत्तर दिया गया है जो गलत होगा। गुणक का मूल्य तभी अधिक प्राप्त होगा जबकि MPC अधिक हो इसको गुणक के कार्यकरण से समझा जा सकता है। यदि MPC 0.9 हो और 100 करोड़ निवेश किया जाए तो आय में

$$\text{वृद्धि} = \Delta y = \frac{1}{1 - \text{MPC}} \Delta I = \frac{1}{0.1} \times 100 = 1000 \text{ करोड़}$$

अतः बड़ा हिस्सा बहुत कम अवधियों में प्राप्त हो गया।

गुणक की अवधारणा का विकास सर्वप्रथम R.F. Kahn ने रोजगार गुणक के रूप में दिया। केन्स ने इसे आय व रोजगार से जोड़ा व निवेश गुणक की धारणा का विकास किया। केन्स के अनुसार निवेश गुणक उपभोग प्रवृत्ति के दिये हुए होने पर आय एवं रोजगार में वृद्धि एवं निवेश में वृद्धि के बीच यथार्थ सम्बन्ध को दर्शाता है। निवेश में जब वृद्धि की जाती है तो इसके परिणाम स्वरूप आय में जो वृद्धि होती है वह निवेश में की गयी वृद्धि के K गुना होगी।

$$\Delta y = K \cdot \Delta I$$

$$\text{or } K = \frac{\Delta Y}{\Delta I}$$

यहाँ K गुणक है

गुणक के मूल्य को सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति निर्धारित करती है MPC का मूल्य जितना अधिक होगा गुणक का मूल्य भी उतना ही अधिक होगा।

$$Y = C + I \text{ (मांग पक्ष)}$$

$$\Delta Y = \Delta C + \Delta I \quad \rightarrow \Delta C = b - \Delta Y \text{ प्रेरित उपभोग}$$

$$\Delta Y = b \Delta Y + \Delta I$$

$$b = \text{MPC}$$

$$\Delta Y - b \Delta Y = \Delta I$$

$$\Delta Y(1 - b) = \Delta I$$

$$\frac{\Delta y}{\Delta I} = \frac{1}{1 - b}$$

$$\therefore \frac{\Delta y}{\Delta K} = K$$

$$\therefore K = \frac{1}{1 - b}$$

यहाँ b = MPC

$$K = \frac{1}{1 - \text{MPC}} \quad \{\because 1 - \text{MPC} = \text{MPS}\}$$

or

$$K = \frac{1}{\text{MPS}}$$

यहाँ K यहाँ MPS में विपरीत सम्बन्ध जबकि K और MPC में प्रत्यक्ष सम्बन्ध है।

चूँकि MPC का मूल्य शून्य से 1 के बीच होता है

इसलिए गुणक का न्यूनतम मान 1 और अधिकतम मान (∞) अनन्त होगा।

गुणक का कार्यकरण

निवेश में परिवर्तन का उपभोग व्यय के माध्यम से आय पर प्रभाव निवेश का कार्यकरण दर्शाता है। यह आगे व पीछे दोनों तरफ हो सकता है।

10. इष्टतम पूँजी स्टॉक तब प्राप्त होता है जब पूँजी की उपभोक्ता लागत निम्नलिखित के बराबर होती है।

The optimum capital stock is achieved when the user cost of capital is equal to

- ब्याज की दर / the interest rate
- मूल्य हास की दर / the depreciation rate
- पूँजी का सीमान्त उत्पाद / the marginal product of capital
- टॉबिन का Q / Tobin's Q

उत्तर- (C)/व्याख्या इष्टतम पूँजी स्टॉक तब प्राप्त होता है जब पूँजी की उपभोक्ता लागत पूँजी की सीमान्त उत्पाद के बराबर हो।

पूँजी की सीमान्त उत्पादकता किसी पूँजीगत परिसम्पत्ति की सम्पूर्ण जीवन अवधि के दौरान परिसम्पत्ति से प्राप्त वार्षिक प्रतिफल की दर है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी पूँजीगत परिसम्पत्ति की पूर्ति कीमत 20,000 है तथा इस पर वार्षिक प्रतिफल 2000 है तो इस परिसम्पत्ति की सीमान्त उत्पादकता होगी -

$$\text{MEC} = \frac{2000}{20,000} \times 100 = 10\%$$

कीन्स पूंजी परिसम्पत्ति की संभावित वार्षिक प्राप्ति के वर्तमान मूल्य को पूंजीगत परिसम्पत्ति की पूर्ति कीमत के साथ सम्बन्ध करते हैं और MEC को निम्न प्रकार परिभाषित करते हैं -

“पूँजी की सीमान्त उत्पादकता उस बट्टा दर के बराबर होती है, जो पूंजीगत परिसम्पत्ति के सम्पूर्ण जीवन काल के दौरान उससे प्राप्त प्रत्याशित वार्षिक प्रतिफलों की श्रृंखलाओं के वर्तमान मूल्य को उसकी पूर्ति कीमत के ठीक-ठीक बराबर कर दे।

$$MEC = \frac{R_1}{(1+i)} + \frac{R_2}{(1+i)^2} + \frac{R_3}{(1+i)^3} + \dots + \frac{R_n}{(1+i)^n}$$

Theory of Investment - Tobin का Q Ratio, केल्टर का V Ratio है। इसे जेम्स टोबिन ने विकसित किया।

फर्म को निवेश के लिए फण्ड की आवश्यकता होती है। यह फण्ड या तो शेयर, equity etc को क्रय करके या विक्रय से प्राप्त किया जा सकता है। जब फर्म शेयर बेचती है व क्रेता शेयर खरीदता है जिससे शेयर का बाजार मूल्य बढ़ने पर Capital Gain प्राप्त करता है। जब तेजी की स्थिति होती है तो Shares Price High होते हैं इस प्रकार फर्म कुछ Shares Issue करके अधिक मुद्रा प्राप्त कर लेती है। इस प्रकार जब Stock Market ऊपर हो तो Firms निवेश के लिए वित्त की व्यवस्था करने में equity बेचने में सक्षम होती है।

जेम्स टोबिन पहले अर्थशास्त्री थे जिन्होंने Stock Market व Investment के सम्बन्धों की व्याख्या की।

Q Ratio : $\frac{\text{Total Market Value of the firm}}{\text{Total Assets Value or Replacement Cost of Capital}}$
When Q Ratio is high it means the price of shares is high and firms will invest more.

- 11.** यदि अर्थव्यवस्था संभावित जी डी पी पर कार्य कर रही है तो मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि निम्नलिखित की ओर अग्रसर करेगी
If the economy is operating at potential GDP, an increase in money supply will lead to
- निस्पंद स्फीति / Stagflation
 - संरचनात्मक मुद्रा स्फीति / Structural inflation
 - माँग-पक्षीय मुद्रा स्फीति / Demand-side inflation
 - आपूर्ति-पक्षीय मुद्रा स्फीति / Supply-side inflation

उत्तर- (C)/व्याख्या यदि अर्थव्यवस्था सम्भावित GDP पर कार्य कर रही है तो मुद्रा पूर्ति में वृद्धि माँग-पक्षीय मुद्रा स्फीति की ओर अग्रसर करेगी।

वस्तुओं तथा सेवाओं की तेजी से बढ़ती माँग के फलस्वरूप तेजी से बढ़ती मुद्रा की सक्रियता के कारण कीमतों में होने वाली वृद्धि को माँग प्रेरित स्फीति कहते हैं। इस स्थिति में समग्र पूर्ति की अपेक्षा समग्र माँग को प्रभावित करने वाले कारक अधिक प्रभावी होते हैं।

- 12.** रूढ़िवादी (प्रारम्भिक) कीन्सवादियों के मामले में निम्नलिखित में से क्या सत्य है?

Which of the following is true is case of the orthodox (early) Keynesians?

- मुद्रा के लिए माँग की ब्याज लोच अत्यन्त उच्च होती है।
Interest elasticity of demand for money is extremely high.

- मुद्रा के लिए माँग की ब्याज लोच निम्न होती है।
Interest elasticity of demand for money is low.
- मुद्रा की मात्रा में परिवर्तनों का आर्थिक गतिविधि के स्तर पर महत्वपूर्ण पूर्वानुमेय प्रभाव नहीं पड़ते हैं।
Changes in the quantity of money do not have important predictable effects on the level of economic activity.
- मुद्रा की माँग अस्थिर होती है।
Demand for money is unstable.

कोड :

- 1, 2, 3
- 1, 3, 4
- 1, 2, 4
- 2, 3, 4

उत्तर- (B)/व्याख्या रूढ़िवादी (प्रारम्भिक) कीन्सवादियों के मामले में निम्नलिखित तथ्य सही है :

- मुद्रा के लिए माँग की ब्याज लोच अत्यन्त उच्च होती है।
- मुद्रा की मात्रा में परिवर्तनों का आर्थिक गतिविधि के स्तर पर महत्वपूर्ण पूर्वानुमेय प्रभाव नहीं पड़ते हैं।
- मुद्रा की माँग अस्थिर होती है।

- 13.** निम्नलिखित में से कौन-सा कथन मिथ्या है ?

Which of the following statement is false?

- कीन्सवादी गुणक का मूल्य जितना कम होगा और निवेश की ब्याज संवेदनशीलता जितनी कम होगी, आई. एस. वक्र उतना सपाट होगा।

The IS curve is flatter, lower the value of the Keynesian multiplier and lower the interest resistiveness of investment.

- कीन्सवादी गुणक का मूल्य जितना कम होगा और निवेश की ब्याज संवेदनशीलता जितनी कम होगी, आई. एस. वक्र उतना ढलवाँ (या प्रपाती) होगा।

The IS curve is steeper lower the value of the Keynesian multiplier and lower the interest resistiveness of investment.

- एल. एम. वक्र की स्थिति कीमत स्तर तथा आय में परिवर्तनों के प्रति मुद्रा की माँग की संवेदनशीलता पर ऋणात्मक रूप से निर्भर करती है।

The position of LM curve depends negatively on the price level and the resistiveness of the money demand to the changes in income.

- मुद्रा की माँग की ब्याज संवेदनशीलता जितनी अधिक होगी और मुद्रा की माँग की आय संवेदनशीलता जितनी कम होगी, उतना ही एल. एम. वक्र सपाट होता है।

The LM curve is flatter, the larger the interest resistiveness of the money demand and the lower the income resistiveness of the money demand.

उत्तर- (A)/व्याख्या गुणक तथा IS-LM वक्र

- कीन्सवादी गुणक का मूल्य जितना कम होगा तथा निवेश की ब्याज संवेदनशीलता जितनी कम होगी, IS वक्र उतना ढलवा (या प्रतापी) steeper होगा।
- L.M. वक्र की स्थिति कीमत स्तर तथा आय में परिवर्तनों के प्रति मुद्रा की माँग की संवेदनशीलता पर ऋणात्मक रूप से निर्भर करती है।

- मुद्रा की मांग की व्याज संवेदनशीलता जितनी अधिक होगी और मुद्रा की मांग की आय संवेदनशीलता जितनी कम होगी उतना ही L.M. वक्र सपाट (Flatter) होगा।
- कीन्सवादी गुणक का मूल्य जितना अधिक होगा तथा निवेश की व्याज संवेदनशीलता जितनी अधिक होगी IS वक्र उतना सपाट (Flatter) होगा।

14. निम्नलिखित में से कौन से कथन सत्य हैं?

Which of the following statements are true?

1. सरकारी व्यय में वृद्धि समग्र व्यय को ज्यादा शीघ्रता से प्रभावित करती है बजाय मुद्रा पूर्ति में वृद्धि के।
Increased government spending affects aggregate spending more quickly than does an increase in money supply.
2. जब समग्र पूर्ति ऊर्ध्वाकार होती है तो समग्र माँग में वृद्धि का वास्तविक उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
An increase in aggregate demand has no effect upon real output when aggregate supply is vertical.
3. सरकारी व्यय में वृद्धि हमेशा निजी क्षेत्र के व्याज संवेदनशील व्यय की समान मात्रा को 'क्राऊड आउट' करती है।
An increase in government spending always crowds out an equal amount of private sector interest sensitive spending.
4. मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि के बजाय सरकारी व्यय में वृद्धि समग्र आपूर्ति को कम शीघ्रता से प्रभावित करती है।
Increased government spending affects aggregate supply less quickly than does an increase in money supply.

An increase in aggregate demand has no effect upon real output when aggregate supply is vertical.

3. सरकारी व्यय में वृद्धि हमेशा निजी क्षेत्र के व्याज संवेदनशील व्यय की समान मात्रा को 'क्राऊड आउट' करती है।
An increase in government spending always crowds out an equal amount of private sector interest sensitive spending.

An increase in government spending always crowds out an equal amount of private sector interest sensitive spending.

4. मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि के बजाय सरकारी व्यय में वृद्धि समग्र आपूर्ति को कम शीघ्रता से प्रभावित करती है।
Increased government spending affects aggregate supply less quickly than does an increase in money supply.

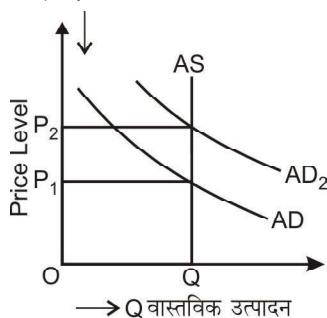
कोड / Codes :

- (A) 1 और 2 (B) 1 और 3
(C) 1 और 4 (D) 3 और 4

उत्तर- (A) व्याख्या सरकारी व्यय में वृद्धि समग्र व्यय को ज्यादा शीघ्रता से प्रभावित करती है बजाय मुद्रा पूर्ति में वृद्धि के।

ऐसा इसलिए क्योंकि सार्वजनिक व्यय में वृद्धि का गुणक प्रभाव प्रत्यक्ष होता है।

- जब समग्र पूर्ति ऊर्ध्वाकार होती है तो समग्र माँग में वृद्धि का वास्तविक उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है जैसा की ग्राफ से विदित है।



15. आर्थिक संवृद्धि के सिद्धान्त के संदर्भ में सूची-I में दिए सिद्धान्तों को सूची-II में दिए उनके प्रतिपादकों के साथ सुमेलित कीजिए :

In the context of the theory of economic growth, match the theory/facts given in List I with their propounders given in List II :

सूची - I / List-I	सूची - II / List-II
(a) आर्थिक संवृद्धि के रुढ़िबद्ध कारक	(1) आर. एम. सोलो R. M. Solow
Stylised facts of economic growth	
(b) बहिर्जात संवृद्धि सिद्धान्त	(2) एन. काल्डर N. Kaldor
(c) संचय का स्वर्णिम नियम	(3) रेडनर एवं सैम्यूलसन Radner & Samuelson
(d) इष्टतम संवृद्धि 'टर्नपाइक्स'	(4) ई. एस. फेल्ट्स E. S. Phelps

कोड / Codes :

(a)	(b)	(c)	(d)
(A) (2)	(1)	(3)	(4)
(B) (3)	(2)	(1)	(4)
(C) (2)	(1)	(4)	(3)
(D) (2)	(4)	(3)	(1)

उत्तर- (C) व्याख्या सही सुमेल है -

सूची - I	सूची - II
(a) आर्थिक संवृद्धि के रुढ़िवादी कारक	(2) एन. काल्डर
(b) बहिर्जात संवृद्धि सिद्धान्त	(1) आर.एम.सोलो
(c) संचय का स्वर्णिम नियम	(4) ई. एस. फेल्ट्स
(d) इष्टतम संवृद्धि 'टर्नपाइक्स'	(3) रेडनर एवं सैम्यूलसन

केल्डार के संवृद्धि के नियम - औद्योगिक विकास, उत्पादकता में वृद्धि तथा GDP वृद्धि के बीच पाये जाने वाले सम्बन्धों को केल्डार संवृद्धि नियम (Kaldor Growth Laws) के नाम से जाना जाता है।

केल्डार ने संवृद्धि के सम्बन्ध में तीन नियमों का प्रतिपादन किया-

- (i) प्रथम विनिर्माण उत्पाद (Manufacturing Output) की वृद्धि दर तथा GDP वृद्धि दर के बीच मजबूत धनात्मक सहसम्बन्ध होता है।
- (ii) दूसरा विनिर्माण उत्पाद की संवृद्धि दर तथा विनिर्माण उद्योग की उत्पादकता (Productivity in manufacturing) के बीच मजबूत धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है। केल्डार के दूसरे नियम को वरडूर्न (Vardoor's Law) भी कहते हैं।
- (iii) तीसरा विनिर्माण उद्योग की उत्पादकता तथा विनिर्माण क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों की उत्पादकता के बीच मजबूत धनात्मक सहसम्बन्ध पाया जाता है।

- **अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्त** - इस सिद्धान्त के प्रतिपादक अर्थशास्त्रियों में **पाल रोमर** बॉमल एवं राबर्ट लूकास इससे जुड़े अर्थशास्त्री हैं। यह सिद्धान्त प्रतिपादित करता है कि आर्थिक विकास उत्पादन प्रक्रिया में निहित भीतरी कारकों द्वारा जनित होता है, बाह्य कारकों द्वारा नहीं।

यह दृष्टिकोण मानवीय पूँजी निर्माण में प्रत्यक्ष तथा परोक्ष निवेशों एवं ज्ञान गहन उद्योगों जैसे कम्प्यूटर साफ्टवेयर में विदेशी पूँजी को प्रोत्साहित करने के द्वारा आर्थिक विकास में सार्वजनिक नीति की सक्रिय भूमिका पर बल देता है। बर्हिजात संवृद्धि सिद्धान्त का सम्बन्ध आर. एम. सोलो से है जो तकनीकी परिवर्तन को उत्पादन फलन में बाह्य रूप से निर्धार्य मानता है। यह नियोक्लासिक सिद्धान्त है।

● पूँजी संचय की Steady state दर जो प्रति श्रमिक उपभोग को अधिकतम बनाती है संचय का स्वर्णिम नियम कहलाता है, इसे ई. एस. फेल्ट्स ने दिया।

टर्नपाइक प्रमेय - टर्नपाइक सिद्धान्त जिसे रेडनर एवं सैम्युलसन ने दिया, ऐसी आर्थिक सिद्धान्तों का सेट है जो संचयन (Capital Accumulation) के अनुकूलतम पथ को दर्शाते हैं। इसे इष्टतम संवृद्धि पथ भी कहा जाता है।

16. अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्त संवृद्धि के कौन-से निर्धारक की व्याख्या प्रदान करने की चेष्टा करता है जिसे कि सोलो मॉडल ने स्पष्ट नहीं किया है?

The endogenous growth theory seeks to provide explanation for which of the following determinants of growth that the Solow's model did not explain

- (A) तकनीकी प्रगति / Technical Progress
- (B) श्रम संवृद्धि / Labour Growth
- (C) संवृद्धि को बढ़ावा देने में सरकार की भूमिका
Role of the government in promoting growth
- (D) उपर्युक्त सभी / All the above

उत्तर- (C)/व्याख्या अंतर्जात संवृद्धि मॉडल संवृद्धि को बढ़ावा देने में सरकार की भूमिका, मानवीय पूँजी में वृद्धि आदि कारकों की व्याख्या करता है इसकी व्याख्या सोलो ने नहीं की। इस सिद्धान्त के प्रतिपादक अर्थशास्त्रियों में पाल रोमर बॉमल एवं राबर्ट लूकास इससे जुड़े अर्थशास्त्री हैं। यह सिद्धान्त प्रतिपादित करता है कि आर्थिक विकास उत्पादन प्रक्रिया में निहित भीतरी कारकों द्वारा जनित होता है, बाह्य कारकों द्वारा नहीं। यह दृष्टिकोण मानवीय पूँजी निर्माण में प्रत्यक्ष तथा परोक्ष निवेशों एवं ज्ञान गहन उद्योगों जैसे कम्प्यूटर साफ्टवेयर में विदेशी पूँजी को प्रोत्साहित करने के द्वारा आर्थिक विकास में सार्वजनिक नीति की सक्रिय भूमिका पर बल देता है।

17. 'बहु-आयामी निर्धनता सूचकांक' (MPI) नवीन सूचकांक है जिसे निम्नलिखित में समाविष्ट किया जाता है

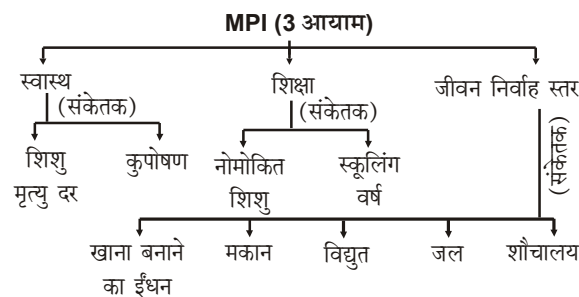
'Multi-dimensional Poverty Index' (MPI) is a new index to be included in

- (A) विश्व मानव रिपोर्ट / World Human Report
- (B) मानव विकास रिपोर्ट / Human Development Report
- (C) विश्व विकास रिपोर्ट / World Development Report
- (D) भारत का मानव विकास रिपोर्ट

India's Human Development Report

उत्तर- (B)/व्याख्या 'बहु-आयामी निर्धनता सूचकांक' (MPI) नवीन सूचकांक है जिसे मानव विकास रिपोर्ट में समाविष्ट किया गया।

इसका विकास 2010 में किया गया। यह गरीबी की माप का अधिक व्यापक दृष्टिकोण है क्योंकि इसमें गरीबी को आय वंचन के रूप में न लेकर बहु-आयामी वंचन के रूप में लेता है जैसे **खराब स्वास्थ्य तथा कुपोषण, अल्पशिक्षा एवं कौशल**, अपर्याप्त जीवन स्तर, **खराब आवासीय व्यवस्था** तथा सामाजिक अपवर्जन इत्यादि। MPI HDI के ही समान तीन आयामों पर आधारित है परन्तु इसे 10 संकेतक हैं



18. कल्याण का बेहतर माप कौन-सा है?

Which is the better measure of welfare?

- (A) राष्ट्रीय आय / National Income
- (B) प्रति व्यक्ति आय / Per Capita Income
- (C) प्रति व्यक्ति व्यय योग्य आय
Per Capita Disposable Income
- (D) सकल राष्ट्रीय उत्पाद / Gross National Product

उत्तर- (C)/व्याख्या प्रति व्यक्ति व्यय योग्य आय कल्याण की बेहतर माप करता है क्योंकि यह लोगों की वास्तविक क्रय शक्ति को दर्शाती है।

19. 11वीं पंचवर्षीय योजना के किस वर्ष में उच्चतम जीडीपी वृद्धि दर दर्ज की गई थी?

Which of the following year of the 11th Five Year Plan registered the Highest GDP growth rate?

- (A) 2007-08
- (B) 2008-09
- (C) 2009-10
- (D) 2010-11

उत्तर- (A)/व्याख्या

वर्ष	GDP वृद्धि (%)
2007-08	10.2
2008-09	3.7
2009-10	8.5
2010-11	9.8
2011-12	6.9

11वीं FYP की अवधि 1 अप्रैल 2007-08 से 31 मार्च 2012 तक रही। इस योजना का मुख्य उद्देश्य तीव्र और अधिक समावेशी विकास था। इस योजना में कृषि, उद्योग एवं सेवाओं में क्रमशः 4%, 10% एवं 9% का वृद्धि का लक्ष्य रखा गया।

11वीं योजना में 9% औसत वार्षिक संवृद्धि दर का लक्ष्य रखा गया था जिसमें 8% Average Annual Economic Growth Rate प्राप्त हुई।

20. यू. एन. ई. पी. का मुख्य उद्देश्य क्या है?

What is the main purpose of U.N.E.P.?

- (A) समान विकास / Equal development
(B) आर्थिक विकास / Economic development
(C) तापमान में कमी / Reduction in temperature
(D) धारणीय विकास / Sustainable development

उत्तर- (D) व्याख्या यू.एन.ई.पी. का मुख्य उद्देश्य धारणीय विकास है।

इसकी स्थापना 5 जून 1972 United Nations Conference on the Human Environment, Stockholm June 1972 में हुई। यह UN में पर्यावरणीय मुद्दों की संस्था है।

UNEP का वर्तमान समय में उद्देश्य 17 धारणीय विकास लक्ष्य (Sustainable Development Goals) को प्राप्त करने में विश्व की सहायता करना है।

21. भारत में खाद्यान्नों को निम्नलिखित में किसके द्वारा सारणीबद्ध (केनलाइज) किया जाता है?

Foodgrains in India are canalized by

- (A) ONGC (B) OIL
(C) FCI (D) MMTC

उत्तर- (C) व्याख्या भारत में खाद्यान्नों को FCI (Food Corporation of India) के द्वारा सारणीबद्ध किया जाता है।

FCI भारत सरकार की संस्था है जो Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution के अंतर्गत कार्य करती है। FCI की स्थापना FCI Act 1964 के माध्यम से 14 जनवरी 1965 में हुई। FCI खाद्यान्नों की खरीददारी, भण्डारण व संग्रहण परिवहन एवं वितरण का कार्य करती है। यह खाद्यान्नों के वितरण के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली को खाद्यान्न उपलब्ध कराती है।

जबकि

● ONGC - Oil and Natural Gas Corporation भारत सरकार के स्वामित्व वाली Crude oil and natural gas corporation है जो Ministry of Petroleum and Natural Gas के अंतर्गत कार्य करती है। 2010 में ONGC को महारत्ना कम्पनी का दर्जा प्राप्त हुआ।

स्थापना : 14 अगस्त 1956

मुख्यालय : दिल्ली

● OIL - Oil India Limited - Operational headquarters 'Duliajan Assam Govt. की स्वामित्व वाली hydrocarbon exploration and production corporation है। इसे नवरत्न का दर्जा प्राप्त है।

स्थापना - 18 फरवरी 1959

● MMTC Ltd - Metals and Minerals Trading Corporation of India- दो प्रमुख विदेशी विनिमय अर्जित करने वाली कम्पनियों में से एक।

स्थापना : 26 सितम्बर 1963

मुख्यालय : नई दिल्ली

22. सी. एस. ओ. के द्वारा 2012-13 के प्रथम चतुर्थ के लिए जारी अन्तिम आँकड़ों के अनुसार, जीडीपी वृद्धि का क्या अनुमान लगाया गया है?

As per provisional data released by C. S. O. for Q1 of 2012-13, the GDP growth has been estimated at

- (A) 5.1 % (B) 5.5 %
(C) 5.9 % (D) 6.2 %

उत्तर- (B) व्याख्या वर्तमान समय में भारत की राष्ट्रीय आय का अनुमान National Statistical Office (NSO) द्वारा लगाया जाता है जो Ministry of Statistics & Programme Implementation की एक इकाई है।

वर्ष 2021-22 के प्रथम Quater (April-June) के लिए NSO ने दोनों Constant Price (2011-12) व Current Price पर Q1 2021-22 के लिए GDP में 20.1% की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

23. किसके आर्थिक सिद्धान्तों में माल्थस के सिद्धान्त मूल में रहते हैं?

In whose economic theories, Malthus' theories are in the base?

- (A) एडम स्मिथ / Adam Smith
(B) रिकार्डो / Ricardo
(C) कीन्स / Keynes
(D) रॉबिन्स / Robins

उत्तर- (C) व्याख्या कीन्स के आर्थिक सिद्धान्तों में माल्थस के सिद्धान्त मूल में रहते हैं।

केन्स ने रॉबर्ट माल्थस को कैम्ब्रिज अर्थशास्त्रियों में वस्तुतः प्रथम अर्थशास्त्रियों के रूप में माना क्योंकि माल्थस कीन्स के अग्रदूत थे। माल्थस प्रथम अर्थशास्त्री थे जिन्होंने 'से के बाजार नियम' को अस्वीकार किया और प्रभावी मांग के महत्व पर बल दिया। माल्थस ने दर्शाया कि जनसंख्या में होने वाली वृद्धि आनुपातिक धन की वृद्धि के बिना संभव नहीं है। पूंजी संचयन की दर में वृद्धि होने पर श्रम की मांग भी बढ़ती है इससे जनसंख्या विकास को प्रोत्साहन प्राप्त मिलता है परन्तु केवल जनसंख्या विकास से धन में वृद्धि नहीं होती। जनसंख्या वृद्धि से धन में वृद्धि केवल तभी होती है जब इससे प्रभावी मांग भी बढ़े और यह प्रभावी मांग ही धन (आय) में वृद्धि लाएगी।

माल्थस में 'बचत की इष्टतम प्रवृत्ति' का भी सुझाव दिया और दर्शाया कि बचत की अधिकता उत्पादन के उद्देश्य को नष्ट कर देती है।

माल्थस ने प्रौद्योगिकीय उन्नति, धन के समान वितरण, आन्तरिक और विदेशी व्यापार सही प्रशासन तथा सन्तुलित विकास पर भी बल दिया।

उपरोक्त सभी धारणाएँ कीन्स के विचारों में विद्यमान हैं अतः कीन्स के आर्थिक सिद्धान्तों में माल्थस के सिद्धान्त मूल में रहते हैं।

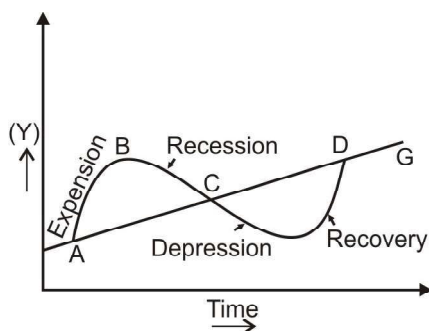
24. व्यापार चक्र के चार चरण हैं। इन चरणों के घटित होने का सही अनुक्रम बताएँ :

There are four phases of a business cycle. Identify the correct sequence of the occurrence of these phases :

- (A) वसूली, अवमंदन, विस्तार, मंदी
Recovery, Recession, Expansion, Depression
(B) वसूली, विस्तार, मंदी, अवमंदन
Recovery, Expansion, Depression, Recession

- (C) मंदी, विस्तार, अवमंदन, वसूली
Depression, Expansion, Recession, Recovery
(D) वसूली, विस्तार, अवमंदन, मंदी
Recovery, Expansion, Recession, Depression

उत्तर- (D) व्याख्या व्यापार चक्र पूँजीवादी अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषताएं हैं व्यापार चक्रों में मुख्य रूप से चार चरण पाए जाते हैं: वसूली (Recovery) → विस्तार (Expansion) → अवमंदन (Recession) → मंदी (Depression)



- 25. भारत में 11वीं योजना के दौरान कृषि क्षेत्र में कुल कारक उत्पादकता (TFP)**

The Total Factor Productivity (TFP) in agriculture during the 11th plan in India

- (A) बढ़ी थी। / Increased
(B) कम हुई थी। / Declined
(C) अपरिवर्तित रही। / Remain unchanged
(D) कोई विशेष पैटर्न नहीं था। / Had no specific pattern

उत्तर- (A) व्याख्या भारत में 11वीं योजना के दौरान कृषि क्षेत्र में कुल कारक उत्पादकता (TFP) बढ़ी थी।

11वीं योजना तीव्र एवं अधिक समावेशी विकास पर आधारित थी। इस योजना में कृषि क्षेत्र के लिए 4% संवृद्धि का लक्ष्य रखा गया था।

- 26. विकसित देशों में खाद्य के लिए माँग की आय लोच किससे कम होती है?**

Income elasticity of demand for food in developed countries is less than

- (A) शून्य (B) 1
(C) 2 (D) 3

उत्तर- (B) व्याख्या विकसित देशों में खाद्यान्नों की माँग की आय लोच इकाई से कम होती है।

जो दर्शाता है कि आय में आनुपातिक वृद्धि की तुलना में खाद्यान्नों पर कम व्यय किया जाता है। इस तथ्य की व्याख्या ऐंजिल के नियम से की जा सकती है। ऐंजिल के अनुसार परिवार की आय में वृद्धि होने पर खाद्यान्नों में पारिवारिक व्यय में कमी आती है। कपड़े जूते आदि वस्तुओं में व्यय स्थिर रहता है जबकि शिक्षा स्वास्थ्य तथा आराम की वस्तुओं में व्यय बढ़ता है।

$$\text{मांग की आय लोच} = \frac{\text{मांग में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{आय में प्रतिशत परिवर्तन}}$$

- 27. 'अपना खेत अपना काम' की स्कीम 'मनरेगा (MNREGA)' के अन्तर्गत नवीन स्कीम है, यह किस राज्य में प्रारम्भ की गई थी?**

'Apna Khet, Apna Kaam' (i.e. own field, own work) is a new scheme under MNREGA and it was initiated in the State

- (A) पंजाब / Punjab
(B) गुजरात / Gujarat
(C) राजस्थान / Rajasthan
(D) मध्य प्रदेश / Madhya Pradesh

उत्तर- (C) व्याख्या 'अपना खेत, अपना काम' स्कीम MGNREGA के अन्तर्गत राजस्थान सरकार द्वारा 2011 में प्रारम्भ की गई।

'अपना खेत अपना काम' के तहत किसानों के खेतों में भूमि सुधार, कृषि वानिकी के काम, उद्यानिकी, लघु सिंचाई और कृषि भूमि पर भू जल संरक्षण के कार्य करवाए जा रहे हैं जो मनरेगा के अंतर्गत हैं। प्रथम चरण में राज्य के ऐसे समस्त BPL परिवारों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति, जिनकी अजीविका का आधार भूमि एवं कृषि आधारित गतिविधियां हैं को योजना में शामिल किया गया।

मनरेगा का प्रारम्भ मनरेगा Act 2005 के तहत 2 फरवरी 2006 को आन्ध्रप्रदेश से किया गया। प्रारम्भ में इसे सीमित रूप में प्रारम्भ किया गया। 1 अप्रैल 2008 को मनरेगा को सम्पूर्ण देश में लागू कर दिया गया तथा 2 अक्टूबर 2009 को इसका नाम बदलकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना कर दिया गया। यह योजना ग्रामीण क्षेत्र में प्रत्येक अकुशल श्रमिक को 100 दिन के रोजगार की गारण्टी प्रदान करती है। वर्तमान में यह देश के 644 जिलों में लागू है।

- 28. 'कीमत कैंची' किससे सम्बन्धित है?**

'Price Scissors' refer to

- (A) ईंधन एवं औद्योगिक वस्तुओं की तुलनात्मक कीमत।
Relative price of fuel and industrial goods
(B) कृषि वस्तुओं के सम्बन्ध में औद्योगिक वस्तुओं की तुलनात्मक कीमत।
Relative price of industrial goods in terms of agricultural goods
(C) निर्यातित वस्तुओं के सम्बन्ध में आयातित वस्तुओं की तुलनात्मक कीमत।
Relative price of imported goods in terms of the exported goods
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (B) व्याख्या 'कीमत कैंची' (Price Scissors) कृषि वस्तुओं के सम्बन्ध में औद्योगिक वस्तुओं की तुलनात्मक कीमत से सम्बन्धित है। कीमत कैंची उस धारणा को व्यक्त करती है जहां औद्योगिक वस्तुओं की कीमतें उनके वास्तविक मूल्य से अधिक होती हैं जबकि कृषि वस्तुओं की कीमतें उनके वास्तविक मूल्य से कम होती हैं जो कि दीर्घकालिक समय में कृषि वस्तुओं से औद्योगिक वस्तुओं के विनिमय के लिए होती है।

or

Price Scissors' is a term that refers to a sustain change in the terms of trade between different goods or classes of goods. Often this can involve a country's drop in the price received for a developing economy's agricultural exports, while its manufacturing good imports rise in price or remain relatively stable.

29. अभिकथन (A) : पीली क्रांति से बीजों के उत्पादन में वृद्धि हुई है।

Assertion (A) : Yellow Revolution increased the production of seeds.

कारण (R) : श्वेत क्रांति ने दूध के उत्पादन में वृद्धि की है।

Reason (R) : White Revolution increased the production of milk.

कोड/ Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are true, but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

(A) is true, but (R) is false.

(D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (D)/व्याख्या पीली क्रांति का सम्बन्ध खाद्य तेलों तथा तिलहन फसलों के उत्पादन में बढ़ोत्तरी लाने हेतु अनुसंधान एवं विकास से है। भारत में तिलहन प्रौद्योगिकी मिशन 1986 में प्रारम्भ किया गया ताकि भारत में तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता प्राप्त की जा सके। इस प्रकार अभिकथन असत्य है।

श्वेत क्रांति ने दूध के उत्पादन में वृद्धि की। श्वेत क्रांति की भारत में शुरुआत 1964-65 में 'सघन पशु विकास कार्यक्रम' के अंतर्गत दूध के क्षेत्र में क्रांति उत्पन्न करके उत्पादकता बढ़ाने के लिए की गई। 1970 में आपरेशन फ्लड चलाया गया। जिसका सम्बन्ध दूध उत्पादन से था। इस प्रकार कारण सत्य है।

30. ब्रेटन वुड्स व्यवस्था के विध्वंस होने का तात्कालिक कारण क्या था?

The immediate cause for the collapse of the Bretton Woods system was

(A) यह प्रत्याशा कि यू. एस. शीघ्र ही डॉलर का अवमूल्यन करने के लिए विवश हो जायेगा।

the expectation that the U.S. would soon be forced to devalue the dollar.

(B) यू. एस. से तरल पूँजी का भारी बाह्य प्रवाह।

the massive flight of liquid capital from the U. S.

(C) तीन छोटे यूरोपियन सेंट्रल बैंकों द्वारा अपनी डॉलर जमापूँजी के कुछ भाग को फेडरल में स्वर्ण में बदलने का प्रयास

the attempt by three small European Central Banks to convert part of their dollar holdings into gold at the Fed.

(D) उपर्युक्त सभी / All of the above

उत्तर- (D)/व्याख्या ब्रेटन वुड्स व्यवस्था के विध्वंस होने का तात्कालिक कारण था -

(A) यह प्रत्याशा कि यू.एस. शीघ्र ही डॉलर का अवमूल्यन करने पर विवश हो जायेगा।

(B) यू.एस. से तरल पूँजी का भारी बाह्य प्रवाह।

(C) तीन छोटे यूरोपियन सेंट्रल बैंकों द्वारा अपनी डॉलर जमा पूँजी के कुछ भागों को फेडरल में स्वर्ण में बदलने का प्रयास। द्वितीय विश्व युद्ध से अर्थात् 1944 के ब्रेटन वुड्स सम्मेलन से 1971 तक स्वर्णमान की जो प्रणाली क्रियाशील रही उसे ब्रेटन वुड्स प्रणाली कहते हैं। ब्रेटन वुड्स सम्मेलन में जो मौद्रिक प्रणाली स्वीकार की गई वह स्वर्ण विनिमय मान (Gold Exchange Standard) थी जिसमें USA को स्वर्ण के मूल्य को जो \$ 35 प्रति औंस निश्चित की गयी थी, कायम रखना था तथा मांग पर डॉलर के सोने में परिवर्तित करने की सुविधा बिना किसी प्रतिबंध के प्रदान करनी थी। यह प्रणाली स्थिर विदेशी विनिमय दर प्रणाली थी।

31. स्थिर विनिमय दर व्यवस्था के मामले में भुगतान संतुलन किसके जरिये होता है?

In case of Fixed Exchange Rate regime adjustment in Balance of Payments takes place through

(A) कीमत स्तर में परिवर्तन / Changes in price level

(B) विनिमय दर में परिवर्तन / Changes in exchange rate

(C) ब्याज की दर में परिवर्तन / Changes in interest rate

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं / none of the above

उत्तर- (A)/व्याख्या स्थिर विनिमय दर व्यवस्था के मामले में भुगतान संतुलन कीमत स्तर में परिवर्तन के जरिये होता है। स्थिर विनिमय दर व्यवस्था के अंतर्गत सभी विनिमय लेन देन उस दर पर होते हैं जिसे मौद्रिक अधिकारी निर्धारित करते हैं। ये अधिकारी कानून बनाकर या करेन्सी बाजारों में हस्तक्षेप के माध्यम से विनिमय दर निश्चित करते हैं।

32. हाजिर (स्पॉट) विदेशी मुद्रा विनिमय किससे सम्बन्धित है?

A spot Foreign Exchange Transaction refers to

(A) दो व्यवसाय दिनों के अन्दर डिलीवरी के लिए विदेशी मुद्रा की खरीद या बिक्री।

the purchase or sale of foreign exchange for delivery within two business days.

(B) डिलीवरी के लिए विदेशी मुद्रा का विक्रय।

the sale of foreign exchange for delivery.

(C) डिलीवरी के लिए विदेशी मुद्रा की खरीद।

the purchase of foreign exchange for delivery.

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं / none of the above.

उत्तर- (A)/व्याख्या दो व्यवसाय दिनों के अन्दर डिलेवरी के लिए विदेशी मुद्रा का क्रय विक्रय हाजिर (स्पॉट) विनिमय दर कहलाती है।

स्पॉट विनियम दर, विदेशी विनियम की तुरन्त सुपुर्दगी से सम्बन्धित है। स्पॉट विनियम दर वह दर है जिस पर एक देश की करेंसी का दूसरे देश की करेंसी से वर्तमान अवधि में विनियम किया जाता है। व्यवहार में सौदा दो व्यवसाय दिनों के अन्दर सुपुर्दगी से होता है।

33. एम. एफ. एन. (मोस्ट फेवर्ड नेशन) धारा के सम्बन्ध में सही कथन ज्ञात कीजिए।

Regarding M. F. N. (Most Favoured Nation) clause, find out the correct Statement :

(A) यह संविदा करने वाले दलों को विशेष सुविधा की गारन्टी देता है।

It guarantees special privilege to the contracting parties.

(B) यह केवल समान व्यवहार की गारन्टी देता है।

It guarantees only equal treatment.

(C) अप्रतिबन्धित एम.एफ.एन. धारा प्रतिबन्धित धारा की तुलना में ज्यादा न्यायसंगत या साम्यिक प्रतीत होती है।

The unconditional M. F. N. clause seems to be more equitable than the conditional one.

(D) प्रतिबन्धित एम.एफ.एन. धारा संविदा करने वाले दलों को महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान करती है।

The conditional M. F. N. clause confers significant rights on the contracting party.

उत्तर- (B)/व्याख्या एम. एफ. एन.(मोस्ट फेवर्ड नेशन) धारा विदेशी व्यापार में देशों के मध्य समान व्यवहार की गारन्टी देता है।

MFN Clause, WTO के Trade Without Discrimination के तहत महत्वपूर्ण धारा है। यह स्पष्ट करता है कि WTO सदस्य देश अपने व्यापारिक साझेदार के साथ भेदभाव नहीं कर सकती। यदि कोई देश किसी अन्य व्यापारिक साझेदार देश को कुछ विशेष रियायत जैसे (उत्पाद के लिए Customs duty कम करना) प्रदान करती है तो MFN Clause के तहत ये रियायतें सभी WTO सदस्य देशों को प्राप्त होगी।

MFN Clause में कुछ रियायतें हैं जिसके तहत यदि देश Free Trade Agreement करते हैं तो समझौते के अन्तर्गत आने वाले देशों के मध्य व्यापार में रियायतों में MFN से दूर मिलती है बशर्ते अन्य देशों से समान व्यवहार किया जाए।

34. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए :

Match List - I with List - II

सूची - I / List-I

(a) हेमिल्टन-लिस्ट

Hamilton List

(b) मार्शल-लर्नर

Marshall-Learner

(c) एफ. वाइ. एजवर्थ

F. Y. Edgeworth

(d) जेकोब वाइनर

सूची - II / List - II

(1) व्यापार सृजन एवं

व्यापार विषयान्तर प्रभाव

Trade creation and

Trade diversion effects

(2) भारतीय-उद्योग

Indian Industry

(3) लोच का दृष्टिकोण

Elasticity approach

(4) दरिद्रताजननीय संवृद्धि

Jacob Viner

Impoverishing growth

कोड/ Codes :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(2)	(3)	(1)	(4)
(B)	(2)	(3)	(4)	(1)
(C)	(3)	(2)	(4)	(1)
(D)	(3)	(2)	(1)	(4)

उत्तर- (B)/व्याख्या सही सुमेल है -

सूची - I	सूची - II
(a) हेमिल्टन-लिस्ट	(2) भारतीय उद्योग (संरक्षण के शिशु उद्योग तर्क)
(b) मार्शल-लर्नर	(3) लोच का दृष्टिकोण (अवमूल्यन को लोच उपागम अवमूल्यन तभी प्रभावी जबकि $ex + em > 1$ हो)
(c) एफ.वाइ.एजवर्थ	(4) दरिद्रताजनक संवृद्धि (जगदीश भगवती ने इसे संपातकारी वृद्धि कहा)
(d) जेकोब वाइनर	(1) व्यापार सृजन एवं व्यापार विस्तारक प्रभाव (कस्टम यूनियन को आंशिक संतुलन)

जगदीश भगवती ने दरिद्रता जनक संवृद्धि को 'संपातकारी वृद्धि' (Immiserising Growth) कहा। जगदीश भगवती के अनुसार आर्थिक विकास से उत्पादन बढ़ता है पर हो सकता है कि उससे व्यापार की शर्तें इतनी बिगड़ जाए कि विकास के लाभदायक प्रभाव को समाप्त कर दे और विकासशील देशों की वास्तविक आय घटा दें।

इस प्रकार दरिद्रताजनक संवृद्धि का सिद्धान्त विकासशील देशों की व्यापार की शर्तों के ह्रास से सम्बन्ध रखता है।

35. संचालित तिरती विनियम दर व्यवस्था के अन्तर्गत, राष्ट्र के मौद्रिक प्राधिकारी विदेशी विनियम बजारों में किस लिये हस्तक्षेप करते हैं?

Under a managed floating exchange rate system, the Nation's monetary authorities intervene in Foreign Exchange Markets to

(A) विनियम दरों में अल्पकालिक उतार-चढ़ावों को घटाने के लिए।

smooth out short-run fluctuations in exchange rates

(B) विनियम दरों में दीर्घकालिक उतार-चढ़ावों को घटाने के लिए।

smooth out long-run fluctuations in exchange rates

(C) विनियम दरों में अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक उतार-चढ़ावों को घटाने के लिए।

smooth out short-run and long-run fluctuations in exchange rates

(D) राष्ट्रों के समूह के बीच विनियम दरों को स्थिर रखने के लिए।

keep exchange rates fixed among a group of nations

उत्तर- (A) व्याख्या संचालित तिरती विनिमय दर व्यवस्था में मौद्रिक अधिकारी विदेशी विनिमय बाजारों में **विनिमय दरों में अल्पकालिक उतार चढ़ावों को घटाने के लिए हस्तक्षेप करते हैं।**

Managed Floating Exchange Rate

संचालित तिरती विनिमय दर व्यवस्था देश के केन्द्रीय बैंक को अधिकार देती है कि वह विदेशी विनिमय बाजार में निरन्तर हस्तक्षेप के माध्यम से उच्चावचनों को कम करें। विदेशी विनिमय दर की इस व्यवस्था को 'Dirty Float' भी कहा जाता है।

36. निम्नलिखित में से कौन-सा आदर्श करेन्सी क्षेत्र के साथ सम्बन्धित है?

Which of the following is related with optimum currency area?

- (A) एकल करेन्सी के लिए इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र।
Optimal geographical area for a single currency
- (B) कई करेन्सियों के लिए, जिनकी विनिमय दरें तुलनात्मक रूप से कीलित कर दी गई हैं, इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र।
Optimal geographical area for several currencies whose exchange rates are relatively pegged
- (C) एकल करेन्सी या कीलित करेन्सियाँ अन्य करेन्सियों की तुलना में संयुक्त रूप से बदलती हैं या घटती-बढ़ती हैं।
Single currency or the pegged currencies fluctuate jointly visa-vis other currencies
- (D) उपर्युक्त सभी। / All the above

उत्तर- (D) व्याख्या Optimum Currency Area (OCA) अथवा Optimum Currency Region (OCR) एक भौगोलिक क्षेत्र है जिसमें एकल मुद्रा का चलन होता है ताकि आर्थिक कुशलता को अधिकतम किया जा सके।

इसके अनुसार -

- A. एकल करेन्सी के लिए इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र होता है।
- B. कई करेन्सियों के लिए जिनकी विनिमय दर तुलनात्मक रूप से कीलित कर दी गई है, इष्टतम भौगोलिक क्षेत्र होता है।
- C. आदर्श करेन्सी क्षेत्र में एकल करेन्सी या कीलित करेन्सियाँ अन्य करेन्सियों की तुलना में संयुक्त रूप से बदलती हैं या घटती बढ़ती हैं।

37. भुगतान संतुलन के मौद्रिक उपागम के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य है?

Which of the following is true with respect to the monetary approach to the balance of payments?

- (A) भुगतान संतुलन में घाटा राष्ट्र में मुद्रा आपूर्ति के आधिक्य के परिणामस्वरूप होता है।
A balance of payments deficit results from an excess supply of money in the nation.
- (B) भुगतान संतुलन अतिरेक मुद्रा की अतिरिक्त माँग से होता है।
A balance of payment surplus results from an excess demand for money.
- (C) भुगतान संतुलन में असंतुलन दीर्घकाल में स्वतः ही ठीक हो जाता है।

Balance of payments disequilibrium are automatically corrected in the long run.

(D) उपर्युक्त सभी / All the above

उत्तर- (D) व्याख्या भुगतान संतुलन एक निश्चित अवधि में एक देश के, विश्व के शेष अन्य देशों से किए गए लेन देनों का वार्षिक लेखा जोखा होता है। BOP के मौद्रिक उपागम के अनुसार भुगतान संतुलन का घाटा एक मौद्रिक घटना है इसका वास्तविक चरों से कोई सम्बन्ध नहीं है।

इसके अनुसार -

- A. भुगतान संतुलन में घाटा राष्ट्र में मुद्रा आपूर्ति के आधिक्य के परिणाम स्वरूप होता है।
- B. भुगतान संतुलन में अतिरेक मुद्रा की अतिरिक्त माँग से होता है।
- C. भुगतान संतुलन में असंतुलन दीर्घकाल में स्वतः सही हो जाता है।

38. निम्नलिखित में से कौन-सा कर केन्द्रीय सरकार के क्षेत्राधिकार के अन्दर आता है जैसा कि भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची-I में परिगणना की गई है?

Which one of the following tax is within the jurisdiction of the Central Government as enumerated in List I of Seventh Schedule of the Constitution of India?

- (A) संसद द्वारा आरोपित किसी भी सीमा के आधार पर खनिज अधिकारों पर कर।
Taxes on mineral rights subject to any limitation imposed by the Parliament
- (B) बिजली के उपभोग एवं बिक्री पर कर।
Taxes on the consumption and sale of electricity
- (C) समाचार पत्रों एवं उसमें विज्ञापनों की बिक्री एवं खरीद पर कर।
Taxes on sale and purchase of newspapers and on advertisements therein
- (D) मानव उपभोग के लिए नशीली शराब, अफीम, भारतीय गांजा एवं अन्य स्वापकों पर उत्पाद शुल्क।
Excise on alcoholic liquors for human consumption, opium, Indian hemp and other narcotics

उत्तर- (C) व्याख्या भारत के संविधान की 7 वीं अनुसूची की सूची-I में केन्द्रीय सरकार को निम्न मदों पर कर लगाने का अधिकार प्राप्त है -

1. कृषि कर के अतिरिक्त आय कर
2. निगम कर
3. सीमा शुल्क
4. उपभोग हेतु अल्कोहल गांजा, अफीम भांग आदि को छोड़कर अन्य वस्तुओं पर उत्पाद शुल्क (जो GST के दायरे से बाहर है)
5. व्यक्तियों तथा कम्पनियों की गैर कृषि संपत्ति के पूँजी मूल्य पर कर
6. स्टाम्प शुल्क (कुछ वित्तीय दस्तावेजों पर)
7. स्टॉक एक्सचेंज तथा भावी मार्केट के लेन-देन पर गैर स्टाम्प कर।
8. अखबार तथा उनमें छपे विज्ञापनों की खरीद तथा बिक्री पर कर।

9. रेल भाड़ा तथा किराया पर कर
10. रेल समुद्र तथा वायुमार्ग से जाने वाले यात्रियों तथा वस्तुओं पर टर्मिनल कर।
11. वे कर जो राज सूची या समवर्ती सूची में अंकित नहीं हैं।

39. वित्त आयोग की सिफारिशों के अन्तर्गत केन्द्र से राज्यों को अनुदानों को क्या कहते हैं?

Grants from the Centre to the States under the recommendations of Finance Commission are known as

- (A) योजना अनुदान / Plan grants
(B) विकास सहायता / Development assistance
(C) वैधानिक अनुदान / Statutory grants
(D) विवेकाधारी अनुदान / Discretionary grants

उत्तर- (C)/व्याख्या वित्त आयोग की सिफारिशों के अन्तर्गत केन्द्र से राज्यों को अनुदानों को वैधानिक अनुदान कहते हैं।

वित्त आयोग संवैधानिक निकाय है। वित्त आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक 5 वर्ष के लिए किया जाता है। वित्त आयोग 5 वर्षों के लिए केन्द्रीय करों की निवल प्राप्ति में से राज्यों के हिस्से को तय करता है साथ ही क्षैतिज बंटवारे के लिए फार्मूला सुझाता है। इसके अतिरिक्त वित्त आयोग राज्यों तथा नगरीय/पंचायतों निकायों के लिए अनुदान भी सुझाता है। वित्त आयोग की सिफारिशों के अंतर्गत केन्द्र से राज्यों को अनुदानों को वैधानिक अनुदान कहा जाता है।

Union Budget के माध्यम से राज्यों को दो प्रकार के अनुदान प्राप्त होते हैं -

(1) Finance Commission Grants - 73rd संविधान संशोधन के बाद पंचायती राज्य संस्थाओं वैधानिक अनुदान तथा आपदाओं के लिए राज्यों को अनुदान वित्त आयोग के अनुदान चार भागों में विभाजित होते हैं -

वैधानिक अनुदान

- (i) Grants for Rural Local Bodies
(ii) Grants for Urban Local Bodies
(iii) Assistance for State Disaster Relief Fund
(iv) Post Devolution Revenue Deficit Grants
(2) केन्द्र सरकार द्वारा अन्य अनुदान जो वैधानिक नहीं हैं।

40. सूची-I में दी मदों को सूची-II में दी मदों के साथ सुमेलित कीजिए:

Match the items given in List - I with those in List - II :

सूची - I / List - I	सूची - II / List - II
(a) कृषिक सम्पदा एवं आय कराधान समिति, 1972	(1) राजा जे. चेलैया Raja J. Chelliah
<i>Committee on Taxation of Agricultural Wealth and income, 1972</i>	
(b) प्रत्यक्ष कर जाँच समिति, 1970	(2) एल. के. झा L. K. Jha
<i>Direct Tax Enquiry Committee, 1970</i>	
(c) कर सुधार समिति, 1991	(3) के. एन. वांछू K. N. Wanchoo
<i>Tax Reform Committee, 1991</i>	

- (d) अप्रत्यक्ष कर जाँच समिति, 1981 (4) के. एन. राज K. N. Raj

Indirect Taxes Enquiry Committee, 1976

कोड / Codes :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(4)	(1)	(2)	(3)
(B)	(4)	(3)	(1)	(2)
(C)	(3)	(2)	(1)	(4)
(D)	(2)	(3)	(1)	(4)

उत्तर- (B)/व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची - I	सूची - II
(a) कृषि सम्पदा एवं आय कराधान समिति -1972	(4) के. एन. राज
(b) प्रत्यक्ष कर जाँच समिति -1970	(3) के. एन. वांछू
(c) कर सुधार समिति -1991	(1) राजा जे. चेलैया
(d) अप्रत्यक्ष कर जाँच समिति -1981	(2) एल. के. झा समिति

- **प्रत्यक्ष कर जाँच समिति - के. एन. वांछू** की अध्यक्षता वाली समिति ने रिपोर्ट 1972 में दी। कमेटी ने कर प्रशासन को अधिक चुस्त तथा प्रभावपूर्ण बनाने के लिए सुझाव दिए
- **कृषि सम्पदा एवं आय कराधान - के.एन. राज** की अध्यक्षता वाली समिति ने कृषि जोत कर का सुझाव दिया तथा कृषि व गैर कृषि आय को गैर कृषि आय पर कर की दर निर्धारित करने के लिए आंशिक रूप से जोड़ने का सुझाव दिया।
- **अप्रत्यक्ष कर जाँच समिति (1981) - एल. के. झा** की अध्यक्षता वाली समिति ने चुंगी के स्थान पर टर्न ओवर टैक्स की संस्तुती की तथा MAN-VAT लागू करने का सुझाव दिया। MAN VAT: Manufacturing Value Added Tax
- **कर सुधार समिति - चेलैया समिति** - आर. जे. चेलैया की अध्यक्षता वाली समिति ने कर सुधारों की व्यापक रूप रेखा प्रस्तुत की जिस पर 1991 के बाद का राजकोषीय सुधार आधारित था। इसने सेवाकर लगाने की सिफारिश की एवं TIN (Tax Identity number) लागू करने का सुझाव दिया। TIN को 1 अप्रैल 2003 से लागू किया गया।

41. भारत सरकार की समयबद्ध प्रतिभूतियों का सबसे बड़ा धारक है

The biggest holder of Government of India dated securities :

- (A) भारतीय रिजर्व बैंक / Reserve Bank of India
(B) भारतीय जीवन बीमा निगम Life Insurance Corporation of India
(C) कर्मचारी भविष्य निधि / Employees Provident Fund
(D) वाणिज्यिक बैंक / Commercial Banks

उत्तर- (D)/व्याख्या भारत सरकार की समयबद्ध प्रतिभूतियों का सबसे बड़ा धारक वाणिज्यिक बैंक है।

भारत सरकार की समयबद्ध प्रतिभूतियों के धारक के रूप में व्यापारिक बैंक, बीमा कम्पनियों प्रोविडेंट फण्ड एवं केन्द्रीय बैंक शामिल हैं। RBI द्वारा प्रस्तुत 2017-18 के आंकड़ों के अनुसार

व्यापारिक बैंकों के पास 40% बीमा कम्पनियों व प्रोवीडेंट फण्ड मिलकर 28% तथा केन्द्रीय बैंक के पास 15% भारत सरकार की समयबद्ध प्रतिभूतियां हैं।

42. भारत में निम्नलिखित करों को लागू करने के कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिए :

Arrange the introduction of the following taxes in India in chronological order :

I. सेवा कर / Service tax

II. आय कर / Income tax

III. बैंकिंग रोकड़ लेन-देन कर

Banking cash transaction tax

IV. उपहार कर / Gift tax

कोड / Codes :

(A) II, IV, I, III

(B) II, I, III, IV

(C) II, III, I, IV

(D) IV, II, I, III

उत्तर- (A) व्याख्या भारत में निम्नलिखित करों को लागू करने के कालानुक्रमिक क्रम -

II	आय कर	1860 ई०
IV	उपहार कर	1958 ई०
I	सेवा कर	1994 ई०
III	बैंकिंग रोकड़ लेन-देन कर	2005 ई०

43. भारत में काले धन का आकलन करने के लिए निम्नलिखित में से किसने काम नहीं किया है?

Who amongst the following has not worked for estimation of Black Money in India ?

(A) एन. काल्डर / N. Kaldor

(B) डॉ. डी. के. रंगनेकर / Dr. D. K. Rangnekar

(C) ओ. पी. चोपड़ा / O. P. Chopra

(D) सुखमय चक्रवर्ती / Sukhamoy Chakravarty

उत्तर- (D) व्याख्या सुखमय चक्रवर्ती (1985) समिति का सम्बन्ध मौद्रिक नीति संस्था से है।

काले धन से सम्बन्धित अर्थशास्त्र में कोई आधिकारिक परिभाषा उपलब्ध नहीं है। किन्तु साधारण शब्दों में काला धन ऐसा धन है जिसका हिसाब किताब कर अधिकारियों से छिपाया गया हो। काले धन को अनेक नाम दिए जाते हैं -

जैसे -Parallel Economy, Black Money, Black Income, Unaccounted Economy, illegal Economy etc.

काले धन के आकलन से सम्बन्धित प्रयास

1. एन.काल्डर (1956) Kaldor's Approach of Quantifying non-salary income above the exemption limit of income tax (केल्डर ने गैर वेतन आय को काले धन मापन का आधार बनाया)

2. The Edgar L. Feige Approach

- The Direct Tax Enquiry Committee (Wanchoo Committee) ने केल्डर की धारणा का प्रयोग करते हुए 1961-

62 के लिए देश में non-salary income का अनुमान लगाया जो कर के दायरे में नहीं था।

- Dr. D.K. Rangnekar जो वाचू समिति के सदस्य थे, ने भी 1961-62 के लिए कर के दायरे से बाहर आय का अनुमान लगाया जो 1150 करोड़ थी जबकि वाचू समिति में यह 811 करोड़ थी।

- अर्थशास्त्री O.P. Chopra ने Unaccounted Money के सम्बन्ध में अनेक पेपर प्रकाशित किए। इन्होंने 1960-61 से 1976-77 तक 17वर्षों Unaccounted Money का अनुमान लगाया। इनके अनुसार 1960-61 में यह 916 करोड़ (6.5% of GNP) थी जो 1976-77 में 8098 करोड़ (11.4% of GNP) हो गई।

- NIPFP study on Black Economy in India - NIPFP ने Dr.S.Acharya (1985) की देखरेख में काले धन का अनुमान लगाया।

- The world Bank Development Research Group on Poverty and inequality and Europe and Central Asia Region Human Development Economics Unit ने July-2010 में 162 देशों के लिए 'Shadow Economies का अनुमान 1999 से 2007 तक के लिए लगाया।

- भारत सरकार का 16 मई 2012 में प्रकाशित White Paper on Black Money.

- High Level Committee headed by CBDT chairman Prakash Chandra for tracing black money (June 2011) काले धन पर सरकार के प्रयास (Legislative Action)

- Prevention of Money Laundering Act - 2002
- The Black Money (Undisclosed Foreign Income and Assets) and Imposition of Tax Act, 2005
- The Benami Transactions (Prohibition) Amendment Act, 2016
- The Central Goods and Services Tax Act, 2017
- The Fugitive Economic Offenders Act, 2018

44. भारत में पारिवारिक उपभोग व्यय की कौन-सी मदों के लिए, एन. एस. एस. ओ. संदर्भ अवधि को 365 दिनों के रूप में लेता है?

For which of the following items of household consumption expenditures in India, NSSO takes the reference period as 365 days?

(A) वस्त्र, जूते, बिस्तर, शिक्षा इत्यादि।

Clothing, footwear, bedding, education etc.

(B) खाद्य तेल, मछली एवं मॉस, अण्डा।

Edible oil, fish & meat, egg

(C) साग-सब्जी, फल, मसाले, पेय-पदार्थ एवं संसाधित खाद्य।

Vegetables, fruits, spices, beverages & processed food

(D) अन्य सभी, खाद्य पदार्थ, ईंधन एवं प्रकाश, विविध वस्तुएँ एवं सेवाएँ।

All other food, fuel & light, misc. goods & services

उत्तर- (A)/व्याख्या भारत में पारिवारिक उपभोग व्यय के लिए NSSO (अब NSO) द्वारा MRP (Mixed Reference Period) का प्रयोग किया जाता है जो योजना आयोग द्वारा गरीबी के अनुमान के लिए गठित सुरेश तेन्दुलकर समिति (2005-09) के सिफारिशों पर आधारित है।

URP - Uniform Reference Period

इस विधि को 1954 में P.C. Mahalanobis ने बंगाल में निर्धनता के आकलन के लिए सर्वप्रथम विकसित किया। इस विधि में उपभोग व्यय के आंकड़ों का संग्रह सभी मदों के लिए 30 दिवसीय पुनर्स्मरण के आधार पर एकत्र किए जाते हैं अर्थात् परिवारों द्वारा सर्वेक्षण तिथि से एक माह पूर्व तक की अवधि में इन मदों पर कितना व्यय किया गया है।

इन आंकड़ों को प्रत्येक 5 वर्षों में गरीबी का अनुमान लगाने के लिए NSSO द्वारा एकत्र किया जाता है।

● MRP - Mixed Reference Period based on 365 days recall

इस विधि के अंतर्गत उपभोग व्यय के आंकड़ों का संग्रह 5 गैर खाद्य मदों - कपड़े, जूते, चप्पल, टिकाऊ वस्तुओं शिक्षा संस्थागत चिकित्सा व्यय के लिए 365 दिवसीय पुनर्स्मरण अवधि के आधार पर किया जाता है तथा शेष समस्त व्यय की मदों के लिए उपभोग व्यय के आंकड़ों का संग्रह 30 दिवसीय पुनर्स्मरण विधि के आधार पर किया जाता है।

● MMRP - Modified Mixed Reference Period

MMRP की संकल्पना को C. Rangarajan समिति 'expert group on poverty' द्वारा प्रस्तुत किया गया।

MMRP तीन अलग-अलग अवधियों 365 दिन, 30 दिन व 7 दिन के recall पर आधारित है।

● 365 दिवसीय अवधि में 5 गैर खाद्य मदें,

● 7 दिवसीय अवधि में खाद्य तेल, अण्डे, मांस व मछली, सब्जियाँ, फल, मसाले, पेय पदार्थों जलपान, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, पान तम्बाकू तथा अन्य मादक पदार्थ से सम्बन्धित आंकड़े लिए जाते हैं।

● 30 दिवस अवधि का प्रयोग ईंधन व प्रकाश, विविध प्रकार की वस्तुओं व सेवाओं, किराये आदि के लिए किया जाता है।

- 45. वर्ष 2009-10 में ग्रामीण भारत के लिए औसत मासिक प्रति व्यक्ति व्यय (संशोधित मिश्रित अनुस्मरण काल) क्या है?**
What is the average monthly per capita expenditure (modified mixed recall period) for rural India in 2009-10?
- (A) ₹ 845.54 (B) ₹ 1053.64
 (C) ₹ 1322.25 (D) ₹ 1984.46

उत्तर- (B)/व्याख्या वर्ष 2009-10 में ग्रामीण भारत के लिए औसत मासिक प्रति व्यक्ति व्यय (संशोधित मिश्रित अनुस्मरण काल MRP) पर 1053.64 ₹ था।

“Household Consumer Expenditure in India” Survey conducted by National Statistical Office (NSO) के अनुसार औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय जो 2011-12 में 1501 ₹. था वह 2017-18 में गिरकर 1446 ₹. हो गया है इसमें 3.7% की कमी आयी है जो 4 दशकों के बाद ऐसा हुआ है। NSO ने यह सर्वे July 2017 से June 2018 के बीच किया था।

- 46. 2013-14 के संघीय बजट के मध्यकालिक राजकोषीय नीति कथन के अनुसार वर्ष 2015-16 के अन्त में कुल बकाया देयताओं के लिए लक्ष्य क्या है (जी. डी. पी. का प्रतिशत)?**

What is the target for total outstanding liabilities at the end of 2015-16 as per medium term Fiscal Policy Statement of the Union Budget 2013-14 (Percent of GDP)

- (A) 42.3 (B) 44.5
 (C) 41.1 (D) 47.8

उत्तर- (A)/व्याख्या 2013-14 के संघीय बजट के मध्यकालिक राजकोषीय नीति कथन के अनुसार वर्ष 2015-16 के अन्त में कुल बकाया देयताओं के लिए लक्ष्य 42.3% (GDP का %) है।

बजट 2021-22 घाटे की विभिन्न अवधारणाएं

राजस्व घाटा

बजट 2020-21 में GDP का 2.7% रहने का अनुमान था पर संशोधित अनुमान में यह GDP का 7.5% रहा। बजट 2021-22 में राजस्व घाटा GDP का 5% रहने का अनुमान है।

राजकोषीय घाटा

2020-21 के बजट अनुमान में GDP का 3.5% अनुमानित था संशोधित अनुमान में GDP का 9.5% रहा।

बजट 2021-22 में GDP का 6.8% FD अनुमानित है।

राजकोषीय घाटा 2025-26 तक 4.5% लाने का लक्ष्य रखा गया है।

प्राथमिक घाटा

बजट 2021-22 में प्राथमिक घाटा 3.1% अनुमानित है।

बजट 2020-21 में प्राथमिक घाटा GDP का 0.4% अनुमानित था जो संशोधित आकलन में 5.9% रहा है।

- 47. निम्नलिखित में से किन वर्षों में कृषि जी. डी. पी. की वृद्धि दर (स्थिर कीमतों पर) 5 प्रतिशत से ज्यादा दर्ज की गई?**

Which of the following years recorded growth rate of agriculture GDP (at constant prices) more than 5 percent?

- i. 2006 - 07 ii. 2007 - 08
 iii. 2010 - 11 iv. 2011 - 12

कोड/ Codes :

- (A) i और iii (B) i, ii और iii
 (C) ii और iii (D) i और iv

उत्तर- (C)/व्याख्या वर्ष 2007-08 एवं 2010-11 कृषि GDP की वृद्धि दर (स्थिर कीमतों पर) 5% से ज्यादा दर्ज की गई।

Covid-19 के दौर में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र की संवृद्धि दर ही धनात्मक रही। वर्ष 2020-21 में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र की वृद्धि दर 3.4% रही एवं कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र का GVA में योगदान वर्ष 2019-20 की चालू कीमतों पर 17.8% रहा।

“Green Shoots” शब्द का प्रयोग आर्थिक मंदी (Economic Downturn) के दौरान किसी क्षेत्र विशेष में सुधार या धनात्मक वृद्धि के लिए किया जाता है। Covid-19 के दौर में कृषि एवं सम्बद्ध क्षेत्र के लिए “Green Shoots” का प्रयोग किया गया।

- 48. भारतीय अर्थव्यवस्था में हाल ही के वर्षों में निजी अन्तिम उपभोग व्यय की कौन-सी मदों का सबसे बड़ा हिस्सा (पी.एफ. सी. ई. में) रहा है?**

Which of the following items of private final consumption expenditure has the largest share (in the PFCE) in recent years in the Indian Economy?

- (A) वस्त्र एवं जूते / Clothing & Footwear
(B) सकल भाड़ा, ईंधन एवं ऊर्जा / Gross rent, Fuel & Power
(C) परिवहन एवं संचार / Transport & Communication
(D) फर्नीचर, साज-समान इत्यादि
Furniture, Furnishings, etc.

उत्तर- (C)/ व्याख्या भारतीय अर्थव्यवस्था में हाल ही के वर्षों में निजी अन्तिम उपभोग व्यय की मदों में **सकल भाड़ा, ईंधन एवं ऊर्जा** सबसे बड़ा हिस्सा रहा है।

Private Final Consumption Expenditure (PFCE)
निजी अन्तिम उपभोग व्यय में निम्नांकित क्षेत्र का उपभोग व्यय शामिल है-

- Households Consumption Expenditure
- Non- profit Institutions serving households (NPISH)
जैसे - मंदिर, गुरुद्वारा।
घरेलू क्षेत्र के अन्तिम उपभोग व्यय टिकाऊ तथा गैर टिकाऊ दोनों प्रकार का उपभोग व्यय शामिल है जो वस्तुओं (भूमि को छोड़कर) तथा सेवाओं पर होता है।

49. निम्नलिखित में से कौन-सा भारत के तेरहवें वित्त आयोग का विचारार्थ विषय नहीं रहा है?

Which of the following has not been one of the terms of reference of the Thirteenth Finance Commission of India?

- (A) करों की निवल प्राप्तियों का केन्द्र एवं राज्यों के बीच वितरण जिन्हें उनके बीच वितरित किया जायेगा या वितरित किया जा सकता है।

The distribution between the Union and the States of the net proceeds of taxes which are to be, or may be, divided between them.

- (B) भारत की समेकित निधि से राज्यों के राजस्व के सहायता अनुदान को नियन्त्रित करने वाले सिद्धान्त।

The principles which should govern the grants-in-aid of the revenues of the States out of the consolidated Fund of India.

- (C) राज्य में पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के संसाधनों को पूरकता प्रदान करने हेतु राज्य की समेकित निधि को बढ़ाने के लिए आवश्यक उपाय।

The measures needed to augment the Consolidated Fund of a State to supplement the resources of the Panchayats and Municipalities in the State.

- (D) राज्यों के बढ़ते हुए घाटों को देखते हुए उनके ऋण भारों को पुनर्नियोजित करने की पद्धति।

The method of rescheduling the debt burdens of the States in view of their growing deficits.

उत्तर- (D)/ व्याख्या 15वां वित्त आयोग- 15वें वित्त आयोग का गठन भारत के राष्ट्रपति महोदय द्वारा 27 नवम्बर 2017 को किया गया था। इसने अपनी अंतरिम रिपोर्ट जो वर्ष 2020-21 के लिए थी

5 दिसम्बर 2019 को तथा अन्तिम रिपोर्ट जो वर्ष 2021-26 के लिए थी 9 नवम्बर 2020 को सौंपी। 15 वां वित्त आयोग अनुच्छेद 280 के तहत एन. के. सिंह की अध्यक्षता में गठित किया गया है।

15वें वित्त आयोग को निवल कर आय के बंटवारे के अतिरिक्त विशेष रूप से उपलब्ध कराई जाने वाली विभिन्न प्रकार की अनुदान सहायता देने के लिए राजकोषीय सिद्धान्तों की समीक्षा करने और उन पर टिप्पणी करने को कहा गया था ताकि राज्य और / या स्थानीय सरकारों को उनके प्रयासों के विभिन्न नीतिगत क्षेत्रों में समुचित स्तर पर मदद देकर प्रोत्साहित किया जा सके।

आयोग को सौंपा गया एक अन्य विचारणीय कार्य प्रतिरक्षा और आंतरिक सुरक्षा के लिए वित्त पोषण की सिफारिश करने की प्रणाली निर्धारित करना था।

वित्त आयोग अनुच्छेद 270, 275 और 280 के अंतर्गत धनराशियों का अंतरण करता है।

Vertical Transfer → केन्द्र से राज्यों की ओर

15वें वित्त आयोग ने 41% निवल कर आय के बंटवारे की अनुशंसा की।

Horizontal Distribution → विभिन्न राज्यों को प्राप्त हिस्सेदारी का फार्मूला

मानदंड	भारत %
जनसंख्या	15
क्षेत्रफल	15
वन और पारिस्थितिकी	10
आय अंतराल	45
कर एवं राजकोषीय प्रयास	2.5
जनसांख्यिकीय कार्य निष्पादन	12.5

अनुदान सहायता

15वें वित्त आयोग ने 5 श्रेणियों में अनुदान की अनुशंसा की-

- राजस्व धारा अनुदान -केन्द्र की सकल राजस्व प्राप्तियों का 1.92% RD अनुदान
- स्थानीय सरकारों के लिए अनुदान
- आपदा प्रबंधन के लिए अनुदान
- क्षेत्र विशेष के लिए अनुदान
- राज्य विशेष के लिए अनुदान

50. सूची-I में दिये गये भारत में कीमत सूचकांकों को सूची-II में उनके नवीनतम आधार वर्षों के साथ सुमेलित कीजिए :
Match price indices in India given in List I with their latest base year in List-II :

सूची - I / List - I	सूची - II / List - II
(a) थोक कीमत सूचकांक Wholesale Price Index	(1) 2001 = 100
(b) औद्योगिक मजदूर (सी.पी.आई.-आई. डब्ल्यू) Industrial Workers (CPI-IW)	(2) 2010 = 100
(c) उपभोक्ता कीमत सूचकांक (नवीन श्रृंखला) Consumer Price Index (New Series)	(3) 2004-05 = 100

- (d) कृषिक मजदूर (सी.पी.आई.-ए.एल.) (4) 1986-87 = 100

Agricultural Labourers (CPI-AL)

कोड / Codes :

(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	(3)	(1)	(2)
(B)	(3)	(2)	(4)
(C)	(2)	(1)	(4)
(D)	(2)	(4)	(1)

उत्तर- (*)/व्याख्या/ सही सुमेल है -

सूची - I (सूचकांक)	सूची - II (आधार वर्ष)
(a) थोक कीमत सूचकांक	2011-12 Office of Economic advisor Ministry of Commerce & Industry द्वारा जारी
(b) औद्योगिक मजदूर	2016 (सी.पी.आई.-आई.डब्ल्यू.) Ministry of Labour and Employment
(c) उपभोक्ता कीमत सूचकांक	2012=100 (नवीन श्रृंखला) National Statistical Office
(d) कृषिक मजदूर	वर्तमान में 1986-87 = 100 है (CPI-AL) किन्तु सितम्बर 2021 में CPI-AL (Agriculture Labour) तथा CPIRL (Rural Labour) के लिए आधार वर्ष 1986-87 से बदलकर 2018-19 किया जाना प्रस्तावित है। (Released by Labour Bureau, Ministry of Labour and Employment)

51. केन्द्रीयकरण एवं एकाधिकार शक्ति के डैमसेट्ज के विचार के बारे में क्या सही नहीं है?

Which of the following does not hold correct about the Demsetz view of concentration and monopoly power?

- (A) उत्कृष्ट क्षमता वर्द्धित केन्द्रीयकरण एवं ज्यादा लाभ दोनों उत्पन्न करती है।
Superior efficiency produces both increased concentration and more profits.
- (B) केन्द्रीयकरण से लाभकारिता तक कारणात्मक सम्बन्ध है।
The causal link is from concentration to profitability.
- (C) दक्षता से केन्द्रीयकरण तक कारणात्मक सम्बन्ध है।
The causal link is from efficiency to concentration.
- (D) दक्षता से लाभ तक कारणात्मक सम्बन्ध है।
The causal link is from efficiency to profit.

उत्तर- (B)/व्याख्या/ केन्द्रीयकरण एवं एकाधिकार शक्ति के डैमसेट्ज के विचार के अनुसार सत्य है -

- (A) उत्कृष्ट क्षमता वर्द्धित केन्द्रीयकरण एवं ज्यादा लाभ दोनों उत्पन्न करते हैं।
(C) दक्षता से केन्द्रीयकरण तक कारणात्मक सम्बन्ध है।
(D) दक्षता से लाभ तक कारणात्मक सम्बन्ध है।

52. $G = \frac{1}{N} \sum_{i=1}^N (N - 2i + 1) S_i$ सूत्र का उपयोग करते हुए

निम्नलिखित उद्योग के लिए औद्योगिक केन्द्रीयकरण का आकलन करने के लिए गिनी गुणांक का मूल्य ज्ञात कीजिए।

(जहाँ सूत्र में N फर्मों की संख्या है और S_i उद्योग की बिक्री के सम्बन्ध में फर्म i का हिस्सा है)

Find out the value of Gini coefficient for estimating the industrial concentration for the following industry using the formula

$G = \frac{1}{N} \sum_{i=1}^N (N - 2i + 1) S_i$ (Where N is the number of firms and S_i is the share of i^{th} firm in terms of sales of the industry.)

फर्म-1	फर्म-2	फर्म-3	फर्म-4	उद्योग
Firm-1	Firm-2	Firm-3	Firm-4	Industry
70	10	10	10	100

- (A) 25 (B) 35
(C) 45 (D) 65

उत्तर- (C)/व्याख्या/ $G = 45$

$$G = \frac{1}{N} \sum_{i=1}^N (N - 2i + 1) S_i$$

$$\begin{aligned} \therefore G &= \frac{1}{4} [(4 - 2 \times 1 + 1) 70 + (4 - 2 \times 2 + 1) 10 + (4 - 2 \times 3 + 1) 10 + (4 - 2 \times 4 + 1) 10] \\ &= \frac{1}{4} [210 + 10 + (-10) + (-30)] \\ &= \frac{1}{4} [210 + 10 - 10 - 30] \\ &= \frac{1}{4} \times 180 = 45 \end{aligned}$$

53. मजदूरी सिद्धान्त के सम्बन्ध में सूची-I की मदों को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिए :

Relate the items given in List - I with the List II with regard to Wage Theory :

सूची - I / List - I	सूची - II / List - II
(a) मजदूरी का लौह सिद्धान्त(1) Iron law of wages	ज. एस. मिल J. S. Mill
(b) मजदूरी-निधि सिद्धान्त Wage-funds theory	(2) जॉन आर. हिक्स John R. Hicks
(c) अतिरेक मूल्य सिद्धान्त Surplus-value theory	(3) डेविड रिकार्डो David Ricardo
(d) सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त Marginal productivity theory	(4) कार्ल मार्क्स Karl Marx

कोड / Codes :

	a	b	c	d
(A)	1	3	4	2
(B)	2	1	3	4
(C)	3	4	2	1
(D)	3	1	4	2

उत्तर- (D) व्याख्या/ सही सुमेल है -

सूची - I (मजदूरी सिद्धान्त)	सूची - II (सम्बन्धित आविष्कार कर्ता)
(a) मजदूरी का लौह सिद्धान्त	(3) डेविड रिकार्डो
(b) मजदूरी निधि सिद्धान्त	(1) जे.एस.मिल
(c) अतिरेक मूल्य सिद्धान्त	(4) कार्ल मार्क्स
(d) सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त	(2) जॉन आर हिक्स

(a) मजदूरी लौह सिद्धान्त

मजदूरी लौह सिद्धान्त जिसे मजदूरी का जीवन निर्वाह सिद्धान्त भी कहते हैं दर्शाता है कि मजदूरी में वृद्धि दीर्घकाल में जीवन निर्वाह स्तर मजदूरी की ओर होती है। दीर्घकाल में श्रमिक के जीवन निर्वाह के लिए आवश्यक है कि उसे निर्वाह स्तर मजदूरी प्राप्त हो। इसे सबसे पहले Ferdinand Lassale ने दिया। डेविड रिकार्डो ने इसे व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया।

(b) मजदूरी निधि सिद्धान्त - मजदूरी निधि (Wage Fund) सिद्धान्त को J.S. मिल ने दिया जो दर्शाता है कि उत्पादक के पास निश्चित राशि होती है जिससे वह मजदूरी का भुगतान करता है इसे ही मिल ने मजदूरी कोष कहा। मजदूरी का निर्धारण मांग व पूर्ति से होता है।

(c) अतिरेक मूल्य सिद्धान्त जो दर्शाता है कि मजदूरों को जीवन निर्वाह स्तर मजदूरी प्राप्त होती है। श्रमिकों द्वारा उत्पादित वस्तु से प्राप्त बाजार मूल्य तथा श्रमिकों को दी गई निर्वाह स्तर की मजदूरी का अन्तर ही अतिरेक मूल्य है।

(d) सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त - यह साधनों के मूल्य निर्धारण का सामान्य सिद्धान्त है। इसे J.B. क्लार्क ने दिया जो दर्शाता है कि श्रमिकों को उनके सीमान्त उत्पादकता के बराबर मजदूरी दी जाती है।

54. निम्नलिखित में से कौन-सी श्रम की सामाजिक सुरक्षा की मद नहीं है?

Which of the following is not an item of social security of labour?

- (A) मजदूरी / Wage
- (B) मातृ प्रासुविधा / Maternity benefits
- (C) पेंशन / Pensions
- (D) औद्योगिक चोट / Industrial injury

उत्तर- (A) व्याख्या/ मजदूरी श्रम का पारितोषिक होता है जो श्रमिक को अपने श्रम के बदले प्राप्त होता है।

दूसरी तरफ श्रम की उत्पादकता बढ़ाने के लिए अनेक प्रकार की सामाजिक सुरक्षा श्रमिक को प्रदान की जाती है इसमें शामिल है : मातृ प्रासुविधा, पेंशन, औद्योगिक चोट, जीवन बीमा इत्यादि।

55. संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकीय आयोग (जुलाई, 1993) द्वारा अनुमोदित अनौपचारिक क्षेत्र की विशेषताएँ कौन-सी नहीं बताई गई हैं?

Which of the following has not been suggested as the features of informal sector endorsed by the UN Statisti-

cal Commission (July, 1993)?

(A) निजी अनिगमित उद्यम।

Private un-incorporated Enterprises

(B) कोई पूर्ण लेखा उपलब्ध नहीं हैं जो उद्यम की उत्पादन गतिविधियों का वित्तीय अलगाव होने देगा।

No complete accounts are available that would permit a financial separation of the production activities of the Enterprise

(C) आकस्मिक काम या सीमित अल्प समयावधि के काम।

Casual jobs or jobs of a limited short duration

(D) उद्यम का रोजगार आकार एक निश्चित अवसीमा से नीचे होता है।

The employment size of the enterprise is below a certain threshold

उत्तर- (C) व्याख्या/ संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकीय आयोग (जुलाई 1993) द्वारा अनुमोदित अनौपचारिक क्षेत्र की विशेषताएँ :

A. निजी अनिगमित उद्यम

B. कोई पूर्ण लेखा उपलब्ध नहीं है जो उद्यम की उत्पादन गतिविधियों का वित्तीय अलगाव होने देगा।

D. उद्यम का रोजगार आकार एक निश्चित अवसीमा से नीचे होता है।

जबकि आकस्मिक काम या सीमित अल्प समयावधि के काम अनौपचारिक क्षेत्र की विशेषताएँ नहीं बताई गई हैं।

56. निम्नलिखित में से कौन-सी तीन स्तरीय सहकारी ऋण ढाँचे में मध्यवर्ती कड़ी है?

Which of the following constitutes the intermediate layer in the three tier co-operative credit structure?

(A) राज्य सहकारी बैंक / State Co-operative Banks

(B) केन्द्रीय सहकारी बैंक / Central Co-operative Banks

(C) प्राथमिक कृषि ऋण समितियाँ

Primary Agricultural Credit Societies

(D) नाबार्ड / NABARD

उत्तर- (B) व्याख्या/ केन्द्रीय सहकारी बैंक तीन स्तरीय सहकारी ऋण ढाँचे में मध्यवर्ती कड़ी है।

भारत में सहकारी बैंक ऋण वितरण एवं जमा संग्रहण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

सहकारी बैंक वित्तीय निगम है जो इसके सदस्यों से संचालित होती है। इसके सदस्य सहकारी बैंकों के मालिक एवं सदस्य दोनों होते हैं। सहकारी बैंक States Cooperative Societies Act के अंतर्गत पंजीकृत होती है तथा इन्हें रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित किया जाता है। RBI द्वारा ये शासित होती है -

● Banking Regulation Act - 1949

● Banking Laws (Co-operative Societies) Act - 1955

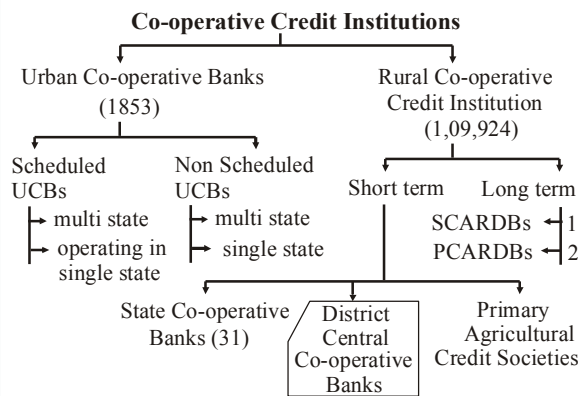
Structure of Cooperative Banking

1. प्राथमिक सहकारी समितियाँ - कृषि क्षेत्र की अल्पकालिक ऋण आपूर्ति हेतु।

2. केन्द्रीय (जिला) सहकारी बैंक - भारत में यह दो प्रकार के होते हैं-

- (i) जिनकी सदस्यता केवल सहकारी प्राथमिक समितियों को ही मिल सकती है।
(ii) जिनकी सदस्यता प्राथमिक सहकारी समितियों तथा व्यक्तियों दोनों को ही मिल सकती है।

3. राज्य सहकारी बैंक - राज्य का शीर्ष सहकारी बैंक



1. SCARBs:- State Co-operative Agriculture and Rural Development Banks
2. PCARBs:- Primary Co-operative Agriculture and Rural Development Banks प्रश्न में पूछा गया।

57. उच्च क्षमता मुद्रा है

High powered money is

- (A) केन्द्रीय बैंक में बैंकों की प्रारक्षित राशि।
Banks' reserves at Central Bank
- (B) बैंकों के पास मुद्रा/ Money held by the Banks
- (C) बैंकों के समस्त ऋण एवं अग्रिम।
All loans and advances of Banks
- (D) जनता के पास करेन्सी एवं बैंकों के नकद रिजर्व।
Currency held by Public and cash reserves of the Banks

उत्तर- (D) व्याख्या उच्च क्षमता मुद्रा जनता के पास करेन्सी एवं बैंकों के नगद रिजर्व।

प्रबल मुद्रा या उच्च शक्ति मुद्रा वह मुद्रा है जो कामर्शियल बैंकों के पास आरक्षितों और जनता के पास करेन्सी (नोटों तथा सिक्कों) के रूप में विद्यमान रहती है। प्रबल मुद्रा बैंक जमाओं के विस्तार और मुद्रा पूर्ति के निर्माण का आधार है। मुद्रा की पूर्ति मौद्रिक आधार में परिवर्तनों के साथ प्रत्यक्ष रूप से और करेन्सी तथा रिजर्व अनुपातों में परिवर्तनों के साथ विपरीत रूप से परिवर्तित होती है।

High Powered Money

$$H = C + R$$

H = प्रबल मुद्रा

R = व्यापारिक बैंकों के रिजर्व जो बैंकों के पास एवं RBI के पास है।

C = जनता के पास नगद मुद्रा

प्रबल मुद्रा के आधार मुद्रा (Base Money) भी कहा जाता है।

58. अभिकथन (A) : भारत में निवेश कम्पनियाँ अधिक सार्वजनिक बचतें आकर्षित नहीं कर पाई हैं।

Assertion (A) : Investment companies have not been able to attract much public savings in India.

कारण (R) : निवेश कम्पनियाँ शुद्ध वित्तीय मध्यस्थ हैं और कोरपोरेट प्रतिभूतियों में निवेश के लिए सार्वजनिक बचतों को जुटाने में विशेषज्ञता प्राप्त हैं।

Reason (R) : Investment companies are pure financial intermediaries and they specialise in the mobilisation of public saving for investment in corporate securities.

कोड/ Codes :

- (A) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(A) is true, but (R) is false.
- (B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
Both (A) and (R) are correct, but (R) is not the correct explanation of (A).
- (C) (A) सही नहीं है, परन्तु (R) सही है।
(A) is not correct, but (R) is correct.
- (D) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

उत्तर- (B) व्याख्या यह सत्य है कि निवेश कम्पनियाँ अधिक सार्वजनिक बचतें आकर्षित नहीं कर पाई क्योंकि भारत में मध्यम वर्गीय आय जनसंख्या अधिक है जो जोखिम विमुखव्यवहार दर्शाती है इसलिए बैंकों पर लोगों का विश्वास अधिक रहा है इस निवेश कम्पनियों को विशेषज्ञता के बावजूद अधिक निवेश नहीं मिला। इसलिए दोनों कथन व कारण सत्य है एवं दोनों अलग तथ्यों की व्याख्या करते हैं इसलिए इनमें सम्बन्ध व्याप्त नहीं है। निवेश कम्पनियाँ वित्तीय संस्थाएं हैं जो Securities में निवेश में कार्यरत रहती हैं। भारत में प्रमुख निवेश कम्पनियां हैं - Bajaj Finserv Ltd., TCS, Infosys, ITC etc.

59. नीचे दिए कोडों से सही उत्तर ज्ञात कीजिए :

Find out the correct answer from the code given below :

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आर.आर.बी.) की मुख्य विशेषताएँ हैं :

Main features of Regional Rural Banks (RRBs)

- I. आर. आर. बी. सामान्यतः सार्वजनिक वाणिज्यिक बैंकों के रूप में 'प्रायोजित बैंक' द्वारा स्थापित किये गये।
RRBs have been established by 'sponsor bank' usually a public sector commercial bank.
- II. आर.आर.बी. केवल लघु एवं सीमान्त किसानों, ग्रामीण शिल्पकारों और कृषि श्रमिकों को ऋण एवं अग्रिम सीधे देते हैं।
RRBs grant direct loans and advances only to small and marginal farmers, rural artisans and agricultural labourers.

III. आर. आर. बी. का कार्य क्षेत्र, राज्य में एक या ज्यादा जिलों के निश्चित क्षेत्रों तक सीमित है।

The area of RRB is limited to a specified region comprising one or more districts of a State.

IV. आर. आर. बी. के उधार देने की दरें सहकारी समितियों की प्रचलित उधार दरों से अधिक नहीं होती हैं।

The lending rates of RRBs are not higher than the prevailing lending rates of co-operative societies.

कोड / Codes :

- (A) II और III सही हैं।
(B) I और III सही हैं।
(C) I, II और IV सही हैं।
(D) I, II और III सही हैं।

उत्तर- (D)/व्याख्या I, II और III सही हैं।

1975 में ग्रामीण साख के विस्तार के लिए गठित नरसिंहन समिति के सुझावों पर 2 अक्टूबर 1975 को 5 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को स्थापित किया गया - मुद्रा मुगदाबाद तथा गोरखपुर (उत्तर प्रदेश में), हरियाणा में भिवानी, राजस्थान में जयपुर तथा पश्चिमी बंगाल में मालदा।

बाद में 1976 में RRB Act पारित किया गया।

देश के सार्वजनिक बैंकों को यह अधिकार दिया गया है कि वे क्षेत्रीय बैंकों को उनकी पूँजी में भागीदारी तथा प्रारम्भिक अवस्था में संगठनात्मक सहयोग के द्वारा प्रवर्तित करें। केन्द्र सरकार नाबार्ड के माध्यम से इनकी पूँजी में 50% लगाती है। इसकी पूँजी में राज्य सरकार का हिस्सा 15% होता है तथा 35% हिस्सा प्रवर्तक बैंक का होता है। RRBs के कार्यक्षेत्र का चुनाव करते समय एक सबसे प्रमुख आधार यह रहता है कि उस क्षेत्र में बैंकिंग सुविधा (सहकारी या व्यापारिक बैंकों द्वारा प्रदत्त) का अभाव हो। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के लिए चुने गये क्षेत्र में सामान्यतया जिलों का समूह होता है।

Committees :

- Expert group on RRBs in 1997 (Thingalaya Committee)
- A. V. Sardesai Committee on the issue of restructuring the RRBs (Sardesai Committee, 2005)
- Task Force on increasing the operational efficiency of RRBs under the chairmanship of Dr. K.G. Karmakar (सितम्बर 2006)

60. नीचे दिये कोडों से सही उत्तर ज्ञात कीजिए :

Find out the correct answer from the codes given below:

भारतीय रिजर्व बैंक की चयनात्मक ऋण नियन्त्रण की तकनीक :
Technique of selective credit control of RBI.

I. कुछ प्रतिभूतियों के आधार पर ऋणों के लिये अनिवार्य मार्जिन का निर्धारण।

Determination of margin requirement for loans against certain securities.

II. अग्रिमों की अधिकतम राशि या अन्य वित्तीय समायोजन का निर्धारण।

Determination of maximum amount of advances or other financial accommodation.

III. कुछ प्रकार के अग्रिमों पर विवेकाधीन ब्याज दरों में

परिवर्तन।

Changing of discretionary interest rates on certain type of advances.

IV. वाणिज्यिक बैंकों की नकद रिजर्व आवश्यकताओं में परिवर्तन।

Changing the cash reserve requirements of commercial banks.

कोड/ Codes :

- (A) I और II सही हैं।
(B) I, II और III सही हैं।
(C) I, II और IV सही हैं।
(D) I और IV सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या भारतीय रिजर्व बैंक की चयनात्मक ऋण नियंत्रण तकनीक -

1. कुछ प्रतिभूतियों के आधार पर ऋणों के लिए अनिवार्य मार्जिन का निर्धारण करती है।
2. चयनात्मक साख नियंत्रण के द्वारा अग्रिमों की अधिकतम राशि या अन्य वित्तीय समायोजन का निर्धारण किया जाता है।
3. कुछ प्रकार के अग्रिमों पर विवेकाधीन ब्याज दरों में परिवर्तन किया जाता है।

रिजर्व बैंक द्वारा प्रयोग में लायी जाने वाली साख नियंत्रण की विधियाँ-

1. परिमाणान्तरक साख नियंत्रण
2. चयनात्मक साख नियंत्रण

गुणात्मक (चयनात्मक साख नियंत्रण)

1. मार्जिन या न्यूनतम सीमा निर्धारण
2. साख मापदण्ड का निर्धारण
3. नैतिक दबाव
4. विभेदक ब्याज दर
5. प्रत्यक्ष कार्यवाही
6. साख राशनिंग
7. साख स्वीकृत योजना
8. क्रेडिट मानीटरिंग अरेन्जमेंट

61. दो चर के समाश्रयण में, Y आश्रित चर है और X स्वतन्त्र चर है। Y और X के बीच सहसम्बन्ध गुणांक 0.6 है। इसके लिये निम्नलिखित में से कौन-सा परिणाम सही है?

In a two variable regression Y is dependent variable and X is independent Variable. The correlation coefficient between Y and X is 0.6. For this which of the following result is correct?

- (A) Y में 36% घट-बढ़ की X के द्वारा व्याख्या होती है।
36% variations in Y are explained by X.
(B) Y में 60% घट-बढ़ की X के द्वारा व्याख्या होती है।
60% variations in Y are explained by X.
(C) Y में 6% घट-बढ़ की X के द्वारा व्याख्या होती है।
6% variations in Y are explained by X.
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं।/None of the above.

उत्तर- (A)/व्याख्या दो चर के समाश्रयण में, Y आश्रित चर है और X स्वतंत्र चर है। Y और X के बीच सहसम्बन्ध गुणांक 0.6 है

तो Y में 36% घट बढ़ की (variations) X के द्वारा व्याख्या होती है।

दिया है सहसम्बन्ध गुणांक r जो होगा

$$r = \sqrt{b_{xy} \cdot b_{yx}}$$

$$(r)^2 = b_{xy} \cdot b_{yx}$$

R को निर्धारण गुणांक कहा जाता है जो

व्याख्या करता है कि निर्भर चर (y) में कितने प्रतिशत विचलन की व्याख्या स्वतंत्र चर (x) द्वारा की जाती है।

इस प्रकार

$$r = \sqrt{b_{xy} \cdot b_{yx}}$$

$$0.6 = \sqrt{b_{xy} \cdot b_{yx}}$$

$$(0.6)^2 = b_{xy} \cdot b_{yx}$$

$$0.36 = b_{xy} \cdot b_{yx}$$

प्रतिशत में

$$0.36 \times 100$$

$$= 36\%$$

अतः Y में 36% विचलन की X के द्वारा व्याख्या होता है।

62. तीन स्वतंत्र चरों के साथ बहु-चरीय समाश्रयण में, समाश्रयण गुणांक का परीक्षण करना होता है। इसके लिए किस परीक्षण का उपयोग किया जायेगा?

In a multiple regression with three independent variables, the regression coefficients are to be tested. Which test would be used?

- (A) Z परीक्षण (B) F परीक्षण
(C) χ^2 परीक्षण (D) t परीक्षण

उत्तर- (D)/व्याख्या तीन स्वतंत्र चरों के साथ बहु-चरीय समाश्रयण में, समाश्रयण गुणांकों का परीक्षण करना है तो इसके लिए t-परीक्षण का उपयोग किया जाता है। इससे समाश्रयण गुणांकों का सार्थकतामापी जाती है।

t-परीक्षण को विलियम सिली गोस्सेट ने दिया।

अन्य परीक्षणों की व्याख्या -

Z-परीक्षण को फिशर ने दिया। इसका प्रयोग सह-संबंध गुणांक की सार्थकता की जाँच करने में किया जाता है।

F- परीक्षण F- टेस्ट को प्रसरण अनुपात जाँच विधि कहा जाता है। इसका प्रयोग दो प्रसरणों अर्थात् विचरण मापांकों के अन्तर की सार्थकता की जाँच करने में किया जाता है।

काई वर्ग परीक्षण - काई वर्ग परीक्षण वास्तविक एवं प्रत्याशित आवृत्तियों के अन्तर की एक माप है। इसका उद्देश्य दो गुणों की स्वतंत्रता की जाँच करना है।

आकस्मिकता तालिका का निर्माण भी काई वर्ग परीक्षण से होता है।

63. आगत-निर्गत तकनीक की खोज किसने की है?

Input-Output Technique was invented by

- (A) गुन्नार मिरडाल / Gunnar Myrdal
(B) वासिली लियोनटीफ / Wassily Leontief
(C) होलिस बी. चेनेरी / Hollis B. Chenery
(D) रोबर्ट सोलो / Robert Solow

उत्तर- (B)/व्याख्या आगत-निर्गत आयोजन की एक नयी तकनीक है जिसका आविष्कार प्रो० डब्ल्यू. डब्ल्यू. लियोनटीफ ने 1951 में किया। आगत-निर्गत मॉडल का प्रयोग अर्थव्यवस्था की परस्पर निर्भरताओं तथा जटिलताओं को समझने के लिए अन्तः उद्योग के सम्बन्धों के विश्लेषण में किया जाता है।

इसे 'अन्तः उद्योग विश्लेषण' भी कहा जाता है।

विशेषताएं -

1. आगत निर्गत विश्लेषण सामान्य संतुलन पर लागू होता है।
2. इसका सम्बन्ध मांग विश्लेषण से नहीं होता। यह केवल उत्पादन की तकनीकी समस्याओं पर विचार करता है।
3. यह आनुभाषिक अन्वेषण पर आधारित है।

मान्यताएं -

1. अर्थव्यवस्था को दो क्षेत्रों में बांटा जाता है - अन्तः उद्योग क्षेत्र एवं अन्तिम मांग क्षेत्र
2. किसी भी अन्तः उद्योग क्षेत्र के कुल उत्पादन का सामान्य रूप से आगतों के रूप में अन्य अन्तः उद्योग क्षेत्रों या उसी क्षेत्र और अन्तिम मांग क्षेत्रों द्वारा प्रयोग किया जा सकता है।
3. कीमत मांग एवं पूर्ति स्थिर है।
4. पैमाने के प्रतिफल स्थिर है।
5. उत्पादन में बाह्य मितव्ययिताएं एवं अमितव्ययिताएं नहीं पाई जाती।
6. किन्हीं दो वस्तुओं का संयुक्त उत्पादन नहीं होता।
7. प्रौद्योगिकी स्थिर है।

64. रैखिक मकड़जाल मॉडल इस रूप में दिया जाता है :

$$\text{आपूर्ति : } q_t = a + \beta p_{t-1}$$

$$\text{माँग : } p_t = \gamma + \delta q_t$$

जहाँ $q(0) = q_0$ प्रारम्भिक शर्त है। इस मॉडल के लिए बाजार की स्थिरता इस शर्त की माँग करती है—

The Linear Cobweb model is given as supply :

$$q_t = a + \beta p_{t-1}$$

$$\text{Demand : } p_t = \gamma + \delta q_t$$

Where $q(0) = q_0$ is initial condition. for this model

stability of market requires the condition

$$(A) |\delta| < |\beta| \quad (B) |\delta| < \left| \frac{1}{\beta} \right|$$

$$(C) |\delta| > |\beta| \quad (D) |\delta| = \left| \frac{1}{\beta} \right|$$

उत्तर- (B)/व्याख्या $|\delta| < \left| \frac{1}{\beta} \right|$

रैखिक मकड़जाल मॉडल विलम्बित समायोजन को दर्शाता है। अर्थात् जब पूर्ति में समायोजन प्रावैगित हो एवं पूर्ति पिछले वर्ष की कीमत का फलन हो तथा माँग वर्तमान कीमत का फलन हो तब उस स्थिति में मकड़जाल मॉडल दर्शाता है कि किस प्रकार मांग एवं पूर्ति के द्वारा स्थायी संतुलन प्राप्त होगा।

विलम्बित समायोजन में जब पूर्ति वक्र का ढाल मांग वक्र के ढाल से अधिक हो तो प्रावैगिक मांग एवं पूर्ति का संतुलन स्थायी

होगा।

प्रश्नानुसार

आपूर्ति $q_t = \alpha + \beta p_{t-1}$

मांग $p_t = \gamma + \delta q_t$

यहां पूर्ति वक्र का ढाल $= \frac{1}{\beta}$

मांग वक्र का ढाल $= \delta$

बाजार स्थिरता की दशा में $|\delta| < \left| \frac{1}{\beta} \right|$

65. रैखिक कार्यक्रम, जिसके दो निर्णय चर हैं, के इष्टतम समाधान सम्बन्धी निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

Which of the following statements is true concerning the optimal solution of linear program with two decision variables?

- (A) रैखिक कार्यक्रम का केवल एक समाधान है।
There is only one solution to a linear program.
- (B) इष्टतम समाधान या तो उग्र बिन्दु है अथवा उस रेखा पर है जो उग्र बिन्दुओं को जोड़ता है।
The optimal solution is either an extreme point or is on a line connecting extreme points.
- (C) एक इष्टतम समाधान द्वारा सभी स्रोतों का प्रयोग होना चाहिए।
All resources must be used up by an optimal solution.
- (D) उपरोक्त सभी / All of the above.

उत्तर- (B)/व्याख्या रैखिक प्रोग्रामिंग जिसके दो निर्णय चर (Two decision Variable) हैं, के इष्टतम समाधान यो तो उग्र बिन्दु (Extreme Point) होंगे अथवा इष्टतम समाधान उस रेखा पर होगा जो Extreme Point को जोड़ता है।

66. उत्पादन फलन $Q = AL^\alpha K^\beta$, $\alpha, \beta > 0$ दिये जाने पर, स्केल पर आरोही प्रतिफल की माँग है कि

Given a production function $Q = AL^\alpha K^\beta$, $\alpha, \beta > 0$ increasing returns to scale requires that

- (A) $\alpha + \beta = 1$ (B) $\alpha + \beta = 0$
(C) $\alpha + \beta > 0$ (D) $\alpha + \beta > 1$

उत्तर- (D)/व्याख्या उत्पादन फलन $Q = AL^\alpha K^\beta$ यह कॉब डगलस प्रकार का उत्पादन फलन है - जहाँ Q - उत्पादन, L - श्रम, K - पूँजी, A, α , β - स्थिरांक हैं। श्रम और पूँजी की घातें उत्पादन में साधनों की हिस्सेदारी को दर्शाती हैं।

यदि $\alpha + \beta$ को जोड़ दिया जाए और योग हो

$\alpha + \beta = 1$ तो पैमाने के स्थिर प्रतिफल

$\alpha + \beta > 1$ पैमाने के हासमान प्रतिफल

$\alpha + \beta < 1$ पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल

67. माँग फलन के लिए $P = 10 - 3x - x^2$, $x = 3$ पर उपभोक्ता अतिरेक क्या होगा?

For the demand function $p = 10 - 3x - x^2$, what is consumer's surplus at $x = 3$?

- (A) 16.25 (B) 20.50
(C) 07.50 (D) 12.50

उत्तर- (*)/व्याख्या नोट: प्रश्न हटा दिया गया था क्योंकि सभी विकल्प गलत थे।

मांग फलन $P = 10 - 3x - x^2$

$x = 3$

$P = 10 - (3 \times 3) - (3)^2$

$P = 10 - 9 - 9$

$P = 10 - 18$

$P = -8$

$= \int_0^3 (10 - 3x - x^2) dx - (-8 \times 3)$

$= \left[10x - \frac{3x^2}{2} - \frac{x^3}{3} \right]_0^3 - (-24)$

$= \left[(10 \times 3) - \frac{3(3)^2}{2} - \frac{(3)^3}{3} \right] - (-24)$

$= \left[30 - \frac{27}{2} - \frac{27}{3} \right] - (-24)$

$= [30 - 13.5 - 9] - (-24)$

$= [30 - 22.5] - (-24)$

$= 7.5 + 24$

$= 31.5$

अतः उपभोक्ता की बचत 31.5 होगी।

68. निम्नलिखित जीवन-तालिका से, 4 वर्ष की आयु (e_4) पर जीवन-संभावितता का पता लगाइए :

From the following life-table, find out the value of life expectancy at age 4 (e_4).

आयु Age	qx	lx	dx	Lx	Tx	ex
4	0.000194	99208	19	99,199	?	?
5	0.000177	99189	18	?	7246663	73.1

- (A) 72.0 (B) 73.0
(C) 74.0 (D) 75.0

उत्तर- (C)/व्याख्या

जीवन तालिका

आयु	qx	lx	dx	Lx	Tx	ex
4	0.000194	99208	19	99,199	?	?
5	0.000177	99189	18	?	7246663	73.1

Parameters Symbol

● x से $x+1$ की आयु में मरने की प्रायिकता	$[q(x)]$
● Number of surviving to age x	$[l(x)]$
● Number of dying between ages x to	$x+1$
● Person years lived between ages x to $x+1$	$[L(x)]$
● Total number of person years lived above age x	$[T(x)]$
● Expectation of life at age x	$[e(x)]$

The following formulas apply to the data :

$$d(x) = q(x) \times l(x)$$

$$L(x) = l(x) - \frac{d(x)}{2}$$

$$T(x) = \text{Sum}[L(x)]$$

$$e(x) = \frac{T(x)}{L(x)}$$

आयु	qx	lx	dx	Lx	Tx	ex
4	0.000194	99208	19	99,199	73,45,861	74.0
5	0.000177	99189	18	99,180	72,46,663	73.1

अतः 4 वर्ष की आयु (e_4) पर जीवन-संभावित 74 होगी।

69. परिकल्पित जनसंख्या प्रजनन अनुमानों के लिए सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए :

Match List - I with List - II for a hypothetical population fertility estimates :

सूची - I / List - I	सूची - II / List - II
(a) कुल दम्पति प्रजनन दर Total marital fertility rate	(1) 4.0
(b) सामान्य प्रजनन दर General fertility rate	(2) 1.3
(c) सकल पुनरोत्पादन दर Gross reproduction rate	(3) 39.1
(d) कुल प्रजनन दर Total fertility rate	(4) 0.7

कोड/ Codes :

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	4	2	3	1
(C)	2	4	3	1
(D)	1	3	4	2

उत्तर- (D)/व्याख्या/ सही सुमेल है -

सूची - I	सूची - II
(a) कुल दम्पति प्रजनन दर	(1) 4.0
(b) सामान्य प्रजनन दर	(3) 39.1
(c) सकल पुनरोत्पादन दर	(4) 0.7
(d) कुल प्रजनन दर	(2) 1.3

Total Fertility Rate (TFR) - TFR बच्चों की वह संख्या है जो किसी भी स्त्री के सम्पूर्ण प्रजनन काल (15-49 वर्ष) में पैदा हो। यदि किसी स्त्री के पूरे प्रजनन काल में 3 बच्चे पैदा हो तो TFR 3 होगा। TFR = 2.1 को जनसंख्या नीति के लक्ष्य के रूप में स्वीकार किया जाता है। यह माता पिता को नयी पीढ़ी से प्रतिस्थापित करने की दर है। **Gross reproduction rate GRR**- एक महिला स्वयं को कितनी लड़कियों से प्रतिस्थापित करती है। अर्थात् एक स्त्री सम्पूर्ण प्रजनन काल में कितनी लड़कियों को पैदा करती है और वह जीवित है इसे GRR दर्शाती है।

पुनरुत्पत्तिनीय आयु के दौरान पैदा हुई तथा जीवित

$$GRR = \frac{\text{लड़कियों की संख्या}}{\text{देश में कुल स्त्रियों की संख्या}}$$

सामान्य प्रजनन दर General Fertility Rate - गर्भ धारण की उम्र वाली प्रति 1000 महिलाओं में जीवित जन्म की वार्षिक संख्या सामान्य प्रजनन दर है।

70. वेरडून का नियम किसके बारे में है?

Verdoon's law is about the

- (A) जनसंख्या की वृद्धि, रोजगार और उत्पादन का प्रतिव्यक्ति उत्पादन वृद्धि के बीच सकारात्मक सम्बन्ध है।
positive relation between the growth of population, employment and output with the growth of production per head.
- (B) जनसंख्या की वृद्धि, रोजगार और उत्पादन का प्रतिव्यक्ति उत्पादन वृद्धि के बीच नकारात्मक सम्बन्ध है।
negative relation between the growth of population, employment and output with the growth of production per head.
- (C) जनसंख्या की वृद्धि और रोजगार के बीच सकारात्मक सम्बन्ध है।
positive relation between population growth and employment.
- (D) जनसंख्या की वृद्धि और रोजगार के बीच नकारात्मक सम्बन्ध है।
negative relation between population growth and employment.

उत्तर- (A)/व्याख्या/ वेरडून के नियम -जनसंख्या की वृद्धि, रोजगार और उत्पादन का प्रतिव्यक्ति उत्पादन वृद्धि के बीच सकारात्मक सम्बन्ध है।

वेरडून नियम -

- तीव्र संवृद्धि उत्पादकता में तीव्र वृद्धि लाती है।
- श्रम की उत्पादकता में वृद्धि स्वयं उत्पादन में वृद्धि की फलन होती है।
- वेरडून का नियम उत्पादकता तथा कीमत के माध्यम से निर्यात तथा संवृद्धि में सम्बन्ध स्थापित करता है।
- वेरडून का नियम जनसंख्या की वृद्धि तथा श्रम की प्रति इकाई उत्पादन में वृद्धि के बीच धनात्मक सम्बन्ध स्थापित करता है, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र में।
- यह नियम यह भी प्रतिपादित करता है कि तीव्र आर्थिक विकास तीव्र उत्पादकता वृद्धि को जन्म देता है। इसलिए अधिक विकसित देश हमेशा अधिक विकसित बने रहेंगे तथा क्षेत्रीय विषमता बढ़ेगी जैसा मिर्डाल ने प्रतिपादित किया। इसे वेरडून प्रभाव भी कहते हैं।

71. मानक समाश्रयण मॉडल सम्बन्धी निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है?

Which of the following statements is true concerning standard regression model?

(A) Y में संभाव्यता वितरण है।

Y has a probability distribution

(B) X में संभाव्यता वितरण है।

X has a probability distribution

(C) त्रुटि पद X से सहसम्बंधित माने जाते हैं।

The disturbance term is assumed to be correlated with X

- (D) एक उपयुक्त मॉडल के लिए अवशेष ($\hat{u}$) सभी सैंपल डाटा बिन्दुओं के लिए शून्य होगा।

For an adequate model the residual ($\hat{u}$) will be zero for all sample data points

उत्तर- (A) व्याख्या / Standard Regression Coefficient

The standard regression coefficient found by multiplying the regression coefficient b_1 by S_{x_i} and dividing it by S_y , represents the expected change in y (in standardized units of S_y where each "unit" is a statistical unit equal to one standard deviation) due to an increase in X_i of one of its standardized units. (ie, S_x) with all other X variables unchanged.

- 72. एक त्रिकोण अथवा पुनरावर्ति प्रणाली के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?**

Which of the following statements are true concerning a triangular or recursive system?

- (i) प्रत्येक समीकरण के लिए ओ एल एस (OLS) के अलग अनुप्रयोग से पैरामीटरों का वैधता से अनुमान लगाया जा सकता है।

The parameters can be validly estimated using separate applications of OLS to each equation.

- (ii) स्वतन्त्र चर अन्य समीकरणों में त्रुटि पदों से सहसम्बन्धित हो सकते हैं।

The independent variables may be correlated with the error terms in other equations

- (iii) 2 SLS का अनुप्रयोग पक्षपातहीन परन्तु अप्रभावी पैरामीटर अनुमानों की ओर ले जाएगा।

An application of 2 SLS would lead to unbiased but inefficient parameter estimates

- (iv) स्वतन्त्र चर समीकरणों के त्रुटि पदों, जिनमें वे स्वतन्त्र चर लगते हैं, से सहसम्बन्धित हो।

The independent variables may be correlated with error terms in the equations in which they appear as independent variables.

- (A) केवल (ii) और (iv) सही हैं।
(B) केवल (i) और (iii) सही हैं।
(C) केवल (i), (ii) और (iii) सही हैं।
(D) (i), (ii), (iii) और (iv) सही हैं।

उत्तर- (C) व्याख्या / एक त्रिकोण (Triangular) अथवा पुनरावर्ति प्रणाली (Recursive System) के सम्बन्ध में सत्य है :

- प्रत्येक समीकरण के लिए के OLS के अलग-अलग अनुप्रयोग से पैरामीटरों का वैधता से अनुमान लगाया जा सकता है।
- स्वतन्त्र चर अन्य समीकरणों में त्रुटि पदों से सहसम्बन्धित हो सकते हैं।
- 2 SLS का अनुप्रयोग पक्षपातहीन परन्तु अप्रभावी पैरामीटर अनुमानों की ओर ले जाएगा।

- 73. OLS आकलक के क्या परिणाम होंगे यदि समाश्रयण मॉडल में विषम विसारिता हो पर जिसे नजर-अन्दाज कर दिया गया हो?**

What would be the consequences for the OLS estimator if heteroscedasticity is present in a regression model but ignored?

- (A) यह पक्षपातपूर्ण होगा। / It will be biased.
(B) यह असंगत होगा। / It will be inconsistent.
(C) यह अक्षम होगा। / It will be inefficient.
(D) (A), (B) और सभी सही होंगे।

All (A), (B) and (C) will be true.

उत्तर- (C) व्याख्या / बाधा पदों (Error term)-(U_i) के सम्बन्ध में

मूलभूत मान्यता यह है कि व्याख्येय चर (X) के सभी प्रेक्षणों पर इन पदों का प्रायिकता बंटन समान रहता है, अर्थात् व्याख्येय चर के सभी मानों के लिए प्रत्येक (U) चर का प्रसरण समान होता है। संकेत रूप में

$$\text{Var}(U_i) = E\{[U_i - E(U_i)]^2\} = E(U_i^2) = \sigma_{ui}^2$$

यहां (σ_{ui}^2) एक स्थिर मान है।

प्रसरण की ऐसी समरूपता अथवा स्थिर प्रसरण की विशेषता को अर्थमिति में समविचालिता कहा जाता है पर ऐसा हो सकता है कि सभी बाधा पदों (U_i) के प्रसरण समान न हो। ऐसी स्थिति में गैर-स्थित प्रसरण अथवा प्रसरण की गैर-समरूपता को विषमविचालिता कहा जाता है। इस प्रकार (U) के मानों को तब विषमविचाली कहा जाता है।

यदि समाश्रयण मॉडल में विषम विसारिता हो पर उसे नजर-अन्दाज कर दिया जाए तो OLS आकलन के परिणाम होंगे कि यह अक्षम (it will be inefficient) होगा।

- 74. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :**

Match the following

सूची - I / List - I

सूची - II / List - II

(a) एकम् मूल परीक्षण
Unit Root Test

(1) डरबिन वाटसन परीक्षण
Durbin Watson Test

(b) आकस्मिक तालिका
Contingency Table

(2) विद्यार्थियों का टी-परीक्षण
Student's t-test

(c) समाश्रयण गुणांक
Regression Coefficient

(3) स्थिरता
Stationarity

(d) स्व: सहसम्बन्ध
Auto Correlation

(4) χ^2 परीक्षण
 χ^2 test

कोड / Codes :

	a	b	c	d
(A)	2	3	1	4
(B)	4	2	3	1
(C)	3	4	2	1
(D)	3	2	1	4

उत्तर- (C) व्याख्या / सही सुमेल है -

सूची - I	सूची - II
(a) एकम् मूल परीक्षण	(3) स्थिरता
(b) आकस्मिक तालिका	(4) χ^2 परीक्षण
(c) समाश्रयण गुणांक	(2) विद्यार्थियों का टी-परीक्षण
(d) स्व:सहसम्बन्ध	(1) डरबिन वाटसन परीक्षण

75. मानक संकेतन का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित समीकरणों के सिस्टम पर विचार कीजिए :

Consider the following system of equations, using standard notations :

$$Y_1 = \alpha_0 + \alpha_1 Y_2 + \alpha_3 Y_3 + \alpha_4 X_1 + \alpha_5 X_2 + u_1$$

$$Y_2 = \beta_0 + \beta_1 Y_3 + \beta_2 Y_1 + \beta_3 X_2 + u_2$$

$$Y_3 = \gamma_0 + \gamma_1 X_1 + \gamma_2 X_2 + \gamma_3 X_3 + u_3$$

क्रमानुसार प्रथम समीकरण है :

According to the order condition, the first equation is

(A) अनभिज्ञेय / Unidentified

(B) अभी अभिज्ञेय / Just identified

(C) अति अभिज्ञेय / Over-identified

(D) यह बताना संभव नहीं है कि समीकरण अभिज्ञेय है अथवा नहीं क्योंकि मॉडल का लघु रूप नहीं दिया गया है।

Not possible to tell whether the equation identified or not because reduced form of the model is not given.

उत्तर- (A) व्याख्या

$$Y_1 = \alpha_0 + \alpha_1 Y_2 + \alpha_3 Y_3 + \alpha_4 X_1 + \alpha_5 X_2 + u_1$$

$$Y_2 = \beta_0 + \beta_1 Y_3 + \beta_2 Y_1 + \beta_3 X_2 + u_2$$

$$Y_3 = \gamma_0 + \gamma_1 X_1 + \gamma_2 X_2 + \gamma_3 X_3 + u_3$$

Order Condition : $K - M$

$K - M < G - 1 \rightarrow$ Under Identified

$K - M = G - 1 \rightarrow$ Exact Identified

$K - M > G - 1 \rightarrow$ Over Identified

Where

K = Total number of variables in the model

M = No. of endogeneous and exogeneous variable in a particular equation

G = Total number of equation in model in equation $Y_1, Y_2, Y_3,$

$$K = (Y_1, Y_2, Y_3, X_1, X_2, X_3) = 6$$

$$M = (Y_1, Y_2, Y_3, X_1, X_2) = 5$$

$$G = 3$$

$$K - M, G - 1$$

$$6 - 5 \quad 3 - 1$$

$$1 < 2$$

$K - M < G - 1 \rightarrow$ Under Identified

अतः क्रम शर्त के अनुसार प्रथम समीकरण अनभिज्ञेय है।

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. द्विअधिकार के कूर्नो मॉडल के अन्तर्गत, प्रत्येक द्विअधिकारी कितना उत्पादन करेगा?

Under Cournot Model of Duopoly, each duopolist will produce

- (A) उत्पादन का आधा / half the output
(B) उत्पादन का एक चौथाई
one-fourth of the output
(C) उत्पादन का $\frac{1}{6}$ / one-sixth of the output
(D) कुल उत्पादन का एक तिहाई
one-third of the total output

उत्तर- (D) व्याख्या द्विअधिकार के कूर्नो मॉडल के अन्तर्गत प्रत्येक द्विअधिकार कुल उत्पादन का एक तिहाई उत्पादित करता है। कूर्नो का मॉडल संधि रहित द्विअधिकार मॉडल है जहां प्रत्येक उत्पादक स्वतंत्र रूप से निर्णय लेता है। कूर्नो के अनुसार प्रत्येक द्विअधिकारी स्वतंत्र रूप से निर्णय लेते हुए कुल मांग का प्रारम्भ में आधा हिस्सा उत्पादित करता है, इसी प्रकार शेष मांग का आधा हिस्सा दूसरा उत्पादक उत्पादित करता है। इस प्रकार यह क्रिया प्रतिक्रिया तब तक चलती रहती है जब तक कि दोनों कुल उत्पादन का $1/3$ के बराबर उत्पादन नहीं कर लेते। कुल मांग का $2/3$ भाग शेष रह जाता है।

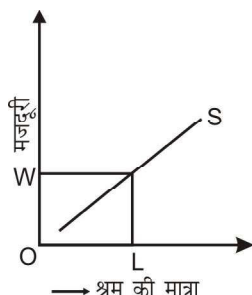
2. जब तक प्रतिस्थापन प्रभाव आय प्रभाव पर छाया रहता है, श्रम आपूर्ति वक्र

As long as the substitution effect dominates the income effect, the labour supply curve is

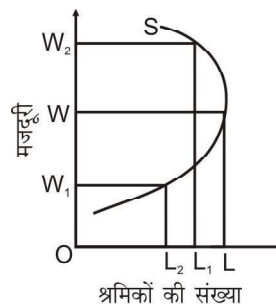
- (A) नकारात्मक रूप से ढलवाँ होती है। / negatively sloped
(B) सकारात्मक रूप से ढलवाँ होती है। / positively sloped
(C) पीछे की ओर मुड़ी होती है। / bend backward
(D) बाईं ओर खिसक जाती है। / shifting towards left

उत्तर- (B) व्याख्या जब तक प्रतिस्थापन प्रभाव, आय प्रभाव पर छाया रहता है, श्रम आपूर्ति वक्र सकारात्मक रूप से ढलवाँ होती है।

जब तक प्रतिस्थापन प्रभाव, आय प्रभाव पर छाया रहता है इसका अर्थ है कि श्रमिक अधिक मजदूरी प्राप्त होने पर अपने आराम को काम से प्रतिस्थापित करता है तथा श्रम आपूर्ति बढ़ाता है। इससे श्रम आपूर्ति वक्र सकारात्मक रूप से ढलवाँ होगी।



दूसरी तरफ जब आय प्रभाव प्रतिस्थापन प्रभाव से अधिक हो जाता है तब श्रम आपूर्ति वक्र पीछे की ओर मुड़ जाता है।



3. एकाधिकारी प्रतिस्पर्धा की मुख्य विशेषता है:

The distinguishing characteristics of monopolistic competition are

- I. उत्पाद विभेदीकरण / Product differentiation
II. गैर कीमत प्रतिस्पर्धा / Non-price competition
III. फर्मों की बड़ी संख्या और प्रवेश एवं बहिर्गमन की स्वतंत्रता

Large number of firms and freedom to entry and exit

IV. फर्मों अंतः निर्भर होती हैं। / Firms are interdependent

कूट / Codes:

- (A) I और III सही हैं। (B) I, II और IV सही हैं।
(C) I, II और III सही हैं। (D) I, III और IV सही हैं।

उत्तर- (C) व्याख्या एकाधिकारात्मक प्रतियोगिता विश्लेषण को चैम्बरलिन ने प्रस्तुत किया।

एकाधिकारात्मक प्रतिस्पर्धा की मुख्य विशेषताएं हैं -

- (i) समूह में क्रेताओं तथा विक्रेताओं की बहुत अधिक संख्या
(ii) विभेदीकृत परन्तु निकट स्थानापन्न वस्तुओं का उत्पादन
(iii) समूह में फर्मों का प्रवेश तथा बहिर्गमन की स्वतंत्रता
(iv) विज्ञापन व्यय एवं विक्रय लागतों की उपस्थिति
(v) गैर कीमत प्रतिस्पर्धा

4. अभिकथन (A) : एकाधिकार पैरेटो अदक्ष या अप्रभावी होता है।

Assertion (A) : Monopoly is Pareto inefficient.

कारण (R) : कीमत में कमियों के बदले में वह जो आय का भाग देने को तैयार होगा उसे सम्भव बनाने के लिये संसाधनों के आबंटन को बदलना सम्भव होगा।

Reason (R) : It would be possible to change the allocation of resources to make the

amount of income he would be prepared to pay in exchange of the reduction in price.

कूट / Codes:

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।

(A) is correct, but (R) is not correct

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की गलत व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct, but (R) is incorrect explanation of (A).

(D) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है।

(R) is correct, but (A) is incorrect.

उत्तर- (A) व्याख्या कथन के अनुसार एकाधिकार परेडो अदक्ष होता है क्योंकि एकाधिकार की स्थिति में कुशल या पूर्ण क्षमता उत्पादन नहीं किया जाता बल्कि इसमें होने वाला उत्पादन लाभ अधिकतमीकरण (MR = MC) की शर्तों को पूरा करने वाला होता है। इसलिए कथन सत्य है।

दिए गए कारण के अनुसार कीमत में कमियों के बदले में वह जो आय का भाग देने को तैयार होगा उसे सम्भव बनाने के लिए संसाधनों के आवंटन को बदलना सम्भव होगा। जबकि परेडो दक्ष ऐसी स्थिति है जहां किसी भी प्रकार के आवंटन में परिवर्तन से बिना किसी को बदतर बनाए, दूसरे को बेहतर स्थिति में नहीं रखा जा सकता।

इसलिए कारण भी सत्य और कारण दर्शाता है कि क्यों एकाधिकार में परेडो अदक्षता है

अतः कारण कथन की सही व्याख्या भी है।

5. यदि श्रम और पूँजी में किसी भी आनुपातिक परिवर्तन के साथ MP_L / MP_K नहीं बदलता है तो उत्पादन फलन निम्नलिखित होता है:

If MP_L / MP_K does not change with any proportionate change in labour and capital then the production function is

(A) रेखीय / Linear

(B) अरेखीय / Non-linear

(C) एकरूप / समरूप / Homogeneous

(D) समस्थितिक / Homothetic

उत्तर- (D) व्याख्या यदि श्रम और पूँजी में किसी भी आनुपातिक परिवर्तन के साथ MP_L / MP_K नहीं बदलता है तो उत्पादन फलन समस्थितिक (Homothetic) होगा।

Homothetic फलन ऐसे फलन होते हैं जिनकी प्रतिस्थापन की

सीमान्त तकनीकी दर $\left(MRTS_{LK} = \frac{MP_L}{MP_K} \right)$ शून्य डिग्री की समांग होती है। ऐसी स्थिति में **फर्म का विस्तार पथ** तथा **सम लागत रेखा** एक सीधी रेखा होती है।

6. सूची-I में दी मदों को सूची-II में दी गई मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:
Match the items in the List-I with items in List-II. Select the correct answer from the code given below:

सूची-I / List-I

सूची-II / List-II

I. फर्म की एजेन्सी थ्योरी (सिद्धान्त)

1. ओ.ई. विलियमसन

Agency Theory of Firm

O.E. Williamson

II. X - अकुशलता

2. एम.सी. जेन्सन एवं डब्ल्यू. जे. मेकलिंग

X - inefficiency

M. C. Jensen and W. J. Meckling

III. उपयोगिता

3. विलफ्रेडो परेडो

अधिकतमीकरण मॉडल

The Utility Maximisation Model

Wilfredo Pareto

IV. एजवर्थ बॉक्स रेखाचित्र सर्वप्रथम किसने उपयोग किया?

4. हार्वे लीबेन्स्टीन

Edgeworth box diagram first used by

Harvey Leibenstein

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	3	2	1	4
(B)	2	4	1	3
(C)	2	3	4	1
(D)	3	4	1	2

उत्तर- (B) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची - I	सूची - II
I. फर्म की एजेन्सी थ्योरी (सिद्धान्त)	(2) एम. सी. जेन्सन एवं डब्ल्यू. जे. मेकलिंग
II. X- अकुशलता	(4) हार्वे लीबेन्स्टीन
III. उपयोगिता अधिकतमीकरण मॉडल	(1) ओ.ई. विलियमसन
IV. एजवर्थ बॉक्स रेखाचित्र	(3) विलफ्रेडो परेडो

X- कुशलता - इस धारणा का प्रतिपादन H. लीबेन्स्टीन ने किया। एक दी हुई तकनीकी के साथ एक दी हुई लागत से अधिकतम उत्पादन प्राप्त करना या दिये हुए उत्पादन को न्यूनतम लागत पर प्राप्त करना - 'X' कुशलता कहलाता है और यदि अधिकतम प्राप्य उत्पादन से कम उत्पादन प्राप्त हो तो 'X' -अकुशलता कहते हैं। इस प्रकार वह कुशलता जो टेक्नोलाजी के प्रयोग से अधिकतम लाभ दे उसे 'X' कुशलता कहते हैं।

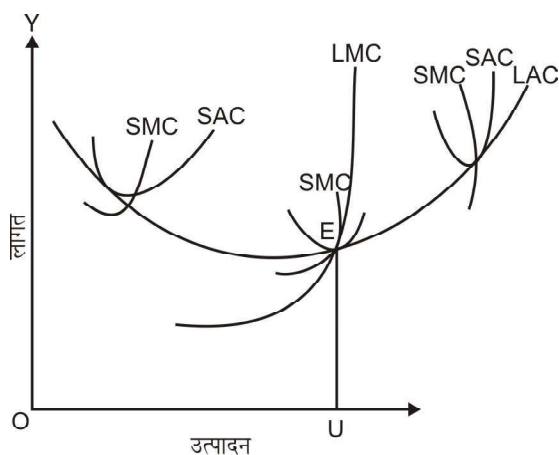
Y- कुशलता - Y कुशलता से अभिप्राय उस कुशलता से है जिसके द्वारा वर्तमान लाभदेय बाजार अवसरों को प्रभावपूर्ण ढंग से शोषित किया जा सके या बाजार अवसरों से अधिक से अधिक लाभान्वित हुआ जा सके। इस प्रकार वह कुशलता जो बाजार अवसरों से

अधिकतम लाभ दे सके उसे Y कुशलता कहते हैं।
फर्म की एजेन्सी थ्योरी का प्रयोग Business Principals तथा उनके एजेन्ट के मध्य सम्बन्धों के मुद्दों को हल करने के लिए किया जाता है। इस सिद्धान्त को एम. सी. जेन्सन एवं डब्ल्यू. जे. मेकलिंग ने प्रस्तुत किया।

7. अल्पकालिक औसत कुल लागत और दीर्घकालिक औसत लागत के स्पर्श बिन्दु पर, अल्पकालिक सीमान्त लागत
At the point of tangency between short-run average total cost and long-run average cost, the short-run marginal cost

- (A) दीर्घकालिक सीमान्त लागत से बृहद होती है।
greater than long-run marginal cost
(B) दीर्घकालिक सीमान्त लागत से कम होती है।
less than long-run marginal cost
(C) दीर्घकालिक सीमान्त लागत से काफी अधिक होती है।
is far above long-run marginal cost
(D) दीर्घकालिक सीमान्त लागत के बराबर होती है।
equals long-run marginal cost

उत्तर- (D) व्याख्या अल्पकालिक औसत कुल लागत और दीर्घकालिक औसत लागत के स्पर्श बिन्दु पर, अल्पकालिक सीमान्त लागत दीर्घकालिक सीमान्त लागत के बराबर होती है। दीर्घकालीन लागत भी 'U' आकार की होती है एवं दीर्घकाल में स्थिर लागत को कोई महत्व नहीं रह जाता। दीर्घकालीन औसत लागत विभिन्न अल्पकालीन लागतों से निर्मित है इसलिए इसे लिफाफा वक्र भी कहा जाता है।



E बिन्दु पर अल्पकालिक ATC तथा LAC का स्पर्श बिन्दु है जहाँ $SMC = LMC$

8. पैमाने के वर्धमान प्रतिफलों के साथ बाज़ार में संतुलन किस स्थिति में अधूरा है?

The equilibrium in a market is incomplete with increasing returns to scale only in the case of

- (A) अपूर्णतया प्रतिस्पर्धात्मक बाज़ार
imperfectly competitive market

- (B) एकाधिकारी बाज़ार / monopolistic market
(C) पूर्णतया प्रतिस्पर्धात्मक बाज़ार
perfectly competitive market
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं / none of the above

उत्तर- (C) व्याख्या पैमाने के वर्धमान प्रतिफलों के साथ बाज़ार में संतुलन पूर्णतया प्रतिस्पर्धात्मक बाज़ार में अधूरा है।

पैमाने के वर्धमान प्रतिफल दर्शाते हैं कि उत्पादन क्षमता का पूर्ण प्रयोग नहीं हुआ है। इसके अंतर्गत उत्पादन की आनुपातिक वृद्धि, उत्पादन के साधनों की आनुपातिक वृद्धि से अधिक होती है। बाज़ार संतुलन वहां पाया जायेगा जहां उत्पादन दीर्घकालीन न्यूनतम लागतों पर हो जो कुशल उत्पादन क्षमता को दर्शाता है यहां उत्पादन क्षमता का पूर्ण प्रयोग होगा और यह स्थिति पूर्ण प्रतियोगिता में प्राप्त होगी।

9. यदि 1 = अनैच्छिक बेरोजगारी;
2 = प्रच्छन्न बेरोजगारी;
3 = संघर्षजनित बेरोजगारी; और
4 = संरचनात्मक बेरोजगारी है, तो पूर्ण रोजगार निम्नलिखित से सामंजस्य रखता है:

If 1 = Involuntary unemployment;
2 = Disguised unemployment;
3 = Frictional unemployment; and
4 = Structural unemployment, then full employment is consistent with

- (A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 3 और 4 (D) 1 और 4

उत्तर- (C) व्याख्या पूर्ण रोजगार संघर्षजनित बेरोजगारी एवं संरचनात्मक बेरोजगारी से सामंजस्य रखता है।

संघर्ष जनित बेरोजगारी

ऐसा व्यक्ति जो एक रोजगार को छोड़कर दूसरे रोजगार में जाता है अथवा वह व्यक्ति जो हाल ही में श्रम शक्ति में समाहित हुआ है और रोजगार की तलाश कर रहा है तो इस तलाश की अवधि में वह बेरोजगार हो सकता है या ऐसा हो कि नयी टेक्नोलॉजी के प्रयोग के कारण एक व्यक्ति एक रोजगार से निकलकर या निकाल दिए जाने के बाद रोजगार की तलाश कर रहा है, तो तलाश की इस अवधि में वह अस्थायी बेरोजगार है। ऐसी अस्थायी स्वभाव की बेरोजगारी को हम घर्षणजनित बेरोजगारी कहते हैं।

संरचनात्मक बेरोजगारी

जब बेरोजगारी इस कारण से हो कि रोजगार के उपलब्ध अवसर तथा रोजगार पाने वालों की योग्यता में तालमेल नहीं हो या यूँ कहिए कि रोजगार की आवश्यकता के अनुसार बेरोजगार श्रमिकों की योग्यता नहीं हो तो इसे संरचनात्मक बेरोजगारी कहते हैं।

10. कीन्स के निरपेक्ष आय प्राक्कल्पना के समीकरण, $C = a_0 +$

by में, जहाँ C = उपभोग व्यय; a_0 = उपभोग व्यय जब आय (y) शून्य है; और b = उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति (MPC) है, तो निम्नलिखित में से कौन सा कथन मिथ्या है?

In Keynes' equation of absolute income hypothesis, $C = a_0 + by$, where C = Consumption expenditure; $a_0 =$

Consumption expenditure when income (y) is zero; and b = Marginal Propensity to Consume (MPC), then which of the following statement is false?

- (A) MPC आय के स्तर से स्वतंत्र है।
MPC is independent of the level of income.
(B) MPC आय के स्तर पर आश्रित है।
MPC is dependent on the level of income.
(C) आय के बढ़ने पर APC गिरता है।
APC falls as income rises.
(D) $APC > MPC$.

उत्तर- (B) व्याख्या उपभोग की निरपेक्ष आय परिकल्पना को कीन्स ने दिया जो कीन्स के उपभोग के सम्बन्ध में विचार है। कीन्स के अनुसार सभी तत्वों में से आय का वर्तमान स्तर ही एक व्यक्ति तथा समाज के उपभोग को निर्धारित करता है। केन्स आय के निर्धारक तत्व के रूप में आय के निरपेक्ष आकार पर जोर देते हैं अतः केन्स के उपभोग सिद्धान्त को निरपेक्ष आय परिकल्पना कहा जाता है।

केन्स ने 1936 में प्रकाशित 'General Theory of Employment Interest and Money' में उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम दिया जिसके अनुसार जब आय में वृद्धि होती है तो उपभोग में भी वृद्धि पाई जाती है किन्तु उपभोग में वृद्धि आय से कम अनुपात में होती है। इससे निम्न निष्कर्ष प्राप्त होते हैं:

(1) उपभोग व्यय मुख्य रूप से वर्तमान अवधि की निरपेक्ष आय पर निर्भर है। किसी विशेष अवधि में निर्धन व्यक्तियों की अपेक्षा धनी व्यक्ति की उपभोग प्रवृत्ति अधिक होगी।

(2) आय उपभोग सम्बन्ध गैर आनुपातिक होता है अर्थात् जिस अनुपात में आय बढ़ती है उस अनुपात में उपभोग नहीं बढ़ता। उपभोग के आय से अनुपात को औसत उपभोग प्रवृत्ति कहा जाता है।

$$\text{औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC)} = \frac{C}{Y}$$

यहाँ C उपभोग व Y आय है।

कीन्स ने दर्शाया कि आय में वृद्धि के साथ औसत उपभोग प्रवृत्ति कम होती है। कीन्स के उपभोग के नियम को उपभोग फलन से दर्शाया जा सकता है:

$C = a + by$ - यह फलन दर्शाता है कि उपभोग फलन एक सीधी रेखा होगा जो आय का समांग (linear) फलन है।

a = स्वायत्त उपभोग जो आय के शून्य स्तर पर उपभोग व्यय की मात्रा को व्यक्त करता है।

$$YD = \text{व्यय योग्य आय है।} \quad YD = (Y - T)$$

T = करों की मात्रा

उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति है। यह उपभोग योग्य आय में प्रति इकाई वृद्धि के परिणाम स्वरूप उपभोग व्यय में वृद्धि को दर्शाती है। अतः

$$MPC = \frac{\Delta C}{\Delta Y}$$

यहाँ ΔC = उपभोग में वृद्धि

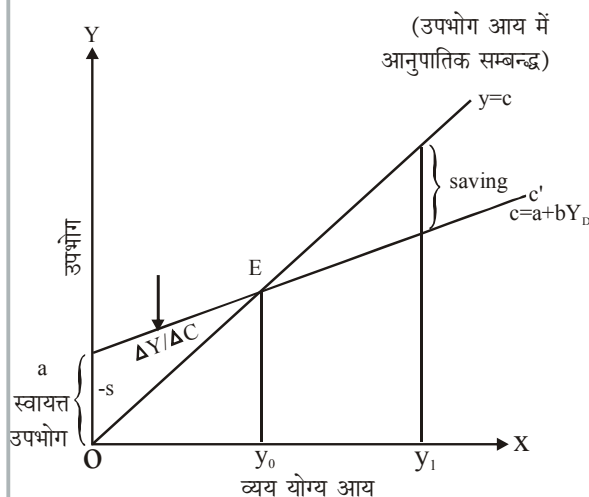
ΔY = आय में वृद्धि

MPC सदैव धनात्मक व इसका मूल्य 0 से 1 के बीच होगा।

यहाँ महत्त्वपूर्ण है कि चूँकि आय में वृद्धि के साथ औसत उपभोग प्रवृत्ति कम होती है, अतः सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति (MPC), APC से कम होगी।

$$APC > MPC$$

MPC का मूल्य धनात्मक होगा क्योंकि आय के स्तर के शून्य होने पर भी कुछ मात्रा में उपभोग किया जाता है। MPC उपभोक्ता का व्यवहार दर्शाती है कि वह आय के किस अनुपात में उपभोग करता है। MPC उपभोग फलन का ढाल व्यक्त करती है।



$$\frac{\Delta C}{\Delta Y} = \text{आय में परिवर्तन से उपभोग में परिवर्तन}$$

CC' रेखा उपभोग फलन को दर्शाती है। जो Y अक्ष के बिन्दु से प्रारम्भ होती है जिसका अर्थ है कि आय शून्य होने पर स्वायत्त उपभोग हो रहा है।

CC' रेखा आय के बढ़ने पर ऊपर बढ़ती हुई है जो आय का उपभोग से सम्बन्ध दर्शाती है। E बिन्दु पर जहाँ आय Y_0 है वहाँ आय व उपभोग बराबर है इसे ब्रेकइविन बिन्दु कहा जाता है यहाँ बचते शून्य किन्तु धनात्मक है। Y_0 से बाएँ बचते ऋणात्मक है।

इस प्रकार निष्कर्ष प्राप्त होंगे-

शून्य आय पर $APC = \infty$ तथा आय के बढ़ने पर APC में कमी आती है। लेकिन APC कभी शून्य नहीं होगी।

$$MPC = \frac{\Delta C}{\Delta Y} \text{ जो CC' रेखा का ढाल है। CC' एक सीधी रेखा है}$$

जिसका ढाल समान है अतः MPC आय के सभी स्तरों पर स्थिर होगी। एवं $APC > MPC$ होगा।

APC का MPC का यह सम्बन्ध गैर आनुपातिक सम्बन्ध दर्शाता है।

Proof: $APC > MPC$

$$\text{Consumption function } C = a + bY_d$$

$$APC = \frac{C}{Y} = a/Y + b$$

$$\text{and } MPC = b$$

Thus $APC > MPC$ by the amount a/Y

उपभोग व आय का सम्बन्ध दीर्घकाल में आनुपातिक होगा जहाँ

APC = MPC की स्थिति होगी तथा दीर्घकालीन उपभोग फलन मूल बिन्दु (origin point) से प्रारम्भ होगा यहाँ फलन होगा।

$$C = by$$

MPC आय के स्तरों पर आश्रित नहीं अपितु उपभोग आय सम्बन्धों को व्यक्त करती है। MPC आय स्तर से स्वतंत्र है।

क्योंकि उपभोग फलन है

यहाँ b MPC है जो आय का स्वतंत्र चर $C = a + bY_d$ है एवं उपभोग आय में परिवर्तन का अनुपात है। जैसा चित्र में भी प्रदर्शित है कि आय में परिवर्तन से उपभोग फलन का ढाल परिवर्तित नहीं होता अतः MPC स्थिर है।

केन्स ने उपभोग फलन के आय उपभोग सम्बन्ध से 1936 की मंदी की व्याख्या की व अपना सिद्धान्त दिया। केन्स ने दर्शाया कि MPC स्थिर होने से आय के बढ़ने पर बचते बढी और उपभोग में स्थिरता आई जिससे प्रभावी मांग कम हुई है। प्रभावी मांग में वृद्धि के लिए ही सरकार के हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

11. निम्नलिखित कथनों में से कौन सा मिथ्या है?

Which of the following statements is false?

(A) जब कर एकमुश्त कर है, संतुलित बजट गुणक इकाई के बराबर होता है।

The balanced budget multiplier is unity when taxes are lump sum taxes.

(B) जब कर यथामूल्य कर है, संतुलित बजट गुणक इकाई से कम होता है।

The balanced budget multiplier is less than unity when taxes are ad valorem taxes.

(C) कर गुणक सरकारी व्यय गुणक से कम होता है।

Tax multiplier is less than government expenditure multiplier.

(D) कर गुणक सरकारी व्यय गुणक से ज्यादा होता है।

Tax multiplier is more than government expenditure multiplier.

उत्तर- (D)/व्याख्या जब कर एकमुश्त कर है, तब संतुलित बजट गुणक इकाई के बराबर होता है। संतुलित बजट गुणक सिद्धान्त के अनुसार इसका मान सदैव 1 के बराबर होता है।

$$BBM = \Delta T = \Delta G$$

$$\frac{-b}{1-b} = \frac{1}{1-b}$$

$$= \frac{1-b}{1-b} = 1$$

b = mpc, BBM = Balance Budget Multiplier

- जब कर यथामूल्य कर होता है तो संतुलित बजट गुणक इकाई से कम होता है।
- कर गुणक का मान, सार्वजनिक व्यय गुणक के मान से कम होता है।

12. सूची-II में दिये निवेश निर्धारण के मानदंड/ सिद्धान्त को सूची-I में दिये उनके प्रतिपादकों के साथ सुमेलित करें:

Match the theory/criterion of investment determination as given below in List- II with their propounders given below in List-I:

सूची-I / List -I	सूची-II / List-II
I. डेल जॉर्गनसन Dale Jorgenson	a. Q-सिद्धान्त Q-Theory
II. जे.एम. केन्स J.M. Keynes	b. नव-क्लासिकी सिद्धान्त Neo-classical Theory
III. जेम्स कोहन James Cohin	c. त्वरक सिद्धान्त Accelerator Theory
IV. जेम्स क्लार्क James Clark	d. वर्तमान मान/मूल्य मानदंड Present Value Criterion

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	a	d	b	c
(B)	b	d	a	c
(C)	c	d	a	b
(D)	c	a	d	b

उत्तर- (B)/व्याख्या/ नोट - (प्रश्न हटा दिया गया)

सूची - I अर्थशास्त्री	सूची - II सिद्धान्त
डेल जॉर्गनसन	निवेश व्यवहार का सिद्धान्त
जे. एम. कीन्स	गुणक सिद्धान्त
जेम्स क्लार्क	त्वरक सिद्धान्त
जेम्स टॉबिन	Q- सिद्धान्त
फिशर	वर्तमान मान / मूल्य मानदंड (नव क्लासिकी सिद्धान्त)

13. अभिकथन (A) : तरलता फंदे में, मुद्रा की माँग पूर्णतया ब्याज लोचनीय होती है।

Assertion (A) : In liquidity trap, the demand for money is perfectly interest elastic.

कारण (R) : क्योंकि इस स्थिति में, सभी निवेशकर्ता अपेक्षा करते हैं कि ब्याज की बाजार दर ब्याज की प्राकृतिक दर की ओर बढ़ेगी।

Reason (R) : Because in this situation, all the investors expect the market rate of interest to rise towards the natural rate of interest.

कूट / Codes:

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

(A) and (R) both are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(A) and (R) both are correct but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(A) is correct, but (R) is incorrect.

(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Both (A) and (R) are incorrect.

उत्तर- (A)/व्याख्या ब्याज की प्राकृतिक दर व बाजार दर का विश्लेषण विकसेल (Wicksell) ने किया।

ब्याज की प्राकृतिक दर या संस्थिति दर वह दर है जिस पर उधार योग्य कोषों की मांग, ऐच्छिक बचत की पूर्ति के बराबर हो। ऐसे में अर्थव्यवस्था संस्थिति में होगी।

दूसरी तरफ बाजार दर वह दर है जो वास्तव में बाजार में प्रचलित है जिसका निर्धारण मुद्रा की मांग एवं पूर्ति द्वारा होता है। दिए गए अभिकथन के अनुसार, तरलता जाल में मुद्रा की मांग पूर्णतया ब्याज लोचदार हो जाती है क्योंकि कीन्स के अनुसार व्यक्ति एक समयावधि में या तो बाण्ड रखता है अथवा नगद मुद्रा रखता है। जब ब्याज की दर बहुत नीची होती है तब, चूँकि बाण्ड कीमतों और ब्याज की दर में विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है, सभी निवेशकर्ता ब्याज की दरों में वृद्धि की अपेक्षा करते हैं और मुद्रा पूर्ति की सभी वृद्धि नगद रूप में रख लेते हैं जिससे मुद्रा की मांग पूर्णतया ब्याज लोचदार हो जाती है।

अतः कथन व कारण दोनों सही है और (R), (A) की सही व्याख्या है।

14. कालावधि अनुसार निवल निवेश व्यय की दर निम्नलिखित की अधोमुखी ढलान की प्रवणता पर निर्भर करती है:

The rate of net investment spending per time period depends on steepness of the downward slope of

- (A) निवेश अनुसूची की सीमान्त क्षमता
Marginal efficiency of Investment Schedule
- (B) पूँजी अनुसूची की सीमान्त क्षमता
Marginal efficiency of Capital Schedule
- (C) LM - अनुसूची / LM - Schedule
- (D) IS - अनुसूची / IS - Schedule

उत्तर- (A)/व्याख्या कालावधि अनुसार निवल निवेश व्यय की दर निवेश अनुसूची की सीमान्त क्षमता की अधोमुखी ढलान की प्रवणता पर निर्भर करती है।

विनियोग की सीमांत दक्षता, कटौती की वह विशिष्ट दर है जो पूंजी सम्पत्ति की प्रत्याशित निवल प्रतिफल के वर्तमान मूल्य को उसके पूर्ति मूल्य के ठीक-ठीक बराबर कर दे, जबकि यह स्पष्ट हो कि इस पूर्ति मूल्य में अल्पकाल में वृद्धि होगी। विनियोग की सीमांत दक्षता अनुसूची विनियोग के लिए मांग प्रदर्शित करती है। अल्पकाल में विनियोग को उस बिन्दु तक ले जाया जायेगा, जहां विनियोग की सीमांत दक्षता ब्याज दर के बराबर हो जाये।

15. मुद्रा की माँग के निर्धारक के रूप में किसका विशिष्ट रूप से उल्लेख नहीं किया गया है?

Which of the following is not specifically mentioned as a determinant of the demand for money?

- (A) सम्पदा / Wealth
- (B) वैकल्पिक परिसम्पत्तियों पर नाममात्र लब्धि
Nominal yield on alternative assets
- (C) मुद्रास्फीति की दर / Inflation rate
- (D) ब्याज की वास्तविक दर / Real rate of interest

उत्तर- (D)/व्याख्या मुद्रा की माँग के निर्धारक के रूप में ब्याज की वास्तविक दर का विशिष्ट रूप उल्लेख नहीं किया गया है।

जबकि मुद्रा की माँग के निर्धारक के रूप में सम्पदा, वैकल्पिक परिसम्पत्तियों पर नाममात्र की प्राप्ति (Nominal yield on alternative assets) तथा मुद्रास्फीति की दर का विशिष्ट रूप से उल्लेख किया जाता है।

16. व्यापार चक्रों की व्याख्या करने के लिए निम्नलिखित में से किस अर्थशास्त्री ने स्टॉक समायोजन सिद्धान्त का उपयोग किया है?

Whose model of the following economists makes use of the stock adjustment principle to explain business cycles?

- (A) एन. कल्डोर / N. Kaldor
- (B) जे. आर. हिक्स / J.R. Hicks
- (C) पी. सैम्युलसन / P. Samuelson
- (D) जे. एम. केन्स / J.M. Keynes

उत्तर- (A)/व्याख्या व्यापार चक्रों की व्याख्या करने के लिए निकोलस कल्डोर ने स्टॉक समायोजन सिद्धान्त का उपयोग किया। निकोलस कल्डोर ने बचत और निवेश की केन्जीय शब्दावली के आधार पर व्यापार चक्र मॉडल का निर्माण किया। काल्डोर के अनुसार चक्र दबावों का प्रभाव है जो अर्थव्यवस्था की नियोजित बचत और निवेश को समानता की ओर ले जाता है। वास्तव में, नियोजित बचत और निवेश का अन्तर चक्र को लाता है। परन्तु चक्र केवल तभी संभव है जब बचत और निवेश आरेखीय (Non-linear) हो।

17. गरीबी के दुष्चक्र की अवधारणा किससे सम्बन्धित है?

The concept of vicious circle of poverty is associated with

- (A) जे. एम. केन्स / J.M. Keynes
- (B) रेगनर नर्कसे / Ragner Nurkse
- (C) कार्ल मार्क्स / Karl Marx
- (D) जे. एस. मिल / J.S. Mill

उत्तर- (B)/व्याख्या गरीबी के दुष्चक्र की अवधारणा का सम्बन्ध रेगनर नर्कसे से है।

गरीबी के दुष्चक्र दर्शाते हैं कि आर्थिक शक्तियाँ इस प्रकार से चक्रीय घूमती हैं कि एक निर्धन देश सदैव निर्धन रहता है। नर्कसे के अनुसार 'एक देश गरीब है क्योंकि वह गरीब है।' गरीबी के दुष्चक्रों की व्याख्या नर्कसे ने मांग और पूर्ति दोनों पक्षों द्वारा की।

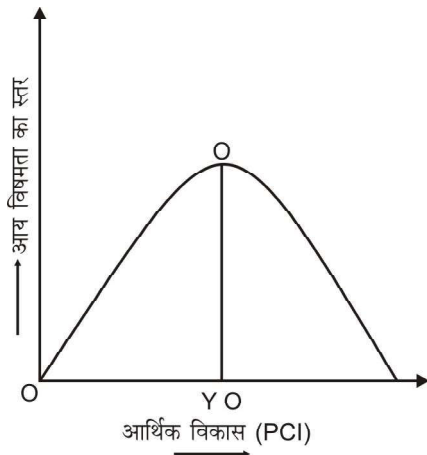
18. औंधी 'U' आकारित (या आकार युक्त) आय वितरण परिकल्पना किससे सम्बन्धित है?

Inverted 'U' shaped income distribution hypothesis is associated with

- (A) जे.बी. क्लार्क / J. B. Clark
- (B) डेविड रिकार्डो / David Ricardo
- (C) साइमन कुजनेट्स / Simon Kuznets
- (D) एडम स्मिथ / Adam Smith

उत्तर- (C)/व्याख्या औंधी 'U' आकारित आय वितरण परिकल्पना साइमन कुजनेट्स से सम्बन्धित है।

साइमन कुजनेट्स ने यह प्रतिपादित किया कि प्रारम्भ में जब आर्थिक विकास होता है तो प्रारम्भ में आय असमानताओं में वृद्धि होती है लेकिन जैसे-जैसे विकास से अन्य समूह लाभान्वित होते हैं आय के वितरण की विषमता में कमी आने लगती है। इसे कुजनेट्स ने एक वक्र के माध्यम से दर्शाया जो उल्टे 'U' प्रकार का है।



19. एच.डी.आइ. (HDI) के संघटक हैं

Components of HDI are

- I. दीर्घायु / Longevity
- II. शिशु मृत्युदर / Infant mortality
- III. शैक्षिक उपलब्धि / Educational attainment
- IV. मर्यादित जीवन स्तर / Decent standard of living

कूट / Codes:

- (A) I, II और III सही हैं। (B) II, III और IV सही हैं।
(C) II, I और IV सही हैं। (D) I, III और IV सही हैं।

उत्तर- (D) व्याख्या HDR-1990 में 'मानव विकास को लोगों के अधिमानों (चुनाव) के विस्तार एवं अधिकारिता में वृद्धि के रूप में परिभाषित किया गया। ज्ञान सीखने की योग्यता तथा दीर्घ एवं स्वस्थ जीवन मानव अधिकारिता की वृद्धि के आवश्यक आगत हैं। दोनों ही के कारण लोगों की आय अर्जित करने की क्षमता तथा फलस्वरूप उपभोग क्षमता में वृद्धि होती है।

1990 में UNDP से जुड़े अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक तथा उनके अनेक अन्य सहयोगी अर्थशास्त्री प्रमुखतया ए.के.सेन एवं हेन सिंगर ने मानव विकास सूचकांक को विकसित किया। HDI स्वस्थ जीवन, शिक्षा तथा आय तीनों आयामों की समग्र माप प्रस्तुत करता है। **HDR-2010** में साक्षरता के स्थान पर स्कूल में बिताये जाने वाले औसत वर्षों को लिया जाता है तथा पहले जहाँ सकल नामांकन लिया जाता था अब उसके स्थान पर 'स्कूल में बिताये जाने वाले प्रत्याशित वर्ष' को लेते हैं। प्रत्याशित स्कूलिंग वर्ष से आशय उस वर्ष से है जो वर्तमान नामांकन दर पर कोई बच्चा स्कूल में रहने की प्रत्याशा करता है।

आयाम	सांकेतिक
(i) स्वास्थ्य	जीवन प्रत्याशा (वर्ष)
(ii) शिक्षा	- स्कूलिंग के प्रत्याशित वर्ष - स्कूलिंग के औसत वर्ष
(iii) जीवन निर्वाह स्तर	सकल राष्ट्रीय आय, प्रति व्यक्ति (PPP)

20. विकास के क्लासिकी सिद्धान्त के निम्नलिखित प्रतिपादकों को अनुवर्ती क्रम में व्यवस्थित करें:

Arrange the proponents of Classical Theory of Development in a sequential order:

- I. डेविड रिकार्डो / David Ricardo
- II. एडम स्मिथ / Adam Smith
- III. जे.एस. मिल / J.S. Mill
- IV. रॉबर्ट माल्थस / Robert Malthus

कूट / Codes:

- (A) II IV III I
(B) IV III I II
(C) III II IV I
(D) I II III IV

उत्तर- (A) व्याख्या विकास के क्लासिकी सिद्धान्त के प्रतिपादकों का अनुवर्ती क्रम -

II. एडम स्मिथ	Wealth of Nation	1776
IV. रॉबर्ट माल्थस	Principle of Political Economy	1820
III. जे. एस. मिल	Principles of Political Economy	1848
I. डेविड रिकार्डो	Principles of Political Economy and Taxation	1917

21. अभिकथन (A) : मार्क्सवादी योजना में, $M \rightarrow C \rightarrow M'$ है, जहाँ $M' > M$ और $M' - M$ अतिरेक मूल्य है।

Assertion (A) : In Marxian scheme of things, $M \rightarrow C \rightarrow M'$, where $M' > M$ and $M' - M$ is surplus value.

कारण (R) : इस अतिरेक मूल्य का मुख्य कारण कच्चा माल, मशीनें इत्यादि हैं।

Reason (R) : The main cause of this surplus value is raw materials, machines, etc.

कूट / Codes:

- (A) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(A) is wrong but (R) is correct.
(B) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(A) is correct but (R) is wrong.
(C) (A) और (R) दोनों सही हैं।
Both (A) and (R) are correct.
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
Both (A) and (R) are wrong.

उत्तर- (B) व्याख्या अतिरेक मूल्य = श्रमिकों द्वारा उत्पादित उत्पाद

कीमत - श्रमिकों की मजदूरी (जीवन निर्वाह)

कथनानुसार मार्क्सवादी योजना में $M \rightarrow C \rightarrow M'$ में है तो

यहाँ M' = श्रमिकों द्वारा उत्पादित उत्पाद कीमत

M = श्रमिकों की जीवन निर्वाह मजदूरी

इस प्रकार जहाँ $M' > M$ और $M' - M$ अतिरेक मूल्य होगा।

मार्क्स ने उत्पादन के साधन में श्रम को रखा तथा श्रमिक ही अतिरेक मूल्य सृजित करता है। अतिरेक मूल्य का कारण श्रमिकों द्वारा उत्पादित उत्पाद का अधिक मूल्य व उन्हें प्राप्त निर्वाह स्तर मजदूरी है। इसलिए कारण असत्य है।

22. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें:

Match the items in the List - I with items in List - II:

सूची-I / List - I	सूची-II / List - II
I. अल्पविकास का संरचनात्मक दृष्टिकोण	1. क्लासिकी अर्थशास्त्री
Structural view of Underdevelopment	Classical Economists
II. स्वतन्त्र व्यापार नीति	2. होलिस चिनेरी
Laissez-faire Policy	Hollis Chenery
III. विस्तारित पुनर् उत्पादन की विभागीय योजना	3. स्थायी राजकीय विकास
Departmental Scheme of Expanded Reproduction	Steady State Growth
IV. संचय का स्वर्णिम युग	4. कार्ल मार्क्स
Golden Age of Accumulation	Karl Mark

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	2	1	4	3
(B)	4	2	3	1
(C)	1	4	2	3
(D)	3	4	1	2

उत्तर- (A) व्याख्या

सूची - I	सूची - II
I. अल्पविकास का संरचनात्मक दृष्टिकोण	(2) होलिस चिनेरी
II. स्वतन्त्र व्यापार नीति	(1) क्लासिकी अर्थशास्त्री
III. विस्तारित पुनर् उत्पादन की विभागीय योजना	(4) कार्ल मार्क्स
IV. संचय का स्वर्णिम युग	(3) स्थायी राजकीय विकास

I. अल्पविकास का संरचनात्मक दृष्टिकोण

होलिस बी चनेरी ने विकास की प्रक्रिया को आर्थिक व सामाजिक संरचना से जोड़ा। इन्होंने दर्शाया कि प्रति व्यक्ति आय में निरन्तर वृद्धि के लिए संरचनात्मक परिवर्तन आवश्यक है। चनेरी ने विकास प्रक्रिया की विशेषताओं को दर्शाने के लिए समय श्रृंखला तथा अन्दर देश (Cross Country) मॉडल का प्रयोग किया। चनेरी ने अल्पविकास से निकलने के कुछ उपाय बताये जो हैं: अतिरिक्त श्रम को परम्परागत क्षेत्र से आधुनिक क्षेत्र में हस्तांतरण के द्वारा आय व रोजगार में सृजन होगा जिससे अल्पविकसित देश घरेलू आर्थिक ढांचे में परिवर्तन ला पायेंगे।

- भौतिक व मानवीय पूँजी में निरन्तर वृद्धि होनी चाहिए।
- शहरों व शहरी क्षेत्रों का विकास किया जाये।
- परिवार के आकार व समग्र जनसंख्या में कमी के द्वारा विकास होगा।

II. स्वतंत्र व्यापार नीति - स्वतंत्र व्यापार नीति का अर्थ है कि जहां वस्तुओं के एक देश से दूसरे देश में आवागमन पर कोई प्रतिबंध (तटकर, कोटा एवं अन्य प्रतिबंध) न हो यद्यपि साधनों का आवागमन प्रतिबंधित है। क्लासिकल व नियोक्लासिकल अर्थशास्त्री स्वतंत्र व्यापार के समर्थक हैं। तुलनात्मक लागत/लाभ सिद्धान्त इस क्षेत्र में प्रमुख सिद्धान्त है।

III. कार्ल मार्क्स ने विस्तारित पुनर् उत्पादन की विभागीय योजना की व्याख्या तथा साधारण पुनर् उत्पादन व विस्तारित पुनर् उत्पादन में भेद किया। साधारण पुनर् उत्पादन में कोई आर्थिक संवृद्धि नहीं होती जबकि विस्तारित में अर्थव्यवस्था की आवश्यकता स्तर उत्पादन से अधिक उत्पादन होगा। जो आर्थिक संवृद्धि लायेगा। पुनर् उत्पादन मार्क्स के दृष्टिकोण में ऐसी प्रक्रिया है जिसमें समाज भौतिक व सामाजिक रूप से पुनः निर्माण करता है। आर्थिक पुनर् उत्पादन में शामिल होगा-

(i) भौतिक उत्पादन व वितरण

(ii) वस्तुओं व सेवाओं का व्यापार

(iii) वस्तुओं व सेवाओं का उपभोग

मार्क्स का विस्तारित पुनर् उत्पादन मॉडल क्वेने के विचारों का विस्तार है जो आगत-निर्गत मॉडल का आधार प्रदान करते हैं।

संचय के स्वर्णिम नियम को Edmund Phelps ने दिया यह नियम बचतों के ऐसे स्तर को दर्शाता है जिससे प्रति व्यक्ति अधिकतम उपभोग स्तर प्राप्त हो। यह स्थायी विकास का संचय है।

23. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें:

Match the items in the List - I with items in List - II:

सूची-I / List - I	सूची-II / List - II
I. क्रान्तिक (Critical) न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त	1. आर.एफ. क्वान
Critical Minimum Effort Thesis	R.F. Kahn
II. छुरी धार सन्तुलन	2. रोजनस्टीन रोडन
Knife-edge Equilibrium	Rosentein-Rodan
III. अमानक स्वर्णिम युग (बास्टार्ड गोल्डन ऐज)	3. लीबेन्स्टीन
Bastard Golden Age	Leibenstein
IV. प्रबल धक्का सिद्धान्त	4. हैरोड
Big Push Theory	Harrod

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	3	4	1	2
(B)	1	3	4	2
(C)	2	1	3	4
(D)	4	2	1	3

उत्तर- (A) व्याख्या/ सही सुमेलन है-

सूची - I	सूची - II
I. क्रान्तिक न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त	(3) लीबेन्स्टीन
II. छुरी धार सन्तुलन	(4) हैरोड
III. अमानक स्वर्णिम युग (बास्टार्ड गोल्डन ऐज)	(1) आर. एफ. कहान
IV. प्रबल धक्का सिद्धान्त	(2) रोजनस्टीन रोडन

24. भारत में राष्ट्रीय आय की संवृद्धि की दर के सम्बन्ध में कौन से वर्ष श्रेष्ठ और सबसे बुरे थे?

Which years in India have been the best and the worst in terms of growth rate of national income?

- (A) 2007-08 और 1997-98
(B) 2006-07 और 1966-67
(C) 1988-89 और 1979-80
(D) 2003-04 और 1957-58

उत्तर- (C) व्याख्या/ भारत की संवृद्धि दर के सम्बन्ध में सबसे श्रेष्ठ वर्ष 1988-89 रहा जहां Growth लगभग 10% रही। वही सबसे बुरे वर्ष 1979-80 तथा वर्ष 2020-21 रहे जहां संवृद्धि दर लगभग -7% रही।

आंकड़े आर्थिक समीक्षा 2020-21 से प्राप्त तथा 2004-05 शृंखला पर आधारित

वर्ष	राष्ट्रीय आय संवृद्धि
1966-67	0.0%
1957-58	-0.5%
1979-80	-5.1%
1988-89	9.4%
1997-98	4.2%
2003-04	7.9%
2006-07	9.2%
2007-08	10.2%

Growth Rates (NNP at factor Cost) Achieved in Successive Plan Period

Plan	Year	Growth Rates
First Plan	1951-56	3.7
Second Plan	1956-61	4.0
Third Plan	1961-66	2.8
Three Annual Plan	1966-69	3.9
Fourth Plan	1969-74	3.4
Fifth Plan	1974-79	5.0
Annual Plans	1979-80	-5.0
Sixth Plan	1980-85	5.4
Seventh Plan	1985-90	5.5
Eighth Plan	1992-97	6.6
Ninth Plan	1997-02	5.5
Tenth Plan	2002-07	7.8

25. हाल ही के वर्षों में अशोधित जन्म दर के आरोही क्रम में राज्यों को श्रेणीगत करें:

Rank the States in ascending order of the crude birth rate in the recent years:

- I. आन्ध्र प्रदेश / Andhra Pradesh
II. कर्नाटक / Karnataka
III. मध्य प्रदेश / Madhya Pradesh
IV. उत्तर प्रदेश / Uttar Pradesh

कूट / Codes:

- (A) I, II, III, IV (B) II, III, I, IV
(C) I, II, IV, III (D) II, I, IV, III

उत्तर- (A) व्याख्या/

सूची - I	सूची - II
राज्य	आंकड़े SRS 2016-18 के अनुसार
I. आन्ध्र प्रदेश	CBR 20
II. कर्नाटक	CBR 17.2
III. मध्य प्रदेश	CBR 24.6
IV. उत्तर प्रदेश	CBR 25.6

किसी विशेष वर्ष में जन्में पंजीकृत कुल बच्चों की संख्या तथा उस वर्ष की कुल जनसंख्या के बीच अनुपात अशोधित जन्म दर कहलाता है। प्रायः इसे 1000 में व्यक्त किया जाता है।

शोधित जन्म दर - जब हम अशोधित जन्म दर में उन बच्चों के लिए जो पंजीकृत नहीं हैं तथा इस आधार पर जिन्हें अशोधित दर में सम्मिलित नहीं किया गया है, 5% और जोड़ देते हैं तो अशोधित जन्मदर शोधित जन्म दर बन जाती है।

कूड या अशोधित मृत्यु दर - किसी एक वर्ष में प्रति 1000 जनसंख्या पर मृतकों की संख्या को अशोधित मृत्युदर कहते हैं।

26. भारत की किस पंचवर्षीय योजना में संवृद्धि दर के सम्बन्ध में सेवा क्षेत्र तथा औद्योगिक क्षेत्र के बीच सबसे बड़ा अन्तराल दर्ज किया गया?

Which five year plan of India has recorded the largest gap in terms of growth rate between the services sector and the industrial sector?

- (A) सातवीं योजना / Seventh Plan
(B) आठवीं योजना / Eighth Plan
(C) नौवीं योजना / Ninth Plan
(D) दसवीं योजना / Tenth Plan

उत्तर- (C) व्याख्या/ नौवीं योजना

भारत की नौवीं पंचवर्षीय योजना में संवृद्धि दर के सम्बन्ध में सेवा क्षेत्र तथा औद्योगिक क्षेत्र के बीच सबसे बड़ा अन्तर दर्ज किया गया। इस योजना की समयावधि 1 अप्रैल 1997 से 31 मार्च 2002 तक थी तथा सामाजिक न्याय तथा समता के साथ आर्थिक विकास मुख्य उद्देश्य रखा गया।

9 वीं FYP में लक्षित GDP वृद्धि दर = 6.5%
प्राप्त GDP संवृद्धि दर = 5.4%

कृषि क्षेत्र संवृद्धि = 2.1% जो 4.2% लक्षित थी।
उद्योग संवृद्धि का लक्ष्य जो 3% था वह 4.5% प्राप्त हुआ
सेवा क्षेत्र की संवृद्धि 7.8% की दर से हुयी।
अतः सेवा क्षेत्र व औद्योगिक क्षेत्र में सबसे बड़ा अंतराल रहा।

27. भारत की राष्ट्रीय विनिर्माणकारी नीति के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र के मध्यकालिक अभीष्ट (डिजायर्ड) विकास लक्ष्य के बारे में सही उत्तर प्रदान करें:

Provide the correct answer about the desired growth target of the manufacturing sector in the medium term as per the National Manufacturing Policy of India.

- (A) 6-8 प्रतिशत (B) 8-10 प्रतिशत
(C) 10-12 प्रतिशत (D) 12-14 प्रतिशत

उत्तर- (D)/व्याख्या भारत की राष्ट्रीय विनिर्माणकारी नीति के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र के मध्यकालिक अभीष्ट विकास लक्ष्य को 12-14% रखा गया।

राष्ट्रीय विनिर्माण नीति - 2011

भारत सरकार ने 25 अक्टूबर 2011 को राष्ट्रीय विनिर्माण नीति घोषित की इस नीति के प्रमुख उद्देश्य थे -

- (i) 2022 तक एक दशब्द में 100 मिलियन रोजगार सृजित करना
(ii) देश के GDP में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के हिस्से को चालू 15-16% से बढ़ाकर 2022 तक 25% तक लाना।

नीति क्रियान्वयन के प्रमुख अस्त्र के रूप में NIMZ - National Investment and Manufacturing Zone को लाया गया।

28. एच.डी.आर. 2011 के अनुसार मानव विकास सूचकांक (HDI) निम्नलिखित में से किस देश को बेहतर है?

Which of the following countries have better Human Development Index (HDI) as per the HDR 2011?

- I. श्रीलंका / Sri Lanka II. पाकिस्तान / Pakistan
III. केन्या / Kenya IV. मिस्र / Egypt

कूट / Codes:

- (A) श्रीलंका और मिस्र / Sri Lanka and Egypt
(B) श्रीलंका और केन्या / Sri Lanka and Kenya
(C) पाकिस्तान और श्रीलंका / Pakistan and Sri Lanka
(D) पाकिस्तान और केन्या / Pakistan and Kenya

उत्तर- (*)/व्याख्या HDR - 2020 के अनुसार

Norway	Ist Rank
Ireland	IInd Rank
Sri Lanka	73 Rank
Pakistan	154 Rank
Kenya	143 Rank
Egypt	116 Rank
India	131

29. भारत की सरकार द्वारा वर्ष 2011-12 में MGNREGA (एम.जी.एन.आर.इ.जी.ए.) के अंतर्गत परिव्यय की राशि क्या थी?

What was the amount of outlay under MGNREGA in 2011-12 by the Government of India?

- (A) ₹25,000 करोड़ (B) ₹30,000 करोड़
(C) ₹40,000 करोड़ (D) ₹55,000 करोड़

उत्तर- (C)/व्याख्या बजट 2011-12 में मनरेगा व्यय = ₹ 40,000 करोड़

बजट 2020-21 मनरेगा व्यय : ₹ 1,11,500 करोड़

बजट 2021-22 मनरेगा व्यय : ₹ 73,000 करोड़

30. वर्ष 2010 में विश्व व्यापारिक निर्यातों में भारत के हिस्से के बारे में सही उत्तर प्रदान करें:

Provide correct answer about the share of India in the world merchandize exports in 2010:

- (A) 0.5 प्रतिशत (B) 0.9 प्रतिशत
(C) 1.1 प्रतिशत (D) 1.5 प्रतिशत

उत्तर- (D)/व्याख्या वर्ष 2010 में विश्व व्यापारिक निर्यातों में भारत की हिस्सेदारी 1.5% थी।

कुल वैश्विक निर्यात में **वर्तमान में** भारत की हिस्सेदारी वस्तु एवं सेवा निर्यात सहित 3.54% है।

31. यदि दो देशों के बीच वस्तु ले जाने की परिवहन लागत दो देशों के बीच वस्तुओं के पूर्व लेनदेन अन्तर से अधिक होती है, तो उस वस्तु में लेनदेन

If the cost of transporting a goods between two nations exceeds the pretrade difference for the goods between two nations, then trade in that goods is

- (A) संभावित है। / possible
(B) असंभावित है। / impossible
(C) प्रतिवर्ती है। / reversal
(D) कह नहीं सकता/ती। / cannot say

उत्तर- (B)/व्याख्या यदि दो देशों के बीच वस्तु ले जाने की परिवहन लागत दो देशों के बीच वस्तुओं के पूर्व लेन-देन अन्तर से अधिक है, तो उस वस्तु में लेन-देन **असंभावित है** क्योंकि देशों के द्वारा व्यापार संपादित करने में देशों को हानि होगी।

प्रो० जॉन टिनबर्जन द्वारा प्रस्तुत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का Gravity Model दर्शाता है कि यदि देशों के मध्य भौगोलिक दूरी अधिक है तो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कम होगा जबकि जनसंख्या व आय का आकार अधिक होने पर व्यापार बढ़ेगा।

32. रिबेजिन्सकी प्रमेय के अनुसार, स्थिर सापेक्ष वस्तु कीमतों पर सिर्फ एक कारक निम्नलिखित के उत्पादन में पूर्ण विस्तार की ओर प्रवृत्त करता है:

According to the Rybczynski theorem, the growth of only one factor at constant relative commodity prices, leads to an absolute expansion in the output of

- (A) दोनों वस्तुएँ / both commodities
(B) वृद्धिकारी कारक को गहन रूप से उपयोग करने वाली वस्तु the commodity using the growing factor intensively
(C) गैर-वृद्धिकारी कारक को गहन रूप से उपयोग करने वाली वस्तु the commodity using the non-growing factor intensively
(D) उपर्युक्त में से कोई एक / any of the above

उत्तर- (B)/व्याख्या रिबेजिन्सकी प्रमेय के अनुसार, स्थिर सापेक्ष वस्तु कीमतों पर सिर्फ एक कारक, **वृद्धिकारी कारक को गहन रूप से उपयोग करने वाली वस्तु** का उत्पादन पूर्ण विस्तार की ओर प्रवृत्त होता है।

रिबेजिन्सकी ने 1955 में प्रस्तुत प्रमेय के लिए हैकशर-ओहलिन सिद्धान्त को आधार बनाया। इस प्रमेय के अनुसार यदि दो देश व दो साधन वाली अर्थव्यवस्था में यदि एक की पूर्ति बढ़ा दी जाए और दूसरे साधन की पूर्ति स्थिर रखा जाए तो परिणाम यह होगा कि उस वस्तु का उत्पादन बढ़ जाएगा जो बढ़ाए गए साधन का गहनता से प्रयोग करती है तथा जो वस्तु कम गहनता से प्रयोग करती है उसका उत्पादन घट जाएगा।

33. बाजार के सभी भागों में विनिमय दर को किसके द्वारा एकसमान रखा जाता है?

The exchange rate is kept the same in all parts of the market by

- (A) विनिमय विवाचन / exchange arbitrage
- (B) ब्याज विवाचन / interest arbitrage
- (C) हैजिंग / hedging
- (D) सट्टेबाजी / speculation

उत्तर- (A)/व्याख्या बाजार के सभी भागों में विनिमय दर को **विनिमय विवाचन** द्वारा एकसमान रखा जाता है।

विदेशी मुद्राओं का एक ही साथ इस उद्देश्य से खरीदना तथा विक्रय करना जिससे विभिन्न बाजारों में प्रचलित विदेशी विनिमय दरों में पाये जाने वाले अन्तर का लाभ उठाया जा सके विनिमय विवाचन कहलाता है। इस क्रिया के कारण जहां आर्बिट्रिज को लाभ प्राप्त होता है वहीं दूसरी ओर यह क्रिया दोनों बाजारों में एक ही विनिमय दर स्थापित होने में मदद करती है।

34. कारक कीमत समकारी प्रमेय द्वारा किन शर्तों को प्रासंगिक माना गया है?

Which are relevant conditions assumed by the factor price equalization theorem?

- I. भिन्न उपादान एनडाउमेंट्स देशों की विशेषता है।
The countries are characterised by different factor endowments.
- II. भिन्न उत्पादन फलन देशों की विशेषता है।
The countries are characterised by different production functions.
- III. भिन्न साधन सघनताएँ उद्योगों की विशेषता है।
The industries are characterised by different factor intensities.
- IV. प्रत्येक देश उसे वस्तु का निर्यात करेगा जो अपने प्रचुर साधन का तुलनात्मक रूप से गहनता से उपयोग करेगा।
Each country will export the commodity which uses its abundant factor relatively intensively.

कूट / Codes:

- (A) I, II, III, IV
- (B) I, III, IV
- (C) I, II, IV
- (D) I, III, II

उत्तर- (B)/व्याख्या कारक कीमत समानीकरण प्रमेय निम्न शर्तों को प्रासंगिक मानता है -

- I. भिन्न उपादान एनडाउमेंट्स देशों की विशेषता है।
 - III. भिन्न साधन सघनताएँ उद्योगों की विशेषताएँ हैं।
 - IV. प्रत्येक देश उस वस्तु का निर्यात करेगा जो अपने प्रचुर साधन का तुलनात्मक रूप से गहनता से उपयोग करेगा।
- साधन कीमत समानीकरण प्रमेय दर्शाता है कि यदि श्रम व पूंजी का देश के भीतर स्वतंत्र प्रवाह होने पर अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के परिणामस्वरूप साधनों की कीमतों में समानता स्थापित होने की प्रवृत्ति पाई जाती है।

35. भुगतान सन्तुलन के मौद्रिक उपागम के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन सा सत्य है?

Which of the following is true with respect to the monetary approach to the balance of payments?

- (A) यह भुगतान सन्तुलन को अनिवार्यतः मौद्रिक घटना के रूप में देखता है।
It views the balance of payments as an essentially monetary phenomenon.
- (B) भुगतान संतुलन में घाटा राष्ट्र में मुद्रा की अतिरिक्त माँग के फलस्वरूप होता है।

A balance of payments deficit results from an excess demand of money in the nation.

- (C) अतिरिक्त भुगतान संतुलन मुद्रा की अतिरिक्त आपूर्ति के कारण होता है।

A balance of payments surplus results from an excess supply of money.

- (D) भुगतान संतुलन में असंतुलन दीर्घकाल में स्वचालित रूप से ठीक नहीं होता है।

Balance of payments disequilibrium are not automatically corrected in the long run.

उत्तर- (A)/व्याख्या भुगतान संतुलन का मौद्रिक उपागम BOP को अनिवार्यतः मौद्रिक घटना के रूप में देखता है।

BOP के मौद्रिक उपागम को R. Mundell तथा H. Johnson ने दिया। यह उपागम BOP घाटे तथा अतिरिक्त को मुद्रा की माँग एवं पूर्ति के माध्यम से स्पष्ट करता है।

मान्यताएँ -

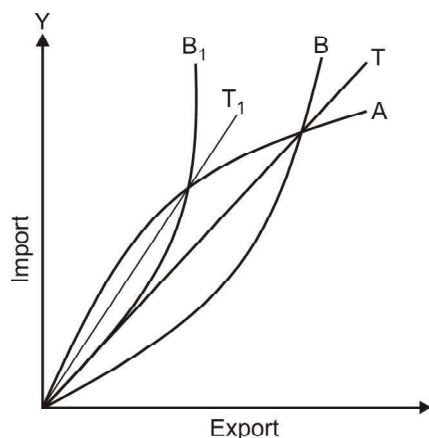
- (i) विभिन्न देशों में वस्तु की कीमत समान है जो परिवहन लागत के पश्चात है।
- (ii) दिए गए देशों में उत्पादन बाह्य रूप से निर्धारित होता है।
- (iii) सभी देशों में साधनों में पूर्ण रोजगार है।
- (iv) Single Price मान्यता के कारण देशों के मध्य नगदी के प्रवाह को स्थिर विनिमय दर से रोकने की संभावना नहीं है।
- (v) मुद्रा की माँग आय का प्रत्यक्ष फलन एवं ब्याज दर का विपरीत फलन है।
- (vi) मुद्रा की पूर्ति का निर्धारण उच्च शक्ति मुद्रा व मुद्रा गुणक के आधार पर होता है।

36. जब राष्ट्र आयात शुल्क लगाता है, तो राष्ट्र का देय वक्र कैसा होगा?

When a nation imposes an import tariff, the nation's offer curve will

- (A) अक्ष जो निर्यात वस्तु का माप करता है से दूर खिसक जाएगा / shift away from the axis measuring its export commodity.
- (B) अक्ष जो आयात वस्तु का माप करता है से दूर खिसक जाएगा / shift away from the axis measuring its import commodity.
- (C) नहीं खिसकेगा / not shift.
- (D) उपर्युक्त में से कोई भी संभावित है / any of the above is possible.

उत्तर- (A) व्याख्या जब राष्ट्र आयात शुल्क लगाता है तो राष्ट्र का देय वक्र (Offer Curve) वह अक्ष जो निर्यात वस्तु की माप करता है से दूर खिसक जाता है।



B1 - प्रशुल्क के बाद का Offer Curve

चित्र में B - निर्यातक देश का प्रस्ताव वक्र

A - आयातक देश का प्रस्ताव वक्र है।

चित्र से स्पष्ट है कि राष्ट्र द्वारा आयात प्रशुल्क लगाने के बाद निर्यातक देश का प्रस्ताव वक्र अपने अक्ष से दूर खिसक कर आयात अक्ष की ओर झुक जाता है। प्रशुल्क के बाद निर्यातक देश का प्रस्ताव वक्र B₁ है। जबकि आयातक देश का प्रस्ताव वक्र A स्थिर है। अब निर्यातक देश माना कि B कम मात्रा देकर आयातों की अधिक मात्रा प्राप्त कर रहा है।

37. यदि व्यापार की अंतर्राष्ट्रीय शर्तें उस स्तर पर तय होती हैं जो प्रत्येक देश की अवसर लागत के बीच पड़ता है तो

If the international terms of trade settle at a level that is between each country's opportunity cost then

- (A) किसी भी देश के लिये लाभकारी व्यापार का कोई आधार नहीं है।
there is no basis for gainful trade for either country
- (B) दोनों देशों को व्यापार से लाभ होता है।
both countries gain from trade.
- (C) केवल एक देश लाभ कमाता है।
only one country gains from trade.
- (D) एक देश को व्यापार से लाभ होता है और दूसरे देश को हानि।
one country gains and the other country loses from trade.

उत्तर- (B) व्याख्या यदि व्यापार की अंतर्राष्ट्रीय शर्तें उस स्तर पर तय होती हैं जो प्रत्येक देश की अवसर लागत के बीच पड़ता है तो दोनों देशों को व्यापार से लाभ होगा।

व्यापार की शर्तों से आशय उस दर से है जिस पर एक देश की वस्तुओं का दूसरे देश की वस्तुओं से विनिमय होता है। यह दर किसी देश के आयातों के रूप में उस देश के निर्यात की क्रय शक्ति की माप है।

38. निम्नलिखित को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें:

Arrange the following in chronological order:

- I. अप्रत्यक्ष कर जाँच समिति (झा समिति)
The Indirect Tax Enquiry Committee (Jha Committee)
- II. कर सुधार समिति (चलैया समिति)
Tax Reforms Committee (Chelliah Committee)
- III. कराधान जाँच आयोग (माथुर आयोग)
Taxation Enquiry Commission (Mathur Commission)
- IV. प्रत्यक्ष कर जाँच समिति (वांचू समिति)
The Direct Tax Enquiry Committee (Wanchoo Committee)

कूट / Codes:

- (A) III, II, IV, I (B) III, I, IV, II
(C) II, III, I, IV (D) III, IV, I, II

उत्तर- (D) व्याख्या कालाक्रमानुसार

III. कराधान जाँच आयोग	माथुर आयोग	1952
IV. प्रत्यक्ष कर जाँच समिति	वांचू समिति	1970
I. अप्रत्यक्ष कर जाँच समिति	झा समिति	1981
II. कर सुधार समिति	चलैया समिति	1991

39. शून्य बजटन में निम्नलिखित में से कौन सा प्रासंगिक है?

Which of the following are relevant in Zero Base Budgeting?

- I. व्यय की प्रत्येक मद को पूर्व-बजट पुनरावलोकन में चुनौती दी जाती है।
Each item of expenditure is challenged in pre-budget review.
- II. व्यय के किसी भी न्यूनतम स्तर को प्रदत्त मान लेने की अनुमति नहीं है।
No minimum level of expenditure is allowed to be taken as given.
- III. प्रत्येक मद के व्यय की हाशिये पर या सीमान्तिक वृद्धि की जाती है।
Expenditure of each item is increased marginally.
- IV. जब अगले वर्ष का बजट तैयार किया जाता है तो व्यय की अधिकांश मदों को प्रदत्त मान लिया जाता है।
Most item of expenditure is taken for granted when budget is prepared for the next year.

कूट / Codes:

- (A) I और III सही हैं। (B) I, II और IV सही हैं।
(C) I और II सही हैं। (D) I, III और IV सही हैं।

उत्तर- (C)/व्याख्या शून्य बजटन, बजट निर्धारण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार को व्यक्त करता है। इसमें व्यय की प्रत्येक मद को पूर्व-बजट पुनरावलोकन में चुनौती दी जाती है तथा व्यय के किसी भी न्यूनतम स्तर को प्रदत्त मान लेने की अनुमति नहीं होती।

शून्य बजट प्रणाली का प्रतिपादन पीटर पायर ने 1970 में किया। शून्य बजट में बजट सम्बन्धी अनुमान शून्य से प्रारम्भ किए जाते हैं।

40. सूची-I में दी मदों को सूची-II में मदों के साथ सुमेलित करें:
Match the items given in List-I with those in List-II:

सूची-I / List-I	सूची-II / List-II
I. इष्टतम आय कर Optimal Income Taxation	1. चार्ल्स टिबो Charles Tiebout
II. राजनीति का आर्थिक सिद्धान्त An Economic Theory of Politics	2. पीटर ए. पायर Peter A. Phyr
III. स्थानीय लोक वस्तुएँ Local Public Goods	3. एफ. रामसे F. Ramsey
IV. शून्य आधार बजटन Zero Base Budgeting	4. एन्थनी डाऊन्स Anthony Downs

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	3	1	4	2
(B)	2	3	1	4
(C)	3	2	1	4
(D)	3	4	1	2

उत्तर- (D)/व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची - I	सूची - II
I. इष्टतम आय कर	(3) एफ. रामसे
II. राजनीति का आर्थिक सिद्धान्त	(4) एन्थनी डाऊन्स
III. स्थानीय लोक वस्तुएँ	(1) चार्ल्स टिबो
IV. शून्य आधार बजटन	(2) पीटर ए. पायर

I. इष्टतम आय कर F रामसे ने इस धारणा को दिया। इष्टतम आय कर की वह दर जो सामाजिक कल्याण को अधिकतम करे।

II. राजनीति का आर्थिक सिद्धान्त जिसे लोकतंत्र का आर्थिक सिद्धान्त भी कहा जाता है को 1957 में एन्थनी डाऊन्स ने दिया। यह सिद्धान्त सार्वजनिक नीति के लिए प्रामाणिक तथ्यों के बजाय दर्शाता है कि सरकार मुख्य रूप से सत्ता में रहने के लिए किन प्रोत्साहनों का प्रयोग करती है?

यह बाजार आधारित निर्णयों के स्थान पर राजनैतिक निर्णयों के आधार पर नीति निर्धारण को दर्शाता है।

III. स्थानीय लोक वस्तुएँ जिसे चार्ल्स टिबो ने दर्शाया ऐसी सार्वजनिक वस्तुएँ हैं जो किसी निश्चित भौगोलिक क्षेत्र में उपलब्ध होती हैं जैसे क्लब, खेल का मैदान तालाब आदि।

41. निम्नलिखित में से कौन सा कराधान की अनुपस्थिति के तुल्य है?

Which of the following is tantamount to absence of taxation?

- (A) कर का विचलन / Shifting of the tax
- (B) कर का रूपान्तरण / Tax transformation
- (C) कर अपवंचन / Evasion of tax
- (D) कर का पूंजीकरण / Tax capitalisation

उत्तर- (C)/व्याख्या कर अपवंचन कराधान की अनुपस्थिति के समान है। कर अपवंचन से आशय उस प्रक्रिया से है जिसके अंतर्गत आय को छिपाकर कर अदायगी अवैध रूप से बचा ली जाती है।

(A) कर का विचलन अर्थात् करों का एक व्यक्ति से दूसरे में हस्तांतरण होता है। लेकिन कर की मात्रा व प्राप्ति स्रोत नहीं बदलती इसलिए यह कर अनुपस्थिति नहीं है।

(B) कर का रूपान्तरण का अर्थ है करो के स्वरूप में परिवर्तन जैसे उत्पादक उत्पाद शुल्क को अन्तिम रूप से बिक्री कर में जोड़कर प्राप्त कर लेता है।

(D) कर का पूंजीकरण यह दर्शाता है कि कि परिसंपत्ति के कर दायित्व में परिवर्तन होने पर परिसंपत्ति के मूल्य में परिवर्तन आता है जब नगदी का प्रवाह परिवर्तित होता है।

42. निम्नलिखित में से कौन सा कर राज्यों के क्षेत्राधिकार में पड़ता है जैसा कि भारतीय संविधान की अनुसूची VII की सूची-II में वर्णित है?

Which of the following tax is within the jurisdiction of States as enumerated in List-II of the Schedule VII of the Constitution of India?

- (A) रेलवे माल भाड़े और सवारी भाड़े पर कर
Taxes on Railway freights and fares.
- (B) समाचारपत्रों की बिक्री एवं खरीद और उसमें विज्ञापनों पर कर
Taxes on sale and purchase of newspapers and on advertisement therein.
- (C) कुछ वित्तीय दस्तावेजों के सम्बन्ध में स्टाम्प शुल्क की दर
Rate of stamp duty in respect of certain financial documents.
- (D) मनोरंजन, बाजी (लगाने) और जूआ खेलने समेत विलासिताओं पर कर
Taxes on luxuries, including entertainments, betting and gambling.

उत्तर- (D)/व्याख्या भारतीय संविधान की अनुसूची - VII की सूची - II में राज्य सरकार के दायरे में आने वाले करों की व्याख्या की गई है।

- (i) भू राजस्व
- (ii) अखबार को छोड़कर अन्य वस्तुओं की खरीद एवं बिक्री पर कर
- (iii) कृषि आय पर कर (अब समाप्त)
- (iv) भूमि तथा मकान पर कर
- (v) मनोरंजन, बाजी लगाने और जुआ समेत विलासिताओं पर कर

- (vi) बिजली के उपभोग तथा बिक्री पर कर
- (vii) स्टाम्प शुल्क (केन्द्रीय सूची को छोड़कर)
- (viii) खनिज अधिकारों पर कर
- (ix) पेय योग्य एल्कोहल पर कर
- (x) State GST में आने वाली मदों पर राज्य GST इत्यादि।

43. कोहेन क्लार्क ने दावा किया कि विश्व के अधिकांश देशों के लिए कराधान की सुरक्षित उच्चतम सीमा है

Cohin Clark has argued that for most countries of the world, the safe upper limit of taxation is

- (A) राष्ट्रीय आय का 40 प्रतिशत
40 percent of national income
- (B) राष्ट्रीय आय का 30 प्रतिशत
30 percent of national income
- (C) राष्ट्रीय आय का 25 प्रतिशत
25 percent of national income
- (D) राष्ट्रीय आय का 20 प्रतिशत
20 percent of national income

उत्तर- (C)/व्याख्या कोहेन क्लार्क ने राज्य के सार्वजनिक व्यय की क्रान्तिक सीमा का निर्धारण किया जिसके अनुसार सार्वजनिक व्यय की क्रान्तिक सीमा अधिक से अधिक राष्ट्रीय आय के 25% पर होगी, यही करारोपण की अधिकतम सीमा होगी।

44. निम्नलिखित में से कौन सा कर आसानी से स्थानांतरित किया जा सकता है?

Which of the following tax can be shifted easily?

- (A) एकाधिकारी पर लगाया गया एकमुश्त कर
Lump-sum tax imposed on the monopolist
- (B) आवासीय मकान पर लगाया कर
Tax imposed on residential house
- (C) बिक्री योग्य पूँजीगत वस्तुएँ
Capital goods meant for sale
- (D) उत्तराधिकार सम्बन्धी शुल्क / Succession duty

उत्तर- (C)/व्याख्या बिक्री योग्य पूँजीगत वस्तुओं पर लगाया गया कर आसानी से स्थानांतरित किया जा सकता है क्योंकि विक्रेता कर के भार को क्रेता से वसूल लेगा।

- एकाधिकारी पर यदि एक मुश्त कर लगाया जाता है तो एकाधिकारी इसे विवर्तित नहीं कर पाएगा क्योंकि वह यदि वस्तु का मूल्य बढ़ायेगा तो मांग घट जायेगी इसलिए एक मुश्त कर से एकाधिकारी के लाभ कम होंगे इसका स्थानांतरण संभव नहीं है।
- आवासीय मकान पर कर स्थानांतरण आसान नहीं होगा क्योंकि व्यक्ति इसे आसानी से विक्रय नहीं करता।
- उत्तराधिकारी सम्बन्धी शुल्क उत्तराधिकारी ही देगा। स्थानांतरण नहीं होगा।

45. द्विपदीय बंटन में, माध्य और प्रसरण का योग 15 है और माध्य और प्रसरण का गुणनफल 54 है, तो प्रेक्षणों की संख्या (n) कितनी होगी?

In a binomial distribution, the sum of mean and variance is 15 and the product of mean and variance is 54,

then the number of observations (n) is equal to

- (A) 27
- (B) 30
- (C) 24
- (D) 33

उत्तर- (A)/व्याख्या $n = 27$

प्रश्नानुसार

$$\text{माध्य } (n) + \text{प्रसरण } (npq) = 15 \dots\dots\dots(i)$$

$$\text{माध्य } (n) \times \text{प्रसरण } (npq) = 54 \dots\dots\dots(ii)$$

$$\text{माध्य } (np) - \text{प्रसरण } (npq)^2$$

$$= (15)^2 - 4 \times 54$$

$$= 225 - 216$$

$$= 9$$

$$\text{माध्य } (np) - \text{प्रसरण } (npq) = \sqrt{9} = 3 \dots\dots\dots(iii)$$

समीकरण (i) और (iii) से

$$np = 9 \text{ तथा } npq = 6$$

$$q = \frac{npq}{np}$$

$$q = \frac{6}{9} = \frac{2}{3}$$

$$p = 1 - q$$

$$= 1 - \frac{2}{3} = \frac{1}{3}$$

$$\therefore np = 9$$

$$\text{अतः } n \times \frac{1}{3} = 9$$

$$n = 9 \times 3 = 27$$

46. यदि 'r' सहसम्बन्ध गुणांक है और b_{yx} और b_{xy} प्रतिश्रयण रेखाओं x पर y और y पर x क्रमशः प्रतिश्रयण गुणांक हैं, तो r बराबर है:

If 'r' is the correlation coefficient and b_{yx} and b_{xy} are the regression coefficients of the regression lines y on x and x on y respectively, then $r =$

$$(A) b_{xy} \times b_{yx} \quad (B) \sqrt{b_{xy} / b_{yx}}$$

$$(C) \sqrt{1 - b_{xy} b_{yx}} \quad (D) \sqrt{b_{xy} b_{yx}}$$

उत्तर- (D)/व्याख्या यदि 'r' सहसम्बन्ध गुणांक है और b_{xy} तथा b_{yx} समाश्रयण रेखाएँ x on y तथा y on x हैं तो r होगा -

$$\sqrt{b_{xy} \cdot b_{yx}} - \text{सहसम्बन्ध गुणांक}$$

$$r^2 = b_{xy} \cdot b_{yx}$$

$$\text{or } r = \sqrt{b_{xy} \cdot b_{yx}}$$

47. χ^2 (काई स्क्वैयर) परीक्षण का क्या परीक्षण करने के लिये उपयोग किया जाता है?

χ^2 (chi-square) test is used to test

(A) प्रसरण का विश्लेषण / analysis of variance

(B) गुणात्मक चरों के बीच साहचर्य

association between the qualitative variables

(C) एक ही समय से लिए गये दो बंटन समूहों के माध्यों के बीच अन्तर

difference between means of two distributions drawn from the same population.

- (D) भिन्न समग्र से लिये गये दो बंटन समूहों के माध्यों के बीच अन्तर

difference between the means of two distributions drawn from different population.

उत्तर- (B) व्याख्या काई-वर्ग जो कि वास्तविक एवं प्रत्याशित आवृत्तियों के अन्तर का एक माप है, का उद्देश्य वास्तव में दो गुणों की स्वतंत्रता की जांच (Test of Independence) करना है। इसका सर्वप्रथम प्रयोग प्रो. हेल्मर्ट द्वारा किया गया था लेकिन विस्तृत विश्लेषण कार्ल पियर्सन ने किया।

48. यादृच्छिक प्रतिचयन का अभिप्राय है:

Random sampling implies that

- (A) प्रेक्षणों का चयन उद्देश्य के साथ किया गया है।
the observations are selected purposively.
- (B) प्रेक्षणों को व्यवस्थित ढंग से चयनित किया है।
the observations are selected in a systemic manner.
- (C) प्रेक्षणों का चयन मनमाने ढंग से किया है।
the observations are selected in an adhoc manner.
- (D) प्रेक्षणों को गुच्छों में चयनित किया है।
the observations are selected in clusters.

उत्तर- (B) व्याख्या यादृच्छिक प्रतिचयन का अभिप्राय प्रेक्षणों को व्यवस्थित ढंग से चयनित करना है। इसमें प्रत्येक प्रेक्षण के शामिल होने की संभावना बराबर रहती है। Stratified Sampling यादृच्छिक प्रतिचयन का महत्वपूर्ण प्रकार है।

49. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें:

Given the following information, match the item in List-I with List-II:

सूची-I / List - I	सूची-II / List - II
I. विचरण का गुणांक <i>Coefficient of Variation</i>	1. μ_4 / σ^4
II. सहसम्बन्ध का गुणांक <i>Coefficient of Correlation</i>	2. μ_3 / σ^3
III. विषमता का गुणांक <i>Coefficient of Skewness</i>	3. $\sigma / \bar{x}$
IV. कुटोसिस (वक्रता-मात्रा) का गुणांक <i>Coefficient of Kurtosis</i>	4. $\sum xy / \sigma_x \sigma_y$

कूट / Codes:

I	II	III	IV
(A) 1	2	3	4
(B) 3	2	4	1
(C) 3	4	2	1
(D) 3	4	1	2

उत्तर- (C) व्याख्या

सूची - I	सूची - II
I. विचरण गुणांक	(3) $\sigma / \bar{x}$
II. सहसम्बन्ध गुणांक	(4) $\sum xy / \sigma_x \sigma_y$
III. विषमता गुणांक	(2) μ_3 / σ^3
IV. कुटोसिस (वक्रता मात्रा) का गुणांक	(1) μ_4 / σ^4

50. अभिकथन (A) : फिशर का अभिसूचक आदर्श अभिसूचक है।

Assertion (A) : Fisher's index is an ideal index.

कारण (R) : फिशर का अभिसूचक समय विपर्यास तथा उपादान विपर्यास परीक्षणों को संतुष्ट करता है।

Reasoning (R): Fisher's index satisfies Time Reversal and Factor Reversal Tests.

कूट / Codes:

- (A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are true and (R) is correct explanation of (A).

- (B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are true, but (R) is not correct explanation of (A).

- (C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

(A) is true, but (R) is false.

- (D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।

(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (A) व्याख्या

दिए गए कथन एवं कारण के अनुसार फिशर का सूचकांक आदर्श सूचकांक माना जाता है क्योंकि यह दोनों समय विपर्यास तथा कारण विपर्यास परीक्षणों को संतुष्ट करता है। अन्य कोई सूचकांक इन्हें पूरा नहीं करता। इसलिए केवल फिशर का ही सूचकांक आदर्श सूचकांक है।

अतः कथन व कारण दोनों सत्य है एवं कारण दर्शाता है कि क्यों फिशर का सूचकांक आदर्श सूचकांक है इसलिए सही व्याख्या भी है।

$$P_{01} = \sqrt{\frac{\sum p_1 q_0 \times \sum p_1 q_1}{\sum p_0 q_0 \times \sum p_0 q_1}} \times 100$$

p_{01} = फिशर का सूचकांक

p_1 = वर्तमान वर्ष का मूल्य

p_0 = आधार वर्ष मूल्य

q_1 = वर्तमान वर्ष मात्रा

q_0 = आधार वर्ष मात्रा

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. ऑस्ट्रियन स्कूल के सुप्रसिद्ध संस्थापक कौन हैं ?

Who is widely known as the founder of Austrian School?

- (A) डब्ल्यू. एस. जेवन्स / W. S. Jevons
(B) लियो वालरस / Leon Walras
(C) नट विकसल / Knut Wicksell
(D) कार्ल मेन्जर / Karl Menger

उत्तर- (D)/व्याख्या ऑस्ट्रियन स्कूल के सुप्रसिद्ध संस्थापक थे कार्ल मेन्जर।

आर्थिक विचारों की ऑस्ट्रियन परंपरा पद्धतिगत व्यक्तिवाद पर आधारित है। इस अवधारणा का मूल है कि व्यक्तियों के उद्देश्य और कार्य सामाजिक घटना का परिणाम है। ऑस्ट्रियन विचार 18वीं सदी में कार्ल मेन्जर, Fridrich Von Wieser आदि के से प्राप्त होते हैं। ऑस्ट्रियन सिद्धान्तों में Subjective Theory of Value, Marginalism in Price Theory and Formulation of the Economic Calculation Problem प्रमुख है।

फ्रेडरिक हेयक ऑस्ट्रियन परम्परा के सबसे प्रमुख अर्थशास्त्री रहे जिन्हें 1974 में नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ।

2. स्थानापन्नों के लिए माँग की आड़ी लोच होती है ?

For substitutes, cross elasticity of demand is

- (A) धनात्मक / Positive
(B) ऋणात्मक / Negative
(C) शून्य / Zero
(D) हमेशा एक से कम / Always less than one

उत्तर- (A)/व्याख्या स्थानापन्नों की माँग की आड़ी लोच धनात्मक होती है।

माँग की आड़ी लोच पूरक स्थानापन्न व स्वतंत्र वस्तुओं की सापेक्षिक सम्बद्धता की माप है। इस प्रकार किसी वस्तु B की कीमत में परिवर्तन होने पर A वस्तु की माँग में परिवर्तन को माँग की आड़ी लोच कहा जाता है।

वस्तु X की वस्तु Y के लिए प्रति लोच

$$e_{xy} = \frac{\text{वस्तु } x \text{ की मात्रा में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{वस्तु } y \text{ की कीमत में आनुपातिक परिवर्तन}}$$

Or

$$e_c = \frac{\Delta Q_x / Q_x}{\Delta P_y / P_y} \Rightarrow \frac{\Delta Q_x}{\Delta P_y} \times \frac{P_y}{Q_x}$$

$$e_c = \frac{\Delta Q_x}{\Delta P_y} \times \frac{P_y}{Q_x}$$

जब दो वस्तुएं स्थानापन्न होती हैं तो एक वस्तु की कीमत के बढ़ने पर अन्य वस्तु की माँग में वृद्धि होती है। इस प्रकार दो स्थानापन्न वस्तुओं के बीच माँग की प्रतिलोच (Cross Elasticity of Demand) धनात्मक होती है। इसके विपरीत दो पूरक वस्तुओं के लिए माँग की आड़ी लोच ऋणात्मक होती है।

3. आरक्षित मजदूरी का अर्थ है ?

Reservation wage means

- (A) उचित मजदूरी जिस पर मजदूर काम करने को इच्छुक है।
Fair wage at which workers are willing to work.
(B) निर्वाह मजदूरी जिस पर व्यक्ति कार्य करने को तैयार है।
Subsistence wage at which an individual is willing to work.
(C) न्यूनतम मजदूरी जिस पर व्यक्ति कार्य करने को इच्छुक है।
Minimum wage at which an individual is willing to work.
(D) अधिकतम मजदूरी जिस पर व्यक्ति कार्य करने को तैयार है।
Maximum wage at which an individual is willing to work.

उत्तर- (C)/व्याख्या आरक्षित मजदूरी का अर्थ है वह न्यूनतम मजदूरी है जिस पर एक श्रमिक कार्य करने को इच्छुक हो। इससे कम मजदूरी पर श्रमिक कार्य करने को तैयार नहीं होंगे क्योंकि यह उनके जीवन यापन के लिए पर्याप्त नहीं होगी।

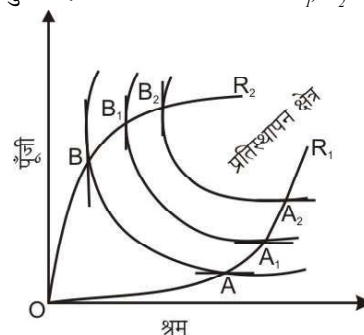
4. उत्पादन के आर्थिक क्षेत्र में शामिल है

An economic region of production consists of

- (A) सभी सम-उत्पाद वक्रों के धनात्मक रूप से ढलवाँ भाग
The positively sloped portions of all isoquants
(B) सभी सम-उत्पाद वक्रों के ऋणात्मक रूप से ढलवाँ भाग
The negatively sloped portions of all isoquants
(C) सभी सम-उत्पाद वक्रों के मध्य भाग
The middle of all isoquants
(D) सभी सम-उत्पाद वक्रों के उच्चतम बिन्दु
The highest points of all isoquants

उत्तर- (B)/व्याख्या उत्पादन के आर्थिक क्षेत्र में सभी समोत्पाद वक्रों के ऋणात्मक रूप से ढलवाँ भाग को शामिल किया जाता है। उत्पादन सदैव इसके अन्दर होता है। उत्पादन की प्रक्रिया में प्रत्येक उत्पादक का उद्देश्य दिए गए उत्पादन को न्यूनतम लागत पर प्राप्त करना अथवा दी गई लागत पर अधिकतम उत्पादन स्तर को प्राप्त करना होता है। इसके लिए उत्पादक विभिन्न साधनों के अनुकूलतम संयोग को चुनता है।

$R_1, R_2 =$ रिज रेखाएँ



उस समय जबकि दोनों साधन एक दूसरे के स्थान पर पूर्णतया प्रतिस्थापित किये जा सकते हो अथवा आनुमापिक प्रतिफल की स्थिति में भी उत्पादन की एक प्राविधिक सीमा होती है जिसके बाहर प्रतिस्थापन नहीं किया जा सकता, उत्पादन की इस प्राविधिक सीमा को दर्शाने वाली रेखाओं को **रिज रेखाएं** (Ridge Lines) कहा जाता है। इन सीमाओं के भीतर ही प्रतिस्थापन हो सकता है, बाहर नहीं। इसलिए स्नाइडर ने इन रेखाओं के बीच के क्षेत्र को 'प्रतिस्थापन क्षेत्र' कहा। रिज रेखाओं के बिन्दुओं पर $MRTS_{LK} = 0$ होता है।

5. प्रतिस्थापन की लोच है

Elasticity of substitution is

(A) महँगे आगतों के लिए सस्ते आगतों का प्रतिस्थापन

The substitution of cheaper inputs for dearer inputs.

(B) जिस दर पर आगतें (श्रम एवं पूँजी) प्रतिस्थापित की जाती हैं।

The rate at which the inputs (labour and capital) are substituted.

(C) आगत-कीमत अनुपात में परिवर्तन के प्रति आगत अनुपात की प्रतिक्रियाशीलता का माप

A measure of the responsiveness of input ratio to a change in input-price ratio.

(D) आगत कीमतों और सस्ते आगतों के प्रतिस्थापन की प्रतिक्रियाशीलता का माप

A measure of the responsiveness of input prices and the substitution of the cheaper inputs.

उत्तर- (C)/व्याख्या प्रतिस्थापन की लोच है आगत-कीमत अनुपात में परिवर्तन के प्रति आगत अनुपात की प्रतिक्रियाशीलता का माप। प्रतिस्थापन की लोच के विचार को जे. आर. हिक्स ने दिया। साधनों की सापेक्षित कीमत में परिवर्तन के परिणामस्वरूप साधनों के अनुपात में सापेक्षित परिवर्तन को प्रतिस्थापन की लोच कहा जाता है। प्रतिस्थापन की लोच को $\delta(\text{sigma})$ द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। यदि हम साधनों के अनुपात को पूँजी-श्रम अनुपात K/L के द्वारा व्यक्त करें तो -

$$\delta = \frac{\text{पूँजी श्रम अनुपात में सापेक्षित परिवर्तन}}{\text{साधनों की सापेक्षित कीमत में सापेक्षिक परिवर्तन}}$$

$$\delta = \frac{d(K/L) / (K/L)}{d(MRTS_{LK}) / MRTS_{LK}}$$

$$\delta = \frac{d(K/L)}{d(MRTS_{LK})} \times \frac{MRTS_{LK}}{(K/L)}$$

प्रतिस्थापन लोच की माप करने में, केवल साधनों की सापेक्षित कीमत में ही परिवर्तन किया जाता है अन्य सभी प्राचलों या राशियों के मान स्थिर रहते हैं। अन्य शब्दों में - प्रतिस्थापन लोच सम उत्पाद वक्र के एक बिन्दु से दूसरे बिन्दु तक जाने में साधनों के प्रतिस्थापन की व्याख्या करती है।

प्रतिस्थापन की लोच का मान शून्य से अनन्त के मध्य होता है। अर्थात् $0 < \delta < \infty$
यदि $e = 0 \rightarrow$ साधनों के मध्य प्रतिस्थापन सम्भव नहीं।
यदि $e = \infty \rightarrow$ साधनों में पूर्ण प्रतिस्थापन सम्भव

वास्तव में प्रतिस्थापन की लोच का मान सम-उत्पाद वक्र की उत्तलता (Convexity) के ऊपर निर्भर करता है। सम उत्पाद वक्र की उत्तलता जितनी अधिक होगी, प्रतिस्थापन की लोच का मान उतना ही कम होगा। सरल रेखाओं के रूप में प्रदर्शित सम-उत्पाद वक्रों में उत्तलता शून्य होती है तथा प्रतिस्थापन लोच अधिकतम (अनन्त) होती है।

6. गेम थ्योरी मॉडल के सामरिक नीतियों में शामिल हैं :

In game theory model, strategies include

I. कीमत बदलने के सम्भाव्य विकल्प

The potential choices to change the price

II. नूतन अथवा विभेदित उत्पाद को विकसित करना

To develop new or differentiated products

III. नूतन या भिन्न विज्ञापन अभियान को आरम्भ करना

To introduce a new different advertisement campaign

IV. अतिरिक्त क्षमता निर्मित करना

To build excess capacity

कूट / Codes :

(A) II और III सही हैं।

(B) I और II सही हैं।

(C) I, II और III सही हैं।

(D) सभी सही हैं।

उत्तर- (D)/व्याख्या वॉन न्यूमैन तथा मारगेस्टर्न द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'The Theory of Games and Economic Behaviour (1994)' में खेल सिद्धान्त को प्रस्तुत करते हुए परस्पर विरोधी स्थितियों वाली विभिन्न समस्याओं के प्रति एक नया दृष्टिकोण प्रदान किया। खेल सिद्धान्त अनिश्चितता की स्थिति में निर्णय लेने की एक प्रविधि है। इसका प्रयोग अर्थशास्त्र में अल्पाधिकारी बाजार में प्रमुखता से किया जाता है। खेल सिद्धान्त में प्रति खिलाड़ी की नीति को सामरिक नीति या सबसे प्रमुख रणनीति को Dominant Strategy कहा जाता है।

खेल सिद्धान्त की सामरिक नीतियों में शामिल है -

I कीमत बदलने के सम्भाव्य विकल्प

II नूतन तथा विभेदित उत्पाद को विकसित करना।

III नूतन एवं भिन्न विज्ञापन अभियान को प्रारम्भ करना।

IV अतिरिक्त क्षमता निर्मित करना।

7. पैरेटो इष्टतम का तात्पर्य है

Pareto optimum implies

(A) संसाधन आवंटन जिसके लिए पैरेटो सुधार सम्भव है।

A resource allocation for which a Pareto improvement is possible.

(B) संसाधन आवंटन जिसमें सामाजिक सुधार सम्भव है।

A resource allocation in which social improvement is possible.

(C) संसाधन आवंटन जिसके लिये कम से कम एक बेहतर है और कोई भी बदतर नहीं है।

A resource allocation for which atleast one is better off and no body is worse off.

- (D) संसाधन आवंटन जिसके लिये कोई पैरेटो सुधार नहीं है।
A resource allocation for which there are no Pareto improvements.

उत्तर- (D)/व्याख्या पैरेटो इष्टतम से तात्पर्य समाज में वितरण की ऐसी दशा से है जहां किसी एक व्यक्ति के कल्याण में कमी किये बिना किसी दूसरे व्यक्ति के कल्याण में वृद्धि संभव न हो तो ऐसी स्थिति पैरेटो इष्टतम की दशा होगी। अर्थात् पैरेटो इष्टतम का तात्पर्य है ऐसे संसाधन आवंटन जिसके लिए कोई पैरेटो सुधार नहीं हो सकता।

पैरेटो इष्टतम के लिए आवश्यक है कि बाजार में पूर्ण प्रतियोगिता हो तथा उपयोगिता की माप क्रमवाचक हो।

पैरेटो ने अपने इष्टतम स्थिति को तीन सीमान्त दशाओं से दर्शाया-

1. $MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$
2. $MRTS_{LK}^X = MRTS_{LK}^Y$
3. $MRPT_{XY}^A = MRS_{XY}^A = MRS_{XY}^B$

8. अल्पाधिकार का मॉडल जिसमें एक व्यवसाय दूसरे व्यवसाय द्वारा उत्पादन करने से पहले अपना उत्पादन निर्धारित करता है।

A model of oligopoly in which one business sets output before the other business do is

- (A) कूर्नो का अल्पाधिकार मॉडल
Cournot oligopoly model
(B) बट्रेन्ड का अल्पाधिकार मॉडल
Bertrand oligopoly model
(C) स्टेकलबर्ग का अल्पाधिकार मॉडल
Stackelberg oligopoly model
(D) चैम्बरलिन का अल्पाधिकार मॉडल
Chamberlin oligopoly model

उत्तर- (C)/व्याख्या नोट: अन्तिम उत्तरमाला में स्टेकलबर्ग को सही उत्तर माना गया जबकि कूर्नो सही उत्तर होना चाहिए। परन्तु स्टेकलबर्ग मॉडल कूर्नो का तार्किक विस्तार है इसलिए स्टेकलबर्ग सही उत्तर हो सकता है।

इसके अतिरिक्त एजबर्थ व बट्रेन्ड प्रतिद्वन्दी द्वयाधिकारी की कीमत को स्थिर मानकर चलते हैं जबकि कूर्नो प्रतिद्वन्दी के उत्पादन मात्रा को स्थिर मानकर चलता है।

स्टेकलबर्ग मॉडल - जर्मनी के अर्थशास्त्री स्टेकलबर्ग (H. Von Stackelberg, The Theory of Market Economy 1952) ने द्वयाधिकारी समस्या का हल इस मान्यता पर सुझाया कि प्रत्येक विक्रेता दूसरे की क्रियाओं की परस्पर निर्भरता को मानता है। प्रत्येक विक्रेता अपने आपको नेता अथवा अनुयायी समझता है। प्रत्येक विक्रेता नेता और अनुयायी दोनों होने पर अधिकतम लाभ, जो वह प्राप्त कर सकता है, निर्धारित करता है। यदि द्वयाधिकारी की इच्छाएं मेल खाती है तो बाजार संतुलन में होता है। स्टेकलबर्ग का हल प्रतिक्रिया वक्रों पर आधारित है। प्रत्येक प्रतिक्रिया वक्र प्रत्येक विक्रेता के उत्पादन को उसके प्रतिद्वन्दी के उत्पादन का फलन को व्यक्त करता है।

यदि दो विक्रेता A तथा B है तो

1. विक्रेता A नेता और B अनुयायी ऐसी दशा में द्वयाधिकारी अवरोधी व्यवहार ढांचा अपनाते हैं और हल तय होता है।
2. विक्रेता B नेता और A अनुयायी → हल निश्चित होगा व संतुलन प्राप्त होगा।
3. A तथा B दोनों नेता : स्टेकलबर्ग असन्तुलन होगा व हल तय नहीं।
दोनों अनुयायी - हल निश्चित

9. अभिकथन (A) : निम्न लागतें आर्थिक निर्णयों के लिए प्रासंगिक नहीं हैं।

Assertion (A) : Sunk costs are not relevant to economic decisions.

कारण (R) : ऐसे संसाधनों की अवसर लागत शून्य होती है।

Reason (R) : The opportunity cost of such resources is zero.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) सही हैं, परन्तु (R) सही नहीं है।

(A) is correct, but (R) is not correct.

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct, but (R) is incorrect explanation of (A).

(D) (R) सही हैं, परन्तु (A) गलत है।

(R) is correct, but (A) is incorrect.

उत्तर- (A)/व्याख्या गडी लागतें (Sunk Cost) या निम्न लागतें आर्थिक निर्णयों के लिए प्रासंगिक नहीं हैं क्योंकि उत्पादन की प्रक्रिया प्रारम्भ करने में इन लागतों को लगाना होता है। ये लागतें मशीनों, भूमि जैसे स्थिर साधनों पर लगने वाली लागतें होती हैं इसलिए इन्हें स्थिर लागतें कहते हैं। चूंकि इन लागतों में उत्पादन में परिवर्तन के साथ परिवर्तन नहीं किया जा सकता इसलिए इन संसाधनों/लागतों के वैकल्पिक प्रयोग सम्भव नहीं होते इन्हें जिस उत्पादन प्रक्रिया में प्रयोग किया गया है। ये उसी में ही केवल प्रयुक्त होगी इसलिए ऐसे संसाधनों की अवसर लागत शून्य होती है।

इस प्रकार अभिकथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं एवं (R), (A) की सही व्याख्या है।

10. सूची-I में दिये कथनों को सूची-II में दिये नामों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

Match the statement given in List-I with that given in List-II and choose the correct code :

सूची - I

सूची - II

I. किसके अनुसार, रोजगार

i. कार्ल मार्क्स

और उत्पादन श्रम बाजार

के आपूर्ति पक्ष में परिचालित

कारकों द्वारा ही निर्धारित होते हैं ?

Employment and output are determined solely by the factors operating on the supply side of the labour market, according to

Karl Marx

II. 'क्लासीकल' पदबंध किसने प्रतिपादित किया ?

The term 'classical' was coined by

Classical Economists

III. समग्र आपूर्ति फलन निकालने के लिए परम्परावादी उत्पादन फलन का उपयोग किसने किया ?

The classical production function was used to derive the aggregate supply function by

iii. जे. एम. केन्स

J. M. Keynes

IV. रेखीय समग्र उपभोग फलन का उपयोग किसने किया ?

A linear aggregate consumption function was used by

iv. केन्सवादी अर्थशास्त्री
Keynesian economists

निम्नलिखित में से सही उत्तर के लिए सही कूट का चयन कीजिए : Select correct code for the correct answer from the following :

कूट / Codes :

	I	II	III	IV
(A)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(B)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(C)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(D)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)

उत्तर- (D) व्याख्या/ सही सुमेल है -

सूची - I	सूची - II
I. किसके अनुसार, रोजगार और उत्पादन श्रम बाजार के आपूर्ति पक्ष में परिचालित कारकों द्वारा ही निर्धारित होते हैं ?	(ii) परम्परावादी अर्थशास्त्री
II 'क्लासीकल' पदबंध किसने प्रतिपादित किया ?	(i) कार्ल मार्क्स
III समग्र आपूर्ति फलन निकालने के लिए परम्परावादी उत्पादन फलन का उपयोग किसने किया ?	(iii) जे. एम. केन्स
IV रेखीय समग्र उपभोग फलन का उपयोग किसने किया ?	(iv) केन्सवादी अर्थशास्त्री

11. स्थायी आय परिकल्पना अनुप्रस्थ काट और समय सारिणी आँकड़ों के अनुरूप होती है क्योंकि

The permanent income hypothesis is consistent with cross-section and time series data because

(A) उच्च-आय वर्गीय परिवार बचतकर्ता होते हैं, क्योंकि उनकी चालू आय में धनात्मक क्षणिक संघटक शामिल होता है।

Higher-income households are savers since their current income includes positive transitory components.

(B) उच्च-आय वर्गीय परिवार बचतकर्ता होते हैं, क्योंकि उनकी चालू आय में ऋणात्मक क्षणिक या अस्थायी संघटक होते हैं।

Higher-income households are savers since their current income includes negative transitory components.

(C) निम्न-आय वर्गीय परिवार बचतकर्ता होते हैं, क्योंकि उनकी चालू आय में ऋणात्मक क्षणिक या अस्थायी संघटक होते हैं।

Lower-income households are savers since their current income includes negative transitory components.

(D) निम्न-आय वर्गीय परिवार बचतकर्ता हैं, क्योंकि उनकी चालू आय में धनात्मक क्षणिक / अस्थायी संघटक होते हैं।

Lower-income households are savers since their current income includes positive transitory components

उत्तर- (A) व्याख्या/ स्थायी आय परिकल्पना अनुप्रस्थ काट और समय सारिणी आँकड़ों (Cross-Section and Time Series Data) के अनुरूप होती है क्योंकि उच्च आय वर्गीय परिवार बचतकर्ता होते हैं, क्योंकि उनकी चालू आय में धनात्मक क्षणिक संघटक शामिल होते हैं।

स्थायी आय परिकल्पना का प्रतिपादन मिल्टन फ्रीडमैन ने किया। फ्रीडमैन के अनुसार किसी एक वर्ष में किसी परिवार की स्थायी आय उस वर्ष में प्राप्त चालू आय द्वारा निर्धारित नहीं होती है बल्कि इसका निर्धारण स्थायी आय जो सम्पूर्ण जीवन अवधि की प्रत्याशित आय है के द्वारा होता है। उपभोक्ता की स्थायी आय मानवीय तथा गैर मानवीय सम्पत्ति द्वारा उत्पन्न होती है।

इस प्रकार स्थायी उपभोग स्थायी आय का फलन है। फ्रीडमैन के अनुसार केवल स्थायी आय में होने वाले परिवर्तन ही उपभोग को व्यवस्थित रूप से प्रभावित करते हैं।

12. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है ?

Which of the following statements is true ?

(A) जब प्रतिस्थापन निवेश समयोपरि स्थिर रहता है तो निवल निवेश सकल निवेश की तुलना में ज्यादा स्थिर रहता है।
Net investment is more stable than gross investment when replacement investment is constant over time.

(B) जब प्रतिस्थापन निवेश समयोपरि स्थिर रहता है तो सकल निवेश निवल निवेश की तुलना में ज्यादा स्थिर होता है।
Gross investment is more stable than net investment when replacement investment is constant over time.

(C) प्रतिस्थापन निवेश उत्पादन में अपेक्षित वृद्धि $(v - \Delta_y)$ गुना पूंजी- उत्पादन अनुपात के बराबर होता है।
Replacement investment equals capital-output ratio times the expected increase in output $(v - \Delta_y)$

(D) जब पूँजी-उत्पादन अनुपात (v) घटता है तो निवल निवेश $v - \Delta y$ से अधिक होता है।

Net investment is greater than $v - \Delta y$ when the capital output ratio (v) decreases.

उत्तर- (B) व्याख्या जब प्रतिस्थापन निवेश समयोपरि स्थिर रहता है तो सकल निवेश, निवल निवेश की तुलना में ज्यादा स्थिर रहता है।

सामान्य तौर पर निवेश का तात्पर्य वित्तीय निवेश से होता है जबकि वास्तविक निवेश और वित्तीय निवेश में अन्तर पाया जाता है। सामान्यतः निवेश का तात्पर्य शेयर बॉण्ड या अन्य परिसम्पत्तियों के क्रय से होता है। इसे वित्तीय निवेश माना जाता है।

जबकि वास्तविक निवेश का तात्पर्य निवेश की उस मात्रा से है जिसमें वास्तविक पूँजी की मात्रा में वृद्धि हो अर्थात् निवेश से पूँजी स्टॉक में वृद्धि होती है।

$$I = \Delta K$$

ΔK - Increasing Capital Stock, I - Investment

Gross Investment - नये पूँजी निर्माण में अर्थव्यवस्था द्वारा किया गया कुल व्यय सकल निवेश है।

Net Investment - Gross Investment - Capital Depreciation

13. सूची-I में दिये गये मुद्रा माँग उपागम को सूची-II में दिये उनके प्रतिपादकों के साथ सुमेलित करें तथा सही कोड का चयन करें :

Match the demand for money approach given in List-I with their propounders given in List-II and choose the correct code :

सूची - I / List - I	सूची - II / List - II
I. इन्वेंट्री थ्योरेटिक एप्रोच या उपागम Inventory Theoretic Approach	i. मिल्टन फ्रीडमैन Milton Friedman
II. नकद शेष उपागम Cash Balance Approach	ii. जेम्स कोहन James Cohin
III. पोर्टफोलियो इष्टतमीकरण उपागम Portfolio Optimization Approach	iii. डब्ल्यू.जे. बॉमोल W. J. Baumol
IV. मुद्रा परिमाणात्मक सिद्धान्त Quantity Theory of Money	iv. कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री Cambridge Economists

कूट / Codes :

	I	II	III	IV
(A)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(B)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(C)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(D)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

उत्तर- (*) व्याख्या

(प्रश्न को अन्तिम उत्तर कुंजी में हटा दिया गया था।)

क्योंकि मुद्रा परिमाणात्मक सिद्धान्त (iv) में स्पष्ट नहीं किया गया।

सूची - I मुद्रा माँग उपागम	सूची - II प्रतिपादक
I इन्वेंट्री थ्योरेटिक एप्रोच या उपागम	(iii) डब्ल्यू.जे. बॉमोल
II नकद शेष उपागम	(iv) कैम्ब्रिज अर्थशास्त्री
III पोर्टफोलियो इष्टतमीकरण उपागम	(ii) जेम्स टोबिन
IV मुद्रा परिमाणात्मक सिद्धान्त	(i) मिल्टन फ्रीडमैन

● बॉमोल का स्टॉक सैद्धान्तिक मत - कीन्स ने मुद्रा की लेन-देन माँग को आय के स्तर का फलन माना तथा दोनों के मध्य रेखीय, समानुपातिक सम्बन्ध दर्शाया लेकिन बॉमोल के अनुसार मुद्रा की लेन-देन माँग तथा आय के मध्य सम्बन्ध न तो रेखीय होता है और न ही समानुपातिक, बल्कि जब आय में परिवर्तन होते हैं तो मुद्रा की लेन-देन माँग में आनुपातिक से कम परिवर्तन होते हैं। बॉमोल ने कीन्स की लेन-देन माँग के ब्याज बेलोच होने की मान्यता को भी नकारा। बॉमोल ने अपने सिद्धान्त में इस बात पर बल दिया कि मुद्रा की माँग वास्तविक शेषों (Real Balances) के लिए माँग होती है। बॉमोल ने लेन-देनों के लिए वास्तविक शेषों (मुद्रा की माँग) को इस प्रकार व्यक्त किया -

$$\bullet MD = \frac{1}{2} \sqrt{\frac{2hy}{r}} \times P$$

जहाँ Md = मुद्रा की लेन-देन माँग, P = कीमत स्तर, r = ब्याज दर
h = गैर ब्याज लागतें, y = आय स्तर

● नगद शेष उपागम - मुद्रा के परिमाण सिद्धान्त के विषय में कैम्ब्रिज अर्थशास्त्रियों जैसे मार्शल, पीगू, राबर्टसन तथा कीन्स के समीकरण को कैम्ब्रिज दृष्टिकोण या नगद शेष उपागम के नाम से जाना जाता है।

कैम्ब्रिज सिद्धान्त के अनुसार मुद्रा का मूल्य (या मूल्य स्तर) मुद्रा की माँग पर निर्भर करता है किन्तु मुद्रा की माँग लेन-देन उद्देश्यों के लिए नहीं की जाती बल्कि मूल्य के संचय (Store Value) के उद्देश्य से की जाती है।

मार्शल का समीकरण $M = PKY$

$$\text{पीगू का समीकरण } P = \frac{KR}{M}$$

$$\text{राबर्टसन का समीकरण } M = PKT \text{ या } P = \frac{M}{KT}$$

टोबिन का पोर्टफोलियो उपागम - जेम्स टोबिन ने अपने "Liquidity Preference as Behaviour towards Risk" में निवेश सूची चयन पर आधारित जोखिम निवारण तरलता अधिमान सिद्धान्त प्रस्तुत किया।

कीन्स के अनुसार व्यक्ति अपनी निवेश सूची में या तो बॉण्ड रखता है या फिर नगदी। दूसरा केन्ज ने माना कि तरलता अधिमान भावी ब्याज दरों की प्रत्याशाओं के बेलोच पर निर्भर करता है। टोबिन ने माना कि व्यक्ति पोर्टफोलियो का निर्माण करता है जिसमें जोखिम को कम करने के लिए नगदी तथा बॉण्ड दोनों को एक साथ रखता है। टोबिन मानकर चलता है कि परिसम्पत्तियाँ रखने से पूँजी, लाभ अथवा हानि का प्रत्याशित मूल्य हमेशा शून्य होता है।

● फ्रीडमैन द्वारा प्रतिपादित मुद्रा परिमाण सिद्धान्त को मुद्रा का आधुनिक सिद्धान्त भी कहा जाता है।

फ्रीडमैन के अनुसार मुद्रा की मांग तीन कारकों पर निर्भर करती है।

- (a) विभिन्न प्रकार की परिसम्पत्तियों के रूप में रखी गई कुल सम्पत्ति
- (b) विभिन्न प्रकार की सम्पत्ति की सम्बन्धित कीमतें या उनके सापेक्षित प्रतिफल
- (c) सम्पत्तियों के स्वामियों की रुचियाँ एवं अधिमान
- फ्रीडमैन ने मुद्रा परिमाण सिद्धान्त को मुद्रा की मांग का सिद्धान्त कहा। फ्रीडमैन ने मुद्रा की मांग या मुद्रा शेषों की मांग को निर्धारित करने वाले दो कारकों पर बल दिया -

- (i) विभिन्न प्रकार की वैकल्पिक परिसम्पत्तियों जैसे बांड व शेयरों पर ब्याज की दर
- (ii) कीमत स्तरों में परिवर्तन की प्रत्याशित दर।
- वास्तव में ये दोनों ही कारक मुद्रा शेषों की रखने की लागत को प्रभावित करते हैं। फ्रीडमैन यह मानता है कि वास्तविक आय मुद्रा की मांग का प्रमुख निर्धारक है।

फ्रीडमैन ने दर्शाया कि दीर्घकाल में मुद्रा की मांग की लोच इकाई (unity) से अधिक होती है तथा मुद्रा की मांग के फलन को एक स्थिर फलन माना

$$M = f \left(y, P, \frac{1}{P}, \frac{dp}{dt}, r_b, r_e, w, \mu \right)$$

M = मांगी गई मुद्रा का कुल स्टॉक

P = कीमत स्तर

$$\left(\frac{1}{P}, \frac{dp}{dt} \right) = \text{वस्तुओं की कीमतों में होने वाले परिवर्तन की प्रत्याशित दर}$$

w = मानवीय सम्पत्ति से गैर मानवीय सम्पत्ति का अनुपात

μ = रुचियाँ अधिमान तथा अन्य सम्बन्धित चर

r_b = बांडों पर प्रतिफल

r_e = इक्विटी पर प्रतिफल

14. अभिकथन (A) : केन्स के अनुसार, व्यक्ति या तो नकद या समस्त बॉन्ड रखते हैं।

Assertion (A) : According to Keynes, individuals hold either cash or all bonds.

कारण (R) : क्योंकि, उनके अनुसार, मुद्रा की सट्टा मांग अनिश्चितता के साथ सम्बन्धित है।

Reasoning (R): Because, according to him, the speculative demand for money is associated with uncertainty.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct, but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सही हैं, परन्तु (R) सही नहीं हैं।

(A) is correct, but (R) is incorrect.

(D) (A) और (R) दोनों सही नहीं हैं।

Both (A) and (R) are incorrect

उत्तर- (C) व्याख्या अभिकथन (A) जो कहता है कि कीन्स ने माना कि व्यक्ति एक समय में अपने पास या तो नगद मुद्रा रखता है या फिर बाण्ड रखता है, सही है। सट्टा उद्देश्य के लिए मुद्रा की मांग, ब्याज दर का फलन होती है। इस प्रकार कीन्स के तरलता अधिमान सिद्धान्त से प्राप्त निष्कर्ष के अनुसार कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) गलत है।

15. संचय के स्वर्णिम नियम की सही व्याख्या निम्नलिखित में से कौन सी नहीं है ?

Which one of the following is not a correct interpretation of the Golden Rule of Accumulation ?

यह कि प्रति व्यक्ति पूँजी जहाँ पर

It is that capital per person at which

(A) प्रति व्यक्ति बचत और प्रति व्यक्ति निवेश अधिकतम हैं।

Saving per person and investment per person are maximum

(B) पूँजी की सीमान्त उत्पादकता जनसंख्या की वृद्धि की दर के बराबर है।

Marginal productivity of capital is equal to the rate of growth of population.

(C) पूँजी की सीमान्त उत्पादकता बचत अनुपात के बराबर है।

Marginal productivity of capital is equal to saving ratio.

(D) पूँजी के सापेक्ष उत्पादन की लोच बचत अनुपात के बराबर है। / Elasticity of output with respect to capital is equal to saving ratio.

उत्तर- (A) व्याख्या संचय के स्वर्णिम नियम की सही व्याख्या, प्रति व्यक्ति निवेश और प्रति व्यक्ति बचत का अधिकतम होना नहीं है।

संचय का स्वर्णिम नियम - संचय के स्वर्णिम नियम का प्रतिपादन एडमण्ड फेल्ट्स ने किया। इस नियम के अनुसार स्वर्ण युग में जब बचत दर लाभ की दर के बराबर होती है तो प्रति व्यक्ति उपभोग अधिकतम होता है। यदि बचत व लाभ की दर में विचलन होगा तो प्रति व्यक्ति उपभोग में परिवर्तन होगा। यदि बचत दर, लाभ दर से कम है तो प्रति व्यक्ति उपभोग प्राप्य अधिकतम उपभोग से कम होता है। दूसरी ओर, यदि बचत दर लाभ दर से अधिक होती है तो प्रति व्यक्ति उपभोग घट जाता है।

अतः बचत की एक विशिष्ट लक्ष्य दर ही स्वर्ण युग में प्रति व्यक्ति उपभोग को अधिकतम करता है।

इस प्रकार -

● पूँजी की सीमान्त उत्पादकता जनसंख्या की वृद्धि की दर के बराबर है।

● पूँजी की सीमान्त उत्पादकता बचत अनुपात के बराबर है।

● पूँजी के सापेक्ष उत्पादन की लोच बचत अनुपात के बराबर है।

16. विशेषतया उपभोग की सीमान्त प्रवृत्ति और त्वरक गुणांक के उच्च मूल्य पर, विस्फोटक गैर-दोलनी चक्र किसके द्वारा प्रतिपादित व्यापार चक्रों के मॉडल में पाये जाते हैं ?

For particular high values of marginal propensity to consume and the accelerator coefficient, explosive non-oscillatory cycles will occur in the model of the business cycles propounded by

- (A) पॉल ए. सैम्युलसन / Paul A. Samuelson
(B) जे. आर. हिक्स / J. R. Hicks
(C) निकोलस कल्डोर / Nicholas Kaldor
(D) उपर्युक्त सभी / All of the above

उत्तर- (A) व्याख्या पॉल ए. सैम्युलसन ने व्यापार चक्र को गुणक व त्वरक की अन्तर्क्रिया पर आधारित माना उन्होंने दर्शाया कि सामान्य स्थितियों में भी गुणक व त्वरक आपस में मिलकर चक्रीय उच्चावचन उत्पन्न करते हैं। सैम्युलसन ने गुणक व त्वरक के विभिन्न मानों को रखकर अनेक प्रकार के चक्रीय उच्चावचन प्राप्त किए।

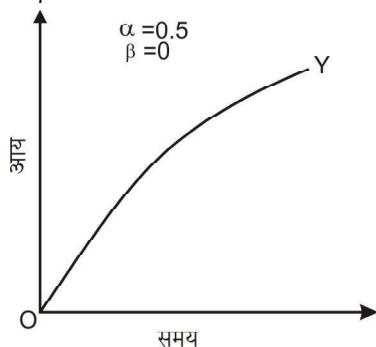
सैम्युलसन ने अपने व्यापार चक्र मॉडल को कीन्सियन विश्लेषण के आधार पर प्रस्तुत किया।

(α) गुणक के मान $\alpha = 0.5$

(β) त्वरक के मान $\beta = 0$

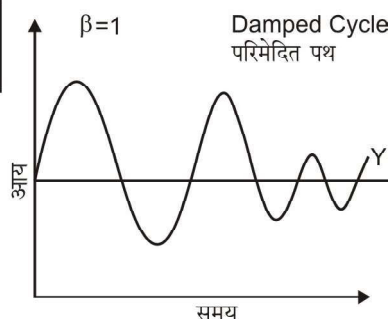
व्यापार चक्र का प्रकार - मात्र गुणक प्रभाव जिसमें चक्रहीन बढ़ता पथ

Note - सैम्युलसन द्वारा लिखित लेख में सैम्युलसन ने त्वरक एवं गुणक के मात्र चार मानों को दर्शाया उनकी व्याख्या में गुणक $\alpha = 0.5$ तथा $\beta = 1$ (त्वरक) का उल्लेख नहीं है।

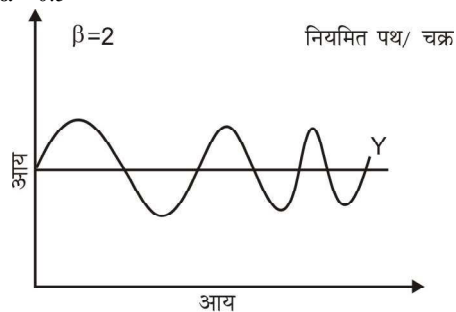


(ii) $\alpha = 0.5$

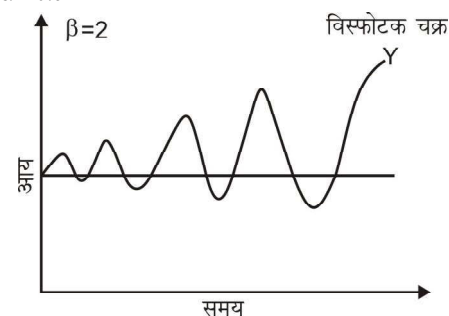
[इसकी चर्चा सैम्युलसन के लेख में नहीं प्राप्त होती]



(iii) $\alpha = 0.5$

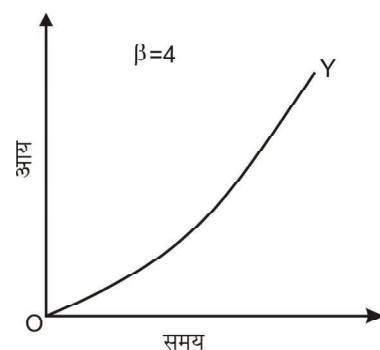


(iv) $\alpha = 0.6$



(v) $\alpha = 0.8$

चक्रहीन (उर्ध्वगामी पथ) आय में निरन्तर वृद्धि



17. IS-LM रूपरेखा के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा कथन मिथ्या है ?

In the context of IS-LM framework, which of the following statement is false ?

(A) केन्सवादी गुणांक का मूल्य जितना निम्न है और निवेश माँग की ब्याज संवेदनशीलता जितनी निम्न है, IS वक्र उतनी अतिप्रवण होगी

IS curve is steeper, the lower the value of the Keynesian multiplier and the lower the interest sensitivity of investment demand.

(B) जब मुद्रा माँग पूर्णतया ब्याज बेरोचदार है और निवेश पूर्णतया ब्याज लोचदार है, तो 'क्राउड आउट' प्रभाव पूर्ण होगा।

Crowding out is effective when money demand is perfectly interest inelastic and investment is perfectly interest elastic.

(C) जब मुद्रा माँग की ब्याज संवेदनशीलता उच्च है और निवेश माँग की ब्याज संवेदनशीलता निम्न है, तो राजकोषीय नीति

कम से कम प्रभावी होती हैं और मौद्रिक नीति सर्वाधिक प्रभावी होती है।

The fiscal policy is least effective and the monetary policy is most effective, the higher the interest sensitiveness of money demand and the lower the interest sensitiveness of investment demand.

- (D) पीगू प्रभाव, तरलता जाल के अन्दर भी मौद्रिक नीति की प्रभावपूर्णता वापस ले आता है।

The Pigou effect restores the effectiveness of monetary policy even under the liquidity trap.

उत्तर- (C)/व्याख्या IS-LM के सम्बन्ध में सत्य कथन

(A) केन्सवादी गुणक का मूल्य जितना निम्न है और निवेश मांग की ब्याज संवेदनशीलता जितनी निम्न है, IS वक्र उतनी अतिप्रवण (steeper) होगी।

(B) जब मुद्रा मांग पूर्णतया ब्याज बेलोचदार है और निवेश पूर्णतया ब्याज लोचदार है, तो क्राउडिंग आउट प्रभाव पूर्ण होगा।

(C) पीगू प्रभाव तरलता जाल के अन्दर भी मौद्रिक नीति की प्रभावपूर्णता वापस ले आता है।

IS-LM का प्रतिपादन हिक्स एवं हैन्सन ने किया। IS-LM को ब्याज निर्धारण का आधुनिक सिद्धान्त माना जाता है।

- 18. अभिकथन (A) :** राजकोषीय नीति बन्द अर्थव्यवस्था की अपेक्षा खुली अर्थव्यवस्था में कम प्रभावी होती है।

Assertion (A) : The fiscal policy is less effective in an open economy than in a closed economy.

कारण (R) : क्योंकि खुली अर्थव्यवस्था में गुणक का मूल्य बंद अर्थव्यवस्था की अपेक्षा कम होता है।

Reasoning (R): Because the value of the multiplier in an open economy is less than that in a closed economy.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct, but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सही हैं, परन्तु (R) गलत है।

(A) is correct, but (R) is incorrect.

(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Both (A) and (R) are incorrect.

उत्तर- (B)/व्याख्या अभिकथन दर्शाता है कि राजकोषीय नीति बन्द अर्थव्यवस्था की अपेक्षा खुली अर्थव्यवस्था में कम प्रभावी होती है सही है क्योंकि खुली अर्थव्यवस्था में गुणक का मूल्य बंद अर्थव्यवस्था की अपेक्षा कम होता है।

यद्यपि दोनों कथन एवं कारण सत्य है किन्तु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं देता। ऐसा इसलिए कि खुली अर्थव्यवस्था में

मौद्रिक एवं राजकोषीय नीति दोनों का सफल क्रियान्वयन आवश्यक होता है। खुली अर्थव्यवस्था में गुणक के मूल्य के कम होने का कारण आयातों के रूप में गुणक में रिसाव है। राजकोषीय नीति की प्रभावपूर्णता IS-LM के आकार पर भी निर्भर करती है।

- 19. सम्मिलित (इम्बोडिड) तकनीकी परिवर्तन मॉडल किस उत्पादन फलन पर आधारित है ?**

Embodied technical change model is based on which production function ?

(A) सी ई एस / CES

(B) कॉब डग्लस / Cobb-Douglas

(C) ट्रान्स-लॉग / Translog

(D) वी ई एस / VES

उत्तर- (B)/व्याख्या सम्मिलित (Embodied) तकनीकी परिवर्तन मॉडल कॉब-डग्लस उत्पादन फलन पर आधारित है।

Embodied technical Progress का अर्थ है तकनीकी में सुधार जो नये संयंत्रों में निवेश से उत्पन्न हो। नया तकनीकी परिवर्तन Equipment में सम्मिलित होता है। Embodied Technological Change को Quality Change भी कहा जाता है।

ETC refers to the productivity gains resulting from the use of new capital above and beyond the gains obtainable from a comparable amount of Pre existing capital.

- 20. “यदि लाभ या ब्याज की स्थिर दर पर पूँजी उत्पादन अनुपात भी स्थिर रहता है, तो तकनीकी परिवर्तन तटस्थ रहता है।” इस अवधारणा को किसने प्रतिपादित किया ?**

“A technical change is neutral if at a constant rate of profit or interest, the capital output ratio also remains constant.” This concept was propounded by

(A) कल्डोर / Kaldor

(B) हिक्स / Hicks

(C) सोलो / Solow

(D) हैरोड / Harrod

उत्तर- (D)/व्याख्या “यदि लाभ या ब्याज की स्थिर दर पर पूँजी उत्पादन अनुपात भी स्थिर रहता है, तो तकनीकी परिवर्तन तटस्थ रहता है।” ऐसा तटस्थ तकनीकी परिवर्तन हैरोड का तकनीकी परिवर्तन कहलाता है।

हैरोड ने अपनी पुस्तक Towards a 'Dynamic Economics' में तटस्थ तकनीकी प्रगति की वैकल्पिक परिभाषा दी। यदि एक स्थिर लाभ दर पर तकनीकी परिवर्तन के कारण पूँजी उत्पाद अनुपात बढ़ जाता है तब तकनीकी परिवर्तन श्रम बचतकारी होता है। दूसरी ओर, यदि एक स्थिर लाभ दर पर तकनीकी परिवर्तन के कारण पूँजी उत्पाद अनुपात घट जाता है तो तकनीकी परिवर्तन पूँजी बचतकारी होता है।

दूसरी तरफ हिक्स के अनुसार ऐसा तकनीकी परिवर्तन तटस्थ होगा जो श्रम तथा पूँजी की सीमान्त उत्पादकता को उसी अनुपात में बढ़ाता है। अर्थात् स्थिर पूँजी श्रम अनुपात में श्रम के साथ पूँजी की सीमान्त उत्पादन का अनुपात स्थिर रहता है।

- 21. अंतर्जात संवृद्धि मॉडल किसके द्वारा विकसित किए गए हैं ?**
Endogenous growth models have been developed by

I. कैनेथ जे. ऐरो / Kenneth J. Arrow

II. पॉल एम. रोमर / Paul M. Romer

III. रॉबर्ट ई. लुकास / Robert E. Lucas

IV. आर. एम. सोलो / R. M. Solow

कूट / Codes :

(A) I और II (B) III और IV

(C) I, II और III (D) II, III और IV

उत्तर- (C) व्याख्या अंतर्जात संवृद्धि मॉडल का सम्बन्ध पॉल एम. रोमर (प्रतिपादक) कैनेथ जे. ऐरो व राबर्ट ई. लुकास से है। 1980 के दशक से व्यवहारिक अर्थशास्त्र के अन्तर्गत विश्व के विभिन्न देशों के मध्य उत्पादन वृद्धि दरों में व्याप्त विषमता के अध्ययन एवं विश्लेषण का प्रचलन बढ़ा तथा विकास सिद्धान्तों में अंतर्जात संवृद्धि मॉडलों का जन्म हुआ।

अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्त प्रतिपादित करता है कि आर्थिक विकास उत्पादन प्रक्रिया में निहित भीतरी कारकों द्वारा जनित होता है। बाह्य कारकों से नहीं। बहिर्जात मॉडल का सम्बन्ध सोलो से है।

यह दृष्टिकोण मानवीय पूँजी को उत्पादन प्रक्रिया में स्थान देता है। अंतर्जात संवृद्धि मॉडल प्रतिपादित करता है कि मानवीय पूँजी के प्रयोग से पूँजी में वृद्धिमान प्रतिफल प्राप्त होते हैं। यह दृष्टिकोण मानवीय पूँजी निर्माण में प्रत्यक्ष तथा परोक्ष निवेशों तथा ज्ञान गहन उद्योगों जैसे कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर में विदेशी पूँजी को प्रोत्साहित करने के द्वारा मानवीय पूँजी की गुणवत्ता में सुधार पर तथा आर्थिक विकास में सार्वजनिक नीति की सक्रिय भूमिका पर बल देता है।

22. कल्डोर का संवृद्धि मॉडल निम्नलिखित मान्यताओं पर आधारित है :
Kaldor's growth model is based on the following assumptions:

I. उत्पादन में सिर्फ मजदूरी और लाभ पाये जाते हैं।

Output consists of wages and profits only.

II. निवेश उत्पादन अनुपात एक स्वतंत्र चर है।

Investment output ratio is an independent variable.

III. MP_s और MP_c स्थिरांक हैं।

MP_s and MP_c are constant.

IV. यह पूर्ण रोजगार से कम होते हैं।

There is less than full employment.

कूट / Codes :

(A) I और IV (B) II और III

(C) III और IV (D) I और II

उत्तर- (D) व्याख्या काल्डोर के संवृद्धि मॉडल की मान्यताएँ - प्रो. निकोलस काल्डोर ने 1960 में प्रकाशित अपनी पुस्तक "Essay on Economic Stability and Growth" में अपने आर्थिक विकास मॉडल का प्रतिपादन किया, जो सतत संवृद्धि के पश्चात् प्रावैगिक विश्लेषण से सम्बन्धित है।

- उत्पादन के दो साधन - श्रम एवं पूँजी है।
- आय भी दो प्रकार की है - लाभ तथा मजदूरी अर्थात् उत्पादन में सिर्फ मजदूरी एवं लाभ पाए जाते हैं।
- निवेश उत्पादन अनुपात एक स्वतंत्र चर है।

- तकनीकी प्रगति पूँजी संचय पर निर्भर करती है।
- निवेश फलन पिछले तथा वर्तमान आय के वर्ष में परिवर्तन की दर तथा पिछले लाभ की दर पर निर्भर करती है।
- मजदूरों की सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति (MPC) पूँजीपतियों की अपेक्षा अधिक होती है। जिसके परिणामस्वरूप मजदूरों की सीमान्त बचत प्रवृत्ति (MPS), पूँजीपतियों की अपेक्षा कम पाई जाती है।
- पूर्ण रोजगार की दशा है जिसमें कुल आय (Y) दी हुई है।
- अपूर्ण प्रतियोगिता तथा एकाधिकारी शक्ति के तत्व पाए जाते हैं।

23. अभिकथन (A) : किसी क्षेत्र में नवप्रवर्तन या नवीकरण विरले ही सम्बन्धित क्षेत्रों में नवप्रवर्तनों को प्रोत्साहित करते हैं।

Assertion (A) : Innovations in one field rarely induce in novations in related fields.

कारण (R) : एक बार नवप्रवर्तन लाभकारी बन जाता है तो अन्य उद्यमी "झुण्ड नुमा गुच्छों" में उसके पीछे-पीछे चलते हैं।

Reason (R) : Once an innovation becomes profitable, other entrepreneurs follow it in "Swarm like clusters".

कूट / Codes :

(A) (A) सही नहीं हैं और (R) सही है।

(A) is not correct and (R) is correct

(B) (A) सही हैं और (R) सही नहीं हैं।

(A) is correct and (R) is not correct.

(C) (A) और (R) दोनों सही नहीं हैं।

Both (A) and B are not correct.

(D) (A) और (R) दोनों सही हैं।

Both (A) and (R) are correct.

उत्तर- (A) व्याख्या प्रस्तुत प्रश्न में दिया गया अभिकथन गलत है। किसी क्षेत्र में नवप्रवर्तन या नवीनीकरण सदैव सम्बन्धित क्षेत्रों में नवप्रवर्तनों को प्रोत्साहित करते हैं। शुम्पीटर ने व्यापार चक्र तथा संवृद्धि के अपने नवप्रवर्तन मॉडल में दर्शाया कि एक बार नवप्रवर्तन लाभकारी बन जाता है तो अन्य उद्यमी "झुण्ड नुमा गुच्छों" में उसके पीछे-पीछे चलते हैं। इस प्रकार (A) गलत है एवं (R) सही है।

24. अंतर्जात संवृद्धि मॉडल की अवधारणाओं को आनुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें :

Arrange the concepts of Endogenous growth model in a sequential order :

I. शोध द्वारा विचारों की उत्पत्ति

Production of ideas by research.

II. कार्य करते हुए सीखना / Learning by doing.

III. निवेश द्वारा सीखना / Learning by investment.

IV. देख कर सीखना / Learning by watching.

कूट / Codes :

(A) III, I, II, IV (B) IV, III, I, II

(C) I, II, IV, III (D) II, IV, III, I

उत्तर- (D)/व्याख्या जे. के. ऐरो ने अंतर्जात संवृद्धि मॉडल का उत्पादन प्रक्रिया में सीखने की निम्नांकित अवधारणाओं को प्रस्तुत किया -

II कार्य करते हुए सीखना	- Learning of doing
IV देख कर सीखना	- Learning by watching
III निवेश द्वारा सीखना	- Learning by investing
I शोध द्वारा विचारों की उत्पत्ति	- Production in a Sequential Research

25. सूची-I में दी मदों की सूची -II में दी गई मदों के साथ सुमेलित करें :

Match the items in List-I with List-II:

सूची - I	सूची - II
I. शिक्षा पर अधिक परिव्यय तीव्र आर्थिक संवृद्धि की ओर अग्रसर करता है।	i. सी. पी. ब्लैकर
Increasing outlay on education leads to rapid Economic Growth	C.P. Blacker
II. प्रभावों का प्रसार करता है।	ii. कल्डोर
Spread Effects	Kaldor
III. जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धान्त : जनसंख्या वृद्धि की पाँच अवस्थाएँ	iii. टी.डब्ल्यू. शूल्ज एवं अन्य
Theory of Demographic Transition : Five Stages of Population Growth	T.W. Schultz & others
IV. विधवाओं का श्राप	iv. गुनार मिर्डाल
Widows Curse	Gunnar Myrdal

कूट / Codes :

I	II	III	IV
(A) i	ii	iv	iii
(B) ii	i	iii	iv
(C) iv	iii	ii	i
(D) iii	iv	i	ii

उत्तर- (D)/व्याख्या सही मिलान है -

सूची - I	सूची - II
I शिक्षा पर अधिक परिव्यय तीव्र आर्थिक संवृद्धि की ओर अग्रसर करता है।	(iii) टी. डब्ल्यू. शूल्ज एवं अन्य
II प्रभावों का प्रसार करता है।	(iv) गुनार मिर्डाल (प्रत्यक्ष एवं प्रसरण प्रभाव)
III जनांकिकीय संक्रमण का सिद्धान्त : जनसंख्या वृद्धि की पाँच अवस्थाएँ	(i) सी. पी. ब्लैकर
IV विधवाओं का श्राप	(ii) कल्डोर

विधवाओं के श्राप शब्द को सबसे पहले कोन्स ने प्रयोग किया बाद में इसकी व्याख्या Nicholas Kaldor (1956) ने की। जबकि केल्डार ने Keynesian theory of income distribution and growth प्रकाशित हुई।

26. सूची-I में दी मदों को सूची -II में दी गई मदों के साथ सुमेलित करें :

Match the items in List-I with List-II :

सूची - I/List-I	सूची - II/List-II
I. खेल के पूँजीवादी नियम	i. कार्ल मार्क्स
Capitalist rules of the game	Karl Marx
II. सम्मिलित (इम्बोडिड) तकनीकी परिवर्तन	ii. यू.एन.डी.पी.
Embodied Technical Change	UNDP
III. औद्योगिक रिजर्व सेना	iii. रॉबर्ट सोलो
Industrial Reserve Army	Robert Solow
IV. मानव विकास रिपोर्ट	iv. जॉन रोबिन्सन
Human Development Report	Joan Robinson

कूट / Codes :

	I	II	III	IV
(A)	iii	iv	ii	i
(B)	i	ii	iv	iii
(C)	ii	i	iii	iv
(D)	iv	iii	i	ii

उत्तर- (D)/व्याख्या सही मिलान है -

सूची - I	सूची - II
I खेल के पूँजीवादी नियम	iv जॉन राबिन्सन
II सम्मिलित (इम्बोडिड) तकनीकी परिवर्तन	iii राबर्ट सोलो
III औद्योगिक रिजर्व सेना	i कार्ल मार्क्स
IV मानव विकास रिपोर्ट	ii यू.एन.डी.पी (1990 प्रथम)

27. अभिकथन (A) : कम विकसित देशों की विकसित देशों पर निर्भरता उनके अल्प विकास का मुख्य कारण है।

Assertion (A) : Dependence of Less Developed Countries (LDCs) on Developed Countries (DCs) is the main cause for the under-development of the former.

कारण (R) : "यह धनी-गरीब देशों के सम्बन्धों की अत्यधिक असमान अंतर्राष्ट्रीय पूँजीवादी व्यवस्था के ऐतिहासिक उद्विकास के कारण हुआ है।"

Reason (R) : "This is because of historical evolution of a highly unequal international capitalist system of rich-poor country relationships."

कूट / Codes :

- (A) (A) सही हैं और (R), (A) का सही कारण है।
 (A) is correct and (R) is the correct reason for (A).
 (B) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
 (A) is incorrect, but (R) is correct.
 (C) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
 Both (A) and (R) are incorrect.
 (D) (A) और (R) दोनों सही हैं।
 Both (A) and (R) are correct.

उत्तर- (C)/व्याख्या कम विकसित देशों की विकसित देशों पर निर्भरता उनके अल्पविकास का मुख्य कारण नहीं अपितु एक कारण है। इसलिए प्रश्न में दिया कथन असत्य है।

दिये गये कारण के अनुसार कुछ देशों (अल्पविकसित देशों) में यह धनी-गरीब देशों के सम्बन्धों की अत्यधिक असमान अंतर्राष्ट्रीय पूँजीवादी व्यवस्था के ऐतिहासिक उद्विकास के कारण हुआ है।

निर्भरता सिद्धान्त दर्शाता है कि संसाधन अल्पविकसित देशों से धनी देशों की ओर स्थानान्तरित होते हैं। निर्भरता सिद्धान्त की यह मूल मान्यता है कि राजनैतिक एवं आर्थिक कारकों के बीच एक गहन संबंध होता है। ये दोनों कारक परस्पर प्रभावित होते हैं।

निर्भरता सिद्धान्त से जुड़े प्रमुख अर्थशस्त्रियों में शामिल हैं - पॉल बरन, पॉल स्वीजी, हेरी मैडगाफ, आद्रे गुंडर फ्रैंक, अग्रहरि इमेनुअल, समीर अमीन इत्यादि।

28. वैनर के वर्द्धमान राजकीय क्रियाओं के नियम के लिये निम्नलिखित में से क्या प्रासंगिक है ?

Which of the following is relevant for Wagner's Law of Increasing State Activities?

- (A) सार्वजनिक व्यय निर्बाध एवं सतत ढंग से नहीं बढ़ता है।
Public expenditure does not increase in a smooth and continuous manner.
- (B) सार्वजनिक व्यय सीढ़ीनुमा तरीके से बढ़ता है।
Public expenditure increases in step like fashion.
- (C) सरकार की गतिविधियों की अंतर्जात प्रवृत्ति होती है कि वे गहन रूप से तथा विस्तारित रूप से बढ़ती हैं।
There are inherent tendencies for the activities of the Government to increase both intensively and extensively.
- (D) सरकारी क्षेत्र की अपेक्षा अर्थव्यवस्था ज्यादा तेजी से बढ़ती है। *Economy grows faster than the governmental sector.*

उत्तर- (C)/व्याख्या वैनर के वर्द्धमान राजकीय क्रियाओं के नियम के लिये सरकार की गतिविधियों की अंतर्जात प्रवृत्ति होती है कि वे गहन रूप से तथा विस्तारित रूप से बढ़ती हैं, प्रासंगिक है। **एडाल्फ वैनर** ने आनुभाविक दृष्टिकोण के आधार पर यह स्थापित किया कि सार्वजनिक व्ययों में विस्तार की दर अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर से अधिक होती है, जैसे-जैसे आर्थिक विकास होता जायेगा राज्य की क्रियाओं में और तेजी से विस्तार होगा। उनके सिद्धान्त को राज्य व्यय के विस्तार का नियम (Law of Expanding State Expenditure) कहते हैं।

29. विक्रेता कर का ज्यादा भार वहन करेगा

The share of the tax borne by the seller will be larger

- (A) यदि वस्तु की माँग कम लोचनीय है।
if the demand for the product is less elastic.
- (B) यदि वस्तु की माँग बेलोचदार है।
if the demand for the product is inelastic.
- (C) यदि वस्तु की माँग की लोच अधिक है।
if the demand for the product has greater elasticity.

(D) यदि वस्तु की आपूर्ति की लोच अधिक है।
if the elasticity of supply of the product is larger.

उत्तर- (C)/व्याख्या विक्रेता कर का ज्यादा भार वहन करेगा यदि वस्तु की माँग की लोच अधिक है।

किसी वस्तु पर लगाए गए कर का प्रत्यक्ष मौद्रिक भार क्रेताओं तथा विक्रेताओं के बीच उस अनुपात में बांटा जाता है जिस अनुपात में वस्तु की माँग की लोच एवं पूर्ति की लोच होती है। यदि अन्य बातें समान रहें तो करारोपित वस्तु के लिए माँग की लोच जितनी अधिक होगी करापात या कर का भार उतना ही अधिक विक्रेता पर पड़ेगा तथा पूर्ति की लोच जितनी अधिक होगी क्रेता के ऊपर कर भार उतना अधिक होगा। यदि माँग एवं पूर्ति की लोच बराबर है तो कर का मौद्रिक बोझ क्रेता तथा विक्रेता के बीच बराबर बंट जाएगा।

30. केन्द्रीय सरकार के राजस्व खाते में गैर-योजना राजस्व व्यय में शामिल है :

The non-plan revenue expenditure of Central Government on Revenue Account include :

- I. ब्याज भुगतान / Interest payments
- II. उपदान / Subsidies
- III. सहायता अनुदान / Grants-in-aid
- IV. सार्वजनिक उद्यमों को ऋण / Loans to Public Enterprises

कूट / Codes :

- (A) I और II सही हैं।
- (B) I, II और III सही हैं।
- (C) I, II और IV सही हैं।
- (D) I, II, III और IV सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या वर्ष 2017-18 के बजट से बजट प्रतिवेदन में होने वाले योजनागत व्यय तथा गैर योजनागत व्यय का वर्गीकरण समाप्त कर दिया गया है।

इस वर्गीकरण को समाप्त करने के लिए 11वें वित्त आयोग ने संस्तुति की थी। बाद में 2011 में लोक व्यय के कुशल प्रबंधन पर Dr. C. Rangarajan की अध्यक्षता में गठित समिति ने भी इसकी सिफारिश की।

31. भारत का संविधान केन्द्र से राज्यों को संसाधनों का हस्तान्तरण किस रूप में करने की व्यवस्था करता है ?

The Constitution of India provides for transfer of resources from Centre to States in the form of :

- I. कर का बँटवारा / Tax sharing
- II. ऋण / Loans
- III. सहायता- अनुदान / Grants-in-aid
- IV. पंचवर्षीय योजना क्रियान्वित करने के लिए अनुदान
Grants for implementation of Five Year Plans

कूट / Codes :

- (A) I, II और III सही हैं।
- (B) I और III सही हैं।
- (C) I, III और IV सही हैं।
- (D) सभी सही हैं।

उत्तर- (A)/व्याख्या भारत का संविधान केन्द्र से राज्यों को संसाधनों का हस्तांतरण निम्न प्रकार से करने की व्यवस्था करता है :

I वैधानिक बंटवारा - वित्त आयोग द्वारा केन्द्र की निवल कर आय में से राज्यों को प्राप्त होने वाला हिस्सा एवं विभिन्न प्रकार का बंटवारा।

II ऋण

III सहायता अनुदान

इसके अलावा राज्यों को पूँजी निर्माण के लिए अनुदान से भी हस्तान्तरण होता है।

32. भारत में निम्नलिखित करों के क्रियान्वयन का सही कालानुक्रम बताइये :

Identify the correct chronology of implementation of the following taxes in India:

I. सेवा कर / Service taxes

II. अनुषंगी लाभ कर / Fringe benefits tax

III. व्यक्तिगत आय कर / Personal income-tax

IV. व्यय कर / Expenditure tax

कूट / Codes :

(A) III, I, II, IV (B) III, II, I, IV

(C) III, IV, I, II (D) IV, III, II, I

उत्तर- (C)/व्याख्या भारत में करों के क्रियान्वयन का सही कालानुक्रम

III व्यक्तिगत आय कर - 1860

IV व्यय कर - 1956

I सेवा कर - 1994-95

II अनुषंगी लाभ कर - 2006

व्यक्तिगत आय कर -

● 24 जुलाई 1860 से प्रभावी

● 2010 में 150 वर्ष पूरे होने पर 24 जुलाई 2010 से 24 जुलाई की आयकर दिवस का आयोजन

● इस समय आयकर कर नियमन Income Tax Act - 1961 के द्वारा होता है, जिसे Direct Tax code से प्रतिस्थापित करने की बात **अखिलेश रंजन कमेटी (2019)** ने की है।

निगम कर : 1960-61 के पूर्व कम्पनियों पर उनके लाभ पर जो कर लगता था उसे Super Tax कहा जाता था। 1960-61 में समाप्त करके कम्पनियों के निवल लाभ (आय) पर जो कर लगाया जाता है उसे **निगम कर कहते हैं।** शोम सलाहकार समूह ने यह सुझाव दिया कि निगम कर की उच्चतम सीमान्त दर, व्यक्तिगत आयकर की सीमान्त दर से अधिक नहीं होनी चाहिए।

● **व्यय कर** - 1956 (Taxation Reform Committee) ने जिसके अध्यक्ष निकोलस केलडार थे ने व्यय कर लगाने का सुझाव दिया।

● **सेवा कर** (Service Tax) चैलेया समिति की संस्तुति पर सेवाकर को 1994-95 के बजट में प्रारम्भ किया गया। 1 जुलाई 2017 से यह GST के दायरे में आता है।

● **अनुषंगी लाभ कर (Fringe Benefit Tax)** - 1 अप्रैल 2006 से प्रारम्भ एवं Finance Act, 2009 से समाप्त।

33. कर वंचन को रोकने के लिये वर्ष 1956 में भारत के लिये केलडार ने आयकर के पूरक के रूप में किन करों का प्रस्ताव रखा ?

The taxes which Kaldor proposed for India in 1956 to check tax evasion, supplementing income tax are

I. पूँजी लाभ कर / Capital gains tax

II. सम्पदा पर वार्षिक कर / Annual tax on wealth

III. व्यक्तिगत व्यय कर / Personal expenditure tax

IV. उपहार कर / Gift tax

कूट / Codes :

(A) II और III सही हैं।

(B) I, II और III सही हैं।

(C) II, III और IV सही हैं।

(D) सभी सही हैं।

उत्तर- (D)/व्याख्या प्रत्यक्ष करारोपण पर विचार, विशेष रूप से कर आधार पर फैलाव तथा कर वंचन की समस्या के लिए 1956 में निकोलस केलडार की अध्यक्षता में Taxation Reform Committee का गठन हुआ।

केलडार समिति ने कर आधार के फैलाव के लिए निवल सम्पत्ति पर वार्षिक कर, पूँजी लाभ कर, उपहार कर तथा व्यय कर लगाने का सुझाव दिया तथा कर अपवंचन रोकने के लिए विस्तृत Tax Return जिसमें सभी सम्पत्ति के हस्तांतरण तथा पूँजी व्यवहार को दिखाया जाए का सुझाव दिया।

34. डम्पिंग (पाटना) की लागत आधारित परिभाषा के अनुसार, डम्पिंग उस समय की जाती है जब फर्म उत्पाद को विदेश में निम्नलिखित से कम कीमत पर बेचती है :

According to the cost based definition of dumping, dumping occurs when a firm sells a product abroad at a price that is less than

(A) औसत कुल लागत / Average Total Cost

(B) औसत परिवर्ती लागत / Average Variable Cost

(C) सीमान्त लागत / Marginal Cost

(D) औसत स्थिर लागत / Average Fixed Cost

उत्तर- (A)/व्याख्या Dumping (डम्पिंग) की लागत आधारित परिभाषा के अनुसार डम्पिंग उस समय की जाती है जब फर्म उत्पाद को विदेश में औसत कुल लागत से कम कीमत पर बेचता है।

डम्पिंग एक अंतर्राष्ट्रीय कीमत विभेद हैं जिसमें निर्यातक फर्म विदेशी बाजार में अपनी वस्तु को कम कीमत पर बेचती है और घरेलू बाजार में अधिक कीमत पर।

35. निम्नलिखित में से सही कथन का चयन करें :

Select the correct statement out of the following:

(A) बहुपक्षीय व्यापार समझौते सदस्य देशों के बीच व्यापार प्रशुल्कों में वृद्धि करने की प्रक्रिया है।

Multilateral Trade Negotiations are a process of increasing tariffs to trade among member countries.

(B) बहुपक्षीय व्यापार समझौते व्यापार के गैर-प्रशुल्क अवरोधों को बढ़ाने की प्रक्रिया है।

Multilateral Trade Negotiations are a process of increasing non-tariff barriers to trade.

- (C) बहुपक्षीय व्यापार समझौते प्रशुल्कों को बढ़ाने परन्तु व्यापार के गैर-प्रशुल्क अवरोधों को घटाने की प्रक्रिया है।

Multilateral Trade Negotiations are a process of increasing tariffs but decreasing non-tariff barriers to trade.

- (D) बहुपक्षीय व्यापार समझौते गेट (जी.ए.टी.टी.) अथवा डब्ल्यू.टी.ओ. के सदस्य देशों के बीच व्यापार प्रशुल्क और गैर-प्रशुल्क अवरोधों को कम करने की प्रक्रिया है।

Multilateral Trade Negotiations are a process of reducing tariff and non-tariff barriers to trade among member countries of GATT or WTO.

उत्तर- (D)/व्याख्या बहुपक्षीय व्यापार समझौते, GATT अथवा WTO के सदस्य देशों के बीच व्यापार प्रशुल्क और गैर प्रशुल्क अवरोधों को कम करने की प्रक्रिया है।
WTO 1 जनवरी 1995 से आस्तित्व में आया WTO मुक्त गैर प्रतिबन्धित व्यापार को प्रोत्साहित करता है।

36. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें :

व्यापार सम्बन्धित निवेश उपायों (टी.आर.आई.एम.) के अनुसार
Consider the following statements:

As per the Trade Related Investment Measures (TRIMs)

- I. विदेशी पूँजी कम्पनियों पर समस्त प्रतिबन्धों को हटा देना है। all restrictions on foreign capital companies are to be scrapped.

- II. निवेश के किसी भी क्षेत्र पर कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाया जायेगा।

no restrictions will be imposed on any area of investment.

- III. कच्चे माल को आयात करने की खुली छूट देनी चाहिए। / imports of raw materials are to be allowed freely.

- IV. उत्पादन का आंशिक निर्यात अनिवार्य होगा।
export of part of the output will be mandatory.

उपर्युक्त में से कौन सा कथन सही है ?

Which of the above statement are correct?

कूट / Codes :

- (A) I, III और IV (B) I, II और III
(C) I, II और IV (D) II, III और IV

उत्तर- (B)/व्याख्या Trade Related Investment Measures (TRIMs) ट्रिम्स का सम्बन्ध कुछ शर्तों या प्रतिबन्धों से है जो कोई देश अपने देश में विदेशी विनियोगों के सम्बन्ध में लगाता है। विकासशील देशों में ट्रिम्स का प्रयोग बहुत अधिक किया। ट्रिम्स के सम्बन्ध में समझौते में यह व्यवस्था है कि कोई भी सदस्य देश कोई ऐसे ट्रिम्स को लागू नहीं करेगा जो WTO के अनुच्छेद की व्यवस्था के विरुद्ध हो।

व्यापार सम्बन्धित निवेश उपायों (TRIMs) के अनुसार -

- I विदेशी पूँजी कम्पनियों पर समस्त प्रतिबन्धों को हटा देना है।
II निवेश के किसी भी क्षेत्र पर कोई प्रतिबन्ध नहीं लगाया जाएगा।
III कच्चे माल को आयात करने की खुली छूट देनी चाहिए।

37. ब्रेटनवुड्स व्यवस्था के नाश होने का मूलभूत कारण था :

The fundamental cause for the collapse of the Brettonwoods System was

- (A) तरलता की समस्या / the liquidity problem
(B) समायोजन की समस्या / the adjustment problem
(C) विश्वास की समस्या / the confidence problem
(D) उपर्युक्त सभी / all of the above

उत्तर- (D)/व्याख्या द्वितीय विश्व युद्ध से 1971 तक स्वर्णमान की जो प्रणाली क्रियाशील रही उसे ब्रेटन वुड्स प्रणाली कहते हैं। 1944 में ब्रेटन वुड्स में USA, UK तथा 44 अन्य देशों का सम्मेलन हुआ उसमें जो मौद्रिक प्रणाली स्वीकार की गई वह **स्वर्ण विनिमय मान** (Gold Exchange Standard) थी जिसमें USA को स्वर्ण के मूल्य को 35 डॉलर प्रति औंस निश्चित की गयी, कायम रखना था तथा मांग पर डॉलर के सोने में परिवर्तित करने की सुविधा बिना किसी प्रतिबन्ध के प्रदान करनी थी। यह प्रणाली स्थिर विदेशी विनिमय दर प्रणाली थी।

ब्रेटनवुड्स व्यवस्था ध्वस्त होने का मूलभूत कारण था -

- (A) अंतर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या
(B) समायोजन की समस्या
(C) विश्वास की समस्या

38. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित करें और नीचे दिए कूटों से सही उत्तर का चयन करें :

Match List-I with List-II and select the correct answer using the codes given below the lists :

सूची - I	सूची - II
I. अग्रिम विनिमय	i. विदेशी मुद्रा की कीमत वृद्धि के विरुद्ध विनिमय जोखिम से रक्षा करने की युक्ति
Forward exchange	A device of covering exchange risk against the price rise of foreign currency.
II. हैजिंग	ii. विदेशी मुद्रा को अभी तय की गई कीमत पर भविष्य में किसी स्थिर दर पर अन्य मुद्रा के बदले खरीदने एवं बेचने की संविदा
Hedging	A contract to buy and sell foreign exchange against another currency at some fixed rate in the future at a price agreed upon now.
III. विवाचन	iii. एक से दूसरे देश स्वर्ण ले जाने की लागत द्वारा निर्धारित दो सीमाओं के बीच विनिमय दर का संचलन
Arbitrage	The movement of exchange rate between two limits set by the cost of moving gold from one country to another.
IV. धातु बिंदु	iv. दो क्रियाविधि जो भौतिक रूप से दो पृथक बाजारों को आर्थिक रूप से एकल बाजार बनाती हैं।
Specie points	A mechanism which merges two separate physical markets into a single market in economic sense.

कूट / Codes :

	I	II	III	IV
(A)	iv	iii	ii	i
(B)	ii	i	iv	iii
(C)	iv	i	ii	iii
(D)	ii	iii	iv	i

उत्तर- (B) व्याख्या	
सूची - I	सूची - II
I अग्रिम विनिमय	(ii) वर्तमान में तय की गई कीमत पर भविष्य में किसी स्थिर दर पर अन्य मुद्रा के बदले खरीदने एवं बेचने की संविदा
II हैजिंग	(i) विदेशी मुद्रा की कीमत वृद्धि के विरुद्ध विनिमय जोखिम से रक्षा करने की युक्ति
III विवाचन	(iv) वो क्रियाविधि जो भौतिक रूप से दो पृथक बाजारों को आर्थिक रूप से एकल बाजार बनाती है।
IV धातु बिन्दु	(iii) एक से दूसरे देश स्वर्ण ले जाने की लागत द्वारा निर्धारित दो सीमाओं के बीच विनिमय दर संचलन

39. डब्ल्यू.टी.ओ. के मन्त्री समूह को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें :

Arrange the following WTO ministerials in the chronological order :

- I. सीटल / Seattle II. कैनकन / Cancun
III. सिंगापुर / Singapore IV. हांगकांग / Hong-Kong

कूट / Codes :

(A) III, IV, I, II	(B) III, I, II, IV
(C) II, III, IV, I	(D) I, IV, I, III

उत्तर- (B) व्याख्या	
सूची - I	सूची - II
III सिंगापुर मंत्री समूह	9-13 दिसम्बर 1996
I सीटल मंत्री मंडल समूह	30 नवम्बर-3 दिसम्बर 1999
II कैनकन मंत्री मंडलीय सम्मेलन	10-14 सितम्बर, 2003 (मैक्सिको)
IV हांगकांग	13-18 दिसम्बर 2005

मंत्री मंडलीय समूह WTO की सर्वोच्च निर्णायकारी इकाई है। वर्तमान तक 11 मंत्रीमंडलीय सम्मेलन सम्पन्न हो चुके हैं। 12वां सम्मेलन November 29, 2021 से जेनेवा स्विट्जरलैण्ड में आयोजित होगा।

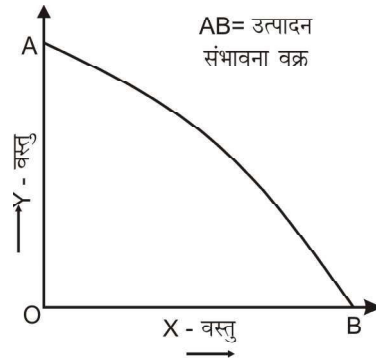
40. यदि हांगकांग और ताइवान की उत्पादन सम्भाव्यता वक्र एकसमान हैं, जो बढ़ती अवसर लागतों के अनुसार बदलती हैं, तो :

If Hong-Kong and Taiwan have identical production possibility curves that are subject to increasing opportunity costs, then

- (A) व्यापार मांग की स्थितियों में अन्तर पर निर्भर करेगा।
trade would depend on differences in demand conditions.
(B) व्यापार बड़े पैमाने के उत्पादन की मितव्ययिताओं पर निर्भर करेगा।
trade would depend on economies of large scale production.
(C) व्यापार भिन्न करेंसियों के उपयोग पर निर्भर करेगा।
trade would depend on the use of different currencies.
(D) अर्जक व्यापार के लिए कोई आधार न होगा।
there would be no basis for gainful trade.

उत्तर- (A) व्याख्या यदि हांगकांग और ताइवान की उत्पादन सम्भाव्यता वक्र एकसमान हैं, जो बढ़ती अवसर लागतों के अनुसार बदलती हैं, तो व्यापार मांग की स्थितियों पर निर्भर करेगा। जो मुख्यतः Reciprocal Demand होगी क्योंकि बढ़ती हुई अवसर लागतों में विशेषीकरण अपूर्ण होता है।

बढ़ती हुई अवसर लागतों के अन्तर्गत उत्पादन संभावना वक्र मूल बिन्दु की ओर नतोदर होता है।



41. व्यापार विक्षेप का अभिप्राय निर्यातों का उस देश को मुड़ जाना है जो स्वतन्त्र व्यापार क्षेत्र में स्थित है जहाँ निम्नलिखित है :

Trade deflection is the diversion of exports to a country within a free trade area that has

- (A) वस्तु पर उच्च प्रशुल्क / higher tariffs on goods .
(B) निर्यातों पर उच्च प्रशुल्क / highest tariffs on exports
(C) वस्तु पर कम प्रशुल्क / lower tariffs on goods
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं / none of the above

उत्तर- (C) व्याख्या व्यापार विक्षेप (Trade Deflection) का अभिप्राय निर्यातों का उस देश को मुड़ जाना है जो स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र में स्थित है तथा जहां वस्तु पर कम प्रशुल्क लगाया जाता है।

जब दो देश मुक्त व्यापार समझौता करते हैं तो वे Rules of Origin (RoOs) तय करते हैं कि कौन से उत्पादों को अधिमानता/छूट प्रदान की जाएगी। Rules of Origin तय करने का उद्देश्य व्यापार विक्षेप का रोकना है जहां निर्यात FTA के अन्तर्गत कम प्रशुल्क वाले देश की ओर मुड़ जाते हैं। RoOs को Lowest Tariff के साथ FTA में शामिल देश को रोकना होता है।

42. निम्नलिखित के बीच सही सम्बन्ध दर्शाने वाला सूत्र क्या है ?

The formula that shows the correct relationship between:

- कुल मांग एवं समय देयताएँ (L)
Total demand and time liabilities (L)
- अतिरिक्त रिजर्व (ER)
Excess Reserves (ER)
- अन्य बैंकों के पास चालू खाता शेष (CB)
Current-account balance with other banks (CB)
- अनभारग्रस्त सरकारी तथा अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियों में निवेश (I*)
Investment in unencumbered government and other approved securities (I*)
- सांविधिक तरलता अनुपात (SLR)
Statutory Liquidity Ratio (SLR) is

कूट / Codes :

$$(A) \quad SLR = \frac{ER + I^* - CB}{L}$$

$$(B) \quad SLR = \frac{ER + I^*}{L + CB}$$

$$(C) \quad SLR = \frac{L + CB + ER}{I^*}$$

$$(D) \quad SLR = \frac{ER + I^* + CB}{L}$$

उत्तर- (D) / व्याख्या $SLR = \frac{ER + I^* + CB}{L}$

जहाँ

L = कुल मांग देयताएँ

ER = अतिरिक्त रिजर्व

CB = अन्य बैंकों के पास चालू खाता शेष

I* = अनभारग्रस्त सरकारी तथा अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियों में निवेश

SLR = सांविधिक तरलता अनुपात

Section 24 and Section 56 of the Banking Regulation Act के अनुसार बैंकों को अपने पास कुल जमाओं का कुछ अनुपात (वर्तमान में 18%) तरल रूप में (नगद मुद्रा, स्वर्ण या सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में) अपने पास रखना होता है। यह अनुपात ही SLR कहलाता है। मुख्यतः यह Reserve Requirement उपभोक्ताओं को साख सृजन के समय रखनी होती है।

43. निम्नलिखित पर विचार करें :

Consider the following :

- आर.बी.आई. / RBI
- एस.बी.आई. / SBI
- नाबार्ड / NABARD
- एल.आई.सी. / LIC

उपर्युक्त में वित्तीय मध्यस्थ है :

The financial intermediaries among the above are:

कूट / Codes :

- उपर्युक्त सभी
- II, III, IV
- II, III
- II, IV

उत्तर- (D) / व्याख्या उपर्युक्त में वित्तीय मध्यस्थ है-

II SBI

IV LIC

वित्तीय मध्यस्थ, वित्तीय हस्तांतरणों को पूरा करने में सहयोग करने वाली 2 पार्टियाँ (Parties) होती हैं। वित्तीय मध्यस्थ अन्तिम बचतकर्ता से वित्तीय संसाधनों का हस्तांतरण कर अन्तिम उधार प्राप्तकर्ता (ultimate borrower) तक उन्हें पहुँचाती है। वित्तीय मध्यस्थों में व्यापारिक बैंकों, बीमा कम्पनियों, वित्तीय संस्थानों को शामिल किया जाता है।

44. वास्तविक शेष प्रभाव किससे सम्बन्धित है ?

Real balance effect relates to

- जनता के पास असल नकद शेषों के मूल्य में परिवर्तन से अर्थव्यवस्था में उत्पन्न प्रभाव
the effect which a change in value of the real cash balances held by the public produces in the economy.
- वाणिज्यिक बैंकों के पास असल नकद शेषों के मूल्य में परिवर्तन के फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में उत्पन्न प्रभाव
the effect which a change in value of the real cash balances held by the commercial banks produces in the economy.
- बहु-राष्ट्रीय बैंकों के पास असल नकद शेषों के मूल्य में परिवर्तन से अर्थव्यवस्था में उत्पन्न प्रभाव
the effect which a change in value of the real cash balances held by the multi-national banks produces in the economy.
- एन.बी.एफ.आई. के पास असल नकद शेषों के मूल्य में परिवर्तन के फलस्वरूप अर्थव्यवस्था में उत्पन्न प्रभाव
the effect which a change in value of the real cash balances held by the NBFIs produces in the economy.

उत्तर- (A) / व्याख्या वास्तविक शेष प्रभाव का सम्बन्ध जनता के पास असल नगद शेषों के मूल्य में परिवर्तन से अर्थव्यवस्था में उत्पन्न प्रभाव से है।

मूल्य स्तर में कमी के कारण लोगों की सम्पत्ति धारिता, जिसमें नगद शेष शामिल है, के वास्तविक मूल्य में वृद्धि होगी जिसके परिणाम स्वरूप लोग अपने समग्र व्यय में वृद्धि लायेंगे फलस्वरूप समग्र मांग, विनियोग रोजगार आदि में वृद्धि होगी। मूल्य स्तर की कमी का सम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि के द्वारा समग्र मांग, रोजगार आदि पर पड़ने वाले प्रभाव को 'पीगू प्रभाव' या मूल्य प्रभाव कहते हैं। पैटनकिन ने इसे 'वास्तविक शेष प्रभाव' कहा।

45. अभिकथन (A) : भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रा बाजार में प्रतिभूतियों की खरीद के जरिये मुद्रा की आपूर्ति में वृद्धि करता है।

Assertion (A) : Reserve Bank of India raises money supply through purchase of securities in the money market.

कारण (R) : मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि का परिणाम निवेश तथा रोजगार में विस्तार का हो सकता है।

Reason (R) : Increase in money supply may result in the expansion of investment and employment.

कूट / Codes :

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct, but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Both (A) and (R) are incorrect.

(D) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(A) is correct, but (R) is incorrect.

उत्तर- (B)/व्याख्या दिए गए कथन (A) के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक मुद्रा बाजार में प्रतिभूतियों की खरीद के जरिये मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि करता है। ऐसा RBI साख नियंत्रण की मात्रात्मक विधि के अन्तर्गत 'खुले बाजार की क्रियाओं' के तहत करता है। जब भी अर्थव्यवस्था में तरलता में वृद्धि लानी होती है तो खुले बाजार की क्रिया के तहत प्रतिभूतियों का क्रय करके मुद्रा आपूर्ति बढ़ा देता है।

दूसरी तरफ दिए गए कारण (R) के अनुसार मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि से निवेश तथा रोजगार में विस्तार हो सकता है किन्तु ऐसा सदैव सम्भव नहीं है क्योंकि यदि अर्थव्यवस्था में पूर्ण रोजगार की दशा विद्यमान है तो मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि मात्र कीमतों में वृद्धि लाएगी जैसा कि **मुद्रा परिमाण** सिद्धान्त में दर्शाया गया है।

इस प्रकार कथन तथा कारण दोनों सही हैं किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

46. सूची-I के मदों को सूची-II के मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से उत्तर का चयन करें:

Match the items in List - I against the items in List - II and select the answer from the codes given below :

सूची - I	सूची - II
I. साधारण जमा प्रणाली	i. धातवीय रिजर्व की 100% प्रत्याभूति
Simple Deposit System	100% backing of metallic reserves
II. अधिकतम न्यासीय या विश्वास्य प्रणाली	ii. कुल नोटों का कुछ प्रतिशत विशेष रिजर्वों में रखा जाता है।
Maximum Fiduciary System	Certain percentage of total notes is kept in specific reserves.
III. प्रतिशत जमा प्रणाली	iii. अधिकतम नोट जारी करना सांविधिक रूप से निश्चित होता है।

Percentage Deposit

System

IV. बोनस जमा प्रणाली

Bonus Deposit System

period loans.

Maximum note issuing is

statutorily fixed.

iv. आई.ओ.यू. के रिजर्व और अल्पकालिक ऋण

Reserves of IOUs and

short

कूट / Codes :

	I	II	III	IV
(A)	iii	iv	ii	i
(B)	i	ii	iii	iv
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	i	iii	ii	iv

उत्तर- (D)/व्याख्या

सूची - I	सूची - II
I साधारण जमा प्रणाली	i धातवीय रिजर्व की 100% प्रत्याभूति
II अधिकतम न्यासीय या विश्वास्य प्रणाली	iii अधिकतम नोट जारी करना सांविधिक रूप से निश्चित होता है।
III प्रतिशत जमा प्रणाली	ii कुल नोटों का कुछ प्रतिशत विशेष रिजर्वों में रखा जाता है।
IV बोनस जमा प्रणाली	iv आई. ओ. यू. के रिजर्व और अल्पकालिक ऋण

● भारत में **नोट निर्गमन** का कार्य रिजर्व बैंक करता है। RBI 2 रूपये से लेकर 2000 तक के नोट वर्तमान में निर्गमित कर रहा है। RBI द्वारा नोट निर्गमन के समय 100% मूल्य की प्रतिभूति का होना आवश्यक है।

● RBI 1956 तक पत्र मुद्रा निर्गमन की **आनुपातिक कोष प्रणाली** (Proportionate Reserve System) प्रचलित थी जिसके अनुसार पत्र मुद्रा के कुल मूल्य का कम से कम 40% भाग सोने या विदेशी प्रतिभूतियों में रखना अनिवार्य था तथा शेष 60% सरकारी प्रतिभूति (रूपये की) में रखना पड़ता था। पर किसी समय स्वर्ण मुद्रा या स्वर्ण धातु की रखी गयी मात्रा 40 करोड़ से कम नहीं होगी।

● सन् 1956 में RBI ने न्यूनतम विदेशी कोष प्रणाली (Minimum Foreign Reserve System) अपनायी गयी जिसके अंतर्गत 515 करोड़ के विदेशी कोष जिसमें (115 करोड़ रूपये का स्वर्ण तथा 400 करोड़ की विदेशी प्रतिभूति) या कोष के रूप में तथा छापी जाने वाली पत्र मुद्रा के शेष मूल्यों का रूपये की प्रतिभूति में रखना आवश्यक है।

● 31 अक्टूबर 1957 के बाद RBI Act में संशोधन के माध्यम से इसे घटाकर **200 करोड़ रूपया** कर दिया गया। जिसमें 115 करोड़ रूपया सोने सिक्के की धातु के रूप में तथा 85 करोड़ रूपये विदेशी करेंसी या विदेशी प्रतिभूति के रूप में रखना अनिवार्य होगा।

47. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अनुसार, सूक्ष्म उद्यम वह हैं जिनकी निवेश राशि होती है :

As per Micro, Small and Medium Enterprises Development Act, 2006 micro enterprises are those with investments:

- (A) < ₹25 लाख / < ₹25 Lakhs
(B) ₹25 लाख से ₹5 करोड़ / ₹25 lakhs to ₹5 crores
(C) ₹5 करोड़ से ₹10 करोड़ / ₹5 crores to ₹10 crores
(D) > ₹10 करोड़ / > ₹10 crores

उत्तर- (A) व्याख्या MSME Act -2006 के अंतर्गत MSMEs की नयी परिभाषा 1 जुलाई 2020 से प्रभावी हो गई है। जिसमें विनिर्माण तथा सेवा का वर्गीकरण समाप्त करके निवेश तथा टर्नओवर के रूप में MSME को परिभाषित किया जाता है। नयी परिभाषा में Export को turnover में शामिल नहीं किया जाता है।

Units	निवेश	टर्नओवर
Micro	1 करोड़ तक	5 करोड़ तक
Small	10 करोड़ तक	5-50 करोड़ तक
Medium	50 करोड़ तक	250 करोड़ तक

48. सूची-I के मदों की सूची -II की मदों के साथ सुमेलित करें
Match the items given in List-I with those in List-II

सूची - I	सूची - II
I. रंगराजन समिति Rangrajan Committee	i. लघु उद्योग पर रिपोर्ट Report on small Industries
II. कर्वे कमेटी Karve Committee	ii. पी. एस. ई. में अंशों का विनिवेश Disinvestment of shares in PSE's
III. डॉ. आर. के. हजारी कमेटी Dr. R.K. Hazari Committee	iii. लोक उद्यम नीति का पुनरावलोकन Review of the Policy for Public Enterprises
IV. अर्जुन सेन गुप्ता कमेटी Arjun Sengupta Committee	iv. औद्योगिक लाइसेन्सिंग Industrial Licensing

कूट / Codes :

	I	II	III	IV
(A)	i	iii	iv	ii
(B)	iii	ii	iv	i
(C)	ii	i	iv	iii
(D)	ii	iv	i	iii

उत्तर- (C) व्याख्या

	सूची - I	सूची - II
I	रंगराजन समिति	(ii) Public Sector Units में अंशों का विनिवेश
II	कर्वे समिति	(i) लघु उद्योग पर रिपोर्ट
III	डा० आर.के. हजारी समिति	(iv) औद्योगिक लाइसेन्सिंग
IV	अर्जुन सेन गुप्ता समिति	(iii) लोक उद्यम नीति का पुनरावलोकन

49. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य कितने कार्य अवसर सृजन करना था ?

The Eleventh Five Year Plan aimed at generating

- (A) 15 मिलियन कार्य अवसर / 15 million work opportunities
(B) 35 मिलियन कार्य अवसर / 35 million work opportunities
(C) 58 मिलियन कार्य अवसर / 58 million work opportunities
(D) 100 मिलियन कार्य अवसर / 100 million work opportunities

उत्तर- (C) व्याख्या ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल अप्रैल 2007 से मार्च 2012 तक था। इस योजना में 58 मिलियन कार्य अवसर सृजित करने का लक्ष्य रखा गया।

50. असंगठित कामगार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम किस वर्ष बना ?

The Unorganised Workers Social Security Act came in existence in the year

- (A) 2001 (B) 2005
(C) 2008 (D) 2012

उत्तर- (C) व्याख्या असंगठित कामगार सामाजिक सुरक्षा अधिनियम 2008 में बना। इसको 2020 में पारित The Code on Social Security से बदला गया है।

श्रम समवर्ती सूची का विषय है। हाल ही में केन्द्र सरकार ने श्रमिकों से सम्बन्धित तीन संहिताओं को पारित किया है जिसमें शामिल है -

- The Social Security Code जो 9 कानूनों को प्रतिस्थापित करेगा जिसमें Employees Provident Fund Act, 1952 तथा Maternity Benefit Act, 1961 शामिल है।
- Industrial Relations Code जो Industrial Dispute Act 1974 तथा Trade Union Act 1926 एवं Industrial Employment (Standing Order) Act, 1946 को मिलाकर बना है।
- The Occupational Safety, Health and Working Conditions Code 13 कानूनों को प्रतिस्थापित करता है।

51. वर्ष 2006-07 में भारत के जी.डी.पी. में उद्योग के हिस्से क्या अनुमान लगाया गया था ?

The share of industry in India's GDP in the year 2006-07 is estimated at

- (A) 20% (B) 15%
(C) 45% (D) 26%

उत्तर- (D) व्याख्या वर्ष 2020-21 के अनुसार Industrial Sector का GDP में योगदान 25 - 92% के लगभग रहा।

52. निःशेषनीय प्राकृतिक संसाधनों के बारे में होटलिंग नियम के अनुसार, निःशेषनीय प्राकृतिक संसाधनों के कीमत परिवर्तन के लिये निम्नलिखित में से किसका उपयोग किया गया ?

According to Hotelling rule about the exhaustible natural resources, which of the following is used for price variation of the exhaustible natural resources :

- (A) ब्याज की दर/ Rate of interest
(B) श्रम लागत / Labour cost
(C) खदानों का किराया एवं स्वत्व शुल्क
Rent and royalties of mines

(D) उत्पादन लागत और खदानों का स्वत्व शुल्क
Production cost and royalty of mines

उत्तर- (A) व्याख्या निःशेषनीय प्राकृतिक संसाधनों के बारे में होटलिंग नियम के अनुसार निःशेषनीय प्राकृतिक संसाधनों के कीमत परिवर्तन के लिए ब्याज की दर का उपयोग किया जाता है।

53. 'पीगू कर' के बारे में सही उत्तर बताइये :

Suggest the correct answer about the 'Pigovian Tax':

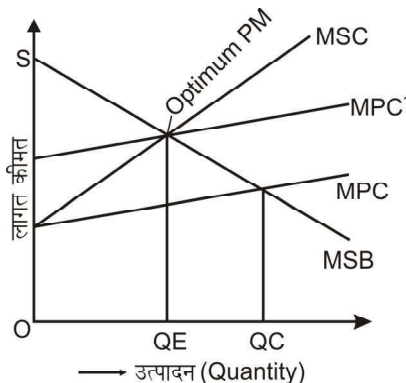
- I. क्रिया की कुल लागतों का बाजार में आंतरीकरण करने के लिए समाधान प्रदान करता है।
Provides solution in order to 'internalize' the total costs of an activity into the market.
- II. सार्वजनिक नीति के जरिये प्रदूषकों के उत्पादन को कम करने का हल प्रदान करता है।
Provides solution to reduce the production of pollutants through public policy.
- III. वास्तविक क्षेत्र में कारक की उत्पादकता को बढ़ाने में सहायता करता है।
It helps in increasing the factor productivity in the real sector.
- IV. यह निष्कर्षण कर की तरह कार्य करता है।
It acts like a severance tax.

कूट / Codes :

- (A) I और II (B) III और IV
(C) I, II और IV (D) I, II, III और IV

उत्तर- (C) व्याख्या पीगू कर :

- I क्रिया की कुल लागतों का बाजार में आंतरीकरण करने के लिये समाधान प्रदान करता है।
 - II सार्वजनिक नीति के जरिये प्रदूषकों के उत्पादन को कम करने का हल प्रदान करता है।
 - IV यह निष्कर्षण कर की तरह कार्य करता है।
- प्रदूषण कर को पर्यावरणीय समस्याओं को सुधारने की बाजार विधि माना जाता है। प्रदूषण कर की धारणा को पीगू ने दिया। इसलिए इसे 'Pigovian Tax' के नाम से जाना जाता है।
- पीगू कर का अर्थ ऐसी फीस से है जिसे प्रदूषकों द्वारा फैलाये गये अपशिष्टों के बदले वसूला जाता है। इससे उत्पादक की सीमान्त निजी लागत में वृद्धि हो जाती है और कुल लागत सीमान्त सामाजिक लागत के बराबर हो जाती है जिससे कुशल उत्पादन स्तर प्राप्त करने में मदद मिलती है और नकारात्मक बाह्यताओं को नियंत्रित किया जा सकता है।



$MPC + MPC' = MSC$

अनुकूलतम उत्पादन लागत कीमत

$$= MSB = MSC$$

54. पर्यावरण अर्थशास्त्र में उपयोग किये जाने वाली प्रासंगिक मूल्यांकन प्रणाली (CVM) के बारे में निम्नलिखित में से क्या सही है ?

Which of the following is correct about the Contingent Valuation Method (CVM) used in Environmental Economics ?

- (A) यह केवल प्रदूषकों के लिये उपयोग किया जाता है।
It is used only for pollutants.
- (B) यह सिर्फ धनात्मक उपयोगिताओं युक्त मदों के लिये उपयोग किया जाता है।
It is used only for items with positives utilities.
- (C) यह बाजार विफलताओं के अंतर्गत मदों के लिये उपयोग किया जाता है।
It is used for items under market failures.
- (D) यह सिर्फ प्राकृतिक संसाधनों के लिये उपयोग किया जाता है।
It is used only for natural resources.

उत्तर- (C) व्याख्या पर्यावरणीय अर्थशास्त्र में प्रयोग की जाने वाली प्रासंगिक मूल्यांकन प्रणाली (CVM - Contingent Valuation Method) जो गैर बाजारीकृत मूल्यांकन विधियों में प्रत्यक्ष विधि है यह बाजार विफलताओं के अंतर्गत मदों के लिए उपयोग किया जाता है।

Contingent Valuation Method में पर्यावरणीय लाभों तथा गुणवत्ता के लिए Willing to Pay अथवा उनकी प्रारम्भिक उपयोगिता का हनन होने पर क्षतिपूर्ति प्राप्त करने की मात्रा पर निर्भर है।

55. जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि किसका परिणाम है ?

Natural growth of population is the outcome of the following :

- I. अशोधित जन्मदर / Crude Birth Rate
- II. अशोधित मृत्युदर / Crude Death Rate
- III. प्रवास / Migration
- IV. विवाह / Marriages

कूट / Codes :

- (A) सिर्फ I (B) सिर्फ III
(C) II और IV (D) I और II

उत्तर- (D) व्याख्या जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि अशोधित जन्मदर एवं अशोधित मृत्युदर का परिणाम है।

अशोधित जन्म दर या Crude Birth Rate किसी विशेष वर्ष में जन्में पंजीकृत कुल बच्चों की संख्या तथा उस वर्ष की कुल जनसंख्या के बीच अनुपात अशोधित जन्म दर कहलाती है। इसे प्रति 1000 में व्यक्त किया जाता है।

अशोधित मृत्यु दर - किसी वर्ष में प्रति 1000 जनसंख्या पर मृतकों की संख्या को अशोधित मृत्यु दर कहते हैं।

किसी एक वर्ष में अशोधित जन्मदर एवं मृत्युदर के अन्तर को जनसंख्या की वृद्धि दर कहा जाता है। इस प्रकार की आकलित वृद्धि दर को जनसंख्या की प्राकृतिक वृद्धि दर कहा जाता है।

56. कुल प्रजनन दर और सकल पुनरुत्पादन दर के बीच सम्बन्ध के बारे में सही कथन बताइये :

Identify the correct statement about the relationship between total fertility rate and gross-reproduction rate :

- (A) $TFR > GRR$ सम्भव है। / $TFR > GRR$ is possible.
(B) $TFR = GRR$ सम्भव है। / $TFR = GRR$ is possible.
(C) $TFR < GRR$ सम्भव है। / $TFR < GRR$ is possible.
(D) उपर्युक्त सभी सम्भव हैं। / All the above is possible.

उत्तर- (A) व्याख्या $TFR > GRR$

Total Fertility Rate - TFR बच्चों की वह संख्या है जो किसी भी स्त्री के सम्पूर्ण प्रजनन काल (15-49 वर्ष) में पैदा हो। सामान्यतः TFR को जनसंख्या प्रतिस्थापन के स्तर पर 2.1 लिया जाता है। 2.1 TFR को जनसंख्या नीति सन् 2000 के लक्ष्य के रूप में स्वीकार्य किया गया है।

Gross Reproductive Rate (GRR) : पुनरुत्पादनीय आयु के दौरान पैदा हुयी तथा जीवित लड़कियों की संख्या

$$GRR = \frac{\text{देश में कुल स्त्रियों की संख्या}}{\text{देश में कुल स्त्रियों की संख्या}}$$

इस प्रकार आकलित दर GRR होगी।

57. जब राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही होती है तो विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में कृषि का हिस्सा क्यों कम होता है ?

Why does the share of agriculture in developing economies decline when national economy is growing rapidly ?

- I. खाद्य निकृष्ट वस्तु सम बन जाते हैं।
Food becomes like inferior commodity.
II. कृषि का विकास बहुत तेज नहीं हो सकता है।
Growth of agriculture cannot be very fast.
III. औद्योगिक क्षेत्र तेजी से विकास करता है।
Industrial sector grows faster.
IV. कृषि क्षेत्र पर सार्वजनिक व्यय पर्याप्त नहीं होता है।
Public spending on the farm factor is not enough.

कूट / Codes :

- (A) I, II, III और IV (B) II, III और IV
(C) II और III (D) I, II और IV

उत्तर- (A) व्याख्या जब राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही हो तो विकासशील अर्थव्यवस्था में कृषि का हिस्सा कम हो जाता है क्योंकि -

- I खाद्य निकृष्ट वस्तु सम बन जाते हैं।
II कृषि का विकास बहुत तेज नहीं हो सकता है।
III औद्योगिक क्षेत्र तेजी से विकास करता है।
IV कृषि क्षेत्र पर सार्वजनिक व्यय पर्याप्त नहीं होता है।

58. भारत में जी.डी.पी. में मत्स्य पालन का हिस्सा हाल ही के वर्षों में लगभग कितना रहा ?

Share of fishing in the GDP of India in recent years has been around

- (A) 0.8 प्रतिशत (B) 1.2 प्रतिशत
(C) 1.7 प्रतिशत (D) 2.1 प्रतिशत

उत्तर- (A) व्याख्या भारत की GDP में मत्स्य पालन का हिस्सा वर्ष 2018-19 के अनुसार GDP का 1% तथा कुल कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र का 5% है।

वर्ष 2013-15 में Per Capita Fish Consumption in India 5 से 10kg रहा।

59. भारत के खाद्य निगम के लिये खाद्यान्नों की आर्थिक लागत क्या है ?

What is the economic cost of foodgrains to the Food Corporation of India ?

- (A) न्यूनतम समर्थन कीमत और किसानों को दिया गया बोनस + परिवहन लागतें
Minimum support price and bonus paid to farmers + transportation costs.
(B) न्यूनतम समर्थन कीमत + बोनस + ब्याज की लागत
Minimum support price + bonus + interest cost.
(C) न्यूनतम समर्थन कीमत + बोनस + प्रापण आकस्मिकताएँ + गोदामों का प्रभार
Minimum support price + bonus + procurement incidentals + charges for godowns.
(D) न्यूनतम समर्थन कीमत (बोनस समेत यदि कुछ है) + प्रापण आकस्मिकताएँ + वितरण लागत
Minimum support price (including bonus, if any) + procurement incidentals + distribution cost.

उत्तर- (D) व्याख्या भारत में खाद्य निगम के लिये खाद्यान्नों की आर्थिक लागत होगी -

⇒ न्यूनतम समर्थन कीमत (बोनस सहित) + प्रापण आकस्मिकताएँ (Procurement Incidentals) + वितरण लागत

1957 में अशोक मेहता समिति ने सुझाव दिया कि 100 करोड़ रुपये की पूँजी से भारत सरकार एक खाद्यान्न स्थिरीकरण संगठन स्थापित करे। फलतः 100 करोड़ रुपये पूँजी से 1 जनवरी 1965 को भारतीय खाद्य निगम (IFCI) की स्थापना की गयी जिससे सरकार खाद्यान्नों का आंशिक व्यापार अपने हाथ में ले सके। भारतीय खाद्य निगम खाद्यान्नों के क्रय तथा विक्रय की सरकार की एकमात्र एजेंसी है।

60. कृषि यांत्रिकीकरण का क्या अभिप्राय है ?

What is meant by farm mechanization ?

- (A) खेती के कार्यों के लिये सिर्फ मशीनों का उपयोग करना।
Using only machines for farm operations.
(B) खेती के कार्यों के लिए ऊर्जा के यांत्रिक स्रोतों द्वारा ऊर्जा के जैविक स्रोतों का प्रतिस्थापन
Replacement of biological sources of energy by the mechanical sources of energy for farm operations.
(C) कृषि उत्पादन के लिये मशीनों, ट्रैक्टरों, ट्यूबवैलों इत्यादि का उपयोग करना।
Using machines, tractors, tube wells, etc. for agricultural production.

(D) कृषि उत्पादन के लिये मृदा परीक्षण और सत्यापन किये गये बीजों के उपयोग के अलावा मशीनों ट्रैक्टरों, ट्यूबवैल, उर्वरकों का उपयोग।

Using machines, tractors, tube wells, fertilizers, etc. be sides soil testing and certified seeds for agricultural production.

उत्तर- (B) व्याख्या कृषि यंत्रीकरण का अभिप्राय खेती के कार्यों के लिए ऊर्जा के यांत्रिक स्रोतों द्वारा ऊर्जा के जैविक स्रोतों का प्रतिस्थापन है। कृषि का यंत्रीकरण कृषि क्षेत्र के पोषणीय विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण उत्प्रेरक है। यह ठीक समय पर तथा समय के अनुसार कृषि क्रियाओं -बोना, सिंचाई, काटना आदि को सम्पादित करने में मददगार है जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि हो सके।

61. अर्थव्यवस्था में अंतरक्षेत्रीय व्यापार शर्तों का सम्बन्ध किससे हैं ?

Inter-sectoral terms of trade in an economy refers to

- (A) किसानों द्वारा दी गई और प्राप्त कीमतों का अनुपात
ratio of prices received and paid by the farmers.
- (B) कृषि वस्तुओं की घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय कीमत का अनुपात
ratio of domestic and international price of farm commodities.
- (C) वो शर्तें जिन पर सरकार कृषि उत्पादन खरीदती है।
terms at which government purchases farm produce.
- (D) विदेशी बाजारों में औद्योगिक उत्पादों का व्यापार
trade of industrial products in the foreign markets.

उत्तर- (A) व्याख्या अर्थव्यवस्था में अंतरक्षेत्रीय व्यापार शर्तों का सम्बन्ध किसानों द्वारा दी गई और प्राप्त कीमतों के अनुपात से है।

62. यदि उपयोगिता फलन $U = f(x, y)$ है और कुल उपयोगिता U है और x और y दो उपभोग वस्तुएँ हैं। यदि बजट निरोध $C = p_x x + p_y y$ है, जहाँ p_x और p_y क्रमशः 'x' और 'y' की कीमतें हैं, तो उपयोगिता के अधिकतमीकरण की स्थिति क्या होगी ?

The utility function is given as $U = f(x, y)$, where U = total utility and x & y are two goods consumed. The budget constraint is given as $C = p_x x + p_y y$, where

p_x and p_y are the prices of 'x' and 'y' respectively. The condition for maximisation of utility is

- (A) $\frac{\partial f}{\partial x} / \frac{\partial f}{\partial y} = \frac{p_y}{p_x}$ (B) $\frac{\partial f}{\partial x} / \frac{\partial f}{\partial y} = \frac{p_x}{p_y}$
- (C) $\frac{\partial f}{\partial x} = \frac{\partial f}{\partial y} = \frac{p_x}{p_y}$ (D) $\frac{\partial f}{\partial x} = \frac{\partial f}{\partial y} = \frac{p_y}{p_x}$

उत्तर- (B) व्याख्या उपयोगिता अधिकतमीकरण की स्थिति होगी-

$$\frac{\partial F}{\partial x} / \frac{\partial F}{\partial y} = \frac{p_x}{p_y}$$

एक उपभोक्ता की उपयोगिता वहां अधिकतम होगी जहां विभिन्न वस्तुओं से प्राप्त सीमान्त उपयोगिता का अनुपात उनके कीमत

अनुपात के बराबर हो इसे समसीमान्त उपयोगिता नियम से दर्शाया जाता सकता है।

$$\frac{MU_x}{P_x} = \frac{MU_y}{P_y} = MU_m \text{ Or } \frac{MU_x}{MU_y} = \frac{P_x}{P_y}$$

63. यदि प्रतियोगी फर्म के कुल लागत फलन और बाजार मांग

फलन क्रमशः $C = \frac{1}{3}x^3 - 10x^2 + 9x + 1000$ और $x = (12 - p)/9$ है। बताइये कौन से लाभ पर उत्पादन का स्तर अधिकतम होगा ?

The total cost function and the market demand function

of a competitive firm are $C = \frac{1}{3}x^3 - 10x^2 + 9x + 1000$

and $x = (12 - p)/9$ respectively. The level of output at which profits will be maximised ?

- (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4

उत्तर- (C) व्याख्या दिया है-

कुल लागत फलन $C = \frac{1}{3}x^3 - 10x^2 - 9x + 1000$

मांगफलन $x = \frac{(12 - P)}{9}$

कुल आय $= P \times x$

$TR = \frac{P(12 - P)}{9}$

$TC = \frac{1}{3}\left(\frac{12 - P}{9}\right)^3 - 10\left(\frac{12 - P}{9}\right)^2 - 9\left(\frac{12 - P}{9}\right) + 1000$

लाभ $\pi = TR - TC$

$= \frac{P(12 - P)}{9} - \frac{1}{3}\left(\frac{12 - P}{9}\right)^3 - 10\left(\frac{12 - P}{9}\right)^2 - 9\left(\frac{12 - P}{9}\right) + 1000$

लाभ अधिकतम करने हेतु

$\frac{d\pi}{dp} = \frac{12 - 2P}{9} + \frac{1}{9}\left(\frac{12 - P}{9}\right)^2 - \frac{20}{9}\left(\frac{12 - P}{9}\right) + 1$

$= \frac{(12 - P)^2 - 180(12 - P) + 81(12 - 2P) + 729}{729}$

$= \frac{144 + P^2 - 24P - 2160 + 180P + 972 - 162P + 729}{729}$

$= \frac{P^2 - 6P - 315}{729}$

जब $\frac{d\pi}{dp} = 0$

$P^2 - 6P - 315 = 0$

$P^2 - 21P + 15P - 315 = 0$

$(P - 21)(P + 15) = 0$

$\therefore$ either $P = 21$ or $P = -15$

at $P = 21, x = \frac{12 - 21}{9} = -1$

यह उपयुक्त मूल्य नहीं हैं

at P = -15

$$x = \frac{12 - (-15)}{9} = \frac{12 + 15}{9} = 3$$

64. जिस आगत-निर्गत (इनपुट-आउटपुट) मॉडल में अंतर्जात अन्तिम मांग सदिश होता है, वह क्या कहलाता है ? ?

An input-output model which has endogenous final demand vector is known as

- (A) खुला आगत-निर्गत मॉडल / Open Input-Output Model
(B) बंद आगत-निर्गत मॉडल / Closed Input-Output Model
(C) स्थैतिक आगत-निर्गत मॉडल / Static Input-Output Model
(D) गत्यात्मक आगत-निर्गत मॉडल / Dynamic Input-Output Model

उत्तर- (B) व्याख्या जिस आगत-निर्गत मॉडल में अंतर्जात अन्तिम मांग सदिश होती है, वह बंद आगत -निर्गत मॉडल कहलाता है। आगत-निर्गत मॉडल एक नयी तकनीक है जिसका आविष्कार W.W. लियोन्टिफ ने 1951 में किया। अर्थव्यवस्था की परस्पर-निर्भरताओं एवं जटिलताओं को समझने के लिए अन्तः उद्योग के सम्बन्धों का विश्लेषण करने के लिए इसका प्रयोग किया जाता है। यह दर्शाता है कि समस्त आर्थिक व्यवस्था में औद्योगिक अन्तः सम्बन्ध और अन्तर्निर्भरताएँ पाई जाती है। एक उद्योग की आगत दूसरे उद्योग का निर्गत होता है और विलोमशः भी जिससे अन्त में उनके आपसी सम्बन्धों के कारण समस्त अर्थव्यवस्था में पूर्ति और माँग का संतुलन स्थापित हो जाता है।

65. मान लीजिए दो समाश्रयण रेखाएँ क्रमशः $3x = 10 + 5y$ और $4y = 5 + 15x$ है तो फिर x और y के बीच समाश्रयण गुणांक होगा -
Let the two regression lines be given as : $3x = 10 + 5y$ and $4y = 5 + 15x$. Then the correlation coefficient between x and y is

- (A) -0.40 (B) 0.40
(C) 0.89 (D) ± 1.05

उत्तर- (B) व्याख्या

$$3x = 10 + 5y \quad \therefore \delta_{xy} = \frac{5}{3}$$

$$4y = 5 + 15x \quad \therefore \delta_{yx} = \frac{15}{4}$$

सहसम्बन्ध गुणांक (Correlation Coefficient)

$$r = \frac{1}{\sqrt{b_{xy} \times b_{yx}}} = \frac{1}{\sqrt{\frac{5}{3} \times \frac{15}{4}}} = \frac{1}{\sqrt{\frac{25}{4}}} = \frac{1}{5/2} = \frac{2}{5} \quad \boxed{r = 0.40}$$

66. मान लो कि $y = a_0 + a_1x_1 + a_2x_2 + e$ स्वरूप का

समीकरण $y = -6.79 + 1.79(x_1) + 0.97x_2$ है और

$SE(a_0) = 1.32$ है, $SE(a_1) = 0.41$ है और

$SE(a_2) = 0.53$ है। $H_0 : a_1 \neq 0$ का परीक्षण करने के लिए

परीक्षण सांख्यिकी $|t|$ किसके बराबर होगा ?

The estimated regression equation of the form

$y = a_0 + a_1x_1 + a_2x_2 + e$ is $y = -6.79 + 1.79(x_1) + 0.97$

x_2 and $SE(a_0) = 1.32$, $SE(a_1) = 0.41$ and $SE(a_2) =$

0.53 . To test $H_0 : a_1 \neq 0$, the test statistic $|t|$ is equal to

- (A) 5.144 (B) 4.366
(C) 1.830 (D) 3.377

उत्तर- (B) व्याख्या $y = a_0 + a_1x_1 + a_2x_2 + e$

स्वरूप का समीकरण

$y = -6.79 + 1.79(x_1) + 0.97x_2$ है और

$SE(a_0) = 1.32$ है।

$SE(a_1) = 0.41$ है और $SE(a_2) = 0.53$ है

$H_0 : a_1 \neq 0$ का परीक्षण करने के लिए $|t|$ होगा-

$$T_o = \frac{a_1}{SE(a_1)}$$

$$= \frac{1.79}{0.41} = 4.3658 = 4.366$$

अतः $H_0 : a_1 \neq 0$ का परीक्षण करने के लिये, परीक्षण सांख्यिकी $|t|$ 4.366 के बराबर होगा।

67. मान लें कि कॉब डुगलस उत्पादन फलन निम्नलिखित है :

$$y = AL^\alpha K^\beta, \alpha, \beta > 0$$

तो इस संदर्भ सूची - I के मदों को सूची - II के मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

Given that the Cobb-Douglas production functions is :

$$y = AL^\alpha K^\beta, \alpha, \beta > 0$$

Match List-I with List-II and select the answer from the codes given below :

सूची - I / List - I	सूची - II / List - II
I. पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल Increasing returns to scale	i. $\alpha + \beta = 1$
II. पैमाने के ह्रासमान प्रतिफल Decreasing returns to scale	ii. $\alpha + \beta > 1$
III. पैमाने के स्थिर प्रतिफल Constant returns to scale	iii. $\alpha + \beta < 1$

IV. कारकों के हासमान प्रतिफल iv. $\alpha, \beta < 1$

Diminishing returns to factors

कूट / Codes :

	I	II	III	IV
(A)	i	ii	iii	iv
(B)	i	iii	iv	ii
(C)	ii	iii	i	iv
(D)	iv	ii	iii	i

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ कॉब डगलस उत्पादन फलन

$$y = AL^\alpha K^\beta \text{ दिया है}$$

जहाँ $\alpha, \beta > 0$ तब

यहाँ α तथा β धनात्मक स्थिरांक हैं जो कुल उत्पादन में साधनों का हिस्सा तथा कारक लोच को दर्शाते हैं।

सूची-I	सूची-II
I पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल	ii $\alpha + \beta > 1$
II पैमाने के हासमान प्रतिफल	iii $\alpha + \beta < 1$
III पैमाने के स्थिर प्रतिफल	i $\alpha + \beta = 1$
IV कारकों के हासमान प्रतिफल	iv $\alpha \cdot \beta < 1$

68. विषमविसारिता की उपस्थिति में, सर्वोत्तम रेखीय अनभिनत या निष्पक्ष आकलन किस विधि द्वारा प्रदान होते हैं ?

In the presence of heteroscedasticity, the best linear unbiased estimators are provided by the method of

- (A) साधारण न्यूनतम वर्ग / Ordinary Least Squares
(B) अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग / Indirect Least Squares
(C) भारित न्यूनतम वर्ग / Weighted Least Squares
(D) साधक चर / Instrumental Variables

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ विषमविसारिता की उपस्थिति में, सर्वोत्तम रेखीय अनभिनत या निष्पक्ष आकलन के लिए भारित न्यूनतम वर्ग पद्धति का प्रयोग किया जाता है।

Heteroscedasticity happens when the standard deviations of a predicted variable, monitored over different values of an independent variables or as related to prior time periods, are non constant. Heteroscedasticity often arises in two forms; conditional and unconditional.

69. समय सारिणी विश्लेषण में सारिणी का अचलता/अचरता का परीक्षण करने के लिये कौन से परीक्षण का उपयोग किया जायेगा ?

To test the stationarity of the series in time series analysis, the following test will be used :

- (A) मात्रक मूल परीक्षण / Unit Root Test
(B) यादृच्छिक पगडंडी परीक्षण / Random Walk Test
(C) कॉकरिन आरकट पुनरावृत्तीय कार्यविधि परीक्षण
Cochrane-Orcutt Iterative Procedure Test
(D) डरबिन-वॉटसन सांख्यिकी परीक्षण
Durbin-Watson Statistic Test

उत्तर- (A)/ व्याख्या/ समय सारिणी विश्लेषण में सारिणी का अचलता/अचरता का परीक्षण करने के लिये मात्रक मूल परीक्षण (Unit root test) का प्रयोग किया जाता है। अर्थात् डिक्की फुलर के Unit root test से काल श्रेणी की स्थिरता को (Stationarity) जांचा जाता है।

Time series is a series of data points indexed (or listed or graphed) in time order.

जब समान चरों के विभिन्न वर्षों के आंकड़ों को श्रेणीबद्ध किया जाता है तो इसे समय सारिणी कहते हैं।

70. सूची-I को सूची -II के मदों के साथ सुमेलित करें और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

Match List -I with List-II and select the answer from the codes given below :

सूची - I	सूची - II
I. कॉयक का पश्चगामी (लैग्ड) मॉडल <i>Koyck's Lagged Model</i>	i. समायोजन समीकरण <i>Adjustment Equation</i>
II. अलमॉन्स का पश्चगामी मॉडल <i>Almon's Lagged Model</i>	ii. ज्यामितीय आरोहण <i>Geometric Progression</i>
III. नरलोव का मॉडल <i>Nerlov's Model</i>	iii. अनुकूली प्रत्याशा <i>Adaptive Expectation</i>
IV. कॉगेन का मॉडल <i>Cogan's Model</i>	iv. सन्निकट बहुपदी <i>Approximation Polynomial</i>

कूट / Codes :

	I	II	III	IV
(A)	iv	i	ii	iii
(B)	ii	iii	iv	i
(C)	ii	iv	i	iii
(D)	iv	i	iii	ii

उत्तर- (C)/ व्याख्या/ सही मिलान है -

सूची-I	सूची-II
(I) कॉयक का पश्चगामी	ii ज्यामितीय आरोहण
(II) अलमॉन्स का पश्चगामी मॉडल	iv सन्निकट बहुपदी
(III) नरलोव का मॉडल	i समायोजन समीकरण
(IV) कॉगेन का मॉडल	iii अनुकूली प्रत्याशा

71. जब वास्तविक संवृद्धि प्राप्ति, संवृद्धि लक्ष्य से अधिक थी तो पंचवर्षीय योजनाएँ कौन सी थी ?

Identify the Five Year Plans when actual growth realisation has been higher than the growth target :

- I. पाँचवी योजना / Fifth Plan
II. सातवी योजना / Seventh Plan
III. नौवी योजना / Ninth Plan
IV. दसवी योजना / Tenth Plan

कूट / Codes :

(A) I, II और III	(B) II, III और IV
(C) I और II	(D) III और IV

उत्तर- (C)/व्याख्या पाँचवी पंचवर्षीय योजना (1974-1978) तथा सातवी योजना (1985-1990) के दौरान वास्तविक संवृद्धि प्राप्ति, संवृद्धि लक्ष्य से अधिक रही।

पंचवर्षीय योजना	लक्ष्य	प्राप्ति
5th	4.4%	4.9%
6th	5.0%	5.6%
7th	5.6%	6.6%

72. निम्नलिखित में से कौन सा विकास कार्यक्रम भारतीय सरकार से केन्द्रीय प्रवर्तित योजना के रूप में 100 प्रतिशत निधिकरण प्राप्त कर रहा है ?

Which of the following development programmes is receiving 100 per cent funding as centrally sponsored scheme from the Government of India ?

- I. त्वरित विद्युत विकास एवं सुधार कार्यक्रम (APDRM)
Accelerated Power Development & Reform Programme (APDRM)
- II. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
Rashtriya Krishi Vikas Yojana
- III. राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एन.एस.ए.पी.)
National Social Assistance Programme (NSAP)
- IV. महिला एवं बाल विकास कार्यक्रम
Women & Child Development Programme

कूट / Codes :

- (A) I, II, III और IV (B) I और II
(C) III और IV (D) I, II और III

उत्तर- (D)/व्याख्या केन्द्रीय प्रवर्तित योजना (Centrally Sponsored Schemes)

भारतीय संविधान निर्माताओं ने भारत की विविधता और विशालता को देखते हुए भारत की संघात्मक शासन व्यवस्था का चुनाव किया था। जिसमें सहकारी संघवाद महत्वपूर्ण बन जाता है।

भारत की संघीय व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए भारत की विकास योजनाओं को कार्यान्वित करने के लिये इसे दो भागों **केन्द्रीय क्षेत्रक योजना** (Central Sector Scheme) और केन्द्र प्रायोजित योजना (Centrally Sponsored Scheme) में विभाजित किया है।

केन्द्रीय क्षेत्रक योजना (Central Sector Schemes)

इनमें 100% वित्तपोषण केन्द्र सरकार द्वारा किया जाता है। और साथ ही इनका कार्यान्वयन भी केन्द्रीय तंत्र द्वारा ही किया जाता है। केन्द्रीय क्षेत्रक योजनाएँ मुख्य रूप से संघ सूची में उल्लेखित विषयों पर बनाई जाती हैं। इनमें नमामि गंगे-राष्ट्रीय गंगा योजना, उज्जवला योजना, परिवार कल्याण योजनाएँ, छात्रवृत्ति योजना आदि हैं।

केन्द्र प्रायोजित योजना (Centrally Sponsored Schemes)

केन्द्र प्रायोजित योजनाओं का अर्थ कुछ ऐसी योजनाओं का अर्थ कुछ ऐसी योजनाओं से होता है, जिनमें योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु वित्त की व्यवस्था केन्द्र तथा राज्य द्वारा मिलकर की जाती है। ऐतिहासिक रूप से इस प्रकार की योजनाओं को एक ऐसे माध्यम के रूप में देखा जाता है जिसमें केन्द्र सरकार राज्यों को योजनाओं के कार्यान्वयन में वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

इस प्रकार की योजनाओं में राज्य द्वारा दी जाने वाली राशि का प्रतिशत राज्यों के साथ परिवर्तित होता रहता है। यह 50:50, 60:40, 70:30 या 75:25 में हो सकता है, वही कुछ विशेष राज्यों जैसे- पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिये यह 90:10 (केन्द्र का 90% व राज्य का 10%) भी रहता है। CSS के तहत जो योजनाएँ तैयार की जाती हैं वे मुख्यतः राज्य सूची के तहत आने वाले विषयों से सम्बन्धित होती हैं। इसमें MGNREGA, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन आदि शामिल हैं।

वर्ष 2015 में नीति आयोग ने केन्द्र प्रायोजित योजनाओं के विवेकीकरण (Rationalization) पर मुख्यमंत्रियों के एक उपसमूह का गठन किया जिसे 2016 में स्वीकृति दी गई। इस समूह की सिफारिशों के अनुसार

- केन्द्र प्रायोजित योजनाओं की संख्या 30 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

- सभी केन्द्र प्रायोजित योजनाओं को मुख्यतः 3 भागों में विभाजित किया जाना चाहिये-

(i) Core of the Core Schemes

इस प्रकार की योजनाएँ अधिकतर सामाजिक सुरक्षा और सामाजिक समावेशन से संबंधित होती हैं इनमें से अधिकांश योजनाओं में राज्यों की विशिष्ट भागीदारी पहले ही निर्धारित होती है। जैसे MGNREGA, जिसमें 75:25 का फार्मूला प्रभावी होता है।

(ii) Core Schemes

इस प्रकार में अधिकतर राष्ट्रीय एजेंडा प्रमुख होता है और इनके लिये केन्द्र और राज्य मिलकर कार्य करते हैं। इसमें 90:10 पहाड़ी एवं पूर्वोत्तर राज्य एवं 60:40 सामान्य राज्यों में फार्मूला होता है।

(iii) Optional Schemes

इन योजनाओं को लागू करने में राज्य स्वतंत्र हैं और वे आवश्यकतानुसार इनको लागू कर सकते हैं। इन योजनाओं के वित्तपोषण का अनुपात पूर्वोत्तर एवं हिमालयी राज्यों के लिये 80:20 है, जबकि देश के अन्य राज्यों के लिये 50:50 है।

73. निम्नलिखित राज्यों को हाल ही के वर्षों में चालू कीमतों पर राजकीय घरेलू उत्पादों के आकार के अवरोही क्रम में, श्रेणीगत करें :

Rank the States in descending order of their size of State Domestic Product at current prices in the recent years :

- I. कर्नाटक/Karnataka
- II. महाराष्ट्र/Maharashtra
- III. उत्तर प्रदेश/Uttar Pradesh
- IV. तमिलनाडु/Tamil Nadu

कूट / Codes :

- (A) I, IV, III और II (B) III, IV, I और II
(C) II, IV, I और III (D) II, III, IV और I

उत्तर- (D) व्याख्या

राज्य वार श्रेणी - राज्य GDP वर्ष 2020-21 की चालू कीमतों पर

रैंक	राज्य	Nominal GDP (₹ lakh crore)
1.	महाराष्ट्र	26.61
2.	तमिलनाडु	20.92
3.	उत्तर प्रदेश	17.05
4.	पश्चिम बंगाल	16.69
5.	गुजरात	16.48
6.	कर्नाटक	16.29
7.	राजस्थान	10.21
8.	आन्ध्र प्रदेश	9.73
9.	तेलंगाना	9.69
10.	मध्य प्रदेश	9.09

74. भारत में निजी अन्तिम उपभोग व्यय में 'खाद्य, पेय पदार्थ तथा तम्बाकू' का हाल ही के वर्षों में क्या हिस्सा रहा है ?

What has been the share of the 'food, beverages and tobacco' in the private final consumption expenditure in India in the recent years ?

- (A) 25 प्रतिशत (B) 33 प्रतिशत
(C) 45 प्रतिशत (D) 56 प्रतिशत

उत्तर- (B) व्याख्या भारत के निजी अन्तिम उपभोग व्यय में खाद्य पेय पदार्थ तथा तम्बाकू का हाल के वर्षों में हिस्सा 33% रहा है।

75. निम्नलिखित कथनों में से गलत कथन ज्ञात करें :

Find out the incorrect statements from the following statements :

- बचतें, ऋण और बीमा सूक्ष्म वित्त के भाग हैं।
Savings, credits and insurance are the parts of microfinance.
- भारत में, हाल ही में, जी.डी.पी. में कृषि का हिस्सा 11 प्रतिशत से कम हो गया है।
Share of agriculture in the GDP has come down to below 11 percent in India recently.
- सी.एस.ओ. ने उपभोक्ता कीमत सूचकांक श्रृंखला को नए आधार 2011 = 100 पर संशोधित किया है।
CSO has revised the consumer price index series on new base 2011 = 100.
- भारत में गरीबी का मूल्यांकन एन.एस.एस.ओ. आँकड़ों के आधार पर किया जाता है।
Poverty estimation in India is done on NSSO data.

कूट / Codes :

- (A) I और IV (B) I और II
(C) I और III (D) II और III

उत्तर- (D) व्याख्या सही एवं संशोधित वाक्य

(I) बचतें, ऋण और बीमा सूक्ष्म वित्त के भाग हैं।

(II) भारत में हाल ही में GDP में कृषि का हिस्सा लगभग 2020-21

के अनुसार 20.2% हो गया है जो 2018-19 में 17.6% तथा 2019-20 में 18.4% था।

(III) C.S.O (अब NSO) ने उपभोक्ता कीमत सूचकांक श्रृंखला को नए आधार वर्ष 2012=100 पर संशोधित किया था। वर्तमान में यही पर जल्द इसमें परिवर्तन होगा।

(IV) भारत में गरीबी का मूल्यांकन (NSSO जो अब CSO के साथ मिलकर NSO है) के आँकड़ों के आधार पर करता है।

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सम-उत्पाद पर अधोमुखी गति के लिये, पूँजी ($MRTS_{LK}$) प्रति इकाई श्रम की $MRTS$ निम्नलिखित के द्वारा इशाई जाती है:

For downward movement along the iso-quant, $MRTS$ of Labour per unit of capital ($MRTS_{LK}$) is given by

- (A) $-dK/dL$ (B) dK/dL
(C) dL/dK (D) $-dL/dK$

उत्तर- (A)/व्याख्या/ सम-उत्पाद पर अधोमुखी गति (For downward movement along the iso-quant) के लिए, पूँजी ($MRTS_{LK}$) प्रति इकाई श्रम की $MRTS = dK/dL$ के द्वारा दर्शाया जाता है।

श्रम की पूँजी के लिए तकनीकी प्रतिस्थापन की सीमान्त दर का अर्थ है कि श्रम की एक इकाई पूँजी की कितनी इकाइयों के स्थान पर प्रयोग हो सकती है जिससे उत्पादन की मात्रा समान रहे।

$$MRTS_{LK} = \frac{\Delta K}{\Delta L}$$

(जहाँ Δ परिवर्तन को दर्शाता है।)

अतः हम समोत्पाद वक्र के किसी बिन्दु पर तकनीकी प्रतिस्थापन की सीमान्त दर ($MRTS$), वहाँ पर खींची गई स्पर्श रेखा (tangent) की ढाल से ज्ञात कर सकते हैं।

∴ $MRTS_{LK}$ = Slope of Isoquant

2. भिन्न बाजारों में भिन्न कीमत वसूल करना क्या कहलाता है?

Charging a different price in different markets is called

- (A) कीमत विभेदीकरण / price discrimination
(B) द्वितीय श्रेणी का कीमत विभेदीकरण
second degree price discrimination
(C) तृतीय श्रेणी का कीमत विभेदीकरण
third degree price discrimination
(D) पूर्ण कीमत विभेदीकरण / perfect price discrimination

उत्तर- (C)/व्याख्या/ भिन्न बाजारों में भिन्न कीमत वसूल करना तृतीय श्रेणी का कीमत विभेदीकरण कहलाता है।

प्रो. ए. सी. पीगू ने कीमत विभेदीकरण की मात्रा विषयक तीन किस्में बताई है -

- (i) प्रथम कोटि का कीमत विभेदीकरण - इसको पूर्ण कीमत विभेदीकरण कहा जाता है। इस प्रकार का कीमत विभेदीकरण तब होता है जब कोई एकाधिकारी किसी वस्तु की प्रत्येक इकाई को भिन्न-भिन्न कीमतों पर बेचता है। पूर्ण कीमत विभेदीकरण के अंतर्गत वस्तु की प्रत्येक इकाई के लिए उतनी कीमत वसूल की जाती है जिससे उपभोक्ता को कुछ भी उपभोक्ता की बचत प्राप्त न हो।

इस कीमत विभेदीकरण में वस्तु की कीमत और सीमान्त आय (MR) परस्पर बराबर होते हैं।

- (ii) द्वितीय कोटि का कीमत विभेदीकरण - इसमें एकाधिकारी अपने क्रेताओं अथवा उपभोक्ताओं को भिन्न-भिन्न वर्गों में बाँटता है तथा प्रत्येक वर्ग से उतनी कीमत प्राप्त करता है जितना उस वर्ग का सीमान्त क्रेता देने को तैयार हो।
(iii) तृतीय कोटि का कीमत विभेदीकरण - यह प्रकार वास्तविक जगत में अधिक पाया जाता है। इसके अंतर्गत वस्तु के उपभोक्ताओं अथवा क्रेताओं की एकाधिकारी दो वर्गों में विभाजित करता है और इन विभिन्न बाजारों के उपभोक्ताओं से भिन्न-भिन्न कीमतें प्राप्त करता है।

3. स्थिरीकरण नीति में निम्नलिखित में से सर्वाधिक महत्वपूर्ण क्या है?

Which of the following is the most significant in stabilization policy?

- (A) निजी निवेश / Private investment
(B) इनवेंट्री निवेश / Inventory investment
(C) स्वायत्त निवेश / Autonomous investment
(D) लोक निवेश / Public investment

उत्तर- (C&D)/व्याख्या/ स्थिरीकरण नीति में स्वायत्त निवेश व लोक निवेश दोनों सर्वाधिक महत्वपूर्ण हैं।

निवेश का अर्थ पूँजी स्टॉक में वृद्धि है जो नये प्लांट तथा संयंत्र, नव-निर्माण तथा स्टॉक में परिवर्तन के रूप में है।

निवेश दो प्रकार के होते हैं -

- (i) प्रेरित निवेश - वह विनियोग जो आय की वृद्धि से प्रेरित हो वहीं प्रेरित निवेश है। आय का स्तर शून्य होने पर प्रेरित निवेश शून्य होगा।
(ii) स्वायत्त निवेश - स्वायत्त विनियोग वह विनियोग है जिसके ऊपर आय स्तर का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है यह पूर्णतः आय निरपेक्ष होता है।

4. निर्धनता के दुष्चक्र की अवधारणा किससे सम्बन्धित है?

The concept of vicious circle of poverty is associated with

- (A) किंडलबर्गर / Kindleberger
(B) शुम्पीटर / Schumpeter
(C) रेगनर फ्रिश / Ragnar Frish
(D) गुन्नर मिर्डाल / Gunnar Myrdal

उत्तर- (*)/व्याख्या/ निर्धनता के दुष्चक्र की अवधारणा का सम्बन्ध रेगनर नवर्स से है। इन्हीं ने दुष्चक्रों की धारणा को विकसित किया। प्रो. मिर्डाल ने 'दरिद्रता के दुष्चक्रों को चक्र्रीय एवं संचयी प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया तथा चक्र्रीय कार्यकारण सिद्धान्त देते हुए इसे प्रत्यास्थ व प्रसरण प्रभाव के माध्यम से प्रस्तुत किया।

5. सोलो ने अपना मॉडल किसके विकल्प के रूप में निर्मित किया?

Solow built his model as an alternative to

- (A) काल्डोर का विकास मॉडल / Kaldor's model of growth
(B) रेनिश-फी का विकास मॉडल / Ranis-Fei model of growth
(C) हेरोड-डोमर का विकास मॉडल
Harrod-Domar model of growth
(D) मीड का विकास मॉडल / Meade's model of growth

उत्तर- (C)/व्याख्या सोलो ने अपना संवृद्धि मॉडल जिसे नियोजित-संकलित संवृद्धि मॉडल कहा जाता है, हेरोड-डोमर मॉडल के विकल्प के रूप में दिया।

सोलो ने हेरोड मॉडल की चाकूधार समस्या को हल करने का प्रयास किया। सोलो किसी भी पूँजी श्रम अनुपात से प्रारम्भ करके Steady State Growth (सतत वृद्धि दर) को प्राप्त करते हैं।

6. यदि कुल राजकोषीय घाटे में से ब्याज अदायगियों को घटा दिया जाए, तो शेष रहेगा।

If interest payments are subtracted from gross fiscal deficit, the remainder will be

- (A) राजस्व घाटा / revenue deficit
(B) सकल प्राथमिक घाटा / gross primary deficit
(C) पूँजीगत घाटा / capital deficit
(D) बजटीय घाटा / budgetary deficit

उत्तर- (B)/व्याख्या यदि कुल राजकोषीय घाटे में से ब्याज अदायगियों को घटा दिया जाए, तो शेष रहेगा सकल प्राथमिक घाटा।

राजस्व घाटा = राजस्व व्यय - राजस्व आय

बजटीय घाटा = कुल व्यय - कुल आय

7. यदि आँकड़े दरों, समानुपातों तथा अनुपातों से सम्बन्धित हैं तो केन्द्रीय प्रवृत्ति के कौन से माप का उपयोग करना सर्वाधिक उपयुक्त होगा?

Which of the following measures of central tendency will be the most appropriate to use if the data relate to rates, proportions and ratios?

- (A) गणितीय - माध्य / Arithmetic mean
(B) माध्यिका / Median
(C) हरात्मक माध्य / Harmonic mean
(D) ज्यामितीय माध्य / Geometric mean

उत्तर- (D)/व्याख्या यदि आँकड़े दरों, समानुपातों तथा अनुपातों से सम्बन्धित हैं तो केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप में ज्यामितीय माध्य सर्वाधिक उपयुक्त माध्य है।

किसी समंक श्रेणी का गुणोत्तर माध्य उसके सभी मूल्यों के गुणनफल का वह मूल (Root) होता है जितनी उस श्रेणी में संख्याएं होती हैं।

$$G_m = \sqrt[n]{(x_1) \times (x_2) \times (x_3) \times (x_4) \dots (x_n)}$$

विशेषताएं -

- (i) गुणोत्तर माध्य श्रेणी के सभी मूल्यों पर आधारित माध्य है।

(ii) यह माध्य उच्चस्तरीय गणितीय विवेचन के लिए सर्वथा उपयुक्त है।

(iii) गुणोत्तर माध्य पर सीमान्त पदों का बहुत कम प्रभाव पड़ता है।

(iv) अनुपातों एवं प्रतिशत वृद्धि दरों को निकालने के दृष्टिकोण से गुणोत्तर माध्य सर्वश्रेष्ठ समझा जाता है।

(v) जब कभी श्रेणी के बड़े मूल्यों को कम और छोटे मूल्यों को अधिक महत्व देना हो तो गुणोत्तर माध्य ही सबसे उपयुक्त समझा जाता है।

(vi) किसी श्रेणी की आवृत्ति में अत्यधिक विषमता होने की स्थिति में यह माध्य विशेष रूप से उपयुक्त समझा जाता है।

8. तुलनात्मक लागत लाभ सिद्धान्त का अवसर लागत रूप किसने प्रतिपादित किया था?

Opportunity cost version of comparative cost advantage doctrine was introduced by

- (A) जे.एम. कीन्स / J.M. Keynes
(B) किंडलबर्गर / Kindleberger
(C) हैबरलर / Haberler
(D) कार्ल मार्क्स / Karl Marx

उत्तर- (C)/व्याख्या हैबरलर का सिद्धान्त तुलनात्मक लागतों के सिद्धान्त की व्याख्या करता है किन्तु तुलनात्मक लागत के 'मूल्य के श्रम सिद्धान्त' का त्याग करता है।

हैबरलर ने अवसर लागतों के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभों का विश्लेषण किया तथा उत्पादन में पूँजी एवं श्रम दोनों साधनों को महत्व दिया।

इस सिद्धान्त के अनुसार यदि कोई देश वस्तु X या वस्तु Y का उत्पादन कर सकता है तो X की अवसर लागत, दूसरी वस्तु Y की उस मात्रा के बराबर होगी जो उसे उस वस्तु X की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने के लिए छोड़नी पड़ती है। इस प्रकार दोनों वस्तुओं की परस्पर विनिमय दर उनके अवसर लागतों के रूप में व्यक्त की जाती है।

9. धारणीय विकास की सर्वाधिक लोकप्रिय परिभाषा किसने दी है?

The most popular definition of sustainable development is given by

- (A) विश्व विकास रिपोर्ट / World Development Report
(B) यू.एन.डी.पी. रिपोर्ट / UNDP Report
(C) ब्रंड्टलैंड / Brundtland
(D) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष रिपोर्ट / IMF Report

उत्तर- (C)/व्याख्या धारणीय विकास की सर्वाधिक लोकप्रिय परिभाषा ब्रंड्टलैंड रिपोर्ट में प्राप्त होती है।

1980 के दशक में विश्व पर्यावरण एवं विकास आयोग (WICD) ने प्रकृति के संरक्षण के लिए विश्व का ध्यान खींचने हेतु 1982 में सम्मेलन का आयोजन किया तथा ब्रंड्टलैंड आयोग का गठन किया गया।

1987 में ब्रंड्टलैंड आयोग -वर्ल्ड कमीशन आन द इनवायरमेंट एण्ड डेवलपमेंट ने अपना अध्ययन 'हमारा साझा भविष्य' Our

Common Future प्रकाशित किया। पोषणीय विकास की सबसे स्वीकार्य परिभाषा दी। इसके अनुसार 'पोषणीय विकास, विकास का वह स्तर है जो वर्तमान की आवश्यकताओं की, भावी पीढ़ी की अपनी आवश्यकताओं की संतुष्ट करने की क्षमता से, समझौता किए बगैर संतुष्ट करता है।

10. नियोजन अवधि के दौरान, सर्वोच्च विकास दर कब प्राप्त की गई?

During the planning period, highest growth rate was achieved during

- (A) आठवीं योजना के दौरान / eighth plan
- (B) दसवीं योजना के दौरान / tenth plan
- (C) नौवीं योजना काल में / ninth plan
- (D) सातवीं योजना काल में / seventh plan

उत्तर- (B) व्याख्या दिए गए विकल्पों में नियोजन अवधि के दौरान सर्वोच्च विकास दर 10वीं पंचवर्षीय योजना में प्राप्त की गई।
8वीं पंचवर्षीय योजना - 6.6%
7वीं पंचवर्षीय योजना - 5.6%
9वीं पंचवर्षीय योजना - 5.7%
10वीं पंचवर्षीय योजना - 7.6%
10वीं योजना की अवधि 1 अप्रैल 2002 से 31 मार्च 2007 तक है। इस योजना में आर्थिक वृद्धि दर का लक्ष्य 7.9% रखा गया था तथा प्राप्ति 7.6% रही।

प्रश्न संख्या 11-20 : प्रश्नों को पढ़िये और नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिये:

Question. Nos. 11-20 : Read the questions and select the correct option for the answer from the list given below:

11. श्रम मूल्य सिद्धांत निम्नलिखित ने प्रतिपादित किया था:

Labour Theory of Value was propounded by

- a. एडम स्मिथ / Adam Smith
- b. डेविड रिकार्डो / David Ricardo
- c. रेगनर नर्क्से, गुन्नर मिर्डाल, आर.एम. सोलो
Ragnar Nurkse, Gunnar Myrdal, R.M. Solow
- d. फी-रानी, रेगनर नर्क्से / Fei-Rani's Ragnar Nurkse

कूट / Codes:

- (A) a और b
- (B) a और c
- (C) a, b, c
- (D) a, b, c, d

उत्तर- (A) व्याख्या श्रम मूल्य सिद्धान्त की धारणा मार्क्स के सिद्धान्त से आती है किन्तु एडम स्मिथ तथा डेविड रिकार्डो ने इसका विकास किया।

यह सिद्धान्त दर्शाता है कि किसी वस्तु की कीमत उसके निर्माण में लगे श्रम की लागत के बराबर होती है। ये अर्थशास्त्री श्रम को ही उत्पादन का एकमात्र साधन मानते हैं।

12. क्लासिकी व्यवस्था की विशेषताएँ हैं:

The features of the classical system are

- a. उत्पादन तथा रोजगार को मौद्रिक कारक निर्धारित करते हैं।

Monetary factors determine output and employment.

- b. अर्थव्यवस्था का स्व-समायोजन तन्त्र
Self adjusting mechanism of the economy.
- c. प्रत्यक्ष विकास के लिये राजकीय कार्यवाई
State action to direct development.
- d. राजकीय नियन्त्रण की अनुपस्थिति में बाजार के माध्यम से इष्टतमीकरण
Optimization through market in the absence of state control.

कूट / Codes:

- (A) a और b
- (B) a, b, c
- (C) b और d
- (D) a, b, d

उत्तर- (C) व्याख्या क्लासिकी व्यवस्था की विशेषताएँ हैं:

- (b) अर्थव्यवस्था का स्व-समायोजन तन्त्र
 - (d) राजकीय नियन्त्रण की अनुपस्थिति में बाजार के माध्यम से इष्टतमीकरण
- क्लासिकल अर्थशास्त्री अर्थव्यवस्था में पूर्ण रोजगार व मजदूरी दर, मूल्य एवं मांग एवं पूर्ति, ब्याज दर आदि के स्व समायोजन तंत्र को साथ लेकर चलते हैं। इनका मानना है कि बिना सरकारी हस्तक्षेप के बाजार के माध्यम से पूर्ण रोजगारीय संतुलन एवं इष्टतमीकरण को प्राप्त किया जा सकता है।

13. लोक व्यय में विस्थापन तथा सकेन्द्रण प्रभाव की अवधारणाओं का श्रेय किसको दिया जाता है?

Concepts of displacement and concentration effect in public expenditure are attributed to

- a. ए. सी. पीगू तथा जे.के. मेहता
A. C. Pigou and J.K. Mehta
- b. अलेन टी. पीकॉक एवं जैक वाइज़मैन
Alan T. Peacock and Jack Wiseman
- c. कैनेथ एरो एवं पॉल ए. सैम्युलसन
Kenneth Arrow and Paul A. Samuelson
- d. ए. आर. प्रेस्ट एवं आई.एम.डी. लिट्टल
A.R. Prest and I.M.D. Little

कूट / Codes:

- (A) a और b
- (B) b
- (C) a, b, c
- (D) a, b, c, d

उत्तर- (B) व्याख्या अलेन टी. पीकॉक तथा जैक वाइज़मैन ने सार्वजनिक व्यय के सिद्धान्त में, व्यय की सीढ़ीनुमा प्रकृति को दर्शाया। इन्होंने 1890 से 1955 की अवधि में ब्रिटेन में सार्वजनिक व्यय में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया तथा यह निष्कर्ष निकाला कि यद्यपि युद्ध के पश्चात सार्वजनिक व्यय घटकर युद्ध पूर्व के स्तर पर नहीं आया तथापि राष्ट्रीय उत्पाद में सरकारी व्यय का अनुपात युद्ध के तुरन्त के स्तर की तुलना में बहुत अधिक था। राष्ट्रीय उत्पाद में सार्वजनिक व्यय के अनुपात में इस स्थायी वृद्धि को इन लोगों ने विस्थापन प्रभाव कहा।

14. मानव विकास सूचक (एचडीआई) का निर्माण किस संदर्भ में किया जाता है?

Human Development Index (HDI) is constructed with reference to

- जन्म के समय आयु संभाविता, वास्तविक जी.डी.पी. प्रति व्यक्ति, कुल प्रवेश अनुपात, प्रौढ़ साक्षरता दर
Life expectancy at birth, real GDP per capita, gross enrolment ratio, adult literacy rate.
- जन्म के समय आयु संभाविता, वास्तविक जी.डी.पी. प्रति व्यक्ति, संयुक्त कुल प्रवेश अनुपात, प्रौढ़ साक्षरता दर
Life expectancy at birth, real GDP per capita, combined gross enrolment ratio, adult literacy rate.
- आयु संभाविता, जी.डी.पी. प्रति व्यक्ति, शिशु मृत्युदर, साक्षरता दर
Life expectancy, GDP per capita, infant mortality rate, literacy rate.
- जी.डी.पी. प्रति व्यक्ति, शिशु मृत्युदर, साक्षरता दर
GDP per capita, infant mortality rate, literacy rate

कूट / Codes:

- (A) a और b (B) a और c
(C) c (D) a, b, d

उत्तर- (*)/व्याख्या/ Note - सभी विकल्प असत्य हैं।

मानव विकास सूचकांक का प्रतिपादन 1990 में UNDP में कार्यरत अर्थशास्त्री महबूब -उल-हक, ए. के. सेन व हैन सिंगर ने किया। मानव विकास सूचकांक तीन आयामों व चार संकेतकों पर आधारित है।

- स्वस्थ जीवन - जन्म के समय जीवन प्रत्याशा
- शिक्षा - स्कूल शिक्षा के माध्य वर्ष
- स्कूल शिक्षा के प्रत्याशित वर्ष
- आय - GNI Per Capita (PPP)

15. असन्तुलित विकास मॉडल सर्वप्रथम किसने प्रतिपादित किया था?

The unbalanced growth model was propounded first by

- अलबर्ट ओ. हर्षमैन / Albert O. Hirschman
- एच.एस. सिंगर और रॉल प्रेबिश
H.S. Singer and Raul Prebisch
- किंडलबर्गर तथा रेगनर नर्क्से
Kindelberger and Ragnar Nurkse
- डब्ल्यू.डब्ल्यू. रोस्टो एवं पॉल स्ट्रीटन
W.W. Rostow and Paul Streeten

कूट / Codes:

- (A) a और b (B) a और c
(C) a और d (D) a

उत्तर- (D)/व्याख्या/ असन्तुलित विकास मॉडल का प्रतिपादन अलबर्ट ओ. हर्षमैन ने किया। बाद में सिंगर, स्ट्रीटन आदि ने भी व्याख्या दी।

- हर्षमैन के अनुसार किसी अल्पविकसित देश में आर्थिक वृद्धि लाने का श्रेष्ठतम मार्ग यह है कि पहले से बनाई गई कूटनीति के अनुसार जानबूझकर असन्तुलन लाया जाए।
- हर्षमैन विकास को असन्तुलन की श्रृंखला मानते हैं जो असन्तुलों को समाप्त करने के स्थान पर बनाए रखते हैं।

- हर्षमैन ने मितव्ययिताओं, अग्रानुबंधन प्रभाव (Forward Linkage Effects) और पश्चानुबंधन प्रभाव (Backward Linkage effects) के माध्यम से सिद्धान्त की व्याख्या की।

16. संवृद्धि का हैरोड-डोमर मॉडल अवधारणाओं तथा उनकी समानता पर आधारित है:

Harrod-Domar model of growth is based on the concepts of and their equality

- जनसंख्या तथा उत्पादकता विकास
Population and productivity growth
- निवेश तथा आय की औसत वृद्धि दर
Investment and average growth rate of income.
- वास्तविक, अभिष्ट तथा प्राकृतिक विकास दर
Actual, warranted and natural growth rate.
- उत्पादकता संवृद्धि तथा निवेश संवृद्धि
Productivity growth and investment growth.

कूट / Codes:

- (A) a और c (B) a और d
(C) c (D) a, b, c

उत्तर- (C)/व्याख्या/ संवृद्धि का हैरोड-डोमर मॉडल वास्तविक संवृद्धि दर, अभीष्ट संवृद्धि दर तथा प्राकृतिक संवृद्धि दर की अवधारणाओं पर आधारित है।

नोट : विस्तृत व्याख्या के लिए प्रश्न सं. 35 देखें।

17. फैक्टर एण्डाउमेंट सिद्धांत को इस नाम से भी जाना जाता है:

Factor endowment theory is also known as

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धांत
Modern theory of international trade.
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का क्लासिकी सिद्धांत
Classical theory of international trade.
- परस्पर माँग सिद्धांत / Reciprocal demand theory.
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का कारक अनुपात सिद्धांत
Factor proportions theory of international trade.

कूट / Codes:

- (A) a और b (B) b और c
(C) a और d (D) c और d

उत्तर- (C)/व्याख्या/ फैक्टर एण्डाउमेंट सिद्धान्त जिसका प्रतिपादन हैकशर-ओहलिन ने किया इन नामों से भी जाना जाता है।

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धांत
 - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का क्लासिकी सिद्धांत
- हैकशर ओहलिन का कथन है कि दो देशों के बीच साधन सम्पन्नताओं में अन्तरों के परिणामस्वरूप साधनों की सापेक्ष मांग तथा पूर्ति अन्तरों द्वारा उत्पन्न सापेक्ष वस्तु कीमतों का अन्तर ही अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तात्कालिक कारण है।

18. बढ़ते सरकारी खर्चों के सर्वाधिक महत्वपूर्ण सिद्धांत निम्नलिखित से सम्बन्धित हैं:

Most important theory of increasing public expenditure is associated with

- अडोल्फ वैगनर के प्राक्कल्पना
Adolph Wagner's hypothesis

- b. क्रांतिक सीमा प्राक्कल्पना / Critical limit hypothesis
c. प्रशासनात्मक कुशलता प्राक्कल्पना
Administrative efficiency hypothesis
d. आय की स्थिरता प्राक्कल्पना
Stability of income hypothesis

कूट / Codes:

- (A) a और b (B) a और c
(C) a (D) c और d

उत्तर- (C) व्याख्या बढ़ते सार्वजनिक व्यय का महत्वपूर्ण सिद्धान्त एडोल्फ वैगनर का सिद्धान्त है।

वैगनर ने बढ़ती हुई राजकोषीय क्रियाओं का सिद्धान्त प्रतिपादित किया जिसमें उन्होंने दर्शाया कि सार्वजनिक व्यय में वृद्धि की दर अर्थव्यवस्था में संवृद्धि की दर से अधिक होती है अर्थात् जैसे-जैसे आर्थिक विकास होता है राज्य की क्रियाओं में अधिक तेजी से विस्तार होता है।

19. ब्रेटनवुड सिस्टम के अंतर्गत दीर्घकाली विकास सहायता किसके द्वारा दी जानी थी?

Under the Brettonwood system, the long term development assistance was to be provided by

- a. इंटरनेशनल बैंक ऑफ रिक्स्ट्रक्शन एण्ड डिवेलपमेंट (आई बी आर डी) / IBRD
b. अंतर्राष्ट्रीय विकास एजेंसी (आई डी ए) / IDA
c. अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आई एम एफ) / IMF
d. उपर्युक्त सभी / All the above

कूट / Codes:

- (A) a और b (B) a, b, c
(C) b और c (D) d

उत्तर- (A) व्याख्या ब्रेटनवुड्स सम्मेलन 1944 में दो संस्थाओं का मुख्य रूप से उद्भव हुआ -

(i) International Monetary Fund -

- 1944 में स्थापना
- 1945 में कार्य संचालन
- वित्तीय कार्य 1 मार्च 1947 से प्रारम्भ

(ii) IBRD - 1945 में स्थापन

International Bank of Reconstruction and Development बाद में IBRD(1945), IDA(1960), MIGA(1988), ICSID (1966) व IFC(1956) मिलकर विश्व बैंक समूह कहलाए। दीर्घकालिक विकास सहायता IBRD तथा IDA दोनों द्वारा प्रदान की जाती है। IDAको विश्व बैंक की रियायती खिड़की कहा जाता है।

20. भारत के योजना आयोग ने हाल ही में गरीबी रेखा इस प्रकार घोषित की है:

The Planning Commission of India has recently announced the poverty line as

- a. शहरी क्षेत्र के लिए ₹42 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति
₹42 per day per person for urban area.
b. ग्रामीण क्षेत्र के लिए ₹26 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति
₹26 per person per day for rural areas.

- c. शहरी क्षेत्र के लिए ₹32 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति
₹32 per person per day for urban areas.
d. ग्रामीण क्षेत्र के लिए ₹32 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति
₹32 per day per person for rural areas.

कूट / Codes:

- (A) a और b (B) a और c
(C) b और c (D) c और d

उत्तर- (C) व्याख्या भारत के योजना आयोग ने तेन्दुलकर समिति की सिफारिशों को स्वीकार्य करते हुए 2009 में गरीबी रेखा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए ₹26 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति तथा शहरी क्षेत्रों के लिए ₹32 प्रतिदिन प्रति व्यक्ति निर्धारित किया है।

प्रश्न संख्या 21 से 30:

निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़िये और अभिकथन (A) एवं तर्क (R) का सही संयोजन नीचे दिए गए कूट की सहायता से चुनिए:

Read the following questions and select the right combination of Assertions (A) and Reason (R) from the codes given below:

कूट / Codes:

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।
Both (A) and (R) are correct, but (R) is not the correct explanation of (A).
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।
Both (A) and (R) are correct, and (R) is the correct explanation of (A).
(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।
(A) is correct, but (R) is incorrect.
(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।
(A) is incorrect, but (R) is correct.

21. अभिकथन (A) : अल्पाधिकार में षड्यन्त्र रचना की प्राकृतिक प्रवृत्ति रहती है।

Assertion (A) : There is a natural tendency to collude under oligopoly.

तर्क (R) : अल्पाधिकार बाजार में फर्मों की पारस्परिक निर्भरता रहती है।

Reason (R) : Inter-dependence of firms in oligopolistic markets.

उत्तर- (B) व्याख्या अल्पाधिकार अपूर्ण प्रतियोगिता का एक स्वरूप है इसमें अल्प मात्रा में बहुत कम फर्मों में परस्पर निर्भरता के साथ प्रतियोगिता रहती है।

अल्पाधिकार के दो रूप हो सकते हैं:

- (i) कपट संधि अल्पाधिकार (Collusive Oligopoly)
(ii) गैर कपट संधि अल्पाधिकार (non-collusive oligopoly)
विशेषताएँ
(i) परस्पर निर्भरता
(ii) विकुंचित मांग वक्र (AR वक्र) एवं MR वक्र

(iii) कीमत एवं उत्पादन दृढ़ता

कथन तथा तर्क के अनुसार चूंकि अल्पाधिकारी बाजार में फर्मों की परस्पर निर्भरता पाई जाती है इसलिए यदि उत्पादन आपस में संधि करते हैं तो षडयंत्र रचना की प्राकृतिक प्रवृत्ति रहती है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

22. अभिकथन (A) : अल्प काल में, उत्पाद की सीमान्त लागत उत्पादन में उपयोग किये गये अतिरिक्त श्रम तथा सामग्री की लागत होती है।

Assertion (A) : In short run, the marginal cost of output is the cost of additional labour and materials used in production.

तर्क (R) : उत्पादन में लगाये गये श्रम तथा सामग्री ही अल्प काल में घटते-बढ़ते हैं।

Reason (R) : Materials and labour used in production alone vary in short run.

उत्तर- (D)/व्याख्या अभिकथन के अनुसार अल्प काल में, उत्पाद की सीमान्त लागत उत्पादन में उपयोग किये गये अतिरिक्त श्रम तथा सामग्री की लागत होती है क्योंकि अल्पकाल में एक साधन परिवर्तनशील तथा अन्य साधन स्थिर रहते हैं और उत्पादन में लगाये गये श्रम तथा सामग्री ही अल्पकाल में परिवर्तित होती है। जबकि पूंजी व अन्य साधन स्थिर होते हैं।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

23. अभिकथन (A) : व्यापार नीति के उदारीकरण के बाद हुए सुधारों ने भारत की उन्नति को उद्दीप्त किया है।

Assertion (A) : Post reform liberal trade policies have stimulated India's growth.

तर्क (R) : निजी उद्यमों को भारत के उत्पादन उद्यमों की उन्नति में योगदान करने का अवसर प्राप्त हुआ।

Reason (R) : Private enterprise got opportunities to contribute to growth of Indian manufacturing industries.

उत्तर- (B)/व्याख्या भारत में 1991 में लाए गए आर्थिक सुधार जिसमें निजीकरण, उदारीकरण तथा वैश्वीकरण को अपनाया गया। इन सुधारों के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका में उल्लेखनीय कमी लायी गई तथा निजी क्षेत्र की भूमिका में वृद्धि हुई।

इन सुधारों के अंग के रूप में व्यापार नीति का उदारीकरण किया गया तथा आयात प्रतिस्थापन की जगह निर्यात प्रोत्साहन की नीति अपनाई गई जिसने भारत की उन्नति को उद्दीप्त किया है तथा इसके कारण निजी उद्यमों को भारत के उत्पादन उद्यमों की उन्नति में योगदान करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

24. अभिकथन (A) : किसी व्यक्ति को जिन वस्तुओं और सेवाओं से वंचित किया जा सकता है वे पूर्णतया निजी वस्तुएँ होती हैं।

Assertion (A) : Use of goods and services from which one can be excluded are pure private goods.

तर्क (R) : राज्य द्वारा ऐसी वस्तुएँ और सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध नहीं कराई जाती हैं।

Reason (R) : Such goods and services are not provided free by the State.

उत्तर- (B)/व्याख्या निजी वस्तुएँ ऐसी वस्तुएँ हैं जिनमें अपवर्जन का नियम लागू होता है तथा इनका उपभोग प्रतिद्वन्द्विता सहित होता है। इन वस्तुओं की कीमतों तथा मात्रा का निर्धारण बाजार व्यवस्था द्वारा मांग एवं पूर्ति की शक्तियों द्वारा होता है। इस प्रकार किसी व्यक्ति को क्रय शक्ति के अभाव में इन वस्तुओं तथा सेवाओं से वंचित किया जा सकता है। राज्य द्वारा ऐसी वस्तुएँ और सेवाएँ निःशुल्क उपलब्ध नहीं कराई जाती हैं। बल्कि दोनों वस्तुएँ राज्य द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

25. अभिकथन (A) : 'एक देश निर्धन है क्योंकि वो निर्धन है'।

Assertion (A) : 'A country is poor because it is poor'.

तर्क (R) : निर्धन देश की आय न्यून होती है, इसलिये उसकी बचत और निवेश कम होते हैं। कम निवेश उसकी उत्पादन क्षमता को सीमित करता है जिससे न्यून उत्पादन और आय का परिणाम निकलता है।

Reason (R) : Income of a poor country is low, so its savings and investment are low. Low investment limits its productive capacity which leads to low output and income.

उत्तर- (B)/व्याख्या कथन तथा तर्क दोनों मिलकर दरिद्रता के दुष्चक्रों जिनको रेगनर नक्स ने दिया की व्याख्या करते हैं। नक्स के दुष्चक्रों की मांग पक्षीय एवं पूर्ति पक्षीय दोनों प्रकार से व्याख्या सम्भव है।

दिया गया अभिकथन (A) : एक देश निर्धन है क्योंकि वो निर्धन है - नक्स का प्रसिद्ध कथन है।

दिया गया अभिकथन तथा तर्क दोनों मिलकर दरिद्रता के दुष्चक्रों जिनको रेगनर नक्स ने दिया की व्याख्या करते हैं। नक्स के दुष्चक्रों की मांग पक्षीय एवं पूर्ति पक्षीय दोनों प्रकार से व्याख्या संभव है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

26. अभिकथन (A) : समस्त ऐतिहासिक घटनाएँ किसी समाज के विभिन्न समूहों और श्रेणियों के बीच के निरन्तर आर्थिक संघर्ष का परिणाम

होती हैं।

Assertion (A) : *All historical events are the result of a continuous economic struggle between different classes and groups in a society.*

तर्क (R) : *यह संघर्ष उत्पादन की विधि और उत्पादन के एजेंटों की भूमिका को दिये जाने वाले मान के बीच द्वंद्व के कारण होता है।*

Reason (R) : *This struggle is because of the conflict between the mode of production and the value attached to the roles of different agents of production.*

उत्तर- (B)/व्याख्या मार्क्स ने अपने संवृद्धि के सिद्धान्त में इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या प्रस्तुत की तथा दर्शाया कि समस्त ऐतिहासिक घटनाएं समाज के भिन्न-भिन्न वर्गों के बीच लगातार आर्थिक संघर्ष का परिणाम होती हैं। इस संघर्ष का प्रमुख कारण 'उत्पादन की विधि' (mode of production) तथा 'उत्पादन के सम्बन्धों' (relations of production) के बीच विरोध है। मार्क्स के अनुसार प्रत्येक समाज का वर्ग ढांचा सम्पत्तिवान तथा सम्पत्तिहीन वर्गों से बना होता है, चूँकि उत्पादन की विधि में परिवर्तन हो सकता है इसलिए समाज के विकास में एक ऐसी अवस्था आती है जब उत्पादन की शक्तियां समाज के वर्ग ढांचे से टकराती हैं। परिणामस्वरूप वर्ग संघर्ष होता है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

27. अभिकथन (A) : *के./एल. समयान्तर के पश्चात् अनुपात के संतुलित मूल्य की दिशा में समायोजित होता है।*

Assertion (A) : *K/L will adjust through time to the equilibrium value of the ratio.*

तर्क (R) : *क्योंकि उत्पादन में तकनीकी गुणांक स्थिर होते हैं।*

Reason (R) : *Technical coefficients of production are fixed.*

उत्तर- (A)/व्याख्या पूंजी श्रम अनुपात में सन्तुलन मूल्य की ओर समायोजन इसलिए होता है क्योंकि जब एक साधन को अधिक व दूसरे को कम प्रयोग किया जाता है तो गहन साधन की उत्पादकता में कमी आती है उत्पादन में तकनीकी गुणांक स्थिर होने के कारण तकनीकी परिवर्तन नहीं पाया जाता।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

28. अभिकथन (A) : *निवेश में माँग प्रभाव होता है।*

Assertion (A) : *Investment has a demand effect.*

तर्क (R) : *क्योंकि निवेश अर्थव्यवस्था में उत्पादकता तथा आय बढ़ाता है।*

Reason (R) : *Investment augments the productivity and income in the economy.*

उत्तर- (B)/व्याख्या अभिकथन (A) के अनुसार, निवेश में माँग प्रभाव होता है सही है क्योंकि निवेश की भूमिका द्वैत है। जहाँ एक तरफ निवेश अर्थव्यवस्था में उत्पादकता तथा आय बढ़ाता है जबकि दूसरी तरफ पूंजी स्टॉक में वृद्धि लाता है। दूसरी तरफ तर्क (R) क्योंकि निवेश। अर्थव्यवस्था में उत्पादकता तथा आय बढ़ाता है भी सही है।

निवेश आय को बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में माँग सृजित करता है दूसरी तरफ उत्पादकता व पूंजी स्टॉक में वृद्धि से पूर्ति प्रभाव उत्पन्न करता है।
अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

29. अभिकथन (A) : *भारतवासियों की आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि है।*

Assertion (A) : *Agriculture is the main source of livelihood of people in India.*

तर्क (R) : *कृषि क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक उपायों को अपनाया जाना चाहिए।*

Reason (R) : *Measures for agricultural development should be undertaken.*

उत्तर- (A)/व्याख्या अभिकथन के अनुसार भारतवासियों की आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि है सत्य है क्योंकि लगभग 50% जनसंख्या को कृषि क्षेत्र से रोजगार प्राप्त होता है।

यद्यपि यह सत्य है कि कृषि क्षेत्र के विकास तथा उत्पादकता में वृद्धि के लिए आवश्यक उपाय जैसे पर्याप्त सिंचाई साधन, साख की व्यवस्था, निजी एवं सार्वजनिक निवेश में वृद्धि आदि उपाय अपनाये जाने चाहिए तथापि यह भी आवश्यक है कि कृषि में रोजगार निर्भरता कम हो तथा सहायक उद्योगों का विकास हो।

अतः स्पष्ट है कि दोनों (A) और (R) सत्य हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

30. अभिकथन (A) : *निम्नलिखित समाश्रयण समीकरण में $Y = a + bX$, 'a' Y का स्वायत्त मूल्य दर्शाता है।*

Assertion (A) : *In the following regression equation $Y = a + bX$, 'a' shows the autonomous value of Y.*

तर्क (R) : *यदि $X = 0$, $Y = a$ रहता है। अतः a, Y का न्यूनतम मूल्य है जो कि Y पर X के किसी प्रभाव से स्वतन्त्र है।*

Reason (R) : *If $X = 0$, $Y = a$ holds. Hence, a is the minimum value of Y which is independent of any influence of X on Y.*

कूट / Codes:

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the true explanation of (A).

(B) (A) सही है, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(A) is correct, but (R) is not the correct explanation

of (A).

(C) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।

(A) is correct, but (R) is not correct.

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

(A) is incorrect, but (R) is not correct.

उत्तर- (B)/व्याख्या समाश्रयण समीकरण में $Y = a + bx$, 'a', y का स्वायत्त मूल्य दर्शाता है यदि $x = 0$, $y = a$ रहता है अतः a, y का न्यूनतम मूल्य है जो कि y पर x के किसी प्रभाव से स्वतंत्र है।

इससे स्पष्ट होता है कि (A) और (R) दोनों सही हैं। और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

प्रश्न संख्या 31 से 40 पढ़िये और नीचे दिये गये कूट की सहायता से सही क्रम का चयन कीजिए:

Q. Nos. 31-40: Read the questions and select the correct sequence from the codes given below:

31. माँग सिद्धांत के क्रमिक विकास के क्रम की शिनाख्त कीजिए:
Identify the order of chronological development of the theory of demand.

- मार्शल का माँग सिद्धांत/Marshall's theory of demand
- अनधिमान वक्र रेखा/Indifference curves
- स्वप्रकाशित अधिमान सिद्धांत
Revealed preference theory
- माँग का मंद अधिमान क्रम सिद्धांत
Weak Preference ordering theory of demand.

कूट / Codes:

(A) a, c, d, b

(B) d, b, a, c

(C) a, c, b, d

(D) a, b, c, d,

उत्तर- (D)/व्याख्या माँग सिद्धान्त का क्रमिक विकास है:

माँग का सिद्धान्त	वर्ष
(a) मार्शल का सिद्धान्त - उपयोगिता की गणना वाचक माप	1890
(b) अनधिमान वक्र विश्लेषण - हिक्स एण्ड ऐलन	1934
(c) व्यक्त अधिमान सिद्धान्त - सैम्युलसन	1947
(d) माँग का मंद अधिमान क्रम सिद्धान्त - हिक्स	1956

माँग का नियम- मार्शल (1890) कोई व्यक्ति किसी वस्तु की कीमत उसकी उपयोगिता के कारण देता है। किसी वस्तु के लिए उपभोक्ता उपयोगिता से अधिक मुद्रा नहीं देगा और चूँकि उपभोग की वृद्धि के साथ वस्तु की उपयोगिता घटेगी इसलिए कोई भी व्यक्ति किसी वस्तु का उपभोग या माँग में वृद्धि तभी करेगा जब उसका मूल्य गिरे। इस प्रकार मूल्य कम होने पर वस्तु की माँग में वृद्धि होती है। विलोमशः इसे माँग का नियम कहा जाता है।

अनधिमान वक्र विश्लेषण- J हिक्स तथा R.J. Allen (1934) अनधिमान वक्र विश्लेषण उपयोगिता की क्रमवाचक माप पर आधारित है।

अनधिमान वक्र दो वस्तुओं के विभिन्न संयोगों को दर्शाने वाला ऐसा वक्र है जिसके प्रत्येक बिन्दु पर उपभोक्ता को समान संतुष्टि प्राप्त होती है।

अधिमान सिद्धान्त- सैम्युलसन (1947) अधिमान सिद्धान्त बिना अनधिमान वक्र तथा प्रतिबंधित मान्यताओं के उपभोक्ता व्यवहार को दर्शाता है। सैम्युलसन के अनुसार उपभोक्ता के व्यवहार या चुनाव के सिद्धान्त के सम्बन्ध में सभी विश्लेषण उन क्रयों के पर्यवेक्षण के आधार पर किया जा सकता है जिसे कोई उपभोक्ता विभिन्न मूल्यों पर वास्तव में क्रय करता है। यहां विवेकपूर्णता, सकर्मकता तथा स्थिरता की मान्यता ली जाती है।

अर्थात् यदि उपभोक्ता वस्तुओं के एक समय पर (A) बंडल को (B) पर प्राथमिकता देता है तो वह अन्य स्थितियों में B को प्राथमिकता नहीं देगा।

यदि

सकर्मकता-: यदि $A > B$, $B > C$ तब $A > C$ होगा।

माँग का मंद अधिमान क्रम - (1956)

J.R. हिक्स ने 1956 में अपने उपभोक्ता व्यवहार सिद्धान्त में सुधार किया। (A revision of Demand Theory - 1956) यह सुधार व्यक्त अधिमान सिद्धान्त जिसको सैम्युलसन ने प्रतिपादित किया और इसमें सशक्त अधिमान (strong ordering) को माना, के कारण हिक्स ने किया और दर्शाया कि अनधिमान वक्र सिद्धान्त दुर्बल अधिमान (weak ordering) पर आधारित है। हिक्स ने बाद में अधिमान परिकल्पना को प्रमुख माना जो कि उपभोक्ता के आदर्श व्यवहार को दर्शाती है।

32. निम्नलिखित सिद्धांतों के सही कालक्रमिक क्रम को पहचानिए:

Identify the correct chronological order of the following theories:

- मुद्रा का सिद्धांत का कैम्ब्रिज रूप
Cambridge version of quantity theory of money.
- परिमाण सिद्धांत का फिशर रूप
Fisher's version of quantity theory of money.
- मुद्रा की माँग का टोबिन सिद्धांत
Tobin's theory of demand for money.
- बॉमोल का इनवेंट्री माँग सिद्धांत
Baumol's theory of demand for inventory.

कूट / Codes:

(A) c, d, a, b

(B) b, a, d, c

(C) d, a, b, c

(D) a, b, c, d

उत्तर- (B)/व्याख्या

(b) **परिमाण सिद्धान्त का फिशर रूप** मुद्रा का सिद्धान्त का Transaction Version अमेरिका अर्थशास्त्री Irving Fisher द्वारा 1911 में अपनी पुस्तक - The Purchasing Power of Money में प्रदान किया गया था।

फिशर के अनुसार, अन्य चीजें अपरिवर्तित रहते हुए, जैसे-जैसे प्रचलन में मुद्रा की मात्रा बढ़ती है, मूल्य स्तर भी प्रत्यक्ष अनुपात में बढ़ता है और मुद्रा का मूल्य घटता है, विलोमशः

फिशर का समीकरण

$$MV = PT$$

M = Quantity of Money

V = Transaction velocity

P = Price Level

T = Total goods and services transacted

(a) **मुद्रा सिद्धांत का कैम्ब्रिज रूप**

फिशर के मुद्रा के परिमाण सिद्धांत के विकल्प के रूप में मार्शल, पिगु, राबर्टसन तथा केन्स जैसे कैम्ब्रिज के अर्थशास्त्रियों ने (Cash Balance Approach) नकदी शेष सिद्धान्त प्रतिपादित किया।

कैम्ब्रिज समीकरण पहली बार 1917 में पिगु द्वारा लिखित

The Value of Money में छपा था।

पिगु का समीकरण

$$P = \frac{kR}{M}$$

P = Purchasing Power of Money

k = Ratio of money kept in form of Cash

R = Real Income

M = Total quantity of money

मार्शलीय समीकरण

मार्शल के सिद्धांत को फ्रीडमैन में इस समीकरण के माध्यम से व्याख्या की

M = kPY

M = Supply of Money

P = Price level

Y = National Income

k = That part of real income which people tend to keep aside as cash and demand deposit.

राबर्टसन का समीकरण

M = PkT

M = Quantity of Money

P = Price level

T = Total Goods & Services Transacted

k = That part of real income which people tend to keep aside as cash and demand deposit.

केन्स का समीकरण (1923)

P = n/(k+rk')

n = Total quantity of Money

P = Price level

K = Part of money kept for purchasing consumer goods

r = ratio of cash balances out of bank deposits with banks

k' = quantity of money in banks to purchase consumer goods and which people want to keep in banks.

Note : If k, k' and r are assumed to be static then P will change according to changes in 'n'.

(d) **बॉमल का इन्वेन्ट्री माँग सिद्धान्त -**

कीन्स के तरलता अधिमान सिद्धान्त में सुधार करते हुए दर्शाया कि मुद्रा की लेन देन माँग भी आय के साथ-साथ

ब्याज दर का फलन है। तथा ब्याज दर से विपरीत रूप से सम्बन्धित है।

- (c) **मुद्रा का टोबिन सिद्धान्त** - कीन्स के तरलता अधिमान सिद्धान्त से विपरीत टोबिन ने अपने पोर्टफोलियो उपागम में दर्शाया कि व्यक्ति एक समय में नगद या बाण्ड नहीं अपितु दोनों की कुछ मात्रा एक साथ रखता है।

33. निम्नलिखित के सही काल क्रमबद्ध की पहचान कीजिए:

Identify the correct chronological order of the following:

- केंस उपभोक्ता कार्य / Keynes' consumption function
- आयु चक्र प्राक्कल्पना / Life Cycle hypothesis
- सापेक्ष आय प्राक्कल्पना / Relative income hypothesis
- फ्रीडमैन की स्थायी आय परिकल्पना

Friedman's permanent income hypothesis

कूट / Codes:

(A) d, b, a, c

(B) b, a, c, d

(C) a, c, d, b

(D) c, d, b, a

उत्तर- (C)/व्याख्या/ सही कालक्रम है -

	फलन	वर्ष
(a)	कीन्स का उपभोग फलन या निरपेक्ष आय परिकल्पना	1936
(c)	जेम्स ड्यूजनबरी की सापेक्ष आय परिकल्पना	1949
(d)	फ्रीडमैन की स्थायी आय परिकल्पना	1957
(b)	एण्डो एण्ड मोदिगिलियानी की जीवन चक्र परिकल्पना	1963

34. मार्क्स के आर्थिक विकास मॉडल के कालक्रमबद्ध चरणों की पहचान कीजिए:

Identify the correct chronology of stages of Marxian model of economic development.

- पूँजीवादी संकट / Capitalist crisis
- पूँजी संचयन / Capital accumulation
- अतिरेक मूल्य / Surplus value
- इतिहास का पदार्थवादी विश्लेषण

Materialistic interpretation of history

कूट / Codes:

(A) b, a, c, d

(B) c, d, b, a

(C) d, c, b, a

(D) c, b, a, d

उत्तर- (D)/व्याख्या/ मार्क्स के आर्थिक विकास मॉडल के

कालक्रमबद्ध चरण

- अतिरेक मूल्य
 - पूँजी संचयन
 - पूँजीवादी संकट
 - इतिहास का पदार्थवादी विश्लेषण
- Das Capital के लेखक कार्ल मार्क्स ने आर्थिक विकास के सिद्धान्त में 3 प्रसंगों में योगदान दिया, अर्थात्
 - इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या,

- पूंजीवादी विकास की प्रेरक शक्तियों को विशिष्टता प्रदान करने के संकुचित प्रसंग में, तथा
- योजनाबद्ध आर्थिक विकास का वैकल्पिक मार्ग सुझाने के अन्तिम प्रसंग में

मार्क्स के सिद्धान्त में प्रयुक्त महत्वपूर्ण तथ्य

- वस्तु का कुल मूल्य = स्थिर पूंजी + परिवर्ती पूंजी + अतिरेक मूल्य
- कुल पूंजी = स्थिर पूंजी + परिवर्ती पूंजी
(C) + (V)
- पूंजी की संगठित संरचना = स्थिर पूंजी का परिवर्ती पूंजी से अनुपात
Organic Composition of Capital C/V
- अतिरेक मूल्य की दर या शोषण की दर = $\frac{S}{V}$
यहां S = अतिरेक मूल्य

$$\text{लाभों की घटती दर (r)} = \frac{S}{C+V} = \frac{S/V}{C/V+1}$$

35. हैरोड विकास मॉडल की क्रमिक प्रक्रिया है:

The sequencing process of Harrod's model of development is

- सामान्य वृद्धि दर / Natural growth rate
- अभीष्ट वृद्धि दर / Warranted growth rate
- वास्तविक वृद्धि दर / Actual growth rate
- अपसारिता / Divergence

कूट / Codes:

- (A) d, c, b, a (B) c, b, a, d
(C) b, a, d, c (D) a, d, c, b

उत्तर- (B) व्याख्या हैरोड विकास मॉडल की क्रमिक प्रक्रिया

- (c) वास्तविक वृद्धि दर G_a
(b) अभीष्ट वृद्धि दर G_w
(a) सामान्य या प्राकृतिक वृद्धि दर G_n
(d) अपसारिता Divergence (चाकूधार समस्या)
हैरोड ने अपने विकास मॉडल में 3 वृद्धि दरों की चर्चा की।
वास्तविक वृद्धि दर (G) वह दर है जिसे समस्त साधनों के प्रयोग से प्राप्त किया जाता है। इसको बचत अनुपात व पूंजी अनुपात तय करते हैं।

$$GC = s$$

यहां G समय की दी हुई अवधियों में उत्पादन की वृद्धि दर है और

$\frac{\Delta y}{y}$ से व्यक्त की जा सकती है, C पूंजी में किया गया शुद्ध योग है

इसे $\frac{I}{\Delta y}$ से व्यक्त की जा सकती है।

s - औसत बचत प्रवृत्ति है। अर्थात् $s \frac{S}{y}$

$$\text{इस प्रकार } \frac{\Delta y}{y} \times \frac{I}{\Delta y} = \frac{S}{y}$$

$$\text{or } \frac{I}{y} \times \frac{S}{y} = I = S$$

अभीष्ट वृद्धि दर (G_w) किसी अर्थव्यवस्था में आय की पूर्ण क्षमता वृद्धि दर होती है। यह उत्पादकों की आकांक्षाओं को व्यक्त करती है। इस पर उत्पादक संतुष्ट होंगे व मांग इतनी अधिक होगी कि जो भी उत्पादन होगा जायेगा।

$$G_w = C_r = s$$

G_w = अभीष्ट वृद्धि दर यह पूंजी के बढ़ते स्टॉक को पूरा करेगी।
 C_r - पूंजी आवश्यकतायें हैं तो वृद्धि की अभीष्ट दर को बनाये रखने के लिए आवश्यक पूंजी की मात्रा को दर्शाती है। अर्थात् यह पूंजी उत्पाद अनुपात है।

पूर्ण रोजगार संतुलन के लिए G तथा G_w बराबर होना चाहिए और वास्तविक पूंजी पदार्थ (C) इच्छित पूंजी पदार्थ (C_r) के बराबर हो। सहज या प्राकृतिक वृद्धि दर - यह दर समष्टि चरों पर निर्भर करती है। जैसे जनसंख्या, प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक साधन तथा पूंजी उपकरण। इसे वृद्धि की पूर्ण रोजगार दर अथवा वृद्धि की सामान्य दर कहा जाता है। इसके लिए समीकरण है

$$G_n \cdot C_r = o_r \neq s$$

अपसारिता (Divergence)

पूर्ण रोजगारीय वृद्धि के लिए $G_n = G_w = G$ होना चाहिए जो **छुरी धार सन्तुलन** है। यदि इन दरों में कोई विचलन होता है तो अर्थव्यवस्था दीर्घकालीन अस्थिरता अथवा स्फीति की परिस्थितयों उत्पन्न करेगी।

यदि $G > G_w$ - निवेश बचतों से ज्यादा बढ़ेगा और आय में G_w की अपेक्षा तीव्रता से वृद्धि होगी।

यदि $G < G_w$ - आय की वृद्धि G_w की अपेक्षा कम होगी।

$G_w > G_n$ - दीर्घकालीन गतिहीनता व दीर्घकालीन मन्दी उत्पन्न होगी।

or ($c > c_r$)

यदि $G_w < G_n$ - दीर्घकालीन स्फीति होगी।

36. सार्क (एसएएआरसी) सदस्यों के शिखर सम्मेलनों को जिस क्रम में आयोजित हुए उस क्रम में दर्शाइए।

Arrange the following summits of SAARC members in order in which these were organized:

- नई दिल्ली / New Delhi
- बैंगलोर / Bangalore
- इस्लामाबाद / Islamabad
- काठमांडू / Kathmandu

कूट / Codes:

- (A) a, c, d, b (B) a, b, c, d
(C) b, d, c, a (D) c, b, a, d

उत्तर- (C) व्याख्या सार्क सदस्यों के शिखर सम्मेलन

शहर	प्रथम आयोजन
(b) बैंगलोर	17-18 नवंबर, 1986
(d) काठमांडू	2-4 नवंबर, 1987
(c) इस्लामाबाद	29-31 दिसंबर, 1988
(a) नई दिल्ली	2-4 मई, 1995

सार्क (South Asian Association For Regional Co-operation)

दक्षिण एशिया के देशों का अंतर सरकारी संगठन और भू राजनीतिक संघ है। इसकी स्थापना 8 दिसंबर 1985 में ढाका, बांग्लादेश में हुई।
इसके सदस्य देश है-

- (i) अफगानिस्तान (2005 में सदस्यता ग्रहण)
- (ii) बांग्लादेश
- (iii) भूटान
- (iv) भारत
- (v) मालदीव
- (vi) नेपाल
- (vii) पाकिस्तान
- (viii) श्रीलंका

अब तक सार्क के 19 शिखर सम्मेलन हो चुके हैं-

	Date	City	Country
1.	7-8 December, 1985	Dhaka	Bangladesh
2.	17-18 November, 1986	Bangalore	India
3.	2-4 November, 1987	Kathmandu	Nepal
4.	29-31 December, 1988	Islamabad	Pakistan
5.	21-23 November, 1990	Male	Maldives
6.	21st December, 1991	Colombo	Sri Lanka
7.	10-11 April, 1992*	Dhaka	Bangladesh
8.	2-4 May, 1995	New Delhi	India
9.	12-14 May, 1997	Male	Maldives
10.	29-31 July, 1998	Colombo	Sri Lanka
11.	4 - 6 January, 2002	Kathmandu	Nepal
12.	4-6 January, 2004	Islamabad	Pakistan
13.	12-13 November, 2005	Dhaka	Banladesh
14.	3-4 April, 2007	New Delhi	India
15.	1-3 August, 2008	Colombo	Sri Lanka
16.	28-29 April, 2010	Thimphu	Bhutan
17.	10-11 November, 2011	Addu City	Maldives
18.	26-27 November, 2014	Kathmandu	Nepal
19.	15-16 November, 2016**	Islamabad	Pakistan

* The seventh summit was postponed and held in 1993

** Following Uri attack 19th summit was cancelled. India cancelled its participation in the 20th summit followed by Bangladesh, Afghanistan, Bhutan, Maldives and Sri Lanka.

37. अदायगी लेखा के बकाया संरचना में निम्न मदों को उनकी सम्मिलितता के अनुसार क्रमबद्ध कीजिए:

Arrange the structure of balance of payments accounts in which these items appear:

- a. पूँजी लेखा / Capital account
- b. भूल और त्रुटियाँ / Errors and omissions
- c. चालू लेखा / Current account
- d. कार्यालय निपटान लेखा / Official settlements account

कूट / Codes:

- (A) a, b, c, d (B) c, a, d, b
(C) d, c, b, a (D) c, d, a, b

उत्तर- (B) व्याख्या अदायगी लेखा के बकाया संरचना में सम्मिलितता के अनुसार क्रम बद्धता-

- (c) चालू लेखा
- (a) पूँजी लेखा
- (b) भूल और त्रुटियाँ
- (d) कार्यालय निपटान लेखा

भुगतान संतुलन- भुगतान संतुलन किसी निश्चित समयावधि (सामान्यतः एक वित्तीय वर्ष) में किसी देश के विश्व के अन्य सभी देशों से किए गए सम्पूर्ण लेन-देनों का लेखा जोखा होता है।

भुगतान संतुलन में मुख्य रूप से 2 खाते चालू खाता व पूँजी खाता होता है तथा इसके 4 भाग हैं-

- (i) **चालू खाता** - दृश्य एवं अदृश्य व्यापार व प्राथमिक एवं द्वितीयक आय से मिलकर बना खाता
- (ii) **पूँजी खाता** - अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक ऋण प्रविष्टियाँ एवं गैर ऋण प्रविष्टियों का खाता
- (iii) कार्यालय निपटान लेखा
- (iv) भूल एवं त्रुटियाँ

38. निम्नलिखित के वित्त आयोग के चेयरमैन के रूप में नियुक्ति की क्रमबद्धता को बताइये:

State the order of the appointment of the following as chairman of Finance Commission:

- a. के.सी. नियोगी / K. C. Neogy
- b. के. ब्रह्मानन्द रेड्डी / K. Brahmanand Reddy
- c. एन.के.पी. साल्वे / N.K. P. Salve
- d. ए.के. चन्दा / A.K. Chanda

कूट / Codes:

- (A) a, c, b, d (B) a, d, b, c
(C) a, c, d, b (D) a, b, d, c

उत्तर- (B) व्याख्या

चेयरमैन	वित्त आयोग	वर्ष
(a) के. सी. नियोगी	प्रथम वित्त आयोग	1952-57
(d) ए. के. चन्दा	तृतीय वित्त आयोग	1962-66
(b) के. ब्रह्मानन्द रेड्डी	छठवाँ वित्त आयोग	1974-79
(c) एन. के. पी. साल्वे	नौवाँ वित्त आयोग	1989-95
Dr. Y. V. Reddy	चौदहवाँ वित्त आयोग	2015-2020
N.K. Singh	पन्द्रहवाँ वित्त आयोग	2020-2026

39. निम्नलिखित को उनके लागू होने के कालानुसार क्रमबद्ध कीजिए:

Indicate the sequence of the following in terms of the implementation.

- a. आयकर / Income Tax
- b. व्यय कर / Expenditure Tax
- c. मूल्य वर्धित कर (वैट) / Value Added Tax
- d. अनुषंगी लाभ कर / Fringe Benefits Tax

कूट / Codes:

- (A) a, c, b, d (B) a, b, c, d
(C) b, c, d, a (D) c, d, a, b

उत्तर- (B) / व्याख्या		
क्र		वर्ष
(a)	आयकर	भारत में आयकर संघीय सूची (7वीं अनुसूची) का भाग है। तथा Income tax Act - 1961 से शासित होता है।
(b)	व्यय कर	1987 (वर्तमान में व्यय कर नहीं लगाया जाता)
(c)	मूल्य वर्धित कर (VAT)	1 अप्रैल 2005
(d)	अनुषंगी लाभ कर (Fringe Benefit tax)	2005

40. निम्नलिखित को उनके विकसित होने के क्रम में जमाइए:

Determine the order in which the following were developed

- दो निदर्शनों से अधिक के माध्यों के बीच अंतर का फिशर का F सार्थकता परीक्षण
Fisher's F test of significance of differences between the means of more than two samples.
- दो निदर्शनों के माध्यों के बीच अंतर का गॉसेट का t परीक्षण
Gosset's t-test of difference between the means of two samples.
- पियरसन का सहसंबंध गुणांक
Pearson's correlation coefficient.
- स्पियरमैन का कोटि सहसंबंध गुणांक
Spearman's rank correlation coefficient.

कूट / Codes:

- (A) a, b, c, d (B) b, a, c, d
(C) c, b, a, d (D) d, a, b, c

उत्तर- (C) / व्याख्या / विकसित होने के क्रम में -

- कार्ल पियरसन का सहसम्बन्ध गुणांक
- दो निदर्शनों से अधिक के माध्यों के बीच अंतर का फिशर का F सार्थकता परीक्षण
- दो निदर्शनों के माध्यों के बीच अन्तर का गॉसेट का t परीक्षण
- स्पियरमैन का कोटि सहसम्बन्ध गुणांक

प्रश्न नं. 41-50: निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़िये और सूची-I तथा II से मदों का मिलान कीजिए। उत्तर के लिए नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करें।

Q. Nos. 41-50 : Read the following questions and match the correct pair from List - I and II. Use the codes given below for answering:

41. सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- कुँचित माँग वक्र परिकल्पना
Kinked demand curve hypothesis
 - अल्पाधिकार का विक्रय अधिकतमीकरण मॉडल
- विलियम बॉमोल
William Baumol
 - पॉल स्वीजी
Paul Sweezy

Sales maximization model of oligopoly

- समाज कल्याण मानदण्ड
Social Welfare Criterion
 - अदृश्य शक्ति नियम
Law of Invisible hand
- एडम स्मिथ
Adam Smith
 - बर्गसन
Bergson

कूट / Codes:

	a	b	c	d
(A)	4	3	1	2
(B)	2	1	4	3
(C)	2	3	1	4
(D)	1	4	3	2

उत्तर- (B) / व्याख्या / सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(a) विकुंचित माँग वक्र परिकल्पना	(2) पॉल स्वीजी
(b) अल्पाधिकार का विक्रय अधिकतमीकरण मॉडल	(1) विलियम बॉमोल
(c) समाज कल्याण मानदण्ड	(4) बर्गसन
(d) अदृश्य शक्ति नियम	(3) एडम स्मिथ

● प्रो. बर्गसन ने समाज कल्याण फलन को सबसे पहले प्रस्तुत किया बाद में सैम्युलसन, टिंटनर तथा ऐरो ने इसका विकास किया। समाज कल्याण उन साधनों को प्रकट करता है जिन पर एक समाज का कल्याण निर्भर है। प्रो. बर्गसन के अनुसार “या तो समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति के कल्याण का फलन होता है या फिर समुदाय के प्रत्येक व्यक्ति द्वारा उपभोग की गई वस्तुओं तथा प्रदान की गई सेवाओं का फलन सामाजिक कल्याण फलन होता है।

● प्रो. बॉमल ने अपनी पुस्तक Business Behaviour, Value and Growth (1967) में विक्रय आय अधिकतमीकरण पर आधारित फर्म का प्रबंधकीय सिद्धान्त प्रस्तुत किया। बॉमल ने स्थैतिक तथा प्रावैगिक 2 मॉडलों की व्याख्या की।

42. सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- उपभोग का मनो-वैज्ञानिक नियम
Psychological Law of Consumption
 - ब्याज का समय अधिमान सिद्धांत
Time preference theory of interest
 - लोक विकल्प दृष्टिकोण
Public Choice View
 - खुली अर्थव्यवस्था का IS-LM मॉडल
Open Economy IS-LM model
- इरविंग फिशर
Irving Fisher
 - जे.एम. कीन्स
J.M. Keynes
 - मुन्डेल एवं फ्लेमिंग
Mundell and Fleming
 - गॉर्डन टुल्लोक
Gorden Tullock

कूट / Codes:

	a	b	c	d
(A)	3	2	4	1
(B)	4	1	3	2
(C)	2	1	4	3
(D)	1	3	4	2

उत्तर- (C) व्याख्या सही सुमेलन है -

	सूची-I	सूची-II
(a)	उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम	(2) जे. एम कीन्स
(b)	ब्याज का समय अधिमान सिद्धान्त	(1) इरविंग फिशर
(c)	लोक विकल्प दृष्टिकोण	(4) गॉर्डन टुल्लोक
(d)	खुली अर्थव्यवस्था में IS-LM मॉडल	(3) मुण्डेल एवं फ्लेमिंग

43. सूची-I / List-I सूची-II / List-II

a. मध्याह्न भोजन स्कीम Mid-day meal scheme	1. 2006
b. M-NREGA का क्रियान्वयन Implementation of M-NREGA	2. 1995
c. नकदी रिज़र्व अनुपात Cash Reserve Ratio	3. वित्त आयोग Finance Commission
d. विभाज्य कर Divisible Taxes	4. भारतीय रिज़र्व बैंक Reserve Bank of India

कूट / Codes:

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	4	2	3	1
(D)	3	4	1	2

उत्तर- (B) व्याख्या

	सूची-I	सूची-II
(a)	मध्याह्न भोजन योजना	(2) 1995
(b)	M-NREGA का क्रियान्वयन	(1) 2006
(c)	नगदी रिज़र्व अनुपात	(4) भारतीय रिज़र्व बैंक
(d)	विभाज्य कर	(3) वित्त आयोग

मध्याह्न भोजन योजना - 1995 से प्रारम्भ 2007-08 में विस्तार 2013 से National Food Security Act के अन्तर्गत संचालित **M-NREGA** - National Rural Employment Guarantee Act, 2005 यह योजना 2 फरवरी 2006 से प्रारम्भ की गई बाद में 1 अप्रैल 2008 से इसे पूरे देश में लागू किया गया तथा 1 अक्टूबर 2009 को इसे NREGA से MGNREGA कर दिया गया।

विभाज्य कर- विभाज्य कर केन्द्र की निवल कर आय का वह हिस्सा है जिसे केन्द्र सरकार को वित्त आयोग की सिफारिशों पर राज्यों को देना होता है। इसमें Surcharges व cess शामिल नहीं होते।

44. सूची-I / List-I सूची-II / List-II

a. मौद्रिक नीति Monetary Policy	1. कर की दर Tax Rate
b. व्यापार नीति Trade Policy	2. मार्जिन मनी (सीमान्त मुद्रा) Margin Money
c. साख नीति Credit Policy	3. आयात तथा निर्यात Imports and Exports
d. राजकोषीय नीति Fiscal Policy	4. बैंक दर Bank Rate

कूट / Codes:

	a	b	c	d
(A)	4	3	2	1
(B)	4	2	3	1
(C)	3	2	1	4
(D)	2	1	4	3

उत्तर- (A) व्याख्या सही सुमेलन है -

	सूची-I	सूची-II
(a)	मौद्रिक नीति	(4) बैंक दर
(b)	व्यापार नीति	(3) आयात तथा निर्यात
(c)	साख नीति	(2) मार्जिन मनी (सीमान्त मुद्रा)
(d)	राजकोषीय नीति	(1) कर की दर

45. सूची-I / List-I सूची-II / List-II

a. जे.एम. बुकानन J.M. Buchanan	1. लोक व्यय के नियम Canons of Public Expenditure
b. फिंडले शिरास Findlay Shirras	2. कार्यात्मक वित्त Functional Finance
c. आर. एन. भार्गव R. N. Bhargava	3. लोक-विकल्प सिद्धांत Public-Choice Theory
d. ए.पी. लर्नर A.P. Lerner	4. संघीय वित्त Federal Finance

कूट / Codes:

	a	b	c	d
(A)	3	2	1	4
(B)	3	1	4	2
(C)	2	3	1	4
(D)	1	4	3	2

उत्तर- (B) व्याख्या सही सुमेलन है -

	सूची-I	सूची-II
(a)	जे. एम बुकानन	(3) लोक विकल्प सिद्धांत
(b)	फिंडले शिरास	(1) लोक व्यय के नियम
(c)	आर एन. भार्गव	(4) संघीय वित्त
(d)	ए. पी. लर्नर	(2) कार्यात्मक वित्त

- 46.** सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- a. पूंजी की जैव रचना 1. हर्षमैन
Organic Composition of Capital Hirschman
- b. प्राकृतिक नियम का सिद्धांत 2. शुम्पीटर
Doctrine of Natural Law Schumpeter
- c. नवीनीकरण 3. मार्क्स
Innovation Marx
- d. असन्तुलित विकास का सिद्धांत 4. एडम स्मिथ
Doctrine of Unbalanced Growth Adam Smith

कूट / Codes:

	a	b	c	d
(A)	3	4	2	1
(B)	4	3	1	2
(C)	2	1	3	4
(D)	1	2	4	3

उत्तर- (A) व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची-I	सूची-II
(a) पूंजी की जैविक संरचना	(3) मार्क्स
(b) प्राकृतिक नियम का सिद्धान्त	(4) एडम स्मिथ
(c) नवीनीकरण (नवप्रवर्तन)	(2) शुम्पीटर
(d) असन्तुलित विकास का सिद्धान्त	(1) हर्षमैन

- 47.** सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- a. निम्न आय सन्तुलन फन्दा 1. कार्ल मार्क्स
Low Income Equilibrium Trap Karl Marx
- b. दरिद्रता माप 2. एडम स्मिथ
Poverty Measurement Adam Smith
- c. अबंधता (मुक्त व्यापार) 3. नेल्सन
Laissezfair Nelson
- d. औद्योगिक रिजर्व सेना 4. सुरेश तेंदुलकर
Industrial Reserve Army Suresh Tendulkar

कूट / Codes:

	a	b	c	d
(A)	1	2	4	3
(B)	3	4	2	1
(C)	4	3	1	2
(D)	2	1	3	4

उत्तर- (B) व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची-I	सूची-II
(a) निम्न आय संतुलन फन्दा	(3) नेल्सन
(b) दरिद्रता माप	(4) सुरेश तेन्दुलकर समिति (2009)
(c) अबंधता (मुक्त व्यापार)	(2) एडम स्मिथ, हैबरलर
(d) औद्योगिक रिजर्व सेना	(1) कार्ल मार्क्स

- 48.** सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- a. निरपेक्ष लागत लाभ नियम 1. हैबरलर
Law of Absolute Cost Advantage Haberler
- b. तुलनात्मक लागत लाभ का सिद्धांत 2. हैक्सर ओहलिन
Doctrine of Comparative Cost Advantage Heschler-Ohlin
- c. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धांत 3. एडम स्मिथ
Modern Theory of International Trade Adam Smith
- d. अवसर लागत सिद्धांत 4. रिकार्डो
Opportunity Cost Principle Ricardo

कूट / Codes:

	a	b	c	d
(A)	4	2	1	3
(B)	3	4	2	1
(C)	2	3	4	1
(D)	1	4	3	2

उत्तर- (B) व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची-I	सूची-II
(a) निरपेक्ष लागत लाभ नियम	(3) एडम स्मिथ
(b) तुलनात्मक लागत लाभ सिद्धान्त	(4) रिकार्डो
(c) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आधुनिक सिद्धान्त	(2) हैक्सर ओहलिन
(d) अवसर लागत सिद्धान्त	(1) हैबरलर

- 49.** सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- a. मौद्रिकवाद 1. आर.एफ. काहन
Monetarism R.F. Kahn
- b. रोजगार गुणक 2. टी. हैवलमो
Employment multiplier T. Havelmo
- c. संतुलित बजट का गुणक प्रभाव 3. जॉन मुथ
Multiplier effect of balance budget John Muth
- d. तार्किक प्रत्याशा प्राक्कल्पना 4. मिल्टन फ्रीडमैन
Rational expectation hypothesis Milton Friedman

कूट / Codes:

	a	b	c	d
(A)	2	4	3	1
(B)	4	1	2	3
(C)	1	3	4	2
(D)	3	2	1	4

उत्तर- (B) व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची-I	सूची-II
(a) मौद्रिकवाद	(4) मिल्टन फ्रीडमैन
(b) रोजगार गुणक	(1) आर.एफ. काहन
(c) संतुलित बजट का गुणक प्रभाव	(2) टी. हैवलमो
(d) तार्किक प्रत्याशा प्राकल्पना	(3) जॉन मुथ

50. सूची-I / List-I

a. संभाव्यता सिद्धान्त

Theory of Probability

b. माध्य

Mean

c. सामान्य वितरण

Normal Distribution

d. प्रतिदर्श (सैंपल)

Sample

सूची-II / List-II

1. वितरण को निरूपित करने वाला एकल मान

Single value to represent distribution

2. अनिश्चित घटनाएँ

Uncertain events

3. जनसंख्या का लघु प्रतिरूप

Mini replica of population

4. M (माध्य) $+ -3(\text{sig}, \text{ma})$ के अन्दर लगभग कुल क्षेत्र के प्रति सममित
Symmetrical with almost total area with in M (mean) $+ -3$ (sig, ma)

कूट / Codes:

	a	b	c	d
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	2	1	4	3
(D)	4	1	2	3

उत्तर- (C) व्याख्या सही सुमेलन है -

सूची-I	सूची-II
(a) संभाव्यता सिद्धान्त	(2) अनिश्चित घटनाएँ
(b) माध्य	(1) वितरण को निरूपित करने वाला एकल मान
(c) सामान्य वितरण	(4) M (माध्य) $+ -3(\text{Sig}, \text{ma})$ के अन्दर लगभग 99.73% का क्षेत्र जो सममित वितरण दर्शाता है।
(d) प्रतिदर्श (Sample)	(3) जनसंख्या (Population or universe) का लघु प्रतिरूप

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

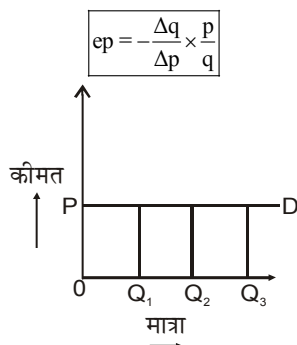
1. माँग वक्र, जो क्षैतिज अक्ष के समानांतर है और मात्रा दर्शाती है, की कीमत लोच निम्नलिखित के बराबर होती है :

A demand curve, which is parallel to the horizontal axis, showing quantity, has the price elasticity equal to

- (A) शून्य / Zero
(B) अनन्त / Infinity
(C) एक से कम / Less than one
(D) एक / One

उत्तर- (B) व्याख्या जब माँग वक्र क्षैतिज अक्ष के समानांतर होता है तो कीमत लोच अनन्त होती है।

किसी वस्तु के मूल्य में होने वाले आनुपातिक परिवर्तन के परिणामस्वरूप मात्रा में होने वाले आनुपातिक परिवर्तन को माँग की लोच कहा जाता है।



2. यद्यपि एकाधिकारी जो चाहे कीमत ले सकता है लेकिन वह सन्तुलन स्तर की कीमत से अधिक कीमत नहीं लेते क्योंकि :
Although a monopolist can charge any price he likes, but does not charge a higher price than his equilibrium price because

- (A) अधिक कीमत का अर्थ है कुल राजस्व कम हो जाना।
higher price means fall in total revenue.
(B) फर्म के माँग वक्र (कर्व) के बेलोच खंड में अधिक कीमत होती है अर्थात् सीमान्त राजस्व नकारात्मक होगा।
higher price can be charged only on that segment of firm's demand curve which is price inelastic implying that the marginal revenue will be negative.
(C) एकाधिकार के अंतर्गत उच्च कीमत लाभ अधिकतमीकरण के लक्ष्यों के असंगत होती है।
it is inconsistent with profit maximization goal under monopoly.
(D) उत्पादन की प्रासंगिक सीमा पर सीमान्त लागतें नकारात्मक होंगी।
marginal cost will be negative over the relevant range of output.

उत्तर- (A) व्याख्या यद्यपि एकाधिकारी जो चाहे कीमत ले सकता है लेकिन वह सन्तुलन स्तर की कीमत से अधिक कीमत नहीं लेते क्योंकि अधिक कीमत का अर्थ है कुल राजस्व कम हो जाना।

एकाधिकार एक ऐसी स्थिति है जहाँ किसी वस्तु का अकेला उत्पादक एवं विक्रेता होता है। तथा वस्तु का निकट प्रतिस्थानापन्न उपलब्ध नहीं होता। एकाधिकारी की दशा में सदैव कीमत, सीमान्त आगम से अधिक होती है। क्योंकि कोई एकाधिकारी माँग वक्र के इकाई लोच (मध्य भाग) से ऊपर उत्पादन करता है इसलिए अधिक मात्रा बेचने के लिए उसे कीमत में कमी लानी पड़ती है। एकाधिकारी एक समय में या तो उत्पादन की कीमत तय कर सकता है अथवा उत्पादन की मात्रा।

सामान्यतः एकाधिकारी सन्तुलन स्तर की कीमत से अधिक कीमत नहीं लेते हैं क्योंकि अधिक कीमत होने पर माँग कम हो जाएगी जिससे कुल राजस्व कम हो जाएगा।

3. निम्नलिखित में से कौन सी स्थिति न्यूनतम लागत आउटपुट संयोजन बताती है?

Which of the following conditions specify the least cost-output combination?

- (A) $P_L / P_K = MRTS$
(B) $P_L / P_K = MP_L / MP_K$
(C) $MP_K / MP_L = dL/dK$
(D) उपर्युक्त सभी / All the above

उत्तर- (D) व्याख्या न्यूनतम लागत आउटपुट का अर्थ है दिए गए उत्पादन स्तर को न्यूनतम लागत संयोग पर प्राप्त करना। संतुलन स्तर पर न्यूनतम लागत संयोग वहाँ प्राप्त होगा जहाँ एक साधन की सीमान्त उत्पादकता एवं उसकी कीमत का अनुपात बराबर हो। इसके साथ ही संतुलन बिन्दु पर तकनीकी प्रतिस्थापन की सीमान्त दर (MRTS), साधनों के कीमत अनुपात के बराबर होने चाहिए।

इस प्रकार न्यूनतम लागत आउटपुट संयोजन पर

- (A) $\frac{P_L}{P_K} = MRTS$ (B) $\frac{P_L}{P_K} = \frac{MP_L}{MP_K}$
(C) $\frac{MP_K}{MP_L} = \frac{dL}{dK}$

4. 'स्वीजी के ऑलिगोपोली मॉडल' की स्थिति में निम्नलिखित में से कौन सा संगत नहीं है?

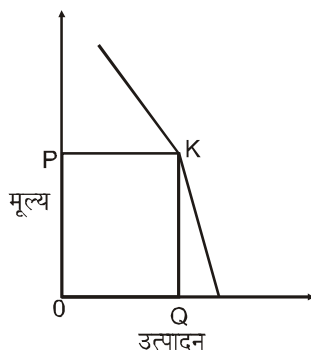
Which of the following is not relevant in case of Sweezy's oligopoly model?

- (A) एक फर्म द्वारा कीमत में कटौती का प्रतिस्पर्धी फर्म द्वारा अपनाया जाना।
A price cut by a firm is followed by the price cut by the rival firms.
- (B) कीमत में बढ़ोतरी को प्रतिस्पर्धी फर्म द्वारा न अपनाया।
Price hike is not followed by the rival firms.
- (C) इनमें से किसी एक द्वारा किए गए कीमत परिवर्तन पर फर्मों की प्रतिक्रिया न होना।
Firms do not react to price change made by one of the firms.
- (D) प्रतिस्पर्धी द्वारा सभी प्रकार के कीमत परिवर्तनों का फर्मों पर असर होना।
Firms react to all kinds of price changes made by the rival.

उत्तर- (D) व्याख्या अल्पाधिकार में कीमत दृढ़ता एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसकी व्याख्या के लिए पॉल एम स्वीजी ने विकुंचित मांग वक्र सिद्धान्त प्रस्तुत किया।

विकुंचित मांग वक्र सिद्धान्त अल्पाधिकारी बाजार में कीमत निर्धारण की व्याख्या नहीं करता यह मात्र इतना बताता है कि जब एक बार अल्पाधिकारी बाजार में कीमतें तय हो जाती हैं तो यह अपरिवर्तित अथवा स्थिर क्यों होती है।

विकुंचित मांग वक्र दर्शाता है कि मांग वक्र का वह भाग जो विकुंचन बिन्दु से ऊपर होता है वह अधिक लोचदार जबकि विकुंचन बिन्दु से नीचे का भाग कम लोचदार होता है।



इसके अनुसार

- यदि एक फर्म द्वारा कीमत में कटौती की जाती है तो सभी फर्म इसका अनुसरण करती हैं।
 - यदि एक फर्म कीमत में बढ़ोतरी करती है तो प्रतिस्पर्धी फर्म अनुसरण नहीं करती।
- इस प्रकार अल्पाधिकारी बाजार में कीमत दृढ़ता की स्थिति पाई जाती है।

5. आभासी लगान उत्पादन के कारक के लिए प्रतिफल है जो कि होता है :

Quasi rent is the reward to a factor of production which is

- (A) अल्प-अवधि में आर्थिक लगान लेकिन दीर्घ अवधि में अंतरण आय।
Economic rent in the short run but transfer earnings in the long run.

- (B) अल्प-अवधि में अंतरण आय।
Transfer earnings in the short run.
- (C) अल्प तथा दीर्घ दोनों ही अवधियों में अंतरण आय।
Transfer earnings both in the short and long run.
- (D) अल्प तथा दीर्घ दोनों अवधियों में आर्थिक लगान।
Economic rent both in the short and long run.

उत्तर- (A) व्याख्या आभासी लगान उत्पादन के कारण के लिये प्रतिफल है जो कि अल्प-अवधि में आर्थिक लगान लेकिन दीर्घ अवधि में अंतरण आय होती है।

आभास लगान विशुद्ध लगान से भिन्न है। विशुद्ध लगान तो उत्पादन के उन साधनों को प्राप्त होता है जिनकी पूर्ति अल्पकाल एवं दीर्घकाल दोनों में ही स्थिर रहती है।

आभास लगान सिद्धान्त का प्रतिपादन प्रो० मार्शल ने किया तथा अल्पकाल में स्थिर साधन द्वारा अर्जित आय को मार्शल ने आभास लगान कहा। मार्शल के अनुसार 'आभास लगान उस अतिरिक्त आय को कहते हैं जो उत्पादन के साधनों की पूर्ति के अल्पकाल में सीमित होने के कारण होती है।

उत्पादन प्रक्रिया में अल्पकाल में कुछ साधन/एक साधन परिवर्तनीय जबकि अन्य सभी स्थिर रहते हैं। परिवर्तनीय साधनों को उनकी सीमान्त उत्पादकता के बराबर प्रतिफल प्राप्त होता है इसलिए परिवर्तनीय साधनों को लगान प्राप्त नहीं होता लगान केवल स्थिर साधनों को उनकी स्थिरता की प्रवृत्ति के कारण प्राप्त होता है।

आभास लागत = कुल आय (TR) – कुल परिवर्तनीय लागत (TVC)

6. ऋण देय निधि सिद्धान्त (लोनेबल फंड थ्योरी) के अनुसार ब्याज दर निम्नलिखित में से किसका फलन है ?

According to the Loanable Funds Theory, the rate of interest is a function of

- (A) निवेश / Investment
- (B) धन संग्रह की इच्छा / Desire to hoard money
- (C) धन की मात्रा / Quantity of money
- (D) उपर्युक्त सभी / All the above

उत्तर- (D) व्याख्या ऋण देय निधि सिद्धान्त (Loanable Fund Theory) के अनुसार ब्याज दर निवेश, धन संग्रह की इच्छा, धन की मात्रा का फलन है।

नव क्लासिकल या ऋण योग्य निधि सिद्धान्त साख की मांग और पूर्ति के रूप में ब्याज निर्धारण की व्याख्या करता है। इस सिद्धान्त को विकसित करने का श्रेय विकसेल, बर्टिल ओहलिन राबर्टसन, लिंडहाल, वाइनर आदि को जाता है। इस सिद्धान्त के अनुसार बचत करने की भावना, प्रतीक्षा, समय अधिमानता तथा पूँजी की उत्पादकता ही केवल ब्याज दर को निर्धारित नहीं करते बल्कि मुद्रा का संचय एवं असंचय बैंकों द्वारा मुद्रा का सृजन उपभोग के लिए मुद्रा ऋण की मांग भी ब्याज दर निर्धारित करते हैं।

इस प्रकार ब्याज दर मौद्रिक एवं गैर मौद्रिक दोनों प्रकार की शक्तियों द्वारा तय होता है।

ऋण योग्य निधियों की मांग: सरकार, व्यापारी, उपभोक्ता जिन्हें निवेश संग्रह एवं उपभोग के लिए निधियों की जरूरत होती है।

ऋण योग्य निधियों की पूर्ति: इनमें पूर्ति बचतों, विसंग्रह तथा बैंक उधार शामिल होते हैं।

$$V = F(I, S, M, L)$$

V = ब्याज दर

I = विनियोग

S = बचत

M = बैंक साख

L = संचय करने की इच्छा

ब्याज दर का निर्धारण वहां होगा जहां

ऋण योग्य कोषों की मांग (DL) = ऋण योग्य कोषों की पूर्ति

7. वितरण के सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त का विश्लेषण करते समय, क्लार्क ने निम्नलिखित में से किस पर अधिक जोर दिया ?

While analyzing the marginal productivity theory of distribution, Clark gave more emphasis on.

(A) श्रम के लिए माँग पर / Demand for Labour

(B) श्रम आपूर्ति पर / Supply of Labour

(C) श्रम की आपूर्ति तथा माँग दोनों पर

Both Demand as well as Supply of Labour

(D) लाभ अधिकतमीकरण पर / Profit Maximization

उत्तर- (A) व्याख्या वितरण के सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त का विश्लेषण करते समय क्लार्क ने श्रम के लिए माँग पर अधिक जोर दिया।

वितरण के सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त का विश्लेषण 1902 में जे०बी० क्लार्क के 'The Distribution of wealth' में प्राप्त होता है। इसके अनुसार उत्पादन के विभिन्न साधनों को उनकी सीमान्त उत्पादकता के बराबर पारितोषिक प्राप्त होता है। क्लार्क ने दर्शाया कि 'स्थैतिक दशाओं में उत्पादन का प्रत्येक साधन यहां तक कि साहसी भी अपनी सीमांत उत्पादकता के बराबर पारितोषिक प्राप्त करता है।

सीमान्त आय उत्पादन (MRP) = MPP × MR

MPP = सीमान्त

सीमान्त उत्पादन का मूल्य (VMP) = MPP × P भौतिक उत्पादन

पूर्ण प्रतियोगिता की दशा में VMP = MRP

8. सामान्य सन्तुलन से अभिप्राय उस स्थिति से है जिसमें सभी आर्थिक इकाइयाँ अपने-अपने वस्तुपरक कार्यों को अधिकतम करती हैं और साथ-साथ ही सभी कीमतें भी संतुलन में रहती हैं और सभी बाजारों में सन्तुलन हो जाता है। यह कथन :

A general equilibrium is defined as a state in which all economic units maximize their respective objective functions, all prices are simultaneously in equilibrium and all markets are cleared. The statement is

(A) सही है। / Correct

(B) सही नहीं है। / Not correct

(C) पूर्ण रूप से सही है। / Perfectly correct

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं। / None of the above

उत्तर- (*) व्याख्या नोट: (अन्तिम उत्तर कुंजी में A तथा C दोनों विकल्पों को सही माना गया।

सामान्य संतुलन से अभिप्राय उस स्थिति से है जिसमें सभी आर्थिक इकाइयाँ अपने-अपने वस्तुपरक कार्यों को अधिकतम करती हैं और साथ ही साथ सभी कीमतें भी संतुलन में रहती हैं एवं सभी बाजार संतुलन में होते हैं। सामान्य सन्तुलन की धारणा को वालरा ने प्रस्तुत किया जिसे दर्शाने के लिए वालरा ने Linear Simultaneous Equation का प्रयोग किया।

9. मुंडेल के अनुसार इष्टतम मुद्रा क्षेत्र में आन्तरिक और बाह्य सन्तुलन की उपलब्धि निम्नलिखित के ज़रिए सम्भावित हैं :

According to Mundell in an optimum currency area, the achievement of internal and external balance is possible through

(A) पूँजी प्रवाह / Capital flows

(B) बाहर से निधियों का अन्तर्वाह

Inflow of funds from abroad

(C) सरकारी विकास सहायता

Official development assistance

(D) कारकों की गतिशीलता / The mobility of factors

उत्तर- (D) व्याख्या मुंडेल तथा फ्लेमिंग जिसे आन्तरिक व बाह्य सन्तुलन का मुंडेल फ्लेमिंग मॉडल कहा जाता है जो मुख्य रूप से IS-LM मॉडल पर आधारित है में मुंडेल ने दर्शाया कि इष्टतम मुद्रा क्षेत्र में आन्तरिक और बाह्य सन्तुलन की उपलब्धि कारकों की गतिशीलता के ज़रिए सम्भव है।

Optimum Currency Area: अनुकूलतम मुद्रा क्षेत्र एक भौगोलिक क्षेत्र होता है जिसमें एक ही मुद्रा का चलन होता है जो उस क्षेत्र में Economic efficiency को maximize करेगा।

10. मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाए रखने और सामान्य बाह्य टैरिफ, पूँजी और श्रम की निर्बाध गतिशीलता और सरकारी नीतियों तथा मुद्रा नीति में कुछ सीमा तक एकीकरण बनाए रखने के लिए दो देशों के बीच होने वाले करार को कहा जाता है :

An agreement between two countries to maintain a free trade area, a common external tariff, free mobility of capital and labour and degree of unification in government policies and monetary policy is called

(A) कॉमन मार्केट / Common market

(B) मुक्त व्यापार क्षेत्र / Free trade area

(C) आर्थिक संघ / Economic union

(D) सीमा-शुल्क संघ / Customs union

उत्तर- (C) व्याख्या मुक्त व्यापार क्षेत्र बनाए रखने और सामान्य बाह्य टैरिफ, पूँजी और श्रम की निर्बाध गतिशीलता और सरकारी नीतियों तथा मुद्रा नीति में कुछ सीमा तक एकीकरण बनाए रखने के लिए दो देशों के बीच होने वाले करार को **आर्थिक संघ** कहा जाता है। टिनबर्जन ने अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक एकीकरण को इस प्रकार परिभाषित किया कि "अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का सर्वाधिक वांछनीय ढांचा खड़ा करना, इष्टतम कार्यकरण की बनावटी बाधाएं दूर करना और सभी वांछनीय तत्वों के समन्वय अथवा एकीकरण को जानबूझकर

प्रस्तुत करना।

टिनबर्जन ने ऋणात्मक तथा धनात्मक एकीकरण में भेद किया। ऋणात्मक एकीकरण का सम्बन्ध आर्थिक एकीकरण के उन पक्षों से है जिनके अंतर्गत भेदभाव समाप्त किए जाते हैं, और सदस्य देशों के बीच वस्तुओं के लाने-ले जाने पर से प्रतिबंध उठा लिए जाते हैं। दूसरी ओर धनात्मक एकीकरण के अंतर्गत वर्तमान संस्थाओं तथा नीति उपकरणों में संशोधन किया जाता है और नए नीति उपकरण अपनाए जाते हैं ताकि आर्थिक प्रदेश के भीतर बाजार विकृतियां समाप्त की जा सकें।

एकीकरण के प्रकार

1. **अधिमानी व्यापारिक प्रणाली (Preferential trading system)**- इसमें कुछ चुनी हुई वस्तुओं पर तटकर एवं प्रतिबंधों को कम किया जाता है।
2. **मुक्त व्यापार क्षेत्र (Free trade Area)**- इसके अन्तर्गत समूह के सदस्य आपस में प्रशुल्क तथा व्यापार प्रतिबंधों को समाप्त करते हैं, पर प्रत्येक सदस्य देश गैर-सदस्य देशों के साथ अपना प्रशुल्क, व्यापार प्रतिबंध तथा वाणिज्यिक नीतियाँ बनाए रखता है।
3. **कस्टम यूनियन (Customs Union)**- Custom Union में भाग लेने वाले देश बाहर की दुनिया से आयात पर एक सांझा बाह्य प्रशुल्क और वाणिज्यिक नीति अपनाते हैं।
4. **साझा बाजार (Common Market)**- साझा बाजार सदस्य राष्ट्रों का एकीकृत बाजार क्षेत्र है जिसमें वस्तुएं सेवाएं तथा उत्पादन के साधन बिना रोकटोक के आ जा सकते हैं। साझा बाजार में उत्पादन तथा साधन बाजार एकीकृत होते हैं।
5. **आर्थिक संघ (Economic Union)**- राष्ट्रों में आर्थिक एकीकरण का उच्चतम रूप आर्थिक यूनियन है। इसमें उत्पादन तथा साधन बाजारों का एकीकरण तो होता ही है परन्तु इसके अतिरिक्त मौद्रिक एवं राजकोषीय तथा अन्य नीतियों में सामंजस्य स्थापित होता है।

नोट : प्रश्न में आर्थिक संघ की ही चर्चा की गई है।

11. बहुपक्षीय व्यापार पद्धति के मूल सिद्धान्त हैं:

The core principles of multi lateral trading system are:

I. **अभेदीकरण / Non-Discrimination**

II. **पारस्परिकता / Reciprocity**

III. **संरक्षणवाद / Protectionism**

IV. **घरेलू सुरक्षा उपाय / Domestic Safeguards**

नीचे दी गई सूची से सही कोड चुनिए:

Select the right code from the list given below:

- (A) I, II और IV सही हैं। (B) II और III सही हैं।
(C) II, III और IV सही हैं। (D) I और II सही हैं।

उत्तर- (A) व्याख्या बहुपक्षीय व्यापार ऐसी दशा है जहाँ सभी देशों में स्वतंत्र तथा बिना प्रतिबंध के व्यापार संपादित होता है यह मुक्त व्यापार की स्थिति है। बहुपक्षीय व्यापार पद्धति के मूल सिद्धान्त हैं

(I) अभेदीकरण (Non Discrimination)

(II) पारस्परिकता (Reciprocity)

(III) घरेलू सुरक्षा उपाय (Domestic safeguards)

WTO बहुपक्षीय व्यापार को प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है।

12. अभिकथन (A) : बहुत से विकासशील देशों का यह तर्क है कि श्रम मानक मुक्त व्यापार में बाधा बनते हैं।

Assertion (A) : Many developing countries contend that labour standards constitute a barrier to free trade.

कारण (R) : उसका प्रतियोगी लाभ वैश्विक अर्थव्यवस्था में सस्ता श्रम है।

Reason (R) : Their competitive advantage in the global economy is cheap labour.

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct but (R) is not the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A).

(C) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है।

(A) is false but (R) is true.

(D) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है।

(A) is true but (R) is false.

उत्तर- (B) व्याख्या विकासशील देशों का मानना है कि श्रम मानक मुक्त व्यापार में बाधा होते हैं क्योंकि कि विकासशील देशों में श्रम सस्ता पाया जाता है तथा इन देशों को श्रम निर्यात के सम्बन्ध में प्रतियोगी लाभ (Comparative Advantage) प्राप्त होते हैं। ऐसे में श्रम मानक जो विकसित देशों में उच्च होते हैं व्यापार को प्रभावित करते हैं। विकसित देश श्रम मानकों जैसे श्रमिकों के अधिकार, श्रम की दशाएँ श्रमिकों को दी जाने वाली मजदूरी तथा श्रम सुरक्षा (Job security) को निर्धारित कर देते हैं और चूँकि विकासशील देशों में ये स्थितियाँ विकसित देशों के अनुरूप नहीं होती इसलिए विकसित देश व्यापार पर प्रतिबंध स्थापित करने लगते हैं इसलिए श्रम मानक मुक्त व्यापार में बाधा है

अतः स्पष्ट है कि कथन व कारण दोनों सत्य है एवं कारण कथन की व्याख्या है क्योंकि श्रम मानकों से विकासशील देशों के प्रतियोगी लाभ प्रभावित होते हैं इसलिए कारण, कथन की सही व्याख्या भी है।

13. विश्व व्यापार संगठन मन्त्रियों की बैठकों को क्रम में व्यवस्थित करें:

Arrange in order the WTO ministerials:

I. **जेनेवा / Geneva**

II. **दोहा / Doha**

III. **हॉंग कॉंग / Hong Kong**

IV. **सीटेल / Seattle**

(A) II, IV, III, I

(B) III, IV, I, II

(C) IV, II, III, I

(D) I, IV, II, III

उत्तर- (D)/ व्याख्या	
जेनेवा	18-20 मई 1998
सीटेल	20 नवम्बर - 3 दिसम्बर 1999
दोहा	9-14 नवम्बर 2001
हाँग काँग	13-18 दिसम्बर 2005

14. हेजिंग का तात्पर्य है

What does Hedging mean?

- (A) विदेशी विनिमय जोखिम की स्वीकार्यता
The acceptance of a foreign exchange risk.
- (B) विदेशी विनिमय जोखिम की कवरिंग
The covering of a foreign exchange risk.
- (C) विदेशी विनिमय परिकल्पना
Foreign exchange speculation.
- (D) विदेशी विनिमय विवाचन (आरबिटरेज)
Foreign exchange arbitrage.

उत्तर- (B)/ व्याख्या हेजिंग का तात्पर्य है विदेशी विनिमय जोखिम की कवरिंग

हेजिंग का अर्थ होता है अपने को विविध प्रकार के जोखिमों में उत्पन्न हानि से सुरक्षित करना। विदेशी विनिमय में सामान्यः हेजिंग का प्रयोग किया जाता है। इस संदर्भ में हेजिंग का आशय निर्यात जोखिम से सुरक्षित करना है। यह एक व्यवस्था प्रदान करता है जिससे आयातक तथा निर्यातक विदेशी विनिमय दरों में होने वाले उच्चावचनों से उत्पन्न हानियों से अपने को सुरक्षित कर सकें।

15. एस.डी.आर. की यूनिट को मूल रूप से किस रूप में नामित किया गया था?

In which terms a unit of SDR was originally denominated?

- (A) यू.एस. डॉलर का विश्व बाजार मूल्य
The world market value of U.S. Dollar
- (B) एक यू.एस. डॉलर के समतुल्य स्वर्ण-मूल्य
The gold value equivalent of one US Dollar
- (C) पाउंड-स्टर्लिंग / The Pound-Sterling
- (D) जर्मन मार्क / The German Mark

उत्तर- (A)/ व्याख्या एस.डी.आर. की यूनिट को मूल रूप से यू.एस. डॉलर का विश्व बाजार मूल्य के रूप में नामित किया गया था।

अन्तर्राष्ट्रीय तरलता की समस्या को हल करने में वर्तमान संसाधनों की अपर्याप्तता की कमी को दूर करने की दिशा में एक 'अन्तर्राष्ट्रीय निधि सम्पत्ति' का सृजन जो उपलब्ध संसाधनों में अतिरिक्त वृद्धि ला सके IMF अलग प्रयोग है जिसे SDR कहा जाता है।

SDR सदस्य देशों के बीच बिना किसी भौतिक हस्तांतरण के परस्पर भुगतान के लिए स्वीकार की जाती है। SDR का 1969 में SDR का निर्माण हुआ लेकिन फ्रांस के विरोध के कारण 1970 में इसे प्रारम्भ किया गया। SDR एक अंतर्राष्ट्रीय रिजर्व सम्पत्ति है। SDR को किसी प्रयोग में आने वाली करेन्सी के साथ स्वतंत्र रूप से बदला जा सकता है। यदि किसी सदस्य देश की SDR धारिता आवंटित SDR धारित से अधिक हो तो उसे उस पर ब्याज प्राप्त होगा अन्यथा उसे

ब्याज देय होगा।

1 अक्टूबर 2016 के बाद से SDR का मूल्य निम्नांकित 5 करेन्सीज के मूल्य के आधार पर निर्धारित होता है।

करेन्सी	भार
(i) U.S. डॉलर	41.73
(ii) यूरो	30.93
(iii) येन	8.39
(iv) पाउण्ड	8.09
(v) यूआन	10.92

16. निम्नलिखित में से किसका यूरो मुद्रा बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है?

Which of the following is an adverse effect of Euro Currency Market?

- (A) अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी बाजार / International Capital Market
- (B) विश्व की अंकित मुद्रा आपूर्ति में कमी
Decrease in World's Nominal Money Supply
- (C) अन्तर्राष्ट्रीय पूँजी बाजारों का एकीकरण
Integration of International Capital Markets
- (D) बी.ओ.पी. घाटे को पूरा करना / Meeting BOP Deficit

उत्तर- (B)/ व्याख्या विश्व की अंकित मुद्रा आपूर्ति में कमी का

यूरो मुद्रा बाजार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। यूरो मुद्रा बाजार देश के बाहर, जहाँ यूरो वैधानिक मुद्रा है के लिए मुद्रा बाजार है। बैंक, MNCs म्यूचुअल फण्ड, Hedge funds market यूरो मुद्रा बाजार का प्रयोग करता है।

17. रोजगार गारन्टी योजना सर्वप्रथम कहाँ आरम्भ की गई?

Employment Guarantee Scheme was first introduced in

- (A) गुजरात / Gujarat
- (B) मध्य प्रदेश / Madhya Pradesh
- (C) महाराष्ट्र / Maharashtra
- (D) तमिलनाडु / Tamil Nadu

उत्तर- (C)/ व्याख्या ग्रामीण बेरोजगारी, भुखमरी और गरीबी से

निजात पाने के लिए रोजगार गारन्टी योजना का प्रारम्भ सर्वप्रथम 1972-73 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रारम्भ किया गया था।

बाद में National Rural Employment Guarantee Act 2005 पारित कर 2 फरवरी 2006 को तत्कालीन प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी का प्रारम्भ आन्ध्रप्रदेश के अन्नतपुर जिले से किया गया। 2006-07 में इसे प्रारम्भ में 200 जिलों में लागू किया गया। 1 अप्रैल सन् 2008 से इसे सम्पूर्ण देश में लागू कर दिया गया। बाद में 2 अक्टूबर 2009 को इसका नाम बदलकर महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारन्टी अधिनियम (योजना) कर दिया गया। यह योजना प्रभावी क्षेत्र में प्रत्येक ग्रामीण परिवार के कम से कम एक प्रौढ़ सदस्य को वर्ष में न्यूनतम 100 दिन रोजगार का अधिकार प्रदान करता है।

18. वेबर थ्योरी ऑफ लोकेशन के अनुसार लोकेशन पर असर डालने वाले महत्वपूर्ण कारक हैं

According to Weber's Theory of Location, the important factors influencing location are

1. परिवहन लागत / Transport Cost
2. भूमि लागत / Land Cost
3. श्रम लागत / Labour Cost
4. नवीकरण लागत / Innovation Cost

कूट / Choose the correct code:

- (A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 1 और 3 (D) 1 और 4

उत्तर- (C) व्याख्या वेबर थ्योरी ऑफ लोकेशन के अनुसार लोकेशन पर असर डालने वाले महत्वपूर्ण कारक परिवहन लागत एवं श्रम लागत हैं।

अल्फ्रेड वेबर ने औद्योगिक स्थानीयकरण सिद्धान्त का प्रतिपादन स्थानीयकरण के विभिन्न कारकों का पूर्ण विश्लेषण एवं अन्वेषण करके उनके आधार पर किया। वेबर के द्वारा यह ज्ञात किया गया कि लागत के कुछ मूल तत्व अलग-अलग स्थानों पर समान नहीं होते हैं जैसे; श्रमिकों की मजदूरी, यातायात लागत कच्चे माल की उपलब्धता इत्यादि।

दूसरी तरफ कुछ ऐसे तत्व होते हैं जो सभी स्थानों पर समान होते हैं जैसे-पूँजी पर ब्याज, मशीनों का ह्रास इत्यादि।

प्रथम वर्ग के लागत तत्वों का औद्योगिक स्थानीयकरण (industrial location) पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। इस तरह लागत विश्लेषण के आधार पर वेबर ने स्थानीयकरण के कारणों को 2 वर्गों में विभक्त किया।

प्रथम वर्ग: प्रमुख कारण – क्षेत्रीय कारण

द्वितीय वर्ग: सहायक कारण

सहायक कारणों के संदर्भ में उन्होंने 2 प्रवृत्तियों का उल्लेख किया

- (i) केन्द्रीयकरण की प्रवृत्तियाँ
- (ii) विकेन्द्रीकरण की प्रवृत्तियाँ

19. नीचे दो कथन दिए गए हैं। एक को अभिकथन (A) और अन्य को कारण (R) का नाम दिया गया है:

Given below are two statements, one labelled as assertion (A) and the other labelled as Reason (R).

अभिकथन (A) : भारत के पब्लिक सेक्टर ने स्वस्थ औद्योगिक आधार के विकास में सहयोग दिया।

Assertion (A) : India's Public sector helped in the development of a sound industrial base.

कारण (R) : पब्लिक सेक्टर राज्य के नियंत्रणाधीन है। समुचित नीति तैयार करने और वित्तीय तथा अन्य सहयोग देने में राज्य की भूमिका से पब्लिक सेक्टर को बहुत मदद मिली है।

Reason (R) : Public sector is under State control. The role of State in formulating appropriate policies and providing financial and other support has helped the public sector.

- (A) (A) सही है पर (R) गलत है।
(A) is correct, but (R) is wrong.
(B) दोनों (A) और (R) सही हैं।
Both (A) & (R) are correct.

(C) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

(A) is wrong but (R) is correct.

(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

Both (A) and (R) are wrong.

उत्तर- (B) व्याख्या ऐसे उद्यम जिनका स्वामित्व सरकार या राज्य के पास हो चाहे वे इसके द्वारा प्रबन्धित हो या नहीं, सार्वजनिक उद्यम कहलाते हैं। स्वतंत्रता के बाद 1956 की औद्योगिक नीति में सार्वजनिक क्षेत्र को बड़ी भूमिका दी गई। सार्वजनिक उद्यम की औद्योगिक व व्यवसायिक इकाइयों को तीन वर्गों में रखा जा सकता है।

(क) विभागीय स्तर पर संचालित की जाने वाली इकाइयाँ

(ख) वैधानिक निगमों द्वारा चलायी जाने वाली गैर विभागीय इकाइयाँ

(ग) कम्पनी अधिनियम 2013 के अन्तर्गत समामेलित सरकारी कम्पनियों द्वारा संचालित इकाइयाँ।

नवरत्न: यह सार्वजनिक उपक्रमों का एक विशिष्ट वर्ग है जिनमें सरकार ग्लोबल कम्पनी होने की सम्भाव्य क्षमता देखती है। नवरत्न कम्पनियों की धारणा का प्रारम्भ 1997 में किया गया।

जनवरी 2020 तक 14 कम्पनियाँ को नवरत्न का दर्जा प्राप्त है-

महारत्न: दिसम्बर 2010 को सरकार ने उच्च लाभदेयता वाली नवरत्न कम्पनियों को महारत्न का दर्जा प्रदान करने का निर्णय लिया। महारत्न नवरत्न की एक विशिष्ट श्रेणी है। 17 मार्च 2011 को महारत्न कम्पनियों के मानकों के अनुसार:

(i) औसत वार्षिक बिक्री पिछले 3 वर्षों में 20000 करोड़ रुपये होना जो पहले 25000 करोड़ था।

(ii) लगातार 3 वर्ष तक 2500 करोड़ रुपये निवल लाभ एवं वार्षिक औसत निवल सम्पत्ति 10,000 करोड़ रुपये होना अनिवार्य।

(iii) कम्पनी का 'नवरत्न' होना तथा कम्पनी के शेयर का स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध होना अनिवार्य।

जनवरी 2020 तक की दशा में महारत्न कम्पनियों की संख्या 10 है।

मिनीरत्न: मिनीरत्न एक नयी अवधारणा है जिसे सरकार ने 1997 में प्रारम्भ किया था। जनवरी 2020 तक मिनी रत्न की कुल संख्या 74 थी जिसमें से 62 मिनी 1 तथा 12 मिनी 2 थी।

स्वतंत्रता के बाद प्रमुख रणनीतिक क्षेत्रों में सार्वजनिक क्षेत्र ने स्थानीय क्षमता का विकास कर अन्य देशों में भारत की निर्भरता को कम करने के साथ ही क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिला है और रोजगार का सृजन हुआ है।

सार्वजनिक क्षेत्र ने स्वस्थ औद्योगिक आधार को विकसित किया है इसलिए अभिकथन सत्य है। चूँकि सार्वजनिक क्षेत्र सरकार या राज्य के स्वामित्व वाले उद्योग होते हैं इसलिए सरकार द्वारा इन उद्योगों में भारी निवेश से देश में औद्योगिक अद्योसंरचना का विकास हुआ है अतः कारण भी सत्य है।

20. 'श्रमशक्ति' का निम्नलिखित में से उपयुक्त मद से मिलान करें:

Match 'labour force' with the appropriate item from amongst the following:

- (A) कार्य बल / Work force
(B) सभी शिक्षित / All educated

- (C) रोजगार प्राप्त और बेरोजगार
Employed + Unemployed
(D) सभी ग्रामीण कार्यकर्ता / All rural workers

उत्तर- (C)/व्याख्या किसी देश की श्रम शक्ति में रोजगार प्राप्त और बेरोजगार दोनों शामिल होते हैं।

किसी देश की श्रम शक्ति से अभिप्राय उन व्यक्तियों से है जो 16 से 64 वर्ष आयु वर्ग के हैं, जो रोजगार में हैं तथा वे भी जो रोजगार तलाश रहे हैं।

श्रम शक्ति = रोजगार में लगे लोगों की संख्या + बेरोजगारी की संख्या

21. व्यापार चक्र के चार चरण हैं। इन चरणों के घटित होने का सही अनुक्रम बताएँ:

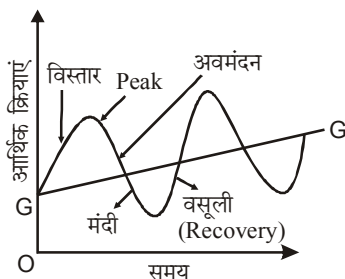
There are four phases of a business cycle. Identify the correct sequence of the occurrence of these phases:

- (A) वसूली, अवमंदन, विस्तार, मंदी
Recovery, Recession, Expansion, Depression
(B) वसूली, विस्तार, मंदी, अवमंदन
Recovery, Expansion, Depression, Recession
(C) मंदी, विस्तार, अवमंदन, वसूली
Depression, Expansion, Recession, Recovery
(D) वसूली, विस्तार, अवमंदन, मंदी
Recovery, Expansion, Recession, Depression

उत्तर- (D)/व्याख्या व्यापार चक्र के 4 चरण होते हैं, जिनके घटित होने का क्रम है

वसूली (Recovery), विस्तार (Expansion), अवमंदन (Recession), मंदी (Depression)

पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में आर्थिक क्रियाओं जैसे रोजगार आय उत्पादन तथा कीमतों में तरंग की भाँति उतार-चढ़ाव पाए जाते हैं। इन्हीं चक्रीय उतार चढ़ावों को व्यापार चक्र कहा जाता है।



22. आज़ादी के बाद से भारत में 'तैयार स्टील' का उत्पादन कितना बढ़ा है?

The production of 'finished steel' in India, since independence, has increased over

- (A) 10 गुना (B) 20 गुना
(C) 30 गुना (D) 50 गुना

उत्तर- (D)/व्याख्या 50 गुना

भारत में लौह एवं इस्पात उद्योग देश के सबसे प्रमुख उद्योगों में शामिल है। दुनिया में भारत स्टील के उत्पादन में प्रथम है। भारत का 2018 में स्टील उत्पादन 106.5 tonnes (MT) रहा है। भारत में

प्रमुख स्टील उत्पादित करने वाली सार्वजनिक इकाई Steel Authority of India है।

23. संघ बजट में 'प्रभावी राजस्व घाटा' प्रत्यय का प्रयोग सर्वप्रथम किस वर्ष किया गया?

The concept of 'Effective Revenue Deficit' has been used for the first time in the Union Budget for

- (A) 2009-10 में (B) 2010-11 में
(C) 2011-12 में (D) 2008-09 में

उत्तर- (C)/व्याख्या 2011-12 में

ERD की धारणा को वर्ष 2011-12 के बजट में तत्कालीन वित्तमंत्री प्रणव मुखर्जी ने प्रस्तुत किया। ERD वास्तव में राजस्व घाटे तथा पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु दिये जाने वाले अनुदान को व्यक्त करता है।

ERD = Revenue Deficit - Grants for Creation of Capital assets

प्रभावी राजस्व घाटा की संकल्पना राजस्व घाटे के संरचनात्मक असन्तुलन के सन्दर्भ में प्रारम्भ की गई है। यह बजटीय सुधारी के अन्तर्गत अपनाया गया एक नया वित्तीय संकेतक है।

24. वर्ष 2011-12 में केन्द्र सरकार के राजस्व में किस कर से सर्वाधिक आय संभावित है?

Which tax is likely to contribute maximum to the Central Government tax revenue during the year 2011-12?

- (A) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क / Central Excise Duty
(B) सीमा शुल्क / Customs Duties
(C) आयकर / Income Tax
(D) निगम कर/कॉरपोरेट कर / Corporate Tax

उत्तर- (D)/व्याख्या बजट 2021-22 के अनुसार केन्द्र सरकार की कुल 100% प्राप्त में से सर्वाधिक हिस्सेदारी वाली शीर्ष 3 मदें हैं:

GST	- 15%
आयकर	- 14%
निगमकर	- 13%

25. राज्य सरकारों का सकल राजकोषीय घाटा वित्तपोषित किया जाता है

Gross fiscal deficit of the State Governments is financed by

- I. बाजार ऋण के द्वारा / Market Borrowings
II. करेंसी के मुद्रण द्वारा / Printing of Currency
III. केन्द्र सरकार से ऋण के द्वारा

Loans from the Central Government

- IV. विदेशी ऋण द्वारा / External Borrowings

निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर चुनिए:

Find the correct answer from the given code:

कूट / Codes:

- (A) I, II व III सही हैं। (B) II, III व IV सही हैं।
(C) I व III सही हैं। (D) II व IV सही हैं।

उत्तर- (C)/व्याख्या राज्य सरकारों का सकल राजकोषीय घाटा बाजार ऋण के द्वारा तथा केन्द्र सरकार से ऋण के द्वारा वित्तपोषित किया जाता है।

26. सूची-I में दिये गए मदों को सूची-II में मदों के साथ मिलान कीजिए:

सूची-I/List-I	सूची-II/List-II
i. कराधान के नियम Canons of Taxation	1. यू. के. हिक्स U.K. Hicks
ii. सार्वजनिक व्यय के नियम Canons of Public Expenditure	2. एडम स्मिथ Adam Smith
iii. प्रभावी कराभार Effective incidence of Tax	3. फिण्डले शिराज Findlay Shirras
iv. सार्वजनिक व्यय का लाभ प्राप्ति उपागम Benefits received approach of Public Expenditure	4. एरिक लिन्डाल Erik Lindahl

कूट / Codes:

	i	ii	iii	iv
(A)	2	3	1	4
(B)	1	2	3	4
(C)	2	3	4	1
(D)	4	1	2	3

उत्तर- (A) व्याख्या/ सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(i) कराधान के नियम	(2) एडम स्मिथ
(ii) सार्वजनिक व्यय के नियम	(3) फिण्डले शिराज
(iii) प्रभावी कराभार	(1) यू. के. हिक्स
(iv) सार्वजनिक व्यय का लाभ प्राप्ति उपागम	(4) एरिक लिन्डाल

(i) कराधान के नियम - एडम स्मिथ ने करारोपण के 4 प्रमुख नियम बताये:

समता का नियम - करारोपण का भार सभी व्यक्तियों पर समान रूप से हो अर्थात् यह समान त्याग उत्पन्न करे। एडम स्मिथ के अनुसार "प्रत्येक राज्य की प्रजा को सरकार के पालन पोषण के लिए, जहां तक संभव हो अपना अंशदान अपनी योग्यता के अनुरूप करना चाहिए।

मितव्ययिता का नियम - करो को एकत्र करने में लागते बहुत अधिक न आये।

निश्चितता का नियम - करारोपण की मात्रा तथा दर के सम्बन्ध में करदाता को स्पष्टता हो।

सुविधा का नियम - करारोपण की प्रक्रिया सुविधाजनक हो। इन नियमों के अतिरिक्त वैस्ट बिल ने उत्पादकता का नियम तथा लोचशीलता का नियम दिया।

(ii) **फिण्डले शिराज** ने सार्वजनिक व्यय के 4 आधारभूत सिद्धान्तों की बात की, ये हैं- लाभ का नियम, मितव्ययिता का नियम, स्वीकृति का नियम, तथा आधिक्य का नियम

(iii) **प्रभावी करापात** कर का जो व्यक्ति अंततः मौद्रिक भार वहन करता है करापात उसी पर होता है। **प्रभावी करापात** या कराभार का

सिद्धान्त, जिसे यू.के. हिक्स ने दिया, कर के आर्थिक भार को दर्शाता है जो वास्तविक करदाता पर पड़ता है।

(iv) **सार्वजनिक व्यय के लाभ प्राप्ति उपागम** का प्रतिपादन एडम स्मिथ ने किया जिसकी आधुनिक व्याख्या ऐरिक लिन्डाल ने ऐच्छिक विनिमय सिद्धान्त (Voluntary Exchange Theory) के रूप में की। यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि सार्वजनिक व्यय से जितना लाभ प्राप्त हो करारोपण भी उसी अनुसार हो।

27. अभिकथन (A) : वित्तीय वर्ष 2011-12 में, केन्द्र सरकार विनिवेश की नीति द्वारा ₹40,000 करोड़ के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम नहीं दिखती है।

Assertion (A) : During the financial year 2011-12, the Central Government is not likely to achieve the target of raising ₹40,000 crores through disinvestment policy.

कारण (R) : राजकोषीय अन्तराल को पूरा करने के लिए सार्वजनिक ऋण की बढ़ोत्तरी की नीति को न्यायोचित माना जाता है।

Reason (R) : Policy of increased public borrowings to bridge the fiscal gap is justified.

उपरोक्त दोनों कथनों के संदर्भ में, निम्नलिखित कूट में से कौन सही है?

In the context of the above two statements, which one is correct from the given?

कूट / Codes:

(A) (A) व (R) दोनों सही हैं, व (R), (A) का सही कारण है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) व (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) का सही कारण नहीं है।

Both (A) and (R) are correct but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सही हैं, लेकिन (R) सही नहीं हैं।

(A) is correct but (R) is incorrect.

(D) (R) सही हैं, किन्तु (A) सही नहीं हैं।

(R) is correct but (A) is incorrect.

उत्तर- (A) व्याख्या/ नोट : प्रश्न को 2020-21 के परिपेक्ष्य में हल किया गया है। वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान विनिवेश से ₹2.10 लाख करोड़ जुटाने का सरकार का लक्ष्य था किन्तु जनवरी 2020 तक कोरोना महामारी के कारण मात्र ₹32000 करोड़ ही जुटाए गए। बजट 2021-22 में विनिवेश के जरिए ₹1.75 लाख करोड़ जुटाने का लक्ष्य इस बजट में रखा गया है। इस 1.75 लाख करोड़ के लक्ष्य में 75000 करोड़ विनिवेश द्वारा तथा ₹1,00,000 करोड़ sale of stake in Public Sector Bank and financial institutions के द्वारा प्राप्ति का लक्ष्य है।

राजकोषीय अन्तराल को पूरा करने के लिए सार्वजनिक ऋण की बढ़ोत्तरी की नीति को न्यायोचित माना जाता है किन्तु सदैव नहीं।

28. निम्नलिखित प्रतिवेदनों को कालानुक्रमिक में व्यवस्थित करें:
Arrange the following Reports in chronological order from the given codes:

- I. प्रत्यक्ष कर जाँच समिति अन्तिम रिपोर्ट
Direct taxes Enquiry Committee Final Report
- II. कर संरचना के औचित्य स्थापन और सरलीकरण पर अन्तिम रिपोर्ट
Final Report on Rationalizing and Simplification of the Tax Structure
- III. भारतीय कर सुधार-सर्वेक्षण की रिपोर्ट
Indian Tax Reforms-Report of a Survey
- IV. कराधान जाँच आयोग
Taxation Enquiry Commission

कूट / Codes:

- (A) IV, III, II, I (B) I, II, III, IV
(C) III, I, IV, II (D) II, III, I, IV

उत्तर- (A) व्याख्या	
IV कराधान जाँच आयोग	माथुर आयोग 1952
III भारतीय कर सुधार-सर्वेक्षण की रिपोर्ट	काल्डर समिति 1956
II कर संरचना के औचित्य स्थापन और सरलीकरण पर अन्तिम रिपोर्ट	भूतलिंगम समिति 1968
I प्रत्यक्ष कर जाँच समिति अन्तिम रिपोर्ट	के.एन.वाचू समिति 1970

29. किसी संघ की सर्वप्रमुख विशेषता है

The most important characteristics of a federation is

- (A) राज्यों के ऊपर केन्द्र की सर्वोच्चता।
Center's Supremacy over States
- (B) केन्द्र व राज्य सरकारों के कार्यों एवं संसाधनों में असंवादित।
Non-correspondence between the functions and resources of the Center and State Governments.
- (C) केन्द्र एवं राज्य सरकारों के कार्यों एवं संसाधनों में पूर्ण सामंजस्य।
Perfect match between the functions and resources of the Central and State Governments.
- (D) उपरोक्त में से कोई नहीं। / None of the above

उत्तर- (B) व्याख्या/ किसी संघ की सर्वप्रमुख विशेषता केन्द्र व राज्य सरकारों के कार्यों एवं संसाधनों में पूर्ण सामंजस्य होती है। भारतीय संविधान देश को संघीय ढांचे में बांटता है जहाँ सहआस्तित्व के साथ स्वतंत्र केन्द्र एवं राज्य सरकारें हैं। भारतीय संविधान की 7वीं अनुसूची में 3 सूचियाँ हैं जिनमें केन्द्र तथा राज्यों के कार्यों का बंटवारा है।
(i) केन्द्रीय (संघ) सूची
(ii) राज्य सूची
(iii) समवर्ती सूची
भारतीय संविधान में अनुच्छेद 280 के तहत वित्त आयोग की व्यवस्था है जो केन्द्र व राज्यों के मध्य संसाधनों के बंटवारे को सुनिश्चित करता है।

30. समीकरण $C = C_0 + C_1 + Y_d$, में, जहाँ C योजनाबद्ध उपभोग व्यय, Y_d प्रयोज्य आय, C_0 अन्तर्गन्धन या स्वायत्त उपभोग (जब $Y_d = 0$ हो तब C का मूल्य), और C_1 सीमान्त उपभोग की प्रवृत्ति है। निम्नलिखित में से अंतर्जात चर कौन सा है?

In the equation $C = C_0 + C_1 + Y_d$, where C is planned consumption expenditure, Y_d is disposable income, C_0 is intercept or autonomous consumption (value of C when disposable income is zero), and C_1 is marginal propensity to consume; which of the following is the endogenous variable?

- (A) C_0 (B) C_1
(C) $C_1 Y_d$ (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (C) व्याख्या/ समीकरण $C = C_0 + C_1 Y_d$ एक उपभोग फलन है जो दर्शाता है कि कुल उपभोग स्वायत्त (C_0) एवं प्रेरित ($C_1 Y_d$) का योग है। यहाँ $C_1 = MPC$ है। $Y_d =$ व्यय योग्य आय है।

उपरोक्त समीकरण में C आश्रित तथा बहिर्जात चर है। C_0 एक स्थिरांक है जबकि $C_1 Y_d$ - एक अन्तर्जात चर है।

31. निम्नलिखित में से कौन सा अभिकथन असत्य है?

Which of the following statement is false?

- (A) गतिक गुणक में उपभोग और प्रयोज्य आय में पश्चयिव संबंध होता है।

In dynamic multiplier, there is lagged relationship between consumption and disposable income.

- (B) गतिक गुणक प्रक्रिया को आगे आने वाली अवधि में आय में परिवर्तन की घटती ज्यामितीय शृंखला के रूप में प्रदर्शित किया जा सकता है।

The dynamic multiplier process can be presented as a decreasing geometric series of change in income in the following period.

- (C) गुणक के प्रभाव के अधिक भाग को कम अवधियों में प्राप्त किया जा सकता है। जब सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति ज्यादा अल्प हो।

A major portion of the multiplier effect is realized in fewer periods when the marginal propensity to consume is smaller.

- (D) गुणक प्रभाव के अधिक भाग को उन कम अवधियों में प्राप्त किया जा सकता है जब सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति ज्यादा हो।

A major portion of the multiplier effect is realized in fewer periods when the marginal propensity to consume is larger.

उत्तर- (C) व्याख्या/ सत्य कथन

(A) गतिक गुणक, (Dynamic multiplier) जो समयावधियों में परिवर्तन के साथ आय तथा निवेश में सम्बन्ध दर्शाता है, में उपभोग प्रयोज्य आय (Disposable income) में पश्चयिव (lagged relation) सम्बन्ध होता है।

(B) गतिक गुणक प्रक्रिया को आगे आने वाली अवधि में आय में

परिवर्तन की घटती ज्यामितीय शृंखला के रूप में प्रदर्शित किया जा सकता है।

(C) गुणक के प्रभाव के अधिक भाग को कम अवधियों में प्राप्त किया जा सकता है। जब सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति अधिक हो। गुणक के मान तथा MPC में प्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है। तथा MPC का मान 0 से 1 के बीच होता है।

32. किस परिकल्पना के अनुसार उपभोग अप्रत्यावर्तनीय है?

According to which of the following hypotheses, consumption is irreversible?

- निरपेक्ष आय परिकल्पना/Absolute Income Hypothesis
- सापेक्ष आय परिकल्पना/Relative Income Hypothesis
- स्थायी आय परिकल्पना/Permanent Income Hypothesis
- जीवन चक्र परिकल्पना/Life Cycle Hypothesis

उत्तर- (B)/व्याख्या सापेक्ष आय परिकल्पना के अनुसार उपभोग अप्रत्यावर्तनीय है।

सापेक्ष आय परिकल्पना का प्रतिपादन जेम्स ड्यूजनबरी ने किया। इसके अनुसार किसी परिवार की आय का वह भाग जो उपभोग पर व्यय होगा उस परिवार की निरपेक्ष आय पर नहीं बल्कि उनकी अन्य परिवारों से आय की सापेक्षता पर निर्भर करेगा। ड्यूजनबरी ने अपनी उपभोग परिकल्पना को 'प्रदर्शन प्रभाव' तथा 'रैचेट प्रभाव' से स्पष्ट किया।

ड्यूजनबरी ने दर्शाया कि मूलतः उपभोग फलन दीर्घकालिक तथा आनुपातिक होता है।

- निरपेक्ष आय परिकल्पना: कीन्स (आय उपभोग सम्बन्ध गैर आनुपातिक)
- स्थायी आय परिकल्पना: फ्रीडमैन
- जीवन चक्र परिकल्पना: मोदिगिलियानी

33. निम्नलिखित में से व्यापार चक्र का कौन सा मॉडल 'व्यवरोद्ध चक्रों' को उत्पन्न करता है?

Which of the following models of business cycle generates constrained cycles?

- सैम्युलसन मॉडल / Samuelson's model
- हिक्स मॉडल / Hick's model
- काल्डर मॉडल / Kaldor's model
- उपर्युक्त सभी / All of the above

उत्तर- (B)/व्याख्या हिक्स का व्यापार चक्र मॉडल 'व्यवरोद्ध चक्रों' (constrained cycles) को उत्पन्न करता है।

J.R. Hicks ने 1950 में प्रकाशित पुस्तक 'A Contribution To The Theory Of Trade Cycle' में यह प्रतिपादित किया कि व्यापार चक्र गुणक एवं त्वरक की अन्तर्क्रिया का परिणाम है। गुणक व त्वरक की अन्तर्क्रिया को आधार बनाकर हिक्स ने Super Multiplier की धारणा को विकसित किया।

हिक्स का व्यापार चक्र मॉडल कीन्सियन गुणक विश्लेषण, जे.एम. क्लार्क के त्वरक व हैरॉड के आर्थिक संवृद्धि विश्लेषण पर आधारित है।

मान्यताएँ

- बचत व विनियोग के गुणांको के मूल्य ऐसे हैं कि संस्थिति से

विचलन संस्थिति से और दूर ले जाता है।

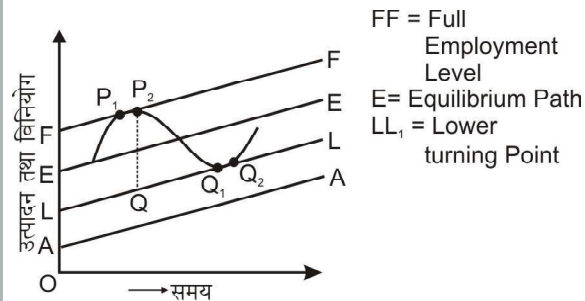
- पूर्ण रोजगार स्तर पर विस्तार ऊपरी सीमा तथा संकुचन निचली सीमा के भीतर होता है।
- गुणक व त्वरक क्रियाशीलन में हिक्स समय पश्चता को मानते हैं।

हिक्स के व्यापार चक्र में 2 अवस्थाएँ हैं।

- विस्तार की अवस्था
- संकुचन की अवस्था

इसके अतिरिक्त दो मोड़ बिन्दु हैं:

- विस्तार से संकुचन की ओर या ऊपरी मोड़ बिन्दु
- संकुचन से विस्तार की ओर या निचला मोड़ बिन्दु



34. निम्नलिखित में से कौन सी हैरड के "संवृद्धि प्रारूप" की मान्यता नहीं है?

Which of the following is not an assumption of Harrod's model of growth?

- वांछित पूँजी उत्पाद अनुपात स्थिर है।
The desired capital output ratio is constant.
- अर्थव्यवस्था में बचत वास्तविक आय का स्थिर अनुपात है।
Savings are a constant proportion of real income in the economy.
- श्रम बल का विकास उसी बहिर्जात निर्धारित स्थिर एक्सपोनेंशियल (घातीय) दर पर होता है।
The labour force grows at some exogenously determined constant exponential rate.
- घटक मूल्य दीर्घकाल में नम्य होते हैं।
Factor prices are flexible in the long run.

उत्तर- (D)/व्याख्या हैरड का संवृद्धि मॉडल निम्नांकित मान्यताओं पर आधारित है।

- आय का एक प्रारम्भिक पूर्ण रोजगारीय संतुलन होता है।
- सरकारी हस्तक्षेप के अभाव के साथ मुक्त अर्थव्यवस्था पाई जाती है।
- निवेश तथा उत्पादन क्षमता निर्माण के बीच कोई समय अन्तराल नहीं पाया जाता है।
- APS= MPS तथा अर्थव्यवस्था में बचत वास्तविक आय का स्थिर अनुपात है।
- सीमान्त बचत प्रवृत्ति स्थिर है।
- पूँजी गुणांक अर्थात् पूँजी स्टॉक का आय से अनुपात स्थिर मान लिया जाता है।

7. सामान्य कीमत स्तर स्थिर रहता है अर्थात् मौद्रिक आय तथा वास्तविक आय समान होती है।
8. वांछित पूँजी उत्पाद अनुपात स्थिर है।
9. श्रम बल का विकास उसी बहिर्जात निर्धारित स्थिर एक्सपोजेन्शियल (घाटीय) दर पर होता है।

35. ग्रुप-A में दिए गए अभिकथनों का ग्रुप-B में दिए गए उनके प्रतिपादकों से मिलान करें:

Match the statements given in Group-A with their propounders in Group-A with their propounders in Group-B

ग्रुप - A/Group - A (अभिकथन)/(Statements) ग्रुप - B/Group - B (प्रतिपादक)/(Propounders)

- i. मुद्रा वेग इसके निर्धारकों का स्थिर फलन है। 1. कीन्सवादी

Velocity of money is a stable function of its determinants. Keynesians

- ii. मुद्रा वेग इसके निर्धारकों का अस्थिर फलन है। 2. मौद्रिकवादी

Velocity of money is an unstable function of its determinants. Monetarists

- iii. मुद्रा वेग स्थायी फलन होता है और यह आय या ब्याज की दरों पर निर्भर नहीं करता है। 3. क्लासिकल्स

Velocity of money is a constant, and does not depend on income and interest rate. Classical

सही कूट चुनिए:

Choose the correct code:

कूट / Codes:

	i	ii	iii
(A)	2	3	1
(B)	1	2	3
(C)	2	1	3
(D)	3	2	1

उत्तर- (C)/व्याख्या/ सही मिलान है-

ग्रुप - A (अभिकथन)	ग्रुप - B (प्रतिपादक)
(i) मुद्रा वेग इसके निर्धारकों का स्थिर फलन है।	(2) मौद्रिकवादी
(ii) मुद्रा वेग इसके निर्धारकों का अस्थिर फलन है।	(1) कीन्सवादी
(iii) मुद्रा वेग स्थायी फलन होता है और यह आय या ब्याज की दरों पर निर्भर नहीं करता है।	(3) क्लासिकल्स

किसी निश्चित समयावधि में मुद्रा की एक औसत इकाई (average unit of currency) जितनी वस्तुओं व सेवाओं के क्रय में प्रयोग की

जाती है उसकी माप ही मुद्रा का चलन वेग कहलाता है। यह धारणा मुद्रा पूर्ति के दिए होने पर अर्थव्यवस्था के आकार से सम्बन्धित है। क्लासिकल अर्थशास्त्रियों ने मुद्रा के चलन वेग को स्थिर माना जो आय या ब्याज दरों पर निर्भर नहीं है। वही फ्रीडमैन ने भी मुद्रा वेग को स्थिरता प्रदान की क्योंकि इस परम्परा के अर्थशास्त्री पूर्ण रोजगार में विश्वास करते थे इसलिए अर्थव्यवस्था में वस्तु व सेवा की मात्रा स्थिर है इसलिए चलन वेग भी स्थिर है।

फिशर के समीकरण $MV = PT$ में

V = मुद्रा का चलन वेग है जो स्थिर है

कीन्स ने मुद्रा के वेग को अस्थिर माना इनकी धारणा में मुद्रा पूर्ति में परिवर्तन वास्तविक चरों को प्रभावित करती है।

36. 'ए.डब्ल्यू. फिलिप्स' का मजदूरी स्फीति बेरोजगारी ट्रेड ऑफ निम्नलिखित में से किस पर आधारित है?

A.W. Phillips' wage-inflation unemployment trade off is based on

(A) स्थैतिक अपेक्षाएँ परिकल्पना

Static expectations hypothesis

(B) अनुकूली अपेक्षाएँ परिकल्पना

Adaptive expectations hypothesis

(C) बहिर्वेशित अपेक्षा परिकल्पना

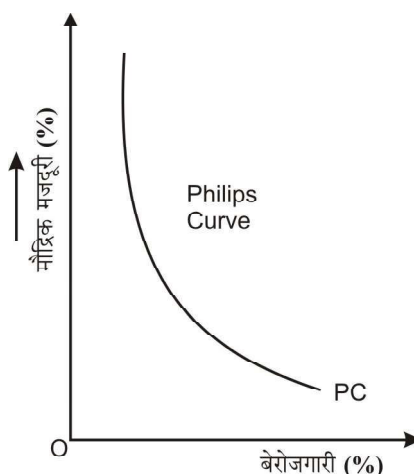
Extrapolative expectations hypothesis

(D) तर्कसंगत अपेक्षा परिकल्पना

Rational expectations hypothesis

उत्तर- (A)/व्याख्या/ A.W. फिलिप्स का मजदूरी स्फीति बेरोजगारी trade-off स्थैतिक अपेक्षाएँ परिकल्पना पर आधारित है।

A.W. Phillips' ने ब्रिटेन के लगभग 100 वर्षों के बेरोजगारी प्रतिशत तथा मौद्रिक मजदूरी दरों में होने वाले परिवर्तनों के प्रतिशतों से सम्बन्धित आंकड़ों का विश्लेषण किया और यह निष्कर्ष दिया कि बेरोजगारी की दर और मौद्रिक मजदूरी (मुद्रास्फीति) में विपरीत सम्बन्ध पाया जाता है। इन संबंधों को वक्र के माध्यम से प्रस्तुत किया गया जिसे फिलिप्स वक्र कहा जाता है।



फिलिप्स का मूल विश्लेषण स्थिर प्रत्याशा परिकल्पना पर आधारित है। बाद में फ्रीडमैन ने फिलिप्स वक्र के दीर्घकालीन प्रारूप को प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने फिलिप्स वक्र का Vertical स्वरूप दिया जो Adaptive Expectations Hypothesis पर आधारित है।

37. मान लीजिए कि मुद्रा पूर्ति और कीमत स्तर स्थिर है, और मुद्रा की माँग आय और ब्याज दर का फलन है। जब आय का स्तर बढ़ता है तो निम्नलिखित में से क्या होता है?

Suppose the money supply and the price level are constant, and the demand for money is a function of income and interest rate. When the income level increases, there is

- (A) मुद्रा की माँग की मात्रा में वृद्धि और ब्याज दर में वृद्धि।
an increase in the quantity of money demanded and an increase in the rate of interest.
- (B) मुद्रा की माँग की मात्रा में वृद्धि और ब्याज दर में कमी।
an increase in the quantity of money demanded and a decrease in the rate of interest.
- (C) मुद्रा की माँग की मात्रा में कमी और ब्याज दर में कमी।
a decrease in the quantity of money demanded and a decrease in the rate of interest.
- (D) मुद्रा की माँग की मात्रा में कमी और ब्याज दर में वृद्धि।
a decrease in the quantity of money demanded and an increase in the rate of interest.

उत्तर- (A)/व्याख्या यदि मुद्रा पूर्ति और कीमत स्तर स्थिर है और मुद्रा की माँग आय और ब्याज दर का फलन है। जब आय का स्तर बढ़ता है तो मुद्रा की माँग मात्रा में वृद्धि और ब्याज दर में वृद्धि होगी। चूँकि मुद्रा की माँग बढ़ने पर ब्याज दर में वृद्धि पाई जाती है और मुद्रा की माँग आय स्तर का बढ़ता फलन है इसलिए आय के बढ़ने पर मुद्रा की माँग में वृद्धि होगी।

38. भारत में राजकोषीय सुधार उपायों में शामिल हैं

Fiscal reform measures in India included

- I. कर-जी.डी.पी. अनुपात बढ़ाना
Increasing Tax-GDP ratio
- II. व्यय प्रबन्धन / Expenditure Management
- III. राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को व्यवस्थित करना
Managing revenue deficit and fiscal deficit
- IV. अर्थव्यवस्था में तरलता में वृद्धि

Increasing liquidity in the economy
नीचे दिए गए कूट में से सही संयोजन बताएँ:

Find the correct combination from the given codes:

- (A) I, II और III सही हैं। (B) I, और IV सही हैं।
(C) II, III और IV सही हैं। (D) III और IV सही हैं।

उत्तर- (A)/व्याख्या भारत में राजकोषीय सुधार उपायों में शामिल है

- कर-GDP अनुपात बढ़ाना
 - व्यय प्रबन्धन
 - राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को व्यवस्थित करना
 - अर्थव्यवस्था में तरलता में वृद्धि
- राजकोषीय सुदृढ़ीकरण आर्थिक नीति का सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु है। यह 2 कारणों से आवश्यक है:

- राजकोषीय सुदृढ़ीकरण से निवेश के परिवेश में सुधार होता है तथा Crowd-out effect में कमी आती है। इससे सरकार द्वारा बचतों का उपयोग कर लिए जाने में कमी आती है।

- राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के बिना निकट भविष्य में वांछित उच्च संवृद्धि दर की प्राप्ति सम्भव नहीं है।

39. दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान निम्नलिखित कुछ बातें अनुभव की गईं:

During the Tenth Five Year Plan, some of the following things were experienced:

- सेवा क्षेत्र में अधिकतम वृद्धि दर देखी गई है।
Services sector witnessed the highest growth rate.
 - कृषि में न्यूनतम वृद्धि दर अनुभव की गई है।
Agriculture experienced the lowest growth rate.
 - औद्योगिक क्षेत्र में वृद्धि दर ऋणात्मक रही।
Rate of growth in the industrial sector was negative.
- उपर्युक्त में से कौन सा अभिकथन सत्य है?
Which of the aforesaid statements are correct?
- (A) I, II और III सही हैं। (B) I और II सही हैं।
(C) I और III सही हैं। (D) II और III सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या दसवीं पंचवर्षीय योजना में कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएँ रही:

- सेवा क्षेत्र में अधिकतम वृद्धि दर देखी गई है।
 - कृषि में न्यूनतम वृद्धि दर अनुभव की गई है।
- दसवीं योजना का समय अप्रैल 2002 से मार्च 2007 तक रहा है। इस योजना का प्रमुख उद्देश्य 8% GDP संवृद्धि दर प्राप्त करना तथा 2007 तक गरीबी में 5% की कमी लाना था। इस योजना में 7.7% की संवृद्धि प्राप्त हुई। भारतीय अर्थव्यवस्था में 15 मार्च 1950 को योजना आयोग के गठन से 17 अगस्त 2014 तक इसके विघटन तक 12 पंचवर्षीय योजनाएँ संचालित हुईं जो 1951 से 2017 तक संचालित रही।
- 1 जनवरी 2015** को योजना आयोग के स्थान पर NITI Aayog की स्थापना की गई जिसका प्रमुख उद्देश्य सहकारी संघवाद को बढ़ावा देना एवं Sustainable Development Goals प्राप्ति को सुनिश्चित करना है। नीति आयोग **bottom-up-approach** पर आधारित है जो 5 वर्षीय योजनाओं के स्थान पर 15 वर्षीय road map, 7 वर्षीय Vision, strategy and action plan तैयार करेगा।

40. अभिकथन (A) : संगठित क्षेत्रक में रोजगार वृद्धि (सरकारी और निजी दोनों में मिला कर) वर्ष 1994-2008 के दौरान बढ़ी है।

Assertion (A) : Employment growth in the organized sector (both public and private combined) has increased during the period 1994-2008.

कारण (R) : निजी क्षेत्र में अपेक्षाकृत अधिक रोजगार वृद्धि हुई है।

Reason (R) : There has been relatively faster employment growth in the private sector.

कूट / Codes:

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है।

(A) is correct but (R) is incorrect.

(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है।

(A) is incorrect but (R) is correct.

उत्तर- (A)/व्याख्या दिए गए कथन के अनुसार संगठित क्षेत्र में रोजगार वृद्धि (सरकारी और निजी दोनों में मिला कर) वर्ष 1994-2008 के दौरान बढ़ी है। लेकिन निजी क्षेत्र में अपेक्षाकृत अधिक रोजगार वृद्धि हुई है। इसलिए कथन व कारण सत्य है एवं कारण कथन की सही व्याख्या है संगठित क्षेत्र रोजगार का ऐसा क्षेत्र है जहाँ श्रमिक निश्चित शर्तों निश्चित समय व मानक मजदूरी में कार्य करते हैं। जैसे सार्वजनिक क्षेत्र में रोजगार। निजी क्षेत्र में रोजगार में अधिक वृद्धि का कारण वर्ष 1991 में लाए गये आर्थिक सुधार रहे हैं।

41. वर्ष 2011 के अनन्तिम आँकड़ों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन से राज्य के ग्रामीण और शहरी क्षेत्र दोनों में न्यूनतम बाल लिंग अनुपात निम्नतम था?

According to the provisional figures for 2011 census, which of the following States has the lowest child sex ratio both in rural and urban areas?

(A) उत्तर प्रदेश / Uttar Pradesh

(B) केरल / Kerala

(C) जम्मू और कश्मीर / Jammu and Kashmir

(D) हरियाणा / Haryana

उत्तर- (D)/व्याख्या वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार बाल लिंगानुपात

देश/राज्य	लिंगानुपात (0 से 6 वर्ष तक)	
	2001 जनगणना	2011 जनगणना
भारत	927	919
हरियाणा	819	834
जम्मू और कश्मीर	941	862
उत्तर प्रदेश	916	902
केरल	960	964
पंजाब	798	846

42. भारत में निम्नलिखित में से किस क्षेत्रक में वर्ष 2009-10 के दौरान 2004-05 की कीमतों पर अधिकतम वृद्धि दर देखने में आई है?

Of the following, which sector experienced maximum growth rate at 2004-05 prices in India during 2009-10?

(A) व्यापार, होटल, परिवहन और संचार व्यवस्था

Trade, hotels, transport and communication

(B) विनिर्माण, निर्माण, बिजली, गैस और जल आपूर्ति

Manufacturing, construction, electricity, gas and water supply

(C) वित्त पोषण, बीमा, रियल एस्टेट और व्यवसाय सेवाएँ

Financing, insurance, real estate and business services

(D) कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन, खनन और उत्खनन

Agriculture, forestry, fishing, mining and quarrying

उत्तर- (A)/व्याख्या भारत में व्यापार, होटल, परिवहन और संचार व्यवस्था में वर्ष 2009-10 के दौरान 2004-05 की कीमतों पर अधिकतम वृद्धि दर देखने को प्राप्त हुई।

● वर्तमान में National accounts series में GDP आकलन के लिए वर्ष 2011-12 को आधार वर्ष के रूप में प्रयोग किया जाता है। किन्तु हाल ही में नयी सीरीज की घोषणा की चर्चा है जिसके तहत वर्ष 2017-18 को आधार वर्ष चुना जा सकता है।

● देश की GDP में वर्ष 2020-21 के आँकड़ों के अनुसार सेवा क्षेत्र का योगदान 53.89% (लगभग 54%) रहा है। किन्तु कोरोना महामारी के कारण इस क्षेत्र में प्रारम्भिक संवृद्धि ऋणात्मक प्राप्त हुई।

43. निम्नलिखित में से किन वर्षों में जी.डी.पी. की प्रतिशत के रूप में सकल घरेलू बचत अधिकतम थी?

In which of the following years, gross domestic savings as a percentage of GDP was the highest?

(A) 2009-10

(B) 2008-09

(C) 2007-08

(D) 2006-07

उत्तर- (C)/व्याख्या वर्ष 2020 में भारत में Gross Domestic Saving (GDP% के रूप में) 28.35% रही। जो 2018-19 में 30.1% थी।

2018-19 - 30.1%

2011-12 - 34.6%

2007-08 - 36%

2003-04 - 29%

भारत में GDP के % के रूप में सकल घरेलू बचतों में निरन्तर कमी आई है।

44. उस वृद्धि प्रक्रिया को क्या कहा गया है जिसके कारण व्यापक लाभ और समान अवसर उपलब्ध हुए?

Growth process resulting into broad based benefits and providing equality of opportunity to all is referred to as

(A) तेजी से वृद्धि / Faster growth

(B) समावेशी वृद्धि / Inclusive growth

(C) असमावेशी वृद्धि / Exclusive growth

(D) टिकाऊ या धारणीय वृद्धि / Sustained growth

उत्तर- (B)/व्याख्या समावेशी वृद्धि के कारण व्यापक लाभ और समान अवसर उपलब्ध हुए।

आर्थिक विकास का मूल उद्देश्य मानव विकास तथा समाज और लोगों के कल्याण को अधिकतम करना है। किन्तु सर्वाधिक कल्याण

की प्राप्ति तभी होगी जबकि विकास से उत्पन्न फल का सभी में समान वितरण हो। समावेशी विकास की धारणा इसी तथ्य पर आधारित है। समावेशी विकास, विकास की ऐसी रणनीति है जो सभी को विशेष रूप से गरीब तथा विकास के लाभ से वंचित को विकास की मुख्य धारा में जोड़ती है।

आर्थिक वृद्धि विकास का परिमाणात्मक पहलू है जबकि आर्थिक विकास, विकास का गुणात्मक पहलू है। समावेशी विकास, विकास का विवरणात्मक पहलू है। भारत में 11वीं पंचवर्षीय योजना में समावेशी विकास पर प्रमुख जोर दिया गया।

45. निम्नलिखित में से किस योजना में उच्चतम वृद्धि दर देखने में आई है?

Which of the following plans witnessed the highest growth rate in India?

- (A) नवीं योजना / Ninth Plan
(B) आठवीं योजना / Eighth Plan
(C) दसवीं योजना / Tenth Plan
(D) सातवीं योजना / Seventh Plan

उत्तर- (C)/व्याख्या

सातवीं योजना	5.6% विकास दर
आठवीं योजना	6.6% विकास दर
नौवीं योजना	5.7%
दसवीं योजना	7.6%

46. चर X और Y के किसी भी युग्म के लिए दो प्रतिगमन समीकरण एक X पर Y का प्रतिगमन और दूसरा Y पर X का प्रतिगमन विद्यमान रहता है क्योंकि:

For any pair of variables X and Y, two regression equations-one regression of Y on X and other regression of X on Y exist because

- I. दो प्रतिगमन समीकरणों के कोण का स्पर्शी सहसम्बन्ध का गुणांक निर्धारित करता है।

Tangent of the angle made by two regression equations with each other determines the coefficient of correlation.

- II. प्रतिगमन मॉडल समीकरण के आश्रित और स्वतंत्र चरों की पहचान करने में सहायक नहीं होता है।

Regression model does not help in the identification of dependent and independent variables of the equation.

- III. प्रतिगमन और सहसम्बन्ध गुणांक दो चरों के सहपरिवर्तन का प्रतिनिधित्व करता है।

Regression and correlation coefficients represent the co-variation of the two variables.

- IV. प्रतिगमन समीकरण दोनों X और Y से संबंधित मानों का प्रतिनिधित्व करता है।

Regression equation represents jointly the value of X and Y.

निम्नलिखित में से सही कूट का चयन करें:

Select the right code from the following as the answer to the question:

कूट / Codes:

- (A) I और II सही हैं। (B) I और III सही हैं।
(C) I और IV सही हैं। (D) III और IV सही हैं।

उत्तर- (A)/व्याख्या चर X और Y के किसी भी युग्म के लिए दो प्रतीपगमन समीकरण X पर Y का प्रतीपगमन और दूसरा Y पर X का प्रतीपगमन विद्यमान रहता है क्योंकि:

- (I) दो प्रतीपगमन समीकरणों के कोण का स्पर्शी सहसम्बन्ध का गुणांक निर्धारित करता है।

- (II) प्रतीपगमन मॉडल समीकरण के आश्रित और स्वतंत्र चरों की पहचान करने में सहायक नहीं होता है।

दो श्रेणियों के बीच पाये जाने वाले पारस्परिक संबंध की विवेचना 'सह संबंध' (correlation) के आधार पर की जा सकती है। लेकिन एक श्रेणी के चर मूल्य के आधार पर दूसरी आश्रित श्रेणी के तत्संवादी (corresponding) चर मूल्य का सर्वोपयुक्त अनुमान लगाना सहसंबंध की सहायता से संभव नहीं हो पाता है। अतः सर्वोपयुक्त अनुमान एवं भावी अनुमानों के लिए समाश्रयण विश्लेषण (Regression Analysis) का अध्ययन आवश्यक समझा जाता है।

समाश्रयण सिद्धान्त के प्रतिपादन का श्रेय सर फ्रांसिस गाल्टन (Sir Francis Galton) को जाता है।

47. निम्नलिखित में से कौन सा लियोन्टिफ के स्थैतिक (स्टैटिक) प्रतिरूप (मॉडल) से संबंधित नहीं है?

Which of the following are not associated with the Leontief's Static Model?

- I. अन्तिम माँग संभावित आधारित (स्टोकेस्टिक) वेक्टर होती है।

Final demand is a stochastic vector.

- II. पैरोन फ्रोबिनियस का मूल का विलोम अधिकतम वृद्धि दर देता है।

Reciprocal of the Perron-Frobenius root is the maximum growth rate.

- III. आदा/इनपुट गुणांक प्रविधि प्राचलों द्वारा निश्चित होते हैं।
Input coefficients are the fixed technological parameters.

- IV. $(I-A-RB)^{-1} WL = P$

निम्नलिखित में से सही कूट का चयन करें:

Select the correct code from the following:

- (A) I, II, III (B) I, III, IV
(C) I, III (D) I, II, IV

उत्तर- (D)/व्याख्या लियोन्टिफ स्थैतिक (static) प्रतिरूप (मॉडल) से सम्बन्धित है

• Input/output गुणांक प्रविधि प्राचलों द्वारा निश्चित होती है। लियोन्टिफ का मॉडल 2 रूपों में प्रस्तुत किया जाता है-

- (i) लियोन्टिफ का स्थैतिक मॉडल
(ii) लियोन्टिफ का प्रावैगिक मॉडल

Prof. W.W. Leontief लियोन्टिफ ने 1951 में inter-industry relationship को दर्शाने के लिए तथा विभिन्न उद्योगों की अन्तर्निर्भरताओं को समझने के लिए Input-output model का विकास किया।

Input - output model का हल

$$X = [I - A]^{-1} \cdot F$$

[I-A] is known as the Leontief matrix

48. यदि $X_1 = f(P_1, P_2)$ और $X_2 = \phi(P_1, P_2)$, है तो दो वस्तुएँ एक दूसरे की प्रतिस्थापन होती हैं, यदि

If $X_1 = f(P_1, P_2)$ and $X_2 = \phi(P_1, P_2)$, then the two commodities are substitutes if

- (A) $(\partial X_1 / \partial P_2) < 0, (\partial X_2 / \partial P_1) > 0$
 (B) $(\partial X_1 / \partial P_2) > 0, (\partial X_2 / \partial P_1) < 0$
 (C) $(\partial X_1 / \partial P_2) > 0, (\partial X_2 / \partial P_1) > 0$
 (D) $(\partial X_1 / \partial P_2) < 0, (\partial X_2 / \partial P_1) < 0$

उत्तर- (C) व्याख्या यदि $X_1 = f(P_1, P_2)$ और $X_2 = \phi(P_1, P_2)$, है तो दो वस्तुएँ एक दूसरे की प्रतिस्थापन होगी यदि:

$$(\partial X_1 / \partial P_2) > 0, (\partial X_2 / \partial P_1) > 0$$

प्रतिस्थापन वस्तुएँ ऐसी वस्तुएँ होती हैं जो रंग रूप स्वभाव में बिल्कुल एक समान नहीं होती किन्तु इनका प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जा सकता है।

उदाहरण चाय, कॉफी

49. सहकालिक समीकरण अर्थमिति (इकोमेट्रिक) मॉडलों के संदर्भ में निम्नलिखित अभिकथनों पर विचार करें:

In the context of simultaneous equations econometric models, consider the following statements:

I. अभिज्ञान समस्या है जिसे आकलन से पहले मालूम किया जाना चाहिए।

Identification is a problem to be dealt with before estimation.

II. अभिज्ञान के लिए क्रमबद्धता की शर्त आवश्यक है पर इसके लिए पर्याप्त नहीं है।

Order condition is necessary but not a sufficient condition of identification.

III. आकलन की द्विचरण न्यूनतम वर्ग प्रणाली संगत आकलक प्रदान करती है यदि समीकरण का पूर्ण अभिज्ञान नहीं हुआ हो।

Two stage least squares method of estimation gives consistent estimators if the equation is under identified.

IV. अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग प्रणाली पद्धति के अंतर्गत न्यूनतम वर्ग प्रणाली पद्धति लघुकृत समीकरणों पर लागू होती है। Under indirect least squares method, least squares method is applied to the reduced form equations.

निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

Use the following code to answer the question:

(A) I और II सही हैं, किन्तु III और IV सही नहीं हैं।

I and II are correct but III and IV are incorrect.

(B) I, II, III और IV सही हैं।

I, II, III and IV are correct.

(C) I, II और III सही हैं, लेकिन IV सही नहीं हैं।

I, II and III are correct but IV is incorrect.

(D) I, II और IV सही हैं, लेकिन III सही नहीं हैं।

I, II and IV are correct but III is incorrect.

उत्तर- (D) व्याख्या सहकालिक समीकरण अर्थमिति मॉडल के संदर्भ में सत्य है:

I Identification problem जिसे आकलन से पहले ज्ञात किया जाना चाहिए।

II Identification के लिए क्रमबद्धता की शर्त आवश्यक है पर पर्याप्त शर्त नहीं है।

III अप्रत्यक्ष न्यूनतम वर्ग प्रणाली पद्धति के अंतर्गत न्यूनतम वर्ग प्रणाली पद्धति लघुकृत समीकरणों पर लागू होती है।

वह प्रणाली जिसमें चरों की संयुक्त निर्भरता का वर्णन किया जाता है युगपत समीकरणों की पद्धति या युगपत समीकरण मॉडल कहलाता है। इस प्रकार के मॉडलों में समीकरणों की संख्या विश्लेषण किये जाने वाले अध्ययन में सम्मिलित संयुक्त रूप से आश्रित चरों (अर्थात् अंतर्जात चरों) की संख्या के बराबर होती है।

आकलन की इस प्रकार की विधि, जिसमें युगपत समीकरण मॉडल की प्रत्येक समीकरण के प्रति ऐसा व्यवहार किया जाता है मानों यह अकेला ही समीकरण है, के अनुप्रयोग से उत्पन्न अभिनति को 'युगपतत/ अभिनति' अथवा युगपत-समीकरण अभिनति कहा जाता है।

उदाहरण मांग फलन:

$$Q_d = a_0 + a_1 P + a_2 P + a_3 I + U_1$$

50. यदि $r_{xy} = 0.3$ तो सूची-I और सूची-II की मदों का समायोजन कीजिए:

If $r_{xy} = 0.3$, match the items in list-I with the items in list-II:

सूची-I/List-I

सूची-II/List-II

i. -1 से +1

1. 0.3

-1 to +1

0.3

ii. -X और Y के बीच सहसम्बन्ध गुणांक

2. सहसम्बन्ध गुणांक की सीमाएँ

Correlation coefficient between-X and Y

Limits of correlation coefficient

iii. सहसम्बन्ध गुणांक का वर्ग (स्क्वेयर)

3. - 0.3

The Square of Correlation Coefficient

- 0.3

iv. -X और -Y के बीच सहसम्बन्ध का गुणांक

4. निर्धारण का गुणांक

Coefficient of correlation between-X and -Y

Coefficient of Determination

कूट / Codes:

	i	ii	iii	iv
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	4	1
(C)	3	1	2	4
(D)	4	1	2	3

उत्तर- (B) व्याख्या यदि $r_{xy} = 0.3$ है तो	
सूची-I/List-I	सूची-II/List-II
(i) -1 से +1	(2) सहसम्बन्ध गुणांक की सीमाएं
(ii) -x और y के बीच सहसम्बन्ध गुणांक	(3) -0.3
(iii) सहसम्बन्ध गुणांक का वर्ग (square)	(4) निर्धारण गुणांक
(iv) -x और -y के बीच सहसम्बन्ध गुणांक	(1) 0.3

51. निम्नलिखित का मिलान करें:

Match the following from list-I and list-II:

सूची-I/List-I	सूची-II/List-II
i. डरबिन-वाटसन 'd' स्टेटिक्स Durbin-Watson 'd' Statistics	1. स्टेशनैरिटी Stationarity
ii. R^2	2. गुणात्मक प्रभाव Qualitative Effects
iii. डिकी-फुलर टेस्ट Dickey-Fuller test	3. सीरियल सहसंबंध Serial Correlation
iv. डमी-मूकचर Dummy Variable	4. प्रतिगमन फलन की सुमानकता Goodness of fit of regression function

कूट / Codes:

i	ii	iii	iv
(A) 1	2	4	3
(B) 2	1	3	4
(C) 4	3	2	1
(D) 3	4	1	2

उत्तर- (D) व्याख्या	
सूची-I	सूची-II
(i) डरबिन-वाटसन 'd' स्टेटिक्स	(3) सीरियल सहसम्बन्ध
(ii) R^2	(4) प्रतिगमन फलन की सुमानकता
(iii) डिकी फुलर टेस्ट	(1) स्टैशनैरिटी
(iv) डमी (Dummy) मूकचर	(2) गुणात्मक प्रभाव

52. सी ई एस उत्पादन फलन में:

$$Q = M \left[\alpha X_1^{-p} + (1 - \alpha) X_2^{-p} \right]^{-\frac{1}{p}}$$

Q = प्रदा (आउटपुट) X_1 तथा X_2 श्रम एवं पूँजी हैं
प्रतिस्थापन लोच निर्मांकित के द्वारा दी है:

In CES production function:

$$Q = M \left[\alpha X_1^{-p} + (1 - \alpha) X_2^{-p} \right]^{-\frac{1}{p}}$$

Where Q is output and X_1 and X_2 are labour and capital.
Elasticity of substitution is given by

- (A) $-p$ (B) $-\frac{1}{p}$
(C) $\frac{-1}{(1+p)}$ (D) M

उत्तर- (C) व्याख्या C.E.S. उत्पादन फलन

$$Q = M \left[\alpha X_1^{-p} + (1 - \alpha) X_2^{-p} \right]^{-\frac{1}{p}}$$

($M > 0; 0 < \alpha < 1; -1 < p \neq 0$)

Q = Output

X_1 = श्रम (L)

X_2 = पूँजी (K)

(efficiency) दक्षता प्राचल = M_1 वितरण प्राचल (Distribution Parameter = α)

प्रतिस्थापन प्राचल (Substitution Parameter) = β

दिए गये उत्पाद फलन में प्रतिस्थापन की लोच = $\frac{1}{1+p}$

CES उत्पादन फलन या Constant elasticity of Production function उत्पादन फलन को Arrow, Chenery, Minhas तथा Solow ने दिया। इसलिए इसे ACMS उत्पादन फलन भी कह देते हैं। CES उत्पादन फलन Neo-Classical उत्पादन फलन है जो प्रतिस्थापन की स्थिर लोच को दर्शाता है। अर्थात् उत्पादन तकनीक में कारणों के परिवर्तन होने में स्थिर प्रतिशत मात्र में परिवर्तन पाया जाता है। CES उत्पादन फलन की स्थिर प्रतिस्थापनता लोचों के अतिरिक्त अन्य विशेषताएं कॉब-डगलस उत्पादन फलन के समान है।

53. दो चर के रेखित प्रोग्रामन समस्या में निम्नलिखित में से कोई एक व्यवरोध स्थिति होने पर बहुविध इष्टतम समाधान प्राप्त किए जाते हैं

In Linear Programming problem involving two variables, multiple optimal solutions are obtained when one of the constraints is

- (A) वस्तुपरक फलन उस अवरोध के समानांतर होना चाहिए जो साध्य क्षेत्र की सीमा बनाता है।
the objective function should be parallel to a constraint that forms boundary of the feasible region.
(B) वस्तुपरक फलन उस अवरोध के लम्ब होना चाहिए जो साध्य क्षेत्र की सीमा बनाता है।
the objective function should be perpendicular to a constraint that forms the boundary of the feasible region.
(C) A और B दोनों में से कोई नहीं। / neither (A) nor (B).
(D) कोई भी दो अवरोध, एक दूसरे के समानांतर होने चाहिए।
two constraints should be parallel to each other.

उत्तर- (A) व्याख्या दो चर के रेखिक प्रोग्रामन समस्या में एक व्यवरोध स्थिति होने पर बहुविध इष्टतम समाधान प्राप्त किए जा सकते हैं: इस दशा में वस्तुपरक फलन उस अवरोध के समानांतर होना चाहिए जो साध्य क्षेत्र की सीमा बनाता है।

Linear Programming अनुकूलतम की समस्या अर्थात् उत्पादक या उपभोक्ता की अनुकूलतम चयन क्या होगा इसकी व्याख्या करता है। Linear Programming दर्शाती है कि उत्पादक एवं उपभोक्ता कैसी योजना बनाए जिससे उपयोगिता अधिकतम हो, लाभ अधिकतम हो, तथा लागतें न्यूनतम हो।

Linear Programming के निम्नांकित महत्वपूर्ण हिस्से हैं

1. An objective function
2. Set of linear constraints जो कारक उपलब्धि की सीमाओं तथा अधिकतम विस्तार को दर्शाते हैं।
3. A set of non-negativity restriction गैर-ऋणात्मक प्रतिबंध
4. Feasible region

54. इनपुट-आउटपुट विश्लेषण के खुली अर्थव्यवस्था मॉडल में, यदि A आदा गुणांक मैट्रिक्स है और (I-A) प्रौद्योगिकी मैट्रिक्स है तो निम्नलिखित व्यवहार्य शर्त है जिसे पूरा किया जाना चाहिए:

In an open economy model of input output analysis, if A is the input coefficients matrix and (I-A) is technology matrix, the following is the viability condition to be satisfied

(A) $|I - A| \neq 0$ (B) $|I - A| > 0$

(C) $|I - A| < 0$

(D) मैट्रिक्स (I - A) के सभी प्रधान माइनर्स पॉजिटिव होने चाहिए।
All principal minors of the (I - A) matrix must be positive.

उत्तर- (D) व्याख्या Input-Output Model में खुली अर्थव्यवस्था मॉडल में मॉडल की व्यवहार्य शर्त को हॉकिन्स-साइमन शर्तें पूरा करती हैं। जिसके तहत यदि A Input matrix है तथा (I-A) तकनीकी मैट्रिक्स है तो आगत-निर्गत मॉडल की व्यवहार्यता के लिए मैट्रिक्स (I-A) के सभी प्रधान माइनर्स धनात्मक होने चाहिए।

आगत निर्गत मॉडल वास्तव में 'n' variables के simultaneous equation को हल करने की समस्या है। जिसमें समीकरणों के मूल्य ऋणात्मक एवं धनात्मक दोनों हो सकते हैं किन्तु ऋणात्मक मूल्य में आगत-निर्गत मॉडल की व्यवहार्यता नहीं होगी इसलिए All principal minors of the technology matrix (I-A) must be positive.

55. कॉब डगलस का उत्पादन फलन:

$Q = AL^\alpha K^{1-\alpha}$ में, प्रतिस्थापना लोच निम्नांकित होगी:

For the Cobb-Douglas Production function

$Q = AL^\alpha K^{1-\alpha}$ The elasticity of substitution is

- (A) शून्य / Zero (B) अनन्त / Infinity
(C) एक / One (D) A

उत्तर- (C) व्याख्या कॉब डगलस उत्पादन फलन

$Q = AL^\alpha K^{1-\alpha}$

में A, α धनात्मक स्थिरांक है जिसके मान उत्पादन तकनीकी पर निर्भर है। यहां α का मूल्य 0 से 1 के बीच होगा।

A - तकनीकी प्राचल है।

यहां श्रम और पूँजी की घाते α तथा $(1-\alpha)$ समग्र उत्पादन में पूँजी

तथा श्रम के सापेक्षित अंशों को तथा उत्पादन में श्रम तथा पूँजी की लोच को प्रदर्शित करती है।

विशेषताएं

- यह प्रथम कोटि का समांग उत्पादन फलन होता है।
- कॉब-डगलस उत्पादन फलन में $AP_L > MP_L$
- कॉब डगलस उत्पादन फलन में प्रतिस्थापन की लोच इकाई होती है।
- C.D उत्पादन फलन आयकर प्रमेय को सत्यापित करता है।

56. प्रतिगमन मॉडल निर्धारण के गुणांक:

Coefficient of determination of a regression model:

1. आश्रित चर के मानों में, कुल परिवर्तन के अनुपात की व्याख्या करता है।

Explains the proportion of total variation in the values of the dependent variable.

2. आश्रित चर Y के परिवर्तनों पर दैविक घटकों के प्रभाव का आकलन किया जा सकता है।

It can be used to derive the estimate of the extent of variation in the value of Y that is explained by the random factors.

3. स्वतंत्र और आश्रित चर के बीच अन्तःसंबंध की दिशा।
Direction of inter-relation between the dependent and independent variables.

4. आश्रित चर पर अन्तःखण्ड के प्रभाव की व्याख्या करता है।

It explains the influence of the intercept on the dependent variable.

निम्नलिखित में से सही कूट का चयन करें:

Select the correct code from the list given below:

(A) 1 2 3 4

(B) 1 2

(C) 2 4 3

(D) 4 1

उत्तर- (B) व्याख्या प्रतीगमन मॉडल निर्धारण के गुणांक

- आश्रित चर के मानों में कुल परिवर्तन के अनुपात की व्याख्या करता है।
- आश्रित चर Y के परिवर्तनों पर दैविक घटकों के प्रभाव का आकलन किया जा सकता है।

57. निम्नलिखित में से किस मैट्रिक्स के इनपुट गुणांक/तत्व की व्याख्या प्रति इकाई अन्तिम माँग के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपेक्षित इनपुट के रूप में की जाती है?

The input coefficients/elements of which of the following matrices are interpreted as inputs required directly and indirectly per unit of final demand.

(A) A

(B) (I - A)

(C) (I - A)⁻¹

(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (C)/व्याख्या (I-A)⁻¹ - Inverse of Technology Matrix में input गुणांक की व्याख्या प्रति इकाई अन्तिम मांग के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपेक्षित input के रूप में की जाती है। Final Demand in Input-output model is composed of household consumption, government spending, investment and exports.

58. वर्ष 2010-11 के लिए कुल खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य क्या रखा गया है?

Total foodgrains production target for the year 2010-11 has been placed at

- (A) 250 मिलियन टन (B) 240 मिलियन टन
(C) 244 मिलियन टन (D) 234 मिलियन टन

उत्तर- (C)/व्याख्या वर्ष 2020-21 में कुल खाद्यान्न उत्पादन पिछले वर्ष से 3.74% अधिक 308.65 MT रहा। वर्ष 2020-21 के लिए कुल खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य 301 MT रखा गया था। वर्ष 2021-22 के लिए 307.31 million Tonnes लक्ष्य रखा गया है। जिसमें 151.43 MT खरीफ के लिए जबकि 155.88 MT रबी फसलों के लिए लक्ष्य रखा गया है।

59. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अभियान (एन एफ एस एम) आरम्भ करने के वर्ष को इंगित कीजिए:

Indicate the year in which National Food Security Mission (NFSM) was launched:

- (A) 2001-02 (B) 2004-05
(C) 2010-11 (D) 2007-08

उत्तर- (D)/व्याख्या राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन का आरम्भ 16 अगस्त 2007 को केन्द्र सरकार ने एक केन्द्रीय प्रवर्तित स्कीम के रूप में की जिसका प्रमुख उद्देश्य कृषि तथा सम्बद्ध क्षेत्र की 2% वार्षिक विकास की दर को बढ़ाकर 2012 तक 4% वार्षिक करना था जो 11वीं पंचवर्षीय योजना की कृषि में लक्षित विकास दर थी।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तीन प्रमुख अंग हैं:

1. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन गेहूँ
2. चावल मिशन
3. दाल मिशन

2012-13 में 6 उत्तर पूर्वी राज्यों को भी इसमें शामिल किया गया। इस प्रकार इस समय गेहूँ मिशन में 12, चावल मिशन में 24 तथा दाल मिशन में 16 राज्य शामिल हैं।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम- 10 सितम्बर 2013 से लागू इससे 75% ग्रामीण तथा 50% शहरी आबादी को शामिल किया गया है।

60. नीचे दिए गए कूट में से भारत में कृषि ऋण के स्रोतों को स्पष्ट कीजिए:

Identify sources of agricultural credit in India from the code given below:

1. वाणिज्यिक बैंक / Commercial Banks
2. साहूकार / Money Lender
3. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक / Regional Rural Bank

4. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

Small Industries Development Bank of India

कूट / Codes:

- (A) 1, 2 और 3 (B) 2, 3 और 4
(C) 3, 4 और 1 (D) 1, 2, 3 और 4

उत्तर- (A)/व्याख्या भारत में कृषि ऋण के स्रोत हैं:

- (1) वाणिज्यिक बैंक
- (2) साहूकार
- (3) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक वाणिज्यिक बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक: संस्थागत स्रोत साहूकार गैर संस्थागत स्रोत कृषि साख इस क्षेत्र के विकास के लिए आवश्यक है।

प्रकार →

1. अल्पकालीन ऋण - 15 महीने से कम अवधि के
 2. मध्यम कालीन ऋण - 15 महीने से अधिक
 3. दीर्घकालीन ऋण - 5 वर्ष से अधिक
- ग्रामीण साख की व्यवस्था हेतु रिजर्व बैंक में एक अलग 'कृषि साख विभाग' है। जो -

1. इसमें कृषि साख से सम्बन्धित समस्याओं के लिए विशेषज्ञ कार्यदल है।
2. जो केन्द्र तथा राज्य सहकारी बैंकों तथा बैंकिंग संगठनों को विशेषज्ञ परामर्श देता है।

3. राज्य सहकारी बैंकों, व्यापारिक बैंकों तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को पुनर्वित्त सुविधा (reference facility) प्रदान करता है।

● 12 जुलाई 1982 को नाबार्ड की स्थापना जो नाबार्ड अधिनियम 1981 के तहत शिवरमन कमेटी की संस्तुति पर हुई। अब नाबार्ड में केन्द्र सरकार की शेरधारिता 100% है। इससे पहले 72.5% भागीदारी रिजर्व बैंक की थी।

● **लीड बैंक:** 1969 में रिजर्व बैंक द्वारा नियुक्त एस नारीमन समिति द्वारा सुझाये गये, जिसे 1969 में गाडगिल समिति ने 'क्षेत्रीय दृष्टिकोण (Area Approach) के रूप में स्वीकार किया।, ने लीड बैंक स्कीम का सुझाव दिया। 1969 में ही RBI ने इसे 380 जिलों में लागू किया।

इसके अंतर्गत प्रत्येक बैंक को एक जिला आवंटित किया गया और उसे उस जिले में साख व्यवस्था समन्वय करने के लिए 'लीडिंग रोल' (अग्रणी भूमिका) प्रदान की। ऊषा थोरैट की संस्तुतियों को स्वीकार करते हुए इस स्कीम को शहरी गरीबों तक बढ़ाया गया है जिससे तीव्र वित्तीय समावेशन हो सके।

● **क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक-** 1975 में गठित ग्रामीण बैंकों के सम्बन्ध में नियुक्त कार्यदल की संस्तुति पर 2 अक्टूबर 1975 को 5 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को स्थापित किया गया।

1. मुरादाबाद तथा गोरखपुर (U.P.)
 2. हरियाणा में भिवानी
 3. राजस्थान में जयपुर
 4. पश्चिम बंगाल में माल्दा
- किसान क्रेडिट कार्ड योजना (Kisan Credit Card Scheme)
- R.B. गुप्ता की संस्तुतियों पर अगस्त 1998 में की गई।

61. भारत में कृषि में कम उत्पादकता के लिए कारण है

Low productivity for agriculture in India is attributed to

- (A) अपर्याप्त सिंचाई सुविधाएँ / Poor irrigation facilities
(B) मानसून पर अत्यधिक निर्भर रहना

Heavy dependence on monsoon

- (C) नई प्रौद्योगिकी का अभाव / Absence of new technology
(D) उपर्युक्त सभी / All the above

उत्तर- (D) व्याख्या भारत में कृषि में कम उत्पादकता के लिए कारण है

1. अपर्याप्त सिंचाई सुविधाएं
2. मानसून पर अत्याधिक निर्भर रहना
3. नई प्रौद्योगिकी का अभाव
4. कृषि में अपर्याप्त निवेश
5. साख सुविधाओं में कमी
6. कृषि जोतो में सीमान्त जोतो की अधिकता

62. खाद्य आर्थिक सहायता की मात्रा अधिकतम थी

Quantum of food subsidy was highest in the year

- (A) 2009-10 में (B) 2008-09 में
(C) 2004-05 में (D) 2001-02 में

उत्तर- (A) व्याख्या

खाद्य सब्सिडी	
2020-21	2021-22
संशोधित अनुमान	बजट अनुमान
422618 करोड़	242836 करोड़ रु

63. भारतीय कृषि उत्पादकता को निम्नलिखित द्वारा बढ़ाया जा सकता है:

Productivity of Indian agriculture can be enhanced by

1. बढ़ा हुआ लोक निवेश / Increased public investment
2. बढ़ी हुई सिंचाई सुविधाएँ
Increased irrigation facilities
3. कृषकों की उच्चतर सहायक कीमतें
Higher support price to the farmers
4. कर्मियों को उद्योग से कृषि की ओर भेजकर
Shifting workers from industry to agriculture

दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

Select the correct answer from the given codes:

कूट / Codes:

- (A) 1, 2 और 4 (B) 1, 2 और 3
(C) 2, 3 और 4 (D) 3, 4 और 1

उत्तर- (B) व्याख्या भारतीय कृषि उत्पादकता को निम्नलिखित द्वारा बढ़ाया जा सकता है

1. बढ़ा हुआ लोक निवेश
2. बढ़ी हुई सिंचाई सुविधाएं
3. कृषकों की उच्चतर सहायक कीमतें
4. साख की समुचित व्यवस्था
5. कृषि में तकनीक का प्रयोग बढ़ाकर
6. कृषि में विविधीकरण के द्वारा

64. सशक्त मुद्रा में निहित है

High powered money comprises

- (A) जनता के पास करेन्सी + बैंक के नकद रिज़र्व
Currency held by the public + Cash reserves of banks
(B) जनता के पास करेन्सी मुद्रा + माँग और मियादी जमा + बैंक के नकद रिज़र्व
Currency held by the public + Demand and time deposits + Cash reserves of banks
(C) जनता के पास करेन्सी + बैंकों के नकद रिज़र्व + रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के अन्य निक्षेप
Currency held by the public + Cash reserves of banks + Other deposits of RBI
(D) जनता के पास करेन्सी मुद्रा + रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया के अन्य निक्षेप
Currency held by the public + other deposits of RBI

उत्तर- (C) व्याख्या सशक्त मुद्रा (High Powered Money)

= जनता के पास करेन्सी + बैंकों के नकद रिज़र्व + RBI के अन्य निक्षेप
प्रारक्षित मुद्रा या उच्च शक्ति मान मुद्रा (H) जिसे रेडडी समिति ने M_0 से व्यक्त किया से आशय RBI के निवल मौद्रिक दायित्व से है। M_0 या H में व्यापारिक बैंकों द्वारा रखा माँग जमा या समय जमा सम्मिलित नहीं होता है।

65. बेसल-1 फ्रेमवर्क के अन्तर्गत भारत में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के जोखिम भारित परिसम्पत्ति अनुपात के लिए न्यूनतम पूँजी क्या निर्धारित की गई है?

Capital to risk-weighted asset ratio of all scheduled commercial banks in India under the Basel - I framework is stipulated at the minimum of

- (A) 7% (B) 9%
(C) 12% (D) 14%

उत्तर- (B) व्याख्या बेसल-1 फ्रेमवर्क के अन्तर्गत भारत में सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के जोखिम भारित परिसम्पत्ति अनुपात के लिए न्यूनतम पूँजी 9% निर्धारित की गई है।

1975 में स्विटजरलैंड के बेसल शहर में स्थित बैंक ऑफ इंटरनेशनल सेटिलमेंट (BIS) जिस 1930 में स्थापित किया गया ने G-20 समूह के केन्द्रीय बैंक गवर्नरों की एक समिति गठित की जिसे BCBS (Basel Committee on Banking Supervision) कहा गया। इस समिति का उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बैंकों के प्रबन्धन तथा पर्यवेक्षण नीतियों में एकरूपता लाना था। इन्हें ही बेसल मानक कहा जाता है। उल्लेखनीय है कि इसके सुझाव कोई देश मानने को बाध्य नहीं है।

बेसल-1 यह 1988 में आए।

BCBS द्वारा बैंकों के लिए अपनी परिसम्पत्ति (ऋण तथा विनियोगों) का एक निश्चित भाग पूँजी के रूप में रखने के लिए अनिवार्य किया गया जो एक प्रकार से उनके द्वारा दिए गये ऋणों तथा विनियोगों से उत्पन्न हानियों से बैंकों को संरक्षित कर सके। उस समय पूँजी पर्याप्तता अनुपात 8% रखा गया।

टीयर-I पूँजी; या केन्द्रीय पूँजी

टीयर-II पूँजी या सहायक पूँजी

$$CAR / CRAR = \frac{\text{कुल पूँजी फण्ड}}{\text{जोखिम भारित कुल सम्पत्तियाँ}} \times 100$$

बैंकिंग क्षेत्र में सुधार पर गठित M- नरसिम्हन समिति ने अपनी रिपोर्ट में 1998 में सुझाव दिया कि 2000 तक CAR 9% निर्धारित किया जाना चाहिए।

बेसल-II : 2004 में बेसल-II मानक जारी किए गए।

बेसल-II तीन पारस्परिक स्फूर्तिदायक स्तम्भों पर आधारित है:

1. न्यूनतम नियामक पूँजी 9% CAR (minimum Regulatory Capital)
2. पर्यवेक्षण पुनरीक्षण (Supervisory Review)
3. बाजार अनुशासन (Market Discipline)

बेसल-III: जुलाई 2010

- टीयर-1 पूँजी का 2% जोखिम भारित सम्पत्तियों के लिए रखते हैं।
- बेसल-3 के अन्तर्गत कुल टीयर-1 को 4% से बढ़ाकर 6% कर दिया गया।
- कुल न्यूनतम आवश्यक पूँजी- 8%
- बेसल-2 की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत जहाँ कुल पूँजी से कुछ कसौटियों की अनुमति थी वहाँ **बेसल-3** के अन्तर्गत इस प्रकार की कसौटियाँ कॉमन इक्विटी **टीयर-1** से होगी, कुल पूँजी से नहीं।

66. मुद्रा बाजार में निम्नलिखित में से कौन से वित्तीय संस्थान प्रचालन में हैं?

Which of the following financial institutions are operating in the money market?

1. गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थान
Non-banking financial institutions
2. स्वीकृति गृह / Acceptance Houses
3. सेंट्रल बैंक / Central Bank
4. स्टॉक एक्सचेंज / Stock Exchanges

दिए गए कोड में से सही उत्तर का चयन करें:

Select the correct answer from the given codes:

कूट / Codes:

- (A) 2 और 3 (B) 1 और 3
(C) 1, 2 और 4 (D) 1, 2 और 3

उत्तर- (D) व्याख्या मुद्रा बाजार में निम्नलिखित वित्तीय संस्थान शामिल हैं

1. गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थान NBFCs
2. स्वीकृति गृह Acceptance Bank
3. सेंट्रल बैंक - RBI (**हिल्टन आयोग** Indian Central Bank inquiry Committee - 1931 के तहत RBI Act-1934 1 जनवरी 1949 → राष्ट्रीयकरण)

वित्तीय प्रणाली से आशय संस्थाओं, विलेखों, तथा बाजारों के सेट से है जो अर्थव्यवस्था में बचत बढ़ाने तथा उनके कुशलतम प्रयोग की ओर गतिशीलन में भूमिका अदा करते हैं।

वित्तीय बाजार के 2 प्रमुख अंग हैं:

- (i) मुद्रा बाजार या साख बाजार

(ii) पूँजी बाजार

मुद्रा बाजार में एक वर्ष से कम अवधि के फण्ड तथा ऐसी वित्तीय सम्पत्तियों, जो मुद्रा की नजदीकी स्थानापन्न हो के क्रय-विक्रय के लिए बाजार है।

मुद्रा बाजार

संगठित मुद्रा बाजार (RBI, व्यापारिक बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थान) असंगठित मुद्रा बाजार

67. अभिकथन (A) : क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आर. आर. बी.) का पूँजी आधार कमजोर पाया गया है।

Assertion (A) : The capital base of regional rural banks (RRBs) is found to be weak.

कारण (R) : आर.आर.बी. की जमा गतिशीलता अपर्याप्त है।

Reason (R) : Deposit mobilization of RRBs has been inadequate.

उपर्युक्त दो अभिकथनों में से नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन करें:

From the above two statements, select the correct answer from the given codes:

कूट / Codes:

(A) A और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) A और (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct but (R) is not the correct explanation of (A).

(C) A असत्य है, लेकिन (R) सत्य है।

(A) is false but (R) is true.

(D) A सत्य है, लेकिन (R) असत्य है।

(A) is true but (R) is false.

उत्तर- (B) व्याख्या अभिकथन तथा कारण दोनों भिन्न तथ्यों की व्याख्या करते हैं इसलिए दोनों सत्य होने के साथ एक दूसरे की सही व्याख्या नहीं है।

अभिकथन (A): क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRB) का पूँजी आधार कमजोर पाया गया है।

कारण (R): RRB को जमा गतिशीलता अपर्याप्त है।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की शुरुआत 2 अक्टूबर 1975 को 5 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना से हुई देश के सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को यह अधिकार दिया गया कि वे क्षेत्रीय बैंकों को उनकी पूँजी में भागीदारी प्रारम्भिक अवस्था में संगठनात्मक सहयोग के द्वारा प्रवर्तित करें।

केन्द्र सरकार नाबार्ड के माध्यम से इनकी पूँजी में 50% हिस्सा लगाती है। राज्य सरकार का हिस्सा इनकी पूँजी में 15% होता है जबकि 35% हिस्सा प्रवर्तक बैंक का होता है।

68. भारत में निम्नलिखित में से कौन सी विस्तृत मुद्रा (M_3) है?

Which of the following is broad money (M_3)

- (A) जनता के पास करेन्सी + बैंकों में माँग निक्षेप
Currency with public + demand deposits in the banks
- (B) करेन्सी + माँग जमा + रिज़र्व बैंक के पास अन्य निक्षेप
Currency + demand deposits + other deposits with RBI
- (C) मुद्रा + माँग जमा + मियादी जमा
Currency + demand deposits + time deposits
- (D) करेन्सी + माँग जमा + मियादी जमा + आर.बी.आई. के पास अन्य जमा
Currency + demand deposits + time deposits + other deposits with RBI

उत्तर- (D) व्याख्या M₃ (RBI के दूसरे कार्यदल 1977 के अनुसार)

M₁ = लोगो के पास करेन्सी + बैंकों की माँग जमा + RBI की अन्य जमा

M₃ = M₁ + बैंकों तथा सहकारी बैंकों की समय जमायें।
चक्रवर्ती समिति (1985): यह मुद्रा पूर्ति की अवधारणा से सम्बन्धित नहीं थी। यह मौद्रिक प्रणाली की पुनर्संरचना से सम्बन्धित थी।

Y.V. रेड्डी कमेटी (तीसरा कार्यकारी समूह) - 1997

→ जून 1998 में रिपोर्ट

→ चार मौद्रिक समुच्चय : M₀, M₁, M₂, M₃

→ तीन तरलता समुच्चय : L₁, L₂, L₃

M₁ = जनता में चलन + बैंकिंग प्रणाली के साथ जमा + RBI के पास अन्य जमा

M₂ = M₁ + 1 वर्ष की परिपक्वता वाले निवासियों की अल्पकालित सावधि जमा

M₃ = M₂ + निवासियों की दीर्घकालीन जमा + वित्तीय संस्थाओं या गैर बैंकिंग स्रोतों से याचना (call) या आवधिक वित्तीयन

69. भारतीय अर्थव्यवस्था में 2010-11 में स्फीति दबाव में निम्नलिखित में से किसका महत्वपूर्ण रूप से योगदान नहीं है?

Which of the following did not contribute significantly to inflationary pressure in Indian economy in 2010-11?

- (A) खाद्य मूल्य / Food prices
- (B) विनिर्मित उत्पादों के मूल्य / Prices of manufactured prices
- (C) ईंधन मूल्य / Fuel prices
- (D) धातु तथा खनिज मूल्य / Metal and mineral prices

उत्तर- (B) व्याख्या 2010-11 में स्फीतिक दबाव में विनिर्मित उत्पादों के मूल्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मुद्रा स्फीति को दो भागों में बांटकर मापा जाता है।

कोर स्फीति (Core inflation) इस प्रकार से स्फीति के मापन में ईंधन व खाद्यान को शामिल नहीं किया जाता।

जब ईंधन व खाद्यान मदों को शामिल कर दिया जाए तो ऐसी स्फीति हेडलाइन स्फीति (Headline in flation) कहलायेगा।

70. जॉन रोबिन्सन के ग्रोथ मॉडल में पूँजी संचय किस पर निर्भर करता है?

In Joan Robinson's growth model, capital accumulation depends on

- (A) बचत-आय अनुपात / Saving-income ratio
- (B) लाभ-मजदूरी सम्बन्ध और श्रम उत्पादकता
Profit-wage relation and labour productivity
- (C) लाभ-आय अनुपात तथा पूँजी उत्पादकता
Profit-income ratio and capital productivity
- (D) बचत-निवेश अनुपात / Saving-investment ratio

उत्तर- (B) व्याख्या जॉन रोबिन्सन के ग्रोथ मॉडल में पूँजी संचय

लाभ-मजदूरी सम्बन्ध और श्रम उत्पादकता पर निर्भर करता है।
श्रीमती जॉन रोबिन्सन ने अपनी पुस्तक The Accumulation of Capital में खेल के पूँजीवादी नियमों पर आधारित आर्थिक वृद्धि मॉडल का निर्माण किया

मान्यताएं

- बिना किसी सरकारी हस्तक्षेप के बंद अर्थव्यवस्था
- केवल पूँजी एवं श्रम ही उत्पादन के साधन
- पूँजी तथा श्रम का स्थिर अनुपात में प्रयोग
- तकनीकी प्रगति तटस्थ है।
- उद्यमी चाहे जितना श्रम रोजगार में लगा सकता है।
- आय का वितरण श्रमिक तथा उद्यमी के मध्य होता है।
- श्रमिकों द्वारा कोई बचत नहीं की जाती।
- पूँजी संचय लाभ-मजदूरी सम्बन्ध तथा श्रम उत्पादकता से सम्बन्धित है।
- बचत करने और लाभों से प्राप्त अपनी समूची आय को पूँजी निर्माण के लिए निवेश करने के सिवाय उद्यमी कुछ भी उपभोग नहीं करता।

स्वर्ण युग:

पूँजी की वृद्धि दर $\left(\frac{\Delta K}{K}\right)$ के अतिरिक्त, जनसंख्या की वृद्धि दर $\left(\frac{\Delta N}{N}\right)$ दूसरा तत्व है जो अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर को प्रभावित करती है।

जब $\frac{\Delta N}{N} = \frac{\Delta K}{K}$ हो तो अर्थव्यवस्था संतुलन में होगी जिसे रोबिन्सन ने 'स्वर्णयुग' कहा।

71. हिक्स तटस्थ तकनीकी प्रगति में, तकनीकी प्रगति है

In Hicks' neutral technical progress, the technical progress is

- (A) पूँजी को बढ़ाना / Capital augmenting
- (B) श्रम को बढ़ाना / Labour augmenting
- (C) श्रम तथा पूँजी दोनों को बढ़ाना
Both Labour and Capital augmenting
- (D) श्रम की क्षमता तथा उत्पादकता में परिवर्तन
Change in the efficiency and productivity of labour

उत्तर- (C) व्याख्या हिक्स के अनुसार तकनीकी प्रगति तटस्थ होगी जो श्रम तथा पूँजी की सीमान्त उत्पादकता को उसी अनुपात में बढ़ाती है। अन्य शब्दों में, एक तकनीकी प्रगति तटस्थ तब रहता है

जब स्थिर पूँजी-श्रम अनुपात पर श्रम के साथ पूँजी का सीमान्त उत्पादन का अनुपात अपरिवर्तित रहता है। इस प्रकार हिक्स तटस्थ तकनीकी प्रगति श्रम तथा पूँजी दोनों को बढ़ाती है।

72. द्वि अंतराल मॉडल में, अंतराल को निम्नलिखित के द्वारा भरा जा सकता है:

In dual gap model, the gap can be filled up by

- (A) बचत का स्तर उठाना / Raising the level of saving
- (B) निर्यात को बढ़ावा देना / Export promotion
- (C) संवृद्धि की स्थायी दर / Steady rate of growth
- (D) विदेशी आर्थिक सहायता / Foreign aid

उत्तर- (D)/व्याख्या द्वि अंतराल मॉडल में, अंतराल को विदेशी सहायता से भरा जा सकता है।

चेनरी ने आर्थिक विकास के द्वय अन्तरालों की प्रस्तावना प्रस्तुत की। इसका तात्पर्य यह है कि “बचत अन्तराल” तथा विदेशी विनिमय अन्तराल।

अल्पविकसित देशों में वृद्धि की लक्षित दर को प्राप्त करने में दो भिन्न-भिन्न तथा स्वतंत्र अवरोधक हैं। अर्थव्यवस्था की लक्षित वृद्धि दर को प्राप्त करने के लिए चेनरी विदेशी सहायता को इन दोनों अन्तरालों की पूर्ति करने का माध्यम समझता है। दोनों अन्तरालों की गणना के लिए दिए हुए पूँजी उत्पाद अनुपात के साथ अर्थव्यवस्था की एक लक्षित वृद्धि दर की कल्पना की जाती है।

यदि 6% राष्ट्रीय वार्षिक आय में वृद्धि दर है।

पूँजी उत्पाद - अनुपात 3:1 है।

तो Economy को NI का 18% अवश्य बचाना चाहिए। यदि केवल 12% बचते ही घरेलू क्षेत्र से एकत्रित की जाती है तो बचत अन्तराल NI का 6% होता है।

73. ‘क्रिया द्वारा अधिगम’ की अवधारणा किसने दी है?

The concept of 'learning by doing' was given by

- (A) जे. आर. हिक्स / J.R. Hicks
- (B) कैनेथ ऐरो / Kenneth Arrow
- (C) जॉन रोबिन्सन / Joan Robinson
- (D) निकोलस काल्डर / Nicholas Kaldor

उत्तर- (B)/व्याख्या क्रिया द्वारा अधिगम (Learning by Doing) की अवधारणा कैनेथ ऐरो की है। इन्होंने अन्तर्जात संवृद्धि मॉडलों के सन्दर्भ में इस धारणा का विकास किया। तथा दर्शाता कि उत्पादकता को अभ्यास, नवप्रवर्तन व स्वयं-कुशलता के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है जिससे संवृद्धि प्राप्त होगी।

74. निम्नलिखित में से क्या मानव पूँजी की अवधारणा को निरूपित करता है?

Which of the following represents the concept of human capital?

- (A) कुल मानव संसाधन / Total human resources
- (B) कुल जनसंख्या / Total population
- (C) उत्पादक गतिविधियों में लाभकारी ढंग से नियुक्त मानव संसाधन

Human resources gainfully employed in productive activities

(D) उपर्युक्त सभी / All of the above

उत्तर- (C)/व्याख्या उत्पादक गतिविधियों में लाभकारी ढंग से नियुक्त मानव संसाधन मानव पूँजी की अवधारणा को निरूपित करता है। अर्थव्यवस्था में पूँजी स्टॉक की वृद्धि पर्याप्त सीमा तक मानव पूँजी निर्माण पर निर्भर करती है। मानव पूँजी निर्माण का तात्पर्य देश के सब लोगों का ज्ञान कुशलता एवं क्षमताओं की वृद्धि से होता है।

प्रो० शुल्ज ने मानव पूँजी पर अत्याधिक जोर दिया। इनके अनुसार, मानव संसाधनों का विकास करने के 5 तरीके हैं।

1. नियोजित स्वास्थ्य सुविधाएं
2. कार्यरत प्रशिक्षण
3. प्रारम्भिक, माध्यमिक एवं उच्चतर स्तरों पर औपचारित रूप से संगठित शिक्षा
4. वयस्कों के लिए अध्ययन प्रोग्राम
5. बदलते नौकरी अवसरों से समायोजन करने से व्यक्तियों तथा परिवारों का स्थान बदलना।

75. विकासशील देशों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिये अलाभकारी क्या है?

Which of the following is disadvantageous to developing countries' international trade?

- (A) संरक्षण / Protection
- (B) स्वतन्त्र व्यापार / Free trade
- (C) प्राथमिक वस्तुओं का निर्यात तथा विनिर्मित वस्तुओं का आयात

Exports of primary and import of manufactured goods

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (C)/व्याख्या विकासशील देशों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिये अलाभकारी है - प्राथमिक वस्तुओं का निर्यात तथा विनिर्मित वस्तुओं का आयात।

प्राथमिक वस्तुओं के मांग की आय लोच कम होती है अर्थात् आय में वृद्धि होने पर इन वस्तुओं की मांग में अधिक वृद्धि नहीं होती इसलिए व्यापार में प्राथमिक वस्तुओं का निर्यात तुलनात्मक लाभ प्रदान नहीं करता दूसरी तरफ विनिर्मित वस्तुओं के आयात पर निर्भरता इन देशों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को अलाभकारी बनाता है। व्यापार की शर्तें प्रतिकूल करता है।

प्रो० मिडॉल ने चक्रीय कार्यकारण सिद्धान्त तथा प्रेविश सिंगर थीसिस में विकासशील देशों को व्यापार से प्राप्त हानि का उल्लेख किया।

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

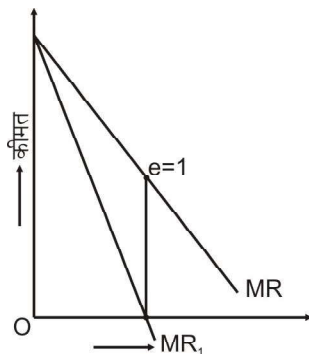
1. एकाधिकारिक फर्म की सीमान्त आय कीमत से कम होती है। क्योंकि

Marginal Revenue of a Monopoly firm is less than the price. Because:

- (A) माँग वक्र का ढलान सकारात्मक होता है
Demand curve has a positive slope.
(B) माँग वक्र का ढलान नकारात्मक होता है
Demand curve has a negative slope.
(C) एकाधिकारी को हानि होती है।
Monopolist incurs losses.
(D) एकाधिकारी संतुलन में है।
Monopolist is in equilibrium.

उत्तर- (B)/व्याख्या/ माँग वक्र के नकारात्मक ढलान वाले स्वरूप के कारण एकाधिकारी फर्म की सीमान्त आय कीमत से कम होती है। पूर्ण प्रतियोगिता में माँग वक्र व सीमांत आय वक्र आधार अक्ष के समान्तर सरल रेखा होती है जबकि एकाधिकारी फर्म का माँग वक्र नीचे गिरता हुआ होता है। एकाधिकारी माँग वक्र (AR) व MR वक्र का ढाल अधिक होता है जबकि एकाधिकारिक बाजार में माँग वक्र व MR का ढाल कम होता है।

एकाधिकार में सीमान्त आय MR सदैव कीमत से कम होती है, क्योंकि कि एकाधिकारी का माँग वक्र और औसत आय वक्र एक ही होता है, जो नीचे की ओर ऋणात्मक ढाल का होता है। यदि एकाधिकारी अपनी वस्तु की अधिक मात्रा बेचना चाहता है तो उसकी कीमतों में कमी होगी जिससे प्रत्येक अगली इकाई की MR कम होती जाएगी।



2. एक घटिया वस्तु के लिए आय-उपयोग वक्र एवं ऐंगल्स वक्र रेखाएँ होती हैं

For an inferior goods, income consumption curve and Engles curves are

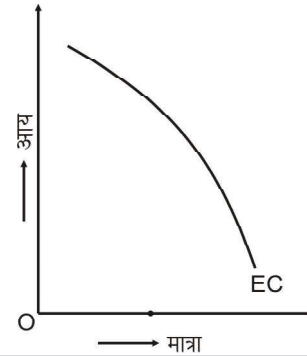
- (A) सकारात्मक रूप से ढलान लिए हुए। / Positively sloped

- (B) नकारात्मक रूप से ढलान लिए हुए। / Negatively sloped
(C) दोनों समान हैं। / Are the same
(D) आय उपभोग वक्र रेखा सकारात्मक ढलान लिए और ऐंगल्स वक्र रेखा नकारात्मक ढलान लिए रहती हैं।

Income consumption curve positively sloped and the Engles curve is negatively sloped

उत्तर- (B)/व्याख्या/ एक घटिया वस्तु के लिए आय उपभोग वक्र एवं ऐंगल्स वक्र रेखा में नकारात्मक रूप से ढलान लिए हुए होती है।

यदि आय बढ़ने पर उपभोक्ता किसी वस्तु की कम मात्रा क्रय करता है तो वस्तु निकृष्ट कोटि की कही जाएगी। ऐंगल्स ने आनुभाविक अध्ययनों के आधार पर दर्शाया कि जैसे-जैसे आय में वृद्धि होती है आय का कम भाग उपभोग पर व्यय होता है।



3. परम्परावादी अर्थ-शास्त्रियों ने मुद्रा की निम्न भूमिका पर केंद्रित किया:

The classical economists focussed on the role of money as

- (A) विनिमय का माध्यम / medium of exchange
(B) वितरण का माध्यम / medium of distribution
(C) धन-सम्पत्ति / wealth
(D) वर्तमान एवं भविष्य के बीच की कड़ी
link between present and future

उत्तर- (A)/व्याख्या/ परम्परावादी अर्थशास्त्रियों ने मुद्रा को विनिमय का माध्यम माना।

प्रो. फिशर ने अपने मुद्रा परिमाण सिद्धान्त को विनिमय समीकरण के रूप में प्रस्तुत किया।

फिशर समीकरण -

$$MV = PT$$

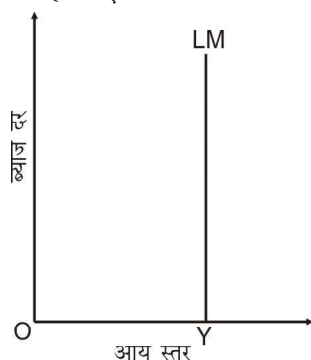
- M = मुद्रा की मात्रा
V = मुद्रा की चलन वेग
P = कीमत स्तर
T = कुल वस्तु एवं सेवाओं की मात्रा

4. यदि मुद्रा की माँग पूर्णतया ब्याज लोच निरपेक्ष है तो तरलता - मुद्रा (एल एम) वक्र-

If the demand for money is perfectly interest inelastic, the LM schedule will be

- (A) ऊपर की ओर ढलान लिए हुए होगा / Upward sloping
(B) नीचे की ओर ढलान लिए हुए होगा / Downward sloping
(C) समस्तरीय रेखा होगी। / Horizontal line
(D) खड़ी रेखा होगी। / Vertical line

उत्तर- (D)/व्याख्या यदि मुद्रा की माँग पूर्णतया ब्याज लोच निरपेक्ष है (Perfectly Interest Inelastic) तो तरलता-मुद्रा (LM) वक्र खड़ी रेखा (Vertical) होगी क्योंकि मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि से होने वाली ब्याज दर की कमी का LM वक्र पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। ऐसी अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगार में होगी तथा मुद्रा आपूर्ति में परिवर्तन आय में परिवर्तन नहीं लाएगा।



5. हैरड-डोमर का आर्थिक विकास मॉडल निम्न के सन्तुलन पर आधारित है:

Harrod-Domar model of economic growth is based on the equilibrium between

- (A) आय सृजन और उत्पादन क्षमता निर्माण।
Income generation and productive capacity creation
(B) आय और उपभोग सन्तुलन।
Equilibrium between income and consumption
(C) निवेश एवं बचत सन्तुलन।
Equilibrium between savings and investment
(D) उपरोक्त में से कोई नहीं। / None of the above

उत्तर- (C)/व्याख्या हैरड-डोमर का आर्थिक विकास मॉडल निवेश एवं बचत संतुलन पर आधारित है।

हैरड-डोमर मॉडल में वास्तविक संवृद्धि दर का निर्धारण बचत-आय अनुपात तथा पूंजी-उत्पाद अनुपात पर निर्भर करता है। वास्तविक संवृद्धि दर तथा इनके निर्धारकों के सम्बन्धों को निम्न प्रकार व्यक्त किया जा सकता है -

- Gc = S
G = Actual Growth
c = Capital Output Ratio $\Delta K / \Delta Y$
S = Saving - Income Ratio $\Delta S / \Delta Y$

$$G = \frac{\Delta Y}{Y}$$

$$c = \frac{\Delta K}{\Delta Y} = \frac{I}{\Delta Y} [\because \Delta K = I]$$

$$\text{Because } S = \frac{S}{Y}$$

Substituting the value of G, c and S in equation (1) we get

$$\frac{\Delta Y}{Y} \times \frac{I}{\Delta Y} = \frac{S}{Y}$$

$$\frac{I}{Y} = \frac{S}{Y}$$

$$I = S$$

यह दर्शाता है Steady State Growth प्राप्त करने के लिए ex-post saving, ex-post Investment के बराबर हो।

6. किसी कर की उत्प्लाविता का गणना करने हेतु हम विचार करते हैं

In calculating the buoyancy of a tax, we consider

- (A) केवल विवेकाधीन परिवर्तनों पर
Only discretionary changes
(B) केवल स्वः परिवर्तनों पर / Only automatic changes
(C) (A) और (B) दोनों पर / Both (A) and (B)
(D) न तो (A) और न (B) पर / Neither (A) nor (B)

उत्तर- (C)/व्याख्या किसी कर की उत्प्लाविता की गणना करने हेतु विवेकाधीन परिवर्तनों तथा स्वः परिवर्तनों पर विचार किया जाता है।

सरकार के कर राजस्व में होने वाला परिवर्तन केवल GDP में होने वाले परिवर्तन का परिणाम नहीं होता है बल्कि कर राजस्व में होने वाला परिवर्तन सरकार द्वारा कर नीति में किये गए परिवर्तन के बराबर होता है अर्थात् कर की दर, कर प्रोत्साहन, कर हतोत्साहन, कर आधार आदि में किए जाने वाले युक्तिसंगत परिवर्तन GDP में तथा कर नीति में होने वाले परिवर्तन का कर राजस्व में पड़ने वाला संयुक्त प्रभाव कर उत्साह (Tax Buoyancy) कहलाता है। अतः कर की लोच की अपेक्षा कर उत्प्लावकता एक व्यापक धारणा है।

7. निम्नलिखित केंद्रीय प्रवृत्ति मापों में से कौन सा माप ऐसी खोज-सामग्री के लिए श्रेष्ठतम होगा जिसमें चरों के मूल्यों का आकलन करना हो?

Which of the following measures of the central tendency suits the data best if the objective is to assess the distribution of values?

- (A) गणितीय - माध्य / Arithmetic mean
(B) बहुलक / Mode
(C) मध्यमा / Median
(D) कुटोसिस / Kurtosis

उत्तर- (C) व्याख्या मध्यमा केन्द्रीय प्रवृत्ति की सभी मापों में श्रेष्ठतम माना जाता है।

यदि किसी आंकड़ों को उनके परिणाम के अनुसार आरोही या अवरोही क्रम में व्यवस्थित किया जाए तो उस श्रेणी के मध्य पद का मान माध्यिका कहलाता है। माध्यिका में चरम मूल्यों का प्रभाव नहीं पड़ता तथा मध्य में स्थिर होने के कारण यह सर्वश्रेष्ठ औसत को दर्शाती है।

8. रिकार्डों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त में तुलनात्मक लागत-लाभ इस कारण से होता है-

Comparative cost advantage in Ricardo's international trade theory arises due to

- (A) मजदूरी लागत में अन्तर / Labour cost differences
(B) कारक इंडाऊमेंट में अन्तर
Differences in factor endowment
(C) कारक मूल्य पर परिभाषित कारक प्रचुरता
Factor abundance defined in terms of factor prices
(D) उपरोक्त सभी / All of the above

उत्तर- (A) व्याख्या रिकार्डों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुलनात्मक लागत सिद्धान्त श्रम के मूल्य सिद्धान्त पर आधारित है।

रिकार्डों का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुलनात्मक लागत सिद्धान्त श्रम के मूल्य सिद्धान्त पर आधारित है। रिकार्डों के अनुसार प्रत्येक देश उस वस्तु के उत्पादन में विशिष्टीकरण करता है जिसमें उसकी उत्पादन की तुलनात्मक लागत सबसे कम हो। रिकार्डों ने दर्शाया कि दोनों देशों के बीच व्यापार संभव है जब एक देश को दोनों वस्तुओं के उत्पादन में निरपेक्ष लाभ हो परन्तु एक की अपेक्षा दूसरी वस्तु के उत्पादन में तुलनात्मक लाभ हो। रिकार्डों ने अपना सिद्धान्त इंग्लैण्ड और पुर्तगाल के प्रसिद्ध उदाहरण से प्रस्तुत किया।

9. भारत में 2004-05 में निर्धनता-रेखा से नीचे के व्यक्तियों की संख्या किस राज्य में अधिकतम थी?

In India, in 2004-05 the number of poor persons below poverty line was the highest in the State of

- (A) बिहार / Bihar
(B) उत्तर प्रदेश / Uttar Pradesh
(C) मध्य प्रदेश / Madhya Pradesh
(D) राजस्थान / Rajasthan

उत्तर- (B) व्याख्या भारत में वर्ष 2004 - 05 में निर्धनता-रेखा से नीचे के व्यक्तियों की सर्वाधिक संख्या उत्तर-प्रदेश में थी।

तेन्दुलकर समिति जो गरीबी का बहुआयामी दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है ने 1993 -94 तथा 2004 - 05 वर्ष के लिए नयी अखिल भारतीय गरीबी रेखा का अनुमान लगाया। समिति ने ग्रामीण क्षेत्र के लिए 2004 - 05 के मूल्यों पर 446.68 रु प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह तथा शहरी क्षेत्र के लिए इसे 578.80 रूपया मासिक प्रति व्यक्ति माह उपभोग व्यय रखा। इस आधार पर समिति ने अनुमान लगाया कि 2004 - 05 में ग्रामीण जनसंख्या का 41.8% तथा शहरी जनसंख्या का 25.7% गरीबी रेखा से नीचे था। 2004 - 05 में सम्पूर्ण भारत स्तर पर गरीबी का प्रतिशत 32.2% था।

विश्व बैंक तथा 72वें चक्र (2014 - 15)

NSSO का 72वाँ चक्र वस्तुतः पिछले उपभोग व्यय सर्वेक्षणों से सर्वथा अलग है। NSSO का 72वाँ चक्र अभी प्रकाशित नहीं हुआ है।

72वें चक्र के आधार पर विश्व बैंक ने भारत में गरीबी का अनुमान लगाया है। इसके अनुसार 2014 - 15 में शहरी गरीबी 10.8% तथा ग्रामीण गरीबी 16.8 % थी।

10. निम्नलिखित में से कौन सा 'भारत-निर्माण' का घटक नहीं है?

Which of the following is not a component of Bharat Nirman?

- (A) ग्रामीण आवास / Rural housing
(B) ग्रामीण विद्युतीकरण / Rural electrification
(C) कृषि आधारित उद्योग / Agro-based industries
(D) ग्रामीण टेलीफोन सेवा / Rural telephony

उत्तर- (C) व्याख्या कृषि आधारित उद्योग भारत निर्माण का घटक नहीं है।

ग्रामीण क्षेत्र में आधारभूत सुविधाओं के निर्माण एवं विकास हेतु भारत निर्माण योजना का प्रारम्भ किया गया। इस योजना का शुभारम्भ प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा 16 दिसम्बर 2005 को नई दिल्ली में किया गया।

इस योजना के अन्तर्गत 6 घटकों को शामिल किया गया है-

- (i) ग्रामीण आवास (iv) विद्युतीकरण
(ii) सिंचाई क्षमता (v) पेयजल
(iii) सड़कें (vi) ग्रामीण दूर संचार

11. विकुंचित माँग वक्र रेखा में विकुंचित बिन्दु दर्शाता है

A point of 'Kink' in the kinked demand curve indicates

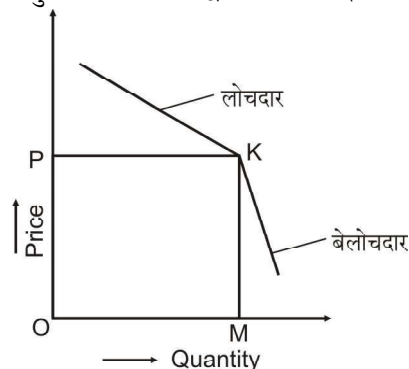
- I. अनम्य कीमत / Price rigidity
II. अनम्य मात्रा / Quantity rigidity
III. नम्य कीमत / Price flexibility
IV. मात्रा नम्यता / Quantity flexibility

कूट / Codes:

- (A) I और II सही हैं। (B) II और III सही हैं।
(C) III और IV सही हैं। (D) I और IV सही हैं।

उत्तर- (A) व्याख्या विकुंचित माँग वक्र रेखा में विकुंचित बिन्दु अनम्य कीमत व अनम्य मात्रा को दर्शाता है।

अल्पाधिकारी बाजार में कीमत स्थिरता के सम्बन्ध में पॉल एम स्वीजी ने विकुंचित माँग वक्र सिद्धान्त का प्रतिपादन किया।



चित्र में K बिन्दु पर मांग वक्र विकुंचित है। इसके ऊपर का भाग अधिक लोचदार तथा नीचे का भाग कम लोचदार होगा इस कारण मूल्य में परिवर्तन सम्भव नहीं हो पाता।

12. अदायगी - घाटा बकाया में निम्न प्रकार से सुधार किया जा सकता है:

Improvement in the BOP deficit may be effected through

- I. आयात नियन्त्रण / Import control
- II. निर्यात वृद्धि / Export promotion
- III. विदेशी विनिमय नियन्त्रण / Foreign exchange control
- IV. अवमूल्यन / Devaluation

कूट / Codes:

- (A) I और II सही हैं। (B) I, II, III और IV सही हैं।
(C) II और III सही हैं। (D) I, II और III सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या भुगतान संतुलन किसी निश्चित समय अवधि में एक देश के विश्व के अन्य सभी देशों से समस्त लेन देनो का लेखा जोखा है। इसमें 2 खाते होते हैं

- (i) चालू खाता (ii) पूंजी खाता

अदायगी - घाटा बकाया (Balance of Payment) में सुधार आयात नियंत्रण, निर्यात वृद्धि, विदेशी विनिमय नियंत्रण तथा अवमूल्यन के माध्यम से किया जा सकता है।

13. लोक ऋण के भार सम्बन्धी समस्या पर किसने विचार किया है?

The problem relating to burden of public debt has been dealt by

- I. ए. पी. लर्नर / A. P. Learner
- II. ई. डी. डोमर / E. D. Domar
- III. ए. सी. पीगू / A. C. Pigou
- IV. ए. एच. हेन्सन / A. H. Henson

कूट / Codes:

- (A) I और II सही हैं। (B) II और III सही हैं।
(C) I और IV सही हैं। (D) II और III सही हैं।

उत्तर- (C)/व्याख्या लोक ऋण के भार सम्बन्धी समस्या पर ए. पी. लर्नर व ए. एच. हेन्सन ने विचार किया।

सार्वजनिक ऋण एक प्रकार का उत्तरभावी कर है (ऐसा कर जिसका भुगतान बाद में किया जाए) जिसके माध्यम से जनता इसके बहुत पूर्व कि सार्वजनिक व्यय को चालू वर्ष की आय से पूरा किया जाए, सार्वजनिक व्ययों से उत्पन्न लाभ को प्राप्त कर लेती है।

सार्वजनिक ऋण का वर्गीकरण -

- (i) आन्तरिक व बाह्य ऋण
- (ii) ऐच्छिक व अनिवार्य ऋण
- (iii) उत्पादक तथा अनुत्पादक ऋण
- (iv) शोध्य तथा अशोध्य ऋण
- (v) बाजार ऋण तथा गैर बाजारी ऋण

14. राजकोषीय नीति का सम्बन्ध सरकारी निर्णय से निम्न से सम्बंधित है:

Fiscal policy relates to the Government decision in respect of

I. कराधान / Taxation

II. राजकीय व्यय / Government spending

III. राजकीय ऋण / Government borrowing

IV. सरकारी कर्ज / Public Debt

कूट / Codes:

- (A) III और IV सही हैं। (B) II, III और IV सही हैं।
(C) I और II सही हैं। (D) उपरोक्त सभी सही हैं।

उत्तर- (D)/व्याख्या सार्वजनिक व्यय, करारोपण, सार्वजनिक ऋण तथा हीनार्थ प्रबन्धन से सम्बन्धित नीति को ही राजकोषीय नीति कहते हैं। सामाजिक तथा मेरिट वस्तुओं तथा सेवाओं की पूर्ति या सार्वजनिक व्यय राज्य का प्रारम्भ बिन्दु है, शेष सभी इस क्रिया को पूरा करने के साधन हैं। सार्वजनिक व्यय का आकार सरकार के आकार का निर्धारण करता है।

15. एच. डी. आई के निर्माण का सम्बन्ध होता है

HDI is entrusted with reference to:

- I. जन्म के समय आयु संभावितता / Life expectancy at birth
- II. वास्तविक जीडीपी प्रति व्यक्ति / Real GDP/per capita
- III. शिशु मृत्यु दर / Infant mortality
- IV. अस्वस्थता / Morbidity

कूट / Codes:

- (A) I और II सही हैं। (B) II और III सही हैं।
(C) III और IV सही हैं। (D) उपरोक्त सभी सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या HDI का प्रतिपादन 1990 में UNDP से जुड़े हुए अर्थशास्त्री महबूब-उल-हक, ए.के.सेन व हेन सिंगर ने किया। HDI तीन घटकों व चार संकेतकों पर आधारित है -

- (1) स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन - जन्म के समय जीवन प्रत्याशा
- (2) ज्ञान या शैक्षणिक उपलब्धि
 - (i) स्कूली शिक्षा के माध्य वर्ष
 - (ii) स्कूली शिक्षा के प्रत्याशित वर्ष
- (3) जीवन निर्वाह स्तर - प्रतिव्यक्ति सकल राष्ट्रीय उत्पाद (PPP - US\$)

16. असन्तुलित विकास सिद्धान्त का प्रतिपादन किसने किया?

The doctrine of unbalanced growth was propounded by

- I. हर्षमेन / Hirschman
- II. रोबर्ट सोलो / Robert Solow
- III. सिंगर / Singer
- IV. रागनर नर्कसे / Ragnar Nurkse

कूट / Codes:

- (A) I और II सही हैं। (B) II और III सही हैं।
(C) III और IV सही हैं। (D) I और III सही हैं।

उत्तर- (D)/व्याख्या असन्तुलित विकास सिद्धान्त हर्षमेन व सिंगर ने प्रतिपादित किया।

असन्तुलित विकास सिद्धान्त का अर्थ किसी अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों का एक साथ विकास न करके कुछ चुने हुए प्रमुख क्षेत्रों का गहन विकास किया जाना है।

17. आर्थिक विकास का हैरोड-डोमर मॉडल आधारित है:

Harrod-Domar model of economic growth is based upon

- I. वांछनीय वृद्धि दर / Warranted growth rate
- II. निवेश वृद्धि दर / Investment growth rate
- III. उत्पादकता वृद्धि दर / Productivity growth rate
- IV. प्राकृतिक वृद्धि दर / Natural growth rate

कूट / Codes:

- (A) I और II सही हैं। (B) II और III सही हैं।
(C) III और IV सही हैं। (D) I और IV सही हैं।

उत्तर- (D)/व्याख्या हैरोड-डोमर मॉडल उन्नत पूंजीवादी देशों के अनुभवों पर आधारित है। इसमें कीन्सीय मॉडल का प्रावैगिक विस्तार किया गया है।

हैरोड- डोमर मॉडल में तीन प्रकार की संवृद्धि दरों की चर्चा की गई है-

- (i) वास्तविक संवृद्धि दर
- (ii) वांछित संवृद्धि दर
- (iii) प्राकृतिक संवृद्धि दर

18. केन्स के सिद्धान्त में मुद्रा की परिकल्पनात्मक मांग पैदा होती है, क्योंकि

In Keynesian system speculative demand for money arises because of

- I. भविष्यकालीन ब्याज दरों सम्बन्धी अनिश्चितता
Uncertainty of future interest rates
- II. अन-अपेक्षित खर्च / Unexpected expenditures
- III. आय एवं वास्तविक खर्च के बीच पुल का निर्माण
To bridge the gap between income and eventual expenditure
- IV. ब्याज दर के परिवर्तन और बांड कीमतों के बीच का सम्बन्ध
Relationship between changes in the interest rates and bond prices

कूट / Codes:

- (A) I और III सही हैं। (B) I और IV सही हैं।
(C) II और III सही हैं। (D) III और IV सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या कीन्स के सिद्धान्त में मुद्रा की परिकल्पनात्मक मांग (Speculative Demand) पैदा होती है -

- I. भविष्यकालीन ब्याज दरों सम्बन्धी अनिश्चितता
 - IV. ब्याज दर में परिवर्तन व बांड कीमतों के बीच का सम्बन्ध
- कीन्स ने अपने मुद्रा की मांग तथा ब्याज दर निर्धारण के तरलता अधिमान सिद्धान्त में दर्शाया कि मुद्रा की मांग तीन उद्देश्यों से की जाती है -
- (i) लेन देन उद्देश्य - यह आय का फलन है।
 - (ii) पूर्वोपाय (Precautionary Objective) -अधिगम आय का फलन
 - (iii) सट्टा उद्देश्य (Speculation Purpose) - यह ब्याज दर का फलन है।

19. मिल्टन फ्रीडमैन के सिद्धान्त के अनुसार उपभोक्ता खर्च का स्थायी घटक किस पर आधारित होता है?

According to Milton Friedman theory permanent component of consumption-expenditure depends on

- I. केवल अस्थायी आय / Transitory income alone
- II. अस्थायी एवं स्थायी आय
Transitory and permanent income
- III. केवल स्थायी आय / Permanent income alone.
- IV. अप्रत्याशित लाभ / Windfall gains

कूट / Codes:

- (A) I और II सही हैं। (B) I और III सही हैं।
(C) II और IV सही हैं। (D) केवल III सही हैं।

उत्तर- (D)/व्याख्या फ्रीडमैन ने उपभोग परिकल्पना में स्थायी आय परिकल्पना को प्रस्तुत किया। फ्रीडमैन के अनुसार भविष्य में आय की प्रत्याशा उपभोग क्रिया को प्रभावित करती है किन्तु उपभोक्ता अपने उपभोग की जो योजनाएं बनाता है वह स्थायी आय पर निर्भर होती है।

फ्रीडमैन ने उपभोग को दो भागों में बांटा -

- (i) स्थायी उपभोग (Cp)
- (ii) अस्थायी उपभोग (Ct)

इसी प्रकार आय को भी दो भागों में बांटा -

- (i) स्थायी आय (Yp)
- (ii) अस्थायी आय (Yt)

फ्रीडमैन के सिद्धान्त के अनुसार उपभोक्ता खर्च का स्थायी घटक केवल स्थायी आय पर निर्भर करता है।

20. भारत के योजना आयोग ने हाल ही में निर्धन रेखा सम्बन्धी घोषणा की है-

The Planning Commission of India has recently made announcement regarding Poverty Line:

- I. नगरीय क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति ₹42 प्रतिदिन
₹42 per capita per day in urban area
- II. ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति ₹26 प्रतिदिन
₹26 per capita per day in rural area
- III. नगरीय क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति ₹32 प्रतिदिन
₹32 per capita per day in urban area
- IV. ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति ₹32 प्रतिदिन
₹32 per capita per day in rural area

कूट / Codes:

- (A) I और II सही हैं। (B) I और III सही हैं।
(C) II और III सही हैं। (D) III और IV सही हैं।

उत्तर- (C)/व्याख्या तेन्दुलकर समिति की रिपोर्ट 2009 में आयी। इस समिति ने ग्रामीण क्षेत्र के लिए 2004 - 05 मूल्य पर 446.68 रूपया प्रति व्यक्ति प्रतिमाह तथा शहरी क्षेत्र के लिए इसे 578.80 रूपया मासिक प्रतिव्यक्ति उपभोग रखा।

तेन्दुलकर समिति के 3 वर्ष बाद 2012 में योजना आयोग ने सी. रंगराजन की अध्यक्षता में एक और समिति 'मेथडालॉजी फॉर मैनेजमेंट ऑफ पावर्टी' की समीक्षा के लिए गठित की। रंगराजन समिति ने 30 जून 2014 को अपनी रिपोर्ट सौंपी। इस समिति ने अखिल भारतीय स्तर पर ग्रामीण क्षेत्र के लिए 972 रूपया तथा शहरी क्षेत्र के लिए 1407 रूपया प्रतिव्यक्ति मासिक उपभोग व्यय को गरीबी रेखा के रूप में परिभाषित किया।

निम्नांकित 21-30 प्रश्नों के कथन और उनके उत्तर के कारण का कूट के अनुसार सही उत्तर का चयन कीजिए:

Q. Nos. 21-30 : Read the following questions of given Assertions with their Reasoning and find correct answer from the codes given below these questions.

कूट / Codes:

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

(A) is correct, but (R) is incorrect.

(D) (A) गलत है, परन्तु (R) सही है।

(A) is incorrect, but (R) is correct.

21. अभिकथन (A) : गिफिन का विरोधाभास वास्तविक संसार में कम घटित होता है।

Assertion (A) : Giffin's paradox rarely occurs in the real world.

तर्क (R) : जिन वस्तुओं के उचित प्रतिस्थापन उपलब्ध रहते हैं, उन घटिया वस्तुओं को कम परिभाषित किया जाता है।

Reason (R) : Inferior goods are narrowly defined for which suitable substitutes are available.

उत्तर- (C) व्याख्या दिया गया अभिकथन (A) गिफिन का विरोधाभास वास्तविक संसार में कम घटित होता है सही है। गिफिन वस्तुएं विशेष प्रकार की निम्नलिखित वस्तुएं हैं जिनका नामकरण सर राबर्ट गिफिन के नाम पर किया गया है। इन वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि होने पर इनकी मांग में भी वृद्धि पाई जाती है। तथा कीमतों में कमी होने पर मांग में कमी पाई जाती है इसे गिफिन विरोधाभास कहा जाता है क्योंकि यहां कीमत व मांग में प्रत्यक्ष सम्बन्ध है जो कि मांग के नियम के विपरीत है। गिफिन का विरोधाभास वास्तविक संसार में कम घटित होता है क्योंकि बहुत दुर्लभ वस्तुएं हैं जिनके सम्बन्ध में मांग का नियम प्रभावी नहीं होता इसलिए कथन सत्य है। इसी संदर्भ में दिया गया तर्क (R) जिन वस्तुओं के उचित प्रतिस्थापन उपलब्ध रहते हैं, उन घटिया वस्तुओं को कम परिभाषित किया जाता है, गलत है।

घटिया वस्तुएं ऐसी वस्तुएं हैं जिनके सम्बन्ध में आय में वृद्धि वस्तुओं की मांग में कमी लाती है कोई वस्तु घटिया वस्तु है या नहीं यह उपभोक्ता की आय पर निर्भर करता है सामान्यतः देखा जाता है कि आय के बढ़ने पर उपभोक्ता अन्य वस्तुओं का प्रयोग बढ़ा देता है। अतः (R) गलत है।

अतः स्पष्ट है कि अभिकथन (A) सही है, परन्तु (R) गलत है।

22. अभिकथन (A) : उपभोग के जीवन चक्र सिद्धान्त के अनुसार, किसी व्यक्ति के उपभोग का

स्तर उसकी मौजूदा आय पर ही नहीं वरन् उसकी दीर्घकालिक अपेक्षित आय पर भी निर्भर करता है।

Assertion (A) : According to the Life Cycle Theory of consumption, an individual level of consumption depends not just on current income but also on long run expected earnings.

तर्क (R) : व्यक्ति से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपने जीवनकाल में प्रत्याशित आय के आधार पर ही अपने खर्च के नमूने (पैटर्न) की योजना बनाएगा।

Reason (R) : Individuals are assumed to plan a pattern of expenditure based on expected earnings over life time.

उत्तर- (A) व्याख्या दिया गया अभिकथन (A) उपभोग के जीवन चक्र सिद्धान्त के अनुसार, किसी व्यक्ति के उपभोग का स्तर उसकी मौजूदा आय पर ही नहीं वरन् उसकी दीर्घकालिक अपेक्षित आय पर भी निर्भर करता है, सही है।

इसी संदर्भ में दिया गया तर्क (R) व्यक्ति से यह उम्मीद की जाती है कि वह अपने जीवनकाल में प्रत्याशित आय के आधार पर ही अपने खर्च के नमूने (पैटर्न) की योजना बनाएगा, भी सही है।

दिए गए अभिकथन के अनुसार, उपभोग के जीवन चक्र सिद्धान्त में किसी व्यक्ति के उपभोग का स्तर उसकी मौजूदा आय पर ही नहीं वरन् उसकी दीर्घकालिक अपेक्षित आय पर भी निर्भर करता है क्योंकि एक व्यक्ति सदैव अपने जीवनकाल में प्रत्याशित आय के आधार पर ही अपने व्यय तथा उपभोग पैटर्न को तय करता है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

23. अभिकथन (A) : प्रभावी माँग को संपत्ति के अधिक समान वितरण द्वारा बढ़ाया जा सकता है।

Assertion (A) : Effective demand can be increased by more equitable distribution of wealth.

तर्क (R) : तीस अथवा चालीस इकाइयों, जिनकी आय औसतन एक लाख और पाँच लाख के बीच हो, द्वारा उस एक व्यक्ति की तुलना में जिसकी आय 10 लाख प्रति वर्ष है कहीं अधिक प्रभावी माँग पैदा होगी।

Reason (R) : Thirty or forty entities with income averaging between 1 lakh and 5 lakhs would create much more effectivedemand than a single entity having income of 10 lakhs a year.

उत्तर- (A) व्याख्या दिया गया अभिकथन (A) प्रभावी माँग को सम्पत्ति के अधिक समान वितरण द्वारा बढ़ाया जा सकता है, सही है।

क्योंकि कीन्स ने अपने उपभोग के मनोवैज्ञानिक नियम से दर्शाया कि आय के बढ़ने पर उपभोग में आनुपातिक कमी आती है तथा कम आय वाला व्यक्ति आय का अधिक भाग खर्च करता है। इसलिए जब वितरण समान होगा तो उपभोग व्यय अधिक होगा जिससे प्रभावी मांग में वृद्धि होगी।

दिया गया तर्क (R) तीस अथवा चालीस इकाइयों, जिनकी आय औसतन एक लाख और पाँच लाख के बीच हो, द्वारा उस एक व्यक्ति की तुलना में जिसकी आय 10 लाख प्रति वर्ष है वहीं अधिक प्रभावी मांग पैदा होगी, **भी सही है** क्योंकि कम आय वाले व्यक्ति कि MPC ज्यादा होती है इसलिए वह आय का अधिक भाग उपभोग पर व्यय करेगा व बचते कम करेगा।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

24. अभिकथन (A) : 2004-05 से 2007-08 के दौरान भारत में वित्तीय एकाग्रता प्रक्रिया दिखाई दी।

Assertion (A) : During the period 2004-05 to 2007-08 fiscal consolidation process was witnessed in India.

तर्क (R) : इस अवधि में कर राजस्व में उछाल आया।

Reason (R) : There was buoyancy in tax revenue during this period.

उत्तर- (A)/व्याख्या/ दिया गया अभिकथन (A) 2004-05 से 2007-08 के दौरान भारत में वित्तीय एकाग्रता प्रक्रिया दिखाई दी, सही है तथा इसी संदर्भ में दिया गया तर्क (R) **भी सही है।** 2004-05 से 2007-08 के दौरान भारत में वित्तीय एकाग्रता प्रक्रिया दिखाई देती है। क्योंकि इस समय निरन्तर राजकोषी समेकन के प्रयास किए गये व कर की दरों को विवेकशील बनाया गया जिससे एक तरफ सार्वजनिक व्यय विवेकपूर्ण ढंग से हुआ वहीं कर राजस्व में वृद्धि से घाटों में कमी आयी इसलिए 2004-05 से 2007-08 तक वित्तीय एकाग्रता दिखाई देती है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

25. अभिकथन (A) : K/L अनुपात समय पा कर सन्तुलित अनुपात की दिशा में समायोजन बैठा लेगा।

Assertion (A) : K/L ratio will adjust through time in the direction of equilibrium ratio.

तर्क (R) : क्योंकि उत्पादन के तकनीकी गुणांक परिवर्तनशील होते हैं।

Reason (R) : Because the technical co-efficient of production are variable.

उत्तर- (B)/व्याख्या/ सोलो मॉडल में दर्शाया गया कि पूँजी श्रम अनुपात में किसी भी समय समायोजन हो सकता है तथा पूँजी श्रम में प्रतिस्थापन संभव है क्योंकि उत्पादन में तकनीकी बाढ़ रूप से निर्धार्य है किन्तु उत्पादन के तकनीकी गुणांक परिवर्तनशील होते हैं।

Robert M. Solow का मॉडल हैरोड-डोमर मॉडल के विकल्प तथा सुधार के रूप में हैरोड की चाकूधार समस्या को हल करता है। यह दीर्घकाल में Steady State Growth को दर्शाता है।

अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

26. अभिकथन (A) : देश में समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु वित्तीय समावेश अपेक्षित है।

Assertion (A) : Financial inclusion is desirable to help weaker sections of society in the country.

तर्क (R) : आम आदमी तक विकास के लाभों को पहुँचाने के लिए निवेश क्रियाओं को बढ़ाने की आवश्यकता है।

Reason (R) : Investment activity needs to be promoted to facilitate access to development benefits to masses.

उत्तर- (A)/व्याख्या/ विकास की प्रक्रिया में समावेशी विकास सभी की साझेदारी तथा लाभ का समान वितरण सुनिश्चित करता है। इस अर्थ में RBI के अनुसार, 'वित्तीय समावेशन से अभिप्राय अल्प आय तथा कमजोर वर्ग के उस बड़े समूह को जो सामान्य रूप से प्रचलित बैंकिंग प्रणाली से बैंकिंग सेवा तथा लाभ प्राप्त करने से वंचित रह जाता है को वहनीय लागतों पर बैंकिंग सेवाओं व वित्तीय समझ उपलब्ध कराता है।

अभिकथन के अनुसार देश में समाज के कमजोर वर्ग की सहायता हेतु वित्तीय समावेशन अपेक्षित है क्योंकि आम आदमी तक विकास के लाभों को पहुँचाने के लिए निवेश क्रियाओं को बढ़ाने की आवश्यकता है और यह वित्तीय समावेशन से सम्भव है ताकि छोटी-छोटी बचतों को एकत्रित किया जा सके।

अतः स्पष्ट है कि (A) व (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

27. अभिकथन (A) : स्थिरता की स्थिति पूँजी निर्माण की प्रक्रिया का अन्त है।

Assertion (A) : Stationary state is the end of the process of capital formation.

तर्क (R) : प्राकृतिक साधनों एवं पूँजी की कमी किसी अर्थव्यवस्था को गतिहीनता की दशा में लाती हैं।

Reason (R) : Scarcity of natural resources as also capital leads the economy to the stationary state.

उत्तर- (A)/व्याख्या/ अभिकथन (A) स्थिरता की स्थिति पूँजी निर्माण की प्रक्रिया का अन्त है जैसा कि क्लासिकल अर्थशास्त्रियों ने अपने संवृद्धि के सिद्धान्त में दर्शाया है **सही है।**

क्लासिकल अर्थशास्त्री पूँजी संचय को आर्थिक विकास की कुंजी मानते हैं इसके लिए ये अधिक बचतों पर जोर देते हैं ये बचते पूँजीपति तथा भूमिपति द्वारा की जाती हैं श्रमिक वर्ग बचते नहीं

करता क्योंकि वह जीवन निर्वाह स्तर मजदूरी प्राप्त करता है। पूंजीपती की लाभ की प्रेरणा निवेश बढ़ाती है जिसके लिए पूंजी संचय बढ़ाया जाता है किन्तु लाभ सदैव नहीं बढ़ते हैं। जन पूंजीपतियों में पूंजी संचय के लिए प्रतियोगिता बढ़ती है तो एडम स्मिथ के अनुसार मजदूरी बढ़ती है जिससे लाभ घटते हैं। जब लाभ घटते हैं तो यह क्रम लगातार जारी रहता है जब तक कि शून्य लाभ न हो जाये, जनसंख्या वृद्धि रुक न जाये। तथा पूंजी संचय बंद न हो जाये। यहां पुनः मजदूरी निर्वाह स्तर पर पहुँच जाती है। **क्लासिकल अर्थशास्त्रियों ने पूंजी निर्माण की प्रक्रिया में अंत को ही स्थिर अवस्था माना।** इस प्रकार अभिकथन सत्य है।
दिया गया तर्क (R) प्राकृतिक साधनों एवं पूंजी की कमी किसी अर्थव्यवस्था को गतिहीनता की दशा में लाती है, **भी सही है।**
 स्थिर अवस्था में प्राकृतिक साधनों का पूर्ण प्रयोग होगा तथा अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगार में होगी। पूंजी संचय की समाप्ति अर्थव्यवस्था को गतिहीनता (Stationary state) में लाती है।
अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

- 28. अभिकथन (A) :** विनियोग में पूर्ति प्रभाव निहित हैं।
Assertion (A) : Investment has also a supply effect.
तर्क (R) : क्योंकि यह उत्पादन क्षमता को बढ़ाता है।
Reason (R) : Because it raises capacity to produce.

उत्तर- (A)/व्याख्या विनियोग में पूर्ति प्रभाव निहित है क्योंकि यह उत्पादन क्षमता को बढ़ाता है। हैरोड-डोमर मॉडल में आर्थिक वृद्धि की प्रक्रिया में निवेश को अधिक महत्व प्रदान किया। ये निवेश की द्वैत प्रकृति पर बल देते हैं।
 (i) निवेश आय का सृजन करता है।
 (ii) निवेश अर्थव्यवस्था के पूंजी स्टॉक में वृद्धि कर उसकी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करता है।
अतः स्पष्ट है कि (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) का (R) सही स्पष्टीकरण है।

- 29. अभिकथन (A) :** स्वर्णमान अन्ततः द्वितीय विश्व युद्ध के उपरान्त छोड़ दिया गया।
Assertion (A) : Gold Standard was finally given up after the Second World War.
तर्क (R) : देशों में स्फीति दर भिन्न-भिन्न थी।
Reason (R) : Countries had different rates of inflation

उत्तर- (B)/व्याख्या 1930 की मंदी व द्वितीय विश्व युद्ध ने देशों को स्वर्णमान प्रणाली छोड़ने पर मजबूर कर दिए। इन दिनों विभिन्न देशों में भिन्न-भिन्न स्फीति दर थी तथा एक निश्चित विनिमय दर तय नहीं थी।
 अतः 1944 में ब्रेटनवुडस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय तरलता तथा विनिमय दर की समस्या के लिए ब्रेटन वुडस प्रणाली चलन में आई। यह प्रणाली स्वर्ण विनिमय मान पर आधारित थी। यह 1971 तक ही चल सकी।

अतः स्पष्ट हैं कि (A) और (R) दोनों सही हैं परन्तु (A) का (R) सही स्पष्टीकरण नहीं है।

- 30. अभिकथन (A) :** भारतीय कृषि में छद्म बेरोजगारी विद्यमान है।
Assertion (A) : Disguised unemployment is present in Indian agriculture.
तर्क (R) : कृषि की सीमांत उत्पादकता लगभग शून्य है।
Reason (R) : Marginal productivity of agriculture is close to zero.

उत्तर- (A)/व्याख्या भारतीय कृषि में छद्म बेरोजगारी (Disguised Unemployment) विद्यमान है क्योंकि कृषि क्षेत्र में श्रमिकों की सीमान्त उत्पादकता लगभग शून्य है। प्रच्छन्न बेरोजगारी की धारणा का उल्लेख सर्वप्रथम श्रीमती जोन राबिन्सन ने 1936 में किया। इसके अनुसार ऐसे श्रमिक जो ऊपर से देखने में तो रोजगार में लगे रहते हैं पर वास्तव में रोजगार में नहीं होते हैं क्योंकि उनसे प्राप्त होने वाला सीमान्त उत्पादन शून्य होता है। ऐसी बेरोजगारी को प्रच्छन्न बेरोजगारी कहा जाता है यह भारतीय कृषि की महत्वपूर्ण विशेषता है। प्रच्छन्न बेरोजगारी को नर्क ने बचत सम्भाव्य की दशा माना ऐसा तब होगा जबकि प्रच्छन्न रूप से बेरोजगार श्रमिक को अन्य उत्पादक क्षेत्रों में लगाया जाए।

निम्नांकित 31-40 प्रश्नों को पढ़िए एवं कूट के अनुसार सही क्रम का चुनाव कीजिए।

Q. Nos. 31-40: Read the following questions and find the correct sequence from the code given below these questions.

- 31. निम्नलिखित को कालक्रमानुसार रखिए:**
Arrange the following in chronological order :
 I. सी ई एस उत्पादन फलन / CES production function
 II. कोब-डोगलस उत्पादन फलन
 Cobb-Douglas production function
 III. ट्रान्सलॉग उत्पादन फलन
 Translog production function
 IV. परिवर्तनशील अनुपातों का नियम
 The law of variable proportions

कूट / Codes:

- (A) III, I, IV, II
 (B) I, IV, II, III
 (C) IV, II, I, III
 (D) II, III, I, IV

उत्तर- (C)/व्याख्या कालक्रमानुसार

नियम फलन	वर्ष	अर्थशास्त्री
IV. परिवर्तनशील अनुपातों का नियम		श्रीमती जॉन रॉबिन्सन
II. कोब-डोगलस उत्पादन फलन	1927-47	कोब एवं डोगलस

I. सी ई एस उत्पादन फलन	1961	ऐरो, चैनरी, मिनहास, सोलो
III. ट्रॉसलौग उत्पादन फलन	1967 1971	J. Kmenta Gri Lichs and Ringstad

32. निम्नलिखित योजनाओं पर विचार कीजिए:

Consider the following schemes:

I. ई ए एस / EAS

II. ट्राईसेम / TRYSEM

III. जे आर वाई / JRY

IV. आर एल ई जी पी / RLEGP

इन योजनाओं को लागू करने के सही कालक्रम को चुनिए-

The correct chronological sequence of the launching of these schemes are:

कूट / Codes:

(A) II, IV, I, III

(B) IV, II, III, I

(C) IV, III, I, II

(D) II, IV, III, I

उत्तर- (D) व्याख्या / कालक्रमानुसार		
Schemes	Year	Full form
II. TRYSEM	15 August 1979	Training of Rural youth for self Employment
IV. RLEGP	15 August 1983	Rural Landless Employment Guarantee Programme
III. JRY	1st April 1989	Jawahar Rozgar Yojna Employment Assurance scheme
I. EAS	2nd October	Employment Assurance 1993 Scheme

33. मुद्रा के उद्गम को कालक्रम में रखिए-

Arrange the origin of money in a sequential order

I. चेक / Cheque

II. धातु मुद्रा / Metallic money

III. वस्तु मुद्रा / Commodity money

IV. कागज मुद्रा / Paper money

सही उत्तर का चयन कीजिए -

Choose the correct answer given below -

कूट / Codes:

(A) IV, I, III, II

(B) I, III, II, IV

(C) III, II, IV, I

(D) II, IV, I, III

उत्तर- (C) व्याख्या मुद्रा किसी न किसी रूप में पिछले 5000 वर्षों से मानव इतिहास का हिस्सा रहा है। उस समय से पहले इतिहास का आमतौर पर सहमत होते हैं कि वस्तु विनिमय (वस्तु मुद्रा) की एक प्रणाली का उपयोग किया जाता था।

● 600 ईसा पूर्व में, लिडिया के राजा इलियट ने पहली अधिकारिक धातु मुद्रा का प्रचलन शुरू किया। इस धातु मुद्रा को लिडियम स्टेटर के नाम से जाना गया जो इलेक्ट्रम, चांदी और सोने के मिश्रण से

बनाया गया।

● सर्वप्रथम चीन सिक्कों से कागजी मुद्रा में चले गये। 11 वीं शताब्दी के दौरान सोंग राजवंश ने चीन में कागजी मुद्रा की शुरुआत की।

भारतीय रुपये का इतिहास

● प्राचीन भारत दुनिया में चीनी वेन और लिडियन स्टेटर के साथ सिक्कों की शुरुआती जारीकर्ताओं में से एक था।

● पहले भारतीय सिक्कों को महाजनपदों द्वारा ढाला गया था जिन्हें पुराण, कर्षपन या पाना के नाम से जाना जाता है।

● 18 वीं शताब्दी में, बंगाल में Bank of Hindostan General Bank और Bengal Bank कागजी मुद्रा जारी करने वाले भारत के पहले बैंक बन गये।

● 1857 के विद्रोह के बाद, अंग्रेजों ने रुपये को औपनिवेशिक भारत की आधिकारिक मुद्रा बना दिया जिसमें किंग जॉर्ज VI का चित्र छपा हुआ था।

● भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी पहली कागजी मुद्रा जनवरी 1938 में किंग जॉर्ज VI के चित्र वाला पांच रुपये का नोट था।

● 1947 में स्वतंत्र भारत द्वारा मुद्रित पहला बैंक नोट एक रुपये का नोट था। कागजी मुद्रा में सारनाथ के Lion Capital को किंग जॉर्ज VI के स्थान पर छपा गया।

● 15 अगस्त 1950 को स्वतंत्र भारत का पहला सिक्का अन्न सीरीज़ पेश किया गया।

भारत में चेक का इतिहास

● भारत में सर्वप्रथम Bill of Exchange का प्रयोग मौर्य साम्राज्य (321 से 185 ईसा पूर्व) में 'आदेश' नाम से हुआ।

● Bank of India (1770 में स्थापित) ने सर्वप्रथम 'चेक' को पेश किया।

● 1881 में Negotiable Instruments Act पारित किया गया जिसमें चेक, BOE जैसे वाणिज्यिक उपकरणों के उपयोग औपचारिक रूप से किया।

34. निम्नलिखित सिद्धान्तों को कालक्रमानुसार रखिए:

Arrange the following theories in the chronological order:

I. परिमाण सिद्धान्त का पुनर्कथन

Restatement of Quantity Theory

II. आय सिद्धान्त / Income Theory

III. परिमाण सिद्धान्त / Quantity Theory

IV. नगद शेष उपागम / Cash Balance Approach

प्रदत्त कूटों से सही उत्तर का चयन कीजिए-

Select the correct answer from the given codes:

कूट / Codes:

(A) I, II, IV, III

(B) III, I, II, IV

(C) IV, III, I, II

(D) III, IV, II, I

उत्तर- (D)/व्याख्या/ कालाक्रमानुसार		
सिद्धान्त	वर्ष	अर्थशास्त्री
III. परिमाण सिद्धान्त का	16वीं सदी	दवन जेट्टी ने सर्वप्रथम पुनर्कथन मुद्रा परिमाण सिद्धान्त दिया। बाद में फिशर ने इसे व्यवस्थित रूप में प्रस्तुत किया।
IV. नगद शेष उपागम	1917	मार्शल, पीगु, राबर्टसन
II. आय सिद्धान्त	1956	
I. परिमाण सिद्धान्त	1959	फ्रीडमैन

35. पारम्परिक अर्थशास्त्रियों के सही कालक्रम की पहचान कीजिए-
Identify the correct chronological order of the following classical economists:

- (A) एडम स्मिथ, माल्थस, रिकार्डो, जे. एस. मिल
Adam Smith, Malthus, Ricardo, J.S. Mill
(B) एडम स्मिथ, रिकार्डो, माल्थस, जे. एस. मिल
Adam Smith, Ricardo, Malthus, J.S. Mill
(C) एडम स्मिथ, जे. एस. मिल, रिकार्डो, माल्थस
Adam Smith, J.S. Mill, Ricardo, Malthus
(D) एडम स्मिथ, माल्थस, जे. एस. मिल, रिकार्डो
Adam Smith, Malthus, J.S. Mill, Ricardo

उत्तर- (B)/व्याख्या/ क्लासिकल (पारम्परिक अर्थशास्त्री): एडम स्मिथ → रिकार्डो → माल्थस → J.S. मिल	
पारम्परिक अर्थशास्त्री	उल्लेखनीय कार्य
(i) एडम स्मिथ (16 June 1723 से 17 July 1790)	The Theory of Moral Sentiment (1759) The Wealth of Nation (1776)
(ii) रिकार्डो (18 April 1772 से 11 September 1823)	The High Price of Bullion (1810)
(iii) माल्थस (13 February 1766 से 23 December 1834)	An Essay on the Principle of Population (1798)
(iv) जे. एस. मिल (20 May 1806 - 8 May 1873)	Utilitarianism (1863)

36. शुम्पीटर विकास मॉडल की क्रमिक प्रक्रिया है
The sequencing process of Schumpeter model of development is

- (A) मधुमक्खी समान झुंड, नवप्रवर्तन, बैंक साख, वर्तुल प्रवाह भंग करना
Swarm like Clusters, Innovation, Bank credit, Breaking circular flow
(B) वर्तुल प्रवाह भंग करना, नवप्रवर्तन, बैंक साख, मधुमक्खी समान झुंड
Breaking circular flow, Innovation, Bank credit, Swarm like clusters

(C) नवप्रवर्तन, बैंक साख, वर्तुल प्रवाह भंग करना, मधुमक्खी समान झुंड
Innovation, Bank credit, Breaking circular flow, Swarm like Clusters

(D) बैंक साख, नवप्रवर्तन, मधुमक्खी समान झुंड, वर्तुल प्रवाह भंग करना
Bank credit, Innovation, Swarm like Clusters, Breaking circular flow

उत्तर- (B)/व्याख्या/ शुम्पीटर ने विकास तथा व्यापार चक्र का नवप्रवर्तन सिद्धान्त प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने उद्यमी की भूमिका पर विशेष बल दिया। शुम्पीटर विकास मॉडल की क्रमिक प्रक्रिया है:

- (1) वर्तुल प्रवाह को भंग करना
(2) नवप्रवर्तन
(3) बैंक साख
(4) मधुमक्खी समान झुंड

37. निम्नलिखित सिद्धान्तों को उनके प्रतिपादन के कालानुसार क्रमबद्ध कीजिए और प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

Arrange the following theories in order in which they appeared:

- I. तुलनात्मक लागत लाभ सिद्धान्त
Comparative Cost Advantage Theory
II. निरपेक्ष लागत लाभ सिद्धान्त
Absolute Cost Advantage Theory
III. लियोनटिफ विरोधाभास / Leontief Paradox
IV. संसाधन प्रचुरता सिद्धान्त / Factor Endowment Theory
कूट / Codes:

- (A) I, III, II, IV
(B) II, III, IV, I
(C) II, I, IV, III
(D) I, IV, II, III

उत्तर- (C)/व्याख्या/			
क्रम	सिद्धान्त	वर्ष	अर्थशास्त्री
(II)	निरपेक्ष लागत लाभ सिद्धान्त	1776	एडम स्मिथ
(I)	तुलनात्मक लागत / लाभ सिद्धान्त	1817	रिकार्डो
(IV)	संसाधन प्रचुरता सिद्धान्त	1919	हैकशर
		1933	ओहलिन
(III)	लियोनटिफ विरोधाभास	1951	लियोनटिफ

38. आर्थिक विकास के विभिन्न सोपानों के सही क्रम का चयन कीजिए

Arrange the stages of economic growth in a sequential order:

- I. उच्च जनसामान्य उपभोगता काल
The age of high mass consumption
II. पारम्परिक समाज / The traditional society
III. टेक ऑफ सोपान / The take-off stage
IV. परिपक्वता की ओर अग्रसर / The drive to maturity

कूट / Codes:

- (A) I, III, IV, II
(B) II, IV, I, III
(C) III, I, II, IV
(D) II, III, IV, I

उत्तर- (D) व्याख्या विकास के चरण को विकास प्रक्रिया के ऐतिहासिक क्रम में प्रो. रोस्टोव ने प्रस्तुत किया। रोस्टोव ने विकास की 5 अवस्थाओं की चर्चा की।

- (i) पारम्परिक समाज
(ii) ग्री टेक ऑफ
(iii) टेक ऑफ अवस्था
(iv) परिपक्वता की ओर अग्रसर अवस्था
(v) उच्च जनसामान्य उपभोग काल

39. निम्नलिखित को उनके लागू होने के समय को ध्यान में रखते हुए सही क्रम में कीजिये। प्रदत्त कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए

Identify the sequence of implementation of the following taxes.

- I. भूमि राजस्व / Land Revenue
II. बिक्री कर / Sales tax
III. मोडवेट / MODVAT
IV. सेवा कर / Service tax

Select the correct answer from the given codes :

कूट / Codes:

- (A) I, II, III, IV
(B) II, IV, I, III
(C) III, II, IV, I
(D) IV, II, I, III

उत्तर- (A) व्याख्या	सही क्रम
I भूमि राजस्व	पुरातन समय से
II बिक्री कर	1938 में मध्य प्रांत द्वारा
III मोडवेट	1986-87
IV सेवा कर	1994-95

नोट- मोडवेट एवं सेवा कर अब GST में समाहित है। GST को 1 जुलाई 2017 में लागू किया गया।

40. सही कालक्रम निर्धारित कीजिए -

Identify the correct chronology of the following:

- I. तीन या तीन से अधिक नमूनों के माध्यमों के बीच अंतरों के महत्त्व का फिशर का एक-परीक्षण
Fisher's test of significance of differences between means of three or more samples.
II. केंडल का आंशिक रैंक सहसंबंध
Kendal's partial rank correlation.
III. दो नमूनों के माध्यमों के बीच अंतरों के महत्त्व के गोसेट का टी परीक्षण

Gossett's T test of significance between means of two samples.

IV. नमूने के मूल्यों का वक्र की उपयुक्तता और यादृच्छिक की उपयुक्तता के अच्छाई का χ^2 परीक्षण

χ^2 test of goodness of fit of the curve and randomness of the sample values.

कूट / Codes:

- (A) III, I, II, IV
(B) I, II, III, IV
(C) IV, III, I, I
(D) I, II, IV, III

उत्तर- (C) व्याख्या कालक्रमानुसार

(IV) 1900	नमूने के मूल्यों का वक्र की उपयुक्तता और यादृच्छिक की उपयुक्तता की अच्छाई के लिए χ^2 परीक्षण।
(III) 1908	दो नमूनों के माध्यमों के बीच अंतरों के महत्त्व के लिए गोसेट का टी परीक्षण (t-test)
(I) 1920	तीन या तीन से अधिक नमूनों के माध्यमों के बीच अंतरों के महत्त्व का फिशर का F- परीक्षण
(II) 1938	केंडल का आंशिक रैंक सहसंबंध

प्र. 41 से 50 सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिये गये कूटों के अनुसार सही उत्तर दीजिए:

Q. Nos. 41-50 : Match the items given in List - I with those in List-II and answer the correct matching option from the codes given below these questions.

41. सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- I. फर्म का व्यवहार सिद्धांत
Behavioural theory of the firm
- II. वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धांत
Marginal productivity theory of distribution
- III. कल्याण का दोहरा मापदंड
Double criterion of welfare
- IV. असंभवता का सिद्धांत
Impossibility Theorem
1. जे. बी. क्लार्क
J.B. Clark
2. साइर्ट और मार्क
Cyert and Mark
3. केनेथ एरो
Kenneth Arrow
4. सिटोवोस्की
Scitovsky

कूट / Codes:

- I II III IV
- (A) 2 1 4 3
(B) 3 2 4 1
(C) 1 4 3 2
(D) 2 1 3 4

उत्तर- (A) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची-I (सिद्धान्त)	सूची-II (प्रतिपादक)
(I) फर्म का व्यवहार सिद्धान्त	(2) साईट और मार्क
(II) वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त	(1) जे. बी. क्लार्क
(III) कल्याण का दोहरा मापदण्ड	(4) सिटोवोस्की
(IV) असंभवता सिद्धान्त	(3) केनेथ एरो

● **फर्म का व्यवहार सिद्धान्त** - नोबल पुरस्कार विजेता प्रो. साइमन प्रथम अर्थशास्त्री थे जिसने 1955 में फर्म के व्यवहार सम्बन्धी सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। उसके अनुसार फर्म का मुख्य उद्देश्य लाभों को अधिकतम करना नहीं है बल्कि संतुष्टिकरण अथवा संतोषजनक लाभ है।

साईट एवं मार्क ने फर्म के व्यवहार के बारे में एक व्यवस्थित सिद्धान्त दिया। इन्होंने आधुनिक फर्म को व्यक्तियों का एक समूह (ग्रुप) माना जो निर्णय करने की प्रक्रिया में लगे होते हैं। इनका सम्बन्ध फर्म के आंतरिक ढांचे से होता है तथा जिसके बहुविध लक्ष्य होते हैं। सायट एवं मार्क न केवल फर्म के आंतरिक संगठन बल्कि अनिश्चितता की समस्या पर भी विचार करते हैं।

● **सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त** वितरण का नव-क्लासिकी सिद्धान्त इस सिद्धान्त के अनुसार एक साधन का पुरस्कार उसके सीमान्त उत्पादन के बराबर होता है।

● **कल्याण का दोहरा मापदण्ड** - प्रो. सिटोवोस्की ने अपने एक लेख में बताया कि कॉल्डार हिक्स मापदण्ड से अन्तर्विरोध पैदा होता है। यदि एक परिवर्तन काल्डार हिक्स टेस्ट पूरा उतर जाए परन्तु क्षतिपूर्ति का वास्तविक भुगतान न किया जाए 'तो उसका परिणाम यह होगा कि परिवर्तन से पहले तथा बाद में आय का भिन्न-भिन्न ढंग से वितरण होगा। इसलिए काल्डार हिक्स मापदण्ड के अनुसार विपरीत गति का प्राप्त होना सम्भव है ऐसी अवस्था में प्रत्येक स्थिति दूसरे से अच्छी होगी। काल्डार हिक्स मापदण्ड में यह एक अन्तर्विरोध है जिसे स्कटोवोस्की विरोधाभास कहा जाता है।

● **असंभवता सिद्धान्त** - के.जे. एरो ने अपने सामाजिक चुनाव एवं व्यक्तिगत मूल्य (Social choice and individual values) में दिखाया कि यदि व्यक्तिगत अधिमान संगत भी हो, तब भी सामाजिक कल्याण फलन उपलब्ध करना असम्भव है। उसने सुझाया कि व्यक्तियों के अधिमान व्यक्त करने के लिए कम से कम 5 शर्तें अथवा कसौटियाँ पूर्ण होनी चाहिए। ये कसौटियाँ हैं:

- सामूहिक विवेकशीलता
- व्यक्तिगत अधिमानों की अनुक्रियाशीलता
- Non Imposition
- गैर डिक्टेटरशिप
- असम्बद्ध विकल्पों से स्वतंत्रता

महालनोबिस ने सबसे पहले अपने मॉडल की चर्चा 1952 में की। इस मॉडल का प्रयोग निवेश निर्धारण के लिए दूसर पंचवर्षीय योजना में किया गया। 1953 में महालनोबिस ने पूर्ण मॉडल दिया जो 2 क्षेत्रीय मॉडल था तथा इसमें उपभोक्ता वस्तु व पूंजीगत वस्तु के उत्पादन को लिया गया। बाद में इन्होंने 4 क्षेत्रीय मॉडल दिया जिसमें

4 क्षेत्र थे

- विनियोग वस्तु क्षेत्र (k)
- फैक्ट्री द्वारा उत्पादित उपभोक्ता वस्तु
- लघु इकाइयों द्वारा उत्पादित वस्तु जिसमें कृषि वस्तुयें शामिल हैं।
- सेवाओं का उत्पादक क्षेत्र

मॉडल -

$$Y_t = (I + \alpha\beta + p)^t$$

I = निवेश

α = निवल निवेश दर

P = जनसंख्या की वृद्धि दर

β = वर्धमान उत्पाद पूंजी अनुपात

42. सूची-I / List-I

I. नया क्लासकीय अर्थशास्त्र

New Classical Economics

II. स्थायी आय की कल्पना
Permanent Income Hypothesis

III. संतुलित बजट का बहु प्रभाव
Multiple effect of Balanced Budget

IV. नया केन्सियन अर्थशास्त्र
New Keynesian Economics

सूची-II / List-II

1. टी एच हवाल्मो

T.H. Haavelmo

2. रॉबर्ट लुकास
Robert Lucas

3. एन ग्रेगोरी मैनक्यू

N. Gregory Mankiw

4. मिल्टन फ्रीडमैन
Milton Friedman

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	3	4	1	2
(B)	4	3	2	1
(C)	2	4	1	3
(D)	1	2	4	3

उत्तर- (C) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(I) नया क्लासकीय अर्थशास्त्र	(2) रॉबर्ट लुकास
(II) स्थायी आय की कल्पना	(4) मिल्टन फ्रीडमैन
(III) संतुलित बजट का बहु प्रभाव	(1) टी.एच हवाल्मो
(IV) नया केन्सियन अर्थशास्त्र	(3) एन ग्रेगोरी मैनक्यू

43. सूची-I / List-I

I. अदृश्य हस्त

Invisible Hand

II. वारियर नाइट
Warrior Knight

III. पी क्यू एल आई
PQLI

सूची-II / List-II

1. कार्ल मार्क्स

Karl Marx

2. एडम स्मिथ
Adam Smith

3. शुम्पेटर
Schumpeter

- IV. मूल्य आधिक्य
Surplus Value
कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	1	4	2	3
(B)	2	3	4	1
(C)	1	2	3	4
(D)	4	3	2	1

उत्तर- (B)/व्याख्या/ सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(I) अदृश्य हस्त	(2) एडम स्मिथ
(II) वारियर नाइट	(3) शुम्पीटर
(III) पी क्यू एल आई	(4) मोरिस डी. मोरिस
(IV) मूल्य आधिक्य	(1) कार्ल मार्क्स

44. सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- I. चार क्षेत्रीय प्रतिरूप
Four Sector Model
- II. आवश्यक न्यूनतम प्रयास
Critical Minimum Effort
- III. बिग पुश सिद्धान्त
Big Push Theory
- IV. श्रमिकों की असीमित पूर्ति
Theory of Unlimited Supply of Labour
1. रोसेस्टेइन रोडन
Rosestein-Rodan
2. आर्थर लुइस
Arthur Lewis
3. महालनोबिस
Mahalanobis
4. लेवेस्टिन
Leibeistein

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	4	3	2	1
(B)	3	4	1	2
(C)	4	1	3	2
(D)	1	2	4	3

उत्तर- (B)/व्याख्या/ सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(I) चार क्षेत्रीय प्रतिरूप	(3) महालनोबिस
(II) आवश्यक न्यूनतम प्रयास का सिद्धान्त	(4) लेवेस्टिन
(III) बिग पुश सिद्धान्त	(1) रोसेस्टेइन रोडन
(IV) श्रमिकों की असीमित पूर्ति	(2) आर्थर लुइस का सिद्धान्त

45. सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- I. खाद्यान्न उत्पादन
Food-grains Production
- II. कीमत स्तर
Level of Prices
1. औद्योगिक क्षेत्र
Industrial Sector
2. राजस्व घाटा
Revenue deficit

- III. औद्योगिक संवृद्धि
Industrial Growth
- IV. राजकोषीय सूचक संकेत
Fiscal Indicators
3. कृषि क्षेत्र
Agricultural Sector
4. थोक मूल्य सूचकांक
Wholesale Price Index

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	4	2	1	3
(B)	3	4	2	1
(C)	3	4	1	2
(D)	2	3	4	1

उत्तर- (C)/व्याख्या/ सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(I) खाद्यान्न उत्पादन	(3) कृषि क्षेत्र
(II) कीमत स्तर	(4) थोक मूल्य सूचकांक (वर्तमान में उपभोक्ता कीमत सूचकांक)
(III) औद्योगिक संवृद्धि	(1) औद्योगिक क्षेत्र
(IV) राजकोषीय सूचक संकेत	(2) राजस्व घाटा

46. सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- I. राष्ट्रीय कृषि नीति
National Agricultural Policy
- II. समुद्रीय मत्स्य नीति
Marine Fishing Policy
- III. नवीन विदेशी व्यापार नीति
New Foreign Trade Policy
- IV. सातवां वित्तीय आयोग
Seventh Finance Commission
1. 2004
2. 1978
3. 2000
4. 2004

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	2	1	3	4
(B)	4	3	1	2
(C)	1	4	2	3
(D)	3	1	4	2

उत्तर- (D)/व्याख्या/ सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(I) राष्ट्रीय कृषि नीति	(3) 2000 (कृषि में 4% संवृद्धि लक्ष्य)
(II) समुद्रीय मत्स्य नीति	(1) 2004
(III) नवीन विदेशी व्यापार नीति	(4) 2015-20 (2021-26 जल्द आने की संभावना)
(IV) सातवां वित्त आयोग	(2) 1978 (15वां 2021-26) एन.के. सिंह अध्यक्ष)

47. सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- I. जी.ए.टी.टी.
GATT
1. भुगतान शेष प्रबन्धन
Managing balance of payments

- II. आई एम एफ
IMF
- III. आई बी आर डी
IBRD
- IV. यू एन ओ
UNO
2. विकास वित्त
Developmental Finance
3. मुक्त व्यापार
Free Trade
4. राष्ट्रों के बीच शान्ति बनाये रखना
Maintenance of peace among nations

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	2	1	4	3
(B)	3	1	2	4
(C)	2	3	1	4
(D)	4	1	3	2

उत्तर- (B) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(I) जी.ए.टी.टी.	(3) मुक्त व्यापार (WTO 1 जनवरी 1995 से)
(II) आई एम एफ	(1) भुगतान शेष प्रबन्धन (IMF 1944 में स्थापित)
(III) आई बी आर डी	(2) विकास वित्त (1944 में स्थापित)
(IV) यू एन ओ	(4) राष्ट्रों के मध्य शान्ति बनाये रखना
नोट- IMF और IBRD	बेटन वुड्स सम्मेलन का परिणाम है।

48. सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- I. एडम स्मिथ
Adam Smith
- II. डेविड रिकार्डो
David Ricardo
- III. ओहलिन
Ohlin
- IV. आई. बी. क्राविस
I.B. Kravis
1. उपलब्धता सिद्धान्त
Availability doctrine
2. संसाधन विपुलता
Factors endowment
3. निरपेक्ष लाभ
Absolute advantage
4. तुलनात्मक लाभ
Comparative advantage

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	1	2	3	4
(B)	3	4	2	1
(C)	2	4	3	1
(D)	4	3	1	2

उत्तर- (B) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(I) एडम स्मिथ	(3) निरपेक्ष लाभ
(II) डेविड रिकार्डो	(4) तुलनात्मक लाभ
(III) बर्टिल ओहलिन	(2) संसाधन विपुलता
(IV) आई. बी. क्रेविस	(1) उपलब्धता सिद्धान्त

49. सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- I. साधारण यादृच्छिक नमूना
Simple Random Sampling
- II. यादृच्छिक नमूना
Random Sampling
- III. स्तरित यादृच्छिक नमूना
Stratified Random Sampling
- IV. स्तरित सुव्यवस्थित यादृच्छिक नमूना
Stratified Systematic Random Sampling
1. एक परीक्षण के सभी मदों के चयन की समान सम्भाव्यता
Equal probability of selection of an item in a trial
2. सभी परीक्षणों में प्रत्येक मद की समान संभाव्यता
Equal probability of each item in all trials
3. प्रथम का यादृच्छिक चयन से तथा अन्य सभी का प्रदत्त मापदण्ड के अनुसार
Random selection of first and systematic of the rest
4. प्रत्येक स्तर से सभी मदों का यादृच्छिक चयन
Random choice of all items from each stratum

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	1	2	3	4
(B)	3	1	4	2
(C)	4	3	1	2
(D)	2	1	4	3

उत्तर- (D) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(I) साधारण यादृच्छिक नमूना	(2) सभी परीक्षणों में प्रत्येक मद की समान संभाव्यता
(II) यादृच्छिक नमूना	(1) एक परीक्षण के सभी मदों के चयन की समान संभाव्यता
(III) स्तरित यादृच्छिक नमूना	(4) प्रत्येक स्तर से सभी मदों का यादृच्छिक चयन
(IV) स्तरित सुव्यवस्थित यादृच्छिक नमूना	(3) प्रथम का यादृच्छिक चयन से तथा अन्य सभी का प्रदत्त मापदण्ड के अनुसार

50. सूची-I / List-I सूची-II / List-II
- I. आई एस-एल एम सिद्धान्त
IS-LM Theory
- II. उपयोगिता रैचिट
Consumption Ratchet
- III. जीवन-चक्र प्रकल्पना
Life Cycle Hypothesis
1. फ्रैंको मोदिग्लियानी और रिचर्ड ब्रम्बर्ग
Franko Modigliani & Richard Brumberg
2. ल्यूकास और सार्जेंट
Lucas & Sargent
3. हिक्स और हेंसन
Hicks and Hanson

- IV. केन्स अर्थशास्त्र के आलोचक
Critics of Keynesian Economics
4. जेम्स डियूसनबर्ग
James Dussenbery

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	3	4	1	2
(B)	3	2	1	4
(C)	4	3	1	2
(D)	1	3	4	2

उत्तर- (A) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची-I	सूची-II
(I) आई एस-एल एम सिद्धान्त	(3) हिक्स और हेंसन
(II) उपभोक्ता रैचिट प्रभाव	(4) जेम्स डियूसनबरी
(III) जीवन चक्र प्रकल्पना	(1) फ्रेको मोदिग्लियानी और रिचर्ड ब्रमबर्ग
(IV) केन्स अर्थशास्त्र के आलोचक	(2) ल्यूकास और सार्जेंट

निर्देश: इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर (75) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. वालरेसियन सामान्य संतुलन का हल विद्यमान होगा यदि और केवल यदि:

A solution of Walrasian general equilibrium will exist if and only if,

(A) स्थिर बिन्दु प्रमेय की शर्तें संतुष्ट हो गई हैं।

Condition of fixed point theorem is satisfied.

(B) इष्टतमता की पैरेटो शर्त संतुष्ट हो गई हैं।

Pareto's condition of optimality is satisfied.

(C) हिक्स की स्थिरता स्थितियाँ संतुष्ट हो गई हैं।

Hick's stability conditions are satisfied.

(D) आय वितरण के पैरेटो नियम की शर्त संतुष्ट है।

The condition of Pareto's law of income distribution is satisfied.

उत्तर- (B)/व्याख्या वालरेसियन सामान्य संतुलन का हल विद्यमान होगा यदि और केवल यदि इष्टतमता की पैरेटो शर्त संतुष्ट हो गई है।

फ्रांस के अर्थशास्त्री लियोन वालरस प्रथम व्यक्ति था। जिसने गणितीय रूप में अपनी पुस्तक 'Elements of Pure Economics' (1874) में एक सामान्य संतुलन मॉडल विकसित किया। वालरस के अनुसार सभी बाजारों में सभी कीमतें और मात्राएं एक दूसरे को प्रभावित करके एक साथ निर्धारित होती हैं। वालरस ने सभी बाजारों में व्यक्तिगत क्रेताओं और विक्रेताओं की पारस्परिक क्रियाओं का वर्णन करने के लिए युगपत समीकरणों की एक प्रणाली का प्रयोग किया तथा दर्शाया कि सभी संबद्ध वस्तुओं और साधनों की कीमतें और मात्राएं इनके द्वारा एक साथ निर्धारित की जा सकती हैं।

वालरस ने परस्पर-निर्भर वस्तु बाजार और साधन सेवा बाजार में भेद करके समीकरणों की एक प्रणाली का निर्माण किया। वस्तु बाजार में, उपभोक्ता उन वस्तुओं को खरीदते हैं जो फर्मों द्वारा सप्लाई की जाती है और वे आगे अपनी सेवाओं को फर्मों के पास बेचते हैं। इसी प्रकार, फर्म अपनी निर्मित वस्तुओं को उपभोक्ताओं को बेचते हैं और वस्तुओं का निर्माण करने के लिए उपभोक्ताओं से साधन सेवाएं खरीदते हैं। इस प्रकार उपभोक्ताओं और फर्मों के लिए समीकरणों के परस्पर निर्भर सैट होते हैं। प्रणाली में **अज्ञात चर सभी वस्तुओं और सभी साधन कीमतें और मात्राएं हैं।** क्योंकि स्वतंत्र समीकरणों की संख्या अज्ञातों की संख्या के बराबर है, इसलिए वालरस का सामान्य संतुलन मॉडल निर्धारित है। परन्तु अज्ञातों और समीकरणों की संख्या में समानता मॉडल के हल के लिए एक आवश्यक शर्त नहीं है। यह न ही अद्वितीय है और न ही आवश्यक। ऐसा इसलिए कि वालरसीय प्रणाली साधन सेवाओं और वस्तुओं की ऋणात्मक कीमतों तथा वस्तु एवं साधनों की ऋणात्मक मात्राओं को शामिल नहीं करती है।

इसलिए वालरस मॉडल अनिर्धारित है, क्योंकि समीकरणों में से एक समीकरण दूसरों से स्वतंत्र नहीं है जिससे जब यह मान लिया जाता है कि $P_a = 1$ तब कम अज्ञातों की तुलना में कम स्वतंत्र समीकरण होते हैं।

2. परिवर्धन (ऐडिंग अप) प्रमेय से सम्बन्धित सही कथन का चयन करें:

Select the correct statement of Adding up Theorem.

(A) यदि दी गई समयावधि के दौरान दिये गये उत्पादन (आउटपुट) द्वारा सृजित आय समस्त कारकों की औसत उत्पादकता के अनुसार वितरित की जाती है, तो कुल आय निःशेष हो जायेगी।

If income generated by the given output produced during the given period is distributed according to average productivity of all factors, total income will be exhausted.

(B) आउटपुट से व्युत्पन्न कुल आय निःशेष हो जायेगी यदि सभी कारकों को उनकी सीमान्त उत्पादकता के अनुसार भुगतान किया जाता है।

Total income derived from the output will be exhausted if all factors are paid according to their marginal productivity.

(C) कुल आय आउटपुट से व्युत्पन्न होती है बशर्ते कि समस्त कारकों को एक ही दर पर भुगतान किया जाता है।

Total income derived from the output will be exhausted if all factors are paid at the same rate.

(D) यदि समस्त कारकों का पारितोषिक वस्तु कीमत का, आनुपातिक है तो कुल आय निःशेष हो जायेगी।

Total income will be exhausted if all factor rewards are proportional to commodity prices.

उत्तर- (B)/व्याख्या ऐडिंग-अप प्रमेय दर्शाता है कि आउटपुट से उत्पन्न आय निःशेष हो जायेगी यदि सभी कारकों को उनकी सीमान्त उत्पादकता के अनुसार भुगतान किया जाता है।

आइलर प्रमेय अथवा उत्पादन समाप्ति प्रमेय (Product Exhaustion Theorem) यह बताती है कि क्योंकि उत्पादन के साधन अपने सीमान्त उत्पादन के बराबर पुरस्कार पाते हैं इसलिए कुल उत्पादन को पूर्ण रूप से समाप्त कर देते हैं। 18वीं सदी में स्विट्जरलैंड के गणितज्ञ **लैणहर्ड आइलर** (Leonhard Euler) द्वारा विकसित आइलर प्रमेय की सहायता से प्रो० विकस्टीड (Wicksteed) ने अपनी पुस्तक 'The Coordination of the laws of Distribution' में अपना सिद्धान्त दर्शाया।

3. उत्पादक पूँजी को श्रम से तब तक प्रतिस्थापित करेगा जब तक वो समोत्पाद वक्र के उस बिन्दु पर नहीं पहुँचता है जहाँ:
The producer will substitute capital for labour till he reaches that point of isoquant at which,
- (A) उसके द्वारा उत्पादित वस्तु की कीमत मजदूरी की दर के बराबर है।
The price of the good he produces equals wage rate.
- (B) तकनीकी प्रतिस्थापन की सीमान्त दर ब्याज दर के बराबर है।
Marginal rate of technical substitution equals interest rate.
- (C) प्रतिस्थापन की तकनीकी दर की सीमान्त दर सीमान्त आय के बराबर है।
Marginal rate of technical substitution equals marginal revenue.
- (D) प्रतिस्थापन की सीमान्त तकनीकी दर श्रम एवं पूँजी की सीमान्त उत्पादकता के अनुपात के बराबर है।
Marginal rate of technical substitution equals the ratio of marginal productivity of labour and capital.

उत्तर- (D) व्याख्या एक उत्पादक का उद्देश्य इष्टतम साधन संयोग चुनाव या साधनों का न्यूनतम लागत संयोग प्राप्त करना होता है। इसके लिए फर्म एक दिए हुए उत्पादन के लिए लागत को न्यूनतम करती है अथवा दी हुई लागत के लिए उत्पादन को अधिकतम बनाती है।

तकनीकी स्थानापन्ता की सीमान्त दर का नियम दर्शाता है कि दो साधनों को परिवर्तीय अनुपात में इस ढंग से स्थानापन्न किया जा सकता है कि उत्पादन के स्थिर स्तर का उत्पादन किया जा सके।

दो साधनों पूँजी (C) और श्रम (L) में तकनीकी स्थानापन्नता की सीमान्त दर ($MRTS_{LK}$) वह है जिस पर उत्पादन की मात्रा में परिवर्तन किए बिना X के उत्पादन में C के स्थान पर L को स्थानापन्न किया जा सकता है।

$$MRTS_{LK} = \frac{MP_L}{MP_K}$$

एक उत्पादक पूँजी को श्रम से तब तक प्रतिस्थापित करेगा जब तक वे समोत्पाद वक्र के उस बिन्दु पर नहीं पहुँचता जहाँ **प्रतिस्थापन की सीमान्त तकनीकी दर श्रम एवं पूँजी की सीमान्त उत्पादकता के अनुपात के बराबर है।**

4. सूची -I में मदों को सूची -II में मदों के साथ सुमेलित करें:

Match the items from the List -I with items in List -II:

सूची -I / List-I	सूची -II / List-II
I. फर्म के उद्देश्य के रूप में बिक्री का अधिकतमीकरण Sales maximization as the objective of the firm	1. मॉरिस Morris
II. फर्म के उद्देश्य के रूप में संवृद्धि का अधिकतमीकरण Growth maximization as objective of the firm	2. बॉमोल Baumol

III. फर्म के उद्देश्य के रूप में प्रबन्धकीय उपयोगिता प्रकार्य का अधिकतमीकरण Managerial Utility Function Maximization as objective of the firm	3. विलियमसन Williamson
IV. फर्म के उद्देश्य के रूप में बिक्री, लाभ तथा संवृद्धि अधिकतमीकरण Sales, profit & growth maximization as objective of the firm	4. काल्डोर Kaldor

निम्नलिखित कूटों से सही उत्तर का चयन करें:
 Select the correct answer from the following codes:

कूट / Codes:

	I	II	III	IV
(A)	2	1	3	None
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	2	1

उत्तर- (A) व्याख्या

सूची - I	सूची - II
(a) फर्म के उद्देश्य के रूप में बिक्री अधिकतमीकरण	(2) बॉमोल
(b) फर्म के उद्देश्य के रूप में संवृद्धि का अधिकतमीकरण	(1) मॉरिस
(c) फर्म के उद्देश्य के रूप में प्रबन्धकीय उपयोगिता प्रकार्य का अधिकतमीकरण	(3) विलियमसन
(d) फर्म के उद्देश्य के रूप में बिक्री, लाभ तथा संवृद्धि अधिकतमीकरण	कोई सिद्धान्त नहीं

(I) फर्म के उद्देश्य के रूप में बिक्री अधिकतमीकरण मॉडल को बॉमल ने 1967 में प्रकाशित लेख 'Business Behaviour value and Growth' में दिया। बॉमल ने दर्शाया कि फर्म का उद्देश्य सीमान्तवादी फर्मों की भाँति लाभ अधिकतमीकरण नहीं होता बल्कि वर्तमान फर्मों विक्रय आय अधिकतम करती है। विक्रय आय अधिकतम करने वाली फर्म लाभ अधिकतम करने वाली फर्म की तुलना में अधिक उत्पादन व कम मूल्य का निर्धारण करती है। बॉमल ने 2 मॉडल दिए:

(I) बिक्री अधिकतमीकरण का स्थैतिक मॉडल

(II) बिक्री अधिकतमीकरण का प्रावैगिक मॉडल

रॉबिन मैरिस ने अपनी पुस्तक 'The Economic Theory of Managerial Enterprises (1964)' में प्रबन्धकीय उद्यम का फर्म के वृद्धि अधिकतमीकरण से सम्बन्धित सिद्धान्त दिया। मैरिस ने दर्शाया कि आधुनिक फर्मों में प्रबंधन व मालिक भिन्न होते हैं प्रबंधन फर्म की वृद्धि दर को अधिकतम करने का उद्देश्य रखता है। फर्म की वृद्धि और शेयर कीमतों के बीच संबंध स्थापित करने के लिए मैरिस एक सतत अवस्था मॉडल विकसित करता है।

मैरिस मॉडल में संवृद्धि (G) का अधिकतमीकरण दो घटकों पर निर्भर करता है-

- (i) फर्म की वस्तु के लिए मांग की वृद्धि दर (GD)
(ii) पूंजी आपूर्ति की वृद्धि दर (GS)

फर्म के उद्देश्य के रूप में प्रबन्धकीय उपयोगिता प्रकार्य का अधिकतमीकरण

विलियमसन ने प्रबंधकीय विवेक का मॉडल दिया। इसमें विलियमसन ने दर्शाया कि वर्तमान फर्मों में मालिक व प्रबंधन भिन्न होते हैं। प्रत्येक प्रबंधक का एक उपयोगिता फलन होता है जिसे वह अधिकतम करने का प्रयास करता है।

इस उपयोगिता फलन में वेतन, नौकरी सुरक्षा (Job security) अधिकार, फर्म में निर्णय लेने का अधिकार, आदि शामिल होते हैं। इस उपयोगिता फलन में मात्र वेतन मात्रात्मक चर है। इसी फलन को प्रबंधक अधिकतम करने का प्रयास करता है।

5. सूची - I में दी मदों को सूची - II में दी मदों के साथ सुमेलित करें:

Match the items in List - I with items in List - II:

सूची - I / List-I	सूची - II / List-II
I. माँग का गणनवाची उपयोगिता सिद्धान्त Cardinal Utility Theory of Demand	1. हिक्स Hicks
II. माँग का प्रकट वरीयता सिद्धान्त Revealed Preference Theory of Demand	2. अल्फ्रेड मार्शल A. Marshall
III. माँग तटस्थता वरीयता सिद्धान्त Indifference Preference Theory of Demand	3. जॉन वोन न्युमैन तथा मॉर्गस्टर्न Neuman & Morgenstern
IV. अनिश्चितता के अंतर्गत उपयोगिता सूचकांक सिद्धान्त Utility Index under uncertainty	4. सैम्युलसन Samuelson

निम्नांकित कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

Select the correct answer from the following codes:

कूट/Codes:

	I	II	III	IV
(A)	1	2	3	4
(B)	4	3	2	1
(C)	2	4	1	3
(D)	4	1	3	2

उत्तर- (C)/व्याख्या	
सूची - I	सूची - II
(I) माँग का गणनवाची सिद्धान्त उपयोगिता सिद्धान्त	(2) अल्फ्रेड मार्शल
(II) माँग का प्रकट वरीयता सिद्धान्त	(4) सैम्युलसन
(III) माँग तटस्थता वरीयता सिद्धान्त	(1) हिक्स
(IV) अनिश्चितता के अंतर्गत उपयोगिता सूचकांक सिद्धान्त	(3) जॉन वॉन न्युमैन तथा मॉर्गस्टर्न

6. उपादान प्रतिफल के सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त के प्रतिपादकों को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें:

Arrange the proponents of the marginal productivity theory of factor reward in chronological order:

- जे. बी. क्लार्क / J.B. Clark
- मार्शल / Marshall
- वालरस / Walras
- जेवॉन्स / Jevons

सही उत्तर के लिये सही कूट का चयन करें:

Select the correct code for correct answer:

कूट/Codes:

(A) 1, 4, 2, 3	(B) 4, 3, 1, 2
(C) 1, 3, 4, 2	(D) 2, 1, 4, 3

उत्तर- (*)/व्याख्या (प्रश्न हटा दिया गया था)

वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त

सीमान्त उत्पादकता का सिद्धान्त वितरण का नव-क्लासिकी सिद्धान्त है। इस सिद्धान्त के अनुसार एक साधन का पुरस्कार उसके सीमान्त उत्पादन के बराबर होता है। सीमान्त उत्पादन जिसे सीमान्त भौतिक उत्पादन भी कहते हैं। कुल उत्पादन में वह वृद्धि है जो साधन की एक अतिरिक्त इकाई लगाने से होती है। जबकि अन्य सभी साधन स्थिर रहते हैं।

वितरण के सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त को जर्मन अर्थशास्त्री T. H. Von Thunen ने प्रतिपादित किया लेकिन बाद में कई अर्थशास्त्रियों जैसे कार्ल मेगर, वालरस, विकस्टीड, ऐजबर्थ तथा क्लार्क आदि ने इसमें अपना योगदान दिया।

7. अभिकथन (A) : चेम्बरलिन का नान-कॉल्युसिव/दुरभि सन्धि मॉडल दावा करता है कि स्थाई संतुलन तभी प्राप्त किया जा सकता है जब प्रत्येक फर्म एकाधिकारी कीमत लगाती है और अपने उत्पादों के लिये बाजार माँग को समतुल्य रूप से बाँटती है।

Assertion (A) : Non-collusive model of Chamberlin asserts that a stable equilibrium can be reached if each firm charges Monopoly price and equally shares the market demand for their products.

कारण (R) : फर्म लाभ अधिकतमीकरण के उद्देश्य के साथ कीमत सम्बन्धी निर्णय से जुड़ी क्रिया तथा प्रतिक्रिया के सम्बन्ध में पारस्परिक अंतःनिर्भरता को पहचानती है। यह तभी प्राप्त की जा सकेगी जब कीमत उस स्तर पर निर्धारित होती है जो सीमान्त लागत को साम्य करती है।

Reason (R) : Reasoning is that the firms recognize mutual interdependence in terms of action and reaction with regard to price decision with the objective of profit maximization which will be realized

if prices are determined at a level which equals marginal cost.

कूट/Codes:

(A) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) & (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) सही है, परन्तु (R) सही नहीं है।

(A) is correct, but (R) is not correct.

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) & (R) are correct but (R) is not the correct explanation of (A).

(D) (R) सही है, परन्तु (A) सही नहीं है।

(R) is correct, but (A) is incorrect.

उत्तर- (A) व्याख्या चैम्बरलिन ने स्थिर द्वयाधिकार हल प्रस्तुत किया जिसमें दो विक्रेताओं की परस्पर निर्भरता को स्वीकार किया। चैम्बरलिन ने कूर्नों तथा बट्रेड दोनों के हलों की आलोचना की। चैम्बरलिन ने दर्शाया कि प्रत्येक विक्रेता अपने लाभ को अधिकतम करना चाहता है ऐसा करने के लिए वह कीमत पर अपने कुल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष प्रभाव पर विचार करेगा। जब तक विक्रेता अपने प्रतिद्वन्दी की कीमत अथवा उत्पादन में परिवर्तनों के प्रति निष्क्रिय होता है, तो यह एक प्रत्यक्ष प्रभाव है। दूसरी ओर, जब एक विक्रेता अपने प्रतिद्वन्दी की कीमत अथवा उत्पादन के प्रति प्रतिक्रिया करता है तो प्रभाव अप्रत्यक्ष होता है।

चैम्बरलिन के अनुसार, जब विक्रेताओं के बीच परस्पर निर्भरता को स्वीकार किया जाता है तो एक विक्रेता की कीमत अथवा उत्पादन में परिवर्तन के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रभाव एकाधिकार कीमत और उत्पादन के साथ उद्योग में स्थिर संतुलन को लाते हैं।

उपर्युक्त व्याख्या कथन और कारण को स्पष्ट करती है।

इस प्रकार (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

8. उदासीनता वक्र की व्युत्पत्ति का प्रकट वरीयता उपागम:

The revealed preference approach to the derivation of indifference curve

(A) अवलोकित व्यक्ति की पसन्दों की समयोपरि स्थिरता की कल्पना करता है।

Assumes stability over time of an observed person's tastes.

(B) कल्पना करता है कि समस्त व्यक्तियों की एक समान पसन्द होती है।

Assumes that all people have identical tastes.

(C) एकल व्यक्ति के बाजार व्यवहार के पुनरावृत्त अवलोकनों पर आश्रित है।

Relies on repeated observations of the market behaviour of a single person.

(D) (A) और (C) द्वारा सही व्याख्या की गई है।

Is correctly described by both (A) and (C).

उत्तर- (D) व्याख्या उदासीनता वक्र की व्युत्पत्ति का प्रकट वरीयता सिद्धान्त (Reveled Preference Approach)

(A) अवलोकित व्यक्ति की पसन्दों की समयोपरि स्थिरता की कल्पना करता है तथा

(B) एकल व्यक्ति के बाजार व्यवहार के पुनरावृत्त अवलोकनों पर आश्रित है।

प्रो० पाल सैम्युलसन ने व्यक्त अधिमान दृष्टिकोण को 1947 में प्रकाशित लेख, 'Foundation of Economic Analysis' में प्रस्तुत किया।

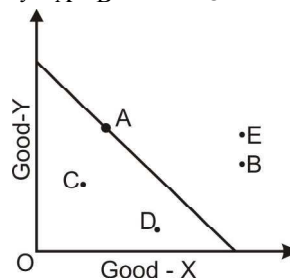
प्रकट अधिमान के अनुसार एक उपभोक्ता दो वस्तुओं के ऐसे संयोग को जो उसे सर्वाधिक संतुष्टि प्रदान करता है। यदि उपभोक्ता B.C.D संयोग की अपेक्षा संयोग A को खरीदता है तो इसका अर्थ है कि A के प्रति वह अपना अधिमान प्रकट कर रहा है।

मान्यताएँ

1. Rationality (विवेकशीलता): अधिक वस्तुओं की मात्रा वाले बंडल का चयन करेगा।

2. Consistency (संगतता): यदि $A > B$ तब $B \neq A$

3. Transitivity: $A > B$ तथा $B > C$ तब $A > C$



9. कीन्सवादी अर्थशास्त्र के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

Which of the following statements does not hold true in case of the Keynesian Economics?

(A) मुद्रा का वेग उसके निर्धारकों का अस्थिर फलन है।

Velocity of money is an unstable function of its determinants.

(B) श्रम, मुद्रा भ्रान्ति से प्रभावित होता है।

Labour is subject to money illusion.

(C) समय आपूर्ति फलन पूर्ण रोजगार के नीचे के उत्पादन (आउटपुट) के स्तरों पर सपाट होने लगता है और पूर्ण क्षमता की स्थिति आने पर अतिप्रवण हो जाता है।

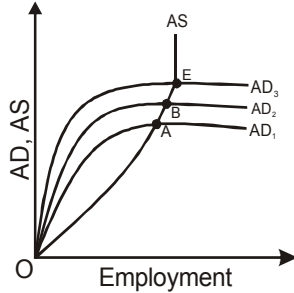
Aggregate supply function tends to become flat at levels of output well below full employment and to become steeper as full capacity is reached.

(D) समय आपूर्ति अनुसूची ऊर्ध्वाकार होती है, और उत्पादन (आउटपुट) तथा रोजगार पूर्णतया आपूर्ति से निर्धारित है।

Aggregate supply schedule is vertical, and output and employment are completely supply determined.

उत्तर- (D) व्याख्या कीन्सवादी अर्थशास्त्र के सम्बन्ध में सत्य कथन है:

- (A) मुद्रा का वेग उसके निर्धारकों का अस्थिर फलन है।
 (B) श्रम, मुद्रा भ्रान्ति से प्रभावित होता है।
 (C) समग्र आपूर्ति फलन पूर्ण रोजगार के नीचे के उत्पादन (output) के स्तरों पर सपाट (Flat) होने लगता है और पूर्ण क्षमता की स्थिति आने पर अतिप्रवण (steeper) हो जाता है।



E = Full Employment
 A, B, E = Effective Demand
 AS = Aggregate Supply
 AD = Aggregate Demand

10. टोबिन का निवेश का क्यू-सिद्धान्त इंगित करता है कि फर्में पूँजी के अपने स्टॉक में योग करती हैं जब:

Tobin's q-theory of investment indicates that firms add to their stock of capital when

- (A) उनकी वास्तविक परिसम्पत्तियों का प्रतिस्थापन मूल्य उनकी वित्तीय परिसम्पत्तियों के बाजार मूल्य से अधिक होता है।
 the replacement value of their real assets exceeds the market value of their financial assets.
 (B) उनकी वित्तीय परिसम्पत्तियों का, बाजार मूल्य उनकी वास्तविक परिसम्पत्तियों के प्रतिस्थापन मूल्य से अधिक होता है।
 the market value of their financial assets exceeds the replacement value of their real assets.
 (C) उनकी वास्तविक परिसम्पत्तियों का बाजार मूल्य उनकी वित्तीय परिसम्पत्तियों के अंकित मूल्य से अधिक होता है।
 the market value of their real assets exceeds the book value of their financial assets.
 (D) उनकी वित्तीय परिसम्पत्तियों का बाजार मूल्य उनकी वास्तविक परिसम्पत्तियों के अंकित मूल्य से अधिक होता है।
 the market value of their financial assets exceeds the book value of their real assets.

उत्तर- (B) व्याख्या टोबिन का निवेश का 'Q' सिद्धान्त इंगित करता है कि फर्में पूँजी के अपने स्टॉक में योग करती हैं जब उनकी वित्तीय परिसम्पत्तियों का बाजार मूल्य उनकी वास्तविक परिसम्पत्तियों के प्रतिस्थापन मूल्य से अधिक होता है।

निवेश का 'Q' सिद्धान्त जिसे केल्डार ने 'v' Ratio कहा है। टोबिन ने अपने Q Ratio के माध्यम से stockmarket तथा investment (निवेश) के सम्बन्धों की व्याख्या की। यदि Q अधिक है तो इसका अर्थ है कि शेयर की कीमतें अधिक हैं इसलिए फर्म अधिक निवेश करेगी।

11. जब वर्तमान आय में नकारात्मक क्षणिक (अल्पकालिक) घटक समाविष्ट हैं, तो वर्तमान आय से सम्बन्धित उपभोग

निम्नलिखित को उत्पन्न करेंगे:

When current income includes negative transitory component, relating consumption with current income will produce

- (A) उपभोग करने की औसत प्रवृत्ति (या प्रवणता) जो उपभोग करने की दीर्घकालिक औसत प्रवृत्ति (या प्रवणता) से कम है।
 an average propensity to consume that is lower than the long run average propensity to consume.
 (B) उपभोग करने की औसत प्रवृत्ति जो उपभोग करने की औसत दीर्घकालिक प्रवृत्ति से उच्चतर है।
 an average propensity to consume that is higher than the average long run propensity to consume.
 (C) उपभोग करने की औसत प्रवृत्ति (या प्रवणता) जो उपभोग करने की दीर्घकालिक औसत प्रवणता के बराबर है।
 an average propensity to consume that equals the long run average propensity to consume.
 (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं। / None of the above

उत्तर- (B) व्याख्या जब वर्तमान आय में नकारात्मक क्षणिक (अल्पकालिक) घटक समाविष्ट है, तो वर्तमान आय से सम्बन्धित उपभोग, उपभोग की औसत प्रवृत्ति जो उपभोग करने की औसत दीर्घकालिक प्रवृत्ति से उच्चतर है को उत्पन्न करेगी।

12. तरलता जाल वो स्थिति है जब-

Liquidity trap is a situation when

- (A) समस्त संभावित निवेशकर्ता भविष्य में ब्याज की दर के बढ़ने की अपेक्षा करते हैं।
 all potential investors expect the rate of interest to rise in future
 (B) समस्त संभावित निवेशकर्ता भविष्य में ब्याज की दर के गिरने की अपेक्षा करते हैं।
 all potential investors expect the rate of interest to fall in future
 (C) ब्याज की प्राकृतिक दर ब्याज की क्रान्तिक दर के ऊपर स्थित है।
 natural rate of interest is above the critical rate of interest
 (D) अनुमानिक उद्देश्य के लिये मुद्रा की माँग ब्याज-बेलोचदार होती है।
 demand for money for speculative purpose is interestinelastic

उत्तर- (A) व्याख्या तरलता जाल एक ऐसी स्थिति है जबकि समस्त संभावित निवेशकर्ता भविष्य में ब्याज दर के बढ़ने की अपेक्षा करते हैं।

जब ब्याज की बहुत नीची दर पर मुद्रा की सट्टा माँग पूर्णतया लोचदार बन जाती है। इस स्थिति को तरलता जाल कहते हैं जिसमें वक्र का अन्तिम भाग उस ब्याज दर पर क्षैतिज अक्ष के समानान्तर हो जाता है। ऐसा इसलिए कि ब्याज की बहुत नीची दर पर बांड की कीमतें बहुत ऊँची होती हैं जिससे बांड अपने बांड बेच देते हैं जबकि नये बांड कीमत कम होने की आशा से नहीं खरीदे जाते। इससे

सट्टा उद्देश्य की नगद अधिमानता बढ़ जाती है और तरलता जाल की स्थिति उत्पन्न होती है।

13. आर्थिक संवृद्धि के हैरोड मॉडल में, यदि संवृद्धि की समाश्रित दर संवृद्धि की प्राकृतिक दर से नीचे है तो फिर किसके साथ समाश्रित दर पर संवृद्धि की नियमित स्थिति कायम रखना सम्भव होता है ?

In Harrod's model of economic growth, if warranted rate is below the natural rate of growth then it is possible to maintain steady state growth at the warranted rate with

- (A) निरन्तर बढ़ती बेरोजगारी
continually increasing unemployment
- (B) बेरोजगारी की स्थायीदर
a constant rate of unemployment
- (C) निरन्तर गिरती बेरोजगारी
continually decreasing unemployment
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं / None of the above

उत्तर- (A) व्याख्या प्रो० हैरड ने अपने मॉडल में यह दिखाने का प्रयास किया कि किस प्रकार अर्थव्यवस्था में सतत वृद्धि पाई जा सकती है। जब एक बार सतत वृद्धि में बाधा पड़ जाती है और अर्थव्यवस्था असंतुलन में हो जाती है तो संचयी शक्तियों इस विचलन को बनाए रखती है, जिससे दीर्घकालीन अवस्फीति या स्फीति हो सकती है।

हैरड का मॉडल तीन भिन्न दरों पर आधारित है-

प्रथम, G द्वारा व्यक्त वास्तविक वृद्धि दर जिसे बचत अनुपात तथा पूँजी-उत्पाद अनुपात निर्धारित करते हैं। यह वृद्धि दर अल्पकालीन चक्रीय परिवर्तनों को प्रकट करती है।

द्वितीय, GW द्वारा व्यक्त अभीष्ट वृद्धि दर, जो किसी अर्थव्यवस्था की आय की पूर्ण क्षमता वृद्धि दर होती है।

तीसरा, GN द्वारा व्यक्त सहज या प्राकृतिक वृद्धि दर जिसे हैरड 'कल्याण इष्टतम' मानता है। इसे वृद्धि की संभाव्य अथवा पूर्ण रोजगार-दर भी कहा जाता है।

● **G वास्तविक वृद्धि दर**

$$GC=S$$

G = समय की दी हुई अवधियों में उत्पादन की वृद्धि दर है।

और $\frac{\Delta Y}{Y}$ द्वारा व्यक्त की जा सकती है।

C = पूँजी में किया गया शुद्ध योग है।

S = औसत बचत प्रवृत्ति है।

$$\frac{\Delta Y}{Y} \times \frac{I}{\Delta Y} = \frac{S}{Y}$$

$$\text{or } \frac{I}{Y} = \frac{S}{Y} = I=S$$

अभीष्ट वृद्धि दर $G_w = G_w.Cr = s$

Cr = पूँजी आवश्यकताएँ हैं जो वृद्धि की अभीष्ट दर को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। अर्थात् पूँजी उत्पाद अनुपात पूर्ण रोजगार संतुलन के लिए $G=G_w$ होना चाहिए जो अर्थव्यवस्था

को सतत उन्नति प्रदान कर सके जिससे क्षमता का पूर्ण प्रयोग हो सके।

Economy में C (वास्तविक पूँजीगत वस्तुएँ) Cr (सतत पूँजी वृद्धि के लिए आवश्यक पूँजीगत वस्तुएँ) बराबर होनी चाहिए। ($C=Cr$)

यदि $G = G_w \rightarrow$ सतत वृद्धि प्राप्ति

$C = Cr \rightarrow$ सतत वृद्धि प्राप्ति

यदि $G > G_w$ तब $Cr > C$

↓

दीर्घकालीन स्फीति आएगी

यदि $G < G_w$ तब $Cr < C \rightarrow$ दीर्घकालीन मंदी की स्थिति हैरंड का मानना है कि जब एक बार G_w से G अलग हो जाता है तो यह संतुलन से दूर होता चला जाता है। इस स्थिति में G और G_w में संतुलन छुरी-धार संतुलन है।

सहज या प्राकृतिक दर GN- यह समष्टि चरों पर निर्भर है जैसे कि जनसंख्या, प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक साधन तथा पूँजीगत उपकरण। इसे वृद्धि की पूर्ण रोजगार दर या सामान्य दर कहा जाता है। इसमें जनसंख्या वृद्धि तथा तकनीकी परिवर्तन शामिल होता है।

$$G_n.Cr = \text{or } \neq S$$

G, G_w , G_n का विचलन

$G_w > G_n \rightarrow$ दीर्घकालीन गतिहीनता क्योंकि $G_w > G$ होगी एवं $C > Cr$ होगा। जिससे श्रम की कमी और पूँजी पदार्थों का आधिक्य होगा। अतिरिक्त उत्पादन क्षमता होगी जिससे निवेश रोजगार एवं आय कम हो जाते हैं और अर्थव्यवस्था दीर्घकालीन मंदी के शिकंजे में जकड़ जाएगी। ऐसी हालत में बचत एक बुराई है।

● **यदि $G_w < G_n$ हो तो G से G_w नीचे होगा। ($G > G_w$)** ऐसे में Economy में दीर्घकालीन स्फीति उत्पन्न होगी। जब $G_w < G_n$ तो $C < Cr$ श्रम की अधिकता और पूँजी पदार्थों की कमी पाई जाती है। लाभ अधिक होते हैं। वास्तविक निवेश अनुमानित निवेश से कम होता है। इस प्रकार हैरंड मॉडल में यदि warranted rate of growth (G_w), संवृद्धि की प्राकृतिक दर से कम है तब दीर्घकालीन स्फीति होगी। और यदि G_w पर संवृद्धि की steady state growth को कायम रखना है तो निरन्तर बढ़ती बेरोजगारी में यह स्थिति कायम होगी।

14. ए. डब्लू. फिलिप्स मुद्रा स्फीति-बेरोजगारी 'ट्रेड-ऑफ' सम्बन्ध की विशेषता क्या नहीं है?

Which of the following is not a feature of the A.W. Phillip's inflation-unemployment trade-off relation?

(A) बेरोजगारी की दर तथा मजदूरी की दर में परिवर्तन की दर के बीच अरैखिक प्रतिलोम सम्बन्ध।

A non-linear inverse relationship between unemployment rate and the rate of exchange in wage rate.

(B) फिलिप्स वक्र के चारों ओर प्रति दक्षिणावर्त फंदा होता है।
There is a loop in the anti-clockwise around the Phillip's curve.

(C) मजदूरी स्फीति-बेरोजगारी सम्बन्ध पूर्वानुमेय होता है।
The wage-inflation unemployment relationship is predictable.

(D) जब मुद्रा स्फीति की प्रत्याशित दर स्थान बदलती है फिलिप्स वक्र भी स्थान बदलता है।

Philip's curve shifts when expected rate of inflation shifts

उत्तर- (D)/व्याख्या फिलिप्स वक्र का प्रतिपादन A.W. फिलिप्स ने किया जो बेरोजगारी की दर तथा मौद्रिक मजदूरी दर में trade-off को दर्शाता है। इसकी विशेषताएं हैं:

- (A) बेरोजगारी की दर तथा मजदूरी की दर में परिवर्तन की दर के बीच अरैखिक प्रतिलोम सम्बन्ध
- (B) फिलिप्स वक्र के चारों ओर प्रति दक्षिणावर्त (anticlock wise loop) फंदा होता है।
- (C) मजदूरी स्फीति - बेरोजगारी सम्बन्ध पूर्वानुमेय होता है।

15. मान लीजिये कि पूर्ण रोजगार की स्थिति है और ऊर्ध्वाकार समग्र आपूर्ति अनुसूची है। तो अंकित मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि:
Suppose there is full employment and vertical aggregate supply schedule. An increase in the nominal money supply

- (A) ब्याज की दर को घटा देती है और उत्पादन का स्वरूप परिवर्तित करती है।
reduces the rate of interest and changes the composition of output
- (B) वास्तविक उत्पादन (आउटपुट) में आनुपातिक वृद्धि लाता है।
causes a proportional increase in real output
- (C) वास्तविक मुद्रा आपूर्ति या उत्पादन के स्वरूप पर कोई प्रभाव नहीं डालती है।
has no effect on the real money supply or the composition of output
- (D) वास्तविक मुद्रा आपूर्ति को बढ़ाती है जो कि आउटपुट के स्वरूप में परिवर्तन लाती है।
causes the real money supply to increase, which changes composition of output

उत्तर- (C)/व्याख्या यदि पूर्ण रोजगार की स्थिति है और ऊर्ध्वाकार (Vertical) समग्र आपूर्ति अनुसूची (Aggregate Supply Schedule) है तो nominal money supply में वृद्धि वास्तविक मुद्रा आपूर्ति या उत्पादन पर कोई प्रभाव नहीं डालती है। इस दशा में nominal money supply केवल कीमतों में उच्चावचन लाएगी वास्तविक चरों से इसका कोई सम्बन्ध नहीं होगा।

16. खुली अर्थव्यवस्था के मुन्डेल-फ्लेमिंग मॉडल के संदर्भ में, निम्नलिखित चरों पर विचार करें जो कि आई.एस.फलन का स्थान बदल देता है:

In the context of the Mundell-Fleming model of open economy, consider the following variables that shift the IS function.

- 1. विनिमय की दर में वृद्धि/a rise in the exchange rate
 - 2. विदेशों की आय में वृद्धि/an increase in foreign income
 - 3. करों में कटौती/a cut in taxes
 - 4. व्यापार की दर में गिरावट/a fall in exchange rate
- इन कारकों के निम्नलिखित संयोजनों में से कौन सा आई.एस.फलन को ऊपर दाईं ओर खिसकाता है?

Which of the following combinations of these factors shift the IS function upwards towards the right?

- (A) 1, 2, 4
- (B) 2, 3, 4
- (C) 1, 2, 3
- (D) 3, 4, 1

उत्तर- (C)/व्याख्या खुली अर्थव्यवस्था के मुन्डेल-फ्लेमिंग मॉडल के संदर्भ में IS फलन का स्थान बदल देने वाले चर हैं-

- 1. विनिमय दर में वृद्धि
- 2. विदेशों की आय में वृद्धि
- 3. करों में कटौती

मंडल मॉडल फ्लेमिंग का विकास 1960 के दशक के प्रारम्भ में खुली अर्थव्यवस्था के संदर्भ में मौद्रिक एवं राजकोषीय नीतियों की भूमिका के विश्लेषण के उद्देश्य से किया गया।

यह मॉडल दो प्रमुख उपकरण ब्याज की दर एवं विनिमय दर द्वारा व्यक्त मौद्रिक नीति और सरकारी व्यय एवं करारोपण से व्यक्त राजकोषीय नीति का विश्लेषण करता है।

वादा संतुलन के लिए मौद्रिक नीति एवं आन्तरिक संतुलन के लिए राजकोषीय नीति प्रयोग की जाती है।

17. भारतीय रिजर्व बैंक ने मार्च 2010 से रेपो दर में कितनी बार वृद्धि की है?

Since March 2010, how many times the Reserve Bank of India has increased the repo rate?

- (A) ग्यारह बार/Eleven times
- (B) तेरह बार/Thirteen times
- (C) दस बार/Ten times
- (D) बारह बार/Twelve times

उत्तर- (B)/व्याख्या भारतीय रिजर्व बैंक ने मार्च 2010 से रेपो दर में 2011 तक तेरह बार वृद्धि की है।

व्यापारिक बैंक को रिजर्व बैंक से जिस दर पर अल्पकालिक ऋण प्राप्त होता है उसे रेपो दर कहते हैं। वृहद रूप में जब कोई व्यक्ति या संस्था इस समझौते या विकल्प के साथ कोई प्रतिभूति किसी को बेचती है कि वह उसे एक निश्चित समय के बाद क्रय कर लेगा तो इसे सामान्यतः रेपो दर या पुनर्क्रय विकल्प कहते हैं। तथा जब कोई क्रेता इस समझौते के अंतर्गत कोई प्रतिभूति क्रय करता है कि एक निश्चित अवधि के बाद उसे क्रेता को बेच देगा तो इसे रिवर्स रेपो कहा जाता है।

18. भारत में नगरीय क्षेत्रों में बी.पी.एल. परिवारों की पहचान के लिये निम्नलिखित में से कौन सी समिति स्थापित की गई है?

Which of the following Committees has been set up in India for identification of BPL families in urban areas?

- (A) तेंदुलकर समिति / Tendulkar Committee
- (B) सक्सेना समिति / Saxena Committee
- (C) लकड़वाला समिति / Lakdawala Committee
- (D) हाशिम समिति / Hashim Committee

उत्तर- (D)/व्याख्या भारत में नगरीय क्षेत्रों में BPL परिवारों की पहचान के लिये हाशिम समिति (2012) - (S.R. Hashim) की स्थापना की गई थी जिसने दिसम्बर 2012 में अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसका कार्य नगरीय क्षेत्रों में BPL परिवारों की विशेषकर National Food Security Act- 2013 के सम्बन्ध में पहचान करना था।

19. 'स्वाभिमान' नाम का वृहद फाइनेंशियल इन्क्लूजन इनिशिएटिव औपचारिक रूप से कब प्रारम्भ किया गया था?

A major financial inclusion initiative named 'Swabhiman' was formally launched on

- (A) फरवरी, 2010 (B) फरवरी, 2011
(C) फरवरी, 2009 (D) फरवरी, 2008

उत्तर- (B)/व्याख्या फरवरी 2011 में वृहद वित्तीय समावेशन पहल 'स्वाभिमान' का प्रारम्भ किया गया था।

इसका उद्देश्य मार्च 2012 तक 2000 से अधिक जनसंख्या वाले क्षेत्र में बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराना था। यह प्रोग्राम ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों की आर्थिक दूरी के अन्तर के समाप्त करना था बाद में 15 अगस्त 2014 को प्रधानमंत्री जन-धन योजना का प्रारम्भ किया गया।

20. किस पंचवर्षीय योजना ने 'ज्यादा तेज धारणीय तथा समावेशी संवृद्धि' पर जोर दिया है?

Which of the Five Year Plans has laid emphasis on 'faster, sustainable and inclusive growth'?

- (A) ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना / Eleventh Five Year Plan
(B) बारहवीं पंचवर्षीय योजना / Twelfth Five Year Plan
(C) दसवीं पंचवर्षीय योजना / Tenth Five Year Plan
(D) नौवीं पंचवर्षीय योजना / Ninth Five Year Plan

उत्तर- (B)/व्याख्या 12 वीं पंचवर्षीय योजना में ज्यादा तेज धारणीय तथा समावेशी विकास पर जोर दिया गया। 12 वीं योजना की समयावधि 1 अप्रैल 2012 से 30 मार्च 2017 तक रही यह योजना भारत में योजना इतिहास की अन्तिम पंचवर्षीय योजना थी। इसमें 8% संवृद्धि का लक्ष्य रखा गया था।

21. औद्योगिक उत्पादन के संशोधित सूचकांक श्रृंखला के अंतर्गत, 2004-05 को आधारवर्ष मानते हुए, समाविष्ट मदों की कुल संख्या 538 से कहाँ तक बढ़ी है?

Under the revised Index of Industrial Production (IIP) series, with 2004-05 as the base, the total number of items covered has increased from 538 to

- (A) 682 (B) 662
(C) 652 (D) 642

उत्तर- (A)/व्याख्या औद्योगिक उत्पादन सूचकांक वह संकेतक है जो किसी समयावधि में औद्योगिक वस्तुओं के उत्पादन में होने वाले परिवर्तनों की माप प्रस्तुत करता है। यह विभिन्न क्षेत्रों में संवृद्धि पर प्रकाश डालता है।

इसे सामान्यतः मासिक रूप से संदर्भ अवधि के साथ तैयार किया जाता है। वर्तमान में IIP का आधार वर्ष 2011-2012 है।

IIP में Electricity, crude oil, cement, steel, refinery products, natural gas and fertilisers जैसे 8 प्रमुख उद्योग 40% भार रखते हैं। IIP की प्रमुख श्रेणी में खनन, विनिर्माण व विद्युत शामिल है।

आधार वर्ष 2011-12		
क्षेत्र	भार (%)	मद समूह
खनन	14.373	1
विनिर्माण	77.633	405
विद्युत	7.994	1
	100	407

22. निम्नलिखित में से किस राज्य में 2009-10 में अधिकतम प्रतिव्यक्ति आय थी?

Which one of the following States had the highest per capita income in 2009-10?

- (A) पंजाब/Punjab
(B) हरियाणा/Haryana
(C) मध्यप्रदेश/Madhya Pradesh
(D) दिल्ली/Delhi

उत्तर- (*)/व्याख्या प्रति व्यक्ति आय को राष्ट्रीय आय में जनसंख्या का भाग देकर ज्ञात किया जाता है। यह देश की औसत आय को दर्शाती है।

$$PCI = \frac{\text{National Income}}{\text{Population}}$$

वर्ष 2019-20 के आँकड़ों के अनुसार भारत की प्रति व्यक्ति आय \$1947.417 रही है। जहाँ 2019-20 में 1,08,620 रुपये रही वही 2020-21 में देश की प्रति व्यक्ति आय में 8.7% की कमी आयी और यह घटकर 99,155 हो गयी।

नोट : वर्तमान में देश में गोवा सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय वाला राज्य है। द्वितीय स्थान पर दिल्ली, तृतीय पर सिक्किम व चौथे पर चंडीगढ़ है।

23. निम्नलिखित में से किस राज्य में वर्ष 2010 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की शाखाओं की उच्चतम संख्या थी?

Which one of the following States had the highest number of branches of Regional Rural Branches (RRBs) in 2010?

- (A) बिहार/Bihar
(B) हरियाणा/Haryana
(C) मध्यप्रदेश/Madhya Pradesh
(D) पंजाब/Punjab

उत्तर- (A)/व्याख्या वर्ष 2010 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की शाखाओं की उच्चतम संख्या बिहार में थी।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सरकार के स्वामित्व के व्यापारिक बैंक होते हैं जो ग्रामीण स्तर पर संचालित होते हैं। इनकी स्थापना 2 अक्टूबर 1975 को 5 RRBs खोले जाने से हुई। RRBs के स्वामित्व (पूँजी में) 50% हिस्सेदारी केन्द्र सरकार की 35% हिस्सेदारी राष्ट्रीयकृत बैंकों की तथा 15% हिस्सेदारी राज्य सरकार की होती है।

नोट: 1 अप्रैल 2020 की स्थिति में भारत में 43 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक कार्यरत हैं। सन् 2017 की स्थिति में सर्वाधिक RRBs की शाखायें उत्तर प्रदेश में (4188) हैं।

24. नव आर्थिक नीति को अपनाने के उपरान्त भारतीय कृषि का विकास धीमा हो गया है क्योंकि:

Growth of Indian agriculture has been slowed down since the adoption of new economic policy due to

1. फसल की लब्धि में निम्न वृद्धि
low increase in crop yield
2. निम्न लोक निवेश या एकदम नहीं
low or no public investment

3. स्थिर हरित क्रान्ति प्रौद्योगिकी
stagnant green revolution technology
4. कृषि उत्पादों की निम्न फुटकर बाजार कीमतें
low retail market prices of agricultural produce
- सही संयोजन का चयन करके सही उत्तर दें:
Answer this question by selecting the correct combination of codes given below:

कूट/Codes:

- (A) 1, 2, 3, 4 (B) 2, 3
(C) 1, 2, 3 (D) 1, 4

उत्तर- (C)/व्याख्या नवीन आर्थिक नीति अपनाने के बाद भारतीय कृषि का विकास धीमा हो गया है क्योंकि:

- (1) Crop Yield की निम्न वृद्धि
(2) सार्वजनिक निवेश में कमी आई है।
(3) स्थिर हरित क्रान्ति प्रौद्योगिकी

25. मौद्रिकवादियों के अनुसार, मुद्रा आपूर्ति निम्नलिखित से बनती है:

- According to the monetarists, money supply constitutes
- (A) करेन्सी तथा मांग निक्षेप / Currency + demand deposits
(B) करेन्सी + मांग निक्षेप तथा सावधिक निक्षेप
Currency + demand deposits + time deposits
(C) करेन्सी + मांग निक्षेप + सावधिक निक्षेप + ईक्विटी शेयर
Currency + demand deposits + time deposits + equity shares
(D) करेन्सी + सभी प्रकार के बैंक निक्षेप + अन्य संस्थानों के पास निक्षेप + उधार
Currency + all kinds of bank deposits + deposits with other institutions + borrowing

उत्तर- (B)/व्याख्या मौद्रिकवादियों के अनुसार मुद्रा आपूर्ति

मुद्रा आपूर्ति = करेन्सी + मांग निक्षेप तथा सार्वधिक निक्षेप से बनती है।

शिकागो स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स से मौद्रिकवादी परम्परा का प्रारम्भ हुआ जिसके प्रमुख प्रवर्तक फ्रीडमैन थे। मौद्रिकवादी परम्परा से सम्बन्धित अन्य अर्थशास्त्री थे, साइमन्ज, मिंट्स, फैंक नाइट तथा जैकब वाइनर इत्यादि। इनका प्रमुख विचार Quantity Theory of Money: A Restablishment में है।

26. निम्नलिखित में कौन सा मुद्रा बाजार का विशेषीकृत उप बाजार नहीं है?

Which of the following is not a specialized sub market of the money market?

- (A) संपार्श्विक ऋण बाजार/Collateral loan market
(B) बट्टा बाजार/Discount market
(C) बॉण्ड (बंधपत्र) बाजार/Bond market
(D) स्वीकृति बाजार/Acceptance market

उत्तर- (C)/व्याख्या बॉण्ड (बंधपत्र) बाजार मुद्रा बाजार का विशेषीकृत उपबाजार नहीं है।

यह वित्तीय बाजार के पूँजी बाजार का भाग है। मुद्रा बाजार के विशेषीकृत उपबाजार के भाग collateral loan market, Discount market तथा Acceptance market है।

27. निम्नलिखित कमेटियों को नीचे दिये कूटों की सहायता से कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें:

Arrange the following Committees in chronological order from the given codes

- I. खुसरो कमेटी / Khusro Committee
II. दंतवाला कमेटी / Dantwala Committee
III. नरसिंहा कमेटी / Narasimham Committee
IV. केलकर कमेटी / Kelkar Committee

कूट/Codes:

- (A) I, II, III, IV (B) II, IV, I, III
(C) II, I, IV, III (D) II, III, I, IV

उत्तर- (*)/व्याख्या (प्रश्न हटा दिया गया था)

- A.M. Khusro खुसरो समिति (1989) - Report on the Agricultural Credit Review
- Dantwala Committee Report on Block-level Planning (1977)
- 1978 में इसने अपनी रिपोर्ट दी तथा दर्शाया कि RRBs को ग्रामीण साख का आन्तरिक भाग होना चाहिए। इसके साथ ही इसने Block-level planning का सुझाव दिया। दंतवाला 1965 में स्थापित कृषि मूल्य आयोग जो अब (कृषि लागत एवं मूल्य आयोग है) के प्रथम अध्यक्ष थे।
- Narsimham Committee -I, Banking reform से सम्बन्धित था जो 1992 में गठित हुई। बाद में 1998 में Narsimham Committee-II बनी जो बैंकिंग सुधार के क्रियाशीलन के पर्यवेक्षण के लिए थी।
- → केलकर समिति - PPP(Public Private Partnership)-2015
→ Vijay Kelkar Committee on Direct tax reform - 2002

28. अभिकथन (A) : क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की कार्य प्रक्रिया दर्शाती है कि उन्होंने अपना पूँजी आधार नष्ट/क्षय कर डाला है।

Assertion (A) The working of Regional Rural Banks (RRBs) revealed that they eroded their capital base.

कारण (R) : बहुत से क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक अ-व्यवहार्य हैं और उनकी परिचालन लागत अत्यधिक है।

Reason (R) Many RRBs are non-viable and having high operating costs.

उपर्युक्त दो कथनों का, नीचे दिये कूटों की सहायता से सही उत्तर दें:

Of the above two statements, give the correct answer from the given codes:

कूट/Codes:

- (A) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

- (B) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
Both (A) and (R) are correct but (R) is not the correct explanation of (A).
- (C) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।
(A) is true, but (R) is false.
- (D) (A) असत्य है, परन्तु (R) सत्य है।
(A) is false, but (R) is true.

उत्तर- (B) व्याख्या क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की कार्य प्रक्रिया दर्शाती है कि उन्होंने अपना पूँजी आधार नष्ट/क्षय कर दिया है यह कथन सत्य है क्योंकि RRBs में भी NPAs की समस्या अधिक है। बहुत से क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की परिचालन लागत अधिक है जबकि इनसे लाभ कम है इसलिए ये अव्यवहार्य हैं। यद्यपि RRBs की परिचालन लागत अधिक है पर यह पूँजी आधार नष्ट क्षय होने का कारण नहीं है।

अतः दोनों कथन सत्य है पर (R), (A) की व्याख्या नहीं है।

29. निम्नलिखित में से कौन सा संस्थान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित होता है जैसा कि सभी भारतीय वित्तीय संस्थान होते हैं।
Which of the following institutions are regulated by the RBI as All India Financial Institution?

- I. भारतीय निर्यात आयात बैंक
Export Import Bank of India
- II. राष्ट्रीय आवासगृह बैंक / National Housing Bank
- III. भारतीय स्टेट बैंक / State Bank of India
- IV. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक

Small industries Development Bank of India
नीचे दिये कूटों से सही उत्तर का चयन करें:

Select the correct answer from the given code:

कूट/Codes:

- (A) I, II, IV (B) II, III, IV
(C) I और II (D) III और IV

उत्तर- (A) व्याख्या भारतीय निर्यात आयात बैंक (EXIM Bank), राष्ट्रीय आवासगृह बैंक (NHB) तथा भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (SIDBI) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनियमित होता है।

(I) भारतीय निर्यात आयात बैंक (Exim Bank)

Exim Bank की स्थापना Export-Import Bank of India Act-1981 के तहत की गई। यह Export Credit उपलब्ध कराने, वैश्विक निर्यात साख एजेन्सीज पर नजर रखने का कार्य करता है। यह भारतीय औद्योगिक विकास में मदद करता है।

(II) राष्ट्रीय आवासगृह बैंक National Housing Bank (NHB)
इसकी स्थापना 9 जुलाई 1988 को National Housing Bank Act 1987 के अन्तर्गत की गई। यह Housing Finan Companies की प्रमुख regulatory Body है। इसकी स्थापन आवासगृह वित्तीयन की प्रमुख संस्था के रूप में की गई।

(IV) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (Small Industries Development Bank (SIDBI)) की स्थापना 2 अप्रैल 1990 को की गई इसका मुख्यालय लखनऊ में है। यह MSMEs वित्तीयन के क्षेत्र में प्रमुख संस्था है।

30. सारभाग मुद्रा स्फीति किस मुद्रा स्फीति का माप है?

Core inflation is a measure of inflation

- (A) जो केवल खाद्य पदार्थ तथा ऊर्जा कीमतों पर आधारित है।
that is based only on food and energy prices
- (B) जो उन मदों को समाविष्ट करता है जिनकी अस्थिर कीमतों की स्थिति रहती है। विशेष रूप से खाद्य पदार्थ तथा ऊर्जा की कीमतें।
that includes items that face volatile price movements, notably food and energy
- (C) जो उन मदों को वर्जित करता है जो कि अस्थिर कीमत स्थितियों का सामना करती हैं, विशेष रूप से खाद्य पदार्थ तथा ऊर्जा की।
that excludes items that face volatile price movements, notably food and energy
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं।/None of the above

उत्तर- (C) व्याख्या सारभाग मुद्रा (Core Inflation)

सामान्यतया मुद्रा स्फीति उस स्थिति को कहते हैं, जबकि पूर्ति में वृद्धि न होने के कारण या पूर्ति के स्थिर होने के कारण मुद्रा पूर्ति में वृद्धि के परिणाम स्वरूप अर्थव्यवस्था में मांग आधिक्य के कारण मूल्य स्तर में लगातार तेज संचयी तथा स्थायी वृद्धि हो रही है।

स्थायी मुद्रा स्फीति (Core Inflation) धारणा का प्रतिपादन 1981 में इस्कस्टेन (Eckstein) ने किया। ऐसी स्थिति में जबकि अनेक प्रकार के आपूर्ति आघात (supply shocks) तथा प्रशासित मूल्य परिवर्तन मूल्य सूचकांक में उच्चावचन ला रहे हो अर्थव्यवस्था में दीर्घवाधिक मुद्रा स्फीति ज्ञात करने के लिए स्थायी मुद्रास्फीति एक उपाय प्रदान करती है। रिजर्व बैंक गैर खाद्य विनिर्मित वस्तुओं से सम्बन्धित स्फीति को कोर स्फीति के रूप में लेता है।

Core inflation में Food inflation तथा fuel inflation को शामिल नहीं किया जाता है। यदि इन्हें शामिल कर लेने पर मुद्रास्फीति हेडलाइन मुद्रा स्फीति होगी।

31. प्रथम हरित क्रान्ति निम्नलिखित के उत्पादन तथा उत्पादक से मुख्यतः सम्बन्धित थी:

First Green Revolution was primarily concerned with the production and productivity of

- (A) दालें/Pulses
(B) तिलहन/Oilseeds
(C) गेहूँ/Wheat
(D) फल एवं सब्जी/Fruits & vegetables

उत्तर- (C) व्याख्या भारत में हरित क्रान्ति 1966-67 में हुई। इसके अन्तर्गत अधिक उपज वाले बीज (High Yielding variety seeds) एवं बहुफसली कार्यक्रम अपनाया गया।

HYVP बहुफसली में मुख्यतः 5 फसलों पर जोर दिया गया- गेहूँ, धान, ज्वार, बाजरा तथा मक्का।

इनमें सबसे अधिक प्रभाव गेहूँ पर पड़ा।

हरित क्रान्ति का प्रभाव सम्पूर्ण देश में नहीं था। इसका प्रभाव मुख्यतः पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में ही था।

32. 2001-05 से 2010-11 तक की अवधि के दौरान कृषि क्षेत्र में जी डी पी के साथ-साथ

During the period from 2004-05 to 2010-11, agricultural sector GDP

- (A) संपूर्ण जी डी पी की तुलना में उच्चतर संवृद्धि की दर थी।
witnessed a higher growth rate than the overall GDP
- (B) संपूर्ण जी डी पी की तुलना में निम्न संवृद्धि दर थी।
witnessed a lower growth rate than the overall GDP
- (C) संपूर्ण जी डी पी की तुलना में स्थिर संवृद्धि दर थी।
witnessed a stagnant growth rate as compared to the overall growth rate
- (D) संपूर्ण जी डी पी की दर के समान संवृद्धि दर थी।
witnessed a similar growth rate as that of the overall GDP

उत्तर- (B)/व्याख्या/ 2001-05 से 2010-11 तक की अवधि के दौरान कृषि क्षेत्र में GDP संपूर्ण GDP की तुलना में निम्न थी। इस दौरान कृषि क्षेत्र में 2 से 3% लगभग संवृद्धि दर्ज की गई।

33. खाद्य पदार्थ प्रबन्धन के मुख्य उद्देश्य हैं:

The main objectives of food management are

- (A) किसानों से लाभकारी कीमतों पर खाद्यान्न उपलब्ध करना।
Procurement of food grains from farmers at remunerative prices
- (B) उपभोक्ताओं को समर्थनकारी कीमतों पर खाद्यान्नों का वितरण।
Distribution of food grains to consumers at affordable prices.
- (C) खाद्य पदार्थों की सुरक्षा, तथा कीमत स्थायित्व के लिये खाद्य बफर्स को बनाए रखना।
Maintenance of food buffers for food security and price stability
- (D) उपर्युक्त सभी/All of the above

उत्तर- (D)/व्याख्या/ खाद्य प्रबन्धन के मुख्य उद्देश्य है:

- (i) लाभकारी मूल्यों में किसानों से खाद्यान्नों की अधिप्राप्ति
- (ii) उपभोक्ता खासकर समाज के कमजोर वर्गों को वहनीय कीमतों पर खाद्यान्न का वितरण और खाद्य सुरक्षा।
- (iii) मूल्य को स्थिर बनाये रखने के लिए खाद्य बफर का अनुरक्षण इसमें खाद्यान्नों की किसानों से लाभ प्रद खरीद, बफर स्टॉक, भण्डारण परिवहन, खाद्यान्न के मूल्यों में स्थिरता लाते हैं। इसके लिए MSP की घोषणा की जाती है।

34. निम्नलिखित में से किस राज्य ने वर्ष 2009-10 में दालों के उत्पादन में अधिकतम योगदान दिया?

Which one of the following States contributed maximum to the production of pulses in the year 2009-10?

- (A) उत्तर प्रदेश/Uttar Pradesh
- (B) मध्य प्रदेश/Madhya Pradesh
- (C) राजस्थान/Rajasthan
- (D) पंजाब/Punjab

उत्तर- (B)/व्याख्या/ कृषि उत्पादन: महत्वपूर्ण फसलों के 3 बड़े उत्पादक राज्य 2019-20

फसल समूह	राज्य	उत्पादन (MIT)	अखिल भारत के लिए उत्पादन का (%)
(1) दाले (कुल)	राजस्थान	4.49	19.41
	महाराष्ट्र	4.03	17.40
	मध्य प्रदेश	3.80	16.41
(2) चावल	पश्चिम बंगाल	15.57	13.15
	उत्तर प्रदेश	15.52	13.11
	पंजाब	11.78	9.95
(3) गेहूँ	उत्तर प्रदेश	32.59	30.29
	मध्य प्रदेश	19.61	18.22
	पंजाब	17.57	16.32

35. किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) की योजना किस वर्ष लागू की गई?

A Kisan Credit Card (KCC) Scheme was introduced in the year

- (A) 2001 (B) 2005
- (C) 1998 (D) 1999

उत्तर- (C)/व्याख्या/ किसान क्रेडिट कार्ड योजना की शुरुआत R. B. Gupta की संस्तुतियों पर अगस्त 1998 में तत्कालीन वित्तमंत्री यशवन्त सिन्हा द्वारा की गयी।

यह स्कीम संस्थानिक ऋण तक किसानों की पहुँच की एक महत्वपूर्ण तथा प्रभावी पहल है। यह किसानों को व्यापारिक बैंक सहकारी बैंकों तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से ऋण लेने की सुविधा प्रदान करती है। नाबार्ड ने इस योजना को 2004 में संशोधित किया जिसके अनुसार अब इस स्कीम के द्वारा कृषि एवं सम्बद्ध क्रियाकलापों के लिए दीर्घकालीन सावधि ऋणों की व्यवस्था की जा सके। नाबार्ड KCC की प्रबन्धक इकाई है।

सहकारी बैंकों तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के सम्बन्ध में क्रेडिट कार्ड की मानीटरिंग इकाई नाबार्ड है जबकि व्यापारिक बैंकों के सम्बन्ध में इसकी मानीटरिंग अथारिटी RBI है।

36. कृषि उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि किसके लिये पूर्व शर्त हैं?

Increase in agricultural production and productivity is a pre-condition

- (A) जी डी पी में कृषि का हिस्सा बढ़ाने के लिये
to raise the share of agriculture in GDP
- (B) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये
to ensure national food security
- (C) जीवनयापन तथा पोषणिक सुरक्षा प्रदान करने के लिये
to provide livelihood and nutritional security
- (D) उपर्युक्त सभी/ All of the above

उत्तर- (D)/व्याख्या/ कृषि उत्पादन तथा उत्पादकता में वृद्धि पूर्व शर्त है:

- (A) GDP में कृषि का हिस्सा बढ़ाने के लिये
- (B) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये
- (C) जीवनयापन तथा पोषणिक सुरक्षा प्रदान करने के लिये

37. उस वर्ष को चुनिए जिसमें केन्द्र सरकार का सकल कुल घाटा, राजकोषीय घाटा, तथा प्राथमिक घाटा घरेलू सकल उत्पाद के प्रतिशत के रूप में अधिकतम था:

Select the year in which the gross fiscal deficit, revenue deficit and primary deficit of the Central Government as percent of GDP were the highest?

- (A) 2008-09 (B) 2006-07
(C) 2007-08 (D) 2005-06

उत्तर- (A)/व्याख्या 2008-09 में केन्द्र सरकार का सकल कुल घाटा, राजकोषीय घाटा, तथा प्राथमिक घाटा घरेलू सकल उत्पाद के प्रतिशत के रूप में अधिकतम था।

वर्ष 2020 में आयी कोरोना महामारी के प्रभाव से वर्ष 2020-21 के बजट में अनुमानित विभिन्न बजटीय अनुमानों से बजट 2021-22 में संशोधित अनुमान अत्यधिक रहे।

राजस्व घाटा

वर्ष 2020-21 में बजट अनुमान GDP का 2.7%

संशोधित अनुमान - GDP का 7.5%

वर्ष 2021-22 में बजट अनुमान GDP का 5.1%

राजकोषीय घाटा

वर्ष 2020-21 में राजकोषीय घाटा बजट अनुमान - 3.5%

संशोधित अनुमान GDP का 9.5%

2021-22 में बजट अनुमान - 6.8%

वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटा 4.5% स्तर तक लाने का लक्ष्य

प्राथमिक घाटा

वर्ष 2020-21 - 0.4%

संशोधित अनुमान - 5.9%

2021-22 में बजट अनुमान - 3.1%

38. वर्ष 2011-12 में निम्नलिखित मदों में से केन्द्र सरकार के व्यय का सबसे महत्वपूर्ण संभावित मद है:

Which item is likely to be the most significant item of expenditure of the Central Government during 2011-12?

- (A) आर्थिक सहायता/Subsidies
(B) रक्षा/Defence
(C) ब्याज/Interest
(D) राज्यों का केन्द्र करों में हिस्सा

Share of States in Central taxes

उत्तर- (C)/व्याख्या ब्याज वर्ष 2011-12 में निम्नलिखित मदों में से केन्द्र सरकार के व्यय का सबसे महत्वपूर्ण संभावित मद है।

वर्ष 2021-21 में विभिन्न मदों पर केन्द्र सरकार के प्रस्तावित व्यय	
ब्याज	8,09,701 करोड़
रक्षा	3,47,088 करोड़
मुख्य अनुदान (subsidy)	3,35,361 करोड़
राज्यों को हस्तांतरित	2,93,302 करोड़
व्यय की प्रमुख मदे घटते क्रम में	
ब्याज अदायगी	20%
कर एवं शुल्कों में राज्यों की हिस्सेदारी	16%
केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाएं	13%
केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएं	9%

आर्थिक सहायता	9%
रक्षा	8%
पेंशन	5%
अन्य व्यय	10%

39. राज्य सरकारों के सामाजिक क्षेत्र के व्यय के मदों में सम्मिलित होता है:

Items of social sector expenditure of the State Governments include

- I. शिक्षा एवं खेल/Education and sports
- II. ऊर्जा एवं परिवहन/Energy and transport
- III. चिकित्सा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य
Medical and public health
- IV. जल पूर्ति एवं स्वच्छता/Water supply and sanitation

दिए गए कूट में से सही उत्तर बताइए:

Find correct answer from given codes:

कूट/Codes:

- (A) I, II व III सही हैं। (B) I, III व IV सही हैं।
(C) II, III व IV सही हैं। (D) I व III सही हैं।

उत्तर- (B)/व्याख्या राज्य सरकारों के सामाजिक क्षेत्र के व्यय की मदों में शामिल है-

(I) शिक्षा एवं खेल

(III) चिकित्सा एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य

(IV) जल पूर्ति एवं स्वच्छता

इसके अतिरिक्त कला एवं संस्कृति क्षेत्र, परिवार कल्याण, शहरी विकास, SC, ST, OBC कल्याण आदि मदे शामिल होती है।

40. सूची-I के पदों को सूची-II से दिए गए कूट में से मिलान कीजिए:

Match the items of List-I with items of List-II from the given code:

सूची-I/List-I	सूची-II/List-II
I. राज्य की बढ़ती हुई क्रियाओं का नियम Law of increasing State activities	1. आर.एन.भार्गव R.N. Bhargava
II. विस्थापन प्रभाव Displacement effect	2. एडोल्फ वैगनर Adolph Wagner
III. संघीय वित्त Federal Finance	3. वाइज़मैन व पिर्कोक Weisman and Peacock
IV. क्रियात्मक वित्त Functional Finance	4. ए.पी.लर्नर A.P. Lerner

कूट/Codes:

	I	II	III	IV
(A)	1	2	3	4
(B)	2	3	1	4
(C)	3	4	2	1
(D)	4	1	3	2

उत्तर- (B) व्याख्या

सूची-I	सूची-II
(I) राज्य की बढ़ती क्रियाओं का नियम	(2) एडोल्फ वैगनर
(II) विस्थापन प्रभाव	(3) वाइजमैन पीकाँक
(III) संघीय वित्त	(1) आर एन भार्गव
(IV) क्रियात्मक वित्त	(4) ए०पी० लर्नर

(I) राज्य की बढ़ती क्रियाओं का नियम

एडोल्फ वैगनर (1835 - 1917) जर्मन अर्थशास्त्री थे इन्होंने आर्थिक विकास के स्तर तथा सरकारी उपभोग व्यय के बीच पाये जाने वाले कार्यात्मक सम्बन्ध का एक आनुभाविक विश्लेषण दिया। वैगनर के अनुसार सार्वजनिक व्यय में वृद्धि की दर अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर से अधिक होती है अर्थात् जैसे-जैसे आर्थिक विकास होता जायेगा राज्य की क्रियाओं में तेजी से विस्तार होगा।

(II) विस्थापन प्रभाव

जैक वाइजमैन तथा एलीन टी पीकाँक ने 1890-1955 की अवधि में ब्रिटेन में सार्वजनिक व्यय में होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया। इन्होंने वैगनर के नियम को अस्वीकार्य करते हुए अपनी परिकल्पना में ब्रिटिश सरकार के व्ययों का काल श्रेणी अध्ययन किया। वाइजमैन तथा पीकाँक ने दर्शाया कि यद्यपि युद्ध के बाद ब्रिटेन के राजकीय व्यय में कमी आयी पर यह घटकर युद्ध के पूर्व स्तर पर नहीं आया और उत्पाद में सरकारी व्यय का अनुपात युद्ध के तुरन्त पहले के स्तर की तुलना में बहुत अधिक रहा। राष्ट्रीय उत्पाद में सार्वजनिक व्यय के अनुपात में इस स्थायी वृद्धि का विस्थापन प्रभाव (Displacement Effect) कहा गया। पीकाँक तथा वाइजमैन ने सार्वजनिक व्यय में वृद्धि का आकार सीढीनुमा बताया।

(III) संघीय व्यवस्था ऐसी शासन व्यवस्था है जहाँ केन्द्र व राज्य व राज्य सरकारों का सह आस्तित्व पाया जाता है।

संघीय वित्त के अंतर्गत केन्द्र व राज्य दोनों की वित्तीय समस्याओं का अध्ययन किया जाता है।

डॉ आर. एन. भार्गव ने संघीय वित्त की परिभाषा देते हुए दर्शाया कि “संघीय वित्त से अभिप्राय संघ तथा राज्य सरकारों के वित्त तथा उन दोनों के बीच सम्बन्ध से है।”

(IV) क्रियात्मक वित्त

क्रियात्मक वित्त की संकल्पना प्रो. ए. पी. लर्नर ने दी यह कीन्सियन राजकोषीय नीति का ही रूप है। क्रियात्मक वित्त प्रणाली के अनुसार- (क) सरकार की वित्तीय व्यवस्था कार्य के अनुसार सम्पादित होनी चाहिए और राजस्व तथा व्यय को केवल सामूहिक उपभोग आवश्यकता की पूर्ति से ही निर्देशित नहीं होना चाहिए। राजस्व का यह दृष्टिकोण वस्तुतः लर्नर द्वारा प्रयुक्त क्रियात्मक वित्त दृष्टिकोण है।

(ख) सरकार का बजट आवश्यक रूप से सन्तुलित नहीं होना चाहिए।

41. अभिकथन (A) : संघ बजट, 2010-11 में प्रोत्साहन उपायों के आंशिक हटाने के साथ राजकोषीय सुदृढ़ता की प्रक्रिया शुरू हुई।

Assertion (A) : The Union Budget for 2010-11 had begun the process of fiscal consoli-

dation with a partial withdrawal of the stimulus measures.

कारण (R) : अर्थव्यवस्था में आर्थिक पुनर्लाभ की स्थिति का स्पष्ट प्रमाण था।

Reason (R) : There was a clear evidence of economic recovery in the economy

उपरोक्त दोनों कथनों के संबंध में, दिए गए कूट में से कौन सही है?

In the context of the above two statements, which one is correct from the given codes?

कूट/Codes:

(A) (A) व (R) दोनों सही हैं और (R), (A) कथन का सही कारण है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

(B) (A) व (R) दोनों सही हैं किन्तु (R), (A) का सही कारण नहीं है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is not the correct explanation of (A).

(C) (A) सही है, लेकिन (R) सही नहीं है।

(A) is correct, but (R) is incorrect.

(D) (R) सही है, किन्तु (A) सही नहीं है।

(R) is correct, but (A) is incorrect.

उत्तर- (A) व्याख्या

FRBM Act 2003 जो 2004 से लागू हुआ राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के क्षेत्र में प्रमुख कदम था इसके प्रावधानों के तहत 2008 तक राजस्व घाटे को समाप्त करना एवं राजकोषीय घाटे को GDP के 3% के स्तर पर लाना था लेकिन 2008-09 की 'subprime crises' के कारण सरकार को FRBM Act के असधारण परिस्थिति वाले प्रावधान का प्रयोग करते हुए Stimulus Package अर्थव्यवस्था को मंदी से बचाने के लिए देना पड़ा।

वर्ष 2010-11 के बजट में प्रोत्साहन उपायों को आंशिक रूप से हटाया गया जिससे पुनः राजकोषीय समेकन की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। प्रोत्साहन उपायों का हटाया जाना अर्थव्यवस्था में सुधार (recovery) को दर्शाता था।

इस प्रकार कथन व कारण दोनों सत्य हैं व कारण कथन की सही व्याख्या है।

राजकोषीय सुदृढ़ता Fiscal Consolidation

घाटे के वित्तीयन का प्रत्येक मार्ग एक बड़ी समष्टि भावी चुनौती उत्पन्न करता है। अतः प्रथम और सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता इस बात की है कि FD को सहनीय सीमा के भीतर बनाया जाए। इसके लिए राजकोषीय सुदृढ़ीकरण आवश्यक है। यह दो कारणों से महत्वपूर्ण हो जाता है:

(1) राजकोषीय सुदृढ़ीकरण से निवेश के परिवेश में सुधार होता है तथा Crowd-out effect में कमी आती है। इससे सरकार द्वारा बचतों के उपयोग कर लिए जाने में कमी आती है जिससे निवेश में वृद्धि होती है।

(2) राजकोषीय सुदृढ़ीकरण के बिना निकट भविष्य में वांछित उच्च संवृद्धि दर की प्राप्ति संभव नहीं होगी।

राजकोषीय सुदृढीकरण के उपाय

- व्ययों का नियोजन
- सहायिकियों का विवेकीकरण
- Expenditure Reform Commission - 2000 (K.P. Geetha Krishan)
- सरकार के स्वयं के स्रोतों में वृद्धि
- Zero Base Budget System
- राज्यों को दिए जाने वाले ऋणों की समाप्ति इत्यादि।

42. निम्नलिखित प्रतिवेदनों को कालानुक्रमिक क्रम में नीचे दिए गये कूटों की सहायता से व्यवस्थित करें:

Arrange the following Reports in chronological order from the given codes:

- I. कृषि सम्पदा और आय के कराधान पर समिति
Committee on Taxation of Agricultural wealth and income
 - II. प्रत्यक्ष करों पर टास्क फोर्स की रिपोर्ट
Report of the task force on direct taxes.
 - III. 13वाँ वित्त आयोग: 2010-15
Thirteenth Finance Commission: 2010-15
 - IV. भारतीय कर सुधार - सर्वेक्षण की रिपोर्ट
Indian Tax Reforms - Report of a survey
- कूट/Codes:
- (A) III, II, IV, I (B) IV, I, II, III
(C) II, III, I, IV (D) I, IV, III, II

उत्तर- (B) व्याख्या

• भारतीय कर सुधार-सर्वेक्षण रिपोर्ट	1956	Nicholas Kaldor Committee
• कृषि सम्पदा और आय के कराधान पर समिति	1972	Dr. K.N. Raj Committee
• प्रत्यक्ष करों पर टास्क फोर्स की रिपोर्ट	2002	Dr. Vijay L. Kelkar task force
• 13 वाँ वित्त आयोग	2010-15	

नोट : 15 वाँ वित्त आयोग -

गठन 27 नवम्बर 2017

रिपोर्ट 5 दिसम्बर 2019, 9 नवम्बर 2020

कार्यकाल (2020-21), (2021-26)

- Task Force on the new Direct tax code जो Income tax Act-1961 को बदलने के लिए थी ने अपनी रिपोर्ट July 2019 को सौंपी।

43. प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में, मजदूरी पर लगाया गया कर पूर्णतः श्रम पर पड़ता है यदि:

In a competitive market, a tax on wage income falls wholly on labour if:

- (A) श्रम पूर्ति बेलोच है। / Labour supply is inelastic
(B) श्रम पूर्ति लोचदार है। / Labour supply is elastic

(C) श्रम पूर्ति अत्यधिक लोचदार

Labour supply is highly elastic

(D) उत्पादों की माँग की अनन्त लोच है।

Demand for products has infinite elasticity

उत्तर- (A) व्याख्या प्रतिस्पर्धात्मक बाजार में, मजदूरी पर लगाया गया कर पूर्णतः श्रम पर पड़ता है यदि श्रम की पूर्ति बेलोच है। श्रम की आपूर्ति को लोच श्रमिकों की शक्ति को दर्शाता है। यदि श्रम की प्रकृति ऐसी है कि मजदूरी में परिवर्तन के परिणामस्वरूप श्रम की पूर्ति में परिवर्तन नहीं किया जा सकता तो नियोजक मजदूरी पर लगाये गए कर का सम्पूर्ण भार श्रम पर डाल देगा।

44. भारत में छोटे तथा लघु उद्योगों के विकास के लिये उत्तरदायी शीर्ष वित्तीय संस्थाएँ हैं:

The apex financial institution responsible for the development of small and micro industries in India is

(A) आई. डी. बी. आई./IDBI

(B) एस. आई. डी. बी. आई./SIDBI

(C) नाबार्ड/NABARD

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं/None of the above

उत्तर- (B) व्याख्या भारत में छोटे तथा लघु उद्योगों के विकास के लिए उत्तरदायी शीर्ष वित्तीय संस्था SIDBI है।

इसकी स्थापना 1990 में हुई तथा इसका मुख्यालय लखनऊ में है। यह लघु उद्योग क्षेत्र में उद्योगों के प्रवर्तन, वित्तीय सुविधा पहुँचाने तथा विकास करने की प्रमुख वित्तीय संस्था के रूप में कार्य करता है।
• IDBI: Industrial Development Bank of India- इसकी स्थापना 1964 में हुई यह दीर्घकालीन औद्योगिक वित्त की संस्था है।
• नाबार्ड: 12 जुलाई 1982 को शिवरमन कमेटी की संस्तुतियों पर स्थापना।

45. भारत में औद्योगिक विवादों का हल करने के लिये उपयोग की गई सामान्य पद्धतियाँ हैं:

The general methods used to solve industrial disputes in India are

1. सामूहिक सौदेबाजी/Collective bargaining
2. अनिवार्य विवाचन/Compulsory arbitration
3. अधिनिर्णय/Adjudication
4. मजदूर संघों के निर्णय/Decision by trade unions

कूट: निम्नलिखित कूटों से सही संयोजन का चयन करें:

Choose the correct combination of methods from this following :

(A) 1 तथा 2

(B) 2 तथा 3

(C) 2 तथा 4

(D) 1 तथा 3

उत्तर- (D) व्याख्या भारत में औद्योगिक विवादों का हल करने के लिए उपयोग में लाई जाने वाली सामान्य पद्धतियाँ हैं:

1. सामूहिक सौदेबाजी
3. अधिनिर्णय Adjudication
औद्योगिक विवाद प्रबंधन (नियोक्ता) तथा श्रमिकों (workers) में मध्य उत्पन्न मतभेद (विवाद) होते हैं। भारत में औद्योगिक विवादों की व्याख्या Industrial Disputes Act, 1947 में की गई है। जिसे

हाल ही में पारित Industrial Relation Code- 2020 से बदला गया है।

औद्योगिक संबंध संहिता, 2019: 2020 में पारित औद्योगिक संबंध संहिता में Trade Union Act-1926, औद्योगिक रोजगार (स्थायी आदेश) अधिनियम, 1946, औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 के प्रासंगिक प्रावधानों को मिश्रित, सरलीकृत तथा तर्कसंगत बना कर समाहित किया गया है।

46. नीचे दो कथन दिये गये हैं, एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है:

Given below are two statements, one labelled as Assertion(A) and other labelled as Reason (R):

अभिकथन (A) : सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग 'उच्च ज्ञान' आधारित उद्योग है जो भारत में मुख्यतः अपने खुद की योग्यताओं के आधार पर तीव्रता से विकसित हुआ है।

Assertion (A) : Information Technology (IT) industry is a 'high knowledge' based industry that has developed rapidly, mainly on its own merits in India.

कारण (R) : 'उच्च ज्ञान' पर आधारित उद्योग को सरकार से किसी महत्वपूर्ण सहायता की जरूरत नहीं है न ही बाह्य हस्तक्षेप के लिये ज्यादा गुंजाइश होती है।

Reason (R) : Industry that is based on high knowledge does not need any significant support from the Government nor there is much scope for outside interference.

सही उत्तर का चयन करें:

Choose the correct combination of codes given below:

कूट/Codes:

(A) A सही है, परन्तु R गलत है।

(A) is correct, but (R) is wrong.

(B) A और R दोनों सही हैं।/ Both (A) and (R) are correct.

(C) A गलत है, परन्तु R सही है।

(A) is wrong, but (R) is correct.

(D) A और R दोनों गलत हैं।

Both (A) and (R) are wrong.

उत्तर- (B)/व्याख्या दोनों कथन सत्य हैं क्योंकि सेवा क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग का बड़ा योगदान है और भारत को सेवाओं में तुलनात्मक लाभ इसी क्षेत्र के कारण प्राप्त हुआ है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र मुख्यतः निजी क्षेत्र में विकसित हुआ।

भारत में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग में 2 प्रमुख घटक शामिल हैं

(1) IT Services

(2) Business Process Outsourcing (BPO)

यह क्षेत्र भारत की GDP में जहां 1998 में 1.2% की हिस्सेदारी रखता था वहीं 2017 में यह बढ़कर 1.7% हो गई। 2020 के अनुसार भारत के IT क्षेत्र में 4.36 million लोग कार्य कर रहे हैं।

47. SEBI (एस.ई.बी.आई.) को निम्नलिखित में से उपयुक्त मद के साथ सुमेलित करें:

Match 'SEBI' with the appropriate item among the following:

(A) मुद्रा बाजार का विनियमन

Regulation of Money market

(B) पूँजी बाजार का विनियमन

Regulation of Capital market

(C) वस्तु बाजार का विनियमन

Regulation of Commodity market

(D) उपर्युक्त सभी/All the above

उत्तर- (B)/व्याख्या SEBI पूँजी बाजार का विनियमन करता है।

Securities and Exchange Board of India (SEBI) की स्थापना 12 अप्रैल 1988 को हुई। इसका प्रमुख उद्देश्य भारतीय स्टॉक निवेशकों को उत्तम संरक्षण प्रदान करना तथा प्रतिभूति बाजार के विकास तथा नियमन को प्रवर्तित करना है।

SEBI एक गैर वैधानिक संगठन के रूप में स्थापित किया गया था जिसे SEBI Act-1992 के अंतर्गत वैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ। जनवरी 1995 को सरकार द्वारा पारित एक अध्यादेश के द्वारा पूँजी के निर्गमन, प्रतिभूतियों के हस्तांतरण तथा अन्य सम्बन्धित मामलों में सेबी को 'नियंत्रक शक्ति' प्रदान करता है। सितम्बर 28, 2015 को Forward Commission को SEBI के साथ मिला दिया गया।

48. औद्योगिक विकास के सौपानों के विभिन्न संयोजन नीचे दिये गये हैं। सही आनुक्रमिक संयोजन का चयन करें:

Given below are the various combinations giving the steps of industrial development. Select the correct sequential combination of steps.

(A) मौद्रिक विस्तार/प्रसार, औद्योगिक विकास, ब्याज में गिरावट निवेश उत्प्रेरित

Monetary expansion; industrial development; fall of interest; investment is stimulated.

(B) औद्योगिक विकास, ब्याज में गिरावट, मौद्रिक प्रसार, निवेश उत्प्रेरित

Industrial development; fall of interest; monetary expansion; investment is stimulated.

(C) मौद्रिक प्रसार, ब्याज में गिरावट, निवेश उत्प्रेरित, औद्योगिक विकास

Monetary expansion; fall of interest; investment is stimulated; industrial development.

(D) औद्योगिक विकास, ब्याज में गिरावट, मौद्रिक प्रसार, निवेश उत्प्रेरित

Industrial development; fall of interest; monetary expansion; investment is stimulated.

उत्तर- (C)/व्याख्या औद्योगिक विकास के विभिन्न संयोजनों का सही अनुक्रम

→ मौद्रिक प्रसार → ब्याज दर में गिरावट → निवेश उत्प्रेरित
→ औद्योगिक विकास

औद्योगिक विकास बहुत हद तक निवेश के लिए उपलब्ध संसाधनों पर निर्भर करता है जो वित्तीय संस्थान उपलब्ध कराते हैं।

49. 1991 आर्थिक नीतियों के उत्तरोत्तर काल के अंतर्गत भारतीय सरकार निम्नलिखित की सहायता करती है:

Under the post 1991 economic policies, the Government of India supports

- (A) निजी विनिर्माण क्षेत्र / Private manufacturing sector
- (B) निर्यात उद्योग / Export industries
- (C) छोटे (या लघु) उद्योग / Small industries
- (D) उपर्युक्त सभी / All the above

उत्तर- (D) व्याख्या 1991 की आर्थिक नीतियों के उत्तरोत्तर काल के अंतर्गत भारतीय सरकार निम्नलिखित की सहायता करती है:

- (A) निजी विनिर्माण क्षेत्र
- (B) निर्यात उद्योग
- (C) छोटे (लघु) उद्योग

50. निम्नलिखित में से कौन सी आर्थिक व्यवहार्यता और लियोन्टिफ स्थैतिक मॉडल की प्रौद्योगिकीय साध्यता की स्थिति हैं?

Which of the following is the condition(s) of economic viability and technological feasibility of Leontief's Static Model?

- (A) पैरोन् फ्रोबिनस मूल/Perron - Frobinus root
- (B) मूल के वस्तुपरक फलन का मान, मूल के द्वय के वस्तुपरक फलन के मान के बराबर होना चाहिये।
Value of the objective function of the primal should equal the value of the objective function of the dual of the primal.
- (C) कुहन-टक्कर स्थितियाँ/Kuhn-Tucker conditions
- (D) हॉकिन्स-साइमन स्थिति/ Hawkins-Simon conditions

उत्तर- (D) व्याख्या आर्थिक व्यवहार्यता और लियोन्टिफ स्थैतिक मॉडल की प्रौद्योगिकीय साध्यता की स्थिति हॉकिन्स-साइमन की शर्तें हैं। हॉकिन्स साइमन की शर्तें आगत-निर्गत मॉडल की संगतता तथा व्यवहार्यता के लिए आवश्यक हैं।

इसकी 2 शर्तें हैं:

1. आगत निर्गत matrix के (Determinant) लघु सारणिक आवश्यक रूप से धनात्मक होने चाहिए।

$|I - A| > 0$ - i.e. matrix (I-A) should be non singular matrix

2. J^{th} वस्तु की एक इकाई के उत्पादन में i^{th} वस्तु की एक इकाई से अधिक का प्रयोग नहीं होना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि तकनीक मैट्रिक्स के सभी प्रधान अवयव (Principal Diagonal) धनात्मक हो।

वास्तव में दोनों दशाएं Principal Diagonal के धनात्मक होने पर ही पूर्ण हो जाती हैं।

जबकि

कुन टुकुर शर्तें, प्रथम ऑर्डर आवश्यक शर्तें हैं जो non-linear programming के अनुकूलतम हल के लिए आवश्यक हैं।

51. निम्नलिखित उत्पादन फलन:

$Y = A L^\beta K^\alpha$ $\alpha, \beta > 0$ पर विचार करें और सूची-I और सूची-II में दी मदों को सुमेलित करें:

Given the following production function, match the items in list I and II:

$Y = A L^\beta K^\alpha$ $\alpha, \beta > 0$

सूची-I I. पैमाने के हासमान प्रतिफल <i>Decreasing returns to scale</i> II. पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल <i>Increasing returns of scale</i> III. L के सम्बन्ध में आउटपुट लोच <i>Output elasticity with respect to L</i> IV. K के सम्बन्ध में आउटपुट लोच <i>Output elasticity with respect to K</i>	सूची-II 1. $\alpha + \beta > 1$ 2. α 3. $\alpha + \beta < 1$ 4. β

कूट/Codes:

	I	II	III	IV
(A)	3	1	2	4
(B)	1	2	4	3
(C)	4	1	3	2
(D)	2	3	4	1

उत्तर- (A) व्याख्या उत्पादन फलन $Y = AL^\beta K^\alpha$ जहाँ $\alpha, \beta > 0$

सूची-I	सूची-II
(I) पैमाने के हासमान प्रतिफल	(3) $\alpha + \beta < 1$
(II) पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल	(1) $\alpha + \beta > 1$
(III) L (श्रम) के सम्बन्ध में निर्गत लोच	(2) α
(IV) पूँजी (K) के सम्बन्ध में निर्गत लोच	(4) β

उपरोक्त प्रश्न में दिया गया उत्पादन फलन कॉब डलगस उत्पादन फलन है। उत्पादन फलन $Y = AL^\beta K^\alpha$ में L तथा K पूँजी व श्रम की मात्रा है। α, β धनात्मक स्थिरांक हैं जहाँ A तकनीक गुणांक को दर्शाते हैं।

α तथा β कुल उत्पादन में साधनों का हिस्सा तथा साधनों के निर्गत की लोच को दर्शाते हैं।

एक सामान्य उत्पादन फलन में यदि α तथा β के मूल्य निम्न प्रकार हो:

$\alpha + \beta = 1 \rightarrow$ पैमाने के स्थिर प्रतिफल

$\alpha + \beta > 1 \rightarrow$ पैमाने के वर्द्धमान प्रतिफल

$\alpha + \beta < 1 \rightarrow$ पैमाने के हासमान प्रतिफल

● कॉब डलगस उत्पादन फलन प्रथम कोटि का समांग उत्पादन फलन होता है जो पैमाने के स्थिर प्रतिफल को दर्शाता है।

52. निम्नलिखित को सुमेलित करें:

Match the following:

सूची-I	सूची-II
I. बॉक्स - जैकिन्स पद्धति	1. कार्यकारण भाव (या कारणता)
Box-Jenkins Method	Causality
II. इकाई-मूल परीक्षण	2. पूर्वानुमान
Unit-root test	Forecasting
III. डरबिन-वाटसन का 'डी' सांख्यिकीय (स्टैटिस्टिक)	3. अप्रगामिता
Durbin-Watson 'd' statistic	Stationarity
IV. ग्रेंजर परीक्षण	4. स्वतः सहसम्बन्ध
Granger test	Auto correlation

कूट/Codes:

	I	II	III	IV
(A)	3	1	2	4
(B)	2	3	4	1
(C)	1	2	3	4
(D)	4	1	2	3

उत्तर- (B)/व्याख्या/ सही सुमेलन है -

सूची- I	सूची-II
(I) बॉक्स-जैकिन्स पद्धति	(2) पूर्णानुमान
(II) इकाई मूल परीक्षण	(3) स्थिरता
(III) डरबिन-वाटसन का 'डी' सांख्यिकीय	(4) स्वतः सहसम्बन्ध
(IV) ग्रेंजर परीक्षण	(1) कारणता

53. निम्नलिखित परिकल्पनाओं में से कौन सी प्रतिगमन फलन द्वारा परीक्षण की गई है?

Which of the following hypotheses are tested by a regression function?

- (A) दो या ज्यादा चरों के बीच अंतःसम्बन्ध आवश्यक रूप से शून्य से भिन्न है।

Inter-relation between two or more variables is significantly different from Zero.

- (B) दो एवं ज्यादा चरों के बीच अंतः सम्बन्ध की कोटि तथा दिशा शून्य नहीं है और प्रतिगमन फलन की सुमानकता संतोषजनक है।

The degree and direction of inter relations between two or more variables are non-zero and goodness of fit of the regression function is satisfactory.

- (C) व्यवस्थित व्याख्यात्मक कारकों द्वारा कारित प्रभाव की कोटि यादृच्छिक कारकों द्वारा कारित प्रभाव के बराबर या

अधिक (कम) होती है।

Degree of influence exercised by systematic explanatory factors is greater/lesser/equal to the influence exercised by random factors.

- (D) उपर्युक्त सभी/All the above

उत्तर- (D)/व्याख्या/ Regression Function द्वारा निम्नलिखित परिकल्पनाओं का परीक्षण किया जा सकता है:

- (A) दो या ज्यादा चरों के बीच अंतः सम्बन्ध आवश्यक रूप से शून्य से भिन्न है।
(B) दो एवं ज्यादा चरों के बीच अंतः सम्बन्ध कोटि तथा दिशा शून्य नहीं है और प्रतीपगमन फलन की सुमानकता संतोषजनक है।
(C) व्यवस्थित व्याख्यात्मक कारकों द्वारा कारित प्रभाव की कोटि यादृच्छिक कारकों द्वारा कारित प्रभाव के बराबर या अधिक (कम) होती है।

54. विषमविसारिता की उपस्थिति में कौन सा कथन सही नहीं है?

In the presence of Heteroscedasticity, which of the following is not a correct statement?

- (A) विषमविसारिता OLS (ओ.एल.एस.) आकलकों के अनपूर्वाग्रह तथा संगतता गुणधर्म को बदलता नहीं है।

Heteroscedasticity does not alter the unbiasedness and consistency properties of OLS estimators.

- (B) OLS आकलन न्यूनतम विसंगति (या दक्षता) के होते हैं।
OLS estimators are of minimum variance or efficient

- (C) BLUE आकलक भारित न्यूनतम वर्गों की विधि द्वारा प्रदान किये जाते हैं।

BLUE estimators are provided by the method of weighted least squares.

- (D) क्लासीकल रैखिक प्रतिगमन मॉडल की मानक मान्यताओं पर आधारित 't' तथा 'F' परीक्षण विश्वसनीय नहीं हो सकते हैं।

't' and 'F' tests based on standard assumptions of classical linear regression model may not be reliable.

उत्तर- (B)/व्याख्या/ विषमविसारिता की उपस्थिति में OLS आकलन न्यूनतम विसंगति (या दक्षता) के होते यह कथन सत्य नहीं है।

बाधा पदों (vi) के सम्बन्ध में मूलभूत मान्यता है कि व्याख्येय चर (x) के सभी प्रेक्षणों पर इन पदों का प्रायिकता बंटन समान रहता है अर्थात् व्याख्येय चर के सभी मानों के लिए प्रत्येक (v) चर का प्रसरण समान होता है।

अर्थात्

$$\text{var}(v_i) = E\{[v_i - E(v_i)]^2\} = E(v_i^2) = \sigma^2 \quad \forall i$$

यहां (σ^2) एक स्थिर मान है।

प्रसरण की ऐसी समरूपता अथवा स्थिर प्रसरण की विशेषता को विषमविसारिता कहते हैं।

यदि विषमविसारिता उपस्थित है तो:

- OLS आकलकों में कोई अभिनती नहीं पाई जाएगी
- OLS गुणांकों का प्रसरण सही प्राप्त नहीं होगा।
- OLS आकलन अदक्ष होंगे।
- विषमविसारिता OLS आकलकों के अनपूर्वाग्रह (unbiasedness)

तथा संगतता गुणधर्म को बदलता नहीं है।

- BLUE आकलन भारत न्यूनतम वर्गों की विधि द्वारा प्रदान किये जाते हैं।
- क्लासिकल रैखिक प्रतीपगमन मॉडल की मानक मान्यताओं पर आधारित 't' तथा 'F' परीक्षण विश्वसनीय नहीं हो सकते हैं।

55. X और Y के बीच सहसम्बन्ध गुणांक 0.3 है और P तथा Q के बीच सहसम्बन्ध गुणांक 0.6 है, तो फिर P और Q के बीच सहसम्बन्ध की घात X और Y के बीच सहसम्बन्ध से कितनी बार ज्यादा होगी?

Correlation coefficient between X and Y is 0.3 and correlation coefficient between P and Q is 0.6, then the strength of correlation between P and Q is higher than between X and Y by

- (A) दो बार/two times (B) तीन बार/three times
(C) चार बार/four times (D) पाँच बार/five times

उत्तर- (C) व्याख्या

X और Y के बीच सहसम्बन्ध गुणांक = 0.3

P और Q के बीच सहसम्बन्ध गुणांक = 0.6

P और Q के बीच सहसम्बन्ध की घात X और Y के बीच सहसम्बन्ध से चार बार ज्यादा है।

56. दो वस्तु की स्थिति में, जहाँ $U =$ उपयोगिता और P_1, P_2 दो वस्तुओं की कीमतें हैं, तो निम्नलिखित में से कौन सी उपभोक्ता संतुलन की स्थितियाँ हैं?

Which of the following are conditions of consumer's equilibrium in a two commodity case where $U =$ utility and P_1 and P_2 are prices of two goods?

- (A) $\delta U / \delta X = 0$
(B) $\delta U_1 / \delta U_2 = 0$
(C) $\delta^2 U / \delta X^2 < 0$
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं/None of the above

उत्तर- (D) व्याख्या दो वस्तुओं की स्थिति में, जहाँ $U =$ उपयोगिता और P_1, P_2 दो वस्तुओं की कीमतें हैं तो उपभोक्ता संतुलन की स्थिति होगी-

$$\frac{\delta f}{\delta x} / \frac{\delta f}{\delta y} = \frac{P_1}{P_2}$$

57. उत्पादन फलन $Q = A[\beta K^{-a} + \alpha L^{-a}]^{-1/a}$ कितनी कोटि का सजातीय है?

The production function $Q = A[\beta K^{-a} + \alpha L^{-a}]^{-1/a}$ is homogeneous of degree

- (A) शून्य/zero (B) एक/one
(C) अनन्तता/Infinity (D) a

उत्तर- (B) व्याख्या $Q = A[\beta K^{-a} + \alpha L^{-a}]^{-1/a}$

जो एक CES प्रकार का उत्पादन फलन है इसमें प्रतिस्थापन की लोच स्थिर होती है तथा यह इकाई सजातीय उत्पादन फलन है जो पैमाने के स्थिर प्रतिफल प्रदान करता है।

58. कुल लागत फलन: $C = 7Q^2 + 26Q + 5$, दिया गया होने पर

$Q = ₹ 5$ पर MC है:

Given the total cost function $C = 7Q^2 + 26Q + 5$, MC at

$Q = ₹ 5$ is

- (A) ₹ 100 (B) ₹ 200
(C) ₹ 85 (D) ₹ 96

उत्तर- (D) व्याख्या 96

$$C = 7Q^2 + 26Q + 5$$

यदि $Q = 5$ है तो MC?

$$\begin{aligned} MC &= \frac{dc}{dQ} = \frac{d(7Q^2 + 26Q + 5)}{dQ} \\ &= 14Q + 26 \\ &= 14 \times 5 + 26 \\ &= 70 + 26 \\ &= 96. \end{aligned}$$

59. निम्नलिखित का मिलान करें:

Match the following:

सूची-I/List-I

सूची-II/List-II

I. जब H_0 मिथ्या है उसकी स्वीकृति

1. सरल यादृच्छिक प्रतिचयन

Acceptance of H_0 when it is false

Simple random sampling

II. माध्य स्वतन्त्रता की कोटि के बराबर है Mean is equal to degrees of freedom

2. टाईप II त्रुटि Type II error

III. जनसंख्या सजातीय है Population is homogeneous

3. धनात्मक रूप से विषम बंटन Positively skewed distribution

IV. माध्य > बहुलक Mean > Mode

4. χ^2 बंटन χ^2 Distribution

कूट/Codes:

	I	II	III	IV
(A)	2	4	3	1
(B)	1	2	3	4
(C)	2	4	1	3
(D)	4	1	2	3

उत्तर- (C) व्याख्या सही सुमेलन है-

सूची- I	सूची- II
(I) जब H_0 मिथ्या है, उसकी स्वीकृति	(2) Type -II Error
(II) माध्य स्वतंत्रता की कोटि के बराबर है	(4) χ^2 बंटन
(III) जनसंख्या सजातीय है	(1) सरल यादृच्छिक प्रतिचयन
(IV) माध्य > बहुलक	(3) धनात्मक रूप से विषम बंटन

60. प्रतिगमन मॉडल के लिये

For the regression model given below

$$Y = \beta_0 + \beta_1 X + U$$

$$Y = 20 + 2X$$

$$SE : 0.46$$

$H_0 : \beta_1 = 2.1$ के विरुद्ध $H_1 : \beta_1 \neq 2.1$ का परीक्षण करने के लिये परीक्षण स्टैटिस्टिक $|t|$ निम्नलिखित के बराबर है:

To test $H_0 : \beta_1 = 2.1$ against $H_1 : \beta_1 \neq 2.1$ (not equal to 2.1), test statistic $|t|$ is equal to

- (A) 4.609 (B) 0.217
(C) 4.34 (D) 0.33

उत्तर- (B) व्याख्या प्रतिगमन मॉडल के लिये

$$Y = \beta_0 + \beta_1 x + U$$

$$Y = 20 + 2x$$

$$SE = 0.46$$

$$H_0 : \beta_1 = 2.1 \text{ के विरुद्ध } H_1 : \beta_1 \neq 2.1$$

का परीक्षण करने के लिये परीक्षण स्टैटिस्टिक $|t|$ 0.217 के बराबर है।

61. प्रतिगमन मॉडल के लिये:

For the regression model

$Y = \beta_0 + \beta_1 X_1 + \beta_2 X_2 + \dots + \beta_k X_k + e_n$ ओब्जरवेशनों के सम्बन्ध में परीक्षण सांख्यिकी/स्टैटिस्टिक 't' की स्वतन्त्रता की कोटि है:

The degrees of freedom of test statistic $|t|$, with n observations is

- (A) $n - k$ (B) $n - k + 1$
(C) $n - k - 1$ (D) $n + k - 1$

उत्तर- (C) व्याख्या परीक्षण की कोटि अधिकतम स्वतंत्र तार्किक मूल्यों को संदर्भित करती है जिनमें नमूने में मूल्यों में मिश्रता को स्वतंत्रता होती है। स्वतंत्रता की कोटि की चर्चा मुख्यतः परिकल्पना परीक्षण में की जाती है।

Degree of freedom refers to the maximum number of logically independent values which are values that have the freedom to vary, in the data sample. Degree of freedom are commonly discussed in relation to various form of hypothesis testing in statistics, such as a chi-square.

प्रतिगमन मॉडल के लिये:

$$Y = \beta_0 + \beta_1 x_1 + \beta_2 x_2 + \dots + \beta_k x_k + e$$

n. observation के सम्बन्ध में परीक्षण सांख्यिकी स्टैटिस्टिक 't' की स्वतंत्रता कोटि है:

$$n - k - 1$$

62. बाजार में करेन्सी की खरीद और साथ ही साथ दूसरे बाजार में उसकी बिक्री करना क्या कहलाता है?

The act of simultaneously buying a currency in one market and selling in another market is called

- (A) सट्टा/Speculation
(B) हाजिर विनिमय (स्पॉटिंग)/Spotting
(C) वायदा विनिमय (या अग्रवण) / Forwarding
(D) विवाचन/Arbitrage

उत्तर- (D) व्याख्या विदेशी मुद्राओं का एक ही साथ इस उद्देश्य से खरीदना तथा विक्रय करना जिससे विभिन्न बाजारों में प्रचलित विदेशी विनिमय दरों में पाये जाने वाले अन्तर का लाभ उठाया जा सके **विवाचन (Arbitrage) कहलाता है।** इस क्रिया में जहाँ आर्बिट्रिजर को लाभ प्राप्त होता है, वहीं दूसरी ओर यह क्रिया दोनों बाजारों में एक ही विनिमय दर स्थापित होने में मदद करती है।

- **स्पॉट एक्सचेंज-** जब विदेशी विनिमय की सुपुर्दगी तत्काल या स्पॉट (उसी स्थान पर) ही देय हो, ऐसी स्थिति में प्रचलित दर का स्पॉट रेट कहते हैं।
- **फारवर्ड एक्सचेंज-** फारवर्ड एक्सचेंज दो पार्टियों के बीच ऐसा समझौता है जिसमें एक पार्टी निश्चित विदेशी विनिमय की मात्रा एक निश्चित भावी तिथि पर घरेलू मुद्रा के बदले एक निश्चित विनिमय दर पर स्वीकार करती है। इस विनिमय दर को फारवर्ड एक्सचेंज रेट कहते हैं।

63. अंतर्राष्ट्रीय रूप से लेन-देन की गई समस्त सेवाएँ किस डब्ल्यू.टी.ओ. समझौते के अंतर्गत शामिल हैं?

All internationally traded services are covered under which of the following WTO agreements?

- (A) गेट्स (जी ए टी एस)/GATS
(B) ट्रिप्स (टी आर आई पी एस)/TRIPS
(C) ट्रिम्स (टी आर आई एम एस)/TRIMS
(D) पी.टी.ए./PTA

उत्तर- (A) व्याख्या अंतर्राष्ट्रीय रूप से लेन-देन की गई समस्त सेवाएँ WTO समझौते के GATS के अंतर्गत आती हैं।

WTO की स्थापना के साथ संगठन के रूप में GATT समाप्त हो गया पर 'गैट समझौता' जो वस्तुओं में व्यापार से सम्बन्धित था, संशोधित रूप में WTO के साथ बना हुआ है पर इसमें दो नये समझौते जोड़ दिये गये हैं-

1. सेवाओं से सम्बन्धित व्यापार के सम्बन्ध में सामान्य समझौता (General Agreement on trade in Services GATS)
2. General Agreement on trade Related Aspects of Intellectual Property rights (TRIPs)

WTO के सेवाओं के क्षेत्रगत वर्गीकरण के अन्तर्गत शैक्षणिक सेवाओं का जिक्र मिलता है इसके 4 उप क्षेत्र हैं। वस्तुओं और सेवाओं की विशेषताओं की भिन्नतायें उन मोड़ या रास्तों को प्रभावित करती हैं जिनमें अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार में वस्तुओं का भौतिक गमन आवश्यक है।

सेवा व्यवहारों के सम्बन्ध में 4 प्रकार के मोड़ हो सकते हैं।

मोड़-1: इसके तहत सेवा-उत्पाद का भौतिक गमन सीमा के आर-पार होता है।

मोड़-2: सेवा निर्यातक देश में उपभोक्ताओं का गमन

मोड़-3: जिस देश में सेवा उपलब्ध करानी है उस देश में एक वाणिज्यिक इकाई या संस्था स्थापित करना।

मोड़-4: किसी देश से नेचुरल परसन का अस्थायी गमन।

64. ब्रेटनवुड्स व्यवस्था:

The Bretton - Woods system

- (A) राष्ट्रों के लिये अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आचरण निभाने के लिये नियम संहिता निर्धारित करती है।
set up a code of rules for nations to follow their conduct of international trade
- (B) राष्ट्रों की भुगतान संतुलन सम्बन्धित अस्थायी समस्याओं के लिये ऋण सुविधाओं की व्यवस्था करती है।
set up borrowing facilities for nation's temporary balance of payments problems
- (C) वर्ष बीतने के साथ कई महत्वपूर्ण ढंग से उद्विकसित हुई है।
Evolved over the years in several important ways
- (D) उपर्युक्त सभी।/All of the above

उत्तर- (D)/व्याख्या/ ब्रेटनवुड्स व्यवस्था:

- (A) राष्ट्रों के लिये अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का आचरण निभाने के लिये नियम संहिता निर्धारित करती है।
- (B) राष्ट्रों की भुगतान संतुलन सम्बन्धित अस्थायी समस्याओं के लिये ऋण सुविधाओं की व्यवस्था करती है।
- (C) वर्ष बीतने के साथ कई महत्वपूर्ण ढंग उद्विकसित (Evolved) हुई है।

65. पूर्ण रोजगार तथा भुगतान संतुलन का साम्य इष्टतम करेन्सी क्षेत्र में स्वचालित रूप से उपलब्ध हो जाएगा:

Full employment and balance of payments equilibrium will be automatically achieved in an optimum currency area

- (A) यदि विनिमय दरें लचीली हैं।
if exchange rates are flexible
- (B) यदि विदेशी पूँजी देश में आती है।
foreign capital flows into the country
- (C) यदि श्रम तथा पूँजी स्वतन्त्र रूप से गतिमान हैं।
if labour and capital move freely
- (D) यदि व्यापार उदारीकृत हो गया है।
if trade is liberalized

उत्तर- (C)/व्याख्या/ पूर्ण रोजगार तथा भुगतान संतुलन का साम्य इष्टतम करेन्सी क्षेत्र में स्वचालित रूप से उपलब्ध हो जाएगा यदि श्रम तथा पूँजी स्वतन्त्र रूप से गतिमान है।

इष्टतम करेन्सी क्षेत्र का तात्पर्य ऐसे देशों के समूह से है जिन्होंने अपनी मुद्राओं को एक स्थिर विनिमय दर प्रणाली द्वारा स्थायी रूप से जोड़ लिया है। परन्तु इन देशों की मुद्राओं की दर गैर-सदस्यीय देशों के साथ लचीली विनिमय दर प्रणाली से जुड़ी होती है। जैसे यूरोपीय देश

66. आर्थिक एकीकरण के उदाहरण हैं:

Examples of economic integration

I. स्वतन्त्र व्यापार क्षेत्र/ Free trade area

II. सीमा शुल्क संघ/Customs union

III. साझा बाजार/Common market

IV. कार्टेल (उत्पादक संघ)/Cartel

(A) I और II सही हैं। (B) II और III सही हैं।

(C) I, II और IV सही हैं। (D) I, II और III सही हैं।

उत्तर- (D)/व्याख्या/ आर्थिक एकीकरण एक प्रक्रिया है जिसमें दो या दो से अधिक देश आपस में प्रतिबंधों को समाप्त करने का समझौता करते हैं- इसमें एकीकरण की कोटि से सम्बन्धित प्रकार बढ़ते क्रम में प्रदर्शित हैं:

एकीकरण का सबसे छोटा रूप	(I) अधिमान (Preferential trade Agreement)
	(II) स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र
	(III) सीमा शुल्क संघ
पूर्ण एकीकरण	(IV) साझा बाजार
	(V) आर्थिक संघ

67. विश्व व्यापार संगठन की मंत्री सभाओं या बैठकों के क्रम को व्यवस्थित करें:

Arrange the order of WTO ministerial

I. सीटल/Seattle

II. कानकुन/Cancun

III. सिंगापुर/Singapore

IV. दोहा/Doha

(A) II, I, III, IV

(B) III, II, I, IV

(C) III, I, IV, II

(D) II, III, I, IV

उत्तर- (C)/व्याख्या/

(III)सिंगापुर	9-13 दिसम्बर, 1996
(I)सीटल	30 नवम्बर - 3 दिसम्बर, 1999
(IV)दोहा	9-14 नवम्बर
(II)कानकुन	10-14 सितम्बर 2003 (मैक्सिको में)

68. कृषि पर विश्व व्यापार संगठन समझौते के अंतर्गत भारत खाद्य तेल से शुल्क की किस अधिकतम दर की उगाही कर सकता है?

Maximum rate of tariff India can levy on edible oil under WTO Agreement on Agriculture is

(A) 100%

(B) 150%

(C) 200%

(D) 300%

उत्तर- (D)/व्याख्या/ कृषि पर विश्व व्यापार संगठन समझौते के अंतर्गत भारत खाद्य तेल से 300% शुल्क की उगाही कर सकता है। WTO के कृषि समझौते कृषि व्यापार तथा घरेलू सहायता एवं नीतियों से सम्बन्धित दीर्घकालीन सुधारों का फ्रेमवर्क है ताकि स्वस्थ प्रतियोगिता को प्रोत्साहित किया जा सके एवं व्यापार को प्रभावित करने वाले तत्वों में कमी लायी जा सके।

इन समझौतों में शामिल है: बाजार पहुँच, घरेलू सहायता, निर्यात प्रतिस्पर्धा, या निर्यात सहायता (अर्थ सहायता)

69. कृषि पर विश्व व्यापार संगठन समझौता समाविष्ट करता है:

WTO Agreement on Agriculture consists of

- I. घरेलू सहायता/सपोर्ट/Domestic support
- II. निर्यात अर्थ साहाय्य/Export subsidies
- III. बाजार पहुँच/Market access
- IV. आगत (इनपुट) सम्बन्धी आर्थिक सहायता
Input subsidies

- (A) I तथा IV सही हैं। (B) II और IV सही हैं।
(C) I, II और III सही हैं। (D) I, II और IV सही हैं।

उत्तर- (C) व्याख्या I, II और III सही है।

- I. घरेलू सहायता/सपोर्ट
- II. निर्यात अर्थ साहाय्य
- III. बाजार पहुँच

70. हैरोड ग्रोथ मॉडल में तटस्थ तकनीकी प्रगति में तकनीकी प्रगति का अभिप्रायः

In Harrod's growth model, neutral technical progress implies technical progress as

- (A) पूँजी को बढ़ाने से है।/Capital augmenting
- (B) श्रम को बढ़ाने से है।/Labour augmenting
- (C) श्रम और पूँजी दोनों को बढ़ाने से है।

Both labour and capital augmenting

- (D) उत्पादकता में वृद्धि करने से है।/Productivity increasing

उत्तर- (B) व्याख्या हैरोड संवृद्धि मॉडल में तटस्थ तकनीकी प्रगति में तकनीकी प्रगति का अभिप्राय श्रम (labour augmenting) को बढ़ाने से है।

हैरोड तटस्थ तकनीकी प्रगति पूँजी-उत्पाद अनुपात पर आधारित है। इसके अनुसार तकनीकी प्रगति तब तटस्थ होती है जब लाभ की एक स्थिर दर पर पूँजी उत्पाद अनुपात भी स्थिर हो। यदि तकनीकी प्रगति के पश्चात एक स्थिर लाभ की दर पर COR बढ़ जाता है तो यह श्रम बचतकारी तकनीकी प्रगति होती है। इसके विपरीत यदि COR घट जाता है तो पूँजी बचतकारी तकनीकी प्रगति होगी।

71. ग्रोथ (संवृद्धि) के दो अंतराल मॉडल में आर्थिक प्रणालियों की संवृद्धि प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले दो अंतराल (रिक्तियाँ) क्या हैं?

Which are the two gaps affecting growth process of an economic system in the two gap model of growth?

- (A) बचत अंतराल तथा निवेश अंतराल
Saving gap and investment gap
- (B) आय अंतराल तथा उपभोग अंतराल
Income gap and consumption gap
- (C) विदेशी विनिमय अंतराल तथा घरेलू बचत अंतराल
Foreign exchange gap and domestic saving gap
- (D) निर्यात अंतराल तथा आयात अंतराल
Export gap and import gap

उत्तर- (C) व्याख्या H.B. चेनरी ने द्वि-अन्तराल मॉडल का विकास किया। इनमें दो अन्तराल हैं

- (I) घरेलू बचत अंतराल
 - (II) विदेशी विनिमय अंतराल
- यदि संवृद्धि की इच्छित दर की प्राप्ति के लिए आवश्यक निवेश की

पूर्ति घरेलू बचतों से नहीं हो पा रही तो यह घरेलू बचत अन्तराल होगा। दूसरी तरफ बचत तथा निवेश के इस Gap को विदेशी सहायता द्वारा भरा जाता है।

72. अभिकथन (A) : नव अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्त उस उत्पादन फलन की जाँच करता है जो वर्द्धमान प्रतिफल दर्शाता है।

Assertion (A) : The new endogeneous growth theory examines production function that shows increasing returns.

कारण (R) : ज्ञान की पूँजी में विशिष्टीकरण तथा निवेश के कारण।

Reason (R) : Because of specialization and investment in knowledge capital.

(A) (A) सत्य है, परन्तु (R) असत्य है।

(A) is true, but (R) is false.

(B) (R) सत्य है, परन्तु (A) असत्य है।

(R) is true, but (A) is false.

(C) (A) और (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

Both (A) and (R) are correct, but (R) is not the correct explanation of (A).

(D) (A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) की सही व्याख्या है।

Both (A) and (R) are correct and (R) is the correct explanation of (A).

उत्तर- (D) व्याख्या नवीन अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्त उत्पादन में वर्द्धमान प्रतिफल को दर्शाता है क्योंकि इनमें पूँजी के दो रूपों भौतिक पूँजी तथा मानव पूँजी को शामिल किया गया है मानव पूँजी (ज्ञान की पूँजी) में विशिष्टीकरण तथा निवेश के कारण ऐसा देखा जाता है कि पूँजी में हसमान प्रतिफलन के स्थान पर वर्द्धमान प्रतिफल प्राप्त होने लगते हैं। इस संकल्पना को अंतर्जात संवृद्धि सिद्धान्तों में दर्शाया गया अतः स्पष्ट है कि कथन व कारण दोनों सत्य हैं एवं कारण कथन की सही व्याख्या है। अंतर्जात संवृद्धि मॉडल के प्रतिपादक पॉल रोमर है बाद में ऐरो आदि ने इनका विकास किया। ये मॉडल तकनीकी प्रगति को उत्पादन फलन में आन्तरिक चर के रूप में लेते हैं।

73. 'स्वर्णिम युग' मॉडल किसने प्रतिपादित किया है?

The 'Golden Age' model was developed by

- (A) निकोलस काल्डर/Nicholas Kaldor
- (B) जॉन रोबिन्सन/Joan Robinson
- (C) जे. आर. हिक्स/J.R. Hicks
- (D) आर. एफ. हैरोड/R.F. Harrod

उत्तर- (B) व्याख्या 'स्वर्णिम युग' मॉडल का प्रतिपादन जॉन राबिन्सन ने किया।

जॉन राबिन्सन के अनुसार पूँजी की वृद्धि दर के अतिरिक्त जनसंख्या वृद्धि दर दूसरा तत्व है जो अर्थव्यवस्था की संवृद्धि दर को निर्धारित

करता है। जब जनसंख्या की वृद्धि दर पूँजी की वृद्धि दर के बराबर हो जाती है तो अर्थव्यवस्था पूर्ण रोजगारीय संतुलन में होती है। इस दशा को स्वर्ण युग कहा जाता है।

$$\frac{\Delta K}{K} = \frac{\Delta N}{N} - \text{स्वर्ण युग}$$

74. विकासशील देशों की व्यापार शर्तें प्रतिकूल होती हैं क्योंकि जब भी विकसित देशों में आय में वृद्धि होती है प्राथमिक वस्तुओं के लिये माँग बढ़ जाती है क्योंकि:

Terms of Trade of the developing countries are unfavourable due to the fact that whenever income in developed countries increases the demand for primary goods reduces because

- (A) प्राथमिक वस्तुओं के लिये माँग की आय लोच अधिक होती है।
Income elasticity of demand for primary goods is high.
- (B) प्राथमिक वस्तुओं के लिये माँग की आय लोच कम होती है।
Income elasticity of demand for primary goods is low.
- (C) प्राथमिक वस्तुओं के लिये माँग की आय लोच तटस्थ होती है।
Income elasticity of demand is neutral towards primary goods.
- (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं।/None of the above

उत्तर- (B) व्याख्या विकासशील देशों में व्यापार की शर्तें प्रतिकूल होती हैं, क्योंकि जब भी विकसित देशों में आय में वृद्धि होती है प्राथमिक वस्तुओं के लिये माँग घट जाती है क्योंकि प्राथमिक वस्तुओं के लिए माँग की आय लोच कम होती है। जैसा कि ऐंजल ने अपने नियम में दर्शाया कि आय के बढ़ने पर खाद्यानों में आय कम मात्रा में व्यय होती है।

75. टी. डब्लू. शुल्जे ने आर्थिक संवृद्धि के लिये शिक्षा के सम्बन्ध में निम्नलिखित अनुपात दिये हैं:

T.W. Schultz has given the following ratios in relation to education for economic growth:

- (A) शिक्षा, पूँजी तथा श्रम अनुपात
Education capital and labour ratio
- (B) शिक्षा-श्रम अनुपात/Education labour ratio
- (C) शिक्षा-आय अनुपात/Education-income ratio
- (D) शिक्षा-श्रम अनुपात, शिक्षा-आय अनुपात तथा शिक्षा-निवेश अनुपात
Education labour ratio, education income ratio and education investment ratio

उत्तर- (D) व्याख्या टी० डब्लू शुल्ज 1961 ने आर्थिक संवृद्धि में पहली बार परिमाणात्मक साक्ष्य के द्वारा मानव पूँजी के महत्व को उजागर किया।

इन्होंने शिक्षा के सम्बन्ध में 3 अनुपात दिए:

1. शिक्षा श्रम अनुपात
2. शिक्षा आय अनुपात
3. शिक्षा निवेश अनुपात